

साकार मुरली प्रश्नोत्तरी - ज्ञान के महासागर में गोता लगाने का एक प्रयास

"ज्ञान का पठन-पाठन केवल बुद्धि की प्यास नहीं बुझाता, बल्कि यह आत्मा के संस्कारों को ईश्वरीय रंग में रंगने का एक दिव्य अनुष्ठान है।"

ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय में साकार मुरलियाँ केवल शब्द नहीं, बल्कि साक्षात् निराकार परमपिता परमात्मा शिव के महावाक्य हैं, जो उन्होंने 1951 से 18 जनवरी 1969 तक प्रजापिता ब्रह्मा के माध्यम से हम बच्चों को सुनाए। ये महावाक्य हमारा आध्यात्मिक पथ प्रदर्शन करते हैं और हमें ईश्वरीय अनुशासन में ढालते हैं। मुरली केवल एक आध्यात्मिक पाठ नहीं है, बल्कि आत्मिक जागृति, चरित्र निर्माण और ईश्वरीय जीवन-पद्धति का मार्गदर्शक है।

प्रस्तुत पुस्तक साकार मुरली प्रश्नोत्तरी संकलन साकार मुरलियों पर आधारित एक प्रश्नोत्तरी शृंखला है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह पिछले चार वर्षों की मुरलियों के चुनिंदा प्रश्नों का एक व्यवस्थित संग्रह है। जैसा कि हम जानते हैं कि लगभग चार वर्षों में मुरलियों का चक्र (Revision Cycle) पुनः पूरा होता है, अतः इस पुस्तक के माध्यम से जिज्ञासुओं को सम्पूर्ण साकार मुरलियों का सूक्ष्म अवलोकन करने का एक अनूठा अवसर प्राप्त होता है।

प्रश्नोत्तरी (क्विज) ज्ञान के अध्ययन को अधिक रोचक, प्रभावशाली और स्मरणीय बनाने का एक उत्कृष्ट माध्यम है। प्रश्नों के माध्यम से पाठक न केवल अपने ज्ञान का परीक्षण कर सकता है, बल्कि मुरली के गूढ़ बिंदुओं पर पुनः चिंतन करने का अवसर भी प्राप्त करता है। क्विज अध्ययन में एकाग्रता बढ़ाती है, स्मरण शक्ति को सुदृढ़ करती है तथा मुरली के महावाक्यों को व्यवहारिक जीवन में उतारने की प्रेरणा देती है। यह आत्म-परीक्षण का भी एक प्रभावी साधन है, जिसके द्वारा साधक यह समझ सकता है कि उसने ईश्वरीय ज्ञान को कितना आत्मसात किया है।

इस पुस्तक की प्रमुख विशेषताएं:

व्यापक कवरेज: यह संकलन चार वर्षों के मुरली पाठ्यक्रम को समेटे हुए है, जिससे सम्पूर्ण साकार मुरलियों का रिवीजन हो जाता है।

क्रमबद्ध अध्ययन: पुस्तक 86 भागों में विभाजित है, जिसमें प्रत्येक भाग में 32 प्रश्न हैं। यह संरचना पाठकों को प्रतिदिन के पुरुषार्थ में सहायता करती है।

गहन विश्लेषण: प्रत्येक प्रश्न के 4 या कहीं कहीं 5 विकल्प दिए गए हैं। कुछ प्रश्नों में एक से अधिक विकल्प सही प्रतीत हो सकते हैं, परंतु यहाँ 'सबसे उपयुक्त' और 'मुरली महावाक्य' पर आधारित विकल्प ही सही उत्तर माना गया है।

प्रामाणिक स्पष्टीकरण: सभी उत्तरों के स्पष्टीकरण सीधे मुरली महावाक्यों से उद्धृत किए गए हैं, जो ज्ञान की शुद्धता और प्रामाणिकता को सुनिश्चित करते हैं।

धारणा हेतु उपयुक्त: प्रश्नोत्तरी की यह पद्धति हमें मुरली के उन बारीक पॉइंट्स पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित करती है, जो अक्सर स्वाध्याय के दौरान छूट जाते हैं।

यह पुस्तक केवल प्रश्नों का एक संकलन मात्र नहीं है, बल्कि मुरली के गहन ज्ञान को अपनी धारणा में पक्का करने का एक माध्यम है। हमें विश्वास है कि यह प्रयास सभी बीके भाई-बहनों के लिए मुरली कक्षा और व्यक्तिगत पुरुषार्थ में एक अत्यंत सहायक मार्गदर्शिका सिद्ध होगा।

यह पुस्तक आपको बाबा की शिक्षाओं के और करीब लाए और आपकी आध्यात्मिक उन्नति की गति को तीव्र करे, मुरली अध्ययन को अधिक व्यवस्थित, रुचिकर और गहन बनाने में सहायक बने तथा प्रत्येक पाठक को ज्ञान, योग और धारणा की उन्नति की प्रेरणा प्रदान करे—इसी मंगल कामना के साथ यह विनम्र प्रस्तुति समर्पित है।

ॐ शान्ति

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (1)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें

प्रश्न 1- स्कॉलरशिप की माला होती है ?

- A- 8
- B- 100
- C- 16000
- D- 108

प्रश्न 2- कौन से निश्चय बिना ज्ञान देना टाइम वेस्ट करना है ?

- A- अल्फ के
- B- आत्मा के
- C- सृष्टिचक्र के
- D- ड्रामा के

प्रश्न 3- खुदाई बगीचा है ?

- A- सतयुग, त्रेता
- B- संगमयुग
- C- सतयुग
- D- शूद्र से ब्राह्मण बनना

प्रश्न 4- बाप हमें किचड़े के डिब्बे से निकाल गुल-गुल बनाते हैं। किचड़े का डिब्बा अर्थात -

- A- पुरानी दुनिया
- B- कलियुग
- C- तमोप्रधान
- D- विषय वैतरणी नदी

प्रश्न 5- यह है अमूल्य जीवन, क्योंकि-

- A- भगवान से पढ़ रहे हैं।
- B- तुम ईश्वरीय सन्तान हो।
- C- ब्राह्मण बने हैं।
- D- पतित से पावन बन रहे हैं।

प्रश्न 6- सदा हर कर्म करते हुए अपने को आत्मा अनुभव करो ?

- A- निमित्त
- B- कर्मयोगी
- C- कम्बाइण्ड
- D- विश्व कल्याणकारी

प्रश्न 7- स्वर्ग का गेट कौन पार करते हैं ?

- A- शिवबाबा
- B- श्रीकृष्ण
- C- ब्रम्हाबाबा
- D- बाबा मम्मा

प्रश्न 8- किस को जानने से परमात्मा को फट से जान जायेंगे ?

- A- ड्रामा को
- B- आत्मा को
- C- सृष्टिचक्र को
- D- ब्रह्मा को

प्रश्न 9- गेट वे टू हेविन है -

- A- सृष्टिचक्र

- B- कलियुग अन्त
- C- गोले पर जहाँ संगम दिखाया है
- D- सीढ़ी

प्रश्न 10- स्वर्ग में जाने का गेट दिखलाते हैं -

- A- ब्रह्मा बाबा
- B- सीढ़ी
- C- गोला
- D- शिवबाबा

प्रश्न 11- अहो सौभाग्य यदि यह भी याद रहे कि -

- A- हम अभी शूद्र से ब्राह्मण बने हैं।
- B- भण्डारे में भी योग में रह भोजन बनायें तो।
- C- हम अभी संगमयुगी हैं।
- D- हम ईश्वरीय संतान हैं।

प्रश्न 12- किसको कहते हैं असोच अर्थात् एक की याद ?

- A- बाबा और हम कम्बाइण्ड हैं, करावनहार बाबा है
- B- सर्व सम्बन्ध एक बाप से
- C- मेरा तो एक शिव बाबा
- D- बाबा ही मेरा संसार है

प्रश्न 13- क्या तुम कभी भूल नहीं सकते ?

- A- हम आत्मा सूक्ष्म हैं।
- B- निराकार की महिमा है।
- C- गीता का भगवान श्रीकृष्ण नहीं, शिव है।
- D- गीता का भगवान हमको पढ़ाते हैं।

प्रश्न 14- किस को माया का पादर (जूता) मारना कहते हैं ?

- A- रोना
- B- पीटना
- C- बेहाल होना
- D- उपर्युक्त सभी

प्रश्न 15- आधा-आधा है -

- A- ब्रह्मा का दिन और ब्रह्मा की रात
- B- ज्ञान मार्ग और भक्ति मार्ग
- C- प्रवृत्ति मार्ग और निवृत्ति मार्ग
- D- A और B
- E- A, B और C

प्रश्न 16- अलग पर्याय (समान अर्थ वाले विकल्प) का चुनाव कीजिए ?

- A- मूवी
- B- ब्रह्म तत्व
- C- मुक्तिधाम
- D- साइलेन्स

प्रश्न 17- जो आये उनको नई दुनिया और पुरानी दुनिया का फ़र्क दिखाना चाहिए। इसके लिए सबसे अच्छा चित्र -

- A- गोला
- B- कल्पवृक्ष
- C- सीढ़ी
- D- झाड़

प्रश्न 18- जो बहुत थोड़ा धीरे से बोलते हैं तो समझते हैं यह -

- A- रॉयल घर का है।
- B- दैवीगुण वाला है।

- C- अच्छे संस्कार वाले है।
- D- शांत स्वभाव का है।

प्रश्न 19- सबसे अच्छा दैवीगुण है ?

- A- सब को सुख देना
- B- शान्त रहना
- C- अधिक आवाज़ में न आना
- D- मीठा बोलना

प्रश्न 20- अभी नर्कवासी कौन है ?

- A- मनुष्य
- B- हम ब्राह्मण बच्चे
- C- आस्तिक
- D- नास्तिक

प्रश्न 21- भगवान की भाषा क्या है ?

- A- शुभभावना की
- B- हिन्दी
- C- दिल की
- D- संकल्प की

प्रश्न 22- मोहजीत का टाइटिल किस को मिला हुआ है ?

- A- सतयुगी देवताओं को
- B- हम ब्राह्मण बच्चों को
- C- संन्यासियों को
- D- राजा को

प्रश्न 23- महाभारत लड़ाई के समय -

- A- पाण्डव, कौरव, यादव सब हैं।
- B- अनेक धर्म हैं,
- C- दुनिया भी तमोप्रधान है,
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 24- यह ड्रामा बना बनाया है, इसे कोई ने बनाया नहीं इसलिए -

- A- आदि और अन्त नहीं है।
- B- कल्याणकारी हैं।
- C- 5000 वर्ष का है ।
- D- एक्युरेट है।

प्रश्न 25- जितना कम्बाइण्ड-रूप का अनुभव बढ़ाते जायेंगे उतना -

- A- ब्राह्मण जीवन बहुत प्यारी, मनोरंजक अनुभव होगी
- B- अतीन्द्रिय सुख का अनुभव होगा
- C- माया प्रूफ बनेंगे
- D- हर पल बाबा के साथ का अनुभव होगा

प्रश्न 26- क्या ट्रायल करके देखना है ?

- A- याद का चार्ट रखना है।
- B- योग में बहुत मेहनत है।
- C- कर्म में कितना समय बाप की याद रहती है।
- D- एक सेकंड में फुल स्टॉप लगाना।

प्रश्न 27- अपने से जो सीनियर हैं, उनका जरूर रखना है ?

- A- आदर
- B- रिगार्ड
- C- मान
- D- सम्मान

प्रश्न 28- मेहनत है ?

- A- योग में
- B- राजा-रानी का पद पाने में
- C- यह लक्ष्मी-नारायण बनने में
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 29- अनुसार ही सारा पार्ट बज रहा है ?

- A- ड्रामा
- B- कुदरत
- C- रचयिता
- D- आत्मा

प्रश्न 30- कौन-सा मुख्य एक पुरुषार्थ स्कॉलरशिप लेने का अधिकारी बना देता है ?

- A- अन्तर्मुखता का
- B- कल्याणकारी बनना
- C- आत्म अभिमानी
- D- स्व सेवा और विश्व सेवा का बैलेंस

प्रश्न 31- सन्तुष्टमणि बनो तो क्या बन जायेंगे ?

- A- प्रभु प्रिय
- B- लोकप्रिय
- C- स्वयंप्रिय
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 32- कौन सा पुरुषार्थ करना बुद्धि का काम है -

- A- देह और देह के सम्बन्ध को छोड़ अपने को अशरीरी आत्मा समझना
- B- स्थूल सेवा करना
- C- साक्षात्कार करना
- D- ज्ञान धारण कर औरों को भी कराना

भाग (1) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- A. 8

नम्बरवन को ही स्कॉलरशिप मिलती है। यह लक्ष्मी-नारायण स्कॉलरशिप लिये हुए हैं। फिर हैं नम्बरवार। बहुत बड़ा इम्तहान है ना। स्कॉलरशिप की ही माला बनी हुई है। 8 रत्न हैं ना। 8 हैं फिर हैं 100, फिर हैं 16 हजार।

उत्तर 2- A. अल्फ

"मीठे बच्चे - हर एक की नब्ज देख पहले उसे अल्फ का निश्चय कराओ फिर आगे बढ़ो, अल्फ के निश्चय बिना ज्ञान देना टाइम वेस्ट करना है"

उत्तर 3- C. सतयुग

बुलाते भी हैं कि बाबा आकर हमको गुल-गुल बनाओ। कांटों के जंगल से निकाल फलावर बनाओ। खुदाई बगीचे (सतयुग) में बिठाओ। अब असुरों के जंगल में पड़े हैं। बाप तुम बच्चों को गार्डन में ले चलते हैं। शुद्र से ब्राह्मण बने हैं फिर देवता बनेंगे। यह देवताओं की राजधानी है।

उत्तर 4- C. तमोप्रधान

बाप हमें किचड़े के डिब्बे से निकाल गुल-गुल बनाते हैं। आसुरी गुण वालों को दैवी गुणवान बनाते हैं। ड्रामा अनुसार बाप ने आकर हमें किचड़े से निकाल एडाट किया है। किचड़े का डिब्बा अर्थात् तमोप्रधान

उत्तर 5- B. तुम ईश्वरीय सन्तान हो

तुम बच्चों की बुद्धि में है कि अभी हम ब्राह्मण बने हैं देवता बनने के लिए। यह है अमूल्य जीवन क्योंकि तुम ईश्वरीय सन्तान हो। ईश्वर तुमको राजयोग सिखला रहे हैं, पतित से पावन बना रहे हैं। पावन देवता बनते हैं।

उत्तर 6- B. कर्मयोगी

सदा हर कर्म करते हुए अपने को कर्मयोगी आत्मा अनुभव करो। कोई भी कर्म करते हुए याद भूल नहीं सकती। कर्म और योग -

दोनों कम्बाइन्ड हो जाएं। जैसे कोई जुड़ी हुई चीज़ को अलग नहीं कर सकता, ऐसे कर्मयोगी बनो।

उत्तर 7- B.श्रीकृष्ण

गीता का भगवान कौन? स्वर्ग का गेट कौन खोलते हैं? खोलता है शिवबाबा। श्रीकृष्ण उस गेट से पार करता है। मुख्य चित्र है ही दो। बाकी तो रेज़गारी है।

उत्तर 8- B.आत्मा

ऐसे नहीं सिर्फ परमात्मा को नहीं जानते। आत्मा को भी नहीं जानते। आत्मा को जान जाएं तो परमात्मा को फट से जान जायें। बच्चा अपने को जाने और बाप को न जाने तो चल कैसे सकते? तुम तो अभी जानते हो आत्मा क्या है, कहाँ रहती है?

उत्तर 9- C.गोले पर जहाँ संगम दिखाया है

गोले (सृष्टि चक्र) के चित्र में स्वर्ग जाने का गेट सिद्ध होता है। यही राइट है। ऊपर में उस तरफ है नर्क का गेट, उस तरफ है स्वर्ग का गेट। बिल्कुल क्लीयर है। यहाँ से सब आत्मायें भागती हैं शान्तिधाम फिर आती हैं स्वर्ग में। यह गेट है। सारे चक्र को भी गेट नहीं कहेंगे। गोले पर ऊपर में जहाँ संगम दिखाया है वह है पूरा गेट। जिससे आत्मायें निकल जाती हैं, फिर नई दुनिया में आती हैं। बाकी सब शान्तिधाम में रहती हैं। कांटा दिखाता है - यह नर्क है, वह स्वर्ग है। सबसे अच्छा फर्स्टक्लास समझाने का यह चित्र है। बिल्कुल क्लीयर है, गेट वे टू हेविन।

उत्तर 10- D.शिवबाबा

गीता का भगवान कौन? स्वर्ग का गेट कौन खोलते हैं? खोलता है शिवबाबा। श्रीकृष्ण उस गेट से पार करता है। मुख्य चित्र है ही दो। बाकी तो रेज़गारी है।

उत्तर 11- A.हम अभी शूद्र से ब्राह्मण बने हैं

बाप अच्छी रीति समझाते हैं अपने पर रहम करो। हम ऊंचे ते ऊंच बनें। हम अभी शूद्र से ब्राह्मण बने हैं। अहो सौभाग्य। फिर देवता बनेंगे। यह संगमयुग बहुत कल्याणकारी है।

उत्तर 12- A.बाबा और हम कम्बाइन्ड है, करावनहार बाबा है

बाबा और हम" - कम्बाइन्ड हैं, करावनहार बाबा और करने के निमित्त मैं आत्मा हूँ - इसको कहते हैं असोच अर्थात् एक की याद।

उत्तर 13- C.गीता का भगवान श्रीकृष्ण नहीं, शिव है

अब श्रीकृष्ण है कहाँ? ढूँढ़ते रहेंगे, जब तक तुमसे सुनें कि गीता का भगवान श्रीकृष्ण नहीं, शिव है। तुम्हारी बुद्धि में तो यह बात पक्की है। यह तुम कभी भूल नहीं सकते। कोई को भी तुम समझा सकते हो गीता का भगवान श्रीकृष्ण नहीं, शिव है। दुनिया में तो कोई भी नहीं कहेगा सिवाए तुम बच्चों के।

उत्तर 14- D.उपयुक्त सभी

आज किसको समझाया, कल फिर घुटका आने से खुशी गुम हो जाती है। समझना चाहिए यह माया का वार होता है इसलिए पुरुषार्थ कर बाप को याद करना है। बाकी रोना, पीटना वा बेहाल नहीं होना है। समझना चाहिए माया पादर (जूता) मारती है इसलिए पुरुषार्थ कर बाप को याद करना है। बाप की याद से बहुत खुशी रहेगी।

उत्तर 15- D. A और B

ऐसे नहीं कि बाप नई सृष्टि रचते हैं। जब पतित होते हैं तब ही पुकारते हैं, सतयुग में कोई पुकारते नहीं। है ही पावन दुनिया। रावण पतित बनाते हैं, परमपिता परमात्मा आकर पावन बनाते हैं। आधा-आधा जरूर कहेंगे। ब्रह्मा का दिन और ब्रह्मा की रात आधा-आधा है। ज्ञान मार्ग से दिन होता है, वहाँ अज्ञान है नहीं। भक्ति मार्ग को अन्धियारा मार्ग कहा जाता है।

उत्तर 16- A.मूवी

एक ही देवीगुण अच्छा है। जास्ती कोई से न बोलना, मीठा बोलना, बहुत थोड़ा बोलना चाहिए क्योंकि तुम बच्चों को टॉकी से मूवी, मूवी से साइलेन्स में जाना है। तो टॉकी को बहुत कम करना चाहिए।

उत्तर 17- A.गोला

बाबा ने बहुत बार समझाया है, फिर भी समझाते हैं, जो आये उनको नई दुनिया और पुरानी दुनिया का फ़र्क दिखाना चाहिए। इसके लिए गोला का चित्र सबसे अच्छा है। भल वह क्या भी कहे, कोई 10 हज़ार वर्ष आयु कहते हैं, कोई 30 हज़ार वर्ष आयु कहते हैं। अनेक मतें हैं ना। अब उन्हीं के पास तो है ही शास्त्रों की मत। अनेक शास्त्र, अनेक मत। मनुष्यों की मत है ना।

उत्तर 18- A.रॉयल घर का है

जो बहुत थोड़ा धीरे से बोलते हैं तो समझते हैं यह रॉयल घर का है। मुख से सदैव रत्न निकलें।

उत्तर 19- C.अधिक आवाज में न आना

सबसे अच्छा दैवीगुण है शान्त रहना, अधिक आवाज़ में न आना, मीठा बोलना, तुम बच्चे अभी टॉकी से मूवी, मूवी से साइलेन्स में जाते हो, इसलिए अधिक आवाज़ में न आओ"

उत्तर 20- A.मनुष्य

आदि सनातन देवी-देवता धर्म की भगवान ही आकर स्थापना करते हैं, जो (मनुष्य) नर्कवासी हैं वही फिर सतयुगी स्वर्गवासी बनते हैं। अभी तुम नर्कवासी नहीं हो। अभी तुम हो संगमयुग पर। संगम होता है बीच का।

उत्तर 21- B.हिन्दी

भगवान की भाषा क्या है, यह कोई जानते नहीं। ऐसे तो नहीं, बाबा सब भाषाओं में बोलेंगे। नहीं, उनकी भाषा है ही हिन्दी। बाबा एक ही भाषा में समझाते हैं फिर ट्रांसलेट कर तुम समझाते हो।

उत्तर 22- A.सतयुगी देवताओं को

देही-अभिमानि होने के कारण सतयुगी देवताओं को मोहजीत का टाइटिल मिला हुआ है क्योंकि वहाँ समझते हैं हम आत्मा हैं, अब यह शरीर छोड़ दूसरा लेना है। मोहजीत राजा की भी कथा है ना। बाप समझाते हैं देवी -देवता मोहजीत होते हैं। खुशी से एक शरीर छोड़ दूसरा लेना है। बच्चों को सारी नॉलेज बाप द्वारा मिल रही है। तुम ही चक्र लगाकर अब फिर आए मिले हो।

उत्तर 23- D.उपरोक्त सभी

वह हैं जिस्मानी पण्डे, तुम हो रूहानी पण्डे इसलिए तुम्हारा नाम पाण्डव गवर्मेन्ट भी है, परन्तु गुप्त। पाण्डव, कौरव, यादव क्या करत भये। इस समय की बात है जबकि महाभारत लड़ाई का समय भी है। अनेक धर्म हैं, दुनिया भी तमोप्रधान है, वैराइटी धर्मों का झाड़ सारा पुराना हो गया है।

उत्तर 24- A.आदि और अन्त नहीं है

पहले-पहले तुमको आत्मा का ज्ञान मिलता है। तुम जानते हो हम आत्मायें परमधाम से एक्टर बन पार्ट बजाने आये, अभी नाटक पूरा होता है, यह ड्रामा बना बनाया है, इसे कोई ने बनाया नहीं इसलिए इसका आदि और अन्त भी नहीं है।

उत्तर 25- A.ब्राह्मण जीवन बहुत प्यारी, मनोरंजक अनुभव होगी

बाप को कम्पेनियन तो बनाया है अब उसे कम्बाइण्ड रूप में अनुभव करो और इस बार-बार चेक करो कि क्या मैं कम्बाइण्ड हूँ, किनारा तो नहीं कर लिया? जितना कम्बाइण्ड-रूप का अनुभव बढ़ाते जायेंगे उतना ब्राह्मण जीवन बहुत प्यारी, मनोरंजक अनुभव होगी।

उत्तर 26- C.कर्म में कितना समय बाप की याद रहती है

योग में बहुत मेहनत है, ट्रायल करके देखना है कि कर्म में कितना समय बाप की याद रहती है! याद में रहने से ही कल्याण है

उत्तर 27- B. रिगार्ड

जो बच्चे सीनियर हैं, उनका रिगार्ड रखो। रिगार्ड नहीं रखते तो अपने ऊपर पाप का बोझा चढ़ाते हैं। बहुत-बहुत मीठा बनना है। देह-अभिमान में नहीं आना है।

उत्तर 28- D.उपरोक्त सभी

राजा-रानी का पद पाने में मेहनत है। जो मेहनत करेंगे वही ऊंच पद पायेंगे, तुम यहाँ आये ही हो - यह लक्ष्मी-नारायण बनने, इसमें मेहनत है। भल स्वर्ग में जायेंगे परन्तु सजायें खाकर फिर पिछाड़ी में आकर पद पायेंगे थोड़ा-सा। समझते हो यह तो नम्बरवन में जाने वाला है, जरूर ज्ञान और योग ठीक होगा। *फिर भी बाबा कहते हैं योग में बहुत मेहनत है।

उत्तर 29- A.ड्रामा

तुम बच्चे जानते हो यह ड्रामा चल रहा है सेकण्ड बाई सेकण्ड। यह बुद्धि में याद रहे तो भी तुम अच्छी रीति स्थिर रहेंगे। यहाँ बैठे हो तो भी बुद्धि में रहे यह सृष्टि चक्र जूँ मुआफिक कैसे फिरता रहता है। सेकण्ड-सेकण्ड टिक-टिक होती रहती है। ड्रामा अनुसार ही सारा पार्ट बज रहा है।

उत्तर 30- A.अन्तर्मुखता का

अन्तर्मुखता का। तुम्हें बहुत अन्तर्मुखी रहना है। बाप तो है कल्याणकारी। कल्याण के लिए ही राय देते हैं। जो अन्तर्मुखी योगी बच्चे हैं वह कभी देह-अभिमान में आकर रूसते वा लड़ते नहीं।

उत्तर 31- D.उपरोक्त सभी

सन्तुष्ट मणी बनो तो प्रभु प्रिय, लोकप्रिय और स्वयंप्रिय बन जायेंगे।

उत्तर 32- A.देह और देह के सम्बन्ध को छोड़ अपने को अशरीरी आत्मा समझना

बाबा तो उठाने लिए महिमा भी करते हैं। पुचकार दे उठाऊंगा। तुम तो बहुत अच्छे हो। स्थूल सेवा में भी अच्छे हो। परन्तु यथार्थ रीति बैठ बताते हैं कि मंजिल बहुत भारी है। देह और देह के सम्बन्ध को छोड़ अपने को अशरीरी आत्मा समझना - यह पुरुषार्थ करना बुद्धि का

काम है

भाग - (2)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- कब कुछ बुद्धि में बैठे -

- A- अपने को आत्मा समझ और बाप को याद करें
- B- ज्ञान सुनाते हैं तो
- C- पारसबुद्धि बनो तो
- D- मनन चिंतन करें तो

प्रश्न 2- अब यह नाटक पूरा होता है, तुम्हें वापिस घर जाना है, इसलिए -

- A- अपना सब कुछ सफल कर लो
- B- घर को याद करो
- C- ट्रस्टी बनो
- D- इस दुनिया से ममत्व मिटा दो

प्रश्न 3- रावण ने बिल्कुल ही उल्टा बना दिया है। अब बाप सुल्टा बनाते हैं। सुल्टा बनाते अर्थात् -

- A- पावन बनाते
- B- देवता बनाते
- C- देही-अभिमानी बनाते
- D- कांटे से फूल बनाते

प्रश्न 4- जो कुछ इन आँखों से देखते हो -

- A- मित्र-सम्बन्धी आदि खत्म हो जाने हैं
- B- विनाश होना है
- C- ममत्व नहीं रखो
- D- सब कुछ मिट्टी में मिल जाना है

प्रश्न 5- किसके बाद जरूर स्वर्ग आयेगा ?

- A- कलियुग
- B- संगमयुग
- C- विनाश
- D- महाभारत लड़ाई के बाद

प्रश्न 6- हम सो के बारे में सही पर्याय का चुनाव कीजिए ?

- A- हम सो देवता क्षत्रिय.....
- B- हम सो पहले-पहले सतोप्रधान थे फिर सतो रजो तमो में आते हैं।
- C- हम आत्मा हैं फिर आत्मा वर्णों में आती है।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 7- क्रोध को किस रूप में परिवर्तित करो ?

- A- रुहानी खुमारी के रूप में
- B- शुभ कामना के रूप में
- C- अनासक्त वृत्ति के रूप में
- D- स्वाभिमान के रूप में

प्रश्न 8- अपनी बुद्धि बेहद में कैसे रखनी है ?

- A- हृद की इच्छाओं का त्याग कर
- B- बेहद के वैरागी बन
- C- बेहद बाप द्वारा बेहद की बातें सुनकर
- D- आत्म अभिमानी बन

प्रश्न 9- देवताओं की पूजा करते हैं तो -

- A- भक्ति मार्ग के ठहरे
- B- देवता धर्म के ठहरे
- C- आस्तिक ठहरे
- D- नास्तिक ठहरे

प्रश्न 10- गीता में कौन से अक्षर हैं ?

- A- मूसल
- B- बाम्बस
- C- मिसाइल्स
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 11- परमपिता परम आत्मा यानी-

- A- सभी आत्माओं का पिता
- B- सुप्रीम
- C- उंचे ते ऊंच
- D- बाप

प्रश्न 12- अलग पर्याय का चुनाव कीजिए ?

- A- चन्द्रवंशी
- B- दो कला कम
- C- सतो
- D- सतोप्रधान

प्रश्न 13- तुम बच्चे जानते हो बाप हमको अभी कितने जन्मों के लिए इनशोर कर रहे हैं ?

- A- 40-50
- B- 84
- C- 21
- D- 8

प्रश्न 14- वो लोग इनशोर करते हैं -

- A- अगले जन्म के लिये
- B- कि मर जाएं तो उनके परिवार को पैसा मिले।
- C- 1 जन्म के लिए
- D- पुरानी दुनिया के लिए

प्रश्न 15- बुद्धि में कौन सी खुशी रहनी चाहिए ?

- A- अमरपुरी में राज्य करेंगे
- B- 84 जन्म में भिन्न-भिन्न नाम, रूप, देश, काल फिरते आये हैं।
- C- तुम कभी मरेंगे नहीं
- D- नई दुनिया में जाने की

प्रश्न 16- सर्विसएबुल बच्चों को बाप का डायरेक्शन है ?

- A- आराम हराम है।
- B- योग में रहकर सर्विस।
- C- रूहानी सर्विस का शौक रखना है।
- D- सदा निमित्त भाव

प्रश्न 17- किस को चैतन्य में इन आंखों से देख नहीं सकते ?

- A- ब्रह्मा-विष्णु-शंकर
- B- श्रीकृष्ण को
- C- देवताओं को
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 18- सेवाधारी बच्चों को कौन सा वरदान प्राप्त हो जाता है ?

- A- विश्व कल्याण का
- B- आधारमूर्त बनने का
- C- कम्बाइण्ड रहने का
- D- विजयी रत्न का

प्रश्न 19- माया नाक से पकड़ लेती है, अर्थात् -

- A- देह में फँसा देती है।
- B- बाप को याद करने नहीं देती।

- C- बच्चों को भी विकारों में गिरा देती।
D- बाप से बेमुख कर देती है।

प्रश्न 20- परमात्मा के बारे में कौन सा कथन सत्य है -

- A- त्रिकालदर्शी,
B- त्रिमूर्ति,
C- त्रिनेत्री,
D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 21- माया का डायरेक्शन है -

- A- शिवबाबा का ज्ञान मत सुनो
B- हियर नो ईविल.
C- विकार में जाओ
D- शिव बाबा को याद मत करो

प्रश्न 22- बाबा ने कहा है मेरे को याद करो तो गैरन्टी है -

- A- तुम्हारे विकर्म विनाश होंगे।
B- तुम सतोप्रधान बनेंगे।
C- पावन बनेंगे।
D- सदा साथ का अनुभव होगा।

प्रश्न 23- अगर तुम पुण्य आत्मा बन ऊंच पद पाना चाहते हो तो उसमें है फर्स्ट।

- A- पवित्रता
B- पढ़ाई
C- याद
D- मन्सा सेवा

प्रश्न 24- तुम्हारे पर कितने जन्मों के पाप हैं ?

- A- 42
B- 63
C- 83
D- 8

प्रश्न 25- अपना और दूसरों का कल्याण कैसे करना है ?

- A- याद से
B- ज्ञान और योग में तीखा बन
C- हाँस्पिटल खोल के
D- सभी को मुक्ति जीवन मुक्ति का रास्ता दिखा कर

प्रश्न 26- तुम्हारा मुख्य चित्र है ही -

- A- त्रिमूर्ति,
B- गोला,
C- झाड़ू,
D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 27- तुम बच्चों में भी जिनको ऊंच मर्तबा लेना है वह -

- A- जास्ती याद में रहने का पुरुषार्थ करते हैं।
B- समाचार भी लिखते हैं कि बाबा हम इतना समय याद में रहता हूँ।
C- भारतवासी ही होंगे
D- A और B
E- A, B और C

प्रश्न 28- साधू-सन्त ऋषि-मुनि आदि सब साधना करते हैं। साधना क्यों की जाती है ?

- A- भगवान से मिलने के लिए
B- मुक्ति में जाने के लिए
C- मोक्ष प्राप्ति के लिये
D- शांति के लिए

प्रश्न 29- रात के राही थक मत जाना....., इस गीत में राही किसके लिए आया है ?

- A- जीव आत्मा
- B- यात्री, मुसाफिर
- C- आत्मा
- D- मेहमान

प्रश्न 30- मम्मा के लिए अलग पर्याय का चुनाव कीजिए ?

- A- सरस्वती
- B- लक्ष्मी
- C- प्रजापिता ब्रह्मा की बेटी
- D- एडाऐड

प्रश्न 31- बाप बच्चों को पहला मैनेस क्या सिखलाते हैं ?

- A- किसी से भी रूठो नहीं
- B- मैं आत्मा हूँ,
- C- तुम किसका रिगार्ड कैसे रखो
- D- सच बोलो

प्रश्न 32- हनुमान का मिसाल है ?

- A- त्रेतायुग का
- B- संगमयुग का
- C- रामायण का
- D- द्वापर कलयुग का

भाग (2) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *A.अपने को समझ और बाप को याद करें*

बाप को ही आकर अपना परिचय देना है। शास्त्र आदि कोई में भी बाप का परिचय नहीं है इसलिए उन्हें को नास्तिक कहा जाता है। अब बच्चों को बाप ने परिचय दिया है, परन्तु बाप कहते हैं मैं जो हूँ, जैसा हूँ मुझे बिल्कुल नहीं जानते। *अपने को आत्मा समझ और बाप को याद करें तब कुछ बुद्धि में बैठे।*

उत्तर 2 - *D.इस दुनिया से ममत्व मिटा दो*

“मीठे बच्चे - *अब यह नाटक पूरा होता है, तुम्हें वापिस घर जाना है, इसलिए इस दुनिया से ममत्व मिटा दो,* घर को और नये राज्य को याद करो”

उत्तर 3 - *C.देही अभिमानी बनाते*

बाप कहते हैं यह भी ड्रामा में पार्ट है। आत्मा का ज्ञान ही कोई में नहीं है, बिल्कुल ही देह-अभिमानी बन पड़े हैं। देही-अभिमानी बनने में मेहनत है। *रावण ने बिल्कुल ही उल्टा बना दिया है। अब बाप सुल्टा बनाते हैं। सुल्टा बनाते अर्थात देही अभिमानी बनाते हैं*

उत्तर 4 - *A.मित्र सम्बन्धी आदि खत्म हो जाने हैं*

अब इस पुरानी दुनिया से नई दुनिया में रिटर्न है, यह पुरानी दुनिया तो खत्म हो जानी है। सब स्वाहा हो जायेगा आग में। *जो कुछ इन आँखों से देखते हो, मित्र-सम्बन्धी आदि यह सब खत्म हो जाना है।*

उत्तर 5- *A.कलियुग*

कोई मरते हैं तो कहते हैं स्वर्ग पधारा। अभी तुम थोड़ेही कहेंगे क्योंकि तुम जानते हो स्वर्ग कब होगा। स्वर्ग सतयुग को कहा जाता है। अभी है नर्क कलियुग। तुम जानते हो यहाँ ही स्वर्गवासी थे, यहाँ ही फिर नर्कवासी बनते हैं। *कलियुग के बाद जरूर सतयुग होगा।*

उत्तर 6- *D.उपरोक्त सभी*

अभी तुम्हारी बुद्धि में है कि हम सो पहले-पहले सतोप्रधान थे फिर सतो रजो तमो में आते हैं। हम सो का भी अर्थ है ना। ओम् का अर्थ अलग है, ओम् माना आत्मा। *फिर वही आत्मा कहती है हम सो देवता क्षत्रिय* ... वो लोग फिर कह देते हम आत्मा सो परमात्मा। तुम्हारा ओम और हम सो का अर्थ बिल्कुल अलग है। *हम आत्मा हैं फिर आत्मा वर्णों में आती है।*

उत्तर 7- *A.रूहानी खुमारी के रूप में*

विजयी, दुश्मन का रूप परिवर्तन जरूर करता है। तो आप विकारों रूपी दुश्मन को परिवर्तित कर सहयोगी स्वरूप बना दो जिससे वे सदा आपको सलाम करते रहेंगे। काम विकार को शुभ कामना के रूप में, *क्रोध को रूहानी खुमारी के रूप में,* लोभ को अनासक्त वृत्ति के रूप में, मोह को स्नेह के रूप में और देहाभिमान को स्वाभिमान के रूप में परिवर्तित कर दो तो मायाजीत जगतजीत बन जायेंगे।

उत्तर 8- *C.बेहद बाप द्वारा बेहद की बातें सुनकर*

स्वदर्शन चक्रधारी बनना और बनाना है। बाप और चक्र को याद करना है। *बेहद बाप द्वारा बेहद की बातें सुनकर अपनी बुद्धि बेहद में रखनी है।* हद में नहीं आना है।

उत्तर 9- *B.देवता धर्म के ठहरे*

आदि सनातन देवी देवता सम्प्रदाय वाले तो अपने को हिन्दू कह देते हैं। यह भी नहीं समझते कि हम असुल देवी देवता धर्म के हैं। वण्डर है ना। तुम पूछते हो हिन्दू धर्म किसने स्थापन किया? तो मूँझ जाते हैं। *देवताओं की पूजा करते हैं तो देवता धर्म के ठहरे ना।* परन्तु समझते नहीं।

उत्तर 10- *A.मूसल*

विनाश के लिए बाम्बस बनाते रहते हैं। *गीता में भी मूसल अक्षर है।* शास्त्रों में फिर लिख दिया है पेट से लोहा निकला, फिर यह हुआ। यह सब झूठी बातें हैं ना। बाप आकर समझाते हैं - उनको ही मिसाइल्स कहा जाता है। अब इस विनाश के पहले हमको तमोप्रधान से सतोप्रधान बनना है।

उत्तर 11- *B.सुप्रीम*

बड़ा हो या छोटा हो, प्रेजीडेन्ट, राजा रानी सब मनुष्य हैं। अब बाप कहते हैं सभी आत्मायें हैं, मैं फिर सभी आत्माओं का पिता हूँ इसलिए मुझे कहते हैं *परमपिता परम आत्मा यानी सुप्रीम।* बच्चे जानते हैं हम आत्माओं का वह बाप है, हम सब ब्रदर्स हैं।

उत्तर 12- *D.सतोप्रधान*

स्कूल में भी कोई स्टूडेंट की बुद्धि में अच्छी रीति बैठता है, कोई की बुद्धि में कम बैठता है। *यहाँ भी जो नापास होते हैं उनको क्षत्रिय कहा जाता है। चन्द्रवंशी में चले जाते हैं। दो कला कम हो गई ना। सतोप्रधान सतो रजो तमो है ना।*

उत्तर 13- A. *40-50*

रूहानी बाप बैठ रूहानी बच्चों से रूहरिहान करते हैं, *तुम बच्चे जानते हो बाप हमको अभी 21 जन्म तो क्या 40-50 जन्मों लिए इनशयोर कर रहे हैं।* अब यह रूहरिहान बाप अपने बच्चों से करते हैं और कोई से नहीं करते। जो रूह अपने को जानती है उनसे ही बात करते हैं। बाकी और कोई बाप की भाषा को समझेंगे नहीं।

उत्तर 14- *B.कि वो मर जाएं तो उनके परिवार को पैसा मिले*

वो लोग इनशयोर करते हैं कि मर जाएं तो उनके परिवार को पैसा मिले। तुम इनशयोर करते हो 21 जन्मों के लिए मरें ही नहीं। अमर बनाते हैं ना। तुम अमर थे, मूलवतन भी अमरलोक है। वहाँ मरने जीने की बात नहीं रहती। वो है आत्माओं का निवास स्थान।

उत्तर 15- *C.तुम कभी मरेंगे नहीं*

अमरपुरी में राज्य करना - उसको ही अमर पद कहा जाता है। वहाँ इनशयोर कम्पनियाँ आदि होती नहीं। अभी तुम्हारी लाइफ इनशयोर कर रहे हैं। *तुम कभी मरेंगे नहीं। यह बुद्धि में खुशी रहनी चाहिए।* हम अमरपुरी के मालिक बनते हैं, तो अमरपुरी को याद करना पड़े।

उत्तर 16- *A.आराम हराम है*

जो बच्चे रूहानी सर्विस पर तत्पर रहते हैं, जो योग में रहकर सर्विस करते हैं, वही सतयुगी राजधानी स्थापन करने में मददगार बनते हैं। *सर्विसएबुल बच्चों को बाप का डायरेक्शन है - आराम हराम है।* जो बहुत सर्विस करते हैं वह जरूर राजा-रानी बनेंगे।

उत्तर 17- *A.ब्रह्मा-विष्णु-शंकर*

ऊंच ते ऊंच है शिव। अच्छा, फिर सूक्ष्मवतन में हैं ब्रह्मा-विष्णु-शंकर। उन्हीं का साक्षात्कार भी होता है क्योंकि पवित्र हैं ना। *उन्हीं को चैतन्य में इन आंखों से देख नहीं सकते।* बहुत नौधा भक्ति से देख सकते हैं।

उत्तर 18- *B.आधारमूर्त बनने का*

सेवा में बिजी होने के कारण अपने पुरुषार्थ के व्यर्थ से और औरों के भी व्यर्थ से बचे रहते हैं। उनके सामने बेहद विश्व की आत्मायें सदा इमर्ज रहती हैं। उन्हें जरा भी अलबेलापन आ नहीं सकता। *ऐसे सेवाधारी बच्चों को आधारमूर्त बनने का वरदान प्राप्त हो जाता है।*

उत्तर 19- *A.देह में फँसा देती है*

कितना समझाया जाता है कि देह के साथ प्रीत मत रखो, नाम-रूप में मत फँसो। *परन्तु माया भी तमोप्रधान ऐसी है, देह में फँसा देती है। एकदम नाक से पकड़ लेती है।* पता नहीं पड़ता है। बाप कितना समझाते हैं - श्रीमत पर चलो, परन्तु चलते नहीं। रावण की मत झूट बुद्धि में आ जाती है। रावण जेल से छोड़ता नहीं।

उत्तर 20- *D.उपरोक्त सभी*

भक्ति मार्ग में विष्णु को चक्रधारी बना दिया है। *हम कहते हैं परमात्मा त्रिकालदर्शी, त्रिमूर्ति, त्रिनेत्री है।* वह हमको स्वदर्शन चक्रधारी बनाते हैं। वह भी जरूर मनुष्य तन में आकर सुनायेंगे। रचना के आदि-मध्य-अन्त का ज्ञान जरूर रचता ही सुनायेंगे ना। रचता का ही किसको पता नहीं है तो रचना का ज्ञान कहाँ से मिले।

उत्तर 21- *A.शिवबाबा का ज्ञान मत सुनो*

बाप का डायरेक्शन है - हियर नो ईविल..... माया फिर कहती है हियर नो बाबा की बातें। *माया का डायरेक्शन है शिवबाबा का ज्ञान मत सुनो।* ऐसा जोर से माया चमाट मारती है जो बुद्धि में ठहरता नहीं। बाप को याद कर ही नहीं सकते। मित्र सम्बन्धी, देहधारी याद आ जाते हैं।

उत्तर 22- *A.तुम्हारे विकर्म विनाश होंगे*

अपने को देखना है हमारा योग कितना लगता है! बाप के साथ जितना योग अच्छा लगेगा उतना विकर्म विनाश होंगे। *बाबा ने कहा है मेरे को याद करो तो गैरन्टी है तुम्हारे विकर्म विनाश होंगे।* अपनी दिल अन्दर हर एक देखे हमारा बाप के साथ कितना योग रहता है?

उत्तर 23- *A.पवित्रता*

आत्मा को अपना कल्याण करना है। *बाप डायरेक्शन देते हैं, अगर तुम पुण्य आत्मा बन ऊंच पद पाना चाहते हो तो उसमें पवित्रता है फर्स्ट।* आये भी पवित्र फिर जाना भी पवित्र बनकर है, पतित कभी ऊंच पद पा न सकें। सदैव अपनी दिल से पूछना चाहिए - हम कितना बाप को याद करते हैं, हम क्या करते हैं?

उत्तर 24- *B. 63*

बाप ने समझाया है तुम्हारे पर 63 जन्मों के पाप हैं। पाप करते-करते सतोप्रधान से तमोप्रधान बन पड़े हो। अब मेरा बनकर फिर कोई पाप कर्म नहीं करो। झूठ, शैतानी, घर फिटाना, सुनी सुनाई बातों पर विश्वास करना - यह धूतीपना बड़ा नुकसानकारक है। बाप से योग ही तुड़ा देता है, तो कितना पाप हो गया।

उत्तर 25- *B.ज्ञान और योग में तीखा बन*

ज्ञान और योग में तीखा बन अपना और दूसरों का कल्याण करना है। अपनी ऊंच तकदीर बनाने का पुरुषार्थ करना है। अम्हों की लाठी बनना है।

उत्तर 26- *D.उपरोक्त सभी*

अभी तुम बाप की पहचान सबको देते जाते हो। ढेरों को बाप की पहचान मिलेगी। *तुम्हारा मुख्य चित्र है ही यह त्रिमूर्ति, गोला, झाड़।* इनमें कितनी रोशनी है। यह तो कोई भी कहेंगे यह लक्ष्मी-नारायण सतयुग के मालिक थे। अच्छा, सतयुग के आगे क्या था? यह भी अभी तुम जानते हो।

उत्तर 27- *D. A और B*

तुम बच्चों में भी जिनको ऊंच मर्तबा लेना है वह जास्ती याद में रहने का पुरुषार्थ करते हैं और समाचार भी लिखते हैं कि बाबा हम इतना समय याद में रहता हूँ। कई तो पूरा समाचार लज्जा के मारे देते नहीं। समझते हैं बाबा क्या कहेंगे। परन्तु मालूम तो पड़ता है ना।

उत्तर 28- *A.भगवान से मिलने के लिए*

यह तो समझते हैं हम पतित हैं, साधू-सन्त ऋषि-मुनि आदि सब साधना करते हैं। *साधना की जाती है भगवान से मिलने की।* सो जब तक उनका परिचय न हो तब तक तो मिल नहीं सकते। तुम जानते हो बाप का परिचय दुनिया में कोई को भी नहीं है। देह का परिचय तो सबको है। बड़ी चीज़ का परिचय झट हो जाता है। आत्मा का परिचय तो जब बाप आये तब समझाये।

उत्तर 29- *C.आत्मा*

बाप की याद में रहते-रहते पिछाड़ी को चले जाना है घर। *गीत भी है ना - रात के राही थक मत जाना..... आत्मा को घर जाना है। आत्मा ही राही है।* आत्मा को रोज़ समझाया जाता है अब तुम शान्तिधाम जाने के राही हो। तो अब बाप को, घर को और वर्से को याद करते रहो।

उत्तर 30- *A.सरस्वती*

मम्मा भी सर्विस पर है, उनको मुकरर किया था। यह *कोई शास्त्रों में है नहीं कि सरस्वती कौन है?* प्रजापिता ब्रह्मा की सिर्फ एक बेटी होगी क्या? अनेक बेटियाँ अनेक नाम वाली होंगी ना। वह फिर भी एडाए थी। जैसे तुम हो।

उत्तर 31- *C.तुम किसका रिगार्ड कैसे रखो*

बाप बच्चों को पहला मैनेर्स यही सिखलाते हैं कि तुम किसका रिगार्ड कैसे रखो। अनपढ़े जो होते हैं उनको रिगार्ड रखना भी नहीं आता है। जो जास्ती तीखे हैं तो उनका सबको रिगार्ड रखना ही है। बड़ों का रिगार्ड रखने से वह भी सीख जायेंगे।

उत्तर 32- *B.संगमयुग*

मन्दिरों में भी जाकर समझाओ। गुप्त वेष में जा सकते हो। *हनूमान का मिसाल संगमयुग का ही है।* हो तो वास्तव में तुम ना। जुत्तियों में बैठने की बात नहीं है। इसमें बड़ा समझू सयाना चाहिए।

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (3)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- कैसे सर्विस करो तो सफलता मिल सकती है ?

- A- कम्बाइण्ड रूप में
- B- निमित्त भाव से
- C- सन्तुष्ट होकर
- D- योग में रहकर

प्रश्न 2- बाप के पास मुख्य अर्थारिटी कौन सी है ?

- A- ज्ञान की
- B- रचना की
- C- वर्ल्ड की
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 3- ब्रह्मा, विष्णु, शंकर हैं ?

- A- सूक्ष्मवतनवासी।
- B- शिवबाबा के बच्चे हैं।
- C- एडाए किया है।
- D- A और B
- E- A, B और C

प्रश्न 4- यह जन्म है -

- A- मरजीवा
- B- दिव्य जन्म
- C- कर्मयोगी
- D- उपर्युक्त सभी

प्रश्न 5- एडम हैं -

- A- कलियुग में
- B- सतयुग में
- C- संगमयुग में
- D- द्वापर युग में

प्रश्न 6- दीवा क्या है, तूफान क्या है! बच्चे जानते हैं दीवा अर्थात् -

- A- आत्मा
- B- ज्ञान
- C- शिवबाबा
- D- शरीर

प्रश्न 7- जैसी अवस्था वैसा....।

- A- प्यार
- B- पद
- C- व्यवस्था
- D- योग

प्रश्न 8- कोई मरते हैं तो भी दीवा क्यों जलाते हैं ?

- A- परम्परा है।
- B- ज्योती मिसल है।
- C- समझते हैं दीवा अगर बुझ गया तो आत्मा को अन्धियारे से जाना पड़ेगा
- D- A और C

प्रश्न 9- सबसे बड़ा आसुरी स्वभाव कौन सा है ?

- A- अशान्ति फैलाना
- B- तंग करना
- C- क्रोध करना
- D- दुःख देना

प्रश्न 10- स्टूडेंट की बुद्धि में क्या याद नहीं रहता है -

- A- स्टडी
- B- बाप
- C- वर्सा
- D- घर बार

प्रश्न 11- अलग पर्याय का चुनाव कीजिए ?

- A- वफादार
- B- शक्ति सेना
- C- ऑलमाइटी
- D- सफलता

प्रश्न 12- नायब टीचर्स कौन है -

- A- शिवबाबा
- B- ब्रह्माबाबा
- C- बहने
- D- B C ट
- E- A B

प्रश्न 13- क्या-क्या खत्म होना है ?

- A- पुरानी दुनिया
- B- भक्ति
- C- सृष्टि
- D- A और B

प्रश्न 14- बाप मैं ताकत है, बच्चों को रावण पर जीत पाने की युक्ति बतलाते हैं, इसलिए -

- A- उन्हें नालेजपफुल कहा जाता है।
- B- उनको कहा भी जाता है सर्वशक्तिमान्।
- C- हाइएस्ट अथॉरिटी। ऑलमाइटी
- D- सर्वोच्च सत्ता

प्रश्न 15- सदा हर्षित रहने के लिए -

- A- बुद्धि में पढ़ाई और पढ़ाने वाले बाप की याद रहे।
- B- आप समान बनाने की सर्विस करनी है।
- C- किसी को भी तंग नहीं करना है।
- D- मनन चिन्तन अवश्य करना है।

प्रश्न 16- अविनाशी ज्ञान रत्नों से अपनी भरनी है ?

- A- मुठ्ठी
- B- झोली
- C- बुद्धि

प्रश्न 17- राम का और रावण का परिवार कब है ?

- A- संगमयुग पर
- B- त्रेतायुग
- C- कलियुग में
- D- द्वापर से

प्रश्न 18- श्रेष्ठ सेवाधारी वह है जिसका-

- A- मदर फादर को फालो करें।
- B- हर संकल्प पावरफुल हो।
- C- सदा कम्बाइन्ड रूप हो।
- D- हर कर्म योग युक्त है।

प्रश्न 19- तुम्हारा यह मोस्ट वैल्युबुल समय है, इसमें -

- A- तुम बाप के पूरे-पूरे मददगार बनो,
- B- सफल करो

- C- याद की यात्रा पर रहो
- D- गफलत मत करो

प्रश्न 20- महाभारत लड़ाई के सम्बन्ध में कौन सा कथन असत्य है ?

- A- स्वर्ग के गेट्स खुलते हैं।
- B- अन्तिम लड़ाई है।
- C- मूसलों की लड़ाई है।
- D- भारत की विजय होती है।

प्रश्न 21- कौन जाकर दास-दासियाँ बनेंगे -

- A- श्रीमत पर पूरा नहीं चलते तो
- B- मनुष्य गफलत करते हैं तो
- C- सजायें बहुत खानी पड़ेंगी तो
- D- अन्त में कुछ भी देह-अभिमान होगा तो

प्रश्न 22- कई बच्चे ज्ञान भी सुनते रहेंगे फिर जाकर गंगा स्नान भी करेंगे, गुरुओं के पास भी जायेंगे..... बाप कहते हैं -

- A- पत्थरबुद्धि हैं
- B- बाप में भी पूरा निश्चय नहीं रखते हैं।
- C- बाप कहेंगे - मुझ ऊंच ते ऊंच बाप की मत में भी भरोसा नहीं है।
- D- A, B और C
- E- B और C

प्रश्न 23- माया धक्का खिलाती रहती है। क्योंकि रावण है दुश्मन, और कौन है मित्र ?

- A- आत्मा
- B- श्रीमत
- C- राम
- D- ज्ञान

प्रश्न 24- कौन सी स्मृति से याद और सेवा स्वतः ही कम्बाइन्ड हो जाती है ?

- A- सेवाधारी हूँ
- B- निमित्त हूँ
- C- गॉडली सर्विस पर हूँ
- D- करनकरावनहार की स्मृति से

प्रश्न 25- कौन सा मंत्र बहुत अच्छा है ?

- A- हम सो पूज्य, हम सो पुजारी,
- B- दुआएँ दो दुआएँ लो,
- C- कम बोलो मीठा बोलो,
- D- मामेकम् याद करो

प्रश्न 26- यदि किसी भी संकल्प में स्वार्थ है तो..... कहेंगे ?

- A- मन पसन्द
- B- देह अभिमान
- C- मनमत
- D- मैपन

प्रश्न 27- अभी का समय है ही -

- A- सब कुछ सफल करने का
- B- पुरुषोत्तम दैवी राज्य का
- C- अच्छे कर्म करने का
- D- हिसाब-किताब चुक्तू करने लिए

प्रश्न 28- हम आत्मा हैं, यह भी याद रहे और अपना घर भी याद रहे तो -

- A- बुद्धि से सारी दुनिया का संन्यास हो गया
- B- योग हुआ
- C- अहो सौभाग्य
- D- मनमनाभव है

प्रश्न 29- तुम आसुरी मत पर चलने से दरबंद हो गये, अब ईश्वरीय मत पर चलो तो.....चले जायेंगे ?

- A- सुखधाम
- B- बैकुंठ
- C- मुक्ति-जीवनमुक्ति
- D- शान्तिधाम

प्रश्न 30- अहो सौभाग्य यदि यह भी याद रहे कि -

- A- हम पुरुषोत्तम संगमयुगी ब्राह्मण हैं।
- B- बाप हमको पढ़ाते हैं पुरुषोत्तम सो देवता बनाने के लिए।
- C- मैं स्वदर्शन चक्र थारी हूँ।
- D- मैं आत्मा हूँ।

प्रश्न 31- मनुष्य से देवता कौन बनते हैं ?

- A- दैवीगुण वाले
- B- संगमयुगी ब्राह्मण जो अभी ईश्वर की गोद में आये हो, वही
- C- श्रीमत पर चलते हैं वह
- D- सम्पूर्ण पावन बनते हैं वह

प्रश्न 32- अलग पर्याय का चुनाव कीजिए ?

- A- बाप
- B- टीचर
- C- गुरू
- D- गाइड

भाग (3) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *D.योग में रहकर*

तुम बच्चों को सर्विस की भिन्न-भिन्न युक्तियाँ निकालनी हैं। अपना अनुभव सुनाकर अनेकों का भाग्य बनाना है। तुम सर्विसएबुल बच्चों की अवस्था बढ़ी निर्भय, अडोल और योगयुक्त चाहिए। *योग में रहकर सर्विस करो तो सफलता मिल सकती है।*

उत्तर 2- *A.ज्ञान की*

बाप के पास मुख्य है ज्ञान की अर्थरिटी। ज्ञान सागर है इसलिए तुम बच्चों को पढ़ाई पढ़ाते हैं। आप समान नॉलेजफुल बनाते हैं। तुम्हारे पास पढ़ाई की एम ऑब्जेक्ट है। पढ़ाई से ही तुम ऊँच पद पाते हो।

उत्तर 3- *E. A,B और C*

सूक्ष्मवतनवासी ब्रह्मा, विष्णु, शंकर यह किसकी रचना तो होगी ना! रचयिता तो एक शिव बाबा ही है, बाप ने ही तो इनको एडाए किया है यह भी शिवबाबा के बच्चे हैं।

उत्तर 4- *D.उपरोक्त सभी*

यह मरजीवा दिव्य जन्म कर्मबन्धनी जन्म नहीं, यह कर्मयोगी जन्म है। इस अलौकिक दिव्य जन्म में ब्राह्मण आत्मा स्वतंत्र है न कि परतंत्र। यह देह लोन में मिली हुई है, सारे विश्व की सेवा के लिए पुराने शरीरों में बाप शक्ति भर-कर चला रहे हैं, जिम्मेवारी बाप की है, न कि आप की।

उत्तर 5- *C.संगमयुग*

बाप ही बतलाते हैं आत्मा इतनी छोटी है, मैं भी इतना हूँ। नॉलेज भी जरूर कोई शरीर में प्रवेश कर देंगे। आत्मा के बाजू में आकर बैठूंगा। मेरे में पॉवर है, आरगन्स मिल गये तो मैं धनी हो गया। इन आरगन्स द्वारा बैठ समझाता हूँ, इनको एडम भी कहा जाता है। *एडम है पहला-पहला आदमी संगमयुग पर।*

उत्तर 6- *A.आत्मा*

तुम्हारे में भी नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार जान सकते हैं, *दीवा क्या है, तूफान क्या है! बच्चे जानते हैं आत्मा की ज्योत उझाई हुई है।*

उत्तर 7- *A.प्यार*

बच्चों की जैसी अवस्था है, ऐसा प्यार बाप से मिलता है। पहले एक-एक से पूरा समाचार पूछ पोतामेल लेते हैं। जैसी अवस्था वैसा प्यार। बाहर से भल प्यार करेंगे, अन्दर जानते हैं यह बिल्कुल ही बुद्धू है, सर्विस कर नहीं सकते। ख्याल तो रहता है ना।

उत्तर 8- *C.समझते हैं दीवा अगर बुझ गया तो आत्मा को अन्धियारे से जान पड़ेगा*

अब बाप आये हैं ज्योत जगाने लिए। कोई मरते हैं तो भी दीवा जलाते हैं। उसकी बड़ी खबरदारी रखते हैं। समझते हैं *दीवा अगर बुझ गया तो आत्मा को अन्धियारे से जाना पड़ेगा इसलिए दीवा जलाते हैं।* अब सतयुग में तो यह बातें होती नहीं।

उत्तर 9- *A.अशान्ति फैलाना*

अशान्ति फैलाना, यह है सबसे बड़ा आसुरी स्वभाव। अशान्ति फैलाने वाले से मनुष्य तंग हो जाते हैं। वह जहाँ जायेंगे वहाँ अशान्ति फैला देंगे इसलिए भगवान से सभी शान्ति का वर मांगते हैं।

उत्तर 10- *D.घर बार*

स्कूल में *स्टूडेंट्स की बुद्धि में नॉलेज रहती है, न कि घर बार।* स्टूडेंट लाइफ में धंधे-धोरी की बात रहती नहीं। स्टडी ही याद रहती है। यहाँ तो फिर कर्म करते, गृहस्थ व्यवहार में रहते, बाप कहते हैं यह स्टडी करो। ऐसे नहीं कहते कि सन्यासियों के मुआफिक घरबार छोड़ो।

उत्तर 11- *D.सफलता*

तुम तो उस भगवान के बच्चे बन गये हो। *वह भी व्रफादार बच्चे चाहिए।* हर बात में व्रफादार रहना है। बाप में ताकत है, बच्चों को रावण पर जीत पाने की युक्ति बतलाते हैं इसलिए उनको कहा भी जाता है सर्वशक्तिमान्। *तुम भी शक्ति सेना हो ना। तुम अपने को भी ऑलमाइटी कहेंगे।*

उत्तर 12- *D. B और C*

यहाँ तो एक ही टीचर है, एक ही स्टडी है। बाकी नायब टीचर्स तो जरूर चाहिए। यह प्रजापिता ब्रह्मा है तो ब्राह्मण भी यहाँ चाहिए। *ब्रह्मा भी शिवबाबा से पढ़ते रहते हैं। सब टीचर्स हैं। सबको टीच करना है।*

उत्तर 13- *D. A, और B*

यह ज्ञान कोई भी मनुष्य मात्र में नहीं है। अभी तुम संगम पर हो। जानते हो अभी हमको वापिस जाना है। *पुरानी दुनिया खत्म हो तो भक्ति भी खत्म हो।* पहले-पहले कौन आते हैं, कैसे यह धर्म नम्बरवार आते हैं, यह बातें कोई शास्त्रों में नहीं हैं। यह बाप नई बातें समझाते हैं। यह और कोई समझा न सके।

उत्तर 14- *B.उनको कहा भी जाता है सर्वशक्तिमान्*

बाप तो है हाइएस्ट अथॉरिटी। ऑलमाइटी है ना। तो उनके बच्चे भी ऐसे होने चाहिए। *बाप में ताकत है, बच्चों को रावण पर जीत पाने की युक्ति बतलाते हैं इसलिए उनको कहा भी जाता है सर्वशक्तिमान्।* तुम भी शक्ति सेना हो ना। तुम अपने को भी ऑलमाइटी कहेंगे।

उत्तर 15- *A.बुद्धि में पढ़ाई और पढ़ाने वाले बाप की याद रहे*

सदा हर्षित रहने के लिए बुद्धि में पढ़ाई और पढ़ाने वाले बाप की याद रहे। खाते पीते सब काम करते पढ़ाई पर पूरा ध्यान देना है।

उत्तर 16- *A.मुट्ठी*

तुम जानते हो जो भी मनुष्य-मात्र हैं, उनकी मुट्ठी में हैं भूगरे। उसको ही बन्दर मिसल पकड़ बैठे हैं। *अब तुम अविनाशी ज्ञान रत्नों से मुट्ठी भरते हो।* इन भूगरों (चनों) से ममत्व छोड़ो। जब अच्छी रीति समझते हैं तब भूगरों की मुट्ठी को छोड़ते हैं।

उत्तर 17- *A.संगमयुग पर*

अब 84 का चक्र पूरा होता है, वापिस जाना है। राम गयो रावण गयो..... इसका भी अर्थ कितना सहज है। *जरूर संगमयुग होगा जबकि राम का और रावण का परिवार है।* यह भी जानते हो सब विनाश हो जायेंगे, बाकी थोड़े रहेंगे। कैसे तुमको राज्य मिलता है, वह भी थोड़ा आगे चल सब मालूम पड़ जायेगा।

उत्तर 18- *B.हर संकल्प पावरफुल हो*

श्रेष्ठ सेवाधारी वह है जिसका हर संकल्प पावरफुल हो। एक भी संकल्प कहाँ भी व्यर्थ न जाए। क्योंकि सेवाधारी अर्थात् विश्व की स्टेज पर एक्ट करने वाले। सारी विश्व आपको कॉपी करती है, यदि आपने एक संकल्प व्यर्थ किया तो सिर्फ अपने प्रति नहीं किया लेकिन अनेकों के निमित्त बन गये इसलिए अब व्यर्थ के खाते को समाप्त कर श्रेष्ठ सेवाधारी बनो।

उत्तर 19- *A.तुम बाप के पूरे-पूरे मददगार बनो*

तुम्हारा यह मोस्ट वैल्युबुल समय है, इसमें तुम बाप के पूरे-पूरे मददगार बनो, मददगार बच्चे ही ऊंच पद पाते हैं"

उत्तर 20- *D. भारत की विजय होती है*

अब नाटक पूरा होता है, अपने घर जाना है, इस *महाभारत लड़ाई बाद ही स्वर्ग के गेट्स खुलते हैं इसलिए बाबा ने कहा है यह नाम बहुत अच्छा है, गेट वे टू हेविन। कोई कहते हैं लड़ाईयाँ तो चलती आई हैं। बोलो, मूसलों की लड़ाई कब लगी है, यह मूसलों की अन्तिम लड़ाई है। 5000 वर्ष पहले भी जब लड़ाई लगी थी* तो यह यज्ञ भी रचा था। इस पुरानी दुनिया का अब विनाश होना है। नई राजधानी की स्थापना हो रही है।

उत्तर 21- *D.अन्त में कुछ भी देह-अभिमान होगा तो*

तुम बच्चों की कमी है, देही-अभिमान बनते नहीं हो। अजुन बहुत देह-अभिमान है। *अन्त में कुछ भी देह-अभिमान होगा तो पद भी कम हो जायेगा। फिर आकर दास-दासियाँ बनेंगे।* दास-दासियाँ भी नम्बरवार ढेर होती हैं।

उत्तर 22- *E. B और C*

कई बच्चे ज्ञान भी सुनते रहेंगे फिर जाकर गंगा स्नान भी करेंगे, गुरुओं के पास भी जायेंगे.....। बाप कहते हैं वह गंगा कोई पतित-पावनी तो है नहीं। फिर भी तुम मनुष्यों की मत पर जाए स्नान आदि करेंगे तो बाप कहेंगे - *मुझ ऊंच ते ऊंच बाप की मत में भी भरोसा नहीं है।* एक तरफ है ईश्वरीय मत, दूसरे तरफ है आसुरी मत। उनका हाल क्या होगा। दोनों तरफ पांव रखा तो चीर पड़ेंगे। *बाप में भी पूरा निश्चय नहीं रखते हैं।*

उत्तर 23- *C. राम*

यहाँ भी बहुत हैं, श्रीमत पर चल नहीं सकते। ताकत नहीं है। *माया धक्का खिलाती रहती है क्योंकि रावण है दुश्मन, राम है मित्र।* कोई राम कहते, कोई शिव कहते। असुल नाम है शिवबाबा। मैं पुनर्जन्म में नहीं आता हूँ। मेरा ड्रामा में नाम शिव ही रखा हुआ है।

उत्तर 24- *C. गॉडली सर्विस पर हूँ*

सेवा के क्षेत्र में जो भिन्न-भिन्न प्रकार के स्व प्रति वा सेवा के प्रति विघ्न आते हैं, उसका भी कारण सिर्फ यही होता है, जो स्वयं को सिर्फ सेवाधारी समझते हो लेकिन ईश्वरीय सेवाधारी हूँ, *सिर्फ सर्विस पर नहीं लेकिन गॉडली सर्विस पर हूँ - इसी स्मृति से याद और सेवा स्वतः ही कम्बाइन्ड हो जाती है।*

उत्तर 25- *A. हम सो पूज्य, हम सो पुजारी*

हम सो पूज्य, हम सो पुजारी, यह मंत्र है बहुत अच्छा। उन्होंने फिर आत्मा सो परमात्मा कह दिया है, जो कुछ बोलते हैं बिल्कुल रांग। हम पवित्र थे, 84 जन्म चक्र लगाकर अब ऐसे बने हैं। अब हम जाते हैं वापिस। आज यहाँ, कल घर जायेंगे।

उत्तर 26- *A. मनपसंद*

जो बाप पसन्द है वह लोक पसन्द स्वतः बन जाते हैं। *यदि किसी भी संकल्प में स्वार्थ है तो मन पसन्द कहेंगे* और विश्व कल्याणार्थ है तो लोकपसन्द व प्रभू पसन्द कहेंगे। लोक पसन्द सभा के मेम्बर बनना अर्थात् ला एण्ड आर्डर का राज्य अधिकार व राज्य सिंहासन प्राप्त कर लेना।

उत्तर 27- *D. हिसाब-किताब चुक्ती करने के लिए*

अपने ऊपर बहुत सम्भाल करनी होती है क्योंकि धर्मराज भी खड़ा है ना। *अभी का समय है ही हिसाब-किताब चुक्ती करने लिए।* सजायें भी खानी पड़े। बच्चे जानते हैं हम जन्म-जन्मान्तर के पापी हैं।

उत्तर 28- *A. बुद्धि से सारी दुनिया का संन्यास हो गया*

अभी हम इस शरीर को छोड़ घर जाते हैं, यह पक्का याद कर लो, *हम आत्मा हैं - यह भी याद रहे और अपना घर भी याद रहे तो बुद्धि से सारी दुनिया का संन्यास हो गया।* शरीर का भी संन्यास, तो सबका संन्यास।

उत्तर 29- *A. सुखधाम*

तुम आसुरी मत पर चलने से दरबंद हो गये, अब ईश्वरीय मत पर चलो तो सुखधाम चले जायेंगे। इस समय और तो कोई ऐसा बाप नहीं जो अच्छी मत देवे इसलिए दरबंद हो पड़े हैं। श्रीमत देने वाला एक ही बाप है। उस मत पर भी कोई बच्चे नहीं चलते। वण्डर है।

उत्तर 30- *A. हम पुरुषोत्तम संगमयुगी ब्राह्मण हैं*

हम संगमयुगी ब्राह्मण हैं, हम शिवबाबा द्वारा पुरुषोत्तम बन रहे हैं। यह याद भी सबको नहीं रहती। घड़ी-घड़ी यह भूल जाते हैं कि *हम पुरुषोत्तम संगमयुगी ब्राह्मण हैं। यह बुद्धि में याद रहे तो भी अहो सौभाग्य।*

उत्तर 31- *B. संगमयुगी ब्राह्मण जो अभी ईश्वर की गोद में आये हो*

मीठे बच्चे - *तुम पुरुषोत्तम संगमयुगी ब्राह्मण अभी ईश्वर की गोद में आये हो, तुम्हें मनुष्य से देवता बनना है* तो दैवीगुण भी चाहिए।

उत्तर 32- *A. बाप*

उस एक की कितनी महिमा है, उनको ही याद करना है। कोई-कोई कहते हैं इसने तो बी.के. को जाए गुरू बनाया है। *तुम गुरू तो बनते हो ना। फिर तुमको बाप नहीं कहेंगे। टीचर गुरू कहेंगे, बाप नहीं।*

भाग - (4)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- फर्स्ट डिवीजन में आने के लिए क्या करना है ?

A- कर्मेन्द्रिय जीत, मायाजीत बनो

B- ट्रस्टी बनो

C- गृहस्थ व्यवहार और ईश्वरीय व्यवहार दोनों की समानता रखो

D- सम्पूर्ण नष्टमोहा बनो

प्रश्न 2- त्रिनेत्री, त्रिकालदर्शी, त्रिलोकीनाथ कौन हैं ?

- A- शिवबाबा
- B- हम ब्राह्मण बच्चे
- C- देवता
- D- A और B
- E- A, B और C

प्रश्न 3- किसको कहा जाता है देह अभिमान ?

- A- शरीर को याद करना
- B- रावण की मत पर चलते हैं उन्हें
- C- और कोई देहधारी को याद करते हो, तो
- D- देह की दृष्टि वृत्ति रखना

प्रश्न 4- नैचुरल ब्युटी है ?

- A- युरोपियन
- B- लक्ष्मी-नारायण
- C- क्रिश्चियन
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 5- शिवबाबा है -

- A- हसीन
- B- हुसैन
- C- मुसाफिर
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 6- बुद्धि को स्वच्छ बनाने का पुरूपार्थ क्या है ?

- A- देही-अभिमानी बनो
- B- ज्ञान की पढ़ाई
- C- निर्विकारी बनो
- D- याद में रहो

प्रश्न 7- सबसे जास्ती पार्ट कहेंगे विष्णु का। 84 जन्मों का कौन सा रूप विष्णु का दिखाते हैं, न कि ब्रह्मा का ?

- A - विराट रूप
- B - चतुर्भुज रूप
- C- अलंकारी रूप
- D- नारायण रूप

प्रश्न 8- बाबा तो कह देते हैं जो कुछ है उनसे जाकर सेन्टर खोलो। औरों का कल्याण करो। सेन्टर खोलता कौन है ?

- A- ब्रह्माबाबा
- B- शिवबाबा
- C- निमित्त टीचर
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 9- मुख्य बात, कौन सी अन्दर देखना है ?

- A- हमारे में कोई अवगुण तो नहीं हैं ?
- B- दैवीगुण कहाँ तक धारण किए हैं ?
- C- हम बाप की याद में कितना समय रहे ?
- D- किसी को दुःख तो नहीं दिया ?

प्रश्न 10- बहुत जन्म कौन से युग में मिलते हैं ?

- A- सतयुग
- B- द्वापर युग में
- C- कलियुग में
- D- त्रेतायुग में

प्रश्न 11- ईश्वरीय सन्तान कहलाने वाले बच्चों की मुख्य धारणा क्या होगी ?

- A- बहुत क्षीरखण्ड होकर रहेंगे
- B- आत्म अभिमानी हो कर रहेंगे

- C- पढ़ाई कभी मिस नहीं करेंगे
- D- हर कदम श्रीमत् पर चलेंगे

प्रश्न 12- लड़ना-झगड़ना यह है -

- A- निधनकों का काम है
- B- यह है देह-अभिमान
- C- भक्ति मार्ग में चलता है
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 13- राम की सीता भगवती को रावण ले गया। इसे क्या कहेंगे -

- A- कहानियाँ
- B- भक्ति मार्ग
- C- अंधश्रद्धा
- D- उल्टा ज्ञान

प्रश्न 14- कर्म में योग का अनुभव होना अर्थात् -

- A- निमित्त भाव
- B- कर्मयोगी बनना
- C- कम्बाइण्ड रूप
- D- योग और सेवा साथ-साथ

प्रश्न 15- कृष्ण का नाम क्या है ?

- A- कृष्ण
- B- श्याम सुन्दर
- C- विष्णु
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 16- ब्रह्मा, विष्णु, शंकर हैं -

- A- विचित्र है।
- B- देवता कहा जाता है।
- C- उत्तम ते उत्तम पुरुष।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 17- जब मुरली द्वारा क्या मिल जायेगा तो माया सदा के लिए समाप्त हो जायेगी ?

- A- सही रास्ता
- B- विधि
- C- ज्ञान
- D- कारण का निवारण

प्रश्न 18- संगमयुगी ब्राह्मण जीवन की विशेषता है -

- A- रूहानी रॉयल्टी
- B- दैवीगुण
- C- सन्तुष्टता
- D- पवित्रता

प्रश्न 19- कर्मेन्द्रियों की चंचलता कैसे ही टूटेगी ?

- A- योगबल से
- B- वश करने से
- C- ज्ञान से
- D- पावनता से

प्रश्न 20- अभी तो हैं आत्मायें, परमात्मा से क्या लेती हैं ?

- A- वर्सा
- B- प्रापर्टी
- C- ज्ञान
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 21- अनुभवी स्वरूप बनो तो चेहरे से किसकी झलक साफ़ दिखाई देगी -

- A- खुशनसीबी
- B- सन्तुष्टता
- C- पवित्रता
- D- नम्रता

प्रश्न 22- मनुष्य समझते हैं भगवान तो अन्तर्यामी है, यह सब क्या है -

- A- अंध विश्वास
- B- भक्ति मार्ग
- C- शास्त्रों की बातें
- D- अंध श्रद्धा

प्रश्न 23- वाइसलेस हैं -

- A- परमधाम में
- B- सतयुग में
- C- निर्विकारी
- D- B और C
- E- A और B

प्रश्न 24- विनाश के समय अंतिम डायरेक्शन को कैच करने के लिए कैसी बुद्धि चाहिए ?

- A- महीन बुद्धि
- B- स्वच्छ बुद्धि
- C- पारस बुद्धि
- D- वाइसलेस बुद्धि

प्रश्न 25- बाप कहते हैं कम से कम पुरुषार्थ कर कितने घण्टा तो याद करो ?

- A- 2
- B- 8
- C- 4
- D- 6

प्रश्न 26- विराट रूप में मुख्य क्या दिखाते हैं ?

- A- चार युग
- B- चार धर्म
- C- चार वर्ण
- D- ब्राह्मण चोटी फिर देवता

प्रश्न 27- किस स्मृति में रहो तो रावणपन की स्मृति विस्मृत हो जायेगी ?

- A- सदा स्मृति रहे कि हम स्त्री-पुरुष नहीं, हम आत्मा हैं।
- B- हमें भगवान पढ़ाते हैं।
- C- हम सो देवता बनने वाले हैं।
- D- हम शिव बाबा के बच्चे हैं।

प्रश्न 28- शिवबाबा इनमें से क्या नहीं हैं -

- A- रमता योगी
- B- बिन्दी
- C- पारस बुद्धि
- D- लिंग रूप

प्रश्न 29- तुम जानते हो यह पढाई है ही किसलिए ?

- A- भविष्य के लिए
- B- सतयुग के लिए
- C- 21 जन्मों के लिए
- D- नयी दुनिया अमर लोक के लिए

प्रश्न 30- असंभव को भी सम्भव करा देती है ?

- A- हिम्मत
- B- निश्चय

C- दृढ़ता
D- धैर्यता

प्रश्न 31- सदा इसी नशे में रहो कि -

- A- हमें भगवान ने पसंद किया है।
- B- हम ही स्वदर्शन चक्रधारी हैं।
- C- हम संगमयुगीन ब्राह्मण हैं।
- D- हमें भगवान पढ़ाते हैं।

प्रश्न 32- योग को किनारे कर कर्म में बिजी हो जाना क्या है ?

- A- डिससर्विस है
- B- मनमत है
- C- अलबेलापन है
- D- देह अभिमान है

भाग (4) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *A. कर्मेन्द्रियजीत मायाजीत बनो*

स्लोगन:- *फर्स्ट डिवीजन में आने के लिए कर्मेन्द्रिय जीत, मायाजीत बनो।*

उत्तर 2- *D. A और B*

परमपिता परमात्मा को तो त्रिनेत्री कहा जाता है। उनको ज्ञान का तीसरा नेत्र है। *त्रिनेत्री, त्रिकालदर्शी, त्रिलोकीनाथ यह टाइटिल उनको मिले हैं। अभी तुमको तीनों लोकों का ज्ञान है फिर यह गुम हो जाता है,* जिसमें ज्ञान है वही आकर देते हैं।

उत्तर 3- *C. और कोई देहधारी को याद करते हो, तो*

हम सब आत्माओं का कनेक्शन एक परमपिता परमात्मा के साथ है। वह कहते हैं मामेकम् याद करो। मुझ एक के साथ ही प्रीत रखो। रचना के साथ मत रखो। देही-अभिमानी बनो। *मेरे सिवाए और कोई देहधारी को याद करते हो, तो इसको कहा जाता है देह-अभिमान।*

उत्तर 4- *B. लक्ष्मी-नारायण*

इन (लक्ष्मी-नारायण) जैसा नैचुरल सुन्दर तो कोई हो न सके। यह ज्ञान की बात है। भल क्रिश्चियन लोग भारतवासियों से सुन्दर (गोरे) हैं क्योंकि उस तरफ के रहने वाले हैं परन्तु सतयुग में तो नैचुरल ब्युटी है। आत्मा और शरीर दोनों सुन्दर हैं।

उत्तर 5- *D. उपरोक्त सभी*

अब महिमा तो हुसैन की है ना। घोड़े की तो नहीं। *जरूर मनुष्य के तन में हुसैन की आत्मा आई होगी ना।* वह इन बातों को नहीं समझते। अभी इसको कहा जाता है राजस्व अश्वमेध अविनाशी रूद्र ज्ञान यज्ञ। अश्व नाम सुनकर उन्होंने फिर घोड़ा समझ लिया है, उनको स्वाहा करते हैं। यह सब कहानियाँ हैं भक्ति मार्ग की। *अभी तुमको हसीन बनाने वाला हसीन मुसाफिर तो यह है ना।*

उत्तर 6- *A. देह-अभिमानी बनो*

देही-अभिमानी बनने से ही बुद्धि स्वच्छ बनती है। ऐसे देही-अभिमानी बच्चे अपने को आत्मा समझ एक बाप को प्यार करेंगे। बाप से ही सुनेंगे। लेकिन जो मूढ़मती हैं वह देह को प्यार करते हैं, देह को ही श्रृंगारते रहते हैं।

उत्तर 7- *A. विराट रूप*

सबसे जास्ती पार्ट कहेंगे विष्णु का। *84 जन्मों का विराट रूप भी विष्णु का दिखाते हैं, न कि ब्रह्मा का।* विराट रूप विष्णु का ही बनाते हैं क्योंकि पहले-पहले प्रजापिता ब्रह्मा का नाम धरते हैं। ब्रह्मा का तो बहुत थोड़ा पार्ट है इसलिए विराट रूप विष्णु का दिखाते हैं।

उत्तर 8- *B. शिवबाबा*

भक्ति मार्ग में भी दाता हूँ तो अभी भी दाता हूँ। वह है इनडायरेक्ट, यह है डायरेक्ट। बाबा तो कह देते हैं जो कुछ है उनसे जाकर सेंटर खोलो। औरों का कल्याण करो। *मैं भी तो सेंटर खोलता हूँ ना। बच्चों का दिया हुआ है, बच्चों को ही मदद करता हूँ।* मैं थोड़ेही अपने साथ पैसा ले आता हूँ।

उत्तर 9- *A. हमारे में कोई अवगुण तो नहीं है ?*

वह है ही सम्पूर्ण निर्विकारी राज्य। वह राम-राज्य, यह है रावणराज्य। इस समय सब तमोप्रधान हैं। हर एक बच्चे को अपनी स्थिति की जांच करनी चाहिए कि हम बाप की याद में कितना समय रह सकते हैं? दैवीगुण कहाँ तक धारण किए हैं? *मुख्य बात, अन्दर देखना है हमारे में कोई अवगुण तो नहीं है?*

उत्तर 10- *C. कलियुग*

बाप बैठ समझाते हैं कि तुम बच्चे यहाँ किसके पास आये हो? इनके पास नहीं। मैंने इनमें प्रवेश किया है। इनके बहुत जन्मों के अन्त का यह पतित जन्म है। बहुत जन्म कौन से? वह भी बताया, आधाकल्प हैं सतयुग के 8, त्रेता के 12 पवित्र जन्म, आधाकल्प हैं द्वापर के 21,

कलियुग के 42 पतित जन्म। तो यह भी पतित हो गया।

उत्तर 11- *A. बहुत क्षीरखण्ड होकर रहेंगे*

ईश्वरीय सन्तान कहलाने वाले बच्चों की मुख्य धारणा वह आपस में बहुत-बहुत क्षीरखण्ड होकर रहेंगे। कभी लूनपानी नहीं होंगे। जो देह-अभिमानी मनुष्य हैं वह उल्टा सुल्टा बोलते, लड़ते झगड़ते हैं। तुम बच्चों में वह आदत नहीं हो सकती। यहाँ तुम्हें दैवीगुण धारण करने हैं, कर्मातीत अवस्था को पाना है।

उत्तर 12- *B. यह है देह-अभिमान*

बाप कहते हैं आपस में कभी भी लड़ना-झगड़ना नहीं चाहिए। यह तो जानवरों का काम है। *लड़ना-झगड़ना यह है देह-अभिमान।* बाप का नाम बदनाम कर देंगे। बाप के लिए ही कहा जाता है सतगुरु का निंदक ठौर न पाये। साधुओं ने फिर अपने लिए कह दिया है।

उत्तर 13- *कहानियाँ*

स्वर्ग की स्थापना बाप राम करते हैं, नर्क की स्थापना रावण करते हैं, जिसको वर्ष-वर्ष जलाते हैं। परन्तु क्यों जलाते हैं? क्या चीज़ है? कुछ नहीं जानते। कितना खर्चा करते हैं। *कितनी कहानियाँ बैठ सुनाते, राम की सीता भगवती को रावण ले गया।* मनुष्य भी समझते हैं ऐसा हुआ होगा।

उत्तर 14- *B. कर्मयोगी बनना*

स्तोत्र:- *कर्म में योग का अनुभव होना अर्थात् कर्मयोगी बनना।*

उत्तर 15- *A. कृष्ण*

कृष्ण का नाम तो कृष्ण ही है फिर उनको श्याम सुन्दर क्यों कहते हैं? चित्रों में भी कृष्ण का चित्र सांवरा बना देते हैं परन्तु अर्थ नहीं समझते। अभी तुम समझते हो सतोप्रधान थे तो सुन्दर थे। अभी तमोप्रधान श्याम बने हैं। सतोप्रधान को पुरुषोत्तम कहेंगे, तमोप्रधान को कनिष्ठ कहेंगे।

उत्तर 16- *B. देवता कहा जाता है*

दूरदेश का रहने वाला आये हैं देश पराये। यह सिर्फ उस एक के लिए ही गायन है, उनको ही सब याद करते हैं, वह है विचित्र। उनका कोई चित्र नहीं। *ब्रह्मा, विष्णु, शंकर को देवता कहा जाता है।* शिव भगवानुवाच कहा जाता है, वह रहते हैं परमधाम में। उनको सुख-धाम में कभी बुलाते नहीं, दुःखधाम में ही बुलाते हैं।

उत्तर 17- *D. कारण का निवारण*

मुरली के राज का साज़ अगर सदैव बजाते रहो तो माया सदा के लिए सरेन्दर हो जायेगी। माया का मुख्य स्वरूप कारण के रूप में आता है। *जब मुरली द्वारा कारण का निवारण मिल जायेगा तो माया सदा के लिए समाप्त हो जायेगी।* कारण खत्म अर्थात् माया खत्म।

उत्तर 18- *D. पवित्रता*

संगमयुगी ब्राह्मण जीवन की विशेषता पवित्रता है। प्रवृत्ति में रहते अपवित्रता से निवृत्त रहना, स्वप्न मात्र भी अपवित्रता के संकल्प से मुक्त रहना - यही विश्व को चैलेन्ज करने का साधन है, यही आप ब्राह्मणों की रूहानी रॉयल्टी और पर्सनैलिटी है।

उत्तर 19- *A. योगबल*

तुम बच्चे तो अपने योगबल से अपनी कर्मेन्द्रियों को वश में करते हो। कर्मेन्द्रियाँ योगबल से शीतल हो जायेंगी। कर्मेन्द्रियों में चंचलता होती है ना। अब कर्मेन्द्रियों पर जीत पानी है, जो कोई चंचलता न चले। सिवाए योगबल से कर्मेन्द्रियों का वश होना इम्पॉसिबल है। *बाप कहते हैं कर्मेन्द्रियों की चंचलता योगबल से ही टूटेगी।* योगबल की ताकत तो है ना। इसमें बड़ी मेहनत लगती है।

उत्तर 20- *A. वर्सा*

अभी तो हैं आत्मायें, परमात्मा से वर्सा लेते हैं। आत्मायें हैं बच्चे, परमात्मा है बाप। बच्चे और बाप का बहुत समय के बाद मेला लगता है। एक ही बारी।

उत्तर 21- *A. खुशनसीबी*

अनुभवी स्वरूप बनो तो चेहरे से खुशनसीबी की झलक दिखाई देगी।

उत्तर 22- *D. अंधश्रद्धा*

बाप भी मूल बात समझाते हैं - बीज और झाड़। बाकी मनुष्य तो ढेर हैं। एक-एक के अन्दर को थोड़ेही बैठ जानेंगे। *मनुष्य समझते हैं भगवान तो अन्तर्यामी है, हरेक के अन्दर की बात को जानते हैं। यह सब है अन्धश्रद्धा।*

उत्तर 23- *D. B और C*

विनाश के समय अन्तिम डायरेक्शन्स को कैच करने के लिए वाइसलेस बुद्धि चाहिए। जैसे वे लोग वायरलेस सेट द्वारा एक दूसरे तक आवाज पहुंचाते हैं। *सतयुग को वाइसलेस वर्ल्ड (गुणों से रहित या दोषों से मुक्त दुनिया) कहा जाता है, जहाँ पवित्रता और सुख होता है, जबकि कलियुग को विशाश वर्ल्ड (विकारों वाली दुनिया) कहा जाता है। श्रेष्ठाचारी राज्य को तो कहा जाता है सम्पूर्ण निर्विकारी स्वर्ग तो है ही

वाइसलेस वर्ल्ड।*

उत्तर 24- *D.वाइसलेस बुद्धि*

विनाश के समय अन्तिम डायरेक्शन्स को कैच करने के लिए वाइसलेस बुद्धि चाहिए। जैसे वे लोग वायरलेस सेट द्वारा एक दूसरे तक आवाज पहुंचाते हैं। यहाँ है वाइसलेस की वायरलेस। इस वायरलेस द्वारा आपको आवाज आयेगा कि इस सेफ स्थान पर पहुंच जाओ। जो बच्चे बाप की याद में रहने वाले वाइसलेस हैं, जिन्हें अशरीरी बनने का अभ्यास है वे विनाश में विनाश नहीं होंगे लेकिन स्वेच्छा से शरीर छोड़ेंगे।

उत्तर 25- *B. 8*

मेहनत बिगर तो कुछ चल न सके। हम बाबा के बने हैं, उनको ही याद करते हैं। बाप भी कहते हैं मुझे याद करो तो विकर्म विनाश होंगे। 84 जन्मों की कहानी भी बिल्कुल सहज है। बाकी मेहनत है बाप को याद करने में। *बाप कहते हैं कम से कम पुरुषार्थ कर 8 घण्टा तो याद करो।*

उत्तर 26- *D.ब्राह्मण चोटी फिर देवता*

भागीरथ तो मनुष्य का रथ है ना। इसमें परमपिता परमात्मा विराजमान होते हैं, परन्तु रथ का नाम क्या है? अभी तुम जानते हो नाम है ब्रह्मा क्योंकि ब्रह्मा द्वारा ब्राह्मण रचते हैं ना। पहले होते ही हैं ब्राह्मण चोटी फिर देवता। *पहले तो ब्राह्मण चाहिए इसलिए विराट रूप भी दिखाया है। तुम ब्राह्मण ही फिर देवता बनते हो।*

उत्तर 27- *A.सदा स्मृति रहे कि हम स्त्री-पुरुष नहीं,हम आत्मा हैं*

सदा स्मृति रहे कि हम स्त्री-पुरुष नहीं, हम आत्मा हैं, हम बड़े बाबा (शिवबाबा) से छोटे बाबा (ब्रह्मा) द्वारा वर्सा ले रहे हैं। यह स्मृति रावणपने की स्मृति को भुला देगी। जबकि स्मृति आई कि हम एक बाप के बच्चे हैं तो रावणपने की स्मृति समाप्त हो जाती है।

उत्तर 28- *D.लिंग रूप*

बाप है बिन्दी, वह फिर इतना बड़ा-बड़ा लिंग रूप बना देते हैं। परन्तु ऐसे है नहीं। मनुष्यों के भी बहुत बड़े-बड़े चित्र बनाते हैं। मनुष्यों के शरीर तो यही होते हैं। भक्ति मार्ग में क्या-क्या बैठ बनाया है। मनुष्य कितना मूँझे हुए हैं।

उत्तर 29- *D.नई दुनिया अमरलोक के लिए*

अभी तुम यहाँ पढ़कर भविष्य विश्व के मालिक बनते हो। *तुम जानते हो यह पढ़ाई है ही नई दुनिया, अमरलोक के लिए।* बाकी कोई अमरनाथ पर शंकर ने पार्वती को अमरकथा नहीं सुनाई है। वह तो शिव-शंकर को मिला देते हैं।

उत्तर 30- *C.दृढ़ता*

स्लोगन:- *दृढ़ता असम्भव से भी सम्भव करा देती है।*

उत्तर 31- *C.हम संगमयुगी ब्राह्मण हैं*

बाप को ही सब बुलाते हैं ना। अभी भी वह कहेंगे, कहते रहते हैं कि आओ और तुम संगमयुगी ब्राह्मण कहते हो बाबा आया हुआ है। इस संगमयुग को भी तुम जानते हो, यह पुरुषोत्तम युग गाया जाता है। *सदा इसी नशे में रहो कि हम संगमयुगी ब्राह्मण हैं,* हम जानते हैं जिस बाबा को सब पुकार रहे हैं, वह हमारे सम्मुख है।

उत्तर 32- *C.अलबेलापन है*

स्लोगन:- *योग को किनारे कर कर्म में बिजी हो जाना - यही अलबेलापन है।*

भाग - (5)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- परमात्मा की दुनिया है -

- A- परमधाम
- B- स्वर्ग
- C- संपूर्ण सृष्टि
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 2- 21 जन्मों की प्रालम्भ का आधार क्या है ?

- A- पवित्रता
- B- ज्ञान
- C- याद
- D- याद और सेवा

प्रश्न 3- सारी दुनिया में पानी जाता है। उसका मुख्य स्रोत क्या है ?

- A- सागर

- B- नदियाँ
- C- बरसात
- D- पहाड़

प्रश्न 4- अब बाप कहते हैं पावन बनो पावन बनने के लिए सबसे जरूरी क्या है ?

- A- याद और दिव्य गुणों की धारणा
- B- पढ़ाई
- C- याद
- D- राजयोग सीखना

प्रश्न 5- बाबा की रूद्र माला में कौन पिरोए जायेगे ?

- A- हम ब्राह्मण बच्चे
- B- सब आत्मायें
- C- 8
- D- 108

प्रश्न 6- सेवा से दुआएँ मिलती हैं, ये दुआएँ ही आधार हैं -

- A- खुशी का
- B- सन्तुष्टता का
- C- पुण्य के खाते का
- D- तंदुरुस्ती का

प्रश्न 7- यह जो साधु संत आदि हैं वह हैं ?

- A- भक्ति की अथॉरिटी
- B- शास्त्रों की अथॉरिटी
- C- वेदों की अथॉरिटी
- D- A और B

प्रश्न 8- किस को चैलेन्ज करो हम महावीर हैं ?

- A- पेपर को
- B- परिस्थिति को
- C- माया को
- D- मन को

प्रश्न 9- किसमें बहादुरी दिखानी है ?

- A- अन्तिम जन्म में बाप के डायरेक्शन पर चलना
- B- देवता बनने में
- C- वाणी से परे जाने में
- D- सम्पूर्ण नष्टोन्मोहा बनने में

प्रश्न 10- किस के ऊपर कोई परिस्थिति वार कर नहीं सकती ?

- A- मास्टर सागर
- B- अंगद
- C- महावीर
- D- निश्चय बुद्धि

प्रश्न 11- पेपर कब नमस्कार करेंगे ?

- A- परिस्थितियों को गुडलक समझ अपने निश्चय के फाउन्डेशन को मजबूत करो तो
- B- अंगद के समान मजबूत बनो तो
- C- प्रकृति जीत बनो तो
- D- चैलेन्ज करो हम महावीर हैं तब

प्रश्न 12- विकराल रूप, दासी यह शब्द क्या दर्शाते हैं -

- A- प्रकृति
- B- माया
- C- पेपर
- D- परिस्थिति

प्रश्न 13- कौन से गुणों के अनुभवी बनो ?

- A- जो बाप के गुण गाते हो उन सर्व गुणों के
- B- दैवीगुणों के
- C- सात गुणों के
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 14- तुम बच्चों को बाप देवता बनाते हैं। फिर..... से दैत्य बन जाते हैं रावण द्वारा ?

- A- देह अभिमान से
- B- माया से
- C- विकार से
- D- द्वैत

प्रश्न 15- विश्व का राज्य ले सकते हो ?

- A- देही-अभिमान बनने से
- B- पावन बनने से
- C- याद के बल से
- D- श्रीमत के आधार से

प्रश्न 16- अथाह खुशी में रहने के लिए-

- A- गरीबों का उद्धार करना है।
- B- हर संकल्प शुभ हो।
- C- सवेरे-सवेरे प्रेम से बाप को याद करना है और पढ़ाई पढ़नी है।
- D- न दुःख दो न दुःख लो।

प्रश्न 17- मूल बात ही है बनने की ?

- A- पावन
- B- देही-अभिमान
- C- कर्मातीत
- D- निर्विकारी

प्रश्न 18- वास्तव में यहां (संदली पर) किसको बैठना चाहिए ?

- A- जो देही-अभिमान बन बाप की याद में बैठे
- B- टीचर
- C- ज्ञानी
- D- ब्रह्ममुख वंशावली ब्राह्मण

प्रश्न 19- अन्त में पूरे क्या बनने वाले ही पास होंगे ?

- A- देही-अभिमान
- B- कर्मातीत
- C- फरिश्ता
- D- नष्टोमोहा

प्रश्न 20- पहले-पहले तो क्या गांठ बांधो ?

- A- स्वयं को आत्मा निश्चय करने की
- B- सभी को दो बाप का परिचय देने की
- C- बाप के याद की
- D- पवित्र बनने की

प्रश्न 21- ड्रामा के राज को कैसे समझना है ?

- A- विशाल बुद्धि से
- B- निश्चय बुद्धि बन
- C- बेहद की बुद्धि से
- D- महीन बुद्धि से

प्रश्न 22- परमात्मा को प्रत्यक्ष कर माया प्रूफ बनने का सहज साधन है ?

- A- धारणा युक्त जीवन
- B- चेहरे और चलन से
- C- संपूर्ण पवित्र जीवन

D- फॉलो फादर

प्रश्न 23- बहुत बच्चे समझते हैं योग में 100% हैं बाबा कहते हैं ?

- A- 25%
- B- 2%
- C- 10%
- D- 5%

प्रश्न 24- स्कॉलरशिप लेने के अधिकारी कब बनेंगे ?

- A- एकाग्रता के अभ्यास से
- B- निरहंकारिता के अभ्यास से
- C- अन्तर्मुखता के अभ्यास से
- D- ज्ञान योग से

प्रश्न 25- जहाँ भक्ति है वहाँ क्या है ?

- A- दुख
- B- वेद-शास्त्र
- C- देह-अभिमान
- D- अधियारा

प्रश्न 26- बाप कहते हैं दिन-रात जितना हो सके ?

- A- याद में रहो
- B- मन्सा सेवा करो
- C- बाबा के मददगार बनो
- D- दुआएँ दो दुआएँ लो

प्रश्न 27- कहाँ दिल भर कर शान्ति मिलती है ?

- A- स्वर्ग में
- B- सतयुग में
- C- शान्तिधाम में
- D- मधुबन में

प्रश्न 28- किसी के निगेटिव को पाज़िटिव में बदलने वाले ही क्या हैं ?

- A- रुहानी हैं
- B- योग युक्त सेवाधारी हैं
- C- विश्व परिवर्तक हैं
- D- स्व परिवर्तक हैं

प्रश्न 29- कारण को निवारण में परिवर्तन कर देती है ?

- A- आत्मिक स्थिति
- B- दृढ़ता
- C- शुभभावना
- D- निश्चितता

प्रश्न 30- ससुर घर है ?

- A- सतयुग
- B- कलियुग
- C- संगमयुग
- D- शान्ति धाम

प्रश्न 31- ब्रह्मा सो विष्णु, कौन से चित्र में कितना क्लीयर है ?

- A- झाड़
- B- त्रिमूर्ति के
- C- गोले के
- D- सीढ़ी के

प्रश्न 32- बहुत हैं जो 6-8 मास, 12 मास पढ़कर फिर गिर पड़ते हैं। फेल हो पड़ते हैं क्योंकि -

- A- श्रीमत पर चलते नहीं

- B- पवित्र बनते नहीं
- C- पढ़ाई नहीं करते
- D- याद नहीं करते

भाग (5) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *B.स्वर्ग*

परमात्मा की दुनिया स्वर्ग में देखो, वहाँ गंद की कोई बात नहीं होती। यहाँ तो गंद ही गंद है और फिर यहाँ कह देते परमात्मा सर्वव्यापी है। परमात्मा ही सुख देते हैं। बच्चा आया सुख हुआ, मरा तो दुःख होगा। अरे, भगवान ने तुमको चीज़ दी फिर ली तो इसमें तुमको रोने की क्या दरकार है!

उत्तर 2- *A.पवित्रता*

21 जन्मों की प्रालम्भ का आधार पवित्रता है। आत्मा और परमात्मा के मिलन का आधार पवित्र बुद्धि है। संगमयुगी प्राप्तिषों का आधार और भविष्य में पूज्य-पद पाने का आधार पवित्रता है इसलिए पवित्रता की पर्सनैलिटी को वरदान रूप में धारण करो।

उत्तर 3- *A.सागर*

भक्ति मार्ग में है अन्धश्रद्धा, शिव काशी कहते हैं फिर कहते हैं शिव ने गंगा लाई, भागीरथ से गंगा निकली। अब पानी माथे से कैसे निकलेगा। भागीरथ कोई ऊपर पहाड़ पर बैठा है क्या, जिसकी जटाओं से गंगा आयेगी! *पानी जो बरसता है, सागर से खींचते हैं, जो सारी दुनिया में पानी जाता है।

उत्तर 4- *C.याद*

इस समय भारत ही वेश्यालय है। पहले भारत ही शिवालय था। अभी दोनों ताज़ नहीं हैं। यह भी तुम बच्चे ही जानते हो अब पतित-पावन बाप कहते हैं मुझे याद करो तो तुम पतित से पावन बन जायेंगे। *पावन बनने के लिए सबसे जरूरी है याद*, याद में ही मेहनत है। बहुत थोड़े हैं जो याद में रहते हैं।

उत्तर 5- *A.हम ब्राह्मण बच्चे*

बच्चों ने गीत का अर्थ सुना कि *बाबा हम आपकी रुद्र माला में पिरो ही जायेंगे।* यह गीत तो भक्ति मार्ग के बने हुए हैं, जो भी दुनिया में सामग्री है, जप-तप, पूजा-पाठ यह सब है भक्ति मार्ग। भक्ति रावण राज्य, ज्ञान रामराज्य। ज्ञान को कहा जाता है नालेज, पढ़ाई। भक्ति को पढ़ाई नहीं कहा जाता।

उत्तर 6- *D.तंदुरुस्ति का*

स्लोगन:- *सेवा से जो दुआयें मिलती हैं - वह दुआयें ही तन्दरूस्ती का आधार हैं।*

उत्तर 7- *B.शास्त्रों की अथॉरिटी*

यह जो साधु-सन्त आदि हैं वह हैं शास्त्रों की अथॉरिटी। भक्ति की भी अथॉरिटी नहीं कहेंगे। शास्त्रों की अथॉरिटी हैं, उन्हीं का सारा मदार शास्त्रों पर है। समझते हैं भक्ति का फल भगवान को देना है। भक्ति कब शुरू हुई, कब पूरी होनी है, यह पता नहीं है।

उत्तर 8- *B.परिस्थिति को*

कोई भी परिस्थिति आये तो आप हाई जम्प दे दो क्योंकि परिस्थिति आना भी गुड-लक है। यह निश्चय के फाउन्डेशन को मजबूत करने का साधन है। *चैलेन्ज करो हम महावीर हैं। जैसे पानी के ऊपर लकीर ठहर नहीं सकती, ऐसे मुझ मास्टर सागर के ऊपर कोई परिस्थिति वार कर नहीं सकती।*

उत्तर 9- *A.अन्तिम जन्म में बाप के डायरेक्शन पर चलना*

मनुष्य तुम्हारी नई बातें सुनकर वन्दर खाते हैं, कहते हैं कि स्त्री-पुरुष दोनों ही इकट्ठे रह पवित्र रह सकें - यह कैसे हो सकता! अभी तुम पवित्र बनते हो। तो बाबा कहते बहादुरी दिखलाओ। सन्यासियों के आगे सबूत देना है। *इस एक अन्तिम जन्म में बाप के डायरेक्शन पर चल घर गृहस्थ में रहते पवित्र रहना है। इसमें बहादुरी दिखानी है।*

उत्तर 10- *A.ज्ञान योग*

यह बाबा कहते हैं मुझे विनाश, स्थापना का साक्षात्कार भी उस बाबा ने कराया, परन्तु साक्षात्कार से कोई का भी कल्याण नहीं। ऐसे तो बहुतों को साक्षात्कार होते थे। आज वह हैं नहीं। बहुत बच्चे कहते हैं हमको जब साक्षात्कार हो तो निश्चय बैठे। परन्तु निश्चय साक्षात्कार से नहीं हो सकता। *निश्चय बैठता है ज्ञान और योग से।*

उत्तर 11- *B.अंगद के समान मजबूत बनो तो*

कोई भी परिस्थिति आये तो आप हाई जम्प दे दो क्योंकि परिस्थिति आना भी गुड-लक है। यह निश्चय के फाउन्डेशन को मजबूत करने का साधन है। *आप जब एक बारी अंगद के समान मजबूत हो जायेंगे तो यह पेपर भी नमस्कार करेंगे।*

उत्तर 12- *C.पेपर*

आप जब एक बारी अंगद के समान मजबूत हो जायेंगे तो यह पेपर भी नमस्कार करेंगे। *पहले विकराल रूप में आयेंगे और फिर

दासी बन जायेंगे।* चैलेन्ज करो हम महावीर हैं। जैसे पानी के ऊपर लकीर ठहर नहीं सकती, ऐसे मुझ मास्टर सागर के ऊपर कोई परिस्थिति वार कर नहीं सकती।

उत्तर 13- *A.जो बाप के गुण गाते हो उन सर्व गुणों के*

जो बाप के गुण गाते हो उन सर्व गुणों के अनुभवी बनो, जैसे बाप आनंद का सागर है तो उसी आनंद के सागर की लहरों में लहराते रहो। जो भी सम्पर्क में आये उसे आनंद, प्रेम, सुख... सब गुणों की अनुभूति कराओ। ऐसे सर्व गुणों के अनुभवी मूर्त बनो

उत्तर 14- *D.द्वैत*

इन लक्ष्मी-नारायण का राज्य था, अद्वैत राज्य था। दो थे ही नहीं जो ताली बजे। उसको कहा ही जाता है - अद्वैत राज्य। तुम बच्चों को बाप देवता बनाते हैं। *फिर द्वैत से दैत्य बन जाते हैं रावण द्वारा।* अभी तुम बच्चे जानते हो हम भारतवासी सारे विश्व के मालिक थे।

उत्तर 15- *C.याद के बल से*

अभी तुम बच्चे जानते हो हम भारतवासी सारे विश्व के मालिक थे। *तुमको विश्व का राज्य सिर्फ याद बल से मिला था।* अब फिर मिल रहा है। कल्प-कल्प मिलता है, सिर्फ याद के बल से। पढ़ाई में भी बल है। जैसे बैरिस्टर बनते हैं तो बल है ना। वह है पार्सी-पैसे का बल।

उत्तर 16- *C.सवेरे-सवेरे प्रेम से बाप को याद करना है और पढ़ाई पढ़नी है*

अथाह खुशी में रहने के लिए - सवेरे-सवेरे प्रेम से बाप को याद करना है और पढ़ाई पढ़नी है। भगवान हमें पढ़ा-कर पुरुषोत्तम बना रहे हैं, हम संगमयुगी हैं, इस नशे में रहना है।

उत्तर 17- *A.पावन*

कल्प-कल्प बाप आकर हमको माया पर जीत पहनाते हैं। *मूल बात ही है पावन बनने की।* पतित बने हैं विकार से। बाप कहते हैं काम महाशत्रु है। यह आदि-मध्य-अन्त दुःख देने वाला है।

उत्तर 18- *A.जो देही-अभिमानि बन बाप की याद में बैठे*

वास्तव में यहाँ (संदली पर) बैठना उनको चाहिए *जो देही-अभिमानि बन बाप की याद में बैठे।* अगर याद में नहीं बैठेंगी तो वह टीचर कहला नहीं सकती। याद में शक्ति रहती है, ज्ञान में शक्ति नहीं है। इसको कहा ही जाता है - याद का बल।

उत्तर 19- *A.देही-अभिमानि*

देही-अभिमानि हों तो उस बाप को याद करें और बाप की श्रीमत पर चलें। बाप कहते हैं मुझे जानने के लिए सब पुरुषार्थी हैं। *अन्त में पूरे देही-अभिमानि बनने वाले ही पास होंगे।* बाकी सबमें ज़रा-ज़रा देह-अभिमान रहेगा।

उत्तर 20- *C.बाप की याद की*

बाबा कहते हैं पहले-पहले तो गांठ बांधो - बाप के याद की। बाप कहते हैं मुझे याद करो। आत्मा को अब घर जाना है। देह के सब सम्बन्ध छोड़ देने हैं। जितना हो सके बाप को याद करते रहो। यह पुरुषार्थ है गुप्त।

उत्तर 21- *D.महीन बुद्धि से*

महीन बुद्धि से इस ड्रामा के राज़ को समझना है। यह बहुत-बहुत कल्याणकारी ड्रामा है, हम जो बोलते हैं वा करते हैं वह फिर 5 हज़ार वर्ष बाद रिपीट होगा, इसे यथार्थ समझ खुशी में रहना है।

उत्तर 22- *C.सम्पूर्ण पवित्र जीवन*

स्वयं को परमात्म ज्ञान का प्रत्यक्ष प्रमाण वा प्रूफ समझने से माया प्रूफ बन जायेंगे। प्रत्यक्ष प्रूफ है - आपकी श्रेष्ठ पवित्र जीवन। सबसे बड़ी असम्भव से सम्भव होने वाली बात प्रवृत्ति में रहते पर-वृत्ति में रहना। देह और देह की दुनिया के संबंधों से पर (न्यारा) रहना। पुराने शरीर की आंखों से पुरानी दुनिया की वस्तुओं को देखते हुए न देखना अर्थात् *सम्पूर्ण पवित्र जीवन में चलना - यही परमात्मा को प्रत्यक्ष करने वा माया प्रूफ बनने का सहज साधन है।*

उत्तर 23- *B. 2%*

बाप कितना समझाते हैं - चार्ट रखो। मुख्य है ही योग की बात। बच्चों में ज्ञान के समझाने का शौक तो है लेकिन योग नहीं है। तो योग बिगर विकर्म विनाश नहीं होंगे फिर पद क्या पायेंगे! योग में तो बहुत बच्चे फेल हैं। *समझाते हैं हम 100 प्रतिशत हैं। परन्तु बाबा कहते 2 प्रतिशत हैं।*

उत्तर 24- *C.अन्तर्मुखता के अभ्यास से*

अन्तर्मुखता के अभ्यास से। तुम्हें बहुत अन्तर्मुखी रहना है। बाप तो है कल्याणकारी। कल्याण के लिए ही राय देते हैं। जो अन्तर्मुखी योगी बच्चे हैं वह कभी देह-अभिमान में आकर रूसते वा लड़ते नहीं। उनकी चलन बड़ी रॉयल शानदार होती है। बहुत थोड़ा बोलते हैं, यज्ञ सर्विस में रुचि रखते हैं। वह ज्ञान की ज्यादा तिक-तिक नहीं करते, याद में रहकर सर्विस करते हैं।

उत्तर 25- *A.दुःख*

तुम जानते हो हम पढ़ते ही हैं नई दुनिया के लिए। जहाँ यह वेद-शास्त्र आदि होते ही नहीं। सतयुग में भक्ति होती नहीं। वहाँ है ही सुख। *जहाँ भक्ति है वहाँ दुःख है।*

उत्तर 26- *A.याद में रहो*

बाप बैठ बच्चों को समझाते हैं। रास्ता बहुत सहज समझाया जाता है फिर भी बच्चे ठोकरे खाते रहते हैं। यहाँ बैठे हैं तो समझते हैं हमको बाप पढ़ाते हैं, शान्तिधाम जाने का रास्ता बताते हैं। बहुत सहज है। *बाप कहते हैं दिन-रात जितना हो सके याद में रहो।*

उत्तर 27- *C.शान्तिधाम*

इस समय सब अशान्त हैं। सतयुग में तो इतने धर्म होंगे ही नहीं। सब शान्ति में चले जायेंगे। *शान्तिधाम में दिल भर कर शान्ति मिलती है* तुमको राजाई में शान्ति भी है, सुख भी है। सतयुग में पवित्रता, सुख, शान्ति सब है तुमको।

उत्तर 28- *C.विश्व परिवर्तक हैं*

स्लोगन:- *विश्व परिवर्तक वही है जो किसी के निगेटिव को पॉजिटिव में बदल दे।*

उत्तर 29- *C.शुभ भावना*

स्लोगन:- *शुभ भावना कारण को निवारण में परिवर्तन कर देती है।*

उत्तर 30- *A.सतयुग*

कन्या की जब शादी होती है तो वन में बैठती है फिर महल में जाती है। तुम भी जंगल में बैठे हो। *सतयुग में ससुर घर जाना है*, इस पुरानी देह को छोड़ना है। एक बाप को याद करो।

उत्तर 31- *D.सीढ़ी के*

अभी तुम समझते हो बाबा इस रथ पर आते हैं, इनको ही भाग्यशाली रथ कहा जाता है। *ब्रह्मा सो विष्णु, सीढ़ी के चित्र में कितना क्लीयर है।* त्रिमूर्ति के ऊपर शिव, यह शिव का परिचय किसने दिया। बाबा ने ही बनवाया ना। अभी तुम समझते हो बाबा इस ब्रह्मा रथ में आये हैं। ब्रह्मा सो विष्णु, विष्णु सो ब्रह्मा। यह भी बच्चों को समझाया है, कहाँ 84 जन्म के बाद विष्णु सो ब्रह्मा बनते, कहाँ ब्रह्मा सो विष्णु एक सेकेण्ड में। वन्दरफुल बातें है ना बुद्धि में धारण करने की।

उत्तर 32- *C.पढ़ाई नहीं करते*

बहुत हैं जो 6-8 मास, 12 मास पढ़कर फिर गिर पड़ते हैं। फेल हो पड़ते हैं। भल पवित्र बनते हैं *परन्तु पढ़ाई नहीं करते तो फँस पड़ते हैं।* सिर्फ पवित्रता भी काम नहीं आती। ऐसे बहुत सन्यासी भी हैं, वह सन्यास धर्म छोड़ जाए गृहस्थी बन जाते हैं, शादी आदि कर लेते हैं। तो अब बाप बच्चों को समझाते हैं - तुम स्कूल में बैठे हो।

भाग - (6)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- क्या याद रहे तो भी सदैव खुशी रहे ?

- A- स्वदर्शन चक्र
- B- बाप
- C- यह नाटक
- D- पढ़ाई

प्रश्न 2- याद खिसक क्यों जाती है ?

- A- बुद्धि में स्मृति न होने के कारण
- B- आत्मा पवित्र न होने के कारण
- C- देह अभिमान होने के कारण
- D- परचिन्तन करने के कारण

प्रश्न 3- एक की बात दूसरे को सुनाना परचिन्तन करना माना जाता है ?

- A- डिस सर्विस
- B- डिस रिगार्ड
- C- मनमत
- D- धृतीपना

प्रश्न 4- किस शक्ति द्वारा रांग को भी राइट बना सकते हैं -

- A- परखने की शक्ति
- B- समाने की शक्ति
- C- निर्णय शक्ति
- D- सहन शक्ति

प्रश्न 5- देह अभिमानी बुद्धि को कहते हैं ?

- A- छी-छी कहा जाता है।
- B- कांटा कहा जाता है।
- C- विकारी कहा जाता है।
- D- माया का दूसरा रूप कहा जाता है।

प्रश्न 6- बाप कहते हैं रांग राइट तो सोचने की बुद्धि मिली है तो अब क्या नहीं करना है ?

- A- रांग काम
- B- आसुरी कर्म
- C- गलत कर्म
- D- विकर्म

प्रश्न 7- मनुष्य को कितना तुम समझाते हो फिर भी बुद्धि में बैठता नहीं क्योंकि -

- A- पत्थर बुद्धि है।
- B- देह अभिमानी हैं।
- C- कलियुग है।
- D- भक्ति मार्ग में फँसे है।

प्रश्न 8 - अचल अडोल कब बनेंगे ?

- A- निश्चय बुद्धि रहने से
- B- ड्रामा का राज समझने से
- C- एक बल एक भरोसे के आधार से
- D- स्व स्थिति में रहने से

प्रश्न 9- जहाँ नम्रता होगी वहाँ क्या अवश्य ही होगा ?

- A- सहयोग
- B- सुख
- C- स्नेह और सहयोग
- D- सम्मान

प्रश्न 10- दैवी सम्बन्ध में कितने जन्म होते हैं -

- A- 20
- B- 21
- C- 8
- D- 12

प्रश्न 11- तुम पढ़ रहे हो -

- A- नयी दुनिया के लिए
- B- प्रिंस प्रिन्सेज बनने के लिए
- C- देवी देवता बनने के लिए
- D- पावन बनने के लिए

प्रश्न 12- सबसे बड़ी सेवा है -

- A- किसी को भी सुख देना
- B- किसी को भी दुआ देना
- C- किसी को भी खुशी देना
- D- किसी को भी संतुष्ट करना

प्रश्न 13- किन के मुख से कभी व्यर्थ वा साधारण बोल नहीं निकल सकते-

- A- श्रेष्ठ संकल्प धारी आत्माओं के
- B- स्वमान धारी आत्माओं के
- C- रुहानी रॉयल आत्माओं के
- D- विजयी रत्न आत्माओं के

प्रश्न 14- सबसे बड़ा भाग्य है -

- A- दुआएँ जमा करना
- B- सेवा करना

- C- निर्बल आत्माओं में बल भरना
- D- मेहमान नवाजी करना

प्रश्न 15- बाबा टाइम भी देते हैं। अच्छा -

- A- रात को 10 बजे सो जाओ फिर 3-4 बजे उठकर याद करो।
- B- रात को 9 बजे सो जाओ फिर 2-3 बजे उठकर याद करो।
- C- रात को 9 बजे सो जाओ 2-4 बजे उठकर याद करो।
- D- रात को 10 बजे सो जाओ फिर 4 बजे उठ कर याद करो।

प्रश्न 16- समझों स्त्री अथवा बच्चा तुम्हारा कहना नहीं मानते हैं तो..... हैं ?

- A- सपूत
- B- कपूत
- C- डिसरिगार्ड करते
- D- अवज्ञा करते

प्रश्न 17- जैसे कन्या पति के साथ मिलती है। तो जेवर आदि पहनती है तो मुखड़ा ही खिल जाता है। वह मुखड़ा खिलता है -

- A- दुःख पाने के लिए
- B- सदा सुख पाने के लिए
- C- नए घर में जाने के लिए
- D- साजन के साथ के लिए

प्रश्न 18- बाप में बच्चों का लव रहता है। क्योंकि -

- A- बाप का भी बच्चों में बहुत लव रहता है
- B- समझेंगे इससे पैसा मिलेगा।
- C- बाप रचता है
- D- बाप से वर्सा मिलता है

प्रश्न 19- शिवोहम् का अर्थ है -

- A- ओम् नमः शिवाय
- B- हम सो सो हम
- C- मैं शिव हूँ
- D- मैं आत्मा शिव को नमन करती हूँ

प्रश्न 20- गीता में कौनसे अक्षर ठीक हैं जिसे कहा जाता है आटे में नमक ?

- A- भगवानुवाच
- B- मनमनाभव,
- C- मध्याजी भव
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 21- अपार खुशी में रहने के लिए ?

- A- सदा श्रीमत पर चलो
- B- निश्चय हो कि भगवान हमें पढ़ाते हैं
- C- पुण्य कर्म ही करो
- D- न दुःख दो न दुःख लो

प्रश्न 22- तुम आये हो क्या बनने ?

- A- स्वर्गवासी सुन्दर
- B- पावन
- C- देवता
- D- श्री लक्ष्मी श्री नारायण

प्रश्न 23- नम्बरवन मत है -

- A- बाप को याद करो
- B- पावन बनो
- C- स्वयं को आत्मा निश्चय करो
- D- कमल फूल समान बनो

प्रश्न 24- हर एक धर्म वाले की क्या अलग है ?

- A- शक्ल
- B- धर्म का शास्त्र
- C- पारलौकिक पिता
- D- A और B
- E- A, B, और C

प्रश्न 25- कौन से अक्षर बहुत मीठे हैं ?

- A- बाबा
- B- मम्मा
- C- शान्तिधाम
- D- A और B

प्रश्न 26- में आने से संस्कार आसुरी बन जाते हैं ?

- A- द्वैत में आने से
- B- रावणराज्य में
- C- देह-अभिमान
- D- गिरती कला में आने से

प्रश्न 27- आसुरी संस्कारों को बदलकर दैवी संस्कार बनाने के लिए कौन-सा विशेष पुरुषार्थ चाहिए ?

- A- ज्ञान रत्नों की कमाई
- B- देही-अभिमानि रहने का अभ्यास करो
- C- निरंतर याद
- D- सम्पूर्ण पावन बनने का

प्रश्न 28- पहले पहले समझाना होता है ?

- A- हम आत्मा हैं
- B- यहाँ भगवान पढ़ाते हैं
- C- बाप का परिचय
- D- हम आत्मा भाई भाई हैं

प्रश्न 29- अब किसी को भी वाणी से सावधान करने का समय नहीं लेकिन -

- A- मन्सा शुभ भावना द्वारा एक दूसरे के सहयोगी बनकर आगे बढ़ो और बढ़ाओ
- B- साथी बनाकर पार ले जाना
- C- योग की शक्ति से निर्बल आत्माओं में बल भरो
- D- रहम की दृष्टि से परिवर्तन करो

प्रश्न 30- ड्रामा कहाँ होता है ?

- A- मूलवतन,
- B- सूक्ष्मवतन,
- C- स्थूलवतन,
- D- उपरोक्त सभी,

प्रश्न 31- बच्चों को खिलाओ, पिलाओ, स्नान कराओ, बुद्धि में बाप की याद हो क्योंकि -

- A- याद से ही कर्मातीत बनना है
- B- पावन बनना है
- C- जानते हो आत्मा पर पापों का बोझ बहुत है
- D- अब घर वापस जाना है

प्रश्न 32- बाप ने तुम्हें प्यार करना सिखलाया है ?

- A- सबसे
- B- आत्मा से
- C- शरीर से
- D- परमात्मा से

भाग (6) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *C.यह नाटक*

आज राजा है, कल उसको उतार देते हैं। अखबार में बहुत ऐसी-ऐसी बातें पड़ती हैं, जिसका रेस्पॉन्ड दिया जाए तो कुछ समझें। *यह

नाटक है, यह याद रहे तो भी सदैव खुशी रहे।* बुद्धि में है ना - आज से 5 हजार वर्ष पहले शिव-बाबा आया था, आकर राजयोग सिखाया था। लड़ाई लगी थी। अभी यह सब राइट बातें बाप सुनाते हैं।

उत्तर 2- *B.आत्मा पवित्र न होने के कारण*

आत्मा पवित्र न होने कारण याद खिसक जाती है। हमको भगवान पढ़ाते हैं यह याद खिसक जाती है। हम बाबा के स्टूडेंट हैं। बाबा कहते रहते हैं - याद की यात्रा पर रहो। बाप हमको पढ़ाकर यह बना रहे हैं। सारा दिन यह स्मृति आती रहे।

उत्तर 3- *D.धृतीपना*

बाप से बेमुख करने वाला मुख्य अवगुण है - एक दूसरे का परचिंतन करना। ईविल बातें सुनना और सुनाना। बाप का डायरेक्शन है तुम्हें ईविल बातें सुननी नहीं है। इनकी बात उनको, उनकी बात *इनको सुनाना यह धृतीपना* तुम बच्चों में नहीं होना चाहिए।

उत्तर 4- *B.समाने की शक्ति*

हर एक सिर्फ यह जिम्मेवारी उठा लो कि मैं राइट के मार्ग पर ही रहूंगा, *अगर दूसरा रांग करता है तो उस समय समाने की शक्ति यूज करो।* किसी की गलती को नोट करने के बजाए उसको सहयोग का नोट दो अर्थात सहयोग से भरपूर कर दो तो विश्व परिवर्तन का कार्य सहज ही हो जायेगा।

उत्तर 5- *A.छी-छी कहा जाता है*

तुम बच्चों में भी नम्बरवार हैं जिनको धारणा होती है। *देह-अभिमानी बुद्धि को छी-छी कहा जाता है।* देही-अभिमानी को गुल-गुल (फूल) कहा जाता है। अभी तुम फूल बनते हो। देह-अभिमानी रहने से काँटे के काँटे रह जाते।

उत्तर 6- *A.रांग काम*

कुछ भी भूल हो तो झट सुनाना चाहिए। बाबा हमसे यह भूल हुई। कर्मेन्द्रियों से यह भूल की। *बाप कहते हैं रांग राइट तो सोचने की बुद्धि मिली है तो अब रांग काम नहीं करना है।* रांग काम कर दिया - तो बाबा तोबां-तोबां, क्षमा करना क्योंकि बाप अभी यहाँ बैठे हैं सुनने के लिए। जो भी बुरा काम हो जाए तो फौरन बताओ वा लिखो - बाबा यह बुरा काम हुआ तो तुम्हारा आधा माफ हो जायेगा।

उत्तर 7- *A.पत्थर बुद्धि*

जैसे अजमेर में सोनी द्वारिका है, तो उनमें से भी सीन सीनरी लेकर नई दुनिया अलग बनाकर फिर दिखाओ। इस पुरानी दुनिया को आग लगनी है, इनका भी नक्शा तो है ना। और यह नई दुनिया इमर्ज हो रही है। ऐसे-ऐसे ख्याल कर अच्छी रीति बनाना चाहिए। यह तो तुम समझते हो। *इस समय मनुष्यों की बिल्कुल है जैसे पत्थरबुद्धि।* कितना तुम समझाते हो फिर भी बुद्धि में बैठता नहीं।

उत्तर 8- D.स्व स्थिति में रहने से

आप जब एक बारी अंगद के समान मजबूत हो जायेंगे तो यह पेपर भी नमस्कार करेंगे। पहले विकराल रूप में आयेंगे और फिर दासी बन जायेंगे। चैलेन्ज करो हम महावीर हैं। जैसे पानी के ऊपर लकीर ठहर नहीं सकती, ऐसे मुझ मास्टर सागर के ऊपर कोई परिस्थिति वार कर नहीं सकती। *स्व-स्थिति में रहने से अचल-अडोल बन जायेंगे।

उत्तर 9- *C.स्नेह और सहयोग*

अगर कोई रांग भी करता तो आप राइट रहो। कोई टक्कर लेता है तो भी आप उसे स्नेह का पानी दो। यह क्यों, ऐसा क्यों-यह संकल्प करके आग पर तेल नहीं डालो। नम्रता का कवच पहनकर रहो। *जहाँ नम्रता होगी वहाँ स्नेह और सहयोग भी अवश्य होगा।*

उत्तर 10- *A. 20*

अब कर्म-बन्धन को तोड़ना है। बुद्धि में है हम इस समय ब्राह्मण सम्बन्ध में हैं फिर दैवी सम्बन्ध में जायेंगे। ब्राह्मण सम्बन्ध का यह एक ही जन्म है। *फिर 8 और 12 जन्म दैवी सम्बन्ध में होंगे।* यह ज्ञान बुद्धि में है इसलिए कलियुगी छी-छी कर्मबन्धन से जैसे ग्लानि करते हैं।

उत्तर 11- *B.प्रिंस प्रिन्सेज बनने के लिए*

सबके लिए पढ़ाई एक ही है। यह भी कहते हैं हम राजयोग सीखते हैं। फिर हम जाकर प्रिन्स बनेंगे। तुम भी कहते हो हम प्रिन्स-प्रिन्सेज बनेंगे। *तुम पढ़ रहे हो प्रिन्स-प्रिन्सेज बनने के लिए।* अन्त मती सो गति हो जायेगी। बुद्धि में यह निश्चय है हम बेगर से प्रिन्स बनने वाले हैं। यह बेगर दुनिया ही खत्म होनी है।

उत्तर 12- *D.किसी को भी सन्तुष्ट करना*

संगमयुग पर आलराउन्ड सेवा का चांस मिलना - यह भी ड्रामा में एक लिफ्ट है, जो प्यार से यज्ञ की आलराउन्ड सेवा करते हैं उन्हें सर्व प्राप्ति का प्रसाद स्वतः प्राप्त हो जाता है। वे निर्विघ्न रहते हैं। *किसी को भी सन्तुष्ट करना - यह सबसे बड़ी सेवा है।*

उत्तर 13- *C.रूहानी राँयल आत्माओं के*

जैसे दुनिया की राँयल आत्मायें कभी छोटी-छोटी बातों में, छोटी चीज़ों में अपनी बुद्धि वा समय नहीं देती, देखते भी नहीं देखती, सुनते भी नहीं सुनती, ऐसे आप रूहानी राँयल आत्मायें किसी भी आत्मा की छोटी-छोटी बातों में, जो राँयल नहीं हैं उनमें अपनी बुद्धि वा समय नहीं दे सकते। *रूहानी राँयल आत्माओं के मुख से कभी व्यर्थ वा साधारण बोल भी नहीं निकल सकते।*

उत्तर 14- *D.मेहमान नवाजी करना*

एक बारी सेवा की और हजार बार सेवा का फल प्राप्त हो गया। सदा स्थूल सूक्ष्म लंगर लगा रहे। किसी को भी सन्तुष्ट करना - यह सबसे बड़ी सेवा है। *मेहमान निवाजी करना, यह सबसे बड़ा भाग्य है।*

उत्तर 15- *B.रात को 9 बजे सो जाओ फिर 2-3 बजे उठ कर याद करो*

जो बच्चे अपना पूरा-पूरा पोतामेल बाप को भेज देते हैं बाबा उन्हें ही अपनी राय देते हैं। बच्चों को बताना चाहिए हम बाप को कैसे याद करते हैं? कब याद करते हैं? फिर बाप राय देंगे। *बाबा टाइम भी देते हैं। अच्छा, रात को 9 बजे सो जाओ फिर 2-3 बजे उठकर याद करो।*

उत्तर 16- *B.कपूत*

अभी बाप कहते हैं वह धंधा आदि भी करो सिर्फ एक हफ्ता यह अच्छी रीति समझो। गृहस्थ व्यवहार भी सम्भालना है। रचना की पालना भी करनी है। वह तो रचकर फिर भाग जाते हैं। बाप कहते हैं तुमने रचा है तो फिर अच्छी रीति सम्भालो। *समझो स्त्री अथवा बच्चा तुम्हारा कहना मानते हैं तो सपूत हैं। नहीं समझते हैं तो कपूत हैं।*

उत्तर 17- *A.दुःख पाने के लिए*

जैसे कन्या पति के साथ मिलती है तो जेवर आदि पहनती है तो मुखड़ा ही खिल जाता है। *वह मुखड़ा खिलता है दुःख पाने के लिए।* तुम्हारा मुखड़ा खिलता है सदा सुख पाने के लिए। तो ऐसे बाप के पास आने समय कितनी खुशी होनी चाहिए।

उत्तर 18- *D.बाप से वर्सा मिलता है*

जिससे कुछ मिलता है उसमें लव रहता है। *बाप में बच्चों का लव रहता है क्योंकि बाप से वर्सा मिलता है।* जितना जास्ती वर्सा, उतना बच्चे का जास्ती लव रहेगा। अगर बाप के पास कुछ भी प्रापटी है नहीं, दादे के पास है तो फिर बाप में इतना लव नहीं रहेगा। फिर दादे से लव हो जायेगा।

उत्तर 19- *C.मैं शिव हूं*

हम आत्मा अब अपने परमपिता परमात्मा से महावाक्य सुन रहे हैं। महावाक्य एक परमपिता परमात्मा के ही हैं जो महान् पुरुष पुरुषोत्तम बनाते हैं। बाकी जो भी महात्मायें गुरू आदि हैं, उनके कोई महावाक्य नहीं हैं। *शिवोहम् जो कहते हैं वह भी सही वाक्य हैं नहीं। शिवोहम् का अर्थ है मैं शिव हूं।*

उत्तर 20- *D.उपरोक्त सभी*

जैसे गीता में भगवानुवाच मनमनाभव, मध्याजी भव यह अक्षर ठीक हैं। इसको कहा जाता है आटे में नमक। अब भगवान किसको कहा जाता है, यह तो बच्चे अच्छी रीति जान गये हैं। भगवान शिवबाबा को कहा जाता है। शिवबाबा आकर शिवालय रचते हैं। आते कहाँ हैं? वेश्यालय में।

उत्तर 21- *B.निश्चय हो कि भगवान हमें पढ़ाते हैं*

बाप जो अविनाशी ज्ञान रत्नों का खज़ाना देते हैं उसका कदर करना है। बेपरवाह बन पाप कर्म नहीं करने हैं। *अगर निश्चय है भगवान हमको पढ़ाते हैं तो अपार खुशी में रहना है।*

उत्तर 22- *A.स्वर्गवासी सुन्दर*

यह है ही पाप आत्माओं की दुनिया। एक भी सुन्दर नहीं। बाप बिगर सुन्दर कोई बना न सके। *तुम आये हो स्वर्गवासी सुन्दर बनने।* अभी नर्कवासी श्याम हैं क्योंकि काम चिता पर चढ़ काले बने हैं।

उत्तर 23- *A.बाप को याद करो*

बाप रोज़-रोज़ समझाते रहते हैं - बच्चों, श्रीमत पर चलना भूलो मत। इन (ब्रह्मा) की तो बात ही नहीं। उनकी बात समझो। वही इन द्वारा मत देते हैं। वही समझाते हैं। खान-पान खाते नहीं, कहते हैं मैं अभोक्ता हूँ। तुम बच्चों को श्रीमत देता हूँ। *नम्बरवन मत देते हैं मुझे याद करो।* कोई भी विकर्म नहीं करो।

उत्तर 24- *D. A - B*

गीता भी है देवी-देवता धर्म का शास्त्र। तो तुम्हें दूसरे कोई धर्म में जाने से क्या फ़ायदा। हर एक अपनी-अपनी कुरान, बाइबिल आदि ही पढ़ते हैं। अपने धर्म को जानते हैं। एक भारतवासी ही अन्य सब धर्मों में चले जाते हैं। और सब अपने-अपने धर्म में पक्के हैं। *हर एक धर्म वाले की शक्ल आदि अलग है।* बाप स्मृति दिलाते हैं - बच्चे, तुम अपने देवी-देवता धर्म को भूल गये हो।

उत्तर 25- *D.बाबा मम्मा*

यह सारी रचना उस एक रचता बाप की ही है। उनको सब फ़ादर कहते हैं। जैसे लौकिक बाप को भी फ़ादर ही कहा जाता है। *बाबा और मम्मा यह दोनों अक्षर बहुत मीठे हैं।* रचता तो बाप को ही कहेंगे। वह पहले माँ को एडाए करते हैं फिर रचना रचते हैं।

उत्तर 26- *C.देह-अभिमान*

देह-अभिमान में आने से ही आसुरी संस्कार बनते हैं। बाप आसुरी संस्कारों को दैवी संस्कार बनाने के लिए आये हैं, पुरुषार्थ करो पहले मैं देही आत्मा हूँ, पीछे यह शरीर है।

उत्तर 27- *B.देही-अभिमानि रहने का अभ्यास करो*

आसुरी संस्कारों को बदलने के लिए जितना हो सके *देही-अभिमानि रहने का अभ्यास करो।*

उत्तर 28- *A.हम आत्मा हैं*

अब बाप कहते हैं पहले तो अपने को देही (आत्मा) समझना है तुम बच्चों की बुद्धि में है - हम पहले आत्मा हैं, पीछे शरीर हैं। परन्तु द्रामा प्लेन अनुसार मनुष्य सब रांग हो गये हैं इसलिए उल्टा समझ लिया है कि पहले हम देह हैं फिर देही हैं।

उत्तर 29- *A.मन्सा शुभ भावना द्वारा एक दूसरे के सहयोगी बनकर आगे बढ़ो और बढ़ाओ*

हर एक की विशेषता को देखो, कमियों को छोड़ते जाओ। अब किसी को भी वाणी से सावधान करने का समय नहीं लेकिन *मन्सा शुभ भावना द्वारा एक दूसरे के सहयोगी बनकर आगे बढ़ो और बढ़ाओ* तब कहेंगे विश्व कल्याणकारी।

उत्तर 30- *C.स्थूल वतन*

अभी तुमको मूलवतन, सूक्ष्मवतन, स्थूलवतन सब याद है। आगे थोड़ेही जानते थे - सूक्ष्मवतन क्या होता है। अभी तुम समझते हो वहाँ कैसे मूवी में बातचीत करते हैं। मूवी बाइसकोप भी निकला था। तुमको समझाने में सहज होता है। साइलेन्स, मूवी, टॉकी। शान्तिधाम घर है, वहाँ कोई पार्ट नहीं बजाया जाता है *स्थूलवतन में आत्माएँ एक-एक करके जन्म लेकर अपने कर्मों का फल भोगती हैं।* और इस नाटक के अंत में अपने मूल निवास-परमधाम लौट जाती हैं।

उत्तर 31- *C.जानते हो आत्मा पर पापों का बोझ बहुत है*

कहते हैं ना - हाथों से काम करते बुद्धि बाप तरफ रहे। *बच्चों को खिलाओ, पिलाओ, स्नान कराओ, बुद्धि में बाप की याद हो क्योंकि जानते हो आत्मा पर पापों का बोझ बहुत है* इसलिए बुद्धि बाप की तरफ लगी रहे। उस माशूक को बहुत-बहुत याद करना है।

उत्तर 32- *B.आत्मा से*

तुम आत्माओं का प्यार एक बाप से है, *बाप ने तुम्हें आत्मा से प्यार करना सिखलाया है*, शरीर से नहीं"

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (7)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- जो अपनी देह की स्मृति सहित स्वाहा हो जाते हैं उनके -

- A- श्रेष्ठ वायुब्रेशन द्वारा वायुमण्डल का परिवर्तन सहज होता है।
- B- द्वारा विश्व परिवर्तन होगा।
- C- सेन्स से वायुमण्डल बनता है।
- D- संकल्पों में सिद्धि होती है।

प्रश्न 2- बुद्धि में यह रहे कि इन आंखों से जो कुछ देखते हैं वह सब है ?

- A- विनाश होना
- B- रावण की प्राप्ति
- C- रावणराज्य
- D- मिट्टी में मिल जाना है

प्रश्न 3- श्रेष्ठ कर्मों का फाउंडेशन है ?

- A- श्रेष्ठ संकल्प
- B- आत्मिक दृष्टि
- C- पवित्रता
- D- श्रेष्ठ संग

प्रश्न 4- विहंग मार्ग की सेवा करने के लिए संगठित रूप में किन दो बातों का बैलेंस चाहिए ?

- A- ज्ञान और योग
- B- रूप और बसंत
- C- याद और सेवा
- D- स्व कल्याण और विश्व कल्याण

प्रश्न 5- बच्चों को हमेशा यह ख्याल रखना है ?

- A- आत्मा पावन कैसे बने
- B- कर्मातीत बनने का
- C- सभी को बाप का परिचय कैसे दें
- D- माया जीत जगत जीत बनने का

प्रश्न 6- इस ईश्वरीय सेवा में बड़े से बड़ा पुण्य है ?

- A- मनसा द्वारा शक्तियों का दान देना
- B- हर आत्मा को बाप का पैगाम देना
- C- सबको मुक्ति की राह दिखाना
- D- पवित्रता का दान देना

प्रश्न 7- यहां तुम बच्चे -

- A- बच्चे भी हो
- B- स्टूडेंट भी हो
- C- फालोअर्स भी हो
- D- A और B
- E- उपरोक्त सभी

प्रश्न 8- जो अपने धन्धे धोरी आदि में फँसे हुए बहुत रहते हैं, उनको कभी यह बुद्धि में आ न सके कि -

- A- भगवान पढ़ाते हैं।
- B- हम आत्मा हैं।
- C- इस दुनिया का विनाश होना है।
- D- सब मिट्टी में मिल जाना है।

प्रश्न 9- किस को बहुत बंधन रहता है ?

- A- नौकरी करने वालों को
- B- माताओं को
- C- बांधेलियों को
- D- व्यापारी लोगों को

प्रश्न 10- कौन है, वही हर बोल अर्थ सहित बोल सकता है ?

- A- देही-अभिमानि
- B- श्रेष्ठ स्वमानधारी आत्मा
- C- महान तपस्वी आत्मा
- D- निश्चय बुद्धि आत्मा

प्रश्न 11- अमृतवेले अपने दूसरे सब संकल्पों को लॉकप (बंद) कर -

- A- बिंदु बन बिंदु बाप को याद करो।
- B- एक बाप को प्यार से याद करो, बाप से मीठी- मीठी रूहरिहान करो
- C- देही-अभिमानि रहने का अभ्यास करो
- D- पावरफुल वाइब्रेशन फैलाओ

प्रश्न 12- मनुष्यों को यह पता नहीं है कि भगवान को क्यों याद किया जाता है! हम भगवान को क्यों याद करते हैं ?

- A- मुक्ति के लिये
- B- पाप विनाश के लिए
- C- मिलने के लिए
- D- राजाई के लिए

प्रश्न 13- वहाँ स्वतः याद रहती है ?

- A- जहाँ स्नेह है
- B- जहाँ संबंध है
- C- जहाँ प्राप्ति है
- D- जहाँ परिचय है

प्रश्न 14- अभी तुम बच्चों को कौन सी उछल आनी चाहिए ?

- A- गांव-गांव में जाकर सर्विस करें।
- B- अपना सब कुछ सफल कर ले।
- C- बाप समान बनने की।
- D- सबको घर का रास्ता बतायें।

प्रश्न 15- कौन जीवनमुक्ति में आयेंगे ?

- A- धारणा करेंगे वही

- B- जो देवता बनने का पुरुषार्थ करते हैं
- C- पढ़ाई पढ़ेंगे वही
- D- जो संपूर्ण नष्टोमोहा बनेंगे

प्रश्न 16- जिसको..... की आदत पड़ी वह पतित बनने बिगड़ रह नहीं सकेंगे ?

- A- बाइस्कोप
- B- कुदृष्टि
- C- देह-अभिमान
- D- कुसंग

प्रश्न 17- बाप समान क्या बन सर्विस करनी है ?

- A- निर्माण
- B- ओबिडिएन्ट
- C- निर्हकारी
- D- विश्व कल्याणकारी

प्रश्न 18- मान,शान और किसका त्याग ही महान त्याग है ?

- A- नाम
- B- वैभव
- C- साधन
- D- स्थूल धन

प्रश्न 19- तुम्हारा मुख अभी स्वर्ग की तरफ है, तुम नर्क से किनारा कर स्वर्ग की तरफ जा रहे हो इसके लिए कौन सा चित्र है ?

- A- गोले के
- B- श्रीकृष्ण का
- C- त्रिमूर्ति शिव
- D- गेटवे टू हेवन

प्रश्न 20- कौन जैसे एकदम रसातल में चले जायेंगे ?

- A- जो ब्राह्मण भी बने हैं फिर बुद्धि चली जाती है हेल तरफ।
- B- देह अभिमानी।
- C- श्रीमत पर न चलने वाले।
- D- निर्विकारी नहीं रहते तो।

प्रश्न 21- कौनसी बड़ी लीला है ?

- A- सभी आत्माओं को पावन बनाने की लीला
- B- मनुष्य से देवता बनाने की लीला
- C- सृष्टि के बदलने की लीला
- D- बच्चों को त्रिनेत्री,त्रिकालदर्शी बनाने की लीला

प्रश्न 22- एक आत्माओं का झाड़ है, दूसरा है, मनुष्यों का झाड़ । मनुष्यों के झाड़ में ऊपर में कौन हैं ?

- A- ग्रेट-ग्रेट ग्रेन्ड फादर ब्रह्मा
- B- ब्रह्मा-विष्णु-शंकर
- C- शिवबाबा
- D- मम्मा-बाबा

प्रश्न 23- विश्व सेवाधारी अर्थात् -

- A- आलराउण्ड सेवाधारी
- B- सदा आत्मिक स्थिति में रहने वाले
- C- बेहद की स्थिति में स्थित
- D- सदा समर्थ संकल्प रचने वाले

प्रश्न 24- तुम्हें.....बन कर नयी दुनिया में आना है ?

- A- क्षीर खंड
- B- गुल गुल
- C- संपूर्ण पावन
- D- संपूर्ण निर्विकारी

प्रश्न 25- पुरुषोत्तम संगमयुग पर पुरुषार्थ करना है ?

- A- कर्मातीत बनने का
- B- पुरुषोत्तम बनने का
- C- सबकुछ सफल करने का
- D- नष्टोन्मोहा बनने का

प्रश्न 26- सर्विस की सफलता के लिए मुख्य गुण है ?

- A- नम्रता
- B- निर्माणता
- C- संतुष्टता
- D- सहनशीलता

प्रश्न 27- खुशी और पद का आधार है ?

- A- पवित्रता
- B- याद
- C- पढ़ाई
- D- याद और सेवा

प्रश्न 28- ज्ञान अर्थात् -

- A- स्व आत्मा को जानना
- B- स्व आत्मा के पिता को जानना
- C- रचना और रचना को जानना
- D- सृष्टि के आदि, मध्य, अंत को जानना

प्रश्न 29- पहले-पहले पूजा शिव की होती है। मन्दिर भी उनके बनते हैं क्योंकि -

- A- सर्व आत्माओं सहित सारी सृष्टि को पावन कर देते हैं।
- B- रचयिता हैं।
- C- भारत की और सारी दुनिया के बच्चों की सर्विस करते हैं।
- D- स्वर्ग स्थापन करते हैं।

प्रश्न 30- भल कितने भी विश्व आदि पड़ते हैं, माया के तूफान आते हैं, तो भी -

- A- तुम बाप की याद में रहो
- B- तुम महावीर बनो
- C- पढ़ाई पर ध्यान दो
- D- स्व स्थिति में स्थित रहो

प्रश्न 31- राजा विक्रम का संवत् है ?

- A- विक्रमाजीत
- B- विक्रमी
- C- अति विक्रमी
- D- विक्रमी और अति विक्रमी

प्रश्न 32- अमृतवेले मन बुद्धि बाप के हवाले कर तख्तनशीन बन जाओ तो-

- A- भविष्य तख्तनशीन का अनुभव करेंगे।
- B- मालिक बनो और अधिकार लो।
- C- जो तकदीर की रेखा खिंचवाने चाहो खिंचवा लो।
- D- बाप के सर्व खजाने अपने खजाने अनुभव होंगे।

भाग (7) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *A. श्रेष्ठ वायब्रेशन द्वारा वायुमण्डल का परिवर्तन सहज होता है*

सेन्स अर्थात् ज्ञान की प्वाइन्ट्स, समझ और इसेन्स अर्थात् सर्व शक्ति स्वरूप स्मृति और समर्थ स्वरूप। इन दोनों का बैलेन्स हो तो अपनापन वा पुरानापन स्वाहा हो जायेगा। हर सेकण्ड, हर संकल्प, हर बोल और हर कर्म विश्व परिवर्तन की सेवा प्रति स्वाहा होने से विश्व परिवर्तक स्वतः बन जायेंगे। *जो अपनी देह की स्मृति सहित स्वाहा हो जाते हैं उनके श्रेष्ठ वायब्रेशन द्वारा वायुमण्डल का परिवर्तन सहज होता है।*

उत्तर 2- *C. रावणराज्य*

अब बाप कहते हैं इस दुःखधाम को भूल जाओ। भल यहाँ रहते हो परन्तु बुद्धि में यह रहे कि *इन आंखों से जो कुछ देखते हैं वह सब

रावणराज्य है।* इन शरीरों को देखते हैं, यह भी सारी पुरानी दुनिया की सामग्री है। यह सारी सामग्री इस यज्ञ में स्वाहा होनी है।

उत्तर 3- *C.पवित्रता*

श्रेष्ठ कर्मों का फाउन्डेशन है "पवित्रता"। लेकिन पवित्रता सिर्फ ब्रह्मचर्य नहीं। यह भी श्रेष्ठ है लेकिन मन्सा संकल्प में भी अगर कोई आत्मा के प्रति विशेष लगाव वा झुकाव हो गया, किसी आत्मा की विशेषता पर प्रभावित हो गये या उसके प्रति निगेटिव संकल्प चले, ऐसे बोल वा शब्द निकले जो मर्यादापूर्वक नहीं हैं तो उसको भी पवित्रता नहीं कहेंगे।

उत्तर 4- *B.रूप और बसन्त*

बिहंग मार्ग की सेवा करने के लिए संगठित रूप में "रूप और बसन्त" इन दो बातों का बैलेन्स चाहिए। जैसे बसन्त रूप से एक समय पर अनेक आत्माओं को सन्देश देने का कार्य करते हो ऐसे ही रूप अर्थात् याद बल द्वारा, श्रेष्ठ संकल्प के बल द्वारा बिहंग मार्ग की सर्विस करो।

उत्तर 5- *D.मायाजीत जगतजीत बनने का*

रूसतम से माया भी अच्छी रीति रूसतम होकर लड़ती है। कच्चे से क्या लड़ेगी! *बच्चों को हमेशा यह ख्याल रखना है, हमको मायाजीत जगतजीत बनना है।* माया जीते जगत जीत का अर्थ भी कोई समझते नहीं। अभी तुम बच्चों को समझाया जाता है - तुम कैसे माया पर जीत पा सकते हो।

उत्तर 6- *D.पवित्रता का दान देना*

इस ईश्वरीय सेवा में बड़े-से-बड़ा पुण्य है - पवित्रता का दान देना। पवित्र बनना और बनाना ही पुण्य आत्मा बनना है क्योंकि किसी आत्मा को आत्म-घात महा पाप से छुड़ाते हो। अपवित्रता आत्म-घात है। पवित्रता जीय-दान है। किसका दुःख लेकर सुख देना, यही सबसे बड़े ते बड़ा पुण्य का काम है। ऐसे पुण्य करते-करते पुण्यात्मा बन जायेंगे।

उत्तर 7- *E.उपरोक्त सभी*

सारे सृष्टि चक्र वा ड्रामा में बाप एक ही बार आते हैं। और कोई सतसंग आदि में ऐसे नहीं समझते होंगे। न वह कथा करने वाला बाप है, न वह बच्चे हैं। वह तो वास्तव में फालोअर्स भी नहीं हैं। *यहाँ तो तुम बच्चे भी हो, स्टूडेंट भी हो और फालोअर्स भी हो।*

उत्तर 8- *A.भगवान पढ़ाते हैं*

यह स्टूडेंट लाइफ भी एक ही बार होती है, जबकि भगवान आकर पढ़ाते हैं। तुम्हारी बुद्धि में यह है, बाकी *जो अपने धन्ये धोरी आदि में फँसे हुए बहुत रहते हैं, उनको कभी यह बुद्धि में आ न सके कि भगवान पढ़ाते हैं।* उन्हें तो अपना धन्या आदि ही याद रहता है।

उत्तर 9- *D.व्यापारी लोगों को*

रोजाना टाइम मुकरर कर दो अपना चार्ट लिखने का। *व्यापारी लोगों को बहुत बंधन रहता है।* नौकरी करने वालों पर बंधन नहीं रहता। वह तो अपना काम पूरा किया खलास। व्यापारियों के पास तो कभी ग्राहक आये तो सप्लाई करना पड़े। बुद्धियोग बाहर चला जाता है।

उत्तर 10- *A.देह-अभिमानि*

जो देही-अभिमानि है, वही हर बोल अर्थ सहित बोल सकता है। बाप तुम्हें संगम पर जो भी सिखलाते हैं, वह अर्थ सहित है। देह-अभिमान में आकर मनुष्य जो कुछ बोलते हैं वह सब अर्थ के बिना अनर्थ है। उससे कोई फल नहीं निकलता, फायदा नहीं होता।

उत्तर 11- *B.एक बाप को प्यार से याद करो, बाप से मीठी-मीठी रूहरिहान करो*

मीठे बच्चे - *अमृतवेले अपने दूसरे सब संकल्पों को लॉकप (बंद) कर एक बाप को प्यार से याद करो, बाप से मीठी-मीठी रूहरिहान करो*

उत्तर 12- *B.पाप विनाश के लिए*

मनुष्यों को यह पता नहीं है कि भगवान को क्यों याद किया जाता है! कहते भी हैं तुम मात-पिता. . . . अर्थ नहीं जानते। अभी तुम जानते हो, शिव के चित्र पर समझा सकते हो - यह ज्ञान का सागर, पतित-पावन है, उनको याद करना है। *जितना-जितना बाप की याद में रहेंगे, याद के बल से पाप मिट जायेंगे।*

उत्तर 13- *C.जहाँ प्राप्ति है*

विश्व कल्याण की जिम्मेवारी का ताज और बापदादा का दिलतख्त सदा कायम रहे तो निरन्तर स्वतः योगी बन जायेंगे। उन्हें किसी भी प्रकार की मेहनत करने की बात नहीं। क्योंकि एक तो संबंध समीप का है दूसरा प्राप्ति अखुट है। *जहाँ प्राप्ति होती है वहाँ स्वतः याद होती है।*

उत्तर 14- *A.गांव-गांव में जाकर सर्विस करें*

तुम्हें उछल आनी चाहिए कि गांव-गांव में जाकर सर्विस करें। तुम्हारे पास जो कुछ है, वह सेवा अर्थ है। बाप बच्चों को राय देते हैं - बच्चे, इस पुरानी दुनिया से अपना पल्लव आज्ञाद करो। कोई चीज़ में ममत्व नहीं रखो, इनसे दिल नही लगाओ।

उत्तर 15- *B.जो देवता बनने का पुरुषार्थ करते हैं*

जो देवता बनने का पुरुषार्थ करते हैं वही जीवनमुक्ति में आयेंगे। बाकी सभी मुक्ति में जायेंगे। हिसाब एक्यूरेट नहीं निकाल सकते। कोई तो रहेंगे भी। विनाश का साक्षात्कार करेंगे। यह सुहावना समय भी देखेंगे। हर बात में पुरुषार्थ करना होता है।

उत्तर 16- *A.बाइस्कोप*

तुम बच्चों को संग बड़ा अच्छा करना चाहिए। बुरे संग का रंग लगने से गिर पड़ेंगे। बाबा बाइस्कोप (सिनेमा) आदि देखने की मना करते हैं। *जिसको बाइस्कोप की आदत पड़ी वह पतित बनने बिगार रह नहीं सकेंगे।* यहाँ हर एक की एक्टिविटी डर्टी है, नाम ही है वेश्यालय।

उत्तर 17- *B.ओबीडियन्ट*

बच्चे जानते हैं हम क्या थे, क्या पाप किये। अब हम यह देवता बनते हैं, यह पुरानी दुनिया खत्म होनी है फिर यहाँ मकान आदि की क्या परवाह रखनी है। इस दुनिया का जो कुछ है वह भूलना है। *बाप समान ओबीडियन्ट बन सर्विस करनी है।* सबको बाप का परिचय देना है।

उत्तर 18- *C.साधन*

स्लोगन:- *मान, शान और साधनों का त्याग ही महान त्याग है।*

उत्तर 19- *B.श्रीकृष्ण का*

तुम्हारा मुख अभी स्वर्ग की तरफ है, तुम नर्क से किनारा कर स्वर्ग की तरफ जा रहे हो, इसलिए बुद्धि का योग नर्क से निकाल दो। यहाँ भी बहुत हैं जिनका पति, बच्चों आदि में मोह रहता है। अभी तुम बच्चे जानते हो स्वर्ग का गेट खुलता है। *कृष्ण के चित्र में बड़ा क्लीयर लिखा हुआ है। इस लड़ाई के बाद स्वर्ग के गेट्स खुलते हैं।*

उत्तर 20- *A.जो ब्राह्मण भी बनें फिर बुद्धि चली जाती है हेल तरफ*

बाप कहते नर्क तरफ बुद्धियोग न रखो। परन्तु बाप का भी कहना मानते नहीं। फिर क्या करना पड़े? इसमें बड़ी नष्टमोहा स्थिति चाहिए। यह सारा ज्ञान आत्मा में है। बाप की आत्मा कहती है इनको हमने क्रियेट किया है, मेरा कहना नहीं मानते हैं। *कोई तो ब्राह्मण भी बनें फिर बुद्धि चली जाती है हेल तरफ। तो वह जैसे एकदम रसातल में चले जायेंगे।*

उत्तर 21- *C.सृष्टि के बदलने की लीला*

पिछाड़ी में गाते हैं ना - अहो प्रभू तेरी लीला। कौन-सी लीला? *सृष्टि के बदलने की लीला। यह है सबसे बड़ी लीला।* पुरानी दुनिया खत्म होने से पहले नई दुनिया की स्थापना होती है इसलिए हमेशा किसको भी समझाओ तो पहले स्थापना, विनाश फिर पालना कहना है।

उत्तर 22- *A.ग्रेट-ग्रेट ग्रेन्ड फादर ब्रह्मा*

एक आत्माओं का झाड़ है, दूसरा है मनुष्यों का झाड़। *मनुष्यों के झाड़ में ऊपर में कौन हैं? ग्रेट-ग्रेट ग्रेन्ड फादर ब्रह्मा को ही कहेंगे।* यह जानते हैं ब्रह्मा मुख्य है परन्तु ब्रह्मा के पीछे क्या हिस्ट्री-जॉग्राफी है, यह कोई नहीं जानते।

उत्तर 23- *C.बेहद की स्थिति में स्थित*

विश्व सेवाधारी अर्थात् बेहद की स्थिति में स्थित रहने वाले। ऐसे सेवाधारी सेवा करते हुए भी न्यारे और सदा बाप के प्यारे रहते हैं। सेवा के लगाव में नहीं आते क्योंकि सेवा का लगाव भी सोने की जंजीर है।

उत्तर 24- *A.क्षीर खण्ड*

मीठे बच्चे - अभी ड्रामा का चक्र पूरा होता है, *तुम्हें क्षीरखण्ड बनकर नई दुनिया में आना है,* वहाँ सब क्षीरखण्ड हैं, यहाँ लूनपानी हैं।

उत्तर 25- *B.पुरुषोत्तम बनने का*

हम ब्रह्मा मुख वंशावली ब्राह्मण हैं, स्वयं भगवान हमें मनुष्य से देवता बनाने की पढ़ाई पढ़ा रहे हैं, इस नशे और खुशी में रहना है। *पुरुषोत्तम संगमयुग पर पुरुषोत्तम बनने का पुरुषार्थ करना है।*

उत्तर 26- *D.सहनशीलता*

सर्विस की सफलता के लिए मुख्य गुण है सहनशीलता का। हर बात में सहनशील बनकर आपस में संगठन बनाकर सर्विस करो। भाषण आदि के प्रोग्राम लेकर आओ। मनुष्यों को नींद से जगाने के लिए अनेक प्रबन्ध निकलेंगे। जो तकदीरवान बनने वाले हैं वह पढ़ाई भी रूची से पढ़ेंगे।

उत्तर 27- *C.पढ़ाई*

जब तक जीना है तब तक पढ़ना और पढ़ाना है, *खुशी और पद का आधार है पढ़ाई।* यह अन्दर बुद्धि में पढ़ाई गूँजती रहती है। जितना जो पढ़ेगा, उतनी उनको खुशी भी रहेगी। अन्दर में यह रहता है कि हम नये विश्व का मालिक बँूँगा। अभी हम स्वर्ग द्वार जाते हैं।

उत्तर 28- *C.रचना और रचता को जानना*

वैसे तुम बच्चों की बुद्धि में गूँजना चाहिए - *रचता और रचना को जानना - यह है ज्ञान।* वह शान्ति के लिए, वह सुख के लिए। सुख होता है धन से। धन नहीं तो मनुष्य काम का नहीं। धन के लिए मनुष्य कितना पाप करते हैं। बाप ने अथाह धन दिया है। स्वर्ग सोने का, नर्क

पत्थरों का।

उत्तर 29- *C.भारत की और सारी दुनिया के बच्चों की सर्विस करते हैं*

अभी तुम जानते हो ऊंच ते ऊंच शिवबाबा कौन है? उनकी पूजा क्यों की जाती है? अक आदि के फूल क्यों चढ़ाते हैं? वह तो निराकार है ना। कहते हैं नाम रूप से न्यारा है, परन्तु नाम रूप से न्यारी कोई चीज़ तो होती नहीं। तब क्या है - जिसको फूल आदि चढ़ाते हैं? पहले-पहले पूजा उनकी होती है। मन्दिर भी उनके बनते हैं *क्योंकि भारत की और सारी दुनिया के बच्चों की सर्विस करते हैं।*

उत्तर 30- *A.तुम बाप की याद में रहो*

यह शरीर तो यहाँ 5 तत्वों का बना हुआ है। बनता है, छूटता है फिर बनता है। अब आत्मा तो अविनाशी है। अविनाशी आत्माओं को अब अविनाशी बाप पढ़ा रहे हैं संगमयुग पर। *भल कितने भी विघ्न आदि पड़ते हैं, माया के तूफान आते हैं, तुम बाप की याद में रहो।* तुम समझते हो हम ही सतोप्रधान थे फिर तमोप्रधान बने हैं।

उत्तर 31- *B.विक्रमी*

जो भी बच्चे याद में रहते हैं, वो सदैव साथ में हैं। याद में रहने से साथ रहते हैं और विकर्म विनाश होते हैं फिर शुरू होता है विकर्माजीत संवत। *फिर जब रावण राज्य होता है तब कहते हैं राजा विक्रम का संवत। वह विकर्माजीत, वह विक्रमी।*

उत्तर 32- *D.बाप के सर्व खजाने अपने खजाने अनुभव होंगे*

अमृतवेले वरदाता, भाग्य विधाता से जो तकदीर की रेखा खिंचवाने चाहो खिंचवा लो क्योंकि उस समय भोले भगवान के रूप में लवफुल हैं इसलिए मालिक बनो और अधिकार लो। खजाने पर कोई भी ताला-चाबी नहीं है। *मन बुद्धि बाप के हवाले कर तख्तनशीन बन जाओ तो बाप के सर्व खजाने अपने खजाने अनुभव होंगे।*

भाग - (8)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- सारा खेल दो बातों पर बना हुआ है -

- A- राम राज्य और रावण राज्य
- B- तमोप्रधान और सतोप्रधान
- C- भारत की हार और भारत की जीत
- D- पतित और पावन

प्रश्न 2- ग्रहचारी बैठने का मुख्य कारण -

- A- विकार
- B- माया के तूफान लगने से
- C- योग की कमी है
- D- श्रीमत पर न चलने से

प्रश्न 3- तुम पढ़ते ही हो....

- A- देवता बनने के लिए
- B- स्वर्ग
- C- भविष्य 21 जन्म
- D- नयी दुनिया के लिए के लिए।

प्रश्न 4- बाप किन बच्चों की वाह वाह करते हैं ?

- A- फरमानबरदार बच्चों की
- B- मोतेले बच्चों की
- C- गरीब बच्चों की
- D- रूहे गुलाब बच्चों की

प्रश्न 5- बाप से कनेक्शन ठीक रखो तो -

- A- सर्व शक्तियों की करेन्ट आती रहेगी
- B- मालामाल बन जायेंगे
- C- खुशी का झरना अखुट अविनाशी बहता रहेगा
- D- कोई अप्राप्ति नहीं रहेगी

प्रश्न 6- पण्डित लोग कौन सा यज्ञ रचते हैं ?

- A- स्थूल यज्ञ
- B- रूद्र

- C- शालिग्राम का
- D- ज्ञान यज्ञ

प्रश्न 7- सत धाम है -

- A- सुखधाम
- B- शान्तिधाम
- C- ईश्वर का धाम
- D- A और B
- E- A, B और C

प्रश्न 8- संगमयुग पर भाग्य के अखुट खजाने की कौन सी चाबी मिलती है ?

- A- याद की
- B- बाबा शब्द की
- C- सर्व खजानों की
- D- नाँलेज की

प्रश्न 9- महान पुण्य का कार्य है ?

- A- घर-घर में प्रदर्शनी खोलो,
- B- किसको बाप का रास्ता बताना,
- C- बाप को याद करना,
- D- दुआएँ देना दुआएँ लेना

प्रश्न 10- जब आप मायाजीत बनेंगे तब माया भक्त बनेगी ?

- A- मास्टर भगवान
- B- ब्रह्मा बाप के समान
- C- प्रकृति जीत
- D- सम्पूर्ण पावन

प्रश्न 11- अलग पर्याय का चुनाव कीजिए ?

- A- सर्व-गुण सम्पन्न
- B- सम्पूर्ण निर्विकारी
- C- पवित्र
- D- मास्टर सर्वशक्तिवान

प्रश्न 12- बाप को याद करना गोया कौन सा वर्सा लेना ?

- A- शान्ति
- B- शक्ति
- C- सुख
- D- सुख- शान्ति

प्रश्न 13- नई दुनिया की स्थापना का मुख्य आधार क्या है ?

- A- दिव्य गुण
- B- योग बल
- C- पवित्रता
- D- पढ़ाई

प्रश्न 14- यहाँ वर्सा किसे मिलता है

- A- आत्मा को
- B- भाई भाई को
- C- भाई बहन को
- D- बच्चों को

प्रश्न 15- अक्लमंद बन अपना जीवन.....में लगाना है ?

- A- ईश्वरीय सेवा
- B- रूहानी पढ़ाई
- C- विश्व कल्याण में
- D- स्व उन्नति

प्रश्न 16- तुम बच्चों के नाम भी कितने रमणीक थे। वह नाम की लिस्ट एलबम में रख देनी चाहिए। गुलजार दादी का असली नाम -

- A- शोभा
- B- आशा
- C- गीता
- D- हृदयमोहिनी

प्रश्न 17- पहले-पहले तो समझाना ही यह है, दो बाप हैं ना। वे कौन से-

- A- लौकिक
- B- अलौकिक
- C- पारलौकिक
- D- A और B
- E- A और C

प्रश्न 18- तुम हर एक को धनुष तोड़ना है अर्थात् -

- A- तुफानों से डरना नहीं है
- B- माया पर जीत पानी है
- C- महावीर बनना है
- D- पावन जरूर बनना है

प्रश्न 19- आत्मिक स्थिति में रहने का अभ्यास करो ?

- A- सहनशील बनो
- B- एकाग्रचित्त बनो
- C- अंतर्मुखी बनो
- D- निरंतर योगी बनो

प्रश्न 20- लास्ट का पुरुषार्थ व सर्विस है -

- A- मन्सा द्वारा आत्माओं को सुख शांति की अंचली देना
- B- अपने स्वरूप से बाप की प्रत्यक्षता करना
- C- वृत्ति द्वारा वायुमंडल को पावरफुल बनाना
- D- हर आत्मा तक बाप का पैगाम पहुँचाना

प्रश्न 21- अपनी अवस्था को एकरस बनाने के लिए -

- A- ड्रामा पर संपूर्ण निश्चय रखना है।
- B- सदा हर्षित रहना है।
- C- देही-अभिमानि बनने का पुरुषार्थ करना है।
- D- सर्व संबंध एक बाप से रखने हैं।

प्रश्न 22- अलग पर्याय का चुनाव कीजिए ?

- A- रूद्र की माला
- B- विष्णु की माला
- C- विजय माला
- D- रुण्ड माला

प्रश्न 23- भविष्य ऊंच घराने में आने का आधार है -

- A- पढ़ाई
- B- याद
- C- पावनता
- D- याद और सेवा

प्रश्न 24- कहाँ यह नॉलेज रहती है, हम आत्मा हैं ?

- A- सतयुग में
- B- संगमयुग में
- C- कलियुग में
- D- A और B

प्रश्न 25- स्वर्गवासी बनने के लिए -

- A- पावन जरूर बनना है
- B- दिव्य गुण धारण करो

C- इस लाइफ में पूरी स्टडी करनी है
D- सम्पूर्ण नष्टोमोहा बनना है

प्रश्न 26- वही डबल लाइट हैं -

- A- जो सदा आत्मिक स्थिति में रहते
- B- जो हर कर्म करन करावनहार की स्मृति में करते
- C- साक्षी दृष्टा स्थिति में रहते
- D- जो मन से सदा संतुष्ट रहते

प्रश्न 27- ब्रह्मापुरी किस को कहेंगे ?

- A- संगमयुग को
- B- कलियुग को
- C- सूक्ष्मवतन को
- D- सतयुग को

प्रश्न 28- धर्मराजपुरी में कौन सजाएँ नहीं खाएंगे ?

- A- संपूर्ण पावन अवस्था वाले
- B- संपूर्ण नष्टोमोहा अवस्था वाले
- C- कर्मातीत अवस्था वाले
- D- उपराम अवस्था वाले

प्रश्न 29- कौन पढ़ाते तो सारे अमेरिका, जापान आदि सब तरफ से आ जाएं ?

- A- श्रीकृष्ण
- B- भगवान
- C- शिवबाबा
- D- कोई गुरु गोसाई

प्रश्न 30- सतयुग में ?

- A- भक्ति होती ही नहीं
- B- पुजारी एक भी होता नहीं
- C- पूज्य एक भी होता नहीं
- D- A, B और C
- E- A और B

प्रश्न 31- पढ़ाई का सार क्या है ?

- A- दुनिया की सब बातों को छोड़ दो
- B- विश्व का मालिक बनना
- C- दैवीगुण धारण करना
- D- मैं आत्मा बिंदी मेरा बाबा बिंदी

प्रश्न 32- शिवबाबा हैं -

- A- विश्व का मालिक
- B- सच्चा ही सच्चा है
- C- गाँड फादर
- D- A, B, C
- E- B और C

भाग (8) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *C. भारत की हार और भारत की जीत*

सारा खेल दो बातों पर बना हुआ है। भारत की हार और भारत की जीत। भारत में सतयुग आदि के समय पवित्र धर्म था, इस समय है अपवित्र धर्म। अपवित्रता के कारण अपने को देवता नहीं कह सकते हैं फिर भी श्री श्री नाम रखा देते हैं। लेकिन श्री माना श्रेष्ठ। श्रेष्ठ कहा ही जाता है पवित्र देवताओं को।

उत्तर 2- *C. योग की कमी है*

अच्छे-अच्छे फर्स्टक्लास बच्चों पर भी ग्रहचारी बैठती है। *ग्रहचारी बैठने का मुख्य कारण योग की कमी है।* ग्रहचारी के कारण ही नाम-रूप में फँस मरते हैं। यह बड़ी मंजिल है। अगर सच्ची मंजिल पानी है, तो याद में रहना पड़े।

उत्तर 3- *C. भविष्य 21 जन्म*

तुम एक शरीर छोड़ फिर दूसरा लेते हो। जो बहुत अच्छे-अच्छे हैं वह जरूर ऊंच कुल में जन्म लेंगे। *तुम पढ़ते ही हो भविष्य 21 जन्म के लिए।* पढ़ाई पूरी हुई और प्रालम्भ शुरू होगी। स्कूल में पढ़कर ट्रांसफर होते हैं ना। तुम भी ट्रांसफर होने वाले हो - शान्तिधाम फिर सुख-धाम में।

उत्तर 4- *C. गरीब बच्चों की*

बाबा गरीब बच्चों की वाह-वाह करते हैं, वाह गरीबी वाह! आराम से दो रोटी खाना है, हबच (लालच) नहीं। गरीब बच्चे बाप को प्यार से याद करते हैं। बाबा अनपढ़े बच्चों को देख खुश होते हैं क्योंकि उन्हें पढ़ा हुआ भूलने की मेहनत नहीं करनी पड़ती है।

उत्तर 5- *A. सर्व शक्तियों की करेन्ट आती रहेगी*

स्लोगन:- *बाप से कनेक्शन ठीक रखो तो सर्व शक्तियों की करेन्ट आती रहेगी।*

उत्तर 6- *B. रूद्र*

पण्डित लोग जब रूद्र यज्ञ रचते हैं तो शिव का बहुत बड़ा लिंग बनाते हैं और शालिग्राम छोटे-छोटे बनाते हैं। शालिग्राम कहा जाता है आत्मा को। शिव कहा जाता है परमात्मा को। वह सभी का बाप है, हम सब हैं भाई-भाई, कहते भी हैं ब्रदरहुड। बाप के बच्चे हम भाई-भाई हैं।

उत्तर 7- *D. A और B*

तुम बच्चों की बुद्धि में है - हम पुरुषोत्तम संगमयुग पर हैं। बाप पुरुषोत्तम बनाने आये हुए हैं। जैसे बैरिस्टरी, डॉक्टरी आदि पढ़ते हैं जिससे मर्तबा पाते हैं। समझते हैं इस पढ़ाई से हम फलाना बनूँगा। यहाँ तुम सत के संग में बैठे हो, जिससे तुम सुखधाम में जाते हो। *सत धाम भी दो हैं - एक सुखधाम, दूसरा है शान्तिधाम।*

उत्तर 8- *D. नालेज की*

संगमयुग पर सभी बच्चों को भाग्य बनाने के लिए नालेज रूपी चाबी मिलती है। ये चाबी लगाओ और जितना चाहे उतना भाग्य का खजाना लो। चाबी मिली और मालामाल बन गये। जो जितना मालामाल बनते हैं उतना खुशी स्वतः रहती है।

उत्तर 9- *A. घर-घर में प्रदर्शनी खोलो*

बाप कहते हैं अब सर्विस में तत्पर रहो। *घर-घर में प्रदर्शनी खोलो। इन जैसा महान पुण्य कोई होता नहीं।* यह प्रदर्शनी तो तुम्हारे घर-घर में होनी चाहिए क्योंकि तुम बच्चे ब्राह्मण हो। तुम्हारे घर में यह चित्र जरूर होने चाहिए। इन पर समझाना बहुत सहज है।

उत्तर 10- *A. मास्टर भगवान*

मगन अवस्था का अनुभव करने के लिए अपने अनेक टाइटल वा स्वरूप, अनेक गुणों के श्रृंगार, अनेक प्रकार के खुशी की, रचता और रचना के विस्तार की प्वाइंट्स, प्राप्ति की जो आपकी पसन्दी हो उस पर मनन करो तो मगन अवस्था सहज अनुभव होगी। फिर कभी परवश नहीं होंगे, माया सदा के लिए नमस्कार करेगी। संगमयुग का पहला भक्त माया बन जायेगी। *जब आप मायाजीत मास्टर भगवान बनेंगे तब माया भक्त बनेगी।*

उत्तर 11- *D. मास्टर सर्वशक्तिमान*

श्रीमत् भगवत् गीता कहते हैं, कितनी बड़ी महिमा है। देवताओं की भी महिमा गाते हैं - *सर्व-गुण सम्पन्न, सम्पूर्ण निर्विकारी..... बाप ही आकर सम्पूर्ण पावन बनाते हैं।* जब सम्पूर्ण पतित दुनिया बनती है तब ही बाप आकर सम्पूर्ण पावन दुनिया बनाते हैं।

उत्तर 12- *A. शान्ति*

बाप को याद करना है, यही मुख्य बात है। *बाप को याद करना गोया शान्ति का वर्सा लेना।* शान्ति में सब आ जाता है। तुम्हारी आयु भी बढ़ी हो जाती है, निरोगी काया भी बनती जाती है।

उत्तर 13- *C. पवित्रता*

नई दुनिया की स्थापना का मुख्य आधार है पवित्रता। बाप जब ब्रह्मा तन में आकर नई दुनिया स्थापन करते हैं तब तुम आपस में भाई-बहन हो जाते हो। स्त्री पुरुष का भान निकल जाता है। इस अन्तिम जन्म में पवित्र बनते हो तो पवित्र दुनिया के मालिक बन जाते हो।

उत्तर 14- *A. आत्मा को*

यहाँ वर्सा ही मिलता है आत्मा को। उसमें भाई बहन का सवाल नहीं उठता। आत्मा ही पढ़ती है, वर्सा लेती है। सबको हक है। तुम बच्चे इस पुरानी दुनिया में जो कुछ देखते हो - यह सब विनाश को पाना है।

उत्तर 15- *A. ईश्वरीय सेवा*

अक्लमंद बन अपनी जीवन ईश्वरीय सेवा में लगानी है। सच्चा-सच्चा रूहानी सोशल वर्कर बनना है। रूहानी पढ़ाई पढ़नी और पढ़ानी है। जो अक्लमंद बच्चे हैं वह सहज ही सब बातों को समझकर दूसरों को पढ़ाने लग पड़ेंगे। वह फौरन निर्णय लेंगे कि उस पढ़ाई से क्या मिलता है और इस पढ़ाई से क्या मिलता है। क्या पढ़ना चाहिए।

उत्तर 16- *A. शोभा*

तुम बच्चों के नाम भी कितने रमणीक थे। *जैसे गुलजार दादी का नाम शोभा था।* वह नाम की लिस्ट एलबम में रख देनी चाहिए। तुम भट्टी में थे, घरबार छोड़ बाप के आकर बने। एकदम भट्टी में आकर पड़े। ऐसी पक्की भट्टी थी जो अन्दर कोई आ न सके। जब बाप के बन गये तो फिर नाम जरूर होने चाहिए।

उत्तर 17- *E. A और C*

पहले-पहले तो समझाना ही यह है, दो बाप हैं ना। एक लौकिक और दूसरा पारलौकिक। बड़ा तो जरूर पारलौकिक बाप हो गया, जिसको भगवान कहा जाता है। तुम जानते हो अभी हमको पारलौकिक बाप मिला है, और किसी को पता नहीं। धीरे-धीरे जानते जायेंगे।

उत्तर 18- *B. माया पर जीत पानी है*

तुम महावीर के बच्चे महावीर बने हो क्योंकि तुम माया पर जीत पाते हो। 5 विकार रूपी रावण पर हर एक जीत पाते हैं। एक मनुष्य की बात नहीं। *तुम हर एक को धनुष तोड़ना है अर्थात् माया पर जीत पानी है।* इसमें लड़ाई आदि की कोई बात नहीं।

उत्तर 19- *C. अंतर्मुखी बनो*

अव्यक्त इशारे - *आत्मिक स्थिति में रहने का अभ्यास करो, अन्तर्मुखी बनो*

उत्तर 20- *C. वृत्ति द्वारा वायुमण्डल को पावरफुल बनाना*

स्लोगन:- *वृत्ति द्वारा वायुमण्डल को पावरफुल बनाना यही लास्ट का पुरुषार्थ व सर्विस है।*

उत्तर 21- *C. देह-अभिमानी बनने का पुरुषार्थ करना है*

अपनी अवस्था को एकरस बनाने के लिए देही-अभिमानी बनने का पुरुषार्थ करना है। इस पुराने घर से ममत्व निकाल देना है।

उत्तर 22- *A. रुद्र की माला*

सिविलवार में भी एक-दो को मारते कैसे हैं, किसको हम मारते हैं वह भी पता नहीं पड़ता है। हाहाकार के बाद जयजयकार होनी है। *तुम्हारी विजय, बाकी सब विनाश हो जायेंगे। रुद्र की माला में पिरोकर फिर विष्णु की माला में पिरोये जायेंगे।* अभी तुम पुरुषार्थ करते हो अपने घर जाने के लिए।

उत्तर 23- *A. पढ़ाई*

भविष्य ऊंच घराने में आने का आधार है पढ़ाई, यह पढ़ाई है, जैसे इन्जीनियरी, बैरिस्टरी आदि पढ़ते हैं तो बुद्धि में रहता है कि हम घर बनायेंगे फिर यह करेंगे.... हर एक को अपना कर्तव्य स्मृति में आता है। तुम बच्चों को जाकर बड़े ऊंच घर में जन्म लेना है इस पढ़ाई से।

उत्तर 24- *D. A और B*

यथार्थ आत्मा क्या है, यह कोई भी मनुष्य मात्र नहीं जानते। *अभी तुम बच्चों को यह नॉलेज (संगमयुग पर) मिलती है जो फिर तुम साथ ले जाते हो। वहाँ (सतयुग में) यह नॉलेज रहती है, हम आत्मा हैं* यह पुराना शरीर छोड़ दूसरा लेते हैं। आत्मा की पहचान साथ में ले जाते।

उत्तर 25- *C. इस लाइफ में पूरी स्टडी करनी है*

हम स्वर्गवासी बनने के लिए पढ़ रहे हैं। यह खुशी स्थाई रहनी चाहिए, इस शरीर से कभी भी तंग नहीं होना है। इस शरीर में ही जी करके बाप से वर्सा पाना है। *स्वर्गवासी बनने के लिए इस लाइफ में पूरी स्टडी करनी है।*

उत्तर 26- *D. जो मन से सदा संतुष्ट रहते*

स्लोगन:- *जो मन से सदा सन्तुष्ट है वही डबल लाइट है।*

उत्तर 27- *A. संगमयुग को*

अभी बाप यथार्थ समझाते हैं - ब्रह्मा सो विष्णु, विष्णु सो ब्रह्मा कैसे बनते हैं। बच्चों में अभी समझ है कि हम ब्रह्मापुरी के हैं फिर विष्णुपुरी के बनेंगे। विष्णुपुरी से *ब्रह्मापुरी (संगमयुग)* में आने में 84 जन्म लगते हैं।

उत्तर 28- *C. कर्मातीत अवस्था वाले*

जो कर्मातीत अवस्था वाले होंगे वह कोई धर्मराज पुरी में सज़ायें थोड़े ही भोगेंगे। स्वर्ग में तो सज़ा होगी ही नहीं। वहाँ गर्भ भी महल रहता है। कोई दुःख की बात नहीं। यहाँ तो गर्भ जेल है जो सज़ायें खाते रहते हैं। तुम कितना बार स्वर्गवासी बनते हो - यह याद करो तो भी सारा चक्र याद रहे।

उत्तर 29- *A. श्रीकृष्ण*

किसको क्या पता कि इन्हें को भगवान कैसे पढ़ाते होंगे। *श्रीकृष्ण पढ़ाते तो सारे अमेरिका, जापान आदि सब तरफ से आ जाएं।* उनमें इतनी कशिश है। श्रीकृष्ण के साथ प्यार तो सबका है ना। अभी तो तुम बच्चे जानते हो हम सो बन रहे हैं।

उत्तर 30- *E. A और B*

सतयुग में भक्ति होती ही नहीं। पुजारी एक भी होता नहीं, पूज्य ही पूज्य हैं। आधाकल्प हैं पूज्य, आधाकल्प हैं पुजारी। भारतवासियों के लिए ही है पूज्य थे तो स्वर्ग था। अभी भारत पुजारी नर्क है। तुम बच्चे अब प्रैक्टिकल लाइफ बना रहे हो।

उत्तर 31- *A. दुनिया की सब बातों को छोड़ दो*

बाप कहते हैं बच्चे पढ़ाई का सार है दुनिया की सब बातों को छोड़ दो, ऐसे कभी नहीं समझो हमारे पास करोड़ हैं, लाख हैं। कुछ भी हाथ में नहीं आयेगा इसलिए अच्छी रीति पुरुषार्थ करो, पढ़ाई पर ध्यान दो।

उत्तर 32- *E. B और C*

सब कहते हैं हमारा बाबा, बाबा है, टीचर है, *वह सच्चा ही सच्चा है।* पढ़ाई भी सच्ची और पूरी है। उन मनुष्यों की पढ़ाई अधूरी है। *तुम चाहते हो ना - गॉड फादर लिबरेट कर स्वीट होम वापिस ले जाए।* अच्छा, अब तुम्हारे ऊपर जो कट (जंक) चढ़ी हुई है उसके लिए बाप कहते हैं मुझे याद करो।

भाग - (9)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- बच्चों को अपनी उन्नति के लिए -

- A- विचार सागर मंथन जरूर करना है
- B- सवेरे-सवेरे उठ बाप की याद में सैर करनी है
- C- मित्र-सम्बन्धी आदि को भूलना है
- D- वर्ल्ड की हिस्ट्री-जॉग्राफी बुद्धि में रखनी है

प्रश्न 2- यहाँ तो घर-घर में एक- दो को दुःख ही देते हैं। क्यों -

- A- दुःखधाम है
- B- रावणराज्य है
- C- विकारों के बशीभूत हैं
- D- देह अभिमान है

प्रश्न 3- किस का मान ज्यादा है ?

- A- लक्ष्मी-नारायण का
- B- श्रीकृष्ण का
- C- शिव शक्तियों का
- D- पाण्डवों का

प्रश्न 4- सेवा की उन्नति का विशेष आधार है -

- A- निर्माणता
- B- हर आत्मा के प्रति शुभ भावना
- C- स्व उन्नति
- D- निमित्त भाव

प्रश्न 5- बाप समान बनना है -

- A- ओबिडिएंट
- B- सुखदाता
- C- दाता, विधाता और वरदाता
- D- निर्मान और निरहंकारी

प्रश्न 6- अपने ताज व तख्त का फोटो अपने पॉकेट में रख दो तो याद रहेगी। कौन सा फोटो बाबा बताते हैं -

- A- श्रीकृष्ण
- B- डबल सिरताज का
- C- नर से नारायण का
- D- विष्णु का

प्रश्न 7- अभी तुम्हें बेहद की पवित्रता को धारण करना है, बेहद की पवित्रता अर्थात्-

- A- मन वचन कर्म की पवित्रता
- B- सब के लिए आत्मिक दृष्टि
- C- संपूर्ण निर्विकारी
- D- एक बाप के सिवाए और कोई याद न आये

प्रश्न 8- स्वर्ग का पासपोर्ट उन्हीं बच्चों को मिलता है जो -

- A- कर्मातीत अवस्था को पाते हैं

- B- ब्राह्मण बनते हैं
- C- जो स्वदर्शन चक्रधारी बनते हैं
- D- बाप के पूरे मददगार बनते हैं

प्रश्न 9- अभी कोई भी नया सम्बन्ध नहीं जोड़ना है। अगर कोई भी सम्बन्ध जोड़ेंगे तो फिर उनको भूलना पड़ेगा। समझो -

- A- शादी करेंगे तो भी मुसीबत
- B- बच्चा वा बच्ची पैदा हुए तो वह भी मुसीबत
- C- मित्र सम्बन्धी जोड़ेंगे तो भी मुसीबत
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 10- कौन सा चित्र पॉकेट में डाल दो, परन्तु तुम घड़ी-घड़ी भूल जाते हो ?

- A- त्रिमूर्ति का
- B- लक्ष्मी नारायण
- C- शिवबाबा का
- D- गोले का

प्रश्न 11- देवताओं में कौन-सी ताकत है ?

- A- पवित्रता की
- B- सारे विश्व पर राज्य करने की
- C- एक मत
- D- योगबल की

प्रश्न 12- बच्चों को नयन मिले हैं, पहले नयन नहीं थे, कौन से नयन ?

- A- बेहद के
- B- ज्ञान के
- C- रूहानी
- D- दिव्य नयन

प्रश्न 13- यह हार जीत का खेल आधारित है

- A- आत्मा की अवस्था पर
- B- देह-अभिमान पर
- C- माया पर
- D- ड्रामा पर

प्रश्न 14- कौन सा भक्ति मार्ग का अक्षर है ?

- A- याद
- B- ज्ञान
- C- योग
- D- मन्सा सेवा

प्रश्न 15- विजय माला का दाना बनने के लिए -

- A- कर्मातीत अवस्था को पाना है
- B- माया पर जीत पानी है
- C- बाप की याद से विकर्म विनाश करने है
- D- जीते जी इस पुरानी दुनिया से मरना है

प्रश्न 16- सबसे मुख्य पार्ट धारी है -

- A- श्री लक्ष्मीनारायण
- B- ब्रह्मा
- C- हम बच्चे
- D- शिव बाबा

प्रश्न 17- का उमंग छोटी छोटी बीमारियों को मर्ज कर देता है ?

- A- बाबा से मिलन
- B- सेवाओं
- C- बाबा से प्राप्तियों
- D- उपर्युक्त सभी

प्रश्न 18- देवता बनने वाले बच्चों में.....का अंश भी नहीं होगा ?

- A- काम
- B- मोह
- C- क्रोध
- D- अहंकार

प्रश्न 19- तुम्हें अब ज्ञान का तीसरा नेत्र मिला है, इसलिए -

- A- हर कर्म त्रिकालदर्शी स्थिति में स्थित हो करो।
- B- नष्टमोहा बनो।
- C- पुरानी दुनिया से बेहद का वैराग्य हो।
- D- अब तुम्हारी आंख किसी में भी डूबनी नहीं चाहिए।

प्रश्न 20- श्याम और सुन्दर किस को कहेंगे ?

- A- श्रीकृष्ण को
- B- देवी-देवता धर्म की आत्माओं को
- C- सभी भारतवासियों को
- D- A और B
- E- A, B और C

प्रश्न 21- अभी की कौन सी प्रैक्टिस 21 जन्म तक रहेगी ?

- A- आत्म अभिमानी रहने की
- B- मरजीवा बनने की
- C- सदा तन मन से तंदुरुस्त रहने की
- D- संपूर्ण पावन बनने की

प्रश्न 22- रावण है -

- A- नामी ग्रामी है
- B- दुश्मन है
- C- विकारों को कहा जाता है
- D- B और C
- E- A, B और C

प्रश्न 23- क्या कहकर अलबेला पन नहीं लाओ ?

- A- सहजयोगी
- B- ड्रामा
- C- मेरा संस्कार है
- D- कर लेंगे

प्रश्न 24- हर एक समझते हैं -

- A- हम पतित से पावन बन रहे हैं
- B- देवी देवता बन रहे हैं
- C- कांटे से फूल बन रहे हैं
- D- श्याम से सुन्दर बन रहे हैं

प्रश्न 25- हमको फूल बनना है तो के हाथ का खाना है।

- A- ब्राह्मण
- B- पवित्र
- C- स्वयं
- D- योगी आत्मा

प्रश्न 26- बाप जिसको रचता कहा जाता है, वह किसका रचता है ?

- A- नई दुनिया का
- B- सृष्टि का
- C- आत्माओं का
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 27- कौन दोनों इकट्ठे चल न सकें ?

- A- राम और रावण

- B- ज्ञान और भक्ति
- C- शूद्र और ब्राह्मण
- D- हंस और बगुले

प्रश्न 28- बच्चे फिर कहते हैं कि भगवान आप जब आयेंगे तो हम आप पर वारी जायेंगे अर्थात् -

- A- समर्पण होंगे
- B- तन मन धन से बलिहार
- C- बच्चा बनायेंगे
- D- सर्व संबंध एक आप से ही रखेंगे

प्रश्न 29- देखो श्रीकृष्ण जयन्ती मनाते हैं, समझते हैं कि श्रीकृष्ण वैकुण्ठ का मालिक था, परन्तु था यह बुद्धि में नहीं आता।

- A- वैकुण्ठ कब था
- B- राज कुमार
- C- सर्व गुण संपन्न
- D- विश्व का मालिक

प्रश्न 30- इस समय स्थूल धन भी ईश्वर अर्थ समर्पण करने से एक नया पैसा-

- A- लाख गुना बन जाता है।
- B- एक रत्न समान वैल्यू का हो जाता है।
- C- पद्मगुणा बन जाता है।
- D- सौगुणा मिलता है।

प्रश्न 31- जगन्नाथ (जगत नाथ) किस का मंदिर है ?

- A- शिवबाबा
- B- श्रीकृष्ण का
- C- विष्णु का
- D- लक्ष्मीनारायण का

प्रश्न 32- किस के बुद्धि में तो ज्ञान की सब बातें बैठ जाती हैं ?

- A- जिनकी बुद्धि स्वच्छ होती जाती है
- B- जो पुराने भक्त हैं, जिन्होंने बहुत भक्ति की हुई है
- C- 7 दिन का कोर्स जिसने किया है
- D- कोटों में कोई के

भाग (9) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *B.सवेरे-सवेरे उठ बाप की याद में सैर करो*

तुम्हारी युद्ध इस याद में है, जितना हो सके याद करना है। *बच्चों को अपनी उन्नति के लिए सवेरे-सवेरे उठ बाप की याद में सैर करनी है।* तुम छतों पर वा बाहर ठण्डी हवा में चले जाओ। यहाँ ही आकर बैठना कोई जरूरी नहीं है। बाहर भी जा सकते हो, सवेरे के टाइम कोई डर आदि की बात नहीं रहती है।

उत्तर 2- *A.दुःखधाम है*

उन्हें को यह भी पता नहीं है कि सुखधाम भी होता है। परमपिता परमात्मा ही आकर सबको सुखी-शान्त बना देते हैं। *यहाँ तो घर-घर में एक-दो को दुःख ही देते हैं। क्योंकि दुःखधाम है।* सारे विश्व में दुःख ही दुःख है। अभी तुम बच्चे जानते हो बाप हमको 21 जन्मों के लिए सदा सुखी बनाते हैं।

उत्तर 3- *C.शिव शक्तियों का*

तुम्हारा मान शिव शक्तियों के रूप में है। तुम्हारे आगे लक्ष्मी-नारायण का तो कुछ भी मान नहीं। *शिव शक्तियों का ही नाम बाला है* क्योंकि जैसे बाप ने सर्विस की है, सबको पवित्र बनाकर सदा सुखी बनाया है, ऐसे तुम भी बाप के मददगार बने हो, इसलिए तुम शक्तियाँ भारत माताओं की महिमा है।

उत्तर 4- *C.स्व उन्नति*

स्व-उन्नति सेवा की उन्नति का विशेष आधार है। स्व-उन्नति कम है तो सेवा भी कम है। सिर्फ किसी को मुख से परिचय देना ही सेवा नहीं है लेकिन हर कर्म द्वारा श्रेष्ठ कर्म की प्रेरणा देना यह भी सेवा है। जो मन्सा-वाचा-कर्मणा सदा सेवा में तत्पर रहते हैं उन्हें सेवा द्वारा श्रेष्ठ भाग्य का अनुभव होता है।

उत्तर 5- *D.निर्मान और निरहंकारी*

सपूत बच्चा बन बाप पर कुर्बान जाना है, बाप की हर कामना पूरी करनी है। *जैसे बापदादा निर्मान और निरहंकारी है, ऐसे बाप समान

बनना है।*

उत्तर 6- *C.नर से नारायण का*

अपने ताज व तख्त का फोटो अपने पॉकेट में रख दो तो याद रहेगी। इनसे हम यह बनते हैं। जितना देखेंगे उतना याद करेंगे। फिर उसमें ही मोह लग जायेगा। *हम यह बन रहे हैं - नर से नारायण, चित्र देखकर खुशी होगी।* शिवबाबा याद आयेगा। यह सब पुरुषार्थ की युक्तियां हैं।

उत्तर 7- *D.एक बाप के सिवाए और कोई याद ना आये*

बाबा हमको बेहद का वर्सा देते हैं, बेहद पवित्र बनाए। पवित्रता में हृद और बेहद है। तुम पुरुषार्थ करते हो बेहद पवित्र सतोप्रधान बनने के लिए। नम्बरवार तो होते ही हैं। अभी तुम्हें बेहद की पवित्रता को धारण करना है, *बेहद की पवित्रता अर्थात् एक बाप के सिवाए और कोई याद न आये*

उत्तर 8- *A.कर्मातीत अवस्था को पाते हैं*

बाप का वर्सा तो एक ही बार मिलता है, अब बाप कहते हैं मेरी याद में रहो तो तुम्हारे जन्म-जन्मान्तर के पाप मिट जाएं। *स्वर्ग का पासपोर्ट उन्हीं बच्चों को मिलता है जो याद में रह अपने विकर्मों को विनाश कर कर्मातीत अवस्था को पाते हैं।*

उत्तर 9- *B.बच्चा या बच्ची पैदा हुए तो वह भी मुसीबत*

बाप सम्मुख कहते हैं - मीठे बच्चों, तुम्हारे जो भी देह के सम्बन्ध है, सब भूल जाओ। अभी कोई भी नया सम्बन्ध नहीं जोड़ना है। अगर कोई भी सम्बन्ध जोड़ेंगे तो फिर उनको भूलना पड़ेगा। *समझो बच्चा वा बच्ची पैदा हुए तो वह भी मुसीबत हुई।* एक्स्ट्रा याद बढ़ी ना। बाप कहते हैं सबको भूल एक को ही याद करना है।

उत्तर 10- *A.त्रिमूर्ति का*

देह का अभिमान होगा तो याद कैसे रह सकेगी! पापों का बोझा सिर पर बहुत है इसलिए बाबा कहते हैं याद में रहो। *त्रिमूर्ति का चित्र पॉकेट में डाल दो,* परन्तु तुम घड़ी-घड़ी भूल जाते हो। अल्फ को याद करने से बे आदि सब याद आ जाता है। बैज़ तो सदा लगा रहे।

उत्तर 11- *B.सारे विश्व पर राज्य करने की*

देवताओं में सारे विश्व पर राज्य करने की ताकत है, वह ताकत विशेष एक मत की विशेषता के कारण है। वहाँ एक मत होने के कारण वजीर आदि रखने की दरकार नहीं। देवताओं ने संगम पर बाप से ऐसी श्रीमत ली हुई है जो 21 जन्म राज्य करते हैं।

उत्तर 12- *B.ज्ञान के*

बच्चों को नयन मिले हैं, *पहले नयन नहीं थे, कौन से नयन? ज्ञान के नयन नहीं थे।* अज्ञान के नयन तो थे। बच्चे जानते हैं ज्ञान सागर एक ही बाप है। और कोई में यह रूहानी ज्ञान है नहीं, जिस ज्ञान से सद्गति हो अर्थात् शान्तिधाम-सुखधाम जाना हो।

उत्तर 13- *C.माया*

यहाँ तुम सब बच्चों की बुद्धि में है हम एक्टर्स हैं, यह हार और जीत का खेल है। *यह हार-जीत का खेल माया पर आधारित है।* माया से हारे हार है और माया से जीते जीत। यह गाते तो सब हैं परन्तु बुद्धि में ज्ञान ज़रा भी नहीं है। तुम जानते हो माया क्या चीज़ है, यह तो रावण है, जिसको ही माया कहा जाता है।

उत्तर 14- *C.योग*

बाप कहते हैं मुझे याद करो फिर भी भूल जाते हैं। कहते हैं - बाबा योग टूट जाता है। बाबा ने कहा है योग अक्षर निकाल दो। वह तो शास्त्रों का अक्षर है। बाप कहते हैं - मुझे याद करो। *योग भक्ति मार्ग का अक्षर है।*

उत्तर 15- *D.जीते जी इस पुरानी दुनिया से मरना है*

बाप से बादशाही मिलती है स्वर्ग की, उनको तुम याद नहीं करेंगे तो विकर्म विनाश कैसे होंगे। राजाई कैसे मिलेगी। याद नहीं करेंगे तो पद भी कम हो पड़ेगा, सज़ा भी खायेंगे। *विजय माला का दाना बनने के लिए जीते जी इस पुरानी दुनिया से मरना है।* बाप की याद से विकर्म विनाश करने है।

उत्तर 16- *D.शिवबाबा*

परमपिता परमात्मा कैसे पार्ट बजाते हैं, यह भी तुम जान गये हो। *सबसे मुख्य पार्टधारी वह है, करन-करावनहार है ना।* तुम मीठे-मीठे बच्चों को यह अभी समझ में आया है कि हम आत्मायें शान्तिधाम से आती हैं। आत्मायें कोई नई थोड़ेही निकलती हैं, जो शरीर में प्रवेश करती हैं।

उत्तर 17- *B.सेवाओं*

स्लोगन:- *सेवाओं का उमंग छोटी-छोटी बीमारियों को मर्ज कर देता है।*

उत्तर 18- *C.क्रोध*

हम मनुष्य से देवता बन रहे हैं। मनुष्य से देवता बनने वाले बच्चों में दैवीगुण दिखाई देंगे। *उनमें क्रोध का अंश भी नहीं होगा।* अगर कभी क्रोध आ गया तो झट बाप को लिखेंगे, बाबा आज हमसे यह भूल हो गई। हमने क्रोध कर लिया, विकर्म कर लिया।

उत्तर 19- *D. अब तुम्हारी आंख किसी में भी डूबनी नहीं चाहिए*

मीठे बच्चे - *तुम्हें अब ज्ञान का तीसरा नेत्र मिला है, इसलिए अब तुम्हारी आंख किसी में भी डूबनी नहीं चाहिए।* तुम्हारी बुद्धि में यह बेहद का ज्ञान ही रहना चाहिए।

उत्तर 20- *D. A और B*

बाप ने श्याम और सुन्दर का भी राज समझाया है। *तुम भी समझते हो अभी हम सुन्दर बन रहे हैं। पहले श्याम थे। श्रीकृष्ण कोई अकेला थोड़े ही था। सारी राजधानी थी ना।* अभी तुम समझते हो हम नर्कवासी से स्वर्गवासी बन रहे हैं।

उत्तर 21- *C. सदा तन मन से तन्दुरुस्त रहने की*

सदा तन-मन से तन्दुरुस्त रहने की प्रैक्टिस तुम यहाँ से ही करते हो। तुम्हें दधीचि ऋषि मिसल यज्ञ सेवा में हड्डियां भी देनी हैं लेकिन हठयोग की बात नहीं है। अपना शरीर कमजोर नहीं करना है। *तुम योग से 21 जन्मों के लिए तन्दुरुस्त बनते हो, उसकी प्रैक्टिस यहाँ से करते हो।*

उत्तर 22- *E. A, B और C*

शिवबाबा को कहा जाता है - सद्गति दाता। रावण को सद्गति दाता थोड़े ही कहेंगे। अगर होता तो उनको जलाते क्यों? *बच्चे समझते हैं रावण तो नामीग्रामी है। भल ताकत रावण में बहुत है, परन्तु दुश्मन तो है ना।* आधाकल्प रावण का राज्य चलता है। परन्तु कब महिमा सुनी है? कुछ भी नहीं। *तुम जानते हो रावण 5 विकारों को कहा जाता है।*

उत्तर 23- *A. सहजयोगी*

स्लोगन:- *सहजयोगी कहकर अलबेलापन नहीं लाओ, शक्ति रूप बनो।*

उत्तर 24- *C. कांटे से फूल बन रहे हैं*

तुम बच्चे प्रैक्टिकल में जानते हो कैसे कांटों से फूलों का सैपलिंग लगता है। तुम्हारे में भी बहुत थोड़े हैं जो इन बातों का चिंतन करते हैं। यह भी तुम बच्चे जानते हो - वह बागवान भी है, खिचैया भी है, सबको ले जाते हैं। फूलों को देख बाप भी खुश होते हैं। *हर एक समझते हैं हम कांटों से फूल बन रहे हैं।*

उत्तर 25- *B. पवित्र*

हमको फूल बनना है तो पवित्र के हाथ का खाना है। उसके लिए अपना प्रबन्ध करना है, इसमें पूछना थोड़े ही होता है। बाप समझाते हैं तुम देवता बनते हो, इसमें यह परहेज चाहिए। जितनी जास्ती परहेज रखेंगे उतना तुम्हारा कल्याण होगा। जास्ती परहेज रखने में कुछ मेहनत भी होगी।

उत्तर 26- *A. नई दुनिया का*

बाप जिसको रचता कहा जाता है, किसका रचता? नई दुनिया का रचता। नई दुनिया को कहा जाता है स्वर्ग वा सुखधाम, नाम कहते हैं परन्तु समझते नहीं हैं। श्रीकृष्ण के मन्दिर को भी सुखधाम कहते हैं। अब वह तो हो गया छोटा मन्दिर। श्रीकृष्ण तो विश्व का मालिक था।

उत्तर 27- *B. ज्ञान और भक्ति*

जप तप करना, शास्त्र आदि पढ़ना यह सब भक्ति है। अब भक्तों को भक्ति का फल चाहिए क्योंकि मेहनत करते ही हैं भगवान से मिलने के लिए। परन्तु ज्ञान से है सद्गति। *ज्ञान और भक्ति दोनों इकट्ठे चल न सकें।* अभी है ही भक्ति का राज्य।

उत्तर 28- *C. बच्चा बनायेंगे*

बाबा को कहते हैं बाबा हमने आपको अपना वारिस बनाया है। बाप बच्चों पर वारी जाते हैं। बच्चे *फिर कहते हैं कि भगवान आप जब आयेंगे तो हम आप पर वारी जायेंगे अर्थात् बच्चा बनायेंगे।* यह भी अपने बच्चों को ही वारिस बनाते हैं। बाबा को वारिस कैसे बनायेंगे। यह भी गुह्य बात है।

उत्तर 29- *D. विश्व का मालिक*

गायन भी है कि भगवान ने आकर स्वर्ग की स्थापना की थी, राजयोग सिखाया था। देखो श्रीकृष्ण जयन्ती मनाते हैं, समझते हैं कि श्रीकृष्ण वैकुण्ठ का मालिक था, *परन्तु वह विश्व का मालिक था - यह बुद्धि में नहीं आता।* जब उनका राज्य था तो और कोई धर्म नहीं था। उनका ही सारे विश्व पर राज्य था और जमुना के किनारे था।

उत्तर 30- *B. एक रत्न समान वैल्यु का हो जाता है*

हर सेकण्ड पदमों की कमाई जमा करने का वरदान ड्रामा में संगम के समय को मिला हुआ है। ऐसे वरदान को स्वयं प्रति जमा करो और औरों के प्रति दान करो, ऐसे ही संकल्प के खजाने को, ज्ञान के खजाने को, स्थूल धन रूपी खजाने को कार्य में लगाकर पदमों की कमाई जमा करो क्योंकि *इस समय स्थूल धन भी ईश्वर अर्थ समर्पण करने से एक नया पैसा एक रत्न समान वैल्यु का हो जाता है।*

उत्तर 31- *D. लक्ष्मी-नारायण का*

श्रीनाथ को भी काला, जगन्नाथ को भी काला कर देते हैं। कारण तो कुछ भी नहीं समझते। *जगत-नाथ लक्ष्मी नारायण को ही कहते हैं या राधे-कृष्ण को कहेंगे? राधे-कृष्ण, लक्ष्मी-नारायण का संबंध क्या है, यह भी कोई नहीं जानते हैं।

उत्तर 32- *B.जो पुराने भक्त हैं, जिन्होंने बहुत भक्ति की हुई है*

7 दिन का कोर्स करने के बाद भी पूरा कुछ समझते नहीं हैं कि यह हमारा बेहद का बाप है। *जो पुराने भक्त हैं, जिन्होंने बहुत भक्ति की हुई है उनकी बुद्धि में तो ज्ञान की सब बातें बैठ जाती हैं।* भक्ति कम की होगी तो बुद्धि में कम बैठेगा। तुम हो सबसे जास्ती पुराने भक्त।

भाग - (10)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- तुम्हारा पहला-पहला शब्क (पाठ) है ?

- A- सबको बाप का परिचय देना
- B- मैं आत्मा हूँ, शरीर नहीं,
- C- भाई भाई की दृष्टि रखना
- D- तुम्हें भगवान बाप पढ़ाते हैं,

प्रश्न 2- देह-अभिमानि होंगे तो कौन याद आयेंगे ?

- A- हृद की दुनिया
- B- परमात्मा बाप
- C- लौकिक सम्बन्धी
- D- शरीर

प्रश्न 3- कौन सी स्मृति नशा चढ़ाती है ?

- A- मैं ही थी, मैं ही हूँ, मैं ही बनूंगी
- B- एक बाप दूसरा न कोई-
- C- अन्तर्मुखी सदा सुखी
- D- ज्ञान की हर प्वाइंट

प्रश्न 4- तुमसे जो विकर्म हुए हैं, उनकी सज़ा.... के रूप में भोगनी ही पड़ती है।

- A- कर्मभोग
- B- बीमारी
- C- गर्भजेल के
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 5- जितना याद करेंगे उतना..... होगा।

- A- उद्धार होगा
- B- फायदा
- C- कल्याण
- D- स्नेह

प्रश्न 6- राजस्व अश्वमेध रूद्र ज्ञान यज्ञ, राजस्व अर्थात् -

- A- स्वराज अधिकारी
- B- राजाओं का राजा बनने का
- C- स्वराज्य के लिए
- D- राजयोग

प्रश्न 7- 21 जन्मों के लिए अपनी तकदीर बनानी है ?

- A- श्रीमत पर चल कर
- B- बेहद की दृष्टि रख
- C- सच्ची कमाई
- D- अपना सब कुछ सफल

प्रश्न 8- माया रूपी जिन्न से बचने के लिए-

- A- बुद्धि को रूहानी धन्य में बिजी रखना है
- B- इस दुनिया की कोई भी चीज़ में मोह नहीं रखना है
- C- आत्मिक स्थिति में रहो
- D- 84 की सीढ़ी चढ़ो और उतरो

प्रश्न 9- अकाल मूर्त आत्मा का यह तख्त है।

- A- सिंहासन
- B- भृकुटी
- C- अकाल तख्त
- D- दिलतख्त

प्रश्न 10- अभी तुम जानते हो - हम सब एक बाप के बच्चे हैं।

- A- भाई-भाई
- B- आत्मा
- C- भाई बहन
- D- A और C

प्रश्न 11- बाप किस का रचयिता है ?

- A- आत्माओं का
- B- स्वर्ग का
- C- सृष्टि का
- D- ड्रामा का

प्रश्न 12- देह-अभिमान में आने से -

- A- याद ठहर न सके
- B- विकार आते हैं, जिससे पाप होता है।
- C- बुद्धि में ज्ञान की धारणा हो न सके
- D- कोई भी चीज़ में मोह आता

प्रश्न 13- तुम्हारा सच्चा घर है ?

- A- मधुबन
- B- सुखधाम
- C- शान्तिधाम
- D- B और C

प्रश्न 14- सतयुग में देवी-देवतायें विष्णु सम्प्रदाय हैं। वहाँ किस की प्रतिमा रहती है ?

- A- श्री लक्ष्मीनारायण की
- B- किस की भी नहीं
- C- ब्रह्मा और विष्णु की
- D- चतुर्भुज की

प्रश्न 15- ब्रह्मा - विष्णु- शंकर में मुख्य किस को कहेंगे ?

- A- शंकर
- B- ब्रह्मा
- C- ब्रह्मा-विष्णु
- D- तीनों को

प्रश्न 16- बाप का प्यार लेना हो तो -

- A- सत्य बाप के साथ सदा सच्चे रहो
- B- फरिश्ता बनो
- C- पवित्र बनो
- D- आत्म-अभिमानि होकर बैठो

प्रश्न 17- संकल्प में भी किसी देह धारी तरफ आकर्षित होने का मतलब है -

- A- देह अभिमानि होना
- B- बेवफा बनना
- C- बाप से बेमुख होना
- D- क्रिमिनल आई होना

प्रश्न 18- घर में अगर बच्चों की खिट-खिट है, तो अशान्ति रहती है। अशान्ति से -

- A- खुशी खत्म हो जाती है
- B- मनुष्य परेशान होते हैं
- C- तंग होते हैं

D- दुःख भासता है

प्रश्न 19- साइंस बुद्धि विनाश के लिए निमित्त बने हुए हैं। तुम किस के लिए निमित्त बने हो ?

A- सबको सुख शांति का वर्सा दिलाने के लिए

B- स्वर्ग के

C- अविनाशी पद पाने के लिए

D- शान्ति प्रदान करने के लिए

प्रश्न 20- आत्मा में जो आधाकल्प से अशान्ति है, वह कैसे निकलनी है ?

A- दिव्य गुण धारण करने से

B- शान्ति के सागर बाप को याद करने से

C- योगबल से

D- आत्मिक स्थिति का अभ्यास करने से

प्रश्न 21- बाप कहते हैं - जो मेरे पास है वह तुमको सब देता हूँ। बाकी सिर्फ क्या नहीं देता हूँ ?

A- दिव्य दृष्टि की चाबी

B- खजानों की चाबी

C- साक्षात्कार की चाबी

D- A और C

प्रश्न 22- लाइट का ताज कैसे मिलता है ?

A- संपूर्ण पावन बनने से

B- याद से

C- 84 के चक्र को जानने से

D- ज्ञान से

प्रश्न 23- प्रदर्शनी में पहले- पहले कौन सा चित्र दिखाना चाहिए। यह ए वन चित्र है ?

A- सीढ़ी

B- लक्ष्मी-नारायण

C- आत्मा का

D- परमात्मा

प्रश्न 24- संतुष्टता का फल क्या है ?

A- सफलता

B- शांति

C- प्रसन्नता

D- सुख

प्रश्न 25- हीरे जैसा बनने के लिए -

A- श्रीमत का पालन करना है

B- सब-कुछ समर्पण कर देना

C- पढ़ाई पर अटेंशन दो

D- बाप को याद करना है

प्रश्न 26- ग्रहचारी होती है तो कितने रत्नों की अंगूठी पहनते हैं ?

A- 7

B- 8

C- 9

D- B और C

प्रश्न 27- त्रेता के अन्त तक की बड़ी माला बननी है।

A- रूद्र

B- विष्णु

C- 16108

D- विजयी रत्नों की

प्रश्न 28- देवी देवता धर्म वाली आत्मायें होंगी ?

A- मुक्ति

- B- जीवन मुक्ति
- C- जीवन बंध
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 29- याद की मेहनत करने वाले बच्चे कैसे रहेंगे ?

- A- फूल जैसे
- B- बहुत खुशी में
- C- सदा कम्बाईंड
- D- डबल लाइट

प्रश्न 30- तुम संस्कार नहीं ले जाते हो। तुम पढ़ाई की ले जाते हो।

- A- प्रारब्ध
- B- पद
- C- रिजल्ट
- D- अर्थोरिटी

प्रश्न 31- बन अविनाशी ज्ञान रत्नों का दान कर महादानी बनना है ?

- A- दाता
- B- रूप बसंत
- C- सच्चा सेवाधारी
- D- सपूत बच्चा

प्रश्न 32- सूक्ष्म वतन की रमत - गमत है ?

- A- समझाने के लिए है
- B- भक्ति मार्ग के लिए है
- C- बुद्धि को नहीं भटकाओ
- D- टाइम पास करने के लिए है

भाग (10) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *B.मैं आत्मा हूँ,शरीर नहीं*

मीठे बच्चे - *तुम्हारा पहला-पहला शब्क (पाठ) है - मैं आत्मा हूँ, शरीर नहीं,* आत्म-अभिमानी होकर रहो तो बाप की याद रहेगी। बाप कहते हैं सवेरे-सवेरे उठकर घूमो फिरो, सिर्फ पहला-पहला पाठ याद करो तो खुशी का खजाना जमा होता जायेगा।

उत्तर 2- *C.लौकिक सम्बन्धी*

बाबा पूछते हैं - आत्म-अभिमानी हो रहते हो? आत्म-अभिमानी होंगे तो बाप की याद आयेगी, *अगर देह-अभिमानी होंगे तो लौकिक सम्बन्धी याद आयेगी।* पहले-पहले यह शब्द याद रखना पड़े, हम आत्मा हैं। मुझ आत्मा में ही 84 जन्मों का पार्ट भरा हुआ है। यह पक्का करना है।

उत्तर 3- *B.एक बाप दूसरा न कोई*

उस नशे में तो बहुत नुकसान होता है, अधिक पीने से खत्म हो जाते हैं लेकिन यह नशा अविनाशी बना देता है। जो सदा ईश्वरीय नशे में मस्त रहते हैं वह सर्व प्राप्ति सम्पन्न बन जाते हैं। *एक बाप दूसरा न कोई - यह स्मृति ही नशा चढ़ाती है।* इसी स्मृति से समर्थी आ जाती है।

उत्तर 4- *A.कर्मभोग*

बाप की याद ही घड़ी-घड़ी भूल जाती है, इसमें है मेहनत बाकी *तुमसे जो विकर्म हुए हैं, उनकी सज़ा कर्मभोग के रूप में भोगनी ही पड़ती है,* कर्मभोग अन्त तक भोगना ही है, उसमें माफी नहीं मिल सकती है। ऐसे नहीं, बाबा क्षमा करो। कुछ भी नहीं। ड्रामा अनुसार सब होता है। क्षमा आदि होती ही नहीं।

उत्तर 5- *B.फायदा*

मुख्य बात फिर भी बाप कहते हैं मनमनाभव। पावन बनने के लिए बाप को याद करते हैं, यह भूलना नहीं चाहिए। *जितना याद करेंगे उतना फायदा होगा,* चार्ट रखना चाहिए। नहीं तो फिर पिछाड़ी में फेल हो जायेंगे।

उत्तर 6- *C.स्वराज्य पाने के लिए*

यह तो बच्चों की बुद्धि में याद रहना चाहिए - भगवान हमको पढ़ाते हैं। उनका यह यज्ञ रचा हुआ है, इसका नाम भी बाला है। *राजस्व अश्वमेध रूद्र ज्ञान यज्ञ, राजस्व अर्थात् स्वराज्य के लिए।* अश्वमेध, यह जो कुछ भी देखने में आता है, उन सबको स्वाहा कर रहे हैं, शरीर भी स्वाहा हो जाता है।

उत्तर 7- *C.सच्ची कमाई*

सच्ची कमाई कर 21 जन्मों के लिए अपनी तकदीर बनानी है। शरीर पर कोई भरोसा नहीं है इसलिए ज़रा भी चांस नहीं गँवाना है। नष्टमोहा बनकर अपना सब कुछ रूद्र यज्ञ में स्वाहा करना है। अपने को अर्पण कर ट्रस्टी हो सम्भालना है। साकार बाप को फालो करना है।

उत्तर 8- *A.बुद्धि को रुहानी धन्य में बीजी रखना है*

अभी तुम समझते हो हम यह देवता बनते हैं तो अन्दर में कितनी खुशी होनी चाहिए। *माया रूपी जिन्न से बचने के लिए बाप कहते हैं तुम बच्चे इस रूहानी धन्य में लग जाओ।* मनमनाभव। बस इसमें ही जिन्न बन जाओ। जिन्न का मिसाल देते हैं ना। कहा काम दो.. तो बाबा भी काम देते हैं। नहीं तो माया खा जायेगी।

उत्तर 9- *B.भृकुटी*

ऐसे नहीं कि अकाल मूर्त सिर्फ बाप है। तुम भी अकाल मूर्त हो। *अकाल मूर्त आत्मा का यह भृकुटी तख्त है।* जरूर भृकुटी में ही बैठेंगे। पेट में थोड़ेही बैठेंगे। अभी तुम जानते हो हम अकाल मूर्त आत्मा का तख्त कहाँ है। इस भृकुटी के बीच में हमारा तख्त है।

उत्तर 10- *A.भाई-भाई*

अभी तो देखो लड़ाई-झगड़ा आदि कितना है, इनको क्या कहेंगे? हम आपस में भाई-भाई हैं, वो भूल गये हैं। भाई-भाई कभी खून करते हैं क्या? हाँ, खून करते भी हैं तो सिर्फ मिलकियत के लिए। *अभी तुम जानते हो - हम सब एक बाप के बच्चे भाई-भाई हैं।*

उत्तर 11- *B.स्वर्ग का*

यह भी तुम बच्चे जानते हो - *बाप ही स्वर्ग का रचयिता है।* सृष्टि को रचने वाला नहीं कहेंगे। सृष्टि तो अनादि है ही। स्वर्ग को रचने वाला कहेंगे, वहाँ और कोई खण्ड नहीं था। यहाँ तो बहुत खण्ड हैं। कोई समय था जबकि एक ही धर्म था, एक ही खण्ड था। पीछे फिर वैराइटी धर्म आये हैं।

उत्तर 12- *B.विकार आते हैं, जिससे पाप होता है*

अभी तुम बच्चे पापों से मुक्त होने का पुरुषार्थ करते हो, ध्यान रहे और कोई पाप न हो जाएं। *देह-अभिमान में आने से ही फिर और विकार आते हैं, जिससे पाप होता है* इसलिए भूतों को भगाना पड़ता है। इस दुनिया की कोई भी चीज़ में मोह न हो। इस पुरानी दुनिया से वैराग्य हो।

उत्तर 13- *C.शान्तिधाम*

तुम्हारा सच्चा घर है शान्तिधाम। उनको ही मनुष्य बहुत याद करते हैं, मन को शान्ति मिले। परन्तु मन क्या है, शान्ति क्या है, हमको मिलेगी कहाँ से, कुछ भी समझते नहीं हैं। तुम जानते हो अभी अपने घर जाने के लिए बाकी थोड़ा समय है।

उत्तर 14- *D.चतुर्भुज की*

तुम जानते हो अभी हम ब्राह्मण सम्प्रदाय के हैं। फिर दैवी सम्प्रदाय, विष्णु सम्प्रदाय बनते हैं। सतयुग में देवी-देवतायें विष्णु सम्प्रदाय हैं। *वहाँ चतुर्भुज की प्रतिमा रहती है,* जिससे मालूम पड़ता है यह विष्णु सम्प्रदाय हैं। यहाँ प्रतिमा है रावण की, तो रावण सम्प्रदाय हैं।

उत्तर 15- *C.ब्रह्मा-विष्णु*

मुख्य है ब्रह्मा और विष्णु। अभी बाप समझाते हैं तुमको टॉपिक देनी है - ब्रह्मा सो विष्णु, विष्णु सो ब्रह्मा कैसे बनते हैं। जैसे तुम कहते हो हम शूद्र सो ब्राह्मण, ब्राह्मण सो देवता, वैसे इनका भी है, पहले-पहले ब्रह्मा सो विष्णु, विष्णु सो ब्रह्मा। वह तो कह देते आत्मा सो परमात्मा, परमात्मा सो आत्मा।

उत्तर 16- *D.आत्म-अभिमानी होकर बैठो*

बाप का प्यार लेना हो तो आत्म-अभिमानी होकर बैठो बाप से हम स्वर्ग का वर्सा ले रहे हैं, इस खुशी में रहो, बाबा हमको राजयोग सिखलाते हैं। बाबा से हम स्वर्ग का वर्सा ले रहे हैं। यह याद सारा दिन बुद्धि में रहे - इसमें ही मेहनत है। यह घड़ी-घड़ी भूल जाते हैं तो खुशी का पारा डल हो जाता है।

उत्तर 17- *B.बेवफा बनना*

स्लोगन:- *संकल्प में भी किसी देहधारी तरफ आकर्षित होना अर्थात् बेवफा बनना।*

उत्तर 18- *D.दुःख भासता है*

बाप बैठ बच्चों को समझाते हैं, अक्सर करके मनुष्य शान्ति को पसन्द करते हैं। *घर में अगर बच्चों की खिट-खिट है, तो अशान्ति रहती है। अशान्ति से दुःख भासता है।* शान्ति से सुख भासता है। यहाँ तुम बच्चे बैठे हो, तुमको सच्ची शान्ति है। तुमको कहा गया है बाप को याद करो। अपने को आत्मा समझो।

उत्तर 19- *C.अविनाशी पद पाने के लिए*

अभी तो ऐसे बाम्ब्स बनाते रहते हैं जो कहते हैं वहाँ बैठे-बैठे छोड़ेंगे तो सारा शहर खत्म हो जायेगा। फिर यह सेनायें, एरोप्लेन आदि भी काम में नहीं आयेंगे। तो वह है साइंस बुद्धि। तुम्हारी है साइलेन्स बुद्धि। वह विनाश के लिए निमित्त बने हुए हैं। *तुम अविनाशी पद पाने के लिए निमित्त बने हो।* यह भी समझने की बुद्धि चाहिए ना।

उत्तर 20- *B.शान्ति के सागर बाप को याद करने से*

यहाँ तुम बच्चे बैठे हो, तुमको सच्ची शान्ति है। तुमको कहा गया है बाप को याद करो। अपने को आत्मा समझो। *आत्मा में जो आधाकल्प से अशान्ति है, वह निकलनी है शान्ति के सागर बाप को याद करने से।* तुमको शान्ति का वर्सा मिल रहा है।

उत्तर 21- *A.दिव्य दृष्टि की चाबी*

इतना भारी ज्ञान तुम लेते हो विश्व का मालिक बनने के लिए। मुझे तुम कहते ही हो-पतित-पावन, ज्ञान का सागर, शान्ति का सागर। *जो मेरे पास है वह तुमको सब देता हूँ। बाकी सिर्फ दिव्य दृष्टि की चाबी नहीं देता हूँ।* उसके बदले फिर तुमको विश्व का मालिक बनाता हूँ।

उत्तर 22- *B.याद से*

बाप कहते हैं मैं तुमको अपने से भी ऊंच डबल सिरताज बनाता हूँ। *लाइट का ताज मिलता है याद से,* और 84 के चक्र को जानने से तुम चक्रवर्ती बनते हो, अभी तुम बच्चों को कर्म-अकर्म-विकर्म की गति भी समझाई है। सतयुग में कर्म-अकर्म होता है। रावण राज्य में ही कर्म विकर्म होता है।

उत्तर 23- *B.लक्ष्मी-नारायण*

प्रदर्शनी में भी बच्चों को समझाना है। *प्रदर्शनी में पहले-पहले यह लक्ष्मी-नारायण का चित्र दिखाना चाहिए। यह ए वन चित्र है।* भारत में आज से 5 हजार वर्ष पहले बरोबर इनका राज्य था। अथाह धन था। पवित्रता-सुख-शान्ति सब थी। परन्तु भक्ति मार्ग में सतयुग को लाखों वर्ष दे दिये हैं तो कोई भी बात याद कैसे आये, यह लक्ष्मी-नारायण का फर्स्टक्लास चित्र है।

उत्तर 24- *C.प्रसन्नता*

स्लोगन:- *सन्तुष्टता का फल प्रसन्नता है,* प्रसन्नचित बनने से प्रश्न समाप्त हो जाते हैं।

उत्तर 25- *D.बाप को याद करना है*

आपस में मिलकर राय कर निकलते हैं सर्विस पर, मनुष्यों का जीवन हीरे जैसा बनाने। यह कितना पुण्य का कार्य है। इसमें खर्चे आदि की भी कोई बात नहीं। *सिर्फ हीरे जैसा बनने के लिए बाप को याद करना है।* पुखराज परी, सब्ज परी भी जो नाम हैं, वह तुम हो। जितना याद में रहेंगे उतना हीरे जैसा बन जायेंगे।

उत्तर 26- *C. 9*

कोई माणिक जैसा, कोई पुखराज जैसा बनेंगे। 9 रत्न होते हैं ना। *कोई ग्रहचारी होती है तो 9 रत्न की अंगूठी पहनते हैं।* भक्ति मार्ग में बहुत टोटका देते हैं। यहाँ तो सब धर्म वालों के लिए एक ही टोटका है - मनमना-भव क्योंकि गॉड इज वन।

उत्तर 27- *C. 16108*

पिछाड़ी में सब पता पड़ेगा कि हम क्या बनेंगे फिर कुछ नहीं कर सकेंगे। कल्प-कल्पान्तर की यह हालत हो जायेगी। डबल सिरताज, डबल राज्य-भाग्य पा नहीं सकेंगे। अभी पुरुषार्थ करने की मार्जिन बहुत है, *त्रेता के अन्त तक 16108 की बड़ी माला बननी है।*

उत्तर 28- *D.उपरोक्त सभी*

तुम बच्चे जानते हो बाबा आते हैं मुक्ति-जीवनमुक्ति का वर्सा देने के लिए। वह भी कोई एक बार थोड़ेही, अनेक बार। *बेअन्त बार तुम मुक्ति से जीवनमुक्ति फिर जीवन बंध में आये हो।* तुम्हें अभी यह समझ पड़ी कि हम आत्मा हैं, बाबा हम बच्चों को शिक्षा बहुत देते हैं।

उत्तर 29- *B.बहुत खुशी में*

याद की मेहनत करने वाले बच्चे बहुत खुशी में रहेंगे। बुद्धि में रहेगा कि अभी हम वापिस लौट रहे हैं। फिर हमें खुशबूदार फूलों के बगीचे में जाना है। तुम याद की यात्रा से खुशबूदार बनते हो और दूसरों को भी बनाते हो।

उत्तर 30- *C.रिजल्ट*

वहाँ कोई पण्डित आदि के पास जायेंगे तो समझते हैं यह पण्डित बहुत पढ़ा हुआ अर्थोरेटी है। इसने सब वेद शास्त्र कण्ठ किये हैं फिर संस्कार ले जाते हैं तो छोटपन से फिर वह अध्ययन कर लेते हैं। *तुम संस्कार नहीं ले जाते हो। तुम पढ़ाई की रिजल्ट ले जाते हो।* तुम्हारी पढ़ाई पूरी हुई फिर रिजल्ट निकलेगी और वह पद पा लेंगे।

उत्तर 31- *B.रूप बसंत*

भारत महादानी गाया हुआ है क्योंकि अभी तुम बच्चे महादानी बनते हो। अविनाशी ज्ञान रत्नों का तुम दान करते हो। बाबा ने समझाया है आत्मा ही रूप बसन्त है। बाबा भी रूप बसन्त है। *रूप-बसन्त बन अविनाशी ज्ञान रत्नों का दान कर महादानी बनना है।* जो पढ़ाई पढ़ते हो वह दूसरों को भी पढ़ानी है।

उत्तर 32- *D.टाइम पास करने के लिए है*

यह सूक्ष्मवतन की जो रमत-गमत है, यह भी टाइम पास करने के लिए है। जब तक कर्मातीत अवस्था हो टाइम पास करने के लिए यह खेलपाल है। कर्मातीत अवस्था आ जायेगी, बस। तुमको यही याद रहेगा कि हम आत्मा ने अब 84 जन्म पूरे किये, अब हम जाते हैं घर। फिर आकर सतोप्रधान दुनिया में सतोप्रधान पार्ट बजायेंगे।

भाग - (11)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- हमको कोई चित्र आदि याद नहीं करना है। अन्त में याद सिर्फ यह रहेगा ?

- A- अब घर जाना है
- B- मेरा बाबा
- C- फिर चक्र में आयेंगे
- D- हम आत्मा मूलवतन की रहने वाली हैं

प्रश्न 2- संकल्प वा बोल का प्रत्यक्ष प्रमाण-

- A- सर्व प्रति शुभ भावना
- B- कर्म
- C- रूहानियत
- D- मुस्कराहट

प्रश्न 3- तुम्हारा सुप्रीम कमान्डर कौन है ?

- A- शिवबाबा
- B- ब्रम्हाबाबा
- C- बाप-दादा
- D- मम्मा बाबा

प्रश्न 4- अलग पर्याय का चुनाव कीजिए ?

- A- महारथी,
- B- घोड़ेसवार,
- C- प्यादे
- D- कैप्टन

प्रश्न 5- गरीब का एक रूपया, साहूकार का बराबर हो जाता है। गरीब के पास है ही थोड़ा तो क्या कर सकते हैं। हिसाब है ना।

- A- एक हजार
- B- एक लाख
- C- सौ
- D- 10 लाख

प्रश्न 6- बच्चों को आपस में मिल राय निकालनी चाहिये ?

- A- सर्विस की वृद्धि कैसे हो
- B- पुरूपार्थ तीव्र कैसे हो
- C- सबको बाप का परिचय कैसे दे
- D- विनाश सामने खड़ा है, कैसे सबको बताएं

प्रश्न 7- तीनों लोकों को कौन जानते है ?

- A- देवता
- B- हम ब्राह्मण
- C- साधू संन्यासी
- D- A और B

प्रश्न 8- जब और सब संकल्प शान्त हो जाते हैं, बस एक बाप और आप । इस मिलन की अनुभूति का संकल्प रहता है तब -

- A- अतीन्द्रिय सुख की अनुभूति होती है
- B- समाने की शक्ति आती है
- C- तब विकर्म विनाश होते हैं
- D- संकल्प शक्ति जमा होती है और योग पावरफुल हो जाता है

प्रश्न 9- बाप का प्लान है ?

- A- पत्थर बुद्धि को पारस बुद्धि बनाना
- B- सबको भगवान का परिचय देना
- C- पुरानी को नयी बनाना
- D- सबको साथ ले जाना

प्रश्न 10- क्या बन कर इस बेहद के नाटक को यथार्थ रीति समझना है ?

- A- विशाल बुद्धि
- B- साक्षी दृष्टा
- C- त्रिकाल दर्शी
- D- दूरदेशी

प्रश्न 11- अगर ब्रेक लगाने में एक सेकण्ड से ज्यादा समय लगता है तो.....शक्ति कमजोर है ?

- A- परिवर्तन
- B- परखने की
- C- समाने की
- D- सामना करने की

प्रश्न 12- संगमयुगी ब्राह्मणों की विशेषता है ?

- A- पवित्रता
- B- संतुष्टता
- C- अतीन्द्रिय सुख में झूलना
- D- सबको सुख देना

प्रश्न 13- तुम्हारा जीवन बहुत अमूल्य है क्योंकि -

- A- तुम भगवान के मदद गार बनते हो
- B- तुम्हें भगवान ने चुना है
- C- तुम श्रीमत पर नयी दुनिया की स्थापना के निमित्त हो
- D- तुम विश्व की सर्विस करते हो

प्रश्न 14- सतयुग के नाम है -

- A- शिवालय
- B- पावन दुनिया
- C- स्वर्ग
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 15- तुम जानते हो हम विश्व के मालिक पारसनाथ थे। फिर 84 जन्म लेते-लेते अब बन पड़े हैं।

- A- पतित
- B- पत्थरबुद्धि
- C- विकारी
- D- पत्थरनाथ

प्रश्न 16- कौन से संकल्पों के बंधन में बंधना ही मन्सा बंधन है ?

- A- व्यर्थ संकल्पों
- B- अलबेलेपन
- C- आलस्य
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 17- बाप को ही कहा जाता है कालों का काल, महाकाल क्योंकि -

- A- सभी आत्माओं की सद्गति करते हैं।
- B- तुमको इन सब आसुरी बंधनों से छुड़ाकर सुख के दैवी सम्बन्ध में ले जाते हैं।
- C- आत्माओं का पिता हैं।
- D- सभी को शरीर से छुड़ाकर साथ ले जाते हैं।

प्रश्न 18- वर्ण कौन से धर्म में होते हैं ?

- A- क्रिश्चियन
- B- आदि सनातन देवी-देवता
- C- हिन्दू
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 19- खूबसूरती का आधार है -

- A- पवित्रता
- B- योग
- C- बाप पर फिदा होना
- D- बाप समान बनना

प्रश्न 20- शक्तिशाली कैसे बन जाएंगे जो सुनते हो -

- A- उसे धारण करने से
- B- उस पर मनन चिंतन करने से
- C- उसका स्वरूप बनने से
- D- उसे बार बार रिपीट करने से

प्रश्न 21- हमारा काम कौनसे धाम से है ?

- A- मूलवतन
- B- सूक्ष्मवतन
- C- सृष्टि का चक्र
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 22- अलग पर्याय का चुनाव कीजिए ?

- A- स्वर्ग
- B- 16 कला
- C- कृष्णपुरी
- D- विष्णुपुरी

प्रश्न 23- रात्रि का भी तक बिल्कुल खराब टाइम है।

- A- 10 से 12
- B- 10 से 1
- C- 12 से 2
- D- 11 से 2

प्रश्न 24- ट्रस्टी बनना अर्थात् -

- A- निमित्त बनना
- B- करन करावनहार की स्मृति
- C- डबल लाइट फरिश्ता बनना
- D- बलिहार जाना

प्रश्न 25- तुम ब्राह्मणों का अलौकिक धर्म है-

- A- ज्ञान सुनना और सुनाना
- B- सर्व आत्माओं को घर का रास्ता बताना
- C- श्रीमत पर अलौकिक सेवा में तत्पर रहना
- D- मन, वचन, कर्म की पवित्रता

प्रश्न 26- कभी बुलाते हो कि बाबा पारसपुरी में आकर थोड़ी विजिट तो लो ? पर बुलाते ही नहीं, क्योंकि-

- A- बाबा को भूल जाते हैं
- B- रावण नहीं है तो राम भी नहीं आते
- C- दरकार नहीं
- D- गायन भी है दुःख में सिमरण सब करें, पतित दुनिया में याद करते हैं, सुख में करें न कोई

प्रश्न 27- ज्ञान मानसरोवर। अर्थात् -

- A- ज्ञान सागर
- B- ज्ञान मुरली
- C- मधुबन
- D- परमधाम

प्रश्न 28- हम सारे विश्व के मालिक हैं यह हमें कब स्मृति में रहता है ?

- A- सतयुग में
- B- संगमयुग में
- C- त्रेतायुग में
- D- सतयुग त्रेतायुग में

प्रश्न 29- अर्थात् भविष्य प्रालम्भ को यहाँ ही समाप्त कर देना है ?

- A- महिमा को स्वीकार करना

- B- कर्म फल की इच्छा करना
- C- सिद्धि को स्वीकार कर लेना
- D- सेवा में मैं पन

प्रश्न 30- श्रीकृष्ण हैं -

- A- देवता
- B- सूर्यवंशी
- C- विष्णु
- D- A और B
- E- A, B और C

प्रश्न 31- सतयुग में देहली को क्या कहते हैं ?

- A- इन्द्रप्रस्थ
- B- जमुना का कण्ठा
- C- नई दिल्ली
- D- परिस्तान

प्रश्न 32- विश्व किस को कहा जाता है ?

- A- मूलवतन को
- B- सूक्ष्मवतन को
- C- इस सृष्टि को
- D- उपरोक्त सभी

भाग (11) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *D.हम आत्मा मूलवतन की रहने वाली हैं*

हमको कोई चित्र आदि याद नहीं करना है। *अन्त में याद सिर्फ यह रहेगा कि हम आत्मा हैं, मूलवतन की रहने वाली हैं,* यहाँ हमारा पार्ट है। यह भूलना नहीं चाहिए। यह मनुष्य सृष्टि के चक्र की ही बातें हैं और बहुत सिम्पुल हैं। इसमें चित्रों की बिल्कुल दरकार नहीं क्योंकि यह चित्र आदि सब हैं भक्ति मार्ग की चीज़ें।

उत्तर 2- *B.कर्म*

जैसे राइट हैण्ड से सदा शुभ और श्रेष्ठ कर्म करते हैं। ऐसे आप राइट हैण्ड बच्चे सदा शुभ वा श्रेष्ठ कर्मधारी बनो, आपका हर कर्म ऊंचे ते ऊंचे बाप को प्रत्यक्ष करने वाला हो। क्योंकि *कर्म ही संकल्प वा बोल को प्रत्यक्ष प्रमाण के रूप में स्पष्ट करने वाला होता है।*

उत्तर 3- *A.शिवबाबा*

बाप समझा रहे हैं *ऊंच ते ऊंच है भगवान फिर उनको ऊंच ते ऊंच कमान्डर इन चीफ आदि भी कहो क्योंकि तुम सेना हो ना।* तुम्हारा सुप्रीम कमान्डर कौन है? यह भी जानते हो दो सेनाये हैं - वह है जिस्मानी, तुम हो रूहानी। वह हद के, तुम बेहद के।

उत्तर 4- *D.कैएन*

अब पुरानी दुनिया है तो यह मालूम होना चाहिए - बाप कब और कैसे आकर नई दुनिया स्थापन करते हैं। तुम्हारे में नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार जानते हैं। *बड़े ते बड़ा है बाप, बाकी फिर नम्बरवार महारथी, घोड़ेसवार, प्यादे हैं। कमान्डर, कैएन यह तो सिर्फ मिसाल दे समझाया जाता है।*

उत्तर 5- *A.एक हजार*

गरीब अथवा साहूकार धर्माऊ तो निकालते हैं ना। साहूकार जास्ती निकालेंगे, इसमें भी ऐसे हैं। कोई एक हजार निकालेंगे, कोई कम। कोई तो दो रूपये भी भेज देते हैं। कहते हैं एक रूपये की ईंट लगा देना। एक रूपया 21 जन्मों के लिए जमा करना। यह है गुप्त। *गरीब का एक रूपया, साहूकार का एक हजार, बराबर हो जाता है।* गरीब के पास है ही थोड़ा तो क्या कर सकते हैं। हिसाब है ना।

उत्तर 6- *C.सबको बाप का परिचय कैसे दें*

बच्चों को आपस में मिल राय निकालनी चाहिए कि सबको बाप का परिचय कैसे दें, यह है रूहानी सेवा। हम अपने भाई-बहनों को चेतावनी कैसे दें कि बाप नई दुनिया स्थापन करने के लिए आये हैं। यह वही महाभारत लड़ाई है। मनुष्य तो यह भी समझते नहीं हैं कि महाभारत लड़ाई के बाद फिर क्या!

उत्तर 7- *B.हम ब्राह्मण*

तुम्हारी बुद्धि अभी कितनी विशाल, दूरादेशी हो गई है। तीनों लोकों को तुम जानते हो, मूलवतन जिसको निराकारी दुनिया कहा जाता है। बाकी सूक्ष्मवतन का कुछ भी है नहीं। कनेक्शन सारा है मूलवतन और स्थूलवतन से। बाकी सूक्ष्मवतन तो थोड़ा टाइम के लिए है। बाकी आत्मायें सब ऊपर से यहाँ आती हैं पार्ट बजाने।

उत्तर 8- *D.संकल्प शक्ति जमा होती है और योग पावरफुल हो जाता है*

जब और सब संकल्प शान्त हो जाते हैं, बस एक बाप और आप - इस मिलन की अनुभूति का संकल्प रहता है *तब संकल्प शक्ति जमा होती है और योग पावरफुल हो जाता है,* इसके लिए समाने वा समेटने की शक्ति धारण करो। संकल्पों पर फुल ब्रेक लगे, ढीली नहीं।

उत्तर 9- *C.पुरानी को नई बनाना*

मनुष्य कहते रहते हैं - 6-7 वर्षों में इतना अनाज होगा, जो बात मत पूछो। देखो, उन्हीं का प्लैन क्या है और तुम बच्चों का प्लैन क्या है? *बाप कहते हैं मेरा प्लैन है पुरानी को नया बनाना।* तुम्हारा एक ही प्लैन है। जानते हो बाप की श्रीमत् से हम अपना वर्सा ले रहे हैं।

उत्तर 10- *D.दूरादेशी*

इस बेहद के नाटक में आत्मा रूपी एक्टर जो यह चोला पहनकर पार्ट बजा रही है, इसे सतयुग से लेकर कलियुग तक पार्ट बजाना है। कोई भी एक्टर बीच में वापिस जा नहीं सकता। *दूरादेशी बनकर इस बेहद के नाटक को यथार्थ रीति समझना है।* सभी पार्टधारियों के पार्ट को साक्षी होकर देखना है।

उत्तर 11- *C.समाने की शक्ति*

जब और सब संकल्प शान्त हो जाते हैं, बस एक बाप और आप - इस मिलन की अनुभूति का संकल्प रहता है तब संकल्प शक्ति जमा होती है और योग पावरफुल हो जाता है, इसके लिए समाने वा समेटने की शक्ति धारण करो। संकल्पों पर फुल ब्रेक लगे, ढीली नहीं। *अगर एक सेकण्ड के बजाए ज्यादा समय लग जाता है तो समाने की शक्ति कमजोर है।*

उत्तर 12- *C.अतीन्द्रिय सुख में झूलना*

अतीन्द्रिय सुख में झूलना - यह संगमयुगी ब्राह्मणों की विशेषता है। लेकिन मन्सा संकल्पों के बंधन आन्तरिक खुशी वा अतीन्द्रिय सुख का अनुभव करने नहीं देते। व्यर्थ संकल्पों, ईर्ष्या, अलबेलेपन वा आलस्य के संकल्पों के बंधन में बंधना ही मन्सा बंधन है।

उत्तर 13- *D.तुम विश्व की सर्विस करते हो*

बाप कहते हैं तुम कितने भाग्यशाली हो। भगवान खुद बैठ समझाते हैं तो तुमको कितना खुश रहना चाहिए। तुम्हारी यह पढ़ाई है ही नई दुनिया के लिए। *यह तुम्हारा जीवन बहुत अमूल्य है क्योंकि तुम विश्व की सर्विस करते हो।* बाप को बुलाते ही हैं कि आकर हेल को हेविन बनाओ। हेविनली गॉड फादर कहते हैं ना।

उत्तर 14- *D.उपरोक्त सभी*

इसका नाम ही है नर्क परन्तु अपने को नर्कवासी समझते थोड़े ही हैं। स्वयं का पता ही नहीं तो कह देते स्वर्ग-नर्क यहाँ ही है। जिसके मन में जो आया वह कह दिया। यह कोई स्वर्ग नहीं है। *स्वर्ग में तो किंगडम थी।* अभी तुम बच्चे सारी पुरानी दुनिया को भूलने का पुरुषार्थ करते हो क्योंकि तुम जानते हो *हम अब शिवालय, पावन दुनिया में जा रहे हैं।*

उत्तर 15- *D.पत्थरनाथ*

भारत जिसे सोने की चिड़िया कहते थे, अभी तो ठिक्कर की भी नहीं है। भारत 100 परसेन्ट सालवेन्ट था। अब 100 परसेन्ट इनसालवेन्ट है। *तुम जानते हो हम विश्व के मालिक पारसनाथ थे। फिर 84 जन्म लेते-लेते अब पत्थरनाथ बन पड़े हैं।* हैं तो मनुष्य ही परन्तु पारसनाथ और पत्थरनाथ कहा जाता है।

उत्तर 16- *D.उपरोक्त सभी*

व्यर्थ संकल्पों, ईर्ष्या, अलबेलेपन वा आलस्य के संकल्पों के बंधन में बंधना ही मन्सा बंधन है, ऐसी आत्मा अभिमान के वश दूसरों का ही दोष सोचती रहती है, उनकी महसूसता शक्ति समाप्त हो जाती है इसलिए इस सूक्ष्म बंधन से मुक्त बनो तब मुक्ति दाता बन सकेंगे।

उत्तर 17- *D.सभी को शरीर से छुड़ाकर साथ ले जाते हैं*

पतित पावन है ही एक बाप। तो वह जब आते हैं तो पावन जरूर बनना पड़े। *बाप को ही कहा जाता है कालों का काल, महाकाल। सभी को शरीर से छुड़ाकर साथ ले जाते हैं।* यह है सुप्रीम गाइड। सभी आत्माओं को वापिस ले जाते हैं। यह छी-छी शरीर है, इनके बंधन से छूटना चाहते हैं।

उत्तर 18- *B.आदि सनातन देवी-देवता*

अभी तुम बच्चे जानते हो कैसे हम आत्मायें पार्ट बजाने के लिए परमधाम से आती हैं। हम शूद्र कुल में थी फिर अब ब्राह्मण कुल में आई हैं। *यह भी तुम्हारा वर्ण है और कोई धर्म वालों के लिए यह वर्ण नहीं है। उन्हीं के वर्ण नहीं होते।* उनका तो एक ही वर्ण है, क्रिश्चियन ही चले आते हैं। हाँ, उनमें भी सतो-रजो-तमो में आते हैं। बाकी यह वर्ण तुम्हारे लिए हैं।

उत्तर 19- *A.पवित्रता*

"मीठे बच्चे - बाप तुम्हें पढ़ा रहे हैं खूबसूरत देवी-देवता बनाने, *खूबसूरती का आधार है पवित्रता*"

उत्तर 20- *C.उसका स्वरूप बनने से*

रोज़ मन में स्व के प्रति या औरों के प्रति उमंग-उत्साह का संकल्प लाओ। स्वयं भी उसी संकल्प का स्वरूप बनो और दूसरों की सेवा में भी लगाओ तो अपनी जीवन भी सदा के लिए उत्साह वाली हो जायेगी और दूसरों को भी उत्साह दिलाने वाले बन सकेंगे। *जो सुनते हो उसका स्वरूप बनो तो शक्तिशाली बन जायेंगे।*

उत्तर 21- *D.उपरोक्त सभी*

इस बेहद के नाटक में फिर छोटे-छोटे नाटक भी अनेक बार चलते रहते हैं। सतयुग से कलियुग तक जो कुछ हुआ है वह रिपीट होता रहता है। ऊपर से लेकर अन्त तक तुम्हारी बुद्धि में है। *मूलवतन, सूक्ष्मवतन और सृष्टि का चक्र, बस, और कोई धाम से तुम्हारा काम नहीं।* तुम्हारा धर्म बहुत सुख देने वाला है।

उत्तर 22- *C. कृष्णपुरी*

अभी तुम ससुरघर विष्णुपुरी में जाते हो। उनको कृष्णपुरी नहीं कहेंगे। बच्चे की पुरी नहीं होती। विष्णुपुरी अर्थात् लक्ष्मी-नारायण की पुरी। तुम्हारा है राजयोग। तो जरूर नर से नारायण बनेंगे।

उत्तर 23- *A.10 से 12*

पढ़ाई सवेरे और शाम को होती है। दोपहर में वायुमण्डल ठीक नहीं होता है। *रात्रि का भी 10 से 12 तक बिल्कुल खराब टाइम है।* यहाँ तुम बच्चों को भी मेहनत करनी है, याद में रह सतोप्रधान बनने की। वहाँ तो सारा दिन काम-धंधे में रहते हो।

उत्तर 24- *C.डबल लाइट फरिश्ता बनना*

स्वयं को श्रेष्ठ संकल्पों से सम्पन्न बनाने के लिए ट्रस्टी बनकर रहो, *ट्रस्टी बनना अर्थात् डबल लाइट फरिश्ता बनना।* ऐसे बच्चों का हर श्रेष्ठ संकल्प सफल होता है। एक श्रेष्ठ संकल्प बच्चे का और हजार श्रेष्ठ संकल्प का फल बाप द्वारा प्राप्त हो जाता है। एक का हजार गुणा मिल जाता है।

उत्तर 25- *C.श्रीमत पर अलौकिक सेवा में तत्पर रहना*

मनुष्यों को भी पता पड़ेगा, तुम्हारा आवाज़ फैलता रहेगा। *तुम ब्राह्मणों का अलौकिक धर्म है - श्रीमत पर अलौकिक सेवा में तत्पर रहना।* यह भी मनुष्यों को पता पड़ जायेगा कि तुम श्रीमत पर कितना ऊंच काम कर रहे हो। तुम्हारे जैसी अलौकिक सर्विस कोई कर न सके। तुम ब्राह्मण धर्म वाले ही ऐसा कर्म करते हो।

उत्तर 26- *D.गायन भी है दुःख में सिमरण सब करें,पतित दुनिया में याद करते हैं,सुख में करे न कोई*

बच्चे खुद पारसपुरी में आ जाते हैं। वहाँ तो मुझे कभी बुलाते ही नहीं हैं। कभी बुलाते हो कि बाबा पारसपुरी में आकर थोड़ी विजिट तो लो? बुलाते ही नहीं। *गायन भी है दुःख में सिमरण सब करें, पतित दुनिया में याद करते हैं, सुख में करे न कोई।* न याद करते हैं, न बुलाते हैं।

उत्तर 27- *A.ज्ञान सागर*

अमृतसर में एक तालाब बना दिया है। तालाब में डुबकी मारते हैं। मानसरोवर नाम का भी एक तालाब बना दिया है। मानसरोवर का अर्थ भी नहीं समझते हैं। *मानसरोवर अर्थात् निराकार परमपिता परमात्मा ज्ञान सागर* मनुष्य के तन में आकर यह ज्ञान सुनाते हैं।

उत्तर 28- *B.संगमयुग में*

भगवानुवाच, बच्चों के आगे। मैं तुमको ऊंच ते ऊंच बनाता हूँ तो *तुम बच्चों को कितनी खुशी होनी चाहिए। समझते भी हो बाबा हमको सारे विश्व का मालिक बनाते हैं।* मनुष्य कहते परमपिता परमात्मा ऊंच ते ऊंच है। बाप खुद कहते हैं - मैं तो विश्व का मालिक बनता नहीं हूँ।

उत्तर 29- *C.सिद्धि को स्वीकार कर लेना*

स्लोगन:- *सिद्धि को स्वीकार कर लेना अर्थात् भविष्य प्रालम्भ को यहाँ ही समाप्त कर देना।*

उत्तर 30- *D. A और B*

शान्ति का सागर, पवित्रता का सागर, यह उस एक की ही महिमा है। दूसरे कोई की महिमा हो नहीं सकती। देवताओं की महिमा अलग है, परमपिता परमात्मा शिव की महिमा अलग है। वह है बाप। *श्रीकृष्ण है देवता।सूर्यवंशी* सो चन्द्रवंशी सो वैश्यवंशी....., मनुष्य हम सो का अर्थ भी समझते नहीं।

उत्तर 31- *D.परिस्तान*

दुनिया तो एक ही है। पुरानी दुनिया से फिर नई बनेगी। *नई दुनिया में नया भारत था तो उसमें देवी-देवता थे, कैपिटल भी जानते हो, जमुना का कण्ठा था, जिसको परिस्तान भी कहते थे।* वहाँ नैचुरल ब्युटी रहती है। आत्मा पवित्र बन जाती है तो पवित्र आत्मा को शरीर भी पवित्र मिलता है।

उत्तर 32- *C.इस सृष्टि को*

बाप समझाते हैं - मीठे-मीठे बच्चों, मैं इस सृष्टि का मालिक नहीं हूँ। तुम मालिक बनते हो और फिर राज्य गँवाते हो। फिर बाप आकर विश्व का मालिक बनाते हैं। *विश्व इसको ही कहा जाता है। मूलवतन वा सूक्ष्मवतन की बात नहीं है।* मूलवतन से तुम यहाँ आकर 84 जन्म का चक्र लगाते हो।

भाग - (12)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- गीता में है भगवानुवाच मैं तुमको राजयोग सिखाता हूँ अर्थात्-

- A- नर से नारायण बनाता हूँ
- B- राजाओं का राजा बनाता हूँ
- C- विश्व का मालिक बनाते हूँ
- D- मनुष्य से देवता बनाता हूँ

प्रश्न 2- अलौकिक जन्म है -

- A- शिवबाबा का
- B- हम ब्राह्मण बच्चों का
- C- ब्रह्मा विष्णु शंकर का
- D- A और B
- E- A, B और C

प्रश्न 3- बड़ी जबरदस्त कमाई है ?

- A- आत्मा समझने में
- B- आत्मा को पवित्र बनाने में
- C- बाप की याद में
- D- हर कर्म श्रीमत पर हो तो

प्रश्न 4- अलग पर्याय का चुनाव कीजिए ?

- A- ड्रामा का चक्र
- B- सीढ़ी
- C- बाप का वर्सा
- D- अपने 84 जन्म

प्रश्न 5- आनेस्ट बनना अर्थात्-

- A- ट्रस्टी बनना
- B- सत्य बाप के साथ सच्चा रहना
- C- सर्व खजानों को विश्व कल्याण में लगाना
- D- हर कदम बाप के साथ उठाना

प्रश्न 6- पारस बुद्धि बनाने के लिए उन्हें -

- A- पारस नाथ का परिचय दो
- B- पहले तो स्व का परिचय दो
- C- सात रोज की भट्टी में बैठाओ
- D- सत्य नारायण की सच्ची कथा सुनाओ

प्रश्न 7- शिव बाबा का रथ -

- A- भाग्यशाली रथ
- B- सौभाग्यशाली रथ
- C- श्री कृष्ण की आत्मा का रथ
- D- A और B
- E- A, B और C

प्रश्न 8- यथार्थ योग अर्थात् -

- A- हर कर्म याद में
- B- हर संकल्प समर्थ
- C- बुद्धि को एक ही संकल्प में स्थित कर लें जब तक चाहे
- D- एक बाप ही आधार

प्रश्न 9- विकार रूपी भूतों का आह्वान होता है -

- A- देह अभिमान के कारण
- B- अशुद्धि के कारण
- C- याद में न रहने से
- D- तमोगुणी भोजन से

प्रश्न 10- वैष्णव के सम्बन्ध में कौन सा कथन सही नहीं है?

- A- वेजिटेरियन होते हैं
- B- मांस मदिरा नहीं खाते हैं
- C- प्याज लहसुन आदि नहीं खाते हैं
- D- विकार में नहीं जाते

प्रश्न 11- मोह होता है ?

- A- संबंध में
- B- सम्पत्ति में
- C- खान पान में
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 12- लड़ाई होती है ?

- A- कौरवों और यवनों की
- B- कौरवों और यादवों की लगती है
- C- कौरवों और पाण्डवों की लगती है
- D- किसी की भी नहीं लगती

प्रश्न 13- बाबा बिजनेसमैन भी तो है ना। तुमसे कखपन पाई पैसे लेकर एक्सचेंज में क्या देता है ?

- A- सर्व खजानों की चाबी
- B- राजाई
- C- 21 जन्मों का वर्सा
- D- सोने के महल

प्रश्न 14- कौन सा अक्षर तो सबमें डालो ?

- A- सतयुगी
- B- बाबा
- C- 21 जन्म हेल्थ
- D- आत्मा

प्रश्न 15- वह विनाशी धन तो कोई काम नहीं आयेगा। हमको तो अपनी कमाई करनी है, इसमें बहुतों का कल्याण होगा।

- A- याद की
- B- अविनाशी
- C- ज्ञान की
- D- सेवा की

प्रश्न 16- अलग पर्याय का चुनाव कीजिए

- A- रुद्र माला
- B- रुण्ड माला
- C- शिव माला
- D- विष्णु की माला

प्रश्न 17- सन्यासियों को कहेंगे -

- A- पवित्र आत्मा
- B- पुण्यात्मा
- C- महान आत्मा
- D- उपर्युक्त सभी

प्रश्न 18- ज्ञान है ब्रह्मा और ब्राह्मणों का दिन जो बड़ा क्लीयर कहां दिखाया गया है -

- A- गोले में
- B- सीढ़ी में
- C- सृष्टि चक्र में
- D- विराट रूप में

प्रश्न 19- मनुष्य सृष्टि का बीजरूप है ?

- A- अव्यक्त ब्रह्मा
- B- ब्राह्मण बच्चे
- C- प्रजापिता ब्रह्मा
- D- शिवबाबा

प्रश्न 20- सतयुग में नहीं होंगे -

- A- विमान
- B- बिजली
- C- स्टीमर
- D- चित्रकारी

प्रश्न 21- सबसे बड़ा वन्दर कौन सा है-

- A- स्वर्ग
- B- परमात्मा का गुप्त रूप में अवतरण
- C- परमात्मा द्वारा संपूर्ण सृष्टि का परिवर्तन
- D- बाप स्वयं आ कर पढ़ाते हैं

प्रश्न 22- नंबरवार ताला उनका खुलेगा ?

- A- जो आत्म अभिमानी हो रहेंगे
- B- जितना याद में रहेंगे
- C- बुद्धि से पूरी तरह समर्पित होंगे
- D- श्रीमत पर चलेंगे

प्रश्न 23- विशाल कार्य में सहयोगी बन जाएंगे ?

- A- बेहद की दृष्टि रखने से
- B- विश्व कल्याण की भावना से
- C- मनसा सेवा से
- D- स्वयं संपन्न बन

प्रश्न 24- क्रिश्चियन धर्म का बीज है ?

- A- आदि देव ब्रह्मा
- B- शिवबाबा
- C- क्राइस्ट
- D- देवी-देवता धर्म

प्रश्न 25- प्रेरणा अर्थात् -

- A- संकल्प
- B- विचार
- C- भावना
- D- मन्सा शक्ति

प्रश्न 26- किन बच्चों की बुद्धि में याद ठहर नहीं सकती ?

- A- जो आत्मिक स्थिति में नहीं रहते
- B- श्रीमत पर पूरा नहीं चलते
- C- पूरा पूरा निश्चय नहीं है तो
- D- व्यर्थ संकल्प ,पुराने संस्कार के कारण

प्रश्न 27- अलौकिक भाषा है ?

- A- नयनों की भाषा,
- B- भावना की भाषा
- C- संकल्प की भाषा
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 28- सबसे ऊंच कुल है ?

- A- वैश्य
- B- ब्राह्मण
- C- देवता
- D- क्षत्रिय

प्रश्न 29- बाप से व्यापार करना है तो-

- A- सच्चे बाप से सच्चे बनो
- B- बाप समान अपकारी पर भी उपकार करो

- C- श्रीमत पर चलो
- D- गफलत मत करो

प्रश्न 30- सबसे बुरी आदत कौन सी है -

- A- आँखों की चंचलता
- B- मन का भटकना
- C- ज़बान का स्वाद
- D- देह का आकर्षण

प्रश्न 31- ब्राह्मण जीवन की परसन्नैलिटी है ?

- A- प्युरिटी
- B- रियलिटी
- C- सन्तुष्टता
- D- प्रसन्नता

प्रश्न 32- बालक बनना अर्थात् -

- A- वारिस बनना
- B- बोझ मुक्त बनना
- C- हृद के जीवन का परिवर्तन
- D- सदा बेफिक्र

भाग (12) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *A.नर से नारायण बनाता हूँ*

पहले-पहले बाप का ही परिचय देना है। उनका नाम है शिव। गीता में भगवानुवाच है ना। पहले-पहले तो यह निश्चय कराए लिखा लेना चाहिए। गीता में है *भगवानुवाच - मैं तुमको राजयोग सिखाता हूँ अर्थात् नर से नारायण बनाता हूँ।* यह कौन बना सकते हैं? जरूर समझाना पड़े। भगवान कौन है फिर यह भी समझाना होता है।

उत्तर 2- *D. A और B*

अभी तुम समझते हो तो फिर समझाना है। *शिवबाबा है निराकार, उनका अलौकिक जन्म है। तुम बच्चों को भी अलौकिक जन्म देते हैं।* अलौकिक बाप अलौकिक बच्चे। लौकिक, पारलौकिक और अलौकिक कहा जाता है। तुम बच्चों को अलौकिक जन्म मिलता है। बाप तुमको एडाए कर वर्सा देते हैं। तुम जानते हो *हम ब्राह्मणों का भी अलौकिक जन्म है।*

उत्तर 3- *B.आत्मा को पवित्र बनाने में*

धंधा आदि करते यही मेहनत करो कि मैं आत्मा इस शरीर से काम करती हूँ। मैं आत्मा ही शिवबाबा को याद करती हूँ। *आत्मा ही पहले-पहले पवित्र थी, अब फिर पवित्र बनना है। यह है मेहनत। इसमें बड़ी जबरदस्त कमाई है।* यहाँ कितने भी साहूकार हैं, अरब-खरब हैं परन्तु वह सुख नहीं है। सबके सिर पर दुःख है।

उत्तर 4- *C.बाप का वर्सा*

बाप आते ही हैं तुम बच्चों को ज्ञान रत्न देने। वह ज्ञान का सागर है ना। कहेंगे - बच्चे, देही-अभिमानि हो रहो। बाप को याद करो। यह ज्ञान हुआ। *बाप कहते हैं इस ड्रामा के चक्र को, सीढ़ी को और बाप को याद करो - यह ज्ञान हुआ। बाप कहते हैं अपने 84 जन्मों को याद करो।* तुम पवित्र आये थे फिर पवित्र होकर ही जाना है।

उत्तर 5- *C.सर्व खजानों को विश्व कल्याण में लगाना*

अगर समय, वाणी, कर्म, श्वास वा संकल्प परमत या संगदोष में व्यर्थ तरफ गंवाते हो, स्वचिंतन के बजाए परचिंतन करते हो, स्वमान की बजाए किसी भी प्रकार के अभिमान में आते हो, श्रीमत के बदले मनमत के आधार पर चलते हो तो ऑनेस्ट नहीं कहेंगे। *यह सब खजाने विश्व कल्याण के लिए मिले हैं, तो उसी में ही लगाना यही है ऑनेस्ट बनना।*

उत्तर 6- *C.सात रोज की भट्टी में बिठाओ*

आज के देह-अभिमानि मनुष्यों को थोड़ा पैसा मिला तो समझते हैं हम तो स्वर्ग में बैठे हैं। सुखधाम (स्वर्ग) को बिल्कुल जानते नहीं क्योंकि पत्थरबुद्धि हैं। *अब उन्हें पारसबुद्धि बनाने के लिए 7 रोज़ की भट्टी में बिठाओ क्योंकि पतित हैं ना।*

उत्तर 7- *E. A, B और C*

बाबा हर 5 हज़ार वर्ष बाद भारत में ही *भाग्यशाली रथ* पर आते हैं। *यह है सौभाग्यशाली, जिस रथ में भगवान आकर बैठते हैं।* कोई कम है क्या। भगवान इनमें बैठ बच्चों को समझाते हैं कि मैं बहुत जन्मों के अन्त में इसमें प्रवेश करता हूँ। *श्रीकृष्ण की आत्मा का रथ है ना।*

उत्तर 8- *C.बुद्धि को एक ही संकल्प में स्थित कर लें जब तक चाहें*

सब संकल्पों से परे एक संकल्प में स्थित होने का अभ्यास चाहिए। जिस समय विस्तार में बिखरी हुई बुद्धि हो उस समय स्टॉप करने की प्रैक्टिस चाहिए। स्टॉप करना और होना। *जितना समय चाहें उतना समय बुद्धि को एक संकल्प में स्थित कर लें - यही है यथार्थ योग।*

उत्तर 9- *B.अशुद्धि के कारण*

स्लोगन:-अशुद्धि ही विकार रूपी भूतों का आह्वान करती है इसलिए संकल्पों से भी शुद्ध बनों।

उत्तर 10- *D.विकार में नहीं जाते*

तुम पूरे वैष्णव बनते हो। वैष्णव अर्थात् जो वेजीटेरियन होते हैं। मास मदिरा आदि नहीं खाते हैं। *परन्तु विकार में तो जाते हैं, बाकी वैष्णव बना तो क्या हुआ।* वैष्णव कुल के कहलाते हैं अर्थात् प्याज़ आदि तमोगुणी चीज़ें नहीं खाते हैं।

उत्तर 11- *A.संबंध में*

सबसे बड़ा अवगुण है मोह। *मोह के कारण सम्बन्धियों की याद सताती रहती है।* किसी का कोई सम्बन्धी मरता है तो 12 मास तक उसे याद करते रहते हैं। मुँह ढक कर रोते रहेंगे, याद आती रहेगी। ऐसे ही अगर बाप की याद सताये, दिन-रात तुम बाप को याद करो तो तुम्हारा बेडा पार हो जायेगा।

उत्तर 12- *B.कौरव और यादवों की लगती है*

जब 16 कला सम्पूर्ण बनेंगे तब विनाश की भी तैयारी होगी। वह विनाश के लिए और तुम अविनाशी पद के लिए तैयारी कर रहे हो। *कौरव और पाण्डवों की लड़ाई हुई नहीं, कौरवों और यादवों की लगती है*। ड्रामा अनुसार पाकिस्तान भी हो गया।

उत्तर 13- *C.21 जन्मों का वर्सा*

बाबा बिजनेसमैन भी तो है ना। तुमसे कखपन पाई पैसे लेकर एक्सचेंज में क्या देता हूँ। इसलिए गाया जाता है रहमदिल। कौड़ी से हीरे जैसा बनाने वाला, मनुष्य को देवता बनाने वाला। *सबका कल्याण करो तो 21 जन्मों का वर्सा मिलेगा। ... बाबा हमको श्रीमत दे रहे हैं। बाप फिर रिटर्न में 21 जन्म के लिए देते हैं।*

उत्तर 14- *A.सतयुगी*

टापिक की लिस्ट बनाओ फिर लिखते जाओ। विश्व में शान्ति कैसे हो सकती है आकर समझो, 21 जन्मों के लिए निरोगी कैसे बन सकते हो, आकर समझो। ऐसी खुशी की बातें लिखी हुई हो। 21 जन्मों के लिए निरोगी, सतयुगी डबल सिरताज आकर बनों। *सतयुगी अक्षर तो सबमें डालो।*

उत्तर 15- *B.अविनाशी*

यह भी धन्धा है ना। बाप कहते हैं हिम्मत बच्चे मददे बापदादा। वह विनाशी धन तो कोई काम नहीं आयेगा। *हमको तो अपनी अविनाशी कमाई करनी है,* इसमें बहुतों का कल्याण होगा। जैसे इस ब्रह्मा ने भी किया। फिर कोई भूख थोड़ेही मरते हैं।

उत्तर 16- *C.शिव माला*

शिव भगवानुवाच। रूद्र भगवानुवाच भी कहा जा सकता है क्योंकि *शिव माला नहीं गाई जाती है।* जो मनुष्य भक्ति मार्ग में बहुत फेरते हैं उसका नाम रखा हुआ है रूद्र माला। बात एक ही है परन्तु राइट-वे में शिवबाबा पढ़ाते हैं। वह नाम ही होना चाहिए, परन्तु रूद्र माला नाम चला आता है।

उत्तर 17- *A.पवित्र आत्मा*

कोई अच्छे मनुष्य भी होते हैं, जिसको रिलीजस माइन्डेड वा भक्त कहा जाता है। *सन्यासियों को कहेंगे पवित्र आत्मा* और जो दान आदि करते हैं उनको कहेंगे पुण्य आत्मा। इससे भी सिद्ध होता है - आत्मा ही दान-पुण्य करती है इसलिए पुण्य आत्मा, पवित्र आत्मा कहा जाता है।

उत्तर 18- *B.सीढ़ी में*

भक्ति है ब्राह्मणों की रात। ज्ञान है ब्रह्मा और ब्राह्मणों का दिन। जो अब प्रैक्टिकल में हो रहा है। *सीढ़ी में बड़ा क्लीयर दिखाया हुआ है।* नई दुनिया और पुरानी दुनिया को आधा-आधा कहेंगे। ऐसे नहीं कि नई दुनिया को जास्ती टाइम, पुरानी दुनिया को थोड़ा टाइम देंगे। नहीं, पूरा आधा-आधा होगा। तो क्वार्टर भी कर सकेंगे।

उत्तर 19- *D.शिवबाबा*

मैं सुप्रीम आत्मा हूँ। मेरी महिमा अलग है। हर एक की महिमा अपनी-अपनी है ना। गायन भी है ना - परमपिता परमात्मा ब्रह्मा द्वारा स्थापना करते हैं। *वह ज्ञान का सागर, मनुष्य सृष्टि का बीजरूप है।* वह सत है, चैतन्य है, आनन्द, सुख-शान्ति का सागर है। यह है बाप की महिमा।

उत्तर 20- *C.स्टीमर*

जो-जो काम की चीज़ें वहाँ के लायक हैं वह बनती हैं। स्टीमर बनाने वाले भी होते हैं परन्तु स्टीमर तो वहाँ काम में नहीं आयेंगे। भल कोई ज्ञान लेवे या न लेवे परन्तु उनके संस्कार काम में नहीं आयेंगे। *वहाँ स्टीमर्स आदि की दरकार ही नहीं।* ड्रामा में है नहीं। हाँ विमानों की, बिजलियों आदि की दरकार पड़ेगी।

उत्तर 21- *D.बाप स्वयं आकर पढ़ाते हैं*

मनुष्य यह स्थूल वन्दर्स सब देखते हैं परन्तु वह तो कुछ भी नहीं है। *यह कितना वन्दर है जो सर्व का सद्गति दाता परमपिता परमात्मा आकर पढ़ाते हैं।* तुमको यह सब प्वाइंट्स भी धारण करनी है। मूल बात है ही गीता के भगवान की। इस पर जीत पाई तो बस।

उत्तर 22- *D.श्रीमत पर चलेंगे*

हम स्वर्गवासी बनने के लिए पवित्र बन रहे हैं। पहले नर्कवासी थे। मनुष्य कहते भी हैं फलाना स्वर्गवासी हुआ। परन्तु हम नर्क में हैं यह नहीं समझते। बुद्धि का ताला नहीं खुलता। तुम बच्चों का अब धीरे-धीरे ताला खुलता जाता है, नम्बरवार। *ताला उनका खुलेगा जो श्रीमत पर चलने लग पड़ेंगे।*

उत्तर 23- *D.स्वयं संपन्न बन*

स्लोगन:- *स्वयं को सम्पन्न बना लो तो विशाल कार्य में स्वतः सहयोगी बन जायेंगे।*

उत्तर 24- *C.क्राइस्ट*

सबको वापिस जरूर जाना है फिर नम्बरवार उतरते हैं। क्राइस्ट आयेंगे तो फिर उनके धर्म वाले भी आते रहेंगे। अभी देखो कितने क्रिश्चियन हैं। *क्राइस्ट हो गया क्रिश्चियन धर्म का बीज।* इस देवी-देवता धर्म का बीज है परमपिता परमात्मा शिव। तुम्हारा धर्म स्थापन करते हैं परमपिता परमात्मा।

उत्तर 25- *B.विचार*

बाप आकर सब राज़ समझाते हैं। और सब आत्माओं के नाम बदलते हैं, शिव का नाम नहीं बदलता। उनका अपना शरीर है नहीं। शरीर बिगड़ पढ़ायेँगे कैसे! प्रेरणा की तो कोई बात ही नहीं। *प्रेरणा का अर्थ है विचार।* ऐसे नहीं, ऊपर से प्रेरणा करेंगे और पहुँच जायेंगे, इसमें प्रेरणा की कोई बात नहीं।

उत्तर 26- *C.पूरा-पूरा निश्चय नहीं है तो*

जिन्हें पूरा-पूरा निश्चय नहीं है उनकी बुद्धि में याद ठहर नहीं सकती। हमको कौन सिखला रहे हैं, यह जानते नहीं तो याद किसको करेंगे। जो यथार्थ पहचान कर याद करते हैं उनके ही विकर्म विनाश होते हैं। बाप स्वयं ही आकर अपनी और अपने घर की यथार्थ पहचान देते हैं।

उत्तर 27- *D.उपरोक्त सभी*

जितना-जितना आप बच्चे अन्तर्मुखी स्वीट साइलेन्स स्वरूप में स्थित होते जायेंगे उतना *नयनों की भाषा, भावना की भाषा और संकल्प की भाषा* को सहज समझते जायेंगे। यह तीन प्रकार की भाषा रूहानी योगी जीवन की भाषा है। *यह अलौकिक भाषायें बहुत शक्तिशाली हैं।* समय प्रमाण इन तीनों भाषाओं द्वारा ही सहज सफलता प्राप्त होगी।

उत्तर 28- *B.ब्राह्मण*

बाप भी भारत में ही आकर 3 धर्म स्थापन करते हैं। *अभी तुमको शूद्र धर्म से निकाल ऊँच कुल में ले जाते हैं। वह है नीच पतित कुल, अब पावन बनाने के लिए तुम ब्राह्मण निमित्त बनते हो।* इनको रुद्र ज्ञान यज्ञ कहा जाता है। रुद्र शिवबाबा ने यज्ञ रचा है, इस बेहद के यज्ञ में सारी पुरानी दुनिया की आहुति पड़नी है।

उत्तर 29- *C.श्रीमत पर चलो*

बाप कहते हैं कर्मन्द्रियों की बड़ी जाँच करनी चाहिए। कौन-सी कर्मन्द्रिय धोखा देती है? पोतामेल निकालना चाहिए। व्यापार है ना। *बाप समझाते हैं मेरे से व्यापार करना है, ऊँच पद पाना है तो श्रीमत पर चलो।* बाप डायरेक्शन देंगे, उसमें भी माया विघ्न डालेगी। करने नहीं देगी।

उत्तर 30- *C.जबान का स्वाद*

सबसे बुरी आदत है - जबान का स्वाद। कोई अच्छी चीज़ देखी तो छिपाकर खा लेंगे। छिपाना अर्थात् चोरी। चोरी रूपी माया भी बहुतों को नाक कान से पकड़ लेती है। इससे बचने का साधन जब भी कहाँ बुद्धि जाए तो खुद ही खुद को सज़ा दो। बुरी आदतों को निकालने के लिए अपने आपको खूब फटकार लगाओ।

उत्तर 31- *D.प्रसन्नता*

स्लोगन:- *प्रसन्नता ही ब्राह्मण जीवन की पर्सनैलिटी है* - तो सदा प्रसन्नचित रहो।

उत्तर 32- *C.हृद के जीवन का परिवर्तन*

बालक बनना अर्थात् हृद के जीवन का परिवर्तन होना। कोई कितने भी बड़े देश का मालिक हो, धन वा परिवार का मालिक हो लेकिन बाप के आगे सब बालक हैं। तुम ब्राह्मण बच्चे भी बालक बनते हो तो बेफिकर बादशाह और भविष्य में विश्व के मालिक बनते हो।

भाग - (13)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- तकदीर में नहीं है तो -

- A- संशय उठता है
- B- बुद्धि में ज्ञान ठहरेगा नहीं
- C- बाबा भी क्या करेंगे
- D- पोतामेल नहीं लिखते

प्रश्न 2- तमोप्रधान बनने में कितना समय लगता है ?

- A- 2500 वर्ष
- B- आधाकल्प
- C- सारा ही कल्प
- D- 1250 वर्ष

प्रश्न 3- पास विद ऑनर होंगे ?

- A- 9
- B- 8
- C- 108
- D- 16108

प्रश्न 4- अपने ऊपर आपे ही रहम करो अर्थात्-

- A- रहम दिल बन सब के लिए रहम की दृष्टि रखो।
- B- अपने को आत्मा समझ और अपने पतित पावन बाप को याद करो
- C- सतोप्रधान बनो
- D- उल्टा काम नहीं करो

प्रश्न 5- भारत को किसने हप किया है -

- A- अंग्रेजों ने
- B- मुसलमानों ने
- C- क्रिश्चियन ने
- D- यूरोपियन ने

प्रश्न 6- व्यर्थ से बचने के लिए -

- A- कन्ट्रोलिंग पावर बढ़ाओ
- B- समाने की शक्ति धारण करो
- C- शीतलता की शक्ति धारण करो
- D- धैर्य का गुण हो

प्रश्न 7- कम पढ़ने वाले को कहा जाता है कि यह -

- A- संशयबुद्धि है
- B- पत्थरबुद्धि हैं
- C- लंगड़ाते हैं
- D- कच्चे हैं

प्रश्न 8- तकदीर खुलने का आधार क्या है ?

- A- निरंतर याद
- B- निश्चय
- C- पवित्रता
- D- दैवीगुण धारण करने हैं

प्रश्न 9- बच्चों को अभी कौन सा पूरा प्रयत्न करना है -

- A- पावन बनने का
- B- याद में रहने का
- C- बाप समान बनने का
- D- सिर से विकर्मों का बोझा उतारने का

प्रश्न 10- भक्त सबसे ज्यादा भीख मांगते हैं-

- A- श्री कृष्ण से
- B- शिव बाबा से
- C- जगत अम्बा से
- D- लक्ष्मी से

प्रश्न 11- आप का श्रेष्ठ कर्तव्य है, दुख को परिवर्तन कर देना ?

- A- आत्मिक सुख में
- B- अतीन्द्रिय सुख में
- C- अविनाशी सुख में
- D- रूहानी सुख में

प्रश्न 12- धर्म स्थापना के आधार पर अलग पर्याय का चुनाव कीजिए।

- A- शिवबाबा
- B- क्राइस्ट
- C- ब्रह्मा
- D- बुद्ध

प्रश्न 13- भोजन सदैव कैसा होना चाहिए, ऐसे नहीं कि अच्छा भोजन है तो बहुत खाना चाहिए ?

- A- याद में
- B- सात्विक
- C- सादा
- D- एकरस

प्रश्न 14 - शत्रु है -

- A- क्रोध
- B- काम
- C- देह-अभिमान
- D- लोभ

प्रश्न 15- अच्छी रीति सर्विस नहीं करेंगे तो जन्म जन्मांतर -

- A- का घाटा पड़ जाएगा
- B- ऊंच पद पा नहीं सकेंगे
- C- दास दासी बनेंगे
- D- फेल होते रहेंगे

प्रश्न 16- हम जो कुछ अच्छा बुरा करते हैं परमात्मा सब जानते हैं ये है-

- A- भक्ति मार्ग
- B- अंध श्रद्धा
- C- शास्त्रों की मत
- D- तुच्छ बुद्धि

प्रश्न 17- योग का जौहर कब भर सकेगा -

- A- बाबा की याद से
- B- निश्चय से
- C- आत्मिक स्थिति के अभ्यास से
- D- प्यूरिटी से

प्रश्न 18- अच्छी रीति समझ कर समझा सकते हैं जो -

- A- योग युक्त हैं
- B- अच्छी तरह विचार सागर मंथन करते हैं
- C- महीन बुद्धि हैं
- D- सदा सेवा में तत्पर हैं

प्रश्न 19- अभी तुम ब्राह्मण बने हो। तो आपस में -

- A- भाई भाई हो
- B- भाई बहन हो
- C- पाण्डव और शिवशक्ति हो
- D- A और C

प्रश्न 20- अलग पर्याय का चुनाव कीजिए ?

- A- ग्रेट ग्रैन्ड फादर
- B- एडम

- C- आदि देव
- D- परदादा

प्रश्न 21- त्रिलोकी नाथ हैं -

- A- शिव बाबा
- B- श्री कृष्ण
- C- तुम ब्राह्मण बच्चे
- D- कोई नहीं

प्रश्न 22- कौन सी बातें कोई शास्त्रों में नहीं हैं ?

- A- बाप आते हैं सबको ले जाने फिर चक्र फिरता।
- B- भगवान ने राजयोग सिखाया।
- C- बाप दैवी राज्य की स्थापना करते ही हैं ब्रह्मा द्वारा।
- D- A और C
- E- A, B और C

प्रश्न 23- इस समय ड्रामा में टोटल कौन सी सीन है ?

- A- सब का अपना-अपना पार्ट
- B- दुख की
- C- अल्पकाल का सुख
- D- एक दिन न मिले दूसरे से

प्रश्न 24- संवत कब शुरू होता है ? तुम लिखते भी हो वन से 1250 वर्ष तक स्वर्ग, कितना क्लीयर है।

- A- राधाकृष्ण का स्वयंवर होता है तब से
- B- श्रीकृष्ण के जन्म से
- C- श्रीकृष्ण की आत्मा गर्भ में आती है तब से
- D- लक्ष्मी-नारायण जब तख्त पर बैठते हैं तब

प्रश्न 25- स्वर्ग था -

- A- भारत में
- B- हिन्दुस्तान में
- C- आर्यावर्त में
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 26- "निश्चयबुद्धि विजयन्ती"। अर्थात् वही किस पर विजय पायेंगे ?

- A- रावण पर
- B- बाप के वर्से की
- C- सृष्टि पर
- D- स्वयं पर

प्रश्न 27- कर्म योगी वही बन सकता है ?

- A- जो हर कर्म याद में करते हो।
- B- जो सर्व संबंध एक बाप से रखते।
- C- जो सदा बुद्धि पर अटेन्शन का पहरा देता हो।
- D- जो याद और सेवा का बैलेंस रखता हो।

प्रश्न 28- पापों का दण्ड मनुष्य कैसे भोगते हैं ?

- A- खुद ही
- B- कलियुग में
- C- सिर्फ गर्भजेल में
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 29- बहुत धनवान सुखी रहते हैं ?

- A- सतयुग में
- B- त्रेतायुग युग में
- C- द्वापर युग में
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 30- भारत को ही मदर कन्टी कहा जाता है, क्योंकि -
A- यहाँ ही शिवबाबा मात-पिता के रूप में पार्ट बजाते हैं।
B- यहाँ ही भगवान को मात-पिता के रूप में याद करते हैं।
C- यहाँ स्वर्ग बनता है।
D- A और B
E- A, B और C

प्रश्न 31- अपने को राजतिलक कैसे देना है-
A- अच्छी रीति पढ़कर
B- पुरुषार्थ कर
C- याद से
D- सपूत बच्चे बन

प्रश्न 32- पुरुषार्थ में स्वयं हाई जम्प लग जाएगा ?
A- हर संकल्प श्रेष्ठ हो तो
B- सदा बेहद की दृष्टि हो तो
C- करन करावनहार की स्मृति हो तो
D- सर्व को संतुष्ट करो तो

भाग (13) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *A. संशय उठता है*

तकदीर में नहीं है तो संशय उठता है - शिवबाबा कैसे आकर पढ़ायेगे! मैं नहीं मानता। मानते नहीं तो फिर शिवबाबा को याद भी कैसे करेंगे। विकर्म विनाश हो नहीं सकेंगे। यह सारी नम्बरवार राजधानी स्थापन हो रही है। दास-दासियाँ भी तो चाहिए ना।

उत्तर 2- *B. आधाकल्प*

कल्प की आयु लाखों वर्ष कह देने से भूल गये हैं। बाप कहते हैं तुम हेविन के मालिक थे। अब फिर चक्र लगाए हेल के मालिक बने हो। अभी फिर बाप तुमको हेविन का मालिक बनाते हैं। कहते हैं मीठी आत्मायें, बच्चों बाप को याद करो तो तुम तमोप्रधान से सतोप्रधान बन जायेंगे। *तमोप्रधान बनने में आधाकल्प लगा है।*

उत्तर 3- *B. 8*

ब्रह्मा और सरस्वती सहित केवल आठ आत्माएँ हैं जिन्हें सृष्टि के अंत में पूर्णता प्राप्त करने और "पास विद ऑनर" होती है। *विजयी रत्न: ये आठ आत्माएँ "अष्ट रत्न" कहलाती हैं* और विजयी रत्नों की माला 108 की सर्वश्रेष्ठ मानी जाती है। बिना सजा के पास होती हैं

उत्तर 4- *B. अपने को आत्मा समझ और अपने पतित पावन बाप को याद करो*

बाप तो श्रीमत देते हैं ऐसे-ऐसे करो। *अपने ऊपर आपेही रहम करो। अपने को आत्मा समझ और अपने पतित-पावन बाप को याद करो तो तुम पावन बन जायेंगे।* बाप राय देते हैं, तुम पावन कैसे बनेंगे। बाप ही पतित को पावन बनाने वाला है। वह श्रीमत देते हैं। अगर उनकी मत पर नहीं चलते हैं तो अपने ऊपर बेरहम होते हैं।

उत्तर 5- *C. क्रिश्चियन ने*

श्रीकृष्ण और क्रिश्चियन राशि एक ही है। *क्रिश्चियन ने ही भारत को हप किया है।* अब फिर डामा अनुसार वह आपस में लड़ते हैं, मक्खन तुम बच्चों को मिल जाता है। ऐसे नहीं कि श्रीकृष्ण के मुख में माखन था। यह तो शास्त्रों में लिख दिया है। सारी दुनिया श्रीकृष्ण के हाथ में आती है।

उत्तर 6- *C. शीतलता की शक्ति धारण कर लो*

समय प्रमाण शीतलता की शक्ति द्वारा हर परिस्थिति में अपने संकल्पों की गति को, बोल को शीतल और धैर्यवत बनाओ। यदि संकल्प की स्पीड फास्ट होगी तो बहुत समय व्यर्थ जायेगा, कन्ट्रोल नहीं कर सकेंगे इसलिए *शीतलता की शक्ति धारण कर लो तो व्यर्थ से बच जायेंगे।*

उत्तर 7- *C. लंगड़ाते हैं*

तकदीर देरी से खुलने की है तो फिर लंगड़ाते रहते हैं। *कम पढ़ने वाले को कहा जाता है - यह लंगड़ाते हैं।* संशय बुद्धि पीछे रह जायेंगे। निश्चय बुद्धि अच्छी रीति पढ़ने वाले आगे गैलप करते रहेंगे। कितना सिम्पुल समझाया जाता है। जैसे बच्चे दौड़ी लगाकर निशान तक जाकर फिर लौट आते हैं। बाप भी कहते हैं बुद्धि को जल्दी शिवबाबा पास दौड़ायेगे तो सतोप्रधान बन जायेंगे।

उत्तर 8- *B. निश्चय*

तकदीर खुलने का आधार है निश्चय, निश्चय बुद्धि अच्छी रीति पढ़कर गैलप करते रहेंगे। कोई भी बात में संशय है तो पीछे रह जायेंगे। जो निश्चय बुद्धि बन अपनी बुद्धि को बाप तक दौड़ाते रहते हैं वह सतोप्रधान बन जाते हैं।

उत्तर 9- *D.सिर से विकर्मों का बोझा उतारने का*

अभी तुम बच्चों को सिर पर जो विकर्मों का बोझा है उसे उतारने का पूरा-पूरा प्रयत्न करना है। बाप का बनकर कोई विकर्म किया तो बहुत ज़ोर से गिर पड़ेंगे। बी.के. की अगर निंदा कराई, कोई तकलीफ दी तो बहुत पाप हो जायेगा। फिर ज्ञान सुनने-सुनाने से कोई फायदा नहीं।

उत्तर 10- *C.जगत अम्बा से*

सबसे जास्ती भीख जगत अम्बा से मांगते हैं। तुम जगत अम्बा हो ना। तुम विश्व की बादशाही की भीख देती हो। गरीबों को भीख मिलती है ना। हम भी गरीब हैं तो शिवबाबा स्वर्ग की बादशाही भीख में देते हैं। भीख कुछ और नहीं, सिर्फ कहते हैं बाप को याद करो तो विकर्म विनाश होंगे। शान्तिधाम में चले जायेंगे।

उत्तर 11- *D.रुहानी सुख में*

स्लोगन:- *मास्टर दुःख हर्ता बन दुःख को भी रूहानी सुख में परिवर्तन करना - यही आपका श्रेष्ठ कर्तव्य है।*

उत्तर 12- *C.ब्रह्मा*

भल देवी-देवता धर्म की स्थापना तो शिवबाबा करते हैं फिर भी नाम तो है ना - ब्रह्मा-विष्णु-शंकर. . . .। *त्रिमूर्ति ब्रह्मा कह देते। बाप कहते हैं यह भी गुरू नहीं।* गुरू तो एक ही है, उनके द्वारा तुम रूहानी गुरू बनते हो। बाकी वह है धर्म स्थापक। धर्म स्थापक को सद्गति दाता कैसे कह सकते, यह बड़ी डीप बातें हैं समझने की। अन्य धर्म स्थापक तो सिर्फ धर्म स्थापन करते हैं, जिसके पिछाड़ी सब आ जाते हैं।

उत्तर 13- *D.एकरस*

कहा जाता है खुशी जैसी खुराक नहीं। ऐसी खुशी में सदैव रहो तो खान-पान भी बहुत थोड़ा हो जाए। बहुत खाने से भारी हो जाते हैं फिर झुटका आदि खाते हैं। फिर कहते बाबा नींद आती है। *भोजन सदैव एकरस होना चाहिए,* ऐसे नहीं कि अच्छा भोजन है तो बहुत खाना चाहिए।

उत्तर 14- *A.क्रोध*

बहुतों में अभी तक आसुरी अवगुण हैं, लड़ना-झगड़ना, रूठना, सेन्टर पर धमचक्र मचाना..... बाबा जानते हैं बहुत रिपोर्ट्स आती हैं। *काम महाशत्रु है तो क्रोध भी कोई कम शत्रु नहीं है।* फलाने के ऊपर प्यार, मेरे ऊपर क्यों नहीं! फलानी बात इनसे पूछी, मेरे से क्यों नहीं पूछा! ऐसे-ऐसे बोलने वाले संशय बुद्धि बहुत हैं।

उत्तर 15- *C.दास दासी बनेंगे*

तुम बच्चों को सतयुग में गर्भ जेल में नहीं आना है। वहाँ तो गर्भ महल है। कोई पाप आदि करते नहीं। तो ऐसा राज्य-भाग्य पाने के लिए बच्चों को बहुत खबरदार होना है। कई बच्चे ब्राह्मणी (टीचर) से भी तीखे हो जाते हैं। तकदीर ब्राह्मणी से भी ऊँची हो जाती है। यह भी बाप ने समझाया है - *अच्छी सर्विस नहीं करेंगे तो जन्म-जन्मान्तर दास-दासियाँ बनेंगे।*

उत्तर 16- *B.अंध श्रद्धा*

कोई-कोई की बुद्धि में रहता है कि परमात्मा तो सब कुछ जानते हैं। हम जो कुछ अच्छा वा बुरा करते हैं वह सब जानते हैं। *अब इसको अन्धश्रद्धा का भाव कहा जाता है।* भगवान इन बातों को जानते ही नहीं। तुम बच्चे जानते हो भगवान तो है पतितों को पावन बनाने वाला।

उत्तर 17- *D.प्योरिटी से*

तुम्हारी पढ़ाई का फाउन्डेशन है प्योरिटी, *प्योरिटी है तब योग का जौहर भर सकेगा,* योग का जौहर है तो वाणी में शक्ति होगी नहीं तो भल किसको कितना भी समझायेंगे, किसको बुद्धि में जँचेगा नहीं, तीर लगेगा नहीं। जन्म-जन्मान्तर के पाप हैं ना।

उत्तर 18- *C.महीन बुद्धि हैं*

सतयुग त्रेता में जो पार्ट कल्प पहले बजाया है वही बजायेंगे। मोटी बुद्धि यह भी नहीं समझते हैं। *जो महीन बुद्धि हैं वही अच्छी रीति समझ कर समझा सकते हैं।* उन्हें अन्दर भासना आती है कि यह अनादि नाटक बना हुआ है। दुनिया में कोई नहीं समझते यह बेहद का नाटक है। इनको समझने में भी टाइम लगता है।

उत्तर 19- B.भाई बहन हो

यहाँ तो तुम जानते हो हम एक ही ग्रैन्ड फादर और फादर के बच्चे हैं। शिवबाबा के पोत्रे, ब्रह्मा के बच्चे हैं। आजकल तो सब गन्दे बन पड़ते हैं क्योंकि दुनिया ही डर्टी है। तुम बच्चे अभी समझते हो हम ब्रह्माकुमार-कुमारियाँ हैं। *अभी तुम ब्राह्मण बने हो तो आपस में बहन-भाई हो।*

उत्तर 20- *D.परदादा*

इनको तुम बाबा कहते हो फिर ग्रैन्ड फादर भी होगा। *ग्रेट ग्रैन्ड फादर भी होगा। बिरादरियाँ हैं ना। एडम, आदि देव नाम है* परन्तु मनुष्य समझते नहीं हैं। तुम बच्चों को बाप बैठ समझाते हैं। बाप द्वारा सृष्टि चक्र की हिस्ट्री-जॉग्राफी को तुम जानकर चक्रवर्ती राजा बन रहे हो।

उत्तर 21- *D. कोई नहीं*

श्रीकृष्ण को त्रिलोकीनाथ कहा जा सकता है? गाया जाता है ना - त्रिलोकीनाथ। अब त्रिलोकी के नाथ अर्थात् तीन लोक मूलवतन, सूक्ष्मवतन, स्थूलवतन। तुम बच्चों को समझाया जाता है तुम ब्रह्माण्ड के भी मालिक हो। श्रीकृष्ण ऐसे समझते होंगे कि हम ब्रह्माण्ड के मालिक हैं? नहीं। वह तो वैकुण्ठ में थे। वैकुण्ठ कहा जाता है स्वर्ग नई दुनिया को। *तो वास्तव में त्रिलोकीनाथ कोई भी है नहीं।*

उत्तर 22- *D. A और C*

बाप दैवी राज्य की स्थापना करते ही हैं ब्रह्मा द्वारा। यह तो क्लीयर है। बाप न आये तो सृष्टि का चक्र ही न फिरे। दुःखधाम से सुखधाम कैसे बनें? सृष्टि का चक्र तो फिरना ही है। बाप को भी जरूर आना ही है। *बाप आते हैं सबको ले जाने फिर चक्र फिरता है। बाप न आये तो कलियुग से सतयुग कैसे बनें? बाकी यह बातें कोई शास्त्रों में नहीं हैं।* राजयोग है ही गीता में।

उत्तर 23- *B. दुःख की*

इस समय ड्रामा में टोटल दुःख की सीन है। अगर किसी को सुख है भी तो अल्पकाल काग विष्टा समान। बाकी दुःख ही दुःख है। तुम बच्चे अभी रोशनी में आये हो। जानते हो सेकण्ड बाई सेकण्ड बेहद सृष्टि का चक्र फिरता रहता है, एक दिन न मिले दूसरे से।

उत्तर 24- *D. लक्ष्मी-नारायण जब तख्त पर बैठते हैं तब*

फिर सतयुग से रिपीट होगा। *लक्ष्मी-नारायण जब तख्त पर बैठते हैं तब संवत् शुरू होता है।* तुम लिखते भी हो वन से 1250 वर्ष तक स्वर्ग, कितना क्लीयर है। कहानी है सत्य नारायण की। कथा अमरनाथ की है ना। तुम अभी सच्ची-सच्ची अमरनाथ की कथा सुनते हो उसका फिर गायन चलता है।

उत्तर 25- *A. भारत में*

जब तुम स्वर्ग में रहते हो तो इनका नाम ही भारत रहता है फिर जब तुम नर्क में आते हो तब हिन्दुस्तान नाम पड़ता है। यहाँ कितना दुःख ही दुःख है। फिर यह सृष्टि बदलती है फिर स्वर्ग में है ही सुखधाम। यह नॉलेज तुम बच्चों को है। दुनिया में मनुष्य कुछ भी नहीं जानते।

उत्तर 26- *B. बाप के वर्से की*

एक - बाप स्व-धर्म में टिके हुए हैं, दूसरा - बच्चों को भी कहते हैं अपने स्वधर्म में टिको और बाप को याद करो। और कोई ऐसे कह न सके कि स्वधर्म में टिको। तुम बच्चों की बुद्धि में निश्चय है। *निश्चयबुद्धि विजयन्ती। वही विजय पायेंगे। काहे की विजय पायेंगे? बाप के वर्से की।*

उत्तर 27- *C. जो बुद्धि पर अटेन्शन का पहरा देता हो*

स्लोगन:- *कर्मयोगी वही बन सकता है जो बुद्धि पर अटेन्शन का पहरा देता है।*

उत्तर 28- *A. खुद ही*

बाबा कोई क्षमा या माफ नहीं करते। ड्रामा में क्षमा अक्षर ही नहीं है। तुमको अपनी मेहनत करनी है। *पापों का दण्ड मनुष्य खुद ही भोगते हैं।* क्षमा की बात ही नहीं। बाप कहते हैं हर बात में मेहनत करो। बाप बैठ युक्ति बताते हैं।

उत्तर 29- *D. उपरोक्त सभी*

वैसे आगे तो 21 जन्म के लिए लिखते थे। *अभी बाबा लिखते हैं 50-60 जन्म क्योंकि द्वापर में भी पहले तो बहुत धनवान सुखी रहते हो ना। भल पतित बनते हो तो भी धन बहुत रहता है।* यह तो बिल्कुल जब तमोप्रधान बनते हैं तब दुःख शुरू होता है। पहले तो सुखी रहते हो। जब बहुत दुःखी होते हो तब बाप आते हैं।

उत्तर 30- *D. A और B*

भारत में ही तुम मात-पिता कह बुलाते हैं। बाप ही यहाँ आकर मुख वंशावली रचते हैं। *भारत को ही मदर कन्ट्री कहा जाता है क्योंकि यहाँ ही शिवबाबा मात-पिता के रूप में पार्ट बजाते हैं। यहाँ ही भगवान को मात-पिता के रूप में याद करते हैं।* विदेशों में सिर्फ गॉड फादर कह बुलाते हैं, परन्तु माता भी चाहिए ना जिससे बच्चों को एडाए करे।

उत्तर 31- *A. अच्छी रीति पढ़कर*

मीठे बच्चे - *सदा एक ही फिक्र में रहो कि हमें अच्छी रीति पढ़कर अपने को राजतिलक देना है,* पढ़ाई से ही राजाई मिलती है। अभी तुम बच्चे समझते हो तो बच्चों को यह ओना रहना चाहिए - हमको पढ़कर अपने को राजा बनाना है। जो अच्छी रीति पुरुषार्थ करेंगे वही राजतिलक पायेंगे।

उत्तर 32- *D. सर्व को संतुष्ट करो तो*

स्लोगन:- *सर्व को सन्तुष्ट करो तो पुरुषार्थ में स्वतःहाई जम्प लग जायेगा।*

भाग - (14)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- बच्चों को हुल्लास में रहना है कि -

- A- हमें भगवान पढ़ाते हैं
- B- हम ही विश्व के मालिक बनने वाले हैं।
- C- नयी दुनिया आयी कि आयी
- D- हमें श्री लक्ष्मी- नारायण जैसा बनना है

प्रश्न 2- अतीन्द्रिय सुख का अनुभव उन बच्चों को हो सकता है -

- A- जो सर्व संबंध एक बाप से ही रखते हैं
- B- जो सदा खुशी में रहते हैं
- C- जो सवेरे सवेरे उठ बड़े प्यार से बाबा को याद करते हैं
- D- जो अविनाशी ज्ञान रत्नों से भरपूर हैं

प्रश्न 3- साइलेन्स की शक्ति का आधार है -

- A- योग की शक्ति
- B- कन्ट्रोलिंग पावर
- C- दिव्य बुद्धि
- D- पावनता

प्रश्न 4- सहयोगी बनना अर्थात्-

- A- दुआओं के पात्र बनना
- B- सदा साथ रहना
- C- सेवाधारी बनना
- D- महादानी बनना

प्रश्न 5- तुम किस के वारिस हो ?

- A- ब्रह्मा के
- B- स्वर्ग के
- C- शिवबाबा के
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 6- विश्व में शान्ति कब थी ?

- A- सतयुग में
- B- जब लक्ष्मी-नारायण का राज्य था
- C- नई दुनिया में
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 7- तुम ब्राह्मणों की है एक मत-

- A- बाप को प्रत्यक्ष करने की
- B- बाप समान बनने की
- C- विश्व में शांति स्थापन करने की
- D- सबको घर की राह बताने की

प्रश्न 8- अंत समय में हमारी सेफ्टी का साधन बनेगी ?

- A- समाने की शक्ति
- B- सामना करने की शक्ति
- C- मन्सा शक्ति
- D- समेटने की शक्ति

प्रश्न 9- आत्मा के आरगन्स हैं -

- A- आंखें
- B- कान
- C- बुद्धि
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 10- इस शरीर की वैल्यु कब है ?

- A- जब देवता बने तो
- B- संगमयुग में
- C- जब इसमें आत्मा प्रवेश करे
- D- जब बाबा की याद में है

प्रश्न 11- किसी में ज़रा भी न हो।

- A- आकर्षण
- B- मोह
- C- लोभ
- D- आसक्ति

प्रश्न 12- मन से स्वतः अच्छे वायब्रेशन फैलते हैं, सेवा होती है जब -

- A- मन प्रसन्न है
- B- मन में व्यर्थ नहीं है
- C- सेट है, एकाग्र है
- D- संतुष्ट है

प्रश्न 13- बेहद का वैराग्य है -

- A- गृहस्थ व्यवहार में ट्रस्टी बन रहना।
- B- घरबार छोड़ जंगल में जाना
- C- बुद्धि से सारी पुरानी दुनिया का सन्यास करना
- D- आत्मा समझ बाप को याद करना

प्रश्न 14- इस दुःखधाम को आग लगने वाली है इसलिए -

- A- इससे अपना बुद्धियोग निकाल लेना है
- B- बाप के वर्से का पूरा अधिकार लेने के लिए जीते जी मरना है
- C- कोई भी उल्टी-सुल्टी बात सुनकर संशय में नहीं आना है
- D- अपना सब कुछ सफल कर लेना है

प्रश्न 15- एडाए किया ही जाता है -

- A- वंश चलाने के लिए
- B- धन दौलत के लिए
- C- बच्चा बनाने के लिए
- D- वर्सा देने के लिए

प्रश्न 16- रॉग क्या क्या है ?

- A- मनुष्य कोई 8-10 भुजा वाले होते हैं।
- B- द्वापर में गीता सुनाई
- C- मोहजीत राजार्ये यह लक्ष्मी-नारायण आदि हैं
- D- A और B
- E- A, B और C

प्रश्न 17- तुम राजयोगी बच्चों का मुख्य कर्तव्य है -

- A- खुद को आत्मा समझ बाप को याद करना
- B- बाप की प्रत्यक्षता करना
- C- पढ़ना और पढ़ाना
- D- गीता का भगवान सिद्ध कर बताना

प्रश्न 18- अब बाप कहते हैं हमने इनमें प्रवेश किया है। तुम बच्चे कहते हो बापदादा। बाकी मनुष्य कहते हैं -

- A- मात पिता
- B- शिवशंकर
- C- गॉड फादर
- D- परमेश्वर

प्रश्न 19- याद से

- A- सतोप्रधान बनेंगे
- B- आयु भी बढ़ती है
- C- वेल्थ बढ़ेगी
- D- A और B

प्रश्न 20- खजानों की स्मृति से आत्मा ?

- A- सन्तुष्ट हो जाती है

- B- समर्थ बन जाती है, व्यर्थ समाप्त हो जाता है
- C- भरपूर हो जाती है
- D- सम्पत्तिवान बनती है

प्रश्न 21- कौन सबको प्यारे लगते हैं ?

- A- जो स्वयं संतुष्ट रह सबको संतुष्ट करते हैं
- B- सच्चा खुशबूदार फूल
- C- जो बहुतों का कल्याण करेंगे वही
- D- ज्ञान सागर तुमको रत्नों की थालियाँ भर-भर कर देते हैं, जो उसका दान करते हैं वही

प्रश्न 22- कौनसी अवस्था से ही तुम अनेक परीक्षाओं से पास हो सकते हो ?

- A- फुल स्टाप लगाने से
- B- अन्तर्मुखता
- C- निर्विकारी बनने से
- D- खुशमिज़ाज

प्रश्न 23- योग्य बनना है तो -

- A- पढ़ाई कभी मिस न हो
- B- हर कदम बाप के साथ हो
- C- कर्म और योग का बैलेंस हो
- D- एक भी संकल्प व्यर्थ न हो

प्रश्न 24- कैसे मालामाल बन जायेंगे ?

- A- शुद्ध संकल्पों को अपने जीवन का अनमोल खजाना बना लो तो
- B- हर शक्ति को कार्य में लगाओ तो
- C- डायरेक्ट बाप के आगे अपना सब कुछ अर्पण करो तो
- D- बाप द्वारा प्राप्त खजानों को बाँटते रहो तो

प्रश्न 25- बाप सभी झंझटों से छुड़ा देते हैं, फिर कोई लड़ाई कब तक नहीं होगी ?

- A- 1250 वर्ष
- B- 3000 वर्ष
- C- 1200 वर्ष
- D- कभी नहीं होगी

प्रश्न 26- बाप कहते हैं तुमने कितने जन्म विषय सागर में गोते खाये हैं ?

- A- 50 - 60
- B- 42
- C- 63
- D- 84

प्रश्न 27- पतित राजाओं के कितने वजीर होते हैं ?

- A- दो, तीन
- B- वजीर तो होते नहीं
- C- एक
- D- 3 से 4

प्रश्न 28- गीता में श्रीकृष्ण का नाम डाल दिया है। श्री नारायण का नहीं डाला है। क्यों -

- A- श्री कृष्ण का नाम बाला है
- B- श्रीकृष्ण को भगवान समझते हैं
- C- विश्व का मालिक है
- D- श्रीनारायण के 84 जन्मों में से कुछ दिन कम कहेंगे

प्रश्न 29- किस पर कभी कोई कलंक नहीं लगाया है ?

- A- लक्ष्मी-नारायण पर
- B- राम-सीता पर
- C- श्रीकृष्ण पर
- D- शिव बाबा पर

प्रश्न 30- बाप कहते हैं बहुत मीठा तब बनेंगे जब -

- A- याद में रहेंगे
- B- सतयुग में
- C- आत्मा पवित्र बनेगी
- D- समझेंगे कि हम आत्मा हैं

प्रश्न 31- हॉस्पिटल में देखो तो नतफरत आती है। कर्मभोग कितना है। इन सब दुःखों से छूटने के लिए बाप कहते हैं।

- A- दे दान तो छूटे ग्रहण
- B- पवित्र बनो
- C- ज्ञान इन्जेक्शन लगा लो
- D- सिर्फ याद करो और कोई तकलीफ तुमको नहीं देता हूँ

प्रश्न 32- एक पण्डित की भी कथा है ना। बोला राम-राम कहने से सागर पार हो जायेंगे। ज्ञान अनुसार पण्डित अर्थात् -

- A- बाप में संशय आने से विनश्यन्ती होने वाले
- B- ज्ञानी तू आत्मा
- C- बहुत याद करने वाले
- D- A और B
- E- A, B और C

भाग (14) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *D. हमें श्री लक्ष्मी-नारायण जैसा बनना है*

सदा यही हुल्लास रहे कि हमें इन लक्ष्मी-नारायण जैसा बनना है, इसका पुरुषार्थ करना है। दिलशिकस्त कभी नहीं होना है क्योंकि यह पढ़ाई बहुत सहज है, घर में रहते भी पढ़ सकते हो, इसकी कोई फीस नहीं है, लेकिन हिम्मत जरूर चाहिए।

उत्तर 2- *D. जो अविनाशी ज्ञान रत्नों से भरपूर हैं*

अतीन्द्रिय सुख का अनुभव उन बच्चों को हो सकता है जो अविनाशी ज्ञान रत्नों से भरपूर हैं, उन्हें ही अतीन्द्रिय सुख का अनुभव हो सकता है। जो जितना ज्ञान को जीवन में धारण करते हैं उतना साहूकार बनते हैं। अगर ज्ञान रत्न धारण नहीं तो गरीब हैं। बाप तुम्हें पास्ट, प्रेजन्ट, फ्युचर का ज्ञान देकर त्रिकालदर्शी बना रहे हैं।

उत्तर 3- *C. दिव्य बुद्धि*

स्लोगन:- *दिव्य बुद्धि ही साइलेन्स की शक्ति का आधार है।*

उत्तर 4- *D. महादानी बनना*

जो भी ब्राह्मण जीवन में शक्तियों का, गुणों का, ज्ञान का वा श्रेष्ठ कमाई के समय का खजाना बाप द्वारा प्राप्त हुआ है वह सेवा में लगाओ अर्थात् सहयोगी बनो तो सहजयोगी बन ही जायेंगे। लेकिन सहयोगी वही बन सकते हैं जो सम्पन्न है। *सहयोगी बनना अर्थात् महादानी बनना।

उत्तर 5- *C. शिवबाबा के*

तुम बिल्कुल गुप्त हो। तुम्हारी बुद्धि में अविनाशी ज्ञान रत्नों का खजाना भरा हुआ है। *बाप के तुम वारिस हो ना।* जितना बाप के पास खजाना है, तुमको भी पूरा भरना चाहिए। सारी मिलकियत आपकी है, परन्तु वह हिम्मत नहीं है तो ले नहीं सकते। लेने वाले ही ऊंच पद पायेंगे।

उत्तर 6- *D. उपरोक्त सभी*

यह आवाज़ सुनते रहते हैं कि विश्व में शान्ति कैसे हो? परन्तु विश्व में शान्ति कब थी जो फिर अब चाहते हैं - यह कोई नहीं जानते। तुम *बच्चे ही जानते हो विश्व में शान्ति थी जब इन लक्ष्मी-नारायण का राज्य था।* विश्व में शान्ति अब स्थापन हो रही है। *सतयुग नई दुनिया में जहाँ शान्ति थी जरूर राज्य करने वाले भी होंगे।*

उत्तर 7- *C. विश्व में शान्ति स्थापन करने की*

दुनिया का क्या हाल हो गया है, क्या होने का है! तुम बच्चे जानते हो अनेक प्रकार की मतें हैं। *तुम ब्राह्मणों की है एक मत। विश्व में शान्ति स्थापन करने की मत।* तुम श्रीमत से विश्व में शान्ति स्थापन करते हो तो बच्चों को भी शान्ति में रहना पड़े। जो करेगा सो पायेगा। नहीं तो बहुत घाटा है।

उत्तर 8- *C. मन्सा शक्ति*

अन्त समय में अपनी सेफ्टी के लिए मन्सा शक्ति ही साधन बनेगी। मन्सा शक्ति द्वारा ही स्वयं की अन्त सुहानी बनाने के निमित्त बन सकेंगे। उस समय मन्सा शक्ति अर्थात् श्रेष्ठ संकल्प शक्ति, एक के साथ लाइन क्लीयर चाहिए। बेहद की सेवा के लिए, स्वयं की सेफ्टी के लिए मन्सा शक्ति और निर्भयता की शक्ति जमा करो।

उत्तर 9- *C.बुद्धि*

हमारा स्वधर्म है शान्ति। तुम अभी शान्ति के लिए थोड़ेही कहाँ जायेंगे। मनुष्य मन की शान्ति के लिए साधू-सन्तों के पास भी जाते हैं ना। *अब मन-बुद्धि तो हैं आत्मा के आरगन्स।* जैसे यह शरीर के आरगन्स हैं वैसे मन, बुद्धि और चक्षु।

उत्तर 10- *C.जब इसमें आत्मा प्रवेश करे*

मीठे बच्चे - *इस शरीर की वैल्यु तब है जब इसमें आत्मा प्रवेश करे,* लेकिन सजावट शरीर की होती, आत्मा की नहीं।

उत्तर 11- *B.मोह*

तुम्हारा फ़र्ज है - अपने हमजिन्स को नर से नारायण, नारी से लक्ष्मी बनने की युक्ति बताना। तुम्हें अब भारत की सच्ची रूहानी सेवा करनी है। तुम्हें ज्ञान का तीसरा नेत्र मिला है तो तुम्हारी बुद्धि और चलन बड़ी रिफाइन होनी चाहिए। *किसी में मोह ज़रा भी न हो।*

उत्तर 12- *C.सेट है, एकाग्र है*

जैसे अपने स्थूल कार्य के प्रोग्राम को दिनचर्या प्रमाण सेट करते हो, ऐसे अपनी मन्सा समर्थ स्थिति का प्रोग्राम सेट करो तो संकल्प शक्ति जमा होती जायेगी। अपने मन को समर्थ संकल्पों में बिजी रखेंगे तो मन को अपसेट होने का समय ही नहीं मिलेगा। *मन सदा सेट अर्थात् एकाग्र है तो स्वतः अच्छे वायब्रेशन फैलते हैं, सेवा होती है।*

उत्तर 13- *C.बुद्धि से सारी पुरानी दुनिया का सन्यास करना*

भक्ति मार्ग में कितने धक्के हैं। ज्ञान, भक्ति फिर है वैराग्य। एक है हृद का वैराग्य, दूसरा है बेहद का। सन्यासी घरबार छोड़ जंगल में रहते हैं, यहाँ तो वह बात नहीं। *तुम बुद्धि से सारी पुरानी दुनिया का सन्यास करते हो।* तुम राजयोगी बच्चों का मुख्य कर्तव्य है पढ़ना और पढ़ाना।

उत्तर 14- *A.इससे अपना बुद्धियोग निकाल लेना है*

बाप कहते हैं 5 विकारों का दान दो तो ग्रहण छूट जायेगा। मेरे बने तो मैं तुम्हारी सब कामनायें पूरी कर दूँगा। तुम बच्चे जानते हो अभी हम सुखधाम में जाते हैं, *दुःखधाम को आग लगनी है इसलिए इससे अपना बुद्धियोग निकाल लेना है।*

उत्तर 15- *D.वर्सा देने के लिए*

बाप एडाए करते हैं। *एडाए किया ही जाता है कुछ वर्सा देने के लिए।* बच्चे माँ-बाप के पास आते ही हैं वर्से की लालच पर। साहूकार का बच्चा कभी गरीब के पास एडाए होगा क्या! इतना धन दौलत आदि सब छोड़ कैसे जायेंगे। एडाए करते हैं साहूकार।

उत्तर 16- *D. A और B*

मनुष्य कोई 8-10 भुजा वाले होते नहीं। यह तो सिर्फ प्रवृत्ति मार्ग दिखाया है। रावण का भी अर्थ बताया है - आधाकल्प है रावण राज्य, रात। बाप ब्रह्मा द्वारा विष्णुपुरी की स्थापना करते हैं और तुमको राजयोग सिखाते हैं। जरूर संगम पर ही राजयोग सिखायेंगे। *द्वार में गीता सुनाई, यह तो राँग हो जाता है।*

उत्तर 17- *C.पढ़ना और पढ़ाना*

तुम राजयोगी बच्चों का मुख्य कर्तव्य है पढ़ना और पढ़ाना। अब राजयोग कोई जंगल में थोड़ेही सिखाया जाता है। यह स्कूल है। ब्रांचेज निकलती जाती हैं। तुम बच्चे राजयोग सीख रहे हो। शिवबाबा से पढ़े हुए ब्राह्मण-ब्राह्मणियां सिखाते हैं। एक शिवबाबा थोड़ेही सबको बैठ सिखायेगा।

उत्तर 18- *B.शिवशंकर*

अब बाप पूछते हैं ज्ञान यज्ञ कृष्ण का है या शिव का है? शिव को परमात्मा ही कहते हैं, शंकर को देवता कहते हैं। उन्होंने फिर शिव और शंकर को इकट्ठा कर दिया है। अब बाप कहते हैं हमने इनमें प्रवेश किया है। *तुम बच्चे कहते हो बापदादा। वह कहते हैं शिवशंकर।* ज्ञान सागर तो है ही एक।

उत्तर 19- *D. A और B*

मीठे बच्चे - "तुम सवेरे-सवेरे उठकर बहुत प्यार से कहो बाबा गुडमॉर्निंग, *इस याद से ही तुम सतोप्रधान बन जायेंगे,* अच्छी रीति प्यार से बाप को याद करेंगे तो आटोमेटिकली करेन्ट मिलेगी। हेल्दी बन जायेंगे। *करेन्ट से आयु भी बढ़ती है।* बच्चे याद करते हैं तो बाबा भी सर्वलाइट देते हैं।

उत्तर 20- *B.समर्थ बन जाती है,व्यर्थ समाप्त हो जाता है*

जो भी अनगिनत और अविनाशी खजाने मिले हैं उन खजानों को स्मृति में लाओ। खजानों को स्मृति में लाने से खुशी होगी और जहाँ खुशी है वहाँ सदाकाल के लिए दुःख दूर हो जाते हैं। *खजानों की स्मृति से आत्मा समर्थ बन जाती है, व्यर्थ समाप्त हो जाता है।*

उत्तर 21- *D.ज्ञान सागर तुमको रत्नों की थालियाँ भर-भर कर देते हैं, जो उसका दान करते हैं वही*

बाप कहते हैं मीठे बच्चे जितना तुम बहुतों का कल्याण करेंगे उतना तुमको ही ऊज्जुरा मिलेगा। बहुतों को रास्ता बतायेंगे तो बहुतों की आशीर्वाद मिलेगी। ज्ञान रत्नों से झोली भरकर फिर दान करना है। *ज्ञान सागर तुमको रत्नों की थालियाँ भर-भर कर देते हैं, जो उसका दान करते हैं वही सबको प्यारे लगते हैं।*

उत्तर 22- *B. अन्तर्मुखता*

तुम हरेक व्यक्तिगत पुरुषार्थी हो, तुम अपने तरफ नज़र रख आगे दौड़ते रहो, कोई भल क्या भी करता रहे परन्तु मैं अपने स्वरूप में स्थित रहूँ, अन्य किसी को न देखूँ। अपने बुद्धि योगबल से मैं उसकी अवस्था को जान लूँ। *अन्तर्मुखता की अवस्था से ही तुम अनेक परीक्षाओं से पास हो सकते हो।*

उत्तर 23- *C. कर्म और योग का बैलेंस हो*

स्लोगन:- *योग्य बनना है तो कर्म और योग का बैलेन्स रखो।*

उत्तर 24- *A. शुद्ध संकल्पों को अपने जीवन का अनमोल खजाना बना लो तो*

स्लोगन:- *शुद्ध संकल्पों को अपने जीवन का अनमोल खजाना बना लो तो मालामाल बन जायेंगे।*

उत्तर 25- B. *3000 वर्ष*

यहाँ तो देखो कितने मिनिस्टर्स हैं। आपस में लड़ते रहते हैं। बाप सभी झंझटों से छुड़ा देते हैं। *3 हजार वर्ष फिर कोई लड़ाई नहीं होगी।* जेल आदि नहीं रहेगा। कोर्ट आदि कुछ नहीं होगा। वहाँ तो सुख ही सुख है। इसके लिए पुरुषार्थ करना है।

उत्तर 26- *C. 63*

अभी तुमको ईश्वरीय मत पर चलना चाहिए। *बाप कहते हैं 63 जन्म तुमने विषय सागर में गोते खाये हैं।* बच्चों से बात करते हैं। बच्चों को ही बाप सुधारेंगे ना। सारी दुनिया को कैसे सुधारेंगे। बाहर वालों को कहेंगे बच्चों से समझो। बाप बाहर वालों से बात नहीं कर सकते।

उत्तर 27- *C. एक*

यह एक अन्तिम जन्म पवित्र रहो तो स्वर्ग के मालिक बनेंगे। अपने लिए ही मेहनत करते हैं। दूसरा कोई स्वर्ग में आ नहीं सकता। यह तुम्हारी राजधानी स्थापन हो रही है। इसमें सब चाहिए ना। वहाँ वजीर तो होते नहीं। राजाओं को राय की दरकार नहीं। *पतित राजाओं को भी एक वजीर होता है।*

उत्तर 28- *D. श्रीनारायण के 84 जन्मों में से कुछ दिन कम हैं*

यह भी तुम लिख सकते हो, गीता में भूल करने से ही भारत का यह हाल हुआ है। पूरे 84 जन्म लेने वाले श्रीकृष्ण का नाम डाल दिया है। *श्री नारायण का भी नहीं डाला है। उनके फिर भी 84 जन्मों में से कुछ दिन कम कहेंगे ना।* श्रीकृष्ण के पूरे 84 जन्म होते हैं।

उत्तर 29- *A. लक्ष्मी-नारायण पर*

सतयुग के सूर्यवंशी पहले नम्बर में हैं, चन्द्रवंशी सेकण्ड नम्बर हो गये। यह लक्ष्मी-नारायण बहुत प्रिय लगते हैं। इन लक्ष्मी-नारायण के फीचर्स और राम-सीता के फीचर्स में बहुत फ़र्क है। *इन लक्ष्मी-नारायण पर कभी कोई कलंक नहीं लगाया है।* श्रीकृष्ण पर भूल से कलंक लगाये हैं, राम-सीता पर भी लगाये हैं।

उत्तर 30- *D. समझेंगे कि हम आत्मा हैं*

बाप कहते हैं बहुत मीठा तब बनेंगे जब समझेंगे कि हम आत्मा हैं। आत्मा समझ बाप को याद करने में बहुत मज़ा है। जितना याद करेंगे उतना सतोप्रधान, 16 कला सम्पूर्ण बनेंगे। 14 कला फिर भी डिफेक्टेड हुआ फिर और डिफेक्ट होती जाती है। 16 कला परफेक्ट बनना है।

उत्तर 31- *D. सिर्फ याद करो और कोई तकलीफ तुमको नहीं देता हूँ*

बाप कहते हैं तीन पैर पृथ्वी पर तुम यह ईश्वरीय युनिवर्सिटी, ईश्वरीय हॉस्पिटल खोलो जिसमें मनुष्य 21 जन्मों के लिए आकर शफा पायेंगे। यहाँ तो कैसी-कैसी बीमारियाँ होती हैं। बीमारी में कितनी बांस हो जाती है। हॉस्पिटल में देखो तो नफरत आती है। कर्मभोग कितना है। *इन सब दुःखों से छूटने के लिए बाप कहते हैं - सिर्फ याद करो और कोई तकलीफ तुमको नहीं देता हूँ।*

उत्तर 32- *D. A और B*

किसको थोड़ा समझाया - इसमें बाबा खुश नहीं होते। *भल ज्ञानी तू आत्मा है। समझानी अच्छी है परन्तु योग है नहीं, दिल पर नहीं चढ़ते।* याद में ही नहीं रहते तो दिल पर भी नहीं चढ़ते। एक पण्डित की भी कथा है ना। बोला राम-राम कहने से सागर पार हो जायेंगे। यह दिखाते हैं - निश्चय में ही विजय है। *बाप में संशय आने से विनशन्ती हो जाते हैं।*

भाग - (15)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- बाबा आए हैं तुम्हें -

- A- खुशबूदार फूल बनाने
- B- काँटों से फूल बनाने
- C- किंग आफ फ्लावर बनाने
- D- रूहे गुलाब बनाने

प्रश्न 2- योगी व ज्ञानी आत्मा का स्वरूप है ?

- A- संतुष्ट एवं प्रसन्न
- B- गंभीर एवं रमणीक
- C- निर्भयता एवं नम्रता
- D- लव फुल और लाँ फुल

प्रश्न 3- परमात्म प्यार प्राप्त करने की विधि है -

- A- न्यारा बनना
- B- बाप की आज्ञा पर चलना
- C- बाप पर पूरा बलिहार जाना
- D- आलराउंड सेवाधारी बनना

प्रश्न 4- बच्चे अपना बहुत बड़ा नुकसान करते हैं ?

- A- जो समय व्यर्थ गंवाते हैं
- B- डिस सर्विस करते हैं
- C- पढ़ाई मिस करते हैं
- D- बाबा का बन कर भागन्ती हो जाते हैं

प्रश्न 5- समय को सफल करो तो -

- A- माया के धोखे से बच जाएंगे
- B- सफलता के सितारे बन जाएंगे
- C- मंजिल पर पहुंच जाएंगे
- D- समय के धोखे से बच जाएंगे

प्रश्न 6- कौन अक्सर कर के पूछती हैं बाबा घर में गीता पाठशाला खोलें-

- A- गोपियाँ
- B- कुमारियाँ
- C- माताएँ
- D- बच्चियाँ

प्रश्न 7- ब्राह्मणी बनना है बहुत सहज ?

- A- 8 दिन में बन सकती है
- B- याद में मेहनत है
- C- 10 -15 दिन में बन सकती है j
- D- एक महीने में ही बन सकती है

प्रश्न 8- विकारों का अंश समाप्त करने के लिए कौन-सा पुरुषार्थ करना है ?

- A- आत्मा भाई भाई का
- B- निरंतर याद में रहने का
- C- कमल फूल समान पवित्र बनने का
- D- निरन्तर अन्तर्मुखी रहने का पुरुषार्थ

प्रश्न 9- पुरानी दुनिया खत्म होनी है इसलिए -

- A- अपना समय सफल करना।
- B- मोह की रंगें तोड़ देनी हैं।
- C- अपनी चलन बहुत-बहुत रॉयल रखनी है।
- D- जितना समय मिले एकान्त में बैठ बाप को याद करना है।

प्रश्न 10- तुम्हारी याद की यात्रा कब पूरी होगी -

- A- जब विनाश शुरू होगा
- B- जब तुम कर्मातीत बन जाएंगे
- C- जब तुम मंजिल पर पहुंच जाएंगे
- D- जब तुम संपूर्ण बन जाएंगे

प्रश्न 11- मुख्य चित्र है -

- A- श्री लक्ष्मीनारायण का
- B- गोले का

- C- त्रिमूर्ति का
- D- श्री कृष्ण का

प्रश्न 12- फायदा है -

- A- श्रीमत पर चलने से
- B- अपने को आत्मा समझ बाप को याद करने में
- C- पढ़ाई से
- D- याद की यात्रा पर

प्रश्न 13- कोई भी याद में बहुत कच्चे हैं यह हम कैसे समझे ?

- A- चेहरे और चलन से
- B- मैनेर्स से
- C- सर्विस का उमंग नहीं है तो
- D- झट देह-अभिमान आ जाता है तो

प्रश्न 14- लास्ट में फास्ट जाना है तो-

- A- अविनाशी धन का दान
- B- कभी मतलब से याद नहीं करते रहो
- C- अलबेलापन में नहीं आना
- D- साधारण और व्यर्थ संकल्पों में समय नहीं गंवाओ।

प्रश्न 15- अच्छी मेहनत करते हैं

- A- 8
- B- 108
- C- 16000
- D- A और B
- E- A, B और C

प्रश्न 16- मुरली में भी ताकत कब मिलती है-

- A- विचार सागर मंथन करने से
- B- याद में रहने से
- C- आत्मिक दृष्टि से
- D- निमित्त भाव से

प्रश्न 17- एक तो पवित्र बनना है और याद में रहना है तब -

- A- सदा हल्का रहेंगे
- B- शक्ति मिलती है
- C- आशीर्वाद मिलेगी
- D- धारणा भी अच्छी होगी

प्रश्न 18- अविनाशी ज्ञान रत्न धारण कर अब तुम्हें क्या बनना है ?

- A- फकीर से अमीर
- B- मनुष्य से देवता
- C- कौड़ी से हीरे तुल्य
- D- पत्थर बुद्धि से पारस बुद्धि

प्रश्न 19- अमरनाथ बाप आकर आत्माओं को क्या बनाते हैं ?

- A- अमर
- B- ज्ञानी
- C- पवित्र
- D- आप समान

प्रश्न 20- क्रिश्चियन आते हैं -

- A- द्वापर के शुरू में
- B- द्वापर के अंत में
- C- द्वापर के मध्य में
- D- कलयुग के शुरू में

प्रश्न 21- असुर किनको कहा जाता है ?

- A- आसुरी स्वभाव वालों को
- B- विकारों को
- C- यज्ञ में विघ्न डालने वालों को
- D- नास्तिक को

प्रश्न 22- सर्व विकर्मों की जड़ क्या है ?

- A- विकार
- B- संस्कार
- C- अच्छे और बुरे कर्म
- D- देह-अभिमान

प्रश्न 23- बड़े से बड़ा विकर्म है -

- A- देह-अभिमानी बनना
- B- बाप का नाम बदनाम करना
- C- काम कटारी चलाना
- D- विकारी दृष्टि

प्रश्न 24- फलाने धर्म फलाने समय पर आते हैं, किस चित्र में क्लीयर है ?

- A- सीढ़ी
- B- गोला
- C- झाड़
- D- त्रिमूर्ति

प्रश्न 25- शिव को बबूल नाथ भी कहते हैं क्योंकि -

- A- सभी आत्माओं की गति सद्गति करते हैं
- B- सारी दुनिया को हेल से हेवन बनाते हैं
- C- काम कटारी से छुड़ा पावन बनाते हैं
- D- पत्थर बुद्धि को पारस बुद्धि बनाते हैं

प्रश्न 26- श्रीकृष्ण जन्म कब लेंगे ?

- A- संगमयुग पर
- B- अनेक धर्मों का विनाश होने बाद
- C- यह पढ़ाई पूरी होगी तो
- D- B और C

प्रश्न 27- बाप माताओं पर ज्ञान का कलष क्यों रखते हैं ?

- A- माताओं को ऊंचा उठाते हैं
- B- पवित्रता की राखी बांध सबको पतित से पावन बनाने के लिए
- C- मातायें भोली होती हैं
- D- मातायें अक्सर गरीब होती हैं

प्रश्न 28- पावन बनने की प्रतिज्ञा कौन लेते हैं ?

- A- ब्रह्माकुमार-ब्रह्माकुमारियाँ
- B- बाप
- C- गुरू
- D- ब्रह्मा बाबा और बच्चे

प्रश्न 29- यहाँ स्त्री पुरूष पवित्र बनते हैं दोनों इकट्ठे रहते पवित्र बनते हैं ?

- A- आत्मिक स्मृति से
- B- ज्ञान से
- C- याद की शक्ति से
- D- धारणा से

प्रश्न 30- कौन-सा मंत्र याद रखो तो पाप कर्मों से बच जायेंगे ?

- A- आत्मा भाई भाई
- B- मध्याजीभव
- C- हियर नो ईविल, सी नो ईविल

D- मन्मनाभव

प्रश्न 31- लोहे समान आत्मा को पारस बनाने वाले तुम कौन हो ?

- A- मास्टर मुक्तिदाता
- B- विश्व कल्याणकारी
- C- रियल गोल्ड
- D- मास्टर पारसनाथ

प्रश्न 32- बाबा कहते थे विद्युत मंडली वालों को समझाओ, यह मंडली कहाँ की है-

- A- काशी
- B- बनारस
- C- हरिद्वार
- D- उज्जैन

भाग (15) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *C.किंग ऑफ फ्लावर बनाने*

*बाबा आये हैं तुम्हें किंग ऑफ फ्लावर बनाने, * इसलिए विकारों की कोई भी बदबू नहीं होनी चाहिए अन्दर में यह चलता रहे - हम अब नई दुनिया के फूल बन रहे हैं। अक का वा टांगर का फूल नहीं बनना है। हमको तो एकदम किंग ऑफ फ्लावर बिल्कुल खुशबूदार बनना है। कोई बदबू न रहे। बुरे ख्यालात निकल जाने चाहिए।

उत्तर 2- *C.निर्भयता एवं नम्रता*

स्लोगन:- *निर्भयता और नम्रता ही योगी व ज्ञानी आत्मा का स्वरूप है।*

उत्तर 3- *A.न्यारा बनना*

परमात्म प्यार आनंदमय झूला है, इस सुखदाई झूले में झूलते सदा परमात्म प्यार में लवलीन रहो तो कभी कोई परिस्थिति वा माया की हलचल आ नहीं सकती। परमात्म-प्यार अखुट है, अटल है, इतना है जो सर्व को प्राप्त हो सकता है लेकिन *परमात्म-प्यार प्राप्त करने की विधि है - न्यारा बनना।* जितना न्यारा बनेंगे उतना परमात्म प्यार का अधिकार प्राप्त होगा।

उत्तर 4- *D.निरन्तर अन्तर्मुखी रहने का पुरुषार्थ*

निरन्तर अन्तर्मुखी रहने का पुरुषार्थ करो। अन्तर्मुख अर्थात् सेकण्ड में शरीर से डिटेच। इस दुनिया की सुध-बुध बिल्कुल भूल जाए। एक सेकण्ड में ऊपर जाना और आना। *इस अभ्यास से विकारों का अंश समाप्त हो जायेगा।* कर्म करते-करते बीच-बीच में अन्तर्मुखी हो जाओ, ऐसा लगे जैसे बिल्कुल सन्नाटा है।

उत्तर 5- *C.पढ़ाई मिस करते हैं*

जो किसी भी कारण से मुरली (पढ़ाई) मिस करते हैं, वह अपना बहुत बड़ा नुकसान करते हैं। कई बच्चे तो आपस में रूठ जाने के कारण क्लास में ही नहीं आते। कोई न कोई बहाना बनाकर घर में ही सो जाते हैं, इससे वे अपना ही नुकसान करते हैं क्योंकि बाबा तो रोज़ कोई न कोई नई युक्तियाँ बताते रहते हैं, सुनेंगे ही नहीं तो अमल में कैसे लायेंगे।

उत्तर 6- *D.समय के धोखे से बच जाएंगे*

स्लोगन:- *समय को सफल करते रहो तो समय के धोखे से बच जायेंगे।*

उत्तर 7- *C.माताएं*

वह पढ़ाई तो है पाई पैसे की, शरीर निर्वाह अर्थ। यह तो है 21 जन्मों के लिए। कितनों का कल्याण हो जायेगा। *अक्सर करके मातायें भी पूछती हैं कि बाबा घर में गीता पाठशाला खोलें? * उन्होंने को ईश्वरीय सेवा का शौक रहता है। पुरुष लोग तो इधर-उधर क्लब आदि में घूमते रहते हैं। साहूकारों के लिये तो यहाँ ही स्वर्ग है।

उत्तर 8- *C. 10-15 दिन में बन सकती है*

बाबा ब्राह्मणियों को हमेशा कहते हैं कच्चे-कच्चे को मत ले आओ। तुम्हारी अवस्था भी गिर पड़ेगी क्योंकि बेकायदे ले आये। वास्तव में *ब्राह्मणी बनना है बहुत सहज। 10-15 दिन में बन सकती है।* बाबा किसको भी समझाने की बहुत सहज युक्ति बताते हैं।

उत्तर 9- *B.मोह की रंगें तोड़ देनी हैं*

अपनी चलन बहुत-बहुत रॉयल रखनी है, बस अब घर जाना है, *पुरानी दुनिया खत्म होनी है इसलिए मोह की रंगें तोड़ देनी हैं।* वानप्रस्थ (वाणी से परे) अवस्था में रहने का अभ्यास करना है। अधमों का भी उद्धार करने की सेवा करनी है।

उत्तर 10- *C.जब तुम मंजिल पर पहुँच जाएंगे*

मीठे बच्चे - जितना समय मिले एकान्त में जाकर याद की यात्रा करो, *जब तुम मंजिल पर पहुँच जायेंगे तब यह यात्रा पूरी हो जायेगी।*

उत्तर 11- *C. त्रिमूर्ति*

एक तरफ नई दुनिया, एक तरफ पुरानी दुनिया - यह चित्र बड़ा अच्छा है। कहते भी हैं ब्रह्मा द्वारा स्थापना, शंकर द्वारा विनाश.... परन्तु समझते कुछ नहीं। *मुख्य चित्र है त्रिमूर्ति का।* ऊंच ते ऊंच है शिवबाबा। तुम जानते हो - शिवबाबा ब्रह्मा द्वारा हमको याद की यात्रा सिखला रहे हैं।

उत्तर 12- *B. अपने को आत्मा समझ बाप को याद करने में*

देही-अभिमान बनने की प्रैक्टिस करनी है। हम आत्मा इनको सौदा देते हैं। हम आत्मा व्यापार करते हैं। *अपने को आत्मा समझ बाप को याद करने में ही फायदा है।* आत्मा को ज्ञान है हम यात्रा पर हैं। कर्म तो करना ही है। बच्चों आदि को भी सम्भालना है। धंधा धोरी भी करना है। धन्ये आदि में याद रहे हम आत्मा हैं।

उत्तर 13- *D. झट देह-अभिमान आ जाता है तो*

यह भूलना नहीं चाहिए। हम आत्मा को जो नॉलेज मिलती है, फिर हम दूसरी आत्माओं को देते हैं। यह याद तब ठहरेगी जब अपने को आत्मा समझ बाप की याद में रहेंगे। *याद में बहुत कच्चे हैं, झट देह-अभिमान आ जाता है।* देही-अभिमान बनने की प्रैक्टिस करनी है।

उत्तर 14- *D. साधारण और व्यर्थ संकल्पों में समय नहीं गंवाओ*

स्लोगन:- *लास्ट में फास्ट जाना है तो साधारण और व्यर्थ संकल्पों में समय नहीं गंवाओ।*

उत्तर 15- *D. A और B*

माला तो बड़ी बनती है। *उसमें 8-108 अच्छी मेहनत करते हैं।* नम्बरवार तो बहुत हैं, जो अच्छी मेहनत करते हैं। रूद्र यज्ञ होता है तो सालिग्रामों की भी पूजा होती है। जरूर कुछ सर्विस की है तब तो पूजा होती है। तुम ब्राह्मण रूहानी सेवाधारी हो। सबकी आत्माओं को जगाने वाले हो।

उत्तर 16- *B. याद में रहने से*

याद में नहीं रहेंगे तो मुरली में भी वह ताकत नहीं रहेगी। ताकत मिलती है शिवबाबा की याद में। याद से ही सतोप्रधान बनेंगे, नहीं तो सज़ायें खाकर फिर कम पद पा लेंगे। मूल बात है याद की, जिसको ही भारत का प्राचीन योग कहा जाता है।

उत्तर 17- *B. शक्ति मिलती है*

अब जैसे बाप सर्व शक्तिमान है, तुम्हारी आत्मा को भी शक्तिवान बनाते हैं। *एक तो पवित्र बनना है और याद में रहना है तब शक्ति मिलती है।* बाप से शक्ति का वर्सा लेते हो। पाप आत्मा तो शक्ति ले न सके। पुण्य आत्मा बनते हैं तो शक्ति मिलती है।

उत्तर- 18- *A. फकीर से अमीर*

अविनाशी ज्ञान रत्न धारण कर अब तुम्हें फकीर से अमीर बनना है, तुम आत्मा हो रूप-बसन्त तुम अमीर थे, अभी फकीर बने हो। यह किसको भी पता नहीं कि हम अमीर थे, तुम ब्राह्मण जानते हो - हम विश्व के मालिक अमीर थे। अमीरचन्द से फकीरचन्द बने हैं।

उत्तर 19- *A. अमर*

हम आत्मा हैं, जबसे रावण राज्य हुआ है तो मनुष्य देह-अभिमान में आ गये हैं। मैं शरीर हूँ, यह पक्का हो जाता है। आत्मा तो अमर है। *अमरनाथ बाप आकर आत्माओं को अमर बनाते हैं।* वहाँ तो अपने समय पर अपनी मर्जी से एक शरीर छोड़ दूसरा लेते हैं क्योंकि आत्मा मालिक है। जब चाहे शरीर छोड़े।

उत्तर 20- *C. द्वापर के मध्य में*

तुम हो आलराउन्ड पार्टधारी। आदि से अन्त तक पार्ट और कोई का है नहीं। तुमको ही बाप समझाते हैं। फिर तुम यह भी समझते हो कि दूसरे धर्म वाले फलाने-फलाने समय पर आते हैं। तुम्हारा तो आलराउन्ड पार्ट है। *क्रिश्चियन के लिए तो नहीं कहेंगे कि सतयुग में थे। वह तो द्वापर के भी बीच में आते हैं।

उत्तर 21- *A. आसुरी स्वभाव वाले को*

बाप तो आकर तुम्हें राजयोग सिखाते हैं, न कि चक्र से असुरों का घात करते हैं। *असुर उनको कहा जाता, जिनका आसुरी स्वभाव है।* बाकी मनुष्य तो मनुष्य हैं ना। ऐसे नहीं स्वदर्शन चक्र से बैठ सबको मारते हैं। भक्ति मार्ग में क्या-क्या चित्र बैठ बनाये हैं। रात-दिन का फर्क है।

उत्तर 22- *D. देह-अभिमान*

सर्व विकर्मों की जड़ देह-अभिमान है, उस देह-अभिमान में कभी न आये, यह ध्यान रखना है। इसके लिए बार-बार देही-अभिमान बन बाप को याद करना है। अच्छे और बुरे का फल जरूर मिलता है, अन्त में विवेक खाता है। लेकिन इस जन्म के पापों के बोझ को हल्का करने के लिए बाप को सच-सच सुनाना है।

उत्तर 23- *A. देह-अभिमान बनना*

अन्त घड़ी विवेक फिर बहुत खाता है। हमने यह-यह पाप किये हैं। सब याद आता है। जैसा कर्म वैसा जन्म मिलेगा। अभी तुम विकर्मा-जीत बनते हो तो कोई भी ऐसा विकर्म नहीं करना चाहिए। *बड़े ते बड़ा विकर्म है देह-अभिमान बनना।* बाबा बार-बार कहते हैं देही-अभिमान बन बाप को याद करो, पवित्र तो रहना ही है।

उत्तर 24- *B.गोला*

यह जैसे गोला है, इसमें क्लीयर है फलाने-फलाने धर्म फलाने-फलाने समय पर स्थापन होते हैं। तो यह गोला भी होना चाहिए इसलिए मुख्य 12 चित्रों के कैलेन्डर्स भी छपवा सकते हो जिसमें सारा ज्ञान आ जाए और सर्विस सहज हो सके। यह चित्र बिल्कुल ज़रूरी है। कौन-से चित्र बनाने हैं, क्या-क्या प्वाइंट लिखनी चाहिए। वह बैठ लिखो।

उत्तर 25- *C.काम कटारी से छुड़ा पावन बनाते हैं*

ईश्वर बाप खुद आकर सारे विश्व को चेंज कर देते हैं। हेल से हेविन बनाते हैं। जिस पर फिर तुम राज्य करते हो। *शिव को बबुलनाथ भी कहते हैं क्योंकि वह आकर तुमको काम कटारी से छुड़ाए पावन बनाते हैं।* भक्ति मार्ग में तो बहुत शो है, यहाँ तो शान्त में याद करना है।

उत्तर 26- D. *B और C*

तुम जानते हो श्रीकृष्ण की आत्मा ने 84 का चक्र लगाया है। अब फिर श्रीकृष्ण के नाम-रूप में आ रही है। चित्र में दिखाया है - पुरानी दुनिया को लात मार रहे हैं। नई दुनिया हाथ में है। अभी पढ़ रहे हैं इसलिए कहा जाता है - श्रीकृष्ण आ रहे हैं। जरूर बाप बहुत जन्मों के अन्त में ही पढ़ाएंगे। *यह पढ़ाई पूरी होगी तो श्रीकृष्ण जन्म लेंगे। बाकी थोड़ा टाइम है पढ़ाई का। जरूर अनेक धर्मों का विनाश होने बाद श्रीकृष्ण का जन्म हुआ होगा।*

उत्तर 27- *B.पवित्रता की राखी बांध सबको पतित से पावन बनाने के लिए*

पवित्रता की राखी बांध सबको पतित से पावन बनाने के लिए बाप माताओं पर ज्ञान का कलष रखते हैं। रक्षाबन्धन का भी भारत में ही रिवाज़ है। बहन भाई को राखी बांधती है। यह पवित्रता की निशानी है। बाप कहते हैं बच्चे तुम मामेकम् याद करो तो पावन बन पावन दुनिया के मालिक बन जायेंगे।

उत्तर 28- *B.बाप*

तुम पावन बनना चाहते हो तो पतित-पावन बाप को याद करो। द्वापर से लेकर तुम पतित बनते आये हो, अब सारी दुनिया पावन चाहिए, वह तो बाप ही बना सकते हैं। सर्व का गति-सद्गति दाता कोई मनुष्य हो नहीं सकता। *बाप ही पावन बनने की प्रतिज्ञा लेते हैं।*

उत्तर 29- *A.आत्मिक स्मृति से*

अब हियर नो ईविल..... किसको कहा जाता है? आत्मा को। आत्मा ही कानों से सुनती है। बाप ने तुम बच्चों को स्मृति दिलाई है कि तुम आदि सनातन देवी-देवता धर्म वाले थे, चक्र खाकर आये अब फिर तुमको वही बनना है। *यह मीठी आत्मिक स्मृति आने से पवित्र बनने की हिम्मत आती है।*

उत्तर 30- *C.हियर नो ईविल,सी नो ईविल*

बाप ने मंत्र दिया है - हियर नो ईविल, सी नो ईविल..... यही मंत्र याद रखो। तुम्हें अपनी कर्मन्द्रियों से कोई पाप नहीं करना है। कलियुग में सबसे पाप कर्म ही होते हैं इसलिए बाबा यह युक्ति बताते हैं, पवित्रता का गुण धारण करो - यही नम्बरवन गुण है।

उत्तर 31- *D.मास्टर पारसनाथ*

आप सब पारसनाथ बाप के बच्चे मास्टर पारसनाथ हो - तो कैसी भी लोहे समान आत्मा हो लेकिन आप के संग से लोहा भी पारस बन जाए। यह लोहा है - ऐसा कभी नहीं सोचना। पारस का काम ही है लोहे को पारस बनाना।

उत्तर 32- *B.बनारस*

भगवान ने आकर राजयोग सिखाया, उसका नाम गीता रखा है। परन्तु गीता के भगवान को भूल गये हैं इसलिए बाबा घड़ी-घड़ी कहते रहते हैं मुख्य इस प्वाइंट को ही उठाना है। *आगे बाबा कहते थे बनारस के विदुत मण्डली वालों को समझाओ।* बाबा युक्तियां तो बतलाते रहते हैं। फिर अच्छी रीति कोशिश करनी है।

भाग - (16)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- कभी-कभी कहते हैं बाबा सम्बन्धी सुनते नहीं हैं। बाबा कहते हैं-

- A- फिर भी शुभ भावना रखो
- B- भक्ति पूरी नहीं हुई
- C- ड्रामा में पार्ट नूँधा नहीं है
- D- याद की यात्रा में कच्चे हो इसलिए ज्ञान तलवार काम नहीं करती है

प्रश्न 2- तुम बच्चों की लड़ाई है..... से, जिसका सिवाए तुम ब्राह्मणों के और कोई को पता नहीं।

- A- स्वयं
- B- माया
- C- विकारों
- D- आसुरी मनुष्य से

प्रश्न 3- अन्दर में यह स्मृति रहनी चाहिए -

- A- हम आदि सनातन देवी-देवता धर्म के हैं
- B- मैं आत्मा शान्त स्वरूप हूँ
- C- हम ईश्वर की सन्तान हैं
- D- हम आत्मा भाई भाई हैं

प्रश्न 4- ऊंच ते ऊंच सेवा है -

- A- मन्सा
- B- सबको बाप का परिचय देना
- C- हर आत्मा के लिए शुभ भावना
- D- बाप की याद

प्रश्न 5- सुखदाता बाप के बच्चे बनकर भी अगर दुःख की फीलिंग आती है तो बाप कहते बच्चे -

- A- ऐसी बातें सुनी अनसुनी कर दो
- B- यह तो याद में कम है
- C- ज्ञानी बनो
- D- यह तुम्हारा बड़ा कर्मभोग है

प्रश्न 6- श्रीकृष्ण का बाप -

- A- राजा था
- B- श्रीकृष्ण की आत्मा से वह ऊंच पढ़ा हुआ है
- C- है जरूर ब्राह्मण, परन्तु पढ़ाई में श्रीकृष्ण से कम है
- D- A और C

प्रश्न 7- सही महावाक्य पहचानिए ?

- A- ब्राह्मणों का कुल है
- B- ब्राह्मणों की भी डिनायस्टी है
- C- कौरवों और पाण्डवों का राज्य था
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 8- आत्मायें सब हैं ?

- A- अकालमूर्त हैं
- B- अकालतश्छ है
- C- नॉलेजफुल हैं
- D- A और C

प्रश्न 9- सदा हर्षित वा आकर्षण मूर्त बनने के लिए -

- A- अलौकिक सेवा में बिजी रहो
- B- सब के लिए कल्याण की भावना हो
- C- न्यारे और प्यारे रहो
- D- संतुष्टमणि बनो

प्रश्न 10- अलग पर्याय का चुनाव कीजिए, शिव बाबा हैं -

- A- धर्मराज
- B- भगवान
- C- एक्टर
- D- गोविन्द

प्रश्न 11- आत्मा कि खिड़कियाँ किस को कहेंगे ?

- A- आंखों को
- B- कान को
- C- मन, बुद्धि
- D- उपर्युक्त सभी

प्रश्न 12- क्रिमिनल आई है इसकी निशानी क्या होती है ?

- A- तीसरा नेत्र बंद होना
- B- नजर शरीर पर जाती है।

C- अगर अब तक भी किसी को देखने से विकारी ख्यालात आते हैं तो
D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 13- हृद की प्राप्ति का त्याग भी करना पड़े तो उन्हें छोड़ दो लेकिन -

- A- अविनाशी खुशी को कभी नहीं छोड़ो
- B- लक्ष्य और मंजिल को सदा स्मृति में रखो
- C- गुण मूर्त बनकर गुणों का दान देते चलो
- D- पढ़ाई कभी मत छोड़ो

प्रश्न 14- सबसे बड़ी बीमारी कौन सी है, उसकी दवाई डाक्टर के पास भी नहीं है ?

- A- दुःखी होने की
- B- क्रिमिनल आई
- C- विकार
- D- चिंता

प्रश्न 15- शिवबाबा की याद में न रह कोई काम करते हो तो -

- A- माया विघ्न रूप बन जाती
- B- जमा नहीं होता
- C- कर्म विकर्म होते हैं
- D- पाप लग जाता है

प्रश्न 16- अभी तुम समझते हो नष्टो-मोहा होना है ?

- A- देह और देह के रिश्ते नातों से
- B- शरीर से
- C- पुराने संस्कारों से
- D- सारी दुनिया से

प्रश्न 17- नष्टमोहा की राजधानी -

- A- स्वर्ग में
- B- परमधाम में
- C- द्वापर युग में
- D- सतयुग त्रेता में

प्रश्न 18- गीत:-बदल जाए दुनिया न बदलेंगे हम। बच्चों ने यह गीत सुना। किसने सुना ?

- A- आत्मा ने
- B- ब्राह्मण बच्चों ने
- C- आत्मा ने इन शरीर के कानों द्वारा सुना।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 19- आत्मा कोई भी अकर्तव्य कार्य न करे -

- A- अटेंशन रखना है
- B- चेक करना है
- C- प्रैक्टिस करनी है
- D- नहीं तो 100 गुना दंड पड़ जाएगा

प्रश्न 20- श्रीकृष्ण जयन्ती पर समझाने का बहुत अच्छा टॉपिक कौन सा है ?

- A- श्रीकृष्ण का जन्म सतयुग में
- B- श्याम और सुन्दर
- C- नारायण को फिर राधे को भी काला क्यों बना दिया
- D- शिवलिंग भी काला पत्थर रखते हैं। अब वह काला थोड़े ही है।

प्रश्न 21- जहाँ मेरापन है वहाँ क्या जरूर होगा ?

- A- भय
- B- फिकर
- C- चिंता
- D- मोह

प्रश्न 22- किसी को रास्ता नहीं बताया तो गोया -

- A- हम अंधे रहे
- B- कुछ भी धारणा नहीं है
- C- सर्विस है नहीं
- D- खुद भी कांटे ही हैं

प्रश्न 23- मुख छोटा बात बड़ी किसके लिए कहते हैं -

- A- तुम ब्राह्मणों के लिए
- B- श्री कृष्ण के लिए
- C- माताओं के लिए
- D- किसी के लिए नहीं

प्रश्न 24- कर्मक्षेत्र है ?

- A- निराकारी दुनिया
- B- साकारी दुनिया
- C- आकारी दुनिया
- D- B और C

प्रश्न 25- शिव भगवानुवाच, हम..... द्वारा स्वर्ग के द्वार खोल रहे हैं ?

- A- इन माताओं के
- B- इन ब्राह्मण के
- C- इन ब्रह्मा के
- D- ब्रह्मा और ब्राह्मणों

प्रश्न 26- अमेरिका के पास कितना सोना है ! यहाँ तो थोड़ा बहुत सोना जो किस के पास है ?

- A- बैंकों
- B- माताओं
- C- साहूकारों
- D- सरकार के पास

प्रश्न 27- भारत में खास बहुत यज्ञ करते हैं ?

- A- संन्यासी
- B- आर्य समाजी
- C- सनातनी
- D- ब्रह्म ज्ञानी

प्रश्न 28- उदास होते हैं -

- A- माया का दास बनने वाले
- B- संस्कारों का दास बनने वाले
- C- प्रकृति का दास बनने वाले
- D- वृत्ति और वायुमंडल के

प्रश्न 29- वहाँ देवताओं को दाढ़ी आदि भी नहीं होती। क्लीनशेव होती है। कैसे मालूम पड़ता मेल है, यह फीमेल है ?

- A- बोल से
- B- नैन-चैन से
- C- पोशाक से
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 30- क्या भूलना ही सबसे बड़ी भूल है ?

- A- अपने घर को
- B- आत्मा को
- C- अपने स्वधर्म को
- D- परमात्मा को

प्रश्न 31- हम आत्मा हैं, न कि शरीर। और जो भी मनुष्य मात्र हैं उन्हीं को अपने शरीर के नाम का नशा है क्योंकि -

- A- खुद को भूल गए हैं।
- B- देह-अभिमान हैं
- C- आत्मा सो परमात्मा, परमात्मा सो आत्मा कह देते
- D- आत्माओं को नहीं जानते

प्रश्न 32- अभी तो याद की यात्रा में मस्त रहना है। वह जौहर भरना है जो कोई को भी-

- A- प्रश्न पूछने की दरकार ही न रहे
- B- बाण लग जाए
- C- मुक्ति दे सके
- D- दृष्टि से तीर लग जाए

भाग (16) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *D. याद की यात्रा में कच्चे हो इसलिए ज्ञान तलवार काम नहीं करती है*

बाप कहते हैं तुम याद में मस्त रहो तो सर्विस बढ़ती जायेगी। कभी-कभी कहते हैं बाबा सम्बन्धी सुनते नहीं हैं। *बाबा कहते हैं याद की यात्रा में कच्चे हो इसलिए ज्ञान तलवार काम नहीं करती है।* याद की मेहनत करो। यह है गुप्त मेहनत। मुरली चलाना तो प्रत्यक्ष है।

उत्तर 2- *B. माया*

तुम बच्चों की लड़ाई है माया से, जिसका सिवाए तुम ब्राह्मणों के और कोई को पता नहीं। तुम जानते हो हमको इस विश्व पर गुप्त रीति राज्य स्थापन करना है अथवा बाप से वर्सा लेना है। इसको वास्तव में लड़ाई भी नहीं कहेंगे। ड्रामा अनुसार तुम जो सतोप्रधान से तमोप्रधान बने हो सो फिर सतोप्रधान बनना है।

उत्तर 3- *B. मैं आत्मा शान्त स्वरूप हूँ*

तुमको तो अपने स्वधर्म में टिकना है और बाप को याद करना है, इसमें भी टाइम लगता है। ऐसे नहीं कि सिर्फ कहने से टिक जाते हैं। *अन्दर में यह स्मृति रहनी चाहिए - मैं आत्मा शान्त स्वरूप हूँ।* हम आत्मा अभी तमोप्रधान पतित बनी हैं। हम आत्मा जब शान्तिधाम में थी तो पवित्र थी, फिर पार्ट बजाते-बजाते तमोप्रधान बनी है।

उत्तर 4- *D. बाप की याद*

तुमको रूहानी सर्विस करनी है। *बाप की याद ही है ऊंच ते ऊंच सेवा।* मन्सा-वाचा-कर्मणा बुद्धि में बाप की याद रहे। मुख से भी ज्ञान की बातें सुनाओ। किसको दुःख नहीं देना है। कोई अकर्तव्य नहीं करना है। पहली बात अल्फ न समझने से और कुछ भी समझेंगे नहीं।

उत्तर 5- *D. यह तुम्हारा बड़ा कर्म भोग है*

सुखदाता बाप के बच्चे बनकर भी अगर दुःख की फीलिंग आती है तो बाप कहते - बच्चे, यह तुम्हारा बड़ा कर्मभोग है। जब बाप मिला तो दुःख की फीलिंग नहीं आनी चाहिए। जो पुराने कर्मभोग हैं उसे योगबल से चुकतू करो। अगर योगबल नहीं होगा तो मोचरा खाकर चुकतू करना पड़ेगा।

उत्तर 6- *D. A और C*

श्रीकृष्ण प्रिन्स कहलाया जाता है तो जरूर राजा के पास जन्म हुआ है। श्रीकृष्ण ही सो फिर नारायण बनते हैं। बाकी बाप का नाम ही गुम हो जाता है। *है जरूर ब्राह्मण। परन्तु पढ़ाई में श्रीकृष्ण से कम है।* श्रीकृष्ण की आत्मा की पढ़ाई अपने बाप से ऊंच थी, तब तो इतना नाम होता है।

उत्तर 7- *A. ब्राह्मणों का कुल है*

ब्राह्मणों को आकर बाप पढ़ाते हैं। *ब्राह्मणों की भी डिनायस्ती नहीं है। ब्राह्मणों का कुल है,* डिनायस्ती तब कहा जाए जब राजा-रानी बनें। जैसे सूर्यवंशी डिनायस्ती। तुम ब्राह्मणों में राजा तो बनते नहीं। वह जो कहते हैं कौरवों और पाण्डवों का राज्य था, दोनों रांग हैं। राजाई तो दोनों को नहीं है। प्रजा का प्रजा पर राज्य है, उनको राजधानी नहीं कहेंगे।

उत्तर 8- *A. अकालमूर्त है*

यह (शरीर) सब आत्माओं के रथ हैं। अकालमूर्त का बोलता चलता तख्त है। सिक्ख लोगों ने फिर वह तख्त बना दिया है। उसको अकालतख्त कहते हैं। यह तो अकाल तख्त सब हैं। *आत्मायें सब अकालमूर्त हैं।* ऊंच ते ऊंच भगवान को यह रथ तो चाहिए ना। रथ में प्रवेश हो बैठ नॉलेज देते हैं।

उत्तर 9- *D. संतुष्टमणि बनो*

स्लोगन:- *सदा हर्षित व आकर्षण मूर्त बनने के लिए सन्तुष्टमणी बनो।*

उत्तर 10- *D. गोविन्द*

बलिहारी उस सतगुरू की जिसने गोविन्द श्रीकृष्ण का साक्षात्कार कराया। *गुरू द्वारा तुम गोविन्द बनते हो।* साक्षात्कार से सिर्फ मुख मीठा नहीं होता। मीरा का मुख मीठा हुआ क्या? सचमुच स्वर्ग में तो गई नहीं। वह है भक्ति मार्ग, उनको स्वर्ग का सुख नहीं कहेंगे। *गोविन्द को सिर्फ देखना नहीं है, ऐसा बनना है।*

उत्तर 11- *A. आंखों को*

जब इन आंखों पर जीत पा लेंगे तब कर्मातीत अवस्था होगी। सारा मदार आंखों पर है, आंखें ही धोखा देती हैं। *आत्मा इन खिड़कियों

से देखती है,* इसमें तो डबल आत्मा है। बाप भी इन खिड़कियों से देख रहे हैं। हमारी भी दृष्टि आत्मा पर जाती है।

उत्तर 12- *C. अगर अब तक भी किसी को देखने से विकारी ख्यालात आते हैं तो*

तुम ब्राह्मणों में भी नम्बरवार हैं। कोई राजा-रानी बनते हैं, कोई प्रजा। बाप कहते हैं बच्चे अभी ही तुम्हें दैवीगुण धारण करने हैं। यह आंखें क्रिमिनल हैं, *अभी तक कोई को देखने से विकार की दृष्टि जाती है तो क्रिमिनल आई है* उनके 84 जन्म नहीं होंगे। वह नर से नारायण बन नहीं सकेंगे।

उत्तर 13- *A. अविनाशी खुशी को कभी नहीं छोड़ो*

ब्राह्मण जीवन का लक्ष्य है बिना कोई हृद के आधार के सदा आन्तरिक खुशी में रहना। जब यह लक्ष्य बदल हृद की प्राप्ति की छोटी-छोटी गलियों में फंस जाते हो तब मंजिल से दूर हो जाते हो। इसलिए कुछ भी हो जाए, *हृद की प्राप्ति का त्याग भी करना पड़े तो उन्हें छोड़ दो लेकिन अविनाशी खुशी को कभी नहीं छोड़ो।*

उत्तर 14- *D. चिंता*

सबसे बड़ी बीमारी है चिंता, इसकी दवाई डाक्टर्स के पास भी नहीं है। चिंता वाले जितना ही प्राप्ति के पीछे दौड़ते हैं उतना प्राप्ति आगे दौड़ लगाती है इसलिए निश्चय के पांव सदा अचल रहें। सदा एक बल एक भरोसा - यह पांव अचल है तो विजय निश्चित है। निश्चित विजयी सदा ही निश्चित हैं।

उत्तर 15- *D. पाप लग जाता है*

बाबा ने समझाया है, बाबा के सम्मुख आते हो तो पहले यह याद करना है कि हम ईश्वर बाप के सम्मुख जाते हैं। शिवबाबा तो निराकार है। उनके सम्मुख हम कैसे जायें। तो उस बाप को याद कर फिर बाप के सम्मुख आना है। तुम जानते हो वह इसमें बैठा हुआ है। यह शरीर तो पतित है। *शिवबाबा की याद में न रह कोई काम करते हो तो पाप लग जाता है।*

उत्तर 16- *D. सारी दुनिया से*

मनुष्यों का शरीर में कितना मोह रहता है! आत्मा शरीर से निकल गई तो बाकी 5 तत्व, उन पर भी कितना लव रहता है। स्त्री पति की चिंता पर चढ़ने लिए तैयार हो जाती है। कितना मोह रहता है शरीर में। *अभी तुम समझते हो नष्टो-मोहा होना है, सारी दुनिया से।* यह शरीर तो खत्म होना है। तो उनसे मोह निकल जाना चाहिए ना।

उत्तर 17- *A. स्वर्ग में*

मोहजीत राजा की भी कहानी है ना और कोई मोह जीत राजा होता नहीं। यह तो कथायें बहुत बनाई हैं ना। वहाँ अकाले मृत्यु होती नहीं। तो पूछने की भी बात नहीं रहती। इस समय तुमको मोहजीत बनाते हैं। *स्वर्ग में मोह जीत राजायें थे, यथा राजा रानी तथा प्रजा ऐसे हैं। वह है ही नष्टोमोहा की राजधानी।* रावण राज्य में मोह होता है।

उत्तर 18- *C. आत्मा ने इन शरीर के कानों द्वारा सुना*

बच्चों ने यह गीत सुना। किसने सुना? *आत्मा ने इन शरीर के कानों द्वारा सुना।* बच्चों को भी यह मालूम पड़ा कि आत्मा कितनी छोटी है। वह आत्मा इस शरीर में नहीं है तो शरीर कोई काम का नहीं रहता। कितनी छोटी आत्मा के आधार पर यह कितना बड़ा शरीर चलता है।

उत्तर 19- *C. प्रैक्टिस करनी है*

इस समय तुम बच्चों को बहुत गुहा बुद्धि मिलती है। आत्मा को ही मिलती है। आत्मा को कितना मीठा बनना चाहिए। सबको सुख देना चाहिए। बाबा कितना मीठा है। आत्माओं को भी बहुत मीठा बनाते हैं। *आत्मा कोई भी अकर्तव्य कार्य न करे - यह प्रैक्टिस करनी है।*

उत्तर 20- *B. श्याम और सुन्दर*

श्रीकृष्ण जयन्ती पर समझाने का बहुत अच्छा है। श्याम और सुन्दर की टॉपिक हो। श्रीकृष्ण को भी काला तो नारायण को फिर राधे को भी काला क्यों बनाते हैं? शिवलिंग भी काला पत्थर रखते हैं। अब वह कोई काला थोड़े ही है। शिव है क्या, और चीज़ क्या बनाते हैं। इन बातों को तुम बच्चे जानते हो। काला क्यों बनाते हैं - तुम इस पर समझा सकेंगे।

उत्तर 21- *A. भय*

आज की दुनिया में धन भी है और भय भी है। जितना धन उतना ही भय में ही खाते, भय में ही सोते हैं। *जहाँ मेरापन है वहाँ भय जरूर होगा।* कोई सोना हिरण भी अगर मेरा है तो भय है। लेकिन यदि मेरा एक शिवबाबा है तो निर्भय बन जायेंगे।

उत्तर 22- *A. हम अंधे रहे*

सर्विसएबुल बच्चों को तो जैसे सर्विस ही सर्विस सूझती रहेगी। समझते हैं *बाबा की सर्विस नहीं की, किसको रास्ता नहीं बताया तो गोया हम अन्धे रहे।* यह समझने की बात है ना। बैज में भी श्रीकृष्ण का चित्र है, इस पर भी तुम समझा सकते हो।

उत्तर 23- *B. श्रीकृष्ण के लिए*

देवताओं के आगे जाकर माथा टेकते हैं। कितनी उनकी महिमा है। सतयुग में सभी के दैवी कैरेक्टर थे, अभी आसुरी कैरेक्टर हैं। ऐसे-ऐसे तुम भाषण करो तो सुनकर बहुत खुश हो जाएं। *मुख छोटा बात बड़ी - यह श्रीकृष्ण के लिए कहते हैं।* अभी तुम कितनी बड़ी बातें सुनते हो, इतना बड़ा बनने के लिए।

उत्तर 24- *B.साकारी दुनिया*

मनुष्य ही कहते हैं हम एक्टर्स पार्टधारी हैं। यह कर्मक्षेत्र है, जहाँ आत्मायें रहती हैं। उनको कर्मक्षेत्र नहीं कहा जाता। वह तो निराकारी दुनिया है। उसमें कोई खेलपाल नहीं है, एक्ट नहीं। *निराकारी दुनिया से साकारी दुनिया में आते हैं पार्ट बजाने, जो फिर रिपीट होता रहता है।* प्रलय कभी होती ही नहीं।

उत्तर 25- *A.माताओं के*

शिव भगवानुवाच, हम इन माताओं के द्वारा स्वर्ग के द्वार खोल रहे हैं। माताओं पर कलष रखा है। वह फिर सबको ज्ञान अमृत पिलाती हैं। परन्तु तुम्हारा है प्रवृत्ति मार्ग। तुम हो सच्चे-सच्चे ब्राह्मण, तो सबको ज्ञान चिता पर बिठाते हो। अभी तुम बनते हो दैवी सम्प्रदाय। आसुरी सम्प्रदाय अर्थात् रावण राज्य।

उत्तर 26- *B.माताओं के पास*

तुम जानते हो यहाँ के इतने महल माड़ियाँ आदि कोई काम में नहीं आयेंगे। सब खत्म हो जायेंगे। यहाँ क्या रखा है! अमेरिका के पास कितना सोना है! *यहाँ तो थोड़ा बहुत सोना जो माताओं के पास है,* वह भी लेते रहते हैं क्योंकि उनको तो कर्ज में सोना देना है। तुम्हारे पास वहाँ सोना ही सोना होता है। यहाँ कौड़ियाँ, वहाँ हीरे होंगे।

उत्तर 27- *B.आर्य समाजी*

बाप आकर शूद्र से ब्राह्मण बनाते हैं। यज्ञ में ब्राह्मण जरूर चाहिए। यह है ज्ञान यज्ञ, भारत में यज्ञ बहुत रचते हैं। *इसमें खास आर्य समाजी बहुत यज्ञ करते हैं।* अब यह तो है रूद्र ज्ञान यज्ञ, जिसमें सारी पुरानी दुनिया स्वाहा होनी है। अब बुद्धि से काम लेना पड़ता है। कलियुग में तो बहुत मनुष्य हैं, इतनी सारी पुरानी दुनिया खलास हो जायेगी।

उत्तर 28- *C.प्रकृति का दास बनने वाले*

स्लोगन:- *प्रकृति का दास बनने वाले ही उदास होते हैं,* इसलिए प्रकृतिजीत बनो।

उत्तर 29- *B.नैन-चैन से*

यहाँ तो देखो कैसे-कैसे बच्चे जन्म लेते हैं। कोई की टांग नहीं चलती, कोई जामड़े होते हैं। क्या-क्या हो जाता है। सतयुग में ऐसे थोड़े ही होता है। *वहाँ देवताओं को दाढ़ी आदि भी नहीं होती। क्लीनशेव होती है। नैन-चैन से मालूम पड़ता है यह मेल है, यह फीमेल है।*

उत्तर 30- *C.अपने स्वधर्म को*

कल्प-कल्प तुम घर जाते हो फिर सुख का पार्ट भी बजाते हो। बच्चों को भूल गया है - हम आत्माओं का स्वधर्म है ही शान्त। मीठे बच्चे - *अपने स्वधर्म को भूलना ही सबसे बड़ी भूल है,* अभी तुम्हें अभुल बनना है, अपने घर और राज्य को याद करना है।

उत्तर 31- *B.देह-अभिमानि हैं*

हम आत्मा हैं, न कि शरीर। *और जो भी मनुष्य मात्र हैं उन्हें को अपने शरीर के नाम का नशा है क्योंकि देह-अभिमानि हैं।* हम आत्मा हैं यह जानते ही नहीं। वह तो आत्मा सो परमात्मा, परमात्मा सो आत्मा कह देते हैं। अभी तुमको बाप ने समझाया है तुम आत्मा सो विश्व के मालिक देवी-देवता बन रहे हो।

उत्तर 32- *D.दृष्टि से तीर लग जाए*

तुम बच्चे जानते हो अभी अपनी राजाई स्थापन हो रही है। अभी तो याद की यात्रा में मस्त रहना है। *वह जौहर भरना है जो कोई को भी दृष्टि से तीर लग जाए।* पिछाड़ी में भीष्म पितामह आदि जैसे को तुमने ही ज्ञान के बाण मारे हैं। झट समझ जायेंगे, यह तो सत्य कहते हैं।

भाग - (17)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- स्वर्ग गुम कैसे होता है ?

- A- देह अभिमान आने से
- B- रावण राज्य से
- C- अर्थक्रेक से
- D- द्वारिका अथवा लंका पानी के नीचे चली जाने से

प्रश्न 2- किस का पार्ट भी सिर्फ संगम समय का है ?

- A- ब्रह्मा
- B- शिवबाबा
- C- विष्णु
- D- शंकर

प्रश्न 3- ब्राह्मण - ब्राह्मणियां हैं -

- A- ब्रह्मा की रचना
- B- शिव की रचना
- C- संगमयुग पर शिवबाबा की रचना
- D- शिव बाबा और ब्रह्मा बाबा की रचना

प्रश्न 4- खान-पान मनुष्यों का यहाँ कैसा हो गया है ?

- A- गन्दा
- B- पतित
- C- अशुद्ध
- D- जानवरों मिसल है

प्रश्न 5- कलियुग है -

- A- शोक की होटल है
- B- बेहद की लंका
- C- कब्रिस्तान है
- D- पतित दुनिया

प्रश्न 6- संन्यासी लोग भी कहते हैं -

- A- विकार छोड़ो
- B- कलियुग का अंत है
- C- ज्ञान भक्ति वैराग्य
- D- हम सो सो हम

प्रश्न 7- दुश्मन को भी दोस्त बना दो-

- A- आत्मिक दृष्टि से
- B- वरदानी बोल से
- C- शुभ भावना से
- D- रूहानी स्नेह से

प्रश्न 8- विश्व के नव निर्माण के लिए दो शब्द -

- A- इकनॉमी और एका नामी
- B- निमित्त और निर्माण
- C- शुभ भावना शुभ कामना
- D- स्व कल्याण से विश्व कल्याण

प्रश्न 9- बाप के साथ ऐसा योग रखना है, जिससे -

- A- बुद्धि सदा परमधाम में टिकी रहे
- B- साइलेन्स का बल जमा हो
- C- आत्मा सच्चा सोना बन जाये
- D- एक बाप के सिवाय कुछ भी याद न आए

प्रश्न 10- किस का नाम-निशान गुम कर दिया है ?

- A- ब्राह्मणों का
- B- ब्राह्मणों को पढ़ाने वाले बाप का
- C- लक्ष्मी-नारायण का
- D- A और B

प्रश्न 11- विवेक कहता है - भल कोई कितनी भी बड़े ते बड़ी पढ़ाई पढ़ता हो पर-

- A- ऐसा ज्ञान मिल न सके
- B- एकदम रोमांच खड़े हो जाने चाहिए। ऊँच ते ऊंच बाप पढ़ाते हैं
- C- फट से वह पढ़ाई छोड़कर आए भगवान से पढ़े। एक सेकण्ड में सब कुछ छोड़ बाप के पास पढ़ने आए।
- D- वह सब अल्पकाल के लिये ही है

प्रश्न 12- लाइट का ताज है ?

- A- मनमनाभव
- B- मध्याजी भव
- C- संगमयुग का

D- उड़ती कला की निशानी

प्रश्न 13- समस्याएं कब कम हो जाएंगी -

- A- समाधान स्वरूप बनने से
- B- निमित्त भाव से
- C- अपनी इच्छाएं कम करने से
- D- शांति की शक्ति धारण करने से

प्रश्न 14- सुक्ष्मवतन में ब्रह्मा विष्णु शंकर इन तीनों में से वास्तव में कौन बोल सकते हैं -

- A- ब्रह्मा
- C- विष्णु
- B- शंकर
- D- इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 15- कहां संन्यासी ही संन्यासी हैं ?

- A- काशी में
- B- हिमालय में
- C- अजमेर में
- D- हरिद्वार में

प्रश्न 16- हर एक चित्र में, हर एक लिखत में क्या जरूर लिखना है ?

- A- त्रिमूर्ति शिव
- B- देही-अभिमानि बनो
- C- शिवबाबा ऐसे समझाते हैं
- D- गेटवे टू हेविन

प्रश्न 17- बाप के प्यार की पालना का प्रैक्टिकल स्वरूप है -

- A- सदा खुशनुमा जीवन
- B- सदा निर्विघ्न जीवन
- C- सदा सफलता मूर्त
- D- सहजयोगी जीवन

प्रश्न 18- बाबा है पाण्डवों का -

- A- शिरोमणी
- B- राजा
- C- हीरो
- D- सिरमौर

प्रश्न 19- किस कारण बच्चों में मोह भी है, विकार भी बहुत हैं ?

- A- तमोप्रधानता के
- B- रावण के
- C- माया के
- D- देह-अभिमान के

प्रश्न 20- इस ड्रामा में सबसे अधिक कल्याण किस का होता है ?

- A- जिन्हें बाप पर पूरा निश्चय है
- B- अपार खुशी में रहते हैं उनका
- C- जो बाप की याद में रहते हैं
- D- जो हर कदम श्रीमत पर चलते

प्रश्न 21- कब आने वाली मुश्किलों सहज अनुभव होंगी ?

- A- ड्रामा पर संपूर्ण निश्चय से
- B- हर बात प्रभू अर्पण कर दो तो
- C- जो भी सेवा करते हो उसे विश्व कल्याण के लिए अर्पित करते चलो
- D- महादानी बनो तो

प्रश्न 22- बाप के समान टीचर बनना है, बड़ी युक्ति से क्या करना है ?

- A- ज्ञान धारण कर सबको सुनाना है।

- B- ऊंच पद के लिए इस पढ़ाई में लग जाना है।
- C- कुसंग से किनारा कर एक सत का संग करना है।
- D- सबको इस झूठखण्ड से निकाल सचखण्ड में चलने के लायक बनाना है।

प्रश्न 23- सर्वोत्तम कुल वाले बच्चों का मुख्य कर्तव्य क्या है ?

- A- सदा ऊंची रूहानी सेवा करना
- B- ज्ञान देकर दैवी सम्प्रदाय का बनाना
- C- पढ़ाई पढ़ना
- D- सर्व प्रति आत्मा भाई भाई की दृष्टि रखना

प्रश्न 24- देवता बनते ही हैं -

- A- गुणों की धारणा से
- B- नाँलेज से
- C- याद से
- D- याद और सेवा से

प्रश्न 25- कब आने वाली मुश्किलों सहज अनुभव होंगी ?

- A- ड्रामा पर संपूर्ण निश्चय से
- B- हर बात प्रभू अर्पण कर दो तो
- C- जो भी सेवा करते हो उसे विश्व कल्याण के लिए अर्पित करते चलो
- D- महादानी बनो तो

प्रश्न 26- बाप के समान टीचर बनना है, बड़ी युक्ति से क्या करना है ?

- A- ज्ञान धारण कर सबको सुनाना है।
- B- ऊंच पद के लिए इस पढ़ाई में लग जाना है।
- C- कुसंग से किनारा कर एक सत का संग करना है।
- D- सबको इस झूठखण्ड से निकाल सचखण्ड में चलने के लायक बनाना है।

प्रश्न 27- सर्वोत्तम कुल वाले बच्चों का मुख्य कर्तव्य क्या है ?

- A- सदा ऊंची रूहानी सेवा करना
- B- ज्ञान देकर दैवी सम्प्रदाय का बनाना
- C- पढ़ाई पढ़ना
- D- सर्व प्रति आत्मा भाई भाई की दृष्टि रखना

प्रश्न 28- देवता बनते ही हैं -

- A- गुणों की धारणा से
- B- नाँलेज से
- C- याद से
- D- याद और सेवा से

प्रश्न 29- अपनी सतोप्रधान तकदीर बनाने के लिए -

- A- याद में रहने का खूब पुरुषार्थ करो
- B- देही-अभिमानी बनो
- C- पढ़ाई पर ध्यान दो
- D- बाप कहते हैं बच्चे पावन बनो

प्रश्न 30- किनकी स्थिति स्वतः और सहज एकरस हो जाती है ?

- A- जो हर सेवा निमित्त भाव से करते
- B- सोचनों-बोलना और करना तीनों को एक समान हो तो
- C- जो बच्चे यह दृढ़ संकल्प करते हैं कि एक बाप दूसरा न कोई
- D- जो सर्व संबंध एक बाप से ही रखते

प्रश्न 31- कौन ही रेसपान्सिबुल है अपने को गिराने और सबको गिराने ?

- A- देवी-देवतायें
- B- भारत
- C- हम ब्राह्मण
- D- A और C

प्रश्न 32- एक ही बाप है जो सदैव के लिए क्या बनाने आये हैं ?

- A- पद्म भाग्यशाली
- B- सौभाग्यशाली
- C- जीवन को सुखी
- D- माया से मुक्त

भाग (17) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *C. अर्थिक से*

विनाश के समय नैचुरल कैलेमिटीज भी आती है। विनाश तो होना ही है, कलियुग के बाद फिर सतयुग होगा। इतने सब शरीरों का विनाश तो होना ही है। सब कुछ प्रैक्टिकल में चाहिए ना। सिर्फ आंख खोलने से थोड़ेही हो सकता। *जब स्वर्ग गुम होता है तो उस समय भी अर्थिक आदि होती हैं।*

उत्तर 2- *A. ब्रह्मा*

सबसे जास्ती पार्ट कहेंगे विष्णु का। 84 जन्मों का विराट रूप भी विष्णु का दिखाते हैं, न कि ब्रह्मा का। विराट रूप विष्णु का ही बनाते हैं क्योंकि पहले-पहले प्रजापिता ब्रह्मा का नाम धरते हैं। ब्रह्मा का तो बहुत थोड़ा पार्ट है इसलिए विराट रूप विष्णु का दिखाते हैं। *ब्रह्मा का पार्ट भी बहुत थोड़ा है इस समय का।*

उत्तर 3- *A. ब्रह्मा की रचना*

सारे झाड़ का बीज रूप है शिवबाबा। उनकी रचना को सालिग्राम कहेंगे। *ब्रह्मा की रचना को ब्राह्मण-ब्राह्मणियां कहेंगे।* अब जितनी शिव की रचना है उतनी ब्रह्मा की नहीं। शिव की रचना तो बहुत है। सभी आत्मायें उनकी औलाद हैं। ब्रह्मा की रचना तो सिर्फ तुम ब्राह्मण ही बनते हो।

उत्तर 4- *D. जानवरों मिसल है*

सतयुग को कहा जाता है अशोक वाटिका। वहाँ कोई शोक होता नहीं। इस समय तो शोक ही शोक है। अशोक एक भी नहीं रहता। नाम तो रख देते हैं अशोका होटल। बाप कहते हैं सारी दुनिया इस समय बेहद की होटल ही समझो। *खान-पान मनुष्यों का जानवरों मिसल है।*

उत्तर 5- *A. शोक की होटल है*

तुमको अब रावण राज्य से बाप छुड़ाते हैं। यह है शोक वाटिका। सतयुग को कहा जाता है अशोक वाटिका। वहाँ कोई शोक होता नहीं। इस समय तो शोक ही शोक है। अशोक एक भी नहीं रहता। नाम तो रख देते हैं अशोका होटल। बाप *कहते हैं सारी दुनिया इस समय बेहद की होटल ही समझो। शोक की होटल है।*

उत्तर 6- *C. ज्ञान भक्ति वैराग्य*

बाप पूछते हैं मैं तुमको विषय सागर से निकाल पार ले जाता हूँ, फिर तुम विषय सागर में क्यों फँस जाते हो? भक्ति मार्ग में तुम्हारा यह हाल हुआ है। ज्ञान, भक्ति तुम्हारे लिए है। *संयासी लोग भी कहते हैं ज्ञान, भक्ति और वैराग्य।* परन्तु उनका अर्थ वह नहीं समझते। अब तुम्हारी बुद्धि में है ज्ञान, भक्ति बाद में वैराग्य।

उत्तर 7- *D. रुहानी स्नेह से*

यह मान देवे तो मैं मान दूँ-यह भी रॉयल भिखारीपन है, इसमें निष्काम योगी बनो। *रूहानी स्नेह की वर्षा से दुश्मन को भी दोस्त बना दो।* आपके सामने कोई पत्थर भी फेंकें तो भी आप उसे रत्न दो क्योंकि आप रत्नागर बाप के बच्चे हो।

उत्तर 8- *B. निमित्त और निर्माण*

स्तोत्र:- *विश्व का नव-निर्माण करने के लिए दो शब्द याद रखो - निमित्त और निर्माण।*

उत्तर 9- *B. साइलेन्स का बल जमा हो*

योगबल क्या चीज़ है, जिससे तुम विश्व पर विजय पाते हो और कोई थोड़ेही जानते। बोलो, साइंस तुम्हारा ही विनाश करती है। हमारा बाप के साथ योग है तो उस साइलेन्स के बल से हम विश्व पर जीत पाकर सत्प्रधान बन जाते हैं। *बाप के साथ ऐसा योग रखना है जिससे साइलेन्स का बल जमा हो।* साइलेन्स बल से विश्व पर जीत पानी है, पतित से पावन बनना है।

उत्तर 10- *D. A और B*

यह तो बहुत सहज समझने की बात है। तुम्हारे चित्र भी हैं, विराट रूप का चित्र भी बनाया है। 84 जन्मों की कहानी दिखाई है। हम सो देवता फिर क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र बनते हैं। यह कोई भी मनुष्य नहीं जानते *क्योंकि ब्राह्मण और ब्राह्मणों को पढ़ाने वाले बाप का, दोनों का नाम-निशान गुम कर दिया है।*

उत्तर 11- *C. फट से वह पढ़ाई छोड़कर आए भगवान से पढ़े। एक सेकण्ड में सब कुछ छोड़ बाप के पास पढ़ने आए।*

स्कूल में पढ़ने वाले जानते हैं टीचर आया। यहाँ कौन आया है? एकदम रोमांच खड़े हो जाने चाहिए। ऊँच ते ऊँच बाप फिर से पढ़ाने आये हैं। समझने की बात है ना! तकदीर की भी बात है। पढ़ाने वाला कौन है? भगवान। वह आकर पढ़ाते हैं। विवेक कहता है - *भल कोई

कितनी भी बड़े ते बड़ी पढ़ाई पढ़ता हो, फट से वह पढ़ाई छोड़कर आए भगवान से पढ़े। एक सेकण्ड में सब कुछ छोड़ बाप के पास पढ़ने आए।*

उत्तर 12- *A.मनमनाभव*

तुम जानते हो हम ऊंच ते ऊंच बाप के हैं। वह हमको डबल सिरताज राजाओं का राजा बनाते हैं। *लाइट का ताज मनमनाभव* और रतन जड़ित ताज मध्याजीभव। निश्चय हो जाता है हम इस पढ़ाई से विश्व का मालिक बनते हैं, 5 हजार वर्ष बाद हिस्ट्री रिपीट होती है ना। तुमको राजाई मिलती है।

उत्तर 13- *C.अपनी इच्छाएं कम करने से*

स्लोगन:- *अपनी इच्छाओं को कम कर दो तो समस्याएं कम हो जायेंगी।*

उत्तर 14- *D.इनमें से कोई नहीं*

बाप तो स्थापना और विनाश दोनों कराते हैं। होता है सब ड्रामा अनुसार ही। ब्रह्मा बोल सकते, विष्णु बोल सकते हैं? *सूक्ष्मवतन में क्या बोलेंगे। यह सब समझने की बातें हैं।* यहाँ तुम समझकर फिर ट्रांसफर होते हो, ऊपर क्लास में।

उत्तर 15- *D.हरिद्वार में*

बाप ब्रह्मा को भी एडाट करते हैं। नहीं तो शरीर वाली चीज़ आई कहाँ से। ब्राह्मण इन बातों को समझेंगे, संयासी नहीं समझेंगे। अजमेर में ब्राह्मण होते हैं और *हरिद्वार में संयासी ही संयासी हैं।* पण्डे ब्राह्मण होते हैं। परन्तु वह तो भूखे होते हैं। बोलो तुम अभी जिस्मानी पण्डे हो। अब रूहानी पण्डे बनो।

उत्तर 16- *C.शिवबाबा ऐसे समझाते हैं*

बाप ने समझाया है और धर्म स्थापक सिर्फ अपना धर्म स्थापन करने आते हैं, उनको पैगम्बर वा मैसेन्जर आदि कुछ भी नहीं कह सकते। यह भी बड़ा युक्ति से लिखना है। शिवबाबा बच्चों को समझा रहे हैं - बच्चे तो सब हैं ऑल ब्रदर्स। तो *हर एक चित्र में, हर एक लिखत में यह जरूर लिखना है - शिवबाबा ऐसे समझाते हैं।*

उत्तर 17- *D.सहजयोगी जीवन*

बाप का बच्चों से इतना प्यार है जो अमृतवेले से ही बच्चों की पालना करते हैं। दिन का आरम्भ ही कितना श्रेष्ठ होता है! स्वयं भगवन मिलन मनाने के लिये बुलाते हैं, रुहरिहान करते हैं, शक्तियाँ भरते हैं! बाप की मोहब्बत के गीत आपको उठाते हैं। कितना स्नेह से बुलाते हैं, उठाते हैं - मीठे बच्चे, प्यारे बच्चे, आओ.....। तो *इस प्यार की पालना का प्रैक्टिकल स्वरूप है 'सहज योगी जीवन'।*

उत्तर 18- *D.सिरमौर*

तुम्हारा भी नाम पण्डा है। पाण्डव सेना को भी समझते नहीं हैं। *बाबा है पाण्डवों का सिरमौर।* कहते हैं हे बच्चे मामेकम् याद करो तो विकर्म विनाश होंगे और चले जायेंगे अपने घर। फिर बड़ी यात्रा होगी अमरपुरी की। मूलवतन की कितनी बड़ी यात्रा होगी। सबकी सब आत्मायें जायेंगी।

उत्तर 19- *D.देह-अभिमान के*

तुम बच्चों को ही बाप ने आकर समझाया है, आत्मा का रियलाइजेशन दिया है। आगे यह पता नहीं था कि आत्मा क्या है, परमात्मा क्या है! इसलिए *देह-अभिमान के कारण बच्चों में मोह भी है, विकार भी बहुत हैं।* भारत कितना ऊंच था। विकार का नाम भी नहीं था। वह था वाइसलेस भारत, अभी है विशास भारत।

उत्तर 20- *C.जो बाप की याद में रहते हैं*

मीठे बच्चे - कदम-कदम पर जो होता है वह कल्याणकारी है, *इस ड्रामा में सबसे अधिक कल्याण उनका होता है जो बाप की याद में रहते हैं।* एक-एक दिन जास्ती कल्याणकारी उनका है जो बाप को अच्छी रीति याद कर अपना भी कल्याण करते रहते हैं। यह है ही कल्याणकारी पुरुषोत्तम बनने का युग।

उत्तर 21- *A.रमेश भाई*

इन्द्रप्रस्थ की कहानी भी है ना। नीलम परी, पुखराज परी नाम है ना। तुम्हारे में भी कोई हीरे जैसा रत्न है। *देखो रमेश ने ऐसी बात निकाली प्रदर्शनी की जो सबका विचार सागर मंथन हुआ।* तो हीरे जैसा काम किया ना। कोई पुखराज है, कोई क्या है! कोई तो बिल्कुल कुछ नहीं जानते।

उत्तर 22- *B.जो काम पर जीत पाएंगे वही जगतजीत बनेंगे*

बाबा कहते हैं बच्चे तुम मुझे याद करो तो तुम्हारे विकर्म विनाश हो जायेंगे। तुम्हें विकारों पर जीत पानी है। *बाप ने ऑर्डिनेन्स निकाला है, जो काम पर जीत पायेंगे वही जगतजीत बनेंगे।* पीछे आधाकल्प बाद फिर वाम मार्ग में गिरते हैं। उन्हीं के भी चित्र हैं। शक्ल देवताओं की बनी हुई है। राम राज्य और रावण राज्य आधा-आधा है।

उत्तर 23- *C.मनमनाभव स्थिति में स्थित होना*

हृद की कामनाओं से परे निष्काम सेवा करना - इसको कहा जाता है ईश्वरीय वा रूहानी सेवा। *मुख के साथ मन द्वारा सेवा करना

अर्थात् मनमनाभव स्थिति में स्थित होना।*

उत्तर 24- *B. सेवा*

ब्राह्मण जीवन सेवा का जीवन है। *माया से जिंदा रखने का श्रेष्ठ साधन सेवा है।* सेवा योगयुक्त बनाती है लेकिन सिर्फ मुख की सेवा नहीं, सुने हुए मधुर बोल का स्वरूप बन सेवा करना, निःस्वार्थ सेवा करना, त्याग, तपस्या स्वरूप से सेवा करना, हृद की कामनाओं से परे निष्काम सेवा करना - इसको कहा जाता है ईश्वरीय वा रूहानी सेवा।

उत्तर 25- *B. हर बात प्रभु अर्पण कर दो तो*

स्लोगन:- *हर बात प्रभु अर्पण कर दो तो आने वाली मुश्किलों सहज अनुभव होंगी।*

उत्तर 26- *D. सबको इस झूठखण्ड से निकाल सचखण्ड में चलने के लायक बनाना है*

गाया भी जाता है सतगुरु तारे, बाप को कहा जाता है सचखण्ड की स्थापना करने वाला सच्चा बाबा। झूठ खण्ड स्थापन करने वाला है रावण। *बाप के समान टीचर बनना है, बड़ी युक्ति से सबको इस झूठखण्ड से निकाल सचखण्ड में चलने के लायक बनाना है।*

उत्तर 27- *A. सदा ऊंची रूहानी सेवा करना*

सर्वोत्तम कुल वाले बच्चों का मुख्य कर्तव्य है सदा ऊंची रूहानी सेवा करना। यहाँ बैठे वा चलते-फिरते खास भारत और आम सारे विश्व को पावन बनाना, तुम बच्चे सर्वोत्तम ऊंच कुल वाले हो। ऊंच रूहानी सेवा करते हो। यहाँ बैठे वा चलते फिरते तुम भारत की खास और विश्व की आम सेवा करते हो। विश्व को तुम पवित्र बनाते हो। तुम ही बाप के मददगार।

उत्तर 28- *B. नॉलेज से*

बाकी थोड़ा टाइम है पढ़ाई का। जरूर अनेक धर्मों का विनाश होने बाद श्रीकृष्ण का जन्म हुआ होगा। सो भी एक श्रीकृष्ण तो नहीं, सारी श्रीकृष्णपुरी होगी। यह ब्राह्मण ही हैं जो फिर यह राजयोग सीख देवता पद पायेंगे। *देवतायें बनते ही हैं नॉलेज से।* बाप आकर मनुष्य से देवता बनाते हैं - पढ़ाई से।

उत्तर 29- *A. याद में रहने का खूब पुरुषार्थ करो*

मीठे बच्चे - *अपनी सतोप्रधान तकदीर बनाने के लिए याद में रहने का खूब पुरुषार्थ करो,* सदा याद रहे मैं आत्मा हूँ, बाप से पूरा वर्सा लेना है।

उत्तर 30- *C. जो बच्चे यह दृढ़ संकल्प करते हैं कि एक बाप दूसरा न कोई*

जो बच्चे यह दृढ़ संकल्प करते हैं कि एक बाप दूसरा न कोई.....उनकी स्थिति स्वतः और सहज एकरस हो जाती है। इसी दृढ़ संकल्प से सर्व सम्बन्धों की अविनाशी तार जुड़ जाती है और उन्हें सदा अविनाशी भव, अमर भव का वरदान मिल जाता है। दृढ़ संकल्प करने से पुरुषार्थ में भी विशेष रूप से लिफ्ट मिलती है।

उत्तर 31- *B. भारत*

विलायत वाले भी सर्वव्यापी कहना भारतवासियों से सीखे हैं। भारत गिरा है, तो सब गिरे हैं। *भारत ही रेसपान्सिबल है अपने को गिराने और सबको गिराने।* बाप कहते हैं मैं भी यहाँ ही आकर भारत को स्वर्ग सचखण्ड बनाता हूँ। ऐसा स्वर्ग बनाने वाले की कितनी ग्लानि कर दी है।

उत्तर 32- *C. जीवन को सुखी*

मनुष्य ओम् का वा कृष्ण आदि का चित्र भी लगाते हैं याद के लिए। यह तो है नये ते नई याद। यह सिर्फ बेहद का बाप ही समझाते हैं। इस समझने से तुम सौभाग्यशाली तो क्या पदम भाग्यशाली बनते हो। बाप को न जानने कारण, याद न करने कारण कंगाल बन गये हैं। *एक ही बाप है जो सदैव के लिए जीवन को सुखी बनाने आये हैं।*

भाग - (18)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- तुम्हारा है सबसे मुख्य पार्ट -

- A- तुम सबको ईश्वर का बनाते हो
- B- देवता बनने का रास्ता बताते हो
- C- बाप के साथ, जो तुम पुरानी दुनिया को नई बनाते हो
- D- तुम ही 84 जन्म लेते हो

प्रश्न 2- सर्वोत्तम पुरुषार्थ अर्थात् -

- A- आलराउंड सेवा धारी
- B- जो अनेकों को आप समान बनाते
- C- जिनका सोचना बोलना करना एक समान हो
- D- अष्ट रत्न में आने वाले

प्रश्न 3- आत्मा को सतो प्रधान बनाने के लिए -

- A- हर संकल्प श्रेष्ठ हो
- B- पढ़ाई कभी भी मिस न हो
- C- देही अभिमानी बनने का पूरा पूरा पुरुषार्थ करो
- D- पवित्र बन पक्का वैष्णव बनना है

प्रश्न 4- धर्म-स्थापक के बारे में सत्य नहीं है -

- A- विनाश नहीं करते हैं
- B- गुरू भी नहीं हैं
- C- सद्रति दाता भी नहीं है
- D- ज्ञान दाता है

प्रश्न 5- बाप बैठ समझाते हैं - अखिर वह दिन आया आज। कौन-सा दिन ?

- A- पुरुषोत्तम संगमयुग का
- B- जो बाप आया है पढ़ाने
- C- पतित से पावन बनने का
- D- A और B
- E- A, B और C

प्रश्न 6- हर एक मनुष्य क्या पसन्द करते हैं ?

- A- सुख-शान्ति
- B- मान सम्मान
- C- धन वैभव
- D- सन्तुष्टि खुशी

प्रश्न 7- अन्दर में नशा रहना चाहिए-

- A- हम शिवबाबा के साथ आये हैं दैवी राज्य स्थापन करने
- B- हम ही विश्व के मालिक थे
- C- अब हम अपने घर जायेंगे
- D- मुझे भगवान ने पसन्द किया है

प्रश्न 8- कहाँ हर एक की सेफ्टी है ?

- A- स्वर्ग में
- B- अभी यहाँ
- C- घर में
- D- शान्तिधाम

प्रश्न 9- तुम अपने को आत्मा समझ शिवबाबा के बनते हो, इसको क्या कहा जाता है ?

- A- आत्म अभिमानी
- B- जीते जी मरना
- C- बेहद का संन्यास
- D- ट्रस्टी बन रहना

प्रश्न 10- बेहद के बाप से क्या नसीब होता है ?

- A- भाग्य
- B- स्वर्ग (बहिश्त)
- C- सुख
- D- धन

प्रश्न 11- बहुत तेज तूफान है -

- A- काम महाशत्रु का
- B- देह अभिमान का
- C- मैपन का
- D- लोभ का

प्रश्न 12- सेवा में निमित्त बनना अर्थात् -

- A- दुआओं के पात्र बनना
- B- अविनाशी खुशी मिलना

- C- बाप के मददगार बनना
- D- स्टेज पर आना

प्रश्न 13- भगवान विश्व का मालिक बनाने के लिए पढ़ाते हैं, ऐसी पढ़ाई को छोड़ दे तो उनको कहा जाता है ...

- A- संशय बुद्धि
- B- पत्थरबुद्धि
- C- महामूर्ख
- D- नास्तिक

प्रश्न 14- वर्तमान समय भटकती हुई आत्माओं को क्या चाहिए ?

- A- शान्ति चाहिए
- B- रूहानी स्नेह
- C- सुख चाहिए
- D- A और B
- E- A , B और C

प्रश्न 15- बाप कहते हैं अपने को आत्मा समझो और -

- A- आत्मा भाई को ज्ञान सुनाओ
- B- पढ़ाई पढ़ो
- C- मुरली सुनो
- D- बाप को याद करो। स्वदर्शन चक्र फिराते रहो

प्रश्न 16- मुरली कैसे सुनो ?

- A- गाडली स्टूडेंट्स की स्मृति में
- B- ज्ञान को बुद्धि में धारण कर
- C- आत्मा समझ कर
- D- तुम सुनाने वाली टीचर के नाम-रूप को न देख, बाप की याद में रहो

प्रश्न 17- याद में कब रह सकेंगे -

- A- अटेन्शन रखने से
- B- चार्ट रखने से
- C- पवित्र रहने से
- D- आत्मिक स्थिति के अभ्यास से

प्रश्न 18- सद्गति के स्थान हैं -

- A- मुक्तिधाम
- B- जीवन मुक्तिधाम
- C- मधुबन
- D- A और B
- E- A, B और C

प्रश्न 19- तुमको बाप कहते हैं शरीर छूटे तो -

- A- स्वदर्शन चक्रधारी हो
- B- बुद्धि में बाप और चक्र याद हो
- C- बस हम तो बाबा के बन गये, दूसरा न कोई।
- D- उपर्युक्त सभी

प्रश्न 20- किस की पूजा 12 मास में एक बार करते हैं ?

- A- लक्ष्मी
- B- जगत अम्बा
- C- सालिग्राम
- D- श्री कृष्ण

प्रश्न 21- शादी को जैसे कि अच्छा शुभ कार्य समझते हैं। जहन्नुम में जाने का भी दिन मनाते हैं। जहन्नुम अर्थात्-

- A- नर्क
- B- कलियुग
- C- विकारी दुनिया
- D- पुरानी दुनिया

प्रश्न 22- पुरुषोत्तम युग है -

- A- सतयुग
- B- संगमयुग
- C- त्रेता युग
- D- A और B
- E- A, B और C

प्रश्न 23- बाप को अपना चोला तो है नहीं, इसलिए क्या कहा जाता है ?

- A- बिन्दी
- B- ज्योतिर्लिंग
- C- निराकार गोंड फादर
- D- शिव बाबा

प्रश्न 24- सम्पूर्ण शान्ति कहाँ होती है ?

- A- निर्वाण धाम में
- B- त्रेतायुग में
- C- सतयुग में
- D- A और C

प्रश्न 25- सदा स्मृति रखनी है कि हम-

- A- हम आत्मा हैं
- B- अब घर जाना है
- C- ईश्वरीय सन्तान हैं
- D- बेहद के वैरागी हैं

प्रश्न 26- तुम्हें कभी अशान्त नहीं होना चाहिए क्योंकि -

- A- तुम शांति के सागर की संतान हो
- B- आत्माओं का स्वधर्म शान्ति है
- C- तुम विश्व में शान्ति स्थापन करने के निमित्त हो
- D- शान्ति तुम्हारे गले का हार है

प्रश्न 27- बाप का मुख्य फरमान है -

- A- अमृतवेले उठकर बाप को याद करो
- B- बाप कहते हैं सिर्फ अपने स्वधर्म में टिको
- C- विचार सागर मंथन तुमको करना है
- D- पावन जरूर बनना है

प्रश्न 28- कपूत बच्चे जा कर -

- A- भरी ढोयेंगे
- B- झाड़ू लगायेंगे
- C- प्रजा में नौकर चाकर बनेंगे
- D- दास दासी बनेंगे

प्रश्न 29- सही महावाक्य पहचानिए ?

- A- तुमने ही 84 का चक्र लगाया है
- B- सब सूर्यवंशी भी 84 जन्म का चक्र लगाते हैं
- C- सतयुग में है डीटी डिनायस्टी रावण राज्य में फिर है आसुरी डिनायस्टी
- D- A और C

प्रश्न 30- कौन सा पक्का अभ्यास चाहिए ?

- A- एक बाप दूसरा न कोई
- B- हम आत्मा हैं, इस शरीर द्वारा पार्ट बजाते हैं
- C- सब आसुरी आदतें मिटानी हैं
- D- बाप को याद करो। स्वदर्शन चक्र फिराते रहो

प्रश्न 31- यहाँ विकार में गया तो -

- A- सौ गुना दण्ड पड़ जाएगा
- B- पद भ्रष्ट होगा
- C- धारणा नहीं होगी
- D- ब्राह्मण नहीं ठहरा

प्रश्न 32- जहां भय है वहाँ -

- A- शांति नहीं हो सकती
- B- सुख नहीं हो सकता
- C- चैन नहीं हो सकता
- D- खुशी नहीं हो सकती

भाग (18) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *C. बाप के साथ, जो तुम पुरानी दुनिया को नई बनाते हो*

यह बेहद का ड्रामा है। *तुम्हारा है सबसे मुख्य पार्ट बाप के साथ, जो तुम पुरानी दुनिया को नई बनाते हो।* यह है पुरुषोत्तम संगम युग। अब तुम सुखधाम के मालिक बनते हो। वहाँ दुःख का नाम-निशान नहीं होगा। बाप है ही दुःख हर्ता, सुख कर्ता। दुःख से आकर लिबरेट करते हैं।

उत्तर 2- *C. जिनका सोचना बोलना करना एक समान हो*

स्लोगन:- *सोचना-बोलना और करना तीनों को एक समान बनाओ - तब कहेंगे सर्वोत्तम पुरुषार्थी।*

उत्तर 3- *C. देह-अभिमानी बनने का पूरा पुरुषार्थ करो*

पहले तो वह श्रीमत देते हैं श्रेष्ठ ते श्रेष्ठ बनाने के लिए। तो मत पर चलना चाहिए ना। पहली-पहली मत देते हैं - देही-अभिमानी बनो। श्री श्री की श्रेष्ठ मत पर पूरा-पूरा चलना है। *आत्मा को सतोप्रधान बनाने के लिए देही-अभिमानी बनने का पूरा-पूरा पुरुषार्थ करना है।*

उत्तर 4- *D. ज्ञान दाता हैं*

यहाँ इन अनेक धर्मों का कितना घमसान है। बाप कहते हैं इन सबको मैं खलास कर देता हूँ। सबका विनाश होना है और धर्म-स्थापक विनाश नहीं करते हैं। वह सद्गति देने वाले गुरु भी नहीं हैं। *सद्गति ज्ञान से ही होती है। सर्व का सद्गति दाता ज्ञान-सागर बाप ही है।* यह अक्षर अच्छी रीति नोट करो।

उत्तर 5- *D. A और B*

आखिर वह दिन आया आज। कौन-सा दिन? पुरुषोत्तम संगमयुग का। जिसका कोई को पता नहीं है। *आखरीन वह दिन आया जो बाप आया है पढ़ाने।* वही पतित-पावन है। तो ऐसे बाप की श्रीमत पर चलना चाहिए ना। अभी है कलियुग का अन्त। थोड़ा टाइम भी चाहिए ना, पावन बनने के लिए।

उत्तर 6- *A. सुख शान्ति*

कहते हैं बाबा दुःख हरकर सुख दो। *हर एक मनुष्य सुख-शान्ति ही पसन्द करते हैं।* बाप है भी गरीब निवाज़। इस समय भारत बिल्कुल गरीब है। बच्चे जानते हैं हम बिल्कुल साहूकार थे। यह भी तुम ब्राह्मण बच्चे जानते हो, बाकी तो सब जंगल में हैं। तुम बच्चों को भी नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार निश्चय है।

उत्तर 7- *A. हम शिवबाबा के साथ आये हैं दैवी राज्य स्थापन करने*

तुम भी समझो हम बाप के साथ दूरदेश से आये हैं। बाप आये ही हैं नई दुनिया स्थापन करने। तुम भी कर रहे हो। जो स्थापना करेंगे वह पालना भी करेंगे। *अन्दर में नशा रहना चाहिए - हम शिवबाबा के साथ आये हैं दैवी राज्य स्थापन करने,* सारे विश्व को स्वर्ग बनाने।

उत्तर 8- *A. स्वर्ग में*

बेहद के बाप को बच्चों का फुरना रहता है। कितने सेन्टर्स हैं, किस बच्चे को कहाँ भेजना है जो सेप्टी में रहें। आजकल सेप्टी भी मुश्किल है। दुनिया में कोई भी सेप्टी नहीं है। *स्वर्ग में तो हर एक की सेप्टी है।* यहाँ कोई की सेप्टी नहीं है। कहाँ न कहाँ विकारों रूपी माया के चम्बे में फंस पड़ते हैं।

उत्तर 9- *B. जीते जी मरना*

जीते जी मरना है, सारी दुनिया को भूल जाना है। *तुम अपने को आत्मा समझ शिवबाबा के बनते हो, इसको जीते जी मरना कहा जाता है।* देह सहित देह के सब सम्बन्ध छोड़ अपने को आत्मा समझ शिवबाबा का बन जाना है। शिवबाबा को ही याद करते रहना है क्योंकि पापों का बोझा सिर पर बहुत है।

उत्तर 10- *B. स्वर्ग (बहिश्त)*

नये को पहले-पहले एक हद के, दूसरा बेहद के बाप का परिचय देना है। *बेहद के बाप से स्वर्ग (बहिश्त) नसीब होता है।* हद के बाप से दोज़क (नर्क) नसीब होता है। बच्चा जब बालिग बनता है तो प्रापर्टी का हकदार बनता है। जब समझ आती है फिर धीरे-धीरे माया के अधीन बन पड़ते हैं। वह सब है रावण राज्य (विकारी दुनिया) की रस्म रिवाज़।

उत्तर 11- *A.काम महाशत्रु का*

तुम जानते हो हमको इस मायावी दुनिया से पार जाना है। सबसे पहले नम्बर में तूफान आता है देह-अभिमान का। वह है सबसे बुरा, इसने ही सबको पतित बनाया है। *तब तो बाप कहते हैं काम महाशत्रु है। यह जैसे बहुत तेज़ तूफान है।* कोई तो इन पर जीत पाये हुए भी हैं।

उत्तर 12- *D.स्टेज पर आना*

निमित्त भाव से अनेक प्रकार का मैं पन, मेरा पन सहज ही खत्म हो जाता है। यह स्मृति सर्व प्रकार की हलचल से छुड़ाकर अचल-अडोल स्थिति का अनुभव कराती है। सेवा में भी मेहनत नहीं करनी पड़ती। क्योंकि निमित्त बनने वालों की बुद्धि में सदा याद रहता है कि जो हम करेंगे हमें देख सब करेंगे। *सेवा के निमित्त बनना अर्थात् स्टेज पर आना।*

उत्तर 13- *C.महामूर्ख*

बाप आकर घोर अन्धियारे से घोर सोझरा करते हैं। फिर भी कोई-कोई बाबा कहकर फिर मुँह मोड़ देते हैं। पढ़ाई छोड़ देते हैं। भगवान विश्व का मालिक बनाने के लिए पढ़ाते हैं, *ऐसी पढ़ाई को छोड़ दे तो उनको कहा जाता है महामूर्ख।* कितना जबरदस्त खज़ाना मिलता है। ऐसे बाप को थोड़ेही कभी छोड़ना चाहिए।

उत्तर 14- *D. A और B*

वर्तमान समय भटकती हुई आत्माओं को एक तो शान्ति चाहिए, दूसरा रूहानी स्नेह चाहिए। प्रेम और शान्ति का ही सब जगह अभाव है इसलिए जो भी प्रोग्राम करो उसमें पहले तो बाप के सम्बन्ध के स्नेह की महिमा करो और फिर उस प्यार से आत्माओं का सम्बन्ध जोड़ने के बाद शान्ति का अनुभव कराओ। प्रेम स्वरूप और शान्त स्वरूप दोनों का बैलेन्स हो।

उत्तर 15- *D.बाप को याद करो। स्वदर्शन चक्र फिराते रहो*

बाप कहते हैं अपने को आत्मा समझो और बाप को याद करो। स्वदर्शन चक्र फिराते रहो। स्वदर्शन चक्रधारी तुम ब्राह्मण हो। यह बातें नया कोई आये तो समझ न सके। तुम हो सर्वोत्तम ब्रह्मा मुख वंशावली ब्राह्मण कुल भूषण, स्वदर्शन चक्रधारी।

उत्तर 16- *D.तुम सुनाने वाली टीचर के नाम-रूप को न देख बाप की याद में रह मुरली सुनो*

कई बच्चों में अहंकार आता है कि यह छोटी-छोटी बालकियाँ हमें क्या समझायेगी। बड़ी बहन चली गई तो रूठकर क्लास में आना बंद कर देंगे। यह हैं माया के विघ्न। *बाबा कहते - बच्चे, तुम सुनाने वाली टीचर के नाम-रूप को न देख, बाप की याद में रह मुरली सुनो।* अहंकार में मत आओ।

उत्तर 17- *C.पवित्र रहने से*

जितना हो सके कैसे भी याद करना है तब ही सतोप्रधान, 16 कला बनेंगे। पवित्रता के साथ याद की यात्रा भी चाहिए। *पवित्र रहने से ही याद में रह सकेंगे।* यह प्वाइंट अच्छी रीति धारण करो। बाप कितना निरहंकारी है। आगे चल तुम्हारे चरणों में सब झुकेंगे। कहेंगे बरोबर यह मातायें स्वर्ग का द्वार खोलती हैं।

उत्तर 18- *D. A और B*

ज्ञान से ही मनुष्य की सद्गति होती है। *सद्गति के स्थान हैं दो - मुक्तिधाम और जीवनमुक्तिधाम।* अभी तुम बच्चे जानते हो यह राजधानी स्थापन हो रही है, परन्तु गुप्त। बाप ही आकर आदि सनातन देवी-देवता धर्म की स्थापना करते हैं, तो सब अपने-अपने मनुष्य चोले में आते हैं। बाप को अपना चोला तो है नहीं, इसलिए इनको निराकार गॉड फादर कहा जाता है।

उत्तर 19- *D.उपरोक्त सभी*

तुमको बाप कहते हैं शरीर छूटे तो भी स्वदर्शन चक्रधारी हो। बुद्धि में बाप और चक्र याद हो। सो जरूर जब पुरुषार्थ करते रहेंगे तब तो अन्तकाल याद आयेगी। अगर पक्का निश्चय बुद्धि है तो। *बस हम तो बाबा के बन गये, दूसरा न कोई* फिर अन्त मती सो गति हो जायेगी।

उत्तर 20- *A.लक्ष्मी*

पहले शिवबाबा की अव्यभिचारी भक्ति चलती है। फिर देवताओं की मूर्तियाँ बनाते हैं। उनके फिर बड़े-बड़े चित्र बनाते हैं। फिर पाण्डवों के बड़े-बड़े चित्र बनाते हैं। यह सब पूजा के लिए चित्र बनाते हैं। *लक्ष्मी की पूजा 12 मास में एक बार करते हैं।* जगत अम्बा की पूजा रोज़ करते रहते हैं। यह भी बाबा ने समझाया है तुम्हारी डबल पूजा होती है।

उत्तर 21- *A.नर्क*

ऐसे नहीं, ईश्वरीय जन्म मनाकर फिर जाए आसुरी जन्म में पड़े। ऐसा भी होता है। ईश्वरीय जन्म मनाते-मनाते फिर रफू-चक्कर हो जाते हैं। आजकल तो मैरेज डे भी मनाते हैं, शादी को जैसे कि अच्छा शुभ कार्य समझते हैं। *जहन्नुम अर्थात् नर्क में जाने का भी दिन मनाते हैं।*

उत्तर 22- *D. A और B*

रूहानी बाप को भी एक ही बार पुरुषोत्तम संगमयुग पर शरीर लेना पड़ता है। *यह संगमयुग भी है, इनको पुरुषोत्तम युग भी कहेंगे* क्योंकि इस संगमयुग के बाद फिर सतयुग आता है। *सतयुग को भी पुरुषोत्तम युग कहेंगे।* बाप आकर स्थापना भी पुरुषोत्तम युग की करते हैं। संगमयुग पर आते हैं तो जरूर वह भी पुरुषोत्तम युग हुआ। यहाँ ही बच्चों को पुरुषोत्तम बनाते हैं।

उत्तर 23- *C.निराकार गॉड फादर*

बाप को अपना चोला तो है नहीं, इसलिए इनको निराकार गॉड फादर कहा जाता है। बाकी सब हैं साकारी। इनको कहा जाता है इनकारपोरियल गॉड फादर, इनकारपोरियल आत्माओं का। तुम आत्मार्थे भी वहाँ रहती हो। बाप भी वहाँ रहते हैं। परन्तु है गुप्त।

उत्तर 24- *C.सतयुग में*

शान्ति तब है जब एक धर्म है। जो धर्म बाप स्थापन करते हैं। बाद में जब और-और धर्म आते हैं तो अशान्ति होती है। *सम्पूर्ण शान्ति सतयुग में होती है।* 25 परसेन्ट पुरानी सृष्टि होगी तो कुछ न कुछ खिट-खिट होगी। दो कला कम होने से शोभा कम हो गई। स्वर्ग में बिल्कुल शान्ति, नर्क में है बिल्कुल अशान्ति।

उत्तर 25- *C.ईश्वरीय सन्तान हैं*

सदा स्मृति रखनी है कि हम हैं ईश्वरीय सन्तान। हमें क्षीरखण्ड होकर रहना है। किसी को भी दुःख नहीं देना है। सतयुग में क्षीरखण्ड होते हैं, यहाँ क्षीरखण्ड होना तुम सीखते हो तो बहुत प्यार से रहना चाहिए।

उत्तर 26- C.*तुम विश्व में शान्ति स्थापन करने के निमित्त हो*

मीठे बच्चे - *तुम विश्व में शान्ति स्थापन करने के निमित्त हो, इसलिए तुम्हें कभी अशान्त नहीं होना चाहिए।* शान्ति और अशान्ति की बात यहाँ विश्व पर ही होती है। वह तो है ही निर्वाणधाम, जहाँ शान्ति-अशान्ति का प्रश्न ही नहीं उठ सकता है।

उत्तर 27- *A.अमृतवेले उठकर बाप को याद करो*

बाप का मुख्य फरमान है कि बच्चे अमृतवेले (सवेरे) उठकर बाप को याद करो, इस मुख्य फरमान को पालन करते हैं, सवेरे-सवेरे स्नान आदि कर फ्रेश हो मुकरर टाइम पर याद की यात्रा में रहते हैं, बाबा उन्हें सपूत वा फरमानबरदार कहते हैं, वही जाकर राजा बनेंगे।

उत्तर 28- *B.झाड़ू लगायेंगे*

जो स्नान आदि कर फ्रेश हो आयें फिर भी टाइम पर नहीं आते तो उनको फरमानबरदार नहीं कह सकते हैं। लौकिक बाप को भी सपूत और कपूत बच्चे होते हैं ना। बेहद के बाप को भी होते हैं। सपूत जाकर राजा बनेंगे, *कपूत जाकर झाड़ू लगायेंगे।* मालूम तो सब पड़ जाता है ना।

उत्तर 29- *D. A और C*

बाप कहते हैं तुम दैवी धर्म के हो ना। *तुमने ही 84 का चक्र लगाया है।* सब सूर्यवंशी भी 84 जन्म थोड़े ही लेते हैं। पीछे आते रहते हैं ना। नहीं तो फट से सभी आ जाएं। इस समय तुम बच्चे ही सारे सृष्टि के राज को जानते हो। *सतयुग में है डीटी डिनायस्टी। रावण राज्य में फिर है आसुरी डिनायस्टी।*

उत्तर 30- *B.हम आत्मा हैं, इस शरीर द्वारा पार्ट बजाते हैं*

इस समय सब पुरुषार्थी हैं। नीचे-ऊपर होते रहते हैं। मुख्य आंखों की ही बात है। *हम आत्मा हैं, इस शरीर द्वारा पार्ट बजाते हैं - यह पक्का अभ्यास चाहिए।* जब तक रावण राज्य है, तब तक युद्ध चलता रहेगा। पिछाड़ी में कर्मातीत अवस्था होगी। आगे चलकर तुमको फीलिंग आयेगी, समझते जायेंगे।

उत्तर 31- *D.ब्राह्मण नहीं ठहरा*

ब्राह्मण तो कोई सच्चे भी हैं, तो झूठे भी हैं। आज सच्चे हैं, कल झूठे बन जाते हैं। *विकार में गया तो ब्राह्मण नहीं ठहरा।* फिर शूद्र का शूद्र हो गया। आज प्रतिज्ञा करते कल विकार में गिर असुर बन जाते हैं। अब यह बातें कहाँ तक बैठ समझायें। इनसे पेट तो नहीं भरेगा वा मुख मीठा नहीं होगा।

उत्तर 32- *A.शांति नहीं हो सकती*

जहाँ भय है वहाँ शान्ति नहीं हो सकती। तो सुख के साथ यह दुख अशान्ति के कारण भी हैं ही। लेकिन आप सर्व शक्तियों के खजाने से सम्पन्न मास्टर सर्वशक्तिमान बच्चे दुखों के कारण का निवारण करने वाले, हर समस्या का समाधान करने वाले समाधान स्वरूप हो इसलिए चिंता और भय से मुक्त हो।

भाग - (19)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- याद की यात्रा से -

- A- बन्धन कटते जायेंगे
- B- पाप का घड़ा खत्म हो जायेगा
- C- विकर्म विनाश होंगे
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 2- अपने रजिस्टर को ठीक रखने के लिए बाप ने तुम्हें कौन सा रास्ता बताया है ?

- A- अब कोई भी विकर्म मत करो
- B- प्यार का ही रास्ता
- C- गफलत मत करो
- D- चार्ट रखो

प्रश्न 3- कैसे पुण्य आत्मा बन जायेंगे ?

- A- दिव्य गुणों की धारणा से
- B- मायाजीत बनने से
- C- बाप को याद करने से
- D- देही अभिमानी रहने से

प्रश्न 4- सफलता का आधार है -

- A- दृढ़ संकल्प
- B- अटल निश्चय
- C- त्याग और तपस्या
- D- करन करावनहार की स्मृति

प्रश्न 5- तुम्हारी प्रतिज्ञा है कि -

- A- जब आप आँगे हम आप पर वारि जाएंगे
- B- पवित्र बनेंगे
- C- भारत को स्वर्ग बनायेंगे
- D- जब तक हम पावन नहीं बने हैं, तब तक बाप को याद करते रहेंगे

प्रश्न 6- सयाने बच्चे समय को देखते हुए कौन - सा पुरुषार्थ करेंगे ?

- A- विकर्म विनाश करने का
- B- पुरानी खाल से ममत्व निकालते जाओ
- C- अन्त में जब शरीर छूटे तो बस एक बाबा की ही याद रहे
- D- योग बल जमा करने का

प्रश्न 7- क्या बहादुरी का काम है ?

- A- ड्रामा के हर सीन पर पूरा निश्चय हो
- B- गृहस्थ व्यवहार में रह पवित्र बनना
- C- विश्व का मालिक बनना
- D- शिव बाबा पर अपना सब-कुछ अर्पण करना

प्रश्न 8- सदा यही लक्ष्य रहे कि -

- A- हर कदम बाप के फरमान पर चलना है
- B- फर्स्ट डिवीजन में आना है
- C- हर आत्मा के प्रति सदा उपकार अर्थात् शुभ कामना रखनी है
- D- बहुत काल से निर्विघ्न स्थिति का अनुभव अवश्य करना है

प्रश्न 9- व्यक्तियों को तो मुख का कोर्स करा लेते हो लेकिन प्रकृति को बदलने के लिए -

- A- शान्ति की शक्ति अर्थात् योगबल ही चाहिए
- B- योग को ज्वाला रूप बनाओ
- C- पवित्रता का अभ्यास करो
- D- आत्मिक स्थिति का

प्रश्न 10- सब मस्जिदों की फिर एक बड़ी मस्जिद होती है - वहाँ जाते हैं ईद मुबारक देने। अब मुबारक तो यह है -

- A- जब हम सब दुःखों से छूट सुखधाम में जायें
- B- अलौकिक जन्मदिन की
- C- नवयुग की
- D- भगवान से मिलने की

प्रश्न 11- तुम्हें यही चिन्ता रहे कि -

- A- कैसे सबको बाबा का पैगाम दें
- B- पुरुषार्थ कर ऊँचे पद कैसे पायें
- C- हम कैसे सबको सुखधाम का रास्ता बतायें
- D- गीता का भगवान कैसे सिद्ध करें

प्रश्न 12- सर्व बंधनों से मुक्त होने के लिए -

- A- बस बाप और आप
- B- इच्छा मात्रम् अविद्या हो
- C- देह के नातों से नष्टोमोहा बनो
- D- बेहद के वैरागी बनो

प्रश्न 13- सर्व की मुबारकें प्राप्त करने के लिए क्या पुरुषार्थ करना है ?

- A- संपूर्ण पावन बनने का
- B- दिव्य गुण धारण करने का
- C- बाप समान बनने का
- D- विजय माला का दाना बनने का

प्रश्न 14- समस्याएं भी मनोरंजन का खेल अनुभव होंगी -

- A- डबल लाइट रहने से
- B- स्वस्थिति में स्थित होने से
- C- निश्चय बुद्धि बनने से
- D- नाँलेजफुल बनने से

प्रश्न 15- एक बाप दूसरा न कोई यह गायन है -

- A- लवलीन आत्माओं की स्थिति का
- B- स्नेही आत्माओं की स्थिति का
- C- कर्म योगी आत्माओं की स्थिति का
- D- श्रेष्ठ स्वमानधारी आत्माओं का

प्रश्न 16- समय प्रमाण अब सभी ब्राह्मण आत्माओं को समीप लाते हुए -

- A- अव्यक्त वायुमंडल बनाओ
- B- शक्तिशाली वायुमंडल बनाओ
- C- ज्वाला स्वरूप वायुमंडल बनाओ
- D- निर्विघ्न वायुमंडल बनाओ

प्रश्न 17- गायन भी है अन्तकाल जो स्त्री सिमरे.... बाप कहते हैं जो मुझे याद करेंगे तो मेरे को पायेंगे। नहीं तो बहुत- बहुत सज़ायें खाकर कहाँ आयेंगे ?

- A- त्रेतायुग
- B- द्वापर युग
- C- सतयुग में दास-दासी
- D- त्रेता के अंत में

प्रश्न 18- पहले-पहले तो समझाओ -

- A- तुम्हारे दो बाप हैं
- B- तुम आत्मा हो, देह नहीं
- C- यह ज्ञान परमात्मा द्वारा दिया गया है
- D- सतयुग की स्थापना हो रही है

प्रश्न 19- इस ऊंची पढ़ाई में पास होने के लिए मुख्य शिक्षा कौन-सी मिलती है ?

- A- जो पढ़ा है वह औरों को पढ़ाओ
- B- आंखें बहुत-बहुत पवित्र होनी चाहिए
- C- भाई-बहिन की दृष्टि चाहिए
- D- पढ़ाई कभी मिस नहीं करनी है

प्रश्न 20- तुम्हारा भी नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार बुद्धि का ताला खुला है क्योंकि ?

- A- कर्मेन्द्रियों की चंचलता बहुत है
- B- सब यथार्थ रीति बाप को याद नहीं करते हैं
- C- विकर्म का खाता बहुत है
- D- भक्ति कम है

प्रश्न 21- मनुष्य तो सन्यासी आदि के पास जाकर कहेंगे -

- A- कृपा करो

- B- धन की प्राप्ति कैसे हो
- C- मन की शांति कैसे हो
- D- हम संपूर्ण निर्विकारी कैसे बने

प्रश्न 22- किसको सिखलाते नहीं हैं तो गोया -

- A- धारणा कुछ भी है नहीं
- B- समझते कुछ नहीं
- C- अजुन कच्चे हैं
- D- सर्विस कुछ है नहीं

प्रश्न 23- संशय बुद्धि बनना माना -

- A- अपना नुकसान करना
- B- पद भ्रष्ट होना
- C- बाप से बेमुख होना
- D- तकदीर को लकीर लगाना

प्रश्न 24- सेकण्ड में बिंदु बन बिंदु स्वरूप बाप को याद कर सकते हैं ?

- A- आत्म अभिमानी
- B- स्व दर्शन चक्रधारी
- C- निश्चय बुद्धि
- D- सच्ची दिल वाले

प्रश्न 25- कोई भी कारण से बाप को छोड़ा तो -

- A- कपूत कहेंगे
- B- अपना ही नुकसान करेंगे
- C- कमबख्त कहेंगे
- D- और ही डिससर्विस करेंगे

प्रश्न 26- कहाँ भी रह बाप को याद करते हैं तो -

- A- स्वर्ग में आ जाएंगे
- B- माया जीत बन जाएंगे
- C- सजाओं से छूट जाएंगे
- D- पावन बन जाएंगे

प्रश्न 27- मनुष्य से देवता बनने की पढ़ाई में पास होने का मुख्य आधार क्या है ?

- A- निश्चय
- B- पढ़ाई
- C- पवित्रता
- D- धारणा

प्रश्न 28- संगमयुग के सम्बन्ध में इसमें से कौन सा सही नहीं है -

- A- पांचवां युग
- B- बहुत छोटा
- C- वास्तव में चौथाई भाग कहेंगे
- D- गीता का युग

प्रश्न 29- तुम ब्रह्मा कुमार ब्रह्मा कुमारियां सारी दुनिया के मित्र हो क्योंकि -

- A- तुम विश्व सेवा धारी हो
- B- पतितों को पावन बनाने की सेवा करते हो
- C- तुम बाप के मददगार हो
- D- तुम सबको ईश्वर का बनाकर बेहद का वर्सा दिलाते हो

प्रश्न 30- श्री कृष्ण के मंदिर को भी-

- A- मधुबन कहते हैं
- B- वैकुण्ठ धाम कहते हैं
- C- सुख धाम कहते हैं
- D- मुक्तिधाम कहते हैं

प्रश्न 31- वैजयन्ती माला सिर्फ कितनों की गाई जाती है ?

- A- 108
- B- 16108
- C- 100
- D- 8

प्रश्न 32- बेड़ा पार होगा -

- A- बाप को याद करो
- B- पवित्र बनो तो
- C- दैवी गुण धारण करो
- D- उपरोक्त सभी

भाग (19) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *D.उपरोक्त सभी*

बाप कहते हैं बच्चे याद की यात्रा में रहो, दैवीगुण भी धारण करो तो बन्धन कटते जायेंगे। पाप का घड़ा खत्म हो जायेगा। यह तो सबको बोलो *बाप को याद करो तो विकर्म विनाश हो जायेंगे।* इसमें नुकसान की कोई बात नहीं है। संस्कार आत्मा ले जाती है।

उत्तर 2- *B.प्यार का ही रास्ता*

अपने रजिस्टर को ठीक रखने के लिए प्यार का ही रास्ता बाप तुम्हें बतलाते हैं, श्रीमत देते हैं बच्चे हर एक के साथ प्यार से चलो। किसी को भी दुःख नहीं दो। कर्मन्द्रियों से कभी भी कोई उल्टा कर्म नहीं करो। सदा यही जाँच करो कि मेरे में कोई आसुरी गुण तो नहीं हैं? मूडी तो नहीं हूँ? कोई बात में बिगड़ता तो नहीं हूँ?

उत्तर 3- *C.बाप को याद करने से*

अभी तुमको राइट-रांग समझने की बुद्धि चाहिए, यह पुण्य का काम है, यह करना चाहिए। दिल में संकल्प आता है गुस्सा करें, अब बुद्धि तो मिली है - अगर गुस्सा करेंगे तो पाप बन जायेगा। *बाप को याद करने से पुण्य आत्मा बन जायेंगे।* ऐसे नहीं अच्छा अभी हुआ फिर नहीं करेंगे। ऐसे फिर-फिर कहते रहने से आदत पड़ जायेगी।

उत्तर 4- *C.त्याग और तपस्या*

त्याग और तपस्या ही सफलता का आधार है। त्याग की भावना वाले ही सच्चे सेवाधारी बन सकते हैं। त्याग से ही स्वयं का और दूसरों का भाग्य बनता है और दृढ़ संकल्प करना - यही तपस्या है। तो त्याग, तपस्या और सेवा भाव से अनेक हृद के भाव समाप्त हो जाते हैं। संगठन शक्तिशाली बनता है।

उत्तर 5- *D.जब तक हम पावन नहीं बने हैं,तब तक बाप को याद करते रहेंगे*

मीठे बच्चे - *तुम्हारी प्रतिज्ञा है कि जब तक हम पावन नहीं बने हैं, तब तक बाप को याद करते रहेंगे* , एक बाप को ही प्यार करेंगे।

उत्तर 6- *C.अन्त में जब शरीर छूटे,बस एक बाबा की ही याद रहे*

अन्त में जब शरीर छूटे तो बस एक बाबा की ही याद रहे और कुछ भी याद न आये। ऐसा पुरुषार्थ सयाने बच्चे अभी से करते रहेंगे क्योंकि कर्मातीत बनकर जाना है इसके लिए इस पुरानी खाल से ममत्व निकालते जाओ, बस हम जा रहे हैं बाबा के पास।

उत्तर 7- *B.गृहस्थ व्यवहार में रह पवित्र बनना*

गृहस्थ व्यवहार में रह पवित्र बनना - यह बहादुरी का काम है। महावीर अर्थात् वीरता दिखाई। यह भी वीरता है जो काम संन्यासी नहीं कर सकते, वह तुम कर सकते हो। बाप श्रीमत देते हैं तुम ऐसे गृहस्थ व्यवहार में रहते कमल फूल समान पवित्र बनो तब ही ऊंच पद पा सकेंगे।

उत्तर 8- *D.बहुत काल से निर्विघ्न स्थिति का अनुभव अवश्य करना है*

जो बच्चे बहुतकाल से निर्विघ्न स्थिति के अनुभवी हैं उनका फाउन्डेशन पक्का होने के कारण स्वयं भी शक्तिशाली रहते हैं और दूसरों को भी शक्तिशाली बनाते हैं। बहुतकाल की शक्तिशाली, निर्विघ्न आत्मा अन्त में भी निर्विघ्न बन पास विद आनर बन जाती है या फर्स्ट डिवीजन में आ जाती है। *तो सदा यही लक्ष्य रहे कि बहुत काल से निर्विघ्न स्थिति का अनुभव अवश्य करना है।*

उत्तर 9- *A.शान्ति की शक्ति अर्थात् योगबल ही चाहिए*

योग माना शान्ति की शक्ति। यह शान्ति की शक्ति बहुत सहज स्व को और दूसरों को परिवर्तन करती है, इससे व्यक्ति भी बदल जायेंगे तो प्रकृति भी बदल जायेगी। व्यक्तियों को तो मुख का कोर्स करा लेते हो लेकिन *प्रकृति को बदलने के लिए शान्ति की शक्ति अर्थात् योगबल ही चाहिए।*

उत्तर 10- *A.जब हम सब दुःखों से छूट सुखधाम जाएँ*

बड़े दिनों पर प्रेज़ीडेंट आदि भी मस्जिद में जाते हैं। बड़ों से मिलते हैं। सब मस्जिदों की फिर एक बड़ी मस्जिद होती है - वहाँ जाते हैं ईद मुबारक देने। *अब मुबारक तो यह है जब हम सब दुःखों से छूट सुखधाम में जायें,* तब कहा जाए मुबारक हो। हम खुशखबरी सुनाते

हैं।

उत्तर 11- *C.हम कैसे सबको सुखधाम का रास्ता बतायें*

तुम्हें यही चिंता रहे कि हम कैसे सबको सुखधाम का रास्ता बतायें, सबको पता पड़े कि यही पुरुषोत्तम बनने का संगमयुग है। तुम बच्चों को दिन-रात यह चिंता रहनी चाहिए। बाप को भी चिंता हुई तब तो ख्याल आया कि जाऊँ, जाकर सबको सुखी बनाऊँ। साथ में बच्चों को भी मददगार बनना है। अकेले बाप क्या करेंगे।

उत्तर 12- *C.देह के नातों से नष्टोमोहा बनो*

स्लोगन:- *सर्व बन्धनों से मुक्त होने के लिए दैहिक नातों से नष्टोमोहा बनो।*

उत्तर 13- *D.विजयमाला का दाना बनने का*

सर्व की मुबारकें प्राप्त करने के लिए विजय माला का दाना बनने का पुरुषार्थ करना है। पूज्य बनना है। जो पास होंगे उनको मुबारक मिलेगी, उनकी ही पूजा होती है। आत्मा को भी मुबारक हो, जो ऊँच पद पाती है। फिर भक्ति मार्ग में उनकी ही पूजा होती है।

उत्तर 14- *D.नाँलेजफुल बनने से*

स्लोगन:- *नाँलेजफुल बनो तो समस्यायें भी मनोरंजन का खेल अनुभव होंगी।*

उत्तर 15- *B.स्नेही आत्माओं की स्थिति का*

जो बच्चे सदा स्नेही हैं वह लवलीन होने के कारण मेहनत और मुश्किल से सदा बचे रहते हैं। उनका हर समय, हर संकल्प है ही बाप की याद और सेवा के प्रति। *स्नेही आत्माओं की स्थिति का गायन है एक बाप दूसरा न कोई, बाप ही संसार है।* वे संकल्प से भी अधीन नहीं हो सकते।

उत्तर 16- *C.ज्वाला स्वरूप वायुमण्डल बनाओ*

समय प्रमाण अब सर्व ब्राह्मण आत्माओं को समीप लाते हुए ज्वाला स्वरूप का वायुमण्डल बनाने की सेवा करो, उसके लिए चाहे भट्टियां करो या आपस में संगठित होकर रूहरिहान करो लेकिन ज्वाला स्वरूप का अनुभव करो और कराओ, इस सेवा में लग जाओ तो छोटी-छोटी बातें सहज परिवर्तन हो जायेंगी।

उत्तर 17- *D.त्रेता के अंत में*

गायन भी है अन्तकाल जो स्त्री सिमरे..... बाप कहते हैं जो मुझे याद करेंगे तो मेरे को पायेंगे। नहीं तो बहुत-बहुत सज़ायें खाकर आयेंगे। *सतयुग में भी नहीं, त्रेता के भी पिछाड़ी में आयेंगे।* सतयुग-त्रेता को कहा जाता है - ब्रह्मा का दिन। एक ब्रह्मा तो नहीं होगा, ब्रह्मा के तो बहुत बच्चे हैं ना।

उत्तर 18- *B.तुम आत्मा हो,देह नहीं*

पहले-पहले तो समझाओ - तुम आत्मा हो, देह नहीं। नहीं तो लॉटरी सारी गुम हो जायेगी। भल वहाँ राजा अथवा प्रजा सब सुखी रहते हैं फिर भी पुरुषार्थ तो ऊँच पद पाने का करना है ना। ऐसे नहीं, सुखधाम में तो जायेंगे ना। नहीं, ऊँच पद पाना है, राजा बनने के लिए आये हो।

उत्तर 19- *B.आंखें बहुत पवित्र होनी चाहिए*

इस पढ़ाई में पास होना है तो आंखें बहुत-बहुत पवित्र होनी चाहिए क्योंकि यह आंखें ही धोखा देती हैं, यही क्रिमिनल बनती हैं। शरीर को देखने से ही कर्मन्द्रियों में चंचलता आती है इसलिए आंखें कभी भी क्रिमिनल न हों।

उत्तर 20- *B.सब यथार्थ रीति बाप को याद नहीं करते हैं*

तुम्हारा भी नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार बुद्धि का ताला खुला है क्योंकि सब यथार्थ रीति बाप को याद नहीं करते हैं। तो धारणा भी नहीं होती है। बाप तो पुरुषार्थ कराते हैं, परन्तु तकदीर में नहीं है। ड्रामा अनुसार जो अच्छी रीति पढ़ेंगे पढ़ायेंगे, बाप के मददगार बनेंगे, हर हालत में ऊँच पद वही पायेंगे।

उत्तर 21- *C.मन की शान्ति कैसे हो*

यह तो बाप खुद आकर सुनाते हैं। पतित से पावन फिर पावन से पतित कैसे बनेंगे? हिस्ट्री रिपीट कैसे होगी, वह भी बताते हैं। 84 का चक्र है। हम पतित क्यों बने हैं फिर पावन बन कहाँ जाने चाहते हैं। *मनुष्य तो संन्यासी आदि के पास जाकर कहेंगे मन की शान्ति कैसे हो?* ऐसे नहीं कहेंगे हम सम्पूर्ण निर्विकारी पावन कैसे बनें? यह कहने में लज्जा आती है।

उत्तर 22- *B.समझते कुछ नहीं*

बहुत भक्ति की होगी तब ही ज्ञान भी जंचेगा। चेहरे से ही मालूम पड़ता है। सुनने से खुश होते रहेंगे। जो नहीं समझेंगे वह तो इधर-उधर देखते रहेंगे या आंखें बंद कर बैठेंगे। बाबा सब देखते हैं। *किसको सिखलाते नहीं हैं तो गोया समझते कुछ नहीं।* एक कान से सुन दूसरे से निकाल देते हैं।

उत्तर 23- *A.अपना नुकसान करना*

मीठे बच्चे - बाप जो तुम्हें हीरे जैसा बनाते हैं, उनमें कभी भी संशय नहीं आना चाहिए, *संशयबुद्धि बनना माना अपना नुकसान

करना।*

उत्तर 24- *D.सच्ची दिल वाले*

पावरफुल याद के लिए सच्चे दिल का प्यार चाहिए। *सच्ची दिल वाले सेकण्ड में बिन्दु बन बिन्दु स्वरूप बाप को याद कर सकते हैं।* सच्ची दिल वाले सच्चे साहेब को राज़ी करने के कारण, बाप की विशेष दुआयें प्राप्त करते हैं, जिससे सहज ही एक संकल्प में स्थित हो ज्वाला रूप की याद का अनुभव कर सकते हैं, पावरफुल वायब्रेशन फैला सकते हैं।

उत्तर 25- *C.कमबख्त कहेंगे*

पुण्य आत्मा बनने के लिए पुरुषार्थ कर और फिर पाप करने से सौगुणा पाप हो जाता है फिर जामड़े (बौने) रह जाते हैं, वृद्धि को पा नहीं सकते। सौगुणा दण्ड एड होने से अवस्था जोर नहीं भरती। बाप जिससे तुम हीरे जैसा बनते हो उनमें संशय क्यों आना चाहिए। *कोई भी कारण से बाप को छोड़ा तो कमबख्त कहेंगे।*

उत्तर 26- *C.सज़ाओं से छूट जाएंगे*

कहाँ भी रहकर बाप को याद करना है, तो सज़ाओं से छूट जायें। यहाँ तुम आते ही हो पतित से पावन बनने। पास्ट के भी कोई ऐसे कर्म किये हुए हैं तो शरीर की भी कर्म भोगना कितना चलती है। अभी तुम तो आधाकल्प के लिए इनसे छूटते हो।

उत्तर 27- *A.निश्चय*

मनुष्य से देवता बनने की पढ़ाई में पास होने का मुख्य आधार है निश्चय। निश्चयबुद्धि बनने का साहस चाहिए। माया इस साहस को तोड़ती है। संशयबुद्धि बना देती है। चलते-चलते अगर पढ़ाई में वा पढ़ाने वाले सुप्रीम टीचर में संशय आया तो अपना और दूसरों का बहुत नुकसान करते हैं।

उत्तर 28- *C.वास्तव में चौथाई भाग कहेंगे*

भगवानुवाच - यह तो गीता है। गीता का भी युग आता है ना। सिर्फ भूल गये हैं - यह है पांचवां युग। यह संगम बहुत छोटा है। *वास्तव में चौथाई भी नहीं कहेंगे।* परसेन्टेज लगा सकते हैं। सो भी आगे चल बाप बतलाते रहेंगे। कुछ तो बाप के बतलाने की भी नूँध है ना।

उत्तर 29- *C.तुम बाप के मददगार हो*

बाप सर्विस अर्थ डायरेक्शन तो देते रहते हैं। मित्र-सम्बन्धी आदि जो भी आयें, सबके सच्चे मित्र तो तुम हो। *तुम ब्रह्माकुमार-कुमारियाँ तो सारी दुनिया के मित्र हो क्योंकि तुम बाप के मददगार हो।* मित्रों में कोई शत्रुता नहीं होनी चाहिए। कोई भी बात निकले बोलो, शिवबाबा को याद करो।

उत्तर 30- *C.सुखधाम कहते हैं*

बाबा कहते हैं बाहर में रहने वाले भी बहुत याद में रह सकते हैं। बहुत सर्विस कर सकते हैं। यहाँ भी बाप से रिफ्रेश होकर फिर जाते हैं तो अन्दर में कितनी खुशी रहनी चाहिए। इस छी-छी दुनिया में तो बाकी थोड़े रोज़ हैं। फिर चलेंगे श्रीकृष्ण पुरी में। *श्रीकृष्ण के मन्दिर को भी सुखधाम कहते हैं*

उत्तर 31- *A. 108*

तुम अभी समझते हो भगवान तो एक निराकार है, कोई भी देहधारी को भगवान कह नहीं सकते। ब्रह्मा, विष्णु, शंकर को भी नहीं कह सकते तो फिर मनुष्य अपने को भगवान कैसे कह सकते। *वैजयन्ती माला सिर्फ 108 की गाई जाती है।* शिवबाबा ने स्वर्ग स्थापन किया, उनके यह मालिक हैं। जरूर उससे पहले उन्होंने यह पुरुषार्थ किया होगा। उसको कहा जाता है कलियुग अन्त सतयुग आदि का संगमयुग।

उत्तर 32- *D.उपरोक्त सभी*

कोई पूछे आप कौन हो तो बोलो, हम हैं फायर ब्रिगेड, जैसे वह फायर ब्रिगेड होते हैं, आग को बुझाने के लिए। तो इस समय सारी सृष्टि में काम अग्नि में सब जले हुए हैं। अब बाप कहते हैं काम महाशत्रु पर जीत पहनो। *बाप को याद करो, पवित्र बनो, देवी गुण धारण करो तो बेड़ा पार है।*

भाग - (20)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- कोई भी बात को फील करना -

- A- दिलशिकश की निशानी है
- B- नाराजगी की निशानी है
- C- फेल होने की निशानी है
- D- दुःख की निशानी है

प्रश्न 2- तुम्हारी पढ़ाई का सारा मदर है -

- A- पवित्रता पर
- B- आत्मा की अवस्था पर

- C- निश्चय पर
- D- योग पर

प्रश्न 3- शान्तिधाम में -

- A- खेल नहीं होता
- B- बत्तियाँ आदि कुछ नहीं होती
- C- सिर्फ संकल्प होते हैं
- D- A और B

प्रश्न 4- मुक्ति का अर्थ है -

- A- जीवन में रहते सभी इच्छाओं से मुक्ति
- B- ड्रामा से मुक्त हो
- C- दुःख से मुक्त हो
- D- जीवन बंध से जीवन मुक्ति

प्रश्न 5- श्रीकृष्ण को कंस की जेल में दिखाते हैं। कंस सतयुग में था क्या ? यह हो कैसे सकता। कंस किस को कहा जाता है ?

- A- दुःख देते हैं उन्हें
- B- असुर को
- C- एक-दो को मारते-काटते रहते हैं उन्हें
- D- विकारों को

प्रश्न 6- बाप की याद में रहो -

- A- किचन में भी भोजन बनाते
- B- सोते हुए भी
- C- घूमने जाते हो तो भी
- D- A और C
- E- A, B और C

प्रश्न 7- भारतवासी क्या होने कारण यह भी नहीं जानते कि शिव कौन है जिसकी पूजा करते हैं, उसका आक्यूपेशन तो जानते नहीं ?

- A- नास्तिक
- B- विकारी
- C- पत्थरबुद्धि
- D- तमोप्रधान

प्रश्न 8- मन्दिर भी शिव के बहुत ऊंचे स्थान

पर बनाते हैं क्योंकि -

- A- ऊंच ते ऊंच है ना
- B- भारत को स्वर्ग बनाते हैं
- C- पतित-पावन है
- D- एवरप्योर है ना

प्रश्न 9- सतयुग में स्टैम्प निकलती है-

- A- श्री विष्णु की
- B- श्री कृष्ण की
- C- श्री लक्ष्मी नारायण की
- D- शिव बाबा की

प्रश्न 10- कर्मातीत बनने के लिए चाहिए -

- A- याद की यात्रा
- B- संपूर्ण पावनता
- C- बेहद की वैराग्य वृत्ति
- D- संपूर्ण नष्टोमोहा

प्रश्न 11- कोई समय मुरझाईस आती है तो बाबा ने समझाया है ,फौरन क्या करो तो खुशी आयेगी ?

- A- बाप को और वरसे को याद करो
- B- आत्मा समझो
- C- स्वधर्म मे टिक जाओ
- D- कई ऐसे रिकार्ड हैं जो तुम सुनो

प्रश्न 12- संगमयुग है ?

- A- गीता का युग
- B- पुरुषोत्तम युग
- C- पुरुषार्थी युग
- D- A और B
- E- A, B और C

प्रश्न 13- तुम महावीर बच्चों को किस बात की परवाह नहीं करनी है-

- A- कोई पवित्र बनने में विघ्न डालता है तो
- B- धारणाओं पर चलने नहीं देता है तो
- C- सर्विस में विघ्न डालता है तो
- D- आसुरी मत दे तो

प्रश्न 14- सबका आदर करनेवाले ही बन सकते हैं -

- A- निर्माणचित्
- B- निरहंकारी
- C- आदर्श
- D- देही अभिमानी

प्रश्न 15- हम आत्मा कैसे देवता बन रहे हैं ?

- A- पढ़कर नॉलेज सुन
- B- ड्रामा अनुसार कल्प पहले मुआफिक
- C- याद की यात्रा से
- D- दिव्य गुणों की धारणा से

प्रश्न 16- तुम्हारे ऊपर बहुत रेसपान्सिबिलिटी है। किस किस का उद्धार करना है ?

- A- अहिल्यायें, कुब्जायें
- B- भीलनियां, वेश्याओं
- C- साधुओं का
- D- उपर्युक्त सभी

प्रश्न 17- किसके लिए मनुष्य माथा मारते हैं ?

- A- मोक्ष की प्राप्ति के लिए
- B- स्वीट होम के लिए
- C- सुख के लिए
- D- धन दौलत के लिए

प्रश्न 18- कौन सी एक्ट अथवा पुरुषार्थ अभी ही चलता है ?

- A- याद की यात्रा में रह आत्मा को पावन का
- B- देही-अभिमानी रहने का
- C- ज्ञान और भक्ति
- D- सुख और दुख

प्रश्न 19- दिल में बस यही चाहना रहे कि -

- A- कैसे हर आत्मा को बाप का परिचय दें
- B- सबकी ज्योत जगाना है
- C- यह दुःख की पुरानी दुनिया खत्म हुई कि हुई
- D- हम मनुष्य को देवता बनाने की सेवा करें, इस वेश्यालय को शिवालय बनायें

प्रश्न 20- ऊंच ते ऊंच बाप किस की सेवा में उपस्थित हुआ है ?

- A- सर्व आत्माओं की
- B- विश्व की
- C- हम बच्चों की
- D- भारत की

प्रश्न 21- कब बाप समान सर्व खजानों से सम्पन्न स्थिति का अनुभव कर सकेंगे ?

- A- चेहरे और चलन से बाप की प्रत्यक्षता हो तो

- B- विश्व सेवाधारी के संस्कार हो तो
- C- ज्ञान के अखुट खजानों के अधिकारी बनो
- D- बालक और मालिक दोनों स्वरूप सदा ही प्रत्यक्ष कर्म में आ जाएं तब

प्रश्न 22- तुम इस पाठशाला में आये हो स्वर्ग के लिए पासपोर्ट लेने तो पासपोर्ट लेने के लिए क्या करना है ?

- A- आत्म-अभिमान बनो
- B- निश्चय बुद्धि बनो
- C- बाप को याद करो
- D- लायक बनो

प्रश्न 23- बाहर में रहकर भी अच्छी कमाई कर लेती हैं -

- A- मातायें
- B- कुमारियां
- C- बांधेलियां
- D- गणिकाएं

प्रश्न 24- वास्तव में कोट ऑफ आर्म्स है -

- A- भारत का राज्य चिन्ह
- B- शिव बाबा का राज्य चिन्ह
- C- बैज
- D- श्री लक्ष्मी नारायण का चित्र

प्रश्न 25- भक्तों पर भीड़ होती है अर्थात् -

- A- दुख होता है
- B- आपदाएं हैं
- C- भटकते हैं
- D- बहुत तकलीफ में हैं

प्रश्न 26- निःस्वार्थ और निर्विकल्प स्थिति से सेवा करनेवाले ही -

- A- सच्चे सेवाधारी हैं
- B- बेहद के सेवाधारी हैं
- C- सफलता मूर्त हैं
- D- विश्व परिवर्तक हैं

प्रश्न 27- किस से किनारा होना ही विजयी बनना है ?

- A- देह से
- B- माया से
- C- विकारों से
- D- व्यर्थ से

प्रश्न 28- तुम्हारे पास तो सबसे पुरानी चीज है कौन सी है ?

- A- स्वर्ग
- B- शिवबाबा
- C- प्राचीन योग
- D- यह ज्ञान

प्रश्न 29- कैसे आत्मा का श्रृंगार करना है, शरीरों का नहीं ?

- A- बाबा की याद से
- B- दिव्य गुणों से
- C- पुण्य कर्मों से
- D- ज्ञान-योग से पवित्र बनने से

प्रश्न 30- तुम जानते हो आत्मा अभी कीचड़ के दुबन (दलदल) में फँस गई है। इस पर कौन सी मिसाल देते हैं ?

- A- अल्लाह अवलदीन
- B- गज और ग्राह
- C- हिरण
- D- भ्रमरी का

प्रश्न 31- अपने को और दूसरों को रास्ता बताना है ?

A- भगवान से मिलने का

B- दो बाप हैं, एक हृद का, दूसरा बेहद का

C- आत्मा समझ बाप को याद करो

D- नईया इस विषय सागर से क्षीरसागर में कैसे जाये

प्रश्न 32- रूपी विमान द्वारा सबसे ऊंची चोटी की स्थिति में स्थित हो, अव्यक्त वतनवासी बन विश्व की सर्व आत्माओं के प्रति शुभ भावना और श्रेष्ठ कामना के सहयोग की लहर फैलाओ ?

A- श्रेष्ठ संकल्प

B- मन

C- स्नेह

D- दिव्य-बुद्धि

भाग (20) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *C. फेल होने की निशानी है*

स्लोगन:- *कोई भी बात को फील करना - यह भी फेल की निशानी है।*

उत्तर 2- *D. योग पर*

मीठे बच्चे - *तुम्हारी पढ़ाई का सारा मदार है योग पर,* योग से ही आत्मा पवित्र बनती है, विकर्म विनाश होते हैं पढ़ाई तो सहज है, समझ गये हैं कि चक्र कैसे फिरता है, मुख्य है ही याद की यात्रा। यह अन्दर गुप्त है। देखने में थोड़े ही आता है।

उत्तर 3- *D. A और B*

आत्मा ने जाना है हमारा घर शान्तिधाम है, *वहाँ यह खेल नहीं होता। बतियाँ आदि कुछ नहीं होती, सिर्फ आत्मायें रहती हैं।* यहाँ आती हैं पार्ट बजाने। तुम्हारी बुद्धि में है - यह बेहद का ड्रामा है। जो एक्टर्स हैं, उन्हीं की एक्ट शुरू से लेकर अन्त तक तुम बच्चे नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार जानते हो।

उत्तर 4- *C. दुःख से मुक्त हो*

तुम जानते हो हम बाप को याद करते-करते पवित्र बनते-बनते मुक्तिधाम-शान्तिधाम में जाकर पहुँचेंगे। ऐसे नहीं कि ड्रामा से मुक्त हो जायेंगे। *मुक्ति का अर्थ है - दुःख से मुक्त हो,* शान्तिधाम जाए फिर सुखधाम में आयेंगे।

उत्तर 5- *B. असुर को*

श्रीकृष्ण का तो चित्र है, देखा जाता है। शिव को देख नहीं सकते। श्रीकृष्ण तो है सतयुग का प्रिन्स। वही फीचर्स फिर हो न सकें। श्रीकृष्ण भी कब कैसे आया, यह भी कोई नहीं जानते। श्रीकृष्ण को कंस की जेल में दिखाते हैं। कंस सतयुग में था क्या? यह हो कैसे सकता। *कंस असुर को कहा जाता है।*

उत्तर 6- *D. A और C*

अपना कैरेक्टर देखना है। रात-दिन हम क्या करते हैं? *किचन में भी भोजन बनाते, रोटी पकाते जितना हो सके याद में रहो, घूमने जाते हो तो भी याद में।* बाप सबकी अवस्था को तो जानते हैं ना। झरमुई-झगमुई करते हैं तो फिर कट और ही चढ़ जाती है।

उत्तर 7- *D. तमोप्रधान*

भक्ति मार्ग में तो शिवलिंग बनाते हैं। वही ऊंच ते ऊंच आत्मा ठहरे। ऊंच ते ऊंच मन्दिर भी शिव का ही मानेंगे। सोमनाथ शिव का मन्दिर है ना। *भारतवासी तमोप्रधान होने कारण यह भी नहीं जानते कि शिव कौन है जिसकी पूजा करते हैं, उसका आक्यूपेशन तो जानते नहीं।*

उत्तर 8- *A. ऊंच ते ऊंच है ना*

इस समय बाप न आये तो सद्गति कैसे हो क्योंकि सब रौरव नर्क में गोता खा रहे हैं। सबसे ऊंच ते ऊंच है शिवबाबा, पतित-पावन। *मन्दिर भी शिव के बहुत ऊंचे स्थान पर बनाते हैं क्योंकि ऊंच ते ऊंच है ना।*

उत्तर 9- *C. श्री लक्ष्मी-नारायण की*

डबल अहिंसक तो यह लक्ष्मी-नारायण हैं। मनुष्यों को जब पूरा ज्ञान हो तब अर्थ सहित स्टैम्प निकले। *सतयुग में स्टैम्प निकलती ही इन लक्ष्मी-नारायण की है।* शिवबाबा का ज्ञान तो वहाँ रहता नहीं तो जरूर ऊंच ते ऊंच लक्ष्मी-नारायण की ही स्टैम्प लगती होगी।

उत्तर 10- *A. याद की यात्रा*

विकारी पतित मनुष्यों से तुम्हारा कोई कनेक्शन ही नहीं है, हाँ, अभी कर्मातीत अवस्था नहीं हुई है इसलिए कर्म सम्बन्धों से भी दिल लग जाती है। *कर्मातीत बनना उसके लिए चाहिए याद की यात्रा।* बाप समझाते हैं तुम आत्मा हो, तुम्हारा परमात्मा बाप के साथ कितना लव होना चाहिए।

उत्तर 11- *D.कई ऐसे रिकॉर्ड हैं जो तुम सुनो*

बाप कहते हैं विचार करो सतयुग में तुम्हारे सोने के महल कैसे थे। वहाँ तो सब खानियां भरी होती हैं। ढेर का ढेर सोना होता है। तो बच्चों को कितनी खुशी होनी चाहिए। *कोई समय मुरझाइस आती है तो बाबा ने समझाया है - कई ऐसे रिकॉर्ड हैं जो तुमको फौरन खुशी में ला देंगे।*

उत्तर 12- *A और B*

गीता का युग चल रहा है। गीता का ही पुरुषोत्तम युग गाया जाता है। *तुम लिखो भी ऐसे - गीता का यह पुरुषोत्तम युग है।* जबकि पुरानी दुनिया बदल गई होती है। तुम्हारी बुद्धि में है - बेहद का बाप जो हमारा टीचर भी है, उनसे हम राजयोग सीख रहे हैं।

उत्तर 13- *A.कोई पवित्र बनने में विघ्न डालता है तो*

अभी तुम बाप से वर्सा ले रहे हो। *बाप कहते हैं पवित्र बनो। इसमें कोई विघ्न डालता है तो परवाह नहीं करनी चाहिए।* रोटी टुकड़ तो मिल सकती है ना। बच्चों को पुरुषार्थ करना चाहिए तो याद रहेगी। बाबा भक्ति मार्ग का मिसाल बताते हैं - पूजा के टाइम बुद्धियोग बाहर में जाता था तो अपना कान पकड़ते थे, चमाट लगाते थे।

उत्तर 14- *C.आदर्श*

स्लोगन:- *सबका आदर करने वाले ही आदर्श बन सकते हैं।* सम्मान दो तब सम्मान मिलेगा।

उत्तर 15- *A.पढ़कर नॉलेज सुन*

तुम जानते हो हम पुरुषार्थ कर रहे हैं, सूर्यवंशी घराने में पहले-पहले आने के लिए। यह है ही नर से नारायण बनने की कथा। तीसरा नेत्र आत्मा को मिलता है। *हम आत्मा पढ़कर नॉलेज सुन देवता बन रहे हैं।* फिर सो राजाओं का राजा बनेंगे। शिवबाबा कहते हैं मैं तुमको डबल सिरताज बनाता हूँ।

उत्तर 16- *D.उपरोक्त सभी*

बच्चों को सर्विस के लिए ख्यालात चलने चाहिए। तुम्हारे ऊपर बहुत रेसपान्सिबिलिटी है। *अहिल्यायें, कुब्जायें, भीलनियां, गणिकायें इन सबका उद्धार करना है। गायन भी है साधुओं का भी उद्धार किया है।* यह तो समझते हो साधुओं का उद्धार होगा पिछाड़ी में। अभी वह तुम्हारे बन जाएं तो भक्ति मार्ग ही सारा खत्म हो जाए।

उत्तर 17- *B.स्वीट होम के लिए*

तुम बच्चे जानते हो यह सारी बेहद की दुनिया पुरानी है। अब जाना है नई दुनिया में। बाबा युक्तियां बताते हैं - ऐसी-ऐसी युक्तियों से बुद्धि को याद की यात्रा में लगाना है। हमको अब घर जाना है इसलिए *स्वीट होम को याद करना है, जिसके लिए मनुष्य माथा मारते हैं।*

उत्तर 18- *A.याद की यात्रा में रह आत्मा को पावन बनाने का*

याद की यात्रा में रह आत्मा को पावन बनाने का पुरुषार्थ, सारी दुनिया को पतित से पावन बनाने की एक्ट सारे कल्प में सिर्फ इसी संगम समय पर चलती है। यह एक्ट हर कल्प रिपीट होती है। तुम बच्चे इस अनादि अविनाशी ड्रामा के वण्डरफुल राज को समझते हो।

उत्तर 19- *D.हम मनुष्य को देवता बनाने की सेवा करें, इस वेश्यालय को शिवालय बनायें*

जैसे बाबा ने अपना सब कुछ एक्सचेंज कर दिया तो बुद्धि कहाँ जाती नहीं। ऐसे फालो फादर करना है। *दिल में बस यही चाहना रहे कि हम मनुष्य को देवता बनाने की सेवा करें, इस वेश्यालय को शिवालय बनायें।*

उत्तर 20- *C.हम बच्चों की*

कोई-कोई बच्चों से बड़ी-बड़ी गफलत होती है। *समझते भी हैं बेहद का बाप जिसको सारी सृष्टि याद करती है, वह हमारी सेवा में उपस्थित है* और हमको ऊंच ते ऊंच बनाने का मार्ग बताते हैं। बहुत प्यार से समझाते हैं फिर भी इतना रिगार्ड देते नहीं। बांधेलियाँ कितनी मार खाती हैं, तड़फती हैं फिर भी याद में रह अच्छा उठा लेती हैं।

उत्तर 21- *D.बालक और मालिक दोनों स्वरूप सदा ही प्रत्यक्ष कर्म में आ जाएं तब*

जितना ही मालिक उतना ही विश्व सेवाधारी के संस्कार सदा इमर्ज रूप में रहें। मालिकपन का नशा और विश्व सेवाधारी का नशा समान रूप में हो तब कहेंगे बाप समान। *बालक और मालिक दोनों स्वरूप सदा ही प्रत्यक्ष कर्म में आ जाएं तब बाप समान सर्व खजानों से सम्पन्न स्थिति का अनुभव कर सकेंगे।*

उत्तर 22- *A.आत्मअभिमानी बनो*

मीठेबच्चे - तुम इस पाठशाला में आये हो स्वर्ग के लिए पासपोर्ट लेने, *आत्म-अभिमानी बनो* और अपना नाम रजिस्टर में नोट करा दो तो स्वर्ग में आ जायेंगे।

उत्तर 23- *C.बांधेलियां*

बांधेलियाँ कितनी मार खाती हैं, तड़फती हैं फिर भी याद में रह अच्छा उठा लेती हैं। पद भी ऊंच बन जाता है। बाबा सबके लिए नहीं कहते हैं। नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार तो हैं ही। बाप बच्चों को सावधान करते हैं, सब तो एक जैसे हो न सकें। *बांधेलियाँ आदि बाहर में रहकर भी बड़ी कमाई करती हैं।*

उत्तर 24- *C.बैज*

पढ़ाई तो बिल्कुल सहज है। बुद्धि में है शिवबाबा से ब्रह्मा द्वारा हम यह बन रहे हैं। *कहाँ भी जाते हो तो बैज पड़ा रहे। बोलो, वास्तव में कोट ऑफ आर्मस यह है।* समझाने की बड़ी रॉयल्टी चाहिए। बहुत मीठापन से समझाना है। कोट ऑफ आर्मस पर भी समझाना है।

उत्तर 25- *A.दुःख होता है*

देखते हो भक्तों के ऊपर कितनी तकलीफ है। ज्ञान से तुम देवता बन जाते हो फिर *जब भक्तों पर भीड़ होती है अर्थात् दुःख होता है तब बाप आते हैं।* बाप समझाते हैं ड्रामा अनुसार जो पास्ट हुआ सो फिर रिपीट होना है। फिर भक्ति शुरू होती है तो वाम मार्ग शुरू होता है अर्थात् पतित बनने का मार्ग।

उत्तर 26- *C.सफलतामूर्त हैं*

स्लोगन:- *निःस्वार्थ और निर्विकल्प स्थिति से सेवा करने वाले ही सफलता मूर्त हैं।*

उत्तर 27- *D.व्यर्थ से*

निश्चय बुद्धि बच्चे विजयी होने के कारण सदा खुशी में नाचते हैं। वे अपने विजय का वर्णन नहीं करते लेकिन विजयी होने के कारण वे दूसरों की भी हिम्मत बढ़ाते हैं। किसी को नीचा दिखाने की कोशिश नहीं करते। लेकिन बाप समान मास्टर सहारे दाता बनते हैं अर्थात् नीचे से ऊंचा उठाते हैं। व्यर्थ से सदा दूर रहते हैं। *व्यर्थ से किनारा होना ही विजयी बनना है।*

उत्तर 28- *C.प्राचीन योग*

बाबा बच्चों को कितना अच्छा सौदा देते हैं। कखपन चावल मुट्ठी लेकर महल दे देते हैं। कितनी अच्छी कमाई कराने वाला है। जवाहरात के व्यापार में भी ऐसे होता है। कोई अमेरिकन ग्राहक आता है तो उनसे 100 की चीज़ का 500, हजार भी ले लेंगे। उनसे तो बहुत पैसे लेते हैं। *तुम्हारे पास तो सबसे पुरानी चीज़ है प्राचीन योग।*

उत्तर 29- *D.ज्ञान-योग से पवित्र बनने से*

बाप आते ही हैं संगम पर, पुरानी दुनिया से नई दुनिया बनाने। दूरदेश से बाबा आया हुआ है, तुम जानते हो नई दुनिया हमारे लिए बन रही है। बाबा हम आत्माओं का श्रृंगार कर रहे हैं। *ज्ञान-योग से पवित्र बन आत्मा का श्रृंगार करना है, शरीरों का नहीं।* आत्मा के पवित्र बनने से शरीर का श्रृंगार स्वतः हो जायेगा।

उत्तर 30- *C.हिरण का*

तुम जानते हो आत्मा अभी कीचड़ के दुबन (दलदल) में फँस गई है। इस पर हिरण का भी मिसाल देते हैं। पानी समझ जाते हैं, परन्तु वह होती है कीचड़, तो उसमें फँस पड़ते हैं। कभी-कभी स्टीमर्स, मोटर्स आदि भी कीचड़ में फँस पड़ती हैं। फिर उनको सैलवेज करते हैं।

उत्तर 31- *D.नईया इस विषय सागर से क्षीरसागर में कैसे जाये*

अपने को और दूसरों को रास्ता बताना है कि तुम्हारी *नईया इस विषय सागर से क्षीरसागर में कैसे जाये।* सतयुग को कहते हैं क्षीरसागर अर्थात् सुख का सागर। यह है दुःख का सागर। रावण दुःख के सागर में डुबोते हैं। बाप आकर सुख के सागर में ले जाते हैं।

उत्तर 32- *D.दिव्य-बुद्धि*

दिव्य-बुद्धि रूपी विमान द्वारा सबसे ऊंची चोटी की स्थिति में स्थित हो, अव्यक्त वतनवासी बन विश्व की सर्व आत्माओं के प्रति शुभ भावना और श्रेष्ठ कामना के सहयोग की लहर फैलाओ। योग के प्रयोग द्वारा दुःखी-अशान्त आत्माओं को शान्ति और शक्ति की सकाश दो।

भाग - (21)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- कौन सा कान्ट्रेक्ट (ठेका) एक बाप के सिवाए दूसरा कोई नहीं उठा सकता है ?

- A- सवेरे सवेरे उठाने का
- B- परमधाम ले जाने का
- C- पावन दुनिया बनाने का
- D- राजयोग सिखाने का

प्रश्न 2- बाबा जास्ती मान किनका रखता है ?

- A- कुमारियों का
- B- कुमारों का
- C- बुढ़ियाओं का
- D- संन्यासियों का

प्रश्न 3- संगमयुग पर जब बाप आते हैं तो उनके आने से ही कौन सा इशारा मिल जाता है ?

- A- नई दुनिया आने का
- B- महाभारत लड़ाई का
- C- गीता ज्ञान का
- D- पुरानी दुनिया के अन्त होने का

प्रश्न 4- मीरा की महिमा क्यों है ?

- A- मीरा कृष्ण से डांस करती थी।
- B- मीरा पावन थी।
- C- कृष्ण का साक्षात्कार होता था।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 5- शान्ति धाम में आत्मा शांत रहती हैं। क्यों ?

- A- क्योंकि वहाँ शान्ति ही शान्ति है।
- B- क्योंकि शान्ति के सागर के पास रहती हैं।
- C- आत्मा अपने निजी स्वरूप में स्थित रहती है।
- D- क्योंकि वहाँ शरीर नहीं है।

प्रश्न 6- शिवबाबा है आत्माओं का बाप और ब्रह्मा को इनमें से क्या नहीं कहा जाता है ?

- A- आदि देव
- B- एडम
- C- दादा
- D- पण्डा

प्रश्न 7- सबसे ऊंची बड़ी लम्बी कहानी कौन सी है, जो तुम बच्चों के लिए कॉमन है ?

- A- 84 जन्मों की कहानी
- B- सीढ़ी उतरने और चढ़ने की कहानी
- C- डामा के आदि-मध्य-अन्त की कहानी
- D- सृष्टि चक्र की कहानी

प्रश्न 8- कौनसा धर्म प्रायः लोप हो जाता है ?

- A- हिन्दू धर्म
- B- बौद्ध धर्म
- C- क्रिस्चियन धर्म
- D- आदि सनातन देवी-देवता धर्म

प्रश्न 9- बाबा का कौनसे चित्र पर सारी रात विचार चल रहा था ?

- A- सृष्टि चक्र
- B- सीढ़ी
- C- त्रिमूर्ति
- D- झाड़

प्रश्न 10- अपने को हिन्दू कहलाते रहते हैं ?

- A- भारतवासी होने के कारण
- B- देवी देवता धर्म भूल जाने के कारण
- C- पूज्य से पुजारी बनने के कारण
- D- विकारी बनने के कारण

प्रश्न 11- सीढ़ी के राज को कोई समझ जाए तो

- A- दिन रात सर्विस करने लग जाये
- B- नशा चढ़ जाए
- C- खुशी का पारा चढ़ जाये
- D- कारून का खजाना मिल जाये

प्रश्न 12- सतयुग का नाम इनमें से कौनसा नहीं ?

- A- शिवालय

- B- कृष्णपुरी
- C- कृष्णालय
- D- सभी सही हैं।

प्रश्न 13- इनमें से कौन सा सही है ?

- A- सतयुग में है एक बाप
- B- भक्ति मार्ग में दो बाप
- C- संगम पर हैं तीन बाप
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 14-सतयुग में तुमको रोने की दरकार नहीं रहती क्यों ?

- A- वहाँ आत्म अभिमानी होते हैं।
- B- वहाँ शरीर को याद नहीं करते।
- C- वहाँ मोहजीत होते हैं।
- D- वहाँ अथाह खुशी रहती है।

प्रश्न 15- सच्चे बाप के साथ सच्चे बनो, अगर सच नहीं बतलाते हो तो.....

- A- सौ गुना दंड मिलेगा
- B- पाप वृद्धि को पाते जाते हैं।
- C- रसातल में चले जायेंगे
- D- माया का परछाया पड़ जायेगा

प्रश्न 16- इनमें से कौनसा सही है ?

- A- घर को याद करने से विकर्म विनाश नहीं होंगे।
- B- सबका बाप शिव ही है, वर्सा भी उनसे मिलता है। ब्रह्मा से कुछ मिलता नहीं है।
- C- जब भक्ति पूरी हो जाती है तो सारी दुनिया से वैराग्य हो जाता है।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 17- बी. के. आश्रम क्या है ?

- A- 7 रोज की भट्टी
- B- पवित्रता का फाउंडेशन
- C- कारनटाइन क्लास
- D- ज्ञान- योग का केंद्र

प्रश्न 18- यहाँ कर्म विकर्म क्यों होते हैं ?

- A- क्योंकि यह कलियुग है।
- B- क्योंकि यह गोबर की दुनिया है।
- C- क्योंकि यह रावण राज्य है।
- D- क्योंकि यह विकारी दुनिया है।

प्रश्न 19- कौनसा ख्याल कभी नहीं आना चाहिए?

- A- हम बहुत ऊंच हैं।
- B- सिर्फ हम ही भगवान की सन्तान हैं।
- C- पढ़ाई में अलबेलापन
- D- हम बाबा को देते हैं।

प्रश्न 20- पढ़ाई पूरी कब होगी ?

- A- जब कर्मातीत बन जायेंगे
- B- जब नष्टोमोहा बन जायेंगे
- C- जब बाप समान बन जायेंगे
- D- जब नम्बरवन में आयेंगे

प्रश्न 21- सज्जे किसे कहा जाता है ?

- A- जो आदि - मध्य- अन्त को नहीं जानते
- B- जो रचना और रचता को जान गये
- C- जिनको राज्य- भाग्य मिला

D- जिन्होंने शिवालय की स्थापना की

प्रश्न 22- तुम बच्चों ने देहभान को भुलाया, इसका यादगार शास्त्रों में किस रूप में है ?

- A- ममत्व छोड़ना
- B- अशरीरी बनना
- C- योगबल
- D- पाण्डव पहाड़ों पर गल गये

प्रश्न 23- कांटा लगाना किसे कहा जाता है ?

- A- काम कटारी चलाना
- B- क्रोध करना
- C- अहंकार करना
- D- मोह के वशीभूत होना

प्रश्न 24- पहला वायदा कौन सा है ?

- A- निरन्तर याद में रहना
- B- मन, वचन, कर्म से पवित्र बनना
- C- बाप पर बलिहार जाना
- D- और संग तोड़ एक संग जोड़

प्रश्न 25- बाप को जानकर दिल से क्या कहना भी सबसे बड़ी विशेषता है ?

- A- मेरा बाबा
- B- शिवबाबा
- C- मीठा बाबा
- D- बाबा

प्रश्न 26- सभी की आत्मा कहती है - मैं तकदीर बनाकर आयी हूँ, कौन सी तकदीर ?

- A- विश्व का मालिक बनने की
- B- नई दुनिया में जाने की
- C- बाप से सम्मुख पढ़ने की
- D- भगवान को पाने की

प्रश्न 27- इनमे से कौनसा सही नहीं है ?

- A- ससुर घर विष्णुपुरी
- B- पियर घर - शांति धाम
- C- अलौकिक पियर घर - मधुबन
- D- उपरोक्त सभी सही हैं

प्रश्न 28- मुख से क्या नहीं कहना है ?

- A- ओ गाड फादर
- B- है भगवान
- C- हे शिवबाबा
- D- हाय राम

प्रश्न 29- जब तक सम्पूर्ण बन जायें फिर यह शरीर भी नहीं रहेगा। तब तक कुछ न कुछ होता रहेगा, इसको क्या कहते हैं ?

- A- कर्मातीत अवस्था
- B- कर्मभोग
- C- कर्म बन्धन
- D- पापों का बोझा

प्रश्न 30- आत्मा जानती है कि यह हमारा बाबा है। तुमको अन्दर गुप्त याद करना है, इसको क्या कहा जाता है ?

- A- माला फेरना
- B- अजपाजाप
- C- अजपा याद
- D- मनमनाभव

प्रश्न 31- बैकुण्ठ का मॉडल कहाँ बनाया हुआ है ?

- A- अलवर
- B- अजमेर
- C- उदयपुर
- D- जयपुर

प्रश्न 32- इनमे से कौन सा सही नहीं है ?

- A- यूरोपवासी यादव
- B- यूरोपवासी कौरव
- C- भारतवासी यादव
- D- B और C

भाग (21) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1 - *C.पावन दुनिया बनाने का*

पावन दुनिया बनाने का कान्ट्रैक्ट एक बाप का है। यह कान्ट्रैक्ट दूसरा कोई उठा नहीं सकता। संन्यासी पावन बनकर इस दुनिया को धमाते अवश्य हैं लेकिन वह पावन दुनिया बनाने का कान्ट्रैक्ट नहीं उठाते।

उत्तर 2 - *A.कुमारियों का*

यहाँ मुख्य सब्जेक्ट है याद की। नॉलेज तो सहज है। बच्चे भी समझा सकते हैं। छोटपन में बुद्धि तीखी होती है - धारणा करने की। बुढ़िया इतना नहीं समझा सकती हैं। *यहाँ भी कुमारियों का बाबा जास्ती मान रखता है।*

उत्तर 3 - *D.पुरानी दुनिया के अन्त होने का*

इस पुरानी दुनिया के अन्त होने का इशारा सबको मिल जाता है क्योंकि बाप आते ही हैं पतित सृष्टि का अन्त करने, इसलिए विनाश का साक्षात्कार भी होता है।

उत्तर 4 - *D.उपरोक्त सभी*

मीरा कृष्ण से डांस करती थी, बहुत नामीग्रामी है। शिरोमणी भक्तों में गाई जाती है। कृष्ण को याद करती थी तो झट उनको *साक्षात्कार* होता था। कृष्ण से प्रीत थी। *साक्षात्कार में देखती थी*, इसलिए *पवित्र* रहना चाहती थी। जानते हैं वहाँ विकार तो होता नहीं। कृष्ण से प्रीत लगी तो *पवित्र* जरूर बनना पड़े। पतित तो कृष्ण के साथ मिल न सकें। *मीरा पावन रही* इसलिए उनकी महिमा है।

उत्तर 5 - *D.क्योंकि वहाँ शरीर नहीं है।*

संन्यासी आदि भी कहते हैं स्थाई शान्ति कैसे मिले? अब शान्तिधाम तो है मूलवतन। जहाँ से फिर आत्मायें पार्ट बजाने आती हैं। वहाँ सिर्फ आत्माएं हैं, शरीर नहीं हैं। *आत्मायें नंगी अर्थात् शरीर बिगर रहती हैं*।

उत्तर 6- *D.पण्डा*

बच्चे चिट्ठी लिखते हैं तो एड्रेस लिखते हैं - शिवबाबा के अरआफ ब्रह्मा बाबा। शिवबाबा है आत्माओं का बाप और ब्रह्मा को कहा जाता है *आदि देव, एडम, दादा।*

उत्तर 7 - *C.ड्रामा के आदि-मध्य-अन्त की कहानी*

इस ड्रामा के आदि-मध्य-अन्त की कहानी बड़ी लम्बी और ऊंची है। इस कहानी को मनुष्य नहीं समझ सकते। तुम बच्चों के लिए यह कहानी बहुत कॉमन है। तुम जानते हो - यह ड्रामा कैसे हूबहू रिपीट होता है, यह सीढ़ी कैसे फिरती रहती है।

उत्तर 8 - *D.आदि सनातन देवी देवता धर्म*

तुम तो जानते हो कैसे *आदि सनातन देवी-देवता धर्म प्रायः लोप हो जाता है।* अभी वह फाउन्डेशन है नहीं। बाकी सारा झाड़ खड़ा है। सभी धर्म हैं, बाकी एक धर्म नहीं है। बड़ का झाड़ भी देखो कैसे खड़ा है। थुर है नहीं

उत्तर 9 - *B.सीढ़ी*

बाबा का सीढ़ी के चित्र पर सारी रात विचार चल रहा था क्योंकि यह है सबसे अच्छे ते अच्छा चित्र समझाने का और है भी भारतवासियों के लिए। शिवबाबा तो ज्ञान का सागर है, यह बाबा भी ज्ञान की उछालें देते रहते हैं, इसको कहा जाता है विचार सागर मंथन।

उत्तर 10 - *D.विकारी बनने के कारण*

सतयुग त्रेता में सम्पूर्ण निर्विकारी, पूज्य थे फिर विकारी पुजारी बने। *विकारी बनने के कारण ही अपने को हिन्दू कहलाते रहते हैं।* और कोई ने अपना नाम नहीं बदला है। हिन्दुओं ने ही बदला है।

उत्तर 11- *C.खुशी का पारा चढ़ जाये*

जिनको सर्विस का शौक है वह तो दिन रात सर्विस करते हैं। *सीढ़ी के राज को कोई समझ जाए तो खुशी का पारा चढ़ जाये।* बाबा ज्ञान का सागर है, हम बच्चे नदियां हैं तो वह शो दिखाना है। दिन-प्रतिदिन वृद्धि होती जायेगी।

उत्तर 12 - *D.सभी सही हैं*

यह है वेश्यालय। *सतयुग है शिवालय, उनकी स्थापना शिवबाबा करते हैं। उनको कृष्णपुरी भी कहते हैं अर्थात् कृष्णालय कहें*... परन्तु स्थापना तो शिवबाबा करते हैं ना।

उत्तर 13 - *D.उपरोक्त सभी*

तुम जानते हो वह हमारा बेहद का बाप है। बेहद के बाप, रचयिता को रचना याद करती है। बाबा ने समझाया है - *सतयुग में है एक बाप। फिर होते हैं दो बाप। लौकिक और पारलौकिक। तुमको हैं तीन बाप। लौकिक, पारलौकिक, अलौकिक।*

उत्तर 14- *C.वहाँ मोहजीत रहते हैं*

एक शरीर से आत्मा निकल जाकर दूसरा शरीर लेती है, तुमको रोने की दरकार नहीं है। मनुष्य शरीर को याद करने से रोते हैं। *तुमको रोने की दरकार नहीं। सतयुग में कभी रोते नहीं। वहाँ हैं ही मोहजीत।*

उत्तर 15 - *B.पाप वृद्धि को पाते जाते हैं*

मीठे बच्चे - *सच्चे बाप के साथ सच्चे बनो, अगर सच नहीं बतलाते हो तो पाप वृद्धि को पाते जाते हैं।**

उत्तर 16 - *D.उपरोक्त सभी*

ब्रह्म को याद नहीं करना है, *घर को याद करने से विकर्म विनाश नहीं होंगे, सबका बाप शिव ही है, वर्सा भी उनसे मिलता है। यह है थू। ब्रह्मा से कुछ मिलता नहीं है।* उनकी महिमा क्या है? महिमा सारी एक शिव की है। हम हैं प्रवृत्ति मार्ग वाले। हमारा है बेहद का संन्यास। *जब भक्ति पूरी हो जाती है तो सारी दुनिया से वैराग्य हो जाता है* और भक्ति से भी वैराग्य हो जाता है।।

उत्तर 17- *C.कारंटान क्लास*

यह बीके का जो आश्रम है यह कारंटान क्लास या सात रोज क्लास करना है ताकी पाच विकार निकल जाये। देवताओ मे यह पाच विकार होते नही। अब यहां पाच विकारों का दान देना है तब ग्रहण छुटेगा। देे दान तो छुटेे ग्रहण।

उत्तर 18- *C.क्योंकि यह रावण राज्य है।*

तुमको बाप कर्म अकर्म विकर्म की गती बैठ समझाते है। *यहा जो कर्म करेंगे सो विकर्म ही होगा क्योंकि रावण राज्य है* सतयुग मे कर्म अकर्म हो जाता है। हम तुमको अभी उस दुनिया मे ट्रान्सफर करते है जहा तुमसे विकर्म होगा ही नही।

उत्तर 19- *D.हम बाबा को देते हैं*

ऐसे कोई मत समझे हम शिवबाबा को पाच रुपया देते है परन्तु शिवबाबा से 5 पद्म स्वर्ग मे लेते है। तो क्या यह देना हुआ। *अगर समझते है की हम देते है यह तो शिवबाबा की बडी इन्सल्ट कर रहे है।* बाप तुमको कितना उंच बनाते। तुम पाच रुपये शिवबाबा के खजाने मे देते हो बाबा तुमको पाच करोड देते है। कौडी से हिरे जैसा बनाते है। *ऐसा कब संशय नही लाना की हमने शिवबाबा को दिया।*

उत्तर 20- *A.जब कर्मातीत बन जायेंगे।*

बाबा कहते है बहुत गुह्य -गुह्य रमणिक बाते सुनाते है, जिससे तुम झट निश्चयबुद्धि हो जाओ। जहां तक मेरा पार्ट है तुमको पढाता रहूंगा। यह भी ड्रामा मे नुन्ध है। *जब कर्मातील अवस्था को पायेंगे तब पढाई पुरी होगी* बच्चे भी समझ जायेंगे। पिछाडी मे इम्तिहान की रिझल्ट मालूम होती है ना। *इस पढाई में नंबर वन सब्जेक्ट है पवित्रता की।*

उत्तर 21- *B.जो रचता और रचना को जान गये हैं*

अभी तुम संगम पर हो। एक तरफ हैं पाण्डव और दूसरे तरफ हैं कौरव। अंधा उनको कहा जाता है जो रचयिता और रचना के आदि-मध्य-अन्त को नहीं जानते हैं। *सज्जे उनको कहा जाता है जो बाप द्वारा रचता और रचना को जान गये हैं।*

उत्तर 22- *D पाण्डव पहाड़ों पर गल गये*

दिखाते हैं पाण्डव पहाड़ों पर गल गये। परन्तु उनको क्या पड़ी थी जो पहाड़ों पर बर्फ में जाकर शरीर छोड़ेंगे। लॉ कहता है हिमालय के पहाड़ों पर कोई शरीर नहीं छोड़ते। बाकी तुम योगबल से शरीर छोड़ देते हो। देह-भान को भूल अशरीरी बनने की प्रैक्टिस करते हो।

उत्तर 23- *A. कामकटारी चलाना*

पतित आत्मायें सब हिसाब-किताब चुक्त् कर घर चली जायेंगी। बाकी थोड़े बचेंगे। पवित्र आत्मायें आती जायेंगी। अभी तो सब हैं काँटे। काम कटारी चलाना, यह काँटा लगाना है।

उत्तर 24- *D और संग तोड़ एक संग जोड़* सम्पूर्ण वफादार उन्हें कहा जाता है जिनके संकल्प वा स्वप्न में भी सिवाए बाप के और बाप के कर्तव्य वा बाप की महिमा के, बाप के ज्ञान के और कुछ भी दिखाई न दे। एक बाप दूसरा न कोई... बुद्धि की लगन सदा एक संग

रहे तो अनेक संग का रंग लग नहीं सकता *इसलिए पहला वायदा है और संग तोड़ एक संग जोड़* - इस वायदे को निभाना अर्थात् सम्पूर्ण वफादार बनना।

उत्तर 25- *D बाबा*

तुम जानते हो कि बेहद का बाप भारत में आता है। शिव जयन्ती भी मनाते हैं। भारत को आकर स्वर्ग बनाते हैं। अब स्मृति आई है कि हम स्वर्गवासी 84 जन्म भोग नर्कवासी बने हैं। *फिर बाबा आया हुआ है स्वर्गवासी बनाने।* अब बाप कहते हैं मुझे याद करो तो तुम्हारी आत्मा तमोप्रधान से सतोप्रधान बनेगी।

उत्तर 26- *B. नई दुनिया में जाने की तकदीर*

यह किसने कहा - तकदीर जगाकर आई हूँ? आत्मा ने। *सभी की आत्मा कहती है - मैं तकदीर बनाकर आयी हूँ, कौन सी तकदीर? नई दुनिया में जाने की तकदीर।* नई दुनिया है स्वर्ग। यह पुरानी दुनिया है नर्क। तो यह सब आत्मार्थ कहती हैं।

उत्तर 27- *D. उपरोक्त सभी सही है*

गुप्त बात है - अपने को आत्मा समझ बाप को याद करना। वह शिवबाबा यह प्रजापिता ब्रह्मा। तुमको डबल इंजन मिलती है, श्रृंगारने लिए। इनकी आत्मा भी श्रृंगार रही है। *फिर सब चलेंगे पियर घर। वहाँ से फिर ससुरघर विष्णुपुरी में आयेंगे। यह है डबल पियर घर अलौकिक, वो लौकिक वह पारलौकिक।*

उत्तर 28 *C. हे शिवबाबा*

मुख से "हे शिवबाबा" भी नहीं कहना है। आवाज़ से परे जाना है। अपने को आत्मा समझ अन्दर में बाप को याद करना है।

उत्तर 29- *B कर्मभोग*

(खाँसी आई) यह किसको होती है ? शिवबाबा को या ब्रह्मा बाबा को? (ब्रह्मा को) यह कर्मभोग है। अन्त तक होता रहेगा। *जब तक सम्पूर्ण बन जायें फिर यह शरीर भी नहीं रहेगा।* तब तक कुछ न कुछ होता रहेगा, इसको कर्मभोग कहा जाता है। *सतयुग में कर्मभोग होता नहीं। कोई बीमारी आदि होती नहीं।* हम एवरहेल्दी-एवरवेल्दी बनते हैं।

उत्तर 30- *C. अजपा याद*

तुमको आवाज़ से परे जाना है। बच्चे को अन्दर में बाप याद रहता है। आत्मा जानती है कि यह हमारा बाबा है। तुमको अन्दर गुप्त याद करना है, *इसको अजपा याद कहा जाता है। जाप नहीं करना है।* माला अन्दर फेरो या बाहर फेरो। बात एक ही है।

उत्तर 31- *B. अजमेर*

वास्तव में तुम इस समय रावण पर जीत पाते और गोल्डन एज के मालिक बनते हो। *अजमेर में बैकुण्ठ का मॉडल बनाया है।* अब तुम जानते हो बाबा आया है बच्चों को फिर से स्वर्ग का मालिक बनाने। हीरे जवाहरों के महलों में हम राज्य करेंगे।

उत्तर 32- *D. B और C*

वह लोग जो प्लैन बना रहे हैं, वह भी ड्रामा में नूँध है। *यूरोपवासी यादव, भारतवासी कौरव और पाण्डव।* वह सब एक तरफ, इस तरफ दो भाई-भाई हैं। भारत में भाई-भाई हैं। जो अभी कलियुग में भाई-भाई हैं तुम अब निकल आये हो संगम पर। *कौरव और पाण्डव एक ही घर के थे।* आत्मा असुल में भाई-भाई है।

भाग - (22)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करे.....

प्रश्न 1- अभी तुम संगमयुग पर हो, तुम्हें कौनसा ख्याल नहीं आना चाहिए ?

- A- दूसरों की निंदा करने का
- B- पतित बनने का
- C- फारगति देने का
- D- पुरानी कलियुगी दुनिया का

प्रश्न 2- इनमे से क्या पुरुषार्थ में अलबेला बना देगा ?

- A- आलस्य
- B- लगाव
- C- अहंकार
- D- देह अभिमान

प्रश्न 3- कौनसी माला नहीं होती है ?

- A- रुद्र माला
- B- वैजयन्ती माला

- C- ब्राह्मणों की माला
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 4- ज्ञान धन का दान करने के लिए क्या करना पड़ेगा ?

- A- प्रदर्शनी लगाओ
- B- योगयुक्त होना पड़ेगा
- C- ज्ञान की धारणा
- D- विचार सागर मंथन

प्रश्न 5- विजय माला में कौन पिरोये जाते हैं ?

- A- जो ज्ञान सागर के नजदीक आ जाते हैं।
- B- जास्ती सर्विस करते हैं।
- C- जो सागर हुप कर लेते हैं।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 6- जो दूसरों को सम्मान नहीं देता वो क्या नहीं बनता ?

- A- स्वमानधारी
- B- सम्मानधारी
- C- देवता
- D- स्वराज्य अधिकारी

प्रश्न 7- यहाँ तुम्हें सिर्फ बाप को याद करना है, यहाँ तुम्हें क्या करने की दरकार नहीं है ?

- A- माथा टेकने की
- B- पैर पड़ने की
- C- सिर झुकाने की
- D- माला फेरने की

प्रश्न 8- कौनसे मन्त्र द्वारा संकल्पों को सिद्ध कर सिद्धि स्वरूप बन सकते हो ?

- A ज्ञान का
- B याद का
- C धारणा का
- D सेवा का

प्रश्न 9- जब शिव बाबा सगीर बच्चों की चलन ठीक नहीं देखते हैं तो क्या करते हैं?

- A- चमाट मारते हैं।
- B- समझाते हैं।
- C- हाथ छोड़ देते हैं।
- D- वर्सा नहीं देते हैं।

प्रश्न 10- बाप की आज्ञा नहीं मानी तो कौन सजा देगा ?

- A- बाप
- B- दादा
- C- स्वयं
- D- धर्मराज

प्रश्न 11- हम अपने आपको और बाप को नहीं जानते इसलिए क्या थे ?

- A- पत्थरबुद्धि
- B- तुच्छ बुद्धि
- C- जानवर बुद्धि
- D- असुर

प्रश्न 12- बाप ने तुम्हें कहाँ रखा है ?

- A- अपने पास
- B- स्वर्ग में
- C- संगमयुगी पॉट में
- D- तने में

प्रश्न 13- कोई- कोई की तो चलन ऐसी है - जैसे हैं ?

- A- कछुए
- B- मगरमच्छ
- C- केकड़े
- D- मकड़ी

प्रश्न 14- तो बुद्धि का ताला भी खुलता जाए। गोल्डन बुद्धि बनती जाए ?

- A- विचार सागर मंथन करें
- B- सर्विस का शौक हो
- C- निर्विकारी यात्रा करें
- D- बाप को याद करें

प्रश्न 15- यह मुख्य चित्र जो हैं भी कपड़े पर छप जाएं तो बाहर भी ले जा सकते हो ?

- A- त्रिमूर्ति, सीढ़ी, गोला
- B- सीढ़ी, गोला, झाड़
- C- त्रिमूर्ति, गोला, झाड़
- D- त्रिमूर्ति, सीढ़ी, झाड़

प्रश्न 16- का भी ज्ञान गोले में आ जाता है ?

- A- झाड़
- B- सीढ़ी
- C- त्रिमूर्ति
- D- सृष्टि चक्र

प्रश्न 17- किसकी अवज्ञा की तो कभी भी चढ़ती कला नहीं हो सकती ?

- A- शिव बाबा की
- B- ब्रह्मा बाप की
- C- मुरली की
- D- ब्राह्मण परिवार की

प्रश्न 18- के पहले क्यों न हम याद में रह तमोप्रधान से सतोप्रधान बनने का पुरुषार्थ करें ?

- A- लड़ाई लगने
- B- विनाश होने
- C- मौत
- D- खूने नाहक खेल

प्रश्न 19- बाबा का स्वरूप इनमे से कौन सा नहीं है... ?

- A- बिंदी
- B- सरसों के दाने मिसल
- C- खस खस के दाने मिसल
- D- स्टार मिसल

प्रश्न 20- तुम जानते हो हम 63 जन्म शरीर द्वारा कितना करते हैं ?

- A- पाप कर्म
- B- हंगामा
- C- डांस
- D- नाटक

प्रश्न 21- तुम भी सब पत्नियां हो, यह शिवबाबा पतियों का पति है। तुम्हारी हुई है परमात्मा के साथ?

- A- रसम
- B- मंगनी
- C- सगाई
- D- शादी

प्रश्न 22- इनमे से कौनसा सही नहीं है ?

- A- संन्यासी लोग सिर्फ ब्रह्म को याद करते हैं।

- B- ब्रह्म तो भगवान है नहीं।
- C- सिर्फ घर को याद करेंगे तो जैसे संन्यासी हो जायेंगे
- D- सिर्फ घर को याद करेंगे तो घर में पहुँच जाएंगे।

प्रश्न 23- ऐसी अवस्था बनानी है जो अन्तकाल में एक बाप की याद आये। दूसरा कोई याद न आये, उसके लिए बुद्धि में क्या रहे ?

- A- बाबा ही मेरा संसार है
- B- नई दुनिया आने वाली है।
- C- सब विनाश होने वाला है
- D- बहुत गई थोड़ी रही

प्रश्न 24- तुम्हें में रहकर एक बाप को याद करना है, इसमें घण्टे आदि बजाने की दरकार नहीं है?

- A- घर
- B- मंदिर
- C- साइलेन्स
- D- आत्म अभिमान

प्रश्न 25- तुम स्वर्ग में गर्भ महल में रहते हो। यहाँ है जेल क्यों ?

- A- क्योंकि पतित शरीर है।
- B- क्योंकि प्रकृति तमोप्रधान है।
- C- क्योंकि कलयुग में दुःख ही दुःख है
- D- क्योंकि मनुष्य पाप कर्म करते हैं

प्रश्न 26- मैसेन्जर अथवा पैगम्बर किसको कहा जाता

- A- शिव बाबा
- B- ब्रह्मा बाबा
- C- ब्राह्मण
- D- धर्म स्थापक

प्रश्न 27- कौनसी चीज मांगी जाती है ?

- A- जो हमारी होती है
- B- जो पहले थी अब नहीं है
- C- जो हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है।
- D- जो हमें पसन्द है

प्रश्न 28- इनमे से कौनसा सही है ?

- A- सिमर-सिमर सुख पाओ, कलह क्लेश मिटे सब मन के।
- B- सिमर-सिमर सुख पाओ, कलह क्लेश मिटे सब तन के।
- C- सिमर-सिमर सुख पाओ, कलह क्लेश मिटे सब जन के।
- D- सिमर-सिमर सुख पाओ, कलह क्लेश मिटे सब धन के।

प्रश्न 29- जब देवतायें वाम मार्ग में जाते हैं तो कौन भारत को थमाते हैं ?

- A- परमात्मा
- B- ब्रह्माकुमार- ब्रह्माकुमारी
- C- संन्यासी
- D- पतित- पावनी गंगा

प्रश्न 30- रिलीजस कॉन्फ्रेंस में कौन जा सकते ?

- A- नॉन बी. के.
- B- ब्रह्मा बाबा
- C- मम्मा
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 31- ब्राह्मण कुल में कैसे होकर रहना है ?

- A- फरमानदार
- B- क्षीरखण्ड
- C- आत्माभिमानी

D- आज्ञाकारी

प्रश्न 32- डबल लाइट कौनसी कला की निशानी है ?

- A- उड़ती कला
- B- चढ़ती कला
- C- दौड़ती कला
- D- उतरती कला

भाग (22) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *D पुरानी कलियुगी दुनिया का*

बाबा जानते हैं कि बच्चों को बाहर रहते, घरबार, खेती-बाड़ी में रहते इतनी बाबा की याद नहीं रह सकती। *तो यहाँ जब आते हो तो सब ख्यालात छोड़कर आओ।* तुम अभी उस कलियुगी दुनिया में हो ही नहीं, *अब तुम संगम पर हो। कलियुग को छोड़ दिया है, बाहर में कलियुग है।* मधुबन जो खास है, यह है संगम इसलिए मधुबन का गायन है।

उत्तर 2- *B लगाव*

किसी से भी लगाव है तो वह लगाव पुरूषार्थ में अलबेला अवश्य बनायेगा। कई बच्चे पूरी मैगजीन पढ़ते नहीं हैं। बच्चों को मैगजीन पढ़कर सर्विस करनी चाहिए। लिखते हैं बाबा फलानी को बदली कर दो। अच्छी ब्राह्मणी भेज दो। *कोई-कोई ब्राह्मणी के साथ इतना प्यार हो जाता है, ब्राह्मणी बदली होने से गिर पड़ते हैं।* सेन्टर पर आना ही छोड़ देते हैं।

उत्तर 3- *C ब्राह्मणों की माला*

अभी तुमको पता है प्रवृत्ति मार्ग की ही माला है, जो प्रवृत्ति मार्ग में पतित थे, अब शिवबाबा की मत्त से पावन बन सृष्टि को पावन बना रहे हैं, इसलिए यादगार माला बनी हुई है। रूद्र माला और विष्णु की वैजयन्ती माला है। *ब्राह्मणों की माला नहीं बनती है।*

उत्तर 4- *D विचार सागर मंथन*

बाबा कहते हैं *मीठे बच्चे - ज्ञान धन का दान करने के लिए विचार सागर मंथन करो, दान का शौक रखो तो मंथन चलता रहे।* अपने आपको तन्दरूस्त रखने के लिए बाबा द्वारा जो भी ज्ञान घास (मुरली) मिलती है, उसे खाकर फिर उगारना चाहिए अर्थात् मंथन करना चाहिए। जिन बच्चों को मंथन करने की अर्थात् हज़म करने की आदत है, वह बीमार नहीं पड़ सकते। *सदा तन्दरूस्त वह है जिसमें विकारों की बीमारी नहीं।*

उत्तर 5- *D उपरोक्त सभी*

तुम्हारे लिये तो गाया हुआ है - *सागर को हप कर लिया। जो ज्ञान सागर के नजदीक आ जाते हैं, जास्ती सर्विस करते हैं *वही विजय माला में पिरोये जाते हैं।* जितना-जितना जो हप करते हैं और दूसरों का कल्याण करते हैं वह पद भी पाते हैं, जितना धारणा करेंगे उतना खुशी भी होगी।

उत्तर 6- *C देवता*

जितना ही बाप को सम्मान मिलता है उतना ही सब बच्चों को सम्मान देते हैं। *जो देता नहीं है तो देवता बनता नहीं।* देवता अर्थात् देने वाला। *अगर इस जन्म में सम्मान नहीं दिया तो देवता कैसे बनेंगे,* अनेक जन्मों में सम्मान कैसे प्राप्त करेंगे? फालो फॉरर।

उत्तर 7- *A माथा टेकने की*

बाबा खुद कहते हैं - तुम्हारा बहुत जन्मों के भी अन्त का जन्म है। तुम पुण्य आत्मा थे, सो अब पाप आत्मा बने हो फिर पुण्य आत्मा बनना है। अपना कल्याण तो करना है। यहाँ तुम्हें माथा आदि टेकने की भी दरकार नहीं है, सिर्फ बाप को याद करना है।

उत्तर 8- *B याद के*

आप बच्चे आलमाइटी गवर्मेन्ट के मैसेन्जर हो इसलिए कोई से भी डिस्कस करने में अपना माइन्ड डिस्टर्ब नहीं करना। *याद का मन्त्र यूज़ करना।* जैसे कोई वाणी से या अन्य किसी तरीके से वश नहीं होते हैं तो मन्त्र-जन्त्र करते हैं, *आपके पास आत्मिक दृष्टि का नेत्र और मनमनाभव का मन्त्र है जिससे अपने संकल्पों को सिद्ध कर सिद्धि स्वरूप बन सकते हो।*

उत्तर 9- *B समझाते हैं*

तुम जानते हो *बाप कहते हैं - मेरा बनकर श्रीमत् पर नहीं चलेंगे तो सजा खानी पड़ेगी।* जैसे बाप सगीर बच्चों की चलन ठीक नहीं देखते हैं तो चमाट मार देते हैं, *यह बाप चमाट तो नहीं मारते। सिर्फ समझाते हैं*- प्रतिज्ञा ब्लड से भी लिखकर देते हैं, फिर भी हार जाते हैं।

उत्तर 10- *D धर्मराज*

यह भी तुम्हारे जैसा स्टूडेंट है। पढ़ते हैं। बहुत बच्चे हैं - बाप को पहचानते नहीं हैं। *बाप के साथ धर्मराज भी है। बाप कहते हैं मेरी आज्ञा नहीं मानी, मेरी इनसल्ट की तो धर्मराज बहुत सजायें देगा।* डायरेक्ट हमारी अथवा हमारे बच्चे की तुम अवज्ञा करते हो। बाप का एक ही सिक्कीलधा बच्चा है। प्यार तो है ना। *इनकी इनसल्ट करते तो कितनी सजायें खानी पड़ेगी।

उत्तर 11- *C जानवर बुद्धि*

यह तो बच्चे जानते हैं कि हम न आत्मा को, न परमात्मा को जानते थे। *न अपने आपको, न बाप को जानते थे इसलिए जैसे जानवर बुद्धि थे।* लौकिक सम्बन्ध में तो अपने को जानते हैं। बाप को भी जानते हैं। इस समय के मनुष्य अपने को और पारलौकिक बाप को बिल्कुल ही नहीं जानते हैं।

उत्तर 12- *C संगमयुगी पॉट में*

अभी तुम कांटों की दुनिया से किनारे में हो। संगम पर हो। कांटों से फूल बन रहे हो। *जैसे माली कांटों को निकाल, फूलों को अलग पॉट में रखते हैं। तुमको भी बाबा ने अलग कर दिया है। तुम संगम पर हो।* तुम्हारी मरम्मत होती रहती है। फिर भी माया कांटा बना देती है फिर भी एक बार हमारा बन गया ना.. तो यह माया के विघ्न भी एक दिन खत्म हो जायेंगे। फिर यह जो पॉट में लगे हुए फूल हैं वह सब स्वर्ग में चले जायेंगे। *कलियुगी कांटें सब भस्म हो जायेंगे।*

उत्तर 13- *C. केकड़े*

बच्चों को कितना अपार खुशी होनी चाहिए। इस पढ़ाई से हम विश्व के मालिक बनते हैं। *कोई-कोई की तो चलन ऐसी है - जैसे केकड़े हैं।* केकड़ों को बाप देवता बनाते हैं। फिर भी चलन मुश्किल किसकी सुधरती है।

उत्तर 14- *D. बाप को याद करें*

बच्चे इतना काम नहीं करते। यात्रा ही नहीं करते। *बाप को याद करें तो बुद्धि का ताला भी खुलता जाए। गोल्डन बुद्धि बनती जाए।* तुम बच्चों की पारसबुद्धि होनी चाहिए, बहुतों का कल्याण करना चाहिए।

उत्तर 15- *C. त्रिमूर्ति, गोला, झाड़*

और धर्म वालों को भी बाबा का परिचय देना है। बाहर वालों को, राजाओं को नॉलेज देनी है। उसके लिए तैयारी करनी चाहिए। बाबा कहते हैं *यह मुख्य चित्र जो हैं - त्रिमूर्ति, गोला, झाड़ भी कपड़े पर छप जाएं तो बाहर भी ले जा सकते हो।* बड़ा साइज़ नहीं छपे तो दो टुकड़े कर दो।

उत्तर 16- *B. सीढ़ी*

सीढ़ी का भी ज्ञान गोले में आ जाता है। सीढ़ी डिटेल् में बनाई है तो 84 जन्म कैसे लिए जाते हैं। चक्र में सब धर्म वालों का आ जाता है। सीढ़ी में दिखाते हैं कैसे सतोप्रधान फिर सतो रजो तमो में आते हैं, नीचे उतरते हैं।

उत्तर 17- *B. ब्रह्मा बाप की*

चलते-चलते थोड़ा भी अहंकार आया, अपने को होशियार समझा, मुरली मिस की, *ब्रह्मा बाप की अवज्ञा की तो कभी भी चढ़ती कला नहीं हो सकती।* साकार की दिल से उतरा माना निराकार की दिल से भी उतरा।

उत्तर 18- *B. विनाश होने*

कोई भी समय लड़ाई बड़ी हो जाए, नियम थोड़े ही है। कहते भी हैं शायद बड़ी लड़ाई हो भी जाये, जो बन्द भी न हो सके। सभी एक दो में लड़ने लग पड़ेंगे। तो *विनाश होने के पहले क्यों न हम याद में रह तमोप्रधान से सतोप्रधान बनने का पुरुषार्थ करें।*

उत्तर 19- *C. खस खस के दाने मिसल*

अब सब आत्माओं को जाना है मूल वतन। तुम्हारा आवाज़ कुछ भी नहीं इसलिए बाबा मिसाल देते हैं। सरसों के दाने मिसल पीसते हैं। *बाबा भी बिन्दी, सरसों के दाने मिसल है।* खस-खस का दाना भी छोटा होता है। परमात्मा भी बिन्दी है। उनको देखा भी नहीं जाता - दिव्य दृष्टि बिना। *बिल्कुल छोटा स्टॉर मिसल है।*

उत्तर 20- *C. डांस*

भक्ति की बातें बुद्धि में बैठी हुई हैं। भक्ति मार्ग और ज्ञान मार्ग में रात दिन का फर्क है। *तुम जानते हो हम 63 जन्म शरीर द्वारा कितना डांस करते हैं।* 63 जन्म कितना भक्ति मार्ग का हंगामा देखते हैं। उसमें भी पहले जब सतोप्रधान भक्ति थी तो एक शिवबाबा की भक्ति करते थे। फिर यह गंगा स्नान आदि बाद में शुरू होते हैं। पहले अव्यभिचारी भक्ति होती है फिर वृद्धि को पाते हैं।

उत्तर 21- *C. सगाई*

जैसे कन्या की जब शादी होती है तो क्या जाप करती है? याद में रहती है। *तुम भी सब पत्नियाँ हो, यह शिवबाबा पतियों का पति है। तुम्हारी सगाई हुई है परमात्मा के साथ।* सगाई जब हो गई तो बस याद बुद्धि में बैठ गई। खातिरी हो गई कि हमने सगाई कर ली। फिर एक दो को याद करते रहते हैं।

उत्तर 22- *D. सिर्फ घर को याद* करेंगे तो घर में पहुँच जाएंगे।

अपने को आत्मा निश्चय करो। बस! अब हमको अपने घर जाना है। बाप को ही सब कहते हैं कि हमको दुःख से छुड़ाए मुक्त करो। *संन्यासी लोग सिर्फ ब्रह्म को याद करते हैं।* अब ब्रह्म तत्व तो है घर। वह घर को याद करेंगे, यहाँ बाप को याद करना है। *सिर्फ घर को याद करेंगे तो जैसे संन्यासी हो जायेंगे। ब्रह्म तो भगवान है नहीं।*

उत्तर 23- *C. सब विनाश होने वाला है*

यहाँ शिवबाबा के भण्डारे से, पतित-पावन बाप के यज्ञ से परवरिश होनी है, न कि पतित घर से। और किसी की दी हुई चीज़ होगी तो वह याद आयेगा। उसके लिए गायन है अन्तकाल जो स्त्री सिमरे... कितनी अच्छी अवस्था होनी चाहिए।.... *ऐसी अवस्था बनानी है जो अन्तकाल में एक बाप की याद आये। दूसरा कोई याद न आये, बुद्धि में रहे यह सब विनाश होने वाला है।*

उत्तर 24- *C. साइलेन्स*

तुम्हें साइलेन्स में रहकर एक बाप को याद करना है, इसमें घण्टे आदि बजाने की दरकार नहीं है घण्टा-घड़ियाल, गीत-भजन, रोना-पीटना कितना भक्ति मार्ग में चलता है। किसम-किसम के आवाज मन्त्र-जन्त्र, स्तुति आदि होती है और ज्ञान मार्ग में है साइलेन्स। सिर्फ इशारा दिया जाता है, आवाज कुछ नहीं।

उत्तर 25- *D. क्योंकि मनुष्य पाप कर्म करते हैं*

तुम फिर श्रीमत पर क्यों नहीं चलते हो। बाप जमघटों की फाँसी से छुड़ाते हैं, गर्भजेल की सजाओं से छुड़ाते हैं। *तुम स्वर्ग में गर्भ महल में रहते हो। यहाँ है जेल क्योंकि मनुष्य पाप कर्म करते हैं।*

उत्तर 26- *C. ब्राह्मण*

बाप कहते हैं मन्मनाभव। मौत सामने खड़ा है। *तुमको ही मैसेन्जर अथवा पैगम्बर कहा जाता है।* तुम ब्राह्मणों के सिवाए कोई मैसेन्जर बन नहीं सकता।

उत्तर 27- *B. जो पहले थी अब नहीं है*

बाप आये हैं भक्ति रूपी रात का विनाश कर दिन स्थापन करने क्योंकि बाप को ही बुलाते हैं - हे पतित-पावन आओ। समझते हैं कोई समय हम पावन थे, अब पतित हैं। *चीज़ वह माँगी जाती है जो पहले थी अब नहीं है।*

उत्तर 28- *B. सिमर-सिमर सुख पाओ, कलह क्लेश मिटे सब तन के*

बाप की मत मानो। मुझे याद करो। *कहते हैं ना सिमर-सिमर सुख पाओ, कलह क्लेश मिटे सब तन के।* भक्ति मार्ग में कोई कलह-क्लेश मिटता नहीं है। बहुत संन्यासी लोग भी बीमारी में अर्धांग में पड़े रहते हैं। जैसे पागल हो जाते हैं। तुम बच्चे जानते हो बाप की श्रीमत पर चलेंगे तो हम एवरहेल्दी बनेंगे।

उत्तर 29- *C. संन्यासी*

अब विनाश सामने खड़ा है। भ्रष्टाचारी भारत को कोई मनुष्य श्रेष्ठाचारी बना नहीं सकता। *बाबा ने समझाया है तो जब देवतायें वाम मार्ग में जाते हैं तो फिर यह संन्यासी पवित्रता के बल से भारत को थमाते हैं।* इस समय तो सब पतित बन गये हैं।

उत्तर 30- *C. मम्मा*

होशियार में होशियार ब्रह्मा की बेटी सरस्वती है। वह कहाँ से आई? ब्रह्मा को स्त्री तो नहीं है। वह है ही प्रजापिता। तो वह है मुख वंशावली। यह ड्रामा भी अनादि बना बनाया है। *तो गॉडेज आफ नॉलेज सरस्वती है। अब रिलीजस कान्फ्रेन्स होती है उसमें निराकार शिवबाबा तो जा नहीं सकते। ब्रह्मा को भी नहीं बिठा सकते। माता की महिमा है।* सभी धर्म वालों की हेड माता होनी चाहिए। सभी की माता जगत अम्बा बैठ लोरी दे। बच्चे पैदा होते हैं माँ द्वारा।

उत्तर 31- *B. क्षीरखण्ड*

कोई-कोई बच्चे चलते-चलते ब्राह्मणी से भी रूठने के कारण फिर शिवबाबा से भी रूठ पड़ते हैं। *भगवान से रूठना - क्या यह अक्लमंदी है? औरों से रूठे तो रूठने दो, मेरे से रूठे तो मुर्दा बन जायेंगे। शिवबाबा से तो न रूठो।* खजाना लेते रहो, धन दिये धन ना खुटे... संग भी चाहिए। *ब्राह्मण कुल में तो बहुत क्षीरखण्ड होने चाहिए।*

उत्तर 32- *A. उड़ती कला*

अभी चढ़ती कला का समय समाप्त हुआ, अभी उड़ती कला का समय है। उड़ती कला की निशानी है डबल लाइट। थोड़ा भी बोझ होगा तो नीचे ले आयेगा। चाहे अपने संस्कारों का बोझ हो, वायुमण्डल का हो, किसी आत्मा के सम्बन्ध-सम्पर्क का हो, कोई भी बोझ हलचल में लायेगा इसलिए कहीं भी लगाव न हो, जरा भी कोई आकर्षण आकर्षित न करे। *जब ऐसे आकर्षण मुक्त, डबल लाइट बनें तब सम्पूर्ण बन सकेंगे।*

भाग - (23)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- कौन सा खेल नेचुरल है लेकिन मनुष्य उसे गाडली एक्ट समझते हैं ?

- A- स्वर्ग की रचना
- B- नेचुरल कैलेमिटीज़
- C- सीढ़ी उतरना और चढ़ना
- D- महाभारत की लड़ाई

प्रश्न 2- धारणा नहीं होती तो क्या समझना चाहिये

- A- देह- अभिमान है
- B- अच्छी रीति पढ़ाई नहीं पढ़ते
- C- श्रीमत प्रमाण नहीं चलते
- D- निश्चय की कमी है

प्रश्न 3- बाबा को बच्चों के नाम भी पूरे याद नहीं रहते क्यों ?

- A- क्योंकि देही- अभिमानी रहते है।
- B- क्योंकि बाबा पढ़ाई पर अटेंशन दिलवाते है।
- C- क्योंकि शिवबाबा को याद करना है
- D- क्योंकि बच्चे फरगति दे देते हैं।

प्रश्न 4- ज्ञान- सागर से निकली हुई ज्ञान गंगाओं को क्या कहा जाता है ?

- A- ज्ञान नदियाँ
- B- शिव शक्तियाँ
- C- पाण्डव सेना
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 5- ज्ञान का भी एक ही अक्षर कौनसा है?

- A- मेरा बाबा
- B- खुशी जैसी खुराक नहीं
- C- तत्त्वम
- D- मनमनाभाव

प्रश्न 6- वह कौनसी आत्मा है जिसके संकल्प में भी दुःख की लहर नहीं आती?

- A- सुखदायी
- B- दैवी आत्मा
- C- खुशनसीब
- D- भाग्यशाली

प्रश्न 7- भल बीमार हो, खाट पर पड़े हो तो भी क्या करना है ?

- A- मुरली पढ़नी है
- B- मुरली सुननी है
- C- बुद्धि में शिवबाबा की याद रखनी है।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 8- मुरली में कौनसा जादू है ?

- A- विश्व का मालिक बनने का
- B- रिफ्रेश करने का
- C- ज्ञान की बुल-बुल बनने का
- D- बेगर टू प्रिंस बनने का

प्रश्न 9-आस्तिक बने हुए बच्चे भी किस एक बात के कारण नास्तिक बन जाते हैं ?

- A- ज्ञान की गोली लगने से
- B- देह-अभिमान के कारण
- C- सर्वव्यापी कहने से
- D- माया के कारण

प्रश्न 10- यज्ञ हमेशा किसके द्वारा रचा रचा जाता है ?

- A- देवताओं द्वारा
- B- ब्राह्मणों द्वारा
- C- क्षत्रिय द्वारा
- D- बाप द्वारा

प्रश्न 11- परिस्तान किसको कहा जाता था ?

- A- नई दुनिया को
- B- नई देहली को
- C- भारत को
- D- सतयुग को

प्रश्न 12- ब्रह्मा के लिए ही क्या गाते हैं ?

- A- ब्रह्मा का दिन और ब्रह्मा की रात
- B- ब्रह्मा द्वारा स्थापना
- C- ज्ञान सूर्य प्रगटा
- D- फर्ट प्रिन्स

प्रश्न 13- यह तन किसकी प्राणी है ?

- A- लौकिक पिता की
- B- अलौकिक पिता की
- C- पारलौकिक पिता की
- D- रावण की

प्रश्न 14- 2500 वर्ष के लिए एवरहेल्दी, वेल्दी बनना हो तो कहाँ जाना है?

- A- प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय में
- B- ईश्वरीय रूहानी पाठशाला में
- C- ईश्वरीय नेचर क्योर सेन्टर में
- D- अविनाशी रुद्र गीता ज्ञान यज्ञ में

प्रश्न 15- वैजयन्ती माला किसकी है ?

- A- कृष्ण की
- B- विष्णु की
- C- ब्राह्मणों की
- D- शिव की

प्रश्न 16- संगमयुग का लक्ष्य क्या है ?

- A- आकारी सो निराकारी
- B- फरिश्ता सो देवता
- C- ब्राह्मण सो देवता
- D- ब्राह्मण सो फरिश्ता

प्रश्न 17- हम सबको बाप ने संगमयुग पर ही बड़े-ते-बड़ी गिफ्ट क्या दी है?

- A- मुबारक के कार्ड
- B- खाने-पीने की मीठी चीजें
- C- हथेली पर स्वर्ग
- D- बाप का दिलतख्त

प्रश्न 18- विश्व की राजाई तो कितने जन्म होगी ?

- A- 21
- B- 20
- C- 8
- D- 1

प्रश्न 19- बेफ़िक़र बादशाही और दिलतख्त कितने जन्म के लिए मिलते हैं ?

- A- 21
- B- 20
- C- 8
- D- 1

प्रश्न 20- पाण्डवपति कौन है ?

- A- अर्जुन
- B- श्रीकृष्ण

- C- ब्रह्मा
- D- शिव

प्रश्न 21- श्री नारायण जब खुद पुजारी बनते हैं तो किसकी बैठ पूजा करते हैं?

- A- शिव की
- B- शंकर की
- C- श्रीकृष्ण की
- D- नारायण की

प्रश्न 22- जो सर्विसएबुल बच्चे होंगे वो पिछाड़ी में किसके मिसल स्थेरियम रह सकेंगे?

- A- अर्जुन
- B- अंगद
- C- महारथी
- D- हनुमान

प्रश्न 23- तुमको कौन सी सिर्फ दो बातों की गांठ बाँधनी है ?

- A- अकेले आये थे, अकेले जाना है
- B- बाप, वर्सा
- C- मनमनाभव, मध्याजीभव
- D- शान्तिधाम, सुखधाम

प्रश्न 24- क्या बनो तो चेहरे से खुशनसीबी की झलक दिखाई देगी?

- A- बाप समान
- B- सर्वगुणसम्पन्न
- C- डबल लाइट
- D- अनुभवी स्वरूप

प्रश्न 25- स्टूडेंट को तो किस चीज की हबच (लालच) होनी चाहिए?

- A- पैसे कमाने की
- B- विश्व का बादशाह बनने की
- C- पास विद ऑनर हो जाऊं
- D- नॉलेज की

प्रश्न 26- आत्मा के घर खुशी से कौन जायेगा ?

- A- जिसका बुद्धि योग अच्छा होगा
- B- जिसको कोई भी बन्धन अपनी तरफ आकर्षित न करे
- C- जो कर्मातीत बन जायेगा
- D- जिसका आने - जाने का अभ्यास होगा

प्रश्न 27- दुनिया वाले तो पुकारते रहते - "एक बूंद के प्यासे हम" और आप क्या कहते हो ?

- A- हम ज्ञान धन के प्यासे हैं
- B- हम भगवान के पास हैं।
- C- हम वर्से के अधिकारी हैं।
- D- हम आपको जीवन में मुक्ति डबल दिला सकते हैं।

प्रश्न 28- 21 जन्मों के लिए सदा सुखी बनने के लिए इस थोड़े समय में कौन सी आदत डालनी है ?

- A- आत्म अभिमानी बनने की
- B- देही अभिमानी बनने की
- C- अशरीरी बनने की
- D- निराकारी बनने की

प्रश्न 29- आत्मा को अपने बाप को याद करना है, बाकी क्या नहीं करना ?

- A- शिव काशी, शिव काशी
- B- शिवोहम, शिवोहम
- C- शिव, शिव

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 30- बाप के पास किस बात का भेद नहीं है ?

- A- विकारी और निर्विकारी का
- B- गरीब व साहूकार का
- C- ऊँच और नीच का
- D- मनुष्य और जानवर का

प्रश्न 31- इनमें से कौन सा शिवालय नहीं है ?

- A- निर्वाणधाम
- B- शिव के मंदिर
- C- मधुबन
- D- स्वर्ग

प्रश्न 32- जो पुरुष (आत्मा) समझ, रथ (शरीर) द्वारा कार्य कराते हैं वही कौन हैं ?

- A- मास्टर शक्तिशाली
- B- सच्चे सेवाधारी
- C- सच्चे पुरुषार्थी
- D- कर्मयोगी

भाग (23) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *B. नेचुरल कैलेमिटीज*

ड्रामा में यह जो नेचुरल कैलेमिटीज आती है, विनाश के समय एक ही समुद्र की लहर में सब खण्ड टापू आदि खत्म हो जाते हैं, जिसका रिहर्सल अभी भी होता रहता है, *यह सब नेचुरल खेल है। इसे मनुष्य गॉडली एक्ट कह देते हैं।* परन्तु बाबा कहते हैं कोई डायरेक्शन नहीं देता हूँ, यह सब ड्रामा में नूँध है।

उत्तर 2- *A. देह अभिमान है*

सचखण्ड की स्थापना करने वाला सच्चा ठहरा ना। यह सब बातें बाबा ही समझाते हैं। *सभी तो धारण कर नहीं सकते क्योंकि देह-अभिमान बहुत है।* जितना देही-अभिमानि होंगे, अपने को आत्मा अशरीरी समझेंगे, बाबा को याद करेंगे तो धारणा होगी। *देह-अभिमानि को धारणा नहीं होगी।* योग से ही आत्मा के पाप दग्ध होते हैं।

उत्तर 3- *C. क्योंकि शिवबाबा को याद करना है*

ग्रंथ में भी है चढ़ती कला तेरे भाने सर्व का भला। अक्षर अच्छे हैं परन्तु जो कुछ पढ़े हैं उनको तो भूलना पड़ता है। *बाबा को तो बच्चों के नाम भी पूरे याद नहीं क्योंकि शिवबाबा को याद करना है* इसलिए बाबा कह देते हैं, खुश रहो, आबाद रहो, न बिसरो, न याद रहो।

उत्तर 4- *B. शिव शक्तियां*

प्रदर्शनी में बड़ी हिम्मत चाहिए, समझाने की। पतित-पावन एक बाप ही है। तुम उनको याद करते हो, *यह ज्ञान सागर से निकली हुई ज्ञान गंगाएँ हैं इनको शिव शक्तियां कहा जाता है।* शिवबाबा से योग लगाने से शक्ति मिलती है। 5 विकारों की जंक निकलती है।

उत्तर 5- *D. मनमनाभव*

तुम बच्चों को अभी ज्ञान का तीसरा नेत्र मिला है जिससे तुम सृष्टि के आदि मध्य अन्त को जान गये हो। यह है ज्ञान की सैक्रीन। सैक्रीन का एक बूँद भी कितना मीठा होता है। *ज्ञान का भी एक ही अक्षर है मनमनाभव।* यह अक्षर सभी से कितना मीठा है। *अपने को आत्मा समझ और बाप को याद करो।*

उत्तर 6- *C. खुशनसीब*

खुशनसीब आत्मा वह है जिसके संकल्प में भी दुःख की लहर नहीं आती। बाप समझाते हैं बच्चे सदैव खुशी में रहने चाहते हो तो मनमनाभव। अपने को आत्मा समझ बाप को याद करो। भाईयों (आत्माओं) तरफ देखो। भाईयों को भी यह नॉलेज दो। यह टेव (आदत) पड़ जाने से फिर कभी क्रिमिनल आई धोखा नहीं देगी। *ज्ञान के तीसरे नेत्र से तीसरे नेत्र को देखो।*

उत्तर 7- *D. उपरोक्त सभी*

अभी तुम जानते हो हम दैवी परिवार का बनने लिए खूब पुरुषार्थ कर रहे हैं। बच्चों को पढ़ना भी कायदेसिर है। *एक दिन भी अबसेन्ट नहीं रहना है। भल बीमार हो, खाट पर पड़े हो तो भी बुद्धि में शिवबाबा की याद रहे।* आत्मा जानती है हम बाबा के बच्चे हैं, बाबा हमको घर ले चलने आया है।

उत्तर 8- *A. विश्व का मालिक बनने का*

शुरू में बच्चे मुरली बिगर एक दिन भी रह नहीं सकते थे, कितना तड़पते थे। (क्लास में बड़ी बहिनो ने गीत सुनाया- *तेरी मुरली में जादू..*) बांधेलियों को कैसे मुरली पढ़ाते थे! *मुरली में ही जादू है ना। कौन सा जादू? विश्व का मालिक बनने का जादू।* इससे बड़ा जादू कोई होता नहीं।

उत्तर 9- *B.देह अभिमान के कारण*

देह-अभिमान के कारण, जो कहते हम सब कुछ जानते हैं। पुरानी चाल छोड़ते नहीं। ज्ञान की गोली लगने के बाद फिर माया की गोली खाते रहते। *मैं आत्मा हूँ, देही-अभिमान बनना है, इस बात को भूलने से आस्तिक बने हुए भी नास्तिक बन जाते हैं।* ईश्वरीय गोद से मर जाते हैं।

उत्तर 10- *B.ब्राह्मणों द्वारा*

यज्ञ हमेशा ब्राह्मणों द्वारा रचा जाता है।, मिलता भी ब्राह्मणों को है। ब्राह्मण वर्ण ही सो देवता वर्ण बनता है। *शिवबाबा ब्रह्मा द्वारा ब्राह्मण बनाते हैं। ब्राह्मण फिर देवता बनते हैं।* कितनी सीधी बात है, परन्तु बच्चों पर बड़ा वन्दर लगता है जो इतनी सहज बात भी कई बच्चे धारण नहीं कर सकते हैं।

उत्तर 11- *B.नई देहली को*

किसको भी समझाना है कि आज से 5 हजार वर्ष पहले भारत गार्डन आफ गॉड था। मनुष्य बहुत सुखी थे। *नई दुनिया में सिर्फ भारत ही था।* कोई भी खण्ड का नाम निशान भी नहीं था। *नये भारत में फिर नई देहली भी थी, जिसको परिस्तान भी कहा जाता था।* भारत हीरे जैसा था, उसको ही सुखधाम भी कहते थे।

उत्तर 12- *A.ब्रह्मा का दिन और ब्रह्मा की रात*

वह भी घड़ी है, यह बेहद की घड़ी है। उसमें भी क्वार्टर, हाफ और फुल दिखाया है, इसमें भी ऐसे हैं। 4 हिस्से हैं। 15-15 मिनट मिले हुए हैं। वैसे यह फिर एक से शुरू करेंगे। इसमें आधाकल्प है दिन, आधाकल्प है रात। जैसे नक्शे में देखा - नार्थ पोल में 6 मास रात होती है तो जरूर साउथ पोल में 6 मास दिन होगा। *यहाँ भी ब्रह्मा का दिन आधाकल्प तो ब्रह्मा की रात आधा-कल्प।*

उत्तर 13- *D.रावण की*

मीठे बच्चे - यह तन रावण की प्रापर्टी है, इसे रावण को देकर अशरीरी बन घर जाना है इसलिए इससे ममत्व निकाल दो।

उत्तर 14- *C.ईश्वरीय नेचर क्योर सेंटर में*

भल यह भी लिख दो कि *2500 वर्ष के लिए एवरहेल्दी, वेल्दी बनना हो तो आओ इस ईश्वरीय नेचर क्योर सेंटर में*। परन्तु यह लिखेंगे भी वह जिसमें ज्ञान होगा। ऐसे थोड़ेही सेंटर हम खोलते हैं

उत्तर 15- *B.विष्णु की*

बाबा आकर मनुष्य को देवता बनाते हैं क्योंकि बाबा ही स्वर्ग की स्थापना करते हैं। ब्राह्मणों की माला नहीं गाई जाती है। *वैजयन्ती माला विष्णु की है।* यह है ईश्वरीय घराना, जो अब नया शुरू होता है।

उत्तर 16- *B.फरिश्ता सो देवता*

जिस आत्मा को जिस शक्ति की आवश्यकता है उसे अपनी मन्सा अर्थात् शुद्ध वृत्ति, वायब्रेशन द्वारा शक्तियों का दान दो और कर्म द्वारा गुण मूर्त बन, गुण धारण करने में सहयोग दो। तो इसी विधि से *संगमयुग का जो लक्ष्य है "फरिश्ता सो देवता*" यह सहज सर्व में प्रत्यक्ष दिखाई देगा।

उत्तर17- *C.हथेली पर*

आप सबको बाप ने संगमयुग पर ही बड़े-ते-बड़ी गिफ्ट क्या दी है? बापदादा सदा कहते हैं कि मैंने आप बच्चों के लिए *हथेली पर स्वर्ग का राज्य-भाग्य* लाया है। तो सबकी हथेली पर स्वर्ग का राज्य-भाग्य है ना।

उत्तर18- *B.20 जन्म*

कुमारियों को क्या फिक्र होता है? नौकरी का कि अच्छी नौकरी मिले, फिक्र है क्या? बेफिक्र हो ना! जिसको फिक्र होगा वह बेफिक्र बादशाही का मजा नहीं ले सकेंगे। *विश्व की राजाई तो 20 जन्म होगी*

उत्तर19- *D.1 जन्म*

बेफिक्र हो ना! जिसको फिक्र होगा वह बेफिक्र बादशाही का मजा नहीं ले सकेंगे। विश्व की राजाई तो 20 जन्म होगी लेकिन यह *बेफिक्र बादशाही और दिलतख्त - यह एक ही इस युग में मिलते हैं एक जन्म के लिए।* तो एक का महत्व है ना।।

उत्तर20- *D.शिव*

वह गीता सुनाने वाले कभी भी ऐसा नहीं कहते कि *शिवबाबा ने योग सिखाया*। गीता में दिखाया है एक अर्जुन को ही बैठ कृष्ण सुनाते हैं। ऐसी तो बात है नहीं। यह तो मनुष्य से देवता बनना है और पाण्डव सेना है जरूर, पाण्डवों की सेना को ही नॉलेज मिलती है और पाण्डवपति ही देते हैं।

उत्तर 21- *D.नारायण की*

बाबा कहते हैं नम्बर वन में 84 जन्म इसने लिए हैं। जो नम्बर वन पावन, सर्वगुण सम्पन्न है... उनको भी पतित बनना पड़े, तब फिर पावन बनें। 84 जन्मों का हिसाब है ना। आपे ही पूज्य... *वही श्री नारायण जब खुद पुजारी बनते हैं तो नारायण की बैठ पूजा करते हैं*। वन्दर है ना।

उत्तर 22- *D.हनुमान*

सर्विस में बहुत फायदा है। विनाश तो होना ही है। अर्थकिक आदि होंगे, सभी डैम्स आदि फट पड़ेंगे। आफतें तो बहुत आने वाली हैं। जिनको ज्ञान होगा वह तो डांस करते रहेंगे। *जो सर्विसएबुल बच्चे हैं वो ही पिछाड़ी में हनुमान मिसल स्थेरियम रह सकेंगे।*

उत्तर 23- *C.मनमनाभाव, मध्याजीभव*

मनुष्यों को कोई बात याद करनी होती है तो गांठ बांध लेते हैं। *तुम भी सिर्फ दो बातों की गांठ बांध लो। किसको सिर्फ यह दो बातें सुनाते रहो कि बाप कहते हैं; मनमनाभव, मध्याजीभव।*

उत्तर 24- *D.अनुभवी स्वरूप*

अनुभवी स्वरूप बनो तो चेहरे से खुशनसीबी की झलक दिखाई देगी।

उत्तर 25- *D.नॉलेज की*

तुम किसको बैठ इन देवताओं की जीवन कहानी बतायेंगे तो तुमको बहुत पैसे मिलेंगे। यह भी समझा वही सकता है जो देही-अभिमानि है। देह-अभिमानि को तो सारा दिन यह चाहिए, यह चाहिए, हबच (लालच) रहती है। *स्टूडेंट को तो नॉलेज की हबच होनी चाहिए* तो मैं पास विद ऑनर हो जाऊं। यह है पढ़ाई का लक्ष्य।

उत्तर 26- *D.जिसका आने - जाने का अभ्यास होगा*

"जाना" और "आना" - यही ज्ञान और योग है, इसी अभ्यास में दिन-रात लगे हुए हो। बुद्धि में घर जाने की और फिर राज्य में आने की खुशी है। जैसे मधुबन अपने घर में आते हो तो कितनी खुशी रहती है। जब से टिकट बुक कराते हो तब से जाना है, जाना है - यह बुद्धि में याद रहता है ना! तो जब मधुबन घर की खुशी है तो आत्मा के घर जाने की भी खुशी है। *लेकिन खुशी से कौन जायेगा? जितना सदा यह "आने" और "जाने" का अभ्यास होगा।*

उत्तर 27- *C.हम वर्से के अधिकारी है*

दिव्य बाप को जानने अथवा देखने के लिए दिव्य बुद्धि और दिव्य दृष्टि चाहिए जो बाप ने आप विशेष आत्माओं को दी है इसलिए आप ब्राह्मण ही जान सकते और मिलन मना सकते हो। *दुनिया वाले तो पुकारते रहते - "एक बूंद के प्यासे हम" और आप क्या कहते हो? हम वर्से के अधिकारी हैं*, कितना अन्तर है - कहाँ प्यासी और कहाँ अधिकारी!

उत्तर 28- *B.देही अभिमानि बनने की*

मीठे बच्चे - *21 जन्मों के लिए सदा सुखी बनने के लिए इस थोड़े समय में देही-अभिमानि बनने की आदत डालो"

उत्तर 29- *C.शिव, शिव*

बाप को बार-बार याद करो। सिमर सिमर सुख पाओ, कलह क्लेश मिटे सब तन के अर्थात् तुम एवरहेल्दी बन जायेंगे। बाप ने मन्त्र दिया है कि मुझे सिमरो अर्थात् याद करो, *ऐसे नहीं कि शिव-शिव बैठ सिमरो।*

उत्तर 30- *B.गरीब व साहूकार का*

हर एक को पुरुषार्थ से अपना ऊंच पद पाने का अधिकार है। आगे चल सबको अपने पद का साक्षात्कार होगा। *बाबा कहते हैं मैं हूँ गरीब निवाज़ इसलिए अभी गरीब बच्चों की सब आशाएँ पूरी होती हैं।* यह अन्तिम समय है। किसकी दबी रहेगी धूल में..... *जो बाप को इनशयोर करते हैं, उनका सफल होता है।*

उत्तर 31- *B.शिव के मन्दिर*

यह है चैतन्य शिवालय जहां तुम शिवबाबा से मिलन मना सकते हो, *वह निर्वाणधाम भी शिवालय है* जहां हम आत्माएं रहती हैं, वह घर सबको याद पड़ता है। उसमें हर एक को आना ही है। यह बात दुनिया में किसकी बुद्धि में नहीं है, जो भी आत्मायें हैं उन सबको अपना-अपना अनादि पार्ट मिला हुआ है, जिसकी न आदि है, न अन्त है। तुम बच्चे जानते हो हम असुल उस शिवालय के। रहने वाले हैं। *शिवबाबा जो स्वर्ग स्थापन करते हैं उनको भी शिवालय कहा जाता है।*

उत्तर 32- *C.सच्चे पुरुषार्थी*

आत्मा पुरुष है जो इस पांच तत्वों से बने हुये शरीर रूपी रथ में सवार हो अपना पार्ट बजाती है। यह ज्ञान अभी इस संगम पर बाबा ने हमें दिलाया है। उंचे ते उंची श्रीमत भी रोज बाबा हमें दिलाते हैं। श्रेष्ठ कर्म करने से ही हमारा इतना उंचा भाग्य बनता है, जो की हम २१ जन्म तक सुख-शांति-ऐश्वर्यसंपन्न पवित्र गृहस्थ आश्रम में रहते हैं। *यह आत्म स्मृती ही हमारे पुरुषार्थ का मूल आधार है।*

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- बाप की किस श्रीमत से हर चीज़ को पत्थर से पारस बना सकते हो ?

- A- योगबल से
- B- पवित्रता से
- C- ईश्वरीय बैंक में जमा करने से
- D- शुभ भावना से

प्रश्न 2- से हेल्थ से वेल्थ मिलती है ?

- A- ज्ञान, सेवा
- B- योग, सेवा
- C- योग, ज्ञान
- D- ज्ञान, योग

प्रश्न 3- तुम्हारी यह है नम्बरवन बैंक। इसमें 4 आना डालो तो भविष्य में बन जायेगा ?

- A- सोना
- B- पारस
- C- 100 गुना
- D- हीरा

प्रश्न 4- सच्चा--सच्चा मान-सरोवर कौन है ?

- A- शिव बाबा
- B- ब्रह्मा
- C- ब्रह्माकुमार ब्रह्माकुमारियां
- D- B और C

प्रश्न 5- एक ईश्वर से सच्ची मुहब्बत रखनी है, ... सपूत बच्चों को ही लाना है, किसी कपूत को नहीं ?

- A- प्रदर्शनी में
- B- सेंटर में
- C- इन्द्र की दरबार में
- D- परियों की सभा में

प्रश्न 6- बाप है रूहानी और यह रूहानी स्टडी है,रूहानी सर्जरी है इसलिए बोर्ड पर नाम भी ऐसा लिखना चाहिए कैसा ?

- A- "प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय"
- B- "ब्रह्माकुमारी रूहानी ईश्वरीय विश्वविद्यालय"
- C- "ब्रह्मा मुख वंशावली ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय"
- D- "परमपिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय"

प्रश्न 7- इनमे से कौनसा कलयुगी चित्र है ?

- A- गणेश
- B- हनुमान
- C- कच्छ- मच्छ
- D- उपरोक्त सभी कलयुगी

प्रश्न 8- राम-सीता, लक्ष्मी-नारायण यही मुख्य चित्र हैं। उसके बाद फिर चित्र है ?

- A- त्रिमूर्ति का
- B- गोले का
- C- झाड़ का
- D- रावण का

प्रश्न 9- सुखमय श्रेष्ठ सफलता सम्पन्न अलौकिक जीवन का आधार क्या है ?

- A- पवित्रता
- B- स्थिति
- C- स्मृति
- D- स्नेह

प्रश्न 10- अब कौनसी वार्तालाप करनी है, तुम जज कर सकते हो कि राइट क्या है और रांग क्या है " ?

- A- मन की वार्तालाप
- B- सच की वार्तालाप
- C- ज्ञान की वार्तालाप
- D- ड्रामा की वार्तालाप

प्रश्न 11- अन्तर्यामी बाप दुनिया के सभी बच्चों के अन्दर की कौन सी बात जानते हैं ?

- A- अंदर का तूफान
- B- रावण सर्वव्यापी है।
- C- सभी में 5 भूत प्रवेश हैं।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 12- योग को क्या कहते हैं ?

- A- ज्योति
- B- अग्नि
- C- प्रकाश
- D- घृत

प्रश्न 13- सारे कल्प में बड़े से बड़ी हस्ती कौन है ?

- A- शिव
- B- ब्रह्मा
- C- जगत अम्बा
- D- ब्राह्मण

प्रश्न 14- किसके बिगर तुम विश्व के मालिक बन न सको ? भारत शिवालय बन न सके ?

- A- सेवा
- B- तपस्या
- C- पढ़ाई
- D- पवित्रता

प्रश्न 15- जगत अम्बा का कौन सा ठाँव (स्थान) है ?

- A- मूलवतन
- B- सूक्ष्म वतन
- C- स्थूल वतन
- D- मधुबन

प्रश्न 16- अवतार अर्थात् रीइनकारनेशन किसको कहते हैं ?

- A- ब्रह्मा
- B- विष्णु
- C- शंकर
- D- शिव

प्रश्न 17- सैपलिंग किसका लगेगा ?

- A- मठ पंथ वालों का
- B- ब्राह्मण धर्म का
- C- देवी-देवता धर्म का
- D- मनुष्यों का

प्रश्न 18- और सब मठ पंथ विनाश को कब पायेंगे ?

- A- जब अंत में बाप आएंगे।
- B- जब सारी आत्माएं नीचे आ जाएंगी।
- C- जब बाबा की प्रत्यक्षता होगी।
- D- जब देवी-देवता धर्म की पूरी स्थापना हो जायेगी।

प्रश्न 19- सबकी आंख कब खुलेगी ?

- A- जब तीसरा विश्व युद्ध होगा।

- B- जब विनाश होगा।
- C- जब विनाश नजदीक आयेगा।
- D- जब सब मठ पंथ का विनाश होगा।

प्रश्न 20- दुःख के आवागमन से छूटने के लिये किसके सिवाए और कोई उपाय है ही नहीं ?

- A- पवित्र बनना
- B- परमात्मा की याद
- C- सबको सुख देना
- D- दुआएं जमा करना

प्रश्न 21- वन्दे मातरम् किसने उच्चार है?

- A- बंकिम चंद्र चटर्जी ने
- B- बच्चों ने
- C- बाप ने
- D- रविंद्र नाथ टैगोर ने

प्रश्न 22- शिवबाबा का चैतन्य होम कौनसा है ?

- A- परमधाम
- B- मधुबन
- C- ब्रह्मा
- D- सूक्ष्म वतन

प्रश्न 23- चोटी तो ब्राह्मणों की है। चोटी के ऊपर कौन है ?

- A- देवी देवता
- B- ब्रह्मा
- C- शिव बाबा
- D- विष्णु

प्रश्न 24- देवी-देवता धर्म का माई बाप कौन है ?

- A- लक्ष्मी नारायण
- B- शिव बाबा
- C- ब्रह्मा सरस्वती
- D- गीता

प्रश्न 25- ऊंच पद पाने का आधार क्या है ?

- A- आत्म अभिमानी बनो।
- B- बाप के हर डायरेक्शन पर चलो।
- C- अन्दर में जो भी बुरी आदतें हैं वह निकाल दो।
- D- बाप में कभी भी संशय नहीं लाना।

प्रश्न 26- सबसे जास्ती धोखा देने वाली कौन सी कर्मेन्द्रिय है ?

- A- जबान
- B- आंखें
- C- कान
- D- नाक

प्रश्न 27- पास विद ऑनर कितने होते है ?

- A- 8
- B- 108
- C- 16108
- D- 9 लाख

प्रश्न 28- ब्रह्मा कौन है ?

- A- सतयुग का पहला प्रिन्स
- B- आदिदेव हैं
- C- प्रजापिता
- D- शिव का पहला बच्चा

प्रश्न 29- होलीहंस अर्थात् ?

- A- मोती चुगने वाले
- B- नीर क्षीर को अलग करने वाले
- C- स्वच्छता और विशेषता वाली आत्माएं
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 30- साहेब किस पर राज़ी होता है ?

- A- जिसका तन साफ हो
- B- जिसके सम्बन्ध साफ हो
- C- जिसका दिल साफ हो
- D- B और C

प्रश्न 31- आपके पास कौनसी खुराक है वह बीमारी को भगा देती है, भुला देती है ?

- A- ज्ञान की
- B- योग की
- C- खुशी की
- D- दिव्य गुणों की

प्रश्न 32- ब्राह्मण आत्मा को कभी भी कौन सी आत्मा के प्रति घृणा नहीं आ सकती ?

- A- कंस
- B- जरासंधी
- C- रावण
- D- उपरोक्त सभी

भाग (24) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *C. ईश्वरीय बैंक में जमा करने से*

बाप की श्रीमंत है बच्चे, तुम्हारे पास जो कुछ भी है, उसे ईश्वरीय बैंक में जमा कर दो तो वह पत्थर से पारस हो जायेगा। बाबा तो देने वाला है, वह तुमसे कुछ भी लेता नहीं लेकिन तुम्हारे पास जो भी एक्स्ट्रा है उसको सफल करो। किसी से कर्जा आदि नहीं लेना है। तुने रात गंवाई सोके...

उत्तर 2- *C. योग, ज्ञान*

हेल्थ वेल्थ है तो हैपीनेस भी है। तुमको हेल्थ, वेल्थ, हैपी सबकुछ मिलता है। योग से विकर्म विनाश हो और लाइट का ताज आ जायेगा। देवतायें एवरहेल्दी, वेल्दी रहते हैं। स्वदर्शन चक्रधारी बनते हैं और ज्ञान रत्न धारण करते हैं, जिससे तुम वेल्दी बन जायेंगे। *इसको ही नेचर क्योर कहा जाता है।* आत्मा पवित्र हो गई फिर शरीर भी पवित्र मिलेगा, उनको कहा जाता है देवता। *पवित्र भी हैं तो हेल्दी, वेल्दी भी हैं।*

उत्तर 3- *D. हीरा*

मनुष्य पैसा इकट्ठा करते हैं। *तुम्हारी यह है नम्बरवन बैंक। इसमें 4 आना डालो तो भविष्य में हीरा बन जायेगा।* पत्थर से सोना बन जाता है। तुम्हारी हर चीज़ को पारस बना देते हैं।

उत्तर 4- *B. ब्रह्मा*

अमरनाथ अथवा शंकर पार्वती वहाँ कहाँ से आये। वह तो कोई मान-सरोवर नहीं। *सच्चा-सच्चा मान-सरोवर यह (ब्रह्मा) है।* निराकार शिवबाबा है ज्ञान का सागर, वह जब तक इनमें न आये तब तक मान-सरोवर कैसे हो! आत्मा में ज्ञान है परन्तु सुनावे कैसे? जब तक मनुष्य तन न ले।

उत्तर 5- *C. इन्द्र की दरबार में*

बाबा कहते हैं *मीठे बच्चे - एक ईश्वर से सच्ची मुहब्बत रखनी है, इस इन्द्र की दरबार में सपूत बच्चों को ही लाना है, किसी कपूत को नहीं*। ईश्वर से प्यार नहीं तो गोया असुरों से प्यार है। यहाँ तुमको ईश्वर का प्यार मिला है।

उत्तर 6- *B. ब्रह्माकुमारी रूहानी ईश्वरीय विश्वविद्यालय*

बाप है रूहानी और यह रूहानी स्टडी है, रूहानी सर्जरी है इसलिए बोर्ड पर नाम भी ऐसा लिखना चाहिए *"ब्रह्माकुमारी रूहानी ईश्वरीय विश्व विद्यालय"।* रूहानी अक्षर जरूर डालना है।

उत्तर 7- *D. उपरोक्त सभी कलियुगी*

बाकी जो चित्र हैं उनकी फिर अलग-अलग प्रदर्शनी दिखानी चाहिए कि यह सब कलियुगी चित्र हैं। *गणेश, हनुमान, कच्छ-मच्छ

आदि सबके चित्र डालने चाहिए।* ऐसे बहुत किसम-किसम के चित्र मिलते हैं। *एक तरफ कलियुगी चित्र, एक तरफ हैं तुम्हारे चित्र।*

उत्तर 8- *D.रावण का*

मुख्य चित्र है शिवबाबा और ब्रह्मा, विष्णु, शंकर का। विष्णु का भी सजा-सजाया रूप दिखाते हैं। विष्णु द्वारा पालना करते हैं, शंकर द्वारा विनाश। उनका इतना कर्तव्य नहीं है। स्तुति लायक शिवबाबा है और विष्णु भी बनते हैं। शंकर का पार्ट अलग है। नाम रख दिया है त्रिमूर्ति। *राम-सीता, लक्ष्मी-नारायण यही मुख्य चित्र हैं। उसके बाद फिर चित्र है रावण का।*

उत्तर 9- *C.स्मृति*

आधार है एक शब्द-‘स्मृति’। वैसे भी सारे ड्रामा का खेल है ही विस्मृति और स्मृति का। इस समय स्मृति का खेल चल रहा है। बापदादा ने आप ब्राह्मण आत्माओं को परिवर्तन किस आधार पर किया? *सिर्फ स्मृति दिलाई कि आप आत्मा हो, न कि शरीर।* इस स्मृति ने कितना अलौकिक परिवर्तन कर लिया।

उत्तर 10- *B.सच की वार्तालाप*

सब कहते हैं यह तो बिल्कुल नई नॉलेज है। सच और झूठ सिद्ध कर बताया जाता है। भारत ही सचखण्ड और झूठ खण्ड बनता है। सचखण्ड में सच ही होगा। झूठ खण्ड में झूठ का ही वार्तालाप है। अब जब तक तुमको सच की वार्तालाप न मिले तो तुम जज कैसे करो। *बाप कहते हैं - अब तुम जज करो कि मैं तुमको राइट समझाता हूँ या वह राइट समझाते हैं।*

उत्तर 11- *C.सभी में 5 भूत प्रवेश है।*

यह (*ब्रह्मा*) भी जानते हैं * वह बाबा है अन्तर्यामी, मैं हूँ बाहरयामी। * ऐसे नहीं सारी दुनिया के अन्दर क्या है वह बैठकर बतायेंगे। हां, *यह जानते हैं कि सबके अन्दर 5 भूत प्रवेश हैं, इसलिए कहते हैं रावण सर्वव्यापी है।*

उत्तर 12- *D.घृत*

छोटा दीवा तो क्या, माया का तूफान ऐसा है जो बड़े-बड़े दीवे को बुझा देता है। कभी मुरझा जाते हैं, योग कम हो जाता है। *योग को घृत कहेंगे। जितना योग लगायें, उतनी ज्योति जगी रहे।* तो यह बात अभी की है। आत्माओं की ज्योति जगाने के लिए शमा को आना पड़ता है, जिसको ही परमात्मा कहा जाता है।

उत्तर 13- *B.ब्रह्मा*

“मीठे बच्चे - *सारे कल्प में बड़े से बड़ी हस्ती यह ब्रह्मा है*, इसमें ही बाप प्रवेश करते हैं, इन्हें ही तुम्हें फालो करना है”

उत्तर 14- *C.पढ़ाई*

यह ईश्वरीय कॉलेज है - मनुष्य से देवता अथवा विश्व का मालिक बनने का। यहाँ हम आये ही हैं पढ़ने अथवा विश्व की बादशाही लेने। *इस पढ़ाई बिगर तुम विश्व के मालिक बन न सको। भारत शिवालय बन न सके।*

उत्तर 15- *C.स्थूल वतन*

सबसे ऊँचे ते ऊँचा उनका ठाँव (रहने का स्थान) है। कौन सा ठाँव? मूलवतन। फिर ब्रह्मा, विष्णु, शंकर का कौन सा ठाँव है? सूक्ष्मवतन! फिर *जगत अम्बा का ठाँव है - यह स्थूलवतन*। यह तो सब जानते हैं कि जगत अम्बा तो यहाँ की रहने वाली होगी। जगत माना ही मनुष्य सृष्टि।

उत्तर 16- *D.शिव*

वह एक ही वर्ल्ड का फादर है और कोई तो वर्ल्ड का फादर नहीं है, *वर्ल्ड का फादर है निराकार गॉड, उस एक को ही अवतार अर्थात् रीइनकारनेशन भी कहते हैं।* वह एक ही बाप है जिसको अपना सूक्ष्म वा स्थूल शरीर नहीं है। ब्रह्मा, विष्णु, शंकर को भी सूक्ष्म शरीर है। उनको भी अवतार नहीं कहेंगे।

उत्तर 17- *C.देवी देवता धर्म का*

यह है सभी आत्माओं का निराकार फादर, जो नॉलेजफुल है। ड्रामा के आदि मध्य अन्त को जानते हैं। बाप को पढ़ाना भी तुम बच्चों को ही है क्योंकि तुम ही चक्रवर्ती राजा फिर से बनने वाले हो। सभी तो मनुष्य से देवता नहीं बनेंगे। *जो भी पहले देवी-देवता धर्म वाले होंगे उन्हीं का ही फिर सैपलिंग लगेगा*

उत्तर 18- *D.जब देवी देवता धर्म की पूरी स्थापना हो जायेगी*

जब देवी-देवता धर्म की पूरी स्थापना हो जायेगी तो फिर और सब मठ पंथ विनाश को पायेंगे। सभी आत्माओं को बाप वापिस ले जायेंगे। बाप आते ही हैं पतित दुनिया में, आकर सबको वापिस ले जानें।

उत्तर 19- *C.जब विनाश नजदीक आयेगा*

विनाश नजदीक आयेगा तो सबकी आंख खुलेगी। अभी तो सिर्फ तुम ही निश्चय करते हो कि परमपिता परमात्मा की इस तन में प्रवेशता होती है। गाते भी हैं गाइड अथवा लिबरेटर आयेगा - जो सबको दुःख से लिबरेट कर ले जायेगा।

उत्तर 20- *B.परमात्मा की याद*

परमात्मा के पास विकर्म विनाश कराने के दो तरीके हैं - एक है सजाओं से पवित्र बनाने का तरीका, दूसरा है योग लगाने से पवित्र बनने का तरीका, जिससे पाप नाश होते हैं और जीवनमुक्ति पद प्राप्त होता है। *दुःख के आवागमन से छूटने के लिये परमात्मा की याद के सिवाए और कोई उपाय है ही नहीं।*

उत्तर 21- *C. बाप ने*

बाप तो आते ही हैं कल्प के बाद बच्चों से मिलने। तुम बहुत सिकीलधे बच्चे हो, इसलिए कहते हैं मीठे बच्चे तुम थक गये हो। द्रोपदी के पाँव दबाये तो सर्वेन्त हुआ ना। *“वन्दे मातरम्” किसने उच्चार है? बाप ने।* बच्चे समझते हैं बाप आया हुआ है, सारी सृष्टि की बेहद की सेवा पर।

उत्तर 22- *C. ब्रह्मा*

शिवबाबा भी कहते हैं मैं पहले इस *(साकार ब्रह्मा) को समझाता हूँ। शिवबाबा का यह चैतन्य होम है।* पहले-पहले यह (ब्रह्मा) सीखते हैं फिर उनसे एडाएड चिल्ड्रेन नम्बरवार सीख रहे हैं।

उत्तर 23- *B. ब्रह्मा*

चोटी तो ब्राह्मणों की है परन्तु ब्राह्मणों को भी रचने वाला कौन है। शूद्र तो नहीं रचेंगे। *चोटी के ऊपर फिर है ब्राह्मणों का बाप ब्रह्मा।* ब्रह्मा का बाप फिर है शिवबाबा।

उत्तर 24- *D. गीता*

औरों से सुनते हैं कि भारत प्राचीन खण्ड था, उसमें देवतायें राज्य करते थे। आदि सनातन देवी-देवता धर्म था, जो अभी नहीं है। *गीता है - देवी-देवता धर्म का माई बाप*। बाकी सब बाद में आते हैं।- ब्राह्मण आत्मा को कभी भी कौन सी आत्मा के प्रति घृणा नहीं आ सकती ?

उत्तर 25- *C. अंदर में जो बुरी आदतें है वह निकाल दो*

बाबा कहते बच्चे यदि *ऊंच पद पाना है तो अन्दर में जो भी बुरी आदतें हैं वह निकाल दो*। कुट्टि, क्रोध आदि से बहुत नुकसान होता है, इसलिए कर्म-अकर्म-विकर्म की गुह्य गति जो बाप ने समझाई है, उसे बुद्धि में रखो।

उत्तर 26- *B. आँखें*

माया बड़ी जबरदस्त है, बड़ी प्रबल है। बहुत तूफान लाती है। हर एक कर्मेन्द्रिय धोखा देती है। सबसे जास्ती धोखा देने वाली कौन सी कर्मेन्द्रिय है? *आँखें सबसे जास्ती धोखा देती हैं।*

उत्तर 27- *A. 8*

मंजिल बहुत ऊंची है इसलिए 8 रत्न ही पास विद् ऑनर निकलते हैं। भल 9 रत्न भी होते हैं, उसमें नम्बरवन तो है बाबा। बाकी 8 रत्न, जब कोई ग्रहचारी बैठती है तो 8 रत्न की अंगूठी पहनते हैं। *तो पास विथ ऑनर 8 ही निकलते हैं।*

उत्तर 28- *D. शिव का पहला बच्चा*

ब्रह्मा है - शिव का पहला बच्चा। प्रजापिता ब्रह्मा वह भी बाप ठहरा ना। ब्रह्मा द्वारा शिवबाबा स्वर्ग की स्थापना करते हैं। बाबा कहते हैं मैं इन द्वारा आदि सनातन धर्म की स्थापना कर रहा हूँ।

उत्तर 29- *C. स्वच्छता और विशेषता वाली आत्माएं*

आज ज्ञान-सागर बाप होलीहंसों का संगठन देख रहे हैं। *होलीहंस अर्थात् स्वच्छता और विशेषता वाली आत्माएं।* स्वच्छता अर्थात् मन-वचन-कर्म, सम्बन्ध सर्व में पवित्रता।

उत्तर 30- *C. जिसका दिल साफ हो*

अगर कोई तन से अर्थात् बाहर से कितना भी स्वच्छ हो, साफ हो लेकिन मन से साफ न हो, स्वच्छ न हो तो कहते हैं कि पहले मन को साफ रखो। *साफ मन वा साफ दिल पर साहेब राजी होता है*। साथ-साथ साफ दिल वाले की सर्व मुराद अर्थात् कामनायें पूरी होती हैं।

उत्तर 31- *C. खुशी की*

मन खुश तो जहान खुश और मन बीमार तो शरीर पीला हो जाता है। मन ठीक होगा तो शरीर का रोग भी महसूस नहीं होगा। ऐसे होता है ना! क्योंकि आपके पास खुशी की खुराक बहुत बढ़िया है। दवाई अच्छी होती है तो बीमारी भाग जाती है। *आपके पास जो खुशी की खुराक है वह बीमारी को भगा देती है, भुला देती है।*

उत्तर 32- *D. उपरोक्त सभी*

ब्राह्मण आत्मा को कभी भी किसी आत्मा के प्रति घृणा नहीं आ सकती। रहम आयेगा, घृणा नहीं आ सकती। क्योंकि जानते हैं कि *चाहे कंस हो, चाहे जरासंधी हो, चाहे रावण हो* - कोई भी हो लेकिन फिर भी रहमदिल बाप के बच्चे घृणा नहीं करेंगे। परिवर्तन की भावना रखेंगे, कल्याण की भावना रखेंगे।

भाग (25)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- ज्ञान सागर से पहले कौन निकला ?

- A- ब्रह्मा
- B- सरस्वती
- C- कृष्ण
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 2- जब बाप आते हैं तो कौनसी नॉलेज देते हैं ?

- A- मनमनाभाव
- B- मध्याजीभव
- C- मामेकम याद करो
- D- ततत्वम

प्रश्न 3- मनुष्यों का सारा अटेन्शन किसमें जाता है ?

- A- आत्मा में
- B- बाबा में
- C- ड्रामा में
- D- नाम रूप में

प्रश्न 4- यह सूर्य चांद आदि तो बेहद मांडवे की रोशनी देने वाले क्या हैं ?

- A- सितारे
- B- प्रकाश के पुंज
- C- बत्तियां
- D- लाइट हाउस

प्रश्न 5- मुरली अनुसार फैमली में सबसे जास्ती प्यार किससे होता है?

- A- मां
- B- बाप
- C- दादा
- D- भाई

प्रश्न 6- ऊँचे ते ऊँचा है भगवान फिर उनसे तैलुक रखने वाले कौन है ?

- A- ब्रह्मा
- B- विष्णु
- C- शंकर
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 7- पहले- पहले मुख्य गॉडेज ऑफ नॉलेज कौन है?

- A- प्रजापिता ब्रह्मा
- B- जगत अम्बा सरस्वती
- C- राधे- कृष्ण
- D- ब्राह्मण

प्रश्न 8- सबसे श्रेष्ठ कौन है ?

- A- ब्राह्मण ब्राह्मणियाँ
- B- राधे-कृष्ण
- C- लक्ष्मी- नारायण
- D- ब्रह्मा- सरस्वती

प्रश्न 9- इनमें से कौनसा गलत है ?

- A- माया की परछाई को रावण राज्य
- B- बाप द्वारा सुनाई गई नॉलेज को गीता
- C- आत्माओं के स्थान को ब्रह्माण्ड

D- जगत अम्बा को गाड ऑफ नॉलेज

प्रश्न 10- कितना भी बड़ा विघ्न हो सहज समाप्त हो जाता है, कैसे?

- A- दुआओं से
- B- शुभभावना से
- C- शान्ति की शक्ति से
- D- पवित्रता के बल से

प्रश्न 11 वह है जो किसी भी बात को एक काल की दृष्टि से नहीं देखते, हर बात में कल्याण समझते हैं ?

- A- त्रिनेत्री
- B- त्रिमूर्ति
- C- त्रिलोकीनाथ
- D- त्रिकालदर्शी

प्रश्न 12- इस ज्ञान को धारण करने के लिए कौन सी विशेषतायें अति आवश्यक है ?

- A- परखना
- B- निर्णय करना
- C- ग्रहण करना
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 13- बाप मुरली भी किसके आगे चलाते हैं?

- A- ब्राह्मणों के
- B- बच्चों के
- C- ब्रह्माकुमारियों के
- D- मधुबन निवासियों के

प्रश्न 14- कम से कम कितने घण्टा इस याद की सर्विस में रहना है ?

- A- 2 घण्टा
- B- 4 घण्टा
- C- 8 घण्टा
- D- 24 घण्टे

प्रश्न 15- मीठे बच्चे -आत्मा रूपी दीपक में ..डालो तो आत्मा शक्तिशाली हो जायेगी ?

- A- ज्ञान रूपी घृत
- B- योग रूपी घृत
- C- योग रूपी अग्नि
- D- ज्ञान की ज्योति

प्रश्न 16- आत्मा रूपी बैटरी में पावर भरने का आधार क्या है ?

- A- बुद्धि का बल
- B- मन का बल
- C- योग का बल
- D- बुद्धियोग का बल

प्रश्न 17- संगमयुग पर बाप आये हैं तुम बच्चों की अभी यह ड्रामा पूरा होता है, तुम सबको वापिस घर चलना है ?

- A- महिमा करने
- B- दिल से सेवा करने
- C- जान से सेवा करने
- D- दिल व जान से सेवा करने

प्रश्न 18- इनमें से कौन सा सही है ?

- A- त्रिलोकीनाथ, त्रिकालदर्शी सिवाए परमपिता परमात्मा के दूसरा कोई होता नहीं
- B- लक्ष्मी-नारायण को तो तीनों लोकों अथवा तीनों कालों का ज्ञान ही नहीं है।
- C- जो बाबा का टाइल है वह ब्राह्मणों को भी मिल सकता है।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 19- इस समय सर्वव्यापी कौन है ?

- A- बाबा
- B- बच्चे
- C- कुमारियाँ
- D- विकार

प्रश्न 20- बाप को कैसे बच्चे चाहिए ?

- A- साधारण
- B- देही अभिमान
- C- भावना वाले
- D- तीव्र पुरुषार्थी

प्रश्न 21- अगर कोई परमात्मा की गोद लेकर, दांव लगावे कि हम उनके बच्चे वारिस हैं, फिर फारकती दे देवे तो ऐसे बच्चे को क्या कहेंगे ?

- A- नाफरमानबरदार
- B- असुर
- C- बख्तावर
- D- भस्मासुर

प्रश्न 22- हम बच्चों को एक बाप द्वारा एक जैसा क्या मिल रहा है?

- A- पढ़ाई
- B- पालना
- C- प्राप्ति
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 23- बाप कहते हैं मैं सदैव विचित्र हूँ, ब्रह्मा विष्णु शंकर हैं ?

- A- विचित्र
- B- चित्रवान
- C- सूक्ष्म चित्रवान
- D- B और C

प्रश्न 24- सबसे बड़ी अथॉरिटी कौन सी है ?

- A- संकल्पों की
- B- अनुभवों की
- C- वाणी की
- D- दृष्टि की

प्रश्न 25- बाबा कहने से किसकी खुशबू आती है ?

- A- परमधाम की
- B- बाबा की
- C- सूक्ष्म वतन की
- D- वर्से की

प्रश्न 26- बच्चू बादशाह है..... और पीरू वजीर है?

- A- काम विकार, क्रोध
- B- क्रोध, काम विकार
- C- काम विकार, मोह
- D- लोभ, मोह

प्रश्न 27- जहाँ..... है वहाँ पानी के मटके भी सूख जाते हैं ?

- A- काम
- B- क्रोध
- C- लोभ
- D- मोह

प्रश्न 28- बाबा को इनमें से क्या नहीं कहा जाता है ?

- A- सुप्रीम जस्टिस

- B- सुप्रीम बाप
- C- सुप्रीम टीचर
- D- सुप्रीम धर्मराज

प्रश्न 29- क्राइस्ट से वर्ष पहले भारत पैराडाइज (स्वर्ग) था ?

- A- 3100
- B- 2000
- C- 2500
- D- 3000

प्रश्न 30- मुक्ति-जीवनमुक्ति को पाने के लिए क्या जरूरी है ?

- A- सम्पूर्ण समर्पण
- B- 21 दिन भट्टी
- C- 7 रोज भट्टी
- D- अमृतवेले विशेष याद

प्रश्न 31- तुम्हारी बुद्धि में सारा दिन क्या फिरना चाहिए ?

- A- आदि मध्य अन्त का ज्ञान
- B- स्वदर्शन चक्र
- C- झाड़ और गोले का चित्र
- D- एम ऑब्जेक्ट

प्रश्न 32- सर्व की कामनायें पूर्ण करने वाले आप बच्चों का टाइटल क्या हैं ?

- A- मास्टर दाता
- B- देवी देवता
- C- मास्टर रचयिता
- D- कामधेनु

भाग (25) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित-

उत्तर 1- *A.ब्रह्मा*

ज्ञान सागर एक शिवबाबा है। यह ब्रह्मा भी ज्ञान नदी ठहरी। इनका और ज्ञान सागर का मेला है, वास्तव में इनको ही सच्चा कुम्भ कहा जाता है। *सबसे बड़ा मेला है यहाँ ज्ञान सागर के पास आना।* यह ब्रह्मपुत्रा बड़े ते बड़ी नदी है। पहले-पहले यह निकली है। इनका है संगम। पिछाड़ी में जाकर मिले हैं तो जरूर पहले उनसे निकले हैं। *तो ज्ञान सागर से पहले निकला यह ब्रह्मा।*

उत्तर 2- *A.मनमनाभव*

बाप समझाते है कि बच्चे *जब मै आता हूँ तो आकर सबकी सद्गति करता हूँ। नॉलेज देता हूँ। कौन सी नॉलेज? मनमनाभव।* मुझे याद करो तो इस याद की योग अग्नि से तुम्हारे विकर्म विनाश होंगे। तुम पावन बनेंगे।

उत्तर 3- *D.नाम रूप में*

तुम जानते हो बेहद का बाप है शिवबाबा, जो इनके द्वारा समझाते हैं। ऐसे नहीं फलाना संन्यासी है, उनकी आत्मा बोलती है। *नहीं, मनुष्यों का सारा नाम रूप में अटेन्शन जाता है।* तुम्हारी बुद्धि समझती है - यह हमारा बेहद का बाप है।

उत्तर 4- *C.बक्तियां*

बाप समझाते है कि उनको ज्ञान का सागर कहा जाता है। *बाकी यह सूर्य चांद आदि तो बेहद मांडवे की रोशनी देने वाली बक्तियां हैं।* वह रात, वह दिन, यह माण्डवे की बक्तियां हैं। ऐसे नहीं कि सूर्य देवता नमः कहेंगे। नहीं, *देवतायें तो ब्रह्मा विष्णु शंकर हैं।*

उत्तर 5- *B.बाप*

बच्चे जानते हैं कि यह जो भी मनुष्य मात्र हैं वह परमपिता परमात्मा की सन्तान हैं। ईश्वरीय फैमली हैं। *फैमली में सबसे जास्ती प्यार बाप से होता है*, जिसने बच्चों को रचा है।

उत्तर 6- *D.उपरोक्त सभी*

बाप ही आकर कल्प-कल्प भारत को हेवन बनाते हैं। भारतवासी बाप को गाली देने लग पड़ते हैं। सतोप्रधान से सतो रजो तमो में गिरना ही है जरूर। तो *ऊंचे ते ऊंचा है भगवान फिर उनसे तैलुक रखने वाले हैं ब्रह्मा, विष्णु, शंकर सूक्ष्मवतन वासी।*

उत्तर 7- *B.जगत अम्बा सरस्वती*

जगत अम्बा सरस्वती है ब्रह्मा की बेटी। उनका भी एक नाम होना चाहिए। कोई अम्बा कहते, कोई काली कहते, कोई सरस्वती

कहते। बहुत नाम रखे हुए हैं। यह है प्रजापिता ब्रह्मा और फिर बी.के. सरस्वती। दिखाते भी हैं सरस्वती के पास सितार है। *पहले-पहले मुख्य गॉडेज ऑफ नॉलेज।* जैसे इनको ज्ञान की मुरली दी है, उनको फिर सितार दी है।

उत्तर 8- *C.लक्ष्मी - नारायण*

अब पतित दुनिया है, इसमें श्रेष्ठाचारी कोई हो न सके। सबसे श्रेष्ठ हैं लक्ष्मी-नारायण, यही सतयुग में राज्य करते थे। अब तो भ्रष्टाचार की वृद्धि होती गई है, तो जरूर विनाश होना ही है। *विनाश के बाद ही सब सुख शान्ति को पा सकेंगे।*

उत्तर 9- *D.जगत अम्बा को गॉड ऑफ नॉलेज*

पुरुषार्थ करना है प्रालब्ध के लिए। बेहद के बाप द्वारा बेहद का सुख लेने के लिए। *जगत अम्बा को कहा जाता है गॉडेज ऑफ नॉलेज।* कहाँ से नॉलेज मिली? ब्रह्मा से। ब्रह्मा को किसने दिया? शिव परमात्मा ने।

उत्तर 10- *C.शान्ति की शक्ति से*

सदा निर्विघ्न वही रह सकता है जो सी फादर, फालो फादर करता है। सी सिस्टर, सी ब्रदर करने से ही हलचल होती है इसलिए अब बाप को फालो करते हुए बाप समान संस्कार बनाओ तो संस्कार मिलन की रास करते हुए सदा निर्विघ्न रहेंगे। *शान्ति की शक्ति से अथवा शान्त रहने से कितना भी बड़ा विघ्न सहज समाप्त हो जाता है* और सर्व कार्य स्वतः सम्पन्न हो जाते हैं।

उत्तर 11- *D.त्रिकालदर्शी*

त्रिकालदर्शी वह है जो किसी भी बात को एक काल की दृष्टि से नहीं देखते, हर बात में कल्याण समझते हैं।

उत्तर 12- *D.उपरोक्त सभी*

परखना, निर्णय करना और ग्रहण करना अर्थात् धारण करना - तीनों शक्तियों की विशेषता के कारण संगमयुगी सरस्वती माँ की सवारी हंस दिखाया है। तो एक सरस्वती माँ का यादगार नहीं लेकिन माँ समान बनने वाली ज्ञान-वीणा वादिनी आप सभी हो। *इस ज्ञान को धारण करने के लिए भी यह तीनों विशेषतायें अति आवश्यक हैं।*

उत्तर 13 - *B.बच्चों के आगे*

यहाँ बाप और बच्चों का तैलुक है। बाकी कोई का कुछ काम है तो और बात है। *बाप मुरली भी बच्चों के आगे ही चलाते हैं।* प्रदर्शनी में भी तुम सिद्ध कर बतलाते हो कि सबका वह फादर है।

उत्तर 14 - *C.8 घण्टा*

अब पुरानी दुनिया का विनाश तो होना ही है। यह बुद्धि में रख पुरुषार्थ करना है। *8 घण्टा इस याद की सर्विस में रहो।* कोई कहते हैं यह कैसे हो सकेगा। भक्ति मार्ग में जो कृष्ण के भगत हैं वह भी सब तरफ से बुद्धि को हटाए एक कृष्ण को ही याद करते होंगे।

उत्तर 15 - *B.योग रूपी घृत*

"मीठे बच्चे - *आत्मा रूपी दीपक में योग रूपी घृत डालो तो आत्मा शक्तिशाली हो जायेगी।"*

उत्तर 16 - *D.बुद्धियोग का बल*

आत्मा रूपी बैटरी में पावर भरने के लिए बुद्धियोग का बल चाहिए। जब बुद्धियोग बल से सर्वशक्तिमान् बाप को याद करेंगे तब बैटरी भरेगी। जब तक बैटरी में पावर नहीं तब तक ज्ञान की धारणा भी नहीं हो सकती है।

उत्तर 17- *D.दिल व जान से सेवा करने*

"मीठे बच्चे - *संगमयुग पर बाप आये हैं तुम बच्चों की दिल व जान से सेवा करने,* अभी यह ड्रामा पूरा होता है - तुम सबको वापिस घर चलना है"

उत्तर 18- *D.उपरोक्त सभी*

त्रिलोकीनाथ, तीनों कालों को जानने वाला एक ही है। *त्रिलोकीनाथ, त्रिकालदर्शी सिवाए परमपिता परमात्मा के दूसरा कोई होता नहीं। लक्ष्मी-नारायण को तो तीनों लोकों अथवा तीनों कालों का ज्ञान ही नहीं है। आदि मध्य अन्त का भी ज्ञान नहीं है। अभी तो हमारे पास सारा ज्ञान है। त्रिलोकी का भी ज्ञान है, जो बाबा का टाइटल है वह ब्राह्मणों को भी मिल सकता है।*

उत्तर 19- *D.विकार*

शिव ही पतित-पावन है, जिसका ही आह्वान करते हैं कि आकर इस रावण के दुःखों से लिबरेट करो। *इस समय 5 विकार सर्वव्यापी हैं।* आधा-आधा हैं ना।

उत्तर 20- *C.भावना वाले*

बापदादा को साधारण आत्मायें ही पसन्द हैं। बाप स्वयं भी साधारण तन में आते हैं। आज का करोड़पति भी साधारण है। *साधारण बच्चों में भावना होती है और बाप को भावना वाले बच्चे चाहिए, देह-भान वाले नहीं।*

उत्तर 21- *D.भस्मासुर*

अगर कोई परमात्मा की गोद लेकर, दांव लगावे कि हम उनके बच्चे वारिस हैं, फिर जाए फारकती दे देवे तो ऐसे बच्चे को भस्मासुर कहेंगे ना! चढ़े तो ऊंच पद, गिरे तो भस्मासुर हो पड़ते हैं।

उत्तर 22- *D.उपरोक्त सभी*

बापदादा द्वारा मिली हुई श्रेष्ठ सहज विधि द्वारा कब तीव्र गति व कब तीव्र, कभी कम गति - दोनों ही प्रकार के ब्राह्मण बच्चों को देखा। *पढ़ाई, पालना और प्राप्ति - सबको एक जैसी एक द्वारा मिल रही है,* फिर गति में अन्तर क्यों?

उत्तर 23- *C.सूक्ष्म चित्रवान*

बाप कहते हैं मैं सदैव विचित्र हूँ *ब्रह्मा विष्णु शंकर सूक्ष्म चित्रवान हैं।* मैं विचित्र हूँ। तुम आत्मायें भी मेरे साथ निर्वाणधाम में रहने वाली हो। बाबा जो विचित्र है वह बैठ सुनाते हैं।

उत्तर 24- *B.अनुभवों की*

सबसे बड़ी अर्थारिटी अनुभव की है। जैसे सोचते और कहते हो कि आत्मा शान्त स्वरूप, सुख स्वरूप है - ऐसे एक-एक गुण वा शक्ति की अनुभूति करो और उन अनुभवों में खो जाओ।

उत्तर 25- *D.वर्से की*

परमपिता परमात्मा वा सिर्फ ईश्वर कहने से बाबा का रस नहीं मिलता, *बाबा कहने से वर्से की खुशबू तब आती जब अपने को बच्चा समझते। हम बाबा के बच्चे हैं,* यूँ तो सभी आत्मायें बच्चे हैं परन्तु अभी बाप ने यह रचना रची है।

उत्तर 26- *A.काम विकार, क्रोध*

बच्चू बादशाह है काम विकार और पीरू वजीर है क्रोध। दोनों का आपस में बहुत गहरा सम्बन्ध है। सभी मनुष्य इस समय इन दो के वशीभूत हैं। अगर कोई बाप का बच्चा कहलाकर फिर काम या क्रोध के वशीभूत होता है तो बाप का निंदक बन जाता है।

उत्तर 27- *B.क्रोध*

बाबा कहते मीठे बच्चे, इन दुश्मनों को जीतो। क्रोध के लिए तो कहा जाता - *जहाँ क्रोध है वहाँ पानी के मटके भी सूख जाते हैं।*

उत्तर 28- *B.सुप्रीम बाप*

बाबा को तो कहा जाता है सुप्रीम जस्टिस, सुप्रीम टीचर, सुप्रीम सतगुरू। *फिर सुप्रीम धर्मराज भी कहा जाता है।* उनकी जजमेंट में नीचे ऊपर कुछ नहीं हो सकता। ड्रामा में ऐसी नूँध ही नहीं।

उत्तर 29- *D. 3000*

नाम ही कितना फर्स्टक्लास है हेविन, वैकुण्ठ, पैराडाइज, कहते हैं - *क्राइस्ट से 3 हजार वर्ष पहले भारत पैराडाइज था।* इस हिसाब से बरोबर 5 हजार वर्ष ही हुआ।

उत्तर 30- *C.7 रोज भट्टी*

इस समय बाबा मीठे झाड़ का सैपलिंग लगा रहे हैं, जो और धर्मों में कनवर्ट हो गये होंगे वह सब निकल आयेंगे। तो यह इतनी समझानी नया कोई समझ न सके *। 7 रोज़ भट्टी में पड़ने के सिवाए मुक्ति-जीवनमुक्ति कोई पा नहीं सकते।*

उत्तर 31- *B.स्वदर्शन चक्र*

तुम्हारी बुद्धि में सारा दिन स्वदर्शन चक्र फिरना चाहिए। बुद्धि में होगा तब तो किसको समझायेंगे। नहीं तो टीचर समझ जाते हैं कि इसका पढ़ाई में ध्यान नहीं है।

उत्तर 32- *D..कामधेनु*

तुम सर्व की मनोकामनायें पूर्ण करने वाले जगत अम्बा के बच्चे कामधेनु हो। सभी की कामना है - हमें मुक्ति जीवनमुक्ति मिले। तो तुम जगत अम्बा, जगत पिता के बच्चे सबको मुक्ति-जीवनमुक्ति का रास्ता बताते रहो, यही तुम्हारा धन्य है।

भाग - (26)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न1- कलियुगी भ्रष्टाचारी से सतयुगी श्रेष्ठाचारी किसको बनाना है ?

- A- देवताओं को
- B- ब्राह्मणों को
- C- मनुष्यों को
- D- क्षत्रियों को

प्रश्न 2- ज्ञान की महसूसता का क्या सुख है ?

- A- प्रेम
- B- याद
- C- शान्ति
- D- पवित्रता

प्रश्न 3- संन्यासी लोग शान्ति को ढूँढने जाते हैं। इस सम्बन्ध में बाबा क्या कहते हैं ?

- A- शान्ति तो तुम्हारा धाम है।
- B- शान्ति तो तुम्हारा स्वधर्म है।
- C- तुम शान्ति के सागर की सन्तान हो।
- D- शान्ति तुम्हारे गले का हार है।

प्रश्न 4- तुम याद में रहने की मेहनत किसलिए इतनी करते हो ?

- A- क्योंकि बाबा कहते हैं।
- B- क्योंकि श्रीमत् पर चलने से ही राज्य भाग मिलेगा।
- C- क्योंकि पापों का बोझा सिर पर है।
- D- क्योंकि वो हमारा पिता है।

प्रश्न 5- बाप और बच्चों को दिल का सूक्ष्म कनेक्शन है, कौन है, जो दोनों को अलग कर सकता है ?

- A- माया
- B- दुनिया का आकर्षण
- C- विकार
- D- कोई भी ताकत नहीं जो अलग कर सके।

प्रश्न 6- वरदान तो सबको मिलते हैं ना, लेकिन समय पर वरदान को कार्य में लगाना इसको क्या कहते हैं ?

- A- बाप से वर्सा लेना।
- B- वरदान से लाभ लेना।
- C- विजय माला के मणके बनेंगे।
- D- मेहनत को मोहब्बत में बदल देंगे।

प्रश्न 7- सारे ज्ञान का सार कौन सी बातों में है ?

- A- आत्मा
- B- परमात्मा
- C- ड्रामा
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 8- सच्ची काशी कलवट खाना किसे कहेंगे ?

- A- अन्त में किसी की भी याद न आये
- B- पास विद् ऑनर हो जाना
- C- अंत में एक बाप की ही याद रहे
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 9- भगवान, जिसे सारी दुनिया याद करती है, वह इस समय कहाँ है ?

- A- मधुबन
- B- सब जगह
- C- परमधाम
- D- हमारे सम्मुख बैठा है

प्रश्न 10- जब तक न बने तब तक पावन बनना बड़ा मुश्किल है ?

- A- भाई-बहन
- B- ब्रह्मा की सन्तान
- C- भाई -भाई
- D- शिव की सन्तान

प्रश्न 11- दिन में भी याद कब आयेगी ?

- A- जब अशरीरीपन का अभ्यास करेंगे।
- B- जब धारणा होगी।

- C- जब सारा दिन सर्विस करेंगे।
- D- जब अमृतवेले उठकर याद करेंगे।

प्रश्न 12- संन्यासी लोग विकार छोड़ते हैं जंगल में जाने के लिए। तुम छोड़ते हो..... में जाने के लिए ?

- A- मधुबन
- B- सूक्ष्म वन
- C- अपने स्वीट होम
- D- पवित्र दुनिया

प्रश्न 13- सबसे पहला न्यू मैन कौन है ?

- A- ब्रह्मा
- B- एडम
- C- श्रीकृष्ण
- D- आदि देव

प्रश्न 14- काम विकार कब आता है ?

- A- जब बाबा की याद नहीं रहती।
- B- जब कोई डिस सर्विस करते हैं।
- C- जब देह अभिमान आता है।
- D- जब श्रीमत पर नहीं चलते हैं।

प्रश्न 15- ब्रह्मा बाप के विशेष कदम इनमें से कौन सा नहीं है ?

- A- सर्वन्श त्यागी
- B- सदा आज्ञाकारी
- C- सिद्धि स्वरूप
- D- फरिश्ता

प्रश्न 16- ब्राह्मण-आत्माओं का निजी संस्कार क्या है ?

- A- सर्वगुण सम्पन्न, सम्पूर्ण निर्विकारी
- B- अटेन्शन और अभ्यास
- C- फरिश्ता और कर्मातीत
- D- समीप और समान

प्रश्न 17- दुनिया में तो मुसीबत पर मुसीबत है। तुम्हारे लिए बहुत प्राप्ति है। वह तो दुःखी होकर मरते हैं और तुम ?

- A- सुखी होकर मरते हो
- B- बैठे हो यह शरीर छोड़ने के लिए
- C- मौज मनाते हो
- D- जीते जी मरते हो

प्रश्न 18- बाबा से युक्ति लेकर से कर्मबन्धन को काटते जाना है ?

- A- सहनशीलता
- B- धैर्यता
- C- सर्व संबंध
- D- खुशी

प्रश्न 19- जो बनते हैं, फिर सतयुग में जाकर देवता बनेंगे ?

- A- पवित्र
- B- सम्पूर्ण निर्विकारी
- C- बी.के.
- D- सर्वगुण सम्पन्न

प्रश्न 20- आजकल तो मनुष्य अपनी भी पूजा कराते हैं, उनको कहा जाता है...?

- A- रावण की पूजा
- B- झूठखण्ड
- C- भूत पूजा
- D- आपे ही पूज्य, आपे ही पुजारी

प्रश्न 21- पढ़ाई और सर्विस पर पूरा ध्यान देना है, बाप समान मीठा बनना है। परन्तु न सुनना है, न दूसरों को सुनाकर मुख कड़वा करना है।

- A- व्यर्थ
- B- परचिन्तन
- C- संसार समाचार
- D- ग्लानि

प्रश्न 22- बाप कहते हैं- हमको प्रिय लगते हैं। ऐसे बच्चों को प्रदर्शनी की सर्विस में समझाना बहुत सहज होता है ?

- A- योगी तू आत्मा
- B- ज्ञानी तू आत्मा
- C- धारणायुक्त
- D- सर्विसिएबुल

प्रश्न 23- तुम्हें भक्ति की रोचक बातों के बजाए कौन सी बातें सबको सुनानी है ?

- A- ज्ञान की बातें
- B- ईश्वरीय बातें
- C- रूहानी बातें
- D- फरिश्तों की बातें

प्रश्न 24- सेवा में सफलता प्राप्त करने के लिए मुख्य कौन सा गुण चाहिए ?

- A- सहनशीलता
- B- धारणा
- C- दृढ़ता
- D- निरहंकारिता

प्रश्न 25- विचार सागर मंथन कर की नई नई युक्तियां निकालनी हैं ?

- A- ज्ञान
- B- योग
- C- धारणा
- D- सेवा

प्रश्न 26- महावीर बच्चों ने कौन सा कर्तव्य किया है जिसका यादगार शास्त्रों में है ?

- A- पवित्रता की धारणा की है।
- B- विकारों रूपी रावण पर जीत पाई।
- C- मूर्छित को संजीवनी बूटी देकर सुरजीत किया।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 27- जो सर्विस करते-करते बाप से वर्सा लेते-लेते किसी भी कारण से बाप का हाथ छोड़कर चले गये, उन्हें कैसे सुरजीत करना है ?

- A- सकाश देकर
- B- प्यार से बात करके
- C- पत्र लिखकर
- D- संजीवनी बूटी खिलाकर

प्रश्न 28- आकारी और निराकारी स्थिति में सहज स्थित होना है तो क्या करो ?

- A- देह अभिमान को छोड़ो
- B- बाप समान बनो
- C- निरहंकारी बनो
- D- निर्विकारी बनो

प्रश्न 29- यह बेहद का खेल किन दो शब्दों के आधार पर बना हुआ है ?

- A- सुख, दुःख
- B- बाप, वर्सा
- C- वर्सा, श्राप
- D- पतित, पावन

प्रश्न 30- आप मास्टर रचयिता बच्चे, सम्पूर्णता की बंधाईयां मनाओ तो कौन विदाई ले लेगा ?

- A- समय
- B- प्रकृति
- C- माया
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 31- संगमयुग का फ्यूचर क्या है?

- A- देवता
- B- विनाश
- C- फरिश्ता
- D- सतयुग

प्रश्न 32- हर समय तो वाणी द्वारा सेवा नहीं कर सकते। थक जायेंगे। लेकिन किस विधि द्वारा हर समय सेवा कर सकते हो ?

- A- मनसा द्वारा
- B- अपने फीचर्स द्वारा
- C- प्लैनिंग द्वारा
- D- दृष्टि द्वारा

भाग (26) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *C. मनुष्यों को*

हर एक को सदा सुखी, सदा शान्तमय बनाना है। *मनुष्य मात्र को कलियुगी भ्रष्टाचारी से सतयुगी श्रेष्ठाचारी बनाना है।* भारत में देवतायें थे, अभी नहीं हैं फिर जरूर देवतायें होंगे, उनको स्वर्ग कहा जाता है।

उत्तर 2- *C. शान्ति*

ज्ञान की महसूसता का सुख है ही शान्ति अर्थात् निर्विकल्प हो जाना। अन्दर जाने से शान्त रूप हो जाते हैं। इस अविनाशी ज्ञान से सम्पूर्ण शान्ति के स्थान पर जाए पहुंचते हैं।

उत्तर 3- *D. शान्ति तुम्हारे गले का हार है*

साधू सन्त आदि कोई को भी यह पता नहीं है कि आत्मा का स्वधर्म ही साइलेन्स है। संन्यासी लोग शान्ति को ढूँढने जाते हैं। *बाबा कहते हैं शान्ति तो तुम्हारे गले का हार है।* फिर हम जंगल में क्यों जायें! हम कर्मयोगी हैं।

उत्तर 4- *C. क्योंकि पापों का बोझा सिर पर है*

पापों का बोझा सिर पर है तो हिसाब-किताब अन्त में चुकतू कर जाना है, इसके लिए तुम याद में रहने की इतनी मेहनत करते हो जो नहीं करते वह ऐसे ही थोड़ेही मुक्ति में जायेंगे। कयामत के समय खूब सजा खाकर फिर मुक्तिधाम में चले जायेंगे।

उत्तर 5- *D. कोई भी ताकत नहीं जो अलग कर सके*

बाप और बच्चों का इतना दिल का सूक्ष्म कनेक्शन है जो कोई की ताकत नहीं जो अलग कर सके। सबसे बड़े-ते-बड़ा नशा बच्चों को सदा यही रहता है कि दुनिया बाप को याद करती लेकिन बाप किसको याद करता!

उत्तर 6- *B. वरदान से लाभ लेना*

बाप के रूप में याद, शिक्षक के रूप में पढ़ाई और सतगुरु के रूप में प्राप्त वरदान कार्य में लगाना - यह तीनों में नंबरवन चाहिए। *वरदान तो सबको मिलते हैं ना लेकिन समय पर वरदान को कार्य में लगाना - इसको कहते हैं वरदान से लाभ लेना।*

उत्तर 7- *D. उपरोक्त सभी*

इन तीन बिंदियों में सारा ज्ञान-सागर का सार भरा हुआ है। *सारे ज्ञान का सार तीन बातों में हैं - परमात्मा, आत्मा और ड्रामा* अर्थात् रचना। आज का यादगार दिवस भी शिव अर्थात् बिन्दु का है। बाप भी बिन्दु, आप भी बिन्दु और रचना अर्थात् ड्रामा भी बिन्दु।

उत्तर 8- *D. उपरोक्त सभी*

अन्त में किसी की भी याद न आये। एक बाप की ही याद रहे, यह है सच्ची काशी कलवट खाना। काशी कलवट खाना अर्थात् पास विद् ऑनर हो जाना जिसमें जरा भी सजा न खानी पड़े।

उत्तर 9- *D. हमारे सम्मुख बैठा है*

"मीठे बच्चे - *भगवान, जिसे सारी दुनिया याद करती है, वह तुम्हारे सम्मुख बैठा है*, तुम ऐसे बाप से पूरा वर्सा ले लो, भूलो मत"

उत्तर 10- *B. ब्रह्मा की सन्तान*

एक बाप के बच्चे ब्राह्मण ब्राह्मणियां तुम आपस में भाई-बहन ठहरे। यह बात जब तक अच्छी तरह किसकी बुद्धि में नहीं बैठेगी तब तक विकारों से छूट नहीं सकते। *जब तक ब्रह्मा की सन्तान न बनें तब तक पावन बनना बड़ा मुश्किल है।* मदद नहीं मिलेगी।

उत्तर 11- *D.जब अमृतवेले उठकर याद करेंगे*

सवेरे उठकर बाबा को याद करना है। वह टाइम बहुत अच्छा है। वायब्रेशन भी शुद्ध रहता है *।अमृतवेले उठकर याद करने से दिन में भी याद आयेगी।* यह कमाई है।

उत्तर 12- *D.पवित्र दुनिया*

बाप कहते हैं यह तुम्हारा अन्तिम जन्म है। एक जन्म के लिए तो इस विकार का त्याग करो। *संन्यासी लोग छोड़ते हैं जंगल में जाने के लिए। तुम छोड़ते हो पवित्र दुनिया में जाने के लिए।* संन्यासियों को कोई टैम्पटेशन नहीं है।

उत्तर 13- *C.श्रीकृष्ण*

यह एक ही परमपिता परमात्मा है जो कहते हैं मुझे अपना शरीर नहीं है। मैं इनका आधार लेता हूँ, इनकी आत्मा भी पढ़ती है जो पहले नम्बर में देवता बनती है। जो न्यु मैन था वही पुराना हो गया है। *कृष्ण है सबसे पहला न्यु मैन*, फिर 84 जन्मों के बाद आकर ब्रह्मा बना।

उत्तर 14- *C.जब देह अभिमान आता है*

कई हैं जिनको धारणा बिल्कुल होती ही नहीं है। क्रोध का भूत, लोभ का भूत, मोह का भूत एकदम काला कर देता है। *सबसे गंदा है काम विकार। वह भी तब आता है जब देह-अभिमान आता है।*

उत्तर 15- *C.सिद्धि स्वरूप*

ब्रह्मा बाप के विशेष पांच कदम

सबसे पहला कदम - *सर्वश्रुत्यागी*। न सिर्फ तन से और लौकिक सम्बन्ध से लेकिन सबसे बड़ा त्याग, दूसरा कदम - *सदा आज्ञाकारी* रहे। हर समय हर एक बात में - चाहे स्व-पुरुषार्थ में, चाहे यज्ञ-पालना में निमित्त बने तीसरा कदम - हर संकल्प में भी *व्रफादार*। जैसे पतिव्रता नारी एक पति के बिना और किसी को स्वप्न में भी याद नहीं कर सकती, ऐसे हर समय एक बाप दूसरा न कोई चौथा कदम *विश्व-सेवाधारी*। सेवा की विशेषता- एक तरफ अति निर्माण, वर्ल्ड सर्वेन्ट; दूसरे तरफ ज्ञान की अर्थोरिटी। पांचवा कदम - कर्मबन्धन मुक्त, कर्म-सम्बन्ध मुक्त अर्थात् शरीर के बंधन से मुक्त *फरिश्ता*, अर्थात् कर्मातीत।

उत्तर 16- *B.अटेन्शन और अभ्यास*

अटेन्शन और अभ्यास - यह भी सहज और स्वतः अनुभव करेंगे। अटेन्शन का भी टेन्शन नहीं रखना। कोई-कोई अटेन्शन को टेन्शन में बदल लेते हैं। *ब्राह्मण-आत्माओं का निजी संस्कार "अटेन्शन और अभ्यास" है।*

उत्तर 17- *B.बैठे हो यह शरीर छोड़ने के लिए*

दुनिया बहुत मुसीबतों में फँसी हुई है। तुम बहुत भाग्यशाली हो जो इन सब मुसीबतों से दूर निकल आये हो। *दुनिया में तो मुसीबत पर मुसीबत है। तुम्हारे लिए बहुत प्राप्ति है। वह तो दुःखी होकर मरते हैं। तुम बैठे हो यह शरीर छोड़ने के लिए।* कहाँ पुराना शरीर खत्म हो तो हम वापिस बाबा के पास जायें।

उत्तर 18- *B.धैर्यता*

हर एक का कर्मबन्धन अलग अलग है। कोई का हल्का, कोई का भारी है। *बाबा से युक्ति लेकर धैर्यता से कर्मबन्धन को काटते जाना है।*

उत्तर 19- *C.बी. के.*

कलियुग में एक बाप को 8-10 बच्चे होंगे। प्रजापिता ब्रह्मा को देखो कितने ढेर बच्चे हैं। परन्तु वह हैं मुख वंशावली, *जो बी.के. बनते हैं, फिर सतयुग में जाकर देवता बनेंगे।*

उत्तर 20- *C.भूत पूजा*

पहला नम्बर किसने गुरुद्वारा बनाया होगा फिर भक्ति मार्ग शुरू हो जाता है। पहले अव्यभिचारी भक्ति करते हैं फिर व्यभिचारी। *आजकल तो मनुष्य अपनी भी पूजा कराते हैं, उनको कहा जाता है भूत पूजा।*

उत्तर 21- *C.संसार समाचार*

पढ़ाई और सर्विस पर पूरा ध्यान देना है, बाप समान मीठा बनना है। *संसार समाचार न सुनना है, न दूसरों को सुनाकर मुख कड़वा करना है।*

उत्तर 22- *B.ज्ञानी तू आत्मा*

मोह रखना चाहिए बाप और अविनाशी ज्ञान रत्नों में। जितनी धारणा होगी उतना औरों को भी करायेंगे। *बाप कहते हैं हमको ज्ञानी तू आत्मा प्रिय लगते हैं।* प्रदर्शनी की सर्विस के लिए बाबा ज्ञानी बच्चों को ही ढूँढते हैं।

उत्तर 23- *C.रूहानी बातें*

*मीठे बच्चे - *तुम्हें भक्ति की रोचक बातों के बजाए रूहानी बातें सबको सुनानी है*, रावण राज्य से मुक्त करने की सेवा

करनी है।"

उत्तर 24- *D.निरहंकारिता*

निरहंकारिता का गुण। महावीर के लिए भी दिखाते हैं जहाँ भी सतसंग होता था, वहाँ जुत्तियों में जाकर बैठता था क्योंकि उसमें देह-अभिमान नहीं था, परन्तु इसमें बहादुरी चाहिए।

उत्तर 25- *D.सेवा*

बाप और वर्से को याद करना है। देह-अभिमान छोड़ महावीर बन सेवा करनी है। *विचार सागर मंथन कर सेवा की नई नई युक्तियाँ निकालनी हैं।*

उत्तर 26- *C.मूर्छित को संजीवनी बूटी देकर सुरजीत किया*

महावीर बच्चों ने मूर्छित को संजीवनी बूटी देकर सुरजीत किया है, इसका यादगार शास्त्रों में भी दिखाते हैं। तुम बच्चों को तरस पड़ना चाहिए।

उत्तर 27- *C.पत्र लिखकर*

जो सर्विस करते-करते बाप से वर्सा लेते-लेते किसी भी कारण से बाप का हाथ छोड़कर चले गये, उन्हें पत्र लिखकर सुरजीत करो। पत्र लिखो कि तुम्हें क्या हुआ जो तुमने पढ़ाई छोड़ दी.... बदनसीब क्यों बने! गिरते हुए को बचाना चाहिए।

उत्तर 28- *C.निरहंकारी बनो*

आकारी और निराकारी स्थिति में सहज स्थित होना है तो निरहकारी बनो।

उत्तर 29 - *C.वर्सा, श्राप*

"वर्सा और श्राप" बाप सुख का वर्सा देते, रावण दुःख का श्राप देता, यह बेहद की बात है। देवी-देवता धर्म वाले बाप से वर्सा लेते हैं। आधाकल्प के बाद फिर रावण श्राप देता है। तुम बच्चों को अब स्मृति आई कि हम निराकारी दुनिया में रहते थे फिर सुख का पार्ट बजाया।

उत्तर 30- *D.उपरोक्त सभी*

संगमयुग पर आप बच्चों को वर्सा भी प्राप्त है, पढ़ाई के आधार पर सोर्स आफ इनकम भी है और वरदान भी मिले हुए हैं। तीनों ही संबंध से इस अधिकार को स्मृति में इमर्ज रखकर हर कदम उठाओ। *अभी समय, प्रकृति और माया विदाई के लिए इन्तजार कर रही है सिर्फ आप मास्टर रचयिता बच्चे, सम्पूर्णता की बंधाईयाँ मनाओ तो वो विदाई ले लेंगी।*

उत्तर 31- *C.फरिश्ता*

टीचर्स बोलने की सेवा तो यथाशक्ति समय प्रमाण ही करेंगे लेकिन फरिश्ता फ्यूचर के फीचर्स हों। *संगमयुग का फ्यूचर फरिश्ता है, वह फीचर्स में दिखाई दे तो कितनी अच्छी सेवा होगी?* जब जड़-चित्र फीचर्स द्वारा अन्तिम जन्म तक भी सेवा कर रहे हैं

उत्तर 32- *B.अपने फीचर्स द्वारा*

टीचर अर्थात् हर संकल्प, बोल और हर सेकण्ड सेवा में उपस्थित - ऐसे सेवाधारी को ही बापदादा टीचर कहते हैं। *हर समय तो वाणी द्वारा सेवा नहीं कर सकते हो। थक जायेंगे ना। लेकिन अपने फीचर्स द्वारा हर समय सेवा कर सकते हो।* इसमें थकावट की बात नहीं है। यह तो कर सकते हैं ना।

भाग - (27)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- दिव्य बुद्धि और रूहानी दृष्टि इस दो वरदानों के सन्दर्भ में कौन सा कथन सही नहीं है ?

A- हर एक ब्राह्मण बच्चे को यह दोनों वरदान ब्राह्मण जन्म से ही प्राप्त हैं।

B- यह वरदान ब्राह्मण-जीवन का फाउण्डेशन है।

C- इन दोनों बातों के ऊपर सतयुगी राजधानी में नम्बरवार पद मिलता है।

D- इन दो बातों को सदा हर संकल्प में, बोल में, कर्म में जितना यूज़ करते है उतना ही नम्बर आगे लेते है।

प्रश्न 2- सूर्यवंशियों से राज्य चन्द्रवंशियों ने लिया! चन्द्रवंशियों से फिर विकारी राजाये लेते हैं, राजाओं से फिर किसने लिया ?

A- मुगलों ने

B- अंग्रेजों ने

C- कांग्रेस सरकार ने

D- सल्तनतकालीन शासकों ने

प्रश्न 3- शिव बाबा कहते मुझे तुम्हारे धन का क्या करना है। मैं तो तुमको बादशाही देने आया हूँ, तो फिर बाबा को हमसे क्या चाहिए ?

- A- 5 विकारों का दान
- B- श्रीमत् पर चलो
- C- सर्विस करो
- D- धारणामूर्त बनो

प्रश्न 4- बाबा किसके समान ब्रह्मचारी बनने को कहते हैं, जिसमें मेहनत है ?

- A- अर्जुन
- B- भीष्म पितामह
- C- ब्रह्मा
- D- मम्मा

प्रश्न 5- सतयुग में चलन होती ही ऊंची और रॉयल है। यहाँ तो तुमको बकरी से बन्दर से बनाया जाता है ?

- A- देवी, देवता
- B- शेरनी, देवता
- C- शेरनी, मनुष्य
- D- गाय, शेर

प्रश्न 6- जब तुम बन जाएंगे तब तुम्हारे में कोई भूत नहीं रहेगा ?

- A- देही अभिमानी
- B- कर्मातीत
- C- सम्पूर्ण निर्विकारी
- D- गले का हार

प्रश्न 7- को थोड़े ही याद किया जाता है। ब्रह्मा भी हो गया। याद उस शिवबाबा को ही करना है। यह भी उनको ही याद करते हैं ?

- A- पतित
- B- दलाल
- C- गुरु
- D- पुरूषार्थी

प्रश्न 8- योग कब नहीं लगता ?

- A- मुरली ना पढ़ने से
- B- देह- अभिमान में रहने से
- C- जब निश्चय नहीं रहता
- D- विकारों में जाने से

प्रश्न 9- जैसे बाप से सम्बन्ध रखना आवश्यक है, ऐसे किस से सम्बन्ध रखना भी अति आवश्यक है ?

- A- ब्रह्मा बाप
- B- ईश्वरीय परिवार
- C- लौकिक परिवार
- D- सम्बन्ध - संपर्क

प्रश्न 10- मत पर तो तुम आधाकल्प चलते हो, अब मेरी श्रीमत् पर चल पावन बनो तो पावन दुनिया के मालिक बन जायेंगे?

- A- मनुष्य
- B- बाप
- C- देहधारी
- D- मन

प्रश्न 11- बाप कहते हैं इन साधू सन्त, महात्मा, अजामिल जैसी पाप आत्माओं का भी..... मैं आकर करता हूँ ?

- A- गति
- B- सद्गति
- C- उद्धार
- D- कल्याण

प्रश्न 12- संगमयुग पर ब्राह्मणों को ब्राह्मण से फरिश्ता बनना है, फरिश्ता अर्थात् ?

- A- जिसका पुरानी दुनिया, पुराने संस्कार, पुरानी देह के प्रति कोई भी आकर्षण का रिश्ता नहीं

- B- डबल लाइट
- C- सम्पूर्ण पवित्र
- D- सम्पूर्ण निर्विकारी

प्रश्न 13- जितना प्यार से करो उतना कमाई है, ... करते-करते तुम बन्धनमुक्त हो जायेंगे ?

- A- बाप को याद
- B- यज्ञ की सेवा
- C- पढ़ाई
- D- धारणा

प्रश्न 14- अपने को सदा खुशी में रखने की युक्ति कौन सी अपनानी है ?

- A- बाप को प्यार से याद करो
- B- पढ़ाई पढ़ो और पढ़ाओ
- C- अपने को सर्विस में बिजी रखो
- D- विचार सागर मंथन करो

प्रश्न 15- सर्विस के साथ-साथ क्या जरूरी है ?

- A- तपस्या
- B- दैवी गुण
- C- मीठा बनना
- D- शुभ भावना

प्रश्न 16- रात को बाबा की याद में सोयेंगे तो सुबह क्या होगा ?

- A- सुबह बाबा की याद रहेगी।
- B- सुबह बाबा भी याद करेंगे।
- C- सुबह बाबा आकर जगायेंगे।
- D- सुबह बाबा आकर खटिया हिलायेंगे।

प्रश्न 17- न्यू वर्ल्ड में देहली का नाम क्या होगा ?

- A- न्यू देहली
- B- इंद्रप्रस्थ
- C- परिस्तान
- D- स्वर्ग

प्रश्न 18- पहले-पहले जो सतयुग में आते हैं उनको क्या कहते हैं ?

- A- फर्स्ट नम्बर
- B- विजयी
- C- विकर्माजीत
- D- विष्णु की माला

प्रश्न 19- आपने स्मृति में लाया 'मेरा बाबा' तो भक्त आत्मा भी क्या सिमरण करती ?

- A- मेरा भगवान
- B- मेरे इष्टदेव
- C- मेरे प्रभु
- D- मेरे ईश्वर

प्रश्न 20- बापदादा सदैव कहते हैं सदा बच्चों के मुख में..... हो। जो कहा वह किया अर्थात् सदा मुख में है ?

- A- दिलखुश मिठाई
- B- गुलाब
- C- गुलाब जामुन
- D- रसमलाई

प्रश्न 21- तुम हो तुम्हें चलते-फिरते याद का अभ्यास करना है, एक बाप के सिमरण में रह नर से नारायण बनने का पुरुषार्थ करो ?

- A- राजयोगी
- B- सहजयोगी

- C- कर्मयोगी
- D- महान योगी

प्रश्न 22- इस कलियुग में सदा जवान कौन रहता है ?

- A- रावण
- B- विकार
- C- क्रोध
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 23- हाहाकार के समय पास होने के लिए कौन सा मुख्य गुण जरूर चाहिए ?

- A- सहनशीलता का
- B- निर्भयता का
- C- धैर्यता का
- D- त्रिकालदर्शी का

प्रश्न 24- सबसे बड़ा सौभाग्य कौन सा है ?

- A- बाबा का मिलना
- B- बाबा पढ़ाते हैं।
- C- स्वर्ग में जाना
- D- आदि मध्य अंत का ज्ञान होना

प्रश्न 25- धन इकट्ठा करने का लोभ नहीं करना, क्यों ?

- A- सब विनाशी है
- B- समय कम है
- C- विनाश सामने खड़ा है
- D- काम नहीं आएगा

प्रश्न 26- गीता की नॉलेज किसके पास है ?

- A- सूर्यवंशी
- B- चंद्र वंशी
- C- मनुष्य
- D- ब्राह्मण

प्रश्न 27- सबसे जास्ती पुरानी जुत्ती किसकी है ?

- A- देवी- देवता धर्म वालों की
- B- क्षत्रिय धर्म वालों की
- C- वैश्य वर्ण वालों की
- D- शूद्र वर्ण वालों की

प्रश्न 28- कौन सा ज्ञान राधे- कृष्ण और विष्णु के पास नहीं है ?

- A- सृष्टि चक्र के फिरने का
- B- झाड़ू का ज्ञान
- C- त्रिमूर्ति का
- D- आदि- मध्य- अन्त का ज्ञान

प्रश्न 29- इस कलियुग में सब..... की जंजीरों में बंधे हुए, जीवन-बंध हैं, उन्हें जीवनमुक्त बनाना है ?

- A- माया
- B- विकारों
- C- रावण
- D- शैतान

प्रश्न 30- स्वयं को क्या समझकर हर कर्म करो तो महान और महिमा योग्य बन जायेंगे ?

- A- आत्मा
- B- निमित्त
- C- मेहमान
- D- महान

प्रश्न 31- योग अर्थात् बाप को याद करना। ज्ञान अर्थात्?

- A- मुरली पढ़ना
- B- विचार सागर मंथन करना
- C- चक्र फिराना
- D- आत्म अभिमानी बनना

प्रश्न 32- बाप का और अपना नाम बदनाम कौन करते हैं ?

- A- जो पूरा बलि नहीं चढ़ते।
- B- जो देह का भान नहीं छोड़ते।
- C- जो एक दो के नाम रूप में लट्टू होते हैं।
- D- जो काला मुँह करके छिपाते हैं।

भाग (27) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1 - *C.इन दोनों बातों के ऊपर सतयुगी राजधानी में नम्बरवार पद मिलता है*

आज दिव्य बुद्धि विधाता और रूहानी दृष्टि दाता बापदादा चारों ओर के दिव्य बुद्धि प्राप्त करने वाले बच्चों से कहते हैं। *हर एक ब्राह्मण बच्चे को यह दोनों वरदान ब्राह्मण जन्म से ही प्राप्त हैं*-दिव्य बुद्धि और रूहानी दृष्टि - यह बर्थ राइट में सबको मिली हुई हैं। *यह वरदान ब्राह्मण-जीवन का फाउण्डेशन है*। इन दोनों बातों के ऊपर संगमयुगी पुरुषार्थियों का नम्बर बनता है। *इन दो बातों को सदा हर संकल्प में, बोल में, कर्म में जितना जो यूज करता है उतना ही नम्बर आगे लेता है।*

उत्तर 2 - *C.कांग्रेस सरकार ने*

विचार करना चाहिए कि यह सतयुग में लक्ष्मी-नारायण राजा रानी तथा प्रजा कहाँ से आये? उन्होंने राज्य कहाँ से लिया? एक दो से लेते हैं वा *सूर्यवंशियों से चन्द्रवंशियों ने लिया! चन्द्रवंशियों से फिर विकारी राजायेँ लेते हैं, राजाओं से फिर कांग्रेस सरकार ने लिया।*

उत्तर 3 - *B.श्रीमत पर चलो*

अब बाप कहते हैं तुम मुझे वारिस बनायेंगे तो मैं तुमको 21 जन्मों के लिए वारिस बनाऊंगा। लौकिक बच्चा तुमसे लेगा, देगा कुछ भी नहीं। यह तो फिर देते देखो कितना हैं। हाँ अपने बच्चों को भी भल सम्भालो परन्तु श्रीमत पर चलो। इस समय के बच्चे बाप के धन से पाप ही करेंगे। *यह बच्चा कहता है - मुझे तुम्हारा धन क्या करना है। मैं तो तुमको बादशाही देने आया हूँ, सिर्फ श्रीमत पर चलो।*

उत्तर 4 - *B.भीष्म पितामह*

अब बाप आकर मेल फीमेल दोनों का योग अपने साथ लगाते हैं। कहते हैं गृहस्थ व्यवहार में रहकर पवित्र बनो। यह बहादुरी दिखाओ। इकट्ठे रहते काम अग्नि न लगे। ऐसे रहकर दिखाया तो बहुत ऊंच पद पायेंगे। *भीष्म पितामह जैसा ब्रह्मचारी बनना है, मेहनत है।*

उत्तर 5- *B.शेरनी, देवता*

तुम ईश्वरीय बच्चों की चलन बहुत ऊंची चाहिए। *सतयुग में चलन होती ही ऊंची और रॉयल है। यहाँ तो तुमको बकरी से शेरनी, बन्दर से देवता बनाया जाता है।* तो हर बात में निरहंकारीपना चाहिए। अपने अहंकार को तोड़ना चाहिए।

उत्तर 6- *B.कर्मातीत*

अब तुम बच्चे जानते हो कि हम इस देह को भी छोड़ बाबा के साथ चले जायेंगे। *जब तुम कर्मातीत बन जायेंगे तब तुम्हारे में कोई भूत नहीं रहेगा।* देह-अभिमान का पहला नम्बर भूत है।

उत्तर 7- *B.दलाल*

दलाल को थोड़े ही याद किया जाता है। दलाल ने तो दलाली की, खलास। फिर साजन को सजनी याद करती है। ब्रह्मा भी हो गया दलाल। याद उस शिवबाबा को ही करना है। यह दलाल भी उनको ही याद करते हैं, इनकी महिमा नहीं।

उत्तर 8- *D.विकारों में जाने से*

बाबा हम आपके हो गये। आप हमारे बाप, टीचर, सतगुरू हो। बाप कहेंगे मैं भी तुमको स्वीकार करता हूँ, परन्तु याद रखना मेरी पत (इज्जत) नहीं गँवाना। *मेरा बनकर फिर विकार में नहीं जाना। विकार में गए तो फिर योग लग न सके।*

उत्तर 9- *B.ईश्वरीय परिवार*

बैलेन्स न होने के कारण बाप द्वारा हर कदम में जो दुआयें मिलती हैं वा आत्मिक स्नेह कारण परिवार द्वारा जो दुआयें मिलती हैं उससे वंचित हो जाते हैं। *जैसे बाप से सम्बन्ध रखना आवश्यक है, ऐसे ईश्वरीय परिवार से सम्बन्ध रखना भी अति आवश्यक है।*

उत्तर 10- *A.मनुष्य*

“मीठे बच्चे - *मनुष्य मत पर तो तुम आधाकल्प चलते हो, अब मेरी श्रीमत पर चल पावन बनो तो पावन दुनिया के मालिक बन

जायेंगे**

उत्तर 11- *C.उद्धार*

बाप कहते हैं इन साधू सन्त, महात्मा, अजामिल जैसी पाप आत्माओं का भी *उद्धार* मैं आकर करता हूँ।

उत्तर 12- *A.जिसका पुरानी दुनिया,पुराने संस्कार,पुरानी देह के प्रति कोई भी आकर्षण का रिश्ता नहीं*

संगमयुग पर ब्राह्मणों को ब्राह्मण से फरिश्ता बनना है, *फरिश्ता* अर्थात् जिसका पुरानी दुनिया, पुराने संस्कार, पुरानी देह के प्रति कोई भी आकर्षण का रिश्ता नहीं।* तीनों से मुक्त, इसलिए ड्रामा में पहले मुक्ति का वर्सा है फिर जीवनमुक्ति का।

उत्तर 13- *B.यज्ञ की सेवा*

“मीठे बच्चे - *जितना प्यार से यज्ञ की सेवा करो उतना कमाई है, सेवा करते-करते तुम बन्धनमुक्त हो जायेंगे, कमाई जमा हो जायेगी**

उत्तर 14- *C.अपने को सर्विस में बिजी रखो*

अपने को सर्विस में बिजी रखो तो सदा खुशी रहेगी। कमाई होती रहेगी। सर्विस के समय आराम का ख्याल नहीं आना चाहिए। जितनी सर्विस मिले उतना खुश होना चाहिए।

उत्तर 15- *C.मीठा बनना*

ऑनैस्ट बन प्यार से सर्विस करो। *सर्विस के साथ-साथ मीठा भी बनना है।* कोई भी अवगुण तुम बच्चों में नहीं होना चाहिए। श्रीकृष्ण की महिमा गाई जाती है सर्वगुण सम्पन्न.... यहाँ हैं सबमें आसुरी गुण। कोई भी खामी न हो, ऐसा मीठा बनना है।

उत्तर 16- *D.सुबह बाबा आकर खटिया हिलायेंगे*

दिन में धन्ये आदि का बन्धन है। रात को तो कोई बंधन नहीं। *रात को बाबा की याद में सोयेंगे तो सुबह को बाबा आकर खटिया हिलायेंगे।* ऐसा भी बहुत अनुभव लिखते हैं।हिम्मे बच्चे मददे बाप तो है ही। अपने ऊपर बहुत अटेन्शन रखो।

उत्तर 17- *C.परिस्तान*

जानते हैं आत्मा और शरीर दो चीजें हैं। परन्तु आत्मा कहाँ से आती है, उनका बाप कौन है, यह नहीं जानते। यह हैं नई बातें, न्यू वर्ल्ड के लिए। *न्यु देहली कहते हैं। परन्तु न्यु वर्ल्ड में इसका नाम देहली नहीं होता, उसे परिस्तान कहा जाता है।*

उत्तर 18- *C.विकर्माजीत*

तुम बच्चों को 5 हजार वर्ष के बाद फिर यह शिक्षा मिलती है कि अपने को आत्मा समझो, परमात्मा को याद करो, इस याद से ही विकर्म भस्म होंगे। अब तो विकर्माजीत बनना है। *पहले-पहले जो सतयुग में आते हैं उनको विकर्माजीत कहेंगे।*

उत्तर 19- *B.मेरे इष्टदेव*

आज तक भी अपना सिमरण भक्तों द्वारा सुन रहे हैं। *अपने स्मृति में लाया “मेरा बाबा” तो भक्त आत्मा भी यही सिमरण करती मेरा ईष्ट देव वा देवी।* जैसे आपने अति प्यार से दिल से बाप को याद किया, उतना ही भक्त आत्मायें आप ईष्ट आत्माओं को दिल से अति प्यार से याद करती हैं।

उत्तर 20- *C.गुलाब जामुन*

बापदादा सदैव कहते हैं सदा बच्चों के मुख में गुलाब जामुन हो। जो कहा वह किया अर्थात् सदा गुलाबजामुन मुख में है। दुनिया वाले कहते मुख में गुलाब। लेकिन गुलाब से मुख मीठा नहीं होगा, इसलिए गुलाबजामुन मुख में हो तो सदा ही ऐसे मुस्कराते रहे।

उत्तर 21 - *C.कर्मयोगी*

“मीठे बच्चे - *तुम हो कर्मयोगी, तुम्हें चलते-फिरते याद का अभ्यास करना है, एक बाप के सिमरण में रह नर से नारायण बनने का पुरूषार्थ करो**

उत्तर 22 - *D.उपरोक्त सभी*

यहाँ रावण (विकार) सदा जवान रहता है। मनुष्य भल बूढ़ा हो जाए लेकिन उसमें जो विकार हैं, क्रोध है वह कभी बूढ़ा नहीं होता। वह सदा जवान रहता है।

उत्तर 23 - *C.धैर्यता का*

धैर्यता का। लड़ाई के समय ही तुम्हारी प्रत्यक्षता होगी। जो मजबूत होंगे, वही पास हो सकेंगे, घबराने वाले नापास हो जाते हैं। अन्त में तुम बच्चों का प्रभाव निकलेगा तब कहेंगे अहो प्रभु तेरी लीला...

उत्तर 24 - *C.स्वर्ग में जाना*

स्वर्ग में आना भी सबसे बड़ा सौभाग्य है। स्वर्ग के सुख तुम बच्चे ही देखते हो। वहाँ आदि-मध्य-अन्त दुःख नहीं होता। यह

बातें मनुष्यों की बुद्धि में मुश्किल ही बैठती हैं।

उत्तर 25 - *C. विनाश सामने खड़ा है*

विनाश सामने है इसलिए जास्ती धन इकट्ठा करने का लोभ नहीं करना है। ऊंच पद के लिए ईश्वरीय सेवा कर कमाई जमा करनी है

उत्तर 26 - D. ब्राह्मण

दुनिया में सब कहते हैं कृष्ण ने गीता गाई। यहाँ समझाया जाता है कृष्ण गीता गा न सके। जो मोर मुकुटधारी है, डबल सिरताज वा सिंगलताज *सूर्यवंशी, चन्द्रवंशी वा वैश्य, शूद्र वंशी, कोई भी गीता की नॉलेज को नहीं जानते।* वह नॉलेज भगवान ने ही सुनाए भारत को स्वर्ग बनाया था।

उत्तर 27 - A *देवी- देवता धर्म वालों की*

तुम बच्चों की बुद्धि में यह रहना चाहिए कि शरीर पुरानी जुत्ती है, जिससे हम पढ़ रहे हैं। *देवी देवता धर्म वालों की सबसे जास्ती पुरानी जुत्ती है।* भारत शिवालय था, देवताओं का राज्य था। हीरे जवाहरों के महल थे। अब तो वेश्यालय में असुर विकारियों का राज्य है।

उत्तर 28 - *A. सृष्टि चक्र के फिरने का*

स्वदर्शन चक्र के अर्थ का भी किसको पता नहीं है। सिर्फ चक्र दे दिया है, मारने के लिए। उसे एक हिंसक हथियार बना दिया है। वास्तव में उनके पास न हिंसक चक्र है, न अहिंसक। *ज्ञान भी राधे कृष्ण या विष्णु के पास नहीं हैं। कौन सा ज्ञान? यह सृष्टि चक्र के फिरने का ज्ञान*। वह सिर्फ तुम्हारे में है।

उत्तर 29- *C. रावण*

"मीठे बच्चे - *इस कलियुग में सब रावण की जंजीरों में बंधे हुए, जीवन-बंध हैं, उन्हें जीवनमुक्त बनाना है"*

उत्तर 30- *C. मेहमान*

स्वयं को मेहमान समझकर हर कर्म करो तो महान और महिमा योग्य बन जायेंगे।

उत्तर 31 - *C. चक्र फिराना*

सारा मदार है पढ़ाई पर। योग और ज्ञान, *योग अर्थात् बाप को याद करना। ज्ञान अर्थात् चक्र फिराना*। यह तो सहज है। बाप कहते हैं मेरे पास आना है इसलिए मुझे याद करो।

उत्तर 32- *C. जो एक दो के नाम पर लट्टू होते हैं*

पूरा बलि चढ़ना माना - बुद्धि का योग एक तरफ रहे। बच्चे आदि कोई देहधारी याद न आये। देह का भान टूट जाए। ऐसा जो पूरा बलि चढ़ते हैं उन्हें 21 जन्मों का वर्सा बाप से मिलता है। *जो एक दो के नाम रूप में लट्टू होते हैं वह बाप का और अपना नाम बदनाम करते हैं।*

भाग - (28)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- परमपिता परमात्मा के साथ प्रीत किसकी है ?

- A- फरिश्तों की
- B- ब्राह्मणों की
- C- देवताओं की
- D- उपरोक्त सभी की

प्रश्न 2- मन में भी किसी के लिए घृणा नहीं रखना। क्यों ?

- A- क्योंकि सब परमात्मा की सन्तान हैं।
- B- क्योंकि सब भाई भाई हैं।
- C- क्योंकि हर आत्मा अपना पार्ट बजा रही है।
- D- क्योंकि जैसा सोचेंगे वैसा बन जाएंगे।

प्रश्न 3- सेफ्टी की लकीर क्या है ?

- A- ज्ञान और योग
- B- बाप और आप
- C- बाप और दादा
- D- बाप और वर्सा

प्रश्न 4- यथार्थ ब्राह्मण जीवन क्या है?

- A- प्रसन्नचित्त स्थिति में रहना।
- B- सदा उड़ती कला में रहना।
- C- सदाकाल की रूहानी अलौकिक मौज में रहना।
- D- बुद्धि सदा क्लियर रखो।

प्रश्न 5- ऊंच पद पाने के लिए मुख्य कौन सी धारणा चाहिए ?

- A- शुद्ध अन्न
- B- मीठे बोल
- C- कर्मेन्द्रियजीत
- D- ज्ञानयोग

प्रश्न 6- के बिना याद यथार्थ नहीं रह सकती ?

- A- ज्ञान
- B- प्यार
- C- धारणा
- D- सेवा

प्रश्न 7- स्वयं के स्वयं टीचर बनो तो स्वतः समाप्त हो जायेंगी ?

- A- विस्मृति
- B- सर्व कमजोरियां
- C- अवगुण
- D- बीमारियां

प्रश्न 8- सदा सेफ रहने का स्थान कौन सा है ?

- A- दिलाराम बाप का दिलतख्त
- B- अकालतख्त
- C- भृकुटी में
- D- मधुबन में

प्रश्न 9- एकोंकार का क्या अर्थ है ?

- A- परमात्मा एक है।
- B- निराकार स्वरूप है।
- C- अविनाशी है।
- D- अकालमूर्त है।

प्रश्न 10- श्री किसको कहेंगे ?

- A- बाप को
- B- दादा की
- C- देवताओं को
- D- ब्राह्मणों को

प्रश्न 11- अपने साथ बातें करनी हैं। इसको क्या कहा जाता है ?

- A- मनमनाभाव
- B- आत्म चिंतन
- C- स्व चिंतक
- D- विचार सागर मंथन करना

प्रश्न 12- देवताओं की महिमा क्या है ?

- A- सम्पूर्ण निर्विकारी
- B- लिबरेटर
- C- सद्गतिदाता
- D- अकालमूर्त

प्रश्न 13- क्या पढ़ते- पढ़ते कलियुग का अन्त आ गया है ?

- A- भागवत

- B- गीता
- C- शास्त्र
- D -पोथी

प्रश्न 14- इन विकारों को पूरी रीति तजना है, तजेगे नहीं तो..... ?

- A- आगे बढ़ेंगे नहीं
- B- सजेंगे भी नहीं
- C- उड़ेंगे भी नहीं
- D- चलेंगे भी नहीं

प्रश्न 15- कौन सा गीत ऑटोमेटिक बजता रहे तो प्रत्यक्षता का झण्डा लहराने लगेगा ?

- A- मीठा बाबा, प्यारा बाबा, मेरा बाबा।
- B- भगवान धरती पर आ चुके है।
- C- अब घर जाना है।
- D- सच्चे दिल पर साहेब राजी।

प्रश्न 16- बाप तुमको कौन सी कहानी सुनाते हैं ?

- A- गोले की
- B- झाड़ की
- C- त्रिमूर्ति की
- D- सृष्टि के आदि- मध्य- अन्त की

प्रश्न 17- किसके द्वारा किसी की भी बुद्धि को परिवर्तित कर सकते है ?

- A- दृढ़ निश्चय
- B- योग के प्रयोग
- C- मनसा सेवा
- D- A और B

प्रश्न 18- फर्स्ट क्लास बात कौन सी है ?

- A- अपने को आत्मा समझ बाप को याद करो।
- B- बाप से स्वर्ग का वर्सा लेना है।
- C- बाबा हमें पढ़ाकर स्वर्ग का मालिक बनाते।
- D- स्वयं भगवान हमारा बाप, टीचर और गुरु भी है।

प्रश्न 19- अपना असली लक्ष्य कौन सा है ?

- A- बाप का परिचय देना
- B- मैं आत्मा उस परमात्मा की संतान हूँ
- C- लक्ष्मी- नारायण बनना
- D- B और C दोनों

प्रश्न 20- बन ज्ञान कवांठी (कांवर) पर सबको बिठाना है। मित्र-सम्बन्धियों को भी ज्ञान दे उनका कल्याण करना है ?

- A- ब्रह्माकुमार- कुमारी
- B- श्रवणकुमार-कुमारी
- C- कावंडिया
- D- जादूगर

प्रश्न 21- क्या करें तो देही-अभिमानी बन जायेंगे, नशा वा खुशी कायम रहेगी, चलन सुधरती जायेगी ?

- A- पवित्र बनने का प्रयास करो।
- B- बाप समान बनने की आदत डालो।
- C- बाप को याद करने की आदत डालो।
- D- ज्ञान की धारणा करते रहो।

प्रश्न 22- जो व्यर्थ को समर्थ में परिवर्तन कर दे, वह कौन हैं ?

- A- मास्टर नॉलेजफुल
- B- सच्चे सेवाधारी
- C- होलीहंस

D- मास्टर सर्वशक्तिमान

प्रश्न 23- क्या करते हुए भी आत्मा को पावन बनाने के लिए याद की मेहनत जरूर करनी है ?

- A- चलते फिरते
- B- खाना बनाते
- C- खाना खाते
- D- सोते समय

प्रश्न 24- गुप्त पुरुषार्थ करके राज्य भाग्य कौन लेते हैं ?

- A- ब्राह्मण
- B- भक्त
- C- गरीब
- D- मनुष्य

प्रश्न 25- ज्ञान-मार्ग में भी जो यथार्थ रहमदिल हैं- उसमें 3 बातों से किनारा करने की शक्ति होती है। उन तीन में से एक नहीं है ?

- A- अलबेलापन
- B- ईर्ष्या
- C- द्वेष
- D- घृणा

प्रश्न 26- इनमें से क्या कभी भी किसी आत्मा के प्रति ईर्ष्या वा घृणा का भाव दिल में उत्पन्न करने नहीं देगा ?

- A- सजा का डर
- B- लवफुल
- C- मसीफुल
- D- ज्ञानयुक्त रहम

प्रश्न 27- ब्राह्मण-जीवन का फाउण्डेशन, महामंत्र क्या है ?

- A- पवित्रता
- B- मनमनाभाव
- C- मध्याजीभव
- D- आत्मा

प्रश्न 28- जो सर्व प्रश्नों से पार रहता है - वही

- A- फरिश्ता
- B- प्रसन्नचित
- C- सहजयोगी
- D- व्यर्थ से मुक्त

प्रश्न 29- किसी भी प्रकार के से परे रहना परफेक्ट बनना है ?

- A- विकार
- B- रावण
- C- डिफेक्ट
- D- अवगुण

प्रश्न 30- कौन से बच्चे छिपे नहीं रह सकते ?

- A- पुरुषार्थ करने वाले
- B- गलती करने वाले
- C- श्रीमत को तोड़ने वाले
- D- बाप समान बनने वाले

प्रश्न 31- तुम बच्चे अभी किस बात से डरते नहीं हो ?

- A- माया रावण से
- B- इस पुराने शरीर को छोड़ने से
- C- विनाश से
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 32- बिगर कहे जो काम करे सो देवता। कहने से जो करे सो.....?

- A- ब्राह्मण
- B- भक्त
- C- शूद्र
- D- मनुष्य

भाग (28) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1 - *B.ब्राह्मणों की*

ब्राह्मणों को तो जरूर धीरज ही होगा क्योंकि *ब्राह्मणों की ही परमपिता परमात्मा के साथ प्रीत है* - नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार। सबकी एक जैसी प्रीत नहीं है।

उत्तर 2 - *C.क्योंकि हर आत्मा अपना पार्ट बजा रही है*

बाप कहते हैं, अच्छी रीति प्रीत लगाओ। जैसे स्त्री पति को याद करती है वैसे तुम मुझे याद करो। मेरी श्रीमत पर चलो। मन्सा, वाचा, कर्मणा किसको दुःख न दो। *मन में भी किसी के लिए घृणा नहीं रखना। हर आत्मा अपना पार्ट बजा रही है।*

उत्तर 3 - *B.बाप और आप*

सिवाए बाप के खजानों के और कोई याद न आये। वैराइटी प्राप्ति है, वैराइटी खजाने हैं, वैराइटी सम्बन्ध हैं, वैराइटी खुशी की बातें हैं - उमंग-उत्साह की बातें हैं। उसी विधि से यूज करो। *बाप और आप यही सेफ्टी की लकीर है।* इस स्मृति की लकीर से बाहर नहीं आओ।

उत्तर 4 - *C.सदाकाल की रूहानी अलौकिक मौज में रहना*

अल्पकाल के सुख की मौज वा अल्पकाल के सम्बन्ध-सम्पर्क की मौज सदाकाल की प्रसन्नचित स्थिति से भिन्न है। जो आया वह बोला, जो आया वह किया - हम तो मौज में रहते हैं, ऐसे अल्पकाल के मनमौजी नहीं बनो। *सदाकाल की रूहानी अलौकिक मौज में रहो - यही यथार्थ ब्राह्मण जीवन है।*

उत्तर 5- *C.कर्मन्द्रियजीत*

ऊंच पद तब मिलेगा जब अपनी कर्मन्द्रियों पर पूरा-पूरा कन्ट्रोल होगा। अगर कर्मन्द्रियाँ वश नहीं, चलन ठीक नहीं, बहुत अधिक तमन्नायें हैं, हबच (लालच) है तो ऊंच पद से वंचित हो जायेंगे। ऊंच पद पाना है तो मात-पिता को पूरा फालो करो। कर्मन्द्रिय जीत बनो।

उत्तर 6- *A.ज्ञान*

परमात्मा तो गीता में साफ कहते हैं, न मैं ध्यान से, न जप से मिलता हूँ और न मेरी सूरत को सामने रख उनका ध्यान करना है परन्तु ज्ञान योग द्वारा परमात्मा को पाना है इसलिए पहले चाहिए ज्ञान, *ज्ञान बिगर याद कायम रह नहीं सकेगी। याद का तैलुक है ही ज्ञान से।*

उत्तर 7- *B.सर्व कमजोरियाँ*

बाबा तो कहते हैं - अच्छी रीति पुरुषार्थ करो। माँ बाप को फालो कर अच्छा पद पा लो, अपनी चलन को सुधारो। बाप तो राह बताते हैं फिर उस पर क्यों नहीं चलते हो। *स्वयं के स्वयं टीचर बनो तो सर्व कमजोरियाँ स्वतः समाप्त हो जायेंगी।*

उत्तर 8- *A.दिलाराम बाप का दिलतख्त*

सदा सेफ रहने का स्थान-दिलाराम बाप का दिलतख्त है। सदा इसी स्मृति में रहो कि हमारा ही यह श्रेष्ठ भाग्य है जो भगवान के दिलतख्त-नशीन बन गये। जो परमात्म दिल में समाया हुआ अथवा दिलतख्तनशीन है वह सदा सेफ है।

उत्तर 9- *A.परमात्मा एक है*

परमात्मा एक है, भल कोई धर्म वाला हो वो भी परमात्मा को ही मानते हैं। जैसे गुरुनानक ने भी परमात्मा की इतनी बड़ाई की एकोंकार सत् नाम। *एकोंकार का अर्थ है परमात्मा एक है।* सत् नाम अर्थात् उसका नाम सत्य है तो गोया परमात्मा नाम रूप वाला भी है, अविनाशी है, अकालमूर्त भी है तो फिर कर्ता पुरुष भी है।

उत्तर 10- *C.देवताओं को*

श्रीमत से तुम श्रेष्ठ सो देवता बनते हो। रूद्र माला भी है। रूद्र भी निराकार भगवान ही ठहरे। वह है श्री श्री। *देवताओं को कहेंगे श्री अर्थात् श्रेष्ठ।* अभी तुम बच्चे जानते हो कि श्री श्री द्वारा श्रेष्ठ दुनिया बनती है। बाप श्री श्री है श्री बनाने वाला।

उत्तर 11- *D.विचार सागर मंथन करना*

जो काम बाबा 5 हजार वर्ष पहले करके गये हैं, सो अब कर रहे हैं। यह मन्दिर अब टूटेंगे फिर भक्ति मार्ग में बनेंगे। यह सब बातें धारण करने की हैं। *यह अपने साथ बातें करनी हैं। इसको कहा जाता है विचार सागर मंथन करना।*

उत्तर 12- *A.सम्पूर्ण निर्विकारी*

अभी हमको बाप मिला है, जो ज्ञान का सागर है। कृष्ण को ज्ञान का सागर नहीं कहेंगे। शिवबाबा की महिमा और देवताओं की महिमा एकदम अलग है। *देवताओं की महिमा है सम्पूर्ण निर्विकारी।* शिवबाबा को कहा जाता है मनुष्य सृष्टि का बीजरूप, सत् चित् आनन्द स्वरूप, ज्ञान का सागर।

उत्तर 13- *B. गीता*

बाप है ज्ञान का सागर, गीता कितनी छोटी बनाई है। श्लोकों को कण्ठ कर लेते हैं। सब लोग उन पर फिदा हो जाते हैं। *गीता पढ़ते-पढ़ते कलियुग का अन्त आ गया है। सद्गति किसको भी नहीं मिलती।* तुमको थोड़ा ही ज्ञान देता हूँ - तुम स्वर्ग में चले जाते हो।

उत्तर 14- *B. सजेंगे भी नहीं*

शुरू-शुरू में तुमने बहुत कुछ देखा है फिर अन्त में बहुत कुछ देखना है। जो चले जायेंगे वह कुछ भी नहीं देखेंगे। इन विकारों को पूरी रीति तजना है तब ही हीरे जवाहरों से सजना है। *तजेंगे नहीं तो इतना सजेंगे भी नहीं।* अभी तुम ज्ञान रत्नों से सज रहे हो।

उत्तर 15- *A. मीठा बाबा, प्यारा बाबा, मेरा बाबा*

ऐसा दृढ़ संकल्प अर्थात् व्रत धारण करो कि जब तक जीना है तब तक खुश रहना है। *मीठा बाबा, प्यारा बाबा, मेरा बाबा-यही गीत ऑटोमेटिक बजता रहे तो प्रत्यक्षता का झण्डा लहराने लगेगा।*

उत्तर 16- *D. सृष्टि के आदि-मध्य-अन्त की*

तुम बच्चे जानते हो पुरुषार्थ से हम यह बनेंगे, फिर श्रीमत् पर क्यों नहीं चलते। तुम भूल क्यों जाते हो। यह तो कहानी है। घर में मित्र सम्बन्धी कहानियाँ सुनाते हैं। *बाप भी तुमको सारे सृष्टि के आदि मध्य अन्त की कहानी सुनाते हैं।* तुम 5 हजार वर्ष पहले विश्व के मालिक थे।

उत्तर 17- *D. A और B*

पुरुषार्थ धरनी बनाता है, वह भी जरूरी है लेकिन पुरुषार्थ के साथ-साथ योग के प्रयोग से सबकी वृत्तियों को परिवर्तन करो तो सफलता समीप दिखाई देगी। *दृढ़ निश्चय और योग के प्रयोग द्वारा किसी की भी बुद्धि को परिवर्तन कर सकते हो।*

उत्तर 18- *A. अपने को आत्मा समझ बाप को याद करो*

बाप कहते हैं यह देह के सब धर्म छोड़ मुझे याद करो तो विकर्म विनाश होंगे। तुम मेरे पास चले आयेगे। पहले-पहले यह निश्चय करो फिर दूसरी बात, तब तक आगे बढ़ना ही नहीं है। *अपने को आत्मा समझ बाप को याद करो। बस यह है सबसे फर्स्ट-क्लास बात।*

उत्तर 19- *D. B और C दोनों विकल्प सही*

पहले पहले यह जानना जरूरी है कि अपना असली लक्ष्य क्या है? वो भी अच्छी तरह से बुद्धि में धारण करना है तब ही पूर्ण रीति से उस लक्ष्य में उपस्थित हो सकेंगे। *अपना असली लक्ष्य है - मैं आत्मा उस परमात्मा की संतान हूँ।* दूसरी मुरली में बाबा कहते एम ऑब्जेक्ट है (मुख्य लक्ष्य)- मनुष्य से देवता बनने की। इस राजयोग की एम आब्जेक्ट है ही लक्ष्मी-नारायण बनना। इसलिए दोनों विकल्प सही है।

उत्तर 20- *B. श्रवण कुमार-कुमारी*

तुम सभी अब श्रवण कुमार और कुमारियाँ बनते हो। तुम सबको ज्ञान की कवांठी (कांवर) पर बिठाते हो। तुमको सब मित्र-सम्बन्धियों को ज्ञान दे उनका कल्याण करना है। बाबा के पास युगल भी आते हैं। आगे तो जिस्मानी ब्राह्मण से हथियाला बंधवाते थे। अभी तुम रूहानी ब्राह्मण काम चिता का हथियाला तोड़ते हो।

उत्तर 21- *C. बाप को याद करने की आदत डालो*

"मीठे बच्चे - *बाप को याद करने की आदत डालो तो देही-अभिमानी बन जायेंगे, नशा वा खुशी कायम रहेगी, चलन सुधरती जायेगी"*

उत्तर 22- *C. होलीहंस*

बाबा कहते बच्चे, तुम यहाँ आये हो असुर से देवता बनने, तो सदा एक दो में ज्ञान की चर्चा करो, दैवीगुण धारण करो, अन्दर जो भी अवगुण हैं उन्हें निकाल दो। बुद्धि को स्वच्छ, साफ बनाओ। *होलीहंस वह है जो व्यर्थ को समर्थ में परिवर्तन कर दे।*

उत्तर 23- *C. खाना खाते*

शुद्ध भोजन खाते हुए भी आत्मा को पावन बनाने के लिए याद की मेहनत जरूर करनी है। याद से ही श्रेष्ठाचारी बनना है। विकर्म विनाश करने हैं।

उत्तर 24- *C. गरीब*

तुम बच्चे जानते हो कि *गरीब ही गुप्त पुरुषार्थ करके राज्य भाग्य लेते हैं* बाकी तो सबका विनाश होना है। यह ज्ञान है भारत के लिए। बाबा कहते हैं मेरे भक्तों को यह ज्ञान सुनाओ। शिव के पुजारी हो या देवताओं के पुजारी हों।

उत्तर 25- *C. द्वेष*

ज्ञान-मार्ग में भी जो यथार्थ रहमदिल हैं - उसमें 3 बातों से किनारा करने की शक्ति होती है। जिसमें रहम नहीं होता वे समझते हुए, जानते हुए तीन बातों के परवश बन जाते हैं। *वह तीनों बातें हैं - अलबेलापन, ईर्ष्या और घृणा।* कोई भी कमजोरी वा कमी का कारण 90 प्रतिशत यह तीनों बातें होती हैं।

उत्तर 26- *D. ज्ञानयुक्त रहम*

बिना ज्ञान के रहम कभी नुकसान भी करता है। लेकिन *ज्ञानयुक्त रहम कभी भी किसी आत्मा के प्रति ईर्ष्या वा घृणा का भाव दिल में उत्पन्न करने नहीं देगा।* ज्ञानयुक्त रहम के साथ-साथ स्वयं की रूहानियत का रूहाब भी अवश्य होता है। अकेला रहम नहीं होता। लेकिन रहम और रूहाब दोनों का बैलेंस रहता है।

उत्तर 27- *B. मनमनाभव*

दी हुई वस्तु को फिर से स्वयं यूज करना, उसको कहा जाता है - अमानत में ख्यानत। जब मन-बुद्धि दे दिया तो फिर आपकी रही कहाँ जो प्रभावित होते हो? बाप के हवाले कर दिया है या आधी रखी है, आधी दी है? जिन्होंने फुल दी है वे हाथ उठाओ। देखो, *ब्राह्मण-जीवन का फाउण्डेशन, महामंत्र क्या है? मनमनाभव।*

उत्तर 28- *B. प्रसन्नचित्त*

बाप ने जो शक्तियों का, ज्ञान का, गुणों का, सुख-शान्ति, आनंद, प्रेम का खजाना दिया है, जो भी भिन्न-भिन्न प्राप्तियां हुई हैं, उन प्राप्तिओं को बुद्धि में इमर्ज करो तो खुशी की अनुभूति होगी *। जो सर्व प्रश्नों से पार रहता है - वही प्रसन्नचित्त है।*

उत्तर 29- *C. डिफेक्ट*

कभी कोई भी परिस्थिति आए उसे ऐसा ही समझो कि बेहद के स्क्रीन पर कार्टून शो वा पपेट शो चल रहा है। माया वा प्रकृति का यह एक शो है, जिसको साक्षी स्थिति में स्थिति हो, अपनी शान में रहते हुए, सन्तुष्टता के स्वरूप में देखते रहो * - किसी भी प्रकार के डिफेक्ट से परे रहना ही परफेक्ट बनना है।*

उत्तर 30- *A. पुरुषार्थ करने वाले*

मम्मा-बाबा महाराजा महारानी बनते हैं तो हम क्यों न पद पायें। *पुरुषार्थ करने वाले छिप नहीं सकते*। सारी राजधानी स्थापन हो रही है। दैवी धर्म वाले जो भी हैं आयेंगे जरूर। मम्मा बाबा राजा-रानी बनते हैं तो हम भी क्यों न पुरुषार्थ करें।

उत्तर 31- *B. इस पुराने शरीर को छोड़ने से*

तुम अभी इस पुराने शरीर को छोड़ने से डरते नहीं हो क्योंकि तुम्हारी बुद्धि में है - हम आत्मा अविनाशी हैं। बाकी यह पुराना शरीर भल चला जाए हमें तो वापिस घर जाना है। हम अशरीरी आत्मा हैं। बाकी इस शरीर में रहते बाप से ज्ञान अमृत पी रहे हैं।

उत्तर 32- *D. मनुष्य*

यह है राजयोग तो पद पाना चाहिए ऊंचा। दास-दासी जाकर बने तो भगवान से क्या वर्सा पाया, कुछ भी नहीं। बाबा से कोई पूछे तो फट से बाबा बता सकते हैं। काम करना चाहिए इशारे से। *बिगर कहे जो काम करे सो देवता..। कहने से जो करे सो मनुष्य।* तुमको अब श्रीमत मिलती है देवता बनने की।

भाग - (29)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- बच्चे रूहानी सर्जन से अपनी बीमारी छिपाते क्यों हैं ?

- A- देह अभिमान के कारण
- B- क्योंकि उन्हें सजा का डर रहता है
- C- क्योंकि उन्हें अपनी इज्जत का डर रहता है
- D- अपने झूठे स्वभाव संस्कार के कारण

प्रश्न 2- अटेन्शन नेचरल हो तो स्वतः खत्म हो जायेगा ?

- A- विकार
- B- पाप
- C- व्यर्थ
- D- टेन्शन

प्रश्न 3- बाबा रास्ता बताते हैं - शहर का अथवा स्वर्ग में जाने का परन्तु न समझने के कारण..... में जाकर पड़ते हैं ?

- A- नर्क
- B- गाँव

- C- जंगल
- D- नदी

प्रश्न 4- यहाँ बैठे-बैठे भी बाबा की बुद्धि किन बच्चों तरफ रहती है?

- A- बाँधिली
- B- सर्विसएबुल
- C- सपूत
- D- वफादार

प्रश्न 5 - स्वीट होम किसे कहा जाता है।

- A- शान्तिधाम
- B- सूक्ष्मवतन
- C- स्वर्ग
- D- A,B और C
- E- A और C

प्रश्न 6- बाबा ने मुरलियों में चार मुख्य धर्म बताये। उनमें से कौन एक नहीं है ?

- A- इस्लामीज्म
- B- क्रिश्चियनीज्म
- C- बुद्धिज्म
- D- जैनीज्म
- E- डिटीज्म

प्रश्न 7- अन्तिम दृश्य कौन सा होगा , जिसे समझने के लिए अच्छी विशाल बुद्धि चाहिए ?

- A- दुनिया को आग लगने का
- B- नई दुनिया स्थापन का
- C- सबके वापिस जाने का
- D- परमात्मा के धरा पर आने का

प्रश्न 8- वह है जो कांटों के बीच में रहते भी न्यारे और प्यारे रहते हैं ?

- A- कमल पुष्प
- B- रूहानी गुलाब
- C- बाप समान
- D- सच्चे ब्राह्मण

प्रश्न 9- अगर तुम्हें विकार सताते हैं, सर्विस भी नहीं करते तो क्या करो ?

- A- श्रीमत पर चलो
- B- आत्म अभिमानी होकर रहो
- C- सबको आत्मा देखो
- D- बाप को याद करो

प्रश्न 10- जब संकल्प में भी कोई आकर्षण आकर्षित न करे तब कहेंगे?

- A- सम्पूर्ण निर्विकारी
- B- अव्यक्त फरिश्ता
- C- सम्पूर्णता की समीपता
- D- तपस्वीमूर्त

प्रश्न 11- बाप को पूरा हिसाब दे, ... बन सब चिंताओं से मुक्त हो जाना है ?

- A- बेफिकर
- B- निश्चित
- C- ट्रस्टी
- D- निमित्त

प्रश्न 12- तपस्या का फाउण्डेशन क्या है ?

- A- दिल का स्नेह
- B- बेहद का वैराग्य

- C- अष्ट शक्ति
- D- बेहद की पवित्रता

प्रश्न 13- तुम्हारे गले का हार है, आत्मा का स्वधर्म है। इसलिए..... के लिए भटकने की दरकार नहीं, तुम अपने स्वधर्म में स्थित हो जाओ ?

- A- पवित्रता
- B- सुख
- C- शान्ति
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 14- जहां..... है वहाँ शान्ति है ?

- A- ज्ञान
- B- सुख
- C- पवित्रता
- D- सन्तुष्टता

प्रश्न 15- बाबा का पार्ट कब से शुरू होता है ?

- A- कलियुग में
- B- संगमयुग में
- C- द्वापरयुग में
- D- सतयुग में

प्रश्न 16- बाबा तुमको त्रिकालदर्शी बनाते हैं। मनुष्य सृष्टि में एक भी त्रिकालदर्शी कोई हो न सके। त्रिकालदर्शी का अर्थ है ?

- A- तीनों कालों को जानने वाला
- B- सृष्टि के आदि मध्य अंत को जानने वाला
- C- हर कार्य से पहले उसके आदि मध्य अंत को देखने वाला
- D- तीनों लोकों को जानने वाला

प्रश्न 17- तुम्हें बाप समान..... बनना है, किसी को दुःख नहीं देना है, कभी क्रोध नहीं करना है ?

- A- सुखकर्ता
- B- दुःखहर्ता
- C- मीठा
- D- शांत स्वरूप

प्रश्न 18- कर्मों की गुह्य गति को जानते हुए तुम बच्चे कौन सा पाप कर्म नहीं कर सकते ?

- A- काम विकार
- B- क्रोध
- C- लोभ
- D- दान करना

प्रश्न 19- सतयुगी पद का सारा मदार किस बात पर है ?

- A- याद पर
- B- पवित्रता पर
- C- धारणा पर
- D- सेवा पर

प्रश्न 20- शिवबाबा को कहते हैं बम- बम महादेव। बम- बम अर्थात् ?

- A- शंख- ध्वनि कर हमारी झोली भर दो
- B- सिर्फ एक मुझे याद करो
- C- सबसे ममत्व निकालना है।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 21- सतयुग में साहूकारी का पद किस आधार पर प्राप्त होता है ?

- A- देही अभिमानी बनने से
- B- पवित्रता के आधार से
- C- ज्ञान की धारणा से

D- रॉयल सर्विस करने से

प्रश्न 22- सतयुग में सम्पूर्ण सुख है, सो भी 16 कला सम्पूर्ण, कलियुग में है..... ?.

- A- 16 कला अपूर्ण
- B- छोटी किनारी
- C- आमावस की रात
- D- सम्पूर्ण दुःख

प्रश्न 23- मनुष्य को सबसे अधिक दुःखी कौन करता है ?

- A- रावण
- B- विकार
- C- देह अभिमान
- D- क्रोध का भूत

प्रश्न 24- ड्रामा के नियम प्रमाण संगमयुग पर कोई न कोई विशेषता किसको मिली हुई है ?

- A- पुरूषार्थी में
- B- सभी मनुष्य में
- C- हर ब्राह्मण आत्मा में
- D- 9 लाख में

प्रश्न 25- सदा सफलतामूर्त कौन हैं ?

- A- जो सदा प्रसन्न रहते हैं।
- B- जो सदा दूसरों को प्रसन्न करते हैं।
- C- जिसके ऊपर बाप प्रसन्न है।
- D- जो सदा सेवा में मग्न रहते हैं।

प्रश्न 26- दान में दी हुई चीज़ कभी भी वापिस नहीं लेना, वापिस लेंगे तो क्या होगा ?

- A- पूरा वर्सा नहीं मिलेगा
- B- आशीर्वाद के बदले श्राप मिल जायेगा
- C- पद भ्रष्ट हो जाएगा
- D- प्रजा में चले जायेंगे

प्रश्न 27- कौन सा शब्द कमजोरी सिद्ध करता है ?

- A- अब
- B- जब
- C- तब
- D- कब

प्रश्न 28- यह 5 विकार शैतान हैं, इनको छोड़ो। अगर मेरी नहीं मानेंगे तो ?

- A- पद भ्रष्ट हो जाएगा
- B- और ही बोझ चढ़ जाएगा
- C- सब मिट्टी में मिल जाएगा
- D- धर्मराज तंग करेंगे

प्रश्न 29- संगम की इन अमूल्य घड़ियों में.....बाप को याद करो ?

- A- हर पल
- B- निरन्तर
- C- श्वासों श्वास
- D- अजपाजाप

प्रश्न 30- साधन बनकर यूज़ करो क्योंकि ये आपके कर्मयोग का फल हैं ?

- A- साधक
- B- कर्मयोगी
- C- कमल पुष्प
- D- श्रेष्ठ पुरूषार्थी

प्रश्न 31- अविनाशी सर्जन आत्मा को कौन सा इन्जेक्शन लगाते हैं ?

- A- ज्ञान का
- B- मनमनाभव का
- C- मामेकम् याद का
- D- जीवनमुक्ति का

प्रश्न 32- सतयुग में कौन सी चीज़ काम नहीं आती है जो भक्ति मार्ग में बाप के काम आती है ?

- A- मन्दिर
- B- पूजा पाठ
- C- दिव्य दृष्टि
- D- भक्ति

भाग (29) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *C. क्योंकि उन्हें अपनी इज्जत का डर रहता है*

अब दुनिया में चेंज होने वाली है। यह कोई नहीं जानते, सिवाए तुम्हारे। तुम्हारे में भी बहुत बच्चे भूल जाते हैं। अगर याद में रहें तो खुशी भी रहे, परन्तु माया एकदम भुला देती है। यह माया से लड़ाई अन्त तक चलती रहेगी। *अच्छे-अच्छे बच्चे भी जानते हैं कि हमारे से यह हो गया फिर सच नहीं बताते, इज्जत का डर रहता है।*

उत्तर 2- *D. टेन्शन*

बाप तुमको अखुट खजाना देते हैं। वहाँ कर्मभोग की बात ही नहीं। इस समय यहाँ जो जमा करते हैं वही पूरा वर्सा पाते हैं। यह खयाल नहीं करना चाहिए कि चढ़ेंगे तो फिर गिरेंगे भी। जास्ती गिरे हैं तो अब तो चढ़ना ही है। *अटेन्शन नेचरल हो तो टेन्शन स्वतः खत्म हो जायेगा* ।

उत्तर 3- *C. जंगल*

सब बातें अच्छी तरह समझाई जाती हैं। परन्तु कई बच्चे न समझकर उल्टा रास्ता ले जंगल में जाकर पड़ते हैं। *बाबा रास्ता बताते हैं - शहर का अथवा स्वर्ग में जाने का परन्तु न समझने के कारण जंगल में जाकर पड़ते हैं।* जंगल में चले जाते हैं तो कांटे बन जाते हैं। यहाँ रहते भी रास्ता पूरा पकड़ते नहीं हैं। बीच में रह जाते हैं।

उत्तर 4- *B. सर्विस एबुल*

बाबा तुमको प्रैक्टिकल दिखाते हैं कि फलाने-फलाने में यह खूबी है, इनमें यह है - तब नम्बरवार याद-प्यार देते हैं। *यहाँ बैठे-बैठे भी बाबा की बुद्धि सर्विस एबुल बच्चों तरफ रहती है।* अज्ञान काल में भी आज्ञाकारी बच्चों पर प्यार रहता है। बाबा जानते हैं मेरे कौन से बच्चे अच्छी सर्विस करते हैं।

उत्तर 5- *E. A और C*

पहले-पहले है बच्चों की रचना। बाप के बच्चे हैं ना। सब आत्मायें बाप के साथ रहती हैं। उनको कहा जाता है बाप का घर, स्वीट होम। यह कोई होम नहीं। बच्चों को मालूम है वह हमारा स्वीटस्ट बाप है। *स्वीट होम है शान्तिधाम। फिर सतयुग भी स्वीट होम है* क्योंकि वहाँ हर घर में शान्ति रहती है।

उत्तर 6- *D. जैनिज्म*

मुख्य हैं ही 4 धर्म - डिटीज्म, इस्लामीज्म, बुद्धिज्म और क्रिश्चियनीज्म। बाकी इनसे वृद्धि होती गई है। इन भारतवासियों को तो पता ही नहीं पड़ता कि हम किस धर्म के हैं।

उत्तर 7- *C. सबके बापिस जाने का*

अन्तिम दृश्य सबके वापिस जाने का है... कहा जाता है राम गयो रावण गयो... बाकी सृष्टि की सफाई करने वाले, नई दुनिया की तैयारी करने वाले थोड़े बचेंगे। हम भी जायेंगे फिर जहाँ जीत वहाँ जन्म होगा।

उत्तर 8- *B. रूहानी गुलाब*

रूहानी गुलाब वह है जो कांटों के बीच में रहते भी न्यारे और प्यारे रहते हैं।

उत्तर 9- *D. बाप को याद करो*

जो संशयबुद्धि बनते हैं वह सर्विस भी नहीं कर सकते और उनसे विकारों को जीतने की मेहनत भी नहीं होती। ऐसे कमजोर बच्चों को भी रहमदिल बाप राय देते हैं बच्चे, *अगर तुम्हें विकार सताते हैं, सर्विस भी नहीं करते तो बाप को तो याद करो।*

उत्तर 10- *C. सम्पूर्णता की समीपता*

जब संकल्प में भी कोई आकर्षण आकर्षित न करे तब कहेंगे सम्पूर्णता की समीपता।

उत्तर 11- *C. ट्रस्टी*

बाप को पूरा हिसाब दे, ट्रस्टी बन सब चिंताओं से मुक्त हो जाना है। बाप के फरमान पर पूरा-पूरा चल मदद का पात्र बनना है।

उत्तर 12- *B.बेहद का वैराग्य*

चाहना सभी की है लेकिन चाहने वाले और करने वाले - इसमें संख्या का अन्तर है क्योंकि *तपस्या का सदा और सहज फाउन्डेशन है - बेहद का वैराग्य।* बेहद का वैराग्य अर्थात् चारों ओर के किनारे छोड़ देना क्योंकि किनारे को सहारा बना दिया है।

उत्तर 13- *C.शान्ति*

मीठे बच्चे - *शान्ति तुम्हारे गले का हार है, आत्मा का स्वधर्म है, इसलिए शान्ति के लिए भटकने की दरकार नहीं, तुम अपने स्वधर्म में स्थित हो जाओ**

उत्तर 14- *C.पवित्रता*

शान्ति स्वधर्म में स्थित होने के लिए पवित्र जरूर बनना है। *जहाँ पवित्रता है वहाँ शान्ति है। मेरा स्वधर्म ही शान्ति है,* मैं शान्ति के सागर बाप की सन्तान हूँ.. यह अनुभव करना है।

उत्तर 15- *C.द्वापरयुग में*

बाप कहते हैं तुमको विश्व का मालिक बनाए मैं फिर निर्वाणधाम में जाकर रहता हूँ। फिर *जब दुःख शुरू होता है तब मेरा पार्ट भी शुरू होता है*। मैं सुनवाई करता हूँ, मुझे कहते भी हैं हे रहमदिल। भक्ति भी पहले अव्यभिचारी अर्थात् एक शिव की करते हैं फिर देवताओं की शुरू करते हैं।

उत्तर 16- *C.हर कार्य से पहले उसके आदि मध्य अंत को देखने वाला*

ब्रह्मा को ज्ञान मिलता है शिवबाबा से। फिर तुम बच्चों को मिलता है इनसे। गोया शिवबाबा तुमको ब्रह्मा तन से ज्ञान दे रहा है। *तुमको त्रिकालदर्शी बनाते हैं। मनुष्य सृष्टि में एक भी त्रिकालदर्शी कोई हो न सके। अगर होवे तो नॉलेज दे ना। यह सृष्टि चक्र कैसे फिरता है? कभी भी कोई नॉलेज दे न सके*।

उत्तर 17- *C.मीठा*

मीठे बच्चे - *तुम्हें बाप समान मीठा बनना है, किसी को दुःख नहीं देना है, कभी क्रोध नहीं करना है**

उत्तर 18- *D.दान करना*

आज दिन तक दान को पुण्य कर्म समझते थे, *लेकिन अब समझते हो दान करने से भी कई बार पाप बनता है* क्योंकि अगर किसी ऐसे को पैसा दिया जो पैसे से पाप करे, उसका असर भी तुम्हारी अवस्था पर अवश्य ही पड़ेगा इसलिए दान भी समझकर करना है।

उत्तर 19- *B.पवित्रता पर*

पवित्रता पर। तुम्हें याद में रह पवित्र जरूर बनना है। पवित्र बनने से ही सद्गति होगी। जो पवित्र नहीं बनते वे सजा खाकर अपने धर्म में चले जाते हैं।

उत्तर 20- *A.शंख - ध्वनि कर हमारी झोली भर दो*

तुम बच्चे इस समय इन अविनाशी ज्ञान रत्नों से झोली भरते हो। *शिवबाबा को कहते हैं बम-बम महादेव। बम-बम अर्थात् शंखध्वनि कर हमारी झोली भर दो।* नॉलेज बुद्धि में रहती है ना। आत्मा में ही संस्कार हैं। आत्मा ही पढ़कर इंजीनियर, बैरिस्टर आदि बनती है।

उत्तर 21- *C.ज्ञान की धारणा से*

साहूकार बनते हैं ज्ञान की धारणा के आधार पर। जो जितना ज्ञान धारण करते हैं। और दान करते हैं उतना वह साहूकार पद पायेंगे, एवर हेल्दी बनेंगे। पढ़ाई पढ़नी और पढ़नी है। बाकी विश्व महाराजन बनने के लिए बहुत रॉयल सर्विस करनी है।

उत्तर 22- *A.16 कला अपूर्ण*

सतयुग में सम्पूर्ण सुख है, सो भी 16 कला सम्पूर्ण। जैसे चन्द्रमा भी 16 कला सम्पूर्ण होता है फिर कला कम होते-होते अमावस्या पर कितनी छोटी किनारी रह जाती है। प्रायः अन्धियारा हो जाता है। *16 कला सम्पूर्ण, तो सम्पूर्ण सुख भी होगा। कलियुग में है 16 कला अपूर्ण तो फिर दुःख भी होता है*

उत्तर 23- *C.देह अभिमान*

इस सारी दुनिया को माया रूपी ग्रहण लग जाता है इसलिए बाप कहते हैं तुम्हारे में जो देह-अभिमान है, पहले-पहले उनको छोड़ो। *यह देह-अभिमान तुमको बहुत दुःख देता है। आत्मा-अभिमान रहो तो बाप को भी याद कर सकेंगे।*

उत्तर 24- *C.हर ब्राह्मण आत्मा में*

द्रामा के नियम प्रमाण संगमयुग पर हर एक ब्राह्मण आत्मा को कोई-न-कोई विशेषता मिली हुई है। चाहे माला का लास्ट, 16,000 वाला दाना हो- उसको भी कोई-न-कोई विशेषता मिली हुई है।

उत्तर 25- *C. जिसके ऊपर बाप प्रसन्न है*

बापदादा बच्चों का चार्ट चेक कर रहे थे। क्या देखा? एक हैं सदा प्रसन्न रहने वाले और दूसरे हैं प्रसन्न रहने वाले। "सदा" शब्द नहीं है। प्रसन्नता भी तीन प्रकार की देखी - (1) स्वयं से प्रसन्न, (2) दूसरों द्वारा प्रसन्न, (3) सेवा द्वारा प्रसन्न। अगर तीनों में प्रसन्न हैं तो बापदादा को स्वतः ही प्रसन्न किया है और *जिस आत्मा के ऊपर बाप प्रसन्न है वह तो सदा सफलता मूर्त है ही है।*

उत्तर 26- *B. आशीर्वाद के बदले श्राप मिल जायेगा*

यह तो समझाना चाहिए कि तुमने 5 विकार बाबा को दान दिये हैं तो फिर वापस क्यों लेते हो। *दान में दी हुई चीज़ कभी भी वापिस नहीं लेना, वापिस लेंगे तो आशीर्वाद के बदले श्राप मिल जायेगा* क्योंकि बाप के साथ धर्मराज भी है।

उत्तर 27- *D. कब*

यदि बार-बार हार होती है तो धर्मराज की मार खानी पड़ेगी और हार खाने वालों को भविष्य में हार बनाने पड़ेंगे, द्वापर से अनेक मूर्तियों को हार पहनाने पड़ेंगे इसलिए हार खाने के बजाए बलिहार हो जाओ, *"कब" शब्द कमजोरी सिद्ध करता है इसलिए "कब" करेंगे नहीं, अब करना है।*

उत्तर 28- *D. धर्मराज तंग करेंगे*

बेहद का बाप पतित-पावन आकर कहते हैं यह 5 विकार शैतान हैं, इनको छोड़ो। *अगर मेरी नहीं मानेंगे तो तुमको धर्मराज तंग करेंगे।* तुम आलमाइटी अथॉरिटी का कहना नहीं मानते हो तो धर्मराज बहुत कड़ी सज़ा देंगे। बाप आया है पावन बनाने।

उत्तर 29- *C. श्वांसों श्वांस*

इस जीवन में तुम बाप के बच्चे बन बाप से पूरा वर्सा लेते हो। इसी मनुष्य तन में पुरुषार्थ कर तुम कौड़ी से हीरे जैसा बनते हो। बेगर से प्रिन्स, इनसालवेन्ट से 100 परसेन्ट सालवेन्ट बनते हो इसलिए *संगम की इन अमूल्य घड़ियों में श्वांसों श्वांस बाप को याद करो,* तुम्हारी एक भी श्वांस व्यर्थ न जाये।

उत्तर 30- *C. कमल पुष्प*

श्रेष्ठ पुरुषार्थी उन्हें कहा जाता है जो पुरुषार्थ की प्रालम्ब को भोगने की इच्छा नहीं रखते। जहाँ इच्छा है वहाँ स्वच्छता खत्म हो जाती है, इसीलिए *साधन कमल पुष्प बनकर यूज़ करो क्योंकि ये आपके कर्मयोग का फल हैं।*

उत्तर 31- *B. मनमनाभव का*

हर एक का सरकमस्टांश देखकर फिर राय दी जाती है। सर्जन नब्ज देखने बिना राय दे न सकें। *यह है अविनाशी सर्जन। आत्मा को मनमनाभव का इन्जेक्शन लगाते हैं।* इनका यह एक ही इन्जेक्शन है जो 21 जन्म के लिए एवरहेल्दी बना देते हैं।

उत्तर 32- *C. दिव्य दृष्टि*

दिव्य दृष्टि की चाबी। सतयुग में इस चाबी की दरकार नहीं रहती। जब भक्तिमार्ग शुरू होता है तो भक्तों को खुश करने के लिए साक्षात्कार कराना पड़ता है। उस समय यह चाबी बाप के काम आती है इसलिए बाप को दिव्य दृष्टि दाता कहा जाता है। बाप तुम बच्चों को विश्व की बादशाही देते हैं, दिव्य दृष्टि की चाबी नहीं।

भाग - (30)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- पाप मुख्य रूप से कब होते हैं ?

- A- बाप को भूलने से
- B- देह अभिमान में आने से
- C- किसी को दुःख देने से
- D- ग्रहचारी बैठने से

प्रश्न 2- सारी पुरानी दुनिया का विनाश का कार्य कौन करते हैं ?

- A- शिव बाबा
- B- शंकर
- C- प्रकृति
- D- उपरोक्त सभी के सहयोग से

प्रश्न 3- गरीब का एक साहूकार का एक रूपया समान होता है ?

- A- पैसा
- B- आना
- C- पाई

D- कौड़ी

प्रश्न 4- याद की यात्रा में रह कमाई कब जमा करनी है ?

- A- चलते फिरते
- B- जब भी फुर्सत मिले
- C- कर्म करते
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 5- ब्राह्मण चोटी हैं, उनके ऊपर कौन है ?

- A- देवी देवता
- B- कोई नहीं
- C- शिव बाबा
- D- ब्रह्मा बाबा

प्रश्न 6- इनमे से कौन सा सही नहीं है ?

- A- शूद्र भी वर्सा पा सकते हैं।
- B- रूहानी सेवाधारी ब्राह्मणों का भी गायन है।
- C- देवी-देवताओं का भी गायन है।
- D- उपरोक्त सभी सही हैं।

प्रश्न 7- रावणराज्य में बुद्धि रांग काम ही कराती है क्यों ?

- A- विकारों के वश हैं।
- B- 63 जन्मों के संस्कार हैं।
- C- बुद्धि को ताला लग गया है।
- D- बुद्धि तमोप्रधान हो गई हैं।

प्रश्न 8- सर्विसएबुल बच्चों की बुद्धि में सारा दिन क्या रहता है ?

- A- बाप और वर्सा
- B- सेवा के प्लान्स
- C- पीस स्थापन कैसे हो
- D- बाबा का ज्ञान

प्रश्न 9- बाप आये हैं तुम्हें भक्ति का फल देने, भक्ति का फल क्या है ?

- A- भगवान
- B- ज्ञान
- C- स्वर्ग
- D- साक्षात्कार

प्रश्न 10- ब्राह्मण कुल में बड़े से बड़े कौन है ?

- A- जो अच्छी सर्विस करने वाले हैं।
- B- जिन्हें सदैव अपनी उन्नति का ही ओना रहता है।
- C- जो पढ़ाई कर बहुत तीखे जाते हैं।
- D- जो तन-मन-धन सब ईश्वरीय सेवा में ही सफल करते हैं।
- E- उपरोक्त सभी

प्रश्न 11- पहले-पहले कौन सा मन्दिर बना है अव्यभिचारी भक्ति के लिए ?

- A- सोमनाथ
- B- बद्रीनाथ
- C- केदारनाथ
- D- ब्रह्मा का मंदिर

प्रश्न 12- तुम अभी वन्दरफुल रूहानी यात्री हो, तुम्हें इस यात्रा से क्या बनना है ?

- A- सच्चा पैगम्बर
- B- पद्मापदम भाग्यशाली
- C- 21 जन्म निरोगी
- D- विश्व का मालिक

प्रश्न 13- इस पुरानी छी-छी दुनिया से बेहद का वैराग्य क्यों रखना है ?

- A- क्योंकि यह असार संसार है
- B- क्योंकि यहाँ सुख काग विष्टा के समान है।
- C- क्योंकि अब यह दुनिया खत्म होने वाली है।
- D- क्योंकि अंत मति सो गति हो जाएगी।

प्रश्न 14- बाप ने कौन सा दिव्य कर्तव्य किया है, जिसके कारण उनकी इतनी महिमा गाई हुई है ?

- A- सुखधाम की स्थापना करते हैं।
- B- सभी मनुष्यों को माया रावण की जंजीरों से छुड़ाना।
- C- बेहद के बाप से ही बेहद सुख का वर्सा मिलता है।
- D- A,B और C
- E- B और C

प्रश्न 15- जो दृढ़ निश्चय से भाग्य को निश्चित कर देते हैं, उनके सम्बन्ध में बाबा क्या कहते हैं ?

- A- वे सफलता प्राप्त करते हैं
- B- वे सदा निश्चित रहते हैं।
- C- वे दिलतख्त पर चढ़ते हैं।
- D- वे भाग्यवान हैं।

प्रश्न 16- ब्राह्मण जीवन की पालना का आधार क्या है ?

- A- खुशी
- B- दुआएं
- C- सेवा
- D- बधाइयां

प्रश्न 17- आत्मा के बेसमझ होने का मुख्य कारण क्या है ?

- A- क्योंकि देही- अभिमानी बन गई हैं।
- B- बाप को भूल गई है।
- C- स्वयं को भूल गई है।
- D- विकारों के वश हो गई है।

प्रश्न 18- सदा देही- अभिमानी (आत्माभिमानी) कौन है ?

- A- ब्राह्मण
- B- बाबा
- C- देवता
- D- B और C

प्रश्न 19- कल्प के संगम पर किससे दुःख का चोपड़ा (हिसाब -किताब) चुक्ता करना है ?

- A- ज्ञान से
- B- योग से
- C- धारणा से
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 20- बाबा हम बच्चों को कैसे गुणवान बना देते हैं ?

- A- याद प्यार देकर
- B- धारणा कराकर
- C- ज्ञान रत्न देकर
- D- श्रीमत प्रमाण चलाकर

प्रश्न 21- जिस बाप को तुमने आधाकल्प याद किया, अब उसका फरमान मिला है तो उसका पालन करो इससे?

- A- तुम ऊँच पद पाएंगे
- B- सजा से मुक्त हो जाएंगे
- C- तुम्हारी चढ़ती कला हो जायेगी
- D- दिलतख्त नशीन बनेंगे

प्रश्न 22- द्वारा व्यर्थ संकल्पों के बहाव का फोर्स समाप्त कर दो तो समर्थ बन जायेंगे ?

- A- सहन शक्ति
- B- समाने की शक्ति
- C- समेटने की शक्ति
- D- परिवर्तन शक्ति

प्रश्न 23- अपने द्वारा यदि किसी का कल्याण होता है, तो क्या सोचना है ?

- A- मैं विश्व कल्याणकारी हूँ।
- B- मैं बाप समान मास्टर दुःख हर्ता हूँ।
- C- कराने वाले बाप को याद करना है।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 24- सबसे पुराने से पुरानी चीज़ कौन सी है ?

- A- परमधाम
- B- शिव बाबा
- C- आत्मा
- D- कृष्ण पुरी

प्रश्न 25- अगर कुमारियां बाप का बनकर जिस्मानी सर्विस ही करती रहें, कांटों को फूल बनाने की सर्विस नहीं करें तो यह क्या है ?

- A- देह अभिमान
- B- माया का परछाया
- C- बाप का डिसरिगार्ड
- D- पथ भ्रष्ट होना

प्रश्न 26- साधू, सन्त आदि सबको किस बात की तात लगी हुई है ?

- A- अमर बनने की
- B- निरोगी बनने की
- C- शरीर निर्वाह की
- D- भगवान को पाने की

प्रश्न 27- कौन सी याद सहजयोगी, सफलतामूर्त और बन्धनमुक्त बना देती है?

- A- हिम्मत बच्चे मददे बाप
- B- मैं और मेरा बाबा
- C- सच्चे दिल पर साहेब राजी
- D- मेरा बाबा,मीठा बाबा,प्यारा बाबा

प्रश्न 28- सदा विजयी बनने का सहज साधन कौन सा है ?

- A- सदा निश्चित रहना
- B- निश्चयबुद्धि होना
- C- एक बल, एक भरोसा
- D- फॉलो फादर

प्रश्न 29- माया के वार से बचने के लिए क्या बन अल्फ और बे को याद करते रहना है ?

- A- सपूत
- B- जिन्न
- C- निश्चय बुद्धि
- D- आत्म अभिमानी

प्रश्न 30- बाप से सच्चा लव रखना है। मुख से सिर्फ़ क्या नहीं करना है ?

- A- बाबा बाबा
- B- शिव-शिव
- C- मेरा बाबा
- D- बाप और आप

प्रश्न 31- यहाँ कितने आश्रम हैं, जहाँ वेद, शास्त्र, उपनिषद आदि सुनाते हैं, यह भी जैसे क्या बजाते रहते हैं ?

- A- ढोल
- B- मुरली

C- डमरू
D- मंजीरा

प्रश्न 32- पुरानी दुनिया की किसी भी चीज़ में लागत (लागाव) नहीं रखना है। इस दुनिया में किसी भी बात का शौक नहीं रखना है। ऐसा बाबा क्यों कहते हैं ?

- A- क्योंकि अब घर जाना है।
- B- क्योंकि यह कब्रिस्तान होने वाली है।
- C- क्योंकि सबकी वानप्रस्थ अवस्था है।
- D- क्योंकि पुण्य आत्मा बनना है।

भाग - (30) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *B. देह अभिमान में आने से*

मैनेर्स भी अच्छे चाहिए, किसको भी दुःख नहीं देना चाहिए। नहीं तो नाम बदनाम कर देंगे। कभी क्रोध नहीं करना चाहिए। *देह-अभिमान में आने से पाप तो होते हैं।* बाबा के बने हो तो कहते हो बाबा यह सब कुछ आपका है। सच्ची दिल पर साहेब राज़ी होगा। दिल में कोई खोट नहीं होना चाहिए। नहीं तो और ही गिरते रहेंगे

उत्तर 2- *A. शिव बाबा*

ड्रामा प्लैन अनुसार यह भी नूँध है, जब धर्म प्रायः लोप हो तब तो बाबा आकर सत धर्म की स्थापना करे और अनेक धर्मों का विनाश कराये। शिवबाबा खुद इन द्वारा देवी-देवता धर्म की स्थापना करते हैं *क्योंकि उनको ही सारी पुरानी दुनिया का विनाश भी कराना है।* वह विनाश का कार्य और कोई नहीं करते ।

उत्तर 3- *C. पाई*

इस समय ऐसे नहीं कि धन से तुमको साहूकार बनना है। नहीं, बाबा ने समझाया है *गरीब की एक पाई, साहूकार का एक रूपया समान।* तीन पाई मिलकर एक पैसा बनता है। चार पैसा मिलकर एक आना बनता है। एक रुपये में सोलह आना होते हैं। दोनों को वर्सा इतना ही मिलता है।

उत्तर 4- *D. उपरोक्त सभी*

बच्चों को अभी रचता और रचना के आदि मध्य अन्त का नॉलेज तो बुद्धि में है, यह भी समझते हैं कि हम भारतवासी पहले-पहले सतयुग में सतोप्रधान थे। यह याद बच्चों के लिए बहुत जरूरी है इसलिए *चलते फिरते कर्म करते, जब भी फुर्सत मिले तो याद की यात्रा में रह कमाई जमा करनी है।*

उत्तर 5- *C. शिव बाबा*

बच्चों ने किसकी महिमा सुनी? ब्रह्मा की, सरस्वती की वा शिव की? जब कहते हैं तुम्हारे सिवाए और कोई नहीं तो दूसरे फिर किसकी महिमा की जा सकती है। *भल ब्राह्मण चोटी हैं परन्तु उनके ऊपर शिवबाबा है ना।* उनके सिवाए और कोई की महिमा नहीं है।

उत्तर 6- *A. शूद्र भी वर्सा पा सकते हैं*

बाप कहते हैं मैं हूँ तुम पतितों को पावन बनाने वाला। मैं नहीं होता तो तुम ब्राह्मण थोड़े ही होते। तुम ब्राह्मण अब सीख रहे हो, बाप से वर्सा पा रहे हो। *शूद्र तो वर्सा पा न सकें।* तो बलिहारी एक बाप की है।

उत्तर 7- *C. बुद्धि को ताला लग गया है*

पढ़ने और पढ़ाने वाले कभी भी छिपे नहीं रह सकते। हाँ, तूफान तो जरूर आयेंगे। यह 5 विकार ही तंग करते हैं। *रावणराज्य में बुद्धि रंग काम ही कराती है क्योंकि बुद्धि को ताला लग जाता है।* माया ने सबको ताला लगा दिया है। ज्ञान का तीसरा नेत्र अभी मिला है।

उत्तर 8- *D. बाबा का ज्ञान*

बाप बैठ समझाते हैं तुम भारतवासी क्या बन पड़े हो। यह ब्रह्मा भी समझते हैं हम क्या थे फिर 84 जन्मों के बाद क्या बनते हैं। भारत में 84 जन्म इन लक्ष्मी-नारायण के ही गिनेंगे। बाप भी यहाँ ही आये हैं। शिव जयन्ती भी भारत में ही होती है *। सर्विस एबुल बच्चों की बुद्धि में सारा दिन यही नॉलेज रहती है।*

उत्तर 9- *B. ज्ञान*

इस समय है ही भक्ति मार्ग। ज्ञान से होता है दिन, सुख। भक्ति से होती है रात, दुःख। *जब भक्ति पूरी हो तब ज्ञान मिले। भक्ति का फल है ज्ञान।* ज्ञान देने वाला एक ही ज्ञान सागर बाप है।

उत्तर 10- *E. उपरोक्त सभी*

*ब्राह्मण कुल में बड़े से बड़े वह हैं जो अच्छी सर्विस करने वाले हैं। जिन्हें सदैव अपनी उन्नति का ही ओना (खयाल) रहता है, जो

पढ़ाई कर बहुत तीखे जाते हैं। ऐसे महावीर बच्चे अपना तन-मन-धन सब ईश्वरीय सेवा में ही सफल करते हैं।* अपनी चलन पर बहुत ध्यान देते हैं।

उत्तर 11- *A. सोमनाथ*

अब बाप समझाते हैं तुम ब्राह्मणों का दिन और रात है बेहद की। आधाकल्प दिन, आधाकल्प रात। जरूर इकल चाहिए ना। आधाकल्प से भक्ति मार्ग शुरू होता है, यह किसको पता नहीं है। सोमनाथ का मन्दिर कब बना? *पहले-पहले सोमनाथ का मन्दिर ही बना है - अव्यभिचारी भक्ति के लिए।*

उत्तर 12- *C. 21 जन्म निरोगी*

मीठे बच्चे - *तुम अभी वन्दरफुल रूहानी यात्री हो, तुम्हें इस यात्रा से 21 जन्मों के लिए निरोगी बनना है*। रूहानी बाप को रूहानी सर्जन कहा जाता है क्योंकि याद वा योग सिखलाते हैं, जिससे हमारी आत्मा एवर निरोगी बन जाती है। 21 जन्म कभी रोगी नहीं बनते।

उत्तर 13- *C. क्योंकि अब यह दुनियां खत्म होने वाली है*

यह है रूद्र ज्ञान यज्ञ, जहाँ बाप बैठ राजयोग सिखलाते हैं। जब राजाई स्थापन हो जाती है तो यह विनाश ज्वाला प्रज्वलित होती है, इसीलिए *इस पुरानी छी-छी दुनिया, जो कि अब खत्म होने वाली है, इससे बेहद का वैराग्य रख स्वर्ग के रचयिता बाप को याद करना है।*

उत्तर 14- *D. A, B और C*

सभी मनुष्यों को माया रावण की जंजीरों से छुड़ाना - *यह दिव्य कर्तव्य एक बाप ही करते हैं। बेहद के बाप से ही बेहद सुख का वर्सा मिलता है,* जो फिर आधाकल्प तक चलता है। सतयुग में है गोल्डन जुबली, त्रेता में है सिल्वर जुबली। वह सतोप्रधान, वह सतो। दोनों को ही सुखधाम कहा जाता है। ऐसे *सुखधाम की स्थापना बाप ने की है,* इसलिए उनकी महिमा गाई जाती है।

उत्तर 15- *B. वे सदा निश्चित रहते हैं*

तुम ब्राह्मणों को ईश्वर की गोद मिली है, तुम्हें नशा रहना चाहिए बाप ने इस तन द्वारा हमें अपना बनाया है, जो इस नशे और *दृढ़ निश्चय से भाग्य को निश्चित कर देते हैं वही सदा निश्चित रहते हैं।*

उत्तर 16- *D. बधाइयां*

बापदादा की विशेष खुशियों भरी बधाइयों से ही सर्व ब्राह्मण वृद्धि को प्राप्त कर रहे हैं। *ब्राह्मण जीवन की पालना का आधार बधाइयां हैं।* बधाइयों की खुशी से ही आगे बढ़ते जा रहे हो। बाप के स्वरूप में हर समय बधाइयां हैं।

उत्तर 17- *B. बाप को भूल गई है*

आत्मायें सुनती और बोलती हैं इन आरगन्स द्वारा, बाप बैठ आत्माओं को समझाते हैं। *आत्मा बेसमझ हो गई है क्योंकि बाप को भूल गई है।* ऐसे नहीं कि शिव भी परमात्मा है, कृष्ण भी परमात्मा है। वह तो कहते पत्थर-ठिक्कर सब परमात्मा हैं। सारी सृष्टि में उल्टा ज्ञान फैला हुआ है।

उत्तर 18- *D. B और C*

बाबा कहते हैं मैं सदैव देही-अभिमानि हूँ। मुझे कभी देह नहीं मिलती तो मुझे कभी देह-अभिमान नहीं हो सकता। यह देह तो इस दादा की है। कलियुग व द्वापरयुग में देहाभिमानि मनुष्य होते हैं। इसलिए दुःखी होते हैं। और *सतयुग व त्रेतायुग में आत्माभिमानि देवी- देवता होते हैं।*

उत्तर 19- *B. योग से*

अब फिर तुमको तमोप्रधान से सतोप्रधान जरूर बनना है। बाप ने पैगाम दिया है कि मुझे याद करो। सतयुग में कोई दुःख नहीं होगा। बाकी सब आत्मायें शान्तिधाम में जाकर रहती हैं। तुम बच्चे जान गये हो कि अभी कयामत का समय हुआ है। इसलिए *कल्प के संगम पर योग बल से दुःख का चौपड़ा (हिसाब-किताब) चुक्ती करना है।* नया जमा करना है।

उत्तर 20- *C. ज्ञान रत्न दे कर*

अभी हम कल्प के संगम पर आकर दुःख का चौपड़ा चुक्ती करते हैं और दूसरी तरफ जमा करते हैं। यह व्यापार है ना। *बाबा ज्ञान रत्न दे गुणवान बना देते हैं।* फिर जितना जो धारण कर सके। एक-एक रत्न लाखों की मिलकियत है, जिससे तुम भविष्य में सदा सुखी रहेंगे।

उत्तर 21- *C. तुम्हारी चढ़ती कला हो जायेगी*

जिस बाप को तुमने आधाकल्प याद किया, अब उसका फरमान मिलता है तो उसे पालन करो इससे तुम्हारी चढ़ती कला हो जायेगी। बाप समझाते हैं तुम्हारी अब चढ़ती कला है। जिसका हाथ पकड़ा है वह तुमको साथ ले जायेंगे। हम भारतवासियों की ही चढ़ती कला है। मुक्ति में जाकर फिर जीवनमुक्ति में आयेंगे।

उत्तर 22- *D. परिवर्तन शक्ति*

परिवर्तन शक्ति द्वारा व्यर्थ संकल्पों के बहाव का फोर्स समाप्त कर दो तो समर्थ बन जायेंगे।

उत्तर 23- *C.कराने वाले बाप को याद करना है*

अपने द्वारा यदि किसी का कल्याण होता है, तो मैंने इसका कल्याण किया, इस अहंकार में नहीं आना है। यह भी देह-अभिमान है।
कराने वाले बाप को याद करना है।

उत्तर 24- *B.शिव बाबा*

पुराने-पुराने चित्रों को बहुत खरीद करते हैं। पुरानी-पुरानी स्टेम्प्स भी बिकती हैं ना। वास्तव में सबसे पुराना तो शिवबाबा है ना।
परन्तु किसको पता नहीं। महिमा सारी शिवबाबा की है। वह चीज़ तो मिल न सके। पुराने ते पुरानी चीज़ कौन सी है? नम्बरवन शिवबाबा।

उत्तर 25- *C.बाप का डिसरिगार्ड*

खास कुमारियों को ईश्वरीय गवर्नमेंट की सेवा करनी है। मम्मा को पूरा-पूरा फालो करना है। *अगर कुमारियां बाप का बनकर जिस्मानी सर्विस ही करती रहें, कांटों को फूल बनाने की सर्विस नहीं करें तो यह भी जैसे बाप का डिसरिगार्ड है।*

उत्तर 26- *C.शरीर निर्वाह की* ;

साधू सन्त आदि सबको तात लगी हुई है शरीर निर्वाह की। सभी एक दो को धनवान बनने की मत देते रहते हैं। सबसे अच्छी मत साधुओं, गुरुओं की मानी जाती है। परन्तु वह भी अपने पेट के लिए कितना धन इकट्ठा करते हैं। मुझे तो अपना शरीर नहीं है। मैं अपने पेट के लिए कुछ नहीं करता हूँ।

उत्तर 27- *B.मैं और मेरा बाबा*

जब तक कर्मन्द्रियों का आधार है तब तक कर्म तो करना ही है लेकिन कर्मबन्धन नहीं, कर्म-सम्बन्ध है। ऐसा जो मुक्त है वो सदा सफलतामूर्त है। *इसका सहज साधन है - मैं और मेरा बाबा। यही याद सहजयोगी, सफलतामूर्त और बन्धनमुक्त बना देती है।*

उत्तर 28- *C.एक बल,एक भरोसा*

सदा विजयी बनने का सहज साधन है - एक बल, एक भरोसा। एक में भरोसा है तो बल मिलता है। निश्चय सदा निश्चित बनाता है
और जिसकी स्थिति निश्चित है, वह हर कार्य में सफल होता है क्योंकि निश्चित रहने से बुद्धि जजमेंट यथार्थ करती है।

उत्तर 29- *B.जिन्न*

भक्ति मार्ग में मीरा को भल साक्षात्कार हुआ। परन्तु वह कोई विश्व की मालिक थोड़ेही बनी। *तुमको तो बाबा कहते हैं जिन्न बनो। तुमको काम देता हूँ सिर्फ अल्फ, बे को याद करते रहो।* अगर थक जायेंगे, याद नहीं करेंगे तो माया कच्चा खा जायेगी। एक कहानी भी है जिन्न खा गया।

उत्तर 30- *B.शिव-शिव*

मामेकम्, यह बच्चों को आदत पड़ जानी चाहिए। ऐसे नहीं कोई याद कराये। शरीर छोड़ने के समय आपेही याद आवे, बिगर किसकी मदद के बाप को याद करना है। वे लोग तो मंत्र देते हैं। वह तो कॉमन बात है। उस समय बहुत मारामारी आदि होती है। तुम भिन्न-भिन्न स्थान पर रहते हो। *उस समय ऐसे नहीं कहेंगे शिव-शिव कहो। उस समय पूरी याद चाहिए, लव चाहिए, तब ही नम्बरवन पद प्राप्त कर सकेंगे*

उत्तर 31- *C.डमरू*

शिव को भोलानाथ कहा जाता है। और यह जो डमरू बजाते हैं उनको शंकर कह देते हैं। *यहाँ कितने आश्रम हैं, जहाँ वेद, शास्त्र, उपनिषद आदि सुनाते हैं, यह भी जैसे डमरू बजाते हैं।*

उत्तर 32- *B.क्योंकि यह सब कब्रिस्तान होने वाली है*

तुम बच्चों को इस दुनिया में कोई शौक नहीं रखना चाहिए - यह कब्रिस्तान है। पुरानी दुनिया से क्या लागत (लगाव) रखनी है।
अमेरिका में जो सेन्सीबुल हैं वह समझते हैं कोई प्रेरक है। मौत सामने खड़ा है। विनाश तो होना ही है। सबकी दिल तो खाती ही रहती है। ड्रामा की भावी ऐसी बनी हुई है।

भाग - (31)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- अन्त समय में बाप किन बच्चों को सहायता देते हैं ?

A- जो पवित्र रहते हैं।

B- जो श्रीमत पर चलते हैं।

C- जो कदम कदम पर बाप से राय लेते हैं।

D- जो अच्छी रीति सर्विस करते हैं।

प्रश्न 2- वन्दरफुल मुखड़ा किसका है ?

- A- शिव बाबा का
- B- ब्रह्मा बाबा का
- C- शिव बाबा जब ब्रह्मा तन का आधार लेते।
- D- बाप-दादा का

प्रश्न 3- कैसी कन्याओं को ही पहले-पहले बाप अपना बनाते हैं ?

- A- पढ़ाई की ब्रह्मचारी लाइफ हो
- B- गरीब हो
- C- पवित्र हो
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 4- सूर्यवंशी घराने में उंच पद पाने का पुरुषार्थ क्या है ?

- A- बाप को याद करो और दूसरों को कराओ।
- B- स्वदर्शन चक्रधारी बनो और बनाओ
- C- से ऐसा कोई कर्म न हो जो सजा खानी पड़े।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 5- नाटक में कब वन्दरफुल पार्ट होता है ?

- A- आदि
- B- मध्य
- C- अंत
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 6- पिछाड़ी में ही वाह-वाह होती है, उसी समय तो बहुत खुशी में रहेंगे। जिनमें ज्ञान नहीं है उनका क्या होगा ?

- A- बहुत रोयेंगे
- B- त्राहि त्राहि करेंगे
- C- बेहोश हो जायेंगे
- D- पश्चाताप करेंगे

प्रश्न 7- अपकारी पर भी उपकार करने वाला ही क्या कहलाता है ?

- A- सिद्धि स्वरूप आत्मा
- B- ज्ञानी तू आत्मा
- C- शुभ चिंतक
- D- सच्चा रहमदिल

प्रश्न 8- क्या सफल करने से व्यर्थ स्वतः समाप्त हो जाता है ?

- A- समय
- B- संकल्प
- C- श्वास
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 9- आज भारत को किस बात की दरकार है, जिससे ही कौड़ी जैसा भारत हीरे जैसा बनेगा, सबकी गति सद्गति होगी ?

- A- पवित्रता
- B- श्रीमत् की
- C- शांति की
- D- प्रेम की

प्रश्न 10- सर्वशक्तिवान बाप में कौन सी शक्ति है, जो मनुष्यों में नहीं ?

- A- सुख देने की
- B- संपत्ति देने की
- C- रावण को मारने की
- D- अवगुणों को निकालने की

प्रश्न 11- पवित्र को ब्राह्मण कहा जाता है, अपवित्र को शूद्र वर्ण का कहेंगे। जो पुरुषार्थी हैं उनको क्या कहेंगे ?

- A- मनुष्य

- B- हाफ कास्ट
- C- महावीर
- D- स्टूडेंट

प्रश्न 12- बच्चों को बाप से कौन सी उम्मीद नहीं रखनी चाहिए ?

- A- ऊँच पद पाने की
- B- बीमारी ठीक करने की
- C- सुख संपत्ति प्राप्त करने की
- D- पाप भस्म करने की

प्रश्न 13- बाप किस रूप से बच्चों से गैरन्टी करते हैं कि बच्चे मैं तुम्हें अपने साथ वापस ले जाऊंगा, यह गैरन्टी कोई देहधारी नहीं ले सकता ?

- A- टीचर
- B- सतगुरु
- C- पंडे
- D- बागवान

प्रश्न 14- तुम बच्चे जो यह कथा सुन रहे हो, यह पूरी कब होगी ?

- A- जब दुनिया का विनाश होगा।
- B- जब शिव बाबा नीचे आ जाएंगे।
- C- जब तुम फरिश्ते बन जायेंगे।
- D- जब तुम पास हो जाएंगे।

प्रश्न 15- शिवबाबा की महिमा में कौन सा शब्द गलत है ?

- A- अभोक्ता
- B- असोचता
- C- अकालमूर्त
- D- अकर्ता

प्रश्न 16- आज्ञाकारी वो हैं जो मन और बुद्धि को सदा किससे खाली रखता है।

- A- मनमत
- B- व्यर्थ
- C- शास्त्रमत
- D- परमत

प्रश्न 17- भारत में अनेक छुट्टियां होती हैं, लेकिन संगमयुग पर तुम्हें एक सेकण्ड की भी छुट्टी नहीं मिलती क्यों ?

- A- क्योंकि संगम का एक-एक सेकण्ड मोस्ट वैल्युबल है।
- B- आत्मा और शरीर दोनों को कंचन बनाना है।
- C- सजाओं से छूटना है।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 18- स्वर्ग के साथ कौन सा अक्षर जरूर डालना है, जिससे स्वर्ग और नर्क अलग-अलग हो जायेगा ?

- A- सर्वगुणसंपन्न
- B- स्वर्णिम
- C- देवी देवता
- D- सतयुग

प्रश्न 19- सबसे अच्छा लोक कौन सा है ?

- A- ब्रह्म लोक
- B- देव लोक
- C- ब्राह्मणों का लोक
- D- सूक्ष्म लोक

प्रश्न 20- देवताओं की कंचन काया थी, अभी तो सबकी कैसी काया है ?

- A- मिट्टी
- B- लोहे

- C- किचड़े
- D- मूत पलीती

प्रश्न 21- निम्नलिखित में से कौन सा सा कथन सही नहीं है ?

- A- जगत अम्बा का सिर्फ मेला लगता है।
- B- दीपमाला पर व्यापारी लोग भी रूपये पूजा में रखते हैं।
- C- हम सो लक्ष्मी-नारायण बनते हैं, फिर हम सो राम सीता बनेंगे।
- D- उपरोक्त सभी कथन सही हैं।

प्रश्न 22- विचार सागर मंथन कर भारत की हिस्ट्री-जाग्रॉफी और नई दुनिया का..... सिद्ध कर बताओ तो कल्प की आयु सिद्ध हो जायेगी ?

- A- रहस्य
- B- कालचक्र
- C- संवत्
- D- जंतर - मंतर

प्रश्न 23- हमारे अन्दर से झूठ निकल जाये उसके लिए क्या करना है ?

- A- सदा सत्य नारायण की कथा सुननी और सुनानी है।
- B- कभी ऐसी चलन नहीं चलनी है जो बाप की निन्दा हो।
- C- अच्छे लक्षण धारण कर फिर सेवा करनी है।
- D- आपस में बहुत मीठा होकर रहना है।

प्रश्न 24- लक्ष्मी-नारायण की डिनायस्टी को 5 हजार वर्ष हुआ और वर्ष हुए राम-सीता को, फिर आगे उनकी डिनायस्टी चली ?

- A- 1250
- B- 3750
- C- 2500
- D- 5000

प्रश्न 25- सच्चे दिल से किसको राज़ी करने वाले ही रूहानी मौज में रहते हैं ?

- A- दाता
- B- विधाता
- C- वरदाता
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 26- सारे संस्कार किसमें विद्यमान रहते हैं ?

- A- बुद्धि में
- B- मन में
- C- आत्मा में
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 27- तुम बच्चों को यह शुद्ध अभिमान होना चाहिए कि..... ?

- A- मैं ब्राह्मण हूँ।
- B- भगवान मुझे पढ़ाते हैं।
- C- मैं आत्मा हूँ।
- D- हमने ही 84 जन्म लिए हैं।

प्रश्न 28- जो बाप की श्रीमत का उल्लंघन करते हैं, उनकी अन्तिम गति क्या होगी ?

- A- माया के भूत अन्त में राम नाम सत है...करके घर ले जायेंगे।
- B- बहुत कड़ी सजा खानी पड़ेगी।
- C- श्रीमत पर न चले तो मरे।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 29- यदि आत्मा सच्चा सोना नहीं होगी तो सच्चे सोने का कैसे बनेगा ?

- A- महल
- B- स्वर्ग (सतयुग)
- C- जेवर (शरीर)
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 30- तुम बच्चों ने 84 जन्म पूरे किये। 8 पुनर्जन्म सतयुग में, 12 पुनर्जन्म त्रेता में, फिर जन्म द्वापर कलियुग में ?

- A- 21
- B- 42
- C- 62
- D- 63

प्रश्न 31- बाप बच्चों को रोज़ भिन्न-भिन्न ढंग से नई प्वाइंट्स क्यों सुनाते हैं ?

- A- ताकि बच्चों की बुद्धि में बैठ जाये।
- B- बच्चों की अनेक जन्मों की दिल पूरी करनी है।
- C- बाप के प्रति लव बढ़ जाये।
- D- B और C

प्रश्न 32- निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है ?

- A- सम्मुख वालों को भी माया भुलाती है।
- B- जब हम देवी-देवता बने तब दूसरे धर्म वाले मुक्ति में जायें।
- C- हम अभी कलियुग में नहीं हैं।
- D- उपरोक्त सभी सही हैं।

भाग (31)के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *D.जो अच्छी रीति सर्विस करते हैं*

जो अच्छी रीति सर्विस करते हैं उन्हें अन्त में जब बहुत आफतें आयेंगी उस समय सहायता मिलेगी। जरूर जो बाप के मददगार बने, बाप उन्हें मदद करेंगे।

उत्तर 2- *C.शिव बाबा जब ब्रह्मा तन का आधार लेते*

शिवबाबा जिसे अपना मुखड़ा नहीं, वह जब इस मुखड़े का आधार लेते हैं तो यह हो जाता है वन्दरफुल मुखड़ा इसलिए तुम बच्चे सम्मुख मुखड़ा देखने के लिए आते हो। इसका यादगार रुण्ड माला में मुखड़ा दिखाते हैं।

उत्तर 3- *D.उपरोक्त सभी*

कन्या को तो कुछ भी मिलता नहीं है। वह वहाँ चली जाती है हाफ पार्टनर बनती है, वर्सा नहीं ले सकती है। बच्चे तो फुल मालिक होते हैं। तो *ऐसी कन्याओं को ही पहले-पहले बाप अपना बनाते हैं। एक तो पढ़ाई की ब्रह्मचारी लाइफ है, गरीब हैं, पवित्र हैं, इनकी ही पूजा होती है। हैं सारी इस समय की बातें। इस समय तुम्हारी एक्ट चलती है जो फिर पूजी जाती है।*

उत्तर 4- *D.उपरोक्त सभी*

सूर्यवंशी घराने में ऊंच पद पाना है तो बाप को याद करो और दूसरों को कराओ। जितना-जितना स्वदर्शन चक्रधारी बनेंगे और बनायेंगे उतना ऊंच पद पायेंगे। पुरुषार्थ कर पास विद् ऑनर बनो। ऐसा कोई कर्म न हो जो सजा खानी पड़े। सजा खाने वालों का पद भ्रष्ट हो जाता है।

उत्तर 5- *C.अंत*

पिछाड़ी में भी कोई-कोई बहुत तीखे जाते हैं। मेहनत कर आगे बढ़ जाते हैं। तुम बहुत वन्दर्स देखते। *नाटक के पिछाड़ी में वन्दरफुल पार्ट होता है ना।*

उत्तर 6- *C.बेहोश हो जायेंगे*

पिछाड़ी में ही वाह-वाह होती है, उसी समय तो बहुत खुशी में रहेंगे। *जिनमें ज्ञान नहीं है वह तो वहाँ ही बेहोश हो जायेंगे*। आपरेशन आदि के समय डॉक्टर लोग कमजोर को खड़ा नहीं करते हैं।

उत्तर 7- *B.ज्ञानी तू आत्मा*

अपकारी पर भी उपकार करने वाला ही ज्ञानी तू आत्मा है।

उत्तर 8- *D.उपरोक्त सभी*

जैसे रोशनी से अंधकार स्वतः खत्म हो जाता है। *ऐसे समय, संकल्प, श्वास को सफल करने से व्यर्थ स्वतः समाप्त हो जाता है*, क्योंकि सफल करने का अर्थ है श्रेष्ठ तरफ लगाना।

उत्तर 9- *B.श्रीमत*

इस समय इस भारत को श्रीमत की दरकार है, श्रीमत से ही कौड़ी जैसा भारत हीरे जैसा बनेगा, सबकी गति सद्गति होगी।

उत्तर 10- *C.रावण को मारने की*

रावण को मारने की शक्ति एक सर्वशक्तिमान् बाप में है, मनुष्यों में नहीं। राम की शक्ति के सिवाए यह रावण मर नहीं सकता। बाप जब आते हैं तब तुम बच्चों को ऐसी शक्ति देते हैं जिससे तुम भी रावण पर जीत पा लेते हो।

उत्तर 11- *B. हाफ कास्ट*

मीठे बच्चे जानते हैं यह होलीहंसों की सभा है, यहाँ सब ब्राह्मण बैठे हैं। *पवित्र को ब्राह्मण कहा जाता है, अपवित्र को शूद्र वर्ण का कहेंगे। जो पुरुषार्थी हैं उन्हें को हाफ कास्ट कहेंगे*, न इधर के, न उधर के।

उत्तर 12- *B. बीमारी ठीक करने की*

बच्चों को बाबा से ये उम्मीद नहीं रखनी चाहिए कि हमारी बीमारी को ठीक कर दो, कुछ कृपा करो। बाबा कहते यह तो तुम्हारे पुराने आरगन्स हैं। थोड़ी बहुत तकलीफ तो होगी ही, इसमें बाबा क्या करें।

उत्तर 13- *B. सतगुरु*

"मीठे बच्चे - *बाप ही सतगुरु के रूप में तुम बच्चों से गैरन्टी करते हैं, बच्चे मैं तुम्हें अपने साथ वापस ले जाऊंगा, यह गैरन्टी कोई देहधारी कर न सके"*

उत्तर 14- *C. जब तुम फरिश्ते बन जायेंगे*

तुम बच्चे यह कथा जो सुन रहे हो, यह पूरी तब होगी जब तुम फरिश्ते बन जायेंगे। कथा सुनाई जाती है पतित को। जब पावन बन गये तो कथा की दरकार नहीं, इसलिए सूक्ष्मवतन में पार्वती को शंकर ने कथा सुनाई - यह कहना ही रांग है।

उत्तर 15- *D. अकर्ता*

शिवबाबा की महिमा में उन्हें अभोक्ता, असोचता, करनकरावनहार कहना राइट है। बाकी अकर्ता कहना राइट नहीं क्योंकि वह पतितों को पावन बनाते हैं।

उत्तर 16- *A. मनमत*

आज्ञाकारी वो हैं जो मन और बुद्धि को मनमत से सदा खाली रखते हैं।

उत्तर 17- *D. उपरोक्त सभी*

क्योंकि संगम का एक-एक सेकण्ड मोस्ट वैल्युबुल है, इसमें श्वासों श्वास बाप को याद करना है, रात-दिन सर्विस करनी है। आज्ञाकारी, वफादार बन याद से विकर्म विनाश करके इज्जत के साथ सीधा घर जाना है, *सजाओं से छूटना है, आत्मा और शरीर दोनों को कंचन बनाना है* इसलिए तुम्हें एक सेकण्ड की भी छुट्टी नहीं।

उत्तर 18- *D. सतयुग*

स्वर्ग के साथ सतयुग अक्षर जरूर डालना है तो स्वर्ग और नर्क अलग-अलग हो जायेगा। नहीं तो मनुष्य कह देते हैं स्वर्ग, नर्क यहाँ ही है।

उत्तर 19- *C. ब्राह्मणों का लोक*

जहाँ बाबा रहते हैं वह है मुक्तिधाम, ब्रह्म लोक। *लेकिन सबसे अच्छा है यह ब्राह्मणों का लोक।* ब्राह्मण जनेऊ जरूर पहनते हैं, चोटी भी रखते हैं क्योंकि बाबा हम ब्राह्मणों को चोटी से पकड़ ले जाते हैं।

उत्तर 20- *C. किचड़े*

आत्मा भी प्योर और शरीर भी प्योर, उसको कंचन काया कहा जाता है। *देवताओं की कंचन काया थी। अभी तो सबकी किचड़े की काया है।* 5 तत्व तमोप्रधान हैं तो उससे शरीर देखो कैसा बनता है। शक्लें देखो कैसी हैं।

उत्तर 21- *D. उपरोक्त सभी कथन सही हैं*

जगत अम्बा के पास कभी पैसा नहीं मांगेंगे। पैसे के लिए लक्ष्मी के पास जाते हैं। *दीपमाला पर व्यापारी लोग भी रूपये पूजा में रखते हैं।* समझते हैं वृद्धि होगी। मनोकामना पूरी होती है। *जगत अम्बा का सिर्फ मेला लगता है*। हम ब्राह्मण सो फिर देवता बनते हैं। यह अभी जानते हैं *हम सो लक्ष्मी-नारायण बनते हैं, फिर हम सो राम सीता बनेंगे।*

उत्तर 22- *C. संवत*

मीठे बच्चे - विचार सागर मंथन कर भारत की हिस्ट्री-जाग्रॉफी और नई दुनिया का *संवत सिद्ध कर बताओ* तो कल्प की आयु सिद्ध हो जायेगी

उत्तर 23- *A. सदा सत्य नारायण की कथा सुननी और सुनानी है*

अन्दर से झूठ निकल जाये उसके लिए *सदा सत्य नारायण की कथा सुननी और सुनानी है।* कभी ऐसी चलन नहीं चलनी है जो बाप की निन्दा हो।

उत्तर 24- *B. 3750*

यह बातें बाप आकर समझाते हैं। जो मनुष्य सृष्टि का बीजरूप है, सृष्टि के आदि मध्य अन्त को जानने वाला है। *लक्ष्मी-नारायण की डिनायस्ती को 5 हजार वर्ष हुआ और 3750 वर्ष हुए राम-सीता को,* फिर आगे उनकी डिनायस्ती चली।

उत्तर 25- *D.उपरोक्त सभी*

ब्राह्मण बनना कोई मासी का घर नहीं है। यज्ञ में कोई गन्द नहीं करना है। 5 विकारों में से कोई भी विकार न हो। ऐसे नहीं क्रोध किया तो हर्जा नहीं। यह भूत आया तो तुम ब्राह्मण नहीं। *सच्चे दिल से दाता, विधाता, वरदाता को राज़ी करने वाले ही रूहानी मौज में रहते हैं।*

उत्तर 26- *C.आत्मा में*

प्रदर्शनी में अथवा कहाँ भी भाषण आदि करने जाओ तो पहले-पहले बाप की ही पहचान देनी है, फिर आत्मा की। *आत्मा तो भ्रुकुटी के बीच रहती है। उसमें ही सारे संस्कार रहते हैं।* शरीर तो खलास हो जाता है। जो कुछ करती है वह आत्मा ही करती है।

उत्तर 27- *C.मैं आत्मा हूँ*

आत्मा निकलने से शरीर में जैसे बांस हो जाती है। शरीर को जाकर जलाते हैं। तो तुम्हारा आत्मा के साथ ही प्यार है। *तुम बच्चों को यह शुद्ध अभिमान होना चाहिए कि मैं आत्मा हूँ।* पूरा आत्म-अभिमान बनना है। मेहनत सारी इसमें ही है। मुझ आत्मा को इन आरगन्स द्वारा कोई भी बुरा काम नहीं करना चाहिए। नहीं तो सजा खानी पड़ेगी।

उत्तर 28- *D.उपरोक्त सभी*

श्रीमत् का उल्लंघन करने वालों को माया के भूत अन्त में राम नाम सत है... करके घर ले जायेंगे। फिर बहुत कड़ी सजा खानी पड़ेगी। श्रीमत् पर न चले तो यह मरे। धर्मराज पूरा हिसाब लेता है, इसलिए बाप बच्चों को अच्छी मत देते, बच्चे माया की बुरी मत से सावधान रहो।

उत्तर 29- *C.जेवर (शरीर)*

योगबल से फिर शरीर भी पवित्र मिलेगा। संन्यासी लोग तो कह देते हैं आत्मा निर्लेप है बाकी शरीर पतित है इसलिए गंगा स्नान करते हैं। *अरे आत्मा सच्चा सोना नहीं होगी तो जेवर (शरीर) सच्चे सोने का कैसे बनेगा।* इस समय 5 तत्व भी तमोप्रधान हैं।

उत्तर 30- *D.63*

सतगुरु ही आकर सारे चक्र का राज समझाते हैं कि तुम देवता थे फिर क्षत्रिय बने, फिर वैश्य शूद्र बनें। ऐसे 84 जन्म पूरे किये। *8 पुनर्जन्म सतयुग में, 12 पुनर्जन्म त्रेता में, फिर 63 जन्म द्वापर कलियुग में।* चक्र को फिरना ही है। यह बातें मनुष्य नहीं जानते।

उत्तर 31- *D. B और C*

बाप बच्चों को रोज़ भिन्न-भिन्न ढंग से नई प्वाइंट्स सुनाते हैं *क्योंकि बच्चों स्वर्गकी अनेक जन्मों की दिल पूरी करनी है। बच्चे बाप द्वारा नई-नई प्वाइंट्स सुनते हैं तो बाप के प्रति लव बढ़ता जाता है।*

उत्तर 32- *D.उपरोक्त सभी*

ऐसे नहीं कि सम्मुख वालों को माया भुलाती नहीं है। *सम्मुख वालों को भी माया भुलाती है।* सतयुग के लिए चाहिए आदि सनातन देवी-देवता धर्म और कोई धर्म वाले मनुष्य को देवता बना नहीं सकते। उन्हीं को जाना ही मुक्ति में है, सुख है ही में। *जब हम देवी-देवता बनें तब दूसरे धर्म वाले मुक्ति में जायें।* दूसरे समझते हैं यह तो कलियुग है। *हम अभी कलियुग में नहीं हैं।*

भाग - (32)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- सत्य बाप तुम्हें सब सत्य सुनाते हैं, ऐसे सच्चे बाप से सदा सच्चे रहकर अन्दर में क्या नहीं रखनी है ?

- A- चिंता
- B- भय
- C- झूठ कपट
- D- हलचल

प्रश्न 2- जो बच्चे अपने ईश्वरीय संस्कारों को कार्य में लगाते हैं उनके ?

- A- हर काम स्वतः बन जाते हैं।
- B- वो मनुष्य से देवता बन जाते हैं।
- C- उनके व्यर्थ संकल्प स्वतः खत्म हो जाते हैं।
- D- वो चढ़ती कला में आ जाते हैं।

प्रश्न 3- योग करने से पहले किस विषय (सब्जेक्ट) में उत्कृष्टता होनी जरूरी है ?

- A- धारणा
- B- ज्ञान
- C- सेवा
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 4- सबसे अच्छी सेवा कहां हो सकती है।

- A- म्यूजियम
- B- प्रदर्शनी
- C- सेन्टर
- D- शिव मन्दिर

प्रश्न 5- तुम..... कामधेनु के बच्चे और बच्चियाँ हो, तुम्हें सबकी मनोकामनाएं पूरी करनी हैं, अपने बहन-भाइयों को सच्चा रास्ता बताना है। उचित शब्द से रिक्त स्थान की पूर्ति करो ?

- A- महालक्ष्मी
- B- जगत अम्बा
- C- राज राजेश्वरी
- D- जगत माता

प्रश्न 6- विश्व की महारानी किसे कहा जाता है ?

- A- दुर्गा
- B- जगदम्बा
- C- सरस्वती
- D- लक्ष्मी

प्रश्न 7- ब्राह्मण जीवन की विशेषता क्या है ?

- A- पवित्रता
- B- सन्तुष्टता
- C- शांति
- D- खुशी

प्रश्न 8- असन्तुष्टता का कारण क्या है ?

- A- ज्ञान में कमी
- B- योग में कमी
- C- अप्राप्ति
- D- अलबेलापन

प्रश्न 9- ज्ञान का फाउंडेशन (आधार) क्या है ?

- A- सेवा
- B- योग
- C- निश्चय
- D- धारणा

प्रश्न 10- किस अलौकिक नशे मे रहो तो मन और तन से नेचुरल डांस होती रहेगी ?

- A- वाह बाबा वाह
- B- वाह रे मैं
- C- वाह सेवा वाह
- D- वाह मेरा भाग्य

प्रश्न 11- शिव बाबा किस रूप से माया से हमें छुड़ा देते हैं ?

- A- डॉक्टर
- B- बैरिस्टर
- C- सर्जन
- D- जज

प्रश्न 12- कौन सी एक बात सिद्ध कर दो तो तुम्हारी जीत है ?

- A- वह लिबरेटर है, सर्व का सद्गति दाता है।
- B- वह बाप है, सर्वव्यापी नहीं है।
- C- पतित-पावन भी एक ही बाप है।
- D- भगवान एक है तो दूसरे कोई को भगवान कह नहीं सकते।

प्रश्न 13- सिक्ख लोग समझते हैं अकालतख्त अमृतसर में है, परन्तु अकाल तख्त कहां है ?

- A- राज्य तख्त
- B- महत्त्व
- C- भृकुटि का तख्त
- D- मधुबन में

प्रश्न 14- शिव बाबा ने कांटों को फूल बनाया है, इसलिए उन्हें कहते हैं ?

- A- गुलाब का फूल
- B- कमल फूल
- C- सद्गतिदाता
- D- बबुलनाथ

प्रश्न 15-जो खूब पैसा कमाने की इच्छा रखते हैं, समझते हैं हमारे पुत्र पौत्रे खायेंगे। परन्तु यह कामना किसी की पूर्ण क्यों नहीं होगी ?

- A- पुत्र-पौत्रे छोड़कर चले जायेंगे
- B- दिवाला निकल जायेगा
- C- यह सब मिट्टी में मिल जाना है।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 16- जो मनुष्य बहुत गन्दे विचार रखकर यहां आते हैं, उनको क्या कहा जाता है ?

- A- पतित
- B- विकारी
- C- अजामिल
- D- कीचक

प्रश्न 17- जो हिसाब-किताब नहीं चुक्ता कर सके तो कर्म भोग से चुक्ता करना होगा।

- A- क्षमा मांगकर
- B- पवित्र बनकर
- C- योगबल से
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 18- गृहस्थ व्यवहार में रहते हुए बी.के. बनते हैं, उनको क्या कहा जाता है?

- A- कुलभूषण
- B- अधर
- C- ब्राह्मण
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 19- यदि देहधारी को याद किया तो वह क्या हो जायेगा ?

- A- विकर्म
- B- पाप
- C- टाइम वेस्ट
- D- पदभ्रष्ट

प्रश्न 20- निम्नलिखित आरोही क्रम में दिये गये पार्ट में सबसे ऊंचे पार्ट के क्रम का चयन कीजिए ?

- A- जगत अम्बा > लक्ष्मी > नारायण
- B- लक्ष्मी > जगत अम्बा > नारायण
- C- नारायण > लक्ष्मी > जगत अम्बा
- D- लक्ष्मी > नारायण जगत > अम्बा

प्रश्न 21- एक "बाबा" शब्द में सारा आदि-मध्य-अन्त का ज्ञान समाया हुआ क्यों कहा जाता है ?

- A- वो रचयिता है।
- B- वो सर्वव्यापी है।

- C- वो बीज है।
- D- वो नॉलेजफुल है।

प्रश्न 22- इनमे से कौन सा कथन सही नहीं है ?

- A- तुम नाथ तो बनते हो सिर्फ एक शिवपुरी के।
- B- तीनों लोकों का ज्ञान मिला है, इसलिए त्रिलोकीनाथ कहा जाता है।
- C- लक्ष्मी-नारायण को भी त्रिलोकीनाथ नहीं कहेंगे।
- D- सिर्फ तुम ही त्रिकालदर्शी बन सकते हो।

प्रश्न 23- तुम्हें किसी भी देहधारी के..... में नहीं फंसना है।

- A- चक्कर
- B- धन
- C- नाम रूप
- D- गुण

प्रश्न 24- तुम सब पहले मूलवतन अपने.....में जायेंगे, फिर ससुरघर में आना है

- A- बड़े घर
- B- छोटे घर
- C- पियरघर
- D- लौकिक

प्रश्न 25- मोचरा खाकर मानी मिले तो क्या कहा जायेगा ?

- A- अच्छा
- B- भाग्य
- C- बेइज्जती
- D- नसीब

प्रश्न 26- निम्नलिखित में कौन सा सही नहीं है ?

- A- निराकार - गौंडफादर
- B- छोटी मां - मम्मा
- C- बड़ी माँ - ब्रह्मा
- D- जगत पिता- शिव

प्रश्न 27- संसार में सर्वश्रेष्ठ बल किसका बल है।

- A- प्रेम
- B- शांति
- C- पवित्रता
- D- संगठन

प्रश्न 28- आस्तिक किस युग में होते हैं ?

- A- कलयुग में
- B- सतयुग में
- C- द्वापरयुग में
- D- संगमयुग में

प्रश्न 29- पाप का घड़ा फूटने से ही जयजयकार होती है, इसकी कौन सी निशानी भक्तिमार्ग में है ?

- A- घड़े से सीता निकली
- B- घड़े से राधा निकली
- C- घड़े से मेनका निकली
- D- A और B

प्रश्न 30- इनमे से कौन सा अलंकार विष्णु का अलंकार नहीं है ?

- A- शंख
- B- चक्र
- C- मुकुट
- D- पदम्

प्रश्न 31- सृष्टि का मालिक कौन बनता है ?

- A- ब्रह्मा- सरस्वती
- B- ब्रह्मा-विष्णु- शंकर
- C- परमपिता परमात्मा
- D- देवी- देवता

प्रश्न 32- भागवत में कृष्ण के चरित्र है, लेकिन चरित्र होना चाहिए ?

- A- ब्रह्मा का
- B- सरस्वती का
- C- ब्राह्मणों का
- D- शिवबाबा का

भाग (32) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *C. झूठ कपट*

मीठे बच्चे - सत्य बाप तुम्हें सब सत्य सुनाते हैं, ऐसे सच्चे बाप से सदा सच्चे रहना है, *अन्दर में कोई भी झूठ कपट नहीं रखनी है*

उत्तर 2- *C. उनके व्यर्थ संकल्प स्वतः खत्म हो जाते हैं*

जो बच्चे अपने ईश्वरीय संस्कारों को कार्य में लगाते हैं उनके व्यर्थ संकल्प स्वतः खत्म हो जाते हैं। सफल करना माना बचाना या बढ़ाना। ऐसे नहीं पुराने संस्कार ही यूज करते रहो और ईश्वरीय संस्कारों को बुद्धि के लॉकर में रख दो।

उत्तर 3- *B. ज्ञान*

अपने को स्वयं परमात्मा द्वारा मुख्य धारणा योग्य प्वाइन्ट मिली हुई हैं वो है *मुख्य योग लगाना परन्तु योग के पहले ज्ञान चाहिए।* योग करने के लिये पहले ज्ञान क्यों कहते हैं? पहले सोचना, समझना और बाद में योग लगाना.. हमेशा ऐसे कहा जाता है पहले समझ चाहिए, नहीं तो उल्टा कर्म चलेगा इसलिए पहले ज्ञान जरूरी है।

उत्तर 4- *A. म्युजियम*

सेन्टर की सर्विस से प्रदर्शनी की सर्विस अच्छी होती है। प्रदर्शनी से म्युजियम में अच्छी होती है। म्युजियम में शो करते हैं अच्छी तरह से, फिर जो देखकर जाते हैं औरों को सुनाते रहेंगे। यह तो पिछाड़ी तक चलता रहेगा।

उत्तर 5- *B. जगत अम्बा*

तुम *जगत अम्बा* कामधेनु के बच्चे और बच्चियाँ हो, तुम्हें सबकी मनोकामनाएं पूरी करनी हैं, अपने बहन-भाइयों को सच्चा रास्ता बताना है।

उत्तर 6- *D. लक्ष्मी*

जगत अम्बा को जगत की माता और *लक्ष्मी को विश्व की महारानी कहा जाता है।* विश्व अम्बा कहो वा जगत अम्बा कहो बात एक ही है।

उत्तर 7- *B. सन्तुष्टता*

ब्राह्मण जीवन की विशेषता सन्तुष्टता है। सन्तुष्टता ही बड़े ते बड़ा खजाना है। सन्तुष्टता ही ब्राह्मण जीवन के प्योरिटी की पर्सनालिटी है। इस पर्सनालिटी से विशेष आत्मा सहज बन जाते हैं। सन्तुष्टता की पर्सनालिटी नहीं तो विशेष आत्मा कहला नहीं सकते हैं।

उत्तर 8- *C. अप्राप्ति*

असन्तुष्टता का कारण अप्राप्ति होती है। सन्तुष्टता का कारण है सर्व प्राप्तियां, इसलिए बापदादा ने आप सभी ब्राह्मण बच्चों को ब्राह्मण जन्म होते ही पूरा वर्सा दे दिया ना या किसको थोड़ा, किसको बहुत दिया? बापदादा सदैव सब बच्चों को यही कहते कि बाप और वर्से को याद करना है। वर्सा है सर्व प्राप्तियां।

उत्तर 9- *C. निश्चय*

ज्ञान का फाउन्डेशन है निश्चय, निश्चयबुद्धि बन पुरुषार्थ करो तो मंजिल तक पहुँच जायेंगे। निश्चय-बुद्धि हो फिर पुरुषार्थ करना है। हरेक बात में पहले तो निश्चय चाहिए कि कौन हमको समझाते हैं।

उत्तर 10- *B. वाह रे मैं*

इसी अलौकिक नशे में रहो "वाह रे मैं" तो मन और तन से नेचुरल डांस होती रहेगी

उत्तर 11- *B. बैरिस्टर*

यहाँ तुम बच्चे फिर शिवबाबा से शक्ति लेते हो, माया पर जीत पाते हो। *बाप बैरिस्टर है, जो माया से तुम्हें छुड़ा देते हैं।* तुम

फिर हो शिव शक्ति सेना, माताओं को ऊंच रखा है वन्दे मातरम्।

उत्तर 12- *B.वह बाप है, सर्वव्यापी नहीं है*

परमपिता परमात्मा तो एक ही है, उनकी महिमा बड़ी भारी है। *वह बाप है, सर्वव्यापी नहीं है। एक बात सिद्ध की तो तुम्हारी जीत है।* फिर गीता का भगवान भी सिद्ध हो जायेगा।

उत्तर 13- *B.महतत्व*

सिक्ख लोग समझते हैं अकालतख्त अमृतसर में है परन्तु अकाल तख्त तो महतत्व है। हम आत्मायें भी वहाँ के रहने वाले हैं। गाते भी हैं - बाबा आप अपना तख्त छोड़कर आओ। वह सर्व के लिए शान्ति का तख्त है।

उत्तर 14- *D.बबुलनाथ*

शिव के भी अनेक नाम रखे हैं। बबुलनाथ का भी मन्दिर है। *कांटों को फूल बनाया है, इसलिए बबुलनाथ कहते हैं।* ऐसे बहुत नाम हैं, जिसका अर्थ तुम समझा सकते हो।

उत्तर 15- *C.यह सब मिट्टी में मिल जाना है*

मनुष्य तो घोर अन्धियारे में हैं। खूब पैसा कमाने की इच्छा रखते हैं, समझते हैं हमारे पुत्र-पौत्रे खायेंगे। *परन्तु यह कामना किसी की पूर्ण नहीं होगी। यह सब मिट्टी में मिल जाना है।* यह दुनिया ही खत्म होनी है। एक ही बॉम्ब लगा तो सब खत्म हो जायेंगे।

उत्तर 16- *D.कीचक*

यह दुनिया तो बड़ी गन्दी है, कीचक की कहानी है ना। *मनुष्य बहुत गन्दे विचार रखकर आते हैं, उनको कीचक कहा जाता है शास्त्रों में वर्णित है कि कीचक की मृत्यु कुदृष्टि के कारण हुई थी।* इसलिए बाबा कहते हैं बड़ी सम्भाल रखनी है। बहुत कांटो की दुनिया है।

उत्तर 17- *C.योगबल*

जितना बीमारी जास्ती हो खुशी होनी चाहिए। नाचना चाहिए। कर्मभोग है, हिसाब-किताब तो चुक्ता करना ही है, इससे डरना नहीं है। *समझना चाहिए हम योगबल से विकर्म विनाश नहीं कर सकते हैं तो कर्म भोगना से चुक्ता करना पड़े, इसमें मूँझने की बात ही नहीं है।* यह तो शरीर पुराना है। यह जल्दी खत्म हो तो अच्छा है।

उत्तर 18- *B.अधर*

यहाँ मन्दिर भी एक्कूरेट बने हुए हैं। कुवांरी कन्या का भी मन्दिर है। *अधर कुमारी का अर्थ थोड़े ही समझते हैं। जो गृहस्थ व्यवहार में रहते हुए बी.के. बनते हैं, उनको ही अधर कहा जाता है।* कुमारी तो कुमारी ही है। तुम्हारे यादगार में पूरा मन्दिर बना हुआ है।

उत्तर 19- *C.टाइम वेस्ट*

वास्तव में बच्चों को याद करना एक बाप को ही है। देहधारी को याद किया तो वह टाइम वेस्ट हो जायेगा। ऐसा तो हो नहीं सकता कि कोई निरन्तर याद करे। ऐसी कोई चीज़ नहीं जिसे निरन्तर याद किया जाए।

उत्तर 20- *A.जगतअम्बा>लक्ष्मी>नारायण*

जगत अम्बा के मन्दिरों में आते हैं दर्शन करने। बाबा समझेंगे इनकी बुद्धि में कुछ बैठा नहीं है। तुम्हारी तो सब मनोकामनायें पूरी हो रही हैं ना। *जगत अम्बा का पार्ट एक्कूरेट चल रहा है। बरोबर जगत अम्बा का पार्ट ऊंचा है। पहले लक्ष्मी पीछे नारायण।*

उत्तर 21- *C.वो बीज है*

एक "बाबा" शब्द में सारा आदि-मध्य-अन्त का ज्ञान समाया हुआ है क्योंकि बीज है ना। बीज में तो सारा झाड़ समाया हुआ होता है ना। विस्तार भूल सकता है लेकिन सार एक बाबा शब्द - यह याद रहना मुश्किल नहीं है।

उत्तर 22- *B.तीनों लोकों का ज्ञान मिला है, इसलिए त्रिलोकीनाथ कहा जाता है*

बाप ब्रह्मा द्वारा सभी वेदों शास्त्रों का सार समझा रहे हैं *तुमको त्रिकालदर्शी बना रहे हैं। ऐसे नहीं कि तुम त्रिलोकीनाथ बनते हो। नहीं, तुम नाथ तो बनते हो सिर्फ एक शिवपुरी के।* उनको लोक नहीं कहेंगे। तीनों लोकों का ज्ञान मिला है इसलिए त्रिलोकदर्शी कहा जाता है। *लक्ष्मी-नारायण को भी त्रिलोकीनाथ नहीं कहेंगे।* विष्णु को भी त्रिलोकीनाथ नहीं कहेंगे।

उत्तर 23- *C.नाम रूप*

मीठे बच्चे - *तुम्हें किसी भी देहधारी के नाम रूप में नहीं फँसना है,* तुम अशरीरी बन बाप को याद करो तो आयु बढ़ेगी, निरोगी बनते जायेंगे।

उत्तर 24- *C. पियरघर*

तुम सब पहले मूलवतन अपने पियरघर जायेंगे फिर ससुरघर में आना है। पहले शिवबाबा के पास तो सलामी भरनी ही है, फिर आयेंगे सतयुग में।

उत्तर 25- *C. बेइज्जती*

विकर्म हैं तब तो खांसी आदि होती है। खुशी होती है, यहाँ ही सब हिसाब खत्म हो जाएं, रह जायेंगे तो पास विद ऑनर नहीं होंगे। *मोचरा खाकर मानी मिले तो भी बेइज्जती है ना।* अनेक प्रकार के दुःख की भोगना होती है।

उत्तर 26- *D. जगत पिता शिव*

बड़ा मेला लगता है जगत अम्बा का, कोई न कोई प्रकार से माँ की पूजा होती है। वह जगत अम्बा है तो वह जगत पिता है। *निराकार को ही कहा जाता है गॉड फादर* छोटी माँ भी है, बड़ी माँ भी है। महिमा छोटी माँ की है, भल एडाए करते हैं, माँ को भी एडाए किया है, तो *यह बड़ी माँ हो गई। परन्तु महिमा सारी छोटी माँ की है।*

उत्तर 27- *C. पवित्रता*

स्लोगन:- *संसार में सर्वश्रेष्ठ बल पवित्रता का बल है।*

उत्तर 28- *D. संगमयुग में*

इस संगम पर तुम आत्म-अभिमान भी बनते हो और परमात्मा को जानने वाले आस्तिक भी बनते हो। आस्तिक उनको कहा जाता है जो परमपिता परमात्मा और उनकी रचना को जानते हैं। *आस्तिक न कलियुग में, न सतयुग में होते हैं, संगम पर ही होते हैं।*

उत्तर 29- *D. A और B*

दिखाते हैं घड़े से सीता निकली.. अर्थात् *जब पाप का घड़ा भरकर फूटा तब सीता और राधे का जन्म होता है।*

उत्तर 30- *C. मुकुट*

ब्राह्मणों को अभी अलंकार देंगे तो वह अस्त्र-शस्त्र शोभेगा नहीं *इसलिए विष्णु को स्वदर्शन चक्र दिखाते हैं। शंख, चक्र, गदा, पदम अब इनका अर्थ भी तुम समझ गये हो।*

उत्तर 31- *D. देवी- देवता*

कई लोग परमात्मा को मालिक कहकर याद करते हैं। कहते हैं उस मालिक का नाम नहीं है। अच्छा भला वह मालिक कहाँ है? क्या वह विश्व का, सारी सृष्टि का मालिक है? परमपिता परमात्मा तो सृष्टि का मालिक नहीं बनता है, *सृष्टि का मालिक तो देवी-देवता बनते हैं।*

उत्तर 32- *D. शिवबाबा का*

कृष्ण के चरित्र गाये जाते हैं। परन्तु कृष्ण का चरित्र तो कोई है नहीं। *भागवत में कृष्ण के चरित्र हैं लेकिन चरित्र होना चाहिए - शिवबाबा का।* वह भी बाप, टीचर, सतगुरु है, इसमें चरित्र की क्या बात है।

भाग - (33)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- सतयुग में गोल्डन जुबली कितने वर्ष मनाते हैं ?

- A- 64 वर्ष
- B- 21 वर्ष
- C- 1250 वर्ष
- D- 8 वर्ष

प्रश्न 2- बापदादा को किन बच्चों की सदा तलाश रहती है ?

- A- मीठे
- B- शीतल
- C- सर्विसएबुल
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 3- चतुर्भुज में जो अलंकार दिखाते हैं उनमें क्या है ?

- A- ज्ञान का शंख
- B- ज्ञान का चक्र
- C- ज्ञान की गदा
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 4- कमल फूल समान गृहस्थ व्यवहार में रहते हुए तुम्हारी बुद्धि में क्या है ?

- A- ज्ञान
- B- सेवा
- C- बाबा
- D- मुरली

प्रश्न 5- जीव में रहने वाली आत्मा क्यों बुलाती है ?

- A- क्योंकि पतित है
- B- क्योंकि आत्मा ही दुःखी है।
- C- क्योंकि कलियुग है।
- D- विकारों के कारण

प्रश्न 6- अब इस संगम पर कितने पितायें हैं ?

- A- एक
- B- दो
- C- तीन
- D- चार

प्रश्न 7- आज के विश्व में कौनसी सत्ता नहीं है ?

- A- धर्म सत्ता
- B- राज्य सत्ता
- C- विज्ञान की सत्ता
- D- श्रेष्ठ कर्मों की सत्ता

प्रश्न 8-समय को क्या कहते हैं।

- A- टाइम इज़ गोल्ड
- B- टाइम इज़ डायमंड
- C- टाइम इज़ मनी
- D- टाइम इज़ सिल्वर

प्रश्न 9- मनमनाभव का क्या अर्थ है।

- A-अल्फ और बे, बाप और बादशाही को याद करो।
- B- मन को बाबा से लगाओ।
- C- मन ही मन बाबा को याद करो।
- D- बाप को याद करो।

प्रश्न 10- बच्चों की अवस्था चलते-चलते डांवाडोल क्यों हो जाती है ?

- A- माया के तूफान के कारण
- B- विकारों के कारण
- C- रावण के कारण
- D- निश्चयबुद्धि ना होने के कारण

प्रश्न 11- बाप बैठ बच्चों को समझाते हैं बच्चे इन गुरुओं का भी मुझे उद्धार करना है, किसके द्वारा होना है ?

- A- कन्याओं
- B- माताओं
- C- जगत अंबा
- D- कुमारों

प्रश्न 12- सत्य को सिद्ध नहीं करो लेकिन क्या बन जाओ तो तीव्रगति से आगे बढ़ते रहेंगे ?

- A- विश्वासपात्र
- B- ब्राह्मण
- C- पवित्र
- D- सिद्धि स्वरूप

प्रश्न 13- रात का सांई कौन है ?

- A- शिव बाबा
- B- ब्रह्मा बाबा

- C- माया
- D- रावण

प्रश्न 14- सवेरे उठ बाप को याद करो जो अन्त में क्या याद न पड़े ?

- A- देह
- B- देहधारी
- C- गुरू
- D- ब्रह्मा बाप

प्रश्न 15- मीठे बच्चे - इस शरीर का भान भूलते जाओ, अशरीरी बनने की मेहनत करो, क्योंकि अब..... चलना है" ?

- A- शान्तिधाम
- B- सुखधाम
- C- घर
- D- मधुवन

प्रश्न 16- ड्रामा में होगा तो पुरुषार्थ कर लेंगे, ऐसा सोचकर क्या नहीं बनना है ?

- A- अलबेला
- B- पुरुषार्थ-हीन
- C- कमजोर
- D- तीव्र पुरुषार्थी

प्रश्न 17- "सब संग तोड़ मुझ एक बाप से योग लगाओ तो तुम मेरी..... मे आ जायेंगे, अन्त मते सो गति हो जायेगी" ?

- A- राजधानी
- B- पुरी
- C- राज्य
- D- घर

प्रश्न 18- धर्म ग्लानि का क्या अर्थ है ?

- A- विकारों में जाना
- B- अपने धर्म को ऊँच मानना
- C- देवता धर्म के बदले हिन्दू धर्म कहना
- D- खुद को देवता कहलवाना

प्रश्न 19- रूपी बड़े डाकू से बचने के लिए अपने को इस देह से न्यारी आत्मा समझो ?

- A- काम
- B- क्रोध
- C- लोभ
- D- देह-आभिमान

प्रश्न 20- किस आत्मा को बाप की मदद भी स्वतः मिलती है ?

- A- ज्ञानी
- B- योगी
- C- कर्मयोगी
- D- सहयोगी

प्रश्न 21- सारे कल्प में सबसे रॉयल आप श्रेष्ठ आत्माएं ही हो। किस रूप में ?

- A- अनादि स्वरूप में
- B- आदि स्वरूप में
- C- पूज्य रूप में
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 22- सिर्फ किन आत्माओं की श्रेष्ठ कीर्ति अर्थात् श्रेष्ठ पवित्रता का ही कीर्तन होता है ?

- A- पूज्य
- B- देव
- C- ब्राह्मण
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 23- मन से भरपूर आत्मा सदा यही गीत गाती रहेगी.....

- A- अल्फ और बे।
- B- सब पा लिया, प्राप्त हो गया।
- C- बाबा ही मेरा संसार है।
- D- एक बाप दूसरा न कोई

प्रश्न 24- रॉयल आत्माओं को किसकी देवी कहा जाता है ?

- A- पवित्रता
- B- सभ्यता
- C- रियल्टी
- D- श्रेष्ठता की देवी

प्रश्न 25- "मीठे बच्चे - अभी तुम बाप की नज़र से निहाल होते हो, निहाल होना अर्थात्.....

- A- पवित्र बनना
- B- स्वर्ग का मालिक बनना"
- C- बाबा के नयनों में समाना
- D- शक्तिशाली बनना

प्रश्न 26- बाप की नज़र में बच्चे, बच्चों की नज़र में कौन है।

- A- स्वर्ग की बादशाही
- B- बाप
- C- शान्तिधाम
- D- सुखधाम

प्रश्न 27- डेड साइलेन्स का अनुभव कैसे कर सकते हैं ?

- A- निराकारी बनने से
- B- आत्म अभिमानी बनने से
- C- अशरीरी बनने से
- D- निर्विकारी बनने से

प्रश्न 28- बापदादा समान क्या बनना है ?

- A- शुद्ध अहंकारी
- B- निष्काम सेवाधारी
- C- पतित पावन
- D- निरहंकारी

प्रश्न 29- बापदादा किन बच्चों की बलिहारी का गायन करते हैं ?

- A- माताओं की
- B- कन्याओं की
- C- बांधेली बच्चियों की
- D- महारथियों की

प्रश्न 30- मुरली में भी रोज़ क्या समझाया जाता है ?

- A- बाप को याद करो
- B- अल्फ और बे
- C- पवित्र बनो
- D- योगी बनो

प्रश्न 31- कौन बाप को इतना याद नहीं करता है ?

- A- महारथी
- B- कुमारी
- C- पाण्डव
- D- बंधन-मुक्त

प्रश्न 32- शिव की पूजा करते हैं। परन्तु जानते कुछ भी नहीं। पर भी बड़ा लिंग बना रखा है। इतना बड़ा बाप का रूप है क्या ?

- A- केदारनाथ

B- सोमनाथ
C- महाकाल
D- अमरनाथ

भाग (33) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *C.1250 वर्ष*

सतयुग, त्रेता में बेहद का वर्सा है। गोल्डन, सिल्वर जुबली मनाते हैं। यहाँ तो एक दिन मनाते हैं। हम तो 1250 वर्ष गोल्डन जुबली मनाते हैं। खुशियाँ मनाते हैं ना। मालामाल बन जाते हैं।

उत्तर 2- *D.उपरोक्त सभी*

जो बहुत-बहुत मीठे शीतल स्वभाव वाले सर्विसएबुल बच्चे हैं। ऐसे बच्चों की बाप को तलाश रहती है। सर्विसएबुल बच्चे ही बाप का नाम बाला करेंगे।

उत्तर 3 - *D.उपरोक्त सभी*

चतुर्भुज में जो अलंकार दिखाते हैं, उसमें भी ज्ञान का शंख है। ज्ञान का चक्र, ज्ञान की गदा है। सब ज्ञान की बातें हैं।

उत्तर 4 - *A.ज्ञान*

समझाया भी जाता है, गृहस्थ व्यवहार में कमल फूल समान रहो तो कमल फूल भी देते हैं। अभी तुम प्रैक्टिकल एक्ट में हो। *कमल फूल समान गृहस्थ व्यवहार में रहते हुए तुम्हारी बुद्धि में ज्ञान है।*

उत्तर 5- *B.क्योंकि आत्मा ही दुःखी है*

गीता में कोई-कोई बात ठीक, राइट है। वैसे गीतों में भी है। अब प्रीतम अक्षर तो ठीक कहा है परन्तु जियरा बुलावे, जियरा (शरीर) तो बुलाते नहीं। *जीव में रहने वाली आत्मा बुलाती है क्योंकि आत्मा ही दुःखी है।* पतित आत्मा कहा जाता है ना। आत्मा में ही खाद पड़ती है।

उत्तर 6- *C.तीन*

तुमने तीन पिताओं को अब समझा है और कोई दुनिया में नहीं जानते। सतयुग में भी पारलौकिक बाप को नहीं जानते। वहाँ उनको एक पिता होता है। *अब इस संगम पर तुम्हारे 3 पितायें हैं।* तीनों ही पितायें संगम पर ही हो सकते हैं। फिर कभी हो न सकें।

उत्तर 7- *D.श्रेष्ठ कर्मों की सत्ता*

आज के विश्व में विशेष तीन शक्तिया हैं - एक धर्म सत्ता, दूसरी राज्य सत्ता, तीसरी विज्ञान की सत्ता। लेकिन आप ब्राह्मण आत्माओं में चार सत्तायें हैं। पहली तीन सत्तायें तो हैं ही, साथ-साथ *चौथी सत्ता है - श्रेष्ठ कर्मों की सत्ता। आज के विश्व में इस चौथी सत्ता की कमी है,* इसको ही कहा जाता है श्रेष्ठ चरित्र की सत्ता।

उत्तर 8- *C.टाइम इज़ मनी*

हृद के विज्ञानी सूर्य तक नहीं पहुंच सके और बेहद के विज्ञानी चन्द्रमा सूर्य से भी पार मन और बुद्धि की साधना द्वारा कितने समय में पहुँचते हो? और कितना खर्चा लगता है? *समय को कहते हैं टाइम इज़ मनी।* स्थूल मनी तो नहीं लगती लेकिन टाइम की मनी भी नहीं लगती। तो कितना बड़ा विज्ञान है।

उत्तर 9- *A.अल्फ और बे, बाप और बादशाही को याद करो*

बाप कहते हैं मामेकम् याद करो। दुनिया में तो एक दो को दुःखी करते रहते हैं। यहाँ हम एक बात कान में सुनाते हैं। है बहुत इजी। *अल्फ और बे, बाप और बादशाही को याद करो। मनमनाभव का अर्थ ही यह है।* बाकी तो सब है डिटेल।

उत्तर 10- *D.निश्चयबुद्धि ना होने के कारण*

कई बच्चों की अवस्था चलते-चलते डांवाडोल हो जाती है क्योंकि पक्का निश्चय नहीं है। जब निश्चय में कमी आती है तब पारे की तरह अवस्था नीचे ऊपर डांवाडोल होती है। कभी बहुत खुशी रहती, कभी खुशी कम हो जाती। *पूरा निश्चय बुद्धि न होने से ही अवस्था डांवाडोल होती है।*

उत्तर 11- *B.माताओं*

बाप बैठ बच्चों को समझाते हैं बच्चे *इन गुरुओं का भी मुझे उद्धार करना है, तुम माताओं द्वारा।* तुम माता गुरु बिगर कोई का भी उद्धार नहीं होना है। माता को ही निमित्त रखा जाता है। जगत अम्बा मुख्य है ना। उनका देखो कितना प्रभाव है।

उत्तर 12- *D.सिद्धि स्वरूप*

दिल और दिमाग की ऑनैस्टी है तो उसके ऊपर बाप का, परिवार का स्वतः ही दिल से प्यार और विश्वास होता है। विश्वास के कारण फुल अधिकार उसको दे देते हैं। वे स्वतः ही सबके स्नेही बन जाते हैं इसलिए सत्यता की हिम्मत से विश्वासपात्र बनो। *सत्य को सिद्ध नहीं करो लेकिन सिद्धि स्वरूप बन जाओ तो तीव्रगति से आगे बढ़ते रहेंगे।*

उत्तर 13- *D. रावण*

बच्चों के लिए कौन आया? कहते हैं सुबह का साँई क्योंकि वह रात को सुबह बनाने वाला है। *रात का साँई है रावण।* यह अच्छी तरह नोट करो तब बुद्धि में बैठेगा। बुद्धि में यह फर्क है ना। सतोप्रधान, सतो, रजो, तमो बुद्धि होती है।

उत्तर 14- *A. देह*

बाबा हर बात बहुत अच्छी रीति समझाते हैं। कल्प पहले भी ऐसे ही समझाया था, भूलो मत। सिमरण करते-करते अन्त मती सो गति हो जायेगी। *सर्वे उठ बाप को याद करो जो अन्त में देह भी याद न पड़े।* हम आत्मा हैं।

उत्तर 15- *C. घर*

मीठे बच्चे - *इस शरीर का भान भूलते जाओ, अशरीरी बनने की मेहनत करो, क्योंकि अब घर चलना है*। परमपिता परमात्मा कहते हैं मैं आत्माओं से बात करता हूँ। आत्माओं को ले जाना है। इस शरीर के भान को भूलते जाओ, इसमें ही मेहनत है।

उत्तर 16- *B. पुरुषार्थ-हीन*

ड्रामा अनुसार एक्ट चलती है तो हम पुरुषार्थ क्या करें, ऐसा समझने वाले भी हैं। परन्तु नहीं, पुरुषार्थ तो करना है ना। बाप आये ही हैं पुरुषार्थ कराने। *ड्रामा में होगा तो पुरुषार्थ कर लेंगे, ऐसा सोचकर पुरुषार्थ-हीन नहीं बनना है।* साक्षी हो दूसरों के पुरुषार्थ को देखते तीव्र पुरुषार्थी बनना है।

उत्तर 17- *B. पुरी*

अब वही गीता का एपीसोड रिपीट हो रहा है। मौत है सामने इसलिये *सभी संग तोड़ मुझ एक परमात्मा से योग लगाओ तो अन्त मते सो गते होगी, तुम मेरी पुरी में आ जाओगे।* परमात्मा इस तन में बैठ अपने बच्चों आत्माओं को कहता है मीठे बच्चे, मैं अपने अनादि प्रोग्राम प्रमाण आया हूँ।

उत्तर 18- *C. देवता धर्म के बदले हिन्दू धर्म कहना*

जब जब अति धर्म ग्लानि होती है तब मैं आता हूँ, देवता धर्म का एकदम नाम निशान गुम हो जाता है, देवता धर्म वाले अपने को हिन्दू कहलाने लग पड़ते हैं। भल पूजते देवताओं को हैं लेकिन कहलाते अपने को हिन्दू हैं, *जैसे देवता धर्म के बदले हिन्दू धर्म रिप्लेस हो जाता है, इसको कहते हैं धर्म ग्लानि।*

उत्तर 19- *D. देह-अभिमान*

अब बाप इस मेहनत से छूटने की युक्ति बताते - बच्चे सिर्फ मुझे याद करो। मेरे से ही सच्ची सगाई करो, इस बेहद की सगाई में ही मज़ा है। *देह-अभिमान रूपी बड़े डाकू से बचने के लिए अपने को इस देह से न्यारी आत्मा समझो।*

उत्तर 20- *C. कर्मयोगी*

बापदादा कहते हैं कि कर्म अलग नहीं, कर्म और योग दोनों साथ-साथ हैं। ऐसा कर्मयोगी कैसा भी कर्म होगा उसमें सहज सफलता प्राप्त कर लेगा। चाहे स्थूल कर्म करते हो, चाहे अलौकिक करते हो। लेकिन कर्म के साथ योग है ऐसे *कर्मयोगी आत्मा को बाप की मदद भी स्वतः मिलती है।*

उत्तर 21- *D. उपरोक्त सभी*

सारे कल्प में सबसे रॉयल आप श्रेष्ठ आत्माएं ही हो। अनादि आत्मिक स्वरूप में भी सबसे श्रेष्ठ रॉयल आत्मायें हो और आदि स्वरूप देव आत्माओं के रूप में भी रॉयल राज्य अधिकारी रॉयल फैमिली हो। पूज्य रूप में भी आप देव आत्माओं की कितनी रॉयल्टी से पूजा होती रहती है और किसी भी अन्य धर्म आत्मा वा राजनीतिक आत्माओं की ऐसी रॉयल पूजा नहीं होती। *तो तीनों रूपों में - अनादि, आदि और पूज्य स्वरूप ऐसे रॉयल और कोई भी नहीं हैं क्योंकि आप आत्माओं की प्योरिटी की ही रॉयल्टी है।*

उत्तर 22- *B. देव*

यह प्योरिटी की ही विशेषता है इसलिए सिर्फ देव आत्माओं के आगे ही यह महिमा गाते हैं कि आप सम्पूर्ण निर्विकारी हो, और किसी भी धर्म आत्माओं की महिमा में ऐसी महिमा नहीं गाई जाती है। *सिर्फ देव आत्माओं के श्रेष्ठ कीर्ति अर्थात् श्रेष्ठ पवित्रता का ही कीर्तन होता है।*

उत्तर 23- *B. सब पा लिया प्राप्त हो गया*

जो मन से भरपूर रहता है उसके पास स्थूल वस्तु या साधन नहीं भी हो फिर भी मन भरपूर होने के कारण वो कभी अपने में कमी महसूस नहीं करेगा। ना में भी हँ का अनुभव करेगा। *मन से भरपूर आत्मा सदा यही गीत गाती रहेगी सब पा लिया, प्राप्त हो गया,* ये होना चाहिए, ये करना चाहिए, ये चाहिए चाहिए भी रॉयल मांगने के संस्कार हैं। बेहद की सेवा प्रति सोचना कि ये होना चाहिए, ये करना चाहिए, वह अलग बात है।

उत्तर 24- *B. सभ्यता*

रॉयल आत्मा का चेहरा और चलन दोनों ही सत्यता की सभ्यता अनुभव करायेंगे। वैसे भी रॉयल आत्माओं को सभ्यता की देवी कहा जाता है। उनका बोलना, देखना, चलना, खाना-पीना, उठना-बैठना, हर कर्म में सभ्यता सत्यता स्वतः ही दिखाई देगी। ऐसे नहीं

कि मैं तो सत्य को सिद्ध कर रहा हूँ और सभ्यता हो ही नहीं।

उत्तर 25- *B. स्वर्ग का मालिक बनना*

अब नज़र से निहाल का अर्थ तो तुम ब्राह्मणों के सिवाए कोई समझ नहीं सकते। बरोबर दो अक्षर सुन रहे हो। *मुझे निरन्तर याद करो तो तुम निहाल हो जायेंगे अर्थात् स्वर्ग के मालिक बन जायेंगे।* बरोबर सेकेण्ड में नज़र से निहाल कर मुक्ति और जीवनमुक्ति दे देते हैं। वह है निराकार परमपिता परमात्मा।

उत्तर 26- *B. बाप*

नज़र के सामने अब तुम बैठे हो। *बाप की नज़र में बच्चे, बच्चों की नज़र में बाप है। बच्चे निहाल होते हैं बाप की नज़र से।* बाप से ही वर्सा मिलता है। तुम ही बेहद के बच्चे। तुम नज़र के सामने बैठे हो।

उत्तर 27- *C. अशरीरी बनने से*

अशरीरी बनने का अभ्यास करो। एक बाप के सिवाए दूसरा कोई भी याद न आये। शरीर से जैसे मरे हुए हैं। इसी अभ्यास से आत्मा डेड साइलेन्स की अनुभूति कर सकती है।

उत्तर 28- *D. निरंकारी*

बाप तो निराकारी, निरंकारी गाया हुआ है। ऊंच ते ऊंच भगवान और फिर उनका यह रथ। कई बच्चे कहते हैं - हम शिवबाबा के रथ के लिए कपड़ा भेज देते हैं। रथ की तो हम खातिरी कर सकते हैं ना। शिवबाबा तो खाते नहीं हैं। किसकी खातिरी करें! इनकी ड्रेस तो वही चली आ रही है। कोई अंहकार नहीं, कोई चेंज नहीं।

उत्तर 29- *C. बांधेली बच्चियों की*

बाबा कहते बलिहारी उन बांधेली बच्चियों (अबलाओं) की है जो मार खाते भी शिवबाबा को याद करती हैं। मार खाने से और ही नष्टोमोहा बनती जाती, जिस कारण उनका पद और ही ऊंचा हो जाता है।

उत्तर 30- *A. बाप को याद करो*

कोई कहते हैं बाबा हमको मुरली भी पढ़ने नहीं देते हैं। *अरे तुम बाप को याद करती रहो। मुरली में भी रोज़ यही समझाया जाता है।* मूल बात है याद का चार्ट रखो। हम बाबा को कितना समय याद करते हैं।

उत्तर 31- *D. बंधन मुक्त*

जो छूटे हुए बंधन-मुक्त हैं, वह भी इतना याद नहीं करते हैं जितना बांधेलियाँ याद करती हैं। शिवबाबा की याद से ही बेड़ा पार होता है।

उत्तर 32- *D. अमरनाथ*

शिव की पूजा करते हैं। परन्तु जानते कुछ भी नहीं। *अमरनाथ पर भी बड़ा लिंग बना रखा है* इतना बड़ा बाप का रूप है क्या? कुछ भी पता नहीं है। अब तुम बच्चे इन सब बातों को यथार्थ समझ गये हो।

भाग - (34)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- कहाँ पर चावल का हाण्डा चढ़ाते हैं ?

- A- श्रीनाथ
- B- जगन्नाथपुरी
- C- सोमनाथ
- D- पारसनाथ

प्रश्न 2- यह हुसैन का रथ है। हुसैन जिसको कहते हैं, उनका यह तख्त है। आत्मा तो अकाल है ?

- A- भागीरथ
- B- अकालमूर्त
- C- निराकार
- D- शिव

प्रश्न 3- क्या बांधो तो तुम्हें राजतिलक मिल जायेगा ?

- A- पवित्रता की राखी
- B- पवित्रता का कंगन
- C- पवित्रता का हार

D- पावन बनने की प्रतिज्ञा करो"

प्रश्न 4- भक्ति मार्ग का फैशन क्या है ?

- A- तीर्थ करना
- B- यज्ञ तप करना
- C- बर्थ डे, जयन्ती मनाना
- D- जागरण करना

प्रश्न 5- प्रश्न:-छोटा मुख और बड़ी बात..... यह कहावत किसके लिए प्रसिद्ध है ?

- A- कृष्ण
- B- परमात्मा
- C- गरीब
- D- बच्चे

प्रश्न 6- दुनिया को पलटाने वाले को क्या कहा जाता है ?

- A- राम
- B- शिव बाबा
- C- गाँड
- D- कृष्ण

प्रश्न 7- सद्रति देना किनका काम है ?

- A- बाप
- B- माताओं
- C- गुरु
- D- ब्रह्मा बाप

प्रश्न 8- पहले-पहले दिखाते हैं कलष किस पर रखा ?

- A- ब्रह्मा माँ
- B- जगत अम्बा
- C- काली माँ
- D- माताओं

प्रश्न 9- संगमयुग का फैशन कौन सा है ?

- A- वैकृण्ठ का सैर करके आना
- B- ज्ञान सुनना है
- C- योग करना है
- D- मुरली सुनाना

प्रश्न 10- कौन सा पाठ पक्का करना है ?

- A- मैं बाप का , बाप मेरा।
- B- मेरा तो एक बाबा, दूसरा न कोई।
- C- पवित्र रहना है।
- D- योगी बनना है।

प्रश्न 11- अभी आत्मा कितने कैरेट भी नहीं है ?

- A- 1
- B- 2
- C- 18
- D- 9

प्रश्न 12- आत्मा में जो खाद पड़ी है वह कैसे निकालनी है ?

- A- अन्न शुद्धि से
- B- देही अभिमानी बनकर
- C- ज्ञान से
- D- याद की अग्नि

प्रश्न 13- जितना याद में रहते हो उतना समय जैसे तुम किसमें हो ?

- A- रूहानी यात्रा
- B- आवागमन
- C- भट्टी
- D- सेफ

प्रश्न 14- तुम एक बार बलिहार जाते हो तो यह कितनी बार बलिहार जाते हैं ?

- A- 8
- B- 12
- C- 21
- D- 42

प्रश्न 15- बाप की याद कायम कब रहेगी ?

- A- जब बुद्धि में ज्ञान होगा
- B- जब पवित्र बनेंगे
- C- जब रोज मुरली सुनेंगे
- D- जब रोज योग करेंगे

प्रश्न 16- तुम अभी संगम पर हो और दुनिया वाले समझते हैं कि अभी तो अजुन कलियुग शुरू होता है। कितने वर्ष बाद संगम आना है ?

- A- 5000 वर्ष
- B- 2500 वर्ष
- C- 100 वर्ष
- D- 40 हजार वर्ष

प्रश्न 17- कौन सी रसम द्वापर से चली आती है, लेकिन संगम पर बाप उस रसम को बन्द करवा देते हैं ?

- A- यज्ञ तप करने की
- B- भक्ति की
- C- पांव पड़ने की
- D- व्रत रखने की

प्रश्न 18- युगल किसको नहीं कह सकते ?

- A- लक्ष्मी-नारायण
- B- ब्रह्मा सरस्वती
- C- राम सीता
- D- शंकर पार्वती

प्रश्न 19- विषय सागर को क्या कहा जाता है ?

- A- पतित दुनिया
- B- विकारी दुनिया
- C- कालीदह
- D- कलियुग

प्रश्न 20- शंकर के आगे जाकर क्या कहते हैं ?

- A- पावन बना दो
- B- देवता बना दो
- C- झोली भर दे
- D- मुक्ति दे दो

प्रश्न 21- किसकी रिजल्ट तो विनाश के समय ही निकलती है ?

- A- पेपर
- B- इम्तहान
- C- ज्ञान
- D- पुरुषार्थ

प्रश्न 22- माला में कौन पिरोये जाते हैं ?

- A- गरीब बच्चे
- B- पुरुषार्थी बच्चे
- C- ब्राह्मण

D- A और B

प्रश्न 23- संवत् कब प्रारम्भ होगा ?

- A- राधे कृष्ण के जन्म से
- B- लक्ष्मी-नारायण राज-गद्दी पर बैठेंगे
- C- जब कोई भी पतित नहीं रहेगा
- D- कलियुग विनाश होगा

प्रश्न 24- ब्रह्म पुत्रा और सागर के संगम को क्या कहते हैं ?

- A- डायमन्ड हारबर
- B- डायमन्ड हाल
- C- डायमन्ड जुबली
- D- डायमन्ड मॉर्निंग

प्रश्न 25- जिस्मानी पढ़ाई भी कब पढ़ी जाती है ?

- A- छोटे होते
- B- बाल्यावस्था
- C- पवित्रता
- D- युवावस्था

प्रश्न 26- भारत का सबसे बड़ा दुश्मन कौन है, इसलिए पवित्रता की राखी बांधनी है ?

- A- अपवित्रता
- B- माया
- C- रावण
- D- विकार

प्रश्न 27- क्रिश्चियन कितने जन्म लेते हैं ?

- A- 20-30
- B- 30-40
- C- 35-40
- D- 40-50

प्रश्न 28- पर भी कितने झगड़े होते हैं, क्योंकि पारलौकिक माँ बाप को नहीं जानते ?

- A- जाति
- B- भाषा
- C- देश
- D- धर्म

प्रश्न 29- जो क्रोध में आकर बाम्ब्स से इतनों का मौत कर देते हैं, उन पर केस कौन करे! इसलिए पिछाड़ी में उनके लिए क्या बैठती है ?

- A- धर्मराज की सभा
- B- ट्रिब्यूनल
- C- मार्शल लॉ
- D- कोर्ट

प्रश्न 30- इस समय मनुष्यों में कौन सा विकार है, जो बन्दर से भी बदतर हैं।

- A- काम
- B- क्रोध
- C- लोभ
- D- मोह

प्रश्न 31- अब सावन के महीने में शिव की पूजा करते हैं, व्रत रखते हैं। तुम्हारे लिए सावन मास किसलिए है ?

- A- व्रत के लिए
- B- पवित्र रहने के लिए
- C- ज्ञान बरसात का।
- D- योग के लिए

प्रश्न 32- अब मै.....हूँ,बच्चों को भट्टी में डाल देता हूँ ?

- A- धोबी
- B- लाइब्रेटर
- C- सोनार
- D- गाइड

भाग (34) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *B.जगन्नाथपुरी*

वैरायटी झाड़ है। एक्यूरेट बना बनाया ड्रामा है। यह खेल 4 भाग में बांटा हुआ है। *जगन्नाथपुरी में हाण्डा चढ़ाते हैं चावल का। उसमें 4 भाग हो जाते हैं। यह सृष्टि भी चार भागों में बटी हुई है।* इसमें एक सेकेण्ड भी कम जास्ती नहीं हो सकता।

उत्तर 2- *B.अकालमूर्त*

यह हुसैन का रथ है। हुसैन, जिसको अकालमूर्त कहते हैं, उनका यह तख्त है। आत्मा तो अकाल है आत्मा को गोल्डन, सिलवर में आना है। स्टेजेस हैं ना। बाबा तो है ऊंच ते ऊंच। वह स्टेजेस में नहीं आता। आत्मायें स्टेजेस में आती हैं

उत्तर 3- *B.पवित्रता का कंगन*

गाया जाता है ज्ञान सागर जब आते हैं तब पवित्रता का कंगन बांधते हैं। बहन मुख्य गिनी जाती है। जो बैठ और बहन भाइयों को राखी बांधती है। *पतित-पावन बाप कहते हैं - तुम पवित्र बनो तो तुमको राजतिलक मिलेगा।* यह बात है संगम की। जबकि मनुष्य पुकारते हैं पतित-पावन आओ।

उत्तर 4- *C.बर्थ डे, जयन्ती मनाना*

बर्थ डे, जयन्ती आदि मनाना - यह भक्तिमार्ग का फैशन है परन्तु इससे फायदा कुछ भी नहीं क्योंकि जिनकी जयन्ती मनाते हैं, उनको यथार्थ रीति जानते भी नहीं हैं।

उत्तर 5 - *B.परमात्मा*

छोटा मुख और बड़ी बात... यह कहावत परमात्मा के लिए। कैसे वह साधारण तन में बैठ इस छोटे मुख से तुम्हें बड़ी-बड़ी बातें सुनाते हैं। गरीब निवाज़ बाप तुम्हें गरीब से साहूकार बना देते हैं।

उत्तर 6- *C.गॉड*

गीता में कृष्ण का नाम दे दिया है। दुनिया को पलटने वाला कृष्ण तो हो नहीं सकता। *दुनिया को पलटाने वाले को गॉड कहा जाता है*। अभी तुम समझते हो बाप हमें क्या से क्या बना रहे हैं।

उत्तर 7 - *B.माताओं*

बाप ने तुम माताओं पर ज्ञान का कलष रखा है इसलिए सबको सद्गति देने की रेसपान्सिबिल्टी तुम्हारे पर है। तुम हो शिव शक्ति सेना। तुम्हें अब अपने हमजिन्स का कल्याण करना है। सबको पतित बनने से बचाना है।

उत्तर 8 - *B.जगत अम्बा*

पहले-पहले दिखाते हैं - कलष रखा जगत अम्बा पर।* शास्त्रों में तो लक्ष्मी का नाम रख दिया है। यह फ़र्क पड़ गया है। कलष रखा है तुम माताओं पर। काली पर कलष रखा है

उत्तर 9 - *A.वैकुण्ठ का सैर करके आना*

इस संगमयुग पर ही तुम बच्चे यहाँ बैठे-बैठे अपने ससुर घर वैकुण्ठ का सैर करके आते हो। यह संगमयुग का ही फैशन है सूक्ष्मवतन का राज भी अभी ही खुलता है।

उत्तर 10- *B.मेरा तो एक बाबा, दूसरा न कोई*

अपने जीवन को हीरे तुल्य बनाने के लिए एक बाप पर पूरा-पूरा फिदा होना है। *मेरा तो एक बाबा, दूसरा न कोई - यह पाठ पक्का करना है।*

उत्तर 11- *B.2*

तुम भी सवेरे उठ बाप को याद करो, विकर्म विनाश करो। सारा किचड़ा निकल आत्मा कंचन बन जायेगी, फिर काया भी कंचन मिलेगी। *अभी तुम्हारी आत्मा दो कैरेट भी नहीं है।*

उत्तर 12- *D.याद की अग्नि*

भगवानुवाच हे आत्मायें तुम्हारे में खाद पड़ती है, बाप कहते हैं मैं आया हूँ श्रीमत देने, श्रेष्ठ बनाने। *याद की अग्नि से ही खाद निकलेगी* और कोई उपाय नहीं है।

उत्तर 13 - *C.भट्टी*

बाप कहते हैं रूहानी बच्चे, इस यात्रा में थक मत जाओ। घड़ी-घड़ी बाप को भूलो मत। *जितना याद में रहते हो उतना समय जैसे तुम भट्टी में हो।* याद नहीं करते हो तो भट्टी में नहीं हो।

उत्तर 14 - *C.21*

भक्तिमार्ग में अल्पकाल के लिए एवजा मिल जाता है। अभी तो है डायरेक्ट, इसलिए तुमको 21 जन्मों के लिए वर्सा मिलता है। यहाँ तो पूरा बलिहार जाना पड़े। *तुम एक बार बलिहार जाते हो तो यह 21 बार बलिहार जाते हैं।*

उत्तर 15 - *A.जब बुद्धि में ज्ञान होगा*

मीठे बच्चे - बाप की याद कायम तब रहेगी जब बुद्धि में ज्ञान होगा, ज्ञानयुक्त बुद्धि से रूहानी यात्रा करनी और करानी है।

उत्तर 16- *D.40 हजार वर्ष*

तुम अभी संगम पर हो और दुनिया वाले समझते हैं कि अभी तो अजुन कलियुग शुरू होता है, 40 हजार वर्ष बाद संगम आना है। यह भी बात निकली है शास्त्रों से। बाप कहते हैं तुम जो कुछ वेद शास्त्र आदि पढ़ते, दान पुण्य आदि जन्म-जन्मान्तर से करते आये हो - यह सब है भक्ति मार्ग।

उत्तर 17- *C.पाँव पड़ने की*

द्वापर से पाँव पड़ने की रसम चली आती है। बाबा कहते यहाँ तुम्हें किसी को भी पाँव पड़ने की दरकार नहीं। मैं तो अभोक्ता, अकर्ता, असोचता हूँ। तुम बच्चे तो बाप से भी बड़े हो तुम्हें पाँव पड़ने की जरूरत नहीं। हाँ छोटे बड़ों का रिगार्ड तो रखना ही पड़ता है।

उत्तर 18- *B.ब्रह्मा सरस्वती*

ऊँच ते ऊँच श्री श्री 108 रूद्र माला कहा जाता है। ऊपर में है फूल फिर मेरू दाना युगल कहा जाता है लक्ष्मी-नारायण को। *ब्रह्मा सरस्वती को युगल नहीं कहा जाता,* यह माला शुद्ध है ना। मेरू फिर लक्ष्मी-नारायण को कहा जाता है। प्रवृत्ति मार्ग है ना।

उत्तर 19- *C.कालीदह*

अभी तुम बच्चे विषय सागर से निकले हो, उनको कालीदह भी कहा जाता है। सतयुग में तो कुछ होता नहीं। नाग पर डांस की, यह किया। यह सब दन्त कथायें हैं।

उत्तर 20- *C.झोली भर दे*

वे लोग तो शिव और शंकर का अर्थ नहीं जानते। *शंकर के आगे जाकर कहते हैं झोली भर दे, परन्तु शंकर तो झोली भरते नहीं हैं*। अभी बच्चों को बाप अविनाशी ज्ञान रत्न देते हैं। वह धारण करने हैं।

उत्तर 21- *B.इम्तहान*

यह भी जानते हो जहाँ तक जीना है वहाँ तक पुरुषार्थ करना है। शिक्षा तो मिलती रहती है। *इम्तहान की रिजल्ट तो विनाश के समय ही निकलती है।* एक तरफ रिजल्ट निकलेगी दूसरे तरफ विनाश शुरू होगा, फिर तो हाहाकार हो जाता है।

उत्तर 22- *D. Aऔर B*

सारा मदार पुरुषार्थ पर है, इसमें पैसे की बात नहीं। पढ़ाई की बात में गरीब अच्छा ध्यान देंगे। पढ़ाई तो एक है ना। गरीब अच्छा पढ़ेंगे क्योंकि साहूकारों को तो पैसे का नशा रहता है। *गरीब-पुरुषार्थी ही बाप द्वारा पदमा-पदमपति बनते हैं। वह माला में पिरो सकते हैं।*

उत्तर 23- *B.लक्ष्मी-नारायण राज-गद्दी पर बैठेंगे*

नई राजधानी का संवत तब शुरू होगा जब एक भी पतित नहीं रहेगा। यहाँ से संवत शुरू नहीं होगा। भल राधे-कृष्ण का जन्म हो जायेगा लेकिन उस समय से सतयुग नहीं कहेंगे। *जब वह लक्ष्मी-नारायण के रूप में राज-गद्दी पर बैठेंगे तब संवत प्रारम्भ होगा,* तब तक आत्मायें आती जाती रहेंगी।

उत्तर 24- *A.डायमन्ड हारबर*

कलकत्ता में सागर और नदी का बड़ा भारी मेला लगता है। वहाँ गंगा, ब्रह्मपुत्रा और सागर मिलते हैं। ब्रह्मपुत्रा में और भी नदियाँ मिलती हैं। *मुख्य है ब्रह्म पुत्रा और सागर का संगम। उनको ही कहते हैं डायमन्ड हारबर।*

उत्तर 25- *C.पवित्रता*

पवित्रता के कारण ही मारामारी हंगामा आदि होता है। ऊँच ते ऊँच बाप ही माया पर जीत पहनाए जगत का मालिक बना सकते हैं। यह तो बच्चे जानते हैं। बेहद बाप का वर्सा पाने हमको पवित्र जरूर बनना है। *जिस्मानी पढ़ाई भी पवित्रता में ही पढ़ी जाती है।* यह है रूहानी पढ़ाई। इसमें बर्तन सोने का अर्थात् पवित्र चाहिए, जिसमें ज्ञान धन ठहर सके।

उत्तर 26- *C.रावण*

वह तो जिस्मानी छोटे-छोटे दुश्मन है। *भारत का सबसे बड़ा दुश्मन रावण है, इसलिए पवित्रता की राखी बांधनी है।* प्रतिज्ञा करनी है हे बाबा भारत को श्रेष्ठाचारी बनाने के लिए हम पवित्र रहेंगे। औरों को भी बनाते रहेंगे। अभी सब रावण से हार खाये हुए हैं।

उत्तर 27- *C.35-40*

जो पहले-पहले थे जरूर उन्होंने को ही पूरे 84 जन्म लेने पड़े। *क्रिश्चियन आते ही बाद में हैं, वह 84 जन्म तो ले न सकें। वह 35-40 जन्म करके पाते होंगे।* सृष्टि की आयु भी अब पूरी होती है फिर नई बनेगी। नई दुनिया में है सुख, पुरानी दुनिया में है दुःख।

उत्तर 28- *B.भाषा*

भारतवासी सारे विश्व के मालिक थे। अब तो टुकड़े-टुकड़े हैं। यह समुद्र तुम्हारा, यह हमारा, यह धरती हमारी, यह तुम्हारी... पंजाब, यू.पी., राजस्थान आदि-आदि, अलग-अलग हो गये हैं। *भाषा पर भी कितने झगड़े होते हैं क्योंकि पारलौकिक माँ बाप को नहीं जानते हैं।* भारत स्वर्ग था तो यह कोई बात नहीं थी।

उत्तर 29- *B.ट्रिब्युनल*

जो क्रोध में आकर बाम्ब्स से इतनों का मौत कर देते हैं, उन पर केस कौन करे! इसलिए पिछाड़ी में *उनके लिए ट्रिब्युनल बैठती है।* सब अपना-अपना हिसाब-किताब चुक्तू कर वापिस जाते हैं।

उत्तर 30- *B.क्रोध*

भगवानुवाच मैं तुमको नर से नारायण बनाता हूँ। यह पुरानी पतित दुनिया अब खत्म होनी है। मैं पतित से पावन देवता बनाता हूँ, फिर तुम चले जायेंगे अपने घर। ड्रामा को समझना है। *इस समय देखो मनुष्यों में क्रोध कितना है। बन्दर से भी बदतर हैं।* क्रोध आता है तो कैसे बाम्ब्स से सबको मार डालते हैं।

उत्तर 31- *C.ज्ञान बरसात के लिए*

अब सावन के महीने में शिव की पूजा करते हैं, व्रत रखते हैं। *तुम्हारे लिए सावन मास है ज्ञान बरसात का।* तुम पवित्र बन पवित्र दुनिया का मालिक बनते हो। मनुष्य व्रत रखते हैं भोजन न खाने का। बाप कहते हैं विष नहीं खाओ। इस पर भी समझाना पड़ेगा। शिव को बहुत पूजते हैं, अब शिवबाबा कहते हैं पवित्रता का व्रत रखो।

उत्तर 32- *C.सोनार*

अब बाप समझाते हैं तुम गोरे थे, तुम्हारे में खाद पड़ी है। अभी बिल्कुल आइरन एजेड बन पड़े हो। अब *मैं सोनार हूँ बच्चों को भट्टी में डाल देता हूँ।* भंभोर को आग लगेगी। सबके शरीर खत्म हो जायेंगे। आत्मा तो अविनाशी है।

भाग - (35)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- किसको देखकर मैं बहुत खुश होता हूँ, क्योंकि वह फिर भी हमारी हमजिन्स हैं।

- A- माताओं
- B- कुमारियों
- C- बुढ़ियों
- D- ब्राह्मणों

प्रश्न 2- घमण्डी तो परमात्मा को बिल्कुल नहीं जानते हैं ?

- A- गुरु
- B- साइंस
- C- धन
- D- शास्त्र

प्रश्न 3- प्रजापिता में जो बैठा है, उनको तुम बाप कहते हो ?

- A- निराकार
- B- शिव
- C- पिऊ
- D- बिन्दु

प्रश्न 4- इस समय कौन गुप्त है ?

- A- बाप
- B- ज्ञान
- C- शिव-शक्तियां

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 5- ब्राह्मण जीवन का फाउण्डेशन क्या है ?

- A- निश्चय
- B- ज्ञान
- C- योग
- D- पुरुषार्थ

प्रश्न 6- यह ब्राह्मण जीवन शुद्ध सम्बन्ध का जीवन है, माला की जीवन है। माला का अर्थ ही है.....।

- A- पूजन योग्य
- B- विजय रत्न
- C- पारसमणि
- D- संगठन

प्रश्न 7- स्वदर्शन चक्र फिराते, कमल पुष्प समान बनते, शंख ध्वनि करते तुम क्या बन जाओगे ?

- A- विष्णु
- B- फ़रिश्ता
- C- देवता
- D- नारायण

प्रश्न 8- इस समय हम ब्रह्मा मुख वंशावली ब्राह्मण बने हैं। तुम क्या पढ़ते हो ?

- A- सहजयोग
- B- राजयोग
- C- कर्मयोग
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 9- बाप की गति समझाते हैं। रावण राज्य में जो भी कर्म मनुष्य करते हैं वह विकर्म बन जाते हैं ?

- A- कर्म-अकर्म-विकर्म
- B- अकर्म-विकर्म
- C- कर्म-अकर्म
- D- कर्म - विकर्म

प्रश्न 10- तुमको तो यहाँ प्रैक्टिस कराई जाती है। यह 84 जन्मों की सड़ी हुई खाल है, इनको कहा जाता है ?

- A- काली
- B- श्याम सुंदर
- C- श्याम वर्ण
- D- श्याम

प्रश्न 11- तुम बच्चे जानते हो बाबा आया हुआ है। पहले नम्बर में बाबा किसका भेद समझाते हैं।

- A- भक्ति और ज्ञान
- B- आत्मा और परमात्मा
- C- पुजारी और पूज्य
- D- सच और झूठ

प्रश्न 12- कहते भी हैं कि आत्मा स्टार भृकुटी के बीच रहती है। अब भृकुटी के बीच बड़ी चीज़ हो तो हो जाए।

- A- ट्यूमर
- B- बीमारी
- C- रसौली
- D- पिट्यूटरी ग्रंथि

प्रश्न 13- सहज को मुश्किल बनाना और फिर थक जाना यह किसकी निशानी है ?

- A- महारथियों की
- B- घुड़सवार की
- C- प्यादों की
- D- अलबेलेपन की

प्रश्न 14- संगमयुग का अन्तिम स्वरूप कौन सा है ?

- A- कर्मातीत
- B- फ़रिश्ता
- C- नष्टोमोहा
- D- निराकारी

प्रश्न 15- मरजीवा बनना अर्थात् ?

- A- जीते जी मर जाना
- B- देह का भान आना
- C- बोझ से मुक्त होना
- D- सूक्ष्म रस्सियां तोड़ना

प्रश्न 16- भावुक आत्मायें सिर्फ कौन सी शक्ति से आगे बढ़ते रहते हैं ?

- A- सहयोग की
- B- प्रेम की
- C- भावना की
- D- स्नेह की

प्रश्न 17- श्रेष्ठ प्राप्ति के संगमयुग पर हर कदम यह स्लोगन सदा याद रखो कि-

- A- "एक बाप दूसरा न कोई"
- B- "अभी नहीं तो कभी नहीं"
- C- "विजय हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है"
- D- " बाबा ही मेरा संसार है"

प्रश्न 18- यह ऐसी गड़बड़ शाला है, जहां एक बार पांव रखा तो वह कौन सा खेल है जिसमें से फिर निकलना मुश्किल हो जाता ?

- A- बाजोली का
- B- कठपुतली का
- C- ड्रामा का
- D- भूल भुलैया का

प्रश्न 19- बाप के वा ब्राह्मणों के बोल यादगार रूप में क्या बन गये हैं जो लोग अभी भी दो वचन सुनने के लिए प्यासे रहते हैं ?

- A- गीता
- B- शास्त्र
- C- वेद
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 20- कुछ बच्चों के मुख से यही बोल निकलते हैं कि हमारा तो डायरेक्ट शिवबाबा से कनेक्शन है। संगदोष के कारण उनकी हो जाती है ?

- A- मंदबुद्धि
- B- मूढ़बुद्धि
- C- अल्पबुद्धि
- D- मूर्ख

प्रश्न 21- यहाँ मुख्य बात है ही क्या ? जो आत्मा आइरन एज में आकर काली बन गई है - खाद पड़ गई है, उसको निकालना है ?

- A- योग की
- B- धारणा की
- C- पवित्रता की
- D- याद की

प्रश्न 22- भारत पवित्र से पवित्र खण्ड था। भारत को कहा जाता है - धर्म क्षेत्र। जितना यहाँ क्या होता है और कहीं नहीं होता ?

- A- भक्ति
- B- दान-पुण्य
- C- पूजा - पाठ
- D- कर्मकांड

प्रश्न 23- प्रदर्शनी में तो बहुत सुनेंगे, कुछ न कुछ बुद्धि में बैठेगा। आयेंगे भी वही जो कहां के रहने वाले होंगे ?

- A- सतयुग
- B- स्वर्ग
- C- शांति धाम
- D- सुख धाम

प्रश्न 24- कोई कितना भी अपने छिपाने की कोशिश करे लेकिन छिप नहीं सकता। सजा जरूर भोगनी पड़ेगी ?

- A- अपराध
- B- पाप कर्म
- C- विकर्म
- D- विकार

प्रश्न 25- राम को कितने से कम मार्क्स मिली तो चन्द्रवंशी में चले गये ?

- A- 20
- B- 33
- C- 75
- D- 50

प्रश्न 26- सच्ची दिल पर साहेब राज़ी। अगर अन्दर शैतानी होगी तो विध्न डालते रहेंगे, तो फिर कड़ी सजायें खायेंगे। किसको हमेशा कड़ी सजायें मिलती हैं ?

- A- झूठों
- B- पतित
- C- ट्रेटर्स
- D- मूर्खों

प्रश्न 27- भगवान खुद कहते हैं मैंने पतित में प्रवेश किया है, तब तो पावन बने।

- A- शरीर
- B- बूट
- C- जुत्ती
- D- आत्मा

प्रश्न 28- हम पियरघर से ससुराल घर जाते हैं। बाबा ने कहला भेजा था, कितने चत्ती वाला कपड़ा पहनो तो देह-अभिमान टूट जाए ?

- A- 21
- B- 108
- C- 36
- D- 8

प्रश्न 29- यह अनादि खेल बना हुआ है, इसमें हर एक पार्टधारी का पार्ट अपना-अपना है, एक का पार्ट दूसरे से नहीं मिल सकता, अतएव यह भी क्या है ?

- A- कुदरत
- B- खेल
- C- ड्रामा
- D- नियम प्रमाण

प्रश्न 30- तुम गृहस्थ व्यवहार में रहते एक बार संन्यास करते हो फिर 21 जन्म उनकी प्रालब्ध पाते हो। उन्हीं का है हृद का संन्यास, तुम्हारा है बेहद का संन्यास। तुम्हारे का तो बहुत गायन है।

- A- संन्यास
- B- राजयोग
- C- स्नेह
- D- ज्ञान

प्रश्न 31- किससे तोड़ निभाना है, नफरत नहीं करनी है। कमल फूल समान रहना है। आस्तिक बन सबको आस्तिक बनाना है ?

- A- कलियुग
- B- गृहस्थ व्यवहार
- C- छी छी दुनिया
- D- पतित दुनिया

प्रश्न 32- गीता को किस धर्म का शास्त्र कहेंगे ?

- A- हिन्दू

- B- ब्राह्मण देवी-देवता धर्म
- C- ब्राह्मण धर्म
- D- उपरोक्त सभी

भाग (35) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *C. बुद्धियों*

बुद्धियों को देखकर मैं बहुत खुश होता हूँ क्योंकि फिर भी हमारी हमजिन्स हैं। मैं मालिक बनूँ, हमजिन्स न बनें तो यह भी ठीक नहीं। बाप है अविनाशी ज्ञान सर्जन। ज्ञान इन्जेक्शन सतगुरू दिया अज्ञान अन्धेर विनाश। तुम्हारा अज्ञान दूर हो गया है।

उत्तर 2- *B. साइंस*

बाबा ने कहा है - मुझे याद करो और अपने मुक्तिधाम को याद करो। *साइंस घमण्डी तो परमात्मा को बिल्कुल नहीं जानते हैं।* बाप को तरस पड़ता है कि उन्हीं के कानों में भी कुछ पड़ता रहे तो शिवबाबा को याद करें।

उत्तर 3- *C. पिऊ*

अभी तुम राही बने हो सोझरे में जाने लिए अथवा शान्तिधाम, पियरघर जाने लिए। वह है पावन पियरघर और यह है पतित पियरघर। *प्रजापिता में जो पिऊ बैठा है, उनको तुम बाप कहते हो।* वह तुमको पवित्र बनाकर अपने घर ले जाते हैं। पिता वह भी है, पिता यह भी है। वह है निराकार, यह है साकार।

उत्तर 4- *D. उपरोक्त सभी*

शिवशक्तियों ने भारत को स्वर्ग बनाया है, यह किसको पता नहीं। *बाप भी गुप्त, ज्ञान भी गुप्त और शिव-शक्तियाँ भी गुप्त।* तुम चित्र लेकर किसी के भी घर में जा सकते हो। बोलो, तुम सेन्टर पर नहीं आते हो इसलिए हम तुम्हारे घर में आये हैं, तुमको सुखधाम का रास्ता बताने। तो वह समझेंगे यह हमारे शुभचिंतक हैं।

उत्तर 5- *A. निश्चय*

ब्राह्मण अर्थात् निश्चयबुद्धि और निश्चयबुद्धि अर्थात् विजयी। तो हर एक ब्राह्मण निश्चयबुद्धि कहाँ तक बने हैं और विजयी कहाँ तक बने हैं! क्योंकि *ब्राह्मण जीवन का फाउण्डेशन है निश्चय और निश्चय का प्रमाण है विजय*।

उत्तर 6- *D. संगठन*

माला में आना है? चाहे 108 में आओ, चाहे 16,000 में आओ। लेकिन आना है वा नहीं? (हाँ जी) फिर अभी ब्राह्मण परिवार से क्यों घबराते हो? जब कोई बात होती है तो क्यों कहते हो हमारा तो बाबा है। बहनें क्या करेंगी, भाई क्या करेंगे? हमने भाई-बहनों से वायदा नहीं किया है, *लेकिन यह ब्राह्मण जीवन शुद्ध सम्बन्ध का जीवन है, माला की जीवन है। माला का अर्थ ही है संगठन*।

उत्तर 7- *C. देवता*

स्वदर्शन चक्र देवताओं को नहीं है। यह तुमको है। परन्तु तुम तो सम्पूर्ण बने नहीं हो। तो निशानी देवताओं को दे दी है। *स्वदर्शन चक्र फिराते, कमल पुष्प समान बनते, शंखध्वनि करते तुम देवता बन जायेंगे।* शिवबाबा ब्रह्मा द्वारा विष्णुपुरी स्थापन कर रहे हैं। यह बातें कोई की बुद्धि में नहीं हैं।

उत्तर 8- *B. राजयोग*

इस समय हम ब्रह्मा मुख वंशावली ब्राह्मण बने हैं। तुम क्या पढ़ते हो? राजयोग। यह भी जानते हो हम फिर से राजयोग सीख रहे हैं और पढ़ने वाले कभी ऐसे नहीं कहेंगे कि हम फिर से पढ़ रहे हैं। यहाँ तुम बच्चों को निश्चय है कि हम फिर से राजयोग सीख रहे हैं। जो 5 हजार वर्ष पहले भी सीखा था।

उत्तर 9- *A. कर्म-अकर्म-विकर्म*

बाप कर्म-अकर्म-विकर्म की गति समझाते हैं। रावण राज्य में जो भी कर्म मनुष्य करते हैं वह विकर्म बन जाते हैं। बालिग अवस्था में ही हिसाब-किताब बनता है। छोटे बच्चे का कुछ जमा नहीं होता है। बच्चा बड़ा होता है तो उनके माँ बाप काम कटारी पर चढ़ा देते हैं। यह भी कर्म विकर्म हुआ।

उत्तर 10- *D. श्याम*

बच्चे समझते हैं कि अब हम यह पुरानी खाल छोड़ घर जायेंगे। फिर स्वर्ग में समय पर पुराना शरीर छोड़ दूसरा लेते रहेंगे। सर्प तो बहुत बार खाल उतारता है। तुमको तो यहाँ प्रैक्टिस कराई जाती है। *यह 84 जन्मों की सड़ी हुई खाल है, इनको श्याम कहा जाता है।* चमड़ी (शरीर) काली तो आत्मा भी काली है। सोना 24 कैरेट होता है तो जेवर भी ऐसे बनते हैं।

उत्तर 11- *B. आत्मा और परमात्मा*

तुम बच्चे जानते हो बाबा आया हुआ है। *पहले नम्बर में बाबा आत्मा और परमात्मा का भेद समझाते हैं।* मनुष्य न तो आत्मा को और न परमात्मा को ही जानते हैं। तुम बच्चों ने जान लिया है - आत्मा और परमात्मा का रूप क्या है?

उत्तर 12- *A.ट्यूमर*

मन्दिरों में पूजा होती है - बनारस में बड़ा लिंग रखा हुआ है। उनकी सब पूजा करते हैं। कहते भी हैं कि आत्मा स्टार भृकुटी के बीच रहती है। *अब भृकुटी के बीच बड़ी चीज़ हो तो ट्यूमर हो जाए।* यह समझने की बातें हैं।

उत्तर 13- *D.अलबेलेपन की*

बहादुर राजे सभी को अपने आर्डर से चलाते और राज्य प्राप्त करते हैं। तो *सहज को मुश्किल बनाना और फिर थक जाना, यह अलबेलेपन की निशानी है।* नाम राजा और आर्डर में कोई नहीं, इसको क्या कहा जायेगा। कई कहते हैं ना मैंने समझा भी कि सहन शक्ति होनी चाहिए लेकिन पीछे याद आया।

उत्तर 14- *B.फरिश्ता*

सदा अपने को फरिश्ता अर्थात् डबल लाइट अनुभव करते हो? *इस संगमयुग का अन्तिम स्वरूप फरिश्ता है ना।* ब्राह्मण जीवन की प्राप्ति है ही फरिश्ता जीवन। फरिश्ता अर्थात् जिसका कोई देह और देह के सम्बन्ध में रिश्ता नहीं।

उत्तर 15- *C.बोझ से मुक्त होना*

बोझ वाली चीज़ को ऊपर कितना भी फेंको नीचे आ जायेगी। तो फरिश्ता माना हल्का, कोई बोझ नहीं। *मरजीवा बनना अर्थात् बोझ से मुक्त होना।* अगर थोड़ा भी कुछ रह गया तो जल्दी-जल्दी खत्म करो, नहीं तो जब समय की सीटी बजेगी तो सब उड़ने लगेंगे और बोझ वाले नीचे रह जायेंगे। बोझ वाले - उड़ने वालों को देखने वाले हो जायेंगे।

उत्तर 16- *B.प्रेम की*

ज्ञानी तू आत्मायें सदा स्वयं को बाप के साथ रहने वाले मास्टर सर्वशक्तिवान समझने से माया को पार कर लेते हैं। क्या, क्यों के गीत नहीं गाते। *भावुक आत्मायें सिर्फ प्रेम की शक्ति से आगे बढ़ते रहते हैं* माया से सामना करने की शक्ति नहीं होती।

उत्तर 17- *B.अभी नहीं तो कभी नहीं*

पाये हुए भाग्य को, मिले हुए भाग्य को अनुभव नहीं किया अर्थात् अभी महान भाग्यवान नहीं बने तो कब बनेंगे? *इस श्रेष्ठ प्राप्ति के संगमयुग पर हर कदम यह स्लोगन सदा याद रखो कि 'अब नहीं तो कब नहीं' समझा।*

उत्तर 18- *D.भूलभुलैया का*

द्वार से तो गड़बड़ शालाओं में चक्र लगाते रहे। अब गड़बड़ शाला से निकल आये, अभी फिर कभी भी किसी भी प्रकार की गड़बड़ शाला में पांव नहीं रखना। *यह ऐसी गड़बड़ शाला है - एक बार पांव रखा तो भूल भुलैया का खेल है।* फिर निकलना मुश्किल हो जाता इसलिए सदा एक रास्ता, एक में गड़बड़ नहीं होती।

उत्तर 19- *B.शास्त्र*

बाप के वा ब्राह्मणों के बोल यादगार रूप में शास्त्र बन गये हैं जो अभी भी दो वचन सुनने के लिए प्यासे रहते हैं। दो वचन सुनने से शान्ति का, सुख का अनुभव करने लगते हैं। आप भाग्यवान आत्माओं के श्रेष्ठ कर्म चरित्र के रूप में अब तक भी गाये जा रहे हैं।

उत्तर 20- *B.मूढ़बुद्धि*

उनके मुख से यही बोल निकलते हैं कि हमारा तो डायरेक्ट शिवबाबा से कनेक्शन है। *संगदोष के कारण उनकी मूढ़बुद्धि हो जाती है।* सतगुरु का निंदक बन पड़ते हैं। जब कोई कहते हमारा डायरेक्ट कनेक्शन है तो उन्हें मुरली भी प्रेरणा से सुननी चाहिए। ऐसे निंदक बच्चे ठौर नहीं पाते। उनकी बुद्धि को माया ताला लगा देती है।

उत्तर 21- *C.पवित्रता की*

स्टूडेंट का काम है जो नॉलेज मिलती है, उनको धारण करना। *यहाँ मुख्य बात है ही पवित्रता की।* आत्मा जो आइरन एज में आकर काली बन गई है - खाद पड़ गई है, उसको निकालना है।

उत्तर 22- *B.दान-पुण्य*

भारत पवित्र से पवित्र खण्ड था। भारत को कहा जाता है - धर्म क्षेत्र। *दान-पुण्य जितना यहाँ होता है और कहीं नहीं होता।* यहाँ फिर से तुमको सारे विश्व के मालिकपने का वर्सा देते हैं।

उत्तर 23- *B.स्वर्ग*

प्रदर्शनी में तो बहुत सुनेंगे, कुछ न कुछ बुद्धि में बैठेगा। *आयेंगे भी वही जो स्वर्ग में रहने वाले होंगे।* संन्यास धर्म वाले थोड़े ही आयेंगे। जो थोड़ा बहुत सुनेंगे वह तो प्रजा में आ ही जायेंगे।

उत्तर 24- *B.पाप कर्म*

हर एक के कर्मों का हिसाब -किताब चुक्ती करवाने की कारोबार बड़ी वन्दरफुल और गुप्त है। *कोई कितना भी अपने पाप कर्म छिपाने की कोशिश करे लेकिन छिप नहीं सकता।* सजा जरूर भोगनी पड़ेगी।

उत्तर 25- *B.33*

बच्चों को निश्चय है कि हम नर से नारायण, नारी से लक्ष्मी बनेंगे। फेल नहीं होंगे जो क्षत्रिय बनें। *राम को 33 से कम मार्क्स मिली तो चन्द्रवंशी में चले गये।*

उत्तर 26- *C.ट्रेटर्स*

याद रखना, सच्ची दिल पर साहेब राज़ी। अगर अन्दर शैतानी होगी तो विघ्न डालते रहेंगे। तो फिर कड़ी सजायें खायेंगे। *ट्रेटर्स को हमेशा कड़ी सजायें मिलती हैं,* यह तो सुप्रीम जज भी है।

उत्तर 27- *B.बूट*

बापदादा तो तुम बच्चों के सम्मुख हाजिर-नाज़िर है। तुम कहेंगे हमारी नज़र के सामने है। पतित बूट में आया है। *भगवान खुद कहते हैं मैंने पतित बूट में प्रवेश किया है तब तो पावन बने।*

उत्तर 28- *B.108*

अभी हमको दीपावली की खुशी नहीं होती क्योंकि हम वनवास में हैं। हम पियरघर से ससुराल घर जाते हैं। *बाबा ने कहला भेजा था, 108 चत्ती वाला कपड़ा पहनो तो देह-अभिमान टूट जाये।*

उत्तर 29- *A.कुदरत*

मीठे बच्चे - यह अनादि खेल बना हुआ है, इसमें हर एक पार्टधारी का पार्ट अपना-अपना है, *एक का पार्ट दूसरे से नहीं मिल सकता, यह भी कुदरत है।*

उत्तर 30- *B.राजयोग*

तुम गृहस्थ व्यवहार में रहते एक बार संन्यास करते हो फिर 21 जन्म उनकी प्रालब्ध पाते हो। उन्हीं का है हृद का संन्यास, तुम्हारा है बेहद का संन्यास। *तुम्हारे राजयोग का तो बहुत गायन है।*

उत्तर 31- *B.गृहस्थ व्यवहार*

गृहस्थ व्यवहार से तोड़ निभाना है, नफरत नहीं करनी है। कमल फूल समान रहना है। आस्तिक बन सबको आस्तिक बनाना है।

उत्तर 32- *B.ब्राह्मण देवी देवता धर्म*

गीता शास्त्र है - ब्राह्मण देवी-देवता धर्म का शास्त्र। ब्राह्मण देवी-देवताएं नमः कहा जाता है। इसे सिर्फ देवता धर्म का शास्त्र नहीं कहेंगे क्योंकि देवताओं में तो यह ज्ञान है ही नहीं।

भाग - (36)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- अब दैवी युग की स्थापना होनी है किसको बहिष्ठ बनाने वाला बाप ही है ?

- A- कलियुग
- B- रौरव नरक
- C- दोज़क
- D- छी- छी दुनिया

प्रश्न 2- योगबल से आत्मा को सतोप्रधान बनाकर एकरस कौनसी अवस्था तक पहुँचना है ?

- A- नष्टोमोहा
- B- कर्मातीत
- C- जगतजीत
- D- विकर्माजीत

प्रश्न 3- बच्चे यदि यह अन्तिम जन्म पावन बनेंगे तो ?

- A- विश्व के मालिक बनेंगे।
- B- तुम्हारी खाद निकल जायेगी।
- C- एकरस अवस्था बन जायेगी।
- D- नष्टोमोहा बन जायेंगे।

प्रश्न 4- संगम पर जिन्हें सेवा का श्रेष्ठ भाग्य प्राप्त है वही कौन है ?

- A- पदमापदम भाग्यवान
- B- परम सौभाग्यशाली

- C- नम्बरवन विजयी
- D- पास विद् आनर

प्रश्न 5- पिछाड़ी के समय कौन सी अवस्था आनी है ?

- A- पिछाड़ी के समय निरन्तर रूहानी यात्रा करते रहेंगे।
- B- बैठे-बैठे साक्षात्कार होंगे। बाप और वर्सा याद आता रहेगा।
- C- वैकुण्ठ देखते रहेंगे, बस अभी हम यह प्रालम्भ पायेंगे। हर्षित होते रहेंगे।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 6- कौन सी अवस्था में जाने के लिए सारा दिन याद में रहने की मेहनत करनी है ?

- A- कर्मातीत
- B- नष्टोमोहा
- C- सम्पूर्ण
- D- फरिश्ता

प्रश्न 7- आत्मा का स्वधर्म शान्ति है, इसलिए क्या नहीं मांगनी है, स्वधर्म में टिकना है?

- A- कुछ नहीं
- B- खुशी
- C- शान्ति
- D- प्रेम

प्रश्न 8- महावीर-महावीरनी को क्या कहा जाता है ?

- A- ओशन ऑफ गॉड, ओशन ऑफ गाडेज
- B- गॉड आफ नॉलेज, गॉडेज ऑफ नॉलेज
- C- विश्व महाराजन, विश्वमहारानी
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 9- पुरुषार्थ वा प्लैन को कमजोर करने का स्कू एक ही है ?

- A- अलबेलापन
- B- संशय
- C- स्वभाव- संस्कार
- D- आसक्ति

प्रश्न 10- समझना, चाहना और करना - तीनों को समान बनाओ। तीनों को समान करना अर्थात् ?

- A- बाप समान बनना।
- B- दृढ़ संकल्प की स्याही से लिखना।
- C- दृढ़ प्रतिज्ञा और प्रत्यक्षता का बैलेन्स रखना।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 11- बाप भल यहाँ तुम्हारे सम्मुख है लेकिन याद तुम्हें कहां करना है ?

- A- सुखधाम
- B- शान्तिधाम
- C- घर
- D- मधुबन

प्रश्न 12- सतयुग को कहा जाता है ?

- A- जीवनमुक्तिधाम
- B- अशोक वाटिका
- C- सुखधाम
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 13- सुस्ती आने का क्या कारण है ?

- A समझते हैं सभी तो विजय माला में नहीं आयेंगे।
- B सब तो राजा नहीं बनेंगे।
- C पढ़ाई पर ध्यान नहीं देते।
- D उपरोक्त सभी

प्रश्न 14- कौन से कर्तव्य अभी चल रहे है ?

- A- ब्रह्मा द्वारा स्थापना
- B- शंकर द्वारा विनाश
- C- विष्णु द्वारा पालना
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 15- जो व्यर्थ की फीलिंग से परे रहता है वही क्या बनता है ?

- A- सर्वशक्तिमान
- B- जगतजीत
- C- मायाजीत
- D- मोहजीत

प्रश्न 16- डायरेक्ट 21 जन्मों के लिए प्रालम्भ मिलती है, क्योंकि ?

- A- अब बाप डायरेक्ट बैठे हैं।
- B- परमपिता परमात्मा निराकार बाप तो दाता है।
- C- एक जन्म का फल दूसरे जन्म में मिलता है।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 17- तुम पतित-पावनी ज्ञान गंगाये निकली हो। गंगाये क्यों कहा जाता है ?

- A- क्योंकि तुम सब सजनियां हो।
- B- क्योंकि तुम सब द्रौपदियाँ हो।
- C- क्योंकि तुम सब ब्रह्माकुमारियाँ हो।
- D- क्योंकि तुम सब पार्वतियाँ हो।

प्रश्न 18- कैसे राजाई स्थापन हो रही है ?

- A- ज्ञान तलवार से
- B- योगबल से
- C- सेवा से
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 19- बाबा का फ़र्ज है ?

- A- तुमको शिक्षा देना
- B- रेसपान्ड करना
- C- स्थापना करना
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 20- स्वयं को कैसे देवता बनाना है ?

- A- मुखड़ा सदैव देवताओं जैसा हर्षित रखने से
- B- याद से
- C- दिव्य गुणों की धारना से
- D- ज्ञान योग बल से

प्रश्न 21- हम ब्रह्माकुमार कुमारियाँ हैं ?

- A- शिव के पोत्रे
- B- ब्रह्मा के बच्चे
- C- ब्राह्मण
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 22- मैं गाइड बन तुम बच्चों को वापिस ले जाने के लिए आया हूँ, इसलिए मुझे भी कहते हैं।

- A- पैगम्बर
- B- दूतों का दूत
- C- कालों का काल
- D- लिबरेटर

प्रश्न 23- जैसे बाबा विचार सागर मंथन करते हैं, ऐसे ज्ञान का विचार सागर मंथन करना है। कल्याणकारी बन किसकी सेवा में तत्पर

रहना है ?

- A- रूहानी
- B- अलौकिक
- C- विश्व
- D- मनुष्य

प्रश्न 24- विकर्माजीत वही बनते हैं जो गति को जान श्रेष्ठ कर्म करते हैं।

- A- कर्म
- B- अकर्म
- C- विकर्म
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 25- सृष्टि चक्र किसका बना हुआ है ?

- A- ज्ञान
- B- भक्ति
- C- वैराग्य
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 26- किसके चित्र पर समझाना सबसे सहज है ?

- A- त्रिमूर्ति
- B- गोला
- C- झाड़ू
- D- लक्ष्मी-नारायण

प्रश्न 27- इस समय दुनिया में भक्त माला बड़ी लम्बी चौड़ी है। तुम्हारी है..... की माला।

- A- 8
- B- 108
- C- 16108
- D- 9 लाख

प्रश्न 28- अभी बाप आया है दैवी स्थापन करने ?

- A- भारत
- B- राजस्थान
- C- पकिस्तान
- D- दुनिया

प्रश्न 29- तुम्हारी आत्मा थी ही फिर पार्ट बजाते बजाते बन गई है?

- A- सतो, तमो
- B- गोरी, काली
- C- सतोप्रधान, तमोप्रधान
- D- पावन, पतित

प्रश्न 30- बाबा इतनी दूर से क्या करने आते हैं ?

- A- वर्सा देने
- B- राजयोग सिखाने
- C- मिलने
- D- पढ़ाने

प्रश्न 31- वह मंदिरो, तीर्थों आदि पर धक्के खाते रहते हैं और तुम ?

- A- डायरेक्ट मिल रहे हो
- B- सम्मुख बैठे हो
- C- वर्सा ले रहे हो
- D- मिलन मना रहे हो

प्रश्न 32- भगवान को ऊँच कहा जाता है। ऊँचा उनका है ?

- A- नाम
- B- धाम

C- ठांव
D- का

भाग (36) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1 - C दोज़क

अब दैवी युग की स्थापना होनी है। दोज़क को बहिश्त बनाने वाला बाप ही है। बाप कोई दोज़क थोड़े ही रचेंगे।

उत्तर 2 - B कर्मातीत

योगबल से आत्मा को सतोप्रधान बनाकर एकरस कर्मातीत अवस्था तक पहुंचना है। याद की गुप्त मेहनत करनी है, एकान्त में पढ़ाई करनी है।

उत्तर 3- *A विश्व के मालिक बनेंगे*

बाप कहते हैं - *बच्चे यह अंतिम जन्म पावन बनेंगे तो विश्व के मालिक बनेंगे*। कितनी बड़ी कमाई है। बाप कहते हैं - धन्धा आदि भल करो सिर्फ मुझे याद करो।

उत्तर 4 - A पदमापदम भाग्यवान

संगम पर जिन्हें सेवा का श्रेष्ठ भाग्य प्राप्त है वही पदमापदम भाग्यवान है

उत्तर 5- *D.उपरोक्त सभी*

पिछाड़ी के समय निरन्तर रूहानी यात्रा करते रहेंगे। बैठे बैठे साक्षात्कार होंगे। बाप और वर्सा याद आता रहेगा। वैकुण्ठ देखते रहेंगे, बस अभी हम यह प्रालम्भ पायेंगे। हर्षित होते रहेंगे

उत्तर 6- *A.कर्मातीत*

रूहानी यात्रा पर रहने के लिए एक दो को सावधान करते रहना है। *कर्मातीत अवस्था में जाने के लिए सारा दिन याद में रहने की मेहनत करनी है*

उत्तर 7- *C.शान्ति*

मीठे बच्चे - तुम कर्मक्षेत्र पर आये हो पार्ट बजाने, तुम्हें कर्म जरूर करने हैं, *आत्मा का स्वधर्म शान्ति है, इसलिए शान्ति नहीं मांगनी है, स्वधर्म में टिकना है।*

उत्तर 8- *B.गॉड ऑफ नॉलेज, गॉडेज ऑफ नॉलेज*

तुम बच्चों को महावीर बनना है। *महावीर - महावीरनी को गॉड ऑफ नॉलेज, गॉडेज ऑफ नॉलेज कहा जाता है* गॉड ही योग सिखलाए महावीर बनाते हैं।

उत्तर 9- *A.अलबेलापन*

प्रतिज्ञा को पूरा करने के लिए प्लैन बहुत अच्छे-अच्छे बनाते हो, पुरुषार्थ भी बहुत करते रहते हो लेकिन *पुरुषार्थ वा प्लैन को कमजोर करने का स्कू एक ही है 'अलबेलापन'।* वह भिन्न-भिन्न रूप में आता है और सदा नये-नये रूप में आता है, पुराने रूप में नहीं आता। तो इस 'अलबेलापन' के लूज़ स्कू को टाइट करो।

उत्तर 10- *A.बाप समान बनना*

समझना, चाहना और करना - तीनों को समान बनाओ। तीनों को समान करना अर्थात् बाप समान बनना। अगर बापदादा कहेंगे कि सभी लिखकर दो तो सेकेण्ड में लिखेंगे! चिटकी पर लिखना कोई बड़ी बात नहीं। मस्तक पर दढ़ संकल्प की स्याही से लिख दो।

उत्तर 11- *B.शान्तिधाम*

मीठे बच्चे - *बाप भल यहाँ तुम्हारे सम्मुख है लेकिन याद तुम्हें शान्तिधाम घर में करना है* - तुम्हारा बुद्धि-योग सदा ऊपर लटका रहे।

उत्तर 12- *D.उपरोक्त सभी*

सतयुग को कहा जाता है जीवन मुक्तिधाम। यह है जीवनबंध धाम। इस समय सब रावण के बंधन में हैं, शोकवाटिका में हैं। *तुमको अब पता पड़ा है - शोक वाटिका किसको और अशोक वाटिका किसको कहा जाता है।* यहाँ कर्मों अनुसार कोई गरीब बनता है - कोई कैसे बनते हैं। वहाँ गरीब भी सुखी रहते हैं। *नाम ही है सुखधाम।* यह है दुःखधाम।

उत्तर 13- *D.उपरोक्त सभी*

पढ़ाई वा योग में तुम्हें जरा भी सुस्ती नहीं आनी चाहिए। लेकिन *कई बच्चे समझते हैं सभी तो विजय माला में नहीं आयेंगे, सब तो राजा नहीं बनेंगे - इसलिए सुस्त बन जाते हैं। पढ़ाई पर ध्यान नहीं देते।* लेकिन जिसका बाप से पूरा लव है वह एक्स्ट्रेट पढ़ाई पढ़ेंगे,

सुस्ती आ नहीं सकती।

उत्तर 14- *D.उपरोक्त सभी*

मैं आता ही तब हूँ, जब यह हालत होती है। बहुत दुःख है, मौत सामने खड़ा है। विनाश के लिए मूसल भी तैयार हैं। अभी तुम बच्चे जानते हो बाबा आया हुआ है, आदि सनातन धर्म की स्थापना करने। *ब्रह्मा द्वारा स्थापना, शंकर द्वारा विनाश, विष्णु द्वारा पालना... बरोबर यह तीनों कर्तव्य अभी चल रहे हैं।*

उत्तर 15- *C.मायाजीत*

देवता धर्म वाले हैं सूर्यवंशी। राम को फिर क्षत्रिय की निशानी दे दी है। अभी तुम रूहानी क्षत्रिय हो। माया पर जीत पाते हो, इसमें समझने की बड़ी बुद्धि चाहिए। योग भी बड़ा सहज है। *जो व्यर्थ की फीलिंग से परे रहता है वही मायाजीत बनता है।*

उत्तर 16- *A.अब बाप डायरेक्ट बैठे हैं*

बाप कहते हैं - बच्चे एक हॉस्पिटल कम कॉलेज खोलो, इसमें बहुतों का कल्याण होगा। इसका फल तुमको 21 जन्म के लिए मिलेगा। वह है इनडायरेक्ट एक जन्म के लिए, यह है डायरेक्ट, *21 जन्मों के लिए प्रालम्भ मिलती है क्योंकि अब बाप डायरेक्ट बैठे हैं।*

उत्तर 17- *A.क्योंकि तुम सब सजनियां हो*

यह बच्चों को पक्का निश्चय है कि हम पुरुषार्थ कर अवश्य बाप समान बनेंगे। बाप पतित-पावन, ज्ञान सागर है। उससे तुम पतित-पावनी ज्ञान गंगाये निकली हो। *गंगाये क्यों कहा जाता है? क्योंकि तुम सब सजनियां हो।* सबको हम ज्ञान गंगा ही कहेंगे।

उत्तर 18- *B.योगबल से*

कोई को थोड़ा सुनने से भी नशा चढ़ जाता है। तकदीर भी साथ देती है। कोई फिर संगदोष में आकर पढ़ाई छोड़ देते हैं। रावण मत वाले अलग हैं, ईश्वरीय मत वाले अलग हैं। तुम बच्चे जानते हो - *कैसे राजाई स्थापन हो रही है योगबल से।* बाहुबल अनेक प्रकार का है। योगबल एक ही प्रकार का है।

उत्तर 19- *A.तुमको शिक्षा देना*

बाबा से पूछते हैं - बाबा कब तक इस शरीर में मुसाफिरी करेंगे? बतायेंगे नहीं। ड्रामा में है नहीं तो क्या कर सकते। ड्रामा में होगा तो बतायेंगे। मैं आया ही हूँ तुम बच्चों को पढ़ाने। मैं तुम्हारा बाप भी हूँ। तुम गाते हो तुम मात-पिता... वही पार्ट बजा रहा हूँ। *मेरा फ़र्ज है तुमको शिक्षा देना।* मुझे कहते हैं ज्ञान का सागर, मनुष्य सृष्टि का बीजरूप।

उत्तर 20- *D.ज्ञान योग बल से*

क्रोध पर बड़ी खबरदारी रखनी है। मुखड़ा सदैव देवताओं जैसा हर्षित रखना है। *स्वयं को ज्ञान योगबल से देवता बनाना है।*

उत्तर 21- *D.उपरोक्त सभी*

हम शिवबाबा के पोत्रे-पोत्रियां हैं। बाप भी तो जरूर चाहिए। *बरोबर हम ब्रह्माकुमार कुमारियां हैं। शिव के पोत्रे हैं* यह संगमयुग है ब्राह्मणों की पुरी, इसमें तुम *ब्रह्मा के बच्चे बने हो।* इस समय तुमको दैवी सम्प्रदाय नहीं कह सकते। इस समय *तुम ब्राह्मण सम्प्रदाय हो।*

उत्तर 22- *C.कालों का काल*

गाया भी हुआ है कल्प-कल्प, कल्प के संगमयुगे-युगे आता हूँ। बाप हमको ऐसे समझाते हैं, हम उनकी श्रीमत पर हैं। कहते हैं *मैं गाइड बन तुम बच्चों को वापिस ले जाने के लिए आया हूँ, इसलिए मुझे कालों का काल भी कहते हैं।*

उत्तर 23- *B.अलौकिक*

जैसे बाबा विचार सागर मंथन करते हैं, ऐसे ज्ञान का विचार सागर मंथन करना है। *कल्याणकारी बन अलौकिक सेवा में तत्पर रहना है।* दिल की सच्चाई से सेवा करनी है।

उत्तर 24- *D.उपरोक्त सभी*

विकर्माजीत वही बनते जो कर्म-अकर्म और विकर्म की गति को जान श्रेष्ठ कर्म करते हैं। विकर्माजीत बनने वाले कभी भी कर्म कूटते नहीं। उनके कर्म विकर्म नहीं बनते।

उत्तर 25- *D.* उपरोक्त सभी

यह तो बच्चों को समझाया गया है कि ज्ञान, भक्ति और वैराग्य का यह सृष्टि चक्र बना हुआ है। बाप रूहानी बच्चों को टॉपिक पर समझाते हैं - ज्ञान, भक्ति पीछे है वैराग्य। आधाकल्प के बाद भक्ति शुरू होती है। जब ज्ञान अर्थात् दिन है तो कोई संन्यास धर्म नहीं है, वैराग्य नहीं है।

उत्तर 26- *D.लक्ष्मी-नारायण*

सबसे सहज है लक्ष्मी-नारायण के चित्र पर समझाना। मनुष्य थोड़े ही कोई भी चित्र का अर्थ समझते हैं। उल्टा सुल्टा चित्र बना देते हैं। नारायण को दो भुजायें तो लक्ष्मी को 4 भुजायें दे देते हैं। सतयुग में इतनी भुजायें होती नहीं। सूक्ष्मवतन में तो हैं ही ब्रह्मा विष्णु शंकर। उन्हीं को भी इतनी भुजायें हो नहीं सकती।

उत्तर 27- *C.16108*

इस समय दुनिया में भक्त माला बड़ी लम्बी चौड़ी है। *तुम्हारी है 16108 की माला।* भक्त तो करोड़ों हैं। यहाँ भक्ति की बात नहीं। ज्ञान से ही सद्गति होती है। अब तुमको भक्ति की जंजीरों से छुड़ाया जाता है। बाबा कहते हैं सब भक्तों पर जब भीड़ होती है तब मुझे आना पड़ता है, सभी की गति सद्गति करने।

उत्तर 28- *B.राजस्थान*

लक्ष्मी-नारायण का नाम भी प्रजा में कोई अपने ऊपर रख न सके, लॉ नहीं है। विलायत में भी राजा का नाम कोई अपने ऊपर नहीं रखेंगे। उनकी बहुत इज्जत करते हैं। तो बच्चे समझते हैं 5 हजार वर्ष पहले बाप आया था। *अब भी बाप आया है - दैवी राजस्थान स्थापन करने।* शिवबाबा का आना भी अब हुआ है।

उत्तर 29- *C.सतोप्रधान - तमोप्रधान*

बच्चे बाप की याद में रहो तो तुम्हारे जन्म-जन्मान्तर के जो पाप हैं, जिसके कारण कट चढ़ी हुई है, वह सब निकल जायेगी और तुम्हारी आत्मा सतोप्रधान बन जायेगी। *तुम्हारी आत्मा असुल थी ही सतोप्रधान फिर पार्ट बजाते-बजाते तमोप्रधान बन गई है।* यह महावाक्य सिवाए बाप के कोई कह न सके।

उत्तर 30- *D.पढ़ाने*

बाबा कहते हैं मीठे बच्चे मैं तुम्हारा बाप तुमको पढ़ाता भी हूँ। *अब बाप पढ़ाने की फी बच्चों से लेगा? बच्चों से फी कैसे लेंगे! एक पाई भी फी नहीं लेता हूँ। *कितना दूर परमधाम से आता हूँ तुमको पढ़ाने।* यह नौकरी करने रोज़ आता हूँ। तो कितना प्यार से पढ़ना चाहिये।

उत्तर 31- *C.वर्सा ले रहे हो*

जानते हो हम शिवबाबा की मत प चल विश्व के मालिक बनने का वर्सा ले रहे हैं। *वह मन्दिरों, तीर्थों आदि पर धक्के खाते रहते हैं और तुम वर्सा ले रहे हो।* फ़र्क देखो कितना है। तुम्हारी भेंट में वह कितने बुद्धू हैं।

उत्तर 32- *C.ठांव*

भगवान को ऊंच कहा जाता है। *ऊंचा उनका ठांव है। रहने का स्थान तो मशहूर है।* बच्चे जानते हैं हम मूलवतन में रहने वाले हैं। मनुष्यों को इन सब बातों का पता नहीं है।

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (37)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- ज्ञान की फाउंडेशन क्या है?

- A- बाप की याद
- B- पवित्रता
- C- श्रीमत
- D- योग

प्रश्न 2- ठीक पुरुषार्थ नहीं किया होगा तो कहाँ चले जायेंगे ?

- A- राजा के दास-दास
- B- दास-दासी के भी नौकर-चाकर
- C- थर्ड ग्रेड में
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 3- क्या करने से ग्रहण छूट जाएगा ?

- A- बाप की याद से
- B- विकारों के दान से
- C- श्रेष्ठाचारी बनने से
- D- सूर्यवंशी राज्य लेने से

प्रश्न 4 - बाप कहते हैं मुझे याद नही करेंगे तो ?

- A- सजाएँ खानी पड़ेगी
- B- स्वर्ग में नही जा सकेंगे

- C- ऊँच पद नहीं पा सकेंगे
- D- पापों का बोझा नहीं उतरेगा

प्रश्न 5- तुम्हें बाप द्वारा बाप की अर्थात् ड्रामा के आदि -मध्य- अन्त का ज्ञान मिला है ?

- A- रचना
- B- लीला
- C- कृति
- D- सृष्टि चक्र

प्रश्न 6- स्वयं को बाप के पास रजिस्टर कराना है। तो उसके लिए कौनसा कायदा है ?

- A- बाप पर पूरा पूरा बलि चढ़ना पड़ता
- B- अपना सब कुछ भारत को स्वर्ग बनाने की सेवा में सफल करना होता
- C- सम्पूर्ण निर्विकारी बनने का कसम उठाना पड़ता
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 7- तन-मन-धन भारत को स्वर्ग बनाने में सफल करना है। पूरा-पूरा क्या बनना है ?

- A- फ्लैन्थ्रोफिस्ट
- B- सुपरफिस्ट
- C- फिलॉसॉफिस्ट
- D- इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 8- जिसके ऊपर परमात्म है उसका कोई क्या कर सकता ?

- A- दुआओं का हाथ
- B- वरदानी हाथ
- C- छत्रछाया
- D- सुरक्षा कवच

प्रश्न 9-ब्राह्मण जीवन की खुराक है ?

- A- मुरली
- B- ब्रह्मा भोजन
- C- खुशी
- D- स्नेह

प्रश्न 10- बाप ने सर्व शक्तियां दे दीं। जब सर्वशक्तियां साथ हैं तो क्या नहीं आ सकता ?

- A- अलबेलापन
- B- आलस्य
- C- माया रावण
- D- विकार

प्रश्न 11- मरजीवा बने हो तो क्या करना है ?

- A- सब कुछ भूल जाओ।
- B- एक बाप जो सुनाते हैं, वह सुनो।
- C- बाप को याद करो, तुम्हीं संग बैठूँ।
- D- A और C
- E- AB,C

प्रश्न 12- अपने हर द्वारा औरों को प्रेरणा देने वाले ही प्रेरणामूर्त हैं ?

- A संकल्प
- B बोल
- C कर्म
- D उपरोक्त सभी

प्रश्न 13- मुरली अनुसार यह कौन सी दुनिया है ?

- A- बाबुलनाथ की
- B- कांटों की दुनिया
- C- दुःख की

D- नश्वर

प्रश्न 14- हमें किसलिए अपार खुशी में रहना है ?

- A- तुम्हारा यह मरजीवा जन्म है।
- B- तुम ईश्वर बाप से वर्सा ले रहे हो
- C- तुम्हें बहुत बड़ी लाटरी मिली है
- D- A और B
- E- AB,C

प्रश्न 15- बाप पर कुर्बान जाने के लिए किस बात का त्याग जरूरी है ?

- A- विकारों का
- B- देह-अभिमान का
- C- पुरानी दुनिया का
- D- अलबेलापन का

प्रश्न 16-निरन्तर ईश्वरीय सुखों का अनुभव करने वाले ही क्या हैं ?

- A- निरन्तर सेवाधारी
- B- सहजयोगी
- C- निश्चयबुद्धि
- D- बेफिक्र बादशाह

प्रश्न 17- मन्दिर किसका होना चाहिए ?

- A- लक्ष्मी- नारायण का।
- B- एक दिलवाला का।
- C- देवी - देवता
- D- A और B

प्रश्न 18- सद्गुरू के निन्दक ठौर न पावें। ठौर का अर्थ है ?

- A- बादशाही
- B- ठिकाना
- C- राज्य
- D- स्थान

प्रश्न 19- बाप का सबसे बड़े से बड़ा टाइटल है-

- A- वर्ल्ड सर्वेंट
- B- विश्व गुरू
- C- करनकरावनहार
- D- श्री श्री 108

प्रश्न 20- अवस्था स्थाई तब रहेगी जब ?

- A- कर्मातीत अवस्था होगी।
- B- नष्टोमोहा अवस्था होगी।
- C- सिर्फ एक की याद में रहेंगे।
- D- साक्षात्कार होते रहेंगे।

प्रश्न 21- माया बहुत लालच देती है। एक कहावत है "भगवान को याद करो नहीं तो आ जायेगा" यह माया भी मिसल वार करती है ?

- A- शेर
- B- बाज
- C- मगरमच्छ
- D- गब्बर

प्रश्न 22- भोलानाथ सदैव किसको कहा जाता है ?

- A- शंकर को
- B- ब्रह्मा को
- C- शिवबाबा को
- D- A और C

प्रश्न 23- ब्रह्मा,सरस्वती और बच्चे सभी को कहते हैं ?

- A- राजऋषि
- B- ब्राह्मण
- C- ब्रह्माकुमार- ब्रह्माकुमारी
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 24- ब्रह्मा बाप का क्या गीत था ?

- A- पा लिया - जो था पाना।
- B- मुझे भगवान मिले।
- C- मैं खुशनसीब हूँ।
- D- मैं बाबा का बाबा मेरा।

प्रश्न 25- विकर्माजीत किसको कहा जाता है ?

- A- सतयुग के देवी-देवताओं को
- B- संगमयुग के ब्राह्मणों को
- C- त्रेता के चन्द्रवंशी को
- D- A और C

प्रश्न 26- बाप तुमको समझाते हैं कि मैं स्वयं आकर राजाओं का राजा स्वर्ग का मालिक बनाता हूँ, वह कैसे बनाते हैं ?

- A- वर्से से
- B- राजयोग से
- C- पढ़ाई से
- D- पवित्र बनने से

प्रश्न 27- पवित्रता बिना भारत क्या नहीं बन सकता ?

- A- पावन
- B- निर्विकारी
- C- स्वर्ग
- D- गोल्डेन एज

प्रश्न 28- दूसरे सतसंगों वा आश्रमों से यहाँ की कौन सी रसम बिल्कुल न्यारी है ?

- A- तुम मरजीवा बनते हो।
- B- घर में रह तुम्हें ज्ञान अमृत पीना है।
- C- रूहानी सेवा करनी है।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 29- असमर्थ को समर्थ कैसे बना सकते हैं ?

- A- अनुभूतियों से
- B- सर्वशक्तियों से
- C- विशेषता से
- D- सर्वगुणसंपन्नता से

प्रश्न 30- किसका पुरुषोत्तम संगमयुग है ?

- A- देवी-देवता
- B- गीता
- C- ब्राह्मणों
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 31- किस समय याद बहुत अच्छी रहेगी ?

- A- नुमाशाम
- B- अमृतवेले
- C- भट्टी
- D- B और C

प्रश्न 32- सबसे अच्छा कर्म कौन सा है ?

- A- रूहानी सेवा

- B- सुख-शान्ति का दान देना
- C- बाप पर अपना सब कुछ अर्पण करना
- D- ट्रस्टी बनकर सब संभालना

भाग (37) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *B.पवित्रता*

ब्रह्मा बाबा शिव बाप की विशेष पसन्दगी क्या है? (पवित्रता, अन्तर्मुखता, निश्चयबुद्धि, सच्चाई-सफाई)। *वास्तव में फाउण्डेशन है - पवित्रता।* लेकिन पवित्रता की परिभाषा बहुत गुह्य है। *पवित्रता जहाँ होगी वहाँ निश्चय, सच्चाई-सफाई, ये सब आ जाता है।* लेकिन बापदादा देखते हैं कि पवित्रता की गुह्य भाषा, पवित्रता का गुह्य रहस्य अभी बुद्धि में पूरा स्पष्ट नहीं है। *व्यर्थ संकल्प चलना या चलाना, अपने अन्दर भी चलता है और दूसरों को भी चलाने के निमित्त बनते हैं।*

उत्तर 2- *C.थर्ड ग्रेड*

अब जितना श्रीमत पर चलेंगे, उतना ऊँच बनेंगे। फिर प्रसिद्ध हो जायेंगे कि कल्प-कल्प यह ऐसे ही पुरूषार्थ करने वाले हैं। यह कल्प-कल्प की बाजी है। जो जास्ती पुरूषार्थ कर रहे हैं वह अपना राज्य भाग्य ले रहे हैं। *ठीक पुरूषार्थ नहीं किया होगा तो थर्ड ग्रेड में चला जायेगा।* प्रजा में भी पता नहीं क्या जाकर बनेगा।

उत्तर 3- *B.विकारों के दान से*

यह बी.के. का जो आश्रम है यह है कारनटाइन क्लास है। यहाँ 7 रोज़ क्लास करना है ताकि 5 विकार निकल जाएँ। देवताओं में यह 5 विकार होते नहीं। *अब यहाँ 5 विकारों का दान देना है, तब ग्रहण छूटेगा। दे दान तो छूटे ग्रहण।* फिर तुम 16 कला सम्पूर्ण बन जायेंगे।

उत्तर 4- *D.पापो का बोझा नहीं उतरेगा*

बाप आकर ब्राह्मण धर्म, सूर्यवंशी चंद्रवंशी धर्म स्थापन करते हैं बाप कहते हैं *मुझे याद नहीं करेंगे तो जन्म जन्मांतर के पापों का बोझा उतरेगा नहीं।* यह बड़े ते बड़ा फुरना है। कर्म करते धंदा करते मेरे आशिक मुझ माशूक को याद करो। कोई पतित काम नहीं करो।

उत्तर 5- *B.लीला*

तुम्हें बाप द्वारा बाप की लीला अर्थात् ड्रामा के आदि-मध्य-अन्त का ज्ञान मिला है, तुम जानते हो अब यह नाटक पूरा होता है, हम घर जाते हैं।

उत्तर 6- *D.उपरोक्त सभी*

बाप के पास रजिस्टर होने के लिए 1- बाप पर पूरा पूरा बलि चढ़ना पड़ता। 2-अपना सब कुछ भारत को स्वर्ग बनाने की सेवा में सफल करना होता। 3- सम्पूर्ण निर्विकारी बनने का कसम उठाना पड़ता और फिर रहकर भी दिखाना होता। ऐसे बच्चों का नाम आलमाइटी गवर्नमेंट के रजिस्टर में आ जाता है। उन्हें नशा रहता कि हम भारत को स्वर्ग वा राजस्थान बना रहे हैं। हम भारत की सेवा के लिए बाप पर बलि चढ़ते हैं।

उत्तर 7- *A.फ्लैन्थ्रोफिस्ट*

तुम बच्चों को बहुत नशा रहना चाहिए। *उन्हीं को समझाना है हम तो भारत की तन-मन-धन से सेवा करते हैं। तुम भारत की सेवा के लिए ही बलि चढ़े हो ना। ऐसा फ्लैन्थ्रोफिस्ट कोई होता नहीं।* वह तो पैसे इकट्ठे कर मकान आदि बनाते रहते हैं। आखिर तो यह सब कुछ मिट्टी में मिल जाना है। तुमको तो सब कुछ बाबा पर बलि चढ़ाना है।

उत्तर 8- *C.छत्रछाया*

जैसे कमल पुष्प कीचड़ पानी में होते भी न्यारा रहता है। और जितना न्यारा उतना सबका प्यारा है। ऐसे आप बच्चे दुःख के संसार से न्यारे और बाप के प्यारे हो गये, यह परमात्म प्यार छत्रछाया बन जाता है। और *जिसके ऊपर परमात्म छत्रछाया है उसका कोई क्या कर सकता! इसलिए फ़खुर में रहो कि हम परमात्म छत्रछाया में रहने वाले हैं,* दुःख की लहर हमें स्पर्श भी नहीं कर सकती।

उत्तर 9- *C.खुशी*

सेवा का शौक भी अच्छा है। जो भी जहाँ से भी आये हो लेकिन सभी तीव्र पुरूषार्थी और उड़ती कला वाले हो। *सबसे ज्यादा खुश कौन रहता है? नशे से कहो मैं! सिवाए खुशी के और है ही क्या! 'खुशी' ब्राह्मण जीवन की खुराक है।* खुराक के बिना कैसे चलेंगे। चल रहे हो, तो खुराक है तभी तो चल रहे हो ना। स्थान भी बढ़ रहे हैं।

उत्तर 10- *A.अलबेलापन*

संगमयुग में बाप मिला सब-कुछ मिला। तो अलर्ट ही रहेंगे ना। जिसको बहुत प्राप्तियां होती रहती हैं वो कितना अलर्ट रहते हैं! रिवाजी बिजनेसमैन को बिजनेस में प्राप्तियां होती रहती हैं तो अलबेला होगा या अलर्ट होगा? तो आपको एक सेकेण्ड में कितना मिलता है! तो अलबेले कैसे होंगे? *बाप ने सर्व शक्तियां दे दीं। जब सर्व शक्तियां साथ हैं तो अलबेलापन नहीं आ सकता है।* सदा होशियार, सदा खबरदार रहो!

उत्तर 11- *E. AB,C*

मरजीवा बने हो तो सब कुछ भूल जाओ, एक बाप जो सुनाते हैं, वही सुनो और बाप को याद करो, तुम्हीं संग बैठूँ जो मरजीवा बनते हैं उनके लिए यह जन्म साथ रहना होता है। यह एक ही है ऊंचे ते ऊंचा जन्म। बाप भी एक ही बार आते हैं, फिर तो कभी आ नहीं सकेंगे। एक ही बार आकर बच्चों की सर्व कामनायें पूर्ण कर लेते हैं।

उत्तर 12- *D.उपरोक्त सभी*

अपने हर संकल्प, बोल और कर्म द्वारा औरों को प्रेरणा देने वाले ही प्रेरणामूर्त हैं।

उत्तर 13- *B.कांटो की दुनिया*

बाप समझाते हैं - यह है कांटों की दुनिया। एक दो को दुःख देते रहते हैं। घर में बच्चे भी ऐसे कपूत निकल पड़ते हैं जो बात मत पूछो। माँ-बाप को बहुत दुःखी करते हैं। सभी कोई एक समान भी नहीं होते।

उत्तर 14- *E. AB,C*

तुम्हारा यह मरजीवा जन्म है, तुम ईश्वर बाप से वर्सा ले रहे हो, तुम्हें बहुत बड़ी लाटरी मिली है, इसलिए अपार खुशी में रहना है"

उत्तर 15- *B.देह-अभिमान का*

देह-अभिमान का। देह-अभिमान आया तो मरा, व्यभिचारी हुआ इसलिए कुर्बान होने में बच्चों का हृदय विदीर्ण होता है। जब कुर्बान हो गये तो उस एक की ही याद रहे। उन पर ही बलिहार जाना है, उनकी ही श्रीमत पर चलना है।

उत्तर 16- *D.बेफिक्र बादशाह*

निरन्तर ईश्वरीय सुखों का अनुभव करने वाले ही बेफिक्र बादशाह है।

उत्तर 17- *B.एक दिलवाला का*

तुम जानते हो कि मन्दिर होना चाहिए एक दिलवाला का। यह एक ही काफी है। लक्ष्मी-नारायण के मन्दिर से भी क्या होगा! वह कोई कल्याणकारी नहीं हैं। शिव का मन्दिर बनाते हैं, वह भी अर्थ रहित। उनका आक्यूपेशन तो जानते ही नहीं। मन्दिर बनावे, आक्यूपेशन को न जानें तो क्या कहेंगे?

उत्तर 18- *A.बादशाही*

देह अभिमान कारण विकर्म होंगे। इसका सौ गुणा दण्ड हो जायेगा क्योंकि हमारी निन्दा करते हैं। ऐसा कर्म नहीं करना चाहिए जो बाप का नाम बदनाम हो इसलिए गाते हैं *सद्गुरु के निन्दक ठौर न पावें। ठौर माना बादशाही।*

उत्तर 19- *A.वर्ल्ड सर्वेंट*

जैसे बाप का सबसे बड़े से बड़ा टाइटल है वर्ल्ड सर्वेन्ट। वैसे बच्चे भी वर्ल्ड सर्वेन्ट अर्थात् सेवाधारी हैं। सेवाधारी अर्थात् त्यागी और तपस्वी।

उत्तर 20- *A.कर्मातीत अवस्था होगी*

बाप समझाते भी हैं तुम स्टूडेंट हो। जानते हो हम देवता स्वर्ग के मालिक बनने वाले हैं। सिर्फ देवता भी नहीं। हम विश्व के मालिक बनने वाले हैं। *यह अवस्था स्थाई तब रहेगी जब कर्मातीत अवस्था होगी।* ड्रामा प्लेन अनुसार होनी है ज़रूर।

उत्तर 21- *B.बाज*

माया बहुत लालच देती है। एक कहावत है "भगवान को याद करो नहीं तो बाज आ जायेगा" यह माया भी बाज मिसल वार करती है। अब जबकि बाप आये हैं तो अभी भी पुरुषार्थ कर ऊंच पद नहीं पाया तो कल्प-कल्पान्तर भी नहीं पायेंगे।

उत्तर 22- *C.शिवबाबा को*

भोलानाथ सदैव शिवबाबा को कहा जाता है। शंकर को नहीं कहा जाता। वह तो विनाश करता है और शिवबाबा स्थापना करते हैं। यह तो जरूर है स्थापना स्वर्ग की और विनाश नर्क का करेंगे। तो ज्ञान सागर भोलानाथ शिव को ही कहेंगे।

उत्तर 23- *A.राजऋषि*

तुम सिद्ध कर बताते हो कि यह मात-पिता, ब्रह्मा सरस्वती दोनों कल्प वृक्ष के नीचे बैठे हैं, राजयोग सीख रहे हैं तो जरूर उन्हीं का गुरू चाहिए। *ब्रह्मा सरस्वती और बच्चे सभी को राजऋषि कहते हैं*। राजाई के लिए योग लगाते हैं।

उत्तर 24- *A.पा लिया - जो था पाना*

ब्रह्मा बाप का क्या गीत था? पा लिया - जो था पाना। तो यह सिर्फ ब्रह्मा बाप का गीत है या आप सबका? कभी-कभी थोड़ी दुःख की लहर आ जाती है?

उत्तर 25- *A.सतयुग के देवी देवताओं को*

वास्तव में सतयुग के देवी-देवताओं को ही विकर्माजीत कहा जाता है। वहाँ विकर्म तो होते नहीं। विकर्माजीत संवत और विक्रम संवत अलग-अलग है। एक राजा विक्रम भी होकर गया है और विकर्माजीत राजा भी हो गया है।

उत्तर 26- *B. राजयोग से*

तुम जानते हो हम राजाओं के राजा बनते हैं। पतित राजायें कैसे बनते हैं और पावन राजाओं के राजा कैसे बनते हैं, वह भी *बाप तुमको समझाते हैं। मैं स्वयं आकर राजाओं का राजा स्वर्ग का मालिक बनाता हूँ - इस राजयोग से।*

उत्तर 27- *C. स्वर्ग*

मीठे बच्चे - *पवित्रता बिना भारत स्वर्ग बन नहीं सकता,* तुम्हें श्रीमत् है घर गृहस्थ में रहते पवित्र बनी, दोनों तरफ तोड़ निभाओ"

उत्तर 28- *D. उपरोक्त सभी*

उन आश्रमों में मनुष्य जाकर रहते हैं समझते हैं - संग अच्छा है, घर आदि का हंगामा नहीं है। एम-आब्जेक्ट कुछ नहीं। परन्तु *यहाँ तो तुम मरजीवा बनते हो। तुम्हें घरबार नहीं छुड़ाया जाता। घर में रह तुम्हें ज्ञान अमृत पीना है, रूहानी सेवा करनी है*। यह रसम उन सतसंगों में नहीं है।

उत्तर 29- *A. अनुभूतियों से*

अनुभूतियों का प्रसाद बांटकर असमर्थ को समर्थ बना देना - यही सबसे बड़ा पुण्य है।

उत्तर 30- *B. गीता*

परमपिता परमात्मा की महिमा और गीता की महिमा भी अपरमअपार है, परन्तु सच्ची गीता की। अभी बाप तुमको राजयोग सिखलाते हैं। *यह गीता का पुरुषोत्तम संगमयुग है।*

उत्तर 31- *B. अमृतवेले*

"मीठे बच्चे - *अमृतवेले के शान्त, शुद्ध वायुमण्डल में तुम देह सहित सब कुछ भूल मुझे याद करो, उस समय याद बहुत अच्छी रहेगी"*

उत्तर 32- *C. बाप पर अपना सब कुछ अर्पण करना*

सबसे अच्छा कर्म है बाप पर अपना सब कुछ (तन-मन-धन सहित) अर्पण करना। जब तुम सब कुछ अर्पित करते हो तो बाप तुम्हें रिटर्न में इतनी ताकत देता, जिससे तुम सारे विश्व पर सुख-शान्ति का अटल अखण्ड राज्य कर सको।

भाग - (38)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- किसका आदि -मध्य-अन्त नहीं होता है ?

- A- अकालमूर्त
- B- अमर
- C- अविनाशी
- D- अजर

प्रश्न 2 - बाप आकर आत्माओं से बात करते हैं कि हे आत्मायें तुम पहले क्या थी ? फिर माया ने परछाया डाला ।

- A- अशरीरी
- B- देही अभिमानि
- C- अकालमूर्त
- D- जागती ज्योति

प्रश्न 3- एक है मुक्ति-धाम पावन, दूसरा है कौन सा पावन धाम/स्थान है ?

- A- सुखधाम
- B- साकार लोक
- C- परमधाम
- D- जीवन मुक्तिधाम

प्रश्न 4- पास्ट सो पास्ट कर इस अन्तिम जन्म में बाप को किस बात से मदद करनी है ?

- A- तन-मन-धन
- B- ज्ञान बांटने
- C- पवित्रता

D- योगबल

प्रश्न 5- क्या बनने के लिए बाप जो समझाते हैं उसे अच्छी तरह से समझना है, स्वयं में धारणा कर दूसरों को कराना है ?

- A- फरिश्ता
- B- विशाल बुद्धि
- C- पारसबुद्धि
- D- देवता

प्रश्न 6- कौन सा राज़ बहुत ही गुह्य, गोपनीय और समझने का है ?

- A- निराकार बाप सभी का मात-पिता कैसे बनते हैं।
- B- वह सृष्टि की रचना किस विधि से करते हैं।
- C- यह ब्रह्मा पिता भी है तो माता भी है।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 7- कौन सी स्मृति ही स्वदर्शन चक्र है ?

- A- बाप और वर्से को याद करना है।
- B- लक्ष्मी-नारायण बनना है।
- C- हमें पुजारी से पूज्य बनना है।
- D- हमें फरिश्ता से देवता बनना है।

प्रश्न 8- कौन सा मंत्र सब पापों से मुक्त करने वाला है ?

- A- मामेकम्
- B- मनमनाभव
- C- मध्याजीभव
- D- ततत्वम्

प्रश्न 9- मनमनाभव रहने वालों की निशानी क्या है ?

- A- ज्ञान का विचार सागर मंथन करेंगे।
- B- बाबा से मीठी-मीठी रूहरिहान करेंगे।
- C- स्वदर्शन चक्र घुमायेंगे।
- D- A और B

प्रश्न 10- दोड़क/नर्क का द्वार बाबा ने किसे बताया है, जो वृत्तियों को खराब कर देता है ?

- A- गन्दे चित्र
- B- गन्दे समाचार
- C- सिनेमा
- D- गलत वृत्तियां

प्रश्न 11- लास्ट जन्म भूलों का ही है। जरा भी बुद्धि काम नहीं करती ?

- A- 100 परसेन्ट
- B- 99 परसेन्ट
- C- 50 परसेन्ट
- D- 75 परसेन्ट

प्रश्न 12- ज्ञान और योग की धारणा नहीं होगी तो ?

- A- मेहनत करनी पड़ेगी
- B- ऊँच पद नहीं मिलेगा
- C- एम आबजेक्ट नहीं मिलेगा
- D- सेवा में सफलता नहीं मिलेगी

प्रश्न 13- तुम्हारी एम आबजेक्ट क्या पाने की है ?

- A- कर्मातीत अवस्था
- B- मुक्ति
- C- जीवनमुक्ति
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 14- शिव शंकर को मिला देते हैं। अब कहाँ शिव परमधाम के निवासी और कहाँ शंकर किस वतन के निवासी हैं ?

- A- साकार वतन
- B- मूलवतन
- C- स्थूलवतन
- D- सूक्ष्म वतन

प्रश्न 15- बाप कहते हैं मैं पराई रावण की दुनिया में आता हूँ। एक तरफ है आसुरी गुणों वाली सम्प्रदाय। दूसरी तरफ है, दैवीगुणों वाली सम्प्रदाय। आसुरी सम्प्रदाय को यह भी कहते हैं ?

- A- कंसपुरी
- B- रावणपुरी
- C- लंकापुरी
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 16- जगत अम्बा सो लक्ष्मी, सो फिर 84 जन्मों का चक्र लगाकर फिर क्या बनती हैं ?

- A- जगत अम्बा
- B- दुर्गा
- C- लक्ष्मी
- D- मम्मा

प्रश्न 17- कल्प के संगमयुगे बाप आते हैं। गीता में कल्प अक्षर बदल कर सिर्फ क्या लिख दिया है ?

- A- कल्प- कल्प
- B- युगे-युगे
- C- द्वापर-कलियुग
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 18- कौन बॉम्बस बनाते हैं। वह भी कहते हैं हमको कोई प्रेरणा देने वाला है। वह जानते हैं कि इससे हम अपने ही कुल का विनाश करते हैं ?

- A- कौरव
- B- भारतवासी
- C- यूरोपवासी यादव
- D- साईंस वाले

प्रश्न 19- से याद की सीढ़ी पर चढ़ना है। सीढ़ी चढ़ने से ही अपार सुख का अनुभव होगा।

- A- बुद्धिबल
- B- शान्ति की शक्ति
- C- योगबल
- D- पवित्रता

प्रश्न 20- यह जगत अम्बा, जगत पिता जो स्थापना अर्थ निमित्त बने हुए हैं, यही फिर स्वर्ग में क्या बनेंगे।

- A- दुःखहर्ता-सुखकर्ता
- B- पालन-कर्ता
- C- विघ्न विनाशक
- D- अकालमूर्त

प्रश्न 21- कौन सा पार्ट ज्ञान सागर बाप में भरा है, जो किसी मनुष्य-आत्मा में नहीं ?

- A- भक्तों की सम्भाल करने का
- B- सबको सुख देने का
- C- अविनाशी ज्ञान की बरसात करना
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 22- किसकी प्रवेशता के कारण मनुष्य जो कुछ कहेंगे वह असत्य ही कहेंगे, जिसको आसुरी मत कहा जाता है ?

- A- माया
- B- देह अभिमान
- C- विकारों
- D- क्रोध

प्रश्न 23- अल्लाह अवलदीन का भी नाटक है। क्या करने से बहिश्त निकल आता था ?

- A- जादू
- B- ठका
- C- टोना
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 24- शरीर और आत्मा दोनों को पवित्र बनाने के लिए क्या करना है?

- A- इस पुराने शरीर सहित सब कुछ भूलना है।
- B- अशरीरी बनना है।
- C- देहीभिमान बनना है।
- D- नष्टोमोहा बनना है।

प्रश्न 25- जो बाप से योग रखते हैं तो बाप भी आकर क्या करते हैं ?

- A- स्नेह करते
- B- याद करते
- C- सहयोग करते
- D- मदद करते

प्रश्न 26- मानसिक रोगों को दूर भगाने का साधन है ?

- A- साइन्स की शक्ति
- B- साइलेन्स की शक्ति
- C- पवित्रता की शक्ति
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 27- अनेक धर्म होने से क्या हुई है ?

- A- अपवित्रता
- B- दुःख
- C- अशान्ति
- D- क्लेश

प्रश्न 28- गीता शास्त्र कौन सी मत का शास्त्र है ?

- A- मनमत्
- B- निराकारी मत
- C- साकारी मत
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 29- शक्ति सेना की मुख्य हैं ?

- A- जगदम्बा
- B- काली
- C- सरस्वती
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 30- ध्यानी से कौन श्रेष्ठ है ?

- A- सहयोगी
- B- ज्ञानी
- C- योगी
- D- देही अभिमानी

प्रश्न 31- अथॉरिटी से किसके भगवान को सिद्ध करना है ?

- A- श्रीमद्भागवत गीता
- B- शास्त्रों
- C- गीता
- D- रामायण

प्रश्न 32- बाप ने रचता और रचना का ज्ञान देकर क्या बनाया है ?

- A- मास्टर सर्वशक्तिमान
- B- मास्टर जानी-जाननहार

C- मास्टर ज्ञान सांगर
D- उपरोक्त सभी

भाग (38) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *C.अविनाशी*

अब देही-अभिमानी कौन बनाता है? जो आत्माओं का अविनाशी बाप है। *अविनाशी माना जिसका आदि-मध्य-अन्त नहीं है।* अगर आत्मा का और परम आत्मा का आदि मध्य अन्त कहें तो फिर रचना का भी सवाल उठ जाए।

उत्तर 2- *D.जागती ज्योति*

बाप आकर आत्माओं से बात करते हैं कि हे आत्मायें तुम जागती ज्योति थी, फिर माया ने परछाया डाला। डालते-डालते तुमको धुन्धकारी बुद्धि बना दिया है।

उत्तर 3- *D.जीवन मुक्तिधाम*

बाप है पतित-पावन। *एक है मुक्ति-धाम पावन, दूसरा है जीवन मुक्तिधाम पावन।* फिर द्वापर के बाद सभी पतित बन जाते हैं। पाँच तत्व आदि सब तमोप्रधान बन जाते हैं

उत्तर 4- *C.पवित्रता*

पास्ट सो पास्ट कर इस अन्तिम जन्म में बाप को पवित्रता की मदद करनी है। तन-मन-धन से भारत को स्वर्ग बनाने की सेवा में लगना है।

उत्तर 5- *C.पारसबुद्धि*

पारसबुद्धि बनने के लिए बाप जो समझाते हैं उसे अच्छी तरह से समझना है, स्वयं में धारणा कर दूसरों को कराना है।

उत्तर 6- *D.उपरोक्त सभी*

निराकार बाप सभी का मात-पिता कैसे बनते हैं, वह सृष्टि की रचना किस विधि से करते हैं, यह बहुत ही गुह्य और गोपनीय राज है निराकार बाप माता बिगर सृष्टि तो रच नहीं सकते। कैसे वह शरीर धारण कर, उसमें प्रवेश कर उनके मुख से *बच्चे एडाएट करते हैं, यह ब्रह्मा पिता भी है तो माता भी हैं* - यह बात बहुत ही समझकर सिमरण करने वा स्मृति में रखने की है।

उत्तर 7- *C.हमें पुजारी से पूज्य बनना है*

बुद्धि में स्वदर्शन चक्र फिराते रहना है। हम पूज्य थे, फिर पुजारी बनें, 84 जन्मों का चक्र पूरा किया, फिर से ड्रामा रिपीट होना है, *हमें पुजारी से पूज्य बनना है - यह स्मृति ही स्वदर्शन चक्र है।*

उत्तर 8- *B.मनमनाभव*

एक मनमनाभव के महामंत्र से तुम समझदार बनते हो, यही मंत्र सब पापों से मुक्त करने वाला है मनमनाभव रहने वाले बच्चे सदा ज्ञान का विचार सागर मंथन करते रहेंगे। वह बाबा से मीठी-मीठी रूहरिहान करेंगे।

उत्तर 9- *D. A और B*

मनमनाभव रहने वाले बच्चे सदा ज्ञान का विचार सागर मंथन करते रहेंगे। वह बाबा से मीठी-मीठी रूहरिहान करेंगे

उत्तर 10- *C.सिनेमा*

अगर गन्दे चित्र देखने की, गन्दे समाचार पढ़ने की आदत पड़ी तो बाप की याद रह नहीं सकती। *सिनेमा है दोज़क का द्वार, जो वृत्तियों को खराब कर देता है।*

उत्तर 11- *A.100 परसेन्ट*

भक्ति मार्ग में टाइम वेस्ट ही होता आया है। कितनी भूलें होती हैं। भूल करते-करते भोले ही बन गये हैं। *यह लास्ट जन्म 100 परसेन्ट भूलों का ही है। जरा भी बुद्धि काम नहीं करती।* अब बाबा तुमको समझाते हैं, तब तुम समझते हो। अभी तुम सब समझ गये हो तो औरों को भी समझाते हो। खुशी का पारा भी तुम्हें चढ़ता है।

उत्तर 12- *B.ऊंच पद नहीं मिलेगा*

तुम बच्चों को खुशी का पारा चढ़ता है कि हम तमोप्रधान से सतोप्रधान बनें। अब ऊंच पद पाने लिए खूब पुरुषार्थ करना है। ऐसे नहीं स्वर्ग में तो सब जायेंगे। *अगर ज्ञान और योग की धारणा नहीं होगी तो ऊंच पद नहीं मिलेगा।*

उत्तर 13- *C.जीवनमुक्ति*

वो लोग चाहते हैं मुक्ति को पायें। *यहाँ तुम्हारी एम आबजेक्ट है जीवनमुक्ति को पाने की।* जीवन-मुक्ति पाने का कोई रास्ता बता न सके। संन्यासी आदि कोई भी यह नॉलेज दे न सके।

उत्तर 14- *D.सूक्ष्म वतन*

द्वापर से सब यादगार बनना शुरू होते हैं। सोमनाथ का मन्दिर है, परन्तु वह क्या करके गये हैं - यह कोई नहीं जानते। वह शिव शंकर को मिला देते हैं। *अब कहाँ शिव परमधाम के निवासी और कहाँ शंकर सूक्ष्मवतन के वासी।* कुछ भी समझते नहीं। बाप कहते हैं कितने भी वेद शास्त्र आदि कोई पढ़े, जप तप करे परन्तु मेरे से मिल नहीं सकते।

उत्तर 15- *A.कंसपुरी*

बाप कहते हैं मैं पराई रावण की दुनिया में आता हूँ। *एक तरफ है आसुरी गुणों वाली सम्प्रदाय। दूसरी तरफ है दैवीगुणों वाली सम्प्रदाय, इनको कंसपुरी भी कहते हैं।* कंस असुर को कहा जाता है। श्रीकृष्ण को देवता कहा जाता है। अब बाप आये हैं देवता बनाने और सबको वापिस ले जाने, और कोई की ताकत नहीं।

उत्तर 16- *A.जगत अम्बा*

लक्ष्मी के आगे ऐसी आशाएँ नहीं रखेंगे, उनसे सिर्फ धन मांगते हैं। *यह तो तुम जानते हो - जगत अम्बा सो लक्ष्मी, सो फिर 84 जन्मों का चक्र लगाकर फिर जगत अम्बा बनती है।* झाड़ में देखो जगत अम्बा बैठी है। यही फिर महारानी बनेंगी जरूर, तुम बच्चे भी राजधानी में आयेगे।

उत्तर 17- *B.युगे-युगे*

सतयुग के बाद त्रेता, फिर त्रेता के बाद द्वापर और कलियुग का संगम। कलियुग के बाद फिर सतयुग जरूर आयेगा। बीच में संगम जरूर चाहिए। *कल्प के संगमयुगे बाप आते हैं। उन्होंने कल्प अक्षर बदल सिर्फ युगे-युगे लिख दिया है।*

उत्तर 18- *C.यूरोपवासी यादव*

आपेही मनुष्यों को टच होगा कि कोई की प्रेरणा से यह विनाश ज्वाला की तैयारी हो रही है। *यूरोपवासी यादव बाम्ब्स बनाते हैं। वह भी कहते हैं हमको कोई प्रेरणा देने वाला है।* हम जानते हैं कि इससे हम अपने ही कुल का विनाश करते हैं। न चाहते हुए भी यह मौत का सामान बनाते हैं।

उत्तर 19- *A.बुद्धिबल*

बुद्धिबल से याद की सीढ़ी पर चढ़ना है। सीढ़ी चढ़ने से ही अपार सुख का अनुभव होगा। भोजन बनाने समय पति, बच्चा याद पड़ता है तो शिवबाबा क्यों नहीं पड़ सकता! यह तुम्हारा काम है। बाबा बुद्धि की सीढ़ी देते हैं फिर चढ़ो न चढ़ो, यह है तुम्हारा काम। जितना याद करेंगे उतनी सीढ़ी चढ़ते जायेंगे। नहीं तो इतना सुख नहीं मिलेगा। अच्छा!

उत्तर 20- *B.पालन-कर्ता*

अभी तुम बच्चे जानते हो कि यह जगत अम्बा, जगत पिता जो स्थापना अर्थ निमित्त बने हुए हैं, यही फिर स्वर्ग में पालन-कर्ता बनेंगे। मनुष्य तो जानते नहीं विष्णु कुल किसको कहा जाता है। विष्णु तो है सूक्ष्मवतनवासी, उनका फिर कुल कैसे हो सकता? अभी तुम जानते हो विष्णु के दो रूप लक्ष्मी-नारायण बन पालना करते हैं, राज्य करते हैं। यह है ज्ञान चिता।

उत्तर 21- *D.उपरोक्त सभी*

बाबा कहते - मुझ आत्मा में भक्तों की सम्भाल करने का, सबको सुख देने का पार्ट है। मैं ज्ञान सागर बाप सभी बच्चों पर अविनाशी ज्ञान की बरसात करता हूँ, जिन ज्ञान रत्नों का कोई मूल्य नहीं कर सकता। मैं लिब्रेटर हूँ, रूहानी पण्डा बन तुम आत्माओं को वापिस शान्तिधाम ले जाता हूँ। यह सब मेरा पार्ट है।

उत्तर 22- *A.माया*

बाप है सत्य, वह सब सत्य सुनाकर सच्चा सोना बना देते हैं। फिर माया असत्य बनाती है। *माया की प्रवेशता के कारण मनुष्य जो कुछ कहेंगे वह असत्य ही कहेंगे*, जिसको आसुरी मत कहा जाता है। बाप की है ईश्वरीय मत। आसुरी मत वाले झूठ ही बतायेंगे।

उत्तर 23- *B.ठका*

हातमताई का खेल दिखाते हैं। वह मुहलरा मुख में डालते थे तो माया गुम हो जाती थी। मुहलरा निकालते थे तो माया आ जाती थी। *अल्लाह अवलदीन का भी नाटक है। ठका करने से बहिश्त निकल आता था।* वह है बहिश्त अथवा स्वर्ग। तो बाप बैठ बहिश्त की स्थापना करते हैं ब्रह्मा द्वारा।

उत्तर 24- *A.इस पुराने शरीर सहित सबकुछ भूलना है*

एक तरफ पढ़ाई पूरी होगी और विनाश शुरू हो जायेगा। बाकी रिहर्सल तो होती रहेगी। तुमको इस पढ़ाई का फल फिर नई दुनिया में मिलना है। वहाँ आत्मा, शरीर, राजाई सब नया होता है। इसलिए *शरीर और आत्मा दोनों को पवित्र बनाने के लिए इस पुराने शरीर सहित सब कुछ भूलना है।* देह सहित बाप पर पूरा बलि चढ़ फ्लैन्थ्रोफिस्ट (महादानी) बनना है।

उत्तर 25- *D.मदद करते*

शिवबाबा कहते हैं - बच्चे, तुम मेरी ईश्वरीय औलाद हो, मेरे को याद करो। ऐसे और कोई कह न सके। मैं ही इनमें प्रवेश कर कह सकता हूँ। मैं ज्ञान सागर हूँ ना। तुम ज्ञानी तू आत्मा बन रहे हो। *तो जो बाप से योग रखते हैं तो बाप भी आकर मदद करते हैं।*

उत्तर 26- *B.साइलेन्स की शक्ति*

अनेक प्रकार के मानसिक रोगों को दूर भगाने का साधन है - साइलेन्स की शक्ति।

उत्तर 27- *C.अशान्ति*

तुम चाहते हो विश्व में शान्ति हो। वह तो सतयुग में थी। *पीछे अनेक धर्म होने से अशान्ति हुई है।* परन्तु जब तक कोई समझे तब तक माथा मारना पड़ता है। आगे चलकर अखबारों में भी पड़ेगा, फिर इन संन्यासियों आदि के भी कान खुलेंगे।

उत्तर 28- *B.निराकारी मत*

आत्मा मानती है कि हमारा परमपिता परमात्मा निराकार है। निराकार होने कारण, इन आंखों से न देखने कारण इतनी याद नहीं ठहरती। यह निराकार बाप निराकारी बच्चों (आत्माओं) को कहते हैं। तुमको निराकारी मत मिलती है। *गीता शास्त्र है ही निराकारी मत का।* साकारी मत का नहीं है। गीता धर्मशास्त्र है ना।

उत्तर 29- *D.उपरोक्त सभी*

यहाँ शिकार कराना है माताओं से। बाप कहते हैं शिकार माताओं के आगे ले आना है। मातायें बहुत हैं। नाम एक का बाला हो जाता है। तुम शक्ति सेना हो। शक्ति डिनायस्टी नहीं कहेंगे। *शक्ति सेना की मुख्य है जगदम्बा, काली, सरस्वती।* बाकी चण्डिका आदि उल्टे नाम भी बहुत रख दिये हैं।

उत्तर 30- *B.ज्ञानी*

परमपिता परमात्मा है ज्ञान का सागर। उन द्वारा तुम ज्ञानी तू आत्मा बनते हो। बाकी सब हैं भक्त तू आत्मा। बाप कहते हैं मुझे ज्ञानी तू आत्मा प्रिय लगते हैं। महिमा सारी गीता की है। *ध्यानी से ज्ञानी श्रेष्ठ हैं।* ध्यान ट्रांस को कहा जाता है। यह तो बाप से योग लगाना है। ध्यान में जाने से कोई भी फ़ायदा नहीं है।

उत्तर 31- *C.गीता*

माताओं को आगे रख उनका नाम बढ़ाना है। *अर्थोरेटी से गीता के भगवान को सिद्ध करना है।* 20 नाखून के जोर से सर्विस को बढ़ाना है।

उत्तर 32- B *जानी-जाननहार*

मीठे बच्चे - तुम ब्राह्मण ही गॉडली स्टूडेंट हो, *तुम्हें बाप ने रचता और रचना का ज्ञान देकर मास्टर जानी-जाननहार बनाया है* , अभी तुम सब कुछ जान जाते हो।

भाग - (39)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- आत्मा कहां जाना चाहती है ?

- A- सतयुग
- B- सूक्ष्म वतन
- C- आवाज से परे निर्वाणधाम
- D- साकार लोक में ही

प्रश्न 2- सभी को दुःख की दुनिया से छुड़ाते हैं, इसलिए बाबा को क्या कहते हैं ?

- A- लिब्रेटर
- B- गाइड
- C- पतित पावन
- D- मुक्ति जीवन-मुक्ति दाता

प्रश्न 3- प्युरिटी की रॉयल्टी किसकी रॉयल्टी देने से छुड़ा देती है ?

- A- विष्णुपुरी
- B- धर्मराजपुरी
- C- लंका पुरी
- D- कंसपुरी

प्रश्न 4- किस बात से बाप का तैलुक (सम्बन्ध) है ?

- A- कोई विपदा आती
- B- दुःख वा बीमारी आती
- C- देवाला मारते
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 5- सदा अपने को क्या समझकर चलो तो तुम्हारे सब दिन सुख से बीतेंगे ?

- A- त्रिनेत्री
- B- राजऋषि
- C- त्रिकालदर्शी
- D- त्रिलोकीनाथ

प्रश्न 6- कौन सा चांस तुम्हें अभी है फिर नहीं मिलेगा ?

- A- पुरुषार्थ कर पढ़ाई से ऊँच पद पाने का।
- B- नर से नारायण बनने का।
- C- स्वदर्शन चक्रधारी बनने का।
- D- योगबल जमा करने का।

प्रश्न 7- ब्राह्मण जब देवता बनते हैं तो उन्हीं को क्या नहीं कह सकते ?

- A- त्रिनेत्री
- B- त्रिकालदर्शी
- C- त्रिलोकीनाथ
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 8- किस एक बात से सर्वव्यापी की बात गलत हो जाती है ?

- A- जब आप आयेंगे तो हम आप पर वारी जायेंगे।
- B- हमको दुखों से छुड़ावो।
- C- हे पतित पावन आवो।
- D- उपरोक्त सभी।

प्रश्न 9- जो काम चिता से उतर ज्ञान चिता पर बैठते हैं-उनको क्या कहा जाता है ?

- A- पावन
- B- राजयोगी
- C- अधर कुमारी
- D- ज्ञानी

प्रश्न 10- जगत अम्बा सरस्वती को क्या कहते हैं ?

- A- कल्याणकारी
- B- ज्ञान की देवी
- C- गॉडिज आफ नॉलेज
- D- जगत की देवी

प्रश्न 11- आत्मा से कौनसी नॉलेज निकल गई है ?

- A- आत्मा व परमात्मा की
- B- बाप और रचना की
- C- सृष्टि चक्र का
- D- स्वदर्शन चक्र की

प्रश्न 12- जीवनमुक्ति किसे कहा जाता है ?

- A- संगमयुग को
- B- सतयुग को
- C- सहज राजाई को
- D- शान्तिधाम को

प्रश्न 13- पहले नम्बर में देवतायें गिने जाते हैं, दूसरे नंबर में गिने जाते हैं ?

- A- ब्रह्मा
- B- क्षत्रिय
- C- संन्यासी
- D- ब्राह्मण

प्रश्न 14- आत्मा को हमेशा क्या कहा जाता है ?

- A- अमर

- B- इमार्टल
- C- अजर
- D- अविनाशी

प्रश्न 15- बापदादा का सभी बच्चों से प्यार की निशानी है कि सब बच्चे क्या बन जायें ?

- A- सदा सहज स्वरूप
- B- सदा सहज सिद्धि स्वरूप
- C- मास्टर सर्वशक्तिवान
- D- मास्टर ज्ञानस्वरूप

प्रश्न 16- शिवबाबा है दादा, ब्रह्मा है बाबा, हम हैं पोत्रे पोत्रियां, यह क्या है ?

- A- ईश्वरीय परिवार
- B- ब्राह्मण परिवार
- C- ईश्वरीय कुटुम्ब
- D- गाँडली परिवार

प्रश्न 17- सतयुग में श्री लक्ष्मी-नारायण को क्या कहा जाता है ?

- A- विष्णु
- B- विश्व महाराजन-विश्व महारानी
- C- भगवान-भगवती
- D- लक्ष्मी नारायण

प्रश्न 18- बच्चों ने क्या साक्षात्कार किया है ?

- A- कैसे आग लगती है।
- B- मूसलधार बरसात पड़ती है।
- C- समुद्र आदि कैसे उछलते हैं।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 19- भगवान एक ही है जिसने किसको रचा ?

- A- भगवती
- B- ब्रह्मा
- C- देवता
- D- ब्राह्मण

प्रश्न 20- यह 5 चोर अन्दर बहुत घाटा डाल देते हैं, हम कितने साहूकार थे, 5 विकारों ने क्या बना दिया हैं ?

- A- कंगाल
- B- गरीब
- C- कौड़ी जैसा
- D- तंगहाल

प्रश्न 21- जिसने ज्ञान गंगा लाई वा ज्ञान अमृत लाया, उनका नाम कौन सा हैं ?

- A- भागीरथ
- B- अर्जुन
- C- दक्ष प्रजापति
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 22- देह सहित देह के सब सम्बन्धों के क्या बनो ?

- A- मेहमान
- B- अधिकारी
- C- ट्रस्टी
- D- न्यारे

प्रश्न 23- अबलाओं-गणिकाओं को भी पुरुषार्थ से विश्व का कौन सा राज्य मिल सकता है ?

- A- चंद्रवंशी राज्य
- B- सूर्यवंशी राज्य
- C- क्षत्रिय राज्य

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 24- कहाँ कर्म विकर्म होता नहीं, कर्म अकर्म होता है क्योंकि वहाँ माया है नहीं ?

- A- द्वापर में
- B- कलियुग में
- C- सतयुग में
- D- संगमयुग

प्रश्न 25- बाप तो बच्चों का मुंह पुरानी दुनिया से फेरकर किस तरफ करते हैं ?

- A- सतयुग
- B- नई दुनिया
- C- संगमयुग
- D- शान्तिधाम

प्रश्न 26- देवी देवताओं की मूर्ति बनाकर, पूजा आदि करके फिर डुबो देते हैं, इसको कहा जाता है ?

- A- भक्ति
- B- ब्लाइन्ड फेथ
- C- अंधविश्वास
- D- गुड़ियों की पूजा

प्रश्न 27- भगवान बच्चों को बैठ पढ़ाते हैं, क्या बनाने के लिए ?

- A- रार्ध-कृष्ण
- B- लक्ष्मी-नारायण।
- C- भगवान भगवती
- D- राम- सीता

प्रश्न 28- इब्राहम, बुद्ध आदि राजाई नहीं स्थापन करते, वह सिर्फ क्या स्थापन करते हैं ?

- A- ज्ञान
- B- धर्म स्थापन
- C- राज्य
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 29- परमपिता परम आत्मा, परे ते परे रहने वाला मनुष्य सृष्टि का क्या है ?

- A- पतित पावन
- B- मुक्ति-जीवनमुक्ती दाता
- C- बीजरूप
- D- गाइड

प्रश्न 30- सारी दुनिया में जो भी आत्मायें हैं सब क्या है ?

- A- रूद्र माला
- B- विजय माला
- C- 108 की माला
- D- रुण्ड माला

प्रश्न 31- माताओं के मुख से ज्ञान अमृत निकलता है जिससे सब पावन बन जाते हैं इसलिए भक्ति में किसका यादगार बना कर दिया है ?

- A- गऊमुख का
- B- नंदी का
- C- ज्ञान गंगा का
- D- ज्ञान अमृत का

प्रश्न 32- ऊंच ते ऊंच परमपिता परमात्मा शिव है फिर रचना रचते हैं किसकी ?

- A- ब्रह्मा
- B- विष्णु
- C- शंकर
- D- उपरोक्त सभी

भाग (39) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *C.आवाज से परे निर्वाणधाम*

वास्तव में यह गीत गाने की जरूरत नहीं है। परन्तु बहलाने के लिए यह आवाज करना पड़ता है। वास्तव में आत्मा को आवाज करने की दरकार नहीं। *आत्मा तो आवाज से परे निर्वाणधाम जाने चाहती है।* बहुत बाजे गाजे तालियां आदि सुनकर आत्मा थकी हुई है इसलिए अब बाप को याद करती है - हे भगवान मुझे ले जाओ।

उत्तर 2- *A.लिब्रेटर*

उन यात्राओं में तो जाकर फिर लौट आते हैं। परन्तु मुक्तिधाम से फिर वापिस आये ही क्यों? एक को रास्ता मिले तो सबको ले जाएं। अब एक बाप आया है तो तुम सबको रास्ता मिलता है ना। *सभी को दुःख की दुनिया से छुड़ाते हैं, इसलिए उनको लिब्रेटर कहते हैं।* उस निराकार को आने लिए शरीर चाहिए।

उत्तर 3- *B.धर्मराजपुरी*

जैसे शरीर की पर्सनैलिटी आत्माओं को देहभान में लाती है, ऐसे प्युरिटी की पर्सनैलिटी देही-अभिमानि बनाए बाप के समीप लाती है। प्युरिटी की पर्सनैलिटी आत्माओं को प्युरिटी की तरफ आकर्षित करती है, *प्युरिटी की रॉयल्टी धर्मराजपुरी की रॉयल्टी देने से छुड़ा देती है।* इसी रॉयल्टी अनुसार भविष्य रॉयल फैमली में आ सकेंगे।

उत्तर 4- *D.उपरोक्त सभी*

बाप बच्चों को शान्तिधाम, सुखधाम चलने का सीधा-सादा रास्ता बताते - बच्चे सिर्फ बाप को याद करो और पवित्र रहो। *बाकी तुम्हारे सामने कोई विपदा आती, दुःख वा बीमारी आती, देवाला मारते.. यह सब तुम्हारे अपने ही कर्मों का हिसाब है, इनसे बाप का कोई तैलुक नहीं।* बाप युक्तियां बताते हैं, कर्मबन्धन से छूटना हरेक बच्चे का काम है।

उत्तर 5- *B.राजऋषि*

"मीठे बच्चे - *सदा अपने को राजऋषि समझकर चलो तो तुम्हारे सब दिन सुख से बीतेंगे*, माया के घुटके से बचे रहेंगे"

उत्तर 6- *A.पुरुषार्थ कर पढ़ाई से ऊंच पद पाने का*

अभी थोड़ा समय है जिसमें पुरुषार्थ कर पढ़ाई से ऊंच पद पा सकते हो फिर यह चांस नहीं मिलेगा। यह जीवन बड़ा दुर्लभ है इसलिए कभी यह ख्याल नहीं आना चाहिए कि जल्दी मरें तो छूटें।

उत्तर 7- *D.उपरोक्त सभी*

स्वदर्शन चक्रधारी तो तुम ब्राह्मण कुल भूषण हो, जिनको परमपिता परमात्मा स्वदर्शन चक्रधारी अथवा त्रिकालदर्शी बनाते हैं। *वही जब देवता बनते हैं तो उन्हीं को त्रिनेत्री, त्रिकालदर्शी, त्रिलोकीनाथ नहीं कह सकते* क्योंकि अभी तो हम स्वर्ग की सीढ़ी ऊपर चढ़ते हैं। सतयुग से तो सीढ़ी नीचे उतरनी होती है।

उत्तर 8- *A.जब आप आयेंगे तो हम आप पर वारी जायेंगे*

कहते हैं हे बाबा *जब आप आयेंगे तो हम आप पर वारी जायेंगे... तो आना सिद्ध करता है वह यहाँ नहीं है।*

उत्तर 9- *C.अधर कुमारी*

अभी तुम प्रैक्टिकल में ब्रह्मा मुख वंशावली हो, तुम्हारा यादगार भी यहाँ है। अधरकुमारी का मन्दिर भी है ना। *जो काम चिता से उतर ज्ञान चिता पर बैठते हैं - उनको अधर कुमारी कहा जाता है।*

उत्तर 10- *C.गॉडेज ऑफ नॉलेज*

जगत अम्बा सरस्वती को गॉडेज आफ नॉलेज कहते हैं। तो जरूर सरस्वती की आत्मा में नॉलेज होगी। परन्तु उनमें कौन सी नॉलेज है, यह कोई को पता नहीं है। सिर्फ कह देते हैं गॉडेज ऑफ नॉलेज।

उत्तर 11- *B.बाप और रचना की*

बाप कहते हैं सिर्फ तुम्हारी आत्मा में नॉलेज नहीं है, मैं परमात्मा नॉलेजफुल हूँ - बस यह फ़र्क है। माया ने तुम्हारी आत्मा को पतित बना दिया है। बाकी कोई दीवा नहीं है, बुझा हुआ। सिर्फ *आत्मा से नॉलेज निकल गई है - बाप और रचना की।*

उत्तर 12- *B.सतयुग को*

बच्चों को ओम् शान्ति का अर्थ बिल्कुल सहज समझाया जाता है। हर एक बात सहज है। सहज राजाई प्राप्त करते हैं। कहाँ के लिए? *सतयुग के लिए। उनको जीवनमुक्ति कहा जाता है।* वहाँ रावण के यह भूत होते नहीं।

उत्तर 13- *C.संन्यासी*

वह पवित्र नहीं होते तो उनकी प्रजा भी वृद्धि को नहीं पाती। तो यह संन्यासियों ने भी अच्छा ही किया है। *पहले नम्बर में देवतायें गिने जाते हैं, दूसरे नम्बर में संन्यासी।* सारा मदार है ही पवित्रता पर।

उत्तर 14- *B.इमार्टल*

आत्मा को हमेशा इमार्टल कहा जाता है। वह कब जलती-मरती नहीं। हर एक आत्मा में पार्ट भरा हुआ है।

उत्तर 15- *B. सदा सहज सिद्धि स्वरूप*

बापदादा का सभी बच्चों से प्यार की निशानी है कि सब बच्चे सदा सहज सिद्धि स्वरूप बन जायें। आपके जड़ चित्रों द्वारा भक्त आत्मायें सिद्धि प्राप्त करती रहती हैं, तो चैतन्य में सिद्धि स्वरूप बने हो तब तो जड़ चित्रों द्वारा भी और आत्मायें सिद्धि प्राप्त करती रहती हैं।

उत्तर 16- *C. ईश्वरीय कुटुंब*

शिवबाबा है दादा, ब्रह्मा है बाबा, हम हैं पोत्रे पोत्रियां। यह ईश्वरीय कुटुंब है। दादा याद नहीं पड़ेगा तो वर्सा कैसे लेंगे? इसलिए दादे को जरूर याद करना है।

उत्तर 17- *C. भगवान - भगवती*

ऐसा तो कोई कालेज नहीं होगा जिसमें स्वयं भगवान बैठ पढ़ाये। यहाँ खुद भगवान बैठ पढ़ाते हैं भगवान-भगवती बनाने। *सतयुग में श्री लक्ष्मी-नारायण को भगवान-भगवती कहा जाता है।*

उत्तर 18- *D. उपरोक्त सभी*

अब इस सारी दुनिया का विनाश होना है। *बच्चों ने साक्षात्कार भी किया है - कैसे आग लगती है, मूसलधार बरसात पड़ती है, समुद्र आदि कैसे उछलते हैं।* यह सब साक्षात्कार किये हैं।

उत्तर 19- *A. भगवती*

बाप ने समझाया है कि *भगवान एक ही है जिसने भगवती को रचा।* बरोबर भगवानुवाच है। जैसे बैरिस्टर-वाच, सर्जन-वाच.. यह फिर है भगवानुवाच।

उत्तर 20- *A. कंगाल*

यह 5 चोर अन्दर बहुत घाटा डाल देते हैं। हम कितने साहूकार थे, 5 विकारों ने कितना कंगाल बना दिया है। इनका बड़ा सरदार है काम, सेकेण्ड नम्बर है क्रोध।

उत्तर 21- *D. उपरोक्त सभी*

कहते हैं बच्चा तो बना हूँ परन्तु हूँ छोटा बच्चा। हमको भी अपना वर्सा दे देना या हमारे ऊपर भी ज्ञान वर्षा करना। ज्ञान वर्षा तो होती है ना। *इनको भाग्यशाली रथ कहा जाता है, जिसने ज्ञान गंगा लाई वा ज्ञान अमृत लाया, उनके नाम बहुत हैं। भागीरथ भी है, अर्जुन भी है, दक्ष प्रजापति भी कहते हैं।* है तो एक ही प्रजापिता जो सभी को लक्ष्य देते हैं।

उत्तर 22- *C. ट्रस्टी*

देह सहित देह के सब सम्बन्धों के ट्रस्टी बनो, सबकी सम्भाल करते हुए किसी में भी ममत्व नहीं रखो"

उत्तर 23- *B. सूर्यवंशी राज्य*

कहते हैं बच्चे अभी जितना पुरुषार्थ कर स्वर्ग में ऊंच पद पाना हो सो पा लो। हर एक मनुष्य अपनी आजीविका के लिए कितना पुरुषार्थ करते हैं! कोई भी अच्छा पढ़े तो ऊंच पद पा सकते हैं। *यहाँ भी बाप कहते हैं अबलाओं -गणिकाओं को भी पुरुषार्थ से विश्व का सूर्यवंशी राज्य मिल सकता है।*

उत्तर 24- *C. सतयुग*

बाप कहते हैं मैं तुमको कर्म, अकर्म, विकर्म का राज समझाता हूँ। *सतयुग में कर्म विकर्म होता नहीं, कर्म अकर्म होता है क्योंकि वहाँ माया है नहीं।* अभी तो माया का राज्य है इसलिए कर्म विकर्म बन जाता है।

उत्तर 25- *B. नई दुनिया*

कितने अच्छे-अच्छे को माया पकड़ लेती है। देखती है कि यह कहाँ राफलत में है तो झट थप्पड़ लगा देती है। *बाप तो बच्चों का मुँह पुरानी दुनिया से फेरकर नई दुनिया तरफ करते हैं।*

उत्तर 26- *B. ब्लाइंड फेथ*

देवी देवताओं की मूर्ति बनाकर, पूजा आदि करके फिर डुबो देते हैं। *इस पर तुम्हारा एक गीत भी बना हुआ है, इसको कहा जाता है ब्लाइन्ड फेथ।*

उत्तर 27- *C. भगवान भगवती*

बाप आकर बच्चों को फरमान करते हैं, फिर कोई माने, न माने। श्रीमत भगवानुवाच। *भगवान बच्चों को बैठ पढ़ाते हैं। क्या बनायेंगे? जरूर भगवान भगवती बनायेंगे।* जो जैसा है वह ऐसा ही बनायेगा। निराकार भगवान बैठ निराकार आत्माओं को पढ़ाते हैं इस शरीर द्वारा।

उत्तर 28- *B.धर्म स्थापन*

बाप आकर सबको राज्य-भाग्य देते हैं। और कोई धर्म स्थापन करने वाले राज्य-भाग्य नहीं दे सकते। *इब्राहम, बुद्ध आदि राजाई नहीं स्थापन करते। वह सिर्फ धर्म स्थापन करते* फिर धर्म की वृद्धि होती है। उनको वास्तव में गुरू भी नहीं कहा जा सकता क्योंकि गुरू करते हैं सद्गति के लिए। वह तो आते हैं धर्म स्थापन करने, न कि सद्गति करने।

उत्तर 29- *C.बीजरूप*

बरोबर हमारा निराकार बाबा शिव हमको पढ़ाते हैं। हमारा बाप शिव है। अहम् आत्मा हैं। रूद्र कहें तो भी निराकार है। सिर्फ नाम अलग है, चीज़ एक ही है। *वह है परमपिता परम आत्मा, परे ते परे रहने वाला मनुष्य सृष्टि का बीजरूप।* सर्व आत्माओं का बाप। यह निराकार आत्मा बोलती है साकार शरीर से।

उत्तर 30- *A.रूद्र माला*

सारी दुनिया में जो भी आत्मायें हैं सब रूद्र माला है। बाप के सब बच्चे हैं। सारा सिजरा बनता है ना। मनुष्य बहुत बड़ा सिजरा रखते हैं फिर वह सरनेम पड़ जाता है। यह है श्री श्री शिवबाबा की माला।

उत्तर 31- *A.गऊमुख का*

क्योंकि संगम पर बाप ने ज्ञान का कलष माताओं के ऊपर रखा है। तुम माताओं के मुख से ज्ञान अमृत निकलता है जिससे सब पावन बन जाते हैं *इसलिए भक्ति में गऊमुख का यादगार बना दिया है।* तुम गऊ मातायें हो, तुम ही सबकी मनोकामनायें पूर्ण करती हो इसलिए यादगार बने हुए हैं।

उत्तर 32- *D.उपरोक्त सभी*

चाहे कोई भी हो, ब्रह्मा विष्णु शंकर को भी देवता कहा जाता, परमात्मा एक शिव है। शिव परमात्माए नमः, ब्रह्मा परमात्माए नमः नहीं कहेंगे। तो यह भी जो मन्दिर आदि हैं, उनके आक्यूपेशन को कोई नहीं जानते। *ऊंच ते ऊंच परमपिता परमात्मा शिव है फिर रचना रचते हैं ब्रह्मा-विष्णु-शंकर की।* शिव निराकार अलग है, शंकर आकारी देवता है। परमात्मा एक है, यह पहेली अच्छी रीति समझाना चाहिए।

भाग - (40)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- कौनसा पहला पाठ अच्छी तरह से रोज़ पक्का करते रहो ?

- A- हम अशरीरी आत्मा हैं।
- B- हम विदेही हैं
- C- हम देही अभिमानी हैं।
- D- हम ज्ञानी आत्मा हैं।

प्रश्न 2- सम्पूर्ण सरेन्द्र किसको कहा जायेगा ?

- A- वह देही-अभिमानी होंगे।
- B- तन-मन-धन वह बाबा को अर्पण करते।
- C- पूरे टूस्टी होकर रहेंगे।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 3- त्रेता अन्त तक कितने प्रिन्स-प्रिन्सेज होते हैं ?

- A- 16000
- B- 108
- C- 16108
- D- 9 लाख

प्रश्न 4- किसको कभी वर्से का नशा नहीं होगा ?

- A- माताओ
- B- कन्या
- C- भाईयों
- D- बांधेलियों

प्रश्न 5-ज्ञान अमृत है और योग क्या है ?

- A- याद
- B- अग्नि

- C- मग्न अवस्था
- D- बल

प्रश्न 6- बाप बच्चों को जो डायरेक्शन देते, वही ज्ञान है उसी पर चलने से क्या मिल जाती है ?

- A- स्वर्ग की राजाई
- B- लक्ष्मी-नारायण का राज्य
- C- स्वराज्य
- D- जीवन-मुक्ति

प्रश्न 7- आपस में अविनाशी ज्ञान रत्नों की लेन-देन करके एक दो की क्या करो ?

- A- महिमा
- B- पालना
- C- सेवा
- D- गुणगान

प्रश्न 8- गीता में है ही किस की बातें ?

- A- ज्ञान
- B- आत्मा
- C- राजयोग
- D- योग

प्रश्न 9- इनमें से कौन इकट्ठे नहीं हो सकते ?

- A- राम- सीता
- B- लक्ष्मी-नारायण
- C- राधे-कृष्ण
- D- कंस -कृष्ण

प्रश्न 10- यह ज्ञान है जैसे क्या, जो झट उड़ जाता है ?

- A- जल
- B- पारा
- C- अमृत
- D- बूंद

प्रश्न 11- ज्ञान का कौन सा अक्षर सभी से मीठा है ?

- A- मन्मनाभव
- B- मुक्ति -जीवनमुक्ती
- C- पतित पावन
- D- मामेकम्

प्रश्न 12- चैरिटी बिगेन्स एट होम अर्थात् पहले खुद को क्या समझ फिर भाईयों को समझाओ ?

- A- आत्मा
- B- ब्राह्मण
- C- निराकार
- D- ट्रस्टी

प्रश्न 13- गीता, भागवत, रामायण, महाभारत में जो लिखा हुआ है उसकी अब तुम क्या कर सकते हो ?

- A- किनारा कर
- B- पीठ कर
- C- प्रीत कर
- D- विमुख कर

प्रश्न 14- अन्त मे इब्राहम, क्राइस्ट आदि की आत्मायें आती हैं - क्या करने ?

- A- सलामी भरने
- B- लक्ष्य लेने
- C- दुआ लेने
- D- A और B

प्रश्न 15- गैलप करने का आधार क्या है ?

- A- सच्चे परवाने बनना।
- B- माया के तूफानों से सदा बचकर रहना।
- C- श्रीमत पर चलते रहना है।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 16- माया की मत पर चलते 100 परसेन्ट क्या बन पड़ते हैं ?

- A- पतित
- B- दुःखी
- C- दुर्भाग्यशाली
- D- अज्ञानी

प्रश्न 17- किसका नाम, रूप, देश, काल तो एक ही है, वह कभी बदलता नहीं ?

- A- परमपिता परमात्मा
- B- देवताओं
- C- ब्रह्मा
- D- विष्णु

प्रश्न 18- देवताओं से भी मर्तबा ऊंचा किसका है ?

- A- फरिश्तों
- B- ब्राह्मणों
- C- आत्माओं
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 19- आत्मा ऐसे ही शीतल है जैसे कौन शीतल है ?

- A- पवन
- B- पानी
- C- परमात्मा
- D- देवता

प्रश्न 20- किसकी मिलकियत को याद कर अपार खुशी में रहना है?

- A- दादे
- B- बाप
- C- साजन
- D- ब्राह्मण

प्रश्न 21- बाप की दिल में कौन सी शुभ आश सदा रहती है ?

- A- सुख देने की
- B- आप समान बनाने की
- C- ज्ञान रत्न देने की
- D- शान्ति देने की

प्रश्न 22- मन सबसे जास्ती हैरान करने वाला है, योग नहीं है तो मन क्या बन जाता है ?

- A- चंचल
- B- शैतान
- C- अस्थिर
- D- अशान्त

प्रश्न 23- जो ज्ञान से तुम्हारी सद्गति करते हैं, उसको क्या कहते हैं ?

- A- ज्ञान अमृत कहते हैं।
- B- मान सरोवर कहते हैं।
- C- अमृत कहते हैं।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 24- क्या बन मुख से ज्ञान रत्न निकालने हैं ?

- A- रुप बसन्त

- B- ज्ञानी तु आत्मा
- C- रूहानी जादूगर
- D- योगी तू आत्मा

प्रश्न 25- योग से ही ताकत आयेगी, अनेक जन्मों की पुरानी आदतें मिटेंगी, सर्वगुण धारण होंगे इसलिए क्या करो ?

- A- ज्ञान को धारण
- B- ज्ञान और योग
- C- बाप को याद
- D- धारणा और सेवा

प्रश्न 26- तुम बच्चे अभी किस माला का दाना बनने की रेस कर रहे हो ?

- A- रूद्र माला
- B- विजय माला
- C- वैजंती माला
- D- रूण्ड माला

प्रश्न 27- क्या बन बाप का नाम बाला करना है ?

- A- गाँडली स्टूडेंट
- B- गाँडली बुलबुल
- C- गाँडली फुल
- D- गाँड गाँडेज

प्रश्न 28- किस पर साइलेन्स की शक्ति का प्रयोग करो और सिद्धि स्वरूप बनो ?

- A- तन पर
- B- मन पर
- C- संस्कार पर
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 29- नर से नारायण, नारी से लक्ष्मी बनना इसको क्या कहा जाता है ?

- A- प्रालब्ध
- B- प्राप्ति
- C- इनाम
- D- सौभाग्य

प्रश्न 30- दूरदेशी बन तीनों लोकों और तीनों कालों को जान बुद्धि से रेस करनी है। इस से मुक्त होना है ?

- A- पतित दुनिया, पतित शरीर
- B- तमोप्रधान दुनिया, तमोप्रधान शरीर
- C- छी-छी दुनिया, छी-छी शरीर
- D- पापी दुनिया पापी शरीर

प्रश्न 31- जैसे बाबा फ़ाकदिल बन तुम बच्चों से क्या लेकर तुम्हें विश्व की बादशाही देते हैं ?

- A- कौड़ी
- B- 5 विकार
- C- कखपन
- D- माया

प्रश्न 32- इनमे से कौन सा सही है ?

- A- इस अन्तिम जन्म में तुम एक ही बार देही-अभिमानी बनते हो।
- B- सतयुग से कलियुग तक यह देही-अभिमानी बनने की शिक्षा कोई देता ही नहीं।
- C- इस समय ही देही-अभिमानी बनना पड़ता है क्योंकि अब शरीर छोड़ मेरे पास आना है।
- D- उपरोक्त सभी

भाग (40) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *A. हम अशरीरी आत्मा है*

जीते जी मरजीवा बनो, हम अशरीरी आत्मा हैं, यही पहला पाठ अच्छी तरह से रोज़ पक्का करते रहो"

उत्तर 2- *D.उपरोक्त सभी*

जो सम्पूर्ण सरेन्डर हैं वह देही-अभिमानि होंगे। यह देह भी हमारी नहीं, अभी हम नंगे बनते हैं अर्थात् *तन-मन-धन जो कुछ है, वह बाबा को अर्पण करते हैं। सब मेरा मेरा समाप्त कर पूरे टूस्टी होकर रहना ही सम्पूर्ण सरेन्डर होना है।* बाबा कहते - बच्चे, मेरा बनकर सबसे ममत्व मिटा दो। धन्या धोरी करो, सम्भालो, माँ बाप की पालना का कर्जा उतारो परन्तु बाप की श्रीमत पर टूस्टी होकर।

उत्तर 3- *C.16108*

16108 की माला बहुत बड़ी है। अन्त में आकर पूरी होगी। त्रेता अन्त तक इतने प्रिन्स-प्रिन्सेज बनते हैं। कुछ तो निशानी है ना। 8 की भी निशानी है, 108 की भी निशानी है। यह बिल्कुल राइट है। *त्रेता अन्त तक इतने 16108 प्रिन्स-प्रिन्सेज होते हैं।* शुरू में तो नहीं होंगे। पहले थोड़े होंगे फिर वृद्धि पाते जाते हैं। वह सब बनते यहाँ हैं, चांस अभी बहुत अच्छा है। परन्तु मेहनत बहुत है।

उत्तर 4- *B.कन्या*

बाप है ही गरीब निवाज़। सबसे गरीब मातायें हैं, उनसे भी जास्ती कन्यायें गरीब हैं। *कन्या को कभी वर्से का नशा नहीं होगा।* बच्चे को बाप की जागीर का नशा रहता है। तो वह सब छोड़ फिर वैकुण्ठ का वर्सा लेना पड़े।

उत्तर 5- *B.अग्नि*

ज्ञान अमृत है और योग अग्नि है, ज्ञान और योग से तुम्हारे सब दुःख-दर्द दूर हो जायेंगे।

उत्तर 6- *A.स्वर्ग की राजधानी*

बाप जब आते हैं तो बच्चों को जो डायरेक्शन देते, वही ज्ञान है *उसी पर चलने से स्वर्ग की राजाई मिल जाती है।*

उत्तर 7- *B.पालना*

आपस में अविनाशी ज्ञान रत्नों की लेन-देन करके *एक दो की पालना करो*, ज्ञान रत्नों का दान करते रहो।

उत्तर 8- *C.राजयोग*

यह बोर्ड बनाना बहुत सहज है। चाहे त्रिमूर्ति लगाओ वा शिव का लगाओ। नाम परमपिता परमात्मा शिव तो लगा हुआ है। *वह है गीता का भगवान। गीता में है ही राजयोग की बातें।* तब हम लिखते हैं दैवी स्वराज्य ईश्वरीय जन्म सिद्ध अधिकार है। यह है शिवबाबा और यह प्रजापिता ब्रह्मा, इन द्वारा वर्सा मिलता है।

उत्तर 9- *D.कंस-कृष्ण*

अभी तुम बच्चे जानते हो बेहद का बाप आकर हम बच्चों को फिर से राजयोग सतयुग के लिए सिखाते हैं। तुमको वैकुण्ठ का मालिक बनना है। कृष्णपुरी जाना है। *यह तो कंसपुरी है। कंस और कृष्ण इकट्ठे नहीं हो सकते।*

उत्तर 10- *B.पारा*

बच्चे बड़े होकर तख्त पर बैठेंगे तो मम्मा-बाबा सेकेण्ड नम्बर में चले जायेंगे। पहले वाले राजा-रानी फिर छोटे हो जायेंगे। तो पुरुषार्थ कर बाबा-मम्मा के तख्त पर जीत पहननी चाहिए। अभी नहीं जीत पानी है, भविष्य तख्त पर जीत पानी है, मम्मा-बाबा आकर तुम्हारा वारिस बनें। बाबा बच्चों को कितना अच्छी रीति समझाते हैं। *यह ज्ञान है जैसे पारा, जो झट उड़ जाता है।* कोई पास तो जरा भी धारणा नहीं है। वन्डर है ना!

उत्तर 11- *A.मनमनाभव*

यह है ज्ञान की सैक्रीन। सैक्रीन की एक बूंद भी कितनी मीठी होती है। *ज्ञान का भी एक ही अक्षर है मनमनाभव।* सभी से कितना मीठा है। अपने को आत्मा समझ और बाप को याद करो। बाप शान्तिधाम और सुखधाम का रास्ता बता रहे हैं। बाप आये हैं बच्चों को स्वर्ग का वर्सा देने। तो बच्चों को कितनी खुशी रहनी चाहिए।

उत्तर 12- *A.आत्मा*

चैरिटी बिगेन्स एट होम अर्थात् पहले खुद को आत्मा समझ फिर भाईयों को समझाओ। तो अच्छी रीति तीर लगेगा। यह जौहर भरना है। मेहनत करेंगे तब ही ऊँच पद पायेंगे। कुछ सहन भी करना पड़ता है।

उत्तर 13- *B.पीठ कर*

बाप का यह अन्तिम डायरेक्शन है - *मीठे-मीठे बच्चे अब जाना है परमधाम। गीता, भागवत, रामायण, महाभारत में जो लिखा हुआ है उसकी अब तुम पीठ कर सकते हो।* जो बाबा ने पहले सहज राजयोग सिखाया था, वो अब सिखला रहे हैं। भक्ति मार्ग के शास्त्रों में और अब प्रैक्टिकल की बातों में कितना रात दिन का फ़र्क है!

उत्तर 14- *D. A और B*

बाप कहते हैं अब मरना है। जरूर निर्वाणधाम में जाना है तो क्यों न कमाई करनी चाहिए। और धर्म वाले भी आकर लक्ष्य लेंगे। *बच्चों ने साक्षात्कार किया है - इब्राहम, क्राइस्ट आदि की आत्मायें आती हैं - सलामी भरने, लक्ष्य लेने।* बाकी नॉलेज नहीं लेंगे।

उत्तर 15- *D.उपरोक्त सभी*

जो अच्छे-अच्छे फूल हैं, जिनकी बुद्धि में ज्ञान का मंथन चलता रहता है उनकी अवस्था बहुत मस्त रहती है। ज्ञान और योग की शिक्षा दे खुशबू फैलाने वाले बच्चे बहुत प्रफुल्लित रहते हैं। *गैलप करने का आधार है सच्चे परवाने बनना। माया के तूफानों से सदा बचकर रहना। श्रीमत पर चलते रहना है।*

उत्तर 16- *C. दुर्भाग्यशाली*

ईश्वर की मत तुमको अब ही मिलती है। ईश्वरीय मत की रिजल्ट 21 जन्म तक चलती है। फिर आधा कल्प माया की मत पर चलते हैं। ईश्वर एक ही बार आकर मत देते हैं। माया तो आधा कल्प से है ही है। मत देती ही रहती है। *माया की मत पर चलते 100 परसेन्ट दुर्भाग्यशाली बन पड़ते हैं।*

उत्तर 17- *A. परमपिता परमात्मा*

परमपिता परमात्मा को हमेशा ऊपर में याद किया जाता है। क्राइस्ट को ऊपर में याद नहीं करेंगे। *परमपिता परमात्मा का नाम, रूप, देश, काल तो एक ही है। वह कभी बदलता नहीं।* तो यह बाप बैठ अच्छी रीति समझाते हैं।

उत्तर 18- *B. ब्राह्मणों*

वहाँ इन लक्ष्मी-नारायण आदि को भी पता थोड़ेही रहता है कि स्वर्ग के सुख हमको किसने दिये? अगर यह समझें तो फिर यह भी समझें कि इनसे पहले हम कौन थे? बड़ी वन्दरफुल बातें हैं। लक्ष्मी-नारायण को यह पता नहीं रहता कि यह राजधानी हमको किसने दी है। सिवाए तुम ब्राह्मणों के और कोई नहीं जानते। *तुम ब्राह्मणों का देवताओं से भी मर्तबा ऊंचा है।*

उत्तर 19- *C. परमात्मा*

ऐसे नहीं आत्मा कोई छोटी-बड़ी होती है। आत्मा में नॉलेज न होने कारण वह मैली हो जाती है। मुरझा जाती है। दीवा बुझ जाता है, फिर उसमें ज्ञान घृत पड़ने से दीवा जगता है। बाकी आत्मा क्या है? ऐसे नहीं कोई आग है। *आत्मा ऐसे ही शीतल है जैसे परमात्मा शीतल है।* वह है ही सभी को शीतल करने वाला।

उत्तर 20- *A. दादे*

21 जन्म तुम सदा सुख की प्रापर्टी लेते हो। परमपिता परमात्मा है दादा (ग्रेण्ड फादर)। बाबा कहेंगे ब्रह्मा को। कहते हैं यह प्रापर्टी हम दादे से ले रहे हैं। तुम जितना पुरुषार्थ करेंगे उतना दादे की प्रापर्टी मिलेगी। *दादे की मिलकियत को याद कर अपार खुशी में रहना है।* रूहानी धन्धा कर विश्व की बादशाही लेनी है।

उत्तर 21- *A. सुख देने की*

बाप की दिल में सदा ही बच्चों को सुख देने की आश रहती है। बेहद के बाप को कभी भी विकल्प वा बुरा कर्म करने का संकल्प, दुःख देने का संकल्प नहीं आ सकता क्योंकि वह है सुखदाता।

उत्तर 22- *B. शैतान*

वहाँ माया होती नहीं जो कोई का मन भटके। यहाँ तो मन माया के वश है। *मन सबसे जास्ती हैरान करने वाला है। योग नहीं है तो मन शैतान बन जाता है।* देखना है हम बाबा से कितना धन लेकर और फिर दान करते हैं। मम्मा बाबा भी तो तुम्हारे जैसे मनुष्य ही हैं।

उत्तर 23- *D. उपरोक्त सभी*

बाबा रूप बसन्त की कहानी सुनाते हैं, जिनके मुख से रत्न निकलते थे। बाकी तो सब भक्ति मार्ग के शास्त्र बना दिये हैं। सद्गति करने वाला एक ही बाप है, जो ज्ञान से तुम्हारी सद्गति करते हैं, *इसको ज्ञान अमृत भी कहा जाता है। मान सरोवर कहते हैं, अमृत भी कहते हैं।*

उत्तर 24- *A. रूप बसन्त*

तुम देही-अभिमानि बनने की कोशिश करेंगे तो माया फिर देह-अभिमानि बनाती रहेगी। यह लड़ाई नम्बरवन है। माया देह-अभिमानि बनाए एकदम खड्डे में डाल देती है, देरी नहीं करती। तो अपनी बुद्धि से काम लेना चाहिए। *रूप-बसन्त बन मुख से ज्ञान रत्न निकालने हैं।* योग से अपनी बुद्धि को सालिम बनाना है।

उत्तर 25- *C. बाप को याद*

मीठे बच्चे - *योग से ही ताकत आयेगी, अनेक जन्मों की पुरानी आदतें मिटेंगी, सर्वगुण धारण होंगे इसलिए जितना हो सके बाप को याद करो,* जितना बाबा को याद करेंगे उतनी ताकत आयेगी और गुण धारण नहीं करेंगे तो माया कदम-कदम पर थप्पड़ मारेगी।

उत्तर 26- *B. विजयमाला*

तुम हो ब्रह्माकुमार-कुमारियां परन्तु इस समय तुम्हारी माला नहीं है क्योंकि रेस चल रही है। *तुम बच्चे अभी विजय माला का दाना बनने की रेस कर रहे हो।* इस रेस में कोई कोई बहुत अच्छा दौड़ते हैं, कोई कोई थक जाते हैं। थकने का कारण है पढ़ाई पर पूरा ध्यान नहीं। मैनेर्स सुधरते नहीं। ऐसे बच्चों पर शक पड़ता कि यह कल नहीं रह सकेंगे।

उत्तर 27- *B. गाँडली बुलबुल*

यहाँ बच्चे भी ऐसे हैं, बिल्कुल बुद्धि में ठहरता नहीं है। नम्बरवार हैं, पता लग जाता है यह गॉडली बुलबुल है वा नहीं। हमेशा सपूत बच्चे ही दिल पर चढ़ते हैं, जो सर्विस पर तत्पर रहते हैं इसलिए *गॉडली बुलबुल बन बाप का नाम बाला करना है।*

उत्तर 28- *D.उपरोक्त सभी*

साइलेन्स की शक्ति का विशेष यंत्र है "शुभ संकल्प"। इस संकल्प के यंत्र द्वारा जो चाहो वह सिद्धि स्वरूप में देख सकते हो, इसका प्रयोग पहले स्व के प्रति करो। कर्मभोग - कर्म का कड़ा बंधन साइलेन्स की शक्ति से पानी की लकीर मिसल अनुभव होगा। *तो तन पर, मन पर, संस्कारों पर साइलेन्स की शक्ति का प्रयोग करो और सिद्धि स्वरूप बनो।*

उत्तर 29- *C.इनाम*

याद से ही विकर्म विनाश होंगे। याद नहीं करते हैं, तो विकर्म विनाश न होने के कारण पिछाड़ी में रह जाते हैं। प्रजा वा दास-दासी बनना यह कोई प्राइज़ नहीं है। *नर से नारायण, नारी से लक्ष्मी बनना इसको इनाम कहा जाता है।* बाप राजाई का इनाम देते हैं, अगर उनकी मत पर चल दौड़ी लगाई तो।

उत्तर 30- *C.छी-छी दुनिया,छी-छी शरीर*

तीनों कालों, तीनों लोकों की नॉलेज तुम्हारी बुद्धि में है। 84 जन्मों का ज्ञान और कोई में हो नहीं सकता। दूरादेशी बन तीनों लोकों और तीनों कालों को जान बुद्धि से रेस करनी है। *इस छी-छी दुनिया, छी-छी शरीर से मुक्त होना है।*

उत्तर 31- *C.कखपन*

जैसे बाबा फ़ाकदिल बन तुम बच्चों से कखपन ले तुम्हें विश्व की बादशाही देते हैं। ऐसे तुम्हें भी फ़ाकदिल बनना है। जगह-जगह पर गाडली युनिवर्सिटी खोल दो। 3-4 ने भी अच्छा पद पाया तो अहो सौभाग्य। सपूत बन सतगुरू का शो करो। कभी भी किसी से पैसा आदि नहीं मांगो।

उत्तर 32- *D.उपरोक्त सभी*

शिवबाबा को याद करो, देही-अभिमानी बनो। *इस अन्तिम जन्म में तुम एक ही बार देही-अभिमानी बनते हो। फिर सतयुग से कलियुग तक यह देही-अभिमानी बनने की शिक्षा कोई देता ही नहीं। इस समय ही देही-अभिमानी बनना पड़ता है क्योंकि अब शरीर छोड़ मेरे पास आना है।* देवतायें देही-अभिमानी क्यों बनें, उनको वापिस थोड़ेही जाना है।

भाग - (41)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- वैर रखने वाले को कौन से ब्राह्मण कहेंगे ?

- A- लौकिक ब्राह्मण
- B- कभी लौकिक कभी अलौकिक
- C- वैरी ब्राह्मण
- D- हाफ कास्ट ब्राह्मण

प्रश्न 2- ज्ञान सूर्य का चन्द्रमा कौन है ?

- A- कृष्ण
- B- स्वयं शिवबाबा
- C- सरस्वती
- D- ब्रह्मा

प्रश्न 3- याद के अभ्यास को सहज बनाने के लिए शिव बाबा को किस रूप में याद करना है ?

- A- कभी बाप रूप में
- B- कभी टीचर रूप में
- C- कभी सतगुरू रूप में
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 4- बाप समान क्या बनना है ?

- A- त्रिकालदर्शी
- B- त्रिनेत्री
- C- त्रिलोकीनाथ
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 5- तुम बच्चे जब तक किस अवस्था तक नहीं पहुँचेंगे तब तक यज्ञ की समाप्ति नहीं होगी ?

- A- ज्वाला स्वरूप स्थिति
- B- मरजीवा स्थिति
- C- कर्मातीत अवस्था
- D- फरिश्ता स्थिति

प्रश्न 6- रूद्र शिवबाबा द्वारा रचे हुए यज्ञ और मनुष्यों द्वारा रचे जा रहे यज्ञों में मुख्य अन्तर क्या है ?

- A- मनुष्य जो भी यज्ञ रचते, उसमें जौ-तिल आदि स्वाहा करते, वह मैटेरियल यज्ञ हैं।
- B- यह अविनाशी ज्ञान यज्ञ है, इसमें सारी पुरानी दुनिया स्वाहा हो जाती है।
- C- वह यज्ञ अधिक समय तक चलता है, जब तक यह यज्ञ विनाश न हो तब तक चलता रहेगा।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 7- राजाओं को श्री टाइटिल कभी नहीं देते थे, बल्कि उन्हें कहते हैं ?

- A- हिज हाइनेस
- B- हिज होलिनेस
- C- हिज हैप्पीनेस
- D- हिज हैजिनेस

प्रश्न 8- सभी बच्चों की अवस्था को मजबूत बनाने के लिए बाप कौन सी चैलेन्ज करते हैं ?

- A- भोजन बनाते हुए पूरा समय याद में रहकर दिखाओ।
- B- सच्ची- सच्ची पवित्रता की प्रतिज्ञा करो।
- C- लास्ट सो फ्रास्ट आने का पुरुषार्थ करो।
- D- फरिश्ता स्वरूप बनकर दिखाओ।

प्रश्न 9- परमात्म प्यार द्वारा जीवन में सदा अतींद्रिय सुख व आनंद की अनुभूति करना ही क्या है ?

- A- सहजयोग
- B- मौजों का जीवन
- C- जीवन जीने की कला
- D- राजयोग

प्रश्न 10- कौन सा नाम सदा याद रहे तो सेवा में स्वतः खुदाई जादू भर जायेगा ?

- A- अथक सेवाधारी हूँ
- B- खुदाई खिदमतगार हूँ
- C- निमित्त हूँ
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 11- पद का आधार पढ़ाई पर है, पढ़कर फिर पढ़ाना है, गली-गली में जाकर बाप का देना है ?

- A- सन्देश
- B- परिचय
- C- ज्ञान
- D- पैगाम

प्रश्न 12- तुम बच्चों को किस इच्छा से परे रहकर सेवा में लगे रहना है ?

- A- किसी से पैसा लेने की इच्छा।
- B- दूसरों को आपसमान बनाने में लगे रहना।
- C- वाचा या कर्मणा सेवा करना।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 13- में समान रहने वाले ही योगी तू आत्मा हैं ?

- A- निंदा-स्तुति
- B- मान-अपमान
- C- हानि-लाभ
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 14- याद से ही कर्मभोग चुक्ती हो कौन सी अवस्था होगी ?

- A- अशरीरी अवस्था

- B- कर्मातीत अवस्था
- C- फरिश्ता अवस्था
- D- ज्वालास्वरूप अवस्था

प्रश्न 15- तुम्हारे दर पर कोई भी आये उसे कुछ न कुछ ज्ञान धन देना है, सबसे पहले क्या करना है ?

- A- स्वयं का परिचय दो
- B- फॉर्म भराओ फिर बाप का परिचय दो
- C- आत्मा और परमात्मा का परिचय दो
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 16- पहले-पहले कौन सी प्रैक्टिस करो ?

- A- हम आत्मा हैं।
- B- परमात्मा हमारा बाप हैं।
- C- स्वदर्शन चक्र फिराना हैं।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 17- निम्नलिखित में से सही कथन नहीं है ?

- A- बाबा को याद करते-करते सुखधाम चले जायेंगे।
- B- अपने को आत्मा समझ मुझ बाप को याद करो, नहीं तो माया रूपी जिन्न तुमको खा जायेगा।
- C- अब एक को याद करेंगे तो वर्सा पा सकेंगे।
- D- उपरोक्त सभी सही हैं।

प्रश्न 18- सभी मोक्ष अथवा मुक्ति के लिए ही पुरुषार्थ करते हैं क्योंकि-

- A- संसार में बहुत दुःख है।
- B- यह दुनिया कब्रिस्तान है।
- C- इस भम्भोर को आग लगनी है।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 19- बाप को याद कहाँ नहीं किया जाता है ?

- A- दुःखधाम में
- B- अशान्तिधाम में
- C- सुखधाम में
- D- सूक्ष्मलोक में

प्रश्न 20- तुम्हारा मगज़ (दिमाग) खुशी से सदा भरपूर होना चाहिए क्योंकि-

- A- तुम रोज खुशी की खुराक खाते हो।
- B- तुम अभी बाप के समान मास्टर नॉलेजफुल बने हो।
- C- तुमको ही ड्रामा के आदि-मध्य-अन्त, रचता और रचना का ज्ञान है।
- D- ज्ञानी तू आत्मा बने हो।

प्रश्न 21- श्री श्री की श्रेष्ठ मत से ही हम श्रेष्ठ बन किस माला का दाना बनेंगे ?

- A- विष्णु की माला
- B- रूद्र की माला
- C- अष्ट रत्नों की माला
- D- विजयमाला

प्रश्न 22- दीपमाला कहाँ होगी ?

- A- कलियुग में।
- B- सतयुग में।
- C- संगमयुग में।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 23- इनमे से कौन सा सही नहीं है ?

- A- बाप के दिल पसन्द गिफ्ट है, चलता-फिरता फरिश्ता स्वरूप।
- B- फरिश्ते रूप में कोई भी विघ्न आपको प्रभाव नहीं डालेगा।

C- जैसे स्टार चमकता है ऐसे आपका फरिश्ता रूप चमकेगा।
D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 24- चाहे पांच ही तत्व या आत्मायें कितना भी सामना करें लेकिन वो सामना करेंगे और आप समाने की शक्ति से उस सामना को समा लेंगे क्योंकि?

- A- डायमंड बनना है।
- B- अटल निश्चय है
- C- श्रेष्ठ आत्माएं हैं।
- D- मायाजीत है।

प्रश्न 25- ब्राह्मण जीवन का श्रेष्ठ लक्ष्य है ?

- A- पवित्रता का व्रत लेना
- B- संगमयुगी मर्यादा पुरुषोत्तम बनना
- C- बाप समान बनना
- D- योगी बनना

प्रश्न 26- इनमें से सही नहीं है ?

- A- सारा मदार योग पर है।
- B- तुम ब्राह्मणों को पढ़ना और पढ़ाना है।
- C- सच्ची गीता सुनानी है।
- D- सभी सही है।

प्रश्न 27- सद्भक्ति का लक्षण कौन सा नहीं है ?

- A- सर्वगुण सम्पन्न
- B- 16 कला सम्पूर्ण
- C- ज्ञान का सागर
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 28- बेहद के बाप द्वारा तुम पुरुषार्थ कर कितने जन्मों की प्रालब्ध बना रहे हो ?

- A- 21 जन्मों की
- B- 8 जन्मों की
- C- अनेक जन्मों की
- D- 63 जन्मों की

प्रश्न 29- बाप से सर्व सम्बन्ध रखो तो क्या खलास हो जायेगा ? माया बन्धन में बांधती और बाप बन्धनों से मुक्त कर देते हैं।

- A- देह के सम्बन्ध
- B- बन्धन
- C- माया का सम्बन्ध
- D- देह अभिमान

प्रश्न 30- जीते जी मर जाना ही क्या बनना है ?

- A- मरजीवा
- B- निर्बन्धन
- C- अशरीरी
- D- उपराम

प्रश्न 31- अपने आपसे बातें करनी है कि -

- A- हमें तो अब वापस जाना है।
- B- अब पुरानी दुनिया के अन्त का समय है।
- C- हमारा पार्ट पूरा हुआ।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 32- निम्नलिखित में से कौन सा वाक्य सही नहीं है ?

- A- देह से कर्म करते हुए भी यह निश्चय करो कि हम पार्ट बजा रहे हैं।
- B- हम पवित्र बन तन-मन-धन से सेवा करते हैं। परन्तु पहले नष्टोन्मोहा चाहिए।

C- देही-अभिमानि बनो तो सब सम्बन्ध समाप्त हो जायेंगे।

D- उपरोक्त सभी सही है।

भाग (41) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *D.हाफ कास्ट ब्राह्मण*

वह है निराकार, निर्भय, निर्वैर.... उनका कोई के साथ वैर नहीं है। तुम्हारा भी कोई के साथ वैर नहीं है। तुम सबके कल्याणकारी हो। *अगर किसका वैर है तो उनको हाफ कास्ट कहेंगे।* आधा शूद्र, आधा ब्राह्मण। यह विकारों की खाद कम्पलीट निकल जायेगी तब सच्चा ब्राह्मण कहेंगे।

उत्तर 2- *D.ब्रह्मा*

तुम हो लक्की सितारे। यह सरस्वती भी लक्की सितारा है। ब्रह्मा की बेटी है ना। *उस ज्ञान सूर्य का चन्द्रमा तो यह (ब्रह्मा) है ना।* परन्तु यह मेल होने कारण माता पर कलष रखा जाता है।

उत्तर 3- *D.उपरोक्त सभी*

मीठे बच्चे - *याद के अभ्यास को सहज बनाने के लिए बाप को कभी बाप रूप में, कभी टीचर रूप में तो कभी सतगुरू रूप में याद करो*

उत्तर 4- *D.उपरोक्त सभी*

वह है अमरलोक, यह है मृत्युलोक। मृत्युलोक में बैठ कथा सुनाते हैं अमर-लोक में जाने लिए। तुम बच्चों को आप समान बनाकर साथ ले जाते हैं। ज्ञान सागर के बच्चे तुम भी मास्टर ज्ञान सागर बन जाते हो। *बाप समान त्रिकालदर्शी, त्रिनेत्री, त्रिलोकीनाथ बनना है।* बाप की महिमा में स्वयं को मास्टर बनाना है।

उत्तर 5- *C.कर्मातीत अवस्था*

वह यज्ञ थोड़े समय तक चलते, यह यज्ञ जब तक विनाश न हो तब तक चलता रहेगा। *जब तुम बच्चे कर्मातीत अवस्था तक पहुँचेंगे तब यज्ञ की समाप्ति होगी।*

उत्तर 6- *D.उपरोक्त सभी*

मनुष्य जो भी यज्ञ रचते, उसमें जौ-तिल आदि स्वाहा करते, वह मैटेरियल यज्ञ हैं। बाप ने जो यज्ञ रचा है यह अविनाशी ज्ञान यज्ञ है, इसमें सारी पुरानी दुनिया स्वाहा हो जाती है। वह यज्ञ थोड़े समय तक चलते, यह यज्ञ जब तक विनाश न हो तब तक चलता रहेगा।

उत्तर 7- *A.हिज हाइनेस*

वास्तव में श्री लक्ष्मी, श्री नारायण सतयुग में ही कहा जाता है। *राजाओं को श्री का टाइटिल कभी नहीं देते थे। उनको फिर हिज हाइनेस कहते हैं*

उत्तर 8- *A.भोजन बनाते हुए पूरा समय याद में रहकर दिखाओ*

बच्चे, *भोजन बनाते हुए पूरा समय याद में रहकर दिखाओ - यह बाप बच्चों को चैलेन्ज करते हैं।* शिवबाबा की याद में भोजन बनायेंगे तो ताकत भर जायेगी, अवस्था बहुत अच्छी हो जायेगी।

उत्तर 9- *A.सहजयोग*

परमात्म प्यार द्वारा जीवन में सदा अतीन्द्रिय सुख व आनंद की अनुभूति करना ही सहजयोग है।

उत्तर 10- *B.खुदाई खिदमतगार हूँ*

जब खुदा को खिदमत से जुदा कर देते हो तो अकेले होने के कारण सफलता की मंजिल दूर दिखाई देती है इसलिए *सिर्फ खिदमतगार नहीं, लेकिन खुदाई खिदमतगार हूँ - यह नाम सदा याद रहे तो सेवा में स्वतः खुदाई जादू भर जायेगा*

उत्तर 11- *B.परिचय*

"मीठे बच्चे - *पद का आधार पढ़ाई पर है, पढ़कर फिर पढ़ाना है, गली-गली में जाकर बाप का परिचय देना है"*

उत्तर 12- *A.किसी से पैसा लेने की इच्छा*

तुम रहमदिल बच्चे हो, *तुम्हें किसी से पैसा लेने की इच्छा नहीं रखनी है।* इस इच्छा से परे रहकर दान करने की सेवा में, दूसरों को आपसमान बनाने में लगे रहना है।

उत्तर 13- *D.उपरोक्त सभी*

निंदा-स्तुति, मान-अपमान, हानि-लाभ में समान रहने वाले ही योगी तू आत्मा हैं।

उत्तर 14- *B.कर्मतीत अवस्था*

निरन्तर याद में रहना - यह है सबसे ऊंची मंजिल। *याद से ही कर्मभोग चुकूँ हो कर्मतीत अवस्था होगी।*

उत्तर 15- *B.फॉर्म भराओ फिर बाप का परिचय दो*

"मीठे बच्चे - तुम्हारे दर पर कोई भी आये उसे कुछ न कुछ ज्ञान धन देना है, पहले फॉर्म भराओ फिर दो बाप का परिचय दो"

उत्तर 16- *A.हम आत्मा हैं*

बच्चों को समझाया है *पहले-पहले प्रैक्टिस करो हम आत्मा हैं।* देह-अभिमानी बनने से संबंध याद आता है - यह चाचा है, मामा है.....।

उत्तर 17- *A.बाबा को याद करते- करते सुखधाम चले जायेंगे*

बाबा ने जिन्न का काम दे दिया है - *अपने को आत्मा समझ मुझे याद करो, नहीं तो माया रूपी जिन्न तुमको खा जायेगा। बाबा को याद करते-करते पहले शान्तिधाम जायेंगे।*

अब एक को याद करेंगे तो वर्सा पा सकेंगे। नहीं तो राजाई का वर्सा पूरा पा नहीं सकेंगे, फिर प्रजा में चले जायेंगे

उत्तर 18- *A.क्योंकि संसार में बहुत दुःख है*

सभी मोक्ष अथवा मुक्ति के लिए ही पुरुषार्थ करते हैं क्योंकि संसार में बहुत दुःख है इसलिए मोक्ष अथवा मुक्ति चाहते हैं।

उत्तर 19- *C.सुखधाम में*

बाप भी कहते हैं शान्तिधाम और सुखधाम को याद करो। *सुखधाम में बैठ थोड़े ही याद किया जाता है।* याद किया जाता है दुःखधाम में, अशान्तिधाम में।

उत्तर 20- *B.तुम अभी बाप के समान मास्टर नॉलेजफुल बने हो*

मीठे बच्चे - *तुम्हारा मगज़ (दिमाग) खुशी से सदा भरपूर होना चाहिए क्योंकि तुम अभी बाप के समान मास्टर नॉलेजफुल बने हो"*

उत्तर 21- *B.रूद्र की माला*

तुम जानते हो हम ब्राह्मण यज्ञ के सर्वेन्ट हैं। हम ब्राह्मण ब्रह्मा के सच्चे मुख वंशावली हैं तो बाबा जो मुख से कहे वह मानना पड़े। *श्री श्री की श्रेष्ठ मत से ही हम श्रेष्ठ बन, रूद्र की माला का दाना बनेंगे।* सिजरा बनाते हैं - वासवानी सिजरा, कृपलानी सिजरा....। तो ऊपर में है शिवबाबा, उनका है निराकारी सिजरा। निराकारी सिजरा वह फिर साकारी सिजरा होता है।

उत्तर 22- *B.सतयुग में*

योग लगाने से जैसे घृत पड़ता जाता है। आत्मा अविनाशी है ना। तो आत्मा की ज्योति सारी उझाई नहीं जाती है। तो अब योगबल का घृत डालना है। सदैव के लिए फिर दीपमाला, सोझरा हो जायेगा। *दीपमाला अर्थात् घर-घर में सोझरा। तो दीपमाला कहाँ होगी? सतयुग में* यहाँ नहीं। यह सब राज़ तुम समझते हो, तुम्हारे पास ब्लाइन्डफेथ नहीं है

उत्तर 23- *C.जैसे स्टार चमकता है ऐसे आपका फरिश्ता रूप चमकेगा*

बाप के दिल पसन्द गिफ्ट है चलता-फिरता फरिश्ता स्वरूप। तो फरिश्ता समान बन जाओ। फरिश्ते रूप में कोई भी विघ्न आपको प्रभाव नहीं डालेगा। आपके संकल्प, वृत्ति, दृष्टि - सब डबल लाइट हो जायेंगे। तो गिफ्ट देने के लिए तैयार हो? (हाँ जी) देखना आपका टेप भी हो रहा है। अच्छी बात है *गोल्डन दुनिया को लाने के लिए फरिश्ते बनेंगे तो जैसे हीरा चमकता है ऐसे आपका फरिश्ता रूप चमकेगा।* ये अभ्यास अच्छी तरह से करते रहो।

उत्तर 24- *B.अटल निश्चय है*

जो दृढ़ निश्चय रखते हैं तो निश्चय की विजय कभी टल नहीं सकती। *चाहे पांच ही तत्व या आत्मार्थ कितना भी सामना करें लेकिन वो सामना करेंगे और आप समाने की शक्ति से उस सामना को समा लेंगे क्योंकि अटल निश्चय है* ये 60 वर्ष जो स्थापना के चले इसमें भी आदि से कमाल ब्रह्मा बाप और अनन्य बच्चों का रहा। कभी निश्चय में हलचल नहीं हुई। विजय हुई पड़ी है, यही बोल सदा ब्रह्मा बाप के रहे।

उत्तर 25- *B.संगमयुगी मर्यादा पुरुषोत्तम बनना*

संगमयुगी मर्यादा पुरुषोत्तम बनना - यही ब्राह्मण जीवन का श्रेष्ठ लक्ष्य है।

उत्तर 26- *A.सारा मदार योग पर है*

बाबा कहते - बच्चे, ऊँच तकदीर बनानी है तो सर्विस करो। अगर खाया और सोया, सर्विस नहीं की तो ऊँची तकदीर नहीं बना सकेंगे। सर्विस के बिगर खाना हराम है, *इसलिए बाबा सावधान करते। सारा मदार पढ़ाई पर है।* तुम ब्राह्मणों को पढ़ना और पढ़ाना है,

सच्ची गीता सुनानी है। बाप को रहम पड़ता है इसलिए हर बात की रोशनी देते रहते हैं।

उत्तर 27- *C.ज्ञान का सागर*

सतयुग में देवतायें सद्गति में थे। फिर बाप ही आकर सद्गति करते हैं। सर्वगुण सम्पन्न, 16 कला सम्पूर्ण..... यह हैं सद्गति के लक्षण। *यह कौन देते हैं? बाप। उनके फिर लक्षण क्या हैं? वह ज्ञान का सागर है, आनन्द का सागर है।* उनकी महिमा बिल्कुल अलग है। ऐसे नहीं कि सब एक ही हैं। एक बाप के बच्चे सभी आत्मायें हैं। प्रजापिता के ही औलाद होते हैं।

उत्तर 28- *C.अनेक जन्मों की*

यह बना बनाया ड्रामा है। अभी भगवान यह सूर्यवंशी, चन्द्रवंशी राजधानी स्थापन कर रहे हैं। *तुम्हारी भविष्य के लिए प्रालम्ब बनाते हैं। अभी तुम पुरुषार्थ कर अनेक जन्मों की प्रालम्ब बना रहे हो बेहद के बाप द्वारा,* जो बाप स्वर्ग का रचयिता है। यह बातें समझने की हैं।

उत्तर 29- *B.बन्धन*

बाप से सर्व सम्बन्ध रखो तो बन्धन ख़लास हो जायेंगे, माया बन्धन में बांधती और बाप बन्धनों से मुक्त कर देते हैं।

उत्तर 30- *B.निर्बन्धन*

निर्बन्धन अर्थात् अशरीरी। देह सहित देह का कोई भी सम्बन्ध बुद्धि को अपनी तरफ न खींचे। देह-अभिमान में ही बन्धन है। देही-अभिमानि बनो तो सब बन्धन समाप्त हो जायेंगे। *जीते जी मर जाना ही निर्बन्धन बनना है*। बुद्धि में रहे अब अन्त का समय है, नाटक पूरा हुआ, हम बाप के पास जाते हैं तो निर्बन्धन बन जायेंगे।

उत्तर 31- *D.उपरोक्त सभी*

बाप कहते हैं इन सबसे योग हटाए मुझ एक को याद करो। योग मुझ एक के साथ लगाओ। देह-अभिमान में नहीं आओ। देह से कर्म करते हुए भी यह निश्चय करो कि हम पार्ट बजा रहे हैं। *इस पुरानी दुनिया का अब अन्त है, अभी हमको वापिस जाना है, देह सहित देह के सब सम्बन्धों से उपराम होना है*। ऐसे-ऐसे अपने साथ बातें करनी है।

उत्तर 32- *C.देही-अभिमानि बनो तो सब संबंध समाप्त हो जायेंगे*

देह-अभिमान में ही बन्धन है। *देही-अभिमानि बनो तो सब बन्धन समाप्त हो जायेंगे।*

भाग - (42)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- फीचर्स में किसकी झलक हो तो अनेक आत्माओं का प्युचर श्रेष्ठ बना सकते हो ?

- A- सुख
- B- शान्ति
- C- खुशी
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 2- तुम बच्चों के अन्दर कौन सा ज्ञान हर वक्त गूँजना चाहिए ?

- A- ड्रामा का ज्ञान
- B- सृष्टि चक्र का ज्ञान
- C- आदि-मध्य- अन्त का ज्ञान
- D- स्वदर्शन चक्र फिराने का ज्ञान

प्रश्न 3- बुद्धि को यहाँ -वहाँ भटकाने के बजाए घर में बाप को याद करो, दूर-दूर तक बुद्धि को ले जाओ इसे ही कहा जाता है ?

- A- बुद्धि की यात्रा
- B- परमधाम की यात्रा
- C- घर जाने की यात्रा
- D- याद की यात्रा

प्रश्न 4- अपने आप हो तो किसी भी प्रकार का टेन्शन आ नहीं सकता ?

- A- रूहानियत की झलक
- B- नेचुरल अटेन्शन
- C- बाप की दिव्य दृष्टि से स्वयं में शक्ति जमा हो
- D- याद की अटेन्शन

प्रश्न 5- तुमको कौन सी बड़ी दुआयें मिल रही हैं ?

- A- धनवान भव
- B- पुत्रवान भव
- C- आयुष्मान भव
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 6- किस समय मन-बुद्धि से मुझ बाप को याद करों, तो साथ-साथ भारत को दैवी राजस्थान बनाने की सेवा करोगे ?

- A- अमृतवेला
- B- प्रभात
- C- रात
- D- नुमाशाम

प्रश्न 7- क्या बनकर साक्षी हो हर आत्मा का पार्ट देखो और सकाश दो ?

- A- त्रिकालदर्शी
- B- मास्टर गाँड
- C- फरिश्ता
- D- गाँड गाडेज

प्रश्न 8- निम्नलिखित में कौन सा वाक्य सही नहीं है-

- A- योगबल से आत्मा को पावन बनाने का पुरुषार्थ करना है।
- B- सूर्यवंशी-चन्द्रवंशी जो भी हैं, यह सारी माला विष्णु की है।
- C- तुम सब सीतायें हो, आग से पार होती हो।
- D- उपरोक्त सभी सही है।

प्रश्न 9- ज्ञानी तू आत्मा का पहला लक्षण है-

- A- वह सभी का भला चाहेंगे।
- B- वह सभी के स्नेही और सहयोगी होंगे।
- C- वह सभी के मददगार बन जाएंगे।
- D- वह सभी के साथ अति मीठा व्यवहार करेंगे।

प्रश्न 10- बाप को अति प्रिय कौन है ?

- A- ज्ञान की शंखध्वनि करने वाले
- B- बाप का परिचय देने वाले
- C- ज्ञान स्नान करने वाले
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 11- इस कलियुग में किस चीज़ का देवाला निकल चुका है ?

- A- पवित्रता का
- B- सुख का
- C- शान्ति का
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 12- इनमे से कौनसा सही नहीं है?

- A- अब जो करेगा सो पायेगा। बाप को याद नहीं करते तो वर्सा भी नहीं पायेंगे।
- B- तुम जानते हो, सिर्फ पूरा पुरुषार्थ नहीं करते हो, वह भी ड्रामा अनुसार होना है, जितना जिसकी तकदीर मे है।
- C- बाप भी समझ जाते हैं - यह बच्चा कुछ भी सर्विस नहीं करता तो वहाँ भी दास -दासी जाकर बनेंगे।
- D- आत्मा अब ज्ञान धारण कर सद्रति से दुर्गति में जाती है।

प्रश्न 13- किसी भी हालत में मुरझाईस न आये इसकी सहज विधि क्या है ?

- A- ब्रह्मा बाप का सैम्पुल सदा सामने रखो।
- B- मम्मा का सैम्पुल सदा सामने रखो।
- C- आदि रत्नों का सैम्पुल सदा सामने रखो।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 14- मीठे बच्चे - धीरज रखो अब तुम्हारे दुःख के दिन पूरे हुए, सुख के दिन आ रहे, कैसे बच्चों की अवस्था धैर्यवत रहती है ?

- A- सपूत
- B- निश्चय बुद्धि
- C- तीव्र पुरुषार्थी
- D- सहयोगी

प्रश्न 15- इनमे से कौन सा सही नहीं है ?

- A- बाप के महावाक्य सिर्फ तुम्हारे लिए हैं, सारी दुनिया के लिए नहीं।
- B- बाप बैठ पढ़ाते हैं, सहज स्वराज्य योग सिखलाते हैं।
- C- तुम्हें गृहस्थ व्यवहार में रहते बाप से वर्सा पाना है। बहुत सहज है।
- D- उपरोक्त सभी सही हैं।

प्रश्न 16- इनमे से कौनसा सही नहीं है ?

- A- थोड़ा भी सुना तो स्वर्ग में आयेंगे, परन्तु पढ़ेंगे नहीं तो जैसे भील हैं।
- B- प्रजा भी नम्बरवार होती है ना। परन्तु वहाँ गरीब, साहूकार सुख सबको रहता है।
- C- वहाँ मर्तबे तो रहेंगे नहीं। वहाँ सिपाही लोग होते हैं लेकिन वहाँ डर होता नहीं।
- D- सतयुग में पार्टेशन होता नहीं। लक्ष्मी-नारायण का एक ही राज्य चलता है।

प्रश्न 17- कब माया आपके आगे सरेन्दर हो जायेगी ?

- A- अशरीरी स्थिति के आसन पर स्थित रहो।
- B- निश्चय बुद्धि बन पढ़ाई करते रहो।
- C- अपने स्वमान की सीट पर सेट रहो।
- D- नष्टोमोहा स्मृति लब्धा रहो।

प्रश्न 18- क्या याद रहे तो सतयुग भी याद रहे और सतयुग स्थापन करने वाला भी याद रहे ?

- A- बाप
- B- बाप-दादा
- C- संगमयुग
- D- पढ़ाई

प्रश्न 19- इनमे से कौन सा सही नहीं है ?

- A- प्रजा में भी जो अच्छी प्रजा होंगे उनके आगे कम दर्जे वाली प्रजा भरी ढोयेगी।
- B- गीता से तैलुक रखने वाले भागवत, महाभारत हैं।
- C- तुम बच्चों के लिए यह संगमयुग है, बाकी और सबके लिए कलियुग है।
- D- उपरोक्त सभी सही हैं।

प्रश्न 20- देह सहित सब कुछ भूल एक बाप को याद करो तब कैसा बच्चा कहेंगे ?

- A- सच्चे बच्चे
- B- मातेले बच्चे
- C- मीठे बच्चे
- D- सिकीलथे बच्चे

प्रश्न 21- पारलौकिक साजन को याद नहीं करते, लौकिक साजन को लौकिक सम्बन्धियों आदि को याद करते रहते तो गोया यह क्या है ?

- A- पूरा निश्चय नहीं है
- B- कच्ची सगाई है
- C- देह अभिमान है
- D- माया का वार है

प्रश्न 22- बाप ही संसार है' सदा इस स्मृति में रहना - यही है-

- A- सहजयोग
- B- प्रीत बुद्धि
- C- निश्चय बुद्धि
- D- एकव्रता

प्रश्न 23- सच्चे-सच्चे रूहानी सैलवेशन आर्मी बन भारत को क्या करना है ?

- A- कौड़ी से हीरा बनाना
- B- विकारों से सैलवेज करना
- C- पतित से पावन बनाना
- D- रूहानी सेवा करनी है

प्रश्न 24- अजपाजाप अर्थात्?

- A- निरंतर योग अटूट योग
- B- कमातीत स्थिति
- C- एक बाप दूसरा न कोई
- D- माला का जाप निरंतर चलता रहे

प्रश्न 25- भक्ति की कौन-सी बात ज्ञान मार्ग में नहीं चल सकती है?

- A- आशीर्वाद की
- B- कृपा की
- C- योग की
- D- A और B

प्रश्न 26- अपना पुराना बैग-बैगेज कितने जन्मों के लिए ट्रांसफर करना है ?

- A- 8 जन्म
- B- 84 जन्म
- C- 21 जन्म
- D- 1 जन्म

प्रश्न 27- तकदीर का आधार किस पर है ?

- A- ज्ञान
- B- योग
- C- पढ़ाई
- D- पवित्रता

प्रश्न 28- अगर बाप कृपा करे तो क्या हो जाए ?

- A- सभी राजधानी में आ जाए।
- B- सारी क्लास ही पास हो जाए।
- C- सभी वर्से के अधिकारी बन जाए।
- D- सभी खुदाई खिदमतगार हो जाए।

प्रश्न 29- सबसे जास्ती निंदा किसकी हुई है ?

- A- श्रीकृष्ण की
- B- ब्रह्मा की
- C- शिव की
- D- बाप-दादा की

प्रश्न 30- दशहरे के बाद फिर दीपमाला मनाते हैं, खुशियाँ मनाते हैं क्योंकि-

- A- रावण राज्य विनाश हो रामराज्य स्थापन होगा तो खुशियाँ होंगी।
- B- घर-घर में रोशनी हो जाती है।
- C- तुम्हारी आत्मा में रोशनी आ जाती है।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 31- सतयुगी देवी-देवतायें डबल सिरताज थे। पवित्रता का ताज भी था और रत्नजड़ित ताज भी था। विकारी राजाओं को सिर्फ कौन सा ताज होता है ?

- A- डबल ताज
- B- रत्नजड़ित ताज
- C- अपवित्रता का ताज
- D- सिंगल ताज

प्रश्न 32- तुम बेहद के बाप को याद करो, यह है नई पढ़ाई। इसमें क्या समाया हुआ है ?

- A- ज्ञान
- B- भक्ति
- C- वैराग्य
- D- उपरोक्त सभी

भाग (42) खण्ड {84} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

भाग (42) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *D.उपरोक्त सभी*

फीचर्स में सुख-शान्ति और खुशी की झलक हो तो अनेक आत्माओं का फ्यूचर श्रेष्ठ बना सकते हो।

उत्तर 2- *B.सृष्टि चक्र का ज्ञान*

महाभारत में दिखाते हैं प्रलय हो गई। अब महाप्रलय तो होती नहीं। *तुम बच्चों के अन्दर सृष्टि चक्र का ज्ञान हर वक्त गूँजना चाहिए।*

उत्तर 3- *D.याद की यात्रा*

बुद्धि को यहाँ-वहाँ भटकाने के बजाए घर में बाप को याद करो, *दूर-दूर तक बुद्धि को ले जाओ - इसे ही याद की यात्रा कहा जाता है।*

उत्तर 4- B.नेचुरल अटेंशन

अपने आप नेचुरल अटेंशन हो तो किसी भी प्रकार का टेन्शन आ नहीं सकता।

उत्तर 5- D.उपरोक्त सभी

बाप कहते हैं मुझे और अपने वर्से को याद करो तो तुम यहाँ स्वर्ग में आ जायेंगे। जो जितना याद करेंगे और पवित्र रहेंगे उतना ऊँचा पद मिलेगा। *तुमको कितनी बड़ी दुआयें मिल रही हैं - धनवान भव, पुत्रवान भव, आयुष्मान भव।*

उत्तर 6- B.प्रभात

प्रभात के समय मन-बुद्धि से मुझ बाप को याद करो, साथ-साथ भारत को दैवी राजस्थान बनाने की सेवा करो"

उत्तर 7- C.फरिश्ता

फरिश्ता बनना है तो साक्षी हो हर आत्मा का पार्ट देखो और सकाश दो।

उत्तर 8- B.सूर्यवंशी-चन्द्रवंशी जो भी है, यह सारी माला विष्णु की है।

सूर्यवंशी-चन्द्रवंशी जो भी हैं, यह सारी माला है रुद्र शिवबाबा की। सब अपने रचता को जानते हैं परन्तु उनके आक्यूपेशन को नहीं जानते।

उत्तर 9- *D.वह सभी के साथ अति मीठा व्यवहार करेंगे*

ज्ञानी तू आत्मा का पहला लक्षण है- वह सभी के साथ अति मीठा व्यवहार करेंगे। किसी से दोस्ती, किसी से दुश्मनी रखना यह ज्ञानी तू आत्मा का लक्षण नहीं। बाप की श्रीमत है - बच्चे, अति मीठा बनो।

उत्तर 10- *A.ज्ञान की शंखध्वनि करने वाले*

हम शंखध्वनि कर सकते हैं। कोई कहते हैं - मैं शंखध्वनि नहीं कर सकती हूँ। *बाप कहते हैं ज्ञान की शंखध्वनि करने वाले मुझे अति प्रिय हैं।* मेरा परिचय भी ज्ञान से देंगे ना। बेहद के बाप को याद करो, यह भी ज्ञान दिया ना।

उत्तर 11- *D.उपरोक्त सभी*

कलियुग में पवित्रता, सुख और शान्ति का देवाला निकल चुका है इसलिए भारत सुखधाम से दुःखधाम, हीरे से कौड़ी जैसा बन गया है। यह खेल सारा भारत पर है। खेल के आदि-मध्य-अन्त का ज्ञान अभी बाप तुम्हें सुना रहे हैं।

उत्तर 12- *D.आत्मा अब ज्ञान धारण कर सद्गति से दुर्गति में जाती है*

आत्मा अब ज्ञान धारण कर दुर्गति से सद्गति में जाती है। अब जो करेगा सो पायेगा। बाप को याद नहीं करते तो वर्सा भी नहीं पायेंगे। कोई को आप समान वर्सा पाने लायक नहीं बनाते हैं तो समझते हैं पाई-पैसे का पद पा लेंगे।

उत्तर 13- *A.ब्रह्मा बाप का सैम्पुल सदा सामने रखो*

किसी भी हालत में मुरझाईस न आये इसके लिए *ब्रह्मा बाप का सैम्पुल सदा सामने रखो।* इतने ढेर बच्चों का बाप, कोई सपूत बच्चे हैं तो कोई कपूत, कोई सर्विस करते, कोई डिससर्विस, फिर भी बाबा कभी मुरझाते नहीं, घबराते नहीं फिर तुम बच्चे क्यों मुरझा जाते हो? तुम्हें तो किसी भी हालत में मुरझाना नहीं है।

उत्तर 14- *B.निश्चय बुद्धि*

मीठे बच्चे - धीरज रखो अब तुम्हारे दुःख के दिन पूरे हुए, सुख के दिन आ रहे हैं, *निश्चय बुद्धि बच्चों की अवस्था धैर्यवत रहती है*।

उत्तर 15- *A.बाप के महावाक्य सिर्फ तुम्हारे लिए हैं, सारी दुनिया के लिए नहीं*

मनुष्य इस समय सब अधीर्य हैं, दुःखी हैं इसलिए धैर्य देने के लिए, सुख देने के लिए बाप आये हैं। कहते हैं अब धैर्य धरो। *बाप के महावाक्य सिर्फ तुम्हारे लिए नहीं हैं, वास्तव में सारी दुनिया के लिए हैं।* सारी दुनिया आहिस्ते-आहिस्ते सुनती रहेगी। जो सुनते हैं वह आते रहते हैं।

उत्तर 16- *C.वहां मर्तबे तो रहेंगे नहीं। वहां सिपाही लोग होते हैं लेकिन वहां डर नहीं होता*

सब तो एक जैसे नहीं होते हैं। *मर्तबे तो वहाँ भी रहेंगे। वहाँ सिपाही लोग होते नहीं क्योंकि वहाँ डर होता नहीं।* यहाँ तो डर है इसलिए सिपाही आदि रखते हैं। भारत में टुकड़े-टुकड़े कर दिये हैं। सतयुग में पार्टीशन होता नहीं। लक्ष्मी-नारायण का एक ही राज्य चलता है। पाप कोई होता नहीं।

उत्तर 17- *C.अपने स्वमान की सीट पर सेट रहो*

तुम जानते हो माया हमारी दुश्मन है, घड़ी-घड़ी धोखा देती है, पढ़ाई में संशय डाल देती है। संशय में आकर बहुत बच्चे पढ़ाई को छोड़ देते हैं। पढ़ाई को छोड़ा गया बाप, टीचर, सतगुरु को भी छोड़ दिया, इसलिए *अपने स्वमान की सीट पर सेट रहो तो माया आपके आगे सरेन्द्र हो जायेगी।*

उत्तर 18- *C.संगमयुग*

तुम बच्चों के लिए यह संगमयुग है, बाकी और सबके लिए कलियुग है। तुम ही संगम से फिर सतयुग में जाने वाले हो, यह निश्चय चाहिए। अभी हम संगम पर हैं। *संगमयुग याद रहे तो सतयुग भी याद रहे और सतयुग स्थापन करने वाला भी याद रहे।* परन्तु घड़ी-घड़ी भूल जाते हैं।

उत्तर 19- *D.उपरोक्त सभी सही हैं*

जो नहीं पढ़ते हैं तो पढ़े हुए के आगे भरी ढोयेंगे। *प्रजा में भी जो अच्छी प्रजा होंगे उनके आगे कम दर्जे वाली प्रजा भरी ढोयेगी।* बेहद का बाप आते ही हैं कल्प के संगमयुग। गीता में भूल कर दी है। *गीता से तैलुक रखने वाले सिर्फ भागवत, महाभारत आदि हैं।*

तुम बच्चों के लिए यह संगमयुग है, बाकी और सबके लिए कलियुग है। तुम ही संगम से फिर सतयुग में जाने वाले हो, यह निश्चय चाहिए।

उत्तर 20- *B.मातेले बच्चे*

मीठे बच्चे - *देह सहित सब कुछ भूल एक बाप को याद करो तब कहेंगे मातेले बच्चे*, इस पुरानी दुनिया से अब तुम्हारी बुद्धि हट जानी चाहिए। लौकिक साजन को लौकिक सम्बन्धियों आदि को याद करते रहते तो गोया कच्ची सगाई है। उनको सौतेले बच्चे कहा जाता है।

उत्तर 21- *B.कच्ची सगाई है*

पारलौकिक साजन को याद नहीं करते, लौकिक साजन को लौकिक सम्बन्धियों आदि को याद करते रहते तो गोया कच्ची सगाई है। उनको सौतेले बच्चे कहा जाता है।

उत्तर 22- *A.सहजयोग*

"बाप ही संसार है" सदा इस स्मृति में रहना - यही सहजयोग है।

उत्तर 23- *B.विकारों से सैलवेज करना*

सच्चे-सच्चे रूहानी सैलवेशन आर्मी बन भारत को विकारों से सैलवेज करना है। बाप का मददगार बन रूहानी सोशल सेवा करनी है।

उत्तर 24- *A.निरन्तर योग अटूट योग*

मातेश्वरी जी के मधुर महावाक्य *"अजपाजाप अर्थात् निरन्तर योग अटूट योग"*

उत्तर 25- *D. A और B*

भक्ति में भगवान् से कृपा अथवा आशीर्वाद मांगते हैं, ज्ञान मार्ग में आशीर्वाद वा कृपा की बात नहीं। यह पढ़ाई है।

उत्तर 26- *C.21 जन्म*

अपना पुराना बैग-बैगेज 21 जन्मों के लिए ट्रांसफर करना है, इनश्योर कर ट्रस्टी हो सम्भालना है।

उत्तर 27- *C.पढ़ाई*

बाप टीचर बनकर तुमको पढ़ा रहे हैं। *तकदीर का आधार पढ़ाई पर है।*

उत्तर 28- *B.सारी क्लास ही पास हो जाए*

अगर बाप कृपा करे तो सारा क्लास ही पास हो जाए इसलिए ज्ञान मार्ग में कृपा वा आशीर्वाद की बात नहीं। हरेक को अपना-अपना पुरुषार्थ जरूर करना है।

उत्तर 29- *A.श्रीकृष्ण की*

सबसे जास्ती निंदा तो श्रीकृष्ण की हुई है, कितने कलंक लगाये हैं, फिर ऐसे श्रीकृष्ण को पूजते भी हैं। तो यह गाली मिलना कोई नई बात नहीं है

उत्तर 30- *D.उपरोक्त सभी*

सतयुग में रावण होता नहीं। यहाँ रावण को जलाते हैं। *दशहरे के बाद फिर दीपमाला मनाते हैं, खुशियाँ मनाते हैं क्योंकि रावण राज्य विनाश हो रामराज्य स्थापन होगा तो खुशियाँ होंगी। घर-घर में रोशनी हो जाती है। तुम्हारी आत्मा में रोशनी आ जाती है।*

उत्तर 31- *B.रत्नजड़ित ताज*

सतयुगी देवी-देवतायें डबल सिरताज थे। पवित्रता का ताज भी था और रत्नजड़ित ताज भी था। विकारी राजाओं को सिर्फ रत्नजड़ित ताज होता है।

उत्तर 32- *D.उपरोक्त सभी*

मीठे बच्चे - *तुम बेहद के बाप को याद करो, इसमें ही ज्ञान, भक्ति और वैराग्य तीनों समाया हुआ है, यह है नई पढ़ाई"*

भाग - (43)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- मीठे बच्चे - आज्ञाकारी बनो, बाप की पहली आज्ञा है ?

- A- पवित्र बनो
- B- देह के सब संबंधों को भूल जाओ
- C- अपने को आत्मा समझ बाप को याद करो
- D- श्रीमत पर चलो।

प्रश्न 2- आत्मा रूपी बर्तन अशुद्ध क्यों हुआ है ?

- A- ड्रामानुसार होना ही है।
- B- वाह्यात बातों को सुनते और सुनाते।
- C- भक्ति करते करते।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 3- हर बात में विजय का आधार क्या है ?

- A- श्रीमत
- B- पवित्रता
- C- योगबल
- D- निश्चय

प्रश्न 4- इनमे से कौन सा सही नहीं है ?

- A- महल के महल नीचे गये हैं वही फिर ऊपर आ जायेंगे।
- B- कलियुग में जो अच्छा काम करते हैं उन्हीं का यादगार बनाते हैं।
- C- संन्यासियों ने माताओं की निंदा की है, परन्तु बाप आकर माताओं को उठाते हैं।
- D- यह संन्यासी न होते तो भारत काम चिंता पर बैठ एकदम खाक हो जाता है।

प्रश्न 5- ज्ञान का सुख 21 पीढ़ी चलता है, वह है स्वर्ग का सदा सुख, भक्ति में तीव्र भक्ति से कितना सुख मिलता है ?

- A- 8 पीढ़ी
- B- 63 पीढ़ी
- C- अल्प-काल क्षण भंगुर
- D- काग विष्टा समान

प्रश्न 6- इस पुरानी दुनिया को भूल एक मुझे याद करो। इसी को ही क्या कहा जाता है ?

- A- बलिहार जाना कहा जाता है।
- B- जीते जी मरना कहा जाता है।
- C- इसी श्रीमत से तुम्हारी सद्गति हो जाती है।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 7- को बुद्धि में रखकर पढ़ाई करनी है।.....को बुद्धि में रखकर स्वदर्शन चक्रधारी बनना है।

- A- शान्तिधाम, सुखधाम
- B- बाप, वर्से
- C- एम ऑब्जेक्ट, ड्रामा
- D- ड्रामा, बाप

प्रश्न 8 - मनुष्य गाते भी हैं वन्दे मातरम्, परन्तु वन्दना पवित्र की ही की जाती है। परमात्मा ही आकर वन्दे मातरम् कहना शुरू करते हैं। शिवबाबा ने ही आकर कहा है ?

- A- नारी स्वर्ग का द्वार है।
- B- शक्ति सेना है।
- C- यह स्वर्ग का राज्य दिलाने वाली है।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 9- तुम आत्माओं को अपना-अपना रथ है, मैं हूँ निराकार, मुझे भी में एक ही बार रथ चाहिए, मैं ब्रह्मा का अनुभवी वृद्ध रथ उधार लेता हूँ ?

- A- कलियुग
- B- संगमयुग
- C- कल्प
- D- सृष्टि चक्र

प्रश्न 10- तुम बच्चों ने निश्चय से कहा - बाबा, हम आपके बन गये, तो बाप का बनना माना ही क्या है ?

- A- सहजयोगी बनना
- B- पवित्र बनना
- C- शरीर का भान भूलना
- D- नष्टोमोहा बनना

प्रश्न 11- बाप कहते हैं मैं आऊँ तो कैसे आऊँ, किसके शरीर में आऊँ? पहले तो मुझे प्रजापिता चाहिए। सूक्ष्म वतनवासी को यहाँ कैसे ले आ सकता? वह तो फरिश्ता है ना। उनको पतित दुनिया में अगर ले आऊँ तो यह क्या हो जाये---

- A- अनर्थ हो जाए
- B- पाप हो जाए
- C- दोष हो जाए
- D- गुनाह हो जाए

प्रश्न 12- ब्रह्मा, विष्णु, शंकर को भी सूक्ष्म शरीर है। लक्ष्मी-नारायण आदि सब आत्माओं को शरीर रूपी रथ है, जिसे क्या कहते हैं।

- A- जीवात्मा
- B- नंदीगण
- C- रथी
- D- अश्व

प्रश्न 13- क्या होने के कारण बंधन बहुत अधिक हैं ?

- A- हिसाब किताब
- B- देह का सिमरण

- C- पांच विकार
- D- माया

प्रश्न 14- निम्नलिखित में कौन सा वाक्य सही नहीं है ?

- A- वो इनडायरेक्ट बुलाते हैं, तुम डायरेक्ट बुलाते हो। वह भी याद करते हैं - हे परमपिता परमात्मा।
- B- अच्छे शुरूड बुद्धि हैं तो फिर ऑन गॉडली सर्विस विकल्प हो जाती है।
- C- जनक का भी मिसाल है। वह फिर जाकर अनु जनक बना।
- D- तुम बहन-भाई ही पद पाते हो नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार। बाकी जाकर अपने-अपने झाड़ में लटकेंगे।

प्रश्न 15-परमार्थ के आधार से व्यवहार को सिद्ध करना यही किसका लक्षण है ?

- A- देवताओं
- B- ब्राह्मणों
- C- योगी
- D- रूहानी सेवा

प्रश्न 16- बापदादा को बच्चों की कौन-सी बात सुनकर बहुत खुशी होती है ?

- A- याद-प्यार का पत्र लिखने से
- B- खुश खैराफत का पत्र लिखने से
- C- सर्विस समाचार का पत्र लिखने से
- D- रोज का पोतामेल लिखने से

प्रश्न 17- अभी घोर अन्धियारा, भयानक रात पूरी हो रही है, तुम्हें दिन में चलना है, यह ब्रह्मा के किस बात की ही कहानी है ?

- A- मुक्ति और जीवनमुक्ति
- B- बेहद दिन और रात
- C- पुरुषार्थ और प्रारब्ध
- D- ज्ञान और वैराग्य

प्रश्न 18- स्वर्ग के घनेरे सुख किस पुरुषार्थ के आधार से मिलते हैं ?

- A- विहंग मार्ग की सर्विस करने से
- B- एक बाप से सच्चा लव रखने से
- C- रोज़ की पढ़ाई और योग से
- D- कर्मतीत अवस्था को प्राप्त करने से

प्रश्न 19- बाप कहते हैं हमारा बनकर फिर थक कर बैठ गये वा ट्रेटर बन गये तो प्रजा में जाकर क्या बनेंगे ?

- A- नौकर चाकर
- B- चण्डाल
- C- गरीब प्रजा
- D- साहूकार के दास दासी

प्रश्न 20- निम्नलिखित में कौन सा वाक्य सही नहीं है ?

- A- सतयुगी देवी-देवता धर्म का शास्त्र है एक, उनको श्रीमत् भगवत् गीता कहा जाता है।
- B- यह भी डामा में एकज भूल है, जो शास्त्रों का खण्डन कर दिया है।
- C- पढ़ाई छोड़ दी तो मात-पिता कहेंगे तुम तो लायक नहीं हो।
- D- स्वर्ग का मालिक बनते-बनते अगर पढ़ाई को छोड़ देते तो उन जैसा महान् मूर्ख दुनिया में कोई होता नहीं।

प्रश्न 21- अपनी श्रेष्ठ वृत्ति से वायुमण्डल को श्रेष्ठ बनाना यही है ?

- A- सच्च ज्ञान
- B- सच्ची सेवा
- C- सच्चा योग
- D- सच्ची धारणा

प्रश्न 22- भारत में रावण राज्य है, जिसको क्या कहा जाता है ?

- A- पतित दुनिया
- B- शोकवाटिका
- C- नर्क

D- छी- छी दुनिया

प्रश्न 23- बच्चे चलते -चलते याद की यात्रा में ही थक जाते हैं, इसमें थकावट आने का मुख्य कारण क्या है ?

- A- व्यर्थ संकल्प
- B- बाप की अवज्ञा
- C- संगदोष
- D- अलबेलापन

प्रश्न 24- सतयुग में जब लक्ष्मी-नारायण तख्त पर बैठते हैं तो क्या मनाते हैं ?

- A- उत्सव
- B- कारोनेशन
- C- दशहरा
- D- दीपमाला

प्रश्न 25- याद रूपी दवाई से स्वयं को एवर निरोगी बनाओ, याद और स्वदर्शन चक्र फिराने की आदत डालो तो क्या बन जायेंगे ?

- A- ब्रह्मा बाप समान
- B- विकर्मजीत
- C- राज्ञयुक्त, युक्तियुक्त, योगयुक्त
- D- स्वदर्शनचक्रधारी

प्रश्न 26- निम्नलिखित में कौन सा वाक्य सही नहीं है ?

- A- बृहस्पति को वृक्षपति डे कहा जाता है।
- B- सोमनाथ का दिन बृहस्पति है, शिवबाबा सोमरस पिलाते हैं।
- C- यूँ नाम तो उनका शिव है परन्तु पढ़ाते हैं, इसलिए सोमनाथ कह दिया है।
- D- जो देही-अभिमानी नहीं बनते हैं उन्हें धारणा भी नहीं होती है।

प्रश्न 27- की एनर्जी को वेस्ट से बेस्ट में चेंज कर दो तो शक्तिशाली बन जायेंगे ?

- A- समय
- B- संकल्प
- C- बोल
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 28- सदा अपने स्वमान में रहो तो ?

- A- स्वमानधारी बन जायेंगे।
- B- श्रेष्ठ शान में रहने वाले बन जायेंगे।
- C- सर्व का मान मिलता रहेगा।
- D- विघ्न विनाशक बन जाएंगे।

प्रश्न 29- सावधान हो पढ़ाई पर पूरा ध्यान दो, ऐसे नहीं कि हमारा तो डायरेक्ट शिवबाबा से कनेक्शन है, यह कहना भी क्या है ?

- A- देह-अभिमान
- B- अहंकार
- C- राँग
- D- माया

प्रश्न 30- भारत बाप का बर्थ प्लेस होने के कारण अविनाशी खण्ड है, इस अविनाशी खण्ड में सतयुग और त्रेतायुग में चैतन्य देवी-देवता राज्य करते हैं, इसलिए उस समय के भारत को क्या कहा जाता है ?

- A- शिवालय
- B- स्वर्ग
- C- हेविन
- D- सुखधाम

प्रश्न 31- जिसे स्वमान का अभिमान नहीं है वही सदा क्या है ?

- A- नम्रचित्त
- B- निर्मान
- C- सरलचित्त

D- स्वमानधारी

प्रश्न 32- जितना निरहंकारी उतना अच्छा है, तुम्हारी नॉलेज ही है-

- A- पावन बनने की।
- B- चुप रहने की।
- C- निरहंकारी बनने की।
- D- निर्विकारी बनने की।

भाग (43) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *C.अपने को आत्मा समझ बाप को याद करो*

मीठे बच्चे - आज्ञाकारी बनो, *बाप की पहली आज्ञा है - अपने को आत्मा समझ बाप को याद करो।* जब यहाँ बैठते हो तो हमेशा ऐसे समझो - मैं आत्मा हूँ, मुझे बाप का फ़रमान मिला हुआ है मुझे याद करो। बच्चों के सिवाए तो और कोई को बाप का फ़रमान मिल न सके।

उत्तर 2- *B.वाह्यात बातों को सुनते और सुनाते*

वाह्यात बातों को सुनते और सुनाते आत्मा रूपी बर्तन अशुद्ध बन गया है। इसको शुद्ध बनाने के लिए बाप का फ़रमान है हियर नो ईविल, सी नो ईविल..... एक बाप से सुनो, बाप को ही याद करो तो आत्मा रूपी बर्तन शुद्ध हो जायेगा। आत्मा और शरीर दोनों पावन बन जायेंगे।

उत्तर 3- *D.निश्चय*

शास्त्रों में कोई यह बातें नहीं हैं। सद्गति दाता है ही एक बाप। पहले-पहले तो यह निश्चय चाहिए। निश्चय में ही माया विघ्न डालती है। *हर बात में विजय का आधार निश्चय है* इसलिए निश्चयबुद्धि जरूर बनना है। सद्गति दाता बाप में कभी संशय नहीं उठाना है।

उत्तर 4- *A.महल के महल नीचे गये हैं वही फिर ऊपर आ जायेंगे*

तुम जो सोमनाथ का मन्दिर देखते हो वह कोई वैकुण्ठ का नहीं है। यह तो भक्ति मार्ग में बना है, जिसको मुहम्मद गज़नवी आदि ने लूटा। बाकी देवताओं के महल आदि सब अर्थकिक में गायब हो जाते हैं। *ऐसे नहीं कि महल के महल नीचे गये हैं वही फिर ऊपर आ जायेंगे।* नहीं, वह तो अन्दर ही टूट फूट सड़ जाते हैं।

उत्तर 5- *C.अल्प-काल क्षण भंगुर*

अभी तुम ज्ञान सागर से ज्ञान पाकर पुरुषार्थ से अपनी सदा सुख की प्रालम्ब बना रहे हो फिर द्वापर-कलियुग में भक्ति होती है। ज्ञान की प्रालम्ब सतयुग-त्रेता तक चलती है। ज्ञान का सुख तो 21 पीढ़ी चलता है। वह हैं स्वर्ग के सदा सुख। *भक्ति में तीव्र भक्ति से अल्प-काल क्षण भंगुर सुख मिलता है।*

उत्तर 6- *D.उपरोक्त सभी*

बाप की तुम्हें श्रीमत है - इस पुरानी दुनिया को भूल एक मुझे याद करो। *इसी को ही बलिहार जाना अथवा जीते जी मरना कहा जाता है। इसी श्रीमत से तुम श्रेष्ठ ते श्रेष्ठ बनते हो। तुम्हारी सद्गति हो जाती है।* साकार मनुष्य, मनुष्य की सद्गति नहीं कर सकते। बाप ही सबका सद्गति दाता है।

उत्तर 7- *C.एम ऑब्जेक्ट,ड्रामा*

यह चक्र फिरता रहता है, इसको स्वदर्शन चक्र कहा जाता है। इस ड्रामा के चक्र से कोई छूट नहीं सकता है। बना बनाया अविनाशी पार्ट है हरेक का। बाप तुमको पढ़ाकर मनुष्य से देवता बना रहे हैं। *एम ऑब्जेक्ट को बुद्धि में रखकर पढ़ाई करनी है। बने बनाये ड्रामा को बुद्धि में रखकर स्वदर्शन चक्रधारी बनना है।*

उत्तर 8- *D.उपरोक्त सभी*

मनुष्य गाते भी हैं वन्दे मातरम्, परन्तु वन्दना पवित्र की ही की जाती है। परमात्मा ही आकर वन्दे मातरम् कहना शुरू करते हैं। *शिवबाबा ने ही आकर कहा है - नारी स्वर्ग का द्वार है। शक्ति सेना है ना। यह स्वर्ग का राज्य दिलाने वाली है,* जिसको ही वर्ल्ड आलमाइटी अथॉरिटी राज्य कहा जाता है।

उत्तर 9- *C.कल्प*

मीठे-बच्चे - तुम आत्माओं को अपना-अपना रथ है, मैं हूँ निराकार, *मुझे भी कल्प में एक ही बार रथ चाहिए,* मैं ब्रह्मा का अनुभवी वृद्ध रथ उधार लेता हूँ।

उत्तर 10- *C.शरीर का भान भूलना*

तुम बच्चों ने निश्चय से कहा - बाबा, हम आपके बन गये, *तो बाप का बनना माना ही शरीर का भान भूलना।* जैसे शिवबाबा इस

रथ पर आता और चला जाता, ऐसे तुम बच्चे भी प्रैक्टिस करो इस रथ पर आने-जाने की। अशरीरी बनने का अभ्यास करो। इसमें मुश्किल का अनुभव नहीं होना चाहिए। अपने को निराकारी आत्मा समझ बाप को याद करो।

उत्तर 11- *C.दोष हो जाए*

बाप कहते हैं मैं आऊं तो कैसे आऊं, किसके शरीर में आऊं? पहले तो मुझे प्रजापिता चाहिए। सूक्ष्म वतनवासी को यहाँ कैसे ले आ सकता? वह तो फरिश्ता है ना। *उनको पतित दुनिया में ले आऊं - यह तो दोष हो जाए* । कहेंगे मैंने क्या गुनाह किया? बाप बड़ी रमणीक बातें समझाते हैं।

उत्तर 12- *D.अश्व*

जैसे तुम हर एक आत्मा को अपना-अपना रथ है ना। ब्रह्मा, विष्णु, शंकर को भी सूक्ष्म शरीर है ना। *लक्ष्मी-नारायण आदि सब आत्माओं को शरीर रूपी रथ है जरूर, जिसको अश्व कहते हैं।* हैं तो मनुष्य ना। मनुष्यों की ही बात समझाई जाती है, जानवरों की बातें जानवर जानें।

उत्तर 13- *B.देह का सिमरण*

बाप को बुलाते हैं कि हम अभी बन्धन में हैं, आपके सम्बन्ध में आना चाहते हैं। भक्तों को याद है हम अनेक प्रकार के बन्धनों में हैं। *देह का सिमरण होने कारण बन्धन बहुत हैं।* देही के सम्बन्ध से एक ही मात-पिता याद रहता है। लौकिक और पारलौकिक को याद करने में रात-दिन का फ़र्क है।

उत्तर 14- *B.अच्छे शुरूड बुद्धि हैं तो फिर ऑन गाँडली सर्विस विकल्प हो जाती है*

कन्यायें कहेंगी मेरा तो एक शिवबाबा..... कन्याओं को इसमें पूरा अटेन्शन देना है। इस गवर्मेन्ट के हो गये तो फिर ईश्वरीय सर्विस में लग जाना है। फिर आसुरी सर्विस कैसे कर सकती? हर एक के कर्मबन्धन अनुसार राय दी जाती है। देखा जाता है, निकल सकती हैं वा नहीं। *अच्छे शुरूड बुद्धि हैं तो फिर ऑन गाँडली सर्विस ओनली हो जाती है।*

उत्तर 15- *C.योगी*

स्थान अथवा दूसरे को बदलने के बजाए स्वयं को बदल लो, सहनशीलता का अवतार बन जाओ। सबके साथ स्वयं को एडजस्ट करना सीखो। *परमार्थ के आधार से व्यवहार को सिद्ध करना - यही योगी का लक्षण है।*

उत्तर 16- *C.सर्विस समाचार का पत्र लिखने से*

जब बच्चे सर्विस समाचार का पत्र लिखते हैं - बाबा, आज हमने फलाने को समझाया, उसको दो बाप का परिचय दिया.... ऐसे-ऐसे सेवा की। *तो बाबा उन पत्रों को पढ़कर बहुत खुश होते हैं।* याद-प्यार वा खुश खैराफत का पत्र लिखने से बाबा का पेट नहीं भरता। बाबा अपने मददगार बच्चों को देख खुश होते हैं।

उत्तर 17- *B.बेहद दिन और रात*

अभी घोर अन्धियारा, भयानक रात पूरी हो रही है, तुम्हें दिन में चलना है वह दिन और रात तो कॉमन है *यह ब्रह्मा के बेहद दिन और रात की ही कहानी है** बेहद का दिन सतयुग-त्रेता और रात द्वापर-कलियुग ।

उत्तर 18- *C.रोज की पढ़ाई और योग से*

रोज़ की पढ़ाई और योग से, स्वर्ग के घनेरे सुख मिल जायेंगे इसलिए पढ़ाई में कभी थकना नहीं। बाप टीचर बनकर पढ़ा रहे हैं तो तुम अच्छे मार्क्स से पास होने का पुरुषार्थ करो ।

उत्तर 19- *B.चंडाल*

बाप से स्वर्ग का वर्सा लेते-लेते कई बच्चे थक जाते हैं। चलते-चलते माया वार कर देती है तो लौट जाते हैं। जो जमा किया वह फिर ना हो जाती। बाकी क्या बनेंगे? स्वर्ग में भल जायेंगे, लेकिन बिल्कुल साधारण प्रजा जाकर बनेंगे। बाप कहते हैं हमारा बनकर फिर थक कर बैठ गये वा ट्रेटर बन गये तो प्रजा में चण्डाल जाकर बनेंगे।

उत्तर 20- *B.यह भी ड्रामा में एकज़ भूल है, जो शास्त्रों का खंडन कर दिया है*

सतयुगी देवी-देवता धर्म का शास्त्र है एक, उनको श्रीमत् भगवत् गीता कहा जाता है। पढ़ाई छोड़ दी तो मात-पिता कहेंगे तुम तो लायक नहीं हो। बाप से स्वर्ग का वर्सा लेते-लेते कई बच्चे थक जाते हैं। चलते-चलते माया वार कर देती है तो लौट जाते हैं। *स्वर्ग का मालिक बनते-बनते अगर पढ़ाई को छोड़ देते तो उन जैसा महान् मूर्ख दुनिया में कोई होता नहीं*

उत्तर 21- *B.सच्ची सेवा*

अपनी श्रेष्ठ वृत्ति से वायुमण्डल को श्रेष्ठ बनाना यही सच्ची सेवा है।

उत्तर 22- *B.शोक वाटिका*

तुम बच्चे अब जानते हो रावण राज्य पूरा हो फिर रामराज्य शुरू होता है। राम जरूर सुख देने वाला होगा, रावण जरूर

दुःख देने वाला होगा। *भारत में रावण राज्य है तो उनको शोकवाटिका कहा जाता है।* बाप ने समझाया है तुम सब इस समय रावण राज्य में हो। मुख्य भारत की ही बात है।

उत्तर 23- *C.संगदोष*

बच्चे चलते-चलते याद की यात्रा में ही थक जाते हैं, *इसमें थकावट आने का मुख्य कारण है संगदोष।* संग ऐसा मिल जाता है जो बाप का हाथ छोड़ देते हैं। कहा जाता है संग तारे, कुसंग बोरे।

उत्तर 24- *B.कारोनेशन*

यहाँ रावण राज्य के कारण 12 मास के बाद दीपमाला मनाते हैं। रावण मरा और लक्ष्मी-नारायण का कारोनेशन हुआ। उनकी खुशी मनाते हैं। *सतयुग में जब लक्ष्मी-नारायण तख्त पर बैठते हैं तो कारोनेशन मनाते हैं।* तुम जानते हो अभी रावण राज्य पूरा होगा।

उत्तर 25- *B.विकर्माजीत*

याद रूपी दवाई से स्वयं को एवर निरोगी बनाओ, *याद और स्वदर्शन चक्र फिराने की आदत डालो तो विकर्माजीत बन जायेंगे*

उत्तर 26- *B.सोमनाथ का दिन बृहस्पति है, शिव बाबा सोमरस पिलाते हैं*

तुम बच्चे जानते हो बृहस्पति को वृक्षपति डे कहा जाता है। वृक्षपति भी ठहरा, शिव भी ठहरा। है तो एक ही। *गुरुवार के दिन बच्चों को स्कूल में बिठाते हैं। जैसे सोमनाथ का दिन सोमवार है, शिवबाबा सोमरस पिलाते हैं।* यूँ नाम तो उनका शिव है परन्तु पढ़ाते हैं इसलिए सोमनाथ कह दिया है। रूद्र भी सोमनाथ को कहा जाता है। रूद्र ज्ञान यज्ञ रचा तो ज्ञान सुनाने वाला हो गया। नाम बहुत रख दिये हैं।

उत्तर 27- *D.समय,संकल्प,बोल*

समय, संकल्प और बोल की एनर्जी को वेस्ट से बेस्ट में चेंज कर दो तो शक्तिशाली बन जायेंगे।

उत्तर 28- *C.सर्व का मान मिलता रहेगा*

सदा अपने स्वमान में रहो तो सर्व का मान मिलता रहेगा।

उत्तर 29- *A.देह-अभिमान*

सावधान हो पढ़ाई पर पूरा ध्यान दो, ऐसे नहीं कि हमारा तो डायरेक्ट शिवबाबा से कनेक्शन है, *यह कहना भी देह-अभिमान है*।

उत्तर 30- *A.शिवालय*

भारत बाप का बर्थ प्लेस होने के कारण अविनाशी खण्ड है, *इस अविनाशी खण्ड में सतयुग और त्रेतायुग में चैतन्य देवी-देवता राज्य करते हैं, उस समय के भारत को शिवालय कहा जाता है।* फिर भक्तिमार्ग में जड़ प्रतिमायें बनाकर पूजा करते, शिवालय भी अनेक बनाते तो उस समय भी तीर्थ है इसलिए भारत को अविनाशी तीर्थ कह सकते हैं।

उत्तर 31- *B.निर्मान*

जिसे स्वमान का अभिमान नहीं है वही सदा निर्मान है।

उत्तर 32- *B.चुप रहने की*

शिव-बाबा को बिल्कुल नहीं जानते। तो गुप्त रहना अच्छा है। *जितना निरहंकारी उतना अच्छा है। तुम्हारी नॉलेज ही है चुप रहने की* बाप की बैठ महिमा करनी है। उनसे ही समझ जायेंगे बाप पतित-पावन सर्वशक्तिमान है। बाप से ही वर्सा मिलता है।

भाग - (44)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- देह-अभिमान में आने से ही माया की चमाट लगती है, देही-अभिमानि रहो तो ?

- A- बाप की हर श्रीमत का पालन कर सकेंगे।
- B- ब्रह्मा बाप के साथ राजधानी में आ जायेंगे।
- C- मायाजीत, जगतजीत बन जायेंगे।
- D- मुक्त जीवन-मुक्ति स्थिति को पा सकेंगे।

प्रश्न 2- इस समय तो सब जड़जड़ीभूत अवस्था वाले तमोप्रधान हैं, फिर भी ख़ास भारतवासियों को रजो-तमोगुणी क्यों कहा जाता है ?

- A- यही सबसे ज्यादा सतोप्रधान थे।

- B- यही सबसे ज्यादा तमोप्रधान थे।
- C- यही सबसे ज्यादा रजोप्रधान थे।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 3- तुम्हें बाप समान जरूर बनना है, ... बच्चे ही बाप के मददगार हैं, बाप उन पर ही राज़ी होता है ?

- A- सर्विसएबुल
- B- मुरलीधर
- C- निर्मान
- D- देहीभिमानी

प्रश्न 4- की स्थिति सदा मास्टर सर्वशक्तिमान है, जिसमें कोई भी शक्ति की कमी नहीं।

- A- स्वराज्य अधिकारी
- B- देही-अभिमानी
- C- सच्चे फ्लैन्थ्रोफिस्ट
- D- फरिश्तेपन

प्रश्न 5- जितना तुम बाप को याद करोगे उतना तुम्हारी बुद्धि का ताला खुलेगा, जिन्हें घड़ी-घड़ी बाप की याद भूल जाती है, ऐसे बच्चों को क्या कहेंगे ?

- A- अनलकी बच्चे
- B- हाफ कास्ट ब्राह्मण
- C- पुरुषार्थी बच्चे
- D- ट्रेटर

प्रश्न 6- विजयी आत्मा बनना है तो इनमें से किस बात को अपना निजी संस्कार बना लो।

- A- सारथी और साक्षी
- B- अटेन्शन और अभ्यास
- C- योगयुक्त और युक्तियुक्त
- D- स्वमान और दूसरे को सम्मान

प्रश्न 7- स्वयं को क्या समझने से सर्व कर्मेन्द्रियां अपने कन्ट्रोल में रहती हैं। वह किसी भी कर्मेन्द्रिय के वश नहीं हो सकते ?

- A- सारथी
- B- साक्षी
- C- देही
- D- फरिश्ता

प्रश्न 8- तुम्हारी कमाई बहुत-बहुत बड़ी है। किससे तुम्हारी सच्ची कमाई होती है?

- A- मुरली
- B- सेवा
- C- योग
- D- ज्ञान

प्रश्न 9- शास्त्रों में भी लिखा हुआ है को पिछाड़ी में इन बच्चों ने ज्ञान दिया है। अन्त में यह सब समझ जायेंगे कि यह तो ठीक कहते हैं, अन्त में आयेंगे जरूर ?

- A- भीष्मपितामह
- B- अश्वस्थामा
- C- युधिष्ठिर
- D- A और B
- E- A, B और C

प्रश्न 10- बुद्धि में हर समय बाप और किसकी स्मृति हो तब कहेंगे दिल से समर्पित आत्मा ?

- A- वर्से
- B- सेवा
- C- श्रीमत
- D- ज्ञान

प्रश्न 11- यह पढ़ाई जैसा बनाती है। इसलिए इसे अच्छी तरह पढ़ना है और सब संग तोड़ एक बाप संग जोड़ना है ?

- A- फूल
- B- सोने
- C- गुल - गुल
- D- हीरे

प्रश्न 12- भारत जो हीरे जैसा था, पतित बनने से अभी क्या बना है ? इसे फिर पावन हीरे जैसा बनाना है, मीठे दैवी झाड़ का सैपलिंग लगाना है।

- A- पत्थर जैसा
- B- कौड़ी जैसा
- C- कंगाल
- D- गरीब

प्रश्न 13- आत्मा मैली कैसे बनती है ?

- A- मित्र-सम्बन्धियों की याद से
- B- ज्ञान-योग की धारणा न होने से
- C- सर्विस नहीं करने से
- D- विकारों के वश होने से

प्रश्न 14- पहले नम्बर का किचड़ा कौन सा है ?

- A- देह-अभिमान का किचड़ा
- B- लोभ का किचड़ा
- C- मोह का किचड़ा
- D- काम विकार का किचड़ा

प्रश्न 15- बाप का वर्सा है स्वर्ग की राजाई। इसलिए उसको क्या कहा जाता है ?

- A- जीवनमुक्ति
- B- सुखधाम
- C- मुक्ति
- D- जीवनबंध

प्रश्न 16- निम्नलिखित में कौन सा वाक्य सही नहीं है ?

- A- डीटी गवर्मेन्ट के सिवाए और कोई एक गवर्मेन्ट होती नहीं।
- B- रुद्र निराकार को कहा जाता है, कृष्ण को नहीं कहेंगे। रुद्र नाम ही है निराकार का।
- C- रुद्र अलग है और सोमनाथ अलग है।
- D- सारी दुनिया पतित है, उसमें भी भारत ज्यादा पतित है।

प्रश्न 17- लक्ष्मी-नारायण को त्रिलोकीनाथ, त्रिकालदर्शी नहीं कहेंगे। मनुष्य फिर श्रीकृष्ण को क्या कहते हैं ?

- A- राजयोगी
- B- त्रिलोकीनाथ
- C- भगवान
- D- देवता

प्रश्न 18- जो नहीं, वह धारणा नहीं कर सकते। यहाँ तो सच्चाई चाहिए। पूरा फालो करना चाहिए ?

- A- पवित्र
- B- योगी
- C- ज्ञानी
- D- सेवाधारी

प्रश्न 19- इस समय तुम अपनी दासियां बनायेंगे तो खुद भी बनना पड़ेगा ?

- A- महाराजा
- B- दासी
- C- महारानी
- D- प्रजा

प्रश्न 20- कहाँ भी अमेरिका आदि तरफ चले जाओ, बाप से वर्सा ले सकते हो। सिर्फ एक हफ्ता करके जाओ ?

- A- कोर्स
- B- धारणा
- C- भट्टी
- D- रियलाइज कोर्स

प्रश्न 21- किसकी 100 भुजा, 1000 भुजा दिखाते हैं। यह भी समझाया जाता है, इतनी भुजायें तो हो नहीं सकती ?

- A- ब्रह्मा
- B- शिवबाबा
- C- शंकर
- D- विष्णु

प्रश्न 22- इस पाठशाला में आने से तुम्हें किसकी प्राप्ति होती है, एक- एक ज्ञान रत्न लाखों की मिलकियत है, जो बाप देते हैं ?

- A- अमरफल
- B- प्रत्यक्षफल
- C- बेशुमार धन
- D- ज्ञानरत्न

प्रश्न 23- इनमें से किसके महत्त्व को जान लो तो सर्व खजानों से सम्पन्न बन जायेंगे ?

- A- योग
- B- ज्ञान
- C- धारणा
- D- समय

प्रश्न 24- मैं आता ही तब हूँ जब स्वर्ग बनाना है। तुम अब फरिश्ते बन रहे हो। बाबा किसका साक्षात्कर कराते हैं ?

- A- सूक्ष्म वतन
- B- स्वर्ग
- C- सजाओं
- D- प्योरिटी

प्रश्न 25- कभी अगर कोई भूल हो जाती है तो

- A- प्रायश्चित्त करो।
- B- धर्मराज की सजा खाने के लिए तैयार हो जाओ।
- C- उसके बदले में खूब सर्विस करो।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 26- जो भी देखे, जो भी संबंध में आये, वह आपको देखकर आपको भूल जाये, लेकिन आप में बाप दिखाई दे तब ही कौन सी स्थिति बनेगी ?

- A- कर्मातीत अवस्था बनेगी।
- B- समय की समाप्ति होगी।
- C- जीवनमुक्त बनेंगे।
- D- फरिश्ता स्थिति बनेगी ।

प्रश्न 27- इस फाइनल पढ़ाई में हर एक बच्चे को कौन से सर्टीफिकेट लेने हैं ?

- A- स्वयं से
- B- बाप से
- C- परिवार से
- D- उपरोक्त सभी से

प्रश्न 28- सतगुरू का सहज वशीकरण मंत्र तुम्हें मिला हुआ है कि चुप रहकर याद करो, यही माया को अधीन करने का महामंत्र है ?

- A- मनमनाभव
- B- मामेकम्
- C- मध्याजीभव
- D- ततत्वम्

प्रश्न 29- तुम सबको कौन सा मंत्र देने वाले सतगुरु के बच्चे हो ? तुम ईश्वर के बारे में कभी भी झूठ नहीं बोल सकते।

- A- जीवनमुक्ति
- B- मनमनाभव
- C- मामेकम्
- D- मध्याजीभव

प्रश्न 30- सभी को सेकेण्ड में मुक्ति -जीवनमुक्ति का अधिकार देने के लिए यही महामंत्र सुनाना है कि -

- A- "देह सहित देह के सब सम्बन्धों को त्याग बाप को याद करो।"
- B- "इस अन्तिम जन्म पवित्रता की प्रतिज्ञा करो।"
- C- "अशरीरीपन का अभ्यास कर मामेकम याद करो।"
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 31- ज्ञान सूर्य बाप के साथ..... वह हैं जो जग से अंधकार को मिटाने वाले हैं, अंधकार में आने वाले नहीं।

- A- ज्ञान चन्द्रमा
- B- लकी सितारे
- C- मास्टर ज्ञान सूर्य
- D- ज्ञान सितारे

प्रश्न 32- सर्वशक्तिमान बाप के बनते हो तो माया भी क्या करती है ?

- A- हार खा लेती है।
- B- वार करती है।
- C- सर्वशक्तिमान होकर लड़ती है।
- D- जोर से घूसा मारती है।

भाग (44) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *A.बाप की हर श्रीमत का पालन कर सकेंगे*

देह-अभिमान में आने से ही माया की चमाट लगती है, देही-अभिमानि रहो तो बाप की हर श्रीमत का पालन कर सकेंगे"

उत्तर 2- *A.यही सबसे ज्यादा सतोप्रधान थे*

इस समय तो सब जड़जड़ीभूत अवस्था वाले तमोप्रधान हैं फिर भी ख़ास भारतवासियों को रजो-तमोगुणी क्यों कहा जाता है? *क्योंकि यही सबसे ज्यादा सतोप्रधान थे।* दूसरे धर्म वालों ने न तो इतना सुख देखा है, न दुःख देखना है।

उत्तर 3- *B.मुरलीधर*

तुम्हें बाप समान मुरलीधर जरूर बनना है, मुरलीधर बच्चे ही बाप के मददगार हैं, बाप उन पर ही राज़ी होता है

उत्तर 4- *A.देही-अभिमानि*

जो इस समय स्वराज्य सत्ताधारी अर्थात् कर्मेन्द्रिय-जीत हैं वही विश्व की राज्य सत्ता प्राप्त करते हैं। *स्वराज्य अधिकारी ही विश्व राज्य अधिकारी बनते हैं।* तो चेक करो मन-बुद्धि और संस्कार जो आत्मा की शक्तियां हैं, आत्मा इन तीनों की मालिक है? मन आपको चलाता है या आप मन को चलाते हैं? कभी संस्कार अपनी तरफ खींच तो नहीं लेते हैं? स्वराज्य अधिकारी की स्थिति सदा मास्टर सर्वशक्तिमान है, जिसमें कोई भी शक्ति की कमी नहीं।

उत्तर 5- *A.अनलकी बच्चे*

मीठे बच्चे - जितना तुम बाप को याद करेंगे उतना तुम्हारी बुद्धि का ताला खुलेगा, *जिन्हें घड़ी-घड़ी बाप की याद भूल जाती है, वह हैं अनलकी बच्चे।* जिससे स्वर्ग का वर्सा मिलता है, ऐसे मात-पिता को भूल जाना कैसी बदकिस्मती है।

उत्तर 6- *B.अटेन्शन और अभ्यास*

रूहानी बाप समझा रहे हैं बच्चों को कि बच्चे गिरना और सम्भलना है। घड़ी-घड़ी बाप को भूलते हो अर्थात् गिरते हो। याद करते हो तो सम्भलते हो। माया बाप की याद भुलवा देती है क्योंकि नई बात है ना इसलिए *विजयी आत्मा बनना है तो अटेन्शन और अभ्यास - इसे निज़ी संस्कार बना लो।*

उत्तर 7- *A.सारथी*

इस रथ को चलाने वाली हम आत्मा सारथी हैं, यह स्मृति स्वतः इस रथ अथवा देह से वा किसी भी प्रकार के देह-भान से न्यारा बना देती है। देह-भान नहीं तो सहज योगयुक्त बन जाते और हर कर्म भी युक्तियुक्त होता है। *स्वयं को सारथी समझने से सर्व कर्मेन्द्रियां

अपने कन्ट्रोल में रहती हैं। वह किसी भी कर्मोन्ध्रिय के वश नहीं हो सकते।*

उत्तर 8- *A.मुरली*

कोई को बाप का परिचय दिया, गोया जमा हुआ। परिचय नहीं देते हो तो जमा भी नहीं होता है। तुम्हारी कमाई बहुत-बहुत बड़ी है। *मुरली से तुम्हारी सच्ची कमाई होती है,* सिर्फ यह मालूम पड़ जाए कि मुरली किसकी है? यह भी तुम बच्चे जानते हो जो सांवेरे बन गये हैं उन्होंने को ही गोरा बनने के लिए मुरली सुनी है।

उत्तर 9- *D. A और B*

अब अगर तुमको विस्तार से ज्ञान समझना है तो धैर्यवत होकर सुनो। ब्रह्माकुमारियां तुमको समझा सकती हैं। *शास्त्रों में भी लिखा हुआ है भीष्मपितामह, अश्वस्थामा आदि को पिछाड़ी में इन बच्चों ने ज्ञान दिया है।* अन्त में यह सब समझ जायेंगे कि यह तो ठीक कहते हैं, अन्त में आयेंगे जरूर।

उत्तर 10- *C.श्रीमत*

बुद्धि में हर समय बाप और श्रीमत की स्मृति हो तब कहेंगे दिल से समर्पित आत्मा। अगर हम बाप की श्रीमत पर चलेंगे तो बेहद के बाप का वर्सा पायेंगे। याद से ही एवरहेल्दी बनते हैं। बाप कहते हैं मुझे याद करते-करते तुम पवित्र बन जायेंगे, पाप भस्म हो जायेंगे। बाप की याद में शरीर छोड़ेंगे तो मेरे पास चले आयेंगे।

उत्तर 11- *D.हीरे*

पढ़ाई से ही मनुष्य से देवता बनना है। भगवान् पढ़ाते हैं भगवान् भगवती बनाने के लिए। वह तो पाई-पैसे की पढ़ाई है। *यह पढ़ाई हीरे जैसा बनाती है* इसलिए इसे अच्छी तरह पढ़ना है और सब संग तोड़ एक बाप संग जोड़ना है।

उत्तर 12- *C.कंगाल*

बाप कहते हैं मैं तो एक ही बार आता हूँ। गाते भी हैं पतित-पावन आओ। सारी दुनिया पतित है, उसमें भी भारत ज्यादा पतित है। भारत जो हीरे जैसा था, *पतित बनने से कंगाल बना है*, इसे फिर पावन हीरे जैसा बनाना है, मीठे दैवी झाड़ का सैपलिंग लगाना है।

उत्तर 13- *A.मित्र-सम्बन्धियों की याद से*

जब मीठे बाप के साथ पूरा योग होगा तो धारणा भी होगी। ऐसे मीठे बाबा से बहुतों का योग नहीं है। समझते ही नहीं - गृहस्थ व्यवहार में रहते बाप से पूरा योग लगाना है। माया के तूफान तो आयेंगे ही। कोई को पुराने मित्र-सम्बन्धी याद आयेंगे, कोई को क्या याद पड़ता रहेगा। तो *मित्र-सम्बन्धियों की याद से आत्मा मैली बन जाती है।*

उत्तर 14- *A.देह-अभिमान का किचड़ा*

पहले नम्बर का किचड़ा है देह-अभिमान का, फिर लोभ मोह का किचड़ा शुरू होता है, किचड़ा पड़ने से फिर घबरा जाते हैं, इसमें घबराना नहीं है। यह तो माया करेगी, किचड़ा पड़ेगा ही हमारे ऊपर। होली में किचड़ा पड़ता है ना। हम बाबा की याद में रहें तो किचड़ा नहीं रहेगा।

उत्तर 15- *A.जीवनमुक्ति*

हमारी बात तो है ही सेकेण्ड की। सेकेण्ड में बाप का वर्सा मिलता है। *बाप का वर्सा है स्वर्ग की राजाई। उनको जीवनमुक्ति कहा जाता है।* यह है जीवनबंध। समझाना चाहिए - बरोबर जब आप आयेंगे तो जरूर हमको स्वर्ग का, मुक्ति-जीवनमुक्ति का वर्सा देंगे। तब ही लिखते हैं मुक्ति-जीवनमुक्ति दाता एक है।

उत्तर 16- *C.रुद्र अलग है और सोमनाथ अलग है*

अब बाप आया है विश्व की डीटी गवर्मेन्ट फिर से स्थापन करने। हम बच्चे उनके मददगार हैं। यह राज गीता में है। यह है रुद्र ज्ञान यज्ञ। रुद्र निराकार को कहा जाता है, कृष्ण को नहीं कहेंगे। रुद्र नाम ही है निराकार का। *बहुत नाम सुन मनुष्य समझते हैं रुद्र अलग है और सोमनाथ अलग है।*

उत्तर 17- *B त्रिलोकीनाथ*

अभी तुम समझते हो गीता का भगवान् शिव है, न कि दैवी गुणों वाला देवता श्रीकृष्ण। श्रीकृष्ण की आत्मा अभी ज्ञान ले रही है। मनुष्य फिर समझते हैं ज्ञान दे रही है। *मनुष्य फिर श्रीकृष्ण को त्रिलोकीनाथ कह देते हैं*

उत्तर 18- *B.योगी*

बाप समझाते हैं - बच्चे, देही-अभिमानी बनो। बहुत अच्छे बच्चे भी देह-अभिमानी हैं क्योंकि बाबा को याद नहीं करते। *जो योगी नहीं, वह धारणा नहीं कर सकते।* यहाँ तो सच्चाई चाहिए। पूरा फालो करना चाहिए। जो सुनते हो वह धारण कर समझाते रहो।

उत्तर 19- *B.दासी*

तुम बच्चे इस समय स्टूडेन्ट हो, *इस समय तुम अपनी दासियां बनायेंगे तो खुद भी दासी बनना पड़ेगा।* यहाँ महारानी बनना देह-

अभिमान है। सच कहना चाहिए कि बाबा यह भूल हुई। अभी सम्पूर्ण तो सभी बने नहीं हैं। इम्तहान में जब नापास होते हैं तो शर्माते भी हैं।

उत्तर 20- *B.धारणा*

कल्प-कल्प के लिए यह पढ़ाई है। इसमें बहुत ध्यान देना पड़ता है। इसको वर्ल्ड युनिवर्सिटी कहा जाता है। तो *कहाँ भी अमेरिका आदि तरफ चले जाओ, बाप से वर्सा ले सकते हो। सिर्फ एक हफ्ता धारणा करके जाओ।* भगवान् के बच्चे हैं तो भाई-बहन ठहरे ना।

उत्तर 5- *A.ब्रह्मा*

जो महारथी बच्चे हैं, वह अच्छी रीति समझा सकेंगे। कितने ढेर ब्रह्माकुमार-कुमारियाँ हैं। *प्रजापिता ब्रह्मा नाम भी मशहूर है। प्रजापिता ब्रह्मा के यह हैं मुख वंशावली। ब्रह्मा को ही 100 भुजा, 1000 भुजा दिखाते हैं।* यह भी समझाया जाता है इतनी भुजायें तो हो नहीं सकती। बाकी ब्रह्मा तो बहुत बचड़े वाला है।

उत्तर 22- *B.प्रत्यक्षफल*

इस पाठशाला में आने से तुम्हें प्रत्यक्षफल की प्राप्ति होती है, एक-एक ज्ञान रत्न लाखों की मिलकियत है, जो बाप देते हैं।

उत्तर 23- *D.समय*

समय के महत्व को जान लो तो सर्व खजानों से सम्पन्न बन जायेंगे।

उत्तर 24- *D.प्योरिटी*

बाबा कहते यह तो आनादि बना-बनाया ड्रामा है। मेरी भी यह ड्युटी है। मैं कल्प-कल्प आकर तुम बच्चों को माया से लिबरेट कर ब्राह्मण बनाए सृष्टि के आदि-मध्य-अन्त का राज़ सुनाता हूँ। *मैं आता ही तब हूँ जब स्वर्ग बनाना है। तुम अब फरिश्ते बन रहे हो। प्योरिटी का भी साक्षात्कर कराते हैं।* तुमको नष्टोमोहा भी बनना है।

उत्तर 25- *C.उसके बदले में खूब सर्विस करो*

कभी अगर कोई भूल हो जाती है तो उसके बदले में खूब सर्विस करो। नहीं तो वह भूल दिल को खाती रहेगी। बाप को ज्ञानी और योगी बच्चे ही बहुत प्यारे लगते हैं।

उत्तर 26- *B.समय की समाप्ति होगी*

बाप यही चाहते हैं कि मेरा हर एक बच्चा अपनी मूर्त से बाप की सीरत दिखायें। सूरत भिन्न-भिन्न हो लेकिन सबकी सूरत से बाप की सीरत दिखाई दे। *जो भी देखे, जो भी संबंध में आये - वह आपको देखकर आपको भूल जाये, लेकिन आप में बाप दिखाई दे तब ही समय की समाप्ति होगी।* सबके दिल से यह आवाज निकले हमारा बाप आ गया है, मेरा बाप है।

उत्तर 27- *D.उपरोक्त सभी*

बापदादा ने पहले भी सुनाया है कि इस फाइनल पढ़ाई में हर एक बच्चे को तीन सर्टीफिकेट लेने हैं - एक स्वयं, स्वयं से सन्तुष्ट - यह सर्टीफिकेट और दूसरा बापदादा द्वारा सर्टीफिकेट और तीसरा परिवार के संबंध-सम्पर्क में आने वालों द्वारा सर्टीफिकेट। यह तीन सर्टीफिकेट जब मिलें तब समझो पढ़ाई पूरी हुई। ऐसे नहीं समझना कि बापदादा तो हमारे से सन्तुष्ट हैं। लेकिन तीनों ही सर्टीफिकेट चाहिए, एक नहीं चलेगा।

उत्तर 28- *B.मामेकम्*

सतगुरू का सहज वशीकरण मंत्र तुम्हें मिला हुआ है कि चुप रहकर मामेकम् याद करो, यही माया को अधीन करने का महामंत्र है।

उत्तर 29- *A.जीवनमुक्ति*

तुम सबको जीवनमुक्ति का मंत्र देने वाले सतगुरू के बच्चे गुरू हो, तुम ईश्वर के बारे में कभी भी झूठ नहीं बोल सकते।

उत्तर 30- *A.देह सहित देह के सब संबंधों को त्याग बाप को याद करो*

सभी को सेकेण्ड में मुक्ति-जीवनमुक्ति का अधिकार देने के लिए *यही महामंत्र सुनाना है कि "देह सहित देह के सब सम्बन्धों को त्याग बाप को याद करो।"*

उत्तर 31- *B.लकी सितारे*

ज्ञान सूर्य बाप के साथ लकी सितारे वह हैं जो जग से अंधकार को मिटाने वाले हैं, अंधकार में आने वाले नहीं।

उत्तर 32- *C.सर्वशक्तिमान हो कर लड़ती है*

यहाँ बाप से माया घड़ी-घड़ी मुंह फेर देती है। *सर्वशक्तिमान बाप के बनते हो तो माया भी सर्वशक्तिमान होकर लड़ती है।* पांच विकारों पर जीत पाने की युद्ध है। युद्ध तो मशहूर है।

भाग - (45)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1-शिवबाबा अशरीरी है, वह शरीर में किसलिए आते हैं ?

- A- मैं इस शरीर में तुम्हें सिर्फ मुरली सुनाने आता हूँ।
- B- मैं इस शरीर में तुम्हें राजयोग सिखलाने आता हूँ।
- C- मैं इस शरीर में तुम्हें स्वर्ग का वर्सा देने आता हूँ।
- D- मैं इस शरीर में तुम्हें मुक्ति जीवन-मुक्ति देने आता हूँ।

प्रश्न 2- अन्तकाल है इसलिए ऐसा अभ्यास करना है जो-

- A- एक बाप के सिवाए और कोई याद न आये।
- B- मैं बाबा का, बाबा मेरा।
- C- मेरा तो एक शिवबाबा, दूसरा न कोई।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 3- ब्राह्मणों की नई दुनिया है ?

- A- संगम की।
- B- सतयुग की।
- C- शिवालय की
- D- सुखधाम की

प्रश्न 4- सच्ची कमाई का आधार क्या है ?

- A- धारणा
- B- ज्ञान
- C- पढ़ाई
- D- योग

प्रश्न 5-मीठे बच्चे किस कार्य में देर नहीं करनी है, अपने भाई बहनों को ठोकर खाने से बचाना है, भू-भू कर आप समान बनाना है ?

- A- स्थापना के कार्य
- B- शुभ कार्य
- C- पुरुषार्थ का कार्य
- D- बाप का परिचय देने

प्रश्न 6- आदि देव को महावीर भी नाम दिया है। हनुमान को भी महावीर कहते हैं। वास्तव में महावीर कौन हैं ?

- A- शक्तियां
- B- ब्राह्मण
- C- पांडव
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 7- देलवाड़ा मन्दिर में शक्तियों की शेर पर सवारी है और पाण्डवों की सवारी किस पर दिखाई है ?

- A- बैल
- B- हाथियों
- C- घोड़े
- D- रथ

प्रश्न 8- सारे कल्प में चक्र लगाओ तो का भी इतना बड़ा भाग्य नहीं है, जितना आप संगमयुगी श्रेष्ठ आत्माओं का है।

- A- धर्म आत्मा
- B- महान आत्मा
- C- राज्य अधिकारी आत्मा
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 9-अब इस शरीर को भूल, कर्मातीत बन घर चलना है इसलिए सुकर्म करो, कोई भी विकर्म न हो ?

- A- अशरीरी
- B- अनासक्त
- C- विदेही
- D- देहीभिमानि

प्रश्न 10- अपनी अवस्था की जाँच करने के लिए किसकी महिमा को सदा याद रखो ?

- A- निराकार की
- B- देवताओं की
- C- स्वयं की
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 11- आत्मा जो पतित है, उनको पावन बन ऊपर जाना है। इसको कहा जाता है ?

- A- टावर ऑफ साइंस
- B- टावर ऑफ साइलेन्स
- C- टावर ऑफ सोल्स
- D- टावर ऑफ पीस

प्रश्न 12- करते रहो फिर उनको भोजन आदि की भी दरकार नहीं रहेगी। कहा जाता है खुशी जैसी खुराक नहीं।

- A- सर्विस
- B- याद
- C- पढ़ाई
- D- धारणा

प्रश्न 13- इस पुरुषोत्तम संगमयुग में पुरुषोत्तम बनने का पूरा-पूरा पुरुषार्थ करो, जितना हो सके पर अटेन्शन दो ?

- A- याद और पढ़ाई
- B- ज्ञान और योग
- C- पढ़ाई और सेवा
- D- योग और धारणा

प्रश्न 14- हर कर्म में - कर्म और योग का अनुभव होना ही क्या है ?

- A- बाप समान बनना है।
- B- कर्मयोग है।
- C- कर्म से न्यारा होना है।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 15- इनमें से कौन सा सही नहीं है ?

- A- तुम्हारा स्वभाव बहुत फर्स्ट-क्लास चाहिए। तुम्हारी चलन ऐसी होनी चाहिए जो सब कहे यह तो जैसे देवता है।
- B- समय पर सब काम करने में कल्याण है।
- C- यज्ञ सर्विस का इज़ाफा ब्रह्म बाबा देते हैं।
- D- बाबा बच्चों की दैवी चलन देखते हैं तो कुर्बान जाते हैं।

प्रश्न 16- कौन सी आत्मायें कभी वायुमण्डल वा संग के रंग में नहीं आ सकती।

- A- अनुभवी
- B- योगी
- C- पारस
- D- ज्ञानी

प्रश्न 17- बाप का वन्दरफुल पार्ट कौन सा है ?

- A- तमोप्रधान से सतोप्रधान बनाने का।
- B- पढ़ाने का।
- C- पुरानी दुनिया को नया बनाने का।
- D- नर्क से स्वर्ग बनाने का

प्रश्न 18- 100 प्रतिशत निष्कामी बाप किस कामना से सृष्टि पर आया है ?

- A- मैं अपने बच्चों को जाकर रास्ता बताऊँ।

- B- सृष्टि के आदि-मध्य-अन्त का समाचार सुनाऊं।
- C- बच्चे गुणवान बने...बाप की यही कामना है।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 19- लौकिक कार्य करते अलौकिकता का अनुभव करना ही ?

- A- फुल मार्क्स लेना है।
- B- सरेन्डर होना है।
- C- डबल लाइट बनना है।
- D- फरिश्ता बनना है।

प्रश्न 20- सवरे-सवरे उठ प्यार से बाप को याद करना है। अपने आपसे बातें करनी है, विचार सागर मंथन करते क्या करना है ?

- A- बाबा का शुक्रिया मानना है।
- B- खुशी में रहना है।
- C- श्रेष्ठ स्थिति में स्थित होना है।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 21- श्रीमत पर चलने वाले योगी बच्चे ही होंगे ?

- A- डबल लाइट फरिश्ता होंगे।
- B- बेदाग डायमण्ड होंगे।
- C- मौज में होंगे।
- D- खुशनसीब होंगे।

प्रश्न 22- आधाकल्प है सुख का, आधाकल्प है दुःख का। उनमें भी सुख जास्ती है। अगर आधा-आधा होता तो?

- A- ड्रामा कल्याणकारी नहीं।
- B- दुःख में सिमरन कौन करे।
- C- टेस्ट क्या आयेगी।
- D- नशा नहीं होगा।

प्रश्न 23- इनमें से कौन सा सही नहीं है ?

- A- बाम्बे पहले इतनी नहीं थी। समुद्र को सुखाया फिर समुद्र हो जायेगा।
- B- सतयुग में मीठे पानी पर महल होंगे। खारे पानी पर होते नहीं। तो यह रहेंगे नहीं।
- C- बहुत नैचुरल कैलेमिटीज होगी। यह सब खत्म हो जायेंगे। इनको कहा जाता है गॉडली कैलेमिटीज़।
- D- जो योगयुक्त होंगे, श्रीमत पर चलने वाले होंगे वह सब कुछ देखेंगे।

प्रश्न 24- बाप की दुआयें लेनी हैं तो बच्चे क्या बने ?

- A- स्नेही
- B- सपूत
- C- आज्ञाकारी
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 25- हमारा एम ऑब्जेक्ट क्या है ?

- A- लक्ष्मी-नारायण बनना
- B- सतोप्रधान बनना
- C- दैवीगुण धारण करना
- D- पवित्र बनना

प्रश्न 26- चलते-फिरते काम- काज करते बुद्धि में क्या रहना चाहिए ?

- A- यह ज्ञान ही हमको साथ ले जाना है।
- B- हम बाप के पास पढ़ने के लिए आये।
- C- पढ़ाई तो सहज है।
- D- श्रीमत पर चलना है।

प्रश्न 27- बाप किसलिए आये हैं ?

- A- बाप हमारे कल्याण के लिए आये हैं।
- B- अपनी श्रीमत देने।

- C- अपनी पहचान देने।
D- आत्मा की पहचान देने।

प्रश्न 28- बाहर में जाकर सर्विस करना नहीं है। बड़ी समझ चाहिए ?

- A- आसान
B- सब के बस की बात
C- मासी का घर
D- कठिन का

प्रश्न 29- बाप का पहले किससे प्यार है ?

- A- फूलों से
B- काँटों से
C- बच्चों से
D- आत्मा से

प्रश्न 30- बेहद का बाप बच्चों को गोद में लेते हैं-किसलिए ?

- A- पतित से पावन बनाने के लिए।
B- काँटों से फूल बनाने के लिए।
C- स्वर्ग का मालिक बनाने के लिए।
D- तमोप्रधान से सतोप्रधान बनाने के लिए।

प्रश्न 31- इनमें कौन सा सही नहीं है ?

- A- बाप तुमको अपनी तरफ खींचते हैं. माया अपनी तरफ खींचती है।
B- ब्रह्मा है नई जुत्ती।
C- आत्मा को पहले नई जुत्ती मिलती है। फिर पुरानी होती है।
D- इस समय सब जुत्तियाँ तमोप्रधान हैं।

प्रश्न 32- सबसे अच्छा फूल कौन सा है ?

- A- किंग फ्लावर
B- गुलाब
C- कमल
D- अक

भाग (45) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *A.मैं इस शरीर में तुम्हें सिर्फ़ मुरली सुनाने आता हूँ*

बाबा कहते - बच्चे, मैं इस शरीर में तुम्हें सिर्फ़ मुरली सुनाने आता हूँ। मैं मुरली सुनाने का ही काम करता हूँ। मैं खाने पीने के लिए नहीं आता हूँ। मैं आया हूँ तुम्हें नई राजधानी देने। बाकी स्वाद तो इनकी आत्मा लेती है।

उत्तर 2- *A.एक बाप के सिवाए और कोई याद न आये*

*अन्तकाल है इसलिए ऐसा अभ्यास करना है जो एक बाप के सिवाए और कोई याद न आये।*शिवबाबा को भूल औरों को याद करेंगे तो अन्त में फेल हो जायेंगे।

उत्तर 3- *A संगम युग*

परमात्मा को याद करें तो फिर यह बातें भी समझें कि हम ब्राह्मणों को उसने रचा है। *तुमको तो सम्मुख बतलाते हैं कि मैं रचता हूँ। यह ब्राह्मणों की नई दुनिया है संगम की।* चोटी को तो कोई नहीं जानते। विराट रूप बनाते हैं। उसमें देवता, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र दिखाते हैं। ब्राह्मणों को भूल गये हैं। सतयुग में देवतायें, कलियुग में शूद्र। संगमयुगी ब्राह्मणों को जानते नहीं

उत्तर 4- *C.पढ़ाई*

सच्ची कमाई का आधार पढ़ाई है। अगर पढ़ाई ठीक नहीं तो सच्ची कमाई कर नहीं सकते। उन्नति में विघ्न तब ही पड़ता जब संग ठीक नहीं। कहा भी जाता है संग तारे कुसंग बोरे। संग खराब होगा तो पढ़ेंगे नहीं, नापास हो जायेंगे।

उत्तर 5- *B.शुभ कार्य*

मीठे बच्चे - *शुभ कार्य में देरी नहीं करनी है* , अपने भाई बहनों को ठोकर खाने से बचाना है, भू-भू कर आप समान बनाना है। हम सागर के बच्चे अपने भाई-बहनों को बचायें। बिचारे ठोकर खाते रहते हैं। कहेंगे बी.के. इतनी रड़ियाँ मारती हैं, कुछ तो बात होगी।

उत्तर 6- *A.शक्तियां*

एक ही घर में बाप का गुरू अलग तो बच्चे का गुरू अलग। वास्तव में गुरू किया जाता है वानप्रस्थ में। बाप कहते हैं मैं भी आया हूँ इनकी वानप्रस्थ अवस्था में। दुनिया में तो जितना जो बड़ा गुरू होता है उनको उतना नशा रहता है। आदि देव को महावीर भी नाम दिया है। हनुमान को भी महावीर कहते हैं। महावीर तो तुम शक्तियां हो।

उत्तर 7- *B.हाथियों*

देववाड़ा मन्दिर में शक्तियों की शेर पर सवारी है और पाण्डवों की हाथियों पर। मन्दिर बड़ा युक्ति से बना हुआ है। हूबहू तुम्हारा यादगार है। तुम तो उस समय होंगे नहीं जो तुम्हारा चित्र दें। मन्दिर तो द्वापर में बने हैं तो तुम्हारे चित्र कहाँ से आयेंगे।

उत्तर 8- *D.उपरोक्त सभी*

हर एक बच्चे के भाग्य की रेखाएँ देख-देख भाग्य विधाता बाप भी हर्षित होते हैं क्योंकि *सारे कल्प में चक्र लगाओ तो आप जैसा श्रेष्ठ भाग्य किसी धर्म आत्मा, महान आत्मा, राज्य अधिकारी आत्मा, किसी का भी इतना बड़ा भाग्य नहीं है, जितना आप संगमयुगी श्रेष्ठ आत्माओं का है।*

उत्तर 9- *B.अनासक्त*

अगर ऊँच पद पाने चाहते हो तो और कोई की स्मृति न आये। हमारे पास है ही क्या। हाथ खाली आये हैं ना, कुछ भी नहीं। अपना यह शरीर भी नहीं है। अब इस शरीर को भूलना है। *तुम्हें अब इस शरीर को भूल अनासक्त, कर्मातीत बन घर चलना है* इसलिए सुकर्म करो, कोई भी विकर्म न हो।

उत्तर 10- *D.उपरोक्त सभी*

अपनी अवस्था की जाँच करने के लिए तीन की महिमा को सदा याद रखो, *1. निराकार की महिमा 2. देवताओं की महिमा 3. स्वयं की महिमा।* अब जाँच करो कि निराकार बाप के समान पूज्य बने हैं, उनके सब गुणों को धारण किया है! देवताओं जैसी रायल चलन है! देवताओं का जो खान पान है, उनके जो गुण हैं वह हमारे हैं? आत्मा के जो गुण हैं उन सब गुणों को जान उनका स्वरूप बने हैं?

उत्तर 11- *B.टॉवर ऑफ साइलेन्स*

वो लोग पहाड़ी पर चढ़ने की प्रैक्टिस करते हैं, रेस करते हैं। पहाड़ी पर चढ़ने में भी कोई होशियार होते हैं। सब नहीं चढ़ सकते। तुम बच्चों को इसमें रेस आदि करने की दरकार नहीं। *आत्मा जो पतित है, उनको पावन बन ऊपर जाना है। इसको कहा जाता है टावर ऑफ साइलेन्स।*

उत्तर 12- *A.सर्विस*

सर्विस करते रहो फिर उनको भोजन आदि की भी दरकार नहीं रहेगी। कहा जाता है खुशी जैसी खुराक नहीं। धन नहीं होगा तो उनको घड़ी-घड़ी भूख लगती रहेगी। धनवान राजाओं का जैसे पेट भरा रहता है। बड़ी रॉयल चलन होती है। बातचीत भी फर्स्टक्लास। तुम समझते हो हम क्या बन रहे हैं!

उत्तर 13- *A.याद और पढ़ाई*

मीठे बच्चे - इस पुरुषोत्तम संगमयुग में पुरुषोत्तम बनने का पूरा-पूरा पुरुषार्थ करो, *जितना हो सके याद और पढ़ाई पर अटेन्शन दो,* बहुत हैं जो बाबा को याद नहीं करते। अपने ही धर्मों में रहते हैं। उनको फुर्सत ही नहीं। परन्तु इसमें तो काम आदि करते भी बुद्धि से याद करना है। कहा जाता अपनी घोट तो नशा चढ़े। एक दिन भी पढ़ाई मिस मत करो।

उत्तर 14- *B.कर्मयोग है*

विघ्न आता है, तो विशेष योग लगाते हो और भट्टी रखते हो, इससे सिद्ध होता है कि दुश्मन ही शस्त्र की स्मृति दिलाते हैं लेकिन स्वतः और सदा स्मृति नहीं रहती। निरन्तर योगी हो या अन्तर वाले योगी हो? टाइल तो निरन्तर योगी का है ना, *हर कर्म में - कर्म और योग का अनुभव होना ही कर्मयोग है।*

उत्तर 15- *C.यज्ञ सर्विस का इज़ाफा ब्रह्मा बाबा देते हैं*

बाबा स्वर्ग का मालिक बनाने आते हैं तो तुम्हें कितना मददगार बनना चाहिए। सर्विस में आपे ही लग जाना चाहिए। ऐसे नहीं मैं थक गया हूँ, फुर्सत नहीं है। समय पर सब काम करने में कल्याण है। *यज्ञ सर्विस का इज़ाफा शिवबाबा देते हैं।* बाबा बच्चों की दैवी चलन देखते हैं तो कुर्बान जाते हैं।

उत्तर 16- *A.अनुभवी*

सदा खुशी में झूलने वाले सर्व के विघ्न हर्ता वा सर्व की मुश्किल को सहज करने वाले तब बनेंगे जब संकल्पों में दृढ़ता होगी और स्थिति में डबल लाइट होगे। अव्यक्ति साइलेन्स द्वारा डबल लाइट फरिश्ता स्थिति का अनुभव करो। *अनुभवी आत्माएँ कभी वायुमण्डल वा संग के रंग में नहीं आ सकती।*

उत्तर 17- *B.पढ़ाने का*

बाबा का वन्दरफुल पार्ट है पढ़ाने का। वह सर्विस के लिए ही आते हैं। पालना करते हैं। पुचकार देकर कहते हैं मीठे बच्चे यह करो। ज्ञान सुनाते हैं, लेते कुछ नहीं। सारे विश्व में एक ही बाप है जो कुछ लेता करता नहीं। तो बच्चों को ख्याल करना चाहिए कि हम किसके बच्चे हैं।

उत्तर 18- *D.उपरोक्त सभी*

एक ही निराकार ऊंच ते ऊंच भगवान ही गाया हुआ है। उनको ही सब याद करते हैं। वह तुम्हारा बाप भी अभोक्ता, टीचर भी अभोक्ता तो सतगुरू भी अभोक्ता। *100 प्रतिशत निष्कामी बाप को कामना हुई है मैं अपने बच्चों को जाकर रास्ता बताऊँ। सृष्टि के आदि-मध्य-अन्त का समाचार सुनाऊँ। बच्चे गुणवान बनें... बाप की यही कामना है।*

उत्तर 19- *B.सरेन्द्र होना है*

बाप कहते हैं मेरे लाडले बच्चे कभी किसको दुःख नहीं देना। ऐसे बहुत हैं जो उल्टी सुल्टी भूलें करते हैं, चुगली करना, रीस करना, हसद करना.. यह भी विकर्म है ना। *लौकिक कार्य करते अलौकिकता का अनुभव करना ही सरेन्द्र होना है।*

उत्तर 20- *A.बाबा का शुक्रिया मानना है*

सवेरे-सवेरे उठ प्यार से बाप को याद करना है। अपने आपसे बातें करनी है, विचार सागर मंथन करते *बाबा का शुक्रिया मानना है।* बच्चों को समझाया है सहारा देने वाला एक ही बाप है। बाप को याद करने से बहुत खुशी होती है। यह बहुत समझने की बातें हैं।

उत्तर 21- *C.मौज में होंगे*

अभी अन्तिम विनाश का दृश्य सामने है। करोड़ों मनुष्य मरेंगे, नैचुरल कैलेमिटीज होंगी। उस समय स्थिति एकरस रहे, सब दृश्य देखते भी मिरूआ मौत मलूका शिकार..ऐसा अनुभव हो, उसके लिए योगयुक्त बनना पड़े। *श्रीमत पर चलने वाले योगी बच्चे ही मौज में रहेंगे।*

उत्तर 22- *C.टेस्ट क्या आयेगी*

तुम जब सुखधाम में जाते हो तो बाकी सब शान्तिधाम में रहते हैं। *आधाकल्प है सुख का, आधाकल्प है दुःख का। उनमें भी सुख जास्ती है। अगर आधा-आधा होता तो टेस्ट क्या आयेगी*

उत्तर 23- *C.बहुत नैचुरल कैलेमिटीज होगी। यह सब खत्म हो जायेंगे। इनको कहा जाता है गॉडली कैलेमिटीज*

बाम्बे पहले इतनी नहीं थी। समुद्र को सुखाया फिर समुद्र हो जायेगा। सतयुग में मीठे पानी पर महल होंगे। खारे पानी पर होते नहीं। तो यह रहेंगे नहीं। *बहुत नैचुरल कैलेमिटीज होगी। यह सब खत्म हो जायेंगे। इनको कहा जाता है नैचुरल कैलेमिटीज़, गॉडली कैलेमिटीज़ नहीं कहेंगे* योगयुक्त होंगे, श्रीमत पर चलने वाले होंगे वह सब कुछ देखेंगे। कैसे अर्थिक में सब खलास होता है।

उत्तर 24- *D.उपरोक्त सभी*

स्लोगन:- *बाप की दुआयें लेनी हैं तो स्नेही, सपूत, आज्ञाकारी बच्चे बनो।*

उत्तर 25- *A.लक्ष्मी-नारायण बनना*

बाप बच्चों से पूछते हैं कि तुम यहाँ जब आते हो तो इन *लक्ष्मी-नारायण के चित्र को देखते हो कोई भी आये तो उनको समझाओ - यह एम ऑब्जेक्ट है।* इस पढ़ाई से यह देवी-देवता जाकर बनते हैं

उत्तर 26- *B.हम बाप के पास पढ़ने के लिए आये*

बातचीत करने के मैनेर्स भी अच्छे चाहिए। चलन बहुत अच्छी चाहिए। *चलते-फिरते काम-काज करते बुद्धि में सिर्फ यही रहे कि हम बाप के पास पढ़ने के लिए आये हैं।* यह ज्ञान ही तुमको साथ ले जाना है। पढ़ाई तो सहज है

उत्तर 27- *A.बाप हमारे कल्याण के लिए आये है*

यह भी स्कूल है ना। इसमें इज़ाफा आदि की बात नहीं। फिर भी पुरुषार्थ तो कराया जाता है ना। चलन को सुधारो, दैवीगुण धारण करो। कैरेक्टर अच्छे चाहिए। *बाप तो तुम्हारे कल्याण के लिए आये हैं।* परन्तु बाप की श्रीमत पर चल नहीं सकते।

उत्तर 28- *C.मासी का घर*

यह है तो बहुत सहज बात समझने की, परन्तु जो खुद ही नहीं समझते तो वह प्रदर्शनी में क्या समझायेंगे? सर्विस के बदले डिस सर्विस करके आयेंगे। *बाहर में जाकर सर्विस करना मासी का घर नहीं है।* बड़ी समझ चाहिए।

उत्तर 29- *B.काँटों से*

पहले हम सब काँटें थे, कोई छोटे, कोई बड़े। कोई बहुत दुःख देते हैं, कोई थोड़ा। अब बाप का प्यार तो सबसे है। गायन भी है काँटों से भी प्यार, फूलों से भी प्यार। *पहले किससे प्यार है? जरूर काँटों से प्यार है।*

उत्तर 30- *C.स्वर्ग का मालिक बनाने के लिए*

अभी तुम जानते हो-बाबा स्वर्ग का द्वार खोल रहे हैं। तो क्यों न हम बाबा से वर्सा लें। क्यों न विजय माला में पिरो जायें, महावीर बनें। *बेहद का बाप बच्चों को गोद में लेते हैं-किसलिए? स्वर्ग का मालिक बनाने के लिए।*

उत्तर 31- *B.ब्रह्मा है नई जुत्ती*

माया कितनी प्रबल है। तो क्या तुमको माया का बनना है? बाप तुमको अपनी तरफ खींचते हैं, *माया अपनी तरफ खींचती है। ब्रह्मा है पुरानी जुत्ती। आत्मा को पहले नई जुत्ती मिलती है फिर पुरानी होती है। इस समय सब जुत्तियाँ तमोप्रधान हैं।*

उत्तर 32- *A.किंग फ्लावर*

यह देवतायें हैं फूल, वह है गॉर्डन आफ अल्लाह। बाप तुमको फूल बना रहा है। बाकी फूलों में वैरायटी है। *सबसे अच्छा फूल है किंग फ्लावर।* इन लक्ष्मी-नारायण को नई दुनिया का किंग कौन फ्लावर कहेंगे।

भाग - (46)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- "मीठे बच्चे.....बनने के लिए एक है याद का बल, दूसरा है सजाओं का बल,तुम्हें याद के बल से बन ऊंच पद पाना है" ?

- A- पावन
- B- रूहानी सर्जन
- C- सतोप्रधान
- D- योगी

प्रश्न 2- अगर याद नहीं करेंगे तो पाप सौ गुणा बन जायेगा, क्यों ?

- A- क्योंकि पाप आत्मा बन तुम मेरी निंदा कराते हो।
- B- मनुष्य कहेंगे इनको ईश्वर ऐसी मत देते हैं जो आसुरी चलन दिखाते हैं!
- C- लाही-चाढ़ी (उतराव-चढ़ाव) भी होता है ना। बच्चे हार भी खाते हैं।
- D- अच्छे-अच्छे बच्चे भी हार खाते हैं। तो पाप कटते ही नहीं हैं।

प्रश्न 3- बाप किसलिए आये है ?

- A- देवता बनाने के लिए।
- B- शान्तिधाम-सुखधाम ले चलने के लिए।
- C- हमारे विकर्म विनाश करने के लिए।
- D- पवित्र बनाने के लिए।

प्रश्न 4- बाप को पत्थर ठिक्कर में कहने से मनुष्य का क्या हाल हो गया है ?

- A- अपवित्र बन गये।
- B- छी-छी बन गये।
- C- सम्पूर्ण विकारी बन गये।
- D- तमोप्रधान बन गये।

प्रश्न 5-पहला नम्बर दुश्मन कौन है ?

- A- काम
- B- देह-अभिमान
- C- क्रोध
- D- रावण

प्रश्न 6- बापदादा हर बच्चे की क्या देखते है ?

- A- विशेषता
- B- गुण
- C- पुरुरूपार्थ
- D- पावनता

प्रश्न 7- तुम बेफिक्र कब रह सकेंगे ?

- A- जब कर्मातीत अवस्था हो।
- B- जब योग अच्छा हो।

- C- जब पावन हो।
- D- जब सदा देहीभिमानी स्थिति हो।

प्रश्न 8- शिवबाबा कौन से वर्ल्ड की स्थापना कर रहे हैं ?

- A- डायमंड वर्ल्ड
- B- गोल्डन वर्ल्ड
- C- सिल्वर वर्ल्ड
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 9- तुम खुदा के पैगम्बर हो, तुम्हें सारी दुनिया को कौन-सा पैगाम देना है ?

- A- तुम सब अपने को आत्मा समझो।
- B- देह-अभिमान छोड़ो, एक मुझ बाप को याद करो।
- C- एक बाप की याद से तुम पावन बन जायेंगे।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 10- गुरू गोविन्दसिंह की तलवार कहा चली गई ?

- A- विदेश
- B- इंग्लैंड
- C- विलायत
- D- फ्रांस

प्रश्न 11- ज्ञान सागर कब आते हैं ?

- A- कल्प के इस पुरुषोत्तम संगमयुग पर।
- B- जब पुरानी दुनिया बदलनी होती है।
- C- जब सब पतित बन जाते हैं।
- D- कलियुग के अन्त में।

प्रश्न 12- हमें क्या अभ्यास करना है ?

- A- मैं आत्मा हूँ।
- B- मुझ आत्मा को बाप का फरमान है कि निरन्तर मुझे याद करो।
- C- एक बाप से सच्ची प्रीति रखो।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 13- इस शरीर से जीते जी मरने के लिए क्या अभ्यास करो, कि जिससे ममत्व निकल जाये ?

- A- एक बाप दूसरा न कोई
- B- मैं भी आत्मा, तुम भी आत्मा
- C- अब घर जाना है
- D- आत्मा भाई भाई

प्रश्न 14- जितनी..... की जास्ती ताकत, उतने ज्यादा फालोअर्स ?

- A- याद
- B- पवित्रता
- C- ज्ञान
- D- धारणा

प्रश्न 15- खाते-पीते जैसे कि इस शरीर में हूँ ही नहीं। यह अवस्था पक्की करनी है। तब कितने रत्नों की माला में आ सकते हैं ?

- A- 8
- B- 108
- C- 16108
- D- 9 लाख

प्रश्न 16- अपने को शरीर से न्यारा समझना है। इसको ही कहा जाता है ?

- A- अशरीरी अवस्था
- B- कर्मातीत अवस्था
- C- जीते जी मरना

D- देहीभिमानी अवस्था

प्रश्न 17- किसी भी धर्म की स्थापना के लिए किसका बल चाहिए ?

- A- याद
- B- ज्ञान
- C- पवित्रता
- D- सेवा

प्रश्न 18- तुम राजयोगी बच्चों का मुख्य कर्तव्य क्या है ?

- A- मुरली सुनना
- B- पढ़ना और पढ़ाना
- C- अमृतवेला उठना
- D- याद करना

प्रश्न 19- नम्बरवन में आना है तो सिर्फ क्या करना है ?

- A- ब्रह्मा बाप के कदम पर कदम रखते चलो
- B- अपने भाग्य का सिमरण करते रहो
- C- स्मृति स्वरूप बनो
- D- नष्टोमोहा बनो

प्रश्न 20- बाप बड़े ते बड़ी पढ़ाई दो अक्षर में क्या पढ़ाते हैं ?

- A- अल्फ और बे
- B- आत्मा और परमात्मा
- C- याद और पढ़ाई
- D- शमा और परवाना

प्रश्न 21- कहाँ जाने के लिए मनुष्य कितना माथा मारते हैं ?

- A- शान्ति-धाम में
- B- स्वर्ग में
- C- रामराज्य में
- D- सुखधाम में

प्रश्न 22- बाप भी कहते हैं मैं जानी जाननहार हूँ अर्थात्-

- A- मन की बात जानते हैं।
- B- सब आत्माओं को जानते हैं।
- C- सृष्टि के आदि-मध्य-अन्त को जानता हूँ।
- D- ड्रामा के गुह्य राज को

प्रश्न 23- सुख की प्रालम्भ कब पूरी हो जाती है ?

- A- सतयुग त्रेता में
- B- कलियुग में
- C- द्वापर युग में
- D- संगमयुग में

प्रश्न 24- श्रीकृष्ण के बारे में कौन सा कथन सही है ?

- A- श्रीकृष्ण का जन्म दिव्य अलौकिक है।
- B- त्वमेव माता च पिता कहेंगे
- C- जन्म पवित्रता से होता है।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 25- अभी तो अनेकानेक भाषायें हैं क्योंकि

- A- अभी एक मत नहीं है इसलिए।
- B- जैसा-जैसा राजा वैसी-वैसी उनकी भाषा चलती है।
- C- जैसा देश वैसी भाषा।
- D- कोस कोस पर पानी बदले चार कोस पर बानी।

प्रश्न 26- 5 भूतों की तो प्रवेशता किसमें होती है ?

- A- रावण में
- B- आत्मा में
- C- शरीर में
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 27- सर्वव्यापी इनमें से कौन है ?

- A- ईश्वर
- B- आत्मायें
- C- 5 विकार
- D- B और C

प्रश्न 28- साधू-सन्त आदि कोई से पूछे -परमात्मा से योग कैसे लगावें, उनसे कैसे मिलें। तो वह कह देंगे -

- A- नेती नेती
- B- वह तो सर्वव्यापी है।
- C- भक्ति करो
- D- ध्यान करो

प्रश्न 29- मनुष्य की चलन कैसे सुधरती है ?

- A- ज्ञानधन से
- B- पवित्रता से
- C- सुख से
- D- योग से

प्रश्न 30- बाप अपने बच्चों पर कौन-सी मेहर (कृपा) करते हैं ?

- A- बाप बच्चों के कल्याण के लिए डायरेक्शन देते हैं।
- B- सतोप्रधान बनाते हैं।
- C- 21 जन्मों का वर्सा देते हैं।
- D- मुक्ति जीवन-मुक्ति का वर्सा देते हैं।

प्रश्न 31- बहुतों में कौन सा का भूत बैठा हुआ है ?

- A- क्रोध का
- B- काम का
- C- देह-अहंकार का
- D- मोह का

प्रश्न 32- धन्धा-धोरी में ऐसा बिजी नहीं होना है ?

- A- जो डिससर्विस हो।
- B- देह-अभिमान आ जाये।
- C- याद की यात्रा वा पढ़ाई के लिए टाइम ही न मिले।
- D- माया के चम्बे में आ जाये।

भाग (46) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1 - *A.पावन*

"मीठे बच्चे-पावन बनने के लिए एक है याद का बल, दूसरा है सजाओं का बल, तुम्हें याद के बल से पावन बन ऊंच पद पाना है"

उत्तर 2 - *A.क्योंकि पाप आत्मा बन तुम मेरी निंदा कराते हो*

बाप कहते हैं मामेकम् याद करो, तुम्हारे सब पाप भस्म हो जायेंगे। *अगर याद नहीं करेंगे तो पाप सौ गुणा बन जायेगा क्योंकि पाप आत्मा बन तुम मेरी निंदा कराते हो।* मनुष्य कहेंगे इनको ईश्वर ऐसी मत देते हैं जो आसुरी चलन दिखाते हैं!

उत्तर 3 - *B.शांतिधाम-सुखधाम ले चलने के लिए*

बाप कहते हैं मैं आया हूँ तुम बच्चों को शान्तिधाम-सुखधाम ले चलने के लिए। तुम मुझे याद करो और सृष्टि चक्र को फिराओ। कोई भी विकर्म नहीं करो। जो गुण इन देवताओं में हैं ऐसे गुण धारण करने हैं। बाबा कोई तकलीफ नहीं देते हैं।

उत्तर 4 - *C.सम्पूर्ण विकारी बन गये*

बाप ही सबसे ऊंच है। *ऐसे बाप को पत्थर ठिक्कर में कहने से मनुष्य का क्या हाल हो गया है! सीढ़ी उतरते ही आये हैं। कहाँ वह सम्पूर्ण निर्विकारी, कहाँ यह सम्पूर्ण विकारी।* इन बातों को मानेंगे भी वह जिन्होंने कल्प पहले माना होगा।

उत्तर 5- *B.देह-अभिमान*

पहला नम्बर दुश्मन है देह-अभिमान, फिर काम, क्रोध। देह-अभिमान में आने से ही वृत्ति खराब होती है इसलिए बाप कहते हैं - देही-अभिमानी भव।

उत्तर 6- A.विशेषता

बापदादा हर बच्चे की विशेषता देखते हैं, चाहे सम्पूर्ण नहीं बने हैं, पुरुषार्थी हैं लेकिन ऐसा एक भी बच्चा नहीं जिसमें कोई विशेषता न हो। सबसे पहली विशेषता तो कोटो में कोई की लिस्ट में हो। बाप को पहचानकर मेरा बाबा कहना और अधिकारी बनना ये भी बुद्धि की विशेषता है, परखने की शक्ति है। इस श्रेष्ठ शक्ति ने ही विशेष आत्मा बना दिया।

उत्तर 7- *A.जब कर्मातीत अवस्था हो*

बेफिक्र रहने के लिए सदा याद रहे कि यह ड्रामा बिल्कुल एक्स्ट्रेट बना हुआ है। जो भी ड्रामा अनुसार चल रहा है यह बिल्कुल एक्स्ट्रेट है। *परन्तु अभी तुम बच्चे बेफिक्र रह नहीं सकते, जब तुम्हारी कर्मातीत अवस्था हो, तब तुम बेफिक्र बनेंगे, इसके लिए योग बहुत अच्छा चाहिए।* योगी और ज्ञानी बच्चे छिप नहीं सकते।

उत्तर 8- *B.गोल्डन वर्ल्ड*

बाप कहते हैं मैं अपने बच्चों को ही पढ़ाता हूँ। जो मुझे पहचानते हैं उन्होंने को ही पढ़ाकर देवता बनाता हूँ। भारत ही स्वर्ग था, अब नर्क है। जो काम को जीतेगा वही जगतजीत बनेगा। *मैं गोल्डन वर्ल्ड की स्थापना कर रहा हूँ। अनेक बार यह भारत गोल्डन एज में था, फिर आइरन एज में आया - यह कोई भी जानते नहीं।*

उत्तर 9- *D.उपरोक्त सभी*

सारी दुनिया को पैगाम दो कि खुदा ने कहा है - *तुम सब अपने को आत्मा समझो, देह-अभिमान छोड़ो, एक मुझ बाप को याद करो तो तुम्हारे सिर से पापों का बोझा उतर जायेगा।* एक बाप की याद से तुम पावन बन जायेंगे। अन्तर्मुखी बच्चे ही ऐसा पैगाम सभी को दे सकते हैं।

उत्तर 10- *C.विलायत*

तुम्हारे ज्ञान के बाण बहुत अच्छे हैं, परन्तु उसमें जौहर चाहिए। जैसे तलवार में भी जौहर होता है। *कोई बहुत तीखे जौहर वाले होते हैं। जैसे गुरु गोविन्दसिंह की तलवार विलायत चली गई।* उस तलवार को लेकर परिक्रमा देते हैं। बहुत साफ रखते हैं। कोई दो पैसे की तलवार भी होती है, जिसमें जौहर होता है, वह बहुत तीखी होती है। उनका दाम बहुत होता है।

उत्तर 11- *A.कल्प के इस पुरुषोत्तम संगमयुग पर*

बाप समझाते हैं ज्ञान सागर और ज्ञान गंगाएँ इस पुरुषोत्तम संगमयुग पर ही होते हैं। बस, एक ही समय पर होते हैं। *ज्ञान सागर आते ही हैं कल्प के इस पुरुषोत्तम संगमयुग पर।* ज्ञान सागर है निराकार परमपिता परमात्मा शिव। उनको शरीर जरूर चाहिए, जो बात भी कर सके।

उत्तर 12- *A.मैं आत्मा हूँ*

ज्ञान तलवार में याद का जौहर भरने के लिए कर्म करते अन्तर्मुखी बन अभ्यास करना है कि मैं आत्मा हूँ। मुझ आत्मा को बाप का फरमान है कि निरन्तर मुझे याद करो। एक बाप से सच्ची प्रीत रखो। देह और देह के सम्बन्धियों से ममत्व निकाल दो।

उत्तर 13- *B.मैं भी आत्मा, तुम भी आत्मा*

इस शरीर से जीते जी मरने के लिए अभ्यास करो - 'मैं भी आत्मा, तुम भी आत्मा' - इस अभ्यास से ममत्व निकल जायेगा।

उत्तर 14- *B.पवित्रता*

सतोप्रधान आत्मा कशिश करती है, अपवित्र आत्माओं को खींचती है क्योंकि आत्मा पवित्र है। भल पुनर्जन्म में आते हैं तो भी पवित्र होने के कारण खींचते हैं। कितने उन्हीं के फालोअर्स बनते हैं। *जितनी पवित्रता की जास्ती ताकत, उतने ज्यादा फालोअर्स।*

उत्तर 15- *A. 8*

यह देहधारी की याद एक-दम उड़ा देनी चाहिए क्योंकि बहुत बड़ी मंज़िल है। खाते-पीते जैसेकि इस शरीर में हूँ ही नहीं। *यह अवस्था पक्की करनी है तब 8 रत्नों की माला में आ सकते हैं।* मेहनत बिगर थोड़ेही ऊंच पद मिल सकता है

उत्तर 16- *C.जीते जी मरना*

हमको तो बाबा के साथ जाना जरूर है। अपने को शरीर से न्यारा समझना है। *इसको ही जीते जी मरना कहा जाता है।* अपना घर ही याद रहता है। तुम जन्म-जन्मान्तर से इस शरीर में रहते आये हो इसलिए तुमको मेहनत करनी पड़ती है। जीते जी मरना पड़ता है।

उत्तर 17- *C.पवित्रता*

किसी भी धर्म की स्थापना के लिए पवित्रता का बल चाहिए। सभी धर्म पवित्रता के बल से स्थापन हुए। लेकिन कोई भी धर्म स्थापक किसी को पावन नहीं बनाते क्योंकि जब धर्म स्थापन होते हैं तब माया का राज्य है, सबको पतित बनना ही है। पतितों को पावन बनाना - यह बाप का ही काम है। वही पावन बनने की श्रीमत देते हैं।

उत्तर 18- *B.पढ़ना और पढ़ाना*

पढ़ना और पढ़ाना, यही तुम्हारा मुख्य कर्तव्य है। तुम हो ईश्वरीय मत पर। तुम्हें कोई जंगल में नहीं जाना है। घर गृहस्थ में रहते शान्ति में बैठ बाप को याद करना है। अल्फ और बे, इन्हीं दो शब्दों में तुम्हारी सारी पढ़ाई आ जाती है।

उत्तर 19- *A.ब्रह्मा बाप के कदम पर कदम रखते चलो*

नम्बरवन में आना है तो सिर्फ ब्रह्मा बाप के कदम पर कदम रखते चलो।

उत्तर 20- *A.अल्फ और बे*

बाप बड़े ते बड़ी पढ़ाई दो अक्षर में पढ़ाते हैं - अल्फ और बे। अल्फ को याद करो तो बे-बादशाही तुम्हारी है। यह बड़ा भारी इम्तहान है। मनुष्य बड़ा इम्तहान पास करते हैं तो पहले वाली पढ़ाई कोई याद थोड़ेही रहती है। पढ़ते-पढ़ते आखरीन तन्त (सार) बुद्धि में आ जाता है। यह भी ऐसे है। तुम पढ़ते आये हो।

उत्तर 21- *A.शान्ति-धाम में*

सतयुग में भी तुम्हारी आत्मा पावन थी, शान्ति-धाम में भी पावन आत्मा रहती है। वह तो है हमारा घर। कितना स्वीट घर है। जहाँ जाने के लिए मनुष्य कितना माथा मारते हैं। बाप समझाते हैं अभी सबको जाना है फिर पार्ट बजाने के लिए आना है। यह तो बच्चों ने समझा है।

उत्तर 22- *C.सृष्टि के आदि- मध्य-अन्त को जानता हूँ*

बाप को बुलाते भी नर्क में हैं। सतयुग में तो अथाह सुख हैं, तो कोई बुलाते ही नहीं। यहाँ तुम शरीर में हो तब बात करते हो। बाप भी कहते हैं *मैं जानी जाननहार हूँ अर्थात् सृष्टि के आदि-मध्य-अन्त को जानता हूँ।* परन्तु सुनाऊं कैसे! विचार की बात है ना इसलिए लिखा हुआ है - बाप रथ लेते हैं।

उत्तर 23- *A.सतयुग त्रेता में*

यह भी जानते हो यह बाप, टीचर, सतगुरू कल्प-कल्प आते हैं फिर यही पढ़ाई पढ़ाते हैं सतयुग-त्रेता के लिए। फिर प्रायःलोप हो जाता है। *सुख की प्रालम्भ पूरी हो जाती है ड्रामा अनुसार।* यह बेहद का बाप बैठ समझाते हैं, उनको ही पतित-पावन कहा जाता है।

उत्तर 24- *C.जन्म पवित्रता से होता है*

अब बाप कहते हैं मुझे पहचानने से तुम सेकण्ड में जीवनमुक्ति पा सकते हो। अब श्रीकृष्ण भगवान् अगर होता तो कोई भी झट पहचान ले। *श्रीकृष्ण का जन्म कोई दिव्य अलौकिक नहीं गाया हुआ है। सिर्फ पवित्रता से होता है।* बाप तो कोई के गर्भ से नहीं निकलते हैं।

उत्तर 25- *B.जैसा-जैसा राजा वैसी-वैसी उनकी भाषा चलती है*

सतयुग में जब तुम चलेंगे तो वहाँ अंग्रेजी आदि दूसरी कोई भाषा तो होगी नहीं। तुम जानते हो सतयुग में हमारा राज्य होता है, उसमें हमारी जो भाषा होगी वही चलेगी। फिर बाद में वह भाषा बदलती जाती है। अभी तो अनेकानेक भाषायें हैं। *जैसा-जैसा राजा वैसी-वैसी उनकी भाषा चलती है।*

उत्तर 26- *B.आत्मा में*

अपने को आत्मा समझना है और एक बाप को याद करना है ताकि भूत सब भाग जाएं। बाप है पतित-पावन। *5 भूतों की तो सबमें प्रवेशता है। आत्मा में ही भूतों की प्रवेशता होती है* फिर इन भूतों अथवा विकारों का नाम भी लगाया जाता है देह-अभिमान, काम, क्रोध आदि।

उत्तर 27- *D. B और C*

ऐसे नहीं कि सर्वव्यापी कोई ईश्वर है। कभी भी कोई कहे कि ईश्वर सर्वव्यापी है *तो कहो सर्वव्यापी आत्मायें हैं और इन आत्माओं में 5 विकार सर्वव्यापी हैं।* बाकी ऐसे नहीं कि परमात्मा सर्व में विराजमान है। परमात्मा में फिर 5 भूतों की प्रवेशता कैसे होगी! एक-एक बात को अच्छी रीति धारण करने से तुम पद्मापद्म भाग्यशाली बनते हो।

उत्तर 28- *B.वह तो सर्वव्यापी है*

साधू-सन्त आदि सब पुकारते हैं - हे पतित -पावन..... अर्थ कुछ नहीं समझते, ऐसे ही गाते रहते हैं, ताली बजाते रहते हैं। उनसे कोई पूछे- परमात्मा से योग कैसे लगावें, उनसे कैसे मिलें तो कह देंगे वह तो सर्वव्यापी है। क्या यही रास्ता बताते हैं! कह देते वेद-शास्त्र पढ़ने से भगवान मिलेगा।

उत्तर 29- *B.पवित्रता से*

मुख्य है पवित्रता की बात। पवित्रता के सिवाए पीस और प्रासपर्टी मिल नहीं सकती। इसमें चलन बहुत अच्छी चाहिए। *मनुष्य की चलन सुधरती है पवित्रता से।* पवित्र हैं तो उनको देवता कहा जाता है। तुम यहाँ आये हो देवता बनने के लिए। देवतायें सदा सुखी थे। मनुष्य कोई सदा सुखी हो न सके। सुख होता ही है देवताओं को।

उत्तर 30- *A.बाप बच्चों के कल्याण के लिए डायरेक्शन देते हैं*

बाप बच्चों के कल्याण के लिए जो डायरेक्शन देते हैं, यह डायरेक्शन देना ही उनकी मेहर (कृपा) है। बाप का पहला डायरेक्शन है - मीठे बच्चे, देही-अभिमानी बनो। देही-अभिमानी बहुत शान्त रहते हैं उनके ख्यालात कभी उल्टे नहीं चल सकते।

उत्तर 31- *C.देह-अहंकार का*

कई बच्चे अपने देह के अहंकार में बहुत रहते हैं। बाप कितना निरहंकारी रहते हैं। कहते हैं मैं भी तुम बच्चों को नमस्ते करने वाला सर्वेन्ट हूँ। वह तो अपने को बहुत ऊँच समझते हैं। यह देह-अहंकार सब तोड़ना है। *बहुतों में देह-अहंकार का भूत बैठा हुआ है।* बाप कहते हैं अपने को आत्मा समझ बाप को याद करते रहो।

उत्तर 32- *C.याद की यात्रा वा पढ़ाई के लिए टाइम ही ना मिले*

पढ़ाई के लिए टाइम निकालना चाहिए। स्वीट बाप और स्वर्ग को याद करो। जितना याद करेंगे तो अन्त मती सो गति हो जायेगी। *धन्धे-धोरी में ऐसा बिजी नहीं होना है जो याद की यात्रा वा पढ़ाई के लिए टाइम ही न मिले।* देह-अभिमान बहुत खोटा और खराब है, इसे छोड़ देही-अभिमानी रहने की मेहनत करनी है।

भाग - (47)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- यहाँ तो किसको भी पता नहीं पड़ता। तुम्हारे सम्बन्धी यह नहीं जानते कि तुम क्या पढ़ाई पढ़ते हो क्योंकि -

- A- ऊँच पढ़ाई है
- B- गुप्त है
- C- यह विचित्र पढ़ाई और विचित्र पढ़ाने वाला है
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 2- अपनी जांच करनी है ?

- A- सहनशील बने हैं ?
- B- हमारे में दैवीगुण हैं ?
- C- बुद्धियोग बाबा से है ?
- D- महावीर बने हैं ?

प्रश्न 3- अशुभ आशायें किस की होती हैं ?

- A- मनुष्य की
- B- रावण की
- C- क्रिमिनल दृष्टि वालों की
- D- शिकारियों की

प्रश्न 4- इस देवता धर्म में ताकत बहुत है। यह ताकत कहाँ से मिलती है ?

- A- ज्ञान से
- B- याद की यात्रा से
- C- सर्वशक्तिमान् बाप से
- D- पवित्रता से

प्रश्न 5- हम ब्राह्मण बच्चे हैं ?

- A- गुप्त वारियर्स
- B- गुप्त महावीर

- C- रूहानी सेना
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 6- घर में रहते हो तो भी पहले यह याद करो -

- A- हम शिवबाबा के बच्चे हैं।
- B- हम ब्राह्मण हैं।
- C- हम आत्मा हैं, देह नहीं।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 7- भक्ति मार्ग में शंख व तुतारी आदि बैठ बनाई है क्योंकि ?

- A- हम शंख ध्वनि करते हैं इसलिए
- B- बाप भी शंख ध्वनि करते रहते हैं।
- C- मनोरंजन के लिए
- D- ज्ञान ध्वनि करने के लिए

प्रश्न 8- बच्चे कहते हैं बाबा हमारे शहर में चलो तो बाप कहते हैं -

- A- जरूर आयेंगे
- B- बच्चों को ही जाकर सबका कल्याण करना है
- C- क्या कांटों के जंगल में बन्दरों को देखने चलूँ
- D- मैं जाकर क्या करूँगा

प्रश्न 9- कोई कहते हैं 24 घण्टे में आधा घण्टा याद ठहरती है तो कितना परसेन्ट हुआ ?

- A- 10%
- B- 2%
- C- 5%
- D- 4%

प्रश्न 10- ब्रह्म ज्ञानी, तत्व ज्ञानी हैं, वह अपने को क्या समझते हैं ?

- A- विद्वान
- B- अहम् ब्रह्मस्मि
- C- शिवोहम
- D- संन्यासी

प्रश्न 11- अलग शब्द पहचानिए ?

- A- शान्तिधाम
- B- सुखधाम
- C- स्वर्गधाम
- D- दुःखधाम

प्रश्न 12- जो पढ़ते नहीं वह देवता बन न सकें। वह फिर आयेंगे तब ?

- A- त्रेता युग में
- B- जब रावणराज्य शुरू होगा
- C- साधारण कुल होगा
- D- त्रेता की प्रजा में

प्रश्न 13- साइलेन्स का बल क्यों जमा करना है ?

- A- पाप भस्म होते हैं इसलिए
- B- साइलेन्स दुनिया में जाना है इसलिए
- C- बाप से ताकत लेना है इसलिए
- D- शान्ति स्थापित होती है इसलिए

प्रश्न 14- नाटक का खेल कहाँ चलता है ?

- A- सूक्ष्मवतन,
- B- मूलवतन,
- C- स्थूल वतन

D- A और C

प्रश्न 15- सहजयोग का आधार है ?

- A- संबंध और प्राप्ति
- B- ज्ञान और योग
- C- धारणा और सेवा
- D- योग और सेवा

प्रश्न 16- अलग शब्द पहचानिए ?

- A- योगी
- B- कामी
- C- भोगी
- D- रोगी

प्रश्न 17- भक्ति मार्ग की एम ऑब्जेक्ट है ?

- A- भगवान को ढूँढना
- B- ब्रह्म में लीन होना
- C- एम ऑब्जेक्ट होती नहीं
- D- भगवान की प्राप्ति

प्रश्न 18- विनाश के समय किस को पता पड़ता है बाप आया हुआ है ?

- A- भक्ति मार्ग वालों को
- B- सभी को पता
- C- शास्त्रों आदि पढ़ने वालों को
- D- बाबा के बच्चों को

प्रश्न 19- शिवबाबा का भण्डारा कौन-सा है ?

- A- धन का
- B- स्वर्ग का
- C- अविनाशी ज्ञान रत्नों का
- D- सुख का

प्रश्न 20- ब्रह्मा का दिन और रात ही गाई जाती है क्योंकि-

- A- ब्रह्मा ही चक्र में आते हैं।
- B- ब्रह्मा ही विष्णु बनते हैं।
- C- शिवबाबा ब्रह्मा द्वारा स्थापना करते हैं।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 21- यह पढ़ाई तो एक ही है, इनको कहा जाता है -

- A- ईश्वरीय पढ़ाई
- B- राजाई प्राप्त करने की पढ़ाई
- C- राजाओं का राजा बनने की पढ़ाई
- D- श्रीमत धारण करने वाली पढ़ाई

प्रश्न 22- पुरुषोत्तम संगमयुग है ?

- A- उत्तम पुरुष बनने का युग
- B- परमात्म मिलन का अनुभव करने का युग
- C- रूहानी मजे और मौज का अनुभव कराने का युग
- D- मर्यादा पुरुषोत्तम बनने का युग

प्रश्न 23- ज्ञानवान बच्चे किस चिन्तन में सदा रहते हैं ?

- A- मैं अविनाशी आत्मा हूँ, यह शरीर विनाशी है।
- B- मैंने 84 शरीर धारण किये हैं। अब यह अन्तिम जन्म है।
- C- यह आँखें शरीर में हैं लेकिन इनसे देखने वाली मैं आत्मा हूँ।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 24- पहले आत्मा भी समझते थे परन्तु फिर कोई ने कहा तुम परमात्मा हो। यह किसने बतलाया ?

- A- संन्यासियों ने
- B- देवताओं ने
- C- भक्ति मार्ग के गुरुओं और शास्त्रों ने
- D- मनुष्यों ने

प्रश्न 25- सही महावाक्य पहचानिए ?

- A- पावन बनने बिगर भगवान से नहीं मिल सकते।
- B- पावन होने के लिए भक्ति करते थे।
- C- पावन बनने बिगर हम पावन दुनिया में जा नहीं सकेंगे।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 26- यहाँ तुम बच्चों को कौनसे ख्याल से जरूर बैठना होता है ?

- A- मैं आत्मा हूँ
- B- परमात्मा हमें पढ़ाते हैं।
- C- यह बाबा भी है, टीचर और सतगुरु भी है।
- D- स्वयं को आत्मा समझकर बाप को याद करना है।

प्रश्न 27- बाप भी कलष माताओं पर क्यों रखते हैं ?

- A- पुरुष अक्सर करके देवाला मारते हैं, स्त्रियाँ नहीं।
- B- वन्दे मातरम् गाया हुआ है ना।
- C- ज्ञान मार्ग में मातायें बहुत हैं इसलिए।
- D- A और B

प्रश्न 28- सम्बन्ध-सम्पर्क में आये उसे कोई न कोई शक्ति का, ज्ञान का, गुण का दान दो। कर्म करते हम कौनसा दान अर्थात् सहयोग सहज दे सकते हैं ?

- A- ज्ञान का
- B- शक्ति का
- C- गुण का
- D- योग का

प्रश्न 29- तुम शरीर छोड़ेंगे तो बाबा के साथ बेहद घर में जायेंगे। बेहद घर अर्थात् -

- A- सुक्ष्मवतन
- B- मूलवतन
- C- स्वर्ग
- D- स्थूल वतन

प्रश्न 30- चण्डाल कहाँ होते हैं ?

- A- सतयुग में
- B- कलियुग में
- C- द्वापर में
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 31- दान का अर्थ ही है ?

- A- जो ओटे सो अर्जुन
- B- स्वयं गुणमूर्त बनो
- C- सहयोग देना
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 32- हिस्ट्री- जॉग्राफी कहाँ की है ?

- A- स्थूलवतन की
- B- मूलवतन की
- C- चैतन्य ने राज्य किया उसकी
- D- A और C

भाग (47) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *C.यह विचित्र पढ़ाई और विचित्र पढ़ाने वाला है*

तुम्हारे सम्बन्धी यह नहीं जानते कि तुम क्या पढ़ाई पढ़ते हो। उस पढ़ाई में तो मित्र-सम्बन्धी सब जानते हैं, इसमें कोई जानते हैं, कोई नहीं जानते हैं। कोई का बाप जानता है तो भाई-बहन नहीं जानते। कोई की माँ जानती है तो बाप नहीं जानता *क्योंकि यह विचित्र पढ़ाई और विचित्र पढ़ाने वाला है।*

उत्तर 2- *B.हमारे में दैवीगुण हैं?*

अपनी जांच करनी है - हमारे में दैवीगुण हैं? सहनशील भी बनना होता है। बुद्धियोग की बात है। यह लड़ाई तो बहुत मीठी है। बाप को याद करने में कोई लड़ाई की बात नहीं है। बाकी हाँ, इसमें माया विघ्न डालती है। उनसे सम्भाल करनी होती है। माया पर विजय तो तुमको ही पानी है।

उत्तर 3- *B.रावण की*

वहाँ क्रिमिनल दृष्टि होती नहीं। रावण ही नहीं। यह कोई नई बात नहीं। तुमने अनेक बार यह पद पाया है। दुनिया को तो बिल्कुल पता नहीं है कि यह क्या पढ़ते हैं। बाप तुम्हारी सब आशायें पूर्ण करने आते हैं। *अशुभ आशायें रावण की होती हैं।* तुम्हारी हैं शुभ आशायें। क्रिमिनल कोई भी आश नहीं होनी चाहिए। बच्चों को सुख की लहरों में लहराना है।

उत्तर 4- *C.सर्वशक्तिमान बाप से*

पावन बनने में देखो ताकत कितनी है। तुम पावन बन पावन दुनिया का राज्य पाते हो इसलिए कहा जाता है इस देवता धर्म में ताकत बहुत है। *यह ताकत कहाँ से मिलती है? सर्वशक्तिमान् बाप से।* घर में तुम मुख्य दो-चार चित्र रख बहुत सर्विस कर सकते हो।

उत्तर 5- *D.उपरोक्त सभी*

तुम्हारी सेना कैसी अच्छी है। *इनको कहा जाता है रूहानी बाप की रूहानी सेना।* रूहानी बाप के साथ योग लगाकर रावण पर जीत पाने का कितना सहज पुरुषार्थ कराते हैं। *तुमको कहा जाता है गुप्त वारियर्स, गुप्त महावीर।* पांच विकारों पर तुम विजय पाते हो, उसमें भी पहले है देह-अभिमान।

उत्तर 6- *C.हम आत्मा हैं,देह नहीं*

तुम अपना राज्य देखो कैसे स्थापन करते हो। कोई भी हाथ पांव इसमें नहीं चलाते हो, इसमें देह का भान तोड़ना है। *घर में रहते हो तो भी पहले यह याद करो - हम आत्मा हैं, देह नहीं।* तुम आत्मयें ही 84 जन्म भोगती हो। अभी तुम्हारा यह अन्तिम जन्म है।

उत्तर 7- *B.बाप भी शंख ध्वनि करते रहते हैं*

योगबल हो तब ही विकर्म विनाश हों। सम्पूर्ण बनें तब तो सम्पूर्ण दुनिया में आ सकें। *बाप भी शंख ध्वनि करते रहते हैं* । उन्होंने फिर भक्ति मार्ग में शंख व तुतारी आदि बैठ बनाई है। बाप तो इस मुख द्वारा समझाते हैं। यह पढ़ाई है राजयोग की। बहुत सहज पढ़ाई है। बाप को याद करो और राजाई को याद करो।

उत्तर 8- *C.क्या कांटों के जंगल में बन्दरों को देखने चलू*

भगवानुवाच - काम महाशत्रु है। वास्तव में तुम स्वर्गवासी थे तो बड़े धनवान थे। बात मत पूछो। *बच्चे कहते हैं बाबा हमारे शहर में चलो। क्या कांटों के जंगल में बन्दरों को देखने चलूँ?*

उत्तर 9- *B. 2%*

यह भी बाप जानते हैं कोई अपना चार्ट 25 परसेन्ट दिखाते हैं, कोई 100 परसेन्ट दिखाते हैं। *कोई कहते हैं 24 घण्टे में आधा घण्टा याद ठहरती है तो कितना परसेन्ट हुआ?, मुश्किल से 2%, अपनी बड़ी सम्भाल रखनी है।* धीरे-धीरे महावीर बनना है। फट से नहीं बन सकते हैं, मेहनत है।

उत्तर 10- *B.अहम् ब्रह्मस्मि*

वह जो ब्रह्म ज्ञानी, तत्व ज्ञानी हैं, ऐसे मत समझो वह अपने को कोई आत्मा समझते हैं। वह तो ब्रह्म घर को परमात्मा समझते हैं और *स्वयं को कहते हैं अहम् ब्रह्मस्मि।* अब घर से थोड़ेही योग लगाया जाता है। अभी तुम बच्चे अपने को आत्मा समझते हो।

उत्तर 11- *D.दुःखधाम*

अगर पत्थर ठिक्कर में है फिर नमः काहे की। अर्थ रहित बोलते रहते हैं। यहाँ तो तुमको आवाज़ से परे जाना है अर्थात् निर्वाणधाम, शान्तिधाम में जाना है। शान्तिधाम, सुखधाम कहा जाता है। वह है स्वर्गधाम। *नर्क को धाम नहीं कहेंगे।* अक्षर बड़े सहज हैं।

उत्तर 12- *B.जब रावणराज्य शुरू होगा*

बाप बतलाते हैं त्रेता के अन्त और द्वापर के आदि में रावण आते हैं। उनको 10 शीश क्यों दिये हैं? हर वर्ष क्यों जलाते हैं? यह भी

कोई जानते नहीं। अभी तुम मनुष्य से देवता बनने के लिए पढ़ते हो, *जो पढ़ते नहीं वह देवता बन न सकें। वह फिर आयेंगे तब जब रावणराज्य शुरू होगा।* अभी तुम जानते हो हम देवता धर्म के थे अब फिर सैपलिंग लग रहा है।

उत्तर 13- *B.साइलेन्स दुनिया में जाना है इसलिए*

ऐसे मत समझो साइन्स वालों में बहुत ताकत है, वह ताकत नहीं है। यह रूहानी ताकत है। जो सर्वशक्तिमान बाप से योग लगाने से मिलती है। साइंस और साइलेन्स की इस समय जैसे लड़ाई है। साइलेन्स का बल जमा करना है। *साइलेन्स बल से साइलेन्स दुनिया में जाना है।*

उत्तर 14- *C.स्थूल वतन*

मूलवतन, सूक्ष्मवतन, स्थूल वतन - यह है सारी युनिवर्स। *खेल कोई सूक्ष्मवतन वा मूलवतन में नहीं चलता है, नाटक यहाँ ही चलता है।* 84 का चक्र भी यहाँ है। इनको ही कहा जाता है 84 के चक्र का नाटक। यह बना-बनाया खेल है।

उत्तर 15- *A.संबंध और प्राप्ति*

सहजयोग का आधार है - संबंध और प्राप्ति। संबंध के आधार पर प्यार पैदा होता है और जहाँ प्राप्ति होती है वहाँ मन-बुद्धि सहज ही जाता है। तो संबंध में मेरेपन के अधिकार से याद करो, दिल से कहो मेरा बाबा और बाप द्वारा जो शक्तियों का, ज्ञान का, गुणों का, सुख-शान्ति, आनंद, प्रेम का खजाना मिला है उसे स्मृति में इमर्ज करो।

उत्तर 16- *A.योगी*

इस काम विकार ने तुम्हारी ताकत बिल्कुल खत्म कर दी है। नतीजा यह हुआ है आयु कम होती गई है। भोगी बन पड़े हो। *कामी, भोगी, रोगी सब बन जाते हैं।* वहाँ विकार होता नहीं। तो योगी होते हैं सदैव तन्दुरूस्त और आयु भी 150 वर्ष होती है। वहाँ काल खाता नहीं।

उत्तर 17- *C.एम ऑब्जेक्ट होती नहीं*

अभी तुमको ज्ञान मिला है तब समझते हो भक्ति किसको कहा जाता है, ज्ञान किसको कहा जाता है? ज्ञान देने वाला बाप ज्ञान का सागर अभी मिला है। स्कूल में पढ़ते हैं एम ऑब्जेक्ट का मालूम तो पड़ता है ना। *भक्ति मार्ग में तो एम ऑब्जेक्ट होती नहीं।* यह थोड़ेही तुमको मालूम था कि हम ऊंच देवी-देवता थे फिर नीचे गिरे हैं।

उत्तर 18- *B.सभी को पता*

बाप ने समझाया है बाप का परिचय तो जरूर सबको मिलना चाहिए। पिछाड़ी में बाप को तो जानेंगे ना। *विनाश के समय सभी को पता पड़ता है बाप आया हुआ है।* अभी भी कोई-कोई कहते हैं भगवान जरूर कहाँ आया हुआ है परन्तु पता नहीं पड़ता। समझते कोई भी रूप में आ जायेगा।

उत्तर 19- *C.अविनाशी ज्ञान रत्नों का*

तुम कितना धनवान बनते हो। शिवबाबा का भण्डारा भरपूर है। *शिवबाबा का भण्डारा कौन-सा है? (अविनाशी ज्ञान रत्नों का)* शिवबाबा का भण्डारा भरपूर काल कंटक दूर। बाप तुम बच्चों को ज्ञान रत्न देते हैं। खुद है सागर। ज्ञान रत्नों का सागर है। बच्चों की बुद्धि बेहद में जानी चाहिए।

उत्तर 20- *A.ब्रह्मा ही चक्र में आते हैं*

ब्रह्मा का दिन और रात ही गाई जाती है क्योंकि ब्रह्मा ही चक्र में आते हैं। अभी तुम ब्राह्मण हो फिर देवता बनेंगे। मुख्य तो ब्रह्मा हुआ ना। ब्रह्मा को रखें या विष्णु को रखें! ब्रह्मा है रात का और विष्णु है दिन का। वही रात से फिर दिन में आते हैं। दिन से फिर 84 जन्मों के बाद रात में आते हैं।

उत्तर 21- *C.राजाओं का राजा बनने की पढ़ाई*

तुम राजयोगी हो ना। पढ़ने वाले सब योगी ही होते हैं। पढ़ाने वाले टीचर के साथ योग जरूर रखना पड़ता है। एम आब्जेक्ट का भी मालूम रहता है - इस पढ़ाई से हम फलाना बनेंगे। *यह पढ़ाई तो एक ही है, इनको कहा जाता है राजाओं का राजा बनने की पढ़ाई।*

उत्तर 22- *C.रूहानी मजे और मौज का अनुभव कराने का युग*

इस पुरषोत्तम संगमयुग में आप ब्राह्मण सो फरिश्ते देवताओं से भी ऊंचे हो, देवताई जीवन में बाप का ज्ञान इमर्ज नहीं होगा। परमात्म मिलन का अनुभव भी नहीं होगा इसलिए अभी सदा यह नशा रहे कि हम देवताओं से भी ऊंच ब्राह्मण सो फरिश्ता हैं। *यह अविनाशी नशा ही रूहानी मजे और मौज का अनुभव कराने वाला है।*

उत्तर 23- *D.उपरोक्त सभी*

*मैं अविनाशी आत्मा हूँ, यह शरीर विनाशी है। मैंने 84 शरीर धारण किये हैं। अब यह अन्तिम जन्म है। आत्मा कभी छोटी-बड़ी नहीं होती है। शरीर ही छोटा बड़ा होता है। यह आँखें शरीर में हैं लेकिन इनसे देखने वाली मैं आत्मा हूँ। बाबा आत्माओं को ही ज्ञान का

तीसरा नेत्र देते हैं। ऐसा चिन्तन ज्ञानवान बच्चे सदा करते हैं।*

उत्तर 24- *C. भक्ति मार्ग के गुरुओं और शास्त्रों ने*

आगे तो न आत्मा को जानते थे, न परमात्मा को जानते थे सिर्फ कहने मात्र कहते थे हे परमपिता परमात्मा। *आत्मा भी समझते थे परन्तु फिर कोई ने कहा तुम परमात्मा हो। यह किसने बतलाया? इन भक्ति मार्ग के गुरुओं और शास्त्रों ने।*

उत्तर 25- *C. पावन बनने बिगर हम पावन दुनिया में जा नहीं सकते*

पतित भी बन गये। ऐसे नहीं कि पावन होने के लिए भक्ति करते थे। *भगवान से पावन बनने बिगर हम पावन दुनिया में जा नहीं सकेंगे।* ऐसे नहीं कि पावन बनने बिगर भगवान से नहीं मिल सकते। भगवान को तो कहते हैं आकर पावन बनाओ। पतित ही भगवान से मिलते हैं पावन होने के लिए।

उत्तर 26- *C. यह बाबा भी है, टीचर और सतगुरु भी है*

रूहानी बच्चों को बाप ने समझाया है, *यहाँ तुम बच्चों को इस ख्याल से जरूर बैठना होता है, यह बाबा भी है, टीचर और सतगुरु भी है।* और यह भी महसूस करते हो - बाबा को याद करते-करते पवित्र बन, पवित्रधाम में जाकर पहुँचेंगे।

उत्तर 27- *D. A और B*

बाबा ने शुरू में कमेटी बनाई थी तो माताओं की बनाई थी क्योंकि कलष तो माताओं को ही मिलता है। *वन्दे मातरम् गाया हुआ है ना। पुरुष अक्सर करके देवाला मारते हैं, स्त्रियाँ नहीं। तो बाप भी कलष माताओं पर रखते हैं।*

उत्तर 28- *C. गुण का*

आपके पास ज्ञान का भी खजाना है, तो शक्तियों और गुणों का भी खजाना है। तो कोई भी दिन बिना दान दिये खाली न जाए तब कहेंगे महादानी। दान शब्द का रूहानी अर्थ है सहयोग देना। तो अपनी श्रेष्ठ स्थिति के वायुमण्डल द्वारा और अपनी वृत्ति के वायुब्रेशन्स अर्थात् *श्रेष्ठ गुणों के द्वारा हर आत्मा को सहयोग दो* तब कहेंगे वरदानी।

उत्तर 29- *B. मूलवतन*

तुम शरीर छोड़ेंगे तो बाबा के साथ बेहद घर में जायेंगे। वहाँ बाबा, मम्मा, बच्चे सब हैं ना। परिवार ऐसा ही होता है। *मूलवतन में बाप और भाई-भाई हैं*, और कोई सम्बन्ध नहीं। यहाँ बाप और भाई-बहन हैं फिर वृद्धि को पाते हैं।

उत्तर 30- *A. सतयुग में*

बाबा ने बताया है चण्डाल का जन्म भी यहाँ के ही लेते हैं। यहाँ रहकर, खा पीकर कुछ देकर फिर कहते हैं - हमने जो दिया वह हमको दो। हम नहीं मानते। संशय पड़ जाता है तो वह क्या जाकर बनेंगे। ऐसी चण्डिका का भी मेला लगता है। *फिर भी सतयुगी तो बनते हैं ना। कुछ समय भी मददगार बने तो स्वर्ग में आ गये।*

उत्तर 31- *C. सहयोग देना*

जैसे ब्रह्मा बाप ने स्वयं को निमित्त एकजैम्पुल बनाया ऐसे कर्म द्वारा सदा स्वयं जीवन में गुण मूर्त बन, प्रत्यक्ष सैम्पुल बन औरों को *सहज गुण धारण करने का सहयोग दो - इसको कहते हैं गुणदान। दान का अर्थ ही है सहयोग देना।*

उत्तर 32- *D. A और C*

इस वर्ल्ड की हिस्ट्री-जॉग्राफी को कोई जानते ही नहीं, *हिस्ट्री चैतन्य की होती है,* तुम्हारी आत्मा जानती है हम कहाँ तक राज्य करते हैं। *चैतन्य ने राज्य किया, जड़ तो राज्य नहीं करेंगे।* बाबा ने समझाया है सूक्ष्मवतन आदि में जो कुछ देखते हो यह तो सब हैं साक्षात्कार की बातें। बाकी *हिस्ट्री-जॉग्राफी सारी यहाँ की है।*

भाग - (48)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- पहले तो कौन सा निश्चय बिठाना है ?

- A- आप आत्मा भाई-भाई हैं
- B- हम आत्माओं का वह बाप है, सभी ब्रदर्स हैं
- C- हम आत्मा हैं, परमात्मा नहीं हैं
- D- हम आत्मा है परमात्मा हमारा पिता हैं

प्रश्न 2- सतयुग के कौन से चित्र भी तुम्हारे पास हैं निश्चय कराने के लिए ?

- A- श्रीकृष्ण के
- B- लक्ष्मी-नारायण के

- C- राम सीता के
- D- A और B
- E- A,B और C

प्रश्न 3- आत्मायें सब आती हैं पार्ट बजाने, तो भिन्न-भिन्न नाम धराती हैं। जिस आत्मा का पहला जन्म त्रेतायुग के आदि में होता है उसे अंत तक शरीर के कितने नाम मिलते हैं ?

- A- 84
- B- 75
- C- 76
- D- 64

प्रश्न 4- कर्म से मुक्त कहा होते हैं ?

- A- सतयुग त्रेता
- B- शान्तिधाम
- C- सूक्ष्मवतन
- D- जहाँ अकर्म होते हैं वहाँ

प्रश्न 5- इन आंखों से जो कुछ दिखाई देता है इसे देखते हुए भी नहीं देखो, इनसे ममत्व निकाल दो क्योंकि -

- A- इसे आग लगनी है
- B- नई दुनिया स्थापन हो रही है
- C- मनुष्य का सारा कैरेक्टर विकारों ने बिगाड़ा है
- D- सारी दुनिया का विनाश होना है

प्रश्न 6- ओम् शान्ति कहने से क्या याद आता है ?

- A- अपना स्वधर्म और अपना घर याद पड़ता है
- B- सारा ज्ञान बुद्धि में आ जाता है।
- C- मैं आत्मा शान्त स्वरूप हूँ, शान्ति के सागर बाप का बच्चा हूँ। बुद्धि में आता है।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 7- अनादि हैं ?

- A- शिवबाबा
- B- आत्मा
- C- खेल
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 8- हम अनेक बार विजयी बने हैं, तो हमारा ही यादगार क्या है ?

- A- देलवाड़ा
- B- विजय माला
- C- स्वर्ग
- D- विष्णु की माला

प्रश्न 9- बाप ने कहा है यदा यदाहि.....भारत में ही शिवबाबा की ग्लानि होती है। सबसे बड़ी ग्लानि हुई है ?

- A- ईश्वर को सर्वव्यापी कह देते।
- B- कच्छ अवतार, मच्छ अवतार.....
- C- कह देते नाम-रूप से न्यारा है,
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 10- किस को पता नहीं रावण हमारा दुश्मन है, जिसको हम वर्ष-वर्ष जलाते हैं ?

- A- बड़े साधू
- B- सन्त, महात्मायें,
- C- राजायें आदि
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 11- शिवबाबा बैठ बच्चों को समझाते हैं। अर्थात् क्या बनाने का पुरूपार्थ कराते हैं ?

- A- फरिश्ता

- B- आत्मा
- C- आपसमान
- D- देहीभिमानी

प्रश्न 12- किस की मत पर चलते-चलते इस समय कौड़ी मिसल बन गये हैं ?

- A- रावण
- B- मनमत
- C- मनुष्य
- D- माया

प्रश्न 13- किस स्मृति में रहो तो देह-अभिमान नहीं आयेगा ?

- A- अब वापस घर जाना है
- B- परमात्मा को याद करने से
- C- आत्मा समझने से
- D- हम गाँडली सर्वेन्ट हैं

प्रश्न 14- देवता कैसे बन सकेंगे ?

- A- ज्ञान से
- B- प्रजापिता ब्रह्माकुमार-कुमारियां ब्राह्मण बनने से
- C- योगबल से
- D- मनमनाभव के मंत्र से

प्रश्न 15- किस के कारण ही तुम्हारा कैरेक्टर बिगड़ा हुआ है ?

- A- क्रोध में आकर भौकते तो
- B- 5 भूतों के कारण
- C- पवित्रता के कारण
- D- देह अभिमान से

प्रश्न 16- किस में कोई भूल नहीं है ?

- A- ड्रामा में
- B- ज्ञान में
- C- आत्मा में
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 17- शान्ति का गुण सबसे बड़ा गुण है, इसलिए -

- A- शान्ति का गुण धारणा करो
- B- फिर टीचर भी बनो
- C- ऊँ शान्ति बोलो
- D- शान्ति से बोलो, अशान्ति फैलाना बन्द करो

प्रश्न 18- बाप से भी गुण उठाना है और फिर कौन से चित्रों से भी गुण उठाना है ?

- A- त्रिमूर्ति
- B- लक्ष्मी-नारायण
- C- निराकारी के
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 19- हर एक से गुण ग्रहण करना ही इसके लिए किस का मिसाल है ?

- A- श्रीकृष्ण
- B- लक्ष्मी-नारायण
- C- दत्तात्रेय
- D- शिव बाबा

प्रश्न 20- ब्रह्मा के लौकिक बाप थे -

- A- वह टीचर था
- B- बहुत निर्माण, शान्त रहता था

- C- कभी क्रोध में नहीं आता था
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 21- इस बेहद की पढ़ाई का फल हमको कहाँ पर मिलना है ?

- A- संगमयुग
- B- नई दुनिया
- C- पूरा कल्प
- D- बेहद की दुनिया

प्रश्न 22- अलग शब्द पहचानिए ?

- A- ईश्वरीय माइट
- B- योगबल की माइट
- C- जिस्मानी माइट
- D- रूहानी माइट

प्रश्न 23- बाप से.....लेकर का ही दान करूँ ?

- A- ज्ञान
- B- अमृत
- C- रत्न
- D- गुण

प्रश्न 24- माया है ?

- A- तीखी है
- B- चूही है
- C- शैतानी है
- D- A और B
- E- A,B और C

प्रश्न 25- कहाँ अपना टाइम वेस्ट नहीं करना है ?

- A- मिथ्या अहंकार में
- B- हृद के संसार की वाह्यात बातों में
- C- लुनपानी अर्थात् खारेपन का संस्कार में
- D- झरमुई झगमुई में

प्रश्न 26- सिर्फ बातों का पकौड़ा नहीं खाना है अर्थात्-

- A- गणोड़े मारना
- B- जो कहते हो वह करना है
- C- आज कहते हैं यह करेंगे, कल मौत आया खत्म हो जायेंगे
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 27- अभी तुम्हारी आत्मा कहाँ बैठी है ?

- A- इस झुगगी (शरीर) में बैठी हुई है
- B- तमोप्रधान दुनिया में
- C- किचड़े के किनारे पर आकर बैठे हैं
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 28- बाप से कौन सा बड़ा दहेज मिलता है ?

- A- ज्ञान का
- B- 21 जन्म के लिए राजाई होल-सेल में दे देते हैं
- C- विश्व की बादशाही
- D- शान्तिधाम

प्रश्न 29- बाबा ने तुम्हें कौन सी समझ दी है ?

- A- तुम्हें एक बाप से ही सुनना है
- B- तुम ही इस सेवा के निमित्त हो

- C- तुम आत्मायें सब भाई-भाई हो
D- तुम सब बीके हो

प्रश्न 30- ओम् शान्ति अक्सर करके क्यों कहा जाता है ?

- A- आत्मा का परिचय आत्मा ही देती है
B- बात-चीत आत्मा ही करती है
C- शान्ति के लिये
D- आत्मा का स्वधर्म शान्त है

प्रश्न 31- आधाकल्प है ?

- A- सुख और दुःख का खेल
B- राम और रावण
C- दिन और रात
D- A और C
E- A,B और C

प्रश्न 32- श्री कृष्ण के बारे में कौन सा कथन सत्य है ?

- A- उनके दैवीगुणों की कितनी महिमा है
B- वैकुण्ठ का मालिक कितना मीठा है
C- श्रीकृष्ण की डिनायस्ती बड़ी है
D- A और B
E- A,B और C

भाग (48) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1 - *C.हम आत्मा है, परमात्मा नहीं है*

पहले तो यह निश्चय बिठाना है कि हम आत्मा हैं, परमात्मा नहीं हैं। न हमारे में परमात्मा व्यापक है। सभी में आत्मा व्यापक है। आत्मा शरीर के आधार से पार्ट बजाती है। यह पक्का कराओ।

उत्तर 2 - *D. A और B*

नई दुनिया में है ही एक आदि सनातन देवी-देवता धर्म। *चित्र भी तुम्हारे पास हैं निश्चय कराने के लिए। पहले नम्बर में है श्रीकृष्ण, उसके बाद हैं लक्ष्मी-नारायण* - वह है नई दुनिया का मालिक।

उत्तर 3 - *C. 76*

शिवबाबा का नाम सदैव शिव ही है। बाकी आत्मायें सब आती हैं पार्ट बजाने, तो भिन्न-भिन्न नाम धराती हैं। *जिस आत्मा का पहला जन्म त्रेतायुग के आदि में होता है उसे अंत तक शरीर के 76 नाम मिलते हैं।*

उत्तर 4 - *B.शान्तिधाम*

गीता में भी है देह सहित देह के सब धर्म छोड़ अपने को आत्मा समझो। वापिस अपने घर जरूर जाना है। भक्ति मार्ग में कितनी मेहनत करते हैं भगवान पास जाने के लिए। वह है इनकारपोरियल दुनिया ,*कर्म से मुक्त हम शान्तिधाम में जाकर बैठते हैं।* पार्टधारी घर गया तो पार्ट से मुक्त हुआ।

उत्तर 5- *A.इसे आग लगनी है*

इन आंखों से जो कुछ दिखाई देता है, इसे देखते हुए भी नहीं देखो, इनसे ममत्व निकाल दो *क्योंकि इसे आग लगनी है।* आत्मा को तो आग लगती नहीं। आत्मा तो जैसे इनशयोर है।

उत्तर 6- *D.उपरोक्त सभी*

जब ओम् शान्ति कहा जाता है, तो अपना स्वधर्म और अपना घर याद पड़ता है फिर घर में बैठ तो नहीं जाना है। बाप के बच्चे बने हैं तो जरूर स्वर्ग का वर्सा भी याद पड़ेगा। *ओम् शान्ति कहने से भी सारा ज्ञान बुद्धि में आ जाता है।मैं आत्मा शान्त स्वरूप हूँ, शान्ति के सागर बाप का बच्चा हूँ।* जो बाप स्वर्ग की स्थापना करते हैं, वही बाप हमको पवित्र, शान्त-स्वरूप बनाते हैं। मुख्य बात है पवित्रता की।

उत्तर 7- *D.उपरोक्त सभी*

पावन हैं तो लक्ष्मी-नारायण नाम है, पतित हैं तो ब्रह्मा नाम है। ब्रह्मा का दिन, ब्रह्मा की रात। उनको (शिवबाबा को) अनादि क्रियेटर कहा जाता है। आत्मायें तो हैं ही हैं। आत्माओं का क्रियेटर नहीं कहेंगे इसलिए अनादि कहा जाता है। *बाप अनादि तो आत्मायें भी

अनादि हैं। खेल भी अनादि है।* यह अनादि बना बनाया ड्रामा है।

उत्तर 8- *B.विजय माला*

सदा याद की छत्रछाया के नीचे और मर्यादा की लकीर के अन्दर रहो तो कोई की हिम्मत नहीं अन्दर आने की। मर्यादा की लकीर से बाहर निकलते हो तो माया भी अपना बनाने में होशियार है। लेकिन हम अनेक बार विजयी बने हैं, *विजय माला हमारा ही यादगार है* इस स्मृति से सदा समर्थ रहो तो माया से हार हो नहीं सकती।

उत्तर 9- *A.ईश्वर को सर्वव्यापी कह देते*

शिव का चित्र भी है परन्तु पहचानते नहीं हैं। बड़े-बड़े शिवलिंग आदि बनाते हैं *फिर भी कह देते सर्वव्यापी है इसलिए बाप ने कहा है यदा यदाहि..... भारत में ही शिवबाबा की ग्लानि होती है।* जो बाप तुमको विश्व का मालिक बनाते हैं, तुम मनुष्य मत पर चल उनकी कितनी ग्लानि करते हो।

उत्तर 10- *D.उपरोक्त सभी*

यह तो राज्य ही रावण का है। सबसे बड़ा दुश्मन यह है। हर वर्ष उसकी एफ्रीजी बनाकर जलाते रहते हैं। दिन-प्रतिदिन और ही बड़ा बनाते जाते हैं। दुःख भी बढ़ जाता है। *इतने बड़े-बड़े साधू, सन्त, महात्मायें, राजायें आदि हैं परन्तु एक को भी यह पता नहीं है कि रावण हमारा दुश्मन है, जिसको हम वर्ष-वर्ष जलाते हैं।* और फिर खुशी मनाते हैं। समझते हैं रावण मरा और हम लंका के मालिक बनें।

उत्तर 11- *C.आपसमान*

शिवबाबा बैठ बच्चों को समझाते हैं अर्थात् आपसमान बनाने का पुरुषार्थ कराते हैं। जैसे मैं ज्ञान का सागर हूँ वैसे बच्चे भी बनें। यह तो मीठे बच्चे जानते हैं सब एक समान नहीं बनेंगे। पुरुषार्थ तो हरेक को अपना-अपना करना होता है। स्कूल में स्टूडेंट तो बहुत पढ़ते हैं परन्तु सब एक समान पास विद् ऑनर्स नहीं होते हैं। फिर भी टीचर पुरुषार्थ कराते हैं।

उत्तर 12- *A.रावण*

बच्चे कहते हैं बाबा जैसे आप चलाओ, बाप भी मत इन द्वारा ही देंगे ना। परन्तु इनकी मत भी लेते नहीं, फिर भी पुरानी सड़ी हुई मनुष्य मत पर ही चलते हैं। देखते भी हैं शिवबाबा इस रथ द्वारा मत देते हैं फिर भी अपनी मत पर चलते हैं। जिसको पाई-पैसे की कौड़ी जैसी मत कहें, उस पर चलते हैं। *रावण की मत पर चलते-चलते इस समय कौड़ी मिसल बन गये हैं।* अब राम शिवबाबा मत देते हैं।

उत्तर 13- *D.हम गॉडली सर्वेन्ट हैं*

सदा स्मृति रहे कि हम गॉडली सर्वेन्ट हैं। सर्वेन्ट को कभी भी देह-अभिमान नहीं आ सकता। जितना-जितना योग में रहेंगे उतना देह-अभिमान टूटता जायेगा।

उत्तर 14- *B.प्रजापिता ब्रह्माकुमार-ब्रह्माकुमारियां ब्राह्मण बनने से*

कोई मठ-पंथ वाला देवता बन न सके। *प्रजापिता ब्रह्माकुमार-कुमारियां ब्राह्मण बनने बिगर देवता कैसे बन सकेंगे।* जो कल्प पहले बने हैं वही बनेंगे। टाइम लगता है।

उत्तर 15- *B.5 भूतों के कारण*

देवताओं का कैरेक्टर देखो कैसा है। सम्पूर्ण निर्विकारी बाप कहते हैं काम महाशत्रु हैं। *इन 5 भूतों के कारण ही तुम्हारा कैरेक्टर बिगड़ा हुआ है।* जिस समय समझाते हैं उस समय अच्छा बनते हैं। बाहर जाने से सब कुछ भूल जाता है। तब कहते हैं सौ-सौ करे श्रृंगार.....। यह बाबा गाली नहीं देते, समझाते हैं।

उत्तर 16- *A.ड्रामा में*

इस बने-बनाये ड्रामा को एक्क्यूरेट समझना है, इसमें कोई भूल हो नहीं सकती। जो एक्ट हुई फिर रिपीट होगी। इस बात को अच्छे दिमाग से समझकर चलो तो कभी गुस्सा नहीं आयेगा।

उत्तर 17- *D.शान्ति से बोलो, अशान्ति फैलाना बन्द करो*

शान्ति का गुण सबसे बड़ा गुण है, इसलिए शान्ति से बोलो, अशान्ति फैलाना बन्द करो। बाप ने समझाया है मैं शान्ति का सागर हूँ तो शान्ति यहाँ स्थापन करनी है। अशान्ति खत्म होनी है। अपनी चलन को देखना चाहिए - कहाँ तक हम शान्त में रहते हैं।

उत्तर 18- *B.लक्ष्मी-नारायण*

रूहानी बाप बैठ रूहानी बच्चों को समझाते हैं। एक तो तुमको बाप से ज्ञान का वर्सा मिल रहा है। *बाप से भी गुण उठाना है और फिर इन चित्रों से (लक्ष्मी-नारायण से) भी गुण उठाना है।*

उत्तर 19- *C.दत्तात्रेय*

भल आवाज़ सुनते करते हो तो भी खुद शान्त रहना चाहिए क्योंकि बाप और दादा दोनों शान्त रहते हैं। कभी बिगड़ते नहीं हैं। रड़ी

नहीं मारते। यह ब्रह्मा भी सीखा है ना। जितना शान्त में रहो, उतना अच्छा है। शान्ति से ही याद कर सकते हैं। अशान्ति वाले याद कर न सकें। *हर एक से गुण ग्रहण करना ही है। दत्तात्रेय आदि के मिसाल भी यहाँ से लगते हैं।* देवताओं जैसे गुणवान तो कोई होते नहीं।

उत्तर 20- *D.उपरोक्त सभी*

कई भक्त लोग ज्ञानियों से भी सयाने निर्माणचित होते हैं। *बाबा तो अनुभवी है ना। यह जिस लौकिक बाप का बच्चा था, वह टीचर था, बहुत निर्माण, शान्त रहता था। कभी क्रोध में नहीं आता था।*

उत्तर 21- *B.नई दुनिया*

पढ़ाईयाँ तो अनेक प्रकार की हैं ना। वह तो सब मनुष्य, मनुष्य को पढ़ाते हैं और वह पढ़ाईयाँ इस दुनिया के लिए ही हैं। पढ़कर फिर उनका फल यहाँ ही पायेंगे। *तुम बच्चे जानते हो इस बेहद की पढ़ाई का फल हमको नई दुनिया में मिलना है।* वह नई दुनिया कोई दूर नहीं। अभी संगमयुग है।

उत्तर 22- *C.जिस्मानी माइट*

सभी तो पवित्र नहीं बनेंगे। तुम बहुत थोड़े हो जिनमें ताकत है। तुम्हारे में भी नम्बरवार ताकत अनुसार ही सूर्यवंशी-चन्द्रवंशी बनते हैं ना। ताकत तो हर बात में चाहिए। *यह है ईश्वरीय माइट, इनको योगबल की माइट कहा जाता है। बाकी सब है जिस्मानी माइट। यह है रूहानी माइट।*

उत्तर 23- *B.अमृत*

मनुष्य अपने हाथ-पांव वाला है ना। बांधा तो नहीं जा सकता। अपने को स्वतंत्र रख सकते हैं। ऐसे क्यों बंधन में फसूँ? *क्यों न बाप से अमृत लेकर अमृत का ही दान करूँ।* मैं कोई रिढ़-बकरी थोड़े ही हूँ जो कोई हमको बांधे।

उत्तर 24- *D.तीखी है चूही है*

माया बड़ी जबरदस्त है। जैसे चूहा काटता है तो मालूम भी नहीं पड़ता है, *माया भी ऐसी मस्त चूही है।* महारथियों को ही खबरदार रहना है। वह खुद समझते नहीं हैं कि हमको माया ने गिरा दिया है। लूनपानी बना दिया है। देह-अभिमान है तब जलते हैं। वह अवस्था तो है नहीं। याद का जौहर भरता नहीं है, इसलिए बहुत खबरदार रहना चाहिए। *माया बड़ी तीखी है, जबकि तुम युद्ध के मैदान पर हो तो माया भी छोड़ती नहीं।*

उत्तर 25- *B.हृद के संसार की वाह्यात बातोंमें*

हृद के संसार की वाह्यात बातों में अपना टाइम वेस्ट नहीं करना है, बुद्धि में सदा रॉयल ख्यालात चलते रहें।

उत्तर 26- *B.जो कहते हो वह करना है*

बाबा समझाते हैं बच्चे अपना उल्टा नशा मत चढ़ाओ। हरेक अपनी-अपनी क्वालिफिकेशन देखो। हम कैसे पढ़ते हैं, क्या मदद करते हैं, सिर्फ बातों का पकौड़ा नहीं खाना है। *जो कहते हो वह करना है। गपोड़े नहीं कि यह करेंगे, यह करेंगे।* आज कहते हैं यह करेंगे, कल मौत आया खत्म हो जायेंगे।

उत्तर 27- *D.उपरोक्त सभी*

बाप हमारी आत्मा को पवित्र बना देते हैं। आत्मा पवित्र बनने से फिर शरीर भी फर्स्टक्लास मिलता है। अभी तुम्हारी आत्मा कहाँ बैठी है? *इस झुग्गी (शरीर) में बैठी हुई है। तमोप्रधान दुनिया है ना। किचड़े के किनारे पर आकर बैठे हैं ना।* विचार करो हम कहाँ से निकले हैं। बाप ने गन्दे नाले से निकाला है। अब हमारी आत्मा स्वच्छ बन जायेगी। रहने वाले भी फर्स्टक्लास महल बनायेंगे। हमारी आत्मा को बाप श्रृंगार कर स्वर्ग में ले जा रहे हैं।

उत्तर 28- *C.विश्व की बादशाही*

शादी में कन्या को दहेज गुप्त देते हैं ना। शो करने की दरकार नहीं। कहा जाता है गुप्त दान। शिवबाबा भी गुप्त है ना, इसमें अहंकार की कोई बात नहीं। कोई-कोई को अहंकार रहता है कि सब देखें। यह है सब गुप्त। *बाप तुमको विश्व की बादशाही दहेज में देते हैं।* कितना गुप्त तुम्हारा श्रृंगार हो रहा है। कितना बड़ा दहेज मिलता है।

उत्तर 29- *C.तुम आत्मायें सब भाई-भाई हो*

बाबा ने तुम्हें समझ दी कि तुम आत्मायें सब भाई-भाई हो। तुम्हें एक बाप की याद में रहना है। यही बात तुम सभी को सुनाओ क्योंकि तुम्हें सारे विश्व के भाईयों का कल्याण करना है। तुम ही इस सेवा के निमित्त हो।

उत्तर 30- *A.आत्मा का परिचय आत्मा ही देती है*

ओम् शान्ति अक्सर करके क्यों कहा जाता है? यह है परिचय देना - *आत्मा का परिचय आत्मा ही देती है।* बात-चीत आत्मा ही करती है शरीर द्वारा। आत्मा बिगर तो शरीर कुछ कर नहीं सकता। तो यह आत्मा अपना परिचय देती है। हम आत्मा हैं परमपिता परमात्मा की सन्तान हैं।

उत्तर 31- *E. A,B और C*

आधाकल्प है दिन, आधाकल्प है रात। बाप कहते हैं मैं भी आता हूँ रात को दिन बनाने। तुम जानते हो आधाकल्प है रावण का राज्य, उसमें अनेक प्रकार के दुःख हैं। *कहा भी जाता है यह सुख और दुःख का खेल है। सुख माना राम, दुःख माना रावण।* रावण पर जीत पाते हो तो फिर रामराज्य आता है।

उत्तर 32- *D. A और B*

अभी तुम बच्चों की बुद्धि में है कि बेहद के बाप से हमको वर्सा लेना है। कल्प-कल्प लेते आये हैं इसलिए दैवीगुण भी जरूर धारण करने हैं। *श्रीकृष्ण के दैवीगुणों की कितनी महिमा है। वैकुण्ठ का मालिक कितना मीठा है। अभी श्रीकृष्ण की डिनायस्ती नहीं कहेंगे।* डिनायस्ती विष्णु अथवा लक्ष्मी-नारायण की कहेंगे।

भाग - (49)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- जो अभी भगवान को वारिस बनते हैं, वह कितने जन्मों के लिए वर्से के अधिकारी बन जाते हैं ?

- A- 84
- B- 42
- C- 21
- D- हर जन्म

प्रश्न 2- राजाई तो तब हो जब 50-60 करोड़ हों, तब लश्कर बनें। यह कौन से धर्म की बात बाबा कर रहे हैं ?

- A- देवी-देवता धर्म की
- B- और जो धर्म स्थापन करते हैं उनकी
- C- क्रिश्चियन धर्म की
- D- हिन्दू धर्म

प्रश्न 3- किस के तकदीर में पावन शरीर मिलना है नहीं ?

- A- सतयुग में जो नौकर, चाकर, चण्डाल आदि बनते हैं
- B- त्रेतायुग में आने वाले के
- C- द्वापर से आने वालों के
- D- शिवबाबा के

प्रश्न 4- आप बच्चों के पास डायरेक्ट परमात्म लाइट का कनेक्शन है। लेकिन लाइट कैसी आयेगी ?

- A- स्वमान की स्मृति का स्विच डायरेक्ट लाइन से आन करो तो।
- B- लाइट हाउस बनो तो।
- C- ज्ञान सूर्य बनो।
- D- स्वमान की सीट पर बैठोगे।

प्रश्न 5- किन बच्चों की रक्षा बाप जरूर करते ही हैं ?

- A- जो बच्चे सच्चे हैं,
- B- बाप का शो करने वाले
- C- फालो फादर करने वाले
- D- मोतेले बच्चों की

प्रश्न 6- किनकी कुबुद्धि नहीं होती है ?

- A- जो सच है उनकी
- B- पतिव्रता स्त्री की
- C- एक की मोहब्बत में है उनकी
- D- सच बिठो नच की

प्रश्न 7- त्रेतायुग के बारे में कौन सा कथन असत्य है ?

- A- स्वर्ग नहीं कहेंगे।
- B- 25 परसेन्ट कम।
- C- नई दुनिया।
- D- नापास वहाँ चले जाते हैं।

प्रश्न 8- कब तक क्रिमिनल आई भी छोड़ती नहीं है ?

- A- जब तक भाई-भाई दृष्टि नहीं है।
- B- जब तक कर्मातीत अवस्था नहीं बनी।
- C- जब तक श्रीमत पर नहीं चलते हैं।
- D- जब तक देहीभिमानी नहीं बने।

प्रश्न 9- ड्रामा में तुम्हारा भी अच्छे ते अच्छा पार्ट है। तुम कितने लकी हो क्योंकि -

- A- देवता बनते हैं।
- B- बेहद के बाप के तुम बनते हो।
- C- विश्व के मालिक बनेंगे।
- D- मर्यादा पुरुषोत्तम बनते हो।

प्रश्न 10- सतगुरू की पहली-पहली श्रीमत है ?

- A- मनमनाभव
- B- वानप्रस्थी बनो
- C- देही-अभिमानी बनो
- D- स्वयं को आत्मा समझ एक मुझे याद करो

प्रश्न 11- जैसे आम का झाड़ है तो उनका क्रियेटर किस को कहेंगे ?

- A- प्रकृति को
- B- शिवबाबा को
- C- तना को
- D- बीज को

प्रश्न 12- आत्मा की बैटरी डिस्चार्ज कैसे हो जाती है ?

- A- विकार के कारण
- B- माया के कारण
- C- पार्ट बजाते-बजाते
- D- रावण राज्य में दुःखी होने के कारण

प्रश्न 13- अव्यभिचारी याद होती है ?

- A- संगमयुग में
- B- द्वापर युग से
- C- सतयुग में
- D- द्वापर -कलियुग से

प्रश्न 14- अव्यभिचारी भक्ति किस युग में होती है ?

- A- द्वापर युग में
- B- कलियुग में
- C- द्वापर - कलियुग में
- D- संगमयुग में

प्रश्न 15- बाप का बनते हैं फिर रामराज्य से रावणराज्य में चले जाते हैं। इस पर ही फिर युद्ध दिखलाई है ?

- A- कौरव और पाण्डवों की।
- B- असुरों और देवताओं की
- C- राम और रावण की
- D- A और B

प्रश्न 16- ब्राह्मणों की कौन सी माला बनती है, जिन्होंने बहुत गुप्त मेहनत की है ?

- A- भक्त माला
- B- रूद्र माला
- C- रुण्ड माला
- D- विजयमाला

प्रश्न 17- पावन धाम है ?

- A- सुखधाम
- B- दुःखधाम
- C- शान्तिधाम
- D- A और C

प्रश्न 18- जब कोई मिले तो सिर्फ बोलो ?

- A- शिवबाबा आए हैं।
- B- अपने को आत्मा समझ बेहद के बाप को याद करो।
- C- स्वर्ग में आना है।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 19- सतयुग में क्रिमिनल आई होती नहीं। तो भी -

- A- ड्रेस आदि अच्छी होती है।
- B- अंग सब ढके हुए होते हैं।
- C- देह-अभिमान नहीं है।
- D- हिंसा नहीं होती है।

प्रश्न 20- श्रीनाथ द्वारे पर जाकर दर्शन करते हैं, परन्तु-

- A- उनका दर्शन करने से क्या होगा।
- B- उसको कहा जाता है बुत पूजा।
- C- उनमें आत्मा तो है नहीं। बाकी 5 तत्वों का पुतला बना हुआ है, तो गोया माया को याद करना हो गया।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 21- बाप किन बच्चों को बुद्धू समझते हैं ?

- A- फालो फादर नहीं करते वह।
- B- जिन्हें बाप के मिलने की भी खुशी नहीं वह।
- C- पुरुषार्थ नहीं करते हैं वह।
- D- देही अभिमानी नहीं बनते वह।

प्रश्न 22- मध्याजी भव का सबसे सही अर्थ के पर्याय का चुनाव कीजिए ?

- A- लक्ष्य और वर्से की स्मृति
- B- सतयुग को याद करना
- C- लक्ष्मी-नारायण जैसे बनना
- D- ब्रह्मा विष्णु समान बनना

प्रश्न 23- कब से नीचे गिरना चालू होता है ?

- A- सतयुग से
- B- द्वापर युग से
- C- त्रेतायुग से
- D- संगमयुग

प्रश्न 24- ब्रह्मा, विष्णु शंकर तीन बच्चे ठहरे ना। तो शिवबाबा किस को एडाए करते हैं ?

- A- ब्रह्मा,
- B- विष्णु,
- C- शंकर
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 25- मनुष्य मरते हैं तो कितने रोज़ दीवा जगाते हैं ?

- A- 12
- B- 13
- C- 10
- D- 8

प्रश्न 26- श्रीमत किसकी गाई हुई हैं ?

- A- शिव
- B- ब्रह्मा
- C- ब्राह्मण
- D- A और B

प्रश्न 27- कौनसी धारणा नहीं होगी तो दुकान सम्भाल नहीं सकेंगे ?

- A- याद की
- B- पवित्रता की
- C- ज्ञान-योग
- D- अशरीरीपन

प्रश्न 28- कौन सी खान एक ही बार मिलती है ?

- A- अविनाशी ज्ञान रत्नों की
- B- 21 जन्मों की
- C- गोल्डन एज की
- D- बाप से वर्से की

प्रश्न 29- मुगल गार्डन के बारे में कौन सा कथन सत्य है ?

- A- राष्ट्रपति भवन में है।
- B- अब अमृत उद्यान के नाम से जाना जाता है।
- C- वहाँ फर्टिलास अच्छे-अच्छे फूल होते हैं।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 30- यहाँ बैठे हो, यह तो याद होगा ना हम आये हैं रिज्युवनेट होने अर्थात्-

- A- दैवीगुण धारण करना
- B- पारसबुद्धि बनना
- C- पवित्र बनने
- D- यह शरीर बदल दैवी शरीर लेने

प्रश्न 31- दैवी गुण कैसे आते हैं ?

- A- इस ज्ञान से
- B- देवता बनने से
- C- सांगर मंथन करने से
- D- पवित्र बनने से

प्रश्न 32- ज्ञान की धारणा आत्मा में है कैसे मालूम पड़ेगा ?

- A- दैवी गुण आते हैं तो
- B- मुख से ज्ञान रत्न निकाले तो
- C- चलन देवताई होती है तो
- D- विचार सागर मंथन होता है तो

भाग (49) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *C. 21*

ऊँचे से ऊँचे बाप को अपना बच्चा बना देना, तन-मन-धन से बाप को वारिस बनाकर वारी जाना - यह बच्चों की जादूगरी है। *जो अभी भगवान को वारिस बनाते हैं वह 21 जन्मों के लिए वर्से के अधिकारी बन जाते हैं।*

उत्तर 2- *B. और जो धर्म स्थापन करते हैं उनकी*

बच्चे जानते हैं यह राजधानी स्थापन हो रही है। *और जो धर्म स्थापन करते हैं,* उन्हीं की पहले राजाई नहीं चलती। राजाई तो तब हो जब 50-60 करोड़ हों, तब लश्कर बनें। शुरू में तो आते ही हैं एक-दो, फिर वृद्धि को पाते हैं।

उत्तर 3- *D. शिवबाबा के*

बाप आते देखो कहाँ हैं! पुराने रावण राज्य में। कहते हैं मेरी तकदीर में पावन शरीर मिलना है नहीं। पतितों को पावन बनाने कैसे आऊँ। हमको पतित दुनिया में ही आकर सबको पावन बनाना पड़ता है। तो ऐसे टीचर का कदर भी रखना चाहिए ना।

उत्तर 4- *A.स्वमान की स्मृति का स्विच डायरेक्ट लाइन से ऑन करो*

आप बच्चों के पास डायरेक्ट परमात्म लाइट का कनेक्शन है। सिर्फ *स्वमान की स्मृति का स्विच डायरेक्ट लाइन से आन करो तो लाइट आ जायेगी* और कितना भी गहरा सूर्य की रोशनी को भी छिपाने वाला काला बादल हो, वह भी भाग जायेगा।

उत्तर 5- *A.जो बच्चे सच्चे हैं*

जो बच्चे सच्चे हैं, उनकी रक्षा जरूर होती है। अगर रक्षा नहीं होती है तो अन्दर में जरूर कोई न कोई झूठ होगा। पढ़ाई मिस करना, संशय में आना माना अन्दर में कुछ न कुछ झूठ है। उन्हें माया अंगूरी मार देती है।

उत्तर 6- *B.पतिव्रता स्त्री की*

बाबा तो बार-बार समझाते हैं शिवबाबा के सिवाए कोई देहधारी को याद नहीं करना है। कई तो ऐसे पक्के हैं, जो कभी किसकी याद भी नहीं आयेगी। *पतिव्रता स्त्री होती है ना, उनकी कुबुद्धि नहीं होती है।*

उत्तर 7- *C.नई दुनिया*

यहाँ तुम आये ही हो स्वर्ग में जाने का पुरुषार्थ करने। त्रेता को भी स्वर्ग नहीं कहेंगे। 25 परसेन्ट कम हुआ ना। तुम यहाँ आये ही हो पुरानी दुनिया छोड़ नई दुनिया में जाने। *त्रेता को नई दुनिया नहीं कहेंगे।* नापास त्रेतायुग में चले जाते हैं क्योंकि रास्ता ठीक पकड़ते नहीं। नीचे-ऊपर होते रहते हैं।

उत्तर 8- *B.जब तक कर्मातीत अवस्था नहीं बनी*

छिपाने से बीमारी छूटेगी नहीं। जितना छिपायेंगे उतना गिरते ही रहेंगे। भूत तो सबमें हैं ना। *जब तक कर्मातीत अवस्था नहीं बनी, तब तक क्रिमिनल आई भी छोड़ती नहीं है।* सबसे बड़ा दुश्मन है काम। कई गिर पड़ते हैं।

उत्तर 9- *B.बेहद के बाप के तुम बनते हो*

सबसे स्वीट है पुरुषोत्तम कल्याणकारी संगमयुग। ड्रामा में तुम्हारा भी अच्छे ते अच्छा पार्ट है। तुम कितने लकी हो। *बेहद के बाप के तुम बनते हो।* वह आकर तुम बच्चों को पढ़ाते हैं। कितनी ऊंच, कितनी सहज पढ़ाई है। कितना तुम धनवान बनते हो, इसमें कोई मेहनत नहीं करनी पड़ती।

उत्तर 10- *C. देही-अभिमानी बनो*

मीठे बच्चे - *सतगुरु की पहली-पहली श्रीमत है देही-अभिमानी बनो,* देह-अभिमान छोड़ दो। इसमें ही मेहनत है। जब मेहनत कर पूरे देही-अभिमानी बनो तब विश्व की बादशाही मिलेगी।

उत्तर 11- *D.बीज को*

जैसे आम का झाड़ू है तो उनका क्रियेटर बीज को कहेंगे ना। वह जैसे बाप हो गया परन्तु वह जड़ है। अगर चैतन्य होता तो उनको मालूम रहता ना - मेरे से झाड़ू सारा कैसे निकलता है। परन्तु वह जड़ है, उसका बीज नीचे बोया जाता है। यह तो है चैतन्य बीजरूप। यह ऊपर रहते हैं, तुम भी मास्टर बीजरूप बनते हो।

उत्तर 12- *C.पार्ट बजाते बजाते*

धरती के सितारे तुम हो। वह हैं आसमान के जो जड़ हैं, तुम चैतन्य हो। उनमें तो फेरबदल कुछ नहीं होता, तुम तो 84 जन्म लेते हो, कितना बड़ा पार्ट बजाते हो। *पार्ट बजाते-बजाते चमक डल हो जाती है, बैटरी डिस्चार्ज हो जाती है।* फिर बाप आकर भिन्न-भिन्न प्रकार से समझाते हैं क्योंकि तुम्हारी आत्मा उझाई हुई है।

उत्तर 13- *A.संगमयुग में*

एक होती है व्यभिचारी याद, दूसरी होती है अव्यभिचारी याद। *तुम सबकी है अव्यभिचारी याद जो संगमयुग पर ही होती है।* किसकी याद है? एक बाप की। बाप को याद करते-करते पाप कट जायेंगे और तुम वहाँ पहुँच जायेंगे।

उत्तर 14- *A.द्वापर युग में*

मनुष्य तो अनेकानेक को याद करते हैं। भक्ति मार्ग में तुमको याद करना है एक को। *द्वापर युग से भक्ति भी पहले-पहले तुमने ऊंच ते ऊंच शिवबाबा की ही की थी। उनको कहा जाता है अव्यभिचारी भक्ति।* वही सर्व को सद्गति देने वाला रचता बाप है। उनसे बच्चों को बेहद का वर्सा मिलता है। भाई-भाई से वर्सा नहीं मिलता।

उत्तर 15- *D. A और B*

मरजीवा बनते हैं, बाप का बनते हैं फिर रामराज्य से रावणराज्य में चले जाते हैं। *इस पर ही फिर युद्ध दिखलाई है - कौरव और पाण्डवों की। फिर असुरों और देवताओं की भी युद्ध दिखाई है।* एक युद्ध दिखाओ ना। दो क्यों? बाप समझाते हैं यहाँ की ही बात है।

उत्तर 16- *C.रुण्ड माला*

जितने-जितने विनाश काले प्रीत बुद्धि हैं उतना पद होता है। सिवाए एक के और कोई भी याद न पड़े। कल्प पहले भी ऐसे निकले हैं जो विजय माला के दाने बने हैं। तुम जो ब्राह्मण कुल के हो, *ब्राह्मणों की रुण्ड माला बनती है, जिन्होंने बहुत गुप्त मेहनत की है।* ज्ञान भी गुप्त है ना।

उत्तर 17- *D. A और C*

बाप कहते हैं मैं तुमको पावन बनाकर जाता हूँ फिर तुमको पतित कौन बनाता? अभी तुम फील करते हो ना। कितना गंगा स्नान करते आये परन्तु पावन तो बने नहीं। पावन बनकर तो पावन दुनिया में जाना पड़े। *शान्तिधाम और सुखधाम है पावन धाम।* यह तो है ही रावण की दुनिया, इसको दुःखधाम कहा जाता है।

उत्तर 18- *B. अपने को आत्मा समझ बेहद के बाप को याद करो*

यह तो सहज समझने की बात है ना। इसमें कोई मुश्किलात ही नहीं। न किसको सुनाने में मुश्किलात है। *जब कोई मिले तो सिर्फ यह बोलो अपने को आत्मा समझ बेहद के बाप को याद करो।* आत्माओं का बाप है परमपिता परमात्मा शिव।

उत्तर 19- *B. अंग सब ढके हुए होते हैं*

अभी तुम साक्षात्कार करते हो - इस पुरुषार्थ से हम ऐसा श्रृंगारा हुआ बनेंगे। *वहाँ क्रिमिनल आई होती नहीं। तो भी अंग सब ढके हुए होते हैं।* यहाँ तो देखो छी-छी बातें रावण राज्य में सीखते हैं। इन लक्ष्मी-नारायण को देखो ड्रेस आदि कितनी अच्छी है।

उत्तर 20- *D. उपरोक्त सभी*

गऊमुख से अमृत लेने के लिए कितना धक्का खाते हैं। *फिर श्रीनाथ द्वारे पर जाकर दर्शन करते हैं। परन्तु उनका दर्शन करने से क्या होगा। उसको कहा जाता है बुत पूजा। उनमें आत्मा तो है नहीं। बाकी 5 तत्वों का पुतला बना हुआ है तो गीया माया को याद करना हो गया।* 5 तत्व प्रकृति है ना। उनको याद करने से क्या होगा ?

उत्तर 21- *B. जिन्हें बाप के मिलने की भी खुशी नहीं वह*

जिन्हें बाप के मिलने की भी खुशी नहीं - वह बुद्धू हुए ना। ऐसा बाप जो विश्व का मालिक बनाता, उसका बच्चा बनने के बाद भी खुशी न रहे तो बुद्धू ही कहेंगे ना।

उत्तर 22- *A. सबकुछ आत्मा ही करती है इसलिए*

सब कुछ आत्मा ही करती है - इस शरीर द्वारा इसलिए पहले-पहले अपने को आत्मा जरूर समझना है। गायन है आत्मायें-परमात्मा अलग रहे बहुकाल.....। सबसे पहले-पहले बाप से कौन बिछुड़कर आते हैं यहाँ पार्ट बजाने? तुमसे पूछेंगे कितना समय तुम बाप से अलग रहे हो? तो तुम कहेंगे 5 हजार वर्ष।

उत्तर 23- *A. सतयुग से*

अनेक बार तुमने श्रेष्ठ मत से ऊंच पद पाया है फिर पुनर्जन्म लेते-लेते नीचे गिरते आये हो। फिर एक ही बार चढ़ते हो। तुम भी समझते हो बाबा कहते बिल्कुल ठीक हैं। *सतयुग में हम सो यह देवी-देवता थे, फिर चक्र लगाते-लगाते नीचे आते हैं।* नई दुनिया में थोड़ा-थोड़ा ही गिरते हो।

उत्तर 24- *A. ब्रह्मा*

मनुष्यों ने फिर शिव और शंकर को मिला दिया है। कहाँ वह सूक्ष्मवतनवासी, कहाँ वह मूलवतनवासी। दोनों एक हो कैसे सकते। यह भक्ति मार्ग में लिख दिया है। ब्रह्मा, विष्णु, शंकर तीन बच्चे ठहरे ना। *ब्रह्मा पर भी तुम समझा सकते हो। इनको एडाए किया है तो यह शिवबाबा का बच्चा ठहरा ना।* ऊंच ते ऊंच है बाप।

उत्तर 25- *A. 12*

हर एक को अपने ऊपर ही विचार सागर मंथन करना होता है। यह तो बच्चे जानते हैं - *मनुष्य मरते हैं तो 12 रोज़ दीवा जगाते हैं।* तुम फिर मरने के लिए तैयारी कर रहे हो और अपनी ज्योत पुरुषार्थ कर आपेही जगा रहे हो। पुरुषार्थ भी माला में आने वाले ही करते हैं। प्रजा इस माला में नहीं आती।

उत्तर 26- *D. A और B*

देवतायें हैं श्रीमत वाले। श्रीमत से ही स्वर्ग बनता है, आसुरी मत से नर्क बना है। *श्रीमत है शिव की।* ऐसे तो नहीं, शिवबाबा ही समझाते हैं। क्या यह बाबा कुछ नहीं बतलाते। इनका भी पार्ट है, *श्रीमत ब्रह्मा की भी गार्ड हुई है।*

उत्तर 27- *C. ज्ञान-योग*

तुम ब्राह्मण हो संगमयुग के। वह शूद्र हैं कलियुग के। यह नॉलेज भी तुमको इस संगम पर मिलती है। तुम बी.के. ज्ञान गंगायें प्रैक्टिकल में अब संगमयुग पर हो। अभी तुमको रेस करनी है। दुकान सम्भालनी है। *ज्ञान-योग की धारणा नहीं होगी तो दुकान सम्भाल नहीं सकेंगे।* सर्विस का उजूरा तो बाबा देने वाला है।

उत्तर 28- *A.अविनाशी ज्ञान रत्नों की*

तुमको दादे की मिलकियत मिलती है। खान बड़ी जबरदस्त है और यह खान एक ही बार निकलती है। वह खानियां तो बहुत हैं ना। निकलती रहती हैं। कोई बैठ दूँढे तो बहुत हैं। *यह तो एक ही बार एक ही खान मिलती है - अविनाशी ज्ञान रत्नों की।*

उत्तर 29- *D.उपरोक्त सभी*

सतयुग को कहा जाता है गार्डन ऑफ फ्लावर्स। *मुगल गार्डन में कितने फर्स्टक्लास अच्छे-अच्छे फूल होते हैं।* अक के भी फूल मिलेंगे परन्तु इसका अर्थ कोई भी समझते नहीं हैं, *मुगल गार्डन राष्ट्रपति भवन में है, अब उसे अमृत उद्यान कहा जाता है।*

उत्तर 30- *D.यह शरीर बदल देवी शरीर लेने*

यहाँ बैठे हो, यह तो याद होगा ना - हम आये हैं रिज्युवनेट होने अर्थात् यह शरीर बदल देवी शरीर लेने। आत्मा कहती है हमारा यह तमोप्रधान पुराना शरीर है। इसको बदलकर ऐसा शरीर लेना है। कितनी सहज एम ऑब्जेक्ट है।

उत्तर 31- *A.इस ज्ञान से*

अभी तुम मनुष्य से देवता बन रहे हो। देवताओं में फिर यह ज्ञान होगा नहीं। देवतायें सद्गति में हैं, ज्ञान चाहिए दुर्गति वालों को। *इस ज्ञान से ही देवी गुण आते हैं।* ज्ञान की धारणा वालों की चलन देवताई होती है।

उत्तर 32- *C.चलन देवताई होती है तो*

इस ज्ञान से ही देवी गुण आते हैं। *ज्ञान की धारणा वालों की चलन देवताई होती है।* कम धारणा वालों की चलन मिक्स होती है। आसुरी चलन तो नहीं कहेंगे।

भाग - (50)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- हम अभी कौन सी दुनिया में थोड़े दिन के मुसाफिर हैं ?

- A- संगमयुग में
- B- पुरानी दुनिया में
- C- निराकारी दुनिया के
- D- कलियुगी दुनिया के

प्रश्न 2- शिवबाबा के बारे में कौन सा कथन असत्य है ?

- A- क्रियेटर, डायरेक्टर
- B- शरीर बगैर राजयोग सिखाते हैं।
- C- अन्तर्यामी है।
- D- B और C

प्रश्न 3- हम विषय वैतरणी नदी कैसे पार हो जायेंगे ?

- A- ज्ञान योग से
- B- हिम्मत नहीं छोड़ो तो
- C- बाप का हाथ मिला है, उसके सहारे
- D- पवित्रता के बल से

प्रश्न 4- आप अपनी ऊंची स्थिति बनाने के लिए कौनसा अभ्यास बढ़ाओ?

- A- श्रेष्ठ परिवर्तन की शक्ति से
- B- याद की यात्रा में तत्पर रहना है, अलबेला नहीं बनने से
- C- अशरीरीपन के अभ्यास से
- D- संकल्पों को सेकण्ड में ब्रेक देने से

प्रश्न 5- अवस्था बिगड़ने का कारण क्या है ?

- A- ज्ञान की डांस नहीं करते।
- B- झरमुई झगमुई में अपना समय गँवा देते हैं।
- C- दूसरों को दुःख देते हैं तो भी उसका असर अवस्था पर आता है।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 6- ममत्व मिटाने की युक्ति क्या है ?

- A- ट्रस्टी बनो।
- B- बाप के डायरेक्शन पर चलना है।
- C- बाप कहते हैं हमको यह एक जन्म अपना वारिस बनाओं।
- D- बाप पर पूरा बलि चढ़ना।

प्रश्न 7- सदैव सतोप्रधान अवस्था किसकी होती है ?

- A- देवी-देवता
- B- श्रीकृष्ण
- C- शिवबाबा
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 8- रत्ती कितने ग्राम का होता है ?

- A- 1 ग्राम से भी कम
- B- 1.5 ग्राम से कम
- C- बिल्कुल 0 समान
- D- 2 ग्राम से कम

प्रश्न 9- बाबा के ऊपर कौन सी ड्यूटी है ?

- A- 21 जन्मों की लॉटरी देना।
- B- पावन बनाने की।
- C- स्वर्ग की स्थापना करना।
- D- पुरानी दुनिया का विनाश करने।

प्रश्न 10- कौन सी स्मृति से सदा अचल रहो तो खुशी में नाचते रहेंगे ?

- A- परमात्म छत्रछाया के अन्दर है
- B- विजयी है
- C- ड्रामा की
- D- नथिंग न्यू

प्रश्न 11- क्यों अपना ममत्व निकाल देना चाहिए ?

- A- अभी तो पिछाड़ी है तो
- B- बन्धनमुक्त है तो
- C- बलिहार गये तो
- D- कर्मातीत बनना है तो

प्रश्न 12- यह ऐसा है, फलाना ऐसा है जो इस प्रकार की बातों में लग जाते हैं, उसे क्या कहेंगे ?

- A- झरमुई झगमुई करना (परचिंतन)
- B- ऊंच पद नहीं पायेंगे
- C- उल्टा-सुल्टा काम
- D- आसुरी लक्षण वाले

प्रश्न 13- अवस्था गिरना ही क्या है ?

- A- अलबेलापन
- B- देहाभिमान
- C- सजा
- D- श्रीमत पर न चल पाना

प्रश्न 14- दृष्टान्त बताते हैं कि उसने सोचा मैं भैस हूँ तो वह अपने को भैस ही समझने लगा। इस दृष्टान्त से हमें क्या शिक्षा लेनी चाहिए ?

- A- हम लक्ष्मी-नारायण है।
- B- बाबा हमको पुजारी से पूज्य देवता बनाते हैं।
- C- लक्ष्मी-नारायण जैसा हमको बनना है, यही सारा दिन धुन लगी रहे।
- D- हम सो, सो हम

प्रश्न 15- तुम ईश्वर की औलाद कब हो ?

- A- संगमयुग पर

- B- अनादि काल से
- C- पूरे कल्प
- D- सतयुग त्रेतायुग

प्रश्न 16- एकोअंकार का अर्थ क्या है ?

- A- ईश्वर एक है ओंकार स्वरूप है।
- B- निराकार स्वरूप
- C- निराकार परमात्मा
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 17- महान् मूर्ख किस को कहेंगे ?

- A- जो निधनके हैं।
- B- कौरवों को।
- C- वे जो बाप को फारकती दे देते हैं।
- D- श्रीमत पर न चलने वाले ।

प्रश्न 18- तुम्हारा फर्ज क्या है ?

- A- सच्चा-सच्चा सहज राजयोग सीखना व सिखाना।
- B- बाप का परिचय सबको देना।
- C- एक रूहानी बाप को याद करना है।
- D- अविनाशी ज्ञान रत्नों का दान करना।

प्रश्न 19- परम सौभाग्य कौन से बच्चों का है ?

- A- जिनका ईश्वर सब- कुछ स्वीकार करता है।
- B- जो बाप का बनते हैं।
- C- जो बाप के पास आते हैं।
- D- जो बाप को पहचानने हैं।

प्रश्न 20- जब हृद के मेरे-मेरे से मुक्त होंगे तब -

- A- सरलचित्त बनेंगे।
- B- अव्यक्त स्थिति का अनुभव कर सकेंगे।
- C- मुक्त बनेंगे।
- D- सहजयोगी बन सकेंगे ।

प्रश्न 21- 5 हजार वर्ष पहले भी गीता के भगवान ने क्या कहा था ?

- A- मनुष्य से देवता किये करत न लागी वार
- B- लाडले बच्चे
- C- मन्मनाभव
- D- मामेकम्

प्रश्न 22- विचार सागर मंथन नहीं करेंगे या बाप को याद नहीं करेंगे, सिर्फ कर्म करते रहेंगे तो -

- A- रात को भी वही ख्यालात चलते रहेंगे।
- B- बन्धनमुक्त नहीं बनेगे।
- C- ज्ञान की प्वाइंट्स नहीं निकलेगी।
- D- ऊंच पद पा नहीं सकेंगे।

प्रश्न 23- परमपिता परमात्मा है ?

- A- नाम-रूप से न्यारा
- B- बहुत सूक्ष्म
- C- वन्दरफुल सितारा
- D- B और C

प्रश्न 24- बीमारियों आदि होती हैं, वह भी क्या है ?

- A- भोग है।
- B- कर्म का हिसाब है।

- C- सजा है।
- D- पाप कर्म है।

प्रश्न 25- किस को ज्ञान कहा जाता है ?

- A- सृष्टिचक्र को जानना
- B- बाप को जानना
- C- मुरली सुनना
- D- अपने 84 जन्मों को जानना

प्रश्न 26- गाते हैं अहो बाबा, तेरी लीला..... क्या लीला ? इस लीला से यहां क्या तात्पर्य है ?

- A- मनुष्य से देवता बनने की लीला।
- B- नॉलेजफुल बनने की लीला।
- C- यह पुरानी दुनिया को बदलने की लीला।
- D- एक धर्म स्थापन करने की लीला।

प्रश्न 27- कौन सा वर्सा तो सबको मिलना ही है ?

- A- मुक्ति का
- B- स्वर्ग का
- C- पढ़ाई का
- D- सतयुगी राजाई का

प्रश्न 28- अमृत का प्याला है ?

- A- धारणा
- B- मुरली
- C- वरदान
- D- स्वमान

प्रश्न 29- कौन आज हँसे कल फिर रोते रहेंगे ?

- A- बाप को याद नहीं किया तो
- B- देह-अभिमान में आये तो
- C- बाप के बच्चे नहीं बने वह
- D- बाप को फारकति दी तो

प्रश्न 30- सतयुग में दान-पुण्य भी नहीं किया जाता क्योंकि -

- A- अच्छा-बुरा, पाप-पुण्य वहाँ होता नहीं।
- B- सब अच्छा ही अच्छा होता है।
- C- विकर्म नहीं होते।
- D- प्रालम्भ है।

प्रश्न 31- सुख अथवा चैन प्राप्त करने की विधि क्या है ?

- A- पवित्रता
- B- शान्ति
- C- ज्ञान
- D- योग

प्रश्न 32- वाइसलेस वर्ल्ड है ?

- A- सतयुग
- B- शान्तिधाम
- C- कलियुग
- D- संगमयुग

भाग (50) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1 - *B.पुरानी दुनिया में*

मीठे-मीठे सिकीलथे बच्चे यह तो समझते हैं *इस पुरानी दुनिया में हम अभी थोड़े दिन के मुसाफिर हैं।* दुनिया के मनुष्य समझते

हैं अजुन 40 हज़ार वर्ष यहाँ रहने का है। तुम बच्चों को तो निश्चय है ना।

उत्तर 2 - *D. B और C*

बाप का भी इस संगम पर पार्ट चलता है। क्रियेटर, डायरेक्टर है ना! तो जरूर उनकी कोई एक्टिविटी होगी ना। शिवबाबा को न देवता, न मनुष्य कहेंगे। यह तो टैपेरी शरीर लोन में लिया हुआ है। गर्भ से थोड़ेही पैदा हुए हैं। बाप खुद कहते हैं - *बच्चे, शरीर बिगार में राजयोग कैसे सिखलाऊंगा!* बाप को सब मालूम पड़ता है। माया ग्राह एकदम हप कर लेती है। यह बाप अच्छी रीति जानते हैं। *ऐसे नहीं समझो बाप कोई अन्तर्यामी है।*

उत्तर 3 - *C. बाप का हाथ मिला है, उसके सहारे*

सदा शुद्ध नशा रहे कि बेहद का बाप हमें पतित छी-छी से गुलगुल, कांटों से फूल बना रहे हैं। *अभी हमें बाप का हाथ मिला है, जिसके सहारे हम विषय वैतरणी नदी पार हो जायेंगे।*

उत्तर 4 - *D. संकल्पों को सेकण्ड में ब्रेक देने से*

जब पहाड़ी पर चढ़ते हैं तो पहले ब्रेक को चेक करते हैं। *आप अपनी ऊंची स्थिति बनाने के लिए संकल्पों को सेकण्ड में ब्रेक देने का अभ्यास बढ़ाओ।* जब अपने संकल्प वा संस्कार एक सेकण्ड में निगेटिव से पॉजिटिव में परिवर्तन कर लेंगे तब स्व परिवर्तन से विश्व परिवर्तन का कार्य सम्पन्न होगा।

उत्तर 5- *D. उपरोक्त सभी*

ज्ञान की डांस नहीं करते, झरमुई झगमुई में अपना समय गँवा देते हैं इसलिए अवस्था बिगड़ जाती है। 2. दूसरों को दुःख देते हैं तो भी उसका असर अवस्था पर आता है। अवस्था अच्छी तब रहेगी जब मीठा होकर चलेंगे। याद पर पूरा अटेन्शन होगा। रात को सोने के पहले कम से कम आधा घण्टा याद में बैठो फिर सवेरे उठकर याद करो तो अवस्था अच्छी रहेगी।

उत्तर 6- *B. बाप के डायरेक्शन पर चलना है*

पुरानी किचड़पट्टी में ममत्व नहीं रखना है, बाप के डायरेक्शन पर चलकर अपना ममत्व मिटाना है।

उत्तर 7- *C. शिव बाबा*

अभी तुम यह बनने का पुरुषार्थ कर रहे हो। तुम्हारी महिमा वास्तव में इन देवताओं से भी जास्ती है। तुमको अभी बाप पढ़ा रहे हैं। कितनी ऊंच पढ़ाई है। पढ़ने वाले बहुत जन्मों के अन्त में बिल्कुल ही तमोप्रधान हैं। *मैं तो सदैव सतोप्रधान ही हूँ।*

उत्तर 8- *A. एक ग्राम से भी कम*

बाबा जोहरी था, एक रत्ती का हीरा होता था, 90 रूपया रत्ती था। अभी तो उसकी कीमत हज़ारों रूपया है। मिलते भी नहीं। बहुत वैल्यू बढ़ गई है। इस समय विलायत आदि तरफ धन बहुत है, परन्तु सतयुग के आगे यह कुछ भी नहीं है। आधुनिक वज़न के हिसाब से, एक रत्ती में 0.1214 ग्राम वज़न होता है। रत्ती, भारतीय उपमहाद्वीप का एक पारंपरिक वज़न का माप है, *इस तरह एक रत्ती एक ग्राम से कम होती है।*

उत्तर 9- *B. पावन बनाने की*

बाप कहते हैं मैं कितना समय बैठा रहूँगा, मुझे कोई यहाँ मजा आता है क्या? मैं तो न सुखी, न दुःखी होता हूँ। *मेरे ऊपर ड्यूटी है पावन बनाने की। तुम यह थे, अब यह बन गये हो, फिर तुमको ऐसा ऊंच बनाता हूँ।* तुम जानते हो हम फिर वह बनने वाले हैं।

उत्तर 10- *D. नथिंग न्यू*

नथिंग न्यू की स्मृति से सदा अचल रहो तो खुशी में नाचते रहेंगे।

उत्तर 11- *C. बलिहार गये तो*

बलिहार जाना कोई मासी का घर नहीं है। बड़े-बड़े आदमी बलिहार तो जा न सकें। वह बलिहार जाने का अर्थ भी नहीं समझते हैं। हृदय विदीर्ण होता है। बहुत बन्धनमुक्त भी हैं। बच्चा आदि कुछ भी नहीं है। कहते हैं बाबा आप ही हमारे सब कुछ हो। ऐसे मुख से कहते हैं परन्तु सच नहीं। बाप से भी झूठ बोल देते हैं। *बलिहार गये तो अपना ममत्व निकाल देना चाहिए।* अभी तो पिछाड़ी है तो श्रीमत पर चलना पड़े।

उत्तर 12- *B. ऊंच पद नहीं पायेंगे*

बाप को याद करेंगे तो यह जरूर याद पड़ेगा। हमको ऐसा बनना है। यही सारा दिन धुन लगी रहे। तो फिर एक-दो की ग्लानि कभी नहीं करेंगे। यह ऐसा है, फलाना ऐसा है..... *जो इन बातों में लग जाते हैं वह ऊंच पद पा नहीं सकेंगे।* ऐसे ही रह जाते हैं। कितना सहज करके समझाया जाता है। इनको याद करो, बाप को याद करो तो तुम यह बन ही जायेंगे।

उत्तर 13- *C. सजा*

बाप समझाते तो बहुत हैं। अगर कुछ चाल तुम्हारी फिर खराब देखी तो यहाँ रह नहीं सकेंगे। थोड़ी सजा भी देनी होती है, तुम

लायक नहीं हो। बाप को ठगते हो। *तुम बाप को याद कर नहीं सकेंगे। अवस्था सारी गिर जाती है। अवस्था गिरना ही सजा है।* श्रीमत पर न चलने से अपना पद भ्रष्ट कर देते हैं।

उत्तर 14- C.लक्ष्मी नारायण जैसा हमको बनना है, रही सारा दिन धुन लगी रहे

यह तो समझते हो कि बाबा हमको देवता बनाते हैं। जितना हो सके याद करना चाहिए। यह तो बाप कहते हैं कि निरन्तर याद रह नहीं सकती। परन्तु पुरुषार्थ करना है। *भल गृहस्थ व्यवहार का कार्य करते हुए इनको (लक्ष्मी-नारायण को) याद करेंगे तो बाप जरूर याद आयेगा। बाप को याद करेंगे तो यह जरूर याद पड़ेगा। हमको ऐसा बनना है। यही सारा दिन धुन लगी रहे।*

उत्तर 15- *A.संगमयुग पर*

बाबा ने समझाया है, सारी दुनिया में महान् मूर्ख देखना हो तो यहाँ देखो। बाप जिनसे 21 जन्म का वर्सा मिलता, उनको भी फारकती दे देते हैं। यह भी ड्रामा में नूँध है। *अभी अर्थात् संगमयुग तुम स्वयं ईश्वर की औलाद हो।* फिर देवता, क्षत्रिय, वैश्य, शुद्र की औलाद बनेंगे। अभी आसुरी औलाद से ईश्वरीय सन्तान बने हो। बाप परमधाम से आकर पतित से पावन बनाते हैं तो कितना शुक्रिया मानना चाहिए।

उत्तर 16- *A.ईश्वर एक है ओंकार स्वरूप है*

गाया भी जाता है एकोअंकार सतनाम यह महिमा किसकी है ? भल ग्रंथ में भी सिक्ख लोग महिमा करते हैं। गुरूनानक वाच... अब एकोअंकार यह तो उस एक निराकार परमात्मा की ही महिमा है परन्तु यह लोग परमात्मा की महिमा को भूल गुरू-नानक की महिमा करने लगते हैं। सतगुरू भी नानक को समझ लेते हैं। *एकोअंकार का मतलब है कि ईश्वर एक है और वह ओंकार स्वरूप है यह सिख धर्म का एक प्रचलित मंत्र है*।

उत्तर 17- *C.वे जो बाप को फारकती दे देते हैं*

तुम्हारा फर्ज़ है बाप का परिचय सबको देना। सभी निधनके बन पड़े हैं। यह बातें भी कल्प पहले वाले कोटों में कोई ही समझेंगे। बाबा ने समझाया है, सारी दुनिया में महान् मूर्ख देखना हो तो यहाँ देखो। *बाप जिनसे 21 जन्म का वर्सा मिलता, उनको भी फारकती दे देते हैं।* यह भी ड्रामा में नूँध है।

उत्तर 18- *B.बाप का परिचय सबको देना*

राजयोग एक बाप ने ही सिखलाया था। सच्चा-सच्चा सहज राजयोग तो तुम अभी सिखला सकते हो। *तुम्हारा फर्ज़ है बाप का परिचय सबको देना। सभी निधनके बन पड़े हैं।* यह बातें भी कल्प पहले वाले कोटों में कोई ही समझेंगे।

उत्तर 19- *A.जिनका ईश्वर सब-कुछ स्वीकार करता है*

तुम बाप के पास आये हो अपना सौभाग्य बनाने, परम सौभाग्य *उन बच्चों का है - जिनका ईश्वर सब-कुछ स्वीकार करता है*

उत्तर 20- *B.अव्यक्त स्थिति का अनुभव*

आप बच्चों की सेवा है सबको मुक्त बनाने की। तो औरों को मुक्त बनाते स्वयं को बंधन में बांध नहीं देना। *जब हृद के मेरे-मेरे से मुक्त होंगे तब अव्यक्त स्थिति का अनुभव कर सकेंगे।* जो बच्चे लौकिक और अलौकिक, कर्म और संबंध दोनों में स्वार्थ भाव से मुक्त हैं वही बाप समान कर्मातीत स्थिति का अनुभव कर सकते हैं।

उत्तर 21- *B.लाडले बच्चे*

बाबा कितना सहज बतलाते हैं - मन्मनाभव। *बस 5 हज़ार वर्ष पहले भी गीता के भगवान ने कहा था लाडले बच्चे।* अगर श्रीकृष्ण कहेंगे तो दूसरे धर्म वाले कोई सुन न सकें। भगवान कहेंगे तो सभी को लगेगा - गॉड फादर हेविन स्थापन करते हैं जिसमें फिर हम जाकर चक्रवर्ती राजा बनेंगे।

उत्तर 22- *A.रात को भी वही ख्यालात चलते रहेंगे*

तुम बच्चों को विचार सागर मंथन करना है। कर्म करते दिन-रात ऐसे पुरुषार्थ करते रहो। *विचार सागर मंथन नहीं करेंगे या बाप को याद नहीं करेंगे, सिर्फ कर्म करते रहेंगे तो रात को भी वही ख्यालात चलते रहेंगे।* मकान बनाने वाले को मकान का ही ख्याल चलेगा।

उत्तर 23- *D. B और C*

आकाश सूक्ष्म है तो भी नाम तो है ना आकाश। *जैसे यह पोलार सूक्ष्म है, वैसे बाप भी बहुत सूक्ष्म है। बच्चे वर्णन करते हैं वन्दरफुल सितारा है,* जो इनमें प्रवेश करते हैं, जिसको आत्मा कहते हैं। बाप तो रहते ही हैं परमधाम में, वह रहने का स्थान है। ऊपर नज़र जाती है ना। ऊपर अंगुली से इशारा कर याद करते हैं। तो जरूर जिसको याद करते हैं, कोई वस्तु होगी। परमपिता परमात्मा कहते तो हैं ना।

उत्तर 24- *B.कर्म का हिसाब है*

आत्मा सजाये कहाँ खाती है - यह भी ड्रामा में पार्ट है। गर्भ जेल में सजाये मिलती हैं। जेल में धर्मराज को देखते हैं फिर कहते हैं

बाहर निकालो। *बीमारियाँ आदि होती हैं, वह भी कर्म का हिसाब है ना।* यह सब समझने की बातें हैं। बाप तो जरूर राइट ही सुनायेंगे ना। अभी तुम राइटियस बनते हो। राइटियस उनको कहा जाता है जो बाप से बहुत ताकत लेते हैं।

उत्तर 25- *B.बाप को जानना*

बाप तो रहते ही हैं परमधाम में, वह रहने का स्थान है। ऊपर नज़र जाती है ना। ऊपर अंगुली से इशारा कर याद करते हैं। तो जरूर जिसको याद करते हैं, कोई वस्तु होगी। परमपिता परमात्मा कहते तो हैं ना। फिर भी नाम-रूप से न्यारा कहना - इसे अज्ञान कहा जाता है। *बाप को जानना, इसे ज्ञान कहा जाता है।* यह भी तुम समझते हो हम पहले अज्ञानी थे। बाप को भी नहीं जानते थे, अपने को भी नहीं जानते थे।

उत्तर 26- *C.यह पुरानी दुनिया को बदलने की लीला*

बाप समझाते हैं - मैं तुम आत्माओं का बाप हूँ। मेरे द्वारा इस रचना के आदि-मध्य-अन्त को जानने से तुम यह पद पाते हो। बाकी सब मुक्ति में चले जाते हैं। बाप तो सबकी सद्गति करते हैं। *गाते हैं अहो बाबा, तेरी लीला... क्या लीला? कैसी लीला? यह पुरानी दुनिया को बदलने की लीला है।* मालूम होना चाहिए ना। मनुष्य ही जानेंगे ना। बाप तुम बच्चों को ही आकर सब बातें समझाते हैं। बाप नॉलेजफुल है

उत्तर 27- *A.मुक्ति का*

पहला नम्बर शास्त्र है गीता तो पीछे जो शास्त्र बनते हैं उनसे भी वर्सा मिल न सके। वर्सा मिलता ही सम्मुख है। *मुक्ति का वर्सा तो सबको मिलना है, सबको वापिस जाना है।* बाकी स्वर्ग का वर्सा मिलता है पढ़ाई से।

उत्तर 28- *B.मुरली*

यहाँ तुम बच्चों को रोज़ ज्ञान अमृत का प्याला मिलता है। धारण करने लिए दिन-प्रतिदिन प्वाइंट्स ऐसी मिलती रहती हैं जो बुद्धि का ताला ही खुलता जाता है इसलिए मुरली तो कैसे भी पढ़नी है। जैसे गीता का रोज़ पाठ करते हैं ना। यहाँ भी रोज़ बाप से पढ़ना पड़े।

उत्तर 29- *A.बाप को याद नहीं किया तो*

यह गीत सारा तुम बच्चों पर बना हुआ है - बचपन के दिन भुला न देना.....। *बाप को याद करना है, याद नहीं किया तो जो आज हंसे कल फिर रोते रहेंगे।* याद करने से सदैव हर्षित मुख रहेंगे।

उत्तर 30- *D.प्रालम्भ*

सतयुग-त्रेता में तो सब अच्छा ही अच्छा होता है। अच्छा-बुरा, पाप-पुण्य यहाँ होता है। *वहाँ दान-पुण्य भी नहीं किया जाता। है ही प्रालम्भ।*

उत्तर 31- *A.पवित्रता*

उस बाप को ही कहते हैं कि वहाँ ले चल जहाँ सुख चैन पावें। चैन अथवा सुख सभी मनुष्य चाहते हैं। *परन्तु सुख और शान्ति के पहले तो चाहिए पवित्रता।* पवित्र को पावन, अपवित्र को पतित कहा जाता है। सतयुग में है पवित्रता, कलियुग में है अपवित्रता।

उत्तर 32- *A.सतयुग*

सतयुग में है पवित्रता, कलियुग में है अपवित्रता। वह वाइसलेस वर्ल्ड, यह विशश वर्ल्ड। यह तो बच्चे जानते हैं दुनिया वृद्धि को पाती रहती है। *सतयुग वाइसलेस वर्ल्ड है तो जरूर मनुष्य थोड़े होंगे।*

भाग - (51)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- सच्ची कमाई क्या है ?

- A- अविनाशी ज्ञान रत्नों की
- B- खुशी देने की
- C- गुणों की
- D- सेवा की

प्रश्न 2- कौन से लोगों का संन्यास कितना डिफीकल्ट है, बाल आदि निकालने की कितनी कड़ी रस्म है ?

- A- संन्यासी
- B- जैनी
- C- बौद्धी
- D- सिक्ख

प्रश्न 3- वर्से को याद करो अर्थात् -

- A- सुखधाम को याद करो।
- B- शान्तिधाम को याद करो।
- C- स्वदर्शन चक्र सदा फिरता रहे।
- D- बाप को याद करो।

प्रश्न 4- बाप समझाते हैं देही-अभिमानी भव, क्योंकि -

- A- पावन बनना है।
- B- आत्मा समझे बगैर परमपिता परमात्मा को याद कर न सकें।
- C- आत्मा का स्वधर्म शान्ति है।
- D- पावन दुनिया में जाना

प्रश्न 5- सतयुग में कौन से अच्छे सुन्दर नाम होते हैं ?

- A- श्रीकृष्ण
- B- श्रीलक्ष्मी
- C- श्री विष्णु
- D- A और B
- E- A, B, C

प्रश्न 6- तुम बच्चों का फ़र्ज है ?

- A- सुखधाम में विश्राम करना
- B- सबको बाप का पैगाम देना।
- C- मुरली सुनाना
- D- स्वमान के नशे में रहना

प्रश्न 7- बाप किस को नहीं पढ़ाएंगे ?

- A- मनुष्य को
- B- देवताओं को
- C- पतितों को
- D- उपरोक्त सभी को

प्रश्न 8- कब मायाजीत बनना सहज है ?

- A- याद और निःस्वार्थ सेवा हो तो
- B- नॉलेजफुल बनो तो
- C- सदा शक्तिशाली हों तो
- D- पवित्र बनो तो

प्रश्न 9- कौन सी बीमारी बहुत कड़ी है ?

- A- पांच विकारों की
- B- कर्मभोग की
- C- देह-अभिमान की
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 10- वैकुण्ठवासी कौन हैं-

- A- श्रीकृष्ण
- B- परमात्मा
- C- आत्मा
- D- श्री विष्णु

प्रश्न 11- अपने आपको सदा सेफ रखने के लिए सबसे सही पर्याय का चुनाव कीजिए ?

- A- बुद्धि बिजी रखो।
- B- बुद्धि को विचार सागर मंथन में बिजी रखना।
- C- झरमुई झगमुई में अपना समय नहीं गँवाना है।
- D- सब कुछ बाप को अर्पण कर देना है।

प्रश्न 12- किस को नॉलेज कहा जाता है ?

- A- बाप और सृष्टि चक्र को जानना
- B- बुद्धि को विचार सागर मंथन में बिज़ी रखना
- C- आत्मा और परमात्मा के ज्ञान को
- D- श्रीमत पर चलने को

प्रश्न 13- कौन सी यात्रा तुम्हारी अनादि है ?

- A- मनमनाभव
- B- हम सो
- C- तत्त्वम्
- D- मामेकम्

प्रश्न 14- आज से कितने हजार वर्ष पहले क्राइस्ट आया था ?

- A- 5
- B- 3
- C- 1
- D- 2

प्रश्न 15- यहाँ तुम्हारे पेपर्स की कौन जांच करेगा ?

- A- चित्रगुप्त
- B- बाप
- C- खुद ही करेंगे
- D- धर्मराज

प्रश्न 16- अभी देखो क्रिश्चियन का झाड़ कितना हो गया है। क्रिश्चियन का फाउण्डेशन है-

- A- ग्रेट-ग्रेट ग्रेण्ड फादर
- B- परमपिता परमात्मा शिव
- C- देवी-देवता घराना
- D- ब्राह्मण परिवार

प्रश्न 17- ब्राह्मण जीवन की नेचुरल नेचर है ?

- A- पत्थर को भी पानी बनाना
- B- मास्टर प्यार के सागर बनना
- C- शान्तिधाम और सुखधाम को याद करना
- D- सबको ज्ञान खजानों का दान करना

प्रश्न 18- मोक्ष किसे मिलता है ?

- A- सभी आत्माओं को मिलता है।
- B- किसी किसी को मिलता है।
- C- किसी को मिल नहीं सकता।
- D- महान आत्माओं को ही मिलता है।

प्रश्न 19- किनकी न पारस-बुद्धि बनती है,न फिर पत्थरबुद्धि बनती है ?

- A- क्रिश्चियन लोगों की
- B- भारतवासी की
- C- संन्यासियों की
- D- धर्म पिताओं की

प्रश्न 20- किस पर तुम्हारा हक है ?

- A- अविनाशी खजानों पर
- B- शान्तिधाम पर
- C- रामराज्य पर
- D- माया पर विजयी बनने पर

प्रश्न 21- आधाकल्प है ?

- A- देवी-देवता धर्म
- B- मरने का नाम नहीं है।
- C- बृहस्पति की दशा
- D- A और B
- E- A, B और C

प्रश्न 22- तुम जानते हो पुराने से नये बन रहे हैं। सैपलिंग लग रहा है। बाबा हमें क्या बनने की सैपलिंग लगाते हैं ?

- A- ब्राह्मण की
- B- ईश्वरीय बुद्धि और गुणों की
- C- कांटों से फूल बनाने की
- D- देवी देवता की

प्रश्न 23- सब रोग कैसे खत्म हो जाते हैं, जिससे कि निरोगी बन जाते हैं ?

- A- साइलेन्स से
- B- साइंस से
- C- बाप को याद करने से
- D- दवा और दुआ से

प्रश्न 24- बाबा तलवार किस को कहते हैं ?

- A- याद को
- B- ज्ञान को
- C- जौहर को
- D- सर्व शक्तियों को

प्रश्न 25- 5 तत्त्व कैसे नये बन जाते हैं ?

- A- आत्मा के पवित्र होने से
- B- प्रकृति सतोप्रधान बनने से
- C- हम अपना स्वर्ग स्थापन करते हैं तो
- D- सकाश सेवा करने से

प्रश्न 26- डबल आमदनी होगी ?

- A- याद की यात्रा से कमाई करना
- B- बाप समान रहमदिल बनकर कमाई करना
- C- 84 के चक्र के ज्ञान का सिमरण करने से कमाई
- D- A और B
- E- A और C

प्रश्न 27- मुरली अनुसार ओमनी प्रेजेंट का अर्थ है ?

- A- शिवबाबा
- B- सर्वव्यापी
- C- गॉड फादर
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 28- वह तो समझते हैं स्त्रियों का दुःख कैसे दूर करें ? परन्तु मनुष्य थोड़े ही किसका दुःख दूर कर सकते हैं क्योंकि-

- A- तमोप्रधान है।
- B- सब पत्थरबुद्धि है।
- C- दुःखहर्ता, सुख कर्ता तो एक ही बाप है।
- D- खुद ही दुःखी हैं।

प्रश्न 29- अभी कौन सा एपीसोड चल रहा है ?

- A- नई दुनिया की रचना का
- B- गीता का
- C- संगमयुग का
- D- महाभारत का

प्रश्न 30- रूहानी विद्या भवन किस को कहेंगे ?

- A- मधुबन को
- B- ज्ञान सागर बाप को
- C- भगवत गीता को
- D- सेन्टर को

प्रश्न 31- बाप आकर एक सत धर्म की स्थापना कब करते हैं ?

- A- सतयुग में
- B- संगमयुग में
- C- लक्ष्मी-नारायण के राज्य में
- D- कलियुग के अन्त में

प्रश्न 32- इनमें से कौन सबसे प्राचीन है ?

- A- सतयुग- त्रेता
- B- रचयिता और रचना के आदि - मध्य-अन्त का ज्ञान
- C- शिवबाबा
- D- सृष्टि चक्र का ज्ञान

भाग (51) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *A.अविनाशी ज्ञान रत्नों की*

सतयुग है सुखधाम परन्तु सभी तो सतयुग में आ नहीं सकते। यह बातें समझेंगे ही वह जो देवताओं के पुजारी हैं। यह है सच्ची कमाई, जो सच्चा बाप सिखलाते हैं। बाकी सभी हैं झूठी कमाईयाँ। *अविनाशी ज्ञान रत्नों की कमाई ही सच्ची कमाई कही जाती है*, बाकी विनाशी धन-दौलत वह है झूठी कमाई।

उत्तर 2- *B.जैनी*

बाप कहते हैं मन्मनाभव, तो तुम बैकुण्ठ के मालिक बनोगे। मुक्ति, जीवनमुक्तिधाम को याद करो। *तुम्हारा यह संन्यास है, जैनी लोगों का संन्यास कितना डिफीकल्ट है।* बाल आदि निकालने की कितनी कड़ी रस्म है।

उत्तर 3- *A.सुखधाम को याद करो*

बाप कहते हैं *बच्चे, शान्तिधाम को याद करो और फिर वर्से को अर्थात् सुखधाम को याद करो।* पहले-पहले तुम शान्तिधाम में जाते हो तो अपने को शान्तिधाम, ब्रह्माण्ड का मालिक समझो। चलते-फिरते अपने को वहाँ के वासी समझेंगे तो यह दुनिया भूलती जायेगी। सतयुग है सुखधाम परन्तु सभी तो सतयुग में आ नहीं सकते।

उत्तर 4- *B.आत्मा समझे बगैर परमपिता परमात्मा को याद कर न सकें*

बाप क्या समझाते हैं? देही-अभिमानी भव क्योंकि अपने को आत्मा समझने बिगर परमपिता परमात्मा को याद कर न सकें। इस समय तो सभी आत्मार्थ पतित हैं। पतित को ही मनुष्य कहा जाता है, पावन को देवता कहा जाता है। यह बहुत सहज समझने और समझाने की बातें हैं।

उत्तर 5- *D. A और B*

चण्डिका का कितना बड़ा मेला लगता है। वह कौन थी? कहते हैं वह एक देवी थी। ऐसा नाम तो वहाँ कोई होता ही नहीं। सतयुग में कितने अच्छे सुन्दर नाम होते हैं। *कृष्ण, नाम का अर्थ है - 'वह जो आकर्षित करता है'।* कृष्ण सतयुग (स्वर्ण युग) का पहला राजकुमार है। *सतयुग में विष्णु के दो रूप श्री लक्ष्मी नारायण राज्य करते हैं।*

उत्तर 6- *B.सबको बाप का पैगाम देना*

बाप ने समझाया है कि सारे सृष्टि का चक्र कैसे फिरता है, सर्व आत्माओं को विश्राम कैसे और कहाँ मिलता है। *तुम बच्चों का फ़र्ज है - सबको बाप का पैगाम देना।* बाप कहते हैं मुझे याद करो तो इस वर्से के तुम मालिक बन जायेंगे। बाप इस संगमयुग पर नई स्वर्ग की दुनिया रचते हैं। जहाँ तुम जाकर मालिक बनते हो।

उत्तर 7- *B.देवताओं को*

अभी तुम बच्चों को बाप ने आकर अपना परिचय दिया है कि मैं इनमें कैसे प्रवेश कर तुम्हें पढ़ाता हूँ। *बाप देवताओं को तो नहीं पढ़ायेंगे।* देवताओं को यह ज्ञान कहाँ। मनुष्य तो मूर्खते हैं क्या देवताओं में ज्ञान नहीं है। देवतायें ही इस ज्ञान से देवता बनते हैं। देवता बनने के बाद फिर ज्ञान की क्या दरकार है।

उत्तर 8- *A.याद और निःस्वार्थ सेवा हो तो*

ब्राह्मण जीवन का आधार याद और सेवा है, यह दोनों आधार सदा शक्तिशाली हों तो तीव्रगति से आगे बढ़ते रहेंगे। याद और सेवा दोनों में तीव्रगति चाहिए। *याद और निःस्वार्थ सेवा साथ-साथ हों तो मायाजीत बनना सहज है।* हर कर्म में, कर्म की समाप्ति के पहले सदा विजय दिखाई देगी।

उत्तर 9- *C.देह-अभिमान की*

सर्विस करने वाले बच्चे कभी छिप नहीं सकते। बाप तो हर बच्चे का दिल लेते हैं कि कौन-सा बच्चा कैसा है? *देह-अभिमान की बीमारी बहुत कड़ी है।* बाबा मुरली में समझाते हैं, कइयों को तो ज्ञान का उल्टा नशा चढ़ जाता है, अहंकार आ जाता है फिर याद भी नहीं करते, पत्र भी नहीं लिखते।

उत्तर 10- *A.श्रीकृष्ण*

यह बातें कोई बाहर का समझ न सके। बात बड़ी सहज है। फ़र्क सिर्फ इतना है जो बाप के बदले वैकुण्ठवासी श्रीकृष्ण का नाम डाल दिया है। *क्या श्रीकृष्ण ने वैकुण्ठ से नर्क में आकर राजयोग सिखाया?* श्रीकृष्ण कैसे कह सकता है देह सहित..... मामेकम् याद करो। देहधारी की याद से पाप कैसे कटेंगे?

उत्तर 11- *B.बुद्धि को विचार सागर मंथन में बिजी रखना*

अपने आपको सदा सेफ रखने के लिए बुद्धि को विचार सागर मंथन में बिजी रखना है। स्वदर्शन चक्रधारी बनकर रहना है। झरमुई झगमुई में अपना समय नहीं गँवाना है। शरीर से डिटेच रहने की पढ़ाई जो बाप पढ़ाते हैं, वह पढ़नी है। माया के फोर्स से बचने के लिए अपनी अवस्था अचल-अडोल बनानी है।

उत्तर 12- *A.बाप और सृष्टिचक्र को जानना*

आत्मा शरीर में आती है तो उसे मनुष्य कहा जाता है। शरीर मिलता ही है कर्म करने के लिए। एक शरीर छोड़ फिर दूसरा शरीर कर्म करने लिए लेना है। शान्ति तो तब हो जब शरीर में नहीं है। मूलवतन में कर्म होता नहीं। सूक्ष्मवतन की तो बात ही नहीं। सृष्टि का चक्र यहाँ फिरता है। *बाप और सृष्टि चक्र को जानना, इसको ही नॉलेज कहा जाता है।*

उत्तर 13- *A.मनमनाभव*

अभी तुम्हारी है याद की यात्रा। अक्षर ही एक है - *मनमनाभव। यह यात्रा तुम्हारी अनादि है।* वह भी कहते हैं हम यह यात्रा अनादि काल से करते आये हैं। अभी तुम ज्ञान सहित कहते हो कि हम कल्प-कल्प यह यात्रा करते हैं। यह यात्रा खुद बाप आकर सिखलाते हैं। उन यात्राओं में कितने धक्के खाते हैं। कितना शोर होता है। यह यात्रा है डेड साइलेन्स की।

उत्तर 14- *D. 2*

वे जानते हैं कि क्राइस्ट द्वारा हम क्रिश्चियन बने हैं। *आज से 2 हजार वर्ष पहले क्राइस्ट आया था।* अब वृद्धि हो रही है। क्रिश्चियन कहेंगे हम क्राइस्ट के हैं। पहले एक क्राइस्ट आया, फिर उनका धर्म स्थापन होता है, वृद्धि होती जाती है। एक से दो, दो से चार..... फिर ऐसे वृद्धि होती जाती है।

उत्तर 15- *C.खुद ही करेंगे*

जो विलायत में पढ़ते होंगे, उनमें भी कोई बड़ा एज्यूकेशन मिनिस्टर होगा तो जांच करते होंगे। *यहाँ तुम्हारे पेपर्स की कौन जांच करेगा? तुम खुद ही करेंगे।* खुद जो चाहिए सो बनो। पढ़कर जो पद बाप से चाहो वह ले लो। जितना बाप को याद करेंगे, दूसरों की सर्विस करेंगे, उतना ही फल मिलेगा।

उत्तर 16- *C.देवी-देवता घराना*

पहले एक क्राइस्ट आया, फिर उनका धर्म स्थापन होता है, वृद्धि होती जाती है। एक से दो, दो से चार..... फिर ऐसे वृद्धि होती जाती है। *अभी देखो क्रिश्चियन का झाड़ कितना हो गया है। फाउण्डेशन है देवी-देवता घराना,* इसलिए ब्रह्मा को ग्रेट-ग्रेट ग्रेण्ड फादर कहा जाता है।

उत्तर 17- *B.मास्टर प्यार के सागर बनना*

आप ब्राह्मणों की नेचुरल नेचर मास्टर प्रेम का सागर है। आपके पास आत्मिक प्यार, परमात्म प्यार की ऐसी शक्ति है, जिससे भिन्न-भिन्न नेचर को परिवर्तन कर सकते हो। जैसे प्यार के सागर ने अपने प्यार स्वरूप की अनादि नेचर से आप बच्चों को अपना बना लिया। ऐसे आप भी मास्टर प्यार के सागर बन विश्व की आत्माओं को सच्चा, निःस्वार्थ आत्मिक प्यार दो तो उनकी नेचर परिवर्तन हो जायेगी।

उत्तर 18- *C.किसी को मिल नहीं सकता*

आत्मा इतनी छोटी बिन्दी है, उसमें फार एवर पार्ट भरा हुआ है, जो पार्ट बजाती ही रहती है। कभी थकती नहीं। *मोक्ष किसी को मिल नहीं सकता।* मनुष्य बहुत दुःख देखकर कहते हैं मोक्ष मिले तो अच्छा है, लेकिन अविनाशी आत्मा पार्ट बजाने के बिना रह नहीं सकती।

उत्तर 19- *A.क्रिश्चियन लोगों की*

बाप समझाते हैं विश्व में शान्ति तो स्वर्ग में थी, जिसको पैराडाइज़ कहते हैं। क्रिश्चियन लोग कहते हैं बरोबर क्राइस्ट से 3 हज़ार वर्ष पहले पैराडाइज़ था। *उन्हों की न पारस-बुद्धि बनती है, न फिर पत्थरबुद्धि बनती है।* भारतवासी ही पारसबुद्धि और पत्थरबुद्धि बनते हैं।

उत्तर 20- *C.रामराज्य पर*

निश्चयबुद्धि विजयन्ती। विजय पायेंगे रावण पर। फिर आना है रामराज्य में। कल्प-कल्प तुम रावण पर विजय पाते हो। ब्राह्मण बने और विजय पाई रावण पर। *रामराज्य पर तुम्हारा हक है।* बाप को पहचाना और रामराज्य पर हक हुआ। बाकी पुरुषार्थ करना है ऊंच पद पाने का। विजय माला में आना है।

उत्तर 21- *E. A,B और C*

यह देवी-देवता तो सबसे पहले और बड़ा धर्म है। जो दो युग चलता है तो जरूर उनकी संख्या भी बढ़ी होनी चाहिए। परन्तु हिन्दू कहला दिया है। कहते भी हैं 33 करोड़ देवतायें। *बाप वृक्षपति आते हैं तो जरूर भारत पर बृहस्पति की दशा बैठेगी।* इसमें सब कुछ आ जाता है। तुम बच्चे जानते हो हमको निरोगी काया मिलती है, *वहाँ मृत्यु का नाम नहीं होता।* अमरलोक है ना।

उत्तर 22- *D.देवी देवता की*

अभी तुम हो प्रजा-पिता ब्रह्मा की सन्तान, यह छोटा-सा नया झाड़ू है। *तुम जानते हो पुराने से नये बन रहे हैं। सैपलिंग लग रहा है। बरोबर हम बाजोली खेलते हैं। हम सो ब्राह्मण फिर हम सो देवता।* 'सो' अक्षर जरूर लगाना है। सिर्फ हम नहीं। हम सो शूद्र थे, हम सो ब्राह्मण बनें..... यह बाजोली बिल्कुल भूलनी नहीं चाहिए।

उत्तर 23- *C.बाप को याद करने से*

दिन-प्रतिदिन साइंस से बहुत सुख मिलता जाता है। यह है अल्पकाल का सुख, गिरते हैं तो कितना नुकसान हो जाता है। इन चीज़ों में सुख है अल्प-काल के लिए। बाकी फाइनल मौत भरा हुआ है। वह है साइन्स। तुम्हारी है साइलेन्स। *बाप को याद करने से सब रोग खत्म हो जाते हैं,* निरोगी बन जाते हैं। अभी तुम समझते हो सतयुग में एवरहेल्दी थे। यह 84 का चक्र फिरता ही रहता है।

उत्तर 24- *B.ज्ञान को*

अब तुम हो ज्ञान सूर्यवंशी। फिर सतयुग में कहा जायेगा विष्णु वंशी। ज्ञान सूर्य प्रगटा.... इस समय तुम्हें ज्ञान मिल रहा है ना। ज्ञान से ही सद्गति होती है। *तलवारों में भी नम्बरवार जौहर का फ़र्क होता है। ये है ज्ञान तलवार* जितना तुम याद करेंगे उतनी धारणा अच्छी होगी, इसमें ताकत रहेगी इसलिए कहते हैं याद का जौहर चाहिए।

उत्तर 25- *A.आत्मा के पवित्र होने से*

जैसे बच्चे कहते हैं ना - हमको नया कपड़ा दो। हम आत्माओं को भी नया कपड़ा चाहिए। बाप कहते हैं तुम्हारी आत्मा नई बने तो शरीर भी नया चाहिए तब शोभा है। *आत्मा के पवित्र होने से 5 तत्व भी नये बन जाते हैं।* 5 तत्वों का ही शरीर बनता है। जब आत्मा सतोप्रधान है तो शरीर भी सतोप्रधान मिलता है।

उत्तर 26- *E. A और C*

बच्चे दो तरफ से कमाई कर रहे हैं। *एक तरफ है याद की यात्रा से कमाई और दूसरी तरफ है 84 के चक्र के ज्ञान का सिमरण करने से कमाई।* इसको कहा जाता है डबल आमदनी और अज्ञान काल में होती है अल्पकाल क्षण भंगुर सिंगल आमदनी। यह तुम्हारे याद की यात्रा की आमदनी बहुत बड़ी है।

उत्तर 27- *B.सर्वव्यापी*

पहले-पहले तो बाबा से योग चाहिए। बाप का परिचय चाहिए। फिर पीछे टीचर चाहिए। पहले तो बाप के साथ योग कैसे लगायें, यह भी सीखना पड़े क्योंकि यह बाप है अशरीरी, दूसरे तो कोई मानते ही नहीं। *कहते हैं गॉड फादर ओमनी प्रेजेंट है। बस सर्वव्यापी का ज्ञान ही चला आता है।* अभी तुम्हारी बुद्धि में वह बात नहीं है।

उत्तर 28- *C.दुःखहर्ता,सुखकर्ता तो एक ही बाप है*

वह तो समझते हैं स्त्रियों का दुःख कैसे दूर करें? परन्तु मनुष्य थोड़ेही किसका दुःख दूर कर सकते हैं। *दुःख हर्ता, सुख कर्ता तो एक ही बाप है।* देवताओं को भी नहीं कहेंगे। श्रीकृष्ण भी देवता हो गया। भगवान् नहीं कह सकते। यह भी समझते नहीं। जो समझते हैं वह ब्राह्मण बन औरों को भी समझाते रहते हैं।

उत्तर 29- *B.गीता का*

यह गीता का एपीसोड चल रहा है जिसमें भगवान् ने आकर राजयोग सिखाया है। डबल सिरताज बनाया है। यह लक्ष्मी-नारायण भी राजयोग से यह बने हैं। इस पुरुषोत्तम संगम-युग पर बाप से राजयोग सीखते हैं। बाबा हर बात कितना सहज समझाते हैं।

उत्तर 30- *A.मधुबन को*

अब विद्या होती है दो प्रकार की। एक है जिस्मानी विद्या, जो स्कूलों-कॉलेजों में दी जाती है। अब उसको विद्या भवन कहते हैं। जरूर वहाँ कोई दूसरी चीज़ है। अब विद्या किसको कहा जाता है, यह तो मनुष्य जानते ही नहीं। *यह मधुवन तो रूहानी विद्या भवन होना चाहिए।* विद्या ज्ञान को कहा जाता है। परमपिता परमात्मा ही ज्ञान सागर है।

उत्तर 31- *D. कलियुग के अन्त में*

विश्व में अशान्ति का कारण है अनेकानेक धर्म। *कलियुग के अन्त में जब अनेकता है, तब अशान्ति है। बाप आकर एक सत धर्म की स्थापना करते हैं।* वहाँ शान्ति हो जाती है। तुम समझ सकते हो कि इन लक्ष्मी-नारायण के राज्य में शान्ति थी। पवित्र धर्म, पवित्र कर्म था। कल्याणकारी बाप फिर से वह नई दुनिया बना रहे हैं।

उत्तर 32- *A. सतयुग-त्रेता*

रचयिता और रचना के आदि-मध्य-अन्त का ज्ञान कोई मनुष्य मात्र में नहीं है। कहते भी हैं प्राचीन ऋषि-मुनि नहीं जानते थे। प्राचीन का भी अर्थ नहीं जानते। *सतयुग-त्रेता हुआ प्राचीन।* सतयुग है नई दुनिया। वहाँ तो ऋषि-मुनि थे ही नहीं। यह ऋषि-मुनि आदि सब बाद में आये हैं। वह भी इस ज्ञान को नहीं जानते। नेती-नेती कह देते हैं।

भाग - (52)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- सतयुग में -

- A- खाने वाले ही थोड़े, सबकी अपनी खेती रहती है।
- B- तुम स्वर्गवासी होगें।
- C- बरसात आदि होगी।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 2- यहाँ तो बाप आकर सिर्फ कौन से दो अक्षर ही समझाते हैं ?

- A- शान्तिधाम और सुखधाम
- B- बाप और घर को याद करो
- C- मुक्ति और जीवनमुक्ति
- D- मनमनाभव और मामेकम्

प्रश्न 3- ब्रह्मा सो विष्णु, विष्णु सो ब्रह्मा। इस आधार पर सही पर्याय का चुनाव कीजिए ?

- A- ब्रह्मा सो विष्णु अर्थात् ब्रह्मा की रात।
- B- विष्णु सो ब्रह्मा अर्थात् ब्रह्मा का दिन।
- C- विष्णु सो ब्रह्मा बनने में 5000 वर्ष लगते हैं।
- D- A और B

प्रश्न 4- आत्मा की ज्योत कब बुझती है ?

- A- जब कोई मरता है तो।
- B- जब तमोप्रधान बन जाते हैं।
- C- कलियुग अन्त में।
- D- कभी बुझती नहीं है।

प्रश्न 5- तुम कहेंगे हमारे मम्मा-बाबा की पाठशाला है। मम्मा-बाबा अर्थात् -

- A- ब्रह्मा और शिवबाबा
- B- ब्रह्मा और जगत अम्बा
- C- ब्रह्मा और सरस्वती
- D- शिव बाबा और जगदम्बा

प्रश्न 6- बैटरी कैसे चार्ज करनी है ?

- A- विनाश के समय सब जब बाप को याद करते हैं
- B- स्वयं को आत्मा समझ कर
- C- बाप को याद करो तो
- D- श्रीमत पर चलकर

प्रश्न 7- हमारी बैटरी डिस्चार्ज कब हो जाती है ?

- A- द्वापर से
- B- कलियुग में
- C- 5 हजार वर्ष बाद
- D- सतयुग से

प्रश्न 8- पाप सब कटकर पुण्य कैसे जमा हो ?

- A- बाप की याद से
- B- बाप का संग से
- C- मन-बुद्धि की शक्ति से
- D- श्रीमत पर चलने से

प्रश्न 9- सीढ़ी उतरना कब से चालू करते हैं ?

- A- 16 कला सम्पूर्ण बनते हो वहा से
- B- 14 कला से
- C- द्वापर युग से
- D- सतयुग के अन्त से

प्रश्न 10- अलग पर्याय का चुनाव कीजिए ?

- A- महान् आत्मा
- B- पाप आत्मा
- C- पवित्र आत्मा
- D- महान् परमात्मा

प्रश्न 11- याद की यात्रा से होता है ?

- A- तुम्हारी कमाई जमा होती है,
- B- तुम घाटे से फायदे में आते हो,
- C- विश्व के मालिक बनते हो,
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 12- कोई भी आये तो समझाना चाहिए-

- A- भगवान बाबा भी है, टीचर भी है और सतगुरू भी है।
- B- बाबा हमको मनुष्य से देवता बनाते हैं।
- C- सभी की यह एक ही हट्टी है, यहाँ सबको आना ही है।
- D- हम सब के दो बाप है।

प्रश्न 13- किस के चित्र पर तुम कोई को सुनायेंगे तो कभी गुस्सा नहीं करेंगे ?

- A- त्रिमूर्ति के
- B- शिव के
- C- सीढ़ी के
- D- लक्ष्मी नारायण के

प्रश्न 14- दुनिया कब खत्म होती है ?

- A- बाप आते हैं तो
- B- नहीं होती है।
- C- सारी सृष्टि तमोप्रधान हो जाती है तो
- D- कलियुग अन्त में

प्रश्न 15- किसको कहा जाता है शमशानी वैराग्य ?

- A- शमशान में जब मनुष्य जाते हैं, तो फिर बड़ा वैराग्य आता है।
- B- बस, यह शरीर ऐसे छोड़ने का है, फिर हम पाप क्यों करें।
- C- पाप करते-करते हम ऐसे मर जायेंगे ,ऐसे ख्यालात आते हैं।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 16- ऐसा तृप्त और विशालबुद्धि बनना है जो -

- A- किसी में भी आंख न डूबे।

- B- दिल में कोई भी आश न रहे।
- C- बुद्धि हृद से निकल सदा बेहद में रहे।
- D- कोई चीज की दरकार न रहे

प्रश्न 17- पेट क्या मांगता है, लेकिन इसके लिए कितना पाप करते हैं ?

- A- दो रोटी
- B- अच्छा खाना
- C- सच्चा धन से कमाया हुआ खाना
- D- दाल - रोटी

प्रश्न 18- नम्बरवन जो भक्त हैं, उनसे भी बाप पूछते हैं तुम जिस भगवान के भक्त थे, उनको जानते थे ? नम्बरवन भक्त कौन है ?

- A- ब्रह्माबाबा
- B- संन्यासी
- C- गुरु लोग
- D- मीराबाई

प्रश्न 19- सारी पढ़ाई का तन्त (सार) क्या रह जाता है ?

- A- तमोप्रधान से सतोप्रधान बनना है।
- B- हम आत्मा बाप के बच्चे हैं, बाप को याद करना है।
- C- कर्मातीत बनना
- D- बाप से पूरा वर्सा लेना

प्रश्न 20- शान्ति कहाँ है ?

- A- सुखधाम में
- B- बाप की याद में
- C- शान्तिधाम
- D- A और C
- E- A B और C

प्रश्न 21- जो फरिश्ते स्वरूप की स्मृति में रहेंगे उनके सामने कोई परिस्थिति वा विघ्न आयेगा भी तो -

- A- बाप उनके लिए छत्रछाया बन जायेंगे। तो बाप की छत्रछाया वा प्यार का अनुभव करते विघ्न जीत बन जायेंगे।
- B- स्व-स्थिति से परिस्थिति पर सहज विजय प्राप्त कर लेंगे।
- C- शान्तचित्त रहेंगे।
- D- पेपर समझ पास कर लेंगे।

प्रश्न 22- शान्त होने की युक्ति क्या है ?

- A- शान्तिधाम में चले जाओ तो
- B- बाप को याद करो तो
- C- पवित्रता में रहो तो
- D- स्वमान में स्थित हो जाओ तो

प्रश्न 23- कहते हैं पहले-पहले तो यह पक्का निश्चय करो -

- A- बाप ने हमको एडाए किया है।
- B- अब तुम्हारी बुद्धि में है कि हम सब आत्मायें ऊपर में थी।
- C- हम आत्मा हैं, शरीर नहीं।
- D- हम आत्मा तुम भी आत्मा।

प्रश्न 24- कौन सा भूत बहुत अशुद्ध है। मनुष्य को एकदम गन्दा बना देता है ?

- A- लोभ
- B- मोह
- C- क्रोध
- D- अहंकार

प्रश्न 25- सेन्टर्स क्यों खोले जाते हैं ?

- A- मुरली क्लास के लिए

- B- बाप का परिचय देने के लिए
- C- पवित्र आत्मा बनने के लिए
- D- कोर्स करने के लिए

प्रश्न 26- भक्ति मार्ग में क्या नहीं जानते -

- A- आत्मा के घर को।
- B- घर जाना कब है, कैसे जाना है।
- C- कल्प की आयु को।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 27- सतयुग आदि है भी सत, होसी भी सत.. इसका अर्थ क्या है ?

- A- सत बाप सतयुग की स्थापना करते हैं।
- B- सत सत से सतयुग होगा।
- C- सतयुग फिर फिर से फिरता रहेगा।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 28- तुम समझाते तो बहुतों को हो फिर कोई झट समझ जाते हैं और कोई देर से समझते हैं। कम समझते हैं तो समझो-

- A- इसने भक्ति देरी से की है।
- B- यह सतयुग में आने वाले नहीं है।
- C- पापों का बोझा बहुत है।
- D- यह देव कुल की आत्मा नहीं है।

प्रश्न 29- स्वीट होम है ?

- A- सतयुग नई दुनिया
- B- शान्तिधाम
- C- संगमयुग
- D- A और B
- E- A, B और C

प्रश्न 30- रावण राज्य में क्रिमिनल आंखों के धोखे से बचने के लिए -

- A- ज्ञान को जीवन में धारण करना है।
- B- पवित्रता जो नम्बरवन कैरेक्टर है, उसे ही धारण करना है।
- C- ज्ञान के तीसरे नेत्र से देखने का अभ्यास करना है।
- D- फ़रिश्तेपन की स्थिति में रहना है।

प्रश्न 31- तुम बच्चे अपने भाग्य की महिमा किन शब्दों में करते हो ?

- A- हमें स्वयं भगवान पढ़ाते हैं तो कितने भाग्यशाली हुए।
- B- ड्रामा में सबसे बड़ा पोजीशन है।
- C- हमने सारे कल्प में आलराउन्ड पार्ट बजाया है।
- D- हम ही विश्व के मालिक बनते हैं।

प्रश्न 32- सबसे बड़ा पोजीशन किस का है ?

- A- श्रीकृष्ण का
- B- निराकार बाप का,
- C- लक्ष्मी-नारायण का
- D- ब्राह्मणों का

भाग (52) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *D.उपरोक्त सभी*

वहाँ तो इतने मनुष्य होते नहीं। खाने वाले ही थोड़े, सबकी अपनी खेती रहती है। अनाज रखकर क्या करेंगे। *वहाँ बरसात आदि के लिए यज्ञ आदि नहीं करने पड़ते, जैसे यहाँ करते हैं।* शिव जयन्ती मनाई जाती है। वह है बेहद का बाप, उसने ही स्वर्ग की स्थापना की थी। *कल की बात है, तुम स्वर्गवासी थे।*

उत्तर 2- *B.बाप और घर को याद करो*

भक्ति मार्ग में कितनी खिट-खिट सुनते रहते हैं। यहाँ तो बाप आकर सिर्फ दो अक्षर ही समझाते हैं। जैसे मंत्र जपते हैं ना। कोई गुरू को याद करते हैं, कोई किसको याद करते हैं। स्टूडेंट टीचर को याद करते हैं। *अभी तुम बच्चों को सिर्फ बाप और घर ही याद है।* बाप से तुम वर्सा लेते हो शान्तिधाम और सुखधाम का। वही दिल में याद रहता है।

उत्तर 3- *C.विष्णु सो ब्रह्मा बनने में 5000 वर्ष लगते हैं*

भक्ति की डिपार्टमेंट ही अलग है। भक्ति में ठोकरें खानी होती हैं। ब्रह्मा की रात सो ब्राह्मणों की रात है। ब्रह्मा का दिन सो ब्राह्मणों का दिन है। ब्रह्मा का दिन, ब्रह्मा की रात कहते हैं परन्तु जानते नहीं हैं। विष्णु और ब्रह्मा का सम्बन्ध भी समझाया जाता है। *विष्णु सो ब्रह्मा बनने में 5000 वर्ष लगते हैं।*

उत्तर 4- *D.कभी बुझती नहीं है*

अभी तुम्हारी आत्मा की ज्योत बहुत कम हो गई है। एकदम बुझ नहीं जाती है। जब कोई मरता है तो दीवा जलाते हैं। फिर उसकी बहुत सम्भाल रखते हैं कि बुझ न जाए। *आत्मा की ज्योत कभी बुझती नहीं है, वह तो अविनाशी है।* यह सब बातें बाप बैठ समझाते हैं।

उत्तर 5- *A.ब्रह्मा और शिवबाबा*

जैसे कोई बच्चे का बाप प्रिन्सीपल होगा तो कहेंगे हम अपने बाबा के कॉलेज में पढ़ते हैं। उनकी माँ भी प्रिन्सीपल है तो कहेंगे हमारे माँ-बाप दोनों प्रिन्सीपल हैं। दोनों पढ़ाते हैं। हमारे मम्मा-बाबा का कॉलेज है। *तुम कहेंगे हमारे मम्मा-बाबा की पाठशाला है। मम्मा- बाबा अर्थात ब्रह्मा और शिवबाबा- दोनों ही पढ़ाते हैं।*

उत्तर 6- *C.बाप को याद करो तो*

मीठे बच्चे - तुम पवित्र बनने के बिगर वापिस जा नहीं सकते इसलिए *बाप की याद से आत्मा की बैटरी को चार्ज करो और नैचुरल पवित्र बनो।*

उत्तर 7 - *C.5 हजार वर्ष बाद*

यहाँ तुम बच्चों को समझाया जाता है, बैटरी कैसे चार्ज करनी है। भल घूमो फिरो, बाप को याद करो तो सतोप्रधान बन जायेंगे। कोई भी बात न समझो तो पूछ सकते हो। है बिल्कुल सहज। *5 हजार वर्ष बाद हमारी बैटरी डिस्चार्ज हो जाती है।* बाप आकर सबकी बैटरी चार्ज कर देते हैं।

उत्तर 8 - *A.बाप की याद से*

एक बाप को ही याद करो तो तुम्हारे पाप जल जायेंगे। तुम जन्म-जन्मान्तर की पाप आत्मायें हो ना। यह है ही पाप आत्माओं की दुनिया। सतयुग है पुण्य आत्माओं की दुनिया। *अब पाप सब कटकर पुण्य कैसे जमा हो? बाप की याद से ही जमा होंगे।*

उत्तर 9 - *A 16.कला सम्पूर्ण बनते हो वहाँ से*

भक्तों को भगवान ने फल दिया आधाकल्प सुख का, फिर रावण राज्य में दुःख शुरू होता है। आहिस्ते-आहिस्ते सीढ़ी उतरते हैं। तुम सतयुग में हो तो भी एक दिन जो बीता, सीढ़ी उतरनी होती है। *तुम 16 कला सम्पूर्ण बनते हो, फिर सीढ़ी उतरते ही रहते हो।* सेकण्ड बाई सेकण्ड टिक-टिक होती है।

उत्तर 10 - *D.महान परमात्मा*

तुम्हारी आत्मा पतित बनी है, उनको पावन बनाना है। *कहते भी हैं महान् आत्मा, पाप आत्मा। महान् परमात्मा नहीं कहते हैं।* अपने को परमात्मा वा ईश्वर भी नहीं कहते।

उत्तर 11 - *D.उपरोक्त सभी*

मीठे बच्चे - *याद की यात्रा से ही तुम्हारी कमाई जमा होती है, तुम घाटे से फायदे में आते हो, विश्व के मालिक बनते हो**

उत्तर 12 - *A.भगवान बाबा भी है, टीचर भी है और सतगुरु भी है*

प्रदर्शनी अथवा म्युजियम में तुम्हारे पास बहुत आते हैं, घर में भी मित्र-सम्बन्धी आदि बहुत आते हैं। *कोई भी आये तो समझाना चाहिए कि जिसको भगवान कहा जाता है वह बाबा भी है, टीचर भी है और सतगुरू भी है।*

उत्तर 13 - *B.शिव के*

चित्र तो सबके पास हैं। *शिव के चित्र पर तुम कोई को सुनायेंगे तो कभी गुस्सा नहीं करेंगे।* बोलो, आओ तो हम आपको बतायें कि यह शिव बेहद का बाप है ना। इनके साथ आपका क्या सम्बन्ध है? शिव के लिए जरूर कहेंगे यह भगवान है, भगवान तो निराकार ही होता है।

उत्तर 14 - *B.नहीं होती है*

दुनिया कभी खत्म नहीं होती है। सिर्फ एज बदलती है - गोल्डन एज, सिल्वर एज, कॉपर एज, आइरन एज। 16 कला से 14 कला। दुनिया तो वही चलती रहती है, नई से पुरानी होती है। बाप तुमको राजाओं का राजा बनाते हैं इस पढ़ाई से।

उत्तर 15 - *D.उपरोक्त सभी*

शमशान में जब मनुष्य जाते हैं तो फिर बड़ा वैराग्य आता है। बस, यह शरीर ऐसे छोड़ने का है, फिर हम पाप क्यों करें। पाप करते-करते हम ऐसे मर जायेंगे! ऐसे ख्यालात आते हैं। उसको कहा जाता है शमशानी वैराग्य। समझते भी हैं जाकर दूसरा शरीर लेंगे। परन्तु ज्ञान तो नहीं है ना।

उत्तर 16 - *A.किसी में भी आँख न डूबे* *ऐसा तृप्त और विशालबुद्धि बनना है जो किसी में भी आँख न डूबे।* दिल में कोई भी आश न रहे क्योंकि यह सब विनाश होना है।

उत्तर 17- *A.दो रोटी*

जिनके पास जो है सब खत्म होने का है। *पेट तो वही दो रोटी मांगता है लेकिन इसके लिए कितना पाप करते हैं।* इस समय दुनिया में पाप ही पाप हैं। पेट पाप बहुत कराता है। एक-दो के ऊपर झूठे कलंक लगा देते हैं। पैसे भी ढेर कमाते हैं।

उत्तर 18- *A.ब्रह्मा बाबा*

भक्त लोग तो भगवान को भी नहीं जानते। खुद कहते हैं हम नहीं जानते। *नम्बरवन जो भक्त ब्रह्मा हैं, उनसे भी बाप पूछते हैं तुम जिस भगवान के भक्त थे, उनको जानते थे?* वास्तव में भगवान भी होना एक चाहिए। यहाँ तो अनेक भगवान हो गये हैं।

उत्तर 19- *B.हम आत्मा बाप के बच्चे हैं, बाप को याद करना है*

दुनिया में और कोई मनुष्य नहीं होगा जिसको यह बुद्धि में हो कि सतोप्रधान कब होते हैं? फिर तमोप्रधान कब बनते हैं? बाप आकर बिल्कुल सहज नॉलेज सुनाते हैं, पढ़ाते हैं। *फिर भी सारी पढ़ाई का तन्त रह जाता है - हम आत्मा बाप के बच्चे हैं, बाप को याद करना है।*

उत्तर 20- *E. A B और C*

देवताओं के राज्य सुखधाम में तो विश्व में शान्ति थी। अब फिर तुमको सिखलाने आया हूँ - विश्व में शान्ति कैसे स्थापन हो। तो तुमको भी शान्ति में रहना पड़े। *शान्त होने की युक्ति बताता हूँ कि मेरे को याद करो तो तुम शान्त हो, शान्तिधाम में चले जायेंगे।* कोई बच्चे तो शान्त रहकर औरों को भी शान्ति में रहना सिखलाते हैं।

उत्तर 21- *A.बाप उनके लिए छत्रछाया बन जायेंगे। तो बाप की छत्रछाया वा प्यार का अनुभव करते विघ्न जीत बन जायेंगे।*

रोज़ अमृतवेले बापदादा आपको अपनी बांहों में समा लेंगे, अनुभव करेंगे कि बाबा की बांहों में, अतीन्द्रिय सुख में झूल रहे हैं। *जो फरिश्ते स्वरूप की स्मृति में रहेंगे उनके सामने कोई परिस्थिति वा विघ्न आयेगा भी तो बाप उनके लिए छत्रछाया बन जायेंगे। तो बाप की छत्रछाया वा प्यार का अनुभव करते विघ्न जीत बनो।*

उत्तर 22- *B.बाप को याद करो तो*

बाप कहते हैं - विश्व में शान्ति कैसे स्थापन हो। तो तुमको भी शान्ति में रहना पड़े। *शान्त होने की युक्ति बताता हूँ कि मेरे को याद करो तो तुम शान्त हो, शान्तिधाम में चले जायेंगे।*

उत्तर 23- *C.हम आत्मा हैं, शरीर नहीं।*

बाप कहते हैं पहले-पहले तो यह पक्का निश्चय करो कि हम आत्मा हैं, शरीर नहीं। बाप ने हमको एडाए किया है, हम एडाएड बच्चे हैं। दूसरा कोई समझा न सके। बाप कहते हैं देह सहित देह के सब धर्मों को भूल, मामेकम् याद करो। सतोप्रधान जरूर बनना पड़ेगा। यह भी जानते हो पुरानी दुनिया का विनाश तो होना ही है। नई दुनिया में बहुत थोड़े होते हैं। कहाँ इतनी करोड़ों आत्मायें और कहाँ 9 लाख। इतने सब कहाँ जायेंगे?

उत्तर 24- *A.लोभ*

विकारों को कहा जाता है भूत, *लोभ का भी भूत कम नहीं है। यह भूत बहुत अशुद्ध है। मनुष्य को एकदम गन्दा बना देता है।* लोभ भी बहुत पाप कराता है। 5 विकार बहुत कड़े भूत हैं।

उत्तर 25- *B.बाप का परिचय देने के लिए*

बाप आते ही हैं पुरूषोत्तम संगमयुग पर। तो समझाने की कितनी मेहनत करनी पड़ती है। *बाप का परिचय देने लिए ही सेन्टर्स खोले जाते हैं।* बेहद के बाप से बेहद का वर्सा लेना है। भगवान तो है निराकार। श्रीकृष्ण तो देहधारी है, उनको भगवान कह नहीं सकते।

उत्तर 26- *D.उपरोक्त सभी*

भल *भक्ति मार्ग में भी आत्मा के घर को याद करते हैं परन्तु घर जाना कब है, कैसे जाना है, वह कुछ भी नहीं जानते। कल्प की आयु लाखों वर्ष कह देने कारण घर भी भूल गया है।* समझते हैं लाखों वर्ष यहाँ ही पार्ट बजाते हैं तो घर भूल जाता है। अभी बाप याद दिलाते हैं।

उत्तर 27- *C.सतयुग फिर फिर से फिरता रहेगा*

सतयुग आदि है भी सत्, होसी भी सत् यानी फिर-फिर से यह फिरता रहेगा । ... 84वां इनका अंतिम जन्म हैं, क्योंकि ये सतयुग आदि में ये थे। यह सारा तुम बच्चों को याद तो होगा ना! बरोबर सतयुग आदि माना सत-त्रेता-द्वापर-कलियुग यह चक्र फिरता है । यह सत है ये चक्र फिरता ही रहता है । इनका भी कोई ग्रंथ वालों को तो पता ही नहीं-चक्र कैसे फिरते हैं ।

उत्तर 28- *A.इसने भक्ति देरी से की है*

यह तो रावण का पराया राज्य है, इसमें अपार दुःख हैं। राम राज्य में अपार सुख होते हैं। *तुम समझाते तो बहुतों को हो फिर कोई झट समझ जाते हैं और कोई देर से समझते हैं।* कम समझते हैं तो समझो इसने भक्ति देरी से की है। जिसने शुरू से भक्ति की है, वह ज्ञान को भी जल्दी समझ लेंगे क्योंकि उनको आगे नम्बर में जाना है।

उत्तर 29- *D. A और B*

सब आत्मायें बाप के साथ रहती हैं। उनको कहा जाता है बाप का घर, स्वीट होम। यह कोई होम नहीं। बच्चों को मालूम है वह हमारा स्वीटेस्ट बाप है। *स्वीट होम है शान्तिधाम। फिर सतयुग भी स्वीट होम है क्योंकि वहाँ हर घर में शान्ति रहती है।*

उत्तर 30- *C.ज्ञान के तीसरे नेत्र से देखने का अभ्यास करना है*

रावण राज्य में क्रिमिनल आँखों के धोखे से बचने के लिए ज्ञान के तीसरे नेत्र से देखने का अभ्यास करना है। पवित्रता जो नम्बरवन कैरेक्टर है, उसे ही धारण करना है।

उत्तर 31- *A.हमें स्वयं भगवान पढ़ाते हैं तो कितने भाग्यशाली हुए*

हम हैं ब्राह्मण चोटी। हमें निराकार भगवान बैठ पढ़ाते हैं। *दुनिया में मनुष्य, मनुष्य को पढ़ाते लेकिन हमें स्वयं भगवान पढ़ाते हैं तो कितने भाग्यशाली हुए।*

उत्तर 32- *B.निराकार बाप का*

निराकार बाप का, वह तुम सब आत्माओं का बाप है। सब आत्मायें ड्रामा के सूत्र में बांधी हुई हैं। सबसे बड़ा पोजीशन बाप का है।

भाग - (53)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- उँच कुल कौन सा है ?

- A- ब्राह्मण
- B- सूर्यवंशी
- C- चन्द्रवंशी
- D- B और C

प्रश्न 2- विनाश सामने खड़ा है, इसलिए -

- A- अब जल्दी-जल्दी पुरूषार्थ करना है। नहीं तो पाप भस्म नहीं होंगे।
- B- ठण्डे मत बनो।
- C- सिवाए एक बाप के और कोई को याद न करो। सब दुःख देने वाले हैं।
- D- एवररेडी बनो

प्रश्न 3- सबसे मीठी चीज़ है-

- A- बाप
- B- स्वर्ग
- C- स्वीट होम
- D- ज्ञान मुरली

प्रश्न 4- शरीर को चोट लगने से दुः ख किसको फील होता है ?

- A- आत्मा को
- B- शरीर को
- C- आत्मा और शरीर दोनों को
- D- मन को

प्रश्न 5- जो अच्छे रत्न हैं वह -

- A- वह बाप को चलते-फिरते याद करते हैं।
- B- जन्म-जन्मान्तर याद करते हैं।
- C- बाप के डायरेक्शन पर चलते हैं।
- D- आलराउंडर होते हैं।

प्रश्न 6- शरीर सहित सब खलास हो जाना है इसलिए-

- A- इससे पहले ही जीते जी मरना है, ताकि अन्त समय में कुछ भी याद न आये।
- B- ब्रह्मा बाप समान कुर्बान जाने में पूरा फालो करना है।
- C- एक-दो को यही सावधानी देते रहो ।
- D- सम्पूर्ण नष्टमोहा बनना है।

प्रश्न 7- जितना तुम योग में रहेंगे, उतना -

- A- उतना पाप भस्म होंगे,
- B- पद भी ऊँच मिलेगा,
- C- आयु भी बड़ी होगी,
- D- A और B
- E- A, B और C

प्रश्न 8- योग का अर्थ है ?

- A- अपने विकर्म विनाश करना
- B- श्रेष्ठ वायुमण्डल बनाना
- C- श्रेष्ठ स्मृति में रहना।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 9- आत्मा रूपी ज्योति में कौन सा घृत डालना है ?

- A- ज्ञान अमृत
- B- स्वच्छ बुद्धि का
- C- ज्ञान-योग का
- D- पवित्रता का

प्रश्न 10- जब तुम पक्के योगी बन जायेंगे तब लायक बनेंगे। लायक बनने के लिए -

- A- कर्मेन्द्रियों को शीतल बनाना है।
- B- प्योरिटी फर्स्ट है।
- C- 84 का चक्र जानना है।
- D- पूरा फरमानबरदार बनना है।

प्रश्न 11- अज्ञान के कारण आत्मा -

- A- काली होती है।
- B- पत्थर मिसल डल हो गई है।
- C- ज्योति डिम हो गई है।
- D- B और C
- E- A, B और C

प्रश्न 12- क्या करते रहो तो पद्म इकट्ठे होंगे ?

- A- कदम-कदम पर बाप को याद करते रहो।
- B- पवित्रता की धारणा।
- C- पढ़ाई।
- D- श्रीमत पर चलते रहो।

प्रश्न 13- सच्ची-सच्ची दीपावली है ?

- A- सतयुग में
- B- घर-घर में सोझरा हो जाता है तो
- C- बाप की पढ़ाई से हमारी ज्योति जग गई है, तो
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 14- साहूकार के पैसे तो सब मिट्टी में मिल जाने हैं क्योंकि-

- A- पाप के पैसे हैं ना, काम में नहीं आते।
- B- गरीबों को साहूकार, साहूकारों को गरीब बनना है।
- C- मुट्ठी में पैसे पकड़े हुए हैं. उनके पिछाड़ी प्राण हैं।
- D- पूरे स्वाहा हो न सके।

प्रश्न 15- कब नैचुरल कैलेमिटीज (आपदायें) वा विनाश का फोर्स बढ़ेगा और यह पुरानी दुनिया समाप्त होगी ?

- A- जब तुम नम्बरवार सतोप्रधान बनेंगे तब
- B- सम्पूर्ण पवित्र बनो तब
- C- कलियुग अन्त में
- D- जब पढ़ाई पूरी होगी तब

प्रश्न 16- दो बिल्ले लड़ते हैं, मक्खन श्रीकृष्ण खा लेते हैं। दो बिल्ले अर्थात् -

- A- दो देश
- B- कौरव और पाण्डव
- C- ब्राह्मण और माया
- D- यादव और कौरव

प्रश्न 17- तुम्हें किसी भी पतित देहधारियों से प्यार नहीं रखना है क्योंकि -

- A- स्वर्ग में जा रहे हो
- B- संगमयुग में हो
- C- तुम पावन दुनिया में जा रहे हो
- D- अब घर जाना है

प्रश्न 18- स्वयं भगवान टीचर बनकर पढ़ाते हैं। इसलिए -

- A- अच्छी रीति पढ़ना है।
- B- स्कॉलरशिप लेने के लिए पवित्र बनना है।
- C- अन्दर में काम, क्रोध आदि के जो भी भूत प्रवेश हैं, उन्हें निकालना है।
- D- पढ़ाई कभी मिस नहीं करनी है।

प्रश्न 19- रावण का स्वर्ग कब कहेंगे ?

- A- द्वापर युग में
- B- कलियुग में
- C- कलियुग के अन्त में
- D- द्वापर कलियुग में

प्रश्न 20- किसने 82, 83, 84 जन्म लिए हैं ?

- A- वे भारत-वासी ही जब देवी-देवता थे।
- B- सभी धर्म वाले।
- C- साधु संन्यासियों ने।
- D- इन लक्ष्मी नारायण ने।

प्रश्न 21- सतयुग आदि, कलियुग अन्त का यह है संगमयुग। इनको लीप युग कहा जाता है। इसमें हम कहां के लिए जम्प मारते हैं ?

- A- शान्तिधाम में
- B- पुरानी दुनिया से नई दुनिया में
- C- बेहद की दुनिया में
- D- शूद्र से ब्राह्मण में

प्रश्न 22- कौन से अक्षर में क्रिमिनल आई नहीं होगी ?

- A- बाप की बच्ची में
- B- बहन
- C- माता
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 23- संन्यास की ताकत सबसे अधिक किस में थी ?

- A- रामकृष्ण में
- B- विवेकानन्द में
- C- वल्लभाचारियों में
- D- भक्तों में

प्रश्न 24- सबसे श्रेष्ठ बल है-

- A- ज्ञान - बल
- B- योग - बल
- C- साइन्स का बल
- D- A और B
- E- A,B और C

प्रश्न 25- सर्विस करने के लिए वास्तव में कौन सा एक चित्र ही बस काफी है ?

- A- गोले का चित्र
- B- त्रिमूर्ति
- C- 84 जन्मों की सीढ़ी
- D- लक्ष्मी नारायण

प्रश्न 26- अभी तुम बच्चे समझते हो कि विनाशी कमाई के पीछे जास्ती टाइम वेस्ट नहीं करना है क्योंकि-

- A- नॉलेज तो सारी अच्छी रीति बुद्धि में है।
- B- एम ऑब्जेक्ट सामने है।
- C- वह तो सब मिट्टी में मिल जायेगा।
- D- अब घर जाना है।

प्रश्न 27- बुद्धि कहा जाता है -

- A- तीसरे नेत्र को
- B- निर्णय को
- C- ज्ञान को
- D- समझ को

प्रश्न 28- जानते हो कितनी जीव आत्मायें होंगी ? जीव अर्थात्-

- A- आत्मा
- B- शरीर
- C- अविनाशी
- D- विनाशी

प्रश्न 29- सेफ्टी फर्स्ट। सेफ्टी क्या है ?

- A- याद की यात्रा
- B- मैनेर्स ठीक करना
- C- सतोप्रधान बनना
- D- बाप की छत्रछाया

प्रश्न 30- याद के बल से -

- A- अपना स्वभाव मीठा और कर्मेन्द्रियां शान्त करनी हैं।
- B- बाप समान विदेही बनने का पुरुषार्थ करना है।
- C- अशुद्ध ख्यालात समाप्त कर देने हैं।
- D- मायाजीत बनना

प्रश्न 31- रूहानी बाप परमधाम से आकर हमको पढ़ा रहे हैं। क्या पढ़ा रहे हैं ?

- A- लाखों पद्यों की कमाई हो रही है, कमाई में सुस्ती, उदासी नहीं आ सकती।
- B- बाप के साथ आत्मा का योग लगाना सिखलाते हैं जिसको याद की यात्रा कहा जाता है।
- C- दैवी कैरेक्टर्स।
- D- नई दुनिया के लिए पढ़ाई।

प्रश्न 32- हठयोगी घरबार क्यों छोड़ते हैं ?

- A- पवित्र रहने के लिए
- B- हृद का वैराग्य है इसलिए
- C- शान्तिधाम जाने के लिए
- D- योग साधना के लिए

भाग (53) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *A.ब्राह्मण*

तुम्हारी बुद्धि में सारा ज्ञान है - कैसे हम नीचे उतरे फिर ब्राह्मण कुल में आये फिर डीटी डिनायस्टी में आये। *अभी तुम ब्राह्मण हो चोटी। चोटी सबसे ऊँच होती है। तुम्हारे जैसा ऊँच कुल कौन कहलावे*। भगवान बाप आकर तुमको पढ़ा रहे हैं। तुम कितने भाग्यशाली हो।

उत्तर 2 *- A.अब जल्दी-जल्दी पुरूषार्थ करना है। नहीं तो पाप भस्म नहीं होंगे*

विनाश सामने खड़ा है, इसलिए अब जल्दी-जल्दी पुरूषार्थ करना है। नहीं तो पाप भस्म नहीं होंगे। बाप की याद से ही पाप कटेंगे। पतित-पावन एक बाप ही है। कल्प पहले जिन्होंने पुरूषार्थ किया है वह करके ही दिखायेंगे। ठण्डे मत बनो। सिवाए एक बाप के और कोई को याद न करो। सब दुःख देने वाले हैं। जो सदा सुख देने वाला है, उनको याद रखो, इसमें गफलत नहीं करनी है। याद नहीं करेंगे तो पावन कैसे बनेंगे?

उत्तर 3- *A.बाप*

बाप जैसी मीठी चीज़ दुनिया में कोई नहीं, इसलिए बाप का डायरेक्शन है - बच्चे, चलते-फिरते मुझे ही याद करो।

उत्तर 4- *A.आत्मा को*

यह भी तुम बच्चे जानते हो कि यह पुराना तन है। *दुःख आत्मा को ही मिलता है। शरीर को चोट लगने से आत्मा को दुःख फील होता है।* आत्मा कहती है मैं रोगी, दुःखी हूँ। यह है दुःख की दुनिया। कहाँ भी जाओ दुःख ही दुःख है। सुखधाम में तो दुःख हो न सके।

उत्तर 5- *A.वह बाप को चलते-फिरते याद करते हैं*

बच्चों को समझाया है, अपने को आत्मा समझो, देह नहीं समझो। *जो अच्छे रत्न हैं वह बाप को चलते- फिरते याद करते हैं*, यह भी क्यों कहते हैं? क्योंकि तुम्हारा जन्म-जन्मान्तर से पापों का घड़ा भरा पड़ा है। तो इस याद की यात्रा से ही तुम पाप आत्मा से पुण्य आत्मा बन जायेंगे।

उत्तर 6- *A.इससे पहले ही जीते जी मरना है, ताकि अन्त समय में कुछ भी याद न आये*

ब्रह्मा बाप समान कुर्बान जाने में पूरा फालो करना है। शरीर सहित सब खलास हो जाना है इसलिए *इससे पहले ही जीते जी मरना है, ताकि अन्त समय में कुछ भी याद न आये।*

उत्तर 7- *E. A,B और C*

सतयुग में भारतवासियों की आयु भी बड़ी थी, योगी थे। योगी और भोगी का फर्क भी अब मालूम पड़ता है। *तुम्हारी आयु वृद्धि को पा रही है। जितना तुम योग में रहेंगे, उतना पाप भस्म होंगे और पद भी ऊँच मिलेगा, आयु भी बड़ी होगी।*

उत्तर 8- *C.श्रेष्ठ स्मृति में रहना*

योग का अर्थ है श्रेष्ठ स्मृति में रहना। मैं श्रेष्ठ आत्मा श्रेष्ठ बाप की सन्तान हूँ, जब ऐसी स्मृति रहती है तो स्थिति श्रेष्ठ हो जाती है। श्रेष्ठ स्थिति से श्रेष्ठ वायुमण्डल स्वतः बनता है जो अनेक आत्माओं को अपनी ओर आकर्षित करता है

उत्तर 9- *C.ज्ञान-योग का*

ज्ञानवान बन आत्माओं को सुजाग करने की सेवा करनी है। *आत्मा रूपी ज्योति में ज्ञान-योग का घृत डालना है।* श्रीमत पर बुद्धि को स्वच्छ बनाना है।

उत्तर 10- *B.प्योरिटी फर्स्ट है*

जो पक्के योगी हैं, जिन्होंने योगबल से अपनी सर्व कर्मेन्द्रियों को शीतल बनाया है, जो योग में ही रहने की मेहनत करते हैं, उन्हें माया ज़रा भी तंग नहीं कर सकती। *जब तुम पक्के योगी बन जायेंगे तब लायक बनेंगे। लायक बनने के लिए प्योरिटी फर्स्ट है।*

उत्तर 11- *D. B और C*

अज्ञान के कारण तुम्हारी आत्मा डल हो गई है। हीरे में चमक होती है ना, पत्थर में चमक नहीं होती इसलिए कहा जाता है *पत्थर मिसल डल हो गई है।* फिर जागती है तो कहा जाता है यह जैसे पारसमणी है। *अब अज्ञान के कारण आत्मा की ज्योति डिम हो गई है, काली नहीं होती है।* नाम यह रखा हुआ है। आत्मा सबकी एक जैसी होती है, शरीरों की बनावट अनेक प्रकार की होती है

उत्तर 12- *A.कदम-कदम पर बाप को याद करते रहो*

तुम पद्मापद्म भाग्यशाली बनते हो। *कदम-कदम पर बाप को याद करते रहो तो पद्म इकट्ठे होंगे।* इतनी कमाई बाप को याद करने से होती है। फिर ऐसे बाप को याद करना तुम भूलते क्यों हो? जितना बाप को याद करेंगे, सर्विस करेंगे उतना ऊंच पद पायेंगे।

उत्तर 13- *C.बाप की पढ़ाई से हमारी ज्योति जग गई है, तो*

ज्ञान को पढ़ाई कहा जाता है। *बाप की पढ़ाई से हमारी ज्योति जग गई है,* इनको ही सच्ची-सच्ची दीपावली कहा जाता है। छोटे-पन में मिट्टी के दीपक में तेल डाल ज्योति जगाते थे। वह तो रस्म चलती रहती है। उनसे कोई दीपावली नहीं होती। यह तो आत्मा जो अन्दर है, वह डिम हो गई है। उनकी ज्योति आकर बाप जगाते हैं।

उत्तर 14- *A.पाप के पैसे हैं ना, काम में नहीं आते*

बाप कहते हैं कि पिछाड़ी में और कोई चीज़ याद न आये। सिर्फ मामेकम् याद करो तो जन्म जन्मान्तर के पाप नाश हो जायें। साहूकार के पैसे तो सब मिट्टी में मिल जाने हैं क्योंकि पाप के पैसे हैं ना। काम में नहीं आते। बाप कहते हैं हम गरीब निवाज़, गरीबों को साहूकार, साहूकारों को गरीब बना देंगे।

उत्तर 15- *A.जब तुम नम्बरवार सतोप्रधान बनेंगे तब*

जब तुम नम्बरवार सतोप्रधान बनेंगे तब नेचुरल कैलेमिटीज का विनाश का फोर्स बढ़ेगा और यह पुरानी दुनिया समाप्त होगी" ज्ञान यज्ञ से विनाश ज्वाला प्रगट होगी और पुरानी दुनिया का विनाश होगा।

उत्तर 16- *A.दो देश*

बाहुबल वाले विश्व के मालिक बन न सकें। हाँ, उन्हीं में इतनी ताकत है, *अगर क्रिश्चियन दो भाई अर्थात् दो देश अमेरिका और रूस आपस में मिल जाएं तो विश्व के मालिक बन सकते हैं।* परन्तु लॉ नहीं है। कहानी भी है दो बिल्ले आपस में लड़े और माखन बन्दर खा गया। तो वह दो लड़ते हैं बीच में माखन भारत को मिल जाता है, इसमें भी नम्बरवन है श्रीकृष्ण इसलिए कृष्ण के मुख में गोला दिखाते हैं।

उत्तर 17- *C तुम पावन दुनिया में जा रहे हो*

तुम्हें किसी भी पतित देहधारियों से प्यार नहीं रखना है क्योंकि तुम पावन दुनिया में जा रहे हो, एक बाप से प्यार करना है"

उत्तर 18- *A.अच्छी रीति पढ़ना है*

स्वयं भगवान टीचर बनकर पढ़ाते हैं इसलिए अच्छी रीति पढ़ना है। स्कॉलरशिप लेने के लिए पवित्र बनकर दूसरों को पवित्र बनाने की सेवा करनी है।

उत्तर 19- *C.कलियुग के अन्त में*

अभी है आइरन एज, खाद पड़ते-पड़ते बिल्कुल तमोप्रधान बन गये हैं। कितना दुःख है। यह एरोप्लेन आदि भी 100 वर्ष में बने हैं। इनको कहा जाता है माया का पाम्प। तो मनुष्य समझते साइंस ने तो स्वर्ग बना दिया है। *परन्तु यह है रावण का स्वर्ग। कलियुग में* माया का पाम्प देख तुम्हारे पास मुश्किल आते हैं। समझते हैं हमारे पास तो महल मोटरें आदि हैं।

उत्तर 20- *A.वे भारत-वासी ही जब देवी-देवता थे*

बच्चे जानते हैं - हम ही पवित्र देवी-देवता थे, जो 84 जन्मों के बाद फिर पतित बने हैं। सब तो 84 जन्म नहीं लेते हैं। *भारत-वासी ही देवी-देवता थे, जिन्होंने ने 82, 83, 84 जन्म लिए हैं।* वही पतित बने हैं। भारत ही अविनाशी खण्ड गाया हुआ है।

उत्तर 21- *B.पुरानी दुनिया से नई दुनिया में*

पावन दुनिया है सतयुग। पतित दुनिया है कलियुग। तो सतयुग आदि, कलियुग अन्त का यह है संगमयुग। इनको लीप युग कहा जाता है। इसमें *हम जम्प मारते हैं। कहाँ? पुरानी दुनिया से नई दुनिया में जम्प मारते हैं।* वह तो सीढ़ी से आहिस्ते-आहिस्ते नीचे उतरते आये। यहाँ तो हम छी-छी दुनिया से नई दुनिया में एकदम जम्प मारते हैं।

उत्तर 22- *C.माता*

यह ज्ञान का रास्ता है, वैराग्य की बात अलग है। वैराग्य में आकर स्त्री को माँ समझा। *माता अक्षर में क्रिमिनल आई नहीं होगी।* बहन में भी क्रिमिनल दृष्टि जा सकती है, माता में कभी खराब ख्याल नहीं जायेंगे। बाप की बच्ची में भी क्रिमिनल दृष्टि जा सकती है, माँ में कभी नहीं जायेगी।

उत्तर 23- *A.रामकृष्ण में*

विवेकानन्द और रामकृष्ण भी दो बड़े संन्यासी होकर गये हैं। *संन्यास की ताकत रामकृष्ण में थी।* बाकी भक्ति का समझाना करना, वह विवेकानन्द का था। दोनों की पुस्तकें हैं। पुस्तक जब लिखते हैं तो एकाग्रचित हो बैठ लिखते हैं।

उत्तर 24- *D. A और B*

ज्ञान बल और योग बल सबसे श्रेष्ठ बल है। जैसे साइन्स का बल अंधकार पर विजय प्राप्त कर रोशनी कर देता है। ऐसे योगबल सदा के लिए माया पर जीत प्राप्त कर विजयी बना देता है। योगबल इतना श्रेष्ठ बल है जो माया की शक्ति इसके आगे कुछ भी नहीं है।

उत्तर 25- *A. गोले का*

बाप समझाते हैं कोई को भी शॉर्ट में समझाना है। बड़े-बड़े मेले आदि लगते हैं, बच्चे जानते हैं *सर्विस करने लिए वास्तव में एक चित्र ही बस है। भल गोले का चित्र हो तो भी हर्जा नहीं है।* बाप, ड्रामा और झाड़ का अथवा कल्प वृक्ष का और 84 के चक्र का राज समझाते हैं।

उत्तर 26- *C. वह तो सब मिट्टी में मिल जाएगा*

अभी तुम बच्चे समझते हो कि *विनाशी कमाई के पीछे जास्ती टाइम वेस्ट नहीं करना है। वह तो सब मिट्टी में मिल जायेगा।* बाप को कुछ चाहिए क्या? कुछ भी नहीं। कुछ भी खर्चा आदि करते हैं सो तो अपने लिए ही करते हैं। इसमें पाई का भी खर्चा नहीं है।

उत्तर 27- *A. तीसरे नेत्र को*

अन्धों के लिए तो बड़ा आइना चाहिए, जो अच्छी तरह देख सकें क्योंकि अभी सबकी नज़र कमज़ोर है, बुद्धि कम है। *बुद्धि कहा जाता है तीसरे नेत्र को।* तुम्हारी बुद्धि में अब खुशी हुई है। खुशी में जिनके रोमांच खड़े नहीं होते हैं, गोया शिवबाबा को याद नहीं करते हैं तो कहेंगे ज्ञान का तीसरा नेत्र थोड़ा खुला है, झुंझार है।

उत्तर 28- *B. शरीर*

अभी तुम यहाँ बैठे हो, जानते हो कितनी जीव आत्मायें होंगी। *जीव (शरीर) तो विनाशी हैं, बाकी आत्मा है अविनाशी।* आत्मायें तो ढेर हैं। जैसे ऊपर में सितारे रहते हैं ना। सितारे जास्ती हैं या आत्मायें जास्ती हैं? क्योंकि तुम हो धरती के सितारे और वह आसमान के सितारे।

उत्तर 29- *A. याद की यात्रा*

याद की यात्रा ही सेफ्टी का नम्बरवन साधन है क्योंकि इस याद से ही तुम्हारे कैरेक्टर सुधरते हैं। तुम माया पर जीत पा लेते हो। याद से पतित कर्मेन्द्रियां शान्त हो जाती हैं। याद से ही बल आता है। ज्ञान तलवार में याद का जौहर चाहिए। याद से ही मीठे सतोप्रधान बनेंगे।

उत्तर 30- *A. अपना स्वभाव मीठा और कर्मेन्द्रियां शान्त करनी हैं*

तुम सतोप्रधान थे तो बहुत मीठे थे। अब फिर सतोप्रधान बनना है। ऐसा मीठा वातावरण बनाना है जिसमें कोई भी नाराज़ न हो। बाप समान विदेही बनने का पुरूषार्थ करना है। *याद के बल से अपना स्वभाव मीठा और कर्मेन्द्रियां शान्त करनी हैं।*

उत्तर 31- *B. बाप के साथ आत्मा का योग लगाना सिखलाते हैं जिसे याद की यात्रा कहा जाता है*

यह तो बच्चे जानते हैं कि रूहानी बाप परमधाम से आकर हमको पढ़ा रहे हैं। *क्या पढ़ा रहे हैं? बाप के साथ आत्मा का योग लगाना सिखलाते हैं जिसको याद की यात्रा कहा जाता है।*

उत्तर 32- *A. पवित्र रहने के लिए*

तुम्हारा है राजयोग, वह घरबार छोड़ जंगल में चले जाते हैं तो उन्हीं का नाम ही पड़ जाता है संन्यासी। *हठयोगी घरबार छोड़ते हैं पवित्र रहने के लिए।* यह भी है अच्छा। बाप कहते हैं - भारत तो बहुत पवित्र था। इतना पवित्र खण्ड और कोई होता नहीं।

भाग - (54)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- तुम इस समय देवताओं से भी ऊंच हो क्योंकि -

- A- ब्राह्मण हो
- B- ज्ञान है
- C- बाप के साथ हो
- D- रचना और रचता को जानते हो

प्रश्न 2- आत्मा ही अच्छा वा बुरा कर्म कैसे करती/भोगती है ?

- A- इस शरीर द्वारा।
- B- एक शरीर छोड़ फिर दूसरा लेती है और कर्मभोग भोगती है।
- C- हिसाब-किताब ले आई, इसलिए आसुरी दुनिया में मनुष्य अपार दुःख भोगते हैं।
- D- B और C

E- A,B और C

प्रश्न 3- तुम्हारी याद की यात्रा गुप्त है, सिर्फ बाप कहते हैं मुझे याद करो, क्योंकि बाप जानते हैं याद से -

A- इन बिचारों का कल्याण होगा।

B- लाइट हाउस बनेंगे।

C- पद अच्छा मिलेगा।

D- पावन बनेंगे।

प्रश्न 4- कौन-सी प्रैक्टिस करते रहो तो आत्मा बहुत-बहुत शक्तिशाली बन जायेगी ?

A- शरीर से डिटैच होने की प्रैक्टिस करो

B- अण्डर-ग्राउण्ड बनो

C- ज्ञान मनन करो

D- अन्तर्मुखी बनो

प्रश्न 5- तुम सर्व आत्माओं को कर्मबन्धन से सैलवेज़ करने वाले सैलवेशन आर्मी हो, तुम्हें कहाँ नहीं फँसना है ?

A- कर्मबन्धन में

B- देह बन्धन में

C- नर्क में

D- विकार में

प्रश्न 6- बाप ब्रह्मा द्वारा एडाए करते हैं, इसलिए उनको क्या कहा जाता है ?

A- माता

B- बापदादा

C- मात-पिता

D- शिव बाबा

प्रश्न 7- बहुत में बहुत कितने घण्टे तक बाबा को याद कर सकते हैं ?

A- 2-2.5 घण्टे

B- 8 घण्टे

C- 4-6 घण्टे

D- 1-2 घण्टे

प्रश्न 8- तुम्हारा श्रृंगार सारा कैसे बदल जायेगा ?

A- पद्मापद्म भाग्यशाली बनो तो

B- पुरुषार्थ से

C- एक रस अवस्था से

D- बाप को याद करते रहो तो

प्रश्न 9- उठते, बैठते, चलते के लिए बाप ने एक कौन सी चाबी दे दी है ?

A- मनमनाभव

B- मेरा बाबा

C- मध्याजीभव

D- मामेकम्

प्रश्न 10- नेक्स्ट टू गॉड हैं ?

A- शिवबाबा

B- ब्रह्माबाबा

C- श्रीकृष्ण

D- नारायण

प्रश्न 11- महावीर, हनूमान। महावीर- महावीरनी कब कहेंगे ?

A- संगमयुग में

B- सतयुग में

C- कलियुग में

D- बाप की याद में

प्रश्न 12- स्वर्ग कौन, नर्क कौन बनाते हैं ?

- A- ज्ञान - भक्ति
- B- शिवबाबा - रावण
- C- हम ब्राह्मण बच्चे - आसुरी मनुष्य
- D- पाण्डव - कौरव

प्रश्न 13- क्या कभी नहीं सोचना है ?

- A- जो नसीब में होगा।
- B- विनाश कब होगा
- C- ड्रामा में होगा तो करेंगे
- D- पता नहीं कर पायेंगे या नहीं

प्रश्न 14- कौन सा राज़ सभी को सुनाओ ?

- A- देव यहाँ चैतन्य में बैठे हैं।
- B- बाप ने जो राजयोग सिखाया था, वह अभी फिर से सिखा रहे हैं।
- C- आबू सबसे बड़ा तीर्थ है, स्वयं भगवान ने यहाँ से सबकी सद्गति की है।
- D- परमात्मा सर्वव्यापी नहीं है।

प्रश्न 15- तुम धरती के चैतन्य सितारे हो, तुम्हें-

- A- आत्मा को कंचन बनाने के लिए एक-दो को सावधान करना है।
- B- ज्ञान अंजन देकर मनुष्यों को अज्ञान के घोर अंधकार से निकालना है।
- C- तुम्हें सारे विश्व को रोशनी देना है।
- D- योगबल से पवित्र बन चमकदार सितारा बनना है।

प्रश्न 16- ब्रह्मा को भागीरथ भी क्यों कहते हैं ? क्योंकि-

- A- यह है सबसे बड़ी पढ़ाई इसलिए
- B- भगवान रथ का लोन लेते इसलिए।
- C- बहुत-बहुत भाग्यशाली रथ है। यही फिर विश्व के मालिक बनते हैं।
- D- यह भगवान का मुक़र्रर रथ है।

प्रश्न 17- बुद्धि में क्या आ गया तो वह फट से सब आदतें छोड़ देंगे ?

- A- देवता बनना है तो दैवीगुण भी धारण करने हैं।
- B- 84 के चक्र की नॉलेज।
- C- 21 जन्मों का राज्य भाग लेना।
- D- ऊंच पद पाना है।

प्रश्न 18- सतयुग की स्थापना बाप ने की है। फिर तुम आयेंगे तो -

- A- ओपनिंग सेरीमनी होगी।
- B- स्वर्ग की राजधानी मिल जायेगी।
- C- नई दुनिया का उद्घाटन हो जायेगा।
- D- सच्ची दीवाली होगी।

प्रश्न 19- बहु रूप धारण कर किसका भी कल्याण शिवबाबा कैसे कर सकते हैं ?

- A- बाप कहते हैं मैं कोई में जाता हूँ।
- B- शिवबाबा की प्रवेशता है, मुझे शिवबाबा यह कहते हैं।
- C- कोई डल बुद्धि बच्चे हैं और कोई अच्छा जिज्ञासु आ जाता है तो उनकी सर्विस अर्थ मैं प्रवेश कर दृष्टि दे सकता हूँ।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 20- एक ही डिनायस्टी किस की चलती है ?

- A- सूर्यवंशी और चन्द्रवंशी की
- B- संन्यासियों की
- C- क्रिश्चियन की
- D- A और C

प्रश्न 21- यह वैराइटी धर्मों का डाढ़ है , इसलिए कहते हैं विराट लीला। विराट लीला अर्थात् -

- A- आत्मा की लीला
- B- लीलाधर की लीला
- C- सभी मनुष्य वैरायटी पुष्प जैसे है।
- D- हैं सब मनुष्य, परन्तु उनमें वैराइटी बहुत है।

प्रश्न 22- कौन सी आत्मा को सतोप्रधान, सतो, रजो, तमो से पास होना होता है ?

- A- सूर्यवंशी में आने वाले को
- B- चन्द्रवंशी में आने वाले को
- C- संन्यासियों को
- D- A और B
- E- A,B और C

प्रश्न 23- सदा कौन सा निश्चय हो तो अचल-अडोल रहेंगे?

- A- हम ही देवता बनने वाले हैं।
- B- जो हो रहा है वो भी अच्छा और जो होने वाला है वो और भी अच्छा।
- C- बालक सो मालिक हूँ - इस स्मृति से अधिकारी बन मन को अपने वश में करो।
- D- मैं आत्मा अकाल तख्त नशीन हूँ,

प्रश्न 24- गलत पर्याय (बेमेल) का चुनाव कीजिए ?

- A- ब्राह्मणों की माला
- B- भक्त माला
- C- विष्णु की माला
- D- रूद्र माला

प्रश्न 25- बाबा ने हमें कौन सी चाबी दी जिससे बुद्धि का ताला खुल गया है ?

- A- दिव्य बुद्धि
- B- मेरा बाबा
- C- ज्ञान
- D- याद

प्रश्न 26- सब चिंताओं से मुक्त कैसे हो जायेंगे ?

- A- निश्चित भव के वरदान से।
- B- अपनी सर्व जिम्मेवारियां बाप हवाले कर दो तो।
- C- वाह मैं श्रेष्ठ अधिकारी आत्मा, इस बेहद के अधिकार के नशे में रहो तो।
- D- करन करावनहार की स्मृति से

प्रश्न 27- बाबा अक्षर किनके मुख से निकल न सके ?

- A- हम ब्राह्मण बच्चे के
- B- गृहस्थी मार्ग वालों के
- C- निवृत्ति मार्ग वालों के
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 28- शिव को सब बाबा कहते हैं क्योंकि ?

- A- वह है सुप्रीम, परम है।
- B- क्योंकि परमधाम में रहने वाला है।
- C- वह सब आत्माओं का बाप है।
- D- बाबा अक्षर बहुत मीठा है।

प्रश्न 29- किस को जाना जाता है, देखा नहीं जाता ?

- A- आत्मा को
- B- परमात्मा को
- C- ड्रामा को
- D- A और B
- E- A, B और C

प्रश्न 30- तुम जितना समय बाप की याद में रहेंगे उतना समय -

- A- उतना विकर्म विनाश होंगे,
- B- पाप नहीं होगा,
- C- कमाई ही कमाई है,
- D- बाप भी तुम्हें याद करेंगे,

प्रश्न 31- बेअन्त है -

- A- आकाश
- B- शिवबाबा
- C- ड्रामा
- D- इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 32- संन्यासी घरबार छोड़ भागते हैं, इसके लिए किस का मिसाल है ?

- A- राजा गोपीचन्द
- B- नारद का
- C- शंकराचार्य का
- D- विवेकानन्द का

भाग (54) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *C.बाप के साथ हो*

तुम बच्चे कितना कहते हो निर्विकारी बनो फिर भी कहते हैं विष बिगर हम रह नहीं सकते हैं क्योंकि शूद्र सम्प्रदाय हैं ना। क्षुद्र बुद्धि हैं। तुम बने हो ब्राह्मण चोटी। चोटी तो सबसे ऊंच है। देवताओं से भी ऊंच है। *तुम इस समय देवताओं से भी ऊंच हो क्योंकि बाप के साथ हो।* बाप इस समय तुमको पढ़ाते हैं।

उत्तर 2- *E. A,B और C*

वह तो कह देते आत्मा निर्लेप है। बाप कहते हैं - नहीं, *आत्मा ही अच्छा वा बुरा कर्म करती है इस शरीर द्वारा। एक शरीर छोड़ फिर दूसरा लेती है और कर्मभोग भोगती है, तो वह हिसाब-किताब ले आई ना, इसलिए आसुरी दुनिया में मनुष्य अपार दुःख भोगते हैं।*

उत्तर 3- *A. इन बिचारों का कल्याण होगा*

तुम्हारी याद की यात्रा गुप्त है, सिर्फ बाप कहते हैं मुझे याद करो क्योंकि *बाप जानते हैं याद से इन बिचारों का कल्याण होगा।* अब तुमको बिचारा कहेंगे ना। स्वर्ग में बिचारे होते नहीं। बिचारे उनको कहा जाता है जो कहाँ बन्धन में फँसे रहते हैं।

उत्तर 4- *A. शरीर से डिटेच होने की प्रैक्टिस करो*

जब भी समय मिले तो शरीर से डिटेच होने की प्रैक्टिस करो। डिटेच होने से आत्मा में शक्ति वापिस आयेगी, उसमें बल भरेगा। तुम अण्डर-ग्राउण्ड मिलेट्री हो, तुम्हें डायरेक्शन मिलता है - अटेन्शन प्लीज़ अर्थात् एक बाप की याद में रहो, अशरीरी हो जाओ।

उत्तर 5- *A.कर्मबन्धन में*

इस दुःखधाम में सबकी नईया अटक पड़ी है तब तो कहते हैं नईया मेरी पार लगाओ। हे मांझी। सबकी नईयां फंसी पड़ी है, उनको सैलवेज़ कौन करे? ? वह कोई सैलवेशन आर्मी तो है नहीं। *तुम सर्व आत्माओं को कर्मबन्धन से सैलवेज़ करने वाले सैलवेशन आर्मी हो, तुम्हें कर्मबन्धन में नहीं फँसना है।*

उत्तर 6- *C.मात-पिता*

बाप कहते हैं मैं आकर इस प्रजापिता ब्रह्मा द्वारा एडाए करता हूँ। प्रजापिता है ना। तो इतनी कुख वंशावली प्रजा कैसे होगी? बच्चे एडाए होते हैं। *वर्सा बाप से मिलना है। बाप ब्रह्मा द्वारा एडाए करते हैं, इसलिए उनको मात-पिता कहा जाता है।*

उत्तर 7- *A. 2-2.5 घण्टे दो*

कहाँ भी तुम जाओ, खाओ-पियो, घूमो फिरो, नौकरी करो, अपना श्रृंगार करते रहो। आत्मायें सब एक माशूक की आशिक हैं। बस, उनको ही याद करते रहो। *कोई-कोई बच्चे कहते हैं हम तो 24 घण्टे याद करते रहते हैं। परन्तु सदैव तो कोई कर नहीं सकते। बहुत में बहुत 2-2.5घण्टे तक।* जास्ती अगर लिखें तो बाबा मानता नहीं।

उत्तर 8- *D.बाप को याद करते रहे तो*

अभी आत्मा पतित है तो शरीर की भी हालत देखो क्या हो गई है। अब तुम्हारी आत्मा और काया कंचन बन जायेगी। यह कमाल है ना। तो ऐसा अपना श्रृंगार करना है। दैवीगुण भी धारण करने हैं। बाप सभी को एक ही रास्ता बताते हैं - अल्फ बे। सिर्फ अल्फ की बात

है। *बाप को याद करते रहो तो तुम्हारा श्रृंगार सारा बदल जायेगा।*

उत्तर 9- *A.मन्मनाभव*

यहाँ बैठे हुए तुम क्या कर रहे हो? पैराडाइज़ के श्रृंगार के लिए पुरुषार्थ कर रहे हो। इसको क्या कहें? यहाँ बैठे हुए अपने को चेन्ज कर रहे हो। *उठते, बैठते, चलते बाप ने एक मनमनाभव की चाबी दे दी है।* बस एक सिवाए इसके और कोई भी फालतू बातें सुन-सुनाकर टाइम वेस्ट मत करो।

उत्तर 10- *C.श्रीकृष्ण*

भगवानुवाच, सिर्फ उन्होंने ने नाम बदलकर श्रीकृष्ण का नाम डाल दिया है। भूल से श्रीकृष्ण भगवानुवाच समझ लिया है क्योंकि *श्रीकृष्ण हुआ नेक्स्ट टू गॉड।* स्वर्ग जो बाप स्थापन करते हैं उनमें नम्बरवन यह है ना। यह ज्ञान अभी तुमको मिला है।

उत्तर 11- *A.संगमयुग में*

यहाँ तो बच्चे एडाए होते हैं। कहते हैं हम शिवबाबा के बच्चे हैं, उनसे वर्सा लेते हैं। लेते-लेते फिर गिर पड़ते हैं तो वर्सा भी खलास। हंस से बदलकर बगुला बन जाते हैं। फिर भी बाप रहमदिल है तो समझाते रहते हैं। कोई फिर से चढ़ जाते हैं। *जो थमे (स्थिर) रहते हैं, उनको कहेंगे महावीर, हनूमान। तुम हो महावीर-महावीरनी।*

उत्तर 12- *B.शिवबाबा - रावण*

भारत में कितना अथाह धन था। *भारत को ही स्वर्ग कहा जाता है जो शिवबाबा स्थापन करते हैं।* फिर नर्क कौन बनाते हैं? यह अभी तुम जान गये हो। रावण हैं 5 विकार। *रावण जो दुःख देते हैं, उनकी मत पर चलने से स्वर्ग बदल नर्क बन जाता है।*

उत्तर 13- *A.जो नसीब में होगा*

देही-अभिमानि बनने का पूरा-पूरा पुरुषार्थ करना है। *ऐसे कभी नहीं सोचना है कि जो नसीब में होगा।* सेन्सीबुल बनना है। पुरुषार्थी ऐसे नहीं कहेंगे। वह तो पुरुषार्थ करते रहेंगे फिर जब फेल होते हैं तब कहते हैं तकदीर में जो था।

उत्तर 14- *C.आबू सबसे बड़ा तीर्थ है, स्वयं भगवान ने यहाँ से सबकी सद्गति की है*

मीठे बच्चे - *यह राज सभी को सुनाओ कि आबू सबसे बड़ा तीर्थ है, स्वयं भगवान ने यहाँ से सबकी सद्गति की है।* यह बात समझ लें तो आबू की महिमा हो जाए और यहाँ भीड़ लग जाए। आबू का नाम बाला हो गया तो यहाँ बहुत आयेंगे।

उत्तर 15- *C.तुम्हें सारे विश्व को रोशनी देनी है*

ज्ञान मार्ग में भक्ति होती नहीं। भक्ति में फिर ज्ञान बिल्कुल होता नहीं। तो यह बाप समझाते हैं, बाप देखते भी ऐसे हैं, समझते हैं यह सितारे बैठे हैं। देह का भान छोड़ देना है। जैसे ऊपर में सितारों की झिलमिल लगी हुई है वैसे यहाँ भी झिलमिल लगी हुई है। *तुम हो धरती के चैतन्य सितारे, तुम्हें सारे विश्व को रोशनी देना है।*

उत्तर 16- *C. बहुत-बहुत भाग्यशाली रथ है। यही फिर विश्व का मालिक बनते हैं*

यह ऐसे थोड़ेही कहते हैं कि मैं भगवान हूँ। तुम बच्चे भी जानते हो पढ़ाने वाला इनकारपोरियल शिवबाबा है। उनको अपना शरीर नहीं है। कहते हैं मैं इस रथ का लोन लेता हूँ। *भागीरथ भी क्यों कहते हैं? क्योंकि बहुत-बहुत भाग्यशाली रथ है। यही फिर विश्व का मालिक बनते हैं तो भागीरथ ठहरा ना।*

उत्तर 17- *A.देवता बनना है तो दैवी गुण भी धारण करने है*

हम बेहद बाप की सन्तान हैं तो विश्व के मालिक ठहरे, *हमें देवता बनना है - यह बात बुद्धि में आ गई तो पुरानी सब आदतें छूट जायेंगी।* तुम कहो, न कहो, आपेही छोड़ देंगे। उल्टा-सुल्टा खान-पान, शराब आदि खुद ही छोड़ देंगे। कहेंगे वाह! हमको तो यह लक्ष्मी-नारायण बनना है।

उत्तर 18- *B.स्वर्ग की राजधानी मिल जाएगी*

तुम समझते हो अभी हम स्थापना कर रहे हैं जिसके लिए ही मेहनत करनी होती है। विनाश होगा फिर यह दुनिया ही बदल जायेगी। फिर तुम नई दुनिया में राज्य करने आ जायेंगे। *सतयुग की स्थापना बाप ने की है फिर तुम आयेंगे तो स्वर्ग की राजधानी मिल जायेगी।*

उत्तर 19- *C.कोई डल बुद्धि बच्चे हैं और कोई अच्छा जिज्ञासु आ जाता है तो उनकी सर्विस अर्थ मैं प्रवेश कर दृष्टि दे सकता हूँ*

मैं आत्मा हूँ, शिवबाबा को याद करना है। ऐसे नहीं मेरे अन्दर शिव की प्रवेशता है। ऐसे हो नहीं सकता। बाप कहते हैं मैं कोई में जाता नहीं हूँ। हम इस रथ पर सवार होकर ही तुम बच्चों को समझाते हैं। हाँ, *कोई डल बुद्धि बच्चे हैं और कोई अच्छा जिज्ञासु आ जाता है तो उनकी सर्विस अर्थ मैं प्रवेश कर दृष्टि दे सकता हूँ।* सदैव नहीं बैठ सकता हूँ।

उत्तर 20- *D. A और C*

जैसे क्रिश्चियन की डिनायस्टी एक ही चलती है, वैसे यह भी है एक ही डिनायस्टी। परन्तु उसमें सूर्यवंशी और चन्द्रवंशी हैं। यह बातें कोई भी शास्त्रों में नहीं हैं। बाप बैठ समझाते हैं, जिसको ही ज्ञान अथवा नॉलेज कहा जाता है। स्वर्ग स्थापन हो गया फिर नॉलेज की दरकार नहीं।

उत्तर 21- *D.हैं सब मनुष्य, परन्तु उनमें वैराइटी बहुत है।*

यह है वैराइटी धर्मों का झाड़, इसलिए कहते हैं विराट लीला। कितना बड़ा बेहद का झाड़ है। वह तो जड़ झाड़ होते हैं, जो बीज डालो वह झाड़ निकलता है। *यह फिर है वैराइटी धर्मों का वैराइटी चित्र। हैं सब मनुष्य, परन्तु उनमें वैराइटी बहुत है*, इसलिए विराट लीला कहा जाता है।

उत्तर 22- *E. A, B और C*

भल कई कुमार भी पवित्र रहते हैं, कुमारियाँ भी पवित्र रहती हैं, संन्यासी भी पवित्र रहते हैं परन्तु आजकल वह पवित्रता नहीं है। पहले-पहले जब आत्मायें आती हैं, वह पवित्र रहती हैं *क्योंकि वह सतोप्रधान सूर्यवंशी होती हैं, फिर दो कला कम हो चंद्रवंशी बनती हैं*, फिर द्वापर में आकर अपवित्र बन जाती हैं क्योंकि *तुम जानते हो कि सतोप्रधान, सतो, रजो, तमो से सबको पास होना होता है*। अन्त में सब तमोप्रधान बन जाते हैं

उत्तर 23- *B.जो हो रहा है वो भी अच्छा और जो होने वाला है वो और भी अच्छा*

स्तोत्र:- *सदा निश्चय हो कि जो हो रहा है वो भी अच्छा और जो होने वाला है वो और भी अच्छा तो अचल-अडोल रहेंगे।*

उत्तर 24- *A.ब्राह्मणों की माला*

नाम तो तुम्हारे रखे थे। परन्तु उसमें भी अभी देखो तो कई हैं ही नहीं इसलिए ब्राह्मणों की माला नहीं होती। *भक्त माला और रूद्र माला गार्ड हुई है। ब्राह्मणों की माला नहीं होती। विष्णु की माला तो चली आई है।*

उत्तर 25- *C.ज्ञान*

स्वर्ग में कोई शास्त्र आदि होता नहीं। बाप ने तो देवता बना दिया, सबकी सद्गति हो गई फिर शास्त्र पढ़ने की क्या दरकार है। वहाँ शास्त्र होते नहीं। *अभी बाप ने तुम्हें ज्ञान की चाबी दी है, जिससे बुद्धि का ताला खुल गया है।* पहले ताला एकदम बन्द था, कुछ भी समझते नहीं थे।

उत्तर 26- *B.अपनी सर्व जिम्मेवारियां बाप हवाले कर दो*

"वाह मैं श्रेष्ठ अधिकारी आत्मा", इस बेहद के अधिकार के नशे और खुशी में रहो तो सदा निश्चित रहेंगे। यह अविनाशी अधिकार निश्चित ही है। जहाँ निश्चित होता है वहाँ निश्चित होते हैं। *अपनी सर्व जिम्मेवारियां बाप हवाले कर दो तो सब चिंताओं से मुक्त हो जायेंगे।*

उत्तर 27- *C.निवृत्ति मार्ग वालों के*

गीता सुनाने वाले संन्यासी आदि बहुत हैं। वह बाप को याद कर न सकें। *'बाबा' अक्षर कभी उनके मुख से निकल न सके। यह अक्षर है ही गृहस्थ मार्ग वालों के लिए। वह तो हैं निवृत्ति मार्ग वाले।*

उत्तर 28- *C.वह सब आत्माओं का बाप है*

श्रीकृष्ण को कभी कोई बाबा कहे, यह हो नहीं सकता। तो श्रीकृष्ण गीता सुनाने वाला बाबा तो नहीं ठहरा ना। *शिव को सब बाबा कहते हैं क्योंकि वह सब आत्माओं का बाप है।* सब आत्मायें उनको पुकारती हैं - परमपिता परमात्मा।

उत्तर 29- *D. A और B*

अभी तुम बच्चे जानते हो कि *शिवबाबा हमारा बेहद का बाप है। भल देख नहीं सकते हो परन्तु बुद्धि से समझ सकते हो* भक्ति मार्ग में भगवान को याद करते हैं - हे भगवान' कहने से तो झट उनकी याद आती है तो जरूर कोई चीज़ है। *आत्मा को भी जाना जाता है, देखा नहीं जाता।*

उत्तर 30- *C.कमाई ही कमाई है*

"मीठे बच्चे - *तुम जितना समय बाप की याद में रहेंगे उतना समय कमाई ही कमाई है*, याद से ही तुम बाप के समीप आते जायेंगे"

उत्तर 31- *D.इनमें से कोई नहीं*

नाम रूप से न्यारी बेअन्त तो कोई चीज़ होती नहीं। जरूर चीज़ को देखा जाता है तब वर्णन होता है। *आकाश को भी देखते हैं ना। बेअन्त कह नहीं सकते*। भक्ति मार्ग में भगवान को याद करते हैं - *शिवबाबा को या ड्रामा को बेअन्त थोड़ेही कहेंगे।*

उत्तर 32- *A.राजा गोपीचंद*

संन्यासी घरबार छोड़ भागते हैं, राजा गोपीचन्द का भी मिसाल है ना। तुम जानते हो कोई भी मनुष्य एक-दो को गति-सद्गति दे

नहीं सकते हैं। सर्व का सद्गति दाता मैं ही हूँ।

भाग - (55)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- पतित बनाता है ?

- A- पति
- B- शरीर
- C- मोह
- D- लोभ

प्रश्न 2- शिवबाबा हमें राजयोग सिखाते हैं। जिसका फिर भक्ति मार्ग में नाम क्या रख दिया है ?

- A- शास्त्र
- B- गीता
- C- प्राचीन राजयोग
- D- श्रेष्ठ योग

प्रश्न 3- वेदों-शास्त्रों आदि की अर्थारिटी किस को कहेंगे ?

- A- संन्यासियों को
- B- शिवाचार्य को
- C- शंकराचार्य को
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 4- बेहद की स्कॉलरशिप लेनी है तो अभ्यास करो -

- A- पढ़ाने वाला है निराकार बाप।
- B- मैं आत्मा, यह मेरा शरीर।
- C- एक बाप के सिवाए और कोई भी याद न आये।
- D- नष्टोमोहा बनने का ।

प्रश्न 5- सतयुग में कौन से सम्बन्ध नहीं होते ?

- A- चाचा
- B- काका
- C- मामा
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 6- बुरे ते बुरा काम है -

- A- विकार में जाना।
- B- जिनको चलते-चलते माया हैरान कर देती है।
- C- बेसमझ बन पड़ना।
- D- बाप को फारकति दे देना।

प्रश्न 7- सर्व की सद्गति का स्थान कौन-सा है, जिसके महत्व का सारी दुनिया को पता चलेगा ?

- A- शान्तिधाम
- B- आबू भूमि
- C- भारत
- D- सुखधाम

प्रश्न 8- कौन सा ख्याल करो ?

- A- संग ईश्वरीय सन्तानों से है।
- B- अपनी बैटरी चार्ज करने का
- C- मनमत पर चलना चाहिए
- D- श्रीमत पर चलने का

प्रश्न 9- अब रामचन्द्र की पूजा करते हैं, उनको यह भी पता नहीं है कि राम कहाँ गया। पर तुम जानते हो -

- A- कि श्रीराम की आत्मा तो जरूर पुनर्जन्म लेती रहती होगी।
B- यहाँ इस्तहान में नापास होती है। परन्तु कोई न कोई रूप में होगी तो जरूर ना।
C- यहाँ ही पुरुषार्थ करते रहते हैं। इतना नाम बाला है राम का, तो जरूर आयेंगे, उनको नॉलेज लेनी पड़ेगी।
D- A और C
E- A,B और C

प्रश्न 10- कौन सा चिंतन करना है ?

- A- याद में रहने का
B- निराकारी सृष्टि का
C- सतोप्रधान बनने का
D- स्वयं के प्रति

प्रश्न 11- एकान्त में बैठ अभ्यास करना है -

- A- हम आत्मा है.. आत्मा हैं।
B- मैं आत्मा शान्त स्वरूप हूँ।
C- मैं मास्टर सर्वशक्तिमान हूँ।
D- मैं अवतरित आत्मा हूँ।

प्रश्न 12- अन्तकाल में एक बाप की ही याद रहे। इस हाइएस्ट युक्ति को सामने रखते हुए कौन सा पुरुषार्थ करना है ?

- A- किसी भी बात के चिंतन में अपना समय नहीं गँवाना है।
B- रूहानी सोशल वर्कर बनना है।
C- मैं आत्मा हूँ। इस शरीर को भूल जाना है।
D- झरमुई झगमुई में नहीं रहना है।

प्रश्न 13- पवित्रता अर्थात् -

- A- ब्रह्मचर्य
B- सम्पूर्ण लगाव-मुक्त। किसी भी व्यक्ति वा साधनों से भी लगाव न हो।
C- धरत परिये धर्म न छोड़िये।
D- मन में भी कोई व्यर्थ संकल्प न हो।

प्रश्न 14- अपने को आत्मा नहीं समझेंगे तो -

- A- पक्का नहीं बनेंगे।
B- जरूर लौकिक सम्बन्धी, धन्धा आदि ही याद आता रहेगा।
C- पुण्य आत्मा नहीं बनेंगे।
D- बाप को याद नहीं कर सकेंगे।

प्रश्न 15- सदा देही-अभिमानी कौन है ?

- A- आत्मा
B- शिवबाबा
C- लक्ष्मी-नारायण
D- देवी- देवता

प्रश्न 16- किसी भी बात की फिकरात नहीं करनी है क्योंकि-

- A- सब फिकरात बाबा को दे दी।
B- यह ड्रामा बिल्कुल एक्पूरेट बना हुआ है।
C- एक बाप का ही सिमरण करना है।
D- अपना पार्ट बजाना है।

प्रश्न 17- बाहर में भी वेजीटेरियन बहुत रहते हैं क्योंकि -

- A- जरूर अच्छा है तब तो वेजीटेरियन बनते हैं।
B- शुद्ध आहार है।
C- बच्चों को यही शिक्षा मिलती है।
D- वैष्णव होते हैं।

प्रश्न 18- शिवजयन्ती कब से मनाते हैं ?

- A- द्वापर युग से।
- B- इस संगमयुग के समय से मनाते हैं।
- C- कलियुग शुरूवात से।
- D- शिव बाबा के अवतरण से।

प्रश्न 19- सबसे इललीगल है -

- A- काम विकार का भूत
- B- देह-अभिमान का भूत
- C- मायावी बनना
- D- लोभ का भूत

प्रश्न 20- बाप का आशीर्वाद कैसे मिलेगा ?

- A- पावन बनो तो
- B- अव्यभिचारी याद करो तो
- C- जितना बाप को प्यार से याद करेंगे उतना
- D- अपने स्वधर्म में टिकने से

प्रश्न 21- संन्यासी कब आते हैं ?

- A- द्वापर युग शुरू में
- B- इस्लामी, बौद्धी के बाद में
- C- क्रिश्चियन से कुछ पहले आते हैं।
- D- B और C

प्रश्न 22- देवताओं के आगे अथवा शिवबाबा के आगे यह जाकर कहते हैं कि शान्ति दो क्योंकि-

- A- आत्मा,का स्वधर्म शान्ति है।
- B- वह अशान्त हैं।
- C- शिवबाबा है शान्ति का सागर।
- D- सब मनुष्यों को तो पहले शांति चाहिए।

प्रश्न 23- बड़े ते बड़ी यात्रा तुम्हारी यह है, जो -

- A- स्वर्ग में आयेंगे
- B- तुम पतित दुनिया से पावन दुनिया में जाते हो
- C- निर्विकारी दुनिया की
- D- निरंतर याद की यात्रा

प्रश्न 24- अभी तुम समझते हो तीर्थ यात्रा करना माना -

- A- भक्ति मार्ग के धक्के खाना।
- B- मूर्ति की पूजा करना
- C- दुबन में फैसना
- D- धन और समय व्यर्थ गंवाना

प्रश्न 25- इस नई दुनिया को पुरानी होने में कितने वर्ष लगते हैं ?

- A- 5000 वर्ष
- B- 2500 वर्ष
- C- 100 वर्ष
- D- 1250 वर्ष

प्रश्न 26- भक्ति मार्ग में चार धाम की यात्रा कब से करते हैं ?

- A- जन्म-जन्मान्तर से
- B- द्वापर युग से
- C- भक्ति व्यभिचारी होती है तब से
- D- कलियुग से

प्रश्न 27- यह तो गुड़ जाने, गुड़ की गोथरी जाने।गोथरी माना -

- A- शिवबाबा

- B- शरीर
- C- ब्रह्मा
- D- आत्मा

प्रश्न 28- अपनी जीवन सफल कैसे करनी है ?

- A- बाप की सर्विस में
- B- ज्ञान मिलता है उस पर विचार सागर मंथन करके
- C- दिलपसन्द बन के
- D- सब को बाप का परिचय देकर

प्रश्न 29- कहाँ भी जाओ किस का मन्दिर जरूर होगा ?

- A- शिव का
- B- विष्णु का
- C- श्रीकृष्ण का
- D- लक्ष्मी नारायण का

प्रश्न 30- पुरानी दुनिया खत्म होनी है। इसलिए -

- A- स्वयं को संगमयुगी ब्राह्मण समझना है।
- B- अपना सब कुछ सफल करना है। बहुतों के कल्याण के लिए,
- C- सच्ची गीता सुननी और सुनानी है।
- D- इसे देखते हुए भी नहीं देखना है।

प्रश्न 31- 84 जन्म कितने लोग लेंगे ?

- A- 2 कोटि
- B- 16108
- C- 9 लाख
- D- 18 लाख

प्रश्न 32- मनुष्यों को पश्चाताप कब होगा ?

- A जब उन्हें पता पड़ेगा कि इन्हें पढ़ाने वाला स्वयं भगवान है ।
- B- रूहानी यात्र नहीं करते।
- C- कलियुग अन्त में।
- D- विनाश के समय।

भाग (55) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1 - *A.पति*

बाप तुमको विश्व का मालिक बनाते हैं, ऐसे बाप को याद कर तुमको खुशी नहीं रहती है! तुम पूरा याद नहीं करते हो तब खुशी नहीं ठहरती है। *पति को याद करते खुशी होती है, जो पतित बनाते हैं*

उत्तर 2 - *B.गीता*

यह तो जानते हो कि सभी भक्ति मार्ग के शास्त्र हैं। मैं कोई शास्त्र थोड़े ही सुनाता हूँ। मैं तो तुमको मुख से सुनाता हूँ। *तुमको राजयोग सिखाता हूँ, जिसका फिर भक्ति मार्ग में नाम गीता रख दिया है।*

उत्तर 3 - *C.शंकराचार्य को*

बाप ही पतित-पावन सर्वशक्तिमान अर्थरिटी है। जैसे साधू-सन्त आदि जो भी हैं, उनको शास्त्रों की अर्थरिटी कहते हैं। *शंकराचार्य को भी वेदों-शास्त्रों आदि की अर्थरिटी कहेंगे*, उनका कितना भभका होता है।

उत्तर 4 - *C.एक बाप के सिवाए और कोई याद न आये*

मीठे बच्चे - *बेहद की स्कॉलरशिप लेनी है तो अभ्यास करो - एक बाप के सिवाए और कोई भी याद न आये**

उत्तर 5 - *D.उपरोक्त सभी*

बाप समझाते हैं भाई-भाई समझो। यह है पिछाड़ी का सम्बन्ध फिर ऊपर भी भाइयों से जाकर मिलेंगे। फिर सतयुग में नया सम्बन्ध शुरू होगा। *वहाँ पर साला, चाचा, काका, मामा आदि बहुत सम्बन्ध नहीं होते।* सम्बन्ध बहुत हल्का होता है। फिर बढ़ता जाता है।

उत्तर 6 - *A.विकार में जाना*

आत्माओं को ही बाप बैठ पढ़ाते हैं। आत्माओं को ही राज्य मिलता है, आत्मा ने ही राज्य गँवाया है। इतनी छोटी-सी आत्मा कितना काम करती है। *बुरे ते बुरा काम है विकार में जाना।*

उत्तर 7 - *B.आबू भूमि*

आबू भूमि है सबकी सद्गति का स्थान, जिसके महत्व का सारी दुनिया को पता चलेगा तुम ब्रह्माकुमारीज़ के सामने ब्रैकेट में लिख सकते हो यह सर्वोत्तम तीर्थ स्थान है। सर्व का सद्गति दाता बाप और आदम (ब्रह्मा) यहाँ पर बैठकर सबकी सद्गति करते हैं।

उत्तर 8- *B.अपनी बैटरी चार्ज करने का*

"मीठे बच्चे - *अपनी बैटरी चार्ज करने का ख्याल करो* अपना टाइम परचिंतन में वेस्ट मत करो, अपनी घोट तो नशा चढ़े"

उत्तर 9- *E. A,B और C*

अब रामचन्द्र की पूजा करते हैं, उनको यह भी पता नहीं है कि राम कहाँ गया। *तुम जानते हो कि श्रीराम की आत्मा तो जरूर पुनर्जन्म लेती रहती होगी। यहाँ इम्तहान में नापास होती है। परन्तु कोई न कोई रूप में होगी तो जरूर ना। यहाँ ही पुरुषार्थ करते रहते हैं। इतना नाम बाला है राम का, तो जरूर आयेंगे, उनको नॉलेज लेनी पड़ेगी।*

उत्तर 10- *D.स्वयं प्रति*

किसी भी बात के चिंतन में अपना समय नहीं गँवाना है। *अपनी मस्ती में रहना है। स्वयं के प्रति चिंतन कर आत्मा को सतोप्रधान बनाना है।*

उत्तर 11- *A.हम आत्मा है आत्मा है*

अभी वानप्रस्थ अवस्था है इसलिए बुद्धि से सब कुछ संन्यास कर एक बाप की याद में रहना है। *एकान्त में बैठ अभ्यास करना है - हम आत्मा हैं... आत्मा हैं।*

उत्तर 12- *C.मैं आत्मा हूँ। इस शरीर को भूल जाना है।*

नर से नारायण बनने के लिए अन्तकाल में एक बाप की ही याद रहे। *इस हाइएस्ट युक्ति को सामने रखते हुए पुरुषार्थ करना है - मैं आत्मा हूँ। इस शरीर को भूल जाना है।*

उत्तर 13- *B.सम्पूर्ण लगाव-मुक्त। किसी भी व्यक्ति वा साधनों से भी लगाव न हो।*

इस परमात्म ज्ञान की नवीनता ही पवित्रता है। फलक से कहते हो कि आग-कपूस इकट्ठा रहते भी आग नहीं लग सकती। विश्व को आप सबकी यह चैलेन्ज है कि पवित्रता के बिना योगी वा ज्ञानी तू आत्मा नहीं बन सकते। तो *पवित्रता अर्थात् सम्पूर्ण लगाव-मुक्त। किसी भी व्यक्ति वा साधनों से भी लगाव न हो।* ऐसी पवित्रता द्वारा ही प्रकृति को पावन बनाने की सेवा कर सकेंगे।

उत्तर 14- *B.जरूर लौकिक सम्बन्धी, धन्धा आदि ही याद आता रहेगा*

जब अपने को आत्मा समझेंगे तब ही परमपिता को याद करेंगे। *अपने को आत्मा नहीं समझेंगे तो फिर जरूर लौकिक सम्बन्धी, धन्धा आदि ही याद आता रहेगा* इसलिए पहले-पहले तो यह प्रैक्टिस होनी चाहिए कि मैं आत्मा हूँ तो फिर रूहानी बाप की याद ठहरेगी।

उत्तर 15- *B.शिवबाबा*

देही-अभिमानी बनाने का हुनर एक शिव बाबा के पास है क्योंकि वह खुद सदा देही है, सुप्रीम है। यह हुनर किसी भी मनुष्य को आ नहीं सकता।

उत्तर 16- *B.यह ड्रामा बिल्कुल एक्यूरेट बना हुआ है*

किसी भी बात की फिकरात नहीं करनी है क्योंकि यह ड्रामा बिल्कुल एक्यूरेट बना हुआ है। सभी एक्टर्स इसमें अपना-अपना पार्ट बजा रहे हैं।

उत्तर 17- *A.जरूर अच्छा है तब तो वेजीटेरियन बनते हैं।*

मनुष्य तो यह भी नहीं समझते, वह तो कह देते आत्मा निर्लेप है। कुछ भी करो, कुछ भी खाओ-पियो, विकार में जाओ, कोई हर्जा नहीं। ऐसे भी सिखलाते हैं। कितनों को पकड़कर ले आते हैं। *बाहर में भी वेजीटेरियन बहुत रहते हैं। जरूर अच्छा है* तब तो वेजीटेरियन बनते हैं। सब जातियों में वैष्णव होते हैं। छी-छी चीज़ नहीं खाते हैं। मैनारिटी होते हैं। तुम भी मैनारिटी हो। इस समय तुम कितने थोड़े हो।

उत्तर 18- *B.इस संगमयुग के समय से मनाते हैं।*

ड्रामा का चक्र फिरते-फिरते अभी अन्त आकर हुई है। अन्त में बाप ही चाहिए। उनकी जयन्ती भी मनाते हैं। *शिवजयन्ती भी इस

समय (संगमयुग) मनाते हैं* जबकि दुनिया बदलनी है, घोर अन्धियारे से घोर रोशनी होती है अर्थात् दुःखधाम से सुखधाम होना है। बच्चे जानते हैं परमपिता परमात्मा शिव एक ही बार पुरूषोत्तम संगमयुग पर आते हैं, पुरानी दुनिया का विनाश, नई दुनिया की स्थापना करने।

उत्तर 19- *A.काम विकार का भूत*

एक ईश्वर की मत को ही लीगल मत कहा जाता है। मनुष्य मत को इलीगल मत कहा जाता। लीगल मत से तुम ऊंच बनते हो। परन्तु सब नहीं चल सकते हैं तो इलीगल बन पड़ते हैं। कई बाप के साथ प्रतिज्ञा भी करते हैं - बाबा इतनी आयु हमने इलीगल काम किये हैं, अभी नहीं करेंगे। *सबसे इलीगल है काम विकार का भूत।* देह-अभिमान का भूत तो सबमें है ही। मायावी पुरूष में देह-अभिमान ही होता है।

उत्तर 20- *C.जितना बाप को प्यार से याद करेंगे उतना*

जिन्होंने जास्ती याद किया होगा उन्होंने ही आशीर्वाद ली होगी। आशीर्वाद कोई मांगने की चीज़ नहीं है। यह तो मेहनत करने की चीज़ है। जितना जास्ती याद करेंगे उतना जास्ती आशीर्वाद मिलेगी अर्थात् ऊंच पद मिलेगा। याद ही नहीं करेंगे तो आशीर्वाद भी नहीं मिलेगी। तुम *जितना-जितना बाप को प्यार से याद करेंगे उतना आशीर्वाद मिलेगी,* पाप कटते जायेंगे।

उत्तर 21- *D. B और C*

यह है कांटों की दुनिया, वह है फूलों की दुनिया। वह भल संन्यास करते हैं परन्तु फिर भी कांटों की दुनिया में, जंगल में शहर से दूर-दूर जाकर रहते हैं। उन्हीं का है निवृत्ति मार्ग, तुम्हारा है प्रवृत्ति मार्ग। तुम पवित्र जोड़ी थे, अभी अपवित्र बने हो। उनको गृहस्थ आश्रम भी कहते हैं। *संन्यासी तो आते ही बाद में हैं। इस्लामी, बौद्धी भी बाद में आते हैं। क्रिश्चियन से कुछ पहले आते हैं।* तो यह झाड़ भी याद करना है, चक्र भी याद करना है।

उत्तर 22- *C.शिवबाबा है शान्ति का सागर*

कहते हैं ना शान्ति देवा..... अर्थात् हमको इस सृष्टि से अपने घर शान्तिधाम में ले जाओ अथवा शान्ति का वर्षा दो। *देवताओं के आगे अथवा शिवबाबा के आगे यह जाकर कहते हैं कि शान्ति दो क्योंकि शिवबाबा है शान्ति का सागर।* अभी तुम शिवबाबा से शान्ति का वर्षा ले रहे हो। बाप को याद करते-करते तुमको शान्तिधाम में जाना है जरूर।

उत्तर 23- *B.तुम पतित दुनिया से पावन दुनिया में जाते हो*

अभी तुम जानते हो भक्ति मार्ग के तीर्थ यात्रा का अर्थ ही है नीचे उतरना, तमोप्रधान बनना। *बड़े ते बड़ी यात्रा तुम्हारी यह है, जो तुम पतित दुनिया से पावन दुनिया में जाते हो।* तो इन बच्चियों को कुछ तो शिवबाबा की याद दिलाते रहो। शिवबाबा का नाम याद है? थोड़ा बहुत सुनती हैं तो स्वर्ग में आयेंगी।

उत्तर 24- *A.भक्ति मार्ग के धक्के खाना*

अभी तुम भक्ति मार्ग को अच्छी रीति जान गये हो। घर में भी बहुतों के पास मूर्तियाँ होती हैं, चीज़ वही है, कोई-कोई पति लोग भी स्त्री को कहते हैं - तुम घर में मूर्ति रख बैठ पूजा करो। बाहर धक्का खाने क्यों जाती हो, परन्तु उन्हीं की भावना रहती है। *अभी तुम समझते हो तीर्थ यात्रा करना माना भक्ति मार्ग के धक्के खाना।*

उत्तर 25- *A.5000 वर्ष*

अभी तुम बच्चे जानते हो यह पुरानी दुनिया अब खलास होनी है। *यह लड़ाई जो अब लगती है वह फिर 5 हजार वर्ष के बाद लगेगी।* यह सब बातें बुढ़ियायें तो समझ न सकें। यह फिर ब्राह्मणियों का काम है उन्हीं को समझाना।

उत्तर 26- *C.भक्ति व्यभिचारी होती है तब से*

चार धाम क्यों कहते हैं? वेस्ट, ईस्ट, नार्थ, साउथ..... चारों का चक्र लगाते हैं। भक्ति मार्ग जब शुरू होता है तो पहले एक की भक्ति की जाती है, उसको कहा जाता है अव्यभिचारी भक्ति। सतोप्रधान थे, अभी तो इस समय हैं तमोप्रधान। *भक्ति भी व्यभिचारी, अनेकों को याद करते रहते हैं।* तमोप्रधान 5 तत्वों का बना हुआ शरीर, उनको भी पूजते हैं। तो गोया तमोप्रधान भूतों की पूजा करते हैं,

उत्तर 27- *C.ब्रह्मा*

यह तो गुड़ जाने, गुड़ की गोथरी जाने। *गुड़ शिवबाबा को कहा जाता है, वह सबकी अवस्था को जानते हैं। उनकी गोथरी, जिस ब्रह्मा में वह आते हैं तो वह जाने और यह जानें।* हरेक की पढ़ाई से समझ सकते हैं - कौन कैसे पढ़ते हैं, कितनी सर्विस करते हैं।

उत्तर 28- *A.बाप की सर्विस में*

हरेक की पढ़ाई से समझ सकते हैं - कौन कैसे पढ़ते हैं, कितनी सर्विस करते हैं। *कितना बाबा की सर्विस में जीवन सफल करते हैं।* ऐसे नहीं, इस ब्रह्मा ने घरबार छोड़ा है इसलिए लक्ष्मी-नारायण बनते हैं। मेहनत करते हैं ना। यह नॉलेज बहुत ऊंची है। कोई अगर बाप की अवज्ञा करते हैं तो एकदम पत्थर बन पड़ते हैं

उत्तर 29- *A.शिव बाबा*

यहाँ ही बाप सारे विश्व को नर्क से स्वर्ग बना रहे हैं तो यही सबसे ऊँच ते ऊँच तीर्थ ठहरा। अभी इतनी भावना नहीं है सिर्फ एक शिव में भावना है, *कहाँ भी जाओ शिव का मन्दिर जरूर होगा।* अमरनाथ में भी शिव का ही है। कहते हैं शंकर ने पार्वती को कथा सुनाई। वहाँ तो कथा की बात ही नहीं। मनुष्यों को कुछ भी समझ नहीं है।

उत्तर 30- *B. अपना सब कुछ सफल करना है। बहुतों के कल्याण के लिए*

पुरानी दुनिया खत्म होनी है इसलिए *अपना सब कुछ सफल करना है। बहुतों के कल्याण लिए,* मनुष्यों को देवता बनाने के लिए यह पाठशाला वा म्यूज़ियम खोलने हैं।

उत्तर 31- *C. 9 लाख*

तुम ही पूरे 84 जन्म लेते हो। यथा राजा-रानी तथा प्रजा जो उस समय होंगे। *9 लाख तो पहले आयेंगे।* 84 जन्म 9 लाख तो लेंगे ना फिर दूसरे आते रहेंगे - यह हिसाब किया जाता है। जो बाप समझाते हैं। सब 84 जन्म नहीं लेते हैं, पहले-पहले आने वाले ही 84 जन्म लेते हैं फिर कम-कम लेते आते हैं। मैक्सीमम हैं 84, यह जो बातें हैं और कोई मनुष्य नहीं जानते। बाप ही बैठ समझाते हैं।

उत्तर 32- *A. जब उन्हें पता पड़ेगा कि इन्हें पढ़ाने वाला स्वयं भगवान है।*

जब उन्हें पता पड़ेगा कि इन्हें पढ़ाने वाला स्वयं भगवान है तो उनका मुँह फीका पड़ जायेगा और पश्चात्ताप करेंगे कि हमने गफलत की, पढ़ाई नहीं पढ़ी।

भाग - (56)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- यहाँ जो-जो साहूकार हैं, उनको नशा रहता है हमारे पास इतना धन है, यह- यह कारखाने आदि हैं। पर -

- A- स्वर्ग में नहीं आयेंगे।
- B- शरीर छोड़ा खलास।
- C- ज्ञान तो नहीं है।
- D- बाप को तो पहचानते नहीं।

प्रश्न 2- भारतवासियों ने ही अपनी बुद्धि कैसे बिगाड़ दी है ?

- A- विकार में जाकर
- B- तमोप्रधान बनने से
- C- लाखों वर्ष कहकर
- D- अन्धश्रद्धा से

प्रश्न 3- किस में व्यर्थ से इनोसेंट बनो ?

- A- समय,
- B- श्वास,
- C- बोल,
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 4- द्वापर युग से कलियुग तक भक्ति का क्रम पहचानिए ?

- A- अव्यभिचारी भक्ति, फिर देवताओं की होती है, फिर 5 तत्वों की भक्ति
- B- अव्यभिचारी भक्ति, फिर 5 तत्वों की भक्ति फिर देवताओं की होती है,
- C- देवताओं की होती है, फिर अव्यभिचारी भक्ति, फिर 5 तत्वों की भक्ति
- D- 5 तत्वों की भक्ति, फिर देवताओं की होती है, फिर अव्यभिचारी भक्ति

प्रश्न 5- हम बाप की याद में बैठते हैं। क्योंकि -

- A- पावन दुनिया में जाना है।
- B- बाबा के पास ही घर जाना है।
- C- लायक बनाना है।
- D- याद से आत्मा की बैटरी चार्ज करनी है।

प्रश्न 6- फायदा किस में है ?

- A- गऊमुख से अमृत पीने में
- B- यह सूर्यास्त आदि देखने में
- C- पढ़ाई में।

D- सेवा करने में

प्रश्न 7- बाप भी कहते हैं मैं जानी जाननहार हूँ अर्थात्-

A- मन की बात जानते हैं।

B- सब आत्माओं को जानते हैं।

C- सृष्टि के आदि-मध्य-अन्त को जानता हूँ।

D- सभी के अच्छे बुरे कर्मों को जानते हैं।

प्रश्न 8- कहाँ जाने के लिए मनुष्य कितना माथा मारते हैं ?

A- शान्ति -धाम में

B- स्वर्ग में

C- रामराज्य में

D- मोक्ष पाने के लिए

प्रश्न 9- कौन सा धन्या बाप ही सिखलाते हैं ?

A- धन कमाने का

B- एवरहेल्दी, एवरवेल्दी बनने का

C- अविनाशी ज्ञान रत्नों का

D- नर से नारायण बनने का

प्रश्न 10- सुख की प्रालम्भ कब पूरी हो जाती है ?

A- कलियुग में

B- द्वापर युग के प्रारंभ में

C- कलियुग के अन्त में

D- सतयुग त्रेता में

प्रश्न 11- कोई बहुत दुःख भोगते हैं। कोई काने, कोई बहरे होते हैं। इस संबंध में कौन सा कथन सही नहीं है-

A- स्त्रीचुल्ल ज्ञान नहीं लेते इसलिए

B- सब संस्कार अच्छे वा बुरे रूह में रहते हैं। जैसे-जैसे कर्म करते हैं, उस अनुसार उन्हें शरीर मिलता है।

C- कहेंगे पास्त में ऐसे कर्म किये हैं जिसका यह फल है।

D- आत्मा के कर्मों अनुसार ही रोगी शरीर आदि मिलता है।

प्रश्न 12- क्या न समझने के कारण शिव शंकर को एक कह देते हैं ?

A- ब्रह्मा, विष्णु, शंकर देवता हैं, शिव तो परमात्मा हैं।

B- आक्यूपेशन न जानने के कारण।

C- शिव भगवान हैं।

D- शिव और शंकर का मर्तबा अलग है।

प्रश्न 13- अभी तो अनेकानेक भाषायें हैं। क्योंकि -

A- अभी एक मत नहीं है इसलिए।

B- जैसा-जैसा राजा वैसी-वैसी उनकी भाषा चलती है।

C- जैसा देश वैसी भाषा।

D- क्योंकि अनेक राज्य हैं।

प्रश्न 14- 5 भूतों की प्रवेशता किसमें होती है ?

A- रावण में

B- जीवात्मा में

C- आत्मा में

D- शरीर में

प्रश्न 15- सर्वव्यापी है ?

A- ईश्वर

B- आत्मायें

C- 5 विकार

D- B और C

प्रश्न 16- साधू-सन्त आदि कोई से पूछे - परमात्मा से योग कैसे लगावें, उनसे कैसे मिलें तो कह देंगे -

- A- नेती नेती
- B- वह तो सर्वव्यापी है
- C- भक्ति करो
- D- नाम रूप से न्यारा है

प्रश्न 17- मनुष्य की चलन कैसे सुधरती है ?

- A- याद से
- B- पवित्रता से
- C- सुख से
- D- श्रीमत से

प्रश्न 18- बाप की कृपा से सुख घनेरे । सुख घनेरे किसको कहा जाता है ?

- A- पवित्रता को
- B- राजा साहुकार बनना
- C- 21 जन्म स्वर्ग में
- D- बाप की छत्रछाया में

प्रश्न 19- ताकत क्या चीज़ है - रूहानी ताकत कैसे मिलती है ?

- A- सर्वशक्तिमान बाप से योग लगाने से मिलती है।
- B- साइंस से
- C- ज्ञान
- D- साइलेंस में रहने से मिलती है

प्रश्न 20- कई फास्ट (उपवास) रखकर शरीर छोड़ देते हैं, वह -

- A- ब्रह्म लोक में जाते हैं।
- B- दुःखी होकर मरते हैं।
- C- बहुत सुख पाते हैं ।
- D- स्वर्ग में जाते हैं।

प्रश्न 21- कमाई कैसे होगी ?

- A- ज्ञान रत्नों की धारणा से
- B- बाबा से मिलने से
- C- बाप को याद करेंगे तो
- D- आशीर्वाद से

प्रश्न 22- कौन सा शौक रखो ?

- A- अविनाशी धन कमाने का
- B- बहुत मीठा बनने का
- C- याद की यात्रा का
- D- विनाशी धन कमाने का

प्रश्न 23- बहुतों में कौन सा भूत बैठा हुआ है ?

- A- क्रोध का
- B- काम का
- C- देह-अहंकार का
- D- लोभ का

प्रश्न 24- बाप अपने बच्चों पर कौन-सी मेहर (कृपा) करते हैं ?

- A- बाप बच्चों के कल्याण के लिए डायरेक्शन देते हैं।
- B- सतोप्रधान बनाते हैं।
- C- 21 जन्मों का वर्सा देते हैं।
- D- याद की यात्रा सिखाते हैं।

प्रश्न 25- इस देवता धर्म में ताकत बहुत है। यह ताकत कहाँ से मिलती है ?

- A- ज्ञान से
- B- याद की यात्रा से
- C- सर्वशक्तिमान् बाप से
- D- पवित्रता के बल से

प्रश्न 26- पूज्य की, पूजा कर फिर उनको उठाकर समुद्र में डाल देते हैं। गणेश को, माँ को, सरस्वती को भी डुबोते हैं। इसको क्या कहेंगे ?

- A- तमोप्रधान भक्ति
- B- आसुरी गुण वाले
- C- अंधश्रद्धा
- D- कितना अज्ञान है

प्रश्न 27- अशुभ आशायें किस की होती हैं ?

- A- मनुष्य की
- B- रावण की
- C- क्रिमिनल दृष्ट वालों की
- D- किसी की नहीं

प्रश्न 28- यहाँ तो किसको भी पता नहीं पड़ता। तुम्हारे सम्बन्धी यह नहीं जानते कि तुम क्या पढ़ाई पढ़ते हो क्योंकि -

- A- यहाँ भगवान पढ़ाते हैं।
- B- ऊँच पढ़ाई है।
- C- गुप्त है।
- D- यह विचित्र पढ़ाई और विचित्र पढ़ाने वाला है।

प्रश्न 29- अपनी जाँच करनी है -

- A- कितना आत्मभिमानी बने हैं ?
- B- सहनशील बनना है ?
- C- हमारे में दैवीगुण हैं ?
- D- बुद्धियोग बाबा से है ?

प्रश्न 30- किस एक बात में तुम बच्चों को बहुत-बहुत खबरदारी रखनी है ?

- A- मन्सा-वाचा-कर्मणा अपनी जवान पर
- B- लोकलाज कुल की मर्यादाओं पर
- C- बुद्धि विकारी दुनिया में न जाये
- D- क्रिमिनल आई तो नहीं है

प्रश्न 31- सम्पूर्ण निर्विकारी बनने के लिए -

- A- हियर नो ईविल, टॉक नो ईविल...
- B- गंदी बातें न तो सुननी है, न मुख से बोलनी है।
- C- देह-अभिमान के वश हो कोई छी-छी काम नहीं करने हैं।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 32- बच्चे कहते हैं बाबा हमारे शहर में चलो तो बाप कहते हैं -

- A- जरूर आयेंगे।
- B- बच्चों को ही जाकर सबका कल्याण करना है।
- C- क्या कांटों के जंगल में बन्दरों को देखने चलूँ।
- D- बाबा सब जगह नहीं जा सकते।

भाग (56) खण्ड {111} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *B.शरीर छोड़ा खलास*

तुमको इतना साहूकार कौन बनाता है? यहाँ तुम क्यों आये हो? वर्सा पाने। अगर कोई की तन्दुरूस्ती अच्छी है परन्तु धन नहीं है तो धन बिगार क्या होगा! वैकुण्ठ में तो तुम्हारे पास धन रहता है। *यहाँ जो-जो साहूकार हैं, उनको नशा रहता है हमारे पास इतना धन है, यह-यह कारखाने आदि हैं। शरीर छोड़ा खलास*

उत्तर 2- *C.लाखों वर्ष कहकर*

भारतवासियों ने ही लाखों वर्ष कहकर और सर्वव्यापी का ज्ञान देकर बुद्धि बिगाड़ दी है। तमोप्रधान बन गये हैं। वह इतने तमोप्रधान नहीं बने हैं, उन्हीं की बुद्धि तो बड़ी तीखी है। उन्हीं का जब आवाज़ निकलेगा तब भारतवासी जागेंगे क्योंकि भारतवासी एकदम घोर नींद में सोये हुए हैं।

उत्तर 3- *D.उपरोक्त सभी*

जैसे देवतायें इससे इनोसैंट थे ऐसे अपने वो संस्कार इमर्ज करो, व्यर्थ के अविद्या स्वरूप बनो क्योंकि यह व्यर्थ का जोश कई बार सत्यता का होश, यथार्थता का होश समाप्त कर देता है। *इसलिए समय, श्वास, बोल, कर्म, सबमें व्यर्थ से इनोसैंट बनो।* जब व्यर्थ की अविद्या होगी तो दिव्यता स्वतः अनुभव होगी और अनुभव करायेगी।

उत्तर 4- *A.अव्यभिचारी भक्ति, फिर देवताओं की होती है, फिर 5 तत्वों की भक्ति*

तुम जानते हो भक्ति मार्ग में हम भी उन यात्राओं पर जाते थे। बहुत बार यात्रा की होगी जो पक्के भक्त होंगे। *बाबा ने समझाया है एक शिव की भक्ति करना, वह है अव्यभिचारी भक्ति। फिर देवताओं की होती है, फिर 5 तत्वों की भक्ति करते हैं। देवताओं की भक्ति फिर भी अच्छी है* क्योंकि उन्हीं का शरीर फिर भी सतोप्रधान है, मनुष्यों का शरीर तो पतित है ना।

उत्तर 5- *B.बाबा के पास ही घर जाना है*

आत्मा जानती है, हम आत्माओं का वह स्वीट घर है। बाप हमको शिक्षा दे रहे हैं जिससे हम पावन बनेंगे। याद करते-करते तमोप्रधान से सतोप्रधान बनना है। यह है यात्रा। *हम बाप की याद में बैठते हैं क्योंकि बाबा के पास ही घर जाना है।*

उत्तर 6- *C.पढ़ाई में*

मनुष्य समझते ही नहीं हैं कि यह गऊमुख क्या है? कितने बड़े समझदार मनुष्य वहाँ जाते हैं, इसमें फायदा क्या? और ही टाइम वेस्ट होता है। बाबा कहते हैं यह सूर्यास्त आदि क्या देखेंगे। फायदा तो इनमें कुछ नहीं। *फायदा होता ही है पढ़ाई में।* गीता में पढ़ाई है ना।

उत्तर 7- *C.सृष्टि के आदि-मध्य- अन्त को जानता हूँ*

बाप भी कहते हैं मैं जानी जाननहार हूँ अर्थात् सृष्टि के आदि-मध्य-अन्त को जानता हूँ। परन्तु सुनाऊं कैसे! विचार की बात है ना इसलिए लिखा हुआ है - बाप रथ लेते हैं। कहते हैं मेरा जन्म तुम्हारे सदृश्य नहीं है। मैं इसमें प्रवेश करता हूँ। रथ का भी परिचय देते हैं।

उत्तर 8- *A.शान्ति-धाम में*

बाप बार-बार समझाते हैं, यह समझानी जो तुमको देता हूँ, हर कल्प देता आया हूँ। हमारा पार्ट है फिर 5 हजार वर्ष के बाद आकर कहता हूँ कि बच्चे पावन बनो। सतयुग में भी तुम्हारी आत्मा पावन थी, *शान्ति-धाम में भी पावन आत्मा रहती है। वह तो है हमारा घर। कितना स्वीट घर है। जहाँ जाने के लिए मनुष्य कितना माथा मारते हैं।*

उत्तर 9- *D.नर से नारायण बनने का*

धन्धे सभी में है नुकसान, बिगार धन्धे नर से नारायण बनने के। सभी की कमाई खत्म हो जाती है। *नर से नारायण बनने का धन्धा बाप ही सिखलाते हैं।* तो फिर कौन सी पढ़ाई पढ़नी चाहिए। जिनके पास धन बहुत है, वह समझते हैं स्वर्ग तो यहाँ ही है।

उत्तर 10- *D.सतयुग- त्रेता में*

वह सब है हृद की पढ़ाई, यह है बेहद की पढ़ाई। बाप तुमको बेहद की पढ़ाई पढ़ाते हैं। *यह भी जानते हो यह बाप, टीचर, सतगुरु कल्प-कल्प आते हैं फिर यही पढ़ाई पढ़ाते हैं सतयुग-त्रेता के लिए। फिर प्रायःलोप हो जाता है। सुख की प्रालम्ब पूरी हो जाती है ड्रामा अनुसार।*

उत्तर 11- *A.स्त्रीचुल ज्ञान नहीं लेते इसलिए*

बाप तो कोई के गर्भ से नहीं निकलते हैं। समझाते हैं मीठे-मीठे रूहानी बच्चों, रूह ही पढ़ती है। *सब संस्कार अच्छे वा बुरे रूह में रहते हैं। जैसे-जैसे कर्म करते हैं, उस अनुसार उन्हें शरीर मिलता है। कोई बहुत दुःख भोगते हैं। कोई काने, कोई बहरे होते हैं। कहेंगे पास्ट में ऐसे कर्म किये हैं जिसका यह फल है। आत्मा के कर्मों अनुसार ही रोगी शरीर आदि मिलता है।*

उत्तर 12- *A.ब्रह्मा,विष्णु,शंकर देवता हैं, शिव तो परमात्मा हैं*

श्रीकृष्ण का जो मर्तबा है वह दूसरे को मिल नहीं सकता। प्राइम मिनिस्टर का मर्तबा दूसरे को थोड़े ही देंगे। बाप का भी मर्तबा अलग है। ब्रह्मा, विष्णु, शंकर का भी अलग है। *ब्रह्मा, विष्णु, शंकर देवता है, शिव तो परमात्मा है। दोनों को मिलाकर शिव शंकर कैसे कहेंगे। दोनों अलग-अलग हैं ना। न समझने के कारण शिव शंकर को एक कह देते हैं।*

उत्तर 13- *B.जैसा-जैसा राजा वैसी-वैसी उनकी भाषा चलती है*

सतयुग में जब तुम चलेंगे तो वहाँ अंग्रेजी आदि दूसरी कोई भाषा तो होगी नहीं। तुम जानते हो सतयुग में हमारा राज्य होता है,

उसमें हमारी जो भाषा होगी वही चलेगी। फिर बाद में वह भाषा बदलती जाती है। अभी तो अनेकानेक भाषायें हैं। *जैसा-जैसा राजा वैसी-वैसी उनकी भाषा चलती है*

उत्तर 14- *C.आत्मा में*

अपने को आत्मा समझना है और एक बाप को याद करना है ताकि भूत सब भाग जाएं। बाप है पतित-पावन। 5 भूतों की तो सबमें प्रवेशता है। *आत्मा में ही भूतों की प्रवेशता होती है* फिर इन भूतों अथवा विकारों का नाम भी लगाया जाता है देह-अभिमान, काम, क्रोध आदि।

उत्तर 15- *D. B और C*

ऐसे नहीं कि सर्वव्यापी कोई ईश्वर है। *कभी भी कोई कहे कि ईश्वर सर्वव्यापी है तो कहो सर्वव्यापी आत्मायें हैं और इन आत्माओं में 5 विकार सर्वव्यापी हैं।* बाकी ऐसे नहीं कि परमात्मा सर्व में विराजमान है।

उत्तर 16- *B.वह तो सर्वव्यापी है*

जन्म-जन्मान्तर के पाप तुम्हारे सिर पर हैं। पापों से मुक्त होने के लिए ही तुम बुलाते हो। साधू-सन्त आदि सब पुकारते हैं - हे पतित-पावन..... अर्थ कुछ नहीं समझते, ऐसे ही गाते रहते हैं, ताली बजाते रहते हैं। *उनसे कोई पूछे - परमात्मा से योग कैसे लगावें, उनसे कैसे मिलें तो कह देंगे वह तो सर्वव्यापी है।*

उत्तर 17- *B.पवित्रता से*

अभी तुम बच्चे जानते हो हम पुरुषार्थ करते हैं - सुख घनेरे पाने के लिए। इन लक्ष्मी-नारायण को सबसे जास्ती सुख घनेरे हैं ना। मुख्य है पवित्रता की बात। पवित्रता के सिवाए पीस और प्रासपटी मिल नहीं सकती। इसमें चलन बहुत अच्छी चाहिए। *मनुष्य की चलन सुधरती है पवित्रता से।* पवित्र हैं तो उनको देवता कहा जाता है।

उत्तर 18- *C. 21जन्म स्वर्ग में*

सुख घनेरे किसको कहा जाता है, वह भी नहीं समझते। अभी तुम यहाँ सामने बैठे हो, जानते हो यहाँ कितने दुःख घनेरे हैं। यह है दुःखधाम। *वह है सुखधाम। किसकी बुद्धि में नहीं आता है कि हम 21 जन्म स्वर्ग में बहुत सुखी रहते हैं।* तुमको भी पहले यह अनुभव नहीं था।

उत्तर 19- *A.सर्वशक्तिमान बाप से योग लगाने से मिलती है*

बाप समझाते हैं - यह 5 विकार रूपी रावण तुम्हारी सारी ताकत छीन लेते हैं इसलिए भारतवासी कंगाल बन पड़े हैं। ऐसे मत समझो साइन्स वालों में बहुत ताकत है, वह ताकत नहीं है। *यह रूहानी ताकत है। जो सर्वशक्तिमान बाप से योग लगाने से मिलती है।*

उत्तर 20- *B.दुःखी होकर मरते हैं*

ब्रह्म ज्ञानियों के श्वास भी सुखाले (सुख वाले) हो जाते हैं। ब्रह्म की ही याद में रहते हैं, परन्तु ब्रह्म लोक में कोई जाता नहीं है। आपेही शरीर छोड़ दें - यह हो सकता है। *कई फास्ट (उपवास) रखकर शरीर छोड़ देते हैं, वह दुःखी होकर मरते हैं।* बाप तो कहते हैं खाओ पियो बाप को याद करो तो अन्त मती सो गति हो जायेगी।

उत्तर 21- *C.बाप को याद करेंगे तो*

बाबा राय देते हैं - यहाँ बच्चों को अपनी उन्नति के चांस बहुत अच्छे हैं। यहाँ तुम आते ही हो कमाई करने के लिए। बाबा से सिर्फ मिलने से कमाई थोड़ेही होगी। *बाप को याद करेंगे तो कमाई होगी।* ऐसे मत समझो बाबा आशीर्वाद करेंगे, कुछ भी नहीं।

उत्तर 22- *C.याद की यात्रा का*

तुम बच्चों को बहुत मीठा बनना है। सच्चे-सच्चे स्टूडेंट बनो। अच्छे स्टूडेंट जो होते हैं वह एकान्त में बगीचे में जाकर पढ़ते हैं। तुमको भी बाप कहते हैं भल कहाँ भी चक्र लगाने जाओ अपने को आत्मा समझ बाबा को याद करो। *याद की यात्रा का शौक रखो।*

उत्तर 23- *C.देह-अहंकार का*

माया किसको भी छोड़ती नहीं है। पहलवानों से तो और ही लड़ती है। *कई बच्चे अपने देह के अहंकार में बहुत रहते हैं।* बाप कितना निरहंकारी रहते हैं। कहते हैं मैं भी तुम बच्चों को नमस्ते करने वाला सर्वन्त हूँ। वह तो अपने को बहुत ऊँच समझते हैं। यह देह-अहंकार सब तोड़ना है।

उत्तर 24- *A.बाप बच्चों के कल्याण के लिए डायरेक्शन देते हैं*

बाप बच्चों के कल्याण के लिए जो डायरेक्शन देते हैं, यह डायरेक्शन देना ही उनकी मेहर (कृपा) है। बाप का पहला डायरेक्शन है - मीठे बच्चे, देही-अभिमानी बनो। देही-अभिमानी बहुत शान्त रहते हैं उनके ख्यालात कभी उल्टे नहीं चल सकते।

उत्तर 25- *C.सर्वशक्तिमान बाप से*

सो तो तुम जानते हो कि पावन बनाने वाला एक बाप ही है, उसकी याद से ही पावन बनेंगे। फर्स्ट नम्बर नई दुनिया में पावन यह देवी-देवता ही हैं। पावन बनने में देखो ताकत कितनी है। तुम पावन बन पावन दुनिया का राज्य पाते हो इसलिए कहा जाता है *इस देवता धर्म में ताकत बहुत है। यह ताकत कहाँ से मिलती है? सर्वशक्तिमान् बाप से।*

उत्तर 26- *D. कितना अज्ञान है*

मन्दिरों में देवियों की पूजा करते हैं, उनको ही फिर पानी में जाकर डुबोते हैं। *कितना अज्ञान है। पूज्य की, पूजा कर फिर उनको उठाकर समुद्र में डाल देते हैं। गणेश को, माँ को, सरस्वती को भी डुबोते हैं।* बाप बैठ बच्चों को कल्प-कल्प यह बातें समझाते हैं। रियलाइज़ कराते हैं - तुम यह क्या कर रहे हो!

उत्तर 27- *B. रावण की*

यह कोई नई बात नहीं। तुमने अनेक बार यह पद पाया है। दुनिया को तो बिल्कुल पता नहीं है कि यह क्या पढ़ते हैं। बाप तुम्हारी सब आशाएँ पूर्ण करने आते हैं। *अशुभ आशाएँ रावण की होती हैं।* तुम्हारी हैं शुभ आशाएँ। क्रिमिनल कोई भी आश नहीं होनी चाहिए।

उत्तर 28- *D. यह विचित्र पढ़ाई और विचित्र पढ़ाने वाला है*

तुम्हारे सम्बन्धी यह नहीं जानते कि तुम क्या पढ़ाई पढ़ते हो। उस पढ़ाई में तो मित्र-सम्बन्धी सब जानते हैं, इसमें कोई जानते हैं, कोई नहीं जानते हैं। कोई का बाप जानता है तो भाई-बहन नहीं जानते। कोई की माँ जानती है तो बाप नहीं जानता *क्योंकि यह विचित्र पढ़ाई और विचित्र पढ़ाने वाला है।*

उत्तर 29- *C. हमारे में दैवीगुण हैं ?*

ऐसा कोई बाप थोड़े ही होगा जो बच्चों को किसको तंग करता हुआ पसन्द करेगा वा न पढ़ता पसन्द करेगा। तुम बच्चे जानते हो वहाँ ऐसे कोई बच्चे होते नहीं। नाम ही है देवी-देवता। कितना पवित्र नाम है। *अपनी जाँच करनी है - हमारे में दैवीगुण हैं?*

उत्तर 30- *A. मन्सा-वाचा-कर्मणा अपनी जबान पर*

मन्सा-वाचा-कर्मणा अपनी जबान पर बड़ी खबरदारी रखनी है। बुद्धि से विकारी दुनिया की सब लोकलाज कुल की मर्यादाएँ भूलनी है। अपनी जाँच करनी है कि हमने कितने दिव्यगुण धारण किये हैं? लक्ष्मी-नारायण जैसे सिविलाइज्ड बने हैं? कहाँ तक गुल-गुल (फूल) बने हैं?

उत्तर 31- *D. उपरोक्त सभी*

योगबल हो तब ही विकर्म विनाश हों। सम्पूर्ण बनें तब तो सम्पूर्ण दुनिया में आ सकें। बाप भी शंख ध्वनि करते रहते हैं। *सम्पूर्ण निर्विकारी बनने के लिए गंदी बातें न तो सुननी है, न मुख से बोलनी है। हियर नो ईविल, टॉक नो ईविल..... देह-अभिमान के वश हो कोई छी-छी काम नहीं करने हैं।*

उत्तर 32- *B. बच्चों को ही जाकर सबका कल्याण करना है*

बच्चे कहते हैं बाबा हमारे शहर में चलो। बाबा कहते, तुम बच्चों को ड्रामा अनुसार सर्विस करनी ही है। गाया जाता है फादर शोज़ सन। *बच्चों को ही जाकर सबका कल्याण करना है।* बाप बच्चों को समझाते हैं - यह भूलो मत - हम युद्ध के मैदान में हैं।

भाग - (57)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- बच्चे शुरू से आये हुए हैं, 10 परसेन्ट भी योग नहीं लगता है इसलिए -

- A- आत्मा में शक्ति भरती नहीं।
- B- सर्विस करते नहीं हैं।
- C- पाप कटते नहीं हैं।
- D- पाप-आत्माये रहते हैं।

प्रश्न 2- घर में रहते हो तो भी पहले यह याद करो -

- A- हम शिवबाबा के बच्चे हैं।
- B- पावन जरूर बनना है।
- C- हम ब्राह्मण हैं।
- D- हम आत्मा हैं, देह नहीं।

प्रश्न 3- भक्ति मार्ग में शंख व तुतारी आदि बैठ बनाई है क्योंकि-

- A- शंख ध्वनि से माया के कीटाणु नष्ट हो जाते हैं।

- B- हम शंख ध्वनि करते हैं इसलिए ।
- C- बाप भी शंख ध्वनि करते रहते हैं।
- D- मनोरंजन के लिए।

प्रश्न 4- कौनसा स्लोगन गले में डालकर रखो ?

- A- डबल लाइट अव्यक्त फरिश्ता भव
- B- अब नहीं तो कब नहीं
- C- जो चार शब्दों में काम हो सकता है वो 12- 15 शब्दों में नहीं बोलो। कम बोलो-धीरे बोलो,
- D- सफलता हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है।

प्रश्न 5- अलग शब्द पहचानिए -

- A- शान्तिधाम,
- B- सुखधाम
- C- स्वर्गधाम।
- D- दुःखधाम

प्रश्न 6- ज्ञान तो बहुत देते हो। बाप कहते हैं, पहले-पहले बात ही यह बताओ कि -

- A- ज्ञान से कमाई होती है
- B- याद की यात्रा से ही जन्म-जन्मान्तर के पाप
- C- आत्मा समझ बाप को याद करो।
- D- हम सबके दो आप है।

प्रश्न 7- गोवर्धन पहाड़ दिखाते हैं ना, अंगुली पर उठाया। अंगुली तुम देते हो कौन सी ?

- A- तन सेवा करते हो
- B- पवित्रता की
- C- दिव्या गुणों की धारणा की
- D- नर्क को स्वर्ग बनाने के लिए तुम एक बाप के साथ बुद्धि का योग लगाते हो

प्रश्न 8- ब्रह्म ज्ञानी, तत्व ज्ञानी हैं, वह अपने को क्या समझते हैं ?

- A- संन्यासी
- B- विद्वान
- C- शास्त्रों की अथारिटी
- D- अहम् ब्रह्मस्मि

प्रश्न 9- नाटक का खेल कहाँ चलता है ?

- A- सूक्ष्मवतन,
- B- मूलवतन,
- C- स्थूल वतन,
- D- A और C

प्रश्न 10- साइलेन्स का बल क्यों जमा करना है ?

- A- पाप भस्म होते हैं इसलिए
- B- साइलेन्स दुनिया में जाना है इसलिए
- C- बाप से ताकत लेना है इसलिए
- D- नई दुनिया की स्थापना के लिए

प्रश्न 11- सहजयोग का आधार है ?

- A- स्नेह और संबंध
- B- संबंध और प्राप्ति।
- C- ज्ञान और योग
- D- धारणा और सेवा

प्रश्न 12- अलग शब्द पहचानिए ?

- A- योगी,
- B- कामी,

- C- भोगी,
- D- रोगी,

प्रश्न 13- अब बच्चे जानते हैं 5 विकारों को जरूर छोड़ना है क्योंकि-

- A- पवित्र बनना है।
- B- सतयुग में विकार नहीं होते।
- C- यह साथ में नहीं ले जाने हैं।
- D- पावन दुनिया में जाना है।

प्रश्न 14- माया के पाप्म में मनुष्यों को कौन सी इज्जत मिलती है ?

- A- आसुरी इज्जत।
- B- मनुष्य किसी को भी आज थोड़ी इज्जत देते, कल उसकी बेइज्जती करते हैं, गालियाँ देते हैं।
- C- माया ने सबकी बेइज्जती की है, पतित बना दिया है।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 15- एम आब्जेक्ट है ?

- A- देवता बनना
- B- लक्ष्मी-नारायण
- C- दैवीगुण धारण करना
- D- बाप समान बनना

प्रश्न 16- श्रीमत पहले-पहले कहती है-

- A- तुम अवतरित आत्मा हो।
- B- श्रीमत पर चलना चाहिए।
- C- देवताओं में 5 विकार होते नहीं।
- D- अपने को आत्मा समझो

प्रश्न 17- संगमयुग का श्रेष्ठ शान है ?

- A- सन्तुष्टमणी बनना
- B- खुशनुमः बनना
- C- साक्षी स्थिति में स्थित होना
- D- सदा मौज में रहना

प्रश्न 18- क्या मेहनत है ?

- A- उठते-बैठते, चलते-फिरते देह के बदले अपने को देही समझो।
- B- याद की यात्रा से ही जन्म-जन्मान्तर के पाप कटेंगे,
- C- याद में
- D- श्रीमत पर चलने में

प्रश्न 19- इस जन्म में तुम पढ़ते हो, रिज़ल्ट -

- A- 21 जन्म।
- B- नई दुनिया में मिलती है।
- C- संगमयुग पर मिलती है।
- D- अन्त में निकलेगी।

प्रश्न 20- सारे विश्व में भारत जैसे-

- A- तीर्थ है
- B- स्वर्ग हैं
- C- गांव है।
- D- देश हैं

प्रश्न 21- ड्रामा प्लैन अनुसार -

- A- सब पढ़ेंगे।
- B- सबको सुखधाम ले जाना है।
- C- सबको वापिस जाना है।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 22- बाप भल बैठे यहाँ हैं परन्तु नज़र सारे विश्व पर और सारे विश्व के मनुष्य मात्र पर है क्योंकि-

A- सारे विश्व को ही निहाल करना होता है।

B- सबका बाप है।

C- जीवनमुक्ति का वर्सा देना है।

D- सबको वापिस ले जाना है।

प्रश्न 23- जितना-जितना तमोप्रधान से सतोप्रधान बनते जायेंगे, उतना -

A- अन्दर में तुमको खुशी होगी।

B- शुद्ध बनेंगे

C- उत्तम बनेंगे

D- शक्तिशाली बनेंगे

प्रश्न 24- वो लोग तो देवाला मारते फिर 5-7 वर्ष बाद खड़े हो जाते हैं। यहाँ तो कितने जन्मों का देवाला मारते हैं ?

A- 84

B- 21

C- 63

D- 75

प्रश्न 25- बाप किन बच्चों को बुद्धू समझते हैं ?

A- फालो फादर नहीं करते वह

B- जिन्हें बाप के मिलने की भी खुशी नहीं - वह

C- पुरुषार्थ नहीं करते हैं वह

D- जो बिल्कुल भी बाप को याद नहीं करते वह

प्रश्न 26- कहते हैं गाड फादर इज़ नॉलेजफुल। मनुष्य यह भी जानते नहीं हैं कि बाप में क्या नॉलेज है। आप जानते हो बाप में कौन सी नालेज है ?

A- आत्मा परमात्मा और ड्रामा की

B- रचना और रचता की

C- सारी सृष्टि के आदि, मध्य अन्त की

D- आत्माओं को मुक्ति और जीवन मुक्ति का रास्ता बताने की।

प्रश्न 27- अविनाशी ज्ञान रत्नों के धन्धे से क्या बनते हैं ?

A- देवता

B- विश्व का मालिक

C- 21 जन्मों के लिए पद्मापद्म भाग्यशाली

D- बाप समान

प्रश्न 28- ज्ञान है बाप, तो अज्ञान है ?

A- माया

B- 5 विकार

C- भक्ति

D- दुश्मन

प्रश्न 29- बुद्धि में कौन सा ज्ञान है तो ज्ञानवान हैं ?

A- शिवबाबा आया है तुम्हारे सब भण्डारे भरपूर करने

B- बाप के तीनों पार्ट है।

C- मुझ आत्मा में 84 जन्मों का अविनाशी पार्ट नूँधा हुआ है,

D- सृष्टि के आदि मध्य अन्त का

प्रश्न 30- देवी-देवता ही फिर वाम मार्ग में जाते हैं तो -

A- द्वापर युग शुरू होता है।

B- रावण की प्रवेशता होती है।

C- 8 कला होती है।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 31- विनाश के समय किस को पता पड़ता है बाप आया हुआ है ?

- A- भक्ति मार्ग वालों को
- B- सभी को पता
- C- शास्त्रों आदि पढ़ने वालों को
- D- हम ब्राह्मण बच्चों को

प्रश्न 32- ब्रह्मा का दिन और रात ही गार्ई जाती है क्योंकि -

- A- ब्रह्मा ही चक्र में आते हैं।
- B- ब्रह्मा ही विष्णु बनते हैं।
- C- शिवबाबा ब्रह्मा द्वारा स्थापना करते हैं।
- D- भगवान इसी रथ का आधार लेते हैं

भाग (57) खण्ड {113} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *C.पाप कटते नहीं हैं*

विनाश तो जरूर होगा। इस योगबल से ही तुम्हारे जन्म-जन्मान्तर के पाप कटेंगे। बाकी जन्म-जन्मान्तर के पाप कटने में टाइम लगता है। *बच्चे शुरू से आये हुए हैं, 10 परसेन्ट भी योग नहीं लगता है इसलिए पाप कटते नहीं हैं।* नये-नये बच्चे झट योगी बन जाते हैं तो पाप कट जाते हैं और सर्विस करने लग पड़ते हैं।

उत्तर 2- *D.हम आत्मा हैं,देह नहीं*

घर में रहते हो तो भी पहले यह याद करो - हम आत्मा हैं, देह नहीं। तुम आत्मायें ही 84 जन्म भोगती हो। अभी तुम्हारा यह अन्तिम जन्म है। पुरानी दुनिया खत्म होनी है। इसको कहा जाता है पुरूषोत्तम संगमयुग का लीप युग।

उत्तर 3- *C.बाप भी शंख ध्वनि करते रहते हैं*

बाप भी शंख ध्वनि करते रहते हैं। उन्होंने फिर भक्ति मार्ग में शंख व तुतारी आदि बैठ बनाई है। बाप तो इस मुख द्वारा समझाते हैं। यह पढ़ाई है राजयोग की। बहुत सहज पढ़ाई है। बाप को याद करो और राजाई को याद करो। बेहद के बाप को पहचानो और राजाई लो। इस दुनिया को भूल जाओ।

उत्तर 4- *C.जो चार शब्दों में काम हो सकता है वो 12- 15 शब्दों में नहीं बोलो। कम बोलो-धीरे बोलो*

बात होती है दो शब्दों की लेकिन उसे लम्बा करके बोलते रहना, यह भी व्यर्थ है। *जो चार शब्दों में काम हो सकता है वो 12-15 शब्दों में नहीं बोलो। कम बोलो-धीरे बोलो...यह स्लोगन गले में डालकर रखो।* व्यर्थ वा डिस्टर्ब करने वाले बोल से मुक्त बनो तो अव्यक्त फरिश्ता बनने में बहुत मदद मिलेगी।

उत्तर 5- *D.दुःखधाम*

वह बाप है ही ऊंच ते ऊंच। परन्तु वह क्या है, यह भी नहीं समझते। अगर पत्थर ठिक्कर में है फिर नमः काहे की। अर्थ रहित बोलते रहते हैं। यहाँ तो तुमको आवाज़ से परे जाना है अर्थात् निर्वाणधाम, शान्तिधाम में जाना है। शान्तिधाम, सुखधाम कहा जाता है। वह है स्वर्गधाम। *नर्क को धाम नहीं कहेंगे।* अक्षर बड़े सहज हैं।

उत्तर 6- *C.आत्मा समझ बाप को याद करो*

बाप कहते हैं पहले-पहले बात ही यह बताओ कि अपने को आत्मा समझ बाप को याद करो। इस ज्ञान देने के लिए ही तुम इतने चित्र आदि बनाते हो। योग के लिए कोई चित्र की दरकार नहीं है। चित्र सब ज्ञान की समझानी के लिए बनाये जाते हैं।

उत्तर 7- *D. नर्क को स्वर्ग बनाने के लिए तुम एक बाप के साथ बुद्धि का योग लगाते हो*

गोवर्धन पहाड़ दिखाते हैं ना, अंगुली पर उठाया। तुम गोप-गोपियां हो ना। सतयुगी देवी-देवताओं को गोप-गोपियां नहीं कहा जाता है। अंगुली तुम देते हो। आइरन एज को गोल्डन एज वा *नर्क को स्वर्ग बनाने के लिए तुम एक बाप के साथ बुद्धि का योग लगाते हो* । योग से ही पवित्र होना है।

उत्तर 8- *D.अहम् ब्रह्मस्मि*

वह जो ब्रह्म ज्ञानी, तत्व ज्ञानी हैं, ऐसे मत समझो वह अपने को कोई आत्मा समझते हैं। वह तो ब्रह्म घर को परमात्मा समझते हैं और *स्वयं को कहते हैं अहम् ब्रह्मस्मि।* अब घर से थोड़ेही योग लगाया जाता है।

उत्तर 9- *C.स्थूल वतन*

मूलवतन, सूक्ष्मवतन, स्थूल वतन - यह है सारी युनिवर्स। खेल कोई सूक्ष्मवतन वा मूलवतन में नहीं चलता है, *नाटक स्थूलवतन ही

चलता है।* 84 का चक्र भी यहाँ है। इनको ही कहा जाता है 84 के चक्र का नाटक। यह बना-बनाया खेल है।

उत्तर 10- *B.साइलेन्स दुनिया में जाना है इसलिए*

साइंस और साइलेन्स की इस समय जैसे लड़ाई है। तुम साइलेन्स में जाते हो, उसका तुमको बल मिल रहा है। *साइलेन्स का बल लेकर तुम साइलेन्स दुनिया में चले जायेंगे।* बाप को याद कर अपने को शरीर से डिटेच कर देते हो।

उत्तर 11- *B.संबंध और प्राप्ति*

सहजयोग का आधार है - संबंध और प्राप्ति। संबंध के आधार पर प्यार पैदा होता है और जहाँ प्राप्ति होती है वहाँ मन-बुद्धि सहज ही जाता है। तो संबंध में मेरेपन के अधिकार से याद करो, दिल से कहो मेरा बाबा और बाप द्वारा जो शक्तियों का, ज्ञान का, गुणों का, सुख-शान्ति, आनंद, प्रेम का खजाना मिला है उसे स्मृति में इमर्ज करो, इससे अपार खुशी रहेगी और सहजयोगी भी बन जायेंगे।

उत्तर 12- *A.योगी*

कोई भी विकार का भूत नहीं होना चाहिए। ये भूत बहुत खराब हैं। कामी की हेल्थ बिगड़ती रहती है। ताकत कम हो जाती है। इस काम विकार ने तुम्हारी ताकत बिल्कुल खत्म कर दी है। नतीजा यह हुआ है आयु कम होती गई है। भोगी बन पड़े हो। कामी, भोगी, रोगी सब बन जाते हैं। वहाँ विकार होता नहीं। *तो योगी होते हैं सदैव तन्दुरुस्त और आयु भी 150 वर्ष होती है।* वहाँ काल खाता नहीं।

उत्तर 13- *C.यह साथ में नहीं ले जाने हैं*

अभी है पतित अशान्ति का राज्य फिर होगा पावन शान्ति का राज्य। अभी तो अनेक धर्म हैं। कितनी अशान्ति है। सब पतित ही पतित हैं। रावण का राज्य है ना। *अब बच्चे जानते हैं 5 विकारों को जरूर छोड़ना है। यह साथ में नहीं ले जाने हैं।* आत्मा अच्छे वा बुरे संस्कार ले जाती है ना। अब बाप तुम बच्चों को पवित्र बनने की बात बताते हैं। उस पावन दुनिया में कोई भी दुःख होता नहीं।

उत्तर 14- *D.उपरोक्त सभी*

आसुरी इज्जत। मनुष्य किसी को भी आज थोड़ी इज्जत देते, कल उसकी बेइज्जती करते हैं, गालियाँ देते हैं। माया ने सबकी बेइज्जती की है, पतित बना दिया है। बाप आये हैं तुम्हें दैवी इज्जत वाला बनाने।

उत्तर 15- *B.लक्ष्मी-नारायण*

भगवानुवाच, जैसे टीचर कहेंगे हम तुमको बैरिस्टर अथवा फलाना बनाते हैं। निश्चय से पढ़ाते हैं और वह बन जाते हैं। पढ़ने वाले भी नम्बरवार होते हैं ना। फिर पद भी नम्बरवार पाते हैं, यह भी पढ़ाई है। बाबा एम आब्जेक्ट सामने दिखा रहे हैं। *तुम समझते हो इस पढ़ाई से हम लक्ष्मी-नारायण बनेंगे।* खुशी की बात है ना।

उत्तर 16- *D.अपने को आत्मा समझो*

श्रीमत पहले-पहले कहती है अपने को आत्मा समझो। तुम आत्मा परमधाम से यहाँ आई हो पार्ट बजाने, यह तुम्हारा शरीर विनाशी है। आत्मा तो अविनाशी है। तो तुम अपने को आत्मा समझो - मैं आत्मा परमधाम से यहाँ आई हूँ पार्ट बजाने। अभी यहाँ दुःखी होते हो तब कहते हो मुक्तिधाम में जावें।

उत्तर 17- *A.संतुष्टमणि बनना*

संगमयुग का श्रेष्ठ शान है सन्तुष्टमणी बनना वा सन्तोषी होकर रहना। इस शान में रहने वाली आत्मा परेशान नहीं हो सकती। संगमयुग पर बाप-दादा की विशेष देन सन्तुष्टता है।

उत्तर 18- *A.उठते-बैठते, चलते-फिरते देह के बदले अपने को देही समझो*

बाप ने ही बताया है यह पुरूषोत्तम संगमयुग है, यह याद करो फिर भी याद क्यों नहीं कर सकते हो! युक्तियाँ बतलाते हैं याद की। फिर साथ-साथ कहते भी हैं माया बड़ी दुश्तर है। घड़ी-घड़ी तुमको भुलायेगी और देह-अभिमानी बना देगी इसलिए जितना हो सके याद करते रहो। *उठते-बैठते, चलते-फिरते देह के बदले अपने को देही समझो।* यह है मेहनत।

उत्तर 19- *B.नई दुनिया में मिलती है*

पढ़ाने वाला भी वन्दरफुल, पढ़ाई भी वन्दरफुल है। किसको भी याद नहीं, भूल जाती है। आगे जन्म में क्या पढ़ते थे, किसको याद है क्या? *इस जन्म में तुम पढ़ते हो, रिज़ल्ट नई दुनिया में मिलती है।* यह सिर्फ तुम बच्चों को पता है। यह याद रहना चाहिए - अभी यह पुरूषोत्तम संगमयुग है, हम नई दुनिया में जाने वाले हैं।

उत्तर 20- *C.गांव है*

बाप जानते हैं अब मैं जाता हूँ फिर सारे विश्व में जयजयकार हो जायेगी। मैं भारत में ही जाऊंगा। *सारे विश्व में भारत जैसे गाँव है।* बाबा के लिए तो गाँव ठहरा। बहुत थोड़े मनुष्य होंगे। सतयुग में सारी विश्व जैसे एक छोटा गाँव था। अभी तो कितनी वृद्धि हो गई है।

उत्तर 21- *C.सबको वापिस जाना है*

ड्रामा प्लैन अनुसार सबको वापिस जाना है क्योंकि नाटक पूरा होता है। थोड़ा आगे चलेंगे तो खुद भी समझ जायेंगे अब विनाश

होता है। अब नई दुनिया की स्थापना होनी है क्योंकि आत्मा तो फिर भी चैतन्य है ना। तो बुद्धि में आ जायेगा - बाप आया हुआ है। पैराडाइज़ स्थापन होगा और हम शान्तिधाम में चले जायेंगे

उत्तर 22- *A. सारे विश्व को ही निहाल करना होता है*

यहाँ तो बाप बैठे हैं, इनकी तो सारे दुनिया की जो भी आत्मायें हैं, सब तरफ नज़र जाती है। जानते हैं सबको मुझे वर्सा देना है। *भल बैठे यहाँ हैं परन्तु नज़र सारे विश्व पर और सारे विश्व के मनुष्य मात्र पर है क्योंकि सारे विश्व को ही निहाल करना होता है।* बाप समझाते हैं यह है पुरुषोत्तम संगमयुग

उत्तर 23- *A. अन्दर में तुमको खुशी होगी*

जितना-जितना तमोप्रधान से सतोप्रधान बनते जायेंगे, उतना अन्दर में तुमको खुशी भी होगी। जब रजो में द्वापर में थे तो भी तुमको खुशी थी। तुम इतना दुःखी विकारी नहीं थे। यहाँ तो अभी कितने विकारी दुःखी हैं।

उत्तर 24- *A. 84*

यहाँ भी ऊंच चढ़ते-चढ़ते फिर श्रीमत को भूल अपनी मत पर चलते हैं तो देवाला मार देते हैं। *वो लोग तो देवाला मारते फिर 5-7 वर्ष बाद खड़े हो जाते हैं। यहाँ तो 84 जन्मों का देवाला मारते हैं।* ऊंच पद पा न सकें। देवाला मारते ही रहते हैं। बाबा के पास फ़ोटो होता तो बतलाते।

उत्तर 25- *B. जिन्हें बाप के मिलने की भी खुशी नहीं-वह*

जिन्हें बाप के मिलने की भी खुशी नहीं - वह बुद्धू हुए ना। ऐसा बाप जो विश्व का मालिक बनाता, उसका बच्चा बनने के बाद भी खुशी न रहे तो बुद्धू ही कहेंगे ना।

उत्तर 26- *C. सारी सृष्टि के आदि, मध्य, अन्त की*

बाप नॉलेजफुल है। वह कुछ भी शास्त्र आदि पढ़ते नहीं। यह शास्त्र आदि पढ़ा था। मेरे लिए तो *कहते हैं गॉड फ़ादर इज़ नॉलेजफुल। मनुष्य यह भी जानते नहीं हैं कि बाप में क्या नॉलेज है। अभी तुमको सारी सृष्टि के आदि, मध्य, अन्त की नॉलेज है।*

उत्तर 27- *C. 21 जन्मों के लिए पद्मापद्म भाग्यशाली*

अविनाशी ज्ञान रत्नों का धन्धा कर 21 जन्मों के लिए पद्मापद्म भाग्यशाली बनना है। अपनी जांच करनी है - हमारे में कोई आसुरी गुण तो नहीं है? हम ऐसा कोई धन्धा तो नहीं करते जिससे विकारों की उत्पत्ति हो?

उत्तर 28- *A. माया*

बाप ज्ञान का नेत्र देते हैं, *ज्ञान और अज्ञान की लड़ाई चलती है। ज्ञान है बाप, अज्ञान है माया।* इनकी लड़ाई बहुत तीखी है। गिरते हैं तो समझ में नहीं आता। फिर समझते हैं मैं गिरा हुआ हूँ, मैंने अपना बहुत अकल्याण किया है। माया ने एक बार हराया तो फिर चढ़ना मुश्किल हो जाता है।

उत्तर 29- *C. मुझ आत्मा में 84 जन्मों का अविनाशी पार्ट नूँधा हुआ है*

उन्हें दृढ़ निश्चय होगा कि हमारा जो पार्ट है वह कभी घिसता-मिटता नहीं। *मुझ आत्मा में 84 जन्मों का अविनाशी पार्ट नूँधा हुआ है, यही बुद्धि में ज्ञान है तो ज्ञानवान है।* नहीं तो सारा ज्ञान बुद्धि से उड़ जाता है।

उत्तर 30- *A. द्वापर युग शुरू होता है*

अन्त को तुम देखते ही हो। यह सब खत्म हो जाना है। पूरा यादगार बना हुआ है। *देवी-देवता ही फिर वाम मार्ग में जाते हैं। द्वापर से वाम मार्ग शुरू होता है।* यादगार पूरा एक्क्यूरेट है। यादगार में बहुत मन्दिर बनाये हैं। यहाँ ही सब निशानियाँ हैं।

उत्तर 31- *B. सभी को पता*

बाप ने समझाया है बाप का परिचय तो जरूर सबको मिलना चाहिए। पिछाड़ी में बाप को तो जानेंगे ना। *विनाश के समय सभी को पता पड़ता है बाप आया हुआ है।* अभी भी कोई-कोई कहते हैं भगवान जरूर कहाँ आया हुआ है परन्तु पता नहीं पड़ता। समझते कोई भी रूप में आ जायेगा। मनुष्य मत तो बहुत है ना, तुम्हारी है एक ही ईश्वरीय मत।

उत्तर 32- *A. ब्रह्मा ही चक्र में आते हैं*

यह सारा सृष्टि का चक्र कैसे फिरता है, कैसे स्थापना, विनाश, पालना होती है - यह तुम ही जानते हो। इसको कहा जाता है अन्धियारी रात। *ब्रह्मा का दिन और रात ही गाई जाती है क्योंकि ब्रह्मा ही चक्र में आते हैं।* अभी तुम ब्राह्मण हो फिर देवता बनेंगे। मुख्य तो ब्रह्मा हुआ ना।

भाग - (58)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- शिवबाबा का भण्डारा कौन-सा है ?

- A- सुख का
- B- स्वर्ग का
- C- अविनाशी ज्ञान रत्नों का
- D- मधुबन घर का

प्रश्न 2- हमारा कर्तव्य है -

- A- डूबने वालों को भी बचाना।
- B- इस कुदरत को साक्षी हो देखना है।
- C- सर्व संबंधों के अनुभव को बढ़ाओ।
- D- सभी को बाप का परिचय देना

प्रश्न 3- अपने वचनों (वाक्यों) में ताकत भरने के लिए -

- A- बाप का बच्चा बनना है।
- B- बहुत-बहुत आज्ञाकारी, मीठा होकर चलना
- C- आत्म-अभिमान रहने का अभ्यास करना है।
- D- याद की यात्रा में रहना है।

प्रश्न 4- बाबा आज हमको स्नान तो कराओ, भोजन तो खिलाओ। मैं छोटा बच्चा हूँ ?

- A- ब्रह्मा शिवबाबा को कहते हैं।
- B- शिवबाबा ब्रह्मा को कहते हैं।
- C- आत्मा परमात्मा से कहती है।
- D- परमात्मा आत्मा से कहती है।

प्रश्न 5- बाप कहते हैं तुमको सिखलाकर-

- A- शान्तिधाम भेज देते हैं।
- B- विषय सागर से पार कर देते हैं।
- C- शिवालय में भेज देते हैं।
- D- वर्से के अधिकारी बना देते हैं।

प्रश्न 6- कब ही सर्व मनोकामनायें बिना मांगे पूरी होंगी ?

- A- ध्यान दीदार की इच्छा नहीं रखनी है, तो
- B- कभी भी श्रीमत का उल्लंघन न हो तो
- C- इच्छा मात्रम् अविद्या बनना है तो
- D- कोई भी बेकायदे चलन न हो तो

प्रश्न 7- तुम्हारा यह जीवन देवताओं से भी उत्तम है, क्योंकि-

- A- अभी तुम्हारी चढ़ती कला है।
- B- भगवान पढ़ाते हैं।
- C- तुम अभी रचयिता और रचना को यथार्थ जानकर आस्तिक बने हो।
- D- इसी समय स्वयं ईश्वर बाप बनकर तुम बच्चों को सम्हालते हैं।

प्रश्न 8- बाप से याद का लिंक टूट जाए तो घबराना नहीं चाहिए पर -

- A- बुद्धियोग एक बाप के साथ होना चाहिए । पुरानी दुनिया से वैराग्य हो।
- B- विकर्म होने से बैटरी डिस्चार्ज हो जाती है।
- C- कोशिश कर बाप के साथ लिंक जोड़नी चाहिए।
- D- कदम कदम पर बाप से श्रीमत लेनी चाहिए।

प्रश्न 9- यहाँ तुम बच्चों को कौनसे ख्याल से जरूर बैठना होता है ?

- A- मैं आत्मा हूँ
- B- परमात्मा हमें पढ़ाते है।
- C- यह बाबा भी है, टीचर और सतगुरू भी है।
- D- हम आत्मा भाई भाई हैं।

प्रश्न 10- बाप भी कलष माताओं पर क्यों रखते हैं ?

- A- पुरुष अक्सर करके देवाला मारते हैं, स्त्रियाँ नहीं।
- B- वन्दे मातरम् गाया हुआ है ना।
- C- ज्ञान मार्ग में मातायें बहुत हैं इसलिए।
- D- A और B
- E- A, B C

प्रश्न 11- सम्बन्ध-सम्पर्क में आये उसे कोई न कोई शक्ति का, ज्ञान का, गुण का दान दो। कर्म करते हम कौनसा दान अर्थात् सहयोग सहज दे सकते हैं ?

- A- श्रेष्ठ स्थिति के वायुमण्डल का
- B- अपनी वृत्ति के वायुब्रेशन्स का
- C- योग का
- D- A और B

प्रश्न 12- किनको ट्रेटर कहा जाता है ?

- A- श्रीमत् का उल्लंघन किया तो।
- B- बाप का बनकर फिर माया के बन जाते, उन्हें।
- C- डिस सर्विस करते हैं।
- D- जिनका बाप से बिल्कुल भी योग नहीं लगता।

प्रश्न 13- ईश्वरीय घर किसे कहा जाता है ?

- A- स्वर्ग
- B- मधुबन
- C- सुखधाम
- D- परमधाम

प्रश्न-14 इनकागनीटो (गुप्त) नहीं कहेंगे ?

- A- शिवबाबा
- B- आत्मा
- C- शक्ति
- D- लक्ष्मी-नारायण

प्रश्न 15- अभिमान के कारण ही माया याद में विघ्न डालती है, इसलिए-

- A- पहले देह-अभिमान को छोड़ना है।
- B- सदा स्मृति रहे कि हम ब्रह्मा मुख वंशावली ब्राह्मण हैं।
- C- बेहद का वैराग्य लाना है।
- D- स्वयं को आत्मा समझना है।

प्रश्न 16- परमात्मा बाप कब गैर हाज़िर है ?

- A- सतयुग में
- B- द्वापर युग में
- C- भक्ति मार्ग
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 17- आत्माओं और परमात्मा का मेला किसलिए लगता है ?

- A- पतित से पावन बनने के लिए या निर्विकारी से गोरे बनने के लिए
- B- कांटे से फूल बनने के लिए
- C- देवता बनने के लिए
- D- नई दुनिया की स्थापना के लिए

प्रश्न 18- किसी भी परिवर्तन का सहज आधार कौन सी शक्ति है ?

- A- समाने की
- B- महसूसता की
- C- स्नेह की
- D- अनुभूति की

प्रश्न 19- कलह क्लेश मिटे तन के। जो भी शरीर के दुःख हैं, सब मिट जायेंगे। कब-

- A- सिमर-सिमर सुख पाओ तो।
- B- पारलौकिक बाप को याद करो तो।
- C- शरीर से न्यारा हो बाप की याद में रहते हो तो।
- D- आत्मा पावन बने तब।

प्रश्न 20- सवेरे-सवेरे उठ -

- A- शरीर से न्यारा होने की झिल करनी है।
- B- कर्मों का हिसाब-किताब खुशी-खुशी से चुकतू करना है।
- C- अव्यक्त फरिश्ता बनना।
- D- आत्मा समझ बाप को याद करो।

प्रश्न 21- महाभारत लड़ाई कब लगी ?

- A- जब भगवान् ने राजयोग सिखलाया था।
- B- दुनिया घोर अन्धियारे में पड़ी थी।
- C- 5000 वर्ष पहले।
- D- कलियुग के अन्त में।

प्रश्न 22- बहुत लोग प्रश्न पूछते हैं तुम भारत की क्या सेवा कर रहे हो ?

- A- अब गार्डन में जाने का पुरुषार्थ कर रहे हैं ।
- B- यह फारेस्ट है उसे गार्डन बना रहे हैं।
- C- इस रावण राज्य को राम राज्य बना रहे हैं।
- D- पवित्र बना रहे हैं।

प्रश्न 23- सेवा में सफलता का सहज आधार है ?

- A- स्वच्छ बुद्धि,
- B- स्वच्छ वृत्ति
- C- स्वच्छ कर्म
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 24- कहते हैं शेरणी का दूध सोने के बर्तन में ही ठहरता है, इसका वास्तविक अर्थ है ?

- A- तुम बच्चे समझते हो, हम अब सोने का बर्तन बन रहे हैं।
- B- आत्मा की ज्योति जग रही है।
- C- आत्मा जब पवित्र होगी तब धारणा होगी।
- D- इस पढ़ाई और उस पढ़ाई में रात-दिन का फर्क है।

प्रश्न 25- हिन्दुस्तान नाम किसने रखा है ?

- A- मुसलमानों ने
- B- बाबा ने
- C- भारतवासियों ने
- D- क्रिश्चियनों ने

प्रश्न 26- ब्राह्मण जीवन का श्रृंगार है ?

- A- शान्ति
- B- खुशी
- C- पवित्रता
- D- सन्तुष्टता

प्रश्न 27- ब्रह्मा सो विष्णु बनने में कितना समय लगता है ?

- A- 84 जन्म
- B- 21 जन्म
- C- एक सेकण्ड
- D- एक जन्म

प्रश्न 28- तुम्हें अभी बहुत बड़ी प्राइज़ क्यों मिलती है ?

- A- श्रीमत पर अच्छी सर्विस करते हो इसलिए
- B- भारत को स्वर्ग बनाते हो इसलिए
- C- पढ़ाई से ज्ञानवान, गुणवान बनते हो इसलिए
- D- तुम बच्चे अभी बाप के मददगार बने हो इसलिए

प्रश्न 29- तुम्हारा त्रिमूर्ति कोट ऑफ आर्मस क्या है ?

- A- त्रिमूर्ति शिव
- B- परमधाम
- C- शिवबाबा
- D- बैज

प्रश्न 30- हमेशा बाबा-बाबा कहते रहो। यह भूलना नहीं है, तो-

- A- विकर्म विनाश होंगे
- B- अन्त मती सो गति होगी
- C- सदैव शिवबाबा याद आयेगा
- D- आत्मा पावन बनेगी

प्रश्न 31- 84 जन्मों की बायोग्राफी किस की है।

- A- देवी-देवता धर्म वालों की
- B- संन्यासियों की
- C- इस्लामी, बौद्धी, क्रिश्चियन की
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 32- प्रतिज्ञा करते हैं, ब्लड निकालकर भी उनसे बड़ा पत्र लिखते हैं। आज वह हैं नहीं कौन से विकार में गये ?

- A- देह अभिमान
- B- मोह
- C- काम कटारी
- D- नाम-रूप में

भाग (58) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *C.अविनाशी ज्ञान रत्नों का*

शिवबाबा का भण्डारा भरपूर है। *शिवबाबा का भण्डारा कौन-सा है? (अविनाशी ज्ञान रत्नों का)* शिवबाबा का भण्डारा भरपूर काल कंटक दूर। बाप तुम बच्चों को ज्ञान रत्न देते हैं। खुद है सागर। ज्ञान रत्नों का सागर है। बच्चों की बुद्धि बेहद में जानी चाहिए।

उत्तर 2- *A.डूबने वाले को बचाना*

सदा बुद्धि में याद रहे कि हम संगमयुगी ब्राह्मण हैं, हमें बाप की श्रेष्ठ गोद मिली है। हम रावण की गोद में जा नहीं सकते। *हमारा कर्तव्य है - डूबने वालों को भी बचाना।*

उत्तर 3- *C.आत्म-अभिमानि रहने का अभ्यास करना है*

अपने वचनों (वाक्यों) में ताकत भरने के लिए आत्म-अभिमानि रहने का अभ्यास करना है। स्मृति रहे - बाप का सिखलाया हुआ हम सुना रहे हैं तो उसमें जौहर भरेगा।

उत्तर 4- *A.ब्रह्मा शिव बाबा को कहते हैं*

मेरा तो बाबा है ना। मेरे घर में बैठा है। बाबा जानते हैं हँसीकुड़ी भी करते हैं। *बाबा आज हमको स्नान तो कराओ, भोजन तो खिलाओ। मैं छोटा बच्चा हूँ, (ब्रह्मा शिव बाबा को कहते हैं)* बहुत प्रकार से बाबा को याद करता हूँ। तुम बच्चों को समझाता हूँ - ऐसे-ऐसे याद करो। बाबा आप तो बहुत मीठे हो। एकदम हमको विश्व का मालिक बना देते हो। यह बात और किसकी बुद्धि में हो न सके।

उत्तर 5- *B.विषय सागर से पार ले जाते हैं*

सर्वव्यापी के ज्ञान से सब देखो कैसे बन गये हैं। तुम जानते हो कल्प-कल्प ऐसे ही होगा। *बाप कहते हैं तुमको सिखलाकर विषय सागर से पार कर देते हैं।* कितना फ़र्क है। शास्त्र पढ़ना तो भक्ति मार्ग हुआ ना। बाप कहते हैं यह पढ़ने से मेरे से कोई नहीं मिलते।

उत्तर 6- *B.कभी भी श्रीमत का उल्लंघन न हो तो*

बाप की आज्ञा अनुसार हर कार्य करना है। *कभी भी श्रीमत का उल्लंघन न हो तब ही सर्व मनोकामनायें बिना मांगे पूरी होंगी।*

ध्यान दीदार की इच्छा नहीं रखनी है, इच्छा मात्रम् अविद्या बनना है।

उत्तर 7- *C.तुम अभी रचयिता और रचना को यथार्थ जानकर आस्तिक बने हो*

यह जीवन देवताओं से भी उत्तम है, क्योंकि तुम अभी रचयिता और रचना को यथार्थ जानकर आस्तिक बने हो यह रचयिता बाप ही आकर अपना परिचय देते हैं, आदि-मध्य-अन्त का राज समझाते हैं, जिससे तुम आस्तिक बनते हो। तुम एक ही बार आस्तिक बनते हो। *

उत्तर 8- *C.कोशिश कर बाप के साथ लिंक जोड़नी है*

बाप से बुद्धियोग लगाने से ही सतोप्रधान बनेंगे। बाप का बने और बाप से योग नहीं तो घड़ी-घड़ी गिरते रहेंगे। कनेक्शन ही टूट पड़ता है। लिंक टूट जाए तो घबराना नहीं चाहिए। माया हमें इतना तंग क्यों करती है। *कोशिश कर बाप के साथ लिंक जोड़नी चाहिए।* नहीं तो बैटरी चार्ज कैसे होगी।

उत्तर 9- *C.यह बाबा भी है, टीचर और सतगुरु भी है*

रूहानी बच्चों को बाप ने समझाया है, *यहाँ तुम बच्चों को इस ख्याल से जरूर बैठना होता है, यह बाबा भी है, टीचर और सतगुरु भी है।* और यह भी महसूस करते हो - बाबा को याद करते-करते पवित्र बन, पवित्रधाम में जाकर पहुँचेंगे।

उत्तर 10- *D. A और B*

बाबा ने शुरू में कमेटी बनाई थी तो माताओं की बनाई थी *क्योंकि कलष तो माताओं को ही मिलता है। वन्दे मातरम् गाया हुआ है ना।* अगर गोप लोग कमेटी बनाते हैं तो वन्दे गोप तो गायन नहीं है। श्रीमत पर नहीं तो माया के जाल में फँस पड़ते हैं। बाबा ने माताओं की कमेटी बनाई, उन्हीं के हवाले सब कुछ कर दिया। *पुरुष अक्सर करके देवाला मारते हैं, स्त्रियाँ नहीं।* तो बाप भी कलष माताओं पर रखते हैं।

उत्तर 11- *D. A और B*

जो भी सम्बन्ध-सम्पर्क में आये उसे कोई न कोई शक्ति का, ज्ञान का, गुण का दान दो। आपके पास ज्ञान का भी खजाना है, तो शक्तियों और गुणों का भी खजाना है। तो कोई भी दिन बिना दान दिये खाली न जाए तब कहेंगे महादानी। 2- *दान शब्द का रूहानी अर्थ है सहयोग देना। तो अपनी श्रेष्ठ स्थिति के वायुमण्डल द्वारा और अपनी वृत्ति के वायुब्रेशन्स द्वारा हर आत्मा को सहयोग दो* तब कहेंगे वरदानी।

उत्तर 12- *B.बाप का बनकर फिर माया के बन जाते, उन्हें*

बाप जानते हैं कि बहुत अच्छे पुरुषार्थी जो देवता बनने वाले थे वह असुर बन असुरों के साथ रहते हैं। ट्रेटर हो जाते हैं। *बाप का बनकर फिर माया के बन जाते, उन्हें ट्रेटर कहा जाता है।* अपने ऊपर नज़र रखनी होती है। श्रीमत का उल्लंघन किया तो यह गिरे। पता भी नहीं पड़ेगा।

उत्तर 13- *B.मधुवन*

बाप तुमको समझाते हैं - हम आत्मा इस समय तो ब्राह्मण हैं फिर हम आत्मा ब्राह्मण सो देवता बनेंगे, फिर सो क्षत्रिय बनेंगे, फिर शूद्र सो ब्राह्मण। सबसे ऊँचा जन्म तुम्हारा है। *यह मधुवन है ईश्वरीय घर।* तुम किसके पास बैठे हो? मात-पिता के पास। सब भाई-बहिन हैं।

उत्तर 14- *D.लक्ष्मी-नारायण*

इनकागनीटो उनको कहा जाता है, जो है परन्तु देखने में न आये। तुम शिव-बाबा को भी इन आंखों से देख नहीं सकते। तुम भी गुप्त, तो शक्ति भी तुम गुप्त ले रहे हो। तुम समझते हो हम पतित से पावन बन रहे हैं और पावन में ही शक्ति होती है। तुम सतयुग में सब पावन होंगे।

उत्तर 15- *A.पहले देह अभिमान को छोड़ना है*

याद में कभी ग़फलत नहीं करना है। देह-अभिमान के कारण ही माया याद में विघ्न डालती है इसलिए *पहले देह-अभिमान को छोड़ना है।* योग अग्नि द्वारा पाप नाश करने हैं।

उत्तर 16- *D.उपरोक्त सभी*

जब परमात्मा बाप गैर हाज़िर है तो इनडायरेक्ट अल्पकाल के लिए फल देते हैं। जब हाज़िर हैं तो 21जन्म के लिए देते हैं। यह गाया हुआ है शिवबाबा का भण्डारा भरपूर। देखो, ढेर बच्चे हैं, किसको भी यह मालूम नहीं है कि कौन क्या देते हैं? बाप जाने और बाप की गोथरी (ब्रह्मा) जाने, जिसमें बाप रहते हैं

उत्तर 17- *B.कांटे से फूल बनने के लिए*

यह है आत्माओं और परमात्मा का मेला। यह बुद्धि से काम लिया जाता है। परमात्मा कब आते हैं? जब बहुत आत्मार्थ अथवा बहुत मनुष्य हो जाते हैं तब परमात्मा मेले में आते हैं। आत्माओं और परमात्मा का मेला किसलिए लगता है? वह मेले तो मैले होने के लिए हैं।

इस समय तुम बागवान द्वारा कांटे से फूल बन रहे हो। कैसे बनते हो? याद के बल से।

उत्तर 18- *B.महसूसता की शक्ति*

कोई भी परिवर्तन का सहज आधार महसूसता की शक्ति है। जब तक महसूसता की शक्ति नहीं आती तब तक अनुभूति नहीं होती और जब तक अनुभूति नहीं तब तक ब्राह्मण जीवन की विशेषता का फाउण्डेशन मजबूत नहीं। उमंग-उत्साह की चाल नहीं। जब महसूसता की शक्ति हर बात का अनुभवी बनाती है तब तीव्र पुरुषार्थी बन जाते हो।

उत्तर 19- *A.सिंमर-सिंमर सुख पाओ तो*

दुःख में सिंमरण सब करते हैं। अब बाप बतलाते हैं कि कैसे सिंमरण करो। तुमको तो सिंमरण करना भी आता नहीं है। मैं ही आकर तुमको बतलाता हूँ। बच्चे अपने को आत्मा समझो और पारलौकिक बाप को याद करो तो तुम्हारे पाप कट जायेंगे। *सिंमर-सिंमर सुख पाओ, कलह क्लेष मिटे तन के। जो भी शरीर के दुःख हैं, सब मिट जायेंगे।*

उत्तर 20- *A.शरीर से न्यारा होने की ड्रिल करनी है*

सवेरे-सवेरे उठ शरीर से न्यारा होने की ड्रिल करनी है। यहाँ तुम आये हो जीते जी मरने। बाप पर न्योछावर होते हो। यह तो पुरानी दुनिया, पुराना चोला है, इनसे जैसे नफरत आती है, इनको छोड़कर जायें। कुछ भी याद न आये।

उत्तर 21- *A.जब भगवान ने राजयोग सिखलाया था*

मुख्य बात है बेहद के बाप को याद करो। जब बेहद का बाप आते हैं तो विनाश भी होता है। *महाभारत लड़ाई कब लगी? जब भगवान् ने राजयोग सिखलाया था।* समझ में आता है नई दुनिया का आदि, पुरानी दुनिया का अन्त अर्थात् विनाश होना है।

उत्तर 22- *C.इस रावण राज्य को रामराज्य बना रहे हैं*

बहुत लोग प्रश्न पूछते हैं तुम भारत की क्या सेवा कर रहे हो? *तुम इस रावण राज्य को राम राज्य बना रहे हो।* तुमसे प्रश्न पूछते हैं - इतना खर्चा कहाँ से आया? बोलो, हम बी.के. ही करते हैं। राम राज्य की स्थापना हो रही है। तुम थोड़ा रोज़ आकर समझो कि हम क्या कर रहे हैं, हमारी एम आब्जेक्ट क्या है?

उत्तर 23- *D.उपरोक्त सभी*

सेवा में स्वच्छ बुद्धि, स्वच्छ वृत्ति और स्वच्छ कर्म सफलता का सहज आधार है। कोई भी सेवा का कार्य जब आरम्भ करते हो तो पहले चेक करो कि बुद्धि में किसी आत्मा की बीती हुई बातों की स्मृति तो नहीं है।

उत्तर 24- *C. आत्मा जब पवित्र होगी तब धारणा होगी*

इस पढ़ाई और उस पढ़ाई में रात-दिन का फ़र्क है। वह पढ़ाई पढ़ते-पढ़ते रात पड़ जाती है, इस पढ़ाई से दिन में चले जाते हैं। वह पढ़ाईयां तो जन्म-जन्मान्तर पढ़ते आये। इसमें तो बाप साफ बतलाते हैं कि *आत्मा जब पवित्र होगी तब धारणा होगी। कहते हैं शेरणी का दूध सोने के बर्तन में ही ठहरता है।*

उत्तर 25- *A.मुसलमानों ने*

हिन्दू तो हिन्दुस्तान का नाम है। फिर अपने को हिन्दू कह दिया है। कितनी भूल है इसलिए बाप कहते हैं यदा यदाहि धर्मस्य.... बाबा भारत में आते हैं। ऐसे तो नहीं कहते - मैं हिन्दुस्तान में आता हूँ। यह है भारत, *हिन्दुस्तान वा हिन्दू धर्म है नहीं। मुसलमानों ने हिन्दुस्तान नाम रखा है।*

उत्तर 26- *C.पवित्रता*

पवित्रता ब्राह्मण जीवन का श्रंगार है। हर समय पवित्रता के श्रंगार की अनुभूति चेहरे वा चलन से औरों को हो। दृष्टि में, मुख में, हाथों में, पांवों में सदा पवित्रता का श्रंगार प्रत्यक्ष हो। हर एक वर्णन करे कि इनके फीचर्स से पवित्रता दिखाई देती है।

उत्तर 27- *C.एक सेकण्ड*

मैं इसमें प्रवेश करता हूँ। यह वह बनते हैं। *इनको वह (ब्रह्मा सो विष्णु) बनने में एक सेकण्ड लगता है।* साक्षात्कार हो जाता है और झट निश्चय हो जाता है - मैं यह बनने वाला हूँ। विश्व का मालिक बनने वाला हूँ। तो यह गदाई क्या करेंगे? सब छोड़ दिया।

उत्तर 28- *D.तुम बच्चे अभी बाप के मददगार बने हो इसलिए*

मीठे बच्चे - श्रीमत पर अच्छी सर्विस करने वालों को ही राजाई की प्राइज़ मिलती है, *तुम बच्चे अभी बाप के मददगार बने हो इसलिए तुम्हें बहुत बड़ी प्राइज़ मिलती है*

उत्तर 29- *A.त्रिमूर्ति शिव*

तुम बच्चे अभी त्रिमूर्ति शिव के आगे बैठे हो। तुम विजय पहनते हो। वास्तव में तुम्हारा यह त्रिमूर्ति कोट ऑफ आर्मस है। तुम ब्राह्मणों का यह कुल सबसे ऊंचा है। चोटी है। यह राजाई स्थापन हो रही है। इस कोट ऑफ आर्मस को तुम ब्राह्मण ही जानते हो।

उत्तर 30- *C.सदैव शिवबाबा याद आयेगा*

हमेशा बाबा-बाबा कहते रहो। यह भूलना नहीं है, तो सदैव शिवबाबा याद आयेगा। यह हमारा बाबा है। पहले-पहले है यह बेहद का बाबा। बाबा कहने से ही वर्षों की खुशी में आते हैं। सिर्फ भगवान् वा ईश्वर कहने से कभी ऐसा विचार नहीं आयेगा।

उत्तर 31- *A.देवी-देवता धर्म वालों की*

देवी-देवता धर्म वाले ही सालवेन्ट से इनसालवेन्ट बनते हैं। अभी तुम लक्ष्मी-नारायण के मन्दिर में जायेंगे। तुम तो वन्दर खायेंगे। इस घराने के तो हम थे, अभी हम पढ़ रहे हैं। इनकी आत्मा भी बाबा से पढ़ रही है। आगे तो जहाँ-तहाँ तुम माथा टेकते थे। अभी ज्ञान है, *हर एक के सारे 84 जन्मों की बायोग्राफी को तुम जानते हो।*

उत्तर 32- *C.काम कटारी*

बाप कहते हैं काम कटारी चलाई तो यह भी एक-दो को दुःख दिया इसलिए प्रतिज्ञा कराते हैं, ब्लड निकालकर भी उनसे बड़ा पत्र लिखते हैं। आज वह हैं नहीं। बाप कहते अहो माया! तुम बड़ी जबरदस्त हो। ऐसे-ऐसे बच्चे जो ब्लड से भी लिखकर देते हैं, तुम उनको भी खा लेती हो।

भाग - (59)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- किसी भी बात में संकल्प न चले, उसके लिए -

- A- शरीर से न्यारा होने की झिल करनी है।
- B- ड्रामा को अच्छी रीति समझकर पार्ट बजाना है।
- C- आत्मा समझ बाप को याद करो।
- D- नथिंग न्यू की स्मृति में रहना है।

प्रश्न 2- रावण का क्या रूप है ?

- A- माया
- B- रूप नहीं है।
- C- 5 विकार रूपी भूत
- D- भ्रष्ट कर्म

प्रश्न 3- इसमें से रचना नहीं है -

- A- सब देहधारी हैं।
- B- चित्र
- C- इन आंखों से जो भी देखा जाता है वह
- D- आत्मा

प्रश्न 4- सही महावाक्य पहचानिए ?

- A- संन्यासी मोक्ष को पाते हैं।
- B- कोई ज्योति ज्योत समाते हैं, ब्रह्म में लीन होते हैं।
- C- मोक्ष किसी को मिल नहीं सकता।
- D- परमात्मा मोक्ष को प्राप्त कराते हैं।

प्रश्न 5- भक्ति का फल होता है ?

- A- 21 जन्म के लिए
- B- आधाकल्प के लिए
- C- 63 जन्मों के लिए
- D- 84 जन्मों के लिए

प्रश्न 6- तुम बच्चे उन्हें चावल मुट्ठी दे महल ले लेते हो, इसलिए उनका नाम -

- A- शिवबाबा हमारा बेटा है
- B- भोलानाथ
- C- ज्ञान सागर
- D- गरीब निवाज

प्रश्न 7- तुम भी पोतामेल रखो कि -

- A- हम बाबा के पास रहकर, बाबा का बनके क्या करते हैं।
- B- दैवीगुण धारण करते हैं।
- C- कितना समय अति प्यारा बाबा, जो हमको विश्व का मालिक बनाते हैं, उनको याद किया।
- D- आत्म अभिमानी स्थिति कितना समय रही।

प्रश्न 8- कब बाबा भी समझे कि इस बच्चे का बाबा के साथ लॅव है ?

- A- बाबा जो कहे वह फौरन कर दिखायें तो।
- B- बाबा हर एक के गुणों को देखते हैं तो।
- C- यह सर्विसएबल कितिनी सर्विस करते हैं तो।
- D- हर कदम श्रीमत पर चलो तो

प्रश्न 9- बाबा ने देखा, बच्चे याद में नहीं रहते क्योंकि -

- A- सबसे ममत्व निकाल जीते जी नहीं मरते।
- B- शरीर से अलग होने का अभ्यास नहीं करते।
- C- बहुत कमज़ोर हैं।
- D- माया घड़ी घड़ी याद भुला देती है।

प्रश्न 10- बाप बच्चों को क्या सिखलाते हैं ?

- A- जीते जी मरना कैसे होता है।
- B- पवित्र बनना
- C- आत्म-अभिमानी बनना
- D- मनमनाभव

प्रश्न 11 - बेहद का बाप कौन सी वन्दरफुल पढ़ाई हमें पढ़ाते हैं ?

- A- देह-अभिमान छोड़ अपने को आत्मा समझाना
- B- सृष्टि के आदि मध्य अन्त का ज्ञान
- C- ड्रामा के आदि -मध्य-अन्त का राज़
- D- पावन बनाने के लिए याद की यात्रा की

प्रश्न 12- कौन सा पक्का निश्चय बच्चों को होना चाहिए ?

- A- यह हमारा मोस्ट बिलेवेड जन्म है।
- B- बाप और उनकी पढ़ाई में
- C- आत्मा को यह ज्ञान मिलता है, हमारा यह बाबा है।
- D- वह हमारा बाबा है, हम आत्मा हैं।

प्रश्न 13- नम्बरवन यादगार है-

- A- देलवाड़ा मन्दिर
- B- गुरू शिखर
- C- अचलघर
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 14- ओम् का अर्थ है -

- A- अहम् आत्मा, मम शरीर।
- B- मैं आत्मा शान्त स्वरूप हूँ।
- C- मेरी आत्मा का धर्म शान्त स्वरूप है।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 15- पास विद आनर कितने बनते हैं ?

- A- 108
- B- 16108
- C- 8
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 16 - ऊंची पढ़ाई क्या है ?

- A- देह-अभिमान छोड़ अपने को आत्मा समझना।
- B- बाप और उनकी पढ़ाई में कोई भी संशय नहीं आना चाहिए।
- C- निश्चय चाहिए कि हमें पढ़ाने वाला बाप है।
- D- रचता और रचना को जान आस्तिक बनना।

प्रश्न 17- मांगने के बजाए क्या करना है ?

- A- मांगने से मरना भला।
- B- डायरेक्शन देते उस पर चलो।
- C- लायक बनना है।
- D- बाप तो सिर्फ दो अक्षर ही कहते हैं मामेकम् याद करो।

प्रश्न 18- पवित्रता का अर्थ है ?

- A- डबल अहिंसक हो।
- B- सदा बाप को कम्पैनियन बनाना और बाप की कम्पनी में ही रहना।
- C- स्वप्न में भी ब्रह्मचर्य की धारणा हो।
- D- संकल्प में भी अशुद्ध ख्याल न आये।

प्रश्न 19- गुस्सा करना है -

- A- विकार
- B- माया
- C- हिंसा
- D- भूत की प्रवेशता

प्रश्न 20- बाप का सबसे श्रेष्ठ डायरेक्शन -

- A- मामेकम् याद करो
- B- मांगने से मरना भला
- C- बाप है दाता
- D- फालो फादर

प्रश्न 21- बुद्धि को किस का सहारा हो ?

- A- एक बाप हो, दूसरा न कोई
- B- संगठन का
- C- निश्चय बुद्धि का
- D- एक की ही श्रेष्ठ मत का

प्रश्न 22- बाप ने समझाया है - तुम सब द्रोपदियां हो। फीमेल सदैव फीमेल ही बनती है। इसके बारे में सही पर्याय का चुनाव कीजिए ?

- A- मेल फीमेल दोनों ही बनते हैं।
- B- दो बारी फीमेल बन सकती है, जास्ती नहीं।
- C- कह नहीं सकते।
- D- इनमें से कोई नहीं।

प्रश्न 23- अक के फूल किसे कहेंगे ?

- A- 10-15 वर्ष रहकर भी चले जाते हैं उनको।
- B- जिनको अपने मित्र-सम्बन्धी, धन-दौलत याद आते रहेंगे वह।
- C- अपवित्र बनते हैं वह।
- D- उनमें कोई खुशबू नहीं।

प्रश्न 24- कौन-सा ईश्वरीय नियम है जो गरीब ही बाप का पूरा वर्सा लेते, साहूकार नहीं ले पाते ?

- A- धन, दौलत, मित्र, सम्बन्धी याद नहीं करना।
- B- पूरा बेगर बनो, जो कुछ भी है उसे भूल जाओ।
- C- आत्मा समझ बाप को याद करो।
- D- बाप है गरीब निवाज उसे याद करो।

प्रश्न 25- "यह कभी किसको उल्टा-सुल्टा शब्द नहीं कहते"। यह किस के लिए कहा है ?

- A- शिवबाबा

- B- बापदादा
- C- ब्रम्हाबाबा
- D- ब्राह्मण बच्चे

प्रश्न 26- सत का संग होता है -

- A- पुरुषोत्तम संगमयुग पर
- B- सतयुग में
- C- भक्ति मार्ग में
- D- सतयुग त्रेता में

प्रश्न 27- अकाल-तख्त कहते हैं -

- A- आत्मा
- B- भूकुटी सिंहासन
- C- आत्मा को कभी काल नहीं खाता
- D- आत्मा परमात्मा के तख्त को

प्रश्न 28- सबसे ऊंचा स्वागत है, कौन सा है ?

- A- बाप तुम्हारा स्वागत करते हैं वह
- B- ब्राह्मण बनना
- C- जीवनमुक्ति
- D- भगवान की पालना

प्रश्न 29- किस में रचता और रचना की नॉलेज है ?

- A- ब्राह्मणों में
- B- लक्ष्मी-नारायण में
- C- देवताओं में
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 30- निर्विकल्प भाव से संकल्प लो तो क्या नहीं आयेगा ?

- A- व्यर्थ संकल्प
- B- कोई संकल्प
- C- अभिमान या अपमान की फीलिंग
- D- कलियुगी मित्र सम्बन्धियों के बारे में विकारी संकल्प

प्रश्न 31- बाबा कर्म, अकर्म, विकर्म की गति भी समझाते हैं। सतयुग में कौनसे कर्म होते हैं ?

- A- अकर्म,
- B- कर्म
- C- सुकर्म
- D- श्रेष्ठ कर्म

प्रश्न 32- आस्तिक कौन कौन हैं ?

- A- रचता और रचना को जानने वाले
- B- निवृत्ति मार्ग वाले,
- C- ऋषि-मुनि
- D- उपरोक्त सभी

भाग (59) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *B.ड्रामा को अच्छी रीति समझ कर पार्ट बजाना है*

सदा खुशी में रहने के लिए रचता और रचना की नॉलेज बुद्धि में चक्कर लगाती रहे अर्थात् उसका ही सिमरण होता रहे। *किसी भी बात में संकल्प न चले, उसके लिए ड्रामा को अच्छी रीति समझकर पार्ट बजाना है।*

उत्तर 2- *C.5 विकार रूपी भूत*

कोई बाप की मत पर चलते हैं, कोई रावण की मत पर। रावण क्या चीज़ है? कभी देखा है क्या? सिर्फ चित्र देखते हो। शिवबाबा का तो फिर यह रूप है। रावण का क्या रूप है! *5 विकार रूपी भूत जब आकर प्रवेश करते हैं तब रावण कहा जाता है।*

उत्तर 3- *D.आत्मा*

रचयिता ही रचना के आदि-मध्य-अन्त का ज्ञान देते हैं। *जो देहधारी हैं, वह सब भक्ति करते हैं क्योंकि रचना है ना।* रचयिता है एक बाप। *बाकी इन आंखों से जो भी देखा जाता है, चित्र आदि, वह सब हैं रचना।* यह बातें घड़ी-घड़ी भूल जाती हैं।

उत्तर 4- *मोक्ष किसी को मिल नहीं सकता*

संन्यासी कहते हैं यह सुख काग विष्टा के समान है, इसलिये घरबार छोड़ जंगल में चले जाते हैं। कहते हैं हमको स्वर्ग के सुख नहीं चाहिए, जो फिर नर्क में आना पड़े। हमको मोक्ष चाहिए। परन्तु यह याद रखो कि यह बना-बनाया नाटक है, *इस नाटक से एक भी आत्मा छूट नहीं सकती, मोक्ष किसी को मिल नहीं सकता।*

उत्तर 5- *B.आधाकल्प के लिए*

तुम जानते हो जो जैसा कर्म करते हैं उनको ऐसा फल मिलता है। जैसे कोई हॉस्पिटल बनाते हैं तो दूसरे जन्म में उनकी आयु बड़ी और तन्दुरूस्त होंगे। कोई धर्मशाला, स्कूल बनाते हैं तो उनको आधाकल्प का सुख मिलता है। अब बाप कहते हैं यह भक्ति के जो शास्त्र हैं उनका सार समझाता हूँ। *भक्ति का फल होता है आधाकल्प का।*

उत्तर 6- *B.भोलानाथ*

तुम बच्चे उन्हें चावल मुट्ठी दे महल ले लेते हो, इसलिए ही बाप को भोलानाथ कहा जाता है। भक्ति में कहते हैं जो जैसा कर्म करता है वैसा फल पाता है। परन्तु भक्ति में तो अल्पकाल का मिलता। ज्ञान में समझ से करते इसलिये सदाकाल का मिलता है।

उत्तर 7- *C.कितना समय अति प्यारा बाबा,जो हमको विश्व का मालिक बनाते हैं,उनको याद किया*

व्यापारी लोग रोज अपना पोता-मेल फायदे-घाटे का निकालते हैं। *तुम भी पोतामेल रखो कि कितना समय अति प्यारा बाबा, जो हमको विश्व का मालिक बनाते हैं, उनको याद किया?* देखेंगे, कम याद किया तो आपेही लज्जा आयेगी कि यह क्या ऐसे बाबा को हमने याद नहीं किया।

उत्तर 8- *A.बाबा जो कहे वह फौरन कर दिखायें तो*

बाप के साथ लेंव कितना अच्छा चाहिए। *बाबा जो कहे वह फौरन कर दिखायें तो बाबा भी समझे कि बाबा के साथ लेंव है।* उनको कशिश होगी। बाप में कशिश ऐसी है जो एकदम चटक जायें। परन्तु जब तक कट (जंक) निकली नहीं है तो कशिश भी नहीं होगी। एक-एक को देखता हूँ।

उत्तर 9- *C.बहुत कमजोर हैं*

बाबा ने देखा, बच्चे याद में नहीं रहते हैं, बहुत कमजोर हैं इसलिए सर्विस भी नहीं बढ़ती है। घड़ी-घड़ी लिखते हैं - बाबा, याद भूल जाती है, बुद्धि लगती नहीं है। बाबा कहते हैं योग अक्षर छोड़ दो। विश्व की बादशाही देने वाले बाप को तुम भूल जाते हो!

उत्तर 10- *A.जीते जी मरना कैसे होता है*

मीठे-मीठे रूहानी बच्चे हैं तो जिस्म के साथ। बाप भी अभी जिस्म के साथ हैं। इस घोड़े वा गाड़ी पर सवार हैं और *बच्चों को क्या सिखलाते हैं? जीते जी मरना कैसे होता है* और कोई यह सिखला न सके सिवाए बाप के।

उत्तर 11- *C.ड्रामा के आदि-मध्य-अन्त का राज*

बच्चे समझते हैं कि यह पढ़ाई वन्दरफुल है। ड्रामा के आदि-मध्य-अन्त का राज बाप के सिवाए कोई बता न सके, इसलिए उनको बेहद का बाप कहा जाता है। यह निश्चय तो बच्चों को जरूर बैठता है, इसमें संशय की बात उठ न सके। इतनी बेहद की पढ़ाई, बेहद के बाप के सिवाए तो कोई पढ़ा न सके।

उत्तर 12- *C.आत्मा को यह ज्ञान मिलता है,यह हमारा बाबा है*

पहले तो यह निश्चय बुद्धि चाहिए। निश्चय भी आत्मा को बुद्धि में होता है। *आत्मा को यह ज्ञान मिलता है, हमारा यह बाबा है। यह बहुत पक्का निश्चय बच्चों को होना चाहिए।* मुख से कहना कुछ भी नहीं है। हम आत्मा एक शरीर छोड़ दूसरा लेती हैं। आत्मा में ही सब संस्कार हैं।

उत्तर 13- D.उपरोक्त सभी

हम ऐसे स्थान पर आकर बैठे हैं, जहाँ तुम्हारा यादगार भी खड़ा है। जहाँ 5 हजार वर्ष पहले भी सर्विस की थी। *देलवाड़ा मन्दिर, अचलघर, गुरू शिखर हैं।*, जिसका यादगार बनाया हुआ है। यह है वन्दरफुल तुम्हारा जड़ यादगार। वहाँ ही तुम चैतन्य में आकर बैठे हो। यह सब है रूहानी कारोबार, *जो कल्प पहले चली थी। उनका पूरा यादगार यहाँ है। नम्बरवन यादगार है।*

उत्तर 14- *A.अहम् आत्मा मम शरीर*

इस समय तुमको सभी मंत्रों का अर्थ समझाया है। ओम् का अर्थ समझाया है। ओम् का अर्थ कोई लम्बा नहीं है। *ओम् का अर्थ है अहम् आत्मा, मम शरीर।* अज्ञान काल में भी तुम देह-अभिमान में रहते हो तो अपने को शरीर समझते हो।

उत्तर 15- *C. 8*

कोई-कोई बच्चे पीछे आये हैं, श्रीमत पर चलते रहते हैं। ऐसे ही श्रीमत पर चलते रहें तो पास विद् ऑनर्स बन 8 की माला में आ सकते हैं। *8 की माला जो बनी हुई है वह है पास विद् ऑनर्स की। 8 दाने ही नम्बरवन में जाते हैं,* जिनको ज़रा भी सज़ा नहीं मिलती है। कर्मातीत अवस्था को पा लेते हैं। फिर हैं 108, नम्बरवार तो कहेंगे ना।

उत्तर 16- *A.देह-अभिमान छोड़ अपने को आत्मा समझना*

देह-अभिमान छोड़ अपने को आत्मा समझना - यह है ऊंची पढ़ाई। उस पढ़ाई में भी जो सबजेक्ट डिफ़ीकल्ट होती है, उसमें फेल होते हैं। यह सबजेक्ट तो बहुत सहज है, परन्तु कइयों को डिफ़ीकल्ट फील होती है।

उत्तर 17- *D.बाप तो सिर्फ दो अक्षर ही कहते हैं मामेकम् याद करो*

भक्ति मार्ग में मांग-मांग कर माथा पटक सारी सीढ़ी नीचे उतरते आये हो। अभी मांगने की कोई दरकार नहीं। एक तो कहते हैं बीती को कभी चितवो नहीं। ड्रामा में जो कुछ हुआ पास्ट हो गया। उनका विचार नहीं करो। रिपीट न करो। *बाप तो सिर्फ दो अक्षर ही कहते हैं मामेकम् याद करो।*

उत्तर 18- *B.सदा बाप को कम्पेनियन बनाना और बाप की कम्पनी में रहना*

पवित्रता का अर्थ है - सदा बाप को कम्पेनियन बनाना और बाप की कम्पनी में ही रहना। संगठन की कम्पनी, परिवार के स्नेह की मर्यादा अलग चीज़ है, लेकिन बाप के कारण ही यह संगठन के स्नेह की कम्पनी है, बाप नहीं होता तो परिवार कहाँ से आता। बाप बीज है, बीज को कभी नहीं भूलना।

उत्तर 19- *C.हिंसा*

यह तो समझते हो - यह जंगल है, सब एक-दो को दुःख देते रहते हैं। तुम जानते हो अहिंसा परमो देवी-देवता धर्म गाया हुआ है। वहाँ कोई मारपीट होती नहीं। *गुस्सा करना भी हिंसा है* फिर सेमी हिंसा कहो, कुछ भी कहो। यहाँ तो बिल्कुल अहिंसक बनना है।

उत्तर 20- *A.मामेकम् याद करो*

बाप डायरेक्शन अथवा श्रीमत देते हैं। उस पर चलना बच्चों का काम है। *बाप का सबसे श्रेष्ठ डायरेक्शन है मामेकम् याद करो।* कोई कितने भी प्रश्न-उत्तर आदि करेंगे, बाबा तो दो अक्षर ही समझायेंगे। मैं हूँ पतित-पावन। तुम मुझे याद करते रहो तो तुम्हारे पाप भस्म हो जायेंगे।

उत्तर 21- *A.एक बाप हो, दूसरा न कोई*

कर्मयोगी बनना है, कर्म संन्यासी नहीं। संगठन में रहो, सबके स्नेही बनो *लेकिन बुद्धि का सहारा एक बाप हो, दूसरा न कोई।* बुद्धि को कोई आत्मा का साथ, गुण वा कोई विशेषता आकर्षित न करे तब कहेंगे कर्मयोगी पवित्र अत्मा।

उत्तर 22- *B.दो बारी फीमेल बन सकती है, जास्ती नहीं*

जो गायन है द्रोपदी का, वह सब प्रैक्टिकल में हो रहा है। द्रोपदी ने क्यों पुकारा? यह मनुष्य नहीं जानते। बाप ने समझाया है - तुम सब द्रोपदियां हो। ऐसे नहीं, फीमेल सदैव फीमेल ही बनती है। *दो बारी फीमेल बन सकती है, जास्ती नहीं।*

उत्तर 23- *A. 10-15 वर्ष रहकर भी चले जाते हैं उनको*

सच्चे योगी ही अन्त तक रहेंगे, जिन्हें को बाप देख खुश होंगे। फूलों का ही बगीचा बनता है। *बहुत तो 10-15 वर्ष रहकर भी चले जाते हैं। उनको कहेंगे अक के फूल।* बड़ी अच्छी-अच्छी बच्चियां जो मम्मा-बाबा के लिए भी डायरेक्शन ले आती थी, ड्रिल कराती थी, वे आज हैं नहीं।

उत्तर 24- *B.पूरा बेगर बनो, जो कुछ भी है उसे भूल जाओ*

ईश्वरीय नियम है - पूरा बेगर बनो, जो कुछ भी है उसे भूल जाओ। तो गरीब बच्चे सहज ही भूल जाते हैं परन्तु साहूकार जो अपने को स्वर्ग में समझते हैं उनकी बुद्धि में कुछ भूलता नहीं इसलिए जिनको धन, दौलत, मित्र, सम्बन्धी याद रहते वह सच्चे योगी बन ही नहीं सकते हैं। उन्हें स्वर्ग में ऊंच पद नहीं मिल सकता।

उत्तर 25- *C.ब्रह्माबाबा*

किसको तंग नहीं करना, दुःख नहीं देना। यह कभी (ब्रह्मा बाबू) किसको उल्टा-सुल्टा शब्द नहीं कहते। जानते हैं जैसा कर्म मैं करूँगा, मुझे देख और भी करेंगे।

उत्तर 26- A.पुरूषोत्तम संगमयुग पर

सत का संग मिलता ही है पुरूषोत्तम संगमयुग पर। वह गुरू लोग तो संगमयुगी हैं नहीं। बाबा जब आते हैं तो बेटा-बेटा कह बुलाते हैं। उन गुरू लोगों को तुम बाबा थोड़े ही कहेंगे। एकदम बुद्धि को गॉडरेज का ताला लगा हुआ है। बाबा आकर ताला खोलते हैं।

उत्तर 27- *B.भ्रुकुटी सिंहासन*

आत्मा को भी तुम जान गये हो। *आत्मा के लिए कहते हैं भ्रुकुटी के बीच चमकता है अजब सितारा....। वह अकाल-तख्त भी है।* आत्मा को कभी काल नहीं खाता। वह सिर्फ मैली और साफ होती है, आत्मा का तख्त शोभता भी भ्रुकुटी के बीच है। तिलक की निशानी भी यहाँ देते हैं।

उत्तर 28- *C.जीवनमुक्ति*

नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार बाप भी तुम्हारा स्वागत करते हैं। तुम बच्चे जो स्वागत करते हो, उनसे जास्ती बाप तुम्हारा स्वागत करते हैं। *बाप का धन्धा ही है - तुम्हारा स्वागत करना। स्वागत माना सद्गति (जीवन-मुक्ति)।* यह सबसे ऊँचा स्वागत है। तुम सबका स्वागत करने बाप आते हैं।

उत्तर 29- *A.ब्राह्मणों में*

रचता और रचना को तुम ब्राह्मणों ने बाप द्वारा जाना है। ऋषि-मुनि सब नेती-नेती कहते थे, हम नहीं जानते।

उत्तर 30- *A.व्यर्थ संकल्प*

सेवा में सफलता का आधार आपकी निःस्वार्थ और निर्विकल्प स्थिति है। इस स्थिति में रहने वाले सेवा करते स्वयं भी सन्तुष्ट और हर्षित रहते और उनसे दूसरे भी सन्तुष्ट रहते।*निःस्वार्थ और निर्विकल्प भाव से निर्णय लो तो किसी को भी व्यर्थ संकल्प नहीं आयेगा और सफलता मूर्त बन जायेगी।*

उत्तर 31- *A.अकर्म*

बाबा कर्म, अकर्म, विकर्म की गति भी समझाते हैं। ब्रह्मा का दिन और रात गार्ई हुई है। ब्रह्मा का दिन-रात सो ब्राह्मणों का। अब तुम्हारा दिन होने वाला है। *सतयुग में देवताओं से अकर्म होते हैं।* महाशिवरात्रि कहते हैं। अब भक्ति की रात पूरी हो ज्ञान का उदय होता है। अब है संगम।

उत्तर 32- *A.रचता और रचना को जानने वाले*

अब तुम आस्तिक बने हो। रचता और रचना को तुमने बाप द्वारा जाना है। ऋषि-मुनि सब नेती-नेती कहते थे, हम नहीं जानते।

भाग - (60)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- यह झाड़ू है, इनकी तीन ट्युब्स हैं। फिर उनसे वृद्धि होती जाती है।तीन ट्युब्स कौन सी हैं ?

- A- ब्राह्मण, देवता, क्षत्रिय
- B- ब्राह्मण, सुर्यवंशी, चंद्रवंशी
- C- इस्लाम, बौद्ध, क्रिश्चियन
- D- देवता, इस्लाम, बौद्ध

प्रश्न 2- आत्मा को सतोप्रधान बनाने के लिए क्या करें ?

- A- अपने को आत्मा समझ बाबा को याद करने से तुम तमोप्रधान से सतोप्रधान बन जायेंगे।
- B- अपने को आत्मा समझ बाप को याद करो, बैटरी को चार्ज करो तो तुम सतोप्रधान बनेंगे।
- C- बाप बहुत सहज रास्ता बताते हैं - मुझे याद करो तो विकर्म विनाश होंगे। तुम चढ़ते-चढ़ते सतोप्रधान बन जायेगे।
- D- अशरीरी बनने का अभ्यास करो,तो सतोप्रधान बनेंगे।

प्रश्न 3- सेवा का प्रत्यक्षफल है -

- A- पुण्य
- B- खुशी और शक्ति
- C- आशीर्वाद
- D- दुआएं और सन्तुष्टता

प्रश्न 4- बहुत खास बात कौन सी है ?

- A- बाप को याद करने की।
- B- थोड़ा भी याद करने से स्वर्ग में आ जायेंगे।
- C- बाप की याद में है करामत।
- D- आत्मिक स्थिति में रहने की।

प्रश्न 5- तुम ब्राह्मणों से ऊंच कोई है नहीं। ब्राह्मण ऊंच क्यों है ?

- A- ज्ञान के कारण
- B- तुम सवेरे अमीर बनते हो, इसलिए
- C- हाइएस्ट बाप हमें एडाए करते हैं।
- D- हीरे जैसा जन्म है इसलिए

प्रश्न 6- अन्तर्मुखी वह है जो -

- A- मुख से कुछ न बोलता हो।
- B- व्यर्थ संकल्पों से मन का मौन रखता है।
- C- रूहानी माशूक के मिलन में मग्न हो।
- D- परमात्म लव में लीन है।

प्रश्न 7- संगमयुग में तुम्हारा सम्बन्ध-

- A- बहन-भाई का सम्बन्ध
- B- भाई-भाई का सम्बन्ध
- C- एक बाप, दुसरा न कोई
- D- हम भी आत्मा, तुम भी आत्मा

प्रश्न 8- सब कर्मबन्धनों से मुक्त होने का एक ही उपाय है -

- A- याद न करने वाले देह-अभिमान में होंगे।
- B- याद की यात्रा
- C- कर्मातीत अवस्था
- D- सर्व सम्बन्ध एक बाप से

प्रश्न 9- एकान्तवासी बनने के साथ-साथ क्या बनो ?

- A- सच्चे आशिक बनो
- B- एकनामी और एकानामी वाले बनो।
- C- पूरा निश्चयबुद्धि होकर रहना है।
- D- एकाग्रचित्त बनो।

प्रश्न 10- ज्ञान है -

- A- अमृत
- B- पढ़ाई
- C- राजयोग
- D- अंजन

प्रश्न 11- मनुष्यों में उत्तम पुरुष कौन है ?

- A- ब्रम्हाबाबा
- B- लक्ष्मी-नारायण
- C- श्रीकृष्ण
- D- ब्राह्मण

प्रश्न 12- कब सफलता स्वरूप बन जायेंगे ?

- A- वफादार रहो तो
- B- सदा हल्के बन बाप के नयनों में समाने पर
- C- निगेटिव सोचने का रास्ता बंद कर दो तो
- D- याद और सेवा साथ-साथ हो तो

प्रश्न 13- अब बाप कहते हैं दे दान तो छूटे ग्रहण। कौन सा दान -

- A- व्यर्थ संकल्प और पुराने संस्कारों का
- B- देह सहित देह के सभी धर्मों को छोड़ो
- C- 5 विकारों का
- D- तन-मन-धन का

प्रश्न 14- हम पहले सतयुग में जाते हैं फिर कब से नीचे उतरते हैं ?

- A- द्वापर युग से

- B- त्रेतायुग से
- C- सतयुग से जूँ मिसल
- D- सतयुग अन्त से

प्रश्न 15- सतयुग अन्त में हमारी कितनी कला कम होती हैं ?

- A- सतयुग में कोई कला कम नहीं होती
- B- 2
- C- 4
- D- 8

प्रश्न 16- ईश्वरीय मत किस को मिलती है ?

- A- सालिग्रामों को
- B- अभी हम बच्चों को
- C- प्रवृत्ति मार्ग वाले संन्यासी को
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 17- पहला जन्म सुख का किस का होता है ?

- A- देवी-देवता का
- B- पहला जन्म द्वापर युग में लेने वालों का
- C- इस्लाम बौद्ध धर्म में पहला जन्म लेने वालों का
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 18- बेहद में टिकने के लिए क्या ध्यान पर रहे ?

- A- ड्रामा में हर आत्मा का अपना-अपना पार्ट है।
- B- अब विनाश होना है, हमें वापिस घर जाना है, पावन बन करके ही हम घर जायेंगे।
- C- स्वदर्शन चक्र पर।
- D- यह सच्चा-सच्चा सत का संग है ऊपर चढ़ने का।

प्रश्न 19- रुद्र माला के बारे में कौन सा कथन सत्य है ?

- A- गाई जाती है,
- B- पूजी जाती है,
- C- सिमरण की जाती है,
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 22- बुद्धियोग निकाल सतोप्रधान बनने के लिए बाप को याद करने की मेहनत करते रहो। मेहनत किससे करनी है ?

- A- चारों तरफ से
- B- देह के सब सम्बन्धों से
- C- जन्म-जन्मान्तर जो कुछ किया है, जो सामने आता रहता है, उससे।
- D- पुरानी दुनिया से

प्रश्न 21- दुआयें लो, दुआयें दो तो -

- A- सदा एकरस, एक श्रेष्ठ स्थिति बनेगी।
- B- बहुत जल्दी मायाजीत बन जायेंगे।
- C- धर्मराज की सजाओं से छूटेंगे।
- D- भाग्य का दरवाजा खुल जायेगा।

प्रश्न 22- भाई-भाई समझो, यह बहुत प्रैक्टिस करनी है। भाई का निवास कहाँ है ?

- A- अकाल तख्त पर
- B- परमधाम
- C- शरीर पर
- D- भाई का घर

प्रश्न 23- निराकार पर दूध आदि चढ़ायेंगे, वास्तव में वह क्या है ?

- A- लिंग के ऊपर जाकर लोटी चढ़ाते हैं।
- B- दूध आदि जो चढ़ाते हो वह तुम ही पीते हो, भोग आदि भी तुम ही खाते हो। यहाँ तो मैं सम्मुख हूँ ना। आगे इनडायरेक्ट करते थे,

अभी तो डायरेक्ट है।

C- शुद्ध संकल्प की निशानी है।

D- आत्मा की पवित्रता का प्रतीक है।

प्रश्न 24- सुबह को उठकर तुम बुद्धि में क्या रखो ?

A- अब हमने 84 का चक्र पूरा किया है, अब वापिस जाना है।

B- हम लक्की सितारे हैं।

C- हम आत्मा हैं।

D- मैं अवतरित आत्मा हूँ।

प्रश्न 25- गाया जाता है सूर्य, चांद और लकी सितारे। हम सितारे हैं तो चांद कौन है ?

A- शिवबाबा

B- मम्मा

C- ब्रम्हाबाबा

D- चन्द्रवंशी

प्रश्न 26- जब तक कर्म, अकर्म नहीं बनते हैं। तब तक खुशी स्थाई नहीं रह सकती है। अकर्म अर्थात्-

A- पुण्य कर्म करना।

B- आत्मा समझ कर्म करना।

C- वह कर्म जिसमें पाप और पुण्य का फल न हो।

D- बाप की याद में किया गया कर्म।

प्रश्न 27- सेवा की गति कब फास्ट हो जायेगी ?

A- परमात्म स्नेही बनो तो

B- साइलेन्स की शक्ति इमर्ज करो तो

C- विशेषता वा गुण पर ध्यान दो तो

D- याद और सेवा का बैलेंस हो तो

प्रश्न 28- शुरू से भक्ति किसने की है ?

A- पहले-पहले हम आये तो

B- द्वापर शुरू से आने वालों ने

C- संन्यासी धर्म वालों ने

D- धर्म स्थापको ने

प्रश्न 29- बच्चों को पुरुषार्थ इतना करना है ?

A- ऊंच पद मिल जाय

B- जो अन्त में बाप की ही याद हो

C- जो अन्त में बाप की ही याद हो और स्वदर्शन चक्र भी याद हो, तब प्राण तन से निकलें।

D- एक सेकण्ड में फुल स्टॉप लग जाये।

प्रश्न 30- किस के सब दु ख दूर हो जाते हैं। सज़ाओं से छूट जाते हैं ?

A- योगी आत्मा के

B- कर्मातीत अवस्था वाले के

C- देही-अभिमान की अवस्था वाले के

D- सर्व सम्बन्ध एक बाप से रखने वाले के

प्रश्न 31- कड़े ते कड़ी बीमारी है -

A- किसी के नाम रूप में फँसना,

B- देह-अभिमान

C- काम विकार

D- मोह

प्रश्न 32- सारी दुनिया की मांग क्या है ?

A- शान्ति और सुख मिले।

B- शान्ति और खुशी मिले।

C- हेल्ड ,वेलथ और खुशी मिले।
D- शान्ति स्थापन हो जाये।

भाग (60) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *C.इस्लाम, बौद्ध, क्रिश्चियन*

यह झाड़ है, इनकी तीन ट्युब्स हैं फिर उनसे वृद्धि होती जाती है। *इस्लाम, बौद्ध, क्रिश्चियन।* और कोई यह नॉलेज दे न सके। अब बाप कहते हैं तुम अपने धर्म में आ जाओ।

उत्तर 2- *B.अपने को आत्मा समझ बाप को याद करो, बैटरी को चार्ज करो तो तुम सतोप्रधान बनेंगे*

बाप का डायरेक्शन मिलता है *अपने को आत्मा समझ बाप को याद करो, बैटरी को चार्ज करो* तो तुम सतोप्रधान विश्व के मालिक बन जायेंगे। टीचर तो सबको पढ़ाते हैं। स्टूडेंट में नम्बरवार पास होते हैं। नम्बरवार फिर कमाई करते हैं।

उत्तर 3- *B.खुशी और शक्ति*

सेवा का प्रत्यक्षफल - खुशी और शक्ति मिलती है। सेवा करते आत्माओं को बाप के वर्से का अधिकारी बना देना - यह पुण्य का काम है। जो पुण्य करता है उसको आशीर्वाद जरूर मिलती है। सभी आत्माओं के दिल में जो खुशी के संकल्प पैदा होते, वह शुभ संकल्प आशीर्वाद बन जाते हैं और भविष्य भी जमा हो जाता है इसलिए सदा अपने को सेवाधारी समझ सेवा का अविनाशी फल खुशी और शक्ति सदा लेते रहो।

उत्तर 4- *A.बाप को याद करने की*

बहुत खास बात है बाप को याद करने की। समझते हैं बाप को भूल जाते हैं, शिक्षा को भी भूल जाते हैं और याद की यात्रा को भी भूल जाते हैं। बाप को भूलने से ज्ञान भी भूल जाता है। मैं स्टूडेंट हूँ, यह भी भूल जाता है। याद तो तीनों पड़नी चाहिए। बाप को याद करे तो टीचर, सद्गुरु जरूर याद पड़ेंगे।

उत्तर 5- *C.हाइएस्ट बाप हमें एडाप्ट करते हैं*

हाइएस्ट बाप बच्चों को एडाप्ट करते हैं। जीते जी गोद में जाना वर्सा पाने के लिये, सो अभी ही होता है। तुम ऐसे बाप की गोद में आये हो जिससे तुमको वर्सा मिलता है। *तुम ब्राह्मणों से ऊंच कोई है नहीं।* सबका योग एक के साथ है। तुम्हारा आपस में भी कोई सम्बन्ध नहीं।

उत्तर 6- *B.व्यर्थ संकल्पों से मन का मौन रखता है*

स्लोगन:- *अन्तर्मुखी वह है जो व्यर्थ संकल्पों से मन का मौन रखता है।*

उत्तर 7- *C.एक बाप दूसरा ना कोई*

तुम्हारा आपस में भी कोई सम्बन्ध नहीं। बहन-भाई का सम्बन्ध भी गिरा देता है। सम्बन्ध एक से होना चाहिये। इस समय तुम्हारा सम्बन्ध सबसे छोटा है। *सिर्फ एक बाप से सर्व सम्बन्ध हैं। दूसरा कोई से भी तुम्हारा बुद्धि योग नहीं है, सिवाए एक के।*

उत्तर 8- *B.याद की यात्रा*

बाप जो सर्वशक्तिमान बैटरी है उनसे पूरा योग लगाना है। उनकी बैटरी कभी ढीली नहीं होती। वह सतो, रजो, तमो में नहीं आते क्योंकि उनकी सदा कर्मातीत अवस्था है। तुम बच्चे कर्मबन्धन में आते हो। कितने कड़े बन्धन हैं। *इन कर्मबन्धनों से मुक्त होने का एक ही उपाय है - याद की यात्रा।*

उत्तर 9- *B.एकनामी और एकानामी वाले बनो*

स्लोगन:- *एकान्तवासी बनने के साथ-साथ एकनामी और एकानामी वाले बनो।*

उत्तर 10- *B.पढ़ाई*

अब तुम बच्चों को यह ज्ञान अमृत 5 हजार वर्ष के बाद मिलता है। *वास्तव में इसका अमृत नाम है नहीं। यह तो पढ़ाई है।* यह सब हैं भक्ति मार्ग के नाम। अमृत नाम सुनकर चित्रों में पानी दिखाया है। बाप कहते हैं मैं तुमको राजयोग सिखलाता हूँ। पढ़ाई से ही ऊंच पद मिलता है। सो भी मैं पढ़ाता हूँ।

उत्तर 11- *B.लक्ष्मी-नारायण*

तुम मीठे-मीठे बच्चों को मालूम है, उत्तम पुरुष बनाने के लिए अर्थात् मनुष्य को उत्तम देवता बनाने के लिए बाप आकर पढ़ाते हैं। *मनुष्यों में उत्तम पुरुष ये देवतायें (लक्ष्मी-नारायण) हैं।* मनुष्यों को देवता बनाया इस संगमयुग पर। देवतायें जरूर सतयुग में ही होते हैं। बाकी सब हैं कलियुग में।

उत्तर 12- *C.नेगेटिव सोचने का रास्ता बंद कर दो तो*

स्लोगन:- *निगेटिव सोचने का रास्ता बंद कर दो तो सफलता स्वरूप बन जायेंगे।*

उत्तर 13- C. *5 विकारों का*

चन्द्रमा को ग्रहण लगता है। कलायें कम होने लगती हैं फिर धीरे-धीरे कलायें बढ़ती हैं तो 16 कला होता है। वह है अल्पकाल की बात। यह तो है बेहद की बात। इस समय सभी पर राहु का ग्रहण है। बाप ने समझाया है कि 5 विकार पुरुष में, 5 विकार स्त्री में हैं। *ग्रहण से मुक्त होने के लिए 5 विकारों का दान देना है।*

उत्तर 14- *C.सतयुग से जूँ मिसल*

मनुष्यों को भक्ति का नशा कितना है। भक्ति का राज्य है ना। अभी होता है ज्ञान का राज्य। फ़र्क हो जाता है। बच्चे जानते हैं बरोबर ज्ञान से बहुत सुख होता है। फिर भक्ति से सीढ़ी नीचे उतरते हैं। *हम पहले सतयुग में जाते हैं फिर जूँ मिसल नीचे उतरते हैं।*

उत्तर 15- *B. 2*

हम पहले सतयुग में जाते हैं फिर जूँ मिसल नीचे उतरते हैं। *1250 वर्ष में दो कला कम होती हैं।* चन्द्रमा का मिसाल है। चन्द्रमा को ग्रहण लगता है। कलायें कम होने लगती हैं फिर धीरे-धीरे कलायें बढ़ती हैं तो 16 कला होता है।

उत्तर 16- *D.उपरोक्त सभी*

शिव भगवानुवाच अपने सालिग्रामों प्रति। तुम हो प्रवृत्ति मार्ग वाले संन्यासी। अभी तुम बच्चों को ईश्वरीय मत मिल रही है, जिसको राम मत कहा जाता है। दूसरे फिर हैं रावण मत पर। ईश्वरीय मत और आसुरी मत। ईश्वरीय मत आधाकल्प चलती है। बाप ईश्वरीय मत देकर तुमको देवता बना देते हैं फिर सतयुग-त्रेता में वही मत चलती है।

उत्तर 17- *D.उपरोक्त सभी*

हर एक आत्मा का हक है बाप से बर्थ राइट लेने का। कल्प-कल्प लेते भी जरूर हैं। तुम वर्सा लेते हो जीवनमुक्ति का। *जिनको मुक्ति का वर्सा मिलता है वह भी जीवनमुक्ति में आते जरूर हैं। पहला जन्म तो सुख का ही होता है।*

उत्तर 18- *B.अब विनाश होना है,हमें वापिस घर जाना है,पावन बन करके ही हम घर जाएंगे*

वर्ल्ड की हिस्ट्री-जॉग्राफी रिपीट होनी है। यह बात बुद्धि में अच्छी तरह आ जाये तो बेहद में टिक सकते हो। *बेहद में टिकने के लिए ध्यान पर रहे कि अब विनाश होना है, हमें वापिस घर जाना है, पावन बन करके ही हम घर जायेंगे।*

उत्तर 19- *D.उपरोक्त सभी*

यह भारत के लिए ही योग है। बाप आते भी भारत में हैं। भारतवासियों को ही याद की यात्रा सिखलाकर पावन बनाते हैं और नॉलेज भी देते हैं कि यह सृष्टि का चक्र कैसे फिरता है, यह भी बच्चे जानते हैं। *रुद्र माला भी है जो गाई और पूजी जाती है, सिमरण की जाती है।*

उत्तर 20- *C.जन्म-जन्मान्तर जो कुछ किया है,जो सामने आता रहता है,उससे*

जन्म-जन्मान्तर जो कुछ किया है, जो सामने आता रहता है, उन सबसे बुद्धियोग निकाल सतोप्रधान बनने के लिए बाप को याद करने की मेहनत करते रहो। चारों तरफ से बुद्धि हटाए अन्तर्मुखी बन बाप को याद करो।

उत्तर 21- *B.बहुत जल्दी मायाजीत बन जायेंगे*

स्लोगन:- *दुआयें लो, दुआयें दो तो बहुत जल्दी मायाजीत बन जायेंगे।*

उत्तर 22- *A.अकाल तख्त पर*

भाई-भाई समझो, यह बहुत प्रैक्टिस करनी है। भाई का निवास कहाँ है? इस तख्त पर अकाल आत्मा रहती है। यह तख्त सभी आत्माओं के सड़ गये हैं। सबसे जास्ती तुम्हारा तख्त सड़ गया है। आत्मा इस तख्त पर विराजमान होती है।

उत्तर 23- *B.दूध आदि जो चढ़ाते हो वह तुम ही पीते हो, भोग आदि भी तुम ही खाते हो। यहाँ तो मैं सम्मुख हूँ ना। आगे इनडायरेक्ट करते थे, अभी तो डायरेक्ट है*

अब बाप तो है निराकार। निराकार के ऊपर लोटी चढ़ायेंगे, वह क्या करेंगे! साकार हो तो स्वीकार भी करे। *निराकार पर दूध आदि चढ़ायेंगे, वह क्या करेंगे! बाप कहते हैं दूध आदि जो चढ़ाते हो वह तुम ही पीते हो, भोग आदि भी तुम ही खाते हो। यहाँ तो मैं सम्मुख हूँ ना। आगे इनडायरेक्ट करते थे, अभी तो डायरेक्ट है*, नीचे आकर पार्ट बजा रहे हैं।

उत्तर 24- *A.अब हमने 84 का चक्र पूरा किया है, अब वापिस जाना है*

रचयिता और रचना के आदि-मध्य-अन्त को कोई भी नहीं जानते हैं। तुम जानते हो सो भी नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार। *सुबह को उठकर तुम बुद्धि में यही रखो - अब हमने 84 का चक्र पूरा किया है, अब वापिस जाना है* इसलिए अब बाप को याद करना है तो तुम चक्रवर्ती बनेंगे।

उत्तर 25- *C.ब्रह्मा बाबा*

तुम सब सितारे हो। सब सितारों का बाप भी चाहिए ना। *गाया जाता है सूर्य, चांद और लकी सितारे। तुम बच्चे हो मोस्ट लकी सितारे और चांद है ये ब्रह्मा*

उत्तर 26- *C.वह कर्म जिसमें पाप और पुण्य का फल न हो*

याद के समय बुद्धि भटकती है, स्थिर बुद्धि न होने कारण खुशी नहीं रह सकती। माया के तूफान दीपकों को हैरान कर देते हैं। *जब तक कर्म, अकर्म नहीं बनते हैं तब तक खुशी स्थाई नहीं रह सकती है। अकर्म अर्थात वह कर्म जिसमें पाप और पुण्य का फल न हो*

उत्तर 27- *B.साइलेंस की शक्ति इमर्ज करो तो*

स्लोगन:- *साइलेन्स की शक्ति इमर्ज करो तो सेवा की गति फास्ट हो जायेगी।*

उत्तर 28- *A.पहले पहले हम आये तो*

भक्ति और ज्ञान में रात-दिन का फर्क है। *शुरू से भक्ति किसने की है? तुम कहेंगे पहले-पहले हम आये तो बहुत सुख देखा* फिर हम भक्ति करने लगे। पूज्य और पुजारी में कितना रात-दिन का फर्क है।

उत्तर 29- *C.जो अन्त में बाप की ही याद हो और स्वदर्शन चक्र भी याद हो, तब प्राण तन से निकलें।*

बच्चों को पुरुषार्थ इतना करना है जो अन्त में बाप की ही याद हो और स्वदर्शन चक्र भी याद हो, तब प्राण तन से निकलें। तब ही चक्रवर्ती राजा बन सकेंगे। ऐसे नहीं, पिछाड़ी में याद कर सकेंगे, उस समय ऐसी अवस्था हो जायेगी।

उत्तर 30- *B.कर्मातीत अवस्था वाले के*

जांच करो - हमसे कोई विकर्म तो नहीं होता है? बेकायदे चलन तो नहीं होती है? बहुतों से होती है। वह अन्त में बहुत सज़ा के भागी बनेंगे। भल अभी कर्मातीत अवस्था नहीं हुई है। *कर्मातीत अवस्था वाले के सब दुःख दूर हो जाते हैं। सज़ाओं से छूट जाते हैं*

उत्तर 31- *A.किसी के नाम रूप में फंसना*

"मीठे बच्चे - *कड़े ते कड़ी बीमारी है किसी के नाम रूप में फँसना* अन्तर्मुखी बन इस बीमारी की जांच करो और इससे मुक्त बनो"

उत्तर 32- *A.शान्ति और सुख मिले*

सारी दुनिया की मांग है शान्ति और सुख मिले। सभी बच्चों की पुकार सुनकर बाप आते हैं। बाबा बेहद का है इसलिए उसे बहुत फुरना है कि मेरे बच्चे कैसे दुःखी से सुखी बनें।

भाग - (61)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- भगवानुवाच, बच्चों को ही बाप कहते हैं-

- A- एक बाप से ही लव रखना है।
- B- हियर नो ईविल.. जिन बातों से तुम्हें कोई फायदा नहीं, उनसे तुम अपने कान बन्द कर लो।
- C- कितना वन्दरफुल हार-जीत का यह बेहद का खेल है जो बाप ही समझाते हैं।
- D- बाप कहते हैं रोना नहीं है।

प्रश्न 2- वरदाता के बच्चे कौन है ?

- A- जो वरदानों की पालना से ही पलते हैं
- B- सब ब्रदर्स
- C- जो सुल्ता बनते हैं वही
- D- A और B
- E- A और C

प्रश्न 3- बाप है ही स्वर्ग का रचयिता तो जरूर स्वर्ग का वर्सा ही देंगे और देंगे भी -

- A- सतयुग में
- B- जब आते हैं तब
- C- नर्क में
- D- जब लायक बने

प्रश्न 4- किस बात को समझने वाले बेहद के वैरागी बन सकते हैं ?

- A- इस रूद्र ज्ञान यज्ञ में सारी पुरानी दुनिया स्वाहा होनी है।
- B- पुरानी दुनिया अब होपलेस है।
- C- कब्रिस्तान बनना है।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 5- परमात्मा खुद आते हैं, जीते जी, देह सहित देह के सभी कर्मेन्द्रियों का मन से संन्यास कराते हैं अर्थात् -

- A- पाँच विकारों का सम्पूर्ण संन्यास करना जरूर है
- B- मायावी धन, पदार्थ से
- C- तन-मन-धन से
- D- देह के धर्म, पदार्थ, सम्बन्ध सभी से संन्यास

प्रश्न 6- प्रजापिता ब्रह्मा नहीं है ?

- A- बेहद के सिज़रे का हेड
- B- बेहद का क्रियेटर
- C- ग्रेट ग्रेट ग्रैन्ड फादर
- D- भाग्यशाली रथ

प्रश्न 7- कौन सी स्मृति रहे तो कभी भी टाइम वेस्ट न करेंगे ?

- A- अपने को सुधारने के लिए अटेन्शन दो, दैवीगुण धारण करो।
- B- यह संगम का समय है, बहुत ऊंची लॉटरी मिली है। बाप हमें हीरे जैसा देवता बना रहे हैं।
- C- डायरेक्ट बाप से योग हो तो समय सफल हो जायेगा।
- D- जो करना है अभी करना है।

प्रश्न 8- कैसे मेहनत मुक्त बनो ?

- A- निगेटिव और वेस्ट को समाप्त कर
- B- सन्तुष्टमणि बन
- C- अपनी दृष्टि, वृत्ति, कृति द्वारा
- D- बाबा के स्नेह में समाकर

प्रश्न 9- दुनिया क्या मांगती है ?

- A- खुशी और धन
- B- पवित्रता, सुख, शान्ति
- C- विश्व में शान्ति हो, सब मिलकर एक हो जाएं
- D- एक धर्म, एक राज्य

प्रश्न 10- कहाँ पैसे दान करेंगे तो रिटर्न में नहीं मिल सकता है ?

- A- मन्दिर बनाया, जहाँ मनुष्य आकर माथा टेकेंगे।
- B- गरीब को दान में देते हैं तो उसका।
- C- धर्मशाला बनाते हैं तो बहुत मनुष्य जाकर वहाँ विश्राम पाते हैं।
- D- कोई हॉस्पिटल बनाता है तो।

प्रश्न 11- शिवबाबा का खजांची कौन है ?

- A- कोई भी नहीं
- B- ब्रह्माबाबा
- C- संदेशी बहनें
- D- सेंटर इंचार्ज बहनें

प्रश्न 12- गृहस्थ व्यवहार में रहते हुए कैसे बनो ?

- A- ट्रस्टी बनो जो किसी भी चीज़ में आसक्ति न रहे
- B- यह शरीर भी हमारा नहीं
- C- आप मुएं मर गई दुनिया
- D- अतीन्द्रिय सुखी

प्रश्न 13- कौनसी अवस्था बड़ी मीठी अलौकिक होती है ?

- A- बाबा बिगर कुछ भी नहीं, सारी दुनिया को भुलाना ही है।
- B- प्रेम के आंसू।
- C- बाप को याद करना ही पड़े। बहुत प्यार से महिमा करनी पड़े।
- D- सवेरे सवेरे उठ बड़े प्यार से बाप को याद करना है।

प्रश्न 14- याद की यात्रा से -

- A- आत्मा पवित्र बनती है, आयु बढ़ती है।
- B- कशिश होगी।
- C- दैवी गुण धारण होते हैं।
- D- सुधरते जायेंगे।

प्रश्न 15- बुद्धि को सोने का बर्तन कैसे बनाना है ?

- A- याद की यात्रा से
- B- ज्ञान से
- C- याद और सेवा से
- D- श्रीमत से

प्रश्न 16- किस की समझ अच्छी है ?

- A- हिन्दू की
- B- इस्लामी
- C- क्रिश्चियन
- D- बौद्धी

प्रश्न 17- बीज से पहला- पहला पत्ता निकला वह कौन था ?

- A- शिव
- B- ब्रह्मा
- C- लक्ष्मी-नारायण
- D- श्रीकृष्ण

प्रश्न 18- पहली-पहली रिलीजस बुक है -

- A- रामायण
- B- गीता
- C- मुरली
- D- शास्त्र

प्रश्न 19- सबसे पवित्र तीर्थ स्थान कौन सा है, जहाँ बाप आकर सर्व की सद्गति करते हैं ?

- A- मधुबन
- B- भारत
- C- आबू
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 20- ब्रह्मा तो खुद कहते हैं -

- A- मैं भी याद करता हूँ बाप को।
- B- शिवबाबा को याद करो।
- C- मुझे याद करो।
- D- बाप ज्ञान का सागर, नॉलेजफुल है।

प्रश्न 21- साकार दुनिया में शिव बाप का निवास स्थान कहाँ है ?

- A- भृकुटी के बीच में
- B- ब्रह्मा के तन में
- C- ब्रह्मा की भृकुटी के बीच में
- D- परमधाम में

प्रश्न 22- बाप आये हैं तुम्हें सर्व खजानों से मालामाल बनाने। खजाने किस को कहेंगे ?

- A- गुण

- B- शक्ति
- C- ज्ञान
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 23- सबसे बड़ी ज्ञान नदी है -

- A- सरस्वती
- B- जगत अम्बा
- C- ब्रह्मा
- D- शिवबाबा

प्रश्न 24- जो बहुत सर्विस करेंगे तो क्या बनेंगे ?

- A- राजकुमार
- B- बड़ा महाराजा
- C- साहूकार
- D- राज

प्रश्न 25- बड़ी कौन है ?

- A- सरस्वती
- B- कामधेनु
- C- अम्बा
- D- लक्ष्मी

प्रश्न 26- माननीय आत्मा कब बन जायेंगे ?

- A- प्रकृतिजीत, मायाजीत बनो तो
- B- एक दूसरे के विचारों को सम्मान दो तो
- C- कल्याणकारी बनो तो
- D- श्रीमत पर चलेंगे तो

प्रश्न 27- सर्व सिद्धियों को प्राप्त करने के लिए कौन सी शक्ति को बढ़ाओ ?

- A- आत्मानुभूति
- B- याद की
- C- एकाग्रता
- D- समाने की

प्रश्न 28- बाजोली है ?

- A- 84 जन्मों का चक्र
- B- हम सो
- C- विष्णु सो ब्रह्मा
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 29- भारत को सोने की चिड़िया कहते थे। अभी तो -

- A- पीतल की कहेंगे।
- B- प्लास्टिक की कहेंगे।
- C- लोहे की, ठिक्कर भित्तर की चिड़िया कहेंगे।
- D- लोहे की चिड़िया कहेंगे।

प्रश्न 30- अभी तुम्हारी बुद्धि में है रूहानी बाप और रूहानी बाप की बुद्धि में हो तुम रूहानी बच्चे क्योंकि -

- A- तुम्हारा कनेक्शन है ही सतयुग से
- B- तुम्हारा कनेक्शन है ही बापदादा से
- C- तुम्हारा कनेक्शन है ही मूलवतन से
- D- तुम्हारा कनेक्शन है ही ब्राह्मण परिवार से

प्रश्न 31- इसका आदि वा अन्त नहीं है। हाँ, झाड़ की जड़जड़ीभूत अवस्था होती है। अर्थात् तमोप्रधान बन जाता है तब -

- A- यह झाड़ चेंज होता है।
- B- भगवान आते हैं

C- विनाश होता है।
D- फिर से कलम लगती है।

प्रश्न 32- वर्तमान समय सम्पत्ति से भी ज्यादा किस की आवश्यकता है ?

A- रहमदिल
B- स्नेह
C- मर्सीफुल
D- शांति

भाग (61)के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1 - *B.हियर नो ईविल.... जिन बातों से तुम्हें कोई फायदा नहीं, उनसे तुम अपने कान बन्द कर लो।*

अब बाप तुमको युक्ति बताते हैं - रावण पर जीत कैसे पानी है? सब सीताओं को रावण की जंजीरों से छुड़ाना है। यह सब समझने की बातें हैं। *भगवानुवाच, बच्चों को ही बाप कहते हैं हियर नो ईविल.... जिन बातों से तुम्हें कोई फायदा नहीं, उनसे तुम अपने कान बन्द कर लो।*

उत्तर 2 - *E . A और C*

वरदाता के बच्चे वो है जिन्हें हर कदम में वरदाता से वरदान स्वतः ही मिलते हैं। वरदान ही उनकी पालना है। वरदानों की पालना से ही पलते हैं। रावण जिन्हें उल्टा बनाते हैं। फिर वरदाता बाप द्वारा सुल्टा बनने से तुम सीधे खड़े हो जाते हो।

उत्तर 3 - *C.नर्क में*

बाप से वर्सा क्या मिलता है? बच्चे जानते हैं *बाप है ही स्वर्ग का रचयिता तो जरूर स्वर्ग का वर्सा ही देंगे और देंगे भी जरूर नर्क में*। नर्क का वर्सा दिया है रावण ने। इस समय सब नर्कवासी हैं ना।

उत्तर 4 - *D.उपरोक्त सभी*

पुरानी दुनिया अब होपलेस है, कब्रिस्तान बनना है, यह बात समझ ली तो बेहद के वैरागी बन सकते हैं। तुम जानते हो अब नई दुनिया स्थापन हो रही है। *इस रूढ़ ज्ञान यज्ञ में सारी पुरानी दुनिया स्वाहा होनी है। यही एक बात तुम्हें बेहद का वैरागी बना देगी।*

उत्तर 5 - *A.पाँच विकारों का सम्पूर्ण संन्यास करना जरूरी है*

यह कोई हठयोग, कर्म-संन्यास नहीं है परन्तु बिल्कुल सहजयोग, राजयोग, कर्मयोग संन्यास जरूर है। *परमात्मा खुद आए जीते जी, देह सहित देह के सभी का मन से संन्यास कराता है अर्थात् पाँच विकारों का सम्पूर्ण संन्यास करना जरूर है।* परमात्मा आकर कहता है दे दान तो छूटे ग्रहण।

उत्तर 6 - *B.बेहद का क्रिएटर*

ब्रह्मा को क्रियेटर नहीं कहेंगे। *बेहद का क्रियेटर तो वह बाप ही है।* प्रजापिता ब्रह्मा भी बेहद का हो गया। प्रजापिता ब्रह्मा है तो बहुत प्रजा हो जायेगी। *सब कहते हैं ग्रेट-ग्रेट ग्रैंड फादर,* शिवबाबा को ग्रेट-ग्रेट ग्रैंड फादर नहीं कहेंगे। *बेहद के सिज़रे का हेड प्रजापिता ब्रह्मा हो गया।* बापदादा दोनों का इकट्ठा पार्ट बड़ा वन्दरफुल है। बाबा ने यह रथ बड़ा अनुभवी लिया है। *बाबा खुद समझाते हैं यह भाग्यशाली रथ है।*

उत्तर 7 - *B.यह संगम का समय है, बहुत ऊंची लॉटरी मिली है। बाप हमें हीरे जैसा देवता बना रहे हैं।*

यह संगम का समय है, बहुत ऊंची लॉटरी मिली है। बाप हमें हीरे जैसा देवता बना रहे हैं। यह स्मृति रहे तो कभी भी टाइम वेस्ट न करें। यह नॉलेज सोर्स ऑफ इनकम है इसलिए पढ़ाई कभी मिस न हो।

उत्तर 8- *A.निगेटिव और वेस्ट को समाप्त कर*

स्लोगन:- *निगेटिव और वेस्ट को समाप्त कर मेहनत मुक्त बनो।*

उत्तर 9- *C.विश्व में शान्ति हो, सब मिलकर एक हो जाएं*

भारत अमरलोक, स्वर्ग देवी-देवताओं का राज्य था। यह लक्ष्मी-नारायण विश्व के मालिक हैं ना। इनके राज्य में पवित्रता, सुख, शान्ति थी। *दुनिया भी यह मांगती है - विश्व में शान्ति हो, सब मिलकर एक हो जाएं।*

उत्तर 10 - *A.मन्दिर बनाया, जहाँ मनुष्य आकर माथा टेकेंगे*

मन्दिर बनाते हैं, उससे कुछ भी नहीं मिलता। गरीबों को थोड़ेही कुछ देते हैं। मन्दिर बनाया, जहाँ मनुष्य आकर माथा टेकेंगे। हाँ, गरीब को दान में देते हैं तो उसका रिटर्न में मिल सकता है। धर्मशाला बनाते हैं तो बहुत मनुष्य जाकर वहाँ विश्राम पाते हैं, कोई हॉस्पिटल बनाता है तो भी अल्पकाल के लिए सुख मिलता है एक जन्म के लिए।

उत्तर 11 - *B.ब्रह्माबाबा*

जैसे राजाओं के पास खजांची रहते हैं, वैसे यहाँ भी *शिवबाबा का खजांची ब्रह्माबाबा है*। बाबा का इनमें कोई मोह नहीं है, इसने अपने पैसे में ही मोह नहीं रखा, सब कुछ शिवबाबा को दे दिया तो फिर शिवबाबा के धन में मोह कैसे रखेंगे।

उत्तर 12 - *A.ट्रस्टी बनो जो किसी भी चीज़ में आसक्ति न रहे*

मीठे बर्च - *गृहस्थ व्यवहार में रहते हुए ऐसा ट्रस्टी बनो जो किसी भी चीज़ में आसक्ति न रहे*, हमारा कुछ भी नहीं, ऐसा बेगर बन जाओ।

उत्तर 13- *A.बाबा बिगर कुछ भी नहीं,सारी दुनिया को भुलाना ही है*

किस प्रकार की खुशी है? बाबा जांच तो करते हैं ना। शक्ल से भी देखते हैं - बाप से कितना लव है? बाप के सामने आते हैं तो बाप कशिश भी करते हैं। यहाँ बैठे-बैठे सब भूल जाता है। *बाबा बिगर कुछ भी नहीं, सारी दुनिया को भुलाना ही है। वह अवस्था बड़ी मीठी अलौकिक होती है।*

उत्तर 14- *A.आत्मा पवित्र बनती है,आयु बढ़ती है*

भल बाबा सुबह में योग में बैठ बच्चों को खींचते हैं, कशिश करते हैं। नम्बरवार खींचते जाते हैं। याद में शान्ति में रहते हैं। दुनिया को भी भूल जाते हैं। परन्तु सवाल है - सारे दिन में क्या करते? वह तो हुई सुबह में घण्टा आधा घण्टा *याद की यात्रा, जिससे आत्मा पवित्र बनती है, आयु बढ़ती है।* परन्तु सारे दिन में कितना याद करते हैं?

उत्तर 15- *A.याद की यात्रा से*

बाप इस दादा में प्रवेश हो हमें मनुष्य से देवता अर्थात् विकारी से निर्विकारी बनाने के लिए गीता का ज्ञान सुना रहे हैं, इसी निश्चय से रमण करना है। *याद की यात्रा से बुद्धि को सोने का बर्तन बनाना है।*

उत्तर 16- *C.,क्रिश्चियन*

क्रिश्चियन लोग समझते हैं पैराडाइज था, पर हम नहीं थे। इस्लामी, बौद्धी भी नहीं थे फिर भी क्रिश्चियन लोगों की समझ अच्छी है। भारतवासी कहते हैं देवी-देवता धर्म लाखों वर्ष पहले था तो बुद्धू ठहरे ना। बाप भारत में ही आते हैं, जो महान बेसमझ हैं उन्हें ही महान ते महान समझदार बनाते हैं।

उत्तर 17- *D.श्रीकृष्ण*

तुमको ज्ञान भी गुप्त मिलता है। बाप भी गुप्त आये हैं। तुम जानते हो यह कलम लग रहा है। अभी तो सभी पतित बन गये हैं। अच्छा, *बीज से पहला-पहला पत्ता निकला, वह कौन था? सतयुग का पहला पत्ता तो श्रीकृष्ण को ही कहेंगे।* लक्ष्मी-नारायण को नहीं कहेंगे।

उत्तर 18- *B.गीता*

भक्ति के पुस्तक कितने ढेर के ढेर हैं। ज्ञान का पुस्तक एक है। एक ज्ञान सागर की पुस्तक एक ही होना चाहिए। जो भी धर्म स्थापन करते हैं, उनका पुस्तक भी एक ही होता है, जिसको रिलीजस बुक कहा जाता है। *पहली-पहली रिलीजस बुक है गीता।*

उत्तर 19- *C.आबू*

गीता पढ़ने की रिजल्ट क्या? दिखाते हैं प्रलय हो गई। भल जलमई होती है परन्तु सारी दुनिया जलमई नहीं होती। भारत तो अविनाशी पवित्र खण्ड है। *उसमें भी आबू सबसे पवित्र तीर्थ स्थान है, जहाँ बाप आकर सर्व की सद्गति करते हैं।*

उत्तर 20- *B.शिवबाबा को याद करो*

कई कहते हैं हम ब्रह्मा को नहीं मानते, परन्तु शिवबाबा कहते हैं मैं इस मुख द्वारा ही तुम्हें कहता हूँ, मुझे याद करो। यह समझ की बात है ना। *ब्रह्मा तो खुद कहते हैं - शिवबाबा को याद करो।* यह कहाँ कहते मुझे याद करो? इनके द्वारा शिवबाबा कहते हैं मुझे याद करो। यह मंत्र मैं इनके मुख से देता हूँ। ब्रह्मा नहीं होता तो मैं मंत्र कैसे देता? ब्रह्मा नहीं होता तो तुम शिवबाबा से कैसे मिलते?

उत्तर 21- *C.ब्रह्मा की भृकुटी के बीच में*

बच्चों से बाप पूछते हैं, आत्माओं से परमात्मा पूछते हैं - यह तो जानते हो कि हम परमपिता परमात्मा के सामने बैठे हैं। बाबा को अपना रथ नहीं है, यह तो निश्चय है ना? इस भृकुटी के बीच में बाप का निवास स्थान है। *बाप ने खुद कहा है - मैं इनकी भृकुटी के बीच में बैठता हूँ।*

उत्तर 22- *D.उपरोक्त सभी*

बाप आये हैं तुम्हें गुण,ज्ञान और शक्ति के खजानों से मालामाल बनाने, तुम सिर्फ ईश्वरीय मत पर चलो, अच्छी रीति पुरूषार्थ कर वर्सा लो, माया से हार नहीं खाओ

उत्तर 23- *C.ब्रह्मा*

अभी तुम बच्चे समझते हो बाप है पतित-पावन, वही आकर समझाते हैं - मैं कैसे आता हूँ। तुम्हारे मिसल मैं गर्भ में नहीं आता हूँ। मैं इनमें प्रवेश करता हूँ। फिर कोई प्रश्न ही नहीं उठता। यह रथ है। इनको माता भी कहा जाता है। *सबसे बड़ी नदी ब्रह्म पुत्रा है। तो यह है सबसे बड़ी नदी। पानी की तो बात नहीं। यह है महानदी अर्थात् सबसे बड़ी ज्ञान नदी है।*

उत्तर 24- *B.बड़ा महाराजा*

अभी तुमको अपने को आपेही तिलक देना है। बाप को याद करते रहो। *जो बहुत सर्विस करेंगे तो बड़ा महाराजा बनेंगे।* नई दुनिया में, पुरानी दुनिया की पढ़ाई थोड़ेही पढ़ना है। तो इतनी ऊँच पढ़ाई पर फिर अटेन्शन देना चाहिए।

उत्तर 25- *C.अम्बा*

अम्बा के पास अनेक आशायें लेकर जाते हैं। लक्ष्मी के पास सिर्फ धन के लिए जाते हैं और कुछ नहीं। तो बड़ी कौन हुई? यह किसको पता नहीं, अम्बा से क्या मिलता है? लक्ष्मी से क्या मिलता है? लक्ष्मी से सिर्फ धन मांगते हैं। अम्बा से तुमको सब कुछ मिलता है। अम्बा का नाम जास्ती है।

उत्तर 26- *B.एक दूसरे के विचारों को सम्मान दो तो*

स्लोगन:- *एक दूसरे के विचारों को सम्मान दो तो माननीय आत्मा बन जायेंगे।*

उत्तर 27- *C.एकाग्रता*

सर्व सिद्धियों को प्राप्त करने के लिए एकाग्रता की शक्ति को बढ़ाओ। यह एकाग्रता की शक्ति सहज निर्विघ्न बना देती है, मेहनत करने की आवश्यकता नहीं रहती। एक बाप दूसरा न कोई - इसका सहज अनुभव होता है, सहज एकरस स्थिति बन जाती है।

उत्तर 28- *D.उपरोक्त सभी*

तुम जानते हो हम ही नई दुनिया के मालिक थे फिर 84 जन्म लेते-लेते यह बने हैं। यह अच्छी रीति याद रखना चाहिए और फिर दूसरे को भी समझाना है - कैसे हम यह बनते हैं? *हम सो, ब्रह्मा सो विष्णु, फिर विष्णु सो ब्रह्मा बनते हैं*। बाप ज्ञान देखो कैसे सहज रीति देते हैं। यहाँ बैठे भी बाप को याद करो, बाजोली याद करो तो भी मन्मनाभव ही है।

उत्तर 29- *C.लोहे की, ठिक्कर भित्तर की चिड़िया कहेंगे*

अब बाप तुम बच्चों को 24 कैरेट में ले जाना चाहते हैं। तुम्हारी आत्मा को सच्चा-सच्चा गोल्डन एज्ड बनाते हैं। भारत को सोने की चिड़िया कहते थे। *अभी तो लोहे की, ठिक्कर भित्तर की चिड़िया कहेंगे।* है तो चैतन्य ना। यह समझने की बातें हैं।

उत्तर 30- *C.तुम्हारा कनेक्शन है ही मूलवतन से*

अभी तुम्हारी बुद्धि में है रूहानी बाप और रूहानी बाप की बुद्धि में हो तुम रूहानी बच्चे, क्योंकि तुम्हारा कनेक्शन है ही मूलवतन से। आत्मायें परमात्मा अलग रहे बहुकाल.....। वहाँ तो आत्मायें बाप के साथ इकट्ठी रहती हैं। फिर अलग होती हैं अपना-अपना पार्ट बजाने।

उत्तर 31- *A.यह झाड़ू चेंज होता है*

यह भी ड्रामा बना हुआ है। इसका आदि वा अन्त नहीं है। हाँ, झाड़ू की जड़जड़ीभूत अवस्था होती है अर्थात् तमोप्रधान बन जाता है तब यह झाड़ू चेंज होता है। कितना यह बेहद का बड़ा झाड़ू है। पहले वह आयेंगे जिनको पहले नम्बर में जाना है। नम्बरवार आयेंगे ना?

उत्तर 32- *B.स्नेह*

जो रहमदिल हैं वही कल्याण कर सकते हैं, अकल्याण करने वाले को भी क्षमा कर सकते हैं। वह मास्टर स्नेह के सागर होते हैं, उनके पास स्नेह के बिना और कुछ है ही नहीं। *वर्तमान समय सम्पत्ति से भी ज्यादा स्नेह की आवश्यकता है* इसलिए मास्टर दाता बन सबको स्नेह देते चलो। कोई भी खाली हाथ न जाये।

भाग - (62)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- हम सो देवी-देवता चैतन्य में खुद बन रहे हैं। चैतन्य में होंगे तब -

- A- पूजा आदि नहीं होगी
- B- पत्थर की पूजा करते हैं
- C- जैसे पत्थरबुद्धि थे
- D- यह ज्ञान होगा

प्रश्न 2- राइट अक्षर पहचानिए ?

- A- स्थापना, पालना, विनाश
- B- स्थापना, विनाश, पालना
- C- विनाश, स्थापना, पालना
- D- पालना, विनाश, स्थापना

प्रश्न 3- अन्दर का संशय कैसे दूर होगा ?

- A- बाप जो रोज़-रोज़ पढ़ाते हैं, उस पढ़ाई से
- B- बाप के दिल को जीतने से
- C- श्रीमत पर चलने से
- D- अविनाशी सर्जन को सुनाओ तो

प्रश्न 4- कौनसा चित्र दिल में प्यार बढ़ाता है ?

- A- त्रिमूर्ति
- B- लक्ष्मी-नारायण
- C- श्रीकृष्ण
- D- ब्रह्मा बाबा

प्रश्न 5- वन्दर ऑफ दी वर्ल्ड है ?

- A- बाबा
- B- आत्मा
- C- परमधाम
- D- सतयुग

प्रश्न 6- अविनाशी नहीं है-

- A- 84 जन्मों का पार्ट
- B- आत्मा
- C- ड्रामा
- D- शरीर

प्रश्न 7- तुम कौन सी बरसात कर हरियाली करने वाले हो ?

- A- गुण
- B- ज्ञान
- C- शक्ति की
- D- दुआओं की

प्रश्न 8- अपनी ऊंची स्थिति अथवा ऊंचे स्थान पर बैठ कम से कम कितने घण्टे विश्व को लाइट और माइट दो ?

- A- 2
- B- 3
- C- 4
- D- 6

प्रश्न 9- शिव जयन्ती पर कौन सी दुकान निकाल सेवा करनी है ?

- A- शिवबाबा की
- B- फायदे की
- C- अविनाशी ज्ञान रत्नों की
- D- गीता के भगवान की

प्रश्न 10- बाबा ने नम्बरवन मन्त्र दिया है -

- A- मौज में रहो
- B- मैं कौन हूँ,
- C- मन्मनाभव
- D- ओम् शांति

प्रश्न 11- घर-घर में शिव जयन्ती मनानी चाहिए। तुम ज्ञान गंगाये हो ना। तो हर एक के पास क्या होनी चाहिए ?

- A- गीता पाठशाला

- B- प्रदर्शनी
- C- मुरली
- D- पूरी नालेज

प्रश्न 12- कौन से मैडल्स पर ही समझाओ फिर जो लायक होंगे वह झट कहेंगे हमको यह मिल सकते हैं ?

- A- शिव विष्णु चतुर्भुज
- B- त्रिमूर्ति
- C- लक्ष्मी-नारायण
- D- श्रीकृष्ण

प्रश्न 13- देही-अभिमानि स्थिति है -

- A- सर्विस की सफलता की आधार
- B- आधाकल्प के लिए समस्याओं को विदाई देने का आधार
- C- समाधान स्वरूप बनने का आधार
- D- विकर्मों पर विजय का आधार

प्रश्न 14- तुम्हारे तीर्थ हैं-

- A- आबू
- B- शिवबाबा
- C- मुक्तिधाम
- D- चारों धाम

प्रश्न 15- तुम्हारा एक-एक बोल कैसा होना चाहिए ?

- A- फर्स्टक्लास
- B- बहुत मीठा फर्स्टक्लास
- C- बहुत युक्तियुक्त
- D- सुखदायी

प्रश्न 16- सुख कैसे बढ़ता जायेगा ?

- A- बादशाही मिलती है तो
- B- जितना याद में रहेंगे उतना
- C- चक्रवर्ती महाराजा बनेंगे तो
- D- आत्मिक स्मृति में रहने से

प्रश्न 17- शरीर इस पृथ्वी पर है, आत्मा इनसे निकल जाती है तो फिर उस समय -

- A- वापिस महत्त्व जाती है
- B- उनके लिए मनुष्य सृष्टि है नहीं
- C- कर्मबन्धन साथ रहता है
- D- जैसे सन्नाटा हो जाता है

प्रश्न 18- ट्रस्टी के बारे में कौन सा कथन सत्य है ?

- A- नष्टोन्मोहा
- B- अपना ममत्व मिटा देने वाला
- C- ईश्वर का सब कुछ दिया हुआ है ऐसे मान कर चलने वाले
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 19- बाप ने बच्चों को ज्ञान का तीसरा नेत्र दिया है, जिससे तुम -

- A- स्थापना, पालना, विनाश देखते हो
- B- अपने को आत्मा समझ, बाप जो है, जैसा है, उसको उसी रूप में याद करते हो
- C- विश्व का मालिक बनते हैं
- D- त्रिनेत्री त्रिकालदर्शी बनते हो

प्रश्न 20- कैसे सरलता व सहनशीलता का गुण आयेगा ?

- A- श्रेष्ठ स्मृति से
- B- पर-उपकारी बनने

- C- सर्वस्व त्यागी बनने से
- D- मनमनाभव का मन्त्र याद रखने से

प्रश्न 21- जीवनमुक्त होते हैं ?

- A- परमधाम में
- B- स्वर्ग में
- C- कलियुग में
- D- संगमयुग

प्रश्न 22- समर्थ बोल की निशानी है-

- A- वरदानी बोल हो
- B- श्रेष्ठ समृति से हो
- C- पर-उपकारी हो
- D- जिस बोल में आत्मिक भाव और शुभ भावना हो

प्रश्न 23- कौन सा स्लोगन मस्तक में याद रहे तो परिवर्तन हो जायेगा ?

- A- करना ही है
- B- दृढ़ संकल्प
- C- कड़े नियम का
- D- अभी नहीं तो कभी नहीं

प्रश्न 24- हम बच्चे हैं -

- A- मैसेन्जर,
- B- पैगम्बर
- C- वारियर्स
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 25- तुम कैसे बेगर टू प्रिन्स बनते हो ?

- A- राज-तिलक से
- B- पढ़ाई और याद की यात्रा से
- C- मन्मनाभव मंत्र से
- D- अविनाशी ज्ञान रत्नों का दान करने से

प्रश्न 26- देवताओं के आगे शिव का चित्र रखना तो निषेध है क्योंकि -

- A- वह तो भक्ति करते नहीं
- B- ऊँच ते ऊँच है भगवान शिव हैं
- C- वह सतयुग में होते हैं
- D- शिव को जानते नहीं

प्रश्न 27- परचिंतन कौन करते रहेंगे ?

- A- ज्ञान नहीं है तो
- B- योग नहीं है तो
- C- माया के अधीन हैं तो
- D- श्रीमत पर नहीं चलते तो

प्रश्न 28- जो ज्ञान के शौकीन बच्चे हैं, उनकी निशानी क्या होगी ?

- A- वे आपस में ज्ञान की ही बातें करेंगे
- B- कभी परचिंतन नहीं करेंगे
- C- एकान्त में जाकर विचार सागर मंथन करेंगे
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 29- कहते हैं ऑन गॉड फादरली सर्विस। गॉड फादर की सर्विस क्या है ?

- A- सबको यही पैगाम दो - मन्मनाभव
- B- सबको यही पैगाम दो - बाप आया हुआ है
- C- सबको यही पैगाम दो - दो बाप है

D- सबको यही पैगाम दो - गीता का भगवान शिव है

प्रश्न 30- कर्म सम्बन्ध है-

- A- सतयुग में
- B- द्वापर- कलियुग
- C- परमधाम
- D- संगमयुग

प्रश्न 31- क्या याद रहने से भी खुशी रहेगी ?

- A- हम सो देवता स्वर्गवासी बन रहे हैं
- B- हम संगमयुगी ब्राह्मण हैं
- C- ब्राह्मण से देवता बनते हैं
- D- हमें स्वयं भगवान पढ़ाते हैं

प्रश्न 32- सारे ड्रामा में महत्व है -

- A- सिर्फ परमात्मा का
- B- आत्मा और परमात्मा का
- C- ज्ञान, भक्ति, वैराग्य का
- D- सृष्टि चक्र का

भाग (62) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *A.पूजा आदि नहीं होगी*

अभी तुम बच्चे समझते हो हम सो देवी-देवता चैतन्य में खुद बन रहे हैं। *चैतन्य में होंगे तब पूजा आदि नहीं होगी।* जब पत्थरबुद्धि बनते हैं तब पत्थर की पूजा करते हैं। चैतन्य हैं तो पूज्य हैं फिर पुजारी बन जाते हैं। वहाँ न कोई पुजारी होते, न ही कोई पत्थर की मूर्ति होती।

उत्तर 2- *B.स्थापना,विनाश,पालना*

ऐसे नहीं कहना होता है कि स्थापना, पालना, विनाश। नहीं, *पहले स्थापना फिर विनाश, बाद में पालना, यह राइट अक्षर हैं।* बाद में रावण की पालना शुरू होती है। वह झूठी विकारी पतित बनने की पालना है, जिससे सब दुःखी होते हैं। बाप तो कभी किसको दुःख नहीं देते।

उत्तर 3- *A.बाप जो रोज-रोज पढ़ाते हैं, उस पढ़ाई से*

बाप जो रोज-रोज पढ़ाते हैं, यह पढ़ाई कभी मिस नहीं करनी है, इस पढ़ाई से ही अन्दर का संशय दूर होता है। बाप तो हर बच्चे को एक जैसा ही पढ़ाते हैं फिर कोई समय ऐसी गुह्य बातें निकलती हैं जो पुराना संशय ही उड़ जाता है, फिर खड़े हो जाते हैं इसलिए बाबा की पढ़ाई कभी मिस नहीं करनी चाहिए।

उत्तर 4- *B.लक्ष्मी-नारायण*

बाबा कहते हैं यह लक्ष्मी-नारायण का चित्र तो हरेक के पास होना चाहिए। यह चित्र दिल में प्यार बढ़ाता है। दिल में आता है - बस, यह मृत्युलोक में लास्ट जन्म है। फिर हम अमरलोक में यह जाकर बनूँगा, तत्त्वम्। ऐसे नहीं कि आत्मा सो परमात्मा।

उत्तर 5- *A.बाबा*

मुख्य है ड्रामा, जिसकी नॉलेज तुमको अभी मिलती है। बाकी तो सब हैं मटेरियल क्योंकि वह सब इन आँखों से देखा जाता है। *वन्डर ऑफ दी वर्ल्ड तो बाबा है*, जो फिर रचते भी स्वर्ग हैं, जिसको हेविन, पैराडाइज कहते हैं। उनकी कितनी महिमा है।

उत्तर 6- *D.शरीर*

मनुष्य आत्मा को ही नहीं जानते हैं तो परमात्मा को फिर कैसे जान सकेंगे। कितने बड़े विद्वान, पण्डित आदि हैं, कोई भी आत्मा को नहीं जानते। अब तुमको मालूम हुआ है कि *आत्मा अविनाशी है, उसमें 84 जन्मों का अविनाशी पार्ट नूँधा हुआ है, जो चलता रहता है। आत्मा अविनाशी तो पार्ट भी अविनाशी है।*

उत्तर 7- *B.ज्ञान*

तुम ज्ञान की बरसात कर हरियाली करने वाले हो, तुम्हें धारणा करनी और करानी है, जो बादल बरसते नहीं हैं वह हैं सुस्त बादल। चुस्त वह जो बरसते हैं। अगर धारणा हो तो बरसने के बिना रह नहीं सकते। जो धारणा कर दूसरों को नहीं कराते उनका पेट पीठ से लग जाता है, वह गरीब हैं। प्रजा में चले जाते हैं।

उत्तर 8- *C. 4*

जैसे ऊंची टावर से सकाश देते हैं, लाइट माइट फैलाते हैं। ऐसे आप बच्चे भी *अपनी ऊंची स्थिति अथवा ऊंचे स्थान पर बैठ कम से कम 4 घण्टे विश्व को लाइट और माइट दो।* जैसे सूर्य भी विश्व में रोशनी तब दे सकता है जब ऊंचा है। तो साकार सृष्टि को सकाश देने के लिए ऊंचे स्थान निवासी बनो।

उत्तर 9- *C. अविनाशी ज्ञान रत्नों की*

जैसे दीवाली पर मनुष्य बहुत दुकान निकाल बैठते हैं, *तुमको फिर अविनाशी ज्ञान रत्नों का दुकान निकाल बैठना है।* तुम्हारा कितना अच्छा सजाया हुआ दुकान होगा। *मनुष्य दीवाली पर करते हैं, तुम फिर शिवजयन्ती पर करो।*

उत्तर 10- *C. मन्मनाभव*

डॉक्टर लोग भी किताब रखते हैं, उसमें देखकर दवाई देते हैं। तो बच्चों को कितना अच्छी रीति पढ़ना चाहिए, सर्विस करनी चाहिए। *बाबा ने नम्बरवन मन्त्र दिया है* मन्मनाभव। बाप और वर्से को याद करो तो स्वर्ग के मालिक बन जायेंगे।

उत्तर 11- *A. गीता पाठशाला*

घर-घर में शिव जयन्ती मनानी चाहिए। *तुम ज्ञान गंगाये हो ना। तो हर एक के पास गीता पाठशाला होनी चाहिए।* घर-घर में गीता तो पढ़ते हैं ना। पुरूषों से भी मातायें भक्ति में तीखी होती हैं। ऐसे कुटुम्ब (परिवार) भी होते हैं जहाँ गीता पढ़ते हैं। तो घर में भी चित्र रख देने चाहिए। लिख दें कि बेहद के बाप से आकर फिर से वर्सा लो।

उत्तर 12- *C. लक्ष्मी-नारायण*

इन लक्ष्मी-नारायण के चित्र को तुम्हारे सिवा कोई समझ न सके। कहेंगे चित्र तो बहुत अच्छा बनाया है, बाबा को तो यह चित्र देख बहुत खुशी होती है। स्टूडेंट को तो खुशी होनी चाहिए ना - हम पढ़कर यह बनते हैं। *पहले-पहले तो कोई को भी इस मैडल्स पर ही समझाओ फिर जो लायक होंगे वह झट कहेंगे - हमको यह मिल सकते हैं? *हाँ, क्यों नहीं। इस धर्म का जो होगा उसको तीर लग जायेगा। उसका कल्याण हो सकता है।

उत्तर 13- *A. सर्विस की सफलता का आधार*

बाप तो कहते हैं सिर्फ मुझे याद करो। तुम सबसे अच्छी सर्विस शिव के मन्दिर में कर सकेंगे। *सर्विस की सफलता के लिए देही-अभिमानि अवस्था में स्थित होकर सर्विस करो।* दिल साफ तो मुराद हांसिल। बनारस के लिए बाबा तो खास राय देते हैं वहाँ वानप्रस्थियों के आश्रम भी हैं।

उत्तर 14- *C. मुक्तिधाम*

तुम्हारे तीर्थ हैं - घर में बैठ चुपके से मुक्तिधाम पहुँचना। दुनिया के तीर्थ तो कॉमन हैं, तुम्हारे हैं न्यारे। मनुष्यों का बुद्धियोग तो साधू-सन्तों आदि तरफ बहुत ही भटकता रहता है। तुम बच्चों को तो सिर्फ बाप को ही याद करने का डायरेक्शन मिलता है।

उत्तर 15- *B. बहुत मीठा फर्स्टक्लास*

तुम्हारा एक-एक बोल बहुत मीठा फर्स्टक्लास होना चाहिए, जैसे बाप दुःख हर्ता, सुख कर्ता है, ऐसे बाप समान सबको सुख दो। कोई भी मित्र-सम्बन्धी आदि हैं तो उनसे बहुत नम्रता से, प्रेमभाव से मुस्कराते हुए बात करनी चाहिए।

उत्तर 16- *B. जितना याद में रहेंगे उतना*

तुम्हारे में भी थोड़े जानते हैं कि यह दुनिया बदल रही है। अब हम जाते हैं सुखधाम। तो सदैव ज्ञान के अतीन्द्रिय सुख में रहना चाहिए। *जितना याद में रहेंगे उतना सुख बढ़ता जायेगा।* छी-छी देह से नष्टमोहा होते जायेंगे। बाप सिर्फ कहते हैं अलफ को याद करो तो बे बादशाही तुम्हारी है।

उत्तर 17- *B. उनके लिए मनुष्य सृष्टि है नहीं*

अपने को आत्मा समझ अशरीरी बन बाप को याद करो तो यह दुनिया खत्म हो जाती है। *यह शरीर इस पृथ्वी पर है, आत्मा इनसे निकल जाती है तो फिर उस समय उनके लिए मनुष्य सृष्टि है नहीं।* आत्मा नंगी बन जाती है। फिर जब शरीर में आती है तो पार्ट शुरू होता है।

उत्तर 18- *D. उपरोक्त सभी*

बाप समझाते हैं मीठे बच्चे, ट्रस्टी बनकर रहो तो ममत्व मिट जाये। परन्तु ट्रस्टी बनना मासी का घर नहीं है। यह खुद ट्रस्टी बने हैं, बच्चों को भी ट्रस्टी बनाते हैं। यह कुछ भी लेते हैं क्या? *कहते हैं तुम ट्रस्टी हो सम्भालो। नष्टमोहा बनो, ट्रस्टी बने तो फिर ममत्व मिट जाता है। कहते भी हैं ईश्वर का सब कुछ दिया हुआ है।*

उत्तर 19- *B. अपने को आत्मा समझ, बाप जो है, जैसा है उसको उसी रूप में याद करते हो*

अपने को आत्मा समझ, बाप जो है जैसा है, उसी रूप में याद करने के लिए तीसरा नेत्र मिला है। परन्तु यह तीसरा नेत्र काम तब करता है जब पूरा योगयुक्त रहें अर्थात् एक बाप से सच्ची प्रीत हो। किसी के नाम-रूप में लटके हुए न हों। माया प्रीत रखने में ही विघ्न

डालती है। इसी में बच्चे धोखा खाते हैं।

उत्तर 20- *C.सर्वस्व त्यागी बनने से*

स्लोगन:- *सर्वस्व त्यागी बनने से ही सरलता व सहनशीलता का गुण आयेगा।*

उत्तर 21- *B.स्वर्ग में*

तुम हर एक को अपना तन-मन-धन भारत को स्वर्ग बनाने में खर्च करना पड़ता है। जितना करेंगे उतना ऊंच पद पायेंगे। सबको यह मैसेज दो कि बाप ब्रह्मा द्वारा कहते हैं कि मुझे याद करो तो तुम्हारे विकर्म विनाश होंगे, जीवनमुक्ति मिल जायेगी। *अभी हैं जीवनबंध फिर जीवनमुक्त होंगे।*

उत्तर 22- *D.जिस बोल में आत्मिक भाव और शुभभावना हो*

स्लोगन:- *समर्थ बोल की निशानी है - जिस बोल में आत्मिक भाव और शुभ भावना हो।*

उत्तर 23- *A.करना ही है*

अटेन्शन रूपी चौकीदार सदा अलर्ट रहें तो अलबेलापन समाप्त हो जायेगा। पहले स्व के ऊपर मेहनत करो फिर सेवा में, तब धरनी परिवर्तन होगी। अभी सिर्फ "कर लेंगे, हो जायेगा" इस आराम के संकल्पों के डलप को छोड़ो। *करना ही है, यह स्लोगन मस्तक में याद रहे तो परिवर्तन हो जायेगा।*

उत्तर 24- *D.उपरोक्त सभी*

तुम सब हो वारियर्स। तुम्हारी लड़ाई है रावण से, कोई मनुष्य से नहीं है। इसमें मन-बुद्धि से सरेन्द्र होना होता है। बाबा यह सब कुछ आपका है। बाप कहेंगे यह सर्विस में लगाओ। सिर्फ यह मैसेज देना है बाप को याद करो और वर्सा लो। *मैसेन्जर, पैगम्बर तुम बच्चों को कहा जाता है।*

उत्तर 25- *B.पढ़ाई और याद की यात्रा से*

अपने आपको राज-तिलक देने के लिए बाप की जो शिक्षायें मिलती हैं उन पर अच्छी रीति चलो। इसमें आशीर्वाद वा कृपा की बात नहीं। फालो फादर करो, दूसरे को नहीं देखना है, *पढ़ाई और याद की यात्रा से ही तुम बेगर टू प्रिन्स बनते हो।*

उत्तर 26- *A.वह तो भक्ति करते नहीं*

ऊंच ते ऊंच है भगवान शिव की महिमा। भल चित्रों में शंकर आदि के आगे भी शिव का चित्र दिखाया है। *वास्तव में देवताओं के आगे शिव का चित्र रखना तो निषेध है। वह तो भक्ति करते नहीं।* भक्ति न देवतायें करते, न संन्यासी कर सकते हैं। वह हैं ब्रह्म ज्ञानी, तत्व ज्ञानी।

उत्तर 27- *A.ज्ञान नहीं है तो*

एकान्त में कहाँ भी बैठो अथवा जाओ, बुद्धि में यही चलता रहे। एकान्त तो बहुत है, ऊपर छत पर तो उरने की बात नहीं। आगे तुम सवेरे में मुरली सुनने के बाद चलते थे पहाड़ों पर। जो सुना उसका चिंतन करने के लिए पहाड़ियों पर जाकर बैठते थे। *जो ज्ञान के शौकीन होंगे, वह तो आपस में ज्ञान की बातें ही करेंगे। ज्ञान नहीं है तो फिर परचिंतन करते रहेंगे।*

उत्तर 28- *D.उपरोक्त सभी*

संगम पर तुम नई-नई बातें सुनते हो तो उसका चिन्तन चलना चाहिए, जिसको विचार सागर मंथन कहा जाता है। तुम हो रूप-बसन्त। तुम्हारी आत्मा में सारा ज्ञान भरा जाता है तो रत्न निकलने चाहिए। *जो ज्ञान के शौकीन बच्चे हैं वे आपस में ज्ञान की ही बातें करेंगे। कभी परचिंतन नहीं करेंगे। एकान्त में जाकर विचार सागर मंथन करेंगे।*

उत्तर 29- *A.सबको यही पैगाम दो - मन्मनाभव*

सर्विस करते रहें तो कहेंगे यह ईश्वरीय मिशन के अच्छे बच्चे हैं। बाप भी खुश होगा यह तो बहुत अच्छी सर्विस करते हैं। अपनी दिल से पूछना चाहिए - हम सर्विस करते हैं? कहते हैं ऑन गॉड फादरली सर्विस। *गॉड फादर की सर्विस क्या है? बस, सबको यही पैगाम दो - मन्मनाभव।*

उत्तर 30- *A.सतयुग में*

बाबा ने समझाया है - माया पर जीत पाकर कर्मातीत अवस्था में जाना है। *पहले-पहले तुम सतयुग में आये हो कर्म सम्बन्ध में।* उसमें आते-आते फिर आधाकल्प बाद तुम कर्म बन्धन में आ गये हो। पहले-पहले तुम पवित्र आत्मा थी। कर्मबन्धन न सुख का, न दुःख का था।

उत्तर 31- *A.हम सो देवता स्वर्गवासी बन रहे हैं*

यह एक ही पढ़ाई है नर से नारायण, नर्कवासी से स्वर्गवासी बनने की। *यह याद रहने से भी खुशी रहेगी - हम सो देवता स्वर्गवासी बन रहे हैं।* संगमयुगवासी होंगे तब तो स्वर्गवासी बनेंगे। आगे नर्कवासी थे तो बिल्कुल गन्दी अवस्था थी, गंदे काम करते थे। अब वह

मिटाना है। मनुष्य से देवता स्वर्गवासी बनना है।

उत्तर 32- *B.आत्मा और परमात्मा का*

सबसे जास्ती महत्व है आत्मा और परमात्मा का। आत्मा ही 84 जन्मों का पार्ट बजाती है। तो आत्मा सबसे पावरफुल हुई ना। *सारे ड्रामा में महत्व है आत्मा और परमात्मा का।* जिसको और कोई भी नहीं जानते। एक भी मनुष्य नहीं जानता कि आत्मा क्या, परमात्मा क्या है?

भाग - (63)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- कोई भी हालत में किससे अपने को बचाना है ?

- A- सज़ा से
- B- लगाव से
- C- माया से
- D- कलियुगी दुनिया से

प्रश्न 2- किस को सबसे जास्ती महत्व देना होता है ?

- A- स्वधर्म को
- B- आत्मा और परमात्मा को
- C- सृष्टिचक्र को
- D- स्वदर्शन चक्र को

प्रश्न 3- हनुमान की पूजा करो बस चल पड़ा। दिखाते हैं संजीवनी बूटी ले आया... उसका भी अर्थ तुम बच्चे समझते हो। संजीवनी बूटी तो है -

- A- मध्याजीभव
- B- रूहानी ज्ञान
- C- ज्ञान योग
- D- मनमनाभव

प्रश्न 4- क्रोधी का काम है क्रोध करना और आपका काम है -

- A- स्नेह देना
- B- स्वमान और सम्मान में रहना
- C- आत्मा, आत्मा को देखना
- D- चुप रहना

प्रश्न 5- आत्मा है -

- A- भृकुटी
- B- अकाल तख्त
- C- अकालमूर्त
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 6- इस समय तुम्हारा जीवन अमूल्य है, इसलिए -

- A- सब कुछ सफल करना है
- B- शिवबाबा को याद करो
- C- इस शरीर की भी सम्भाल करनी है
- D- आत्मिक स्थिति में रहने की आदत डालो

प्रश्न 7- सच्ची-सच्ची खुश-खैराफत है -

- A- अतीन्द्रिय सुख की
- B- किसी को बाप का परिचय देना
- C- स्वर्ग की
- D- ज्ञान सुनाकर एक दो का कन्याण करना

प्रश्न 8- वन्दरफुल खुराक है -

- A- मुक्ति की
- B- ज्ञान और योग की
- C- जीवनमुक्ति की
- D- मनमनाभव की

प्रश्न 9- अभी तुम बच्चे जानते हो कि यह पुरानी दुनिया बदलने वाली है। बिचारे मनुष्य नहीं जानते कि कौन बदलाने वाला है और कैसे बदलाते हैं। क्योंकि -

- A- नास्तिक है
- B- उन्हीं को ज्ञान का तीसरा नेत्र ही नहीं है
- C- भक्ति मार्ग में है
- D- स्वयं भगवान ही आ कर यह ज्ञान देते हैं

प्रश्न 10- बुद्धि में रहे हम कहां से खाते हैं।

- A- सच्ची कमाई से
- B- याद से
- C- ब्रह्मा भोजन
- D- शिवबाबा के भण्डारे

प्रश्न 11- पुण्य आत्मा बनने वाले बच्चों को किस बात का बहुत-बहुत ध्यान रखना है ?

- A- पैसा दान किसे देना है, इस बात पर पूरा ध्यान रखना है
- B- खान पान का
- C- पढ़ाई पर
- D- कर्मेन्द्रियों से कोई भी विकर्म न हो

प्रश्न 12- आदि रत्न अर्थात् -

- A- प्रभु के रत्न
- B- मास्टर आदि देव
- C- ईश्वरीय रत्न
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 13- इस ज्ञान की मुख्य दो सब्जेक्ट हैं ?

- A- अल्फ और बे
- B- आत्मा और परमात्मा
- C- पुरुषार्थ और प्रालब्ध
- D- मनमनाभव और मध्याजीभव

प्रश्न 14- योग अग्नि का मतलब है ?

- A- सर्व सम्बन्धों से एक बाप की याद
- B- मनमनाभव
- C- सतोप्रधान
- D- याद की आग

प्रश्न 15- सवेरे-सवेरे उठकर पहले-पहले -

- A- अपने को आत्मा समझो
- B- कहो शिवबाबा गुडमार्निंग
- C- याद में बैठो
- D- भगवान का धन्यवाद करो

प्रश्न 16- क्या बुद्धि में रखने से बुद्धि एकदम शीतल हो जाती है ?

- A- आत्मा भाई भाई की स्मृति
- B- ड्रामा के राज को
- C- ज्ञान के पाईंट
- D- मीठा बाबा

प्रश्न 17- स्वदर्शन चक्रधारी नहीं हैं -

- A- विष्णु
- B- हम ब्राह्मण बच्चे
- C- शिवबाबा
- D- प्रजापिता ब्रह्मा

प्रश्न 18- मीठे-मीठे बच्चों को बाप बैठ समझाते हैं जब कोई सभा में भाषण करते हो वा किसको समझाते हो तो घड़ी-घड़ी बोलो -

- A- हम सब आत्मा हैं
- B- अपने को आत्मा समझ परमपिता परमात्मा को याद करो
- C- श्रीमत पर चलो
- D- स्वदर्शन चक्रधारी बनो

प्रश्न 19- बाप के साथ पूरा लव है इसकी एक मुख्य निशानी क्या है ?

- A- हर कर्म बाप की याद में करेंगे
- B- श्रीमत पर चलते हैं
- C- शिवबाबा को गुडमार्निंग करेंगे
- D- लव रहेगा, कशिश होगी

प्रश्न 20- निराकार का चित्र भी है पर किस मिसल ?

- A- बिंदी
- B- सालिग्राम
- C- मनुष्य जैसा आकार नहीं
- D- अति सूक्ष्म सितारा

प्रश्न 21- बाबा समझाते हैं वारिस किसको कहा जाता है ?

- A- ब्राह्मण बच्चों को
- B- जो भगवान को अपना वारिस बनाते हैं
- C- मिलकियत देते हैं वहीं
- D- जो हर कदम श्रीमत पर चलते

प्रश्न 22- कोई भी मनुष्य समझ नहीं सकते कि यह सब बी. के. किसके बच्चे हैं। किसके हैं ?

- A- शिवबाबा के
- B- ब्रह्मा
- C- प्रजापिता ब्रह्मा के
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 23- तुम्हारी नज़र इस शरीर पर चली जाती है क्योंकि -

- A- तुम बच्चे अपने को आत्मा नहीं समझते हो
- B- अहंकार के कारण
- C- देह-अभिमान है
- D- 63 जन्मों से शरीर समझा है

प्रश्न 24- कर्म करते अपने को क्या समझो ?

- A- साक्षी
- B- आत्मा
- C- अव्यक्त फरिश्ता
- D- उपराम

प्रश्न 25- हम किस की वंशावली हैं ?

- A- प्रजापिता ब्रह्मा की
- B- निराकार शिवबाबा
- C- धर्म पिताओं की
- D- सिजरे की

प्रश्न 26- कोई- कोई पूछते हैं आपकी संस्था का उद्देश्य क्या है ?

- A- बोलो नर से नारायण बनना

- B- बोलो देवता बनना
- C- बोलो सर्वगुण संपन्न बनना
- D- बोलो कलयुगी दुनिया को सतयुगी बनाना

प्रश्न 27- कौन कोई काम के न रहे ?

- A- भगवान को नहीं जानते
- B- पत्थरबुद्धि
- C- खुद को नहीं जानते
- D- तमोप्रधान बुद्धि

प्रश्न 28- माया का स्वर्ग है ?

- A- द्वापर से
- B- कभी होता नहीं
- C- कलियुग अन्त में
- D- द्वापर कलियुग में

प्रश्न 29- तुम बच्चों को बहुत खुशी रहनी चाहिए, क्योंकि-

- A- भगवान हमको पढ़ाते हैं
- B- देवता बनने वाले हैं
- C- वन्दरफुल ज्ञान मिलता है
- D- स्वयं भगवान ने चुना है

प्रश्न 30- विश्व का राज्य- भाग्य लेने के लिए सिर्फ-

- A- याद की यात्रा में रहना है
- B- ज्ञान लेना है
- C- पवित्र बनना है
- D- स्व सेवा और विश्व सेवा साथ साथ करो

प्रश्न 31- संगमयुग पर सबसे जरूरी क्या है ?

- A- स्वदर्शन चक्रधारी बनना है
- B- देवता बनना
- C- ब्राह्मण बनना
- D- अव्यभिचारी बनना

प्रश्न 32- देह-अभिमान तोड़ने के लिए क्या करना है ?

- A- करनकरावनहार की स्मृति में रहना है
- B- अपने को आत्मा समझो
- C- सब बन्धनों से वृत्ति द्वारा किनारा करना
- D- एक के साथ सर्व रिश्ता निभाना

भाग (63) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *C.माया से*

कोई से लगाव होगा तो उनकी याद आती रहेगी। फिर ईश्वर याद आ न सके। प्रतिज्ञा तोड़ते हैं तो सज़ा भी बहुत खानी पड़ती है, पद भी भ्रष्ट हो जाता है इसलिए जितना हो सके बाप को ही याद करना है। *माया तो बड़ी धोखेबाज है। कोई भी हालत में माया से अपने को बचाना है।*

उत्तर 2- *B.आत्मा और परमात्मा को*

सबसे जास्ती महत्व देना होता है आत्मा और परमात्मा को जानने का। छोटी-सी आत्मा में कितना पार्ट नून्हा हुआ है जो बजाती रहती है। देह-अभिमान में आकर पार्ट बजाते हैं तो स्वधर्म को भूल जाते हैं। अब बाप आकर आत्म अभिमानी बनाते हैं क्योंकि आत्मा ही कहती है कि हम पावन बनें। तो बाप कहते हैं मामेकम् याद करो।

उत्तर 3- *D.मनमनाभव*

4 भुजा वाले, 8 भुजा वाले कितने चित्र बना दिये हैं। समझते कुछ भी नहीं। 8-10 भुजा वाला कोई मनुष्य तो होता नहीं। जिसको जो आया सो बनाया, बस चल पड़ा। कोई ने मत दी कि हनुमान की पूजा करो बस चल पड़ा। *दिखाते हैं संजीवनी बूटी ले आया...

उसका भी अर्थ तुम बच्चे समझते हो। संजीवनी बूटी तो है मन्मनाभव!*

उत्तर 4- *A.स्नेह देना*

स्तोत्र:- *क्रोधी का काम है क्रोध करना और आपका काम है स्नेह देना।*

उत्तर 5- *C.अकालमूर्त*

बाबा की बैठक यहाँ (भ्रुकुटी में) है। यह है अकाल तख्त। *आत्मा अकालमूर्त है।* आत्मा कब छोटी बड़ी नहीं होती है। शरीर छोटा बड़ा होता है। जो भी आत्मायें हैं उन सभी का तख्त यह भ्रुकुटी है। शरीर तो सभी के भिन्न-भिन्न होते हैं। किसका अकाल तख्त पुरुष का है, किसका अकाल तख्त स्त्री का है, किसका अकाल तख्त बच्चे का है।

उत्तर 6- *C.इस शरीर की भी सम्भाल करनी है*

इस सर्वोत्तम ब्राह्मण कुल में *आपकी यह जीवन बहुत अमूल्य है, इसलिए शरीर की सम्भाल जरूर करनी है।* ऐसे नहीं यह तो मिट्टी का पुतला है, कहाँ यह खलास हो जाये! नहीं। इनको जीते रखना है। कोई बीमार होते हैं तो उनसे तंग नहीं होना चाहिए। उनको बोलो तुम शिवबाबा को याद करो।

उत्तर 7- *B.किसी को बाप का परिचय देना*

तुम बच्चे श्रीमत पर सभी की रूहानी खातिरी करते हो। *सच्ची-सच्ची खुश-खैराफत भी यह है किसको बाप का परिचय देना।* मीठे बच्चे जानते हैं बेहद के बाप द्वारा हमको जीवनमुक्ति की सौगात मिलती है। सतयुग में भारत जीवन-मुक्त था, पावन था।

उत्तर 8- *B.ज्ञान और योग की*

बाप बहुत बड़ी ऊंची खुराक देते हैं तब तो गायन है अतीन्द्रिय सुख पूछना हो तो गोप-गोपियों से पूछो। *यह ज्ञान और योग की कितनी फर्स्ट क्लास वन्दरफुल खुराक है* और यह खुराक एक ही रूहानी सर्जन के पास है। और किसको इस खुराक का मालूम ही नहीं है।

उत्तर 9- *B.उन्हों को ज्ञान का तीसरा नेत्र ही नहीं है*

अभी तुम बच्चे जानते हो कि यह पुरानी दुनिया बदलने वाली है। *बिचारे मनुष्य नहीं जानते कि कौन बदलाने वाला है और कैसे बदलाते हैं! क्योंकि उन्हों को ज्ञान का तीसरा नेत्र ही नहीं है।* तुम बच्चों को अभी ज्ञान का तीसरा नेत्र मिला है जिससे तुम सृष्टि के आदि मध्य अन्त को जान गये हो।

उत्तर 10- *D.शिवबाबा के भण्डारे से*

यहाँ रहते शरीर निर्वाह अर्थ भी सब-कुछ करना पड़ता है। *बुद्धि में रहे हम शिवबाबा के भण्डारे से खाते हैं,* शिवबाबा को याद करते रहेंगे तो काल कंटक सब दूर हो जायेंगे। फिर यह पुराना शरीर छोड़ चले जायेंगे। बच्चे समझते हैं - बाबा कुछ भी लेते नहीं हैं। वह तो दाता है। बाप कहते हैं हमारी श्रीमत पर चलो।

उत्तर 11- *A.पैसा दान किसे करना है, इस बात का पूरा ध्यान रखना है*

पैसा दान किसे देना है, इस बात पर पूरा ध्यान रखना है। अगर किसको पैसा दिया और उसने जाकर शराब आदि पिया, बुरे कर्म किये तो उसका पाप तुम्हारे ऊपर आ जायेगा। तुम्हें पाप आत्माओं से अब लेन-देन नहीं करनी है। यहाँ तो तुम्हें पुण्य आत्मा बनना है।

उत्तर 12- *D.उपरोक्त सभी*

आदि रत्न समझने से ही अपने जीवन के मूल्य को जान सकेंगे क्योंकि *आदि रत्न अर्थात् प्रभू के रत्न, ईश्वरीय रत्न-तो कितनी वैल्यू हो गई इसलिए सदा अपने को आदि देव के बच्चे मास्टर आदि देव, आदि रत्न समझकर हर कार्य करो* तो समर्थ भव का वरदान मिल जायेगा।

उत्तर 13- *A.अल्फ और बे*

इस ज्ञान की मुख्य दो सब्जेक्ट हैं - अल्फ और बे। स्वदर्शन चक्रधारी बनो और बाप को याद करो तो तुम एवरहेल्दी और वेल्दी बनेंगे। बाप कहते हैं मुझे वहाँ याद करो। घर को भी याद करो, मुझे याद करने से तुम घर चले जायेंगे।

उत्तर 14- *D.याद की आग*

इसको कहा जाता है याद की आग। *योग अग्नि माना याद की आग।* आग अक्षर क्यों कहा है? क्योंकि इसमें पाप जल जाते हैं। यह सिर्फ तुम बच्चे ही जानते हो - कैसे हम तमोप्रधान से सतोप्रधान बनते हैं।

उत्तर 15- *B.कहो शिवबाबा गुडमॉर्निंग*

*मीठे बच्चे - पतित से पावन बनाने वाले बाप के साथ तुम्हारा बहुत-बहुत लव होना चाहिए, *सवेरे-सवेरे उठकर पहले-पहले कहो शिवबाबा गुडमॉर्निंग**

उत्तर 16- *B.ड्रामा के राज़ को*

बाबा कहते हैं नींद को जीतने वाले बच्चे मामेकम् याद करो और विचार सागर मन्थन करो। *ड्रामा के राज़ को बुद्धि में रखने से बुद्धि एकदम शीतल हो जाती है*

उत्तर 17 - *A.विष्णु*

बाप समझाते हैं मीठे बच्चे गफलत मत करो। स्वदर्शन चक्रधारी बनो, लाइट हाउस बनो। स्वदर्शन चक्रधारी बनने की प्रैक्टिस अच्छी हो जायेगी तो फिर तुम जैसे ज्ञान का सागर हो जायेंगे। जैसे स्टूडेंट पढ़कर टीचर बन जाते हैं ना। तुम्हारा धन्धा ही यह है। सबको स्वदर्शन चक्रधारी बनाओ तब ही चक्रवर्ती राजा-रानी बनेंगे इसलिए *बाबा सदैव बच्चों से पूछते हैं स्वदर्शन चक्रधारी हो बैठे हो? बाप भी स्वदर्शन चक्रधारी है ना।*

उत्तर 18- *B.अपने को आत्मा समझ परमपिता परमात्मा को याद करो*

मीठे-मीठे बच्चों को बाप बैठ समझाते हैं जब कोई सभा में भाषण करते हो वा किसको समझाते हो तो घड़ी-घड़ी बोलो अपने को आत्मा समझ परमपिता परमात्मा को याद करो। इस याद से ही तुम्हारे विकर्म विनाश होंगे। तुम पावन बन जायेंगे।

उत्तर 19- *B.श्रीमत पर चलते हैं*

बाप कहते हैं बच्चे बीती सो बीती। अब पहले अपने को सुधारो। खुद याद करेंगे नहीं, दूसरों को कहते रहेंगे, यह ठगी चल न सके। अन्दर दिल जरूर खाती होगी। *बाप के साथ पूरा लव नहीं है तो श्रीमत पर चलते नहीं हैं।* बेहद के बाप जैसी शिक्षा तो और कोई दे न सके। बाप कहते हैं मीठे बच्चे इस पुरानी दुनिया को अब भूल जाओ।

उत्तर 20- *B.सालिग्राम*

बच्चे जानते हैं हम आत्माओं का रूहानी बाप वह एक है, उनका रूप दिखाई नहीं पड़ता है। *उस निराकार का चित्र भी है सालिग्राम मिसल।* उनको ही परमात्मा कहते हैं। उनको कहा ही जाता है निराकार। मनुष्य जैसा आकार नहीं है। हर वस्तु का आकार जरूर होता है। उन सबमें छोटे में छोटा आकार है आत्मा का।

उत्तर 21- *B.जो भगवान को अपना वारिस बनाते हैं*

बहुत हैं जो वारिस बनने के राज़ को भी नहीं जानते हैं। बाबा के पास मिलने आते हैं परन्तु वारिस नहीं हैं। विजय माला में नहीं आ सकते। कोई अच्छे-अच्छे बच्चे समझते हैं हम तो वारिस हैं। परन्तु *बाबा समझते हैं यह वारिस है नहीं। वारिस बनने के लिए भगवान को अपना वारिस बनाना पड़े,*

उत्तर 22- *C.प्रजापिता ब्रह्मा के*

कोई भी मनुष्य समझ नहीं सकते कि यह सब बी.के. किसके बच्चे हैं। प्रजापिता ब्रह्मा की सन्तान कब होते हैं, यह दुनिया में किसको पता नहीं है। ब्राह्मण तो ढेर के ढेर हैं। परन्तु वह हैं कुछ वंशावली। वह कोई मुख वंशावली ब्रह्मा की सन्तान नहीं हैं। तुम ब्राह्मण अलग हो, वो अलग हैं। तुम ब्राह्मण होते ही हो संगम पर, वह होते हैं द्वापर-कलियुग में। *यह संगमयुगी ब्राह्मण ही प्रजापिता ब्रह्मा के बच्चे हैं।*

उत्तर 23- *A.तुम बच्चे अपने को आत्मा नहीं समझते हो*

बाप कहते हैं मैं इनमें प्रवेश कर तुम बच्चों को नॉलेज देता हूँ। *तुम बच्चे अपने को आत्मा नहीं समझते हो इसलिए तुम्हारी नज़र इस शरीर पर चली जाती है।* वास्तव में तुम्हारा इनसे कोई काम नहीं है।

उत्तर 24- *C.अव्यक्त फरिश्ता*

चलते फिरते सदैव अपने को निराकारी आत्मा और कर्म करते अव्यक्त फरिश्ता समझो तो सदा खुशी में ऊपर उड़ते रहेंगे। फरिश्ता अर्थात् ऊंची स्टेज पर रहने वाला।

उत्तर 25- *B.निराकार शिवबाबा की*

ब्राह्मणों में भी कुछ बच्चे पक्के हैं। मातेले भी बनेंगे, सौतेले भी बनेंगे। *हम निराकार शिवबाबा की वंशावली हैं।* जानते हैं बिरादरी कैसे बढ़ती जाती है। अभी ब्राह्मण बनने के बाद हमको वापिस जाना है।

उत्तर 26- *A.बोलो नर से नारायण बनना*

तुम तो सचमुच नर से नारायण बनने आये हो। *कोई-कोई पूछते हैं आपकी संस्था का उद्देश्य क्या है? बोलो नर से नारायण बनना - यह है हमारा उद्देश्य।* परन्तु यह कोई संस्था नहीं है। यह तो परिवार है। माँ, बाप और बच्चे बैठे हैं।

उत्तर 27- *A.भगवान को नहीं जानते*

बाप आकर समझाते हैं मुझे भगवान तो कहते हैं परन्तु जानते कोई भी नहीं हैं। *भगवान को नहीं जानते तो कोई काम के न रहे।* दुःख में ही हे प्रभु, हे ईश्वर कह पुकारते हैं। परन्तु वन्दर है, एक भी मनुष्य मात्र बेहद के बाप रचता को जानते नहीं।

उत्तर 28- *C.कलियुग अन्त में*

मनुष्य समझते हैं - अभी तो स्वर्ग बन गया है। आगे थोड़े ही इतनी बड़ी बिल्डिंग्स आदि थीं। तो कितना आपोजीशन है। भगवान स्वर्ग रचते हैं तो माया भी अपना स्वर्ग दिखाती है। *कलियुग अन्त है माया का स्वर्ग।* इसका फॉल होना है कितनी जबरदस्त माया है। तुमको उनसे मुँह मोड़ना है।

उत्तर 29- *A.भगवान हमको पढ़ाते हैं*

अभी तुम बच्चे जानते हो बाबा हमको शिवालय में ले जाते हैं तो *यह खुशी रहनी चाहिए ना। हमको बेहद का भगवान पढ़ा रहे हैं।* बाप कहते हैं मैं तुमको विश्व का मालिक बनाता हूँ।

उत्तर 30- *C.पवित्र बनना है*

विश्व का राज्य-भाग्य लेने के लिए सिर्फ पवित्र बनना है। जैसे बाप निरहंकारी बन पतित दुनिया, पतित तन में आते हैं, ऐसे बाप समान निरहंकारी बन सेवा करनी है।

उत्तर 31- *C.ब्राह्मण बनना*

मनुष्यों को यह पता नहीं है कि *संगमयुग को पुरुषोत्तम कहा जाता है। वास्तव में है पुरुषोत्तम युग, जबकि बाप आकर ऊँच ते ऊँच बनाते हैं। अभी तुम पुरुषोत्तम बन रहे हो। सबसे ऊँच ते ऊँच पुरुषोत्तम, लक्ष्मी-नारायण ही हैं। *अब फिर शूद्र से ब्राह्मण बन रहे हो*

उत्तर 32- *B.अपने को आत्मा समझो*

अब बाप बच्चों को समझाते हैं तुम अशरीरी आये थे फिर 84 जन्म ले पार्ट बजाया, अब वापिस जाना है। *अपने को आत्मा समझो, देह-अभिमान तोड़ो*। सिर्फ याद की यात्रा पर रहना है और कोई तकलीफ नहीं है।

भाग - (64)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- औरों के मन के भावों को जानने के लिए -

- A- सदा मनमनाभव की स्थिति में रहो
- B- ज्ञान मूर्त, याद मूर्त और सर्व दिव्य गुण मूर्त बनो
- C- उड़ती कला में स्थित रहने का अभ्यास बढ़ाते चलो
- D- परखने की शक्ति बढ़ाओ

प्रश्न 2- हर एक चित्र पर क्या लिखा हुआ हो ?

- A- गीता के भगवान शिव
- B- ओम शांती
- C- त्रिमूर्ति शिव
- D- शिव भगवानुवाच

प्रश्न 3- सब कुछ किस के अनुसार ही चलता है ?

- A- भगवान
- B- ड्रामा
- C- कर्म
- D- संकल्प

प्रश्न 4- होलीएस्ट ऑफ होली है -

- A- मधुबन
- B- पाण्डव भवन
- C- परमधाम
- D- शिवबाबा

प्रश्न 5- वायुमण्डल को पावरफुल बनाने का साधन है -

- A- अपने अव्यक्त स्वरूप की साधना
- B- तपस्या
- C- व्यर्थ बातों से परे हो जाना

D- मनसा सेवा

प्रश्न 6- कौन भारत के मोस्ट वैल्युबुल सर्वेन्ट है ?

- A- हम ब्राह्मण बच्चे
- B- शिवबाबा
- C- त्रिमूर्ति
- D- मम्मा बाबा

प्रश्न 7- सर्व शक्तिमान् बाप को प्रत्यक्ष करने के लिए कौन सी शक्ति को बढ़ाओ ?

- A- एकाग्रता
- B- फरिश्ता
- C- साक्षीद्रष्टा
- D- अन्तर्मुखता

प्रश्न 8 - सबसे बड़ी मंजिल क्या है ?

- A- निर्विकारी बनना
- B- देह सहित और कोई भी याद न रहे,
- C- आत्मा समझ आत्मा भाई-भाई को देखना
- D- बाप समान बनना

प्रश्न 9- बनने में ही बड़ी मेहनत लगती है ?

- A- देही-अभिमानि
- B- देवता
- C- नॉलेजफुल
- D- कर्मयोगी

प्रश्न 10- व्यभिचारी पूजा है -

- A- 5 तत्वों की पूजा
- B- शरीर की पूजा
- C- लक्ष्मी-नारायण पूजा
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 11- कौन सी प्रैक्टिस करनी है, इसी को ही कर्मातीत अवस्था कहा जाता है ?

- A- अभी-अभी शरीर में आये फिर अभी- अभी अशरीरी बन गये,
- B- न्यारेपन का अनुभव करो
- C- चलते-फिरते फरिश्तेपन के साक्षात्कार करो
- D- किसी भी कर्म का बोझ न हो

प्रश्न 12- सबसे बड़ा पुण्य है -

- A- आत्माओं को घर का रास्ता बताना,
- B- तन-मन-धन दूसरों की सेवा में लगाना,
- C- बाप का परिचय देना,
- D- बाप को याद करना और दूसरों को भी याद दिलाना

प्रश्न 13- वर्तमान समय मनन शक्ति से आत्मा में सर्व शक्तियाँ भरने की आवश्यकता है तभी -

- A- मगन अवस्था रहेगी और विघ्न टल जायेंगे
- B- प्रत्यक्षता होगी
- C- विश्व कल्याणकारी बन सकेंगे
- D- विनाश होगा

प्रश्न 14- पिछाड़ी में आने वाले जो ऊंच पद पायेंगे, उसका आधार क्या होगा ?

- A- याद
- B- ज्ञान
- C- धारणा
- D- सेवा

प्रश्न 15- तुम बच्चे जानते हो यह अनादि बना बनाया ड्रामा है। यह हार जीत का खेल है। जो होता है वह ठीक है। यह ड्रामा जरूर किस को पसन्द होगा ?

- A- मनुष्य को
- B- आत्माओं को
- C- क्रियेटर को
- D- पार्टधारी को

प्रश्न 16- कौन सा अभ्यास ही नम्बर आगे आने का आधार है ?

- A- स्व सेवा और विश्व सेवा साथ साथ
- B- सकाश देने का
- C- लाइट हाउस, माइट हाउस बनने का
- D- अशरीरी स्थिति का अनुभव

प्रश्न 17- वर्तमान समय ब्रह्मा बाप के कौन से रूप का पार्ट चल रहा है ?

- A- सच्चे स्नेही
- B- सहयोग का
- C- अव्यक्त रूप का
- D- हजार भुजा वाले

प्रश्न 18- टीचर का काम है शिक्षा देना और गुरु का काम है मंजिल बताना। मंजिल है -

- A- विश्व की राजाई मिलना
- B- स्वर्ग
- C- मुक्तिधाम
- D- मुक्ति जीवनमुक्ति की

प्रश्न 19-.....करने से मनुष्य को खुशी होती है ?

- A- दान
- B- याद
- C- अच्छे कर्म
- D- सच्ची सेवा

प्रश्न 20- अलग पर्याय (समानार्थक शब्द) का चुनाव कीजिए ?

- A- आदि सनातन देवी-देवता धर्म
- B- इस्लाम धर्म
- C- बौद्ध धर्म
- D- क्रिश्चियन धर्म

प्रश्न 21- जिनके कर्म श्रेष्ठ हैं, उनकी निशानी क्या होगी ?

- A- ज्ञान की धारणा होगी
- B- स्नेही और सहयोगी होंगे
- C- उनके द्वारा किसी को भी दुःख नहीं पहुँचेगा।
- D- सदा खुशी में रहेंगे

प्रश्न 22- निराकारी दुनिया से कौन कौन रूप बदलकर यहाँ आकर साकार बनते हैं ?

- A- शिवबाबा
- B- हम आत्मायें
- C- सब धर्म स्थापक की आत्मायें
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 23- वास्तव में हनुमान का मिसाल कब का है ?

- A- संगमयुग का
- B- त्रेतायुग का
- C- द्वापर का
- D- कलियुग

प्रश्न 24- खुशी उनको होगी जो -

- A- निर्माणचित्त होंगे
- B- निश्चय करे कि मैं आत्मा हूँ
- C- सारा दिन सर्विस करते रहेंगे
- D- बाबा को कोई समाचार दे

प्रश्न 25- भारत को मदरकन्ट्री कहते हैं, क्योंकि -

- A- बाबा माताओं पर ही कलष रखते हैं
- B- अम्बा का नाम बहुत बाला है
- C- शिवबाबा भारत में आते हैं
- D- माता बहुत हैं

प्रश्न 26- कब साधारण कर्म अलौकिक कर्म में बदल जायेंगे ?

- A- डबल लाइट बने तो
- B- करनकरावनहार की स्मृति में रहने से
- C- सदैव यही स्मृति में रहे कि अवतरित होकर अवतार बन करके श्रेष्ठ कर्म करने के लिए आये हैं
- D- आत्मिक दृष्टि-वृत्ति से करने से

प्रश्न 27- जो अच्छे गुणवान बच्चे हैं उनकी मुख्य निशानियां क्या होंगी ?

- A- वह कांटों को फूल बनाने की अच्छी सेवा करेंगे
- B- किसी को भी कांटा नहीं लगायेंगे, कभी भी आपस में लड़ेंगे नहीं
- C- किसी को भी दुःख नहीं देंगे
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 28- बाप कहते हैं कि मेरे डायरेक्शन पर चलने से -

- A- फिर मैं रेसपॉन्सिबुल हूँ
- B- देवता बनेंगे
- C- आधाकल्प रेसपॉन्सिबुल हूँ
- D- बेड़ा पार हो जायेगा

प्रश्न 29- चलते-फिरते बाप को याद करना है क्योंकि -

- A- बाप की डायरेक्शन है
- B- श्रीमत है
- C- पापों का बोझा कैसे उतरेगा
- D- कर्मयोगी हैं

प्रश्न 30- दुख-सुख से न्यारे कौन हैं ?

- A- महतत्व मे आत्मायें रहती है
- B- सतयुग में
- C- शिवबाबा
- D- A और C
- E- A,B और C

प्रश्न 31- सही क्रम पहचानिए ?

- A- ईश्वरीय सन्तान- दैवी सन्तान - आसुरी सन्तान
- B- आसुरी सन्तान- ईश्वरीय सन्तान- दैवी सन्तान
- C- दैवी सन्तान- आसुरी सन्तान- ईश्वरीय सन्तान
- D- उपरोक्त सभी क्रम सही

प्रश्न 32- रावण क्या है, उसको जलाते क्यों हैं, यह भी कोई नहीं जानते। आप जानते हो क्यों जलाते हैं ?

- A- आधाकल्प राज्य करता है
- B- विकार है
- C- दुःख देता है
- D- दुश्मन है

भाग (64) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *A.सदा मनमनाभव की स्थिति में रहो*

औरों के मन के भावों को जानने के लिए सदा मनमनाभव की स्थिति में स्थित रहो।

उत्तर 2- *D.शिव भगवानुवाच*

हर एक चित्र पर शिव भगवानुवाच लिखा हुआ हो। इससे घड़ी-घड़ी शिवबाबा याद आयेगा। ज्ञान भी देते रहेंगे। म्युज़ियम अथवा प्रदर्शनी की सर्विस में ज्ञान और योग दोनों इकट्ठे चलते हैं। याद में रहने से नशा चढ़ेगा। तुम पावन बन सारे विश्व को पावन बनाते हो

उत्तर 3- *B.ड्रामा*

ऊंच ते ऊंच बाप का कर्तव्य भी ऊंच है। ऐसे नहीं, ईश्वर तो समर्थ है, जो चाहे सो करे। नहीं, यह भी ड्रामा अनादि बना हुआ है। *सब कुछ ड्रामा अनुसार ही चलता है*। लड़ाई आदि में कितने मरते हैं। यह भी ड्रामा में नूँध है।

उत्तर 4- *D.शिवबाबा*

बाप युक्तिबाज़ तो है ना। नहीं तो यह टॉवर ऑफ साइलेन्स, *होलीएस्ट ऑफ होली टॉवर है, जहाँ होलीएस्ट ऑफ होली बाप सारे विश्व को बैठ होली बनाते हैं*। यहाँ कोई पतित आ न सके। परन्तु बाप कहते हैं मैं आया ही हूँ सभी पतितों को पावन बनाने, इस खेल में मेरा भी पार्ट है।

उत्तर 5- *A.अपने अव्यक्त स्वरूप की साधना*

वायुमण्डल को पावरफुल बनाने का साधन है अपने अव्यक्त स्वरूप की साधना। इसका बार-बार अटेन्शन रहे क्योंकि जिस बात की साधना की जाती है, उसी बात का ध्यान रहता है। तो अव्यक्त स्वरूप की साधना अर्थात् बार-बार अटेन्शन की तपस्या

उत्तर 6- *A.हम ब्राह्मण बच्चे*

"मीठे बच्चे - *तुम ब्राह्मण बच्चे भारत के मोस्ट वैल्युबुल सर्वेन्ट हो,* तुम्हें अपने तन-मन-धन से श्रीमत पर इसे रामराज्य बनाना है"

उत्तर 7- *A.एकाग्रता*

स्तोत्र:- *सर्व शक्तिमान् बाप को प्रत्यक्ष करने के लिए एकाग्रता की शक्ति को बढ़ाओ।*

उत्तर 8- *B.देह सहित और कोई भी याद न रहे*

जो बच्चे अपनी कुछ न कुछ उन्नति करते हैं तो चढ़ पड़ते हैं। सरेन्डर होते ही हैं गरीब। *देह सहित और कोई भी याद न रहे, बड़ी मंजिल है।* अगर सम्बन्ध जुटा हुआ होगा तो वह याद जरूर पड़ेंगे।

उत्तर 9- *A.देही -अभिमानी*

तुम कहते हो हम आत्मा पुरुषार्थ कर स्वर्ग का देवी-देवता बन रही हूँ। अहम् आत्मा, मम शरीर है। *देही-अभिमानी बनने में ही बड़ी मेहनत लगती है*। घड़ी-घड़ी अपने को आत्मा समझ बाप को याद करते रहो तो विकर्म विनाश हो जायें।

उत्तर 10- *D.उपरोक्त सभी*

श्रीकृष्ण को भी श्याम सुन्दर कहते हैं ना। पुजारी लोग अन्धश्रद्धालु हैं। कितनी भूत पूजा है। *शरीर की पूजा, गोया 5 तत्वों की पूजा हो गई। लक्ष्मी-नारायण की पूजा करते हैं, मन्दिर बनाते हैं, समझते कुछ भी नहीं। इसको कहा जाता है - व्यभिचारी पूजा।*

उत्तर 11- *A.अभी-अभी शरीर में आये फिर अभी-अभी अशरीरी बन गये*

जैसे एक सेकेण्ड में स्वीच आन और आफ किया जाता है, ऐसे ही एक सेकेण्ड में शरीर का आधार लिया और फिर एक सेकेण्ड में शरीर से परे अशरीरी स्थिति में स्थित हो जाओ। *अभी-अभी शरीर में आये फिर अभी-अभी अशरीरी बन गये, यह प्रैक्टिस करनी है, इसी को ही कर्मातीत अवस्था कहा जाता है।*

उत्तर 12- *D. बाप को याद करना और दूसरों को भी याद दिलाना*

बाबा ने तुम बच्चों को पुण्य और पाप की गहन गति भी समझाई है। पुण्य क्या है और पाप क्या है! *सबसे बड़ा पुण्य है - बाप को याद करना और दूसरों को भी याद दिलाना।*

उत्तर 13- *A.मगन अवस्था रहेगी और विघ्न टल जायेंगे*

वर्तमान समय मनन शक्ति से आत्मा में सर्व शक्तियाँ भरने की आवश्यकता है तब मगन अवस्था रहेगी और विघ्न टल जायेंगे। विघ्नों की लहर तब आती है जब रूहानियत की तरफ फोर्स कम हो जाता है।

उत्तर 14- *A.याद*

बच्चे अच्छी रीति याद करते हैं तो बाप की भी याद से याद मिलती है। याद से बच्चे बाप को खींचते हैं। *पिछाड़ी में आने वाले जो ऊंच पद पाते, उसका आधार भी याद है।*

उत्तर 15- *C.क्रिएटर को*

तुम बच्चे जानते हो यह अनादि बना बनाया ड्रामा है। यह हार जीत का खेल है। जो होता है वह ठीक है। क्रियेटर को ड्रामा जरूर पसन्द होगा ना। तो क्रियेटर के बच्चों को भी पसन्द होगा।

उत्तर 16- *D.अशरीरी स्थिति का अनुभव*

स्लोगन:- *अशरीरी स्थिति का अनुभव व अभ्यास ही नम्बर आगे आने का आधार है।*

उत्तर 17- *D.हज़ार भुजा वाले*

वर्तमान समय हजार भुजा वाले ब्रह्मा बाप के रूप का पार्ट चल रहा है। जैसे आत्मा के बिना भुजा कुछ नहीं कर सकती, वैसे बापदादा के बिना भुजा रूपी बच्चे कुछ नहीं कर सकते। हर कार्य में पहले बाप का सहयोग है।

उत्तर 18- *D.मुक्ति जीवनमुक्ति की*

रूहानी बाप अभी तुम बच्चों से रूहरिहान कर रहे हैं, शिक्षा दे रहे हैं। *टीचर का काम है शिक्षा देना और गुरु का काम है मंजिल बताना। मंजिल है मुक्ति जीवनमुक्ति की*। मुक्ति के लिए याद की यात्रा बहुत जरूरी है और जीवनमुक्ति के लिए रचना के आदि मध्य अन्त को जानना जरूरी है।

उत्तर 19- *A.दान*

दान करने से मनुष्य को खुशी होती है। समझते हैं इसने आगे जन्म में दान-पुण्य किया है तब अच्छा जन्म मिला है। कोई भक्त होते हैं, समझेंगे हम भक्त अच्छे भक्त के घर में जाकर जन्म लेंगे।

उत्तर 20- *A.आदि सनातन देवी-देवता धर्म*

आदि सनातन देवी-देवता धर्म की स्थापना होती है, बाकी और सब धर्म इस्लाम, बौद्ध, क्रिश्चियन धर्म विनाश हो जायेंगे। सतयुग में बरोबर एक ही धर्म था। वह हिस्ट्री-जॉग्राफी जरूर फिर से रिपीट होनी है। फिर से स्वर्ग की स्थापना होगी। जिसमें लक्ष्मी-नारायण का राज्य था, परिस्तान था, अभी तो कब्रिस्तान है।

उत्तर 21- *C.उनके द्वारा किसी को भी दुःख नहीं पहुंचेगा*

हम अपने परमपिता परमात्मा की श्रीमत् पर इस भारत को फिर से श्रेष्ठ ते श्रेष्ठ बनाते हैं, तो खुद को भी बनना पड़े। अपने को देखना है कि हम श्रेष्ठ बने हैं? कोई भ्रष्टाचार का काम कर किसको दुःख तो नहीं देते हैं? *जिनके कर्म श्रेष्ठ हैं उनके द्वारा किसी को भी दुःख नहीं पहुंचेगा।* जैसे बाप दुःख हर्ता सुख कर्ता है, ऐसे श्रेष्ठ कर्म करने वाले भी दुःख हर्ता सुख कर्ता होंगे।

उत्तर 22- *D.उपरोक्त सभी*

आपेही अपना-अपना हिसाब निकालेंगे। सबको इस चक्र और झाड़ पर समझाना है। *क्राइस्ट कब आया? इतना समय वह आत्मायें कहाँ रहती हैं? जरूर कहेंगे निराकारी दुनिया में हैं। हम आत्मायें रूप बदलकर यहाँ आकर साकार बनते हैं। बाप को भी कहते हैं ना - आप भी रूप बदल साकार में आओ।* आयेंगे तो यहाँ ना।

उत्तर 23- *A.संगमयुग का*

हनुमान का मिसाल है ना - जहाँ सतसंग होता था, वहाँ ज़ुतियों में जाकर बैठता था। तुमको भी चांस लेना चाहिए। *वास्तव में हनुमान का मिसाल है संगमयुग का,* तुम कहाँ भी सतसंग आदि में जाकर मिक्स हो बैठ सकते हो। सर्विस की अनेक युक्तियाँ हैं, रामायण, भागवत आदि की भी बहुत बातें हैं, जिस पर तुम दृष्टि दे सकते हो।

उत्तर 24- *C.सारा दिन सर्विस करते रहेंगे*

अज्ञान भक्ति को कहा जाता है। ज्ञान का सागर तो बाप ही है। जो बहुत भक्ति करते हैं, वह भक्ति के सागर हैं। भक्त माला भी है ना। भक्त माला के भी नाम इकट्ठे करने चाहिए। भक्त माला द्वापर से कलियुग तक ही होगी। बच्चों को बहुत खुशी रहनी चाहिए। *बहुत खुशी उनको होगी जो सारा दिन सर्विस करते रहेंगे।*

उत्तर 25- *B.अम्बा का नाम बहुत बाला है*

भारत को मदरकन्ट्री कहते हैं क्योंकि अम्बा का नाम बहुत बाला है। अम्बा के मेले भी बहुत लगते हैं, अम्बा मीठा अक्षर है। छोटे बच्चे भी माँ को प्यार करते हैं ना क्योंकि माँ खिलाती, पिलाती सम्भालती है। अब अम्बा का बाबा भी चाहिए ना। यह तो बच्ची है एडाप्टेड। पति तो है नहीं। यह नई बात है ना।

उत्तर 26- *C.सदैव यही स्मृति में रहे कि अवतरित होकर अवतार बन करके श्रेष्ठ कर्म करने के लिए आये हैं*

जैसे बाप साधारण तन लेते हैं, जैसे आप बोलते हो वैसे ही बोलते हैं, वैसे ही चलते हैं तो कर्म भल साधारण है, लेकिन स्थिति ऊँची

रहती है। ऐसे आप बच्चों की भी स्थिति सदा ऊंची हो। डबल लाइट बन ऊंची स्थिति में स्थित हो कोई भी साधारण कर्म करो। *सदैव यही स्मृति में रहे कि अवतरित होकर अवतार बन करके श्रेष्ठ कर्म करने के लिए आये हैं। तो साधारण कर्म अलौकिक कर्म में बदल जायेंगे।*

उत्तर 27- *D.उपरोक्त सभी*

जो अच्छे गुणवान बच्चे हैं, वह कांटों को फूल बनाने की अच्छी सेवा करेंगे। किसी को भी कांटा नहीं लगायेंगे, कभी भी आपस में लड़ेंगे नहीं। किसी को भी दुःख नहीं देंगे। दुःख देना भी कांटा लगाना है।

उत्तर 28- *A.फिर मैं रेस्पॉन्सिबल हूँ*

तुम आधाकल्प आसुरी डायरेक्शन पर चलते आये हो, अब ऐसे निश्चय करो कि हम ईश्वरीय डायरेक्शन पर चलते हैं तो बेड़ा पार हो सकता है। अगर ईश्वरीय डायरेक्शन न समझ मनुष्य का डायरेक्शन समझा तो मूँझ पड़ेंगे। *बाप कहते हैं - मेरे डायरेक्शन पर चलने से फिर मैं रेस्पॉन्सिबल हूँ।*

उत्तर 29- *C.पापों का बोझा कैसे उतरेगा*

चलते-फिरते बाप को याद नहीं करेंगे तो पापों का बोझा कैसे उतरेगा? आधाकल्प का बोझा है। इसमें ही बड़ी मेहनत है। अपने को आत्मा समझो और बाप को याद करो। भल बाबा को बहुत बच्चे लिख भेजते हैं - इतना समय याद में रहा परन्तु याद रहती नहीं है। चार्ट को समझते ही नहीं हैं।

उत्तर 30- *C.शिवबाबा*

तुम आत्मायें जहाँ रहती हो वह है तुम आत्माओं और बाबा का देश। फिर तुम स्वर्ग में जाते हो, जिसकी बाबा स्थापना कराते हैं। *बाप खुद उस स्वर्ग में नहीं आते। खुद तो वाणी से परे वानप्रस्थ में जाकर रहते हैं। स्वर्ग में उनकी दरकार नहीं। वह तो दुःख-सुख से न्यारे हैं ना।* तुम तो सुख में आते हो, तो दुःख में भी आते हो।

उत्तर 31- *B.आसुरी सन्तान- ईश्वरीय सन्तान- दैवीय सन्तान*

बच्चों को आपस में लड़ना-झगड़ना भी नहीं चाहिए। *इस समय तुम जानते हो हम ईश्वरीय सन्तान हैं, पहले आसुरी सन्तान थे, फिर अब संगम पर ईश्वरीय सन्तान बने हैं, फिर सतयुग में दैवी सन्तान होंगे।* यह चक्र का बच्चों को मालूम पड़ा है।

उत्तर 32- *B.विकार है*

रावण क्या है, उसको जलाते क्यों हैं, यह भी कोई नहीं जानते। शिवबाबा को भी नहीं जानते। जैसे देवियों को सजा करके, पूजा करके डुबोते हैं, शिवबाबा का भी मिट्टी का लिंग बनाए पूजा आदि कर फिर मिट्टी, मिट्टी में मिला देते हैं, वैसे रावण को भी बनाकर फिर जला देते हैं। समझते कुछ भी नहीं। *तुम जानते हो 5 विकार जो कि इस समय सर्वव्यापी हैं, उनको ही रावण कहा जाता है।*

भाग - (65)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- अभी मनुष्य जो दान करेंगे ईश्वर अर्थ, कुछ भी मिलेगा नहीं, क्योंकि -

- A- ईश्वर को जानते नहीं
- B- विनाश सामने खड़ा है
- C- भक्ति मार्ग है
- D- ईश्वर तो अभी आया है स्वर्ग की राजाई देने

प्रश्न 2- तकदीर कैसे बनती है ?

- A- तीनों सेवा साथ-साथ करने से
- B- श्रीमत् पर चलने से
- C- याद से
- D- गीता के ज्ञान से

प्रश्न 3- संगमयुग पर सबसे तकदीरवान किसको कहेंगे ?

- A- जिन्होंने अपना तन-मन-धन सब सफल किया है
- B- हिम्मत रख अनेकों का भाग्य बनाने वाले
- C- चुस्त स्टूडेंट
- D- जिन्होंने भगवान को जाना है

प्रश्न 4- सुस्त वह हैं जो -

- A- मनन चिन्तन नहीं करते
- B- जिन्हें सारा दिन मित्र-सम्बन्धी याद आते हैं
- C- किसी को ज्ञान सुना नहीं सकते
- D- बाप को भूल जाते हैं

प्रश्न 5- झाड़ में दिखाया जाता है फलाने-फलाने धर्म फिर कब स्थापन होंगे । सही क्रम पहचानिए ?

- A- देवी- देवता, इस्लामी, क्रिश्चियन, बौद्धी, संन्यासी
- B- देवी- देवता, इस्लामी, , बौद्धी, संन्यासी, क्रिश्चियन
- C- देवी- देवता, इस्लामी, संन्यासी, बौद्धी, क्रिश्चियन
- D- देवी- देवता, इस्लामी, बौद्धी, क्रिश्चियन, संन्यासी

प्रश्न 6- योग से है मुक्ति, ज्ञान से है,..... ?

- A- जीवनमुक्ति
- B- समझ
- C- नालेज
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 7- पाण्डव और कौरवों का युद्ध कब हुआ ?

- A- कलियुग अंत महाभारत के समय
- B- संगमयुग में
- C- द्वापर युग में
- D- सब हैं बनावटी बातें

प्रश्न 8- कोई गणेश का पुजारी होगा तो उनको गणेश का साक्षात्कार कौन करायेंगे ?

- A- शिवबाबा
- B- गणेशजी
- C- ड्रामा
- D- भक्ति की शक्ति

प्रश्न 9- रावण को दुश्मन समझकर कब से जलाते हैं ?

- A- द्वापर आदि से
- B- जब तमोप्रधान बनते हैं तब से
- C- जब बहुत दुःख होता है तब से
- D- कलियुग आदि से

प्रश्न 10- ज्ञान सूर्य नाम से कौन से देश में वो लोग अपने को सूर्यवंशी कहलाते हैं ?

- A- जापान में
- B- रशिया में
- C- भूटान में
- D- भारत में

प्रश्न 11- अन्धों की लाठी बनना है, सिर्फ यह बतलाना है कि -

- A- परमात्मा एक निराकार शिव बाबा है
- B- अपने को आत्मा समझो
- C- पवित्र बनना है
- D- बाप और वर्से को याद करो विनाश सामने खड़ा है

प्रश्न 12- एक बाप के अलावा और कोई के साथ दिल नहीं लगानी है, नहीं तो -

- A- जरूर वह सामने आयेंगे, वैर जरूर लेंगे
- B- तो धर्मराज से डन्डा खायेंगे
- C- देह-अभिमानि बनेंगे
- D- विकर्म विनाश हो नहीं सकेंगे

प्रश्न 13- अगर घड़ी-घड़ी भूल होती है तो समझना चाहिए -

- A- विकर्मों का बोझा बहुत है

- B- साधारण नौकर-चाकर बनते हैं
- C- हमारा बहुत नुकसान होगा
- D- पद कम मिलेगा

प्रश्न 14- स्वभाव और पुरुषार्थ अटेन्शन वाला बनाओ ?

- A- मीठा
- B- इज़ी
- C- सरल
- D- शुभ भावना

प्रश्न 15- इस पुरानी दुनिया से दिल क्यों नहीं लगानी है ?

- A- पुरानी दुनिया में कोई भी सार नहीं है
- B- पुरानी दुनिया खत्म होनी है
- C- यहां सब पाप आत्मा है
- D- नई दुनिया में जाना है

प्रश्न 16- देह-अहंकार से नुकसान बहुत होता है, इसलिए -

- A- कोई के शरीर से दिल नहीं लगानी है
- B- देह सहित सब-कुछ भूल जाना है
- C- मन्सा में तूफान बहुत आते हैं
- D- आत्मा भाई भाई की दृष्टि पक्की करनी है

प्रश्न 17- कोई तरफ कुदृष्टि जाये तो-

- A- फिर लूले-लंगड़े बन पड़ेंगे
- B- उसके आगे खड़ा भी नहीं होना चाहिए
- C- पाप है
- D- ऊंच पद पा नहीं सकेंगे

प्रश्न 18- सबसे बड़ा पाप कौन-सा है ?

- A- मनसा भी बुरे खयालात चलना
- B- किसी पर भी बुरी दृष्टि रखना
- C- श्रीमत पर नहीं चलना
- D- झूठ बोलना

प्रश्न 19- अगर विनाशी धन है तो -

- A- अलौकिक सेवा में लगाते जाओ।
- B- विनाशी धन का दान करो
- C- पवित्र को दान करो
- D- पात्र देख कर ही दान करो

प्रश्न 20- बाप कहते हैं अपने दिल से पूछो-

- A- कितने तक हम पुण्य आत्मा बने हैं?
- B- कोई पाप तो नहीं करते हैं?
- C- कहाँ तक योग में रहते हैं?
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 21- रीइनकारनेशन किस का होता है ?

- A- शिवबाबा
- B- हम आत्मा
- C- ब्रह्मा, विष्णु, शंकर
- D- A और B
- E- A, B और C

प्रश्न 22- अलग पर्याय शब्द का चुनाव कीजिए ?

- A- निलोभी

- B- निराकारी
- C- निर्मोही
- D- निर्विकारी

प्रश्न 23- अब श्रीकृष्ण को याद करने से तो एक भी पाप नहीं कटेगा क्योंकि -

- A- यह तो अभी हैं नहीं
- B- वह देवता है
- C- वह तो सतयुग का प्रिन्स है
- D- वह तो शरीरधारी है

प्रश्न 24- रत्न होते हैं ?

- A- 108
- B- 16
- C- 9
- D- 8

प्रश्न 25- कौन से सब्जेक्ट में सब बहुत कच्चे हैं ?

- A- ज्ञान
- B- योग
- C- धारणा
- D- सेवा

प्रश्न 26- आत्मा रूपी ज्योति में कौन सा घृत डालो तो ज्योत जगी रहेगी ?

- A- ज्ञान-योग
- B- ज्ञान
- C- योग
- D- दृढ़ संकल्प

प्रश्न 27- कौन-सा नया रास्ता तुम बच्चों के सिवाए कोई भी नहीं जानता है ?

- A- भगवान से मिलने का
- B- मुक्ति धाम का
- C- सुख का
- D- घर का रास्ता वा स्वर्ग जाने का रास्ता

प्रश्न 28- बाप कहते हैं बड़ी भारी मंजिल है -

- A- कर्मातीत बनने की
- B- अशरीरी बनने की
- C- देह को याद नहीं करना है
- D- एक बाप को याद करना

प्रश्न 29- बड़ी कमाल क्या है ?

- A- इतनी सब आत्माओं को बाप का पैगाम देना
- B- एक शिवबाबा को ही याद करना है। किसी देहधारी को नहीं
- C- इतने सब शरीरों का विनाश कराए सब आत्माओं को साथ में ले जाना
- D- मित्र-सम्बन्धी आदि सब तरफ से याद निकालकर एक बेहद की खुशी में ठहर जाएं

प्रश्न 30- कोई सतसंग में आपस में मिलते हैं तो नमस्ते करते हैं, पाँव पड़ते हैं। पाँव क्यों पड़ते हैं ?

- A- आशीर्वाद मिलता है
- B- आत्मा सो परमात्मा कहते हैं
- C- पतित है इसलिए
- D- नम्रता के लिए सिखलाते हैं

प्रश्न 31- जिन बच्चों में योगबल है, उनकी निशानी क्या होगी ?

- A- उन्हें किसी भी बात में थोड़ा भी धक्का नहीं आयेगा
- B- अवस्था एक रस होगी

C- बहुत सेवा करेंगे
D- सदा संतुष्ट होंगे

प्रश्न 32- गुडमॉर्निंग का फैशन भी कहां से निकला है ?

A- अमेरिका से
B- विदेश से
C- यूरोपियन से
D- सतसंग से

भाग (65) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *D.ईश्वर तो अभी आया है स्वर्ग की राजाई देने*

अभी मनुष्य जो दान करेंगे ईश्वर अर्थ, कुछ भी मिलेगा नहीं। ईश्वर तो अभी आया है स्वर्ग की राजाई देने। दान-पुण्य करने वालों को कुछ भी मिलेगा नहीं। संगम पर जिन्होंने अपना तन-मन-धन सब सफल किया है वा कर रहे हैं, वह हैं तकदीरवान।

उत्तर 2- *D.गीता के ज्ञान से*

शिवबाबा ही देवी धर्म की स्थापना करते हैं। तुम बच्चे कहते हो हम आये हैं तकदीर बनाने। आत्मा जानती है हम परमपिता परमात्मा से अब तकदीर बनाने आये हैं। यह है प्रिन्स-प्रिन्सेज बनने की तकदीर। *गीता के ज्ञान से ही तकदीर बनती है।*

उत्तर 3- *A.जिन्होंने अपना तन-मन-धन सब सफल किया है*

संगमयुग पर जिन्होंने अपना तन-मन-धन सब सफल किया है वा कर रहे हैं - वो हैं तकदीरवान। कोई-कोई तो बहुत मनहूस होते हैं फिर समझा जाता है तकदीर में नहीं है। समझते नहीं कि विनाश सामने खड़ा है, कुछ तो कर लें। तकदीरवान बच्चे समझते हैं बाप अभी सम्मुख आया है, हम अपना सब-कुछ सफल कर लें।

उत्तर 4- *B.जिन्हे सारा दिन मित्र- सम्बन्धी याद आते हैं*

मीठे बच्चे - चुस्त स्टूडेंट बन अच्छे मार्क्स से पास होने का पुरुषार्थ करो, सुस्त स्टूडेंट नहीं बनना, *सुस्त वह जिन्हें सारा दिन मित्र-सम्बन्धी याद आते हैं*

उत्तर 5- *D.देवी-देवता, इस्लामी, बौद्धी, क्रिश्चियन, सन्यासी*

अभी तुम जान गये हो- शिवबाबा ब्रह्मा द्वारा आदि सनातन *देवी-देवता धर्म की स्थापना कर रहे हैं। फिर इस्लामी, बौद्धी, क्रिश्चियन (सन्यास धर्म) आदि यह सब कल्प वृक्ष के टाल हैं।* गीता में भी लिखा हुआ है - मनुष्य सृष्टि का झाड़ है। तो यह झाड़ का राज बुद्धि में अभी बैठा है। इसका मुख्य धुर है - आदि सनातन देवी-देवता धर्म।

उत्तर 6- *A.जीवनमुक्ति*

योग से है मुक्ति, ज्ञान से है जीवनमुक्ति। दो वर्से मिलते हैं। इसमें सिर्फ 3 पैर पृथ्वी के चाहिए, और कुछ नहीं। गॉड फादरली युनिवर्सिटी खोलो। विश्व विद्यालय वा युनिवर्सिटी, बात तो एक ही हुई। यह मनुष्य से देवता बनने की कितनी बड़ी युनिवर्सिटी है।

उत्तर 7- *D.सब हैं बनावटी बातें*

यह जो दिखाते हैं पाण्डव और कौरवों की युद्ध हुई, यह सब हैं बनावटी बातें। अभी तुम समझते हो वह है जिस्मानी डबल हिंसक, तुम हो रूहानी डबल अहिंसक। बादशाही लेने के लिए देखो तुम बैठे कैसे हो। जानते हो बाप की याद से विकर्म विनाश होंगे। यही फुरना लगा हुआ है। मेहनत सारी याद करने में ही है इसलिए भारत का प्राचीन योग गाया हुआ है।

उत्तर 8- *A.शिवबाबा*

बाप कहते हैं जो जिस भावना से याद करते हैं, मैं उनकी भावना पूरी कर सकता हूँ। कोई गणेश का पुजारी होगा तो उनको गणेश का साक्षात्कार करायेंगे। साक्षात्कार होने से समझते हैं बस मुक्तिधाम में पहुँच गया। परन्तु नहीं, मुक्तिधाम में कोई जा न सके।

उत्तर 9- *B.जब तमोप्रधान बनते हैं तब से*

रावण का 5 विकारों का पुतला बना दिया है - 10 शीश का। उस रावण को दुश्मन समझकर जलाते हैं। सो भी ऐसे नहीं कि द्वापर आदि से ही जलाना शुरू करते हैं। नहीं, *जब तमोप्रधान बनते हैं तब कोई मत-मतान्तर वाले बैठ यह नई बातें निकालते हैं।*

उत्तर 10- *A.जापान में*

ज्ञान सूर्य नाम से जापान में वो लोग अपने को सूर्यवंशी कहलाते हैं। वास्तव में सूर्यवंशी तो देवतायें ठहरे। सूर्यवंशियों का राज्य सतयुग में ही था। गाया भी जाता है ज्ञान सूर्य प्रगटा..... तो भक्तिमार्ग का अन्धियारा विनाश।

उत्तर 11- *D.बाप और वर्से को याद करो, विनाश सामने खड़ा है*

अन्धों की लाठी बनना है, सिर्फ यह बतलाना है कि बाप और वर्से को याद करो, विनाश सामने खड़ा है। जब विनाश का समय नज़दीक देखेंगे तब तुम्हारी बातों को सुनेंगे। तुम्हारी सर्विस भी वृद्धि को पाती जायेगी, समझेंगे बरोबर ठीक है। तुम रड़ियाँ तो मारते रहते हो कि विनाश होना है।

उत्तर 12- *A.जरूर वह सामने आयेंगे,वैर जरूर लेंगे*

जितना बाप को याद करेंगे तो देह-अभिमान टूटता जायेगा और कोई की भी याद नहीं होगी। कितनी बड़ी मंजिल है, *सिवाए एक बाप के और कोई के साथ दिल नहीं लगानी है। नहीं तो जरूर वह सामने आयेंगे। वैर जरूर लेंगे।* बहुत ऊंची मंजिल है। कहना तो बड़ा सहज है, लाखों में कोई एक दाना निकलता है।

उत्तर 13- *B.हमारा बहुत नुकसान होगा*

रास्ता तो बहुत सहज है। यह भी समझते हैं तुमसे भूलें होती रहती हैं। परन्तु ऐसा न हो - भूलों में फँसते ही जाओ। एक बारी भूल हुई फिर वह भूल नहीं करनी चाहिए। अपना कान पकड़ना चाहिए, फिर यह भूल नहीं होगी। पुरुषार्थ करना चाहिए। *अगर घड़ी-घड़ी भूल होती है तो समझना चाहिए हमारा बहुत नुकसान होगा।* भूल करते-करते तो दुर्गति को पाया है ना।

उत्तर 14- *B.इज़ी*

स्लोगन:- *स्वभाव इज़ी और पुरुषार्थ अटेन्शन वाला बनाओ*

उत्तर 15- *A.पुरानी दुनिया में कोई भी सार नहीं है*

मीठे बच्चे - *इस पुरानी दुनिया में कोई भी सार नहीं है, इसलिए तुम्हें इससे दिल नहीं लगानी है,* बाप की याद टूटी तो सजा खानी पड़ेगी

उत्तर 16- *B.देह सहित सब-कुछ भूल जाना है*

बाप कहते हैं अपने को आत्मा समझो तो शरीर का भान न रहे। नहीं तो बाप की आज्ञा का उल्लंघन हो जाता है। *देह-अहंकार से नुकसान बहुत होता है इसलिए देह सहित सब-कुछ भूल जाना है।* सिर्फ बाप को और घर को याद करना है।

उत्तर 17- *B.उसके आगे खड़ा भी नहीं होना चाहिए*

बाप जो श्रीमत देते हैं उस पर पूरा चलते रहें, यह खबरदारी चाहिए। माया के तूफान तो भल आयें परन्तु कर्मेन्द्रियों से कोई विकर्म नहीं करना है। *कोई तरफ कुदृष्टि जाये तो उसके आगे खड़ा भी नहीं होना चाहिए।* एकदम चला जाना चाहिए। मालूम पड़ जाता है - इनकी कुदृष्टि है।

उत्तर 18- *B.किसी पर भी बुरी दृष्टि रखना*

किसी पर भी बुरी दृष्टि रखना - यह सबसे बड़ा पाप है। तुम पुण्य आत्मा बनने वाले बच्चे किसी पर भी बुरी दृष्टि (विकारी दृष्टि) नहीं रख सकते। जाँच करनी है हम कहाँ तक योग में रहते हैं? कोई पाप तो नहीं करते हैं? ऊँच पद पाना है तो खबरदारी रखो कि ज़रा भी कुदृष्टि न हो।

उत्तर 19- *A.अलौकिक सेवा में लगाते जाओ*

भक्त लोग दान करते हैं विनाशी धन का। अभी तुमको दान करना है अविनाशी धन का, न कि विनाशी। *अगर विनाशी धन है तो अलौकिक सेवा में लगाते जाओ।* पतित को दान करने से पतित ही बन जाते हो। अभी तुम अपना धन दान करते हो तो इसका एवजा फिर 21 जन्मों के लिए नई दुनिया में मिलता है।

उत्तर 20- *D.उपरोक्त सभी*

तुम भी कहते हो ना हम तो लक्ष्मी को वरेंगे। नारी से लक्ष्मी, नर से नारायण बनेंगे। बाप कहते हैं *अपने दिल से पूछो - कितने तक हम पुण्य आत्मा बने हैं? कोई पाप तो नहीं करते हैं? कहाँ तक योग में रहते हैं?*

उत्तर 21- *D. A और B*

बाप कहते हैं यह खेल बना हुआ है। कल्प बाद फिर ऐसा होगा। अब ड्रामा प्लैन अनुसार मैं आया हूँ तुमको समझाने। इसमें ज़रा भी फर्क नहीं पड़ सकता। बाप एक सेकण्ड की देरी नहीं कर सकते। *जैसे बाबा का रीडिन्कारनेशन होता है, वैसे तुम बच्चों का भी रीडिन्कारनेशन होता है,* तुम अवतरित हो। आत्मा यहाँ आकर फिर साकार में पार्ट बजाती है, इसको कहा जाता है अवतरण। ऊपर से नीचे आया पार्ट बजाने।

उत्तर 22- *B.निराकारी*

मूल बात है ही काम विकार की, पतित माना विकारी। विकारी कहा ही जाता है पतित बनने वाले को, जो विकार में जाते हैं। क्रोध करने वाले को ऐसे नहीं कहेंगे कि यह विकारी है। क्रोधी को क्रोधी, लोभी को लोभी कहेंगे। देवताओं को निर्विकारी कहा जाता है। *देवतायें निर्लोभी, निर्मोही, निर्विकारी हैं। वह कभी विकार में नहीं जाते।*

उत्तर 23- *D.वह तो शरीरधारी है*

इस भारत के योग की ही बहुत महिमा है। परन्तु योग कौन सिखलाते हैं - यह किसको पता नहीं है। गीता में श्रीकृष्ण का नाम डाल दिया है। *अब श्रीकृष्ण को याद करने से तो एक भी पाप नहीं कटेगा क्योंकि वह तो शरीरधारी है।* पांच तत्वों का बना हुआ है। उनको याद किया तो गोया मिट्टी को याद किया, 5 तत्वों को याद किया।

उत्तर 24- *C. 9*

9 रत्न गाये जाते हैं। 108 रत्न कब सुने हैं? 108 रत्नों की कोई चीज़ नहीं बनाते हैं। बहुत हैं जो इन बातों को पूरा समझते नहीं हैं। याद को ज्ञान नहीं कहा जाता। ज्ञान सृष्टि चक्र को कहा जाता है। शास्त्रों में ज्ञान नहीं है, वह शास्त्र हैं भक्ति मार्ग के। बाप खुद कहते हैं मैं इनसे नहीं मिलता।

उत्तर 25- *B.योग*

याद की ही मुख्य बात है। पतित ही पुकारते हैं कि आकर पावन बनाओ। मुख्य है पावन बनने की बात। इसमें ही माया के विघ्न पड़ते हैं। *शिव भगवानुवाच - याद में सब बहुत कच्चे हैं।* अच्छे-अच्छे बच्चे जो मुरली तो बहुत अच्छी चलाते हैं परन्तु याद में बिल्कुल कमज़ोर हैं। योग से ही विकर्म विनाश होते हैं। योग से ही कर्मोन्ध्रियाँ बिल्कुल शान्त हो सकती हैं।

उत्तर 26- *A.ज्ञान-योग*

मीठे बच्चे - *आत्मा रूपी ज्योति में ज्ञान - योग का घृत डालो तो ज्योत जगी रहेगी* , ज्ञान और योग का कॉन्ट्रास्ट अच्छी रीति समझना है

उत्तर 27- *D.घर का रास्ता वा स्वर्ग जाने का रास्ता*

घर का रास्ता वा स्वर्ग जाने का रास्ता अभी बाप द्वारा तुम्हें मिला है। तुम जानते हो शान्तिधाम हम आत्माओं का घर है, स्वर्ग अलग है, शान्तिधाम अलग है। *यह नया रास्ता तुम्हारे सिवाए कोई भी नहीं जानता। तुम कहते* हो अब कुम्भकरण की नींद छोड़ो, आँख खोलो, पावन बनो। पावन बनकर ही घर जा सकेंगे।

उत्तर 28- *D.एक बाप को याद करना*

तुम सब बहादुर बनते हो। सच्चे-सच्चे महावीर-महावीरनियाँ तुम हो। तुम्हारा नाम है शिव शक्ति, शेर पर सवारी है और महारथियों की हाथी पर। *फिर भी बाप कहते हैं बड़ी भारी मंजिल है। एक बाप को याद करना*

उत्तर 29- *D.मित्र-सम्बन्धी आदि सब तरफ से याद निकालकर एक बेहद की खुशी में ठहर जाएं।*

तुम्हारे में भी नम्बरवार हैं जिनकी बुद्धि में अच्छी रीति बैठता है। अगर धारणा हो तो वह नशा सदैव चढ़ा रहे। नशा कोई को बहुत मुश्किल चढ़ा रहता है। *मित्र-सम्बन्धी आदि सब तरफ से याद निकालकर एक बेहद की खुशी में ठहर जाएं, बड़ी कमाल है।* हाँ, यह भी अन्त में होगा।

उत्तर 30- *D.नम्रता के लिए सिखलाते हैं*

कोई सतसंग में आपस में मिलते हैं तो नमस्ते करते हैं, पाँव पड़ते हैं। यह पाँव आदि पड़ना नम्रता के लिए सिखलाते हैं। यहाँ तो तुम बच्चों को देही-अभिमानी बनना है। आत्मा, आत्मा को क्या करेगी? फिर भी कहना तो होता है। जैसे बाबा को कहेंगे - बाबा नमस्ते।

उत्तर 31- *A.उन्हें किसी भी बात में थोड़ा भी धक्का नहीं आयेगा*

जिन बच्चों में योगबल है उन्हें किसी भी बात में थोड़ा भी धक्का नहीं आयेगा, कहाँ भी लगाव नहीं होगा। समझो आज किसी ने शरीर छोड़ा तो दुःख नहीं हो सकता, क्योंकि जानते हैं इनका ड्रामा में इतना ही पार्ट था। आत्मा एक शरीर छोड़ जाए दूसरा शरीर लेगी।

उत्तर 32- *C.यूरोपियन से*

फैमली में एक-दो को नमस्ते वा गुडमॉर्निंग करें - इतना शोभता नहीं है। घर में तो खान-पान खाया ऑफिस में गया, फिर आया, यह चलता रहता है। नमस्ते करने की दरकार नहीं रहती। *गुडमॉर्निंग का फैशन भी यूरोपियन से निकला है।* नहीं तो आगे कुछ चलता नहीं था।

भाग - (66)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- एक शिवबाबा को ही याद करना है। किसी को नहीं ?

A- और

B- मनुष्य

C- देवता

D- देहधारी

प्रश्न 2- जो समय पर सहयोगी बनते हैं। उन्हें ?

- A- दुआयें मिलेगी
- B- एक का पदमगुणा फल मिल जाता है
- C- महादानी कहेंगे
- D- उन्हें अनेकों का सहयोग प्राप्त होता है

प्रश्न 3- गायन भी है अम्मा मरे तो भी हलुआ खाना..... समझो कोई भी मर जाता है -

- A- फिक्र की बात नहीं होती
- B- क्योंकि यह ड्रामा अनादि बना हुआ है
- C- ड्रामानुसार उनको इस समय जाना ही था, इसमें कर ही क्या सकते हैं। ज़रा भी दुःखी होने की बात नहीं
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 4- अन्त में कौन आयेंगे, बाप को याद करने लग पड़ेंगे ?

- A- जो भी इस धर्म के होंगे
- B- ढेर मनुष्य
- C- संन्यासी
- D- नामीग्रामी

प्रश्न 5- बाप के मददगार बनने का सबसे सहज उपाय है -

- A- सबका कल्याण करना है
- B- बाप कहते हैं मुझे निरन्तर याद करो
- C- सर्विस करना
- D- तीन पैर पृथ्वी के देना

प्रश्न 6- युक्तियुक्त वा यथार्थ सेवा का प्रत्यक्षफल है

- A- पुरुषार्थ
- B- खुशी
- C- सदा विजयी
- D- निर्विघ्न

प्रश्न 7- अलग पर्याय का चुनाव कीजिए -

- A- दुर्गा
- B- लक्ष्मी
- C- काली
- D- सरस्वती

प्रश्न 8- गृहस्थ व्यवहार में रहो तो क्या जरूरी नहीं है -

- A- भल रंगीन कपड़े पहनो
- B- सफेद कपड़े पहनो
- C- ट्रस्टी बनो
- D- बच्ची अगर ज्ञान में नहीं चलती है, शादी करना चाहती है तो कर दो।

प्रश्न 9- स्वास्तिका का भी महत्व क्यों है ?

- A- युग बिल्कुल इकल हैं, इसलिए
- B- खाता जो बनाते हैं तो उसमें स्वास्तिका बनाते हैं, इसलिए
- C- बाप कहते हैं मैं 5-5 हज़ार वर्ष बाद आता हूँ, इसलिए
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 10- बाबा ने समझाया है कि सबसे जास्ती जन्म कौन लेंगे ?

- A- जिन्होंने शुरू से भक्ति की है
- B- सूर्यवंशी
- C- ज्ञान को बड़ी रूचि से सुनेंगे वह
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 11- कौनसे सतोप्रधान देवताओं के चित्र खड़े हैं ? गायन भी उन्हीं का है।

- A- लक्ष्मी-नारायण
- B- राम सीता
- C- ब्रह्मा विष्णु शंकर
- D- A और B

प्रश्न 12- संन्यासियों के सम्बन्ध में कौन सा कथन सत्य है ?

- A- निवृत्ति मार्ग वाले होते हैं
- B- मन्दिर नहीं बनाते हैं
- C- ब्रह्म तत्व को याद करते हैं
- D- A और C
- E- A, B और C

प्रश्न 13- से ही सद्भक्ति होती है ?

- A- सतगुरु से
- B- ज्ञान से
- C- भगवान से
- D- टीचर से

प्रश्न 14- शिवबाबा हैं ?

- A- सर्व का सद्भक्ति दाता
- B- पारलौकिक बाप
- C- अलौकिक वन्दरफुल बाप
- D- A और B
- E- A, B और C

प्रश्न 15- कौन सी आवाज़ सभी के कानों तक अवश्य जायेगा ?

- A- भगवान आ चुका है
- B- ज्ञान सांगर भगवान आया हुआ है
- C- भगवान एक है
- D- भगवान निराकार है

प्रश्न 16- बाप का बनकर फिर अगर लूनपानी होते रहते हैं तो -

- A- सौगुणा सजा खायेंगे
- B- बगुला बनेंगे
- C- पद भ्रष्ट होगा
- D- विकर्मों का बोझा चढ़ जायेगा

प्रश्न 17- अटेन्शन कौन सी सर्विस पर जायेगा ?

- A- मनसा
- B- स्थूल
- C- रूहानी
- D- कर्मणा

प्रश्न 18- किस को बाप का प्यार नहीं मिलता है ?

- A- मनुष्य
- B- संन्यासी
- C- अनाथ
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 19- कौनसी स्मृति ही सदा न्यारा और प्यारा बना देती है ?

- A- निराकारी दुनिया और निराकारी रूप की
- B- ब्राह्मण जीवन की
- C- अवतरण की
- D- फरिश्तेपन की

प्रश्न 20- बैज लेकर रोज़ मन्दिरों में जाकर क्या समझाओ ?

- A- यह लक्ष्मी-नारायण कैसे बनें ?
- B- फिर कहाँ गये ?
- C- कैसे राज्य-भाग्य पाया ?
- D- A और C
- E- A, B और C

प्रश्न 21- से अपना घर वा स्वर्ग देख सकते हैं ?

- A- दिव्य दृष्टि
- B- ज्ञान से
- C- आत्मा से
- D- साक्षात्कार से

प्रश्न 22- सब मनुष्य मात्र क्या जानते हैं ?

- A- पहले हम आत्मा हैं, पीछे शरीर मिलता है
- B- परमात्मा को
- C- मेरे अन्दर आत्मा है
- D- मैं आत्मा हूँ

प्रश्न 23- कौन से वर्ण सिर्फ भारतवासियों के हैं ?

- A- शूद्र वर्ण
- B- सूर्यवंशी
- C- चन्द्रवंशी
- D- B और C
- E- A, B और C

प्रश्न 24-..... वर्ष की पुरानी चीजें होंगी, नीचे से खोदकर निकालते हैं ना ?

- A- हजारों वर्ष
- B- लाखों
- C- 5000
- D- 2500 वर्ष

प्रश्न 25- झाड़ के फाउन्डेशन में कौन कौन है ?

- A- हम ब्राह्मण बच्चे
- B- सूर्यवंशी
- C- चन्द्रवंशी
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 26- जो माला सिमरण करते वह किस का यादगार है ?

- A- जो बाप के मददगार बन बाप की सर्विस करते हैं
- B- जो पूरा श्रीमत पर चलते हैं
- C- जो सदा एक रस अवस्था में रहते हैं
- D- सूर्यवंशी चन्द्रवंशी की

प्रश्न 27- क्रिश्चियन भी कहते हैं ?

- A- क्राइस्ट से 3 हजार वर्ष पहले भारत हेवन था
- B- यह समझते हैं भारत बहुत पुराना है
- C- लक्ष्मी-नारायण राज्य करते थे
- D- A और B
- E- A, B और C

प्रश्न 28- बड़ा परिवार किस का है ?

- A- रावण का
- B- ब्राह्मणों का

- C- शिव बाबा का
- D- देवी-देवताओं का

प्रश्न 29- सांवल शाह कौन है ?

- A- बापदादा
- B- हम ब्राह्मण बच्चे
- C- शिवबाबा
- D- ब्रम्हाबाबा

प्रश्न 30- कौन सा श्रेष्ठ कर्तव्य करना है ?

- A- सभी को बाप का पैगाम देने का
- B- कांटे से खुशबूदार फूल बनना
- C- कलियुगी मनुष्यों को सतयुगी देवता बनाना
- D- निर्विकारी बनना

प्रश्न 31- यहाँ तो..... स्वयं पढ़ाने आये हैं ?

- A- निराकारी
- B- अमरनाथ बाबा
- C- शिक्षक
- D- सतगुरु

प्रश्न 32- तीन फ्लोर हैं । पहला फ्लोर कौन सा है ?

- A- कोई नहीं
- B- मूलवतन
- C- सूक्ष्मवतन
- D- स्थूलवतन

भाग (66) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *D.देहधारी*

इन आँखों से जो कुछ दिखाई देता है - यह सब कब्रदाखिल होना है इसलिए इसको देखते भी नहीं देखना है। *एक शिवबाबा को ही याद करना है। किसी देहधारी को नहीं।*

उत्तर 2- *B.एक का पदमगुणा फल मिल जाता है*

स्लोगन:- *जो समय पर सहयोगी बनते हैं उन्हें एक का पदमगुणा फल मिल जाता है।*

उत्तर 3- *D.उपरोक्त सभी*

एक बाप के सिवाए और किसी से लगाव न हो, कोई भी मरे वा जिये। गायन भी है अम्मा मरे तो भी हलुआ खाना..... *समझो कोई भी मर जाता है, फिक्र की बात नहीं होती क्योंकि यह ड्रामा अनादि बना हुआ है। ड्रामानुसार उनको इस समय जाना ही था, इसमें कर ही क्या सकते हैं।* ज़रा भी दुःखी होने की बात नहीं। यह है योगबल की अवस्था।

उत्तर 4- *C.संन्यासी*

आगे चल तुम समझेंगे अब लड़ाई जोर हो जायेगी फिर ढेर तुम्हारे पास आते रहेंगे। महिमा बढ़ती जायेगी। *अन्त में संन्यासी भी आयेंगे, बाप को याद करने लग पड़ेंगे।* उनका पार्ट ही मुक्तिधाम में जाने का है। नॉलेज तो लेंगे नहीं। तुम्हारा मैसेज सभी आत्माओं तक पहुँचना है, अखबारों द्वारा बहुत सुनेंगे।

उत्तर 5 - *C.सर्विस करना*

शिवबाबा के साथ जिन आत्माओं की प्रीत होगी वह जरूर मददगार होंगे। शिवबाबा के साथ वह सर्विस करते रहेंगे। प्रीत नहीं है तो गोया विपरीत हो जाते हैं, जितनी प्रीत उतना सर्विस में मददगार बनेंगे।

उत्तर 6- *B.खुशी*

स्लोगन:- *युक्तियुक्त वा यथार्थ सेवा का प्रत्यक्षफल है खुशी।*

उत्तर 7- *B.लक्ष्मी*

भक्ति मार्ग में तो अथाह चित्र हैं। देवियों आदि की पूजा भी बहुत होती है। *दुर्गा, काली, सरस्वती है तो एक ही परन्तु नाम कितने

रख दिये हैं। लक्ष्मी नारायण सतयुग में होते हैं*। जो अच्छा पुरुषार्थ करते होंगे, अनन्य होंगे उनकी पूजा भी जास्ती होगी।

उत्तर 8- *B. सफेद कपड़े पहनो*

अभी तुम बच्चे बाप के सम्मुख बैठे हो। गृहस्थ व्यवहार में भी तो बहुत ही रहते हैं। सबको यहाँ तो नहीं बैठना है। *गृहस्थ व्यवहार में रहो, भल रंगीन कपड़े पहनो, कौन कहता है सफेद कपड़े पहनो। बाबा ने कभी किसको कहा नहीं है।* तुमको अच्छा नहीं लगता है तब सफेद कपड़े पहने हैं।

उत्तर 9- *A. युग बिल्कुल इकल है*

बाप कहते हैं मैं 5-5 हजार वर्ष बाद आता हूँ। *यह 4 युग बिल्कुल इकल हैं। स्वास्तिका का भी महत्व है ना।* खाता जो बनाते हैं तो उसमें स्वास्तिका बनाते हैं। यह भी खाता है ना।

उत्तर 10 - *D. उपरोक्त सभी*

*वो सूर्यवंशी आत्मायें जिन्होंने शुरू से भक्ति की है, जिन्होंने सबसे ज्यादा 84 जन्म लिए हैं, वह तुम्हारे ज्ञान को बड़ी रूचि से सुनेंगे, इशारे से समझ जायेंगे**

उत्तर 11- *A. लक्ष्मी-नारायण*

सतोप्रधान देवतायें लक्ष्मी-नारायण के चित्र खड़े हैं। गायन भी उन्हीं का है। शान्तिधाम, सुखधाम जाने के लिए मनुष्य कितना माथा मारते हैं। यह थोड़े ही कोई जानते हैं - भगवान कैसे आकर भक्ति का फल हमको देगा। *राम सीता भी सतो में आते हैं*

उत्तर 12 - *E. A, B और C*

संन्यासी तो हैं निवृत्ति मार्ग वाले, वास्तव में उन्हीं को तो जंगल में रहना है। पहले-पहले ऋषि-मुनि आदि सब जंगल में रहते थे, वह सतोप्रधान ताकत थी, तो मनुष्यों को खींचते थे। *संन्यासियों के कभी मन्दिर नहीं बनाते हैं*। मन्दिर हमेशा देवताओं के बनाते हैं। *उनका तो ज्ञान ही है ब्रह्म तत्व को याद करने का।*

उत्तर 13- *B. ज्ञान से*

एक दिन भगवान जरूर मिलेगा। कोई न कोई रूप में भगवान मिलेगा। क्या करेंगे? जरूर सद्गति करेंगे क्योंकि वह है ही सर्व का सद्गति दाता। कहते हैं भगवान पतित-पावन है, ज्ञान का सागर है। *ज्ञान से ही सद्गति होती है।*

उत्तर 14- *D. A और B*

एक दिन भगवान जरूर मिलेगा। कोई न कोई रूप में भगवान मिलेगा। क्या करेंगे? जरूर सद्गति करेंगे क्योंकि *शिवबाबा है ही सर्व का सद्गति दाता भगवान को फादर भी कहते हैं तो बुद्धि में आना चाहिए ना कि दो फादर हो गये - लौकिक और पारलौकिक। शिवबाबा है पारलौकिक बाप वह परम आत्मा है सभी आत्माओं का पिता।* तो सभी के दो बाप हो गये। एक निराकारी, एक साकारी।

उत्तर 15- *B. ज्ञान सागर भगवान आया हुआ है*

तुम बच्चे जानते हो ज्ञान की बरसात तो सभी पर पड़ नहीं सकती है लेकिन *यह आवाज़ सभी के कानों तक अवश्य जायेगा कि ज्ञान सागर भगवान आया हुआ है*। तुम्हारा मुख्य है योग। ज्ञान भी तुम सुनते हो बाकी बरसात तो सारी दुनिया में पड़ती है।

उत्तर 16- *A. सौ गुणा सजा खायेंगे*

अगर क्षीरखण्ड होकर नहीं रहेंगे तो स्वर्ग में ऊंच पद पा नहीं सकेंगे, बहुत सजा खायेंगे। *बाप का बनकर फिर अगर लूनपानी हो रहते हैं तो सौगुणा सजा खायेंगे।*

उत्तर 17- *C. रूहानी*

जैसे गंगे ने शंकराचार्य को समझाया, ऐसे-ऐसे सर्विसएबुल बच्चे तो बाप की दिल पर चढ़ते हैं। यूँ तो स्थूल सर्विस भी है परन्तु *बाबा का अटेन्शन रूहानी सर्विस पर जायेगा,* जो बहुतों का कल्याण करते हैं।

उत्तर 18- *B. संन्यासी*

जैसे लौकिक बाप बच्चों के साथ रहते, खाते खिलाते हैं, यह है बेहद का बाप। *संन्यासियों आदि को बाप का प्यार नहीं मिलता है।* तुम बच्चे जानते हो कल्प-कल्प हमको बेहद के बाप का प्यार मिलता है।

उत्तर 19- *A. निराकारी दुनिया और निराकारी रूप की*

निराकारी दुनिया और निराकारी रूप की स्मृति ही सदा न्यारा और प्यारा बना देती है। हम हैं ही निराकारी दुनिया के निवासी, यहाँ सेवा अर्थ अवतरित हुए हैं। हम इस मृत्युलोक के नहीं लेकिन अवतार हैं सिर्फ यह छोटी सी बात याद रहे तो उपराम हो जायेंगे

उत्तर 20- *E. A, B और C*

बैज लेकर रोज मन्दिरों में जाकर समझाओ - यह लक्ष्मी-नारायण कैसे बनें? फिर कहाँ गये, कैसे राज्य-भाग्य पाया? मन्दिर के

दर पर जाकर बैठो। कोई भी आये बोलो, यह लक्ष्मी-नारायण कौन हैं, कब इन्हों का भारत में राज्य था? हनुमान भी जुत्तियों में जाकर बैठता था ना। उसका भी रहस्य है ना। तरस पड़ता है। सर्विस की युक्तियाँ बाबा बहुत बतलाते हैं।

उत्तर 21- *A.दिव्य दृष्टि*

भल इन आंखों से देखो परन्तु याद बाप को करना है। आत्मा को अब नॉलेज मिली है। अब हमको घर जाना है फिर वैकुण्ठ में आयेगे। आत्मा को समझ सकते हैं, देख नहीं सकते, वैसे यह भी समझ सकते हैं। *हाँ दिव्य दृष्टि से अपना घर वा स्वर्ग देख सकते हैं।*

उत्तर 22- *C.मेरे अंदर आत्मा है*

रूहानी बाप बैठ रूहानी बच्चों को समझाते हैं। *सब मनुष्य मात्र यह जानते हैं कि मेरे अन्दर आत्मा है।* जीव आत्मा कहते हैं ना। पहले हम आत्मा हैं, पीछे शरीर मिलता है। कोई ने भी अपनी आत्मा को देखा नहीं है।

उत्तर 23- *E. A, B और C*

तुम पहले शूद्र वर्ण में थे, अभी ब्राह्मण वर्ण में हो। यह वर्ण सिर्फ भारतवासियों के हैं। और कोई भी धर्म को ऐसे नहीं कहेंगे - ब्राह्मण वंशी, सूर्यवंशी। फिर तुम सूर्यवंशी से चन्द्रवंशी बन जाते हो। पुनर्जन्म तो लेते हो ना

उत्तर 24- *D.2500 वर्ष*

जिनके चित्र हैं उन्हों की बायोग्राफी को तो जानना चाहिए ना। कह देते फलानी चीज़ लाखों वर्ष पुरानी है। अब वास्तव में पुराने ते पुराना है आदि सनातन देवी-देवता धर्म। उनके आगे तो कोई चीज़ हो नहीं सकती। *बाकी सब 2500 वर्ष की पुरानी चीज़ें होंगी, नीचे से खोदकर निकालते हैं ना।*

उत्तर 25- *D.उपरोक्त सभी*

अभी यह सारा झाड़ खलास होना है, फिर तुम्हारा फाउन्डेशन लगेगा। *तुम हो इस झाड़ के फाउन्डेशन। उसमें सूर्यवंशी चन्द्रवंशी दोनों हैं।* सतयुग-त्रेता में जो राज्य करने वाले थे, उन्हों का अभी धर्म ही नहीं है, सिर्फ चित्र हैं।

उत्तर 26- *A.जो बाप के मददगार बन बाप की सर्विस करते हैं*

लक्ष्मी-नारायण कोई एक नहीं, इन्हों की डिनायस्टी होगी ना फिर उन्हों के बच्चे राजा बनते होंगे। राजायें तो बहुत बनते हैं ना। सारी माला बनी हुई है। *माला को ही सिमरण करते हैं ना। जो बाप के मददगार बन बाप की सर्विस करते हैं उन्हों की ही माला बनती है।*

उत्तर 27- *D. A और B*

शिवबाबा आते भी भारत में ही हैं। भारत को ही शिव भगवान से स्वर्ग का वर्सा मिलता है। क्रिश्चियन भी कहते हैं *क्राइस्ट से 3 हजार वर्ष पहले भारत हेवन था। राज्य कौन करते थे? यह किसको पता नहीं है। बाकी यह समझते हैं भारत बहुत पुराना है।*

उत्तर 28- *A.रावण का*

आत्मयें सब परमधाम से आती रहती हैं। आते-आते झाड़ बढ़ता है। फिर जब झाड़ जड़जड़ीभूत अवस्था को पाता है तो *कहा जाता है राम गयो रावण गयो, जिनका बहु परिवार है।* अनेक धर्म हैं ना। हमारा परिवार कितना छोटा है। यह सिर्फ ब्राह्मणों का ही परिवार है।

उत्तर 29- *D.ब्रह्माबाबा*

यह ब्रह्मा सांवल शाह है ना। पहले गोरा था, अभी सांवरा बना है तब तो श्याम सुन्दर कहते हैं। तुम जानते हो हम सुन्दर थे, अब श्याम बने हैं फिर सुन्दर बनेंगे। सिर्फ एक क्यों बनेगा? एक को सर्प ने डसा क्या? सर्प तो माया को कहा जाता है ना। विकार में जाने से सांवरा बन जाते हैं।

उत्तर 30- *C.कलियुगी मनुष्यों को सतयुगी देवता बनाना*

अपनी एक्पूरेट एम ऑब्जेक्ट को सामने रख पूरा पुरूषार्थ करना है। *डबल अहिंसक बन कलियुगी मनुष्यों को सतयुगी देवता बनाने का श्रेष्ठ कर्तव्य करते रहना है।*

उत्तर 31- *B.अमरनाथ बाबा*

अमरनाथ पर सिर्फ दर्शन करने के लिए कहाँ-कहाँ से जाते हैं। *यहाँ तो अमरनाथ बाबा स्वयं पढ़ाने आये हैं।* तुमको विश्व का मालिक बनाने आया हूँ। तुम बहाना करते रहते हो। सवेरे अमृतवेले तो कोई भी आ सकते हैं। उस समय कोई डर नहीं है।

उत्तर 32- *D.स्थूलवतन*

ब्रह्मा-विष्णु-शंकर को भी भगवान नहीं कहेंगे। वह भी सूक्ष्मवतनवासी देवतायें हैं। यहाँ हैं मनुष्य। यहाँ देवतायें नहीं हैं। यह है मनुष्य लोक। यह लक्ष्मी-नारायण आदि दैवीगुण वाले मनुष्य हैं, जिसको डिटीज्म कहा जाता है। *तीन फ्लोर हैं ना। हम हैं थर्ड फ्लोर पर। सतयुग के जो दैवीगुण वाले मनुष्य हैं वही फिर आसुरी गुण वाले बन जाते हैं।*

भाग - (67)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- विजय माला में आने का मुख्य आधार है -

- A- पवित्रता
- B- अच्छे-अच्छे फूल बनना
- C- याद
- D- पढ़ाई

प्रश्न 2- सबसे श्रेष्ठ तकदीर -

- A- शूद्र से ब्राह्मण बनना
- B- कांटे से खुशबूदार फूल बनना
- C- 21 जन्म की राजाई
- D- निर्विकारी बनना

प्रश्न 3- स्वर्ग में भी लक्ष्मी-नारायण के तख्त के पिछाड़ी किसका का चित्र रखते हैं ?

- A- लक्ष्मीनारायण का
- B- शिवबाबा का
- C- विष्णु का
- D- किसका भी नहीं

प्रश्न 4- जब किसी भी प्रकार का दुःख आये तो कौन सा मन्त्र ले लो जिससे दुःख भाग जायेगा ?

- A- विघ्न-विनाशक
- B- मनमनाभव
- C- मास्टर सर्व शक्तिवान
- D- मामेकम् याद करो

प्रश्न 5- अपने जीवन को हीरे जैसा बनाने के लिए किस बात की बहुत-बहुत सम्भाल चाहिए ?

- A- संग की
- B- पवित्रता की
- C- विकार की
- D- भोजन की

प्रश्न 6- धर्मराज की ऊयूटी है -

- A- सतयुग से कलियुग अन्त तक है
- B- द्वापर से कलियुग अन्त तक है
- C- त्रेतायुग से कलियुग अन्त तक है
- D- संगमयुग शुरू से अन्त तक है

प्रश्न 7- तुम बच्चे इस समय सच्चे साहेब को जानते हो। सच्चे साहेब भगवान को किसने कहा ?

- A- हम आत्मा ने
- B- हम ब्राह्मण बच्चों ने
- C- गुरु नानक ने
- D- संन्यासियों ने

प्रश्न 8- शिवबाबा करनकरावनहार कब है ?

- A- सदा ही है
- B- संगमयुग में
- C- द्वापर युग से
- D- सतयुग से

प्रश्न 9- जिन बच्चों को नशा है कि स्वयं भगवान हमको हेविन का मालिक बनाने के लिए पुरुषार्थ कराते हैं उनकी शक्ल -

- A- सदा खिला गुलाब होगी

- B- सन्तुष्ट रहती है
- C- हर्षित होगी
- D- बड़ी फर्स्ट-क्लास खुशनुम: रहती है

प्रश्न 10- अलग पर्याय का चुनाव कीजिए ?

- A- कुकर्म,
- B- कुदृष्टि,
- C- कुवचन,
- D- कुधर्म,

प्रश्न 11- बाजोली कौन से चित्र पर अच्छी समझा सकते हैं ?

- A- सीढ़ी
- B- झाड
- C- गोला
- D- विराट रूप का चित्र

प्रश्न 12- ब्राह्मण धर्म का धर्मशास्त्र कौन सा है ?

- A- सर्वशास्त्र मई शिरोमणी गीता
- B- धर्मशास्त्र नहीं है
- C- मुरली
- D- श्रीमत

प्रश्न 13- सारे युनिवर्स का बाप है -

- A- परमपिता परमात्मा
- B- सर्व-शक्तिवान
- C- इनकारपोरियल गॉड फादर
- D- स्प्रिचुअल फादर

प्रश्न 14- कोई भी हालत में युक्ति रचकर -

- A- आत्म-अभिमान बनना है
- B- पवित्र बनो
- C- बाप का परिचय हरेक को अवश्य दो
- D- सभी को प्रभु पैगाम अवश्य देना

प्रश्न 15- बाप कहते हैं तुम बच्चों की खुशी का पारावार नहीं होना चाहिए। क्योंकि

- A- तुम्हें पढ़ाने वाला स्वयं भगवान है
- B- देवी-देवता धर्म बहुत सुख देने वाला है
- C- ईश्वर के धर्म के स्थापना हो रही है
- D- तुम ही संपूर्ण विश्व के मालिक बनते हो

प्रश्न 16- रहने वाले ही विजय माला के दाने बनते हैं ?

- A- कम्पेनियन
- B- नष्टेमोहा
- C- सहयोगी
- D- कर्मातीत

प्रश्न 17- 7 रोज भागवत वा रामायण आदि रखते हैं क्योंकि -

- A- इस समय 7 दिन के लिए भट्टी में रखा जाता है
- B- सप्ताह होता है
- C- परम्परा है
- D- शास्त्रों में लिखा है

प्रश्न 18- किसीको कहना कुवचन है ?

- A- पत्थरबुद्धि
- B- पागल

- C- क्रोधी
- D- मूर्ख

प्रश्न 19- देह-अभिमान में आने से पहला पाप कौन-सा होता है ?

- A- बाप की याद के बजाए देहधारी की याद आयेगी
- B- कुदृष्टि जाती रहेगी
- C- खराब ख्यालात आयेंगे
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 20- तुम्हें सदैव चीज़ को देखना चाहिए।

- A- पवित्र
- B- अविनाशी
- C- आत्मिक
- D- हाइएस्ट

प्रश्न 21- शिव-बाबा जो श्रीमत देते हैं उसमें अटूट निश्चय रखकर चलना है, कोई भी विघ्न आये तो घबराना नहीं है, क्योंकि-

- A- हाइएस्ट अर्थारिटी बाप है
- B- रेसपॉन्सिबुल शिवबाबा है
- C- करनकरावनहार बाबा है
- D- आप विघ्न विनाशक हो

प्रश्न 22- शिवबाबा हैं -

- A- भारत का बहुत बड़ा मेहमान हैं
- B- विश्व का सबसे बड़ा मेहमान है
- C- दूरदेश का बहुत बड़ा मेहमान है
- D- हम बच्चों का बहुत बड़ा मेहमान है

प्रश्न 23- बाप तुम्हारा क्या बनकर आया है। तो तुम्हें आदर करना है ?

- A- टीचर
- B- मेहमान
- C- साजन
- D- गाइड

प्रश्न 24- क्या बन काँटों को फूल बनाने की सेवा करनी है ?

- A- माली
- B- नष्टोमोहा
- C- सहयोगी
- D- फूल बन

प्रश्न 25- साधू-सन्त ऋषि-मुनि आदि सब साधना करते हैं। साधना की जाती है-

- A- भगवान से मिलने के लिए
- B- सद्गति के लिए
- C- मुक्ति के लिए
- D- शांति के लिए

प्रश्न 26- कौन सा विशेष वरदान स्वयं भी लो और औरों को भी दो-

- A- निर्विघ्न बनने का
- B- हिम्मतवान बनने का
- C- सदा सन्तुष्ट और प्रसन्न रहने का
- D- सन्तुष्टता का

प्रश्न 27- हम सत के संग में हैं कैसे समझे ?

- A- हम आत्मा अब सत बाप को याद कर रहे हैं
- B- वह सत बाप, सत टीचर, सतगुरु है बुद्धि में रहे तो
- C- परमात्मा बाप जो सत्य है, उनके साथ बैठ जाना

D- स्वच्छ बुद्धि बने तो

प्रश्न 28- सतसंग करना माना -

A- एक दो को ज्ञान सुनाना

B- बाप की याद में रहना

C- तुम आत्मायें अब परमात्मा बाप जो सत्य है, उनके साथ बैठी हो

D- एक सत बाप, सत शिक्षक और सतगुरु के संग

प्रश्न 29- कौन सत बाप के संग में बैठा है ?

A- हम आत्मा

B- हम बच्चे

C- स्टूडेंट

D- जीव आत्मा

प्रश्न 30- आत्मा के पंख हैं -

A- शांति-सुख

B- ज्ञान और योग

C- उमंग-उत्साह

D- पंख नहीं हैं

प्रश्न 31- कब विश्व के मालिक, जगत जीत बन जाते हो ?

A- ज्ञान चिता पर बैठने से

B- माली बन कांटों को फूल बनाने की सेवा करने से

C- घर-घर में बाप का पैगाम देने से

D- संपूर्ण निर्विकारी बनने से

प्रश्न 32- जो बच्चे सदा बापदादा के दिलतख्तनशीन रहते हैं वे -

A- सदा एकरस स्थिति में रहेंगे

B- माया के विघ्नों से सेफ रहेंगे

C- राज्य का वा स्टेट के राज्य का तख्त तो मिलता रहेगा

D- इस पुरानी देह वा देह की दुनिया से विस्मृत रहते हैं

भाग (67) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1 - *D.पढ़ाई*

भल पढ़ाई एक ही है, मनुष्य से देवता बनने की ही एम ऑब्जेक्ट है परन्तु टीचर तो नम्बरवार हैं ना। *विजय माला में आने का मुख्य आधार है पढ़ाई।* पढ़ाई तो एक ही होती है, उसमें पास तो नम्बरवार होते हैं ना। सारा मदार पढ़ाई पर है।

उत्तर 2 - *B.कांटे से खुशबूदार फूल बनना*

कांटे से खुशबूदार फूल बनना - यह है सबसे श्रेष्ठ तकदीर। अगर एक भी कोई विकार है तो कांटा है। जब कांटे से फूल बनो तब सतोप्रधान देवी-देवता बनो। तुम बच्चे अभी 21 पीढ़ी के लिए अपनी सूर्यवंशी तकदीर बनाने आये हो।

उत्तर 3 - *C.विष्णु का*

बाप कहते हैं - बच्चे, तुम्हारी एम ऑब्जेक्ट ही यह है, नर से नारायण बनना। राजयोग है ना। बहुतों को चतुर्भुज का साक्षात्कार होता है, इससे सिद्ध है विष्णुपुरी के हम मालिक बनने वाले हैं। तुमको मालूम है - *स्वर्ग में भी लक्ष्मी-नारायण के तख्त के पिछाड़ी विष्णु का चित्र रखते हैं अर्थात् विष्णुपुरी में इन्हीं का राज्य है।*

उत्तर 4 - *B.मनमनाभव*

जब किसी भी प्रकार का दुःख आये तो मनमनाभव का मन्त्र ले लो जिससे दुःख भाग जायेगा। स्वप्न में भी जरा भी दुःख का अनुभव न हो, तन बीमार हो जाए, धन नीचे ऊपर हो जाए, कुछ भी हो लेकिन दुःख की लहर अन्दर नहीं आनी चाहिए।

उत्तर 5- *A.संग की*

अपने जीवन को हीरे जैसा बनाने के लिए संग की बहुत-बहुत सम्भाल चाहिए, बच्चों को संग उनका करना चाहिए जो अच्छा बरसते हैं। जो बरसते नहीं, उनका संग रखने से फायदा ही क्या! संग का दोष बहुत लगता है, कोई किसके संग से हीरे जैसा बन जाते हैं, कोई फिर किसके संग से ठिक्कर बन जाते हैं।

उत्तर 6- *B.द्वार से कलियुग अन्त तक है*

तुम हो ईश्वरीय कुल के, तुमको बाप पवित्र बनाते हैं। फिर अगर अपवित्र बनते हैं तो कुल कलंकित बनते हैं। बाप तो जानते हैं ना। फिर धर्मराज द्वारा बहुत सजा दिलायेंगे। बाप के साथ धर्मराज भी है। *धर्मराज की ऊँची भी अभी पूरी होती है। सतयुग में तो होगी ही नहीं। फिर शुरू होती है द्वार से* ।

उत्तर 7- *C.गुरु नानक ने*

तुम बच्चे इस समय सच्चे साहेब को जानते हो। तुम संन्यासी हो ना। *गुरु नानक देव जी ने सच्चे साहेब कहकर भगवान को 'सत्य' और 'कर्ता पुरख' कहा है।* उन्होंने ईश्वर को 'अकाल पुरख' (समय से परे) और 'निरंकार' (निराकार) भी कहा है।

उत्तर 8- *B.संगमयुग में*

बाप कहते हैं - अच्छा वा बुरा काम इमानुसार हर एक करते हैं। नूँध है। मैं थोड़ेही इतने करोड़ों मनुष्यों का बैठ हिसाब रखूँगा, *मुझे शरीर है तब सब कुछ करता हूँ। करनेकरावनहार भी तब कहते हैं। नहीं तो कह न सकें।* मैं जब इसमें आऊँ तब आकर पावन बनाऊँ। ऊपर में आत्मा क्या करेगी? शरीर से ही पार्ट बजायेगी ना। मैं भी यहाँ आकर पार्ट बजाता हूँ। सतयुग में मेरा पार्ट है नहीं।

उत्तर 9- *D.बड़ी फर्स्ट-क्लास खुशनुम: रहती है*

जिन बच्चों को नशा है कि स्वयं भगवान हमको हेविन का मालिक बनाने के लिए पुरुषार्थ कराते हैं उनकी शक्ल बड़ी फर्स्टक्लास खुशनुम: रहती है। बाप आते भी हैं बच्चों को पुरुषार्थ कराने, प्रालम्ब के लिए। यह भी तुम जानते हो, दुनिया में थोड़ेही कोई जानते हैं।

उत्तर 10- *D.कुधर्म*

बाबा सभी सेन्टर्स के बच्चों को समझा रहे हैं कि कुदृष्टि वाले बहुत ढेर हैं, नाम लेने से और ही टूट बन जायेंगे। अपनी सत्यानाश करने वाले उल्टे काम करने लग पड़ते हैं। काम विकार नाक से पकड़ लेता है। *माया छोड़ती नहीं है, कुकर्म, कुदृष्टि, कुवचन निकल पड़ते हैं, कुचलन हो पड़ती है* इसलिए बहुत-बहुत सावधान रहना है।

उत्तर 11- *C.गोला*

तुम्हारी बुद्धि में यह ज्ञान भर जाता है औरों को समझाने के लिए। *गोले पर समझाना भी बड़ा सहज है।* इस समय जनसंख्या देखो कितनी है! सतयुग में कितने थोड़े होते हैं। संगम तो है ना। ब्राह्मण तो थोड़े होंगे ना। ब्राह्मणों का युग ही छोटा है। ब्राह्मणों के बाद हैं देवतायें, फिर वृद्धि को पाते हैं। बाजोली होती है ना।

उत्तर 12- *B.धर्मशास्त्र नहीं है*

यह नॉलेज बाप ही आकर देते हैं। कोई भी शास्त्र आदि हाथ में थोड़ेही हैं। मैं भी शास्त्र नहीं पढ़ा हूँ, तुमको भी नहीं पढ़ाते हैं। वह सीखते हैं, सिखलाते हैं। *यहाँ शास्त्रों की बात नहीं। बाप है ही नॉलेजफुल। हम तुमको सभी वेदों-शास्त्रों का सार बतलाते हैं। मुख्य हैं ही 4 धर्मों के 4 धर्मशास्त्र। ब्राह्मण धर्म का कोई किताब है क्या?*

उत्तर 13- *C.इनकारपोरियल गॉडफादर*

बाप ही आकर सारे युनिवर्स को पावन बनाते हैं, योग सिखाते हैं। यह तो सब धर्म वालों के लिए है। कहते हैं अपने को आत्मा समझो, *सारे युनिवर्स का बाप है - इनकारपोरियल गॉड फादर*, तो क्यों न इसका नाम स्प्रिचुअल युनिवर्सिटी ऑफ स्प्रिचुअल इनकारपोरियल गॉड फादर रखें।

उत्तर 14- *C.बाप का परिचय हर एक को अवश्य दो*

मीठे बच्चे - तुम्हारी फ़र्ज-अदाई है घर-घर में बाप का पैगाम देना, *कोई भी हालत में युक्ति रचकर बाप का परिचय हर एक को अवश्य दो*

उत्तर 15- *A.तुम्हें पढ़ाने वाला स्वयं भगवान है*

तुम जानते हो हमको भगवान पढ़ाते हैं। तुम कितना खुश होते हो। *बाप कहते हैं तुम बच्चों की खुशी का पारावार नहीं होना चाहिए क्योंकि तुम्हें पढ़ाने वाला स्वयं भगवान है,* भगवान तो निराकार शिव है, न कि श्री कृष्ण।

उत्तर 16- *B.नष्टोमोहा*

अगर जरा भी किसी में मोह होगा तो तीव्र पुरुषार्थ के बजाए पुरुषार्थ बन जायेंगे इसलिए क्या भी हो, कुछ भी हो खुशी में नाचते रहो, मिरूआ मौत मलूका शिकार - इसको कहते हैं नष्टोमोहा। *ऐसा नष्टोमोहा रहने वाले ही विजय माला के दाने बनते हैं।*

उत्तर 17- *A.इस समय 7 दिन के लिए भट्टी में रखा जाता है*

यह बाप भी गुप्त है तो नॉलेज भी गुप्त है, वर्सा भी गुप्त है। नया कोई भी सुनकर मूँझ पड़ेंगे इसलिये 7 दिन की भट्टी में बिठाया जाता है। *यह जो 7 रोज भागवत वा रामायण आदि रखते हैं, वास्तव में यह इस समय 7 दिन के लिए भट्टी में रखा जाता है* तो बुद्धि में जो भी सारा किचड़ा है वह निकालें और बाप से बुद्धियोग लग जाए।

उत्तर 18- *B.पागल*

अगर मुख से कोई कुवचन निकले या कुदृष्टि जाए तो अपने को फटकारना चाहिए - हमारे मुख से कुवचन क्यों निकले, हमारी कुदृष्टि क्यों गई? अपने को चमाट भी मारनी चाहिए, घड़ी-घड़ी सावधान करना चाहिए तब ही ऊंच पद पा सकेंगे। मुख से कटुवचन न निकलें। बाप को तो सब प्रकार की शिक्षाएँ देनी होती हैं। *किसको पागल कहना यह भी कुवचन है।*

उत्तर 19- *D.उपरोक्त सभी*

अगर देह-अभिमान है तो बाप की याद के बजाए देहधारी की याद आयेगी, कुदृष्टि जाती रहेगी, खराब ख्यालात आयेंगे। यह बहुत बड़ा पाप है। समझना चाहिए, माया वार कर रही है। फौरन सावधान हो जाना चाहिए।

उत्तर 20- *B.अविनाशी*

आत्मा भी निराकार, परमात्मा भी निराकार, इसमें फोटो की भी बात नहीं। तुमको तो आत्मा निश्चय कर बाप को याद करना है, देह-अभिमान छोड़ना है। *तुम्हें सदैव अविनाशी चीज़ को देखना चाहिए।* तुम विनाशी देह को क्यों देखते हो! देही-अभिमानि बनों, इसमें ही मेहनत है।

उत्तर 21- *B.रेस्पॉन्सिबुल शिवबाबा है*

दिन-रात सर्विस में तत्पर रह अपार खुशी में रहना है। तीनों लोकों का राज़ सबको खुशी से समझाना है। *शिव-बाबा जो श्रीमत देते हैं उसमें अटूट निश्चय रखकर चलना है, कोई भी विघ्न आये तो घबराना नहीं है, रेस्पॉन्सिबुल शिवबाबा है,* इसलिए संशय न आये।

उत्तर 22- *A. भारत का बहुत बड़ा मेहमान है*

शिवबाबा की भी 12 मास बाद जयन्ती मनाते हैं परन्तु कब से मनाते आये हैं, यह किसको भी पता नहीं है। सिर्फ कह देते हैं कि लाखों वर्ष हुए। कलियुग की आयु ही लाखों वर्ष लिख दी है। बाप कहते हैं - यह है 5 हजार वर्ष की बात। बरोबर इन देवताओं का भारत में राज्य था ना। तो *बाप कहते हैं - मैं भारत का बहुत बड़ा मेहमान हूँ,* मुझे आधाकल्प से बहुत निमन्त्रण देते आये हो।

उत्तर 23- *B.मेहमान*

मीठे बच्चे - *बाप तुम्हारा मेहमान बनकर आया है* तो तुम्हें आदर करना है, जैसे प्रेम से बुलाया है ऐसे आदर भी करना है, निरादर न हो।

उत्तर 24- *A.माली*

बाबा कहते हैं नये को कभी बाबा के सामने लेकर न आओ। यह तो तुम मालियों का काम है, न कि बागवान का। माली का काम है बगीचे को लगाना। बाप तो डायरेक्शन देते हैं - ऐसे-ऐसे करो इसलिए *माली बन काँटों को फूल बनाने की सेवा करनी है।* पूरी परवरिश कर फिर बाप के सामने लाना है। मेहनत करनी है।

उत्तर 25- *A.भगवान से मिलने के लिए*

यह तो समझते हैं हम पतित हैं, साधू-सन्त ऋषि-मुनि आदि सब साधना करते हैं। *साधना की जाती है भगवान से मिलने की।* सो जब तक उनका परिचय न हो तब तक तो मिल नहीं सकते। तुम जानते हो बाप का परिचय दुनिया में कोई को भी नहीं है।

उत्तर 26- *C.सदा संतुष्ट और प्रसन्न रहने का*

प्रशन्सा, प्रसन्नता से ही प्राप्त कर सकते हो इसलिए सदा सन्तुष्ट और प्रसन्न रहने का विशेष वरदान स्वयं भी लो और औरों को भी दो क्योंकि इस यज्ञ की अन्तिम आहुति - सर्व ब्राह्मणों की सदा प्रसन्नता है। जब सभी सदा प्रसन्न रहेंगे तब प्रत्यक्षता का आवाज गूँजेगा अर्थात् विजय का झण्डा लहरायेगा।

उत्तर 27- *A.हम आत्मा अब सत बाप को याद कर रहे हैं*

अभी तुम सत बाप के संग में बैठे हो, बाप की याद में रहना माना सतसंग करना। *याद बाप को करते हो। हम आत्मा अब सत बाप को याद कर रहे हैं अर्थात् सत के संग में हैं।* बाप मधुबन में बैठे हैं। बाप को याद करने की युक्तियाँ भी अनेक प्रकार की मिलती हैं। याद से ही विकर्म विनाश होंगे।

उत्तर 28- *B.बाप की याद में रहना*

सत का संग ज्ञान मार्ग में ही होता है, *अभी तुम सत बाप के संग में बैठे हो, बाप की याद में रहना माना सतसंग करना।*

उत्तर 29- *A.हम आत्मा*

अब वास्तव में भक्ति मार्ग में कोई सतसंग में जाते नहीं। सतसंग होता ही ज्ञान मार्ग में है। *अब तुम सत के संग में बैठे हो। आत्मायें सत बाप के संग में बैठी हैं।* और कोई जगह आत्मायें परमपिता परमात्मा के संग में नहीं बैठती। बाप को जानते नहीं। भल कहते हैं हम सतसंग में जाते हैं परन्तु वह देह-अभिमान में आ जाते हैं।

उत्तर 30- *D. पंख नहीं है*

आत्मा एक अमूर्त और शाश्वत अवधारणा है, जो भौतिक पंखों से रहित है *आत्मा के पंख नहीं होते।* यह एक आध्यात्मिक अवधारणा है, भौतिक वस्तु नहीं, इसलिए इसके पंख नहीं हो सकते। आत्मा शरीर के मरने के बाद भी मौजूद रहता है।

उत्तर 31- *A. ज्ञान चिता पर बैठने से*

बाप गोरा बनाते हैं फिर भी गिरकर काला मुँह कर देते हैं। बाप आये हैं तुम बच्चों को ज्ञान चिता पर बिठाने। *ज्ञान चिता पर बैठने से तुम विश्व के मालिक, जगत जीत बन जाते हो।*

उत्तर 32- *D. इस पुरानी देह वा देह की दुनिया से विस्मृत रहते हैं*

जो बच्चे सदा बापदादा के दिलतख्तानशीन रहते हैं *वे इस पुरानी देह वा देह की दुनिया से विस्मृत रहते हैं,* इसे देखते हुए भी नहीं देखते। संगमयुगी श्रेष्ठ आत्माओं का स्थान है ही बापदादा का दिलतख्त। ऐसा तख्त सारे कल्प में नहीं मिल सकता।

भाग - (68)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- भक्त माला, रूद्र माला, विष्णु की माला इन तीनों माला में कौन आते हैं ?

- A- जो पूरे 84 जन्म लेते हैं।
- B- ब्रह्मा मुख वंशावली ब्राह्मण कुल भूषण
- C- संन्यासी
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 2- बाप कहते हैं तुम बच्चों की खुशी का पारावार नहीं होना चाहिए क्योंकि -

- A- तुम्हें पढ़ाने वाला स्वयं भगवान है
- B- देवी-देवता धर्म बहुत सुख देने वाला है
- C- ईश्वर के धर्म की स्थापना हो रही है
- D- तुम ही संपूर्ण विश्व के मालिक बनते हो

प्रश्न 3- कोई भी हालत में युक्ति रचकर -

- A- आत्म-अभिमान बनना है
- B- पवित्र बनो
- C- बाप का परिचय हरेक को अवश्य दो
- D- सभी को आत्मा का परिचय अवश्य देना है

प्रश्न 4- सबका सहारा.....

- A- दुख हर्ता सुख कर्ता है
- B- एक भगवान
- C- एक गाँव ही है
- D- परमात्मा ही है

प्रश्न 5- शंकर क्या कार्य करता है ?

- A- हमारा ही रूप है
- B- विनाश का कार्य
- C- कुछ भी नहीं सिर्फ गायन है
- D- बस वो सुक्ष्म देवता है

प्रश्न 6- जीते जी मरना सब कुछ भूलना, पिछला कुछ भी याद न आये। इसके लिए एक शब्द है -

- A- मध्याजीभव
- B- अपने को आत्मा समझो
- C- रूहानी बच्चा बनो
- D- मनमनाभव

प्रश्न 7- भीलनी के बेर खाये। अब ऐसे ही भीलनी के थोड़े ही खा सकते हैं। भीलनी से जब ब्राह्मणी बन जाती है तो फिर क्यों नहीं खायेंगे! किसने खाये ?

- A- बापदादा ने

- B- राम ने
- C- शिवबाबा ने
- D- ब्रह्मा बाबा ने

प्रश्न 8- शरीर को याद करना यह है-

- A- एक दो में फंसना है
- B- यह तो भूतों की याद हो गई
- C- चित्रों की पूजा हो गई
- D- नाम-रूप में लटकना है

प्रश्न 9 - शिवरात्रि भी कब से मनाते हैं -

- A- परम्परा से
- B- उनका अवतरण हुआ है तब से
- C- आधाकल्प से
- D- संगमयुग से

प्रश्न 10- किस के लिए ही कहते हैं- 100 भुजाये, हजार भुजाओं वाला ?

- A- परमात्मा
- B- ब्रह्मा
- C- विष्णु
- D- शंकर

प्रश्न 11- गोप-गोपियों के सम्बन्ध में सत्य है -

- A- भक्ति मार्ग का गायन है
- B- देलवाड़ा मन्दिर में जड चित्र में है
- C- सूर्यवंशी है
- D- आदि देव आदि देवी है

प्रश्न 12- बुद्धियोग थोड़ा भी कहीं न भटके, एक बाप की याद रहे, इसके लिए एक सही शब्द है -

- A- एकाग्रचित्त
- B- महावीर
- C- निरन्तर देही-अभिमान की अवस्था
- D- मन्मनाभव

प्रश्न 13- यह एक माण्डवा है। उनमें यह चांद-सितारे आदि सब बतियां हैं। इन सूर्य, चांद, सितारों को मनुष्य देवता कह देते हैं क्योंकि -

- A- यह बहुत अच्छा काम करते हैं
- B- रिमझिम करते हैं, किसको तकलीफ नहीं देते हैं
- C- सबको सुख देते हैं। बहुत काम करते हैं इसलिए
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 14- अब मुख्य बात है कि -

- A- हर आत्मा को बाप का परिचय देना
- B- पावन जरूर बनना है
- C- सतोप्रधान बनना है
- D- गुणवान बनना है

प्रश्न 15- छूटने में ही मेहनत लगती है ?

- A- देह-अभिमान
- B- विकार
- C- अहंकार
- D- बन्धन

प्रश्न 16- यह बना-बनाया खेल है। इस चक्र का किसको पता नहीं है। इसका क्रियेटर, डायरेक्टर, मुख्य एक्टर कौन है ?

- A- शिवबाबा
- B- श्रीकृष्ण

- C- ब्रह्मा बाबा
- D- बाप और बच्चे

प्रश्न 17- इस युद्ध के मैदान में माया सबसे पहला वार किस बात पर करती है ?

- A- निश्चय पर
- B- मन पर
- C- संकल्प पर
- D- बुद्धि पर

प्रश्न 18- जिस्मानी यात्राओं से -

- A- और ही विकर्म बनते हैं
- B- पावन बनते हैं
- C- आदि से करते हैं
- D- पतित ही बनते हैं

प्रश्न 19- गरीब कोई एक रूपया देते हैं, साहूकार 100 रूपया देते हैं, गरीबों का एक रूपया हो जाता है ?

- A- सफल
- B- वैल्युबल
- C- मदद
- D- समान

प्रश्न 20- किसी भी विकराल समस्या को शीतल बनाने के लिए -

- A- समेटने की शक्ति धारण करो
- B- व्यर्थ संकल्प रूपी कमजोरी के जर्म्स अपने अन्दर प्रवेश होने नहीं देना
- C- फिक्र नहीं करना
- D- जैसे बाप में निश्चय है, वैसे स्वयं में और ड्रामा में भी सम्पूर्ण निश्चय हो

प्रश्न 21- अभी तो हमारा ब्राह्मणों से नाता है, फिर हमारा देवताओं से नाता होगा। तो कौन सा नाता सबसे ऊंच है ?

- A- इस दुनिया से नाता
- B- ब्राह्मणों से नाता
- C- देवताओं से नाता
- D- पुराने सम्बन्धी से नाता

प्रश्न 22- सजाओं से छूटने के लिए कौन सा पुरुषार्थ बहुत समय का चाहिए ?

- A- निरंतर याद में रहने का
- B- हिसाब-किताब चुक्ती करने का
- C- आत्मा समझने का
- D- नष्टोमोहा बनने का

प्रश्न 23- मनुष्य सृष्टि में ऊंच ते ऊंच मर्तबा किस का है ?

- A- ब्रह्मा, विष्णु, शंकर का
- B- श्रीकृष्ण का
- C- ब्रह्मा बाबा
- D- लक्ष्मी-नारायण

प्रश्न 24- अच्छा है -

- A- बहुत मीठा, शान्त, प्यार से बोलना
- B- जास्ती न बोलना
- C- शान्ति में रहना
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 25- तुम्हारे लिए क्या होली- धूरिया है ?

- A- त्रिमूर्ति शिव जयन्ती
- B- ज्ञान
- C- विज्ञान

D- B और C
E- A, B और C

प्रश्न 26- माया के वार से बचने के लिए -

- A- पढ़ाई पर ध्यान दो
- B- कभी देह-अभिमान में मत फँसो
- C- देही-अभिमानी बनो
- D- सदा याद की यात्रा पर रहो

प्रश्न 27- कोई भी धर्म वाले को कौनसे चित्र पर समझा सकते हैं ?

- A- लक्ष्मीनारायण
- B- गोले पर वा झाड़ पर
- C- सीढ़ी पर
- D- त्रिमूर्ति के चित्र पर

प्रश्न 28- तुम बच्चों को अब स्व का ज्ञान मिला है, अर्थात् -

- A- आत्मा का ज्ञान
- B- अपने घर का ज्ञान
- C- स्व धर्म का ज्ञान
- D- चक्र का ज्ञान

प्रश्न 29- तुम सजाओं से छूटने का ही पुरुषार्थ करते रहते हो। उसके लिए मुख्य है -

- A- पढ़ाई
- B- आत्मा समझना
- C- याद की यात्रा
- D- याद और सेवा का बैलेन्स

प्रश्न 30- बाप को भूलने से फिर पुरानी दुनिया और पुराने सम्बन्ध भी याद आ जाते हैं। ऐसे समय क्या करना चाहिए ?

- A- आत्मिक दृष्टि रखो
- B- स्वदर्शन-चक्रधारी बनो
- C- पढ़ाई पढ़ो
- D- गीत सुनने से भी बाप की याद आ जायेगी

प्रश्न 31- महान सौभाग्यशाली वह है जो -

- A- जो बाप की याद में रहे
- B- भगवान पढ़ाते हैं
- C- देवता बनते हैं
- D- जिन्हें स्वयं भगवान ने चुना

प्रश्न 32- कितना भी कोई प्यारा सम्बन्धी हो उसमें -

- A- मोह की रग नहीं जानी चाहिए
- B- दिल नहीं लगानी
- C- भूल जाओ
- D- बुद्धि नहीं फँसनी चाहिए

भाग (68) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *B.ब्रह्मा मुख वंशावली ब्राह्मण कुलभूषण*

तुम जानते हो एक है भक्त माला, दूसरी है ज्ञान की माला। *भक्त माला से रूद्र माला के बने हैं फिर रूद्र माला से विष्णु की माला बनती है।* रूद्र माला है संगमयुग की, यह राज तुम बच्चों की बुद्धि में है। यह बातें तुमको बाप सम्मुख बैठ समझाते हैं।

उत्तर 2- *A.तुम्हें पढ़ाने वाला स्वयं भगवान है*

तुम जानते हो हमको भगवान पढ़ाते हैं। तुम कितना खुश होते हो। बाप कहते हैं *तुम बच्चों की खुशी का पारावार नहीं होना चाहिए* क्योंकि तुम्हें पढ़ाने वाला स्वयं भगवान है, भगवान तो निराकार शिव है, न कि श्री कृष्ण।

उत्तर 3- *C.बाप का परिचय हरेक को अवश्य दो*

तुम्हारी फ़र्ज-अदाई है घर-घर में बाप का पैगाम देना, कोई भी हालत में युक्ति रचकर *बाप का परिचय हरेक को अवश्य दो*

उत्तर 4- *C.एक गॉड ही है*

कोई तो कहते हैं बस हम सब कुछ बाप को सरेन्द्र करते हैं। सिवाए एक के दूसरा कोई रहा ही नहीं। *सबका सहारा एक गॉड ही है।* कितनी सिम्पुल से सिम्पुल बात है। बाप को याद करो और चक्र को याद करो तो चक्रवर्ती राजा-रानी बनेंगे।

उत्तर 5- *C.कुछ भी नहीं सिर्फ गायन है*

बाप कहते हैं हम कोई कहते नहीं हैं कि विनाश करो। यह सारा ड्रामा में नूँधा हुआ है। *शंकर कुछ करता है क्या? कुछ भी नहीं। यह सिर्फ गायन है कि शंकर द्वारा विनाश।* बाकी विनाश तो वह आपे ही कर रहे हैं। यह अनादि बना हुआ ड्रामा है जो समझाया जाता है।

उत्तर 6- *B.अपने को आत्मा समझो*

तुमने अब तक जो कुछ पढ़ा है उसे भूल जाओ, *जीते जी मरना माना सब कुछ भूलना अर्थात् अपने को आत्मा समझो, पिछला कुछ भी याद न आये*

उत्तर 7- *D.ब्रह्मा ने*

भीलनी के बेर खाये। अब ऐसे ही भीलनी के थोड़ेही खा सकते हैं। भीलनी से जब ब्राह्मणी बन जाती है तो फिर क्यों नहीं खायेंगे! इसलिए ब्रह्मा भोजन की महिमा है। *शिवबाबा तो खायेंगे नहीं। वह तो अभोक्ता है। बाकी यह रथ (ब्रह्मा) तो खाते हैं ना।*

उत्तर 8- *B.यह तो भूतों की याद हो गई*

शरीर को याद करना - यह तो भूतों की याद हो गई। हम कहते हैं एक शिवबाबा को याद करो। तुम फिर 5 भूतों को याद करते रहते हो। देह से बिल्कुल लगाव नहीं होना चाहिए

उत्तर 9- *C.आधा कल्प से*

इस समय तुम बच्चे सबकी बायोग्राफी को जानते हो। मुख्य कौन-कौन होकर गये हैं जिन्हों को पूजते हैं? ऊंच ते ऊंच है भगवान। *शिवरात्रि भी कब से मनाते हैं उनका अवतरण हुआ है तब से अर्थात् आधा कल्प से*, उसने क्या आकर किया - यह किसको भी पता नहीं है।

उत्तर 10- *B.ब्रह्मा*

प्रजापिता ब्रह्मा से कितनी वृद्धि होती है। *ब्रह्मा के लिए ही कहते हैं - 100 भुजायें, हज़ार भुजाओं वाला।* विष्णु वा शंकर के लिए इतनी भुजायें नहीं कहेंगे। ब्रह्मा के लिए क्यों कहते हैं? यह प्रजापिता ब्रह्मा की ही सारी वंशावली है

उत्तर 11- *B.देलवाड़ा मन्दिर में जड़ चित्र में है*

प्रजापिता ब्रह्मा है तो जरूर गोप-गोपियाँ भी होंगे ना। देलवाड़ा मन्दिर में जड़ चित्र में है। जो पास्ट होकर गये हैं उन्हीं के फिर चित्र बने हुए हैं। कोई मरता है तो झट उनका चित्र बना देते हैं, उनकी पोज़ीशन, बायोग्राफी का तो पता है नहीं। आक्यूपेशन नहीं लिखें तो वह चित्र कोई काम का न रहे।

उत्तर 12- *C.निरन्तर देही-अभिमानी अवस्था*

पास विद् ऑनर बनने के लिए बुद्धियोग थोड़ा भी कहीं न भटके। एक बाप की ही याद रहे। *इसके लिए एक ही सही शब्द है- निरन्तर देही-अभिमानी अवस्था*

उत्तर 13- *D.उपरोक्त सभी*

यह एक माण्डवा है। उनमें यह चांद-सितारे आदि सब बतियां हैं। इन सूर्य, चांद, सितारों को मनुष्य देवता कह देते हैं क्योंकि *यह बहुत अच्छा काम करते हैं, रिमझिम करते हैं, किसको तकलीफ नहीं देते हैं, सबको सुख देते हैं। बहुत काम करते हैं इसलिए इनको देवता कह देते।* अच्छा काम करने वाले को कहते हैं ना - यह तो जैसे देवता है।

उत्तर 14- *B.पावन जरूर बनना है*

अब मुख्य बात है - पावन जरूर बनना है। यही फिकरात है। कर्म करते हुए बाप की याद में रहना है। तुम एक माशूक के आशिक हो ना। एक माशूक को सब आशिक याद करते हैं। वह माशूक कहते हैं अभी मुझे याद करो। मैं तुमको पावन बनाने आया हूँ।

उत्तर 15- *A.देह-अभिमान*

भगवान् खुद ही आकर अपना परिचय देते हैं कि मैं कौन हूँ। मैं जो हूँ, जैसा हूँ, दुनिया में कोई नहीं जानते। तुम्हारे में जो बाबा कहते हैं उनमें भी कोई पक्के हैं, कोई कच्चे हैं। *देह-अभिमान टूटने में ही मेहनत लगती है।* देही-अभिमानी बनना पड़े।

उत्तर 16- *A.शिव बाबा*

तुम जानते हो यह पढ़ाई फिर 5 हजार वर्ष बाद रिपीट होगी। यह बना-बनाया खेल है। इस चक्र का किसको पता नहीं है। *इसका क्रियेटर, डायरेक्टर, मुख्य एक्टर कौन है - शिवबाबा।

उत्तर 17- *A.निश्चय पर*

इस युद्ध के मैदान में माया सबसे पहला वार निश्चय पर करती है चलते-चलते निश्चय तोड़ देती है इसलिए हार खा लेते हैं। यदि पक्का निश्चय रहे कि बाप जो सबका दुःख हरकर सुख देने वाला है, वही हमें श्रीमत दे रहे हैं आदि-मध्य-अन्त की नॉलेज सुना रहे हैं, तो कभी माया से हार नहीं हो सकती।

उत्तर 18- *A.और ही विकर्म बनते हैं*

बाप ने कहा है मुझे याद करो। यह है रूहानी यात्रा। बाप की याद से ही विकर्म विनाश होते हैं। उन *जिस्मानी यात्राओं से और ही विकर्म बनते हैं* बोलो, यह ताबीज है। इनको समझेंगे तो सभी दुःख दूर हो जायेंगे। ताबीज पहनते ही हैं दुःख दूर होने लिये।

उत्तर 19- *B.वैल्युबल*

कई साहूकार आते हैं, समझते हैं हम इन्हें कुछ देवें। *गरीब कोई एक रूपया देते हैं, साहूकार 100 रूपया देते हैं, गरीबों का एक रूपया वैल्युबल हो जाता है।* वे साहूकार लोग तो कब याद की यात्रा में यथार्थ रीति रह न सकें, वह आत्म-अभिमान बन न सकें। पहले तो पतित से पावन कैसे बनना है, वह लिखकर देना है।

उत्तर 20- *D.जैसे बाप में निश्चय है, वैसे स्वयं और ड्रामा में भी सम्पूर्ण निश्चय हो*

किसी भी विकराल समस्या को शीतल बनाने के लिए जैसे बाप में निश्चय है वैसे स्वयं में और ड्रामा में भी सम्पूर्ण निश्चय हो। हलचल की सीन में भी कल्याण का अनुभव हो, वातावरण हिलाने वाला हो, समस्या विकराल हो लेकिन सदा निश्चयबद्धि विजयी बनो तो विकराल समस्या भी शीतल हो जायेगी।

उत्तर 21- *B.ब्राह्मणों से नाता*

स्वर्ग में तो सब आयेंगे - वह कोई बड़ी बात नहीं है। बड़ी बात है सज़ा न खाकर, ऊंच पद पाना। योगबल से हिसाब-किताब चुकू करेंगे तो फिर सज़ा नहीं खायेंगे। पुराने सम्बन्धी भी याद न पड़ें। *अभी तो हमारा ब्राह्मणों से नाता है फिर हमारा देवताओं से नाता होगा। अभी का नाता सबसे ऊंच है।*

उत्तर 22- *D.नष्टमोहा बनने का*

सजाओं से छूटने के लिए नष्टमोहा बनने का पुरुषार्थ बहुत समय का चाहिए, किसी में भी ममत्व न हो। अपने दिल से पूछना है - हमारा किसी में मोह तो नहीं है? कोई भी पुराना सम्बन्ध अन्त में याद न आये। योगबल से सब हिसाब-किताब चुकू करने हैं तब ही बिगर सजा ऊंच पद मिलेगा।

उत्तर 23- *D.लक्ष्मी-नारायण*

बच्चे जानते हैं हम ऊंच ते ऊंच बाप की मत से ऊंच ते ऊंच मर्तबा पाते हैं। *मनुष्य सृष्टि में ऊंच ते ऊंच यह लक्ष्मी-नारायण का मर्तबा है।* यह पास्ट में होकर गये हैं। मनुष्य जाकर इन ऊंच को नमस्ते करते हैं। मुख्य बात है ही पवित्रता की। मनुष्य तो मनुष्य ही हैं। परन्तु कहाँ वह विश्व के मालिक, कहाँ अभी के मनुष्य!

उत्तर 24- *D.उपरोक्त सभी*

इस पुरानी दुनिया को भूल अकेले बन जाओ, घर को याद करो। अपने सुखधाम को याद करो, किससे जास्ती बात भी न करो, नहीं तो नुकसान हो जाता है। *बहुत मीठा, शान्त, प्यार से बोलना अच्छा है। जास्ती न बोलना अच्छा है। शान्ति में रहना सबसे अच्छा है।* तुम बच्चे तो शान्ति से विजय पाते हो।

उत्तर 25- *D. B और C* 1

तुम्हारे लिए यह ज्ञान और विज्ञान ही होली-धुरिया है। वे लोग भी होली और धुरिया मनाते हैं लेकिन उसका अर्थ क्या है, यह भी कोई नहीं जानते। वास्तव में यह ज्ञान और विज्ञान है, जिससे तुम अपने को बहुत ऊंच बनाते हो। वह तो क्या-क्या करते हैं, धूल डालते हैं क्योंकि यह है रौरव नर्क।

उत्तर 26- *B.कभी देह-अभिमान में मत फँसो*

तुम ईश्वरीय संतान को भी माया एकदम घूसा ऐसा लगा देती है जो जोर से दुबन में गिर पड़ते हैं। फिर उससे निकलना बड़ा मुश्किल होता है, इसमें फिर आशीर्वाद आदि की कोई बात नहीं रहती। फिर इस तरफ मुश्किल चढ़ सकते हैं इसलिए बड़ी खबरदारी चाहिए। *माया के वार से बचने के लिए कभी देह-अभिमान में मत फँसो।* सदा खबरदार, सब भाई-बहन हैं।

उत्तर 27- *B.गोले पर व झाड़ पर*

पहले-पहले तो बेहद के बाप का परिचय देते रहो। त्रिमूर्ति का चित्र तो बड़ा अच्छा है - स्वर्ग और नर्क भी दोनों तरफ हैं। गोले में भी क्लीयर है। *कोई भी धर्म वाले को इस गोले पर वा झाड़ पर तुम समझा सकते हो* - इस हिसाब से तुम स्वर्ग नई दुनिया में तो आ

नहीं सकेंगे।

उत्तर 28- *D.चक्र का ज्ञान*

शास्त्रों में श्रीकृष्ण को भी स्वदर्शन चक्र दे हिंसा ही हिंसा दिखा दी है। वास्तव में है ज्ञान की बात। तुम अभी स्वदर्शन चक्रधारी बने हो उन्होंने ने फिर हिंसा की बात दिखा दी है। *तुम बच्चों को अब स्व अर्थात् चक्र का ज्ञान मिला है।* तुमको बाबा कहते हैं - ब्रह्मा मुख वंशावली ब्राह्मण कुल भूषण, स्वदर्शन चक्रधारी।

उत्तर 29- *C.याद की यात्रा*

तुम सजाओं से छूटने का ही पुरुषार्थ करते रहते हो। *उसके लिए मुख्य है याद की यात्रा,* जिससे ही विकर्म विनाश होते हैं। तुम प्यार से याद करो तो बहुत कमाई जमा होती जायेगी। सवेरे-सवेरे उठकर याद में बैठने से पुरानी दुनिया भूलती जायेगी। ज्ञान की बातें बुद्धि में आती रहेंगी।

उत्तर 30- *D.गीत सुनने से भी बाप की याद आ जायेगी*

बाप को भूलने से फिर पुरानी दुनिया और पुराने सम्बन्ध भी याद आ जाते हैं। *ऐसे समय गीत सुनने से भी बाप की याद आ जायेगी।* बाप कहने से वर्सा भी याद आ जाता है। पढ़ाई से वर्सा मिलता है। तुम शिवबाबा से पढ़ते हो सारे विश्व का मालिक बनने। तो बाकी और क्या चाहिए।

उत्तर 31- *A.जो बाप की याद में रहे*

महान सौभाग्यशाली वह जो बाप की याद में रहे। भगवान, बाबा हमको पढ़ाते हैं! जैसे उस पढ़ाई में रहता है फलाना टीचर हमको बैरिस्टर बनाते हैं, वैसे यहाँ हमको भगवान पढ़ाते हैं - भगवान भगवती बनाने के लिए तो कितना नशा रहना चाहिए।

उत्तर 32- *A.मोह की रग नहीं जानी चाहिए*

कितना भी कोई प्यारा सम्बन्धी हो उसमें मोह की रग नहीं जानी चाहिए। नष्टमोहा बनना है। युक्ति से समझाना है। अपने ऊपर और दूसरों पर रहम करना है।

भाग - (69)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- अलग पर्याय का चुनाव कीजिए ?

- A- त्रिमूर्ति शिव परमात्मा
- B- परमपिता
- C- परम सतगुरु
- D- परम शिक्षक

प्रश्न 2- सबसे सहज पुरुषार्थ है -

- A- अविनाशी ज्ञान रत्नों का दान करना
- B- तुम बिल्कुल चुप रहो
- C- अपने को आत्मा समझो
- D- दुआएं दो दुआएं लो

प्रश्न 3- नेती- नेती कौन करते आये हैं ?

- A- रचयिता और रचना को न जानने वाले
- B- आस्तिक
- C- संन्यासी
- D- नास्तिक

प्रश्न 4- कौन सी दृष्टि बड़ी मुश्किल से निकलती है ?

- A- कुदृष्टि
- B- देह की
- C- विकार की
- D- स्त्री पुरुष की

प्रश्न 5- श्री लक्ष्मी-नारायण हैं -

- A- सबसे ऊंच

- B- सबसे पुण्य आत्मा हैं।
- C- पूजा में ब्रह्म-विष्णु-शंकर से ऊंच है।
- D- अभी है नर्क के मालिक फिर स्वर्ग के मालिक बनेंगे।

प्रश्न 6- कौन सी खुशी चेहरे से झलकनी चाहिए ?

- A- हमें भगवान पढ़ाते हैं,
- B- भगवान हमको विश्व की बादशाही देते हैं।
- C- हम मनुष्य से देवता बनते हैं।
- D- भगवान हमारा बाप टीचर और सतगुरु है

प्रश्न 7- विश्व कल्याणकारी बनने के लिए सबसे जरूरी क्या है ?

- A- आत्मा भाई भाई की दृष्टि
- B- ज्ञान सूर्य बन शुभ भावना वा श्रेष्ठ कामना देना
- C- संकल्प में विश्व कल्याण की भावना वा कामना भरी हुई हो
- D- सर्व बन्धनों से मुक्त, स्वतंत्र बनो।

प्रश्न 8- गलत (अलग) पर्याय का चुनाव कीजिए ?

- A- छोटी बिन्दू
- B- सालिग्राम
- C- पुनर्जन्म रहित
- D- सोमनाथ

प्रश्न 9- भारतवासियों के लिए सही चित्र कौन सा है ?

- A- सीढ़ी का चित्र
- B- त्रिमूर्ति
- C- गोला
- D- झाड़ का चित्र

प्रश्न 10- द्वापर कलियुग में लाइट का ताज किस पर हो सकता है ?

- A- ऋषि मुनि सन्यासियों पर
- B- धर्म स्थापक
- C- महाराजा-महारानी पर
- D- परमधाम से पहली बार आने वाली आत्मा पर

प्रश्न 11- अलग पर्याय का चुनाव कीजिए ?

- A- संन्यासी
- B- पवित्र
- C- सम्पूर्ण निर्विकारी
- D- विकार से जन्म

प्रश्न 12- ब्राह्मण जीवन के कदम है-

- A- धारणाएँ
- B- दृढ़ता और एकाग्रता
- C- ज्ञान योग
- D- मर्यादायें

प्रश्न 13- शुद्ध संकल्पों का स्टॉक कैसे जमा करो ?

- A- शुभ भावना शुभ कामना
- B- मनन शक्ति
- C- अनुभवी मूर्त
- D- ज्ञान की गहराई से

प्रश्न 14- कौन मरमत करते हैं, जिनके पवित्र होने से भारत थमा रहता है ?

- A- धर्म स्थापक
- B- संन्यासी

- C- भगवान
- D- भक्त

प्रश्न 15- अलग पर्याय का चुनाव कीजिए ?

- A- देवी-देवता धर्म
- B- डीटी डिनायस्टी
- C- डीटी रिलीजन
- D- रिलीजन इज माइट

प्रश्न 16- अन्दर में कौन सी धुन लगा दो -

- A- हम आत्मा कैसे 84 का चक्र लगाकर आई हैं।
- B- मैं आत्मा हूँ
- C- मन्मनाभव
- D- बस बाबा और मैं

प्रश्न 17- अहो सौभाग्य है जो -

- A- हमें भगवान पढ़ाते हैं यह याद रहे तो।
- B- बाप की याद और 84 जन्मों के चक्र की याद रहे तो।
- C- अपने को आत्मा समझो।
- D- अपने को आत्मा समझ एक बाप को याद करें।

प्रश्न 18- मायाजीत बनने का सहज तरीका है ?

- A- हर कर्म करते उपराम रहो
- B- स्वयं को सदा ट्रस्टी समझो
- C- मेरे पन का त्याग करो
- D- कर्मयोगी बनो

प्रश्न 19- अभी तुम बच्चे जीते जी मरे हुए हो। कैसे मरे हो ?

- A- देह के अभिमान को छोड़ दिया।
- B- शरीर तो खत्म हो जाता है।
- C- आत्मा मरती है।
- D- पुरानी देह, देह की दुनिया, देह के पदार्थों से।

प्रश्न 20- पहले-पहले तो यह पक्का याद करना है -

- A- हम जीते जी इस पुरानी दुनिया से, पुराने शरीर से मर चुके हैं।
- B- आत्मा मेल है, न कि फीमेल
- C- हम आत्मा हैं, शरीर नहीं।
- D- हम आत्मा हैं हमारा पिता परमात्मा है।

प्रश्न 21- कौन सी स्मृति से बन्धनमुक्त बनो तो योगयुक्त बन जायेंगे ?

- A- जिम्मेवार बाप है आप निमित्त हो।
- B- लौकिक जिम्मेवारी तो खेल हैं।
- C- माया के बन्धन से मुक्त हैं।
- D- करनकरावनहार की स्मृति से।

प्रश्न 22- लड़ाई तो विलायत में भी होती है, फिर इसको महाभारत लड़ाई क्यों कहते हैं ?

- A- भगवान भारत में आते हैं।
- B- गाया हुआ है, महाभारी महाभारत लड़ाई।
- C- भारत में ही यज्ञ रचा हुआ है, इनसे ही विनाश ज्वाला निकली है।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 23- शिव किस को धनवान बनाते हैं ?

- A- जो सम्पूर्ण रीति शिव पर बलि चढ़ते हैं
- B- ब्राह्मण बच्चों को
- C- भारत

D- आत्मा को

प्रश्न 24- काल पर विजय पाते हैं -

- A- सतयुग में
- B- त्रेतायुग में
- C- शान्तिधाम में
- D- A और B
- E- A, B और C

प्रश्न 25- विनाशी धन भी साथ किनका जाता है ?

- A- सबका।
- B- किसी का भी नहीं।
- C- जो बाप को मदद करते हैं।
- D- जो भी ईश्वर अर्थ देते हैं।

प्रश्न 26- बाप आते ही हैं -

- A- पतितों को पावन बनाने
- B- ब्रह्मा द्वारा स्थापना करने
- C- मनुष्य से देवता बनाने
- D- बच्चों के सब दुःखों को खलास कर 100 प्रतिशत सुख देने।

प्रश्न 27- सदा उल्लास रहे कि -

- A- ज्ञान सागर बाप हमें रोज़ ज्ञान रत्नों, जवाहरातों की थालियां भरकर देते हैं।
- B- अभी ही हम भगवान के बच्चे बने हैं।
- C- हम देवता बनने वाले हैं।
- D- कोटों में कोई आत्मा हूं।

प्रश्न 28- कैसे मोटेपन की बीमारियों से बच जायेंगे ?

- A- सदा निमित्त भाव रखने से
- B- जो ज्ञान की बातों के सिवाए दूसरा कुछ भी न सुनो
- C- व्यर्थ संकल्प रूपी एकस्ट्रा भोजन नहीं करो तो
- D- सत्यता की शक्ति से

प्रश्न 29- साक्षात् बाप समान क्या नहीं बनना है ?

- A- लाइट हाउस, माइट हाउस
- B- महादानी और वरदानी
- C- विश्व कल्याणकारी
- D- माशूक

प्रश्न 30- तुम बहुत लकी हो क्योंकि-

- A- बाप की दिल पर चढ़े हुए हो।
- B- तुम्हें बाप की याद के सिवाए और कोई फिकरात नहीं।
- C- हम बेहद के बाप के बच्चे और बच्चियां हैं।
- D- तुम भगवान के साथी हो।

प्रश्न 31- अब बाबा आया हुआ है नई दुनिया स्थापन करने, तो इस विनाश के पहले तुम -

- A- अपना सब-कुछ सफल कर लो
- B- अपना पुरुरूप्य करना है
- C- नई दुनिया के लिए पढ़ाई पढ़ लो
- D- कर्मातीत बनना

प्रश्न 32- अलग पर्याय का चुनाव कीजिए ?

- A- माशूक
- B- आशिक
- C- स्वदर्शन चक्रधारी

D- लकी

भाग (69 के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *A.त्रिमूर्ति शिव परमात्मा*

बाबा ने कहा है - हर चित्र में जरूर लिखा हुआ हो ज्ञान सागर पतित-पावन, गीता ज्ञान दाता परमप्रिय परमपिता, परमशिक्षक, परम सतगुरु शिव भगवानुवाच। *यह अक्षर तो जरूर लिखो जो मनुष्य समझ जाएं - त्रिमूर्ति शिव परमात्मा ही गीता का भगवान है,* न कि श्रीकृष्ण।

उत्तर 2- *B.तुम बिल्कुल चुप रहो*

बाप कहते हैं *सबसे सहज पुरुषार्थ के लिए तुम बिल्कुल चुप रहो*, चुप रहने से ही बाप का वर्सा ले लेंगे। बाप को याद करना है, सृष्टि चक्र को फिराना है। बाप की याद से तुम्हारे विकर्म विनाश होंगे, आयु बड़ी होगी और चक्र को जानने से चक्रवर्ती राजा बन जायेंगे - यही है सहज पुरुषार्थ।

उत्तर 3- *C.संन्यासी*

बाप जो सर्व का सद्गति दाता है, उनको ही याद करना है। *संन्यासी गीता भल पढ़ते आये हैं परन्तु रचयिता और रचना को न जानने कारण नेती-नेती करते आये हैं।* सच्ची गीता तो सच्चा बाप ही आकर सुनाते हैं, यह है विचार सागर मंथन करने की बातें।

उत्तर 4- *D.स्त्री पुरुष की*

सदा भाई-भाई की दृष्टि रहे। स्त्री-पुरुष का जो भान है वह निकल जाए, तब बाप के वर्से का पूरा अधिकार प्राप्त हो। *परन्तु स्त्री-पुरुष का भान वा यह दृष्टि निकलना बड़ा मुश्किल है।* इसके लिए देही-अभिमान बनने का अभ्यास चाहिए।

उत्तर 5- *B.सबसे पुण्य आत्मा है*

अभी बच्चे जानते हैं रावण राज्य में तो सब पाप ही करते हैं, *सबसे पुण्य आत्मा हैं श्री लक्ष्मी-नारायण।* हाँ, ब्राह्मणों को भी ऊंच रखेंगे जो सबको ऊंच बनाते हैं। वह तो प्रालम्ब है।

उत्तर 6- *A.हमें भगवान पढ़ाते हैं*

तुम्हारा चेहरा सदा खुशनुमा चाहिए *हमें भगवान पढ़ाते हैं*, यह खुशी चेहरे से झलकनी चाहिए*

उत्तर 7- *D.सर्व बन्धनों से मुक्त, स्वतंत्र बनो*

कोई भी कार्य करते विश्व की सर्व आत्मायें इमर्ज हों। मास्टर ज्ञान सूर्य बन शुभ भावना वा श्रेष्ठ कामना के आधार से शान्ति व शक्ति की किरणें देते रहो तब कहेंगे विश्व कल्याणकारी। लेकिन *इसके लिए सर्व बन्धनों से मुक्त, स्वतंत्र बनो।*

उत्तर 8- *B.सालिग्राम*

बाप कहते हैं - *मैं तुम्हारा बाप भी इतनी छोटी बिन्दू हूँ।* भक्ति मार्ग में अनेक प्रकार के नाम रख दिये हैं। कमाई के लिए अनेक मन्दिर बनाये हैं। असली नाम है शिव। *फिर सोमनाथ रखा है मैं तो पुनर्जन्म रहित हूँ।* यह शरीर इस दादा का है।

उत्तर 9- *A.सीढ़ी का चित्र*

84 का राज तुम बच्चों को बाप ही बैठ समझाते हैं और धर्म वाले तो 84 जन्म लेते नहीं। *भारतवासियों के लिए यह 84 जन्मों का चित्र (सीढ़ी) बड़ा अच्छा बना हुआ है।* कल्प वृक्ष का भी चित्र है गीता में। परन्तु भगवान ने गीता कब सुनाई, क्या आकर किया, यह कुछ नहीं जानते। और धर्म वाले अपने-अपने शास्त्र को जानते हैं, भारतवासी बिल्कुल नहीं जानते।

उत्तर 10- *B.धर्म-स्थापक*

वह देवतायें थे डबल सिरताज फिर आधाकल्प बाद लाइट का ताज उड़ जाता है। इस समय लाइट का ताज कोई पर भी नहीं है। *सिर्फ जो धर्म स्थापक हैं, उन पर हो सकता है* क्योंकि वह पवित्र आत्मायें शरीर में आकर प्रवेश करती हैं। यही भारत है, जिसमें डबल सिरताज भी थे, सिंगल ताज वाले भी थे।

उत्तर 11- *C.सम्पूर्ण निर्विकारी*

पवित्र रहने वालों का मान है। संन्यासी पवित्र हैं तो गृहस्थी उन्हीं को माथा टेकते हैं। संन्यासी तो विकार से जन्म ले फिर संन्यासी बनते हैं। *देवताओं को तो कहा ही जाता है सम्पूर्ण निर्विकारी।* संन्यासियों को कभी सम्पूर्ण निर्विकारी नहीं कहेंगे।

उत्तर 12- *D.मर्यादायें*

मर्यादायें ही ब्राह्मण जीवन के कदम हैं, कदम पर कदम रखना माना मंजिल के समीप पहुंचना।

उत्तर 13- *B.मनन शक्ति द्वारा*

जो बच्चे ज्ञान की गहराई में जाते हैं वे अनुभव रूपी रत्नों से सम्पन्न बनते हैं। एक है ज्ञान सुनना और सुनाना, दूसरा है अनुभवी मूर्त बनना। अनुभवी कभी धोखा नहीं खा सकते। इसलिए अनुभवों को बढ़ाते हुए हर गुण के अनुभवी मूर्त बनो। *मनन शक्ति द्वारा शुद्ध संकल्पों का स्टॉक जमा करो।*

उत्तर 14- *B.संन्यासी*

महात्मायें तो फिर भी जीवन का अनुभव कर फिर विकारों को छोड़ते हैं। घृणा आती है, बच्चा तो है ही पवित्र। उनको ऊंच महात्मा समझते हैं। तो बाप ने समझाया है यह निवृत्ति मार्ग वाले संन्यासी भी कुछ थमाते हैं। जैसे मकान आधा पुराना होता है तो फिर मरम्मत की जाती है। *संन्यासी भी मरम्मत करते हैं, पवित्र होने से भारत थमा रहता है।*

उत्तर 15- *D.रिलीजन इज माईट*

तुम ही पहले-पहले बिछुड़े हो तो शिवबाबा भी पहले-पहले तुमसे ही मिलते हैं। तुम्हारे खातिर बाप को आना पड़ता है। कल्प पहले भी इन बच्चों को ही पढ़ाया था जो फिर स्वर्ग के मालिक बनें। उस समय और कोई खण्ड नहीं था। *बच्चे जानते हैं हम आदि सनातन देवी-देवता धर्म के थे जिसको डीटी रिलीजन, डीटी डिनायस्टी भी कहते हैं।*

उत्तर 16- *A.हम आत्मा कैसे 84 का चक्र लगा कर आई हैं*

कल्प बाद फिर यही बात रिपीट होगी। ड्रामा को बड़ा अच्छी रीति समझना चाहिए। अच्छा, कोई जास्ती नहीं याद कर सकते हैं तो बाप कहते हैं सिर्फ अल्फ और बे, बाप और बादशाही को याद करो। *अन्दर में यही धुन लगा दो कि हम आत्मा कैसे 84 का चक्र लगाकर आई हैं।*

उत्तर 17- *B.बाप की याद और 84 जन्मों के चक्र की याद रहे तो*

निरन्तर स्मृति रहे - जो बाप हमको विश्व का मालिक बनाते हैं, हम उसे याद करते हैं! बाप की याद और 84 जन्मों के चक्र की याद रहे तो अहो सौभाग्य। औरों को भी सुनाना है - बहनों और भाइयों, अब कलियुग पूरा हो सतयुग आता है।

उत्तर 18- *B.स्वयं को सदा ट्रस्टी समझो*

जैसे गन्दगी में कीड़े पैदा होते हैं वैसे ही जब मेरापन आता है तो माया का जन्म होता है। *मायाजीत बनने का सहज तरीका है - स्वयं को सदा ट्रस्टी समझो।* ब्रह्माकुमार माना ट्रस्टी, ट्रस्टी की किसी में भी अटैचमेंट नहीं होती क्योंकि उनमें मेरापन नहीं होता।

उत्तर 19- *A.देह का अभिमान छोड़ दिया*

अभी तुम बच्चे जीते जी मरे हुए हो। कैसे मरे हो? देह के अभिमान को छोड़ दिया तो बाकी रही आत्मा। शरीर तो खत्म हो जाता है। आत्मा नहीं मरती। बाप कहते हैं जीते जी अपने को आत्मा समझो और परमपिता परमात्मा के साथ योग लगाने से आत्मा पवित्र हो जायेगी।

उत्तर 20- *C. हम आत्मा हैं, शरीर नहीं*

अभी तुम बच्चे समझते हो हम जीते जी इस पुरानी दुनिया से, पुराने शरीर से मर चुके हैं फिर तुम आत्मायें भी शरीर छोड़ कहाँ जायेंगी? अपने घर। *पहले-पहले तो यह पक्का याद करना है - हम आत्मा हैं, शरीर नहीं।* आत्मा कहती है - बाबा, हम आपके हो चुके, जीते जी मर चुके हैं।

उत्तर 21- *A.जिम्मेवार बाप है आप निमित्त हो*

बन्धनमुक्त की निशानी है सदा योगयुक्त। योगयुक्त बच्चे जिम्मेवारियों के बंधन वा माया के बन्धन से मुक्त होंगे। मन का भी बन्धन न हो। लौकिक जिम्मेवारी तो खेल है, इसलिए डायरेक्शन प्रमाण खेल की रीति से हंसकर खेलो तो कभी छोटी-छोटी बातों में थकेंगे नहीं। अगर बंधन समझते हो तो तंग होते हो। क्या, क्यों का प्रश्न उठता है। *लेकिन जिम्मेवार बाप है आप निमित्त हो।* इस स्मृति से बन्धनमुक्त बनो तो योगयुक्त बन जायेंगे।

उत्तर 22- *C. भारत में ही यज्ञ रचा हुआ है, इनसे ही विनाश ज्वाला निकली है*

बाप समझाते हैं यह है महाभारी महाभारत लड़ाई। कहेंगे लड़ाई तो विलायत में भी होती है फिर इसको महाभारत लड़ाई क्यों कहते हैं? *भारत में ही यज्ञ रचा हुआ है, इनसे ही विनाश ज्वाला निकली है।* तुम्हारे लिए नई दुनिया चाहिए तो मीठे बच्चे पुरानी दुनिया का जरूर विनाश होना चाहिए। तो इस लड़ाई की जड़ यहाँ से निकलती है। इस रुद्र ज्ञान यज्ञ से महाभारी लड़ाई, विनाश ज्वाला प्रज्वलित हुई।

उत्तर 23- *C. भारत*

यह पढ़ाई है ही बिल्कुल शान्त में रहने की। यह बक्तियाँ आदि जो जलाते हैं, शो करते हैं, वह भी इसलिए कि मनुष्य आकर पूछें आप शिव जयन्ती इतनी क्यों मनाते हो? *शिव ही भारत को धनवान बनाते हैं ना।* इन लक्ष्मी -नारायण को स्वर्ग का मालिक किसने बनाया - यह तुम जानते हो।

उत्तर 24- *D. A और B*

तुम सतयुग में जाने के लिए पुरुषार्थ करते हो। सतयुग में बहुत थोड़े रहेंगे। तुम काल पर जीत पाते हो। *वहाँ सतयुग त्रेता में कभी अकाले मृत्यु नहीं होता।* देवताओं ने काल पर विजय पाई हुई है।

उत्तर 25- *C. जो बाप को मदद करते हैं*

यह ज्ञान रत्नों की कमाई ही साथ चलती है जो फिर तुम 21 जन्म प्रालम्भ भोगेंगे। हाँ, विनाशी धन भी साथ उनका जाता है *जो बाप को मदद करते हैं।* बाबा हमारी भी कौड़ियां ले वहाँ महल दे देना। बाप कौड़ियों के बदले कितने रत्न देते हैं।

उत्तर 26- *D. बच्चों के सब दुःखों को खलास कर 100 प्रतिशत सुख देने*

गाते भी हैं मैं निर्गुण हारे में कोई गुण नाही, आपेही तरस परोई . . . हमारे में कोई गुण नहीं कहते तो बुद्धि गॉड फादर की तरफ ही जाती है, उनको ही मर्सिफुल कहा जाता है। *बाप आते ही हैं बच्चों के सब दुःखों को खलास कर 100 प्रतिशत सुख देने।* कितना रहम करते हैं

उत्तर 27- *A. ज्ञान सागर बाप हमें रोज ज्ञान रत्नों, जवाहरातों की थालियां भरकर देते हैं*

सदा उल्लास रहे कि ज्ञान सागर बाप हमें रोज ज्ञान रत्नों की थालियां भर-भर कर देते हैं। जितना योग में रहेंगे उतना बुद्धि कंचन होती जायेगी। यह अविनाशी ज्ञान रत्न ही साथ में जाते हैं।

उत्तर 28- *C. व्यर्थ संकल्प रूपी एक्स्ट्रा भोजन नहीं करो तो*

व्यर्थ संकल्प रूपी एक्स्ट्रा भोजन नहीं करो तो मोटेपन की बीमारियों से बच जायेंगे।

उत्तर 29- *D. माशूक*

जो फर्स्टक्लास बच्चे हैं वह एक माशूक के सच्चे-सच्चे आशिक बन याद करते रहेंगे। घूमने फिरने जाते हैं तो एकान्त में बगीचे में बैठकर याद करेंगे। झरमुई झगमुई आदि वार्तालाप में रहने से वायुमण्डल खराब होता है इसलिए जितना टाइम मिले बाप को याद करने की प्रैक्टिस करो। *फर्स्टक्लास सच्चे माशूक के आशिक बनो।*

उत्तर 30- *B. तुम्हें बाप की याद के सिवाए और कोई फिकरात नहीं*

तुम बहुत लकी हो क्योंकि तुम्हें बाप की याद के सिवाए और कोई फिकरात नहीं, इस बाप को तो फिर भी बहुत ख्यालात चलते हैं।

उत्तर 31- *C. नई दुनिया के लिए पढ़ाई पढ़ लो*

अब बाबा आया हुआ है नई दुनिया स्थापन करने, तो *इस विनाश के पहले तुम नई दुनिया के लिए पढ़ाई पढ़ लो।* भगवानुवाच मैं तुमको राजयोग सिखाता हूँ।

उत्तर 32- *A. माशूक*

तुम बहुत लकी हो क्योंकि तुम्हें बाप की याद के सिवाए और कोई फिकरात नहीं, स्वदर्शन चक्रधारी, तुम्हारा नाम अर्थ सहित है। जो फर्स्टक्लास बच्चे हैं वह एक माशूक के सच्चे-सच्चे आशिक बन याद करते रहेंगे। *मुरली में लकी, आशिक, स्वदर्शन चक्रधारी शब्द ब्राह्मण बच्चों के लिए आया है। माशूक तो एक शिव बाबा है।*

भाग - (70)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- अपने आप से प्रतिज्ञा करनी है कि -

- A- हर कदम श्रीमत पर चलेंगे
- B- कभी भी रोयेंगे नहीं
- C- झरमुई झगमुई (परचितन) नहीं करेंगे
- D- सच्चे-सच्चे आशिक बन अपने माशूक को याद करेंगे

प्रश्न 2- यह पढ़ाई है इसमें अभी फेल हुए तो -

- A- बहुत घाटा पड़ जाएगा
- B- जन्म-जन्मान्तर, कल्प-कल्पान्तर फेल होते रहेंगे
- C- पद भ्रष्ट हो जायेगा।
- D- दास-दासियां बनेंगे

प्रश्न 3- 8 घण्टा -

- A- कर्मयोगी बन कर्म करो

- B- आराम करो
- C- बाप को याद करो
- D- A और C
- E- A, B और C

प्रश्न 4- किस की शक्ल सदैव हर्षित रहेगी ?

- A- रचयिता और रचना का सिमरण करने वाले की
- B- फरिश्ते बनते हो तो
- C- ज्ञानी की
- D- निश्चय बुद्धि बच्चों की

प्रश्न 5- से जागृति होती है ?

- A- प्रदर्शनी से
- B- अखबार से
- C- ज्ञान से
- D- भगवान के आने से

प्रश्न 6- कैसे बोलने से उसका प्रभाव पड़ता है ?

- A- अर्थोर्ती होकर
- B- सदा न्यारा
- C- आत्मिक रूप से
- D- अनुभवी मूर्त होकर

प्रश्न 7- तुम भी याद की मेहनत में रहेंगे तो -

- A- बहुत खुशी में रहेंगे।
- B- साक्षात्कार होते रहेंगे।
- C- बाप समान बन जायेंगे।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 8- साक्षात्कार कौन नहीं करेंगे -

- A- जो नौधा भक्ति करते हैं।
- B- शिवबाबा को याद करते हैं।
- C- हम बाप समान बन जायेंगे, तो साक्षात्कार करते रहेंगे।
- D- ब्रह्मज्ञानी भी साक्षात्कार करेंगे।

प्रश्न 9- अपना सब कुछ के लिए ट्रांसफर करना है ?

- A- नई दुनिया
- B- 21 जन्मों के लिए
- C- बाप के लिए
- D- अगले जन्म के लिए

प्रश्न 10- भक्ति होती ही है किस के साथ ?

- A- भगवान के साथ
- B- शरीर के साथ
- C- देवताओं के साथ
- D- देह अभिमान के साथ

प्रश्न 11- ज्ञान से कौन सी आग खत्म हो जाती है ?

- A- अज्ञान की
- B- काम-क्रोध की
- C- भक्ति की
- D- विकार की

प्रश्न 12- पुरानी दुनिया को भूलने का आत्मिक बाम्ब है ?

- A- मनमनाभव

- B- स्मृति का स्विच
- C- स्व की स्मृति
- D- बाबा शब्द

प्रश्न 13- जो एक्टर्स हैं उनमें सर्वशक्तिमान कौन है ?

- A- शिवबाबा
- B- रावण
- C- शिव बाबा और बच्चे
- D- A और B
- E- A,B और C

प्रश्न 14- सही क्रम पहचानिए ?

- A- शिवबाबा ,ब्रह्मा विष्णु शंकर, लक्ष्मीनारायण
- B- शिवबाबा ,लक्ष्मी- नारायण , ब्रह्मा विष्णु शंकर
- C- ब्रह्मा विष्णु शंकर, शिवबाबा, लक्ष्मीनारायण
- D- लक्ष्मीनारायण, ब्रह्मा विष्णु शंकर, शिव बाबा

प्रश्न 15- बाप की मिलकियत है ?

- A- शान्तिधाम
- B- सुखधाम
- C- दुःखधाम
- D- सुखधाम और शान्तिधाम

प्रश्न 16- कर्मेन्द्रियां कहां होती हैं ?

- A- स्थूलवतन में
- B- परमधाम में
- C- सूक्ष्मवतन में
- D- A और C

प्रश्न 17- आधाकल्प देवताओं का राज्य चलता है फिर वह राज्य कहाँ चला जाता, कौन जीत लेते हैं ?

- A- रावण जीत लेता है।
- B- बाकी धर्म वाले जीत लेते हैं।
- C- नीचे चला जाता है।
- D- आत्मा की तमोप्रधानता।

प्रश्न 18- अभी तुम किस के लिए पुरुषार्थ कर रहे हो ?

- A- संपूर्ण पावन बनने के लिए
- B- लक्ष्मी-नारायण बनने के लिए
- C- मरने के लिए
- D- देवता बनने के लिए

प्रश्न 19- बल किस को कहेंगे ?

- A- योगबल
- B- साइंस बल
- C- बाहुबल
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 20- इस सृष्टि ड्रामा के अन्दर किस का मुख्य पार्ट है ?

- A- शिव बाबा का
- B- लक्ष्मी-नारायण का
- C- ब्रह्मा का
- D- हम आत्मा का

प्रश्न 21- कौन से चित्रों में ब्राह्मणों को और शिव को गुम कर दिया है ?

- A- त्रिमूर्ति के

- B- ब्राह्मण चोटी
- C- विराट रूप
- D- गीता के

प्रश्न 22- हर वर्ष रावण को क्यों जलाते आते

- A- दुख देने वाला है।
- B- 5 विकार हैं।
- C- रावणराज्य है इसलिए।
- D- दुश्मन है।

प्रश्न 23- भारत खण्ड है -

- A- स्वर्ग बनता है
- B- महिमा अपरमअपार है।
- C- भारतवासी ही फिर 84 जन्म लेते हैं।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 24- बाप के साथ-साथ महिमा और किसकी है ?

- A- भारत की
- B- गीता की
- C- तुम चैतन्य ज्ञान गंगाओं
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 25- वर्ष से लेकर अपनी जीवन कहानी याद रहती है। अगर भूल गया तो डल बुद्धि कहेंगे। -

- A- 5
- B- 4
- C- 6
- D- 8

प्रश्न 26- कौन सी बात को स्वीकार किया तो यह तुमने जीत पहनी ?

- A- भगवान आया हुआ है।
- B- गीता का ज्ञान दाता श्रीकृष्ण नहीं है।
- C- श्रीकृष्ण की महिमा ही अलग है।
- D- शिवबाबा मनुष्य सृष्टि का बीजरूप है।

प्रश्न 27- पतित दुनिया में कौन पतित है ?

- A- आत्मा
- B- शरीर
- C- मनुष्य
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 28- कितने जन्म में तुम्हारी चढ़ती कला होती है ?

- A- 1
- B- 21
- C- 84
- D- 8

प्रश्न 29- गंगा में जाकर डुबकी क्यों लगाते हैं ?

- A- पापों का नाश करने के लिए
- B- समझते हैं पुण्य है।
- C- समझते हैं गंगा पतित-पावनी है।
- D- समझते हैं गंगा दुख हरनी है।

प्रश्न 30- वर्तमान समय सबसे अच्छा कर्म कौन सा है ?

- A- मन्सा, वाचा, कर्मणा अन्धों की लाठी बनना।
- B- मुक्ति-जीवनमुक्ति का रास्ता बताना।

- C- विचार सागर मंथन करना।
D- हर कर्म योग युक्त हो करना।

प्रश्न 31- अपना गेट है ?

- A- गेटवे टू हेवन
B- गेट-वे ऑफ इन्डिया
C- इन्डिया गेट
D- गेट ऑफ मुक्ति जीवनमुक्ति

प्रश्न 32- कब आत्मा अपना मित्र बनती है ?

- A- संगमयुग में
B- सतयुग में
C- परमधाम में
D- सतयुग त्रेता में

भाग (70) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *B.कभी भी रोयेंगे नहीं*

तुम बच्चों को अब अपने आपसे प्रतिज्ञा करनी है कि कुछ भी हो जाए - आँसू नहीं बहायेंगे। फलाना मर गया, आत्मा ने जाकर दूसरा शरीर लिया, फिर रोने की क्या दरकार? वापिस तो आ नहीं सकते। आँसू आया - नापास हुए इसलिए बाबा कहते हैं *प्रतिज्ञा करो कि हम कभी रोयेंगे नहीं।* परवाह थी पार ब्रह्म में रहने वाले बाप की, वह मिल गया तो बाकी क्या चाहिए।

उत्तर 2- *B.जन्म-जन्मान्तर, कल्प-कल्पान्तर फेल होते रहेंगे*

बाप मिला है तो श्रीमत ले उस पर चलो। नहीं तो मुफ्त पद भ्रष्ट हो जायेंगे। *यह पढ़ाई है इसमें अभी फेल हुए तो जन्म-जन्मान्तर, कल्प-कल्पान्तर फेल होते रहेंगे।* अच्छी रीति पढ़ेंगे तो कल्प-कल्पान्तर अच्छी रीति पढ़ते रहेंगे

उत्तर 3- *E. A, B और C*

बाप समझाते हैं - बच्चे, सजाओं से छूटने के लिए *कम से कम 8 घण्टा कर्मयोगी बन कर्म करो, 8 घण्टा आराम करो और 8 घण्टा बाप को याद करो।* इसी प्रैक्टिस से तुम पावन बन जायेंगे। नींद करते हो, वह कोई बाप की याद नहीं है।

उत्तर 4- *A.रचयिता और रचना का सिमरत करने वाले की*

रचयिता और रचना का सिमरण करने वाले की शक्ल सदैव हर्षित रहेगी। बहुत हैं जिनका सिमरण होता नहीं है। कर्म-बन्धन बड़ा भारी है। विवेक कहता है - जबकि बेहद का बाप मिला है, कहते हैं मुझे याद करो तो फिर क्यों न हम याद करें।

उत्तर 5- *C.ज्ञान से*

सब अज्ञान नींद में सोये पड़े हैं। ज्ञान से जागृति होती है। रोशनी में मनुष्य कभी धक्का नहीं खाते। अन्धियारे में धक्के खाते रहते। *तुम्हें ज्ञान से अच्छी जागृति आई है, तुम अपने 84 जन्मों को, निराकार और साकार बाप को जानते हो।*

उत्तर 6- *A.अर्थोर्ती होकर*

जितना अपने अन्दर बाप का स्नेह इमर्ज होगा उतना ही स्नेह का वाण औरों को भी स्नेह में घायल कर देगा। भाषण की लिंक सोचना, प्वाइंट दुहराना - यह स्वरूप नहीं हो, स्नेह और प्राप्ति का सम्पन्न स्वरूप, लवलीन स्वरूप हो। *अर्थोर्ती होकर बोलने से उसका प्रभाव पड़ता है।*

उत्तर 7- *D.बाप समान बन जायेंगे*

भक्ति में भी मेहनत होती है, इसमें भी मेहनत चाहिए। मेहनत का रास्ता बाबा बहुत फर्स्टक्लास बताते रहते हैं। अपने को आत्मा समझने से फिर देह का भान ही नहीं रहेगा। *जैसे बाप समान बन जायेंगे* साक्षात्कार करते रहेंगे। खुशी भी बहुत रहेगी।

उत्तर 8- *D.ब्रह्मज्ञानी भी साक्षात्कार करेंगे*

बाबा ने समझाया है ब्रह्म ज्ञानी भी ऐसे शरीर छोड़ते हैं। हम आत्मा हैं, परमात्मा में लीन होना है। लीन कोई होते नहीं हैं। हैं ब्रह्म ज्ञानी। बाबा ने देखा है बैठे-बैठे शरीर छोड़ देते हैं। वायुमण्डल बड़ा शान्त रहता है, सन्नाटा हो जाता है। सन्नाटा भी उनको भासेगा जो ज्ञान मार्ग में होंगे, शान्त में रहने वाले होंगे।

उत्तर 9- *A.नई दुनिया*

बाप गरीब बच्चों को साहूकार बनने की युक्ति बताते हैं - मीठे बच्चे, तुम्हारे पास जो कुछ भी है ट्रांसफर कर दो। यहाँ तो कुछ भी रहना नहीं है। *यहाँ जो ट्रांसफर करेंगे वह नई दुनिया में तुमको सौ गुणा होकर मिलेगा।* बाबा कुछ मांगते नहीं हैं। वह तो दाता है, यह

युक्ति बताई जाती है।

उत्तर 10- *B.शरीर के साथ*

यहाँ तुम बच्चों को कहा जाता है आत्म-अभिमान बनो, इसमें ही मेहनत लगती है। अब भक्ति तो छूटी। *भक्ति होती ही है शरीर के साथ।* तीर्थों आदि पर शरीर को ले जाना पड़ता है। दर्शन करना है, यह करना है। शरीर को जाना पड़े। यहाँ तुमको यही चिंतन करना है कि हम आत्मा हैं, हमको परमपिता परमात्मा बाप को याद करना है।

उत्तर 11- *B.काम-क्रोध की*

मीठे बच्चे - यह ज्ञान तुम्हें शीतल बनाता है, *इस ज्ञान से काम-क्रोध की आग खत्म हो जाती है,* भक्ति से वह आग खत्म नहीं होती।

उत्तर 12- *D.बाबा शब्द*

ऐसे प्रीत बुद्धि बन स्मृति का स्विच ऑन करो तो देह और देह की दुनिया की स्मृति का स्विच ऑफ हो जायेगा। यह सेकण्ड का खेल है। मुख से बाबा कहने में भी टाइम लगता है लेकिन स्मृति में लाने में टाइम नहीं लगता। *यह बाबा शब्द ही पुरानी दुनिया को भूलने का आत्मिक बाम्ब है।*

उत्तर 13- *D. A और B*

बाप सर्वशक्तिमान है या ड्रामा? ड्रामा है फिर उनमें *जो एक्टर्स हैं उनमें सर्वशक्तिमान कौन है? शिवबाबा। और फिर रावण।* आधाकल्प है राम राज्य, आधाकल्प है रावण राज्य। घड़ी-घड़ी बाप को लिखते हैं हम बाप की याद भूल जाते हैं। उदास हो जाते हैं।

उत्तर 14- *A.शिवबाबा,ब्रह्मा विष्णु शंकर, लक्ष्मीनारायण*

अभी तुम समझ से बोलते हो। हर एक मूर्ति के आक्यूपेशन को तुम जानते हो। बुद्धि में यह पक्का है कि *ऊंच ते ऊंच शिवबाबा है, जिसकी हम सन्तान हैं। अच्छा, फिर सूक्ष्मवतनवासी ब्रह्मा-विष्णु-शंकर,फिर विष्णु के दो रूप यह लक्ष्मी-नारायण हैं।*

उत्तर 15- *B.सुखधाम*

एक है शान्तिधाम, दूसरा है सुखधाम। *सुखधाम है बाप की मिलकियत* और दुःखधाम है रावण की मिलकियत। 5 विकारों में फँसने से दुःख ही दुःख है। अब बच्चे जानते हैं - हम बाबा के पास आये हैं। वह बाप भी है, शिक्षक भी है परन्तु है निराकार। हम निराकारी आत्माओं को पढ़ाने वाला भी निराकार है।

उत्तर 16- *D. A और C*

बाप कहते हैं मैं इस ब्रह्मा तन द्वारा तुमको बैठ समझाता हूँ। मुझे भी आरगन्स चाहिए ना। मुझे अपनी कर्मेन्द्रियां तो हैं नहीं। *स्थूलवतन मे कर्मेन्द्रियों से कर्म करते हैं, सूक्ष्मवतन में भी कर्मेन्द्रियां हैं।* चलते फिरते जैसे मूवी बाइसकोप होता,यह मूवी टॉकी बाइसकोप निकले हैं तो बाप को भी समझाने में सहज होता है।

उत्तर 17- *A.रावण जीत लेता है*

आधाकल्प देवताओं का राज्य चलता है फिर वह राज्य कहाँ चला जाता, कौन जीत लेते हैं? यह भी किसको पता नहीं। बाप कहते हैं रावण जीत लेता है। उन्होंने फिर देवताओं और असुरों की लड़ाई बैठ दिखाई है।

उत्तर 18- *C.मरने के लिए*

अभी तुम मरने के लिए पुरुषार्थ कर रहे हो। बाप कहते हैं देह सहित देह के सब सम्बन्ध छोड़ एक बाप से सम्बन्ध रखना है। अब जाना ही है सुख के सम्बन्ध में। दुःख के बन्धनों को भूलते जायेंगे। गृहस्थ व्यवहार में रहते पवित्र बनना है। बाप कहते हैं मामेकम् याद करो, साथ-साथ दैवीगुण भी धारण करो।

उत्तर 19- *D.उपरोक्त सभी*

तुम फिर योगबल से इस सृष्टि को पावन बना रहे हो। माया पर तुम जीत पाकर जगत जीत बनते हो। *योगबल को साइंस बल भी कहा जाता है।* उन्होंने का है बाहुबल, तुम्हारा है योगबल।* वह दो भाई भी अगर आपस में मिल जाएं तो विश्व पर राज्य कर सकते हैं। परन्तु अभी तो फूट पड़ी हुई है।

उत्तर 20- *D.हम आत्मा का*

बच्चों ने ओम् शान्ति का अर्थ समझा है, बाप ने समझाया है हम आत्मा हैं, *इस सृष्टि ड्रामा के अन्दर हमारा मुख्य पार्ट है। किसका पार्ट है? आत्मा शरीर धारण कर पार्ट बजाती है।* तो बच्चों को अब आत्म-अभिमान बना रहे हैं। इतना समय देह-अभिमान था।

उत्तर 21- *C.विराट रूप*

मनुष्यों की बुद्धि तमोप्रधान है तो समझते नहीं। इतने बी.के. हैं तो जरूर प्रजापिता ब्रह्मा भी होगा। ब्राह्मण हैं चोटी, ब्राह्मण फिर देवता, *विराट रूप के चित्र में ब्राह्मणों को और शिव को गुम कर दिया है।* तुम ब्राह्मण अभी भारत को स्वर्ग बना रहे हो।

उत्तर 22- *D.दुश्मन है*

मनुष्य तो कुछ भी नहीं जानते, रावण राज्य है ना। हर वर्ष रावण को जलाते आते हैं परन्तु रावण है कौन, यह नहीं जानते। तुम बच्चे जानते हो - *यह रावण भारत का सबसे बड़ा दुश्मन है।* यह नॉलेज तुम बच्चों को ही नॉलेजफुल बाप से मिलती है।

उत्तर 23- *D.उपरोक्त सभी*

भारत खण्ड ही स्वर्ग बनता है, और कोई खण्ड स्वर्ग नहीं बनता। बच्चों को समझाया गया है - नई दुनिया सतयुग में भारत ही होता है। *भारत ही स्वर्ग कहलाता है। भारतवासी ही फिर 84 जन्म लेते हैं*, नर्कवासी बनते हैं। वही फिर स्वर्गवासी बनेंगे। इस समय सभी नर्कवासी हैं फिर भी और सभी खण्ड विनाश हो बाकी भारत रहेगा। *भारत खण्ड की महिमा अपरम अपार है।*

उत्तर 24- *D.उपरोक्त सभी*

बाप के साथ भारत की महिमा भी बहुत है। भारत ही अविनाशी खण्ड है। भारत ही स्वर्ग बनता है। बाप ने भारतवासियों को ही धनवान, सुखी और पवित्र बनाया है। *गीता की भी अपरम अपार महिमा है सर्वशास्त्रमई शिरोमणी गीता है। तुम चैतन्य ज्ञान गंगाओं की भी बहुत महिमा है।* तुम डायरेक्ट ज्ञान सागर से निकली हो।

उत्तर 25- *C. 6*

अभी तुम बच्चों को सारी स्मृति रखनी है। इस जन्म में जो पाप किये हैं, हर एक आत्मा को अपने जीवन का तो पता है ना। कोई मंदबुद्धि, कोई विशाल बुद्धि होते हैं। छोटेपन की हिस्ट्री याद तो रहती है ना। *6 वर्ष से लेकर अपनी जीवन कहानी याद रहती है। अगर भूल गया तो डल बुद्धि कहेंगे।* बाप कहते हैं अपनी जीवन कहानी लिखो। लाइफ की बात है ना।

उत्तर 26- *B.गीता का ज्ञानदाता श्रीकृष्ण नहीं है*

बाप खुद कहते हैं - मैं मनुष्य सृष्टि का बीजरूप हूँ। मैं ज्ञान का सागर, प्रेम का सागर, सर्व का सद्गति दाता हूँ। श्रीकृष्ण की महिमा ही अलग है। तो यह पूरा कान्ट्रास्ट लिखना चाहिए। जो मनुष्य पढ़ने से झट समझ जाए कि *गीता का ज्ञान दाता श्रीकृष्ण नहीं है, इस बात को स्वीकार किया तो यह तुमने जीत पहनी।*

उत्तर 27- *D.उपरोक्त सभी*

इस नर्क में यह अन्तिम जन्म है। इन आँखों से जो देखते हैं, जानते हैं *यह पुरानी दुनिया, पुराना पतित शरीर है, पतित दुनिया में आत्मा भी पतित है, मनुष्य भी पतित हैं।* पावन दुनिया में मनुष्य भी पावन, पतित दुनिया में मनुष्य भी पतित रहते हैं। यह है ही रावण राज्य।

उत्तर 28- *A. 1*

वेद शास्त्र, उपनिषद आदि यह सब हैं भक्ति के। आधाकल्प भक्ति चलती है और आधाकल्प फिर ज्ञान की प्रालम्ब चलती है। भक्ति करते-करते उतरना ही है। 84 पुनर्जन्म लेते नीचे उतरते हैं। *फिर एक जन्म में तुम्हारी चढ़ती कला होती है।* इसको कहा जाता है ज्ञान मार्ग। ज्ञान के लिए गाया हुआ है एक सेकण्ड में जीवनमुक्ति।

उत्तर 29- *C.समझते हैं गंगा पतित- पावनी है*

दुःख हर्ता सुख कर्ता तो परमपिता परमात्मा है ना। वह है ही दुःख हरने वाला। *वह फिर गंगा में जाकर डुबकी लगाते हैं। समझते हैं गंगा पतित-पावनी है।* सतयुग में गंगा को दुःख हरनी पाप कटनी नहीं कहेंगे। साधू सन्त आदि सब जाकर नदियों के किनारे बैठते हैं। सागर के किनारे क्यों नहीं बैठते हैं? अभी तुम बच्चे सागर के किनारे बैठे हो।

उत्तर 30- *A.मन्सा, वाचा, कर्मणा अन्धों की लाठी बनना*

वर्तमान समय सबसे अच्छा कर्म है मन्सा, वाचा, कर्मणा अन्धों की लाठी बनना। तुम बच्चों को विचार सागर मंथन करना चाहिए कि ऐसा कौन-सा शब्द लिखें जो मनुष्यों को घर का (मुक्ति का) और जीवनमुक्ति का रास्ता मिल जाए। मनुष्य सहज समझ लें कि यहाँ शान्ति सुख की दुनिया में जाने का रास्ता बताया जाता है।

उत्तर 31- *D.गेट ऑफ मुक्ति जीवन मुक्ति*

यहाँ बाम्बे को कहते हैं गेट-वे ऑफ इन्डिया। स्टीमर पहले बाम्बे में ही आते हैं। देहली में भी इन्डिया गेट है। *अब अपना यह है गेट ऑफ मुक्ति जीवनमुक्ति।* दो गेट्स हैं ना। हमेशा गेट दो होते हैं इन और आउट। एक से आना, दूसरे से जाना। यह भी ऐसे है - हम नई दुनिया में आते हैं फिर पुरानी दुनिया से बाहर निकल अपने घर चले जाते हैं।

उत्तर 32- *A.संगमयुग में*

कहा जाता है, आत्मा अपना ही शत्रु, अपना ही मित्र है, सच्ची मित्रता है एक बाप को याद कर पावन बनना और बाप से पूरा वर्सा लेना। यह मित्रता करने की युक्ति बाप ही बतलाते हैं। *संगमयुग पर ही आत्मा अपना मित्र बनती है।*

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- यहाँ पहली बात कौन सी है ?

- A- विष (विकार) छोड़ने की।
- B- देह-अभिमान छोड़ने की।
- C- एक दो को दुःख देने की।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 2- अब तुम जानते हो - हम आत्मा हैं, इस पुराने शरीर से क्या नहीं रखना है, यह तो विकारी संबंध हैं ना ?

- A- लगाव
- B- अटैचमेंट
- C- मोह
- D- लोभ

प्रश्न 3- तुम सब ब्राह्मण कुल की पालना करते हो, फिर किस की पालना करेंगे?

- A- ईश्वरीय कुल की
- B- विष्णु कुल की
- C- दैवी कुल की
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 4- निम्नलिखित में सही विकल्प नहीं है ?

- A- किसी आत्मा के प्रति अगर व्यर्थ दृष्टि भी जाती है तो उस समय पवित्रता नहीं मानी जायेगी
- B- पवित्रता जहाँ होगी वहाँ निश्चय, सच्चाई-सफाई, ये सब आ जाता है
- C- कोई भी विकार जब आता है तो पहले कर्म में आता है
- D- व्यर्थ संकल्प क्रोध भी पैदा करता
- E- उपरोक्त सभी सही है

प्रश्न 5- कौनसा वन्दरफुल खेल संगम पर ही चलता है ?

- A- चटाबेटी का
- B- फारकती दिलाने का
- C- खेलपाल का
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 6- तुम्हें 100 परसेन्ट सर्वगुणों में सम्पन्न बनना है, दिल दर्पण में देखना है कि -

- A- हम कहाँ तक पावन बने हैं ?
- B- हम लक्ष्मी को वरने के लायक है ?
- C- हमने कितने पाप किये और कितने पुण्य ?
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 7- विष्णु का राज्य क्षीरसागर में है। अर्थात् ?

- A- घी की नदी बहती है।
- B- जमुना के कण्ठ पर है।
- C- सब पावन ही पावन है।
- D- सम्पन्नता से भरपूर है।

प्रश्न 8- तुम बच्चे ज्ञान डांस करते हो इसलिए क्या कहा जाता है ?

- A- पाना था सो पा लिया।
- B- सच तो बिठो नच।
- C- रास- विलास करना।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 9- सतयुग में देवतायें कभी यज्ञ आदि नहीं रचते। परन्तु यह यज्ञ है....

- A- राजस्व अश्वमेध अविनाशी रुद्र ज्ञान यज्ञ।
- B- राजस्व अविनाशी रुद्र अश्वमेध ज्ञान यज्ञ।

- C- अविनाशी राजस्व अश्वमेध रुद्र ज्ञान यज्ञ।
D- अविनाशी रूद्र राजस्व अश्वमेध ज्ञान यज्ञ।

प्रश्न 10- लौकिक बाप होते भी आत्मा पारलौकिक बाप को याद करती है, क्यों ?

- A- क्योंकि दुःखी है।
B- क्योंकि आधा कल्प की आदत हो गई है।
C- क्योंकि वह सुख का सागर है।
D- उपरोक्त सभी।

प्रश्न 11- वह है जो स्व -परिवर्तन से विश्व परिवर्तन करने के निमित्त बनते हैं ?

- A- विश्व कल्याणकारी
B- परोपकारी
C- विश्व सेवाधारी
D- स्व परिवर्तक

प्रश्न 12- पूज्य बनने का पुरुषार्थ क्या है?

- A- विश्व को पावन बनाने की सेवा में मददगार बनना।
B- पूज्य और पुजारी के रहस्य को समझना।
C- लक्ष्मी-नारायण वा देवी- देवता के रूप में पूजे जाना।
D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 13- माया की.....से बचने के लिए बाप की शरण में आ जाओ ईश्वर की शरण में आने से 21 जन्म के लिए माया के बंधन से छूट जायेंगे

- A- सजा
B- चालाकी
C- पीड़ा
D- दुःख

प्रश्न 14- हर वर्ष राखी बंधवाते हैं क्योंकि.....

- A- वादा तोड़ देते हैं।
B- पवित्र नहीं रहते
C- हर वर्ष रावण को जलाते हैं।
D- उपरोक्त सभी सही है।

प्रश्न 15- इनमें से कौन सा सही नहीं है ?

- A- कांटे को कली, कली को फिर फूल बनाना है।
B- माया का तूफान आने से कलियां वा फूल झड़ जाते हैं।
C- सतयुग-त्रेता को योगेश्वर का राज्य कहा जाता है।
D- श्रीकृष्ण को योगेश्वर नहीं कह सकते।
E- उपरोक्त सभी सही है।

प्रश्न 16- पवित्रता आप ब्राह्मणों का सबसे बड़े से बड़ा..... है ?

- A- व्रत
B- प्रॉपर्टी
C- श्रृंगार
D- गुण

प्रश्न 17- प्रतिज्ञा कमजोर होने का एक ही कारण है, एक ही शब्द है। सोचो, वह एक शब्द क्या है?

- A- अभिमान
B- मैं
C- मेरापन
D- देहाभिमान

प्रश्न 18- विकर्म और विक्रमाजीत संवत् के विषय में इनमें से कौन सा सही नहीं है?

- A- बस, बाप को याद करते रहो तो तुम्हारे विकर्म विनाश हो जायेंगे। तुम विकर्माजीत राजा बन जायेंगे।

- B- विकर्मजीत राजा का संवत एक से शुरू हुआ फिर विक्रम संवत 2500 वर्ष बाद शुरू होता है।
- C- विकर्मजीत और विक्रम भारतवासियों के दो संवत हैं।
- D- विकर्मजीत का संवत सभी जानते हैं, विक्रम का संवत भूल गये हैं।
- E- उपरोक्त सभी सही है।

प्रश्न 19- शिक्षक डायरेक्ट परम आत्मा है! क्या शिक्षा दी?आपको क्या बना दिया?

- A- त्रिनेत्री
- B- त्रिकालदर्शी
- C- त्रिलोकीनाथ
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 20- इनमें से कौनसा सही है ?

- A- बुद्धि कहती है हम तो बाबा के साथ सुखधाम-शान्तिधाम जायें
- B- मुक्तिधाम में तो सदैव के लिए बैठना नहीं है
- C- पुराने बच्चों को मुक्तिधाम में जास्ती रहने कारण मुक्ति-धाम ही जास्ती याद पड़ेगा
- D- उपरोक्त सभी सही है

प्रश्न 21- इनमें से सही नहीं है-

- A- सर्विस का शौक होगा तो विनाश के समय भी किसको ज्ञान देंगे।
- B- पारलौकिक बाप का बनने से स्वर्ग का मालिक बनेंगे।
- C- उठते-बैठते-चलते यह बुद्धि में रखना है - मैं आत्मा हूँ।
- D- बाप आये ही हैं नर्क का विनाश कर स्वर्ग की स्थापना करने।
- E- उपरोक्त सभी सही है।

प्रश्न 22- ब्राह्मण जीवन की पर्सनैलिटी रॉयल्टी कौन सी है?

- A- शान्ति
- B- श्रृंगार
- C- प्युरिटी
- D- प्रेम

प्रश्न 23- बाप आये..... इसलिए इस नर्क से दिल न लगाओ, इनको भूलते जाओ। उचित वाक्य से रिक्त स्थान की पूर्ति करो ?

- A- तुम्हें दुःखो से लिबरेट करने
- B- तुम्हारे लिए स्वर्ग की नई दुनिया स्थापन करने
- C- तुम्हें मुक्ति - जीवनमुक्ति का रास्ता बताने
- D- गाइड बन सबको साथ ले जाने

प्रश्न 24- इनमें से सही नहीं है-

- A- निराकार बाप को अथवा आत्मा को नहीं देखा जा सकता।
- B- बैकुण्ठ के गेट बाप आकर खोलते हैं।
- C- आत्मा के बाप को कहा जाता है अलौकिक बाप।
- D- बाप कहते हैं- रहम तो सब पर करूँगा। सब बच्चों को पापों से मुक्त करता हूँ।
- E- उपरोक्त सभी सही है।

प्रश्न 25- एक हफ्ता बैठ समझें कि मनुष्य से देवता बनना है इसलिए बाप को कहा जाता है।

- A- मुसाफिर
- B- रत्नागर
- C- सौदागर
- D- जादूगर

प्रश्न 26- बाप फिर से कौनसे धर्म की सैपलिंग लगा रहे हैं ?

- A- ब्राह्मण धर्म की
- B- देवी-देवता धर्म की
- C- क्षत्रिय धर्म की
- D- तीनों

प्रश्न 27- इनमें से कौनसा सही नहीं है-

- A- विनाश काल का समय है इसलिए देहधारियों से प्रीत जोड़ एक बाप से सच्ची प्रीत रखनी है।
- B- इस पुराने घर से मोह नष्ट कर देना
- C- ज्ञान की बुलबुल बन आप समान कांटों को फूल बनाने की सेवा करनी
- D- याद की दौड़ लगानी है।
- E- उपरोक्त सभी सही है।

प्रश्न 28- ब्रह्मा बाबा शिव बाप की विशेष पसन्दगी क्या है?

- A- पवित्रता
- B- निश्चयबुद्धि
- C- सच्चाई-सफाई
- D- समर्पण

प्रश्न 29- नई सृष्टि में फिर नया जमाना स्वर्ग का होगा, अभी तो का जमाना है।

- A- पुरानी दुनिया
- B- पाप
- C- नर्क
- D- रावण

प्रश्न 30- अविनाशी बाप को याद करते ही आये हैं क्योंकि-

- A- रावण राज्य में दुःख ही दुःख है।
- B- मौत सामने खड़ा है।
- C- सब मनुष्य आत्मायें कब्रदाखिल है।
- D- उपरोक्त सभी सही है।

प्रश्न 31- जो-जो आत्मायें पहले आती हैं, वह जीवनमुक्ति में हैं, पीछे फिर..... में आती हैं।

- A- मुक्ति से जीवनमुक्ति में
- B- जीवनमुक्ति से जीवनबन्ध में
- C- निर्वाणधाम से सतयुग में
- D- जीवन-मुक्ति से मुक्ति में

प्रश्न 32- मनुष्यों की कौन- सी चाहना एक बाप ही पूरी कर सकते हैं ?

- A- शान्ति
- B- सुख
- C- पवित्रता
- D- प्रेम

भाग (71) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *A.विष या विकार छोड़ने की*

भागवत में भी मशहूर है - अमृत पीते-पीते ट्रेटर बन फिर सताते हैं। बाप को कितना ख्याल रहता है - यह फलाना कच्चा है, कोई भी समय ट्रेटर बन नुकसान कर सकता है। बरोबर देखते हैं ट्रेटर बन नुकसान करने लग पड़ते हैं फिर कितनी अबलाओं पर अत्याचार होते हैं। और सतसंगों में अत्याचार होते हैं क्या? *यहाँ पहली बात है विष (विकार) छोड़ने की*। विष छोड़ते नहीं हैं। कहते भी हैं फलाना स्वर्ग पथारा।

उत्तर 2- *C.मोह*

कोई-कोई बिगड़ देखे सगाई कर लेते हैं फिर जब शक्ल देखते हैं तो कहते हैं हमको ऐसी काली नहीं चाहिए। फिर झगड़ा हो जाता है - हम पैसे को क्या करें, हमें तो सुन्दर चाहिए। *अब तुम जानते हो - हम आत्मा हैं। इस पुराने शरीर से मोह नहीं रखना है। यह तो विकारी संबंध हैं ना।* दुनियावी बातों से अपनी बात न्यारी है। अभी तुम्हारी काली आत्मा की सगाई हुई है गोरे मुसाफिर से।

उत्तर 3- *C.दैवी कुल की*

अब जड़ चित्र तो कुछ कर नहीं सकते, न वह समझते हैं परन्तु यह है भक्ति। तुम जानते हो वह पास्ट हो गये हैं। जगत अम्बा की महिमा है। एक तो नहीं है, *तुम सब ब्राह्मण कुल की पालना करते हो, फिर दैवी कुल की पालना करेंगे।* तुम इस समय जैसे कि सारे जगत की पालना करते हो परन्तु कोई जानते नहीं।

उत्तर 4- *C.कोई भी विकार जब आता है तो पहले कर्म में आता है*

*A और D संकल्प की पवित्रता का रहस्य सभी को प्रैक्टिकल में लाना चाहिए ना। वैसे देखा जाये तो पांचों ही विकार, चाहे काम हो, चाहे मोह हो, सबसे नम्बरवन है काम और लास्ट में है मोह। लेकिन कोई भी विकार जब आता है तो पहले संकल्प में आता है। *व्यर्थ संकल्प क्रोध भी पैदा करता है* तो काम अर्थात् व्यर्थ दृष्टि, *किसी आत्मा के प्रति अगर व्यर्थ दृष्टि भी जाती है तो उस समय पवित्रता नहीं मानी जायेगी।*

B. (पवित्रता, अन्तर्मुखता, निश्चयबुद्धि, सच्चाई-सफाई)। वास्तव में फाउण्डेशन है - पवित्रता। लेकिन पवित्रता की परिभाषा बहुत गुह्य है। *पवित्रता जहाँ होगी वहाँ निश्चय, सच्चाई-सफाई, ये सब आ जाता है।*
अर्थात् A,B,D अव्यक्त मुरली 07.11.1995 के अनुसार सही हैं, इसलिए C सही नहीं है।

उत्तर 5- *B.फारकती दिलाने का*

फारकती दिलाने का। राम, रावण से फारकती दिलाते हैं। रावण फिर राम से फारकती दिला देते। यह बड़ा वन्दरफुल खेल है। बाप को भूलने से माया का गोला लग जाता है इसीलिये बाप शिक्षा देते हैं - बच्चे, अपने स्वधर्म में टिको, देह सहित देह के सब धर्मों को भूलते जाओ। याद करने का खूब पुरुषार्थ करते रहो। देही-अभिमानी बनो।

उत्तर 6- *A.हम कहाँ तक पावन बने हैं?*

तुम्हें 100 परसेन्ट सर्वगुणों में सम्पन्न बनना है, दिल दर्पण में देखना है कि हम कहाँ तक पावन बने हैं पतितों को पावन बनाने के लिए बाप श्रीमत देते हैं। यह श्रीमत देने वाला कौन है, उनको भी समझना चाहिए। वही बोलते हैं आत्माओं को। आत्मा जानती है मैंने इस शरीर से अच्छे कर्म किये हैं या बुरे कर्म किये हैं। बाबा तुम बच्चों को समझ देते हैं।

उत्तर 7- *A.घी की नदी बहती है*

बाप से योग तोड़ नहीं देना है। सबका खिवैया वह बाप है। विषय वैतरणी की बड़ी खाड़ी है। उसे तुम योगबल से पार करते हो। विषय सागर से पार होकर तुम क्षीरसागर में चले जायेंगे। *विष्णु का राज्य क्षीरसागर में है अर्थात् घी की नदी बहती है।* यहाँ तो घासलेट की, रक्त की नदियाँ बहती हैं।

उत्तर 8- *B.सच तो बिठो नच*

यहाँ *तुम बच्चे ज्ञान डांस करते हो इसलिए कहा जाता है सच तो बिठो नच,* (सच्चे हो तो खुशी में नाचते रहो) फिर तुम वहाँ जाकर रास-विलास करेंगे। मीरा भी ध्यान में रास आदि करती थी। परन्तु उसने भक्ति की।

उत्तर 9- *A.राजस्व अश्वमेध अविनाशी रुद्र ज्ञान यज्ञ*

जब तक ब्राह्मण न बने तब तक शिवबाबा से वर्सा मिल न सके। शूद्र वर्सा ले न सकें। यह यज्ञ है ना। इसमें ब्राह्मण जरूर चाहिये। यज्ञ हमेशा ब्राह्मणों का ही होता है। शिव को रुद्र भी कहा जाता है। तो यह है रुद्र ज्ञान यज्ञ। रुद्र शिवबाबा ने यह ज्ञान यज्ञ रचा हुआ है। भक्ति पूरी होती है तो यज्ञ रचा जाता है। मनुष्य यज्ञ रचते हैं भक्ति मार्ग में। सतयुग में देवतायें कभी यज्ञ आदि नहीं रचते। परन्तु यह है *राजस्व अश्वमेध अविनाशी रुद्र ज्ञान यज्ञ।* इस नाम से शास्त्रों में भी गायन है।

उत्तर 10- *A.क्योंकि दुःखी है*

कोई भी मिलते हैं तो उनको यह बताना चाहिए कि दो बाप हैं - लौकिक और पारलौकिक। *दुःख में पारलौकिक बाप को ही याद करते हैं।* वह बाप अब आया हुआ है। मोस्ट बील्वेड शिवबाबा है। श्रीकृष्ण भी सबका मोस्ट बील्वेड है। परन्तु शिव-बाबा है निराकार और श्रीकृष्ण है साकार। श्रीकृष्ण को सबका बाप नहीं कहेंगे। वह है विश्व का मालिक। उनको भी बनाने वाला शिव है।

उत्तर 11- *B.परोपकारी*

परोपकारी वह है जो स्व-परिवर्तन से विश्व परिवर्तन करने के निमित्त बनते हैं। परोपकारी की परिभाषा सहज भी है और अति गुह्य भी है।

1. परोपकारी अर्थात् हर समय बाप समान हर आत्मा के गुणमूर्त को देखते। 2. परोपकारी किसी की भी कमजोरी वा अवगुण को देखते अपनी शुभ भावना से सहयोग की कामना से अवगुण को देखते उस आत्मा को भी गुणवान बनाने की शक्ति का दान देंगे। 3. परोपकारी अर्थात् सदा बाप समान स्वयं के खजानों को सर्व आत्माओं के प्रति देने वाले दाता रूप होंगे। 4. परोपकारी सदा स्वयं को खजानों से सम्पन्न बेगमपुर के बादशाह अनुभव करेंगे। बेगमपुर अर्थात् जहाँ कोई गम नहीं। संकल्प में भी गम के संस्कार अनुभव न हों।

उत्तर 12- *A.विश्व को पावन बनाने की सेवा में मददगार बनना*

पूज्य बनने के लिये *विश्व को पावन बनाने की सेवा में मददगार बनो।* जो जीव की आत्मायें बाप को मदद करती हैं उनकी बाप के साथ-साथ पूजा होती है। तुम बच्चे शिवबाबा के साथ सालिग्राम रूप में भी पूजे जाते हो, तो फिर साकार में लक्ष्मी-नारायण वा देवी-देवता के रूप में भी पूजे जाते हो। तुमने पूज्य और पुजारी के रहस्य को भी समझा है।

उत्तर 13- *C.पीड़ा*

*"माया की पीड़ा से बचने के लिए बाप की शरण में आ जाओ , ईश्वर की शरण में आने से 21 जन्म के लिए माया के बंधन से छूट

जायेंगे* " आधाकल्प माया से पीड़ित हो अभी तुमने आकर शरण ली है परमपिता परमात्मा की। मम्मा ने भी ली है। इस बाबा ने भी शरण ली है शिवबाबा की।

उत्तर 14- *B. पवित्र नहीं रहते*

कई तो अच्छी रीति समझ लेते हैं, कई नहीं समझते हैं, तो समझा जाता है - यह पावन दुनिया में चलने लायक नहीं हैं इसलिए श्रीमत पर नहीं चलते हैं। यह है ही आसुरी रावण सम्प्रदाय। रावण को हर वर्ष जलाते हैं ना। यह निशानी है। *हर वर्ष राखी भी बंधवाते हैं क्योंकि पवित्र नहीं रहते।* राखी बंधवाते हैं फिर अपवित्र बन पड़ते हैं इसलिए वर्ष-वर्ष राखी बंधवाते हैं। राखी है पवित्रता की निशानी। विकारियों को राखी भेज देते हैं कि प्रतिज्ञा करो हम पवित्र रहेंगे। पवित्र बनने से 21 जन्म राज्य-भाग्य पायेंगे।

उत्तर 15- *D. श्रीकृष्ण को योगेश्वर नहीं कह सकते*

अब फिर माया पर जीत पानी है। माया जीते जगत जीत। रावण से हार खाई तो डेविल बने, अब डीटी (देवता) बनना है। *कांटे को कली, कली को फिर फूल बनाना है। माया का तूफान आने से कलियां वा फूल झड़ जाते हैं।* मात-पिता का बनकर फिर फ़ारकती दे देते हैं।

यह भारत बिल्कुल ही पतित, भोगी हो गया है। योगी नहीं कहेंगे। *सतयुग-त्रेता को कहा जाता है योगेश्वर का राज्य। श्रीकृष्ण को योगेश्वर कहते हैं।* ईश्वर के साथ योग लगाकर पद पाना है। सो तुम पा रहे हो। बाप कितना अच्छी रीति समझाते हैं।

उत्तर 16- *C. श्रृंगार*

पवित्रता आप ब्राह्मणों का सबसे बड़े से बड़ा श्रृंगार है, इसीलिए आपके चित्रों का कितना श्रृंगार करते हैं। यह पवित्रता का यादगार श्रृंगार है। पवित्रता, सम्पूर्ण पवित्रता, काम चलाऊ पवित्रता नहीं। सम्पूर्ण पवित्रता आप ब्राह्मण जीवन की सबसे बड़े ते बड़ी प्रापटी है, रॉयल्टी है, पर्सनाल्टी है। इसीलिए भक्त लोग भी एक दिन पवित्रता का व्रत रखते हैं।

उत्तर 17- *B. "मैं"*

प्रतिज्ञा कमजोर होने का एक ही कारण है, एक ही शब्द है। सोचो, वह एक शब्द क्या है? *एक शब्द है - 'मैं'।* अभिमान के रूप में भी 'मैं' आता है और कमजोर करने में भी 'मैं' आता है। मैंने जो कहा, मैंने जो किया, मैंने जो समझा, वही राइट है। वही होना चाहिए। यह अभिमान का 'मैं'। मैं जब पूरा नहीं होता है तो फिर दिलशिकस्त में भी आता है, मैं कर नहीं सकता, चल नहीं सकता, बहुत मुश्किल है। एक बॉडीकॉन्सेप्शन का 'मैं' बदल जाए, 'मैं' स्वमान भी याद दिलाता है और 'मैं' देह-अभिमान में भी लाता है। मैं दिलशिकस्त भी करता है और 'मैं' दिलखुश भी करता है।

उत्तर 18- *D. विकर्मजीत का संवत सभी जानते हैं, विक्रम का संवत भूल गये हैं*

बाप कहते हैं - सिर्फ मुझ बाप को याद करो। मैं आत्मा परमपिता परमात्मा का बच्चा हूँ। बस, *(A)* बाप को याद करते रहो तो तुम्हारे विकर्म विनाश हो जायेंगे। *(B)* तुम विकर्मजीत राजा बन जायेंगे। विकर्मजीत राजा का संवत एक से शुरू हुआ फिर विक्रम संवत 2500 वर्ष बाद शुरू होता है। *(C)* विकर्मजीत और विक्रम, भारतवासियों के दो संवत हैं। *(D)* विक्रम का संवत सभी जानते हैं, विकर्मजीत का संवत भूल गये हैं।* यह है पढ़ाई।

उत्तर 19- *D. उपरोक्त सभी*

जब हमारा है तो नशा (फखुर) होना चाहिये ना? लेकिन कभी ऊंचा तो कभी मध्यम, कभी साधारण हो जाता है। सोचो, हमारा बाप परम आत्मा है! और फिर शिक्षक डायरेक्ट परम आत्मा है! क्या शिक्षा दी? आपको क्या बना दिया? *त्रिनेत्री, त्रिकालदर्शी, त्रिलोकीनाथ।* ऐसी कोई पढ़ाई पढ़ता है! अभी तक ये डिग्री सुनी है? जज बैरिस्टर, डॉक्टर, इंजीनियर ये तो सब डिग्रीज देखी हैं लेकिन त्रिलोकीनाथ, त्रिकालदर्शी, त्रिनेत्री, नॉलेजफुल....ऐसी डिग्री देखी है? द्वापर से कलियुग तक किसको मिली है? आपको मिली थी?

उत्तर 20- *B. मुक्तिधाम में तो सदैव के लिए बैठना नहीं है*

(A) यहाँ तुम बच्चे सम्मुख बैठे हो। तुम्हारा लौकिक सम्बन्ध कोई है नहीं। *बुद्धि कहती है हम तो बाबा के साथ मुक्तिधाम-शान्तिधाम जायें।* सवेरे उठ ऐसे-ऐसे बैठ विचार सागर मंथन करना चाहिए।

(B) दुःखधाम की गली से तो तुम जन्म-जन्मान्तर पास कर आये हो। अब बुद्धि कहती है मुक्ति-जीवनमुक्ति तरफ जायें। *मुक्तिधाम में तो सदैव के लिए बैठना नहीं है।* ऐसे नहीं, हम पार्ट से छूट जायें, आयें ही नहीं। पार्ट से छूटना नहीं हो सकता।

(C) मुक्ति को तो याद करना पड़े ना। *पिछाड़ी वालों को मुक्तिधाम में जास्ती रहने कारण मुक्ति-धाम ही जास्ती याद पड़ेगा।* तुमको जीवनमुक्तिधाम याद पड़ता है। स्वर्ग में हम जल्दी जायें।

उत्तर 21- *A. सर्विस का शौक होगा तो 'विनाश' के समय भी किसको ज्ञान देंगे।*

(A) शिवबाबा बेहद का बाप है, वही वर्सा देंगे। *सर्विस का शौक होगा तो 'मरने' समय भी किसको ज्ञान देंगे।* ऐसे नहीं, हॉस्पिटल में पड़े रहें और मुख बन्द हो जाए। मुख से कुछ न कुछ निकलता रहे। कितनी अच्छी अवस्था होनी चाहिए।

(B) लौकिक सम्बन्ध से जीते जी मरना है। *पारलौकिक बाप का बनने से स्वर्ग का मालिक बनेंगे।* यहाँ तो नर्क के मालिक बनते हैं।

(C) *उठते-बैठते-चलते यह बुद्धि में रखना है - मैं आत्मा हूँ।* बाप की मत पर चलना है। शिवबाबा मत दे रहे हैं - अपने को आत्मा समझो।

(D) *बाप आये ही हैं नर्क का विनाश कर स्वर्ग की स्थापना करने।* हम आपको भी राय देते हैं, श्री श्री से मिली हुई श्रीमत हम

आपको भी देते हैं। बाप कहते हैं मुझे याद करो तो तुम स्वर्ग के मालिक बनेंगे।

उत्तर 22- *C.प्युरिटी*

ब्राह्मण जीवन की पर्सनैलिटी कितनी बड़ी है! डायरेक्ट भगवान ने आपके ब्राह्मण जीवन में पर्सनैलिटी और रॉयल्टी भरी है। ब्राह्मण जीवन का चित्रकार कौन? स्वयं बाप। *ब्राह्मण जीवन की पर्सनैलिटी रॉयल्टी कौन सी है? प्युरिटी। प्युरिटी ही रॉयल्टी है।* है ना! ब्राह्मण आत्मायें सभी जो भी बैठे हो तो प्युरिटी की रॉयल्टी है ना!

उत्तर 23- *B.तुम्हारे लिए स्वर्ग की नई दुनिया स्थापन करने*

"बाप आये हैं *तुम्हारे लिए स्वर्ग की नई दुनिया स्थापन करने*, इसलिए इस नर्क से दिल न लगाओ, इनको भूलते जाओ" बाप कहते हैं - लाडले बच्चे, मैं तुम्हारे लिए स्वर्ग स्थापन कर रहा हूँ, तुम फिर नर्क से दिल क्यों लगाते हो? अब नर्क को भूल जाओ। मुझ बाप और स्वर्ग को याद करो, पुरानी दुनिया को भूलते जाओ। यह है बेहद का संन्यास। पुरानी देह सहित जो कुछ भी देखते हो, उनका भी ममत्व छोड़ो।

उत्तर 24- *C.आत्मा के बाप को कहा जाता है अलौकिक बाप*

(A) *निराकार बाप को अथवा आत्मा को नहीं देखा जा सकता।* परमपिता परमात्मा प्राण दाता, जो दिव्य चक्षु विधाता है, उनको कहा जाता है ओ गॉड फादर, क्रियेटर।

(B) मुक्ति-जीवनमुक्ति के गेट्स खुलने हैं। हरी का द्वार कहते हैं ना। हरी कहा जाता है श्रीकृष्ण को, उनका द्वार है बैकुण्ठ। *बैकुण्ठ के गेट बाप आकर खोलते हैं।*

इस शरीर के बाप को कहा जाता है लौकिक बाप।

(C) *आत्मा के बाप को कहा जाता है पारलौकिक बाप।* जो सभी का एक ही है। पुकारते भी हैं ना - "ओ गॉड फादर, ओ पतित पावन, रहमदिल।" यह आत्मा ने पुकारा बाप को।

(D) सतयुग में माया होती नहीं। अभी कहते हैं - ओ गॉड फादर रहम करो। *बाप कहते हैं - रहम तो सब पर करूँगा। सब बच्चों को पापों से मुक्त करता हूँ* अर्थात् पतित दुनिया से लिबरेट करता हूँ।

उत्तर 25- *D.जादूगर*

राजाई के लिए तुम पढ़ रहे हो। एम ऑब्जेक्ट बुद्धि में है। नया तो कोई समझ न सके, जब तक कि कोई बैठ उनको समझावे। *एक हफ्ता बैठ समझें कि मनुष्य से देवता बनना है इसलिए बाप को जादूगर कहा जाता है।* ज्ञान रत्नों से मनुष्य को देवता बनाता हूँ। वैसे बाप को रत्नागर, सौदागर, मुसाफिर भी कहते हैं। पर मुरली महावाक्य अनुसार यहां विकल्प जादूगर ही सही है।

उत्तर 26- *B.अब बाप बैठ देवी-देवता धर्म का सैपलिंग लगाते हैं*

बाप ने सैपलिंग लगाना शुरू किया है। आगे जब ब्रिटिश गवर्नमेंट थी तो कभी अखबार में नहीं पड़ता था कि झाड़ों का सैपलिंग लगाते हैं। अब बाप बैठ देवी-देवता धर्म का सैपलिंग लगाते हैं,* और कोई सैपलिंग नहीं लगाते। बहुत धर्म हैं, देवी-देवता धर्म प्रायः लोप है। धर्म भ्रष्ट, कर्म भ्रष्ट होने के कारण नाम ही उल्टा-सुल्टा रख दिया है।

उत्तर 27- *A.विनाश काल का समय है इसलिए देहधारियों से प्रीत_जोड़_ एक बाप से सच्ची प्रीत रखनी है*

मुरली महावाक्य अनुसार विनाश काल का समय है इसलिए *देहधारियों से प्रीत तोड़_ एक बाप से सच्ची प्रीत रखनी है।* इसके अतिरिक्त अन्य विकल्प सही है। इस पुराने घर से मोह नष्ट कर देना। ज्ञान की बुलबुल बन आप समान कांटों को फूल बनाने की सेवा करनी है। याद की दौड़ लगानी है। ना है। ज्ञान की बुलबुल बन आप समान कांटों को फूल बनाने की सेवा करनी है। याद की दौड़ लगानी है।

उत्तर 28- *A.पवित्रता*

ब्रह्मा बाबा शिव बाप की विशेष पसन्दगी क्या है? (पवित्रता, अन्तर्मुखता, निश्चयबुद्धि, सच्चाई-सफाई)। वास्तव में फाउण्डेशन है - *पवित्रता।* लेकिन पवित्रता की परिभाषा बहुत गुह्य है। पवित्रता जहाँ होगी वहाँ निश्चय, सच्चाई-सफाई, ये सब आ जाता है। लेकिन बापदादा देखते हैं कि पवित्रता की गुह्य भाषा, पवित्रता का गुह्य रहस्य अभी बुद्धि में पूरा स्पष्ट नहीं है।

उत्तर 29- *C.नर्क*

मैं जो सृष्टि अथवा जमाना रचता हूँ तो क्या दुःख देने के लिए? मैं तो रचता हूँ सुख देने के लिए। परन्तु यह ड्रामा सुख दुःख का बना हुआ है। मनुष्य कितने दुःखी हैं। बाप समझाते हैं कि जब नया जमाना, नई सृष्टि होती है, तो उसमें सुख होता है। दुःख पुरानी सृष्टि में होता है।...तुम नई दुनिया के लिए, नये धर्म की स्थापना के लिए नई बातें सुनते हो - परमपिता परमात्मा से, जो सृष्टि को भी पावन बनाते हैं। तुमको भी नया बनाते हैं। *नई सृष्टि में फिर नया जमाना स्वर्ग का होगा, अभी तो नर्क का जमाना है।* तुम नर्क के जमाने में हो।

उत्तर 30- *A.रावण राज्य में दुःख ही दुःख है*

वह लौकिक फादर तो शरीर का है, यह है आत्माओं का बाप। आत्मा बुलाती है ओ परमपिता परमात्मा। *अविनाशी बाप को याद करते ही आये हैं क्योंकि रावण राज्य में दुःख ही दुःख है।* जब से रावण राज्य शुरू होता है तब से याद करना शुरू होता है। याद तो बाप को ही करना है क्योंकि वर्सा बाप से ही मिलता है।

उत्तर 31- *B.जीवनमुक्ति से जीवनबन्ध*

नयन-हीन को राह दिखाओ प्रभु, बुद्धि ऊपर चली जाती है परमपिता तरफ। जबकि सब राज़ बताने वाला वह परमपिता परमात्मा ही है। निर्वाणधाम को मुक्तिधाम कहा जाता है। *जो-जो आत्मायें पहले आती हैं वह जीवनमुक्ति में हैं, पीछे फिर जीवनमुक्ति से जीवनबन्ध में आती हैं।* बच्चे जानते हैं पवित्रता, सुख, शान्ति है ही सतयुग में, जबकि एक राज्य होता है। उसको ही अद्वैत राज्य कहा जाता है। फिर द्वैत राज्य अर्थात् डेविल का राज्य होता है।

उत्तर 32- *A.शान्ति*

जब भी तुम अपनी निराकार दुनिया में जाते हो तो शांत रहते हो। निर्वाण, वाणी से परे। वहाँ तुम शांत में रहते हो। शांति का धाम वो है। *तो सर्व को शांति भी देने वाला वो एक है अर्थात् मनुष्यों की शान्ति- की चाहना एक बाप ही पूरी कर सकते हैं।* ये मनुष्य थोड़े ही दे सकता है, जो अशांत है, पतित है और भ्रष्टाचारी है।... जो नहीं मानने वाले होते हैं उसको यहाँ अलाउ ही नहीं है।

भाग - (72)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- अभी आप ऐसे खुशबूदार वा आकर्षण मूर्त बनते हो तब आपके यादगार मन्दिर में भी आदि से खुशबू करते हैं ?

- A- फूल-माला
- B- धूप बत्ती
- C- गुलाब
- D- अगरबत्ती

प्रश्न 2- कोई को क्या नशा, कोई को क्या नशा रहता है - मैं फलाना हूँ, ऐसे हूँ.....इनको (ब्रह्मा को) भी नशा था ना -

- A- बड़ा व्यापारी
- B- बड़ा जौहरी
- C- बहुमूल्य रत्नों का जानकार
- D- रत्नों का सौदागर

प्रश्न 3- अगर महारथी से भी गलती होती है तो उस समय वो महारथी नहीं.....?

- A- प्यादा है
- B- परवश है।
- C- माया के वश है
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 4- इनमे से कौनसा सही नहीं है?

- A- बाप कहते हैं कि मेरे से भी तुम्हारा जास्ती पार्ट है
- B- तुमने आलराउन्ड पार्ट बजाया है तो थके भी तुम होंगे इसलिए लिखा हुआ है - चरण दबाये हैं
- C- माया बड़ा चूहा है - आधाकल्प खाते-खाते भारत को कौड़ी जैसा बना दिया है
- D- सारे ड्रामा में हीरो-हीरोइन पार्ट है शिवबाबा का
- E- उपरोक्त सभी सही है

प्रश्न 5- बापदादा आप सभी बच्चों को जब भी देखते हैं, मिलते हैं तो हर एक बच्चे के मस्तक में चमकता हुआ देख हर्षित होते हैं।

- A- सितारा
- B- डायमंड
- C- लकीर
- D- मणी

प्रश्न 6- सम्मेलन का अर्थ क्या है?

- A. मधुबन में कांग्रेस
- B. बापदादा मिलन
- C. बाप और बच्चों का मिलन
- D. सर्व आत्माओं का मिलन

प्रश्न 7- कर्म में धारण करने वाली कौन सी बात है, जिससे इस सफलता के स्वरूप को प्रैक्टिकल में ला सकते हो ?

- A. साक्षीपन

- B. प्युरिटी
- C. साक्षात्कार मूर्त
- D. धारणामूर्त

प्रश्न 8- इनमें से कौनसा सही नहीं है ?

- A. याद से बुद्धि सोने का बर्तन बन जाती है, जिसमें धारणा होती है
- B. ऐसे समझो कि बाप अन्तर्यामी है
- C. ऐसे नहीं, सिर्फ एक जगह बैठ याद करना है। चलते-फिरते भोजन खाते भी बाप को याद करो
- D. उपरोक्त सभी सही है

प्रश्न 9- तुम हो लाइट हाउस। सबको ठिकाने पर लगाने वाले। तुम कैसे अच्छे लाइट हाउस बनते हो। तुम..... हो।

- A. सर्जन भी हो
- B. सर्राफ भी हो
- C. धोबी भी हो
- D. A, B, C
- E- A और C

प्रश्न 10- महारथी बनने लिए कौन सी बातें याद रखना है ?

- A. अपने को सदैव साथी के साथ रखो
- B. साथी और सारथी, वह है महारथी
- C. सदा बाप का साथ, वह महारथी
- D. A और B
- E. A और C

प्रश्न 11- शक्ति वा की सूरत ऐसी देखाई दे जो कोई भी आसुरी लक्षण वाले हिम्मत न रख सके।

- A. देही अभिमानी
- B. पाण्डवों
- C. शूरवीरता
- D- दिव्यता

प्रश्न 12- यह बुद्धि में याद रहे - हम अभी पुरूषोत्तम संगमयुग पर पुरूषोत्तम बन रहे हैं। और यह जो..... है, उनसे बाबा हमको छुटकारा दिलाने आया है।

- A. माया का जाल
- B. विकारों का भूत
- C. लोहे की जंजीरें
- D. रावण का पिजड़ा

प्रश्न 13- पिछाड़ी में आने वाले जो ऊंच पद पाते हैं उसका आधार

- A. ज्ञान
- B. याद
- C. धारणा
- D. सेवा
- E. उपरोक्त सभी

प्रश्न 14- माला के मणके कौन सी विशेषता से बनते हैं?

- A. एकमत होकर एक ही धागे में पिरोये जाते हैं
- B. एक ही मत पर चलने वाले और आपस में भी एकमत हो
- C. एक जैसे मणके हैं तो एक धागे में पिरोये जाते हैं
- D. उपरोक्त सभी

प्रश्न 15- अपने को मिटाना अर्थात्.....?

- A. अपने पुराने संस्कारों को मिटाना
- B. पुराने संस्कार ही सर्व के सहयोगी बनने में विघ्न डालते हैं
- C. दूसरे का संस्कार मिटाने के लिए नहीं कह रहे हैं

D. अपने संस्कार मिटायेंगे तो दूसरे आपको स्वयं ही फालो करेंगे

प्रश्न 16- इनमें से कौनसा सही नहीं है ?

- A. औरों से ममत्व मिटा दो तो तुम्हारे विकर्म विनाश होंगे
- B. सबसे अच्छा पानी तो तालाब का होता है
- C. पढ़ेंगे-लिखेंगे होंगे विश्व के मालिक, नहीं तो कम पद
- D. उपरोक्त सभी सही है

प्रश्न 17- तख्त नशीन कब बनेंगे ?

- A. जब अब समीप बनेंगे
- B. जितना जो समीप होगा उतना समानता में रहेगा
- C. तुम बच्चों के नैनो को कोई देखे तो उनको मुक्ति जीवन मुक्ति का रास्ता दिखाई दे
- D. ऐसा नयनों में जादू हो। तो आप के नैन कितनी सेवा करेंगे

प्रश्न 18- बेहद का बाप मिला है उसकी याद में..... ?

- A. अतीन्द्रिय सुख है।
- B. सुख ही सुख है।
- C. करामात है।
- D. A और C
- E. A,B, C

प्रश्न 19- सतयुग में रावण की एफीजी नहीं बनाई जाती क्यों ?

- A. सब पावन होते हैं।
- B. सब निर्विकारी होते हैं।
- C. रावण का खात्मा हो जाता है।
- D. सब अहिंसक होते हैं।

प्रश्न 20- तुम बच्चे जब बैठते हो, चलते फिरते हो तो बुद्धि में क्या याद रखो?

- A. 84 का चक्र
- B. नई पवित्र दुनिया
- C. बाजोली का खेल
- D. उपरोक्त सभी

प्रश्न 21- इनमें से कौनसा सही नहीं है?

- A. 7 रोज़ में तुमको लायक ब्राह्मण-ब्राह्मणी बन जाना है।
- B. पढ़ते-पढ़ाते नहीं हैं तो अन्दर में समझना चाहिए कि मैं पूरा पढ़ा नहीं हूँ, तब पढ़ा नहीं सकता।
- C. जिनको शौक है, समझते हैं याद से ही हमारे पाप कटते हैं, वो अच्छी रीति पुरुषार्थ करते हैं।
- D. उपरोक्त सभी सही है।

प्रश्न 22- भाग्य का आधार है, बिना के भाग्य नहीं मिलता ?

- A. त्याग
- B. तपस्या
- C. सेवा
- D. मेहनत

प्रश्न 23- रूहानी अर्थोरिटी के साथ निरहंकारी बन सत्य का प्रत्यक्ष स्वरूप दिखाने वाले सच्चे सेवाधारी भव ?

- A. बाप
- B. ज्ञान
- C. शिक्षक
- D. सेवा

प्रश्न 24- सर्प का मिसाल भी सतयुग के लिए है। एक खाल छोड़ दूसरी लेते हैं, इसको कहा जाता है ?

- A. बेहद का वैराग्य
- B. जड़जड़ीभूत
- C. दैवी दुनिया

D. देही अभिमानी

प्रश्न 25- तुमको कोई दुःख के आँसू नहीं आने चाहिए, क्यों ?

- A. बेहद का बाप मिला है
- B. सतयुग में जाएंगे
- C. यह सच्चा ड्रामा है
- D. बनी बनाई बन रही

प्रश्न 26- सबसे जास्ती फिकर किस बात की रहती है ?

- A. माया की
- B. विकर्म विनाश करने की
- C. बाप समान बनने की
- D. बाप को याद करने की

प्रश्न 27- बाबा पूछते हैं कि तुम क्या बनेंगे ?

- A. लक्ष्मी नारायण
- B. सूर्यवंशी
- C. देवी देवता
- D. विश्व के मालिक

प्रश्न 28- भगवान किन बच्चों को मिलता ?

- A- जो भगवान को याद करते हैं
- B- जिन्होंने शुरू से भक्ति की है।
- C- जो भगवान की सेवा करते हैं।
- D- जो यह ज्ञान सुनते हैं।

प्रश्न 29- आत्माएँ निराकारी दुनिया में बाप के साथ रहती है, फिर यहाँ आकर क्या करती हैं..... ?

- A- जन्म मरण के चक्र में फँस जाती हैं
- B- सुख दुःख भोगती हैं
- C- सतों रजों तमों का पार्ट बजाती हैं
- D- ज्ञान भक्ति वैराग्य में जाती हैं

प्रश्न 30- बाप आकर जंगल को गार्डन ऑफ पलावर्स बनाते हैं, इसलिए उनको क्या कहते हैं.?

- A- माली
- B- बागवान
- C- बबुलनाथ
- D- पतित पावन

प्रश्न 31 - किसकी पूजा करते करते नीचे गिरते आये हैं ?

- A- मूर्तियों की
- B- रावण की
- C- भाइयों की
- D- शास्त्रों की

प्रश्न 32- बाबा ने समझाया है, तुम सब कौन हो ?

- A- पार्वतियां
- B- द्रोपदी
- C- अर्जुन
- D- A और C
- E- A, B और C

भाग (72) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *D.अगरबत्ती*

सदा स्मृति रहे कि हम भगवान के बगीचे के रूहानी गुलाब हैं। रूहानी गुलाब अर्थात् कभी भी रूहानियत से दूर होने वाले नहीं। जैसे

फूलों में खुशबू समाई हुई होती है, ऐसे आप सबमें रूहानियत की खुशबू ऐसी समाई हुई हो जो ऑटोमेटिक चारों ओर फैलती रहे और सबको अपनी ओर आकर्षित करती रहे। *अभी आप ऐसे खुशबूदार वा आकर्षण मूर्त बनते हो तब आपके यादगार मन्दिर में भी अगरबत्ती आदि से खुशबू करते हैं।*

उत्तर 2- *B.बड़ा जौहरी*

हर एक को नशा तो रहता है ना। अभी बिड़ला है, उनको अपने धन का नशा होगा। समझेंगे – मैं सबसे साहूकार हूँ। परन्तु तुम जानते हो – जो आज साहूकार हैं वह फिर गरीब बन जायेंगे। तुम्हारी और अन्य मनुष्यों की बुद्धि में रात-दिन का फ़र्क है। कोई को क्या नशा, *कोई को क्या नशा रहता है – मैं फलाना हूँ, ऐसे हूँ.....। इनको (ब्रह्मा को) भी नशा था ना – मैं बड़ा जौहरी हूँ।* अभी समझते हैं वह सभी नशे कौड़ी मिसल हैं।

उत्तर 3- *B.परवश*

जब जानते हो तो जानने वाला क्या, क्यों करेगा? वो जानता है कि ये इसलिए होता है। क्या का जवाब स्वयं ही बुद्धि में आयेगा कि माया के प्रभाव के परवश है। चाहे महारथी हो, चाहे प्यादा हो। *अगर महारथी से भी गलती होती है तो उस समय वो महारथी नहीं है, परवश है।* तो परवश वाला कहाँ भी लहर में लहरा जाता है लेकिन आप उस रूप में देखते हो कि ये महारथी होकर कर रहा है! उस समय महारथी नहीं, परवश है।

उत्तर 4- *E.उपरोक्त सभी सही हैं*

(A) सतयुग-त्रेता में तुम जब सुख भोगते हो तो उस समय बाप का कोई पार्ट नहीं। *बाप कहते हैं कि मेरे से भी तुम्हारा जास्ती पार्ट है।* तुम सुख में रहते हो तो मैं निर्वाणधाम में हूँ। मेरा कोई पार्ट ही नहीं।

(B) तुमने आलराउन्ड पार्ट बजाया है तो थके भी तुम होंगे इसलिए लिखा हुआ है – चरण दबाये हैं।* बाप कहते हैं – बच्चे, तुम थक गये होंगे। तुमने आधाकल्प भक्ति की, दर-दर धक्के खाये हैं।

(C) कोई को पता नहीं है हमारा दुश्मन कौन है? हम कंगाल कैसे बने? *माया बड़ा चूहा है – आधाकल्प खाते-खाते भारत को कौड़ी जैसा बना दिया है।* बड़ा ही बलवान है।

(D) तुम तो जानते हो आत्मा किस देश से आई है? क्यों आई है? सारा चक्र बुद्धि में है। *सारे ड्रामा में हीरो-हीरोइन पार्ट है शिवबाबा का।* शिवबाबा के साथ पार्टधारी कौन-कौन हैं? पहले-पहले जन्म देते हैं – ब्रह्मा, विष्णु, शंकर को फिर तुम बच्चों को। तुम बाप के साथ मददगार ठहरे।

उत्तर 5- *A.सितारा*

तो बापदादा देख रहे थे कि मेरे बच्चों का कितना बड़ा भाग्य का *सितारा* हर एक के मस्तक पर चमक रहा है। ऐसा भाग्य का सितारा आपको अपने में दिखाई देता है? सदा चमकता हुआ दिखाई देता है या कभी बहुत अच्छा चमकता है और कभी सितारे की चमक कम हो जाती है? यह भाग्य का सितारा विचित्र सितारा है। तो बापदादा आप सभी बच्चों को जब भी देखते हैं, मिलते हैं तो हर एक बच्चे के मस्तक में सितारा चमकता हुआ देख हर्षित होते हैं।

उत्तर 6- *D.सर्व आत्माओं का मिलन*

सम्मेलन कर रहे हो। सम्मेलन का अर्थ क्या है? *सर्व आत्माओं का मिलन।* सर्व आत्माओं का मिलन किससे करायेंगे? *बाप से।* सम्मेलन का हर कार्य करते भी यह कभी नहीं भूलना कि हम विश्व के आगे साक्षात्कारमूर्त हैं। साक्षात्कार मूर्त बनने से आप के द्वारा बापदादा का साक्षात्कार स्वतः ही होगा।

उत्तर 7- *A.साक्षीपन*

मुख्य एक बात ध्यान में रखने और कर्म में धारण करने वाली कौन सी है, जिससे इस सफलता स्वरूप को प्रैक्टिकल में ला सकते हो? वह कौन सी बात है? बहुत सहज है। मुश्किल बात को ध्यान देकर धारण करते हैं और सहज बात को छोड़ देने से सहज की धारणा देरी से होती है। यह मालूम है? समझा जाता है यह तो कोई बड़ी बात नहीं है। हो जाएगी। फिर होता क्या है? हो जाएगी, हो जाएगी करते-करते ध्यान से निकल जाती है। इसलिए धारणा रूप भी नहीं होते। तो वह कौन-सी एक बात है। अगर उस बात को धारण कर लें तो सफलता स्वरूप बन सकते हैं। *(साक्षीपन) हूँ यह बात ठीक है।*

उत्तर 8- *B.ऐसे समझो कि बाप अन्तर्यामी है*

मुख्य है याद, इसमें विघ्न पड़ते हैं। *(A)* याद से बुद्धि सोने का बर्तन बन जाती है, जिसमें धारणा होती है।* कहावत है शेरनी का दूध सोने के बर्तन में ठहरता है। इस बाप के ज्ञान धन के लिए भी सोने का बर्तन चाहिए। वह तब होगा जब याद की यात्रा में रहेंगे। याद नहीं करेंगे तो धारणा नहीं होगी। *(B)* ऐसे मत समझो कि बाप अन्तर्यामी है।* कुछ बोला और हुआ – यह तो भक्ति मार्ग में होता है। बाप को याद करना है फिर खुद को भी आत्मा समझ कुछ न कुछ उनकी आत्मा को भी याद करना है। यह जैसे सर्च लाइट देना होता है। *(C)* ऐसे नहीं, सिर्फ एक जगह बैठ याद करना है। चलते-फिरते भोजन खाते भी बाप को याद करो।* दूसरे को करेन्ट देना है

उत्तर 9- *D. A, B, C*

तुम हो लाइट हाउस। सबको ठिकाने पर लगाने वाले। तुम कैसे अच्छे लाइट हाउस बनते हो। ऐसी कोई बात नहीं जो तुमसे लागू न होती हो। *तुम सर्जन भी हो, सराफ भी हो, धोबी भी हो।* सभी खूबियाँ (विशेषतायें) तुम्हारे में आ जाती हैं। महिमा तुम्हारी भी हो

जाती है, परन्तु नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार।

उत्तर 10- *D. A और B*

महारथी बनने लिए सिर्फ दो बातें याद रखो। कौन सी? *एक तो अपने को सदैव साथी के साथ रखो। साथी और सारथी, वह है महारथी।* पुरुषार्थ में कमजोरी के दो कारण हैं। बाप के स्नेही बने हो लेकिन बाप को साथी नहीं बनाया है। अगर बापदादा को सदैव साथी बनाओ तो जहाँ बापदादा साथ है वहाँ माया दूर से मूर्छित हो जाती है।

उत्तर 11- *C. शूरवीरता*

शक्ति वा शूरवीरता की सूरत ऐसी देखाई दे जो कोई भी आसुरी लक्षण वाले हिम्मत न रख सकें। लेकिन अभी तक आसुरी लक्षण के साथ-साथ आसुरी लक्षण वाले कहाँ-कहाँ आकर्षित कर लेते हैं।

उत्तर 12- *D. रावण का पिंजड़ा*

यह बुद्धि में याद रहे - हम अभी पुरुषोत्तम संगमयुग पर पुरुषोत्तम बन रहे हैं। और *यह जो रावण का पिंजड़ा है, उनसे बाबा हमको छुटकारा दिलाने आया है।* जैसे कोई पंछी को पिंजड़े से निकाला जाता है तो वह बहुत खुश होकर उड़कर सुख पाते हैं। तुम बच्चे भी जानते हो यह रावण का पिंजड़ा है, अनेक प्रकार के दुःख ही दुःख हैं। अब बाप आये हैं इस पिंजड़े से निकालने के लिए।

उत्तर 13- *B. याद*

याद के लिए बहुत एकान्त भी चाहिए। *पिछाड़ी में आने वाले जो ऊंच पद पाते हैं उसका आधार भी याद है।* उन्हें याद बहुत रहती है। याद से याद मिलती है। जब बच्चे बहुत याद करते हैं तो बाप भी बहुत याद करते हैं। वह कशिश करते हैं।

उत्तर 14- *D. उपरोक्त सभी*

माला के मणके कौन सी विशेषता से बनते हैं? मणकों की विशेषता यही है जो *(A) एकमत होकर एक ही धागे में पिरोये जाते हैं।* एक की ही लगन एकरस स्थिति और एकमत तो सब एक ही एक। *(C) एक जैसे मणके हैं तो एक धागे में पिरोये जाते हैं ना।* तो *(B) एक ही मत पर चलने वाले और आपस में भी एकमत हो।* संकल्प भी एक से। दो मत होती हैं तो वह दूसरी अर्थात् 16000 की माला के दाने बन जाते हैं। एक मत के लिए ऐसा वातावरण बनाना है।

उत्तर 15- *A. अपने पुराने संस्कारों को मिटाना*

सर्व का सहयोगी बनने के लिए अपने आप को मिटाना भी पड़ता है। इस कार्य से हटेंगे नहीं। तो *अपने को मिटाना अर्थात् अपने पुराने संस्कारों को मिटाना।* पुराने संस्कार ही सर्व के सहयोगी बनने में विघ्न डालते हैं। तो अपने पुराने संस्कारों को मिटाना है। दूसरे का संस्कार मिटाने के लिए नहीं कह रहे हैं। अपने संस्कार मिटायेंगे तो दूसरे आपको स्वयं ही फालो करेंगे।

उत्तर 16- *B. सबसे अच्छा पानी तो तालाब का होता है*

भगवानुवाच - अपने को आत्मा समझो, मुझ बाप को याद करो। *(A) औरों से ममत्व मिटा दो तो तुम्हारे विकर्म विनाश होंगे।* फिर कभी बीमार होंगे नहीं। काल खायेगा नहीं। आयु भी बड़ी होगी। *(B)* रोज़ तुम स्नान करते हो, पानी तो सब जगह सागर से ही आता है। *सबसे अच्छा पानी तो कुएं का होता है।* नदियों में तो किचड़ा पड़ता रहता है। कुएं का पानी तो नेचुरल शुद्ध होता है। *(C)* इसमें जितना जो पढ़ेंगे उतना ऊंच पद पायेंगे। *पढ़ेंगे-लिखेंगे होंगे विश्व के मालिक, नहीं तो कम पद।* परन्तु वह राजाई है सुख की। यहाँ है दुःख की।

उत्तर 17- *A. जब अब समीप बनेंगे*

तुम हरेक बच्चे को पुरुषार्थ करना है तख्त नशीन बनने का न कि तख्त नशीन के आगे रहने का। *तख्त नशीन तब बनेंगे जब अब समीप बनेंगे।* जितना जो समीप होगा उतना समानता में रहेगा। तुम बच्चों के नैनों को कोई देखे तो उनको मुक्ति जीवन मुक्ति का रास्ता दिखाई दे। ऐसा नयनों में जादू हो।

उत्तर 18- *E. A, B, C*

A अपनी शांत स्वरूप स्थिति में स्थित तभी रह सकेंगे जब अंतर्मुखी बन निरन्तर *एक बाप की याद में रहेंगे और सर्व सम्बंधों का सुख एक बाप से लेते हुए अतीन्द्रिय सुख के झूले में झूलते रहेंगे।*

B तुम व्यापारी हो बाप से कितना बड़ा व्यापार करते हो। *जितना बाप को जास्ती याद करेंगे उतना बाप से अथाह सुख पायेंगे।* तुमको कोई पूछे बोले वाह हम तो बेहद के बाप से बेहद सुख का वर्षा ले रहे हैं।

C यह तो समझाया है कि मनुष्य को कभी भगवान नहीं कहा जाता। तो *अब जबकि बेहद का बाप मिला है, उसकी याद में ही करामत है।* जितना पतित-पावन बाप को याद करेंगे, उतना पावन बनते जायेंगे। अर्थात् तीनों ऑप्शन सही है।

उत्तर 19- *C. रावण का खात्मा हो जाता है*

सतयुग में नया शरीर मिले तब सम्पूर्ण कहेंगे। फिर *रावण का खात्मा हो जाता है। सतयुग में रावण की एफीजी नहीं बनाई जाती है।* तो तुम बच्चे जब बैठते हो, चलते-फिरते हो तो बुद्धि में यह याद रहे। अब हमने 84 का चक्र पूरा किया है फिर नया चक्र शुरू होता

है। वह है ही नई पवित्र दुनिया, नया भारत नई देहली।

उत्तर 20- *D.उपरोक्त सभी*

तुम बच्चे जब बैठते हो, चलते-फिरते हो तो बुद्धि में यह याद रहे। अब हमने *84 का चक्र* पूरा किया है फिर नया चक्र शुरू होता है। वह है ही *नई पवित्र दुनिया,* नया भारत नई देहली। बच्चे जानते हैं पहले जमुना का कण्ठा है, जहाँ पर परिस्तान बनना है। बच्चों को बहुत अच्छी रीति समझाया जाता है, पहले-पहले तो बाप को याद करो। भगवान बाप पढ़ाते हैं। वही बाप टीचर गुरु है, यह भला याद रखो। बाबा ने यह भी समझाया था कि तुम *बाजोली खेलते* हो। वर्णों का चित्र भी बहुत जरूरी है। सबसे ऊपर है शिवबाबा फिर चोटी ब्राह्मण। यह समझाने के लिए बाबा कहते हैं। अच्छा यह बुद्धि में रखो कि हम 84 जन्मों की बाजोली खेलते हैं। अर्थात् सभी ऑप्शन सही हैं।

उत्तर 21- *D.उपरोक्त सभी सही हैं*

बाबा कहते हैं *(A) 7 रोज़ में तुमको लायक ब्राह्मण-ब्राह्मणी बन जाना है।* सिर्फ नाम का ब्राह्मण-ब्राह्मणी नहीं चाहिए। ब्राह्मण-ब्राह्मणी वह जिनके मुख में बाबा का गीता ज्ञान कण्ठ हो। *(B)* सर्विस का सबूत देना चाहिए, तब समझ में आयेगा कि यह ऐसा पद पायेगा। फिर वह कल्प-कल्पान्तर के लिए हो जायेगा। *पढ़ते-पढ़ाते नहीं हैं तो अन्दर में समझना चाहिए कि मैं पूरा पढ़ा नहीं हूँ, तब पढ़ा नहीं सकता।* बाबा कहते हैं पढ़ाने लायक क्यों नहीं बनते हो! *(C)* एवर तन्दरूस्त बनाने के लिए यह सब सिखाया जाता है। *जिनको शौक है, समझते हैं याद से ही हमारे पाप कटते हैं, वो अच्छी रीति पुरुषार्थ करते हैं।* कोई तो लाचार टाइम पास कर रहे हैं। अपनी-अपनी जांच करनी है।

उत्तर 22- *A.त्याग*

हम जब विकारों का त्याग करते हैं तो देवताई संस्कार हमारे में आने लगते हैं... त्याग करना है तो उन बन्धनों का करो जिस कारण से आत्मा मैली हुई है, इसी त्याग में स्वर्णिम भाग्य समाया हुआ है। कुछ पाने के लिए कुछ छोड़ना पड़ता है इसलिए कहा गया है *भाग्य का आधार त्याग है, बिना त्याग के भाग्य नहीं मिलता।*

उत्तर 23- *B.ज्ञान*

रूहानी अर्थोरेटी के साथ निरहंकारी बन सत्य ज्ञान का प्रत्यक्ष स्वरूप दिखाने वाले सच्चे सेवाधारी भव जैसे वृक्ष में जब सम्पूर्ण फल की अर्थोरेटी आ जाती है तो वृक्ष झुक जाता है अर्थात् निर्माण बनने की सेवा करता है। ऐसे रूहानी अर्थोरेटी वाले बच्चे जितनी बड़ी अर्थोरेटी उतने निर्माण और सर्व के स्नेही होंगे। अल्पकाल की अर्थोरेटी वाले अहंकारी होते हैं लेकिन सत्यता की अर्थोरेटी वाले अर्थोरेटी के साथ निरहंकारी होते हैं - यही सत्य ज्ञान का प्रत्यक्ष स्वरूप है। सच्चे सेवाधारी की वृत्ति में जितनी अर्थोरेटी होगी उसकी वाणी में उतना ही स्नेह और नम्रता होगी।

उत्तर 24- *A.बेहद का वैराग्य*

देवताओं को कभी काल नहीं खाता। वहाँ काल के जमघट होते नहीं। तो यह टॉपिक भी बहुत अच्छी है - मनुष्य काल पर विजय कैसे कर सकते हैं। यह सारी ज्ञान की बातें हैं। भारत अमरलोक था, कितनी बड़ी आयु थी। *सर्प का मिसाल भी सतयुग के लिए है। एक खाल छोड़ दूसरी लेते हैं, इसको कहा जाता है बेहद का वैराग्य।*

उत्तर 25- *C.यह सच्चा ड्रामा है*

मनुष्यों को ही पता होता है ना कि यह बेहद का कर्मक्षेत्र है, जहाँ सभी आकर खेल करते हैं। बनी बनाई बन रही... बाप कहते हैं बच्चे चिंता उनकी की जाए जो अनहोनी हो। हो गया सो ड्रामा में था फिर उनका चिंतन काहे का करें। हम ड्रामा को देखते हैं। ड्रामा में जब कोई ऐसा दर्दनाक सीन होता है तो मनुष्य देखकर रोते हैं। अब वह तो हुआ झूठा ड्रामा। *यह तो सच्चा ड्रामा है। सच-सच करते हैं। परन्तु तुमको कोई दुःख के आंसू नहीं आने चाहिए।* साक्षी होकर तुमको देखना है। जानते हो यह ड्रामा है, इसमें रोने की क्या दरकार है। पास्ट इज़ पास्ट। कब विचार भी नहीं करना चाहिए।

उत्तर 26- *D.बाप को याद करने की*

बाप ने तुमको ही तुम्हारे 84 जन्मों की कहानी बताई है। सेन्सीबुल जो हैं वह हिसाब से समझ सकते हैं। इस्लामी आयेंगे तो एवरेज कितने जन्म लेंगे। एक्यूरेट हिसाब की तो दरकार नहीं। इन बातों में तो कोई फिकरात की बात नहीं। *सबसे जास्ती फिकर यह रहती है कि हम बाबा को याद करते रहें।* बस एक ही फिकर है, एक को याद करने का।

उत्तर 27- *B.सूर्यवंशी*

अब तुम समझते हो हम स्वर्ग के मालिक थे फिर 84 जन्म ले बिल्कुल शूद्र बुद्धि बन गये हैं। क्या हाल हो गया है। अब फिर पुरुषार्थ कर क्या बनते हो! *बाबा पूछते भी हैं ना कि तुम क्या बनेंगे? तो सब हाथ उठाते हैं सूर्यवंशी बनेंगे।* हम तो मात-पिता को पूरा फालो करेंगे। कम पुरुषार्थ थोड़े ही करेंगे। सारी मेहनत याद और आप समान बनाने पर है इसलिए बाप कहते हैं जितना हो सके सर्विस करना सीखो।

उत्तर 28- *B.जिन्होंने शुरू से भक्ति की है*

जिन्होंने शुरू से भक्ति की है उन्हें ही भगवान मिलता है। बाबा ने यह हिसाब बतलाया है कि सबसे पहले तुम भक्ति करते हो

इसलिए तुम्हें ही पहले-पहले भगवान द्वारा ज्ञान मिलता है, जिससे फिर तुम नई दुनिया में राज्य करते हो। बाप कहते हैं तुमने आधाकल्प मुझे याद किया है अब मैं आया हूँ, तुम्हें भक्ति का फल देने।

उत्तर 29- *C. सतो रजो तमो का पार्ट बजाती हैं*

आत्माएं निराकारी दुनिया में रहती हैं फिर यहां आकर सतो रजो तमो में पार्ट बजाती आती हैं। चीज सतोप्रधान से रजो, तमो में आना पड़ता है। पहले जब लोग मुक्तिधाम से आते हैं, तो सतोप्रधान होते हैं। फिर सतो, रजो, तमो में आते-आते, इस समय सब तमोप्रधान बन गए हैं। सब अपना-अपना हिसाब-किताब चुकू कर अंत में सतोप्रधान बनते हैं। जो भी धर्म स्थापक आते हैं, वह किसको सद्गति नहीं देते। वह सिर्फ अपना धर्म स्थापन कर फिर उसकी वृद्धि में लग जाते हैं। वे अपने ही धर्म में पुनर्जन्म लेते हैं और सतो, रजो, तमो में आते हैं।

उत्तर 30- *C. बबुलनाथ*

बाप समझाते हैं की फूल से ही सुगन्ध लेते हैं। कांटे से कब सुगन्ध लेते हैं क्या? यह है ही कांटों का जंगल। निराकार बाप कहते हैं मैं आकर गॉर्डन ऑफ फ्लावर बनाता हूँ, इसलिए बबुलनाथ नाम भी रखते हैं। बबुल कांटों को फ्लावर बनाते हैं इसलिए महिमा गाई जाती है - कांटों को फूल बनाने वाला नाथ।

उत्तर 31- *C. भाइयों की*

आत्मा कहती है मुझ निर्गुण हारे में कोई गुण नहीं। कोई भी देवता के मंदिर में जायेंगे तो उनके आगे ऐसे कहेंगे। कहना चाहिए बाप के आगे। उसको छोड़ ब्रदर्स को पूजने लगते हैं, यह देवताये ब्रदर्स ठहरे ना ब्रदर्स से कुछ मिलना नहीं है। भाइयोंकी पूजा करते करते नीचे गिरते आये है।

उत्तर 32- *E. A, B और C*

बाप समझाते हैं तुम सब पार्वतियां हो। शिव अमरनाथ तुमको कथा सुना रहे हैं। दूसरी कोई पार्वती है नहीं। अर्जुन भी एक नहीं, तुम सब अर्जुन हो। द्रोपदियां भी तुम सब हो। वह दुशासन हैं जो नंगन करते हैं। तब पुकारते हैं बाबा हमारी रक्षा करो। बाबा कहते हैं - बच्चे, नंगन कभी नहीं होना। दिखाते हैं ना जब द्रोपदी को नंगन कर रहे थे तो फिर श्रीकृष्ण ने उनको 21 चीर दिये। अब 21 साड़ी पहनी जाती है क्या? यह भी जैसे एक खेल दिखाते हैं। श्रीकृष्ण ऊपर से साड़ियां देते जाते हैं। अब 21 साड़ियां कैसे पहन सकेंगे? वास्तव में अर्थ यह है - बाप नंगन होने से ऐसा बचाते हैं जो तुम 21 जन्म कभी नंगन नहीं होते हो।

भाग - (73)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- बुद्धि द्वारा निरंतर सत का संग करने से क्या बन जाएगा ?

- A- सच्चे सेवाधारी
- B- शक्तिशाली
- C- सहजयोगी
- D- महारथी

प्रश्न 2- जो कभी माया के प्रभाव में ना आये ?

- A- महावीर
- B- महारथी
- C- मायाजीत
- D- माया प्रूफ

प्रश्न 3- कर्मों का हिसाब कब शुरू होता है ?

- A- जब भगवान को भूल जाते
- B- जब पतित बनते
- C- गर्भ जेल में
- D- जब बाबा का बनते

प्रश्न 4- दुःख में सिमरण किसका करते है?

- A- लौकिक बाप का
- B- अलौकिक बाप का
- C- पारलौकिक बाप का
- D- A और C

प्रश्न 5- अब क्या होने वाला है ?

- A. सारी दुनिया का विनाश
- B. नई दुनिया की स्थापना
- C. रावण का खात्मा
- D. बेहद का दशहरा

प्रश्न 6- नेचुरल कैलेमिटीज आएंगी के मुआफ़िक सब पिस कर खत्म हो जाएंगे ?

- A. मच्छरों
- B. सरसों
- C. ताश के पत्तों
- D. A और B

प्रश्न 7- सबसे बड़ा पाप कौनसा है ?

- A. देहभान में आना
- B. काम कटारी चलाना
- C. हिंसा करना
- D. उपरोक्त सभी

प्रश्न 8- हम परिस्तान कहाँ बनाएंगे ?

- A. भारत की भूमि पर
- B. सतयुग की धरनी पर
- C. पुराने कब्रिस्तान पर
- D. नई दुनिया में

प्रश्न 9- पुराना चोला छोड़ हम कहाँ जाएंगे?

- A- परमधाम
- B- बैकुण्ठ में
- C- विष्णुपुरी में
- D- नई दुनिया में

प्रश्न 10- बाप हम बच्चों का क्या बनकर आया है ?

- A. सर्वेन्ट
- B. धोबी
- C. सौदागर
- D. रत्नागर

प्रश्न 11- भक्ति मार्ग में लक्ष्मी से दीपमाला पर क्या मांगते हैं ?

- A. सुख समृद्धि
- B. रिद्धि सिद्धि
- C. विनाशी धन
- D. वैभव

प्रश्न 12- यहाँ तुम जितना योग लगाएंगे उतना क्या बढ़ेगा ?

- A. शक्ति
- B. सुख
- C. शान्ति
- D. आयु

प्रश्न 13- आत्मा और शरीर पवित्र किससे बन जाएंगे?

- A. बाप की याद से
- B. विकारों को छोड़ने से
- C. मनमनाभव होने से
- D. सर्व सम्बन्ध बाप के जोड़ने से

प्रश्न 14- गऊ मुख कौन है?

- A- ब्रह्माबाबा
- B- शिवबाबा
- C- बच्चे
- D- A और C

प्रश्न 15- यह सारी दुनिया क्या है ?

- A- छी- छी पतित
- B- कब्रिस्तान
- C- टापू
- D- रावण राज्य

प्रश्न सं 16- तुम जगत अम्बा के कौन से बच्चे हो?

- A- ज्ञान- ज्ञानेश्वरी
- B- राज- राजेश्वरी
- C- योग- योगेश्वरी
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न सं 17- सबकी बुद्धि में कौनसी एक बात है?

- A- वेद- शास्त्रों का ज्ञान
- B- स्प्रिचुअल बाप की नॉलेज
- C- ईश्वर सर्वव्यापी
- D- भक्ति मार्ग का ज्ञान

प्रश्न 18- सब भक्ति क्यों करते हैं?

- A बाप से वर्सा लेने के लिए
- B- मनुष्य मनुष्य की सुनने के लिए
- C- वाद-विवाद नहीं करने के लिए
- D- भगवान से मिलने के लिए

प्रश्न 19- कौन से खेल को जानने से कभी मूँझते नहीं ?

- A- बाजोली का
- B- दुःख- सुख का
- C- भक्ति- ज्ञान का
- D- A और B
- E- B और C

प्रश्न 20- किसको तोड़ना है?

- A- संस्कारों को
- B- देह- अभिमान को
- C- माया को
- D- रावण को

प्रश्न 21- सतयुग में रूहानी बाप से वर्सा क्यों नहीं मिलता ?

- A- क्योंकि सभी मनुष्य है
- B- क्योंकि जिस्मानी बाप से मिलता है
- C- लक्ष्मी- नारायण भी देहधारी है।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 22- भक्ति का फल क्या है?

- A- सद्गति
- B- भगवान
- C- जीवनमुक्ति
- D- ज्ञान

प्रश्न 23- बाप का परिचय कौन देता है?

- A- स्वयं
- B- बी. के.
- C- ब्रह्माबाबा
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 24-- बाप ज्ञान कब सुनाते हैं?

- A- जब सब पतित बन जाते हैं
- B- संगम पर
- C- जब पाप बहुत होते हैं
- D- जब नई दुनिया स्थापन करनी होती है

प्रश्न 25- परमात्मा के साथ निरन्तर योग लगाओ तो क्या होगा ?

- A- पाप नष्ट
- B- सदा साथ का अनुभव
- C- दैवी राज्य स्थापन
- D- A और B
- E- A, B, C

प्रश्न 26- ज्ञान, योग के साथ जीवन का आधार क्या है?

- A- अष्ट शक्तियां
- B- दैवी गुण
- C- सृष्टि का आदि- मध्य- अन्त
- D- धारणा और सेवा

प्रश्न 27- योग को अविनाशी योग क्यों कहते हैं ?

- A- क्योंकि सारे विकर्म विनाश हो जाते हैं।
- B- क्योंकि ईश्वर द्वारा सिखाया जाता है।
- C- क्योंकि इससे सूर्यवंशी घराने की स्थापना होती है
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 28- किन तीनों का आपस में कनेक्शन है?

- A- सेवा, ज्ञान, धारणा
- B- ज्ञान, योग, धारणा
- C- धारणा, योग, सेवा
- D- ज्ञान, योग, सेवा

प्रश्न 29- देवताओं को क्या कहा जाता है ?

- A- सर्वगुणसंपन्न
- B- दैवी गुणों वाले मनुष्य
- C- आत्मा
- D- A और B
- E- A, B और C

प्रश्न 30- परमात्मा से प्रीत बुद्धि किसकी है?

- A- पाण्डवों की
- B- शक्तियों की
- C- यादवों की
- D- A और B

प्रश्न 31- यह अन्तिम जन्म है अब हम कहाँ जायेंगे ?

- A- सतयुग में
- B- नई दुनिया में
- C- अपने घर
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 32- सतयुग में झाड़ कैसा होता है ?

- A- छोटा
- B- बड़ा
- C- बहुत छोटा
- D- A और C

भाग (73) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *C.सहजयोगी*

कोई भी कार्य करते बापदादा को अपना साथी बना लो तो डबल फोर्स से कार्य होगा और स्मृति भी बहुत सहज रहेगी क्योंकि जो सदा साथ रहता है उसकी याद स्वतः बनी रहती है। तो ऐसे साथी रहने से वा *बुद्धि द्वारा निरन्तर सत का संग करने से सहजयोगी बन जायेंगे* और पावरफुल संग होने के कारण हर कर्तव्य में आपका डबल फोर्स रहेगा, जिससे हर कार्य में सफलता की अनुभूति होगी।

उत्तर 2- *B.महारथी*

महारथी वह जो कभी माया के प्रभाव में परवश नहीं होते या हार नहीं खाते बापदादा कहते हैं कि महारथी बनने लिए सिर्फ दो बातें याद रखो। कौन सी? एक तो *अपने को सदैव साथी के साथ रखो। साथी और सारथी, वह है महारथी।* पुरुषार्थ में कमजोरी के दो कारण हैं। बाप के स्नेही बने हो लेकिन बाप को साथी नहीं बनाया है। अगर बापदादा को सदैव साथी बनाओ तो जहाँ बापदादा साथ है वहाँ माया दूर से मूर्छित हो जाती है।

उत्तर 3- *C.गर्भ जेल में*

संन्यासियों का है ही हठयोग, निवृत्ति मार्ग। कर्म संन्यास तो कभी होता ही नहीं। वह तब हो जब आत्मा शरीर से अलग हो जाए। *गर्भ जेल में फिर कर्मों का हिसाब शुरू हो जाता है।* बाकी कर्म संन्यास कहना रांग है, गर्भ जेल में रहने के दौरान कर्म बन्धन के हिसाब-किताब का चूकतू करना होता है। जेल से और गर्भ जेल से शिव बाबा ही छुड़ाते हैं। *अभी जाते हैं गर्भ जेल में।* वहाँ सतयुग में तो गर्भ महल होता है। वहाँ पाप तो करते नहीं जो सजा खानी पड़े। हिंदू धर्म की एक अवधारणा है। इसे जेलबर्ड भी कहते हैं जो कार्य-कारण के सिद्धांत की व्याख्या करती है। इस सिद्धांत के मुताबिक, पिछले हितकर कार्यों का हितकर और हानिकारक कार्यों का हानिकारक प्रभाव प्राप्त होता है।

उत्तर 4- *C.पारलौकिक बाप का*

दुःख में सिमरण उस पारलौकिक बाप का उत्तर हैं। अब वह बाप आया हुआ है। यहाँ तो एक बाप ही पढ़ाते हैं। यह भी समझाना चाहिए कि दो बाप हैं - लौकिक और पारलौकिक। *दुःख में सिमरण उस पारलौकिक बाप का करते हैं।* जितना याद में रहेंगे, पवित्र बनेंगे उतना पारलौकिक मात-पिता की दुआयें मिलेंगी, दुआयें मिलने से तुम सदा सुखी बन जायेंगे। "अरे, तुम्हारा बाप से सदा योग नहीं लगा था? वो तुम्हारा लौकिक बाप, यह तुम्हारा पारलौकिक बाप। वो तुमको दुःख देने वाला है।

उत्तर 5- *D.बेहद का दशहरा*

अब सभी दुर्गति में पड़े हैं। आगे तुम नहीं जानते थे तो रावण को क्यों जलाते हैं। *अब तुम जानते हो बेहद का दशहरा होने वाला है।* यह सारी दुनिया बेट (टापू) है। रावण का राज्य सारी सृष्टि पर है। जो शास्त्रों में है बन्दर सेना थी, बन्दरों ने पुल बनाई... यह सब हैं दन्त कथायें।

उत्तर 6- *B.सरसों*

बाप समझाते हैं - यह सारी पुरानी दुनिया इस ज्ञान यज्ञ में स्वाहा हो जायेगी। पुरानी दुनिया को आग लगने वाली है। *नेचुरल कैलेमिटीज आयेगी, सरसों मुआफिक सब पीस कर खत्म हो जायेंगे।* बाकी कुछ आत्मायें बच जायेंगी। आत्मा तो अविनाशी है।

उत्तर 7- *B.काम कटारी चलाना*

तुम इन आसुरी 5 विकारों पर योगबल से जीत पाते हो। बाकी कोई हिंसक लड़ाई की बात नहीं है। तुम कोई भी प्रकार की हिंसा नहीं करते हो। तुम किसको हाथ भी नहीं लगायेंगे। तुम डबल अहिंसक हो। *काम कटारी चलाना, यह तो सबसे बड़ा पाप है।* बाप कहते हैं - यह काम कटारी आदि-मध्य-अन्त दुःख देती है। विकार में नहीं जाना है।

उत्तर 8- *C.पुराने कब्रिस्तान पर*

देखो, बेहद का बाप कैसा है! तुमको स्वर्ग रूपी घर बनाकर देता है। स्वर्ग है नई दुनिया। नर्क है पुरानी दुनिया। नई सो पुरानी सो फिर नई बनती है। नई दुनिया की आयु कितनी है, यह किसको पता नहीं है। अभी पुरानी दुनिया में रह हम नई बनाते हैं। *पुराने कब्रिस्तान पर हम परिस्तान बनायेंगे।* यही जमुना का कण्ठा होगा, इस पर महल बनेंगे।

उत्तर 9- *D.नई दुनिया में*

बाप कहते हैं इस पुरानी दुनिया से सिर्फ ममत्व मिटा दो। अब हमने 84 जन्म पूरे किये हैं। *यह पुराना चोला छोड़ हम जायेंगे नई दुनिया में।* याद से ही तुम्हारे पाप कट जायेंगे, इतनी हिम्मत करनी चाहिए।

उत्तर 10- *A.सर्वेन्ट*

चलते-फिरते सिर्फ बाप को याद करो और कोई जरा भी तकलीफ नहीं देता हूँ। अब तुम्हारी एक सेकेण्ड में चढ़ती कला होती है। *बाप कहते हैं - मैं तुम बच्चों का सर्वेन्ट बनकर आया हूँ।* तुमने बुलाया है - हे पतित-पावन आकर हमको पावन बनाओ तो सर्वेन्ट हुआ ना।

उत्तर 11- *C.विनाशी धन*

तुम हो जगत अम्बा के बच्चे ज्ञान-ज्ञानेश्वरी, फिर बनेंगी राज-राजेश्वरी। तुम बहुत धनवान बनते हो। फिर *भक्ति मार्ग में लक्ष्मी से दीपमाला पर विनाशी धन मांगते हैं।* यहाँ तुमको सब कुछ मिल जाता है आयुश्चान भव, पुत्रवान भव।

उत्तर 12- *D.आयु*

वहाँ 150 वर्ष आयु रहती है। *यहाँ तुम जितना योग लगायेंगे उतनी आयु बढ़ती जायेगी।* तुम ईश्वर से योग लगाकर योगेश्वर बनते हो।

उत्तर 13- *C.मनमनाभव होने से*

बाप कहते हैं मैं धोबी हूँ। सब मूत पलीती आत्माओं को साफ करता हूँ। फिर शरीर भी शुद्ध मिलेगा। मैं सेकेण्ड में दुनिया के कपड़े साफ कर लेता हूँ। *सिर्फ मनमनाभव होने से आत्मा और शरीर पवित्र बन जायेंगे।* छू मन्त्र हुआ ना। सेकेण्ड में जीवन-मुक्ति, कितना सहज उपाय है।

उत्तर 14- *C.बच्चे*

यहाँ गऊ मुख पर जाते हैं। वास्तव में *गऊ मुख तुम (बच्चे) चैतन्य में हो।* तुम्हारे मुख से ज्ञान अमृत निकलता है। गऊ से तो दूध मिलता है। पानी की तो बात ही नहीं, यह सब कुछ बाप बैठ समझाते हैं।

उत्तर 15- *C.टापू*

यह सारी दुनिया बेट (टापू) है। रावण का राज्य सारी सृष्टि पर है। जो शास्त्रों में है बन्दर सेना थी, बन्दरों ने पुल बनाई... यह सब हैं दन्त कथायें। भक्ति आदि चलती है, पहले होती है अव्यभिचारी भक्ति, फिर व्यभिचारी भक्ति।

उत्तर 16- *A.ज्ञान-ज्ञानेश्वरी*

किसको समझाओ - पहले स्थापना फिर विनाश। ब्रह्मा द्वारा स्थापना। प्रजापिता मशहूर है आदि देव, आदि देवी... जगत अम्बा के लाखों मन्दिर हैं। कितने मेले लगते हैं। *तुम हो जगत अम्बा के बच्चे ज्ञान-ज्ञानेश्वरी हो*, फिर बनेंगी राज-राजेश्वरी।

उत्तर 17- *C.ईश्वर सर्वव्यापी*

भक्ति को अंग्रेजी में फिलासॉफी कहते हैं। टाइटल मिलते हैं डॉक्टर ऑफ फिलासॉफी। अब फिलासॉफी (भक्ति) तो छोटे बड़े मनुष्य सब जानते हैं। *कोई से भी पूछो ईश्वर कहाँ रहते हैं, तो कह देंगे सर्वव्यापी है।*..... वह सब भक्ति करते हैं भगवान से मिलने के लिए। परन्तु भगवान को जानते नहीं तो भक्ति से क्या फायदा होगा। बहुतों को यह टाइटल मिलता होगा डॉक्टर ऑफ फिलासॉफी, *उन्हीं की बुद्धि में तो एक ही बात है कि ईश्वर सर्वव्यापी है।*

उत्तर 18- *D.भगवान से मिलने के लिए*

अब शास्त्रों की कोई भी बात बाप नहीं सुनाते। कोई भी भगत को ज्ञान सागर नहीं कहेंगे। न उनमें ज्ञान है, न ज्ञान सागर के बच्चे हैं। ज्ञान सागर बाप को कोई नहीं जानते हैं। न अपने को बच्चा समझते हैं। वह *सब भक्ति करते हैं भगवान से मिलने के लिए।* परन्तु भगवान को जानते नहीं तो भक्ति से क्या फायदा होगा।

उत्तर 19- *E.B और C*

दुःख और सुख, भक्ति और ज्ञान का जो खेल चलता है, इसको यथार्थ रीति जानने वाले कभी मूँझते नहीं। तुम जानते हो भगवान किसी को दुःख नहीं देता, वह है दुःख हर्ता सुख कर्ता। जब सभी दुःखी हो जाते हैं, तब दुःखों से लिबरेट करने के लिए वह आते हैं। समझाया जाता है - ज्ञान और भक्ति। वह है दिन, वह है रात। ज्ञान से सुख, भक्ति से दुःख, यह खेल बना हुआ है।

उत्तर 20- *B.देह-अभिमान को*

लक्ष्मी-नारायण भी देहधारी हैं। उनके बच्चे जिस्मानी बाप से वर्सा पाते हैं। यह बात ही न्यारी है। सतयुग में भी जिस्मानी बात हो जाती है। वहाँ यह नहीं कहेंगे कि रूहानी बाप से वर्सा मिलता है। *देह-अभिमान को तोड़ना है।* हम आत्मा हैं और बाप को याद करना है। यही भारत का प्राचीन योग गाया हुआ है।

उत्तर 21- *C.लक्ष्मी- नारायण भी देहधारी है*

बाप कहते हैं ज्ञान की अथॉरिटी, ज्ञान सागर मैं हूँ। मैं तुमको कोई शास्त्र आदि नहीं सुनाता हूँ। हमारा यह है रूहानी ज्ञान। बाकी सब है जिस्मानी ज्ञान। वह सतसंग आदि सब भक्ति मार्ग के लिए हैं। यह रूहानी बाप बैठ रूहों को समझाते हैं इसलिए देही-अभिमान

बनने में बच्चों को मेहनत लगती है। हम आत्मायें बाप से वर्सा लेती हैं। बाप के बच्चे जरूर बाप की ही गद्दी के वारिस होंगे ना। *लक्ष्मी-नारायण भी देहधारी हैं। उनके बच्चे जिस्मानी बाप से वर्सा पाते हैं।* यह बात ही न्यारी है। सतयुग में भी जिस्मानी बात हो जाती है। वहाँ यह नहीं कहेंगे कि रूहानी बाप से वर्सा मिलता है।

उत्तर 22- *D.ज्ञान*

भक्ति का फल ज्ञान तुमको भगवान से मिलता है। भगवान कोई भक्ति नहीं सिखलाते हैं। वह तो ज्ञान देते हैं। कहते हैं मामेकम् याद करो तो तुम्हारे विकर्म विनाश होंगे और कोई पावन बनने का रास्ता ही नहीं।

उत्तर 23- *A.स्वयं*

बाप कहते हैं कि मैं सबका उद्धार करने आता हूँ। मैं ही आकर रूहानी ज्ञान देता हूँ। *बाप अपना परिचय दे रहे हैं। मैं तुम्हारा बाप हूँ।* अभी यह है नर्क। नई दुनिया को स्वर्ग कहा जाता है।

उत्तर 24- *C.जब पाप बहुत होते हैं*

पहले वह पावन होते हैं फिर पतित बनते हैं। सतगुरु तो एक ही सद्गति दाता है। मनुष्य गुरु करते ही तब हैं जब सद्गति में जाना चाहते हैं। *जब पाप बहुत होते हैं तब रूहानी बाप ज्ञान सुनाते हैं।*

उत्तर 25- *A.पाप नष्ट*

यह तो हम जानते हैं कि सच्चा योग तो खुद परमात्मा ही सिखलाए सूर्यवंशी चन्द्रवंशी घराना व दैवी राज्य स्थापन करते हैं। अब वो प्राचीन योग परमात्मा आकर कल्प-कल्प हमें सिखलाते हैं। कहते हैं हे आत्मा मुझ परमात्मा के साथ निरन्तर योग लगाओ तो तुम्हारे *पाप नष्ट* हो जायेंगे।

उत्तर 26- *B.दैवी गुण*

*"ज्ञान, योग और दैवी गुणों की धारणा जीवन का आधार है।" इसमें पहले है योग अथवा ईश्वरीय निरन्तर याद, जिससे विकर्मों का विनाश होता है। दूसरा है ज्ञान माना इस सारे ब्रह्माण्ड, सृष्टि की आदि-मध्य-अन्त कैसे होती है, जब यह नॉलेज हो तब ही इस लाइफ में प्रैक्टिकल चेंज आ सकती है और हम भविष्य प्रालम्भ अच्छी बना सकते हैं। तीसरी प्वाइन्ट है - क्वालिफिकेशन तो हमको सर्वगुण सम्पन्न, 16 कला सम्पूर्ण अवश्य बनना है तब ही देवता बन सकते हैं।

उत्तर 27- *B.क्योंकि ईश्वर द्वारा सिखाया जाता है*

यह ईश्वरीय योग भारत में प्राचीन योग के नाम से मशहूर है। इस योग को अविनाशी योग क्यों कहते हैं? *क्योंकि अविनाशी परमपिता परमात्मा (ईश्वर) द्वारा सिखाया गया है।* भल योग और मनुष्य आत्मायें भी सिखाती हैं इसलिये योगाश्रम वगैरा खोलते रहते हैं परन्तु वो प्राचीन योग सिखला नहीं सकते। अगर ऐसा योग होता तो फिर वो बल कहाँ!

उत्तर 28- *B.ज्ञान, योग, धारणा*

इस एक ही जन्म में ज्ञान बल, योग बल और दैवी गुणों की धारणा की जाती है। तीनों का आपस में कनेक्शन है - ज्ञान बिगर योग नहीं लग सकता और योग बिगर दैवी गुणों की धारणा नहीं होती, इन तीनों प्वाइन्ट पर सारी जीवन का आधार है, तब ही विकर्मों का खाता खलास हो अच्छे कर्म बनते हैं।

उत्तर 29- *D. A और B*

ज्ञान का सागर सिर्फ एक को कहा जाता है। दैवी गुण उनमें होते हैं, ज्ञान से होते हैं; परन्तु यह ज्ञान जो तुम बच्चों को अभी मिलता है, वो सतयुग में नहीं होता है। पीछे इनका जो फल है राज करना और जो दैवी गुण धारण करते हो, तो *इनमें दैवी गुण हैं, तुम खुद इनकी महिमा करते हो बरोबर। कहते हो सर्वगुण सम्पन्न हो, सोलह कला सम्पूर्ण हो।* ऐसे गाते हो ना। तो तुमको भी तो ऐसा ही बनना होता है ना। तो अपने से पूछना चाहिए- मेरे में सभी दैवी गुण हैं? या कोई भी आसुरी गुण है? आसुरी गुण है, तो निकाल देना चाहिए, तभी देवता बनेंगे। अगर नहीं निकालते हैं तो भले देवता बनते हैं, परन्तु कम दर्जे के।

उत्तर 30- *A.पाण्डवों की*

पाण्डवों की तरफ तो है परमपिता परमात्मा। *पाण्डव हैं विनाश काले प्रीत बुद्धि,* कौरव और यादव हैं विनाश काले विपरीत बुद्धि। जो परमपिता परमात्मा को मानते ही नहीं। (30.11.18)

तुम पाण्डव हो तो वो कौरव हैं, काँग्रस है। तो आपस में दो भाई हो ना। *अभी तुम्हारी भी बाप से प्रीत बुद्धि है,* क्योंकि बाप ने आ करके तुमको अपना परिचय दिया है। तो गाया जाता है ना। वो तो कहते हैं- सर्वव्यापी है, तो प्रीत हो नहीं सकती है। (3.6.1965)

उत्तर 31- *C.अपने घर*

उनकी बुद्धि में रहेगा कि अब इस दुनिया में दूसरा जन्म हमें नहीं लेना है और न तो दूसरों को जन्म देना है। यह पाप आत्माओं की दुनिया है, इसकी वृद्धि अब नहीं चाहिए। इसे विनाश होना है। हम इन पुराने वस्त्रों को उतार *अपने घर जायेंगे।* अब नाटक पूरा हुआ।

उत्तर 32- *A.छोटा*

बाप कितना सहज कर सुनाते हैं, परन्तु माया-रावण भुला देती है। अभी इस पुरानी दुनिया का अन्त है। वह है अमरलोक, वहाँ काल होता नहीं। बाप को कहते हैं आओ साथ में हम सभी को ले चलो। तो काल ठहरा ना। *सतयुग में कितना छोटा झाड़ है!* अभी बहुत बड़ा झाड़ है।

भाग - (74)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- कौन से चित्र में सारी नॉलेज है ?

- A- सृष्टि चक्र
- B- गोले का
- C- त्रिमूर्ति का
- D- सीढ़ी

प्रश्न 2- मनुष्य क्या कहते हैं ?

- A- डामा की भावी
- B- ईश्वर की भावी
- C- माया के तूफ़ान
- D- थोड़े रोज है।

प्रश्न 3- शान्तिधाम में जाकर फिर कहाँ आना है ?

- A- सुखधाम
- B- नई दुनिया में
- C- रामराज्य में
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 4- सतयुगी श्रेष्ठाचारी दैवी राज्य में कितने होंगे?

- A- 9 लाख
- B- 2 करोड़
- C- 16108
- D- A और B
- E- A, B और C

प्रश्न 5- जितना समय नजदीक आता है, उतना क्या होता है ?

- A- उमंग - उत्साह
- B- खुशी
- C- नशा
- D- तीव्र पुरुषार्थ

प्रश्न 6- शिवबाबा कौन है?

- A- आत्मा
- B- परमात्मा
- C- बिन्दी
- D- B और C

प्रश्न 7- शिव ने कथा किसे सुनाई?

- A- अर्जुन
- B- द्रोपदी
- C- पार्वती
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 8- निराकार परमात्मा का रिजर्व तन कौन सा है ?

- A- ब्रह्मा तन
- B- दादी गुलज़ार तन
- C- संदेशी

- D- A और B
- E- A,B और C

प्रश्न 9- भगवान से सब क्या मांगते हैं ?

- A- खुशी और आनन्द
- B- सुख और शान्ति
- C- पीस और प्रोसपर्टी
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 10- बाबा कहने से क्या याद आता है ?

- A- शिवबाबा
- B- स्वर्ग
- C- वर्सा
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 11- गरीब का एक पैसा भी साहूकार के कितने रुपये के बराबर है ?

- A- सौ
- B- हजार
- C- पदम्
- D- करोड़

प्रश्न 12- किसका गायन है ?

- A- सुदामा का
- B- पाण्डवों का
- C- शक्तियों का
- D- चावल का

प्रश्न 13- योग में रह कोई से बात करेंगे तो उनको क्या होगा ?

- A- बहुत उमंग- उत्साह होगा
- B- खुशी में रहेंगे
- C- कशिश होगी
- D- विकर्म विनाश होंगे

प्रश्न 14- आत्मा पार्ट में आते भी किस रूप में आ जाती है ?

- A- न्यारेपन
- B- पार्टधारी
- C- कर्मबन्धन में
- D- सर्वगुणसम्पन्न

प्रश्न 15- आत्मा और परमात्मा में सिर्फ किसका फर्क है ?

- A- प्रवेशता का
- B- गुणों का
- C- महिमा का
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 16- हर सब्जेक्ट में फुल मार्क्स जमा करने के लिए कौनसा गुण धारण करो ?

- A- सहनशीलता का
- B- गम्भीरता का
- C- निश्चिन्तता का
- D- निर्भयता का

प्रश्न 17- कुमारियां तो हैं ही किसकी ?

- A- शिवबाबा की
- B- बाप-दादा की
- C- ब्रह्मा की

D- कन्हैया की

प्रश्न 18- बापदादा कौन सा सम्मेलन देखकर हर्षित हो रहे हैं ?

- A- बाप बच्चों का
- B- विचार समान मिलने का
- C- स्नेह का
- D- सफलता

प्रश्न 19- सुख किसमें है ?

- A- शान्ति में
- B- पवित्रता में
- C- आनन्द में
- D- पुरुषार्थ में

प्रश्न 20- सफलता का चुम्बक क्या है ?

- A- मिलना और झुकना
- B- झुकना और सहयोग देना
- C- स्वीकार करना और समाना
- D- मिलना और मोल्ड होना

प्रश्न 21- सबसे गरीब कौन है ?

- A- मनुष्य
- B- भारत
- C- पतित
- D अज्ञानी

प्रश्न 22- खाओ, पियो, पढो और क्या करो ?

- A- पवित्र बनो
- B- बाप को याद करो
- C- याद में मग्न हो जाओ
- D- रिफ्रेश हो चले जाओ

प्रश्न 23- मरजीवा बनना आर्थात् ?

- A- नया जन्म होना
- B- पुरानी आयु पूरी होना
- C- नॉलेज से परे
- D- कर्मन्द्रियजीत

प्रश्न 24- कर्मन्द्रियों के वश होना अर्थात् ?

- A- शूद्रपन होना
- B- संस्कार अटका हुआ न हो
- C- परमात्म स्नेह नहीं
- D- नॉलेज से परे

प्रश्न 25- बाबा किसलिए आया है ?

- A- नर से नारायण बनाने
- B- अमरपुरी का मालिक बनाने
- C- नई दुनिया की स्थापना करने
- D- रावण राज्य का खात्मा करने

प्रश्न 26- बाप तुमको क्या करने के लिए नहीं कहते ?

- A- सिर झुकाने के लिए
- B- माथा टेकने के लिए
- C- हाथ जोड़ने के लिए
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 27- हर एक मनुष्य किसके लिए पुरुषार्थ करता है?

- A- स्वर्गवासी बनने के लिए
- B- सुख के लिए
- C- शान्ति के लिए
- D- पैसे के लिए

प्रश्न 28- कलियुग में क्या है ?

- A- रावण राज्य
- B- दुःख के बन्धन
- C- आसुरी धर्म
- D- विकारी मनुष्य

प्रश्न 29- पांडव, शक्तियों से एक्स्ट्रा मार्क्स कैसे ले सकते हैं ?

- A- सेवा में ज्यादा हार्ड वर्क करने से
- B- प्लैनिंग बुद्धि होने के कारण
- C- विकारी वातावरण में रहते न्यारे प्यारे रहने से
- D- अथक बन हर समय सेवा की स्टेज पर एवरेडी रहने से

प्रश्न 30- महापापी की लिस्ट में कौन आते हैं ? (जिनको ब्राह्मण जीवन का सबसे बड़े से बड़ा पाप व दाग लगता है)

- A- जो बाबा का बनकर फारगति देते हैं।
- B- जो प्रकृति के आकर्षण के वशीभूत हो जाते हैं।
- C- जो संकल्प में विकारी दृष्टि और वृत्ति रखते हैं।
- D- जो किसी व्यक्ति या वैभव के वशीभूत हो जाते हैं।

प्रश्न 31- विश्व परिवर्तक बनने के पहले कौनसी शक्ति चाहिए ?

- A- दिव्य दृष्टि की शक्ति
- B- स्वयं को परिवर्तन करने की शक्ति
- C- सफलता की शक्ति
- D- बाप की छत्रछाया

प्रश्न 32- किसी की विशेषता के कारण उससे विशेष स्नेह हो जाना यह क्या है ?

- A- लगाव
- B- मोह
- C- आकर्षण
- D- A और C

भाग (74) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *D.सीढ़ी*

बाप बच्चों से पूछते हैं कि तुम यहाँ जब आते हो तो इन लक्ष्मी-नारायण के और सीढ़ी के चित्र को देखते हो? जब दोनों को देखा जाता है तो एम ऑब्जेक्ट और सारा चक्र बुद्धि में आ जाता है कि हम देवता बनकर फिर ऐसे सीढ़ी उतरते आये हैं। यह ज्ञान तुम बच्चों को ही मिलता है। तुम हो स्टूडेन्ट। एम ऑब्जेक्ट सामने खड़ा है। कोई भी आये तो उनको समझाओ - यह एम ऑब्जेक्ट है। इस पढ़ाई से यह देवी-देवता जाकर बनते हैं। फिर 84 जन्म की सीढ़ी उतरते हैं, फिर रिपीट करना है।

सीढ़ी में सारी नॉलेज आ जाती है। जैसे यह कुम्भकरण वाला चित्र है। तो यह ऐसा बनाना चाहिए - बी.के. ज्ञान अमृत पिलाती हैं, वे विष (विकार) मांगते हैं। बाबा मुरली में सब डायरेक्शन देते रहते हैं। हर एक चित्र की समझानी बड़ी अच्छी है।

उत्तर 2- *B.ईश्वर की भावी*

बाबा ने भी जो कहा सो ड्रामा अनुसार कहा। ड्रामा में मेरा पार्ट ऐसा है। बाबा भी ड्रामा पर रख देते हैं। *मनुष्य कहते हैं ईश्वर की भावी।* ईश्वर कहते हैं ड्रामा की भावी। ईश्वर ने बोला या इसने बोला, ड्रामा में था। कोई उल्टा काम हुआ ड्रामा में था, फिर सुल्टा हो जायेगा।

उत्तर 3- *A.सुखधाम*

बाप की याद से ही विकर्म विनाश होंगे, ममत्व मिटता जायेगा। कोई का नाम-मात्र प्यार होता है। हमारा भी ऐसा है। अभी तो हम जाते हैं सुखधाम। यह तो जैसे सब मरे पड़े हैं, इनसे दिल क्या लगानी है। *शान्तिधाम में जाकर फिर सुखधाम में आकर राज्य करेंगे।*

इसको कहा जाता है पुरानी दुनिया से वैराग्य। बाप कहते हैं - इन आंखों से जो कुछ देखते हो वह सब खत्म हो जाने का है।

उत्तर 4- *A. 9 लाख*

सतयुगी श्रेष्ठाचारी दैवी राज्य में 9 लाख होंगे। कोई बोले इसका क्या प्रूफ है? कहो यह तो समझ की बात है ना। सतयुग में झाड़ होगा ही छोटा। धर्म भी एक है तो जरूर मनुष्य भी थोड़े होंगे।

उत्तर 5- *B. खुशी*

शिवबाबा के जो बनते हैं उन्होंने को तो खुशी का पारा बड़ा जोर से चढ़ा रहना चाहिए। *जितना समय नजदीक आता है, उतनी खुशी होती है।* हमारे अब 84 जन्म पूरे हुए। अब यह अन्तिम जन्म है। हम जाते हैं अपने घर।

उत्तर 6- *D. B और C*

(B) ड्रामा अनुसार दिन-प्रतिदिन ज्ञान की प्वाइंट्स गूह्य होती जाती हैं। तो चित्रों में भी चेंज होगी। बच्चों की बुद्धि में भी चेंज होती है। आगे यह थोड़े ही समझते थे कि *शिवबाबा बिन्दी है।* ऐसे थोड़े ही कहेंगे कि पहले ऐसा क्यों नहीं बताया। बाप कहते हैं - सब बातें पहले ही थोड़े ही समझाई जाती हैं। *(C)* शिव को रूद्र भी कहते हैं। अब बाप पूछते हैं ज्ञान यज्ञ श्रीकृष्ण का है या शिव का है? *शिव को परमात्मा ही कहते हैं,*

उत्तर 7- *C. पार्वती*

यह तो बाप ही आकर पतितों को पावन बनाते हैं, अमरकथा सुनाते हैं। सो भी यहाँ ही सुनायेंगे ना। अमरनाथ पर तो नहीं सुनायेंगे ना। यह बातें तुम ही समझते हो। वो लोग कहाँ-कहाँ अमरनाथ पर जाकर धक्के खाते रहते हैं। यह नहीं समझते कि पार्वती को कथा किसने सुनाई? वहाँ तो शिव का चित्र दिखाते हैं। अच्छा शिव किसमें बैठा? शिव और शंकर दिखाते हैं। क्या शिव ने शंकर में बैठ कथा सुनाई? कुछ भी समझते नहीं हैं, भक्ति मार्ग वाले अभी तक तीर्थ करने जाते रहते हैं। - *अर्थात् शिव ने पार्वती को कथा सुनाई।*

उत्तर 8- *A. ब्रह्मा तन*

"निराकार परमात्मा का रिजर्व तन ब्रह्मा तन है"

यह तो अपने को पूरा निश्चय है कि परमात्मा अपने साकार ब्रह्मा तन द्वारा आकर पढ़ा रहे हैं.....अब इस पर समझाया जाता है परमात्मा की प्रवेशता होने समय ऐसे नहीं कि उस शरीर के कोई नयन, चयन बदली हो जाते हैं, नहीं। परन्तु हम जब ध्यान में जाते हैं तब नयन, चयन बदली हो जाता है परन्तु इस साकार ब्रह्मा का पार्ट ही गुप्त है। *जब परमात्मा इसके तन में आता है तो कोई को भी पता नहीं चलता, उसका यह तन रिजर्व किया हुआ है* इसलिए सेकेण्ड में आता है, सेकेण्ड में जाता है, अब इस राज़ को समझना। *(मम्मा की मुरली से)

उत्तर 9- *B. सुख और शान्ति*

अभी दुःख बढ़ गया है। इस समय हमको सुख-शान्ति दोनों चाहिए। *भगवान से सब मांगते हैं - हे भगवान हमको सुख दो, शान्ति दो।* हर एक मनुष्य पुरुषार्थ करता ही है धन के लिए।

उत्तर 10- *C. वर्सा*

वास्तव में सिर्फ वह तुम्हारा बाप नहीं लेकिन सबका बाप है। यह भी समझने का है। जो भी सभी आत्मायें हैं उन सभी का बाप परमात्मा जरूर है। *बाबा-बाबा कहने से वर्सा जरूर याद आता है।* बाप को याद करने से ही विकर्म विनाश होंगे।

उत्तर 11- *A. सौ*

21 जन्मों के लिए साहूकार बनना है तो *गरीब का एक पैसा भी साहूकार के 100 रुपये के बराबर है* इसलिए बाप जब डायरेक्ट आते हैं तो अपना सब कुछ सफल कर लो। जितना साहूकार का पद उतना गरीब का। दोनों का एक हो जाता है।

उत्तर 12- *D. चावल का*

बच्चे, शिवबाबा को तुम्हारा कुछ नहीं चाहिए। तुम भल खाओ, पियो, पढ़ो - रिफ्रेश होकर चले जाओ लेकिन *चावल मुट्ठी का भी गायन है।*..... बाप कहते हैं - कुछ भी पैसा न दो सिर्फ मुझे याद करो तो पाप नाश होंगे और मेरे पास आ जायेंगे। यह मकान आदि तुम बच्चों ने अपने लिए ही बनवाये हैं। *यहाँ चावल मुट्ठी का गायन है ना।*

उत्तर 13- *C. कशिश होगी*

बाप कहते हैं - इन आंखों से जो कुछ देखते हो वह सब खत्म हो जाने का है। विनाश के बाद स्वर्ग को देखेंगे। अब तुम बच्चों को बहुत मीठा बनना चाहिए। *योग में रह कोई बात करेंगे तो उनको बड़ी कशिश होगी।* यह ज्ञान ऐसा है जो बाकी सब भूल जाता है।

उत्तर 14- *B. पार्टधारी*

मनुष्य आत्मा की कोई शक्ति नहीं चल सकती है। परमात्मा का ही सारा पार्ट चलता है, भल परमात्मा पार्ट में भी आता है, तो भी खुद न्यारा रहता है। लेकिन *आत्मा पार्ट में आते भी पार्टधारी के रूप में आ जाती है।* परमात्मा पार्ट में आते भी कर्मबन्धन से न्यारा है। आत्मा पार्ट में आते भी कर्मबन्धन के वश हो जाती है, यह है आत्मा और परमात्मा में अन्तर, भेद।

उत्तर 15- *B.गुणों का*

आत्मा और परमात्मा का रूप एक जैसा ज्योति रूप है। आत्मा और परमात्मा की आत्मा का साइज एक ही रीति में है, बाकी *आत्मा और परमात्मा में सिर्फ गुणों की ताकत का फर्क अवश्य है।* अब यह जो इतने गुण हैं वो सारी महिमा परमात्मा की है। परमात्मा दुःख सुख से न्यारा है, सर्वशक्तिवान है, सर्वगुण सम्पन्न है, 16 कला सम्पूर्ण है, उनकी ही सारी शक्ति काम कर रही है। बाकी मनुष्य आत्मा की कोई शक्ति नहीं चल सकती है।

उत्तर 16- *B.गम्भीरता का*

इस ज्ञान में गम्भीरता का गुण धारण करना बहुत जरूरी है, कभी भी अपना अभिमान नहीं आना चाहिए। मैंने किया करावनहार करा रहा है मैं निमित्त हूँ। *हर सबजेक्ट में फुल मार्क्स जमा करनी है तो गम्भीरता का गुण धारण करो।*

उत्तर 17- *D.कन्हैया की*

कुमारियाँ तो है ही कन्हैया की। बस एक शब्द याद रखना - सबमें एक, एकमत, एकरस, एक बाप। भारत के बच्चों को भी बापदादा दिल से मुबारक दे रहे हैं। जैसा लक्ष्य रखा वैसे लक्षण प्रैक्टिकल में लाया।

उत्तर 18- *B.विचार समान मिलने का*

सबका स्नेह, स्नेह के सागर में समा गया। ऐसे ही सदा स्नेह में समाये हुए औरों को भी स्नेह का अनुभव कराते चलो। *बापदादा सर्व बच्चों के विचार समान मिलने का सम्मेलन देख हर्षित हो रहे हैं।*

उत्तर 19- *B.पवित्रता में*

बाप कितना प्यार से बैठ समझाते हैं। बच्चे, यह एक जन्म अगर पावन बनेंगे तो 21 जन्म पावन दुनिया के मालिक बनेंगे। *पवित्रता में तो सुख है ना।* तुम पवित्र दैवी धर्म वाले थे। अब अपवित्र बन दुःख में आये हो।

उत्तर 20- *D.मिलना और मोल्ल होना*

सर्व के सहयोग के कार्य के पहले सदा सर्व श्रेष्ठ ब्राह्मण आत्माओं का सहयोग विश्व को सहयोगी सहज और स्वतः बना ही लेता है इसलिए सफलता समीप आ रही है। *मिलना और मुड़ना अर्थात् मोल्ल होना - यही सफलता का चुम्बक है।* बहुत सहज इस चुम्बक के आगे सर्व आत्मायें आकर्षित हो आई कि आई!

उत्तर 21- *B.भारत*

*भारत का इतना बुरा हाल, कंगाल बिल्कुल, कौड़ी तुल्य! कहाँ वो राजे लोग जिनके सोने के महल। कहाँ ये गवर्मेन्ट जो सबसे कर्जा उठाती रहती है। इसको कहा जाता है बेगर गवर्मेन्ट। यह अपना चिह्न दिखलाते हैं काँटे का तख्त बनाय करके। *अभी तो भारत बेगर हुआ ना।* अभी बेगर हुआ भारत, जो प्रिन्स था, बिल्कुल ही मालामाल था। उनमें हीरे-जवाहरों के महल बनते थे। तो याद दिलाते हैं कि तुम बच्चे जब स्वर्ग में थे, ये सब भक्तिमार्ग शुरू हुआ, कैसे सोमनाथ के मंदिर बनाये, हीरे-जवाहरों के रत्न जड़ित, तुम्हारे सोने के और हीरे के कितने महल होंगे। तो अभी याद दिलाते हैं कि देखो, जानते हो कि बरोबर भारत ऐसा था।

उत्तर 22- *D.रिफ्रेश हो चले जाओ*

तुम स्वर्ग से उतरते-उतरते नर्क में आकर पड़े हो। अब तुमको फिर स्वर्ग में ले जाता हूँ। तुमको कोई तकलीफ नहीं देता हूँ। सिर्फ मुझे याद करो और पवित्र बनो। भल एक पैसा भी न दो। *खाओ, पियो, पढ़ो, रिफ्रेश हो चले जाओ।* बाबा तो सिर्फ पढ़ाते हैं। पढ़ाई का पैसा कुछ नहीं लेते हैं। कहते हैं बाबा हम देंगे जरूर, नहीं तो वहाँ महल आदि कैसे मिलेंगे।

उत्तर 23- *B.पुरानी आयु पूरी होना*

जो बच्चे पूरा मरजीवा बन गये उन्हें कर्मन्द्रियों की आकर्षण हो नहीं सकती। *मरजीवा बने अर्थात् सब तरफ से मर चुके, पुरानी आयु समाप्त हुई।* जब नया जन्म हुआ, तो नये जन्म, नई जीवन में कर्मन्द्रियों के वश हो कैसे सकते।

उत्तर 24- *D.नॉलेज से परे*

ब्रह्माकुमार-कुमारी के नये जीवन में *कर्मन्द्रियों के वश होना क्या चीज़ होती है - इस नॉलेज से भी परे।* मालिक बन, अर्थारिटी बन कर्मन्द्रियों के सम्बन्ध में आये, विनाशी कामना से न्यारा हो कर्मन्द्रियों द्वारा कर्म कराये। आत्मा मालिक को कर्म अपने अधीन न करे लेकिन अधिकारी बन कर्म कराता रहे। कर्मन्द्रियाँ अपने आकर्षण में आकर्षित करती हैं अर्थात् कर्म के वशीभूत बनते हैं, अधीन होते हैं, बन्धन में बंधते हैं।

उत्तर 25- *B.अमरपुरी का मालिक बनाने*

अमरपुरी में जाने के लिए अमरनाथ बाबा से तुम अमरकथा सुनते हो। वहाँ तो कोई मरते नहीं। मुख से कभी ऐसे नहीं कहेंगे फलाना मर गया। आत्मा कहती है हम यह जड़जड़भूत शरीर छोड़कर नया लेता हूँ। वह तो अच्छा हुआ ना। वहाँ कोई बीमारी आदि होती नहीं। मृत्युलोक का नाम नहीं। *मैं आया हूँ तुमको अमरपुरी का मालिक बनाने।* वहाँ जब तुम राज्य करेंगे तो मृत्युलोक का कुछ भी याद नहीं पड़ेगा।

उत्तर 26- *B.माथा टेकने के लिए*

मोस्ट स्वीट बाबा को जितना याद करेंगे उतना वर्सा मिलेगा। तुम बहुत धनवान बनेंगे। *बाप तुमको ऐसा नहीं कहते हैं कि माथा टेको।* मेले मलाखड़े में जाओ। नहीं। घर में बैठे बाप और वर्से को याद करो। बस।

माथा टेकने के लिए चाखड़ी रखते हैं, *मुझे तो पैर हैं नहीं जो तुमको माथा टेकना पड़े।*

भक्ति मार्ग में भी बहुत भटकते हैं, जिसको माथा टेकते उनको जानते नहीं। बाप आकर भटकने से छुड़ा देते हैं। समझाया जाता है।

उत्तर 27- *D.पैसे के लिए*

अविनाशी बाप अविनाशी पुरुषार्थ कराते हैं। यहाँ तो पैसे के लिए क्या नहीं करते हैं - बाप बच्चों को, बच्चे बाप को भी मार डालते हैं। पैसा इकट्ठा करने के लिए आजकल बड़े-बड़े जो भी ऑफिसर्स हैं, लाइसेन्स देते हैं, इतना रिश्त खींचते हैं, इतना पैसा लेते हैं, बात नहीं पूछो। 50-50 लाख का केस करते हैं रिश्त खाने का। जो लोग अखबार पढ़ते हैं, जो पढ़े-लिखे हैं वो जानते हैं कि करोड़ों रुपया खा जाते हैं। फिर उनके ऊपर केस चलते हैं। *पैसे के लिए मनुष्य को कितना पाप करना पड़ता है।*

उत्तर 28- *B.दुःख के बन्धन*

अभी तुम जानते हो बेहद के बाप से हम स्वर्ग के घनेरे सुख पा रहे हैं। यह दुःख के सब बन्धन खलास हो जायेंगे। सतयुग में है सुख का सम्बन्ध। *कलियुग में है दुःख का बन्धन।* बाप सुख के सम्बन्ध में ले जाते हैं। उनको कहा ही जाता है - दुःख हर्ता सुख कर्ता।

उत्तर 29- *C.विकारी वातावरण में रहते न्यारे प्यारे रहने से*

पाण्डव वातावरण के विकारी वायब्रेशन के बीच ज्यादा रहते हैं, इसलिए ऐसे वातावरण में रहते हुए न्यारे और प्यारे रहते हैं तो उनको इस सफलता में शक्तियों से एक्स्ट्रा मार्क्स मिलती हैं। लेकिन इस लॉटरी को और ज्यादा कार्य में लाओ व ऐसा गोल्डन चान्स और ज्यादा लेना।

उत्तर 30- *C.जो संकल्प में विकारी दृष्टि और वृत्ति रखते हैं*

वास्तव में ब्राह्मण आत्मा अगर *संकल्प में विकारी दृष्टि और वृत्ति रखती है अर्थात् इस चमड़ी को देखती है, चमड़ी अर्थात् जिसम द्वारा विकारी भावना रखते हैं तो ऐसी भावना रखने वाले भी महापापी की लिस्ट में आ जाते हैं।* ब्राह्मण जीवन में बड़े से बड़ा पाप व दाग इस विकारी भावना का गिना जाता है।

उत्तर 31- *B.स्वयं को परिवर्तन करने की शक्ति*

यह स्मृति कायम रहती है कि मुझे परिवर्तन करना है? *विश्व को परिवर्तन करने वाले पहले स्वयं को परिवर्तन करते हैं।* जो स्वयं का परिवर्तन किसी भी बात में नहीं कर पाते, वे विश्व के परिवर्तन का कार्य करने अर्थ निमित्त* कैसे बन सकते हैं? अभी-अभी बापदादा डायरेक्शन दें कि एक सेकेण्ड में अपनी स्मृति को परिवर्तन कर लो अर्थात् स्वयं को देह नहीं आत्मा के स्वरूप में स्थित होकर देखो

उत्तर 32- *D.A और C*

किसी की विशेषता के कारण उससे विशेष स्नेह हो जाना - ये भी लगाव है। (10.10.21 का स्लोगन)

वर्तमान समय रूहानी दृष्टि और वृत्ति के अभ्यास की बहुत आवश्यकता है। 75 प्रतिशत इस रुहानियत के अभ्यास में कमज़ोर हैं। मैजॉरिटी *किसी-न-किसी प्रकार के प्रकृति के आकर्षण के वशीभूत हो ही जाते हैं।* व्यक्ति व वैभव कभी-न-कभी अपने वश कर लेता है। उसमें भी मन्सा संकल्प के चक्कर में खूब परेशान होने वाले हैं। इस परेशानी के कारण स्वयं से दिलशिकस्त भी हो जाते हैं।

भाग - (75)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- सतयुग में ऊँच पद किस आधार पर मिलता है ?

- A- सतोप्रधान बनने के आधार पर
- B- बाप की याद में रहने के आधार पर
- C- विकर्म विनाश होने के आधार पर
- D- पवित्रता के आधार पर

प्रश्न 2- एक भी विकार होगा तो क्या होगा ?

- A- सतयुग में नहीं जा सकेंगे
- B- बाप से वर्सा नहीं मिलेगा
- C- लक्ष्मी को वर नहीं सकते
- D- निर्विकारी नहीं कहलाएंगे

प्रश्न 3- सुखधाम में किसका वर्सा है ?

- A- राम का
- B- निराकार का
- C- बेहद के बाप का
- D- लक्ष्मी-नारायण का

प्रश्न 4- इस पढ़ाई में नम्बरवन सब्जेक्ट कौनसी है ?

- A- श्रीमत
- B- पवित्रता
- C- धारणा
- D- योग

प्रश्न 5- हमें किस बात का पुरुषार्थ करना है?

- A- बाप समान बनने का
- B- सपूत बच्चा बनने का
- C- माया को हराने का
- D- बाप से पूरा वर्सा लेने का

प्रश्न 6- बाप डरने के लिए क्यों मना करते हैं ?

- A- क्योंकि हम भगवान के बच्चे हैं।
- B- डरने से बाप का प्यार नहीं मिलेगा
- C- डरने से ऊँच पद नहीं मिलेगा
- D- स्वयं भगवान हमारा साथी हैं।

प्रश्न 7- सतयुग में कौन देर से आते हैं ?

- A- त्रेता वाले
- B- पवित्रता की कम धारणा वाले
- C- 9 लाख के बाद वाली जनसंख्या
- D- गृहस्थ वाले

प्रश्न 8- यहाँ का कौन सा कायदा है ?

- A- पवित्र रहना
- B- याद की यात्रा
- C- दे दान तो छूटे ग्रहण
- D- नर से नारायण बनना

प्रश्न 9- अत्याचार किस पर होते हैं ?

- A- द्रोपदी पर
- B- माताओं पर
- C- सीता पर
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 10- यह विमान आदि कौन बना सकते हैं ?

- A- भारतवासी
- B- डबल विदेशी
- C- अक्लमंद
- D- साइंस वाले

प्रश्न 11- बाबा भी नया और क्या नया है ?

- A- ज्ञान भी नया
- B- भाग्य भी नया
- C- बातें भी नई
- D- वर्सा भी नया

प्रश्न 12- बाप पर निश्चय है तो क्या करना पड़े ?

- A- देही- अभिमानी बने
- B- महावीर बने
- C- पवित्र बने
- D- श्रीमत पर चले

प्रश्न 13- गृहस्थ व्यवहार में रहते मुझे याद करने से क्या होगा ?

- A- पाप बढ़ेंगे नहीं
- B- पास्त के विकर्म विनाश होंगे
- C- नम्बरवन में आ जायेंगे
- D- A और C
- E- A और B

प्रश्न 14- वर्से का हकदार कौन बनता है ?

- A- अज्ञाकारी बच्चे
- B- फरमानबरदार बच्चे
- C- श्रीमत प्रमाण बच्चे
- D- A और B
- E- A,B और C

प्रश्न 15- दुनिया के लोग मुख्य रूप से क्या नहीं जानते ?

- A- कि भगवान आया हुआ है
- B- हम 84 जन्म लेते हैं।
- C- नई दुनिया की स्थापना हो रही है।
- D- परमात्मा ज्योतिर्बिन्दु है।

प्रश्न 16- माया के तूफानों से लड़ने के बजाय क्या बनो ?

- A- बाप समान
- B- सर्वगुणसम्पन्न
- C- अचल- अडोल
- D- वारिस

प्रश्न 17- पूरी- पूरी हिम्मत किसमें करनी है ?

- A- श्रीमत पर चलने में
- B- पवित्र बनने में
- C- फोलो फादर करने में
- D- रचना को हाथ में रखने में

प्रश्न 18- बाप का वर्सा किस आधार पर है ?

- A- ज्ञान
- B- योग
- C- धारणा
- D- सेवा

प्रश्न 19- सुख और आनन्द का आधार क्या है ?

- A- परमात्म प्यार
- B- आत्मिक लव
- C- कर्मबन्धन का हिसाब
- D- घर बैठे भी योग लगाना

प्रश्न 20- विकारों में जाने से क्या होता है ?

- A- पवित्रता खत्म
- B- बाप से सर्व सम्बन्ध समाप्त
- C- विजयमाला में नहीं
- D- पद भ्रष्ट

प्रश्न 21- निर्माण अवस्था किसे कहते हैं ?

- A- शान्ति की अवस्था को
- B- हैपीनेस को
- C- रिटायर लाइफ
- D- गोड़ली एजुकेशन को

प्रश्न 22- कर्मबन्धन का हिसाब होगा तो क्या होगा ?

- A- बाप के पास नहीं आयेंगे
- B- वारिस नहीं बनेंगे
- C- वर्सा नहीं लेंगे
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 23- एजुकेशन को क्या कहा जाता है?

- A- ब्लिस
- B- पीस
- C- हैपीनेस
- D- प्युरीफाय

प्रश्न 24- जो कर्मेन्द्रियजीत नहीं बनेंगे वो कहाँ आयेंगे ?

- A- सूर्यवंशी घराने के लास्ट में
- B- चंद्रवंशी घराने में
- C- 1 जन्म में
- D- स्वर्ग के लास्ट में

प्रश्न 25- रामायण, महाभारत और किसका आपस में बहुत गहरा कनेक्शन है ?

- A- शिवबाबा का
- B- बापदादा का
- C- कृष्ण का
- D- गीता का

प्रश्न 26- महाभारत लड़ाई से क्या होगा ?

- A- रावण खत्म
- B- रावण राज्य खत्म
- C- स्वर्ग की स्थापना
- D- A और B
- E- B और C

प्रश्न 27- पीस और हैपीनेस का गोड़ली अधिकार किससे लेना है ?

- A- परमात्मा से
- B- योग से
- C- ब्लिस से
- D- पढ़ाई से

प्रश्न 28- जो पढ़ेगा वह क्या बनेगा ?

- A- नवाब
- B- सर्वेन्ट
- C- बिल्वड
- D- वारिस

प्रश्न 29- अब बाबा गले में कौन सा लॉकेट पहनाते हैं ?

- A- गीता का
- B- त्रिमूर्ति का
- C- राजाई का
- D- B और C

प्रश्न 30- देही अभिमानी बनने से क्या होगा ?

- A- घड़ी घड़ी भूलेंगे नहीं
- B- विघ्न नहीं आएंगे
- C- मेहनत नहीं लगेगी
- D- विकर्म नहीं होंगे

प्रश्न 31- गीता सुनकर तुम किस लायक बनते हो ?

- A- कृष्ण
- B- अर्जुन
- C- विश्व के मालिक
- D- भक्त

प्रश्न 32- गीता में कौनसे दो अक्षर आते हैं ?

- A- अल्फ-बे
- B- मनमनाभव-मामेकम
- C- मनमनाभव-मध्याजीभव
- D- मामेकम-मध्याजीभव

भाग (75) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *D.पवित्रता के आधार पर*

सतयुग में पवित्रता के आधार पर ऊंच पद मिलता है। जो पवित्रता की कम धारणा करते हैं वह सतयुग में देरी से आते हैं और पद भी कम पाते हैं। यहाँ जब कोई आता है तो उन्हें कायदा सुनाओ - दे दान तो छूटे ग्रहण। 5 विकारों का दान दो तो तुम 16 कला सम्पूर्ण बन जायेंगे।

उत्तर 2- *C.लक्ष्मी को वर नहीं सकते*

5 विकारों का दान दो। अपनी दिल से पूछो हम सर्वगुण सम्पन्न, सम्पूर्ण निर्विकारी बने हैं? नारद का मिसाल है ना। *एक भी विकार होगा तो लक्ष्मी को वर कैसे सकेंगे।* कोशिश करते रहो, खाद को आग लगाते रहो। सोना जब गलाते हैं, गलते-गलते यदि आग ठण्डी हो जाती है तो खाद निकलती नहीं है, इसलिए पूरी आग में गलाते हैं।

उत्तर 3- *C.बेहद के बाप का*

तुम पहले-पहले सतोप्रधान थे फिर सतो, रजो, तमो में आये। तमोप्रधान बने हो। इस समय 5 तत्व भी तमोप्रधान हैं इसलिए दुःख देते हैं। हर चीज़ दुःख देती है। यही तत्व जब सतोप्रधान होते हैं - तब सुख देते हैं। उसका नाम ही है - सुख-धाम। यह है दुःखधाम। *सुखधाम है बेहद के बाप का वर्सा।* दुःखधाम है रावण का वर्सा, अब जितना श्रीमत् पर चलेंगे, उतना ऊंच बनेंगे।

उत्तर 4- *B.पवित्रता*

जहाँ तक मेरा पार्ट है, तुमको पढ़ाता रहूँगा। यह भी ड्रामा में नूँध है। जब कर्मातीत अवस्था को पायेंगे तब पढ़ाई पूरी होगी। बच्चे भी समझ जायेंगे। पिछाड़ी में इम्तहान की रिजल्ट मालूम होती है ना। *इस पढ़ाई में नम्बरवन सब्जेक्ट है - पवित्रता की।* जब तक बाबा की याद नहीं रहती है, बाप की सर्विस नहीं करते हैं, तब तक आराम नहीं आना चाहिए।

उत्तर 5- *D.बाप से पूरा वर्सा लेने*

मौत सामने खड़ा है इसलिए अब याद की रफ्तार को बढ़ाना है। *सतयुगी दुनिया में ऊंच पद पाने का पूरा पुरुषार्थ करना है।*.....पुरुषार्थ पर मदद है ना। तुम भी पुरुषार्थ करेंगे तो ऊंच पद पायेंगे।.....बच्चे समझते हैं कल्प पहले भी बेहद के बाप से वर्सा लिया था अब फिर पढ़कर पा रहे हैं। समय बहुत थोड़ा है। यह तो विनाश हो जायेंगे इसलिए *बेहद के बाप से पूरा वर्सा लेना चाहिए।* वह बाप, टीचर, गुरु भी है।

उत्तर 6- *C.डरने से ऊंच पद नहीं मिलेगा*

बाप को ही सब कहते हैं हे पतित-पावन, लिबरेटर आओ। तो उनको ही तरस पड़ता है। रहमदिल है ना। तो बाप समझाते हैं कि बच्चे कोई भी बात में डरो मत। *डरने से इतना ऊंच पद पा नहीं सकेंगे।*

उत्तर 7- B.पवित्रता की कम धारणा वाले

सतयुग में पवित्रता के आधार पर ऊंच पद मिलता है। *जो पवित्रता की कम धारणा करते हैं वह सतयुग में देरी से आते हैं* और पद भी कम पाते हैं।

उत्तर 8- *C.दे दान तो छूटे ग्रहण*

यहाँ *जब कोई आता है तो उन्हें कायदा सुनाओ - दे दान तो छूटे ग्रहण।* 5 विकारों का दान दो तो तुम 16 कला सम्पूर्ण बन जायेंगे। तुम बच्चे भी अपनी दिल से पूछो कि हमारे में कोई विकार तो नहीं हैं?

उत्तर 9- *B.माताओं पर*

पवित्रता पर बड़ा हंगामा हुआ। भाई, काके, चाचे आदि कितने थे। इसमें बहादुरी चाहिए ना। तुम हो ही महावीर महावीरनी। सिवाए एक के और कोई की परवाह नहीं। ... *अत्याचार, माताओं पर ही होते हैं।*

उत्तर 10- *A.भारतवासी*

राम-राज्य सतयुग में होगा - वहाँ यह विमान आदि सब थे फिर यह सब गुम हो गये। फिर इस समय यह सब निकले हैं। अभी यह सब सीख रहे हैं। जो सीखने वाले हैं वह संस्कार ले जायेंगे। फिर आकर वहाँ विमान बनायेंगे। यह तुमको भविष्य में सुख देने वाले हैं। *यह विमान आदि भारतवासी भी बना सकते हैं।* कोई नई बात नहीं। अक्लमंद तो हैं ना।

उत्तर 11- *C.बातें भी नई*

तुम्हारी बुद्धि का ताला अब खुला है। अब यह है नई बात। *बाबा भी नया, बातें भी नई।* यह बातें किसकी समझ में जल्दी नहीं आयेंगी। जब तकदीर में हो तब कुछ समझें।

उत्तर 12- *D.श्रीमत पर चले*

यहाँ विकार बिगर जन्म हो न सके। मृत पलीती हैं ना। *अब बाप में निश्चय है तो श्रीमत पर पूरी रीति चलना पड़े ना।* हर एक की नब्ज भी देखी जाती है। उस अनुसार राय भी दी जाती है।

उत्तर 13- *E.A और B*

सभी को यही कहा कि *गृहस्थ व्यवहार में रहते मुझे याद करने से तुम्हारे पाप बढ़ेंगे नहीं और पास्त के विकर्म विनाश होंगे।* अभी भी बाप समझाते हैं, तुम ही भारतवासी सतयुग में जो सतोप्रधान थे, वह इस समय 84 जन्म लेते-लेते अब तुम्हारी आत्मा तमोप्रधान बन गई है।.....सतोप्रधान तब बनेंगे जब मुझ पतित-पावन बाप को याद करेंगे। इस योग अग्नि से ही पाप भस्म होंगे और आत्मा सतोप्रधान बन जायेगी।

उत्तर 14- *D. A और B*

बाप कहते हैं तुम भी अपनी रचना को हाथ में रखो। अगर बच्चा तुम्हारी आज्ञा नहीं मानता है तो बच्चा, बच्चा नहीं। वह तो कपूत ठहरा। *आज्ञाकारी, फरमानबरदार बच्चा हो तो वर्से का हकदार बन सकता।*

उत्तर 15- *A.कि भगवान आया हुआ है*

अब बाप आकर फिर से एक धर्म स्थापन कर रहे हैं। तुम बच्चे राजयोग सीख रहे हो। जरूर भगवान ही राजयोग सिखायेंगे। यह किसको पता नहीं है। बाप ही नई दुनिया की राजधानी स्थापन कर रहे हैं। तो बच्चों को महावीर बनना है। *दुनिया में यह कोई थोड़े ही जानते कि भगवान आया हुआ है।*

उत्तर 16- *C.अचल-अडोल*

रावण के राज्य में रहते हुए हम राम के बने हैं तो माया महावीरो से महावीर बनकर लड़ेगी। विजयी बनने के लिए सर्व शक्तिमान का साथ और हाथ बहुत जरूरी है। बालक सो मालिक की स्मृति से बाप को आगे करदो और आप रूहानी मोजो में रहो।.... *महावीर बनो, माया के तूफानों से लड़ने के बजाए अचल-अडोल बनो।*

उत्तर 17- *A.श्रीमत पर चलने में*

तुम्हारी आत्मा ज्ञान का सागर बन रही है। सारी सृष्टि के आदि मध्य अन्त का ज्ञान तुमको है। *मीठे बच्चों को हिम्मत रखनी चाहिए। हमको बाबा की श्रीमत पर चलना चाहिए ना।*

उत्तर 18- *A.ज्ञान*

यह गाडली एज्युकेशन ब्लिस है ना, जिससे सुप्रीम पीस एण्ड हैपीनेस मिलती है। यह अटल अखण्ड सुख शान्तिमय स्वराज्य है गॉड की प्रापर्टी, जो बच्चों को मिलती है। फिर *जितना-जितना जो ज्ञान उठायेंगे, उतना बाप का वर्सा मिल जायेगा।*

उत्तर 19- *B.आत्मिक लव*

ब्लड कनेक्शन में ही दुःख है, तुम्हें उसका त्याग कर *आपस में आत्मिक लव रखना है, यही सुख और आनंद का आधार है।* ...यहाँ हम सबका आत्मिक लव है, जो परमात्मा सिखलाते हैं।

उत्तर 20- *D.पद भ्रष्ट*

जैसे तीर्थ पर जाते हैं तो काम क्रोध सब बन्द कर देते हैं। रास्ते में काम चेष्टा थोड़ेही करेंगे। वह तो सारा रास्ता अमरनाथ की जय,

जय करते जाते लेकिन लौट आते तो फिर वही विकारों में गोता खाते रहते, तुमको तो लौटना नहीं है। काम, क्रोध में आना नहीं है।
विकारों में जायेंगे तो पद भ्रष्ट हो जायेंगे।

उत्तर 21- *C.रिटायर लाइफ*

परमात्मा आकर जो अपनी राजधानी स्थापन करते हैं, उसमें सुख और आनंद है। बाकी इनकारपोरियल दुनिया में तो सुख आनंद की बात ही नहीं, प्रेम की बात ही नहीं है। वह तो है इनकारपोरियल आत्माओं का निवास स्थान। *वह है सबकी रिटायर लाइफ अथवा निर्वाण अवस्था।* जहाँ दुःख सुख की कोई फीलिंग नहीं रहती।

उत्तर 22- *B.वारिस नहीं बनेंगे*

विजय माला में आना है तो विशेष होली (पवित्र) बनने का पुरुषार्थ करो। जब पक्के संन्यासी अर्थात् निर्विकारी बनेंगे तब विजय माला का दाना बनेंगे। *कोई भी कर्मबन्धन का हिसाब-किताब है, तो वारिस नहीं बन सकते, प्रजा में चले जायेंगे।*

उत्तर 23- *A ब्लिस*

बच्चे और प्रजा में रात दिन का फर्क रहता है। वह वारिस बन वर्सा लेते हैं। जैसे तुमने उनसे बल्ड कनेक्शन तोड़ इस निराकार वा साकार की गोद ली है तो वारिस बन गये हो। इसमें भी फिर जितना ज्ञान लेंगे वह है ब्लिस। *एज्युकेशन को ब्लिस कहा जाता है।* तो जितना वह उठायेंगे, उतना उस राजधानी में प्रजा में सुख लेंगे। यह गाडली एज्युकेशन ब्लिस है ना, जिससे सुप्रीम पीस एण्ड हैपीनेस मिलती है। यह अटल अखण्ड सुख शान्तिमय स्वराज्य है गॉड की प्रापटी, जो बच्चों को मिलती है।

उत्तर 24- *B.चंद्रवंशी घराने में*

यह ज्ञान तो सिर्फ अब संगम पर मिलता है जब दैवी धर्म की स्थापना हो रही है। *तो सुनाया जो पूरा कर्मन्द्रियों को नहीं जीतेंगे वह चन्द्रवंशी घराने की माला में चले जायेंगे।* जो जीतेंगे वह सूर्यवंशी घराने में आयेंगे।

उत्तर 25- *D.गीता का*

दशहरा होना माना रावण खत्म होना और सीताओं को छुटकारा मिलना। लेकिन दशहरा मनाने से तो रावण से छुटकारा मिलता नहीं। जब महाभारत होता है तब सब सीताओं को छुटकारा मिल जाता है। महाभारत लड़ाई से रावणराज्य खत्म होता है तो *रामायण, महाभारत और गीता का आपस में बहुत गहरा कनेक्शन है।*

उत्तर 26- *B.रावण राज्य खत्म*

जब महाभारत होता है तब सब सीताओं को छुटकारा मिल जाता है। *महाभारत लड़ाई से रावण राज्य खत्म होता है* तो रामायण, महाभारत और गीता का आपस में बहुत गहरा कनेक्शन है।

उत्तर 27- *D.पढ़ाई से*

पीस और ब्लिस का वरदान लेने के लिए शमा पर पूरा फिदा होना है। *पढ़ाई से सुप्रीम पीस और हैपीनेस का गॉडली अधिकार लेना है।*

उत्तर 28- *A.नवाब*

गाड हिमसेल्फ, जिनके तुम बीलव्ड बच्चे बने हो। प्रजा भी बन रही है लेकिन बच्चे, बच्चे हैं, प्रजा प्रजा है। जो संन्यास करते वह वारिस बन जाते। उनको रॉयल घराने में अवश्य ले जाना है। लेकिन अगर ज्ञान इतना नहीं उठाया है तो पद नहीं पायेंगे। *जो पढ़ेगा वह नवाब बनेगा।* जो आते जाते हैं वह फिर प्रजा में आयेंगे। फिर जितना होली बनेंगे उतना सुख मिलेगा। बीलव्ड तो वह भी बनते लेकिन फुल बिलवेड तब बनते हैं जब बच्चा बनते हैं। समझा।

उत्तर 29- *D. B और C*

यह ज्ञान है कण्ठ करने का। तुमको मालूम है गीता का लॉकेट बनाते हैं। उसमें छोटे अक्षर होते हैं। *अब बाबा भी तुम्हारे गले में लॉकेट पहनाते हैं - त्रिमूर्ति और राजाई का।* बाबा कहते हैं गीता है दो अक्षर - अल्फ और बे। यह है गुप्त मन्त्र का लॉकेट मनमनाभव।

उत्तर 30- *B.विघ्न नहीं आएंगे*

वह याद से ही उतरना है, इसमें मेहनत लगती है। घड़ी-घड़ी तुम भूल जाते हो। तुम बाबा को याद करते रहो तो कभी विघ्न नहीं पड़ेंगे। *देह-अभिमानी बनने से विघ्न पड़ते हैं।* देही-अभिमानी बनते हो अन्त में। फिर आधाकल्प कुछ विघ्न नहीं पड़ता। यह कितनी गूढ़ बातें हैं समझने की।

उत्तर 31- *C.विश्व के मालिक*

फिर महाभारत आयेगा तो रावण राज्य खत्म हो रामराज्य शुरू हो जायेगा। रामायण और महाभारत में क्या फर्क है? रामराज्य की स्थापना और रावणराज्य का विनाश होने का है। *गीता सुनकर तुम विश्व का मालिक बनने लायक बनते हो।* गीता और महाभारत भी है अभी के लिए।

उत्तर 32- *C.मनमनाभव-मध्याजीभव*

लड़ाई है 5 विकारों पर जीत पाने की। *तुमको बाप गीता के दो अक्षर सुनाते हैं मनमनाभव-मध्याजी भव।* गीता के शुरू में और अन्त में यह दो अक्षर आते हैं। बच्चे समझते हैं - बरोबर गीता का एपीसोड चल रहा है।

भाग - (76)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- वह जिस्मानी नॉलेज जैसे है, यह है सच्चा..... ?

- A- वॉल्यूम, गीता ज्ञान
- B- घी, घासलेट
- C- घासलेट, घी
- D- महाभारत, गीता ज्ञान

प्रश्न 2- जो हड़डी सर्विस करेंगे वह क्या बनेंगे ?

- A- महाराजा
- B- राजकुमार
- C- महाराजकुमार
- D- विश्व महाराजन

प्रश्न 3- कर्म करते स्वयं को....समझ एक मुझ.....को याद करो ?

- A आत्मा, परमात्मा
- B- आशिक, माशूक
- C- बिंदु, बिंदु
- D- परवाना, शमा

प्रश्न 4- जन्म जन्मांतर के जो पाप हैं जिसके कारण कट चढ़ी हुई है,वह सब कैसे निकलेगी ?

- A- दृष्टि और वृत्ति को पवित्र बनाने से
- B- ज्ञान का मंथन करने से
- C- पुण्य का खाता बढ़ाने से
- D- बाप की याद में रहने से

प्रश्न 5- तुम चिट्ठी कैसे लिखते हो ?

- A- टू शिव बाबा
- B- टू ब्रह्मा बाबा
- C- टू शिव बाबा केयर ऑफ ब्रह्मा
- D- टू ब्रह्मा बाबा केयर ऑफ शिव बाबा

प्रश्न 6- शिव बाबा ने हमको गोद मे लेकर कौनसा बच्चा बनाया है ?

- A- मीठा बच्चा
- B- सिकीलधा बच्चा
- C- धर्म का बच्चा
- D- प्यारा बच्चा

प्रश्न 7- बाप किसलिए आया है ?

- A- मिलन मनाने
- B- साथ ले जाने
- C- देही- अभिमानी बनाने
- D- स्वयं का परिचय देने

प्रश्न 8- मौत के पहले कौन सा पुरुषार्थ करना है ?

- A- पूरी पढ़ाई पढ़ने का
- B- याद में रहने का
- C- अपना सब कुछ सफल करने का

D- तन मन धन से सेवा करने का

प्रश्न 9- बाबा ने किसके मुआफ़िक मुट्ठी बन्द मत करने को कहा ?

- A- चींटी
- B- बन्दर
- C- बादशाह
- D- बच्चे

प्रश्न 10- पुरुषार्थ में आगे नम्बर कौनसे बच्चे लेते हैं ?

- A- जो निश्चय बुद्धि होते हैं।
- B- जो पूरा पूरा बलि चढ़ते हैं।
- C- जो न्यारा प्यारा रहते हैं।
- D- जो याद और सेवा का बैलेंस रखते हैं

प्रश्न 11- बाप को याद करने से क्या बन जायेंगे ?

- A- नर से नारायण
- B- तमोप्रधान से सतोप्रधान
- C- पतित से पावन
- D- देही- अभिमानी

प्रश्न 12- निराकार टीचर बन किसको पढ़ाता है?

- A- बच्चों को
- B- टीचर को
- C- आत्माओं को
- D- सालिग्रामों को

प्रश्न 13- महारथी को भी कौन मूर्छित कर देती है ?

- A- माया
- B- असंतुष्टता
- C- छोटी चींटी
- D- मुश्किल बनाने की आदत

प्रश्न 14- कई बच्चों की जन्मपत्री में क्या होता है ?

- A- रहम- ही -रहम
- B- लापरवाही- डोंटकेयर
- C- सरकमस्टॉश प्रमाण
- D- सहज पालना की श्रेष्ठ स्थिति

प्रश्न 15- सर्वश्रेष्ठ पोजीशन कौन सी है ?

- A- हमें भगवान स्वयं पढ़ाता है।
- B- हम ऑलमाइटी अथॉरिटी के बच्चे हैं।
- C- हम आत्माओं का कल्याण करने वाली अथॉरिटी स्वरूप है।
- D- हम शान्ति के सागर के बच्चे हैं।

प्रश्न 16- किसका स्नेह एक- दो से ज्यादा है?

- A- ब्रह्मा माँ- बच्चों का
- B- बाप- बच्चों का
- C- भाई- भाई का
- D- ब्राह्मण परिवार का

प्रश्न 17- अभी तुम बच्चे जान गए हो कि हमको यहाँ क्या समझकर बैठना है ?

- A- स्टूडेंट
- B- आत्मा
- C- बच्चा
- D- भाई बहन

प्रश्न 18- आत्मा क्या है यह नहीं जानते तो फिर को कैसे जानेंगे ?

- A- सृष्टि चक्र
- B- झाड़
- C- ड्रामा
- D- परमात्मा

प्रश्न 19- अपनी बुद्धि को किसमे बिजी रखने से सब फिकरातों से फारिग हो जाएंगे ?

- A- पुरुषार्थ में
- B- सेवा में
- C- ज्ञान मंथन में
- D- एक बाप की याद में

प्रश्न 20- जो अपने को शिव बाबा के यज्ञ का सर्वेंट समझते हैं उनकी निशानी क्या होगी?

- A- देही अभिमानी होंगे
- B- फरमानबरदार होंगे
- C- वरफादार होंगे
- D- जो बोलेंगे वो फौरन मान लेंगे

प्रश्न 21- कौन सी स्मृति से सहजयोग का अनुभव होगा ?

- A- स्वमान
- B- ईश्वरीय प्राप्ति
- C- करनकरावनहार
- D- मनमनाभाव

प्रश्न 22- इच्छाएं के समान हैं आप पीठ कर दो तो पीछे पीछे आएंगी ?

- A- परछाई
- B- विष
- C- माया
- D- दुःख

प्रश्न 23- चलन खराब होगी तो ?

- A- धारणा नहीं होगी
- B- योग नहीं लगेगा
- C- सौगुना दंड पड़ जायेगा
- D- त्रेता में आ जाएंगे

प्रश्न 24- देहधारियों को याद करने से..... ?

- A- दुःख मिलेगा
- B- विकर्म बनेंगे
- C- वर्सा नहीं मिलेगा
- D- खुशी नहीं रहेगी

प्रश्न 25- दुनिया में किसी को क्या पता नहीं है ?

- A- हमको कौन पढ़ाता है
- B- हम शिवबाबा की सन्तान हैं
- C- हम आत्मा है
- D- भगवान निराकार हैं

प्रश्न 26- लक्ष्मी- नारायण तो क्या होकर गये ?

- A- सबसे बड़े किंग- क्वीन
- B- महाराजा- महारानी
- C- फर्स्ट नम्बर प्रिन्स- प्रिन्सेज
- D- राजा- रानी

प्रश्न 27- इस ज्ञान के सिवाय बाकी सब क्या है ?

- A- व्यर्थ बातें
- B- कलियुगी बातें
- C- सत्यानाश करने वाली बातें
- D- देह-दुनिया की बातें

प्रश्न 28- शरीर निर्वाह अर्थ तुमको धंधा आदि भी करना है और साथ साथ..... भी ?

- A- बाबा को याद
- B- ज्ञान का चिन्तन
- C- रूहानी सर्विस
- D- धारणा

प्रश्न 29- यहाँ किसकी मत पर चलना है ?

- A- बाप की मत पर
- B- टीचर की मत पर
- C- गुरु की मत पर
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 30- इनमें से कौन नहीं बोलते ?

- A- शिव बाबा
- B- ब्रह्मा
- C- विष्णु
- D- शंकर

प्रश्न 31- रावण का श्राप मिलने से उतरते हैं। उतरने में टाइम तो लगता है। कितनी सीढ़ी उतरनी पड़ती है ?

- A- 62
- B- 63
- C- 21
- D- 84

प्रश्न 32- इन लक्ष्मी नारायण को भी कहेंगे..... क्योंकि सारे विश्व के मालिक हैं ?

- A- भगवान
- B- पवित्र
- C- सर्वशक्तिमान
- D- महाराजा महारानी

भाग (76) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *C. घासलेट, घी*

वह जिस्मानी नॉलेज जैसे घासलेट है, यह है सच्चा घी। तो रात-दिन का फर्क है ना। रावण राज्य में तुमको घासलेट खाना पड़ता है। आगे इतना सस्ता सच्चा घी मिलता था, फिर महंगा हो गया तो घासलेट (तेल) खाना पड़ा।

उत्तर 2- *C. महाराजकुमार*

जब कहते हैं हम बाबा से वर्सा लेने आये हैं तो वह नशा क्यों नहीं चढ़ता! स्वीट होम, स्वीट राजधानी भूल जाती है। बाबा जानते हैं *जो हड्डी सर्विस करते हैं वही महाराजकुमार बनेंगे।* तुमको यह नशा क्यों नहीं रहता है? क्योंकि याद में नहीं रहते हैं। सर्विस में पूरा तत्पर नहीं रहते हैं। कभी तो सर्विस में उछल पड़ते, कभी ठण्डे हो जाते। यह हर एक अपने से पूछो - ऐसा होता है ना।

उत्तर 3- *B. आशिक, माशूक*

कर्म करते स्वयं को आशिक समझ एक मुझ माशूक को याद करो, याद से ही तुम पावन बन पावन दुनिया में जायेंगे।

उत्तर 4- *D. बाप की याद में रहने से*

यह पारलौकिक बाप ही कहते हैं - हे बच्चों। सब बच्चे सुन रहे हैं। न सिर्फ तुम बच्चे परन्तु सभी को कहते हैं। *बच्चे बाप की याद में रहो तो तुम्हारे जन्म-जन्मान्तर के जो पाप हैं, जिसके कारण कट चढ़ी हुई है, वह सब निकल जायेगी* और तुम्हारी आत्मा सतोप्रधान बन जायेगी।

उत्तर 5- *C.टू शिव बाबा केयर ऑफ ब्रह्मा*

बाप खुद कहते हैं मैं इस पुराने तन में प्रवेश करता हूँ। यह भी पतित से पावन बन रहे हैं। यह किसने कहा? शिवबाबा ने। यह भी पावन बन रहे हैं। इनका भी मेरे साथ हिसाब-किताब है। इनके साथ कोई का हिसाब-किताब नहीं। *तुम चिट्ठी लिखते हो - शिवबाबा केअर आफ ब्रह्मा।* परन्तु माया ऐसी है जो निरन्तर याद करने नहीं देती है। बुद्धियोग घड़ी-घड़ी तोड़ देती है।

उत्तर 6- *C.धर्म का बच्चा*

तुमको सम्मुख बैठ बाप समझाते हैं। फिर भी नशा नहीं चढ़ता है। *ओहो! शिवबाबा ने हमको गोद में लिया है। धर्म का बच्चा बनाया है।* परन्तु सबको तो यहाँ पर नहीं रखेंगे ना। हजारों बच्चे हैं। सबको यहाँ कैसे रखेंगे, इतनी जगह कहाँ है! बाप कहते हैं - तुमको रहना अपने घर में ही है। बाप को याद करना है। सबसे मीठा जो बेहद का बाप है, उनके तुम बच्चे बने हो।

उत्तर 7- *B.साथ ले जाने*

बाबा आकर इस ब्रह्मा तन द्वारा पढ़ाते हैं। तो बच्चे भल कहाँ भी हों, किसी भी सेन्टर पर हों, जानते हो ज्ञान सागर पारलौकिक परमपिता परमात्मा से हमको जीवनमुक्ति का अथवा राजाई का वर्सा पाना है। अगर हम पढ़ाई छोड़ देंगे तो वर्सा पा नहीं सकेंगे। *बाप तो आये हैं साथ ले जाने।* नई दुनिया स्थापन हो जायेगी फिर सबको खिवैया ले जायेंगे।

उत्तर 8- *B.याद में रहने का*

मौत के पहले जितना हो सके याद में रहने का पुरुषार्थ कर लो, इससे ही तुम्हारी कमाई है। मेरा बच्चा बनकर कभी भूल से भी कोई पाप कर्म नहीं करना। भल माया के कितने भी तूफान आयें लेकिन पतित तो कभी नहीं बनना।

उत्तर 9- *B.बन्दर*

बाबा बोले, बेगर बन जाओ तो फिर ऐसा प्रिन्स बनाऊंगा, साक्षात्कार करा दिया। ख्याल आया - अब यह क्या करेंगे। विनाश होना ही है। *बाबा ने कहा बन्दर मुआफिक मुट्ठी बन्द नहीं करो, खोल दो।* झट खोल दी। नहीं तो इतने बच्चों का खर्चा कैसे चलता। बच्चू बादशाह, पीरू वजीर यह हो गया। एक को ही पैसे के लिए पकड़ लिया।

उत्तर 10- *B.जो पूरा पूरा बलि चढ़ते हैं।*

जो बाप पर पूरा-पूरा बलि चढ़ते हैं अर्थात् कुर्बान जाते हैं, सबसे आगे वही जाते। बाप पर बच्चे कुर्बान जाते और बच्चों पर बाप कुर्बान जाते। तुम अपना कखपन, पुराना तन-मन-धन बाप को देते और बाप तुम्हें विश्व की बादशाही देता इसलिए उसे गरीब निवाज़ कहा जाता है। गरीब भारत को ही दान देने बाप आये हैं।

उत्तर 11- *B.तमोप्रधान से सतोप्रधान*

बाप समझाते हैं मुझे याद करो तो तुम तमोप्रधान से सतोप्रधान बन जायेंगे। याद तो तुम बाप को भी करते हो, पति को भी करते हो। अब मैं तुम्हारा पतियों का पति, बापों का बाप हूँ, टीचर भी हूँ। मैं तुम्हारा सब कुछ हूँ।

उत्तर 12- *D.सालिग्रामों को*

तुम्हारी बुद्धि जानती है - *बाबा है निराकार, वह टीचर बनकर हम सालिग्रामों को पढ़ाते हैं।* कहते हैं बच्चों, हम फिर से तुमको विश्व का मालिक बनाने आया हूँ। 5 हजार वर्ष पहले भी तुम स्वर्ग के मालिक थे, याद है ना। संगम पर ही तुमको बनाया था।

उत्तर 13- *C.छोटी चींटी*

इन सब बातों का सहयोग ही सहजयोगी बना देता है। नहीं तो कभी छोटा सा सरकमस्टांश, साधन, समय, साथी आदि भले होते चींटी समान हैं लेकिन *छोटी चींटी महारथी को भी मूर्च्छित कर देती है।* मूर्च्छित अर्थात् वरदानों की सहज पालना की श्रेष्ठ स्थिति से नीचे गिरा देती है।

उत्तर 14- *A.रहम- ही -रहम*

अपने परिवार की कमी अपनी कमी होती है, इसलिए बाप को घृणा नहीं लेकिन रहम आता है। बापदादा कभी-कभी बच्चों की आदि से अब तक की जन्मपत्री देखते हैं। *कई बच्चों की जन्मपत्री में रहम-ही-रहम होता है* और कई बच्चों की जन्मपत्री राहत देने वाली होती है। अपनी आदि से अब तक की जन्मपत्री चेक करो।

उत्तर 15- *B.हमऑलमाइटी अथॉरिटी के बच्चे हैं*

ऑलमाइटी अथॉरिटी के बच्चे हैं, यह भूल जाते हो। आजकल छोटी-मोटी अथॉरिटी रखने वाले कितनी खुमारी में रहते हैं। तो ऑलमाइटी अथॉरिटी वाले कितनी खुमारी में रहने चाहिए? शास्त्रवादी जो अपने को शास्त्रों की अथॉरिटी मानते हैं वह भी कितनी खुमारी में, कितना उल्टी नालेज के निश्चय में रहते हैं। किसने सुनाया, किसने देखा, कुछ भी पता नहीं। फिर भी शास्त्रों की अथॉरिटी मानने के कारण अपनी हार कभी नहीं मानेंगे। तो आप लोगों की सर्व से श्रेष्ठ अथॉरिटी है। ऐसे अथॉरिटी से किसके भी सामने जाओ तो सभी सिर झुकायेंगे।

उत्तर 16- *B.बाप- बच्चों का*

बाप का स्नेह और बच्चों का स्नेह दोनों एक-दो से ज्यादा ही है। स्नेह मन को और तन को अलौकिक पंख लगाए समीप ले आता है। स्नेह ऐसा रूहानी आकर्षण है जो बच्चों को बाप की तरफ आकर्षित कर मिलन मनाने के निमित्त बन जाता है।

उत्तर 17- *B.आत्मा*

रूहानी बच्चों प्रति रूहानी बाप समझा रहे हैं। *अभी तुम बच्चे जान गये हो कि हमको यहाँ आत्मा समझकर बैठना है।* सारी दुनिया में एक भी ऐसा मनुष्य नहीं होगा जो अपने को आत्मा समझते हो।

उत्तर 18- *D.परमात्मा*

आत्मा क्या है, यही नहीं जानते तो परमात्मा को फिर कैसे जानेंगे। बाप द्वारा ही तुमको आत्मा की समझानी मिलती है कि मूल क्या चीज़ है।

उत्तर 19- *C.ज्ञान मंथन में*

अभी तुम मूलवतन, सूक्ष्मवतन और सतयुग से लेकर कलियुग तक सब राज्यों को जान गये हो। फिर भी बुद्धि में यह क्यों नहीं रहता! तुम भूल क्यों जाते हो? सदैव बुद्धि में यह टपकता रहे तो तुम खुशी में रहेंगे, फिकर से फारिग हो जायेंगे। *अपनी बुद्धि को ज्ञान मंथन में बिजी रखो तो सब फिकरातों से फारिग हो जायेंगे,* सदा खुशी बनी रहेगी।

उत्तर 20- *D.जो बोलेंगे वो फौरन मान लेंगे*

शिवबाबा इस ब्रह्मा मुख से जो कुछ बोलेंगे, उसे वह फौरन मान लेंगे। जो कहे - उसे मानना, इसको ही श्रीमत कहा जाता है। श्री-श्री शिवबाबा की मत पर चलने से ही तुम श्रेष्ठ बनते हो। श्रेष्ठ बनना माना विजय माला में आना।

उत्तर 21- *C.करनकरावनहार*

करन-करावनहार की स्मृति द्वारा सहजयोग का अनुभव करने वाले सफलतामूर्त भव कोई भी कार्य करते यही स्मृति रहे कि इस कार्य के निमित्त बनाने वाला बैकबोन कौन है। बिना बैकबोन के कोई भी कर्म में सफलता नहीं मिल सकती, इसलिए *कोई भी कार्य करते सिर्फ यह सोचो मैं निमित्त हूँ, कराने वाला स्वयं सर्व समर्थ बाप है। यह स्मृति में रख कर्म करो तो सहज योग की अनुभूति होती रहेगी।* फिर यह सहजयोग वहाँ सहज राज्य करायेगा। यहाँ के संस्कार वहाँ ले जायेंगे।

उत्तर 22- *A.परछाई*

सदा अपने मस्तक पर श्रेष्ठ भाग्य की लकीर देखते रहो - वह मेरा श्रेष्ठ ईश्वरीय भाग्य! धन-दौलत का भाग्य नहीं, ईश्वरीय भाग्य। इस भाग्य के आगे धन तो कुछ नहीं है, वह तो पीछे-पीछे आयेगा। जैसे परछाई होती है वह आपेही पीछे-पीछे आती है या आप कहते हो पीछे आओ। तो यह सब परछाई हैं लेकिन भाग्य है - 'ईश्वरीय भाग्य'। सदा इसी नशे में रहो - अगर पाना है तो सदा का पाना है।*इच्छायें परछाई के समान हैं आप पीठ कर दो तो पीछे-पीछे आयेंगी।*

उत्तर 23- *A.धारणा नहीं होगी*

चलन खराब होगी तो फिर धारणा नहीं होगी। किसको समझा नहीं सकेंगे। कदम आगे बढ़ाने का पुरुषार्थ करना चाहिए। पीछे नहीं आना चाहिए।

उत्तर 24- *B.विकर्म बनेंगे*

प्रदर्शनी में सर्विस करने से बहुत खुशी होगी। सिर्फ बताना है कि बाप कहते हैं मुझे याद करो। *देहधारियों को याद करने से विकर्म बनेंगे।* वर्सा देने वाला मैं हूँ। मैं सबका बाप हूँ।

उत्तर 25- *B.हम शिवबाबा की सन्तान हैं*

बड़े आदमी का बच्चा होगा तो जरूर बड़ा इम्तिहान पास करने का ख्याल होगा। तुम जानते हो हम बहुत बड़े बाप के बच्चे हैं। *दुनिया में किसको पता नहीं है - हम शिवबाबा की सन्तान हैं।* तुम बहुत बड़े ऊंच ते ऊंच बाप के बच्चे हो।

उत्तर 26- *A.सबसे बड़े किंग- क्वीन*

बाबा आ करके हमको यह सारी नॉलेज सुनाते हैं, समझ भी चाहिए ना। किसको भी यही बात सुनाओ। यह चित्र है एम आब्जेक्ट। यह *लक्ष्मी-नारायण तो सबसे बड़े किंग क्वीन हो गये हैं।* भारत स्वर्ग था ना। कल की बात है। फिर इन्होंने यह राजगद्दी कैसे गँवाई।

उत्तर 27- *C.सत्यानाश करने वाली बातें*

बाबा परमधाम से आते हैं, हमको पढ़ाते हैं। सारा दिन आपस में यही रूह-रिहान होनी चाहिए। *सिवाए इस ज्ञान के बाकी सब हैं सत्यानाश करने वाली बातें।* बाप समझाते हैं - ईविल बात तो कभी भी सुननी नहीं चाहिए। कल्याण की बातें ही सुनो। नहीं तो मुफ्त अपनी सत्यानाश कर देंगे। बाप तो आकर तुम्हें ज्ञान ही सुनाते हैं।

उत्तर 28- *C.रूहानी सर्विस*

शरीर निर्वाह अर्थ तुमको धन्या आदि भी करना है और साथ-साथ यह रूहानी सर्विस भी। दुनिया की बात अलग है, तुम्हारा तो एक-एक सेकेण्ड का टाइम बहुत वैल्युबुल है। तुम कभी भी ऐसी बातें नहीं सुनो, नहीं करो। इससे तो तुम बेहद के बाप को याद करो तो तुम्हारी बहुत कमाई है। जहाँ तहाँ बाप का परिचय जाकर दो। यही रूहानी सर्विस करते रहो।

उत्तर 29- *D.उपरोक्त सभी*

हम बहुत बड़े ते बड़े बाप के बच्चे हैं। बहुत बड़े सतगुरु की मत पर हम चलते हैं। टीचर की, गुरु की मत पर चलना होता है ना। उनको फालोअर कह देते हैं। *यहाँ बाप की मत पर भी चलना है, टीचर की मत पर भी चलना है, तो गुरु की मत पर भी चलना है।* तुम जानते हो वह हमारा बाप, टीचर, सतगुरु है। उनकी मत पर जरूर चलना है। यह तो एक ही है - ऊंच ते ऊंच है शिवबाबा, वह बोलते हैं।

उत्तर 30- *D.शंकर*

बाबा बच्चों से पूछते हैं शिवबाबा बोलते हैं, अच्छा शंकर बोलते हैं? ब्रह्मा बोलते हैं? विष्णु बोलते हैं? (किसी ने कहा शिव और ब्रह्मा बोलते हैं - विष्णु वा शंकर नहीं बोलते) विष्णु के दो रूप लक्ष्मी-नारायण कहते हो तो फिर क्या बोलते नहीं हैं? गूँगे हैं? विष्णु, लक्ष्मी-नारायण बोलते हैं? *शंकर नहीं बोलते हैं - वह ठीक है।* बाकी तीनों क्यों नहीं बोलेंगे। विष्णु के दो रूप लक्ष्मी-नारायण हैं तो जरूर बोलेंगे ना। मनुष्य शिवबाबा के लिए समझते होंगे कि वह निराकार कैसे बोलेंगे। तुम बच्चे जानते हो शिवबाबा भी इसमें आकर बोलते हैं। ब्रह्मा को भी बोलना होता है। एडाप्टेड हैं ना।

उत्तर 31- *D. 84*

हमने स्वर्ग में आधाकल्प राज्य किया फिर *रावण का श्राप मिलने से उतरते हैं। उतरने में टाइम तो लगता है। 84 पौढ़ी (सीढ़ी) उतरनी पड़ती हैं।* चढ़ती कला में पौढ़ियाँ तो हैं नहीं, अगर पौढ़ियाँ हों तो सेकेण्ड में जीवनमुक्ति कैसे कहा जाए? कहाँ तुमको 2500 वर्ष उतरने में लगते हैं और कहाँ तुम थोड़े ही वर्षों में चढ़ती कला में आ जाते हो।

उत्तर 32- *C.सर्वशक्तिमान्*

तुम आत्मायें सब ब्रदर्स हो। सभी बाप से शक्ति ले रहे हो। वर्सा बाप ही देगा ना। वह बाप ही सर्वशक्तिमान् है। *इन लक्ष्मी-नारायण को भी कहेंगे सर्वशक्तिमान् क्योंकि सारे विश्व के मालिक हैं।* उन्होंने यह राज्य कैसे पाया?

भाग - (77)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- माला के दाने किसको कहा जाता है ?

- A- ब्राह्मणों को
- B- प्रजापिता को
- C- मम्मा- बाबा को
- D- सिजरे को

प्रश्न 2-अन्त मति सो गति कैसे होगी ?

- A- मामेकम याद करो
- B- मनमनाभव
- C- मध्याजी भव
- D- ततत्वम्

प्रश्न 3- हेल्थ वेल्थ है तो क्या है ?

- A- पीस
- B- प्रोसपर्टी
- C- हैप्पी
- D- ब्लिस

प्रश्न 4- हम घर क्यों नहीं जा सकते हैं ?

- A- क्योंकि बाप को ठीक रीति याद नहीं करते
- B- माया ने पंख काट दिए हैं
- C- अभी नई दुनिया की स्थापना हो रही है
- D- अभी हम पुरुषार्थी हैं

प्रश्न 5- सन्यासी सारे दिन क्या कहते रहते हैं?

- A- हिम्मते बच्चे मददे बाप
- B- शिव काशी विश्वनाथ गंगा
- C- अकाल मूर्त
- D- शिवोहम्

प्रश्न 6- शिवबाबा तुम्हारा कौन है ?

- A- बाबा
- B- दादा
- C- बापदादा
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 7- बाप की याद किसके मिसल है?

- A- चींटी
- B- राई
- C- भ्रमरी
- D- पारे

प्रश्न 8- यह सबसे बड़ा कोस है, पहले तो यह बन्द करो। पहले क्या बन्द करना है ?

- A- गऊ कोस
- B- आत्म कोस
- C- काम कटारी
- D- एक दो को दुःख देना

प्रश्न 9- सब फिकरातों से छूटने के लिए क्या करना है ?

- A- बाबा की याद में रहना है
- B- ड्रामा को बुद्धि में रखना है
- C- पतितों को पावन बनाना है
- D- दूसरों का कल्याण करना है

प्रश्न 10- संगमयुग पर सदा स्वयं को क्या समझकर चलो ?

- A- बेफिकर बादरशाह
- B- विश्व के बादशाह
- C- डबल ताजधारी
- D- स्वदर्शन चक्रधारी

प्रश्न 11- बैरिस्टरी, इंजीनियरी आदि सबका मूल माखन है ?

- A- आदि मध्य अंत का नॉलेज
- B- गाँडली नॉलेज
- C- बेहद का नॉलेज
- D- A और C

प्रश्न 12- यह तो सबसे बड़ा यज्ञ है, जिस ज्ञान यज्ञ से ?

- A- सारी सृष्टि स्वाहा होनी है
- B- सारी सृष्टि के दुःख टल जाते हैं
- C- सब पतित से पावन बन जाएंगे
- D- सब विश्व की राजाई पाएंगे

प्रश्न 13- अंत में सभी आत्माएँ अपने अपने सेक्शन में चली जाएंगी, फिर क्या होगा ?

- A- फिर शुरू होगा महाविनाश
- B- फिर होगा कृष्ण का जन्म
- C- फिर शुरू होगा देवी देवता धर्म
- D- फिर से ड्रामा रिपीट होगा

प्रश्न 14- कौन से दो चित्र पर बिल्कुल क्लियर समझाया जा सकता है ?

- A- त्रिमूर्ति, झाड़

- B- सीढ़ी, गोला
- C- गोला, झाड़
- D- त्रिमूर्ति, गोला

प्रश्न 15- गाते भी हैं ज्ञान,भक्ति, वैराग्य। वैराग्य किसका ?

- A- भक्ति का
- B- देह दुनिया का
- C- पुरानी छी छी दुनिया का
- D- मैं और मेरेपन का

प्रश्न 16- रावण को अंग्रेजी में क्या कहते हैं ?

- A- डेविल
- B- इमॉर्टल
- C- एफीजी
- D- ईविल

प्रश्न 17- रात दिन यही चिंतन करो कि....?

- A- पतितों को पावन कैसे बनाएं
- B- पतितों को पावन बनने का रास्ता कैसे बताएं
- C- पावन दुनिया में कैसे जाएं
- D- विकर्म विनाश कैसे हो

प्रश्न 18- अविनाशी सर्जन की दवाई कौन सी है ?

- A- ज्ञान
- B- मुरली
- C- योगबल
- D- मनमनाभाव

प्रश्न 19- सयाने सेंसिबल बच्चे पुरुषार्थ करते हुए कौन सी श्रीमत का ध्यान रखते हैं ?

- A- पवित्र बनने का
- B- याद और सेवा का बैलेंस रखने का
- C- जो हुआ वह ड्रामा
- D- निमित्त बन अनेक आत्माओं का कल्याण करने का

प्रश्न 20- बच्चों की बुद्धि में अभी कौनसी दुनिया है ?

- A- नई दुनिया
- B- पुरानी दुनिया
- C- आत्माओं की दुनिया
- D- A और B

प्रश्न 21- सामने आने से ही साधारण आत्मा अपनी साधारणता को भूल जाएगी क्यों ?

- A- दिव्य नयनों द्वारा दिव्य अनुभूति होगी
- B- साधारण जीवन से आत्माएँ संतुष्ट नहीं हैं
- C- जीवन में कुछ नवीनता चाहिए
- D- अलौकिकता दिव्यता जीवन का आधार है- यह अनुभव करेंगे

प्रश्न 22- की प्यासी आत्माएँ चारों ओर अंचलि लेने के लिए तड़फती हुई दिखाई देंगी ?

- A- दिव्य दृष्टि
- B- नवीनता
- C- दिव्यता
- D- अलौकिकता

प्रश्न 23- किन बच्चों की बुद्धि में सारा ज्ञान रहता है ?

- A- महारथी
- B- ऑलराउंडर

- C- सर्विसएबुल
- D- फरमानबरदार

प्रश्न 24- बच्चों को कौनसा शौक हो तो गद्दीनशीन बन सकते है ?

- A- प्रदर्शनी पर जाने की
- B- भविष्य राजाई लायक बनने का
- C- बाप समान बनने का
- D- ऑलराउंड सर्विस करने का

प्रश्न 25- जब बाजोली खेलते है तब क्या मिलते है ?

- A- पैर और सिर
- B- हाथ और पैर
- C- पाँव और चोटी
- D- हाथ और चोटी

प्रश्न 26- बुद्धि में क्या नहीं रहता है ?

- A- हम शिवबाबा की सन्तान है
- B- हम गोडली स्टूडेंट है
- C- स्वयं भगवान हमको पढ़ाता है
- D- एक बाप दूसरा ना कोई

प्रश्न 27- सुखधाम का मालिक कौन बनेंगे ?

- A- जो सारे कांटे निकाल लेंगे
- B- जो निरन्तर याद मे रहेंगे
- C- जो भारत को स्वर्ग बना रहे
- D- जो सम्पूर्णता के समीप होंगे

प्रश्न 28- दिन-प्रतिदिन प्वाइंट्स बहुत निकलती रहती यह है जैसे?

- A- ज्ञान खजाना
- B- मृगतृष्णा
- C- कस्तूरी
- D- गुह्य बातें

प्रश्न 29- भक्ति मार्ग में मनुष्य ब्रह्मा को क्या कहते है ?

- A- प्रजापिता
- B- त्रिमूर्ति ब्रह्मा
- C- ऊँच ते ऊँच
- D- B और C

प्रश्न 30- सतयुग राजधानी किस आधार पर स्थापन होती है ?

- A- नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार
- B- संगम की पढ़ाई के आधार पर
- C- सर्विस के अनुसार
- D- धारणा के अनुसार

प्रश्न 31- शोभनिक चित्र ऐसे हों जो देखने से ही?

- A- समझ आ जाये
- B- तीर लग जाये
- C- खुशी आ जाये
- D- ज्ञान बैठ जाये

प्रश्न 32- बाबा खुद तो एवर हसीन है। सब को हसीन बनाते हैं ?

- A- आत्माओं को
- B- बच्चों को
- C- सजिनियों को

D- B और C

भाग (77) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *D.सिजरे को*

श्रीमत पर ही हमको चलना है। यह भी तुम जानते हो श्री-श्री शिवबाबा की मत पर हम श्रेष्ठ बनकर माला के दाने बनेंगे। *माला के दाने कहा जाता है सिजरे को।* सिजरा होता है ना फिर वह बढ़ता जाता है। बाबा ने खुद सिजरा बनाया है, यह भी सिजरा है। ऊपर में है निराकारी शिवबाबा, फिर हैं आत्मायें।

उत्तर 2- *A.मामेकम याद करो*

बाप कहते हैं देखो - बच्चे तुमको क्या से क्या बनाता हूँ। अब ऐसे बाप को निरन्तर याद जरूर करना है तो विकर्म विनाश होंगे। *बाप कहते हैं - मामेकम् याद करो तो अन्त मती सो गति हो जायेगी।* जैसा चिंतन किया जाता है वैसा बन जाते हैं, तो बाप कहते हैं मुझे याद करते-करते तुम भी बन जायेंगे।

उत्तर 3- *C.हैप्पी*

यह नॉलेज सोर्स आफ इनकम है। *हेल्थ वेल्थ है तो हैप्पी भी है।* वहाँ कितनी बड़ी आयु होती है। योगेश्वर कृष्ण को नहीं कहेंगे। योगेश्वर तुम हो। ईश्वर तुमको योग सिखा रहे हैं। यह राजयोग है। योग लगाकर तुम राज्यभाग्य पाते हो।

उत्तर 4- *B.माया ने पंख काट दिए है*

जब कोई मरते हैं तो कहते हैं - गॉड फादर को याद करो तो दो फादर सिद्ध होते हैं ना। सभी आत्मायें ब्रदर्स हैं। आत्मा ही पुकारती है हे दुःख हर्ता सुख कर्ता, हे लिबरेटर आओ, हमको घर जाने के लिए गाइड करो। *हमको घर याद है परन्तु जा नहीं सकते क्योंकि माया ने पंख तोड़ डाले हैं।* कोई घर वापिस जा नहीं सकते।

उत्तर 5- *B.शिव काशी विश्वनाथ गंगा*

जमुना-गंगा नाम अभी तक चला आता है। वास्तव में ज्ञान गंगायें तुम हो। जमुना का इतना प्रभाव नहीं जितना गंगा का है। बनारस, हरिद्वार में गंगा है। *वहाँ बहुत साधू आदि जाते हैं। वहाँ जाकर कहते हैं शिव काशी विश्वनाथ गंगा।* विश्वनाथ ने गंगा बहाई, जटाओं से। ऐसे कहते हैं और समझते हैं गंगा के कण्ठ पर रहने से हमारी मुक्ति हो जायेगी। बहुत जाकर काशीवाश करते हैं। विद्वान, पण्डित, आचार्य तो अपने को शिवोहम् कह बैठ पूजा कराते हैं। बहुत करके *संन्यासी लोग हरिद्वार में जाकर रहते हैं। सारा दिन कहते रहते हैं शिव काशी विश्वनाथ गंगा।* बाप कितना अच्छी रीति बैठ समझाते हैं।

उत्तर 6- *A.बाबा*

बापदादा दोनों मिले हुए हैं। बाप-दादा का अर्थ कोई समझ न सके। तार में सही करते हैं, बापदादा। कोई समझ न सके। अरे *शिवबाबा तुम्हारा बाबा है।* प्रजापिता ब्रह्मा दादा है ना। तो बापदादा हुए ना। अब बाप कहते हैं मैं आया हूँ - इन द्वारा तुमको वर्सा देने। शिवबाबा तुम्हारा भी है। प्रजापिता ब्रह्मा भी सबका बाप हो गया। वर्सा शिवबाबा से मिलता है।

उत्तर 7- *D.पारे*

बाप समझाते हैं मीठे-मीठे बच्चे भूलो मत। माया बड़ी प्रबल है। *बाबा की याद पारे मिसल है,* झट भूल जाती है। बाप कहते हैं - भल गृहस्थ-व्यवहार में रहो, सिर्फ पवित्र बनो।

उत्तर 8- *C.काम कटारी*

वह होते हैं मनुष्य सोसायटी की जिस्मानी सर्विस करने वाले। अभी देखो वह कहते हैं गऊ का कोस करना बन्द करो। *तुम लिख सकते हो कि एक दो पर काम कटारी चलाना - यह सबसे बड़ा कोस है। पहले तो यह बन्द करो।* जिसके लिए ही भगवान ने कहा है काम महाशत्रु आदि-मध्य-अन्त दुःख देने वाला है।

उत्तर 9- *B.ड्रामा को बुद्धि में रखना है*

जो कुछ पार्ट चलता है वह ड्रामा अनुसार। आज यहाँ बैठे हो और कल बीमार हो जाते, वह भी कहेंगे ड्रामा अनुसार भोगना भोगनी है। कल्प-कल्प ऐसे होगा। ड्रामा बुद्धि में है इसलिए कोई फिकरात नहीं होती है। *सब फिकरातों से छूटने के लिए ड्रामा को बुद्धि में यथार्थ रीति रखना है।* जो बीता कल्प पहले मुआफिक।

उत्तर 10- *C.डबल ताजधारी*

संगमयुग पर सदा स्वयं को डबल ताजधारी समझकर चलो - एक लाइट अर्थात् प्युरिटी का ताज और दूसरा - जिम्मेवारियों का ताज। प्युरिटी और पावर - लाइट और माइट का क्राउन धारण करने वालों में डबल फोर्स सदा कायम रहता है। ऐसी डबल फोर्स वाली आत्मायें सदा शक्तिशाली रहती हैं। उन्हें सर्विस वा पुरूषार्थ में सदा सफलता प्राप्त होती है।

उत्तर 11- *B.गाँडली नॉलेज*

नॉलेज काहे का? क्या बैरिस्टर सर्जन का नॉलेज? परमात्मा को सृष्टि के आदि-मध्य-अन्त का नॉलेज है। उसमें सब नॉलेज आ जाती है - *बैरिस्टरी, इन्जीनियरी आदि सबका मूल माखन है गॉडली नॉलेज।* वह जिस्मानी नॉलेज पढ़ना, इन्जीनियर आदि बनना कोई बड़ी बात नहीं है।

उत्तर 12- *B.सृष्टि के दुःख टल जाते हैं।*

यज्ञ आदि भी यहाँ रचा जाता है। बाप समझाते हैं यह अन्तिम यज्ञ है फिर सतयुग त्रेता में कोई यज्ञ नहीं होता। किसम-किसम के यज्ञ रचते हैं, बरसात नहीं हुई तो यज्ञ रचेंगे। कोई भी दुःख आता है तो यज्ञ रचते हैं, समझते हैं यज्ञ से दुःख टल जायेंगे। *यह तो सबसे बड़ा यज्ञ है, जिस ज्ञान यज्ञ से सारी सृष्टि के दुःख टल जाते हैं।*

उत्तर 13- *C.फिर शुरू होगा देवी देवता धर्म*

तुम सतयुग के मालिक बन जायेंगे। कितना सहज है। कोई भी धर्म वाला समझ जाए। बताना चाहिए, फलाना धर्म कब स्थापन होता है! *अन्त में सभी आत्मायें अपने-अपने सेक्शन में चली जायेंगी। फिर शुरू होगा देवी-देवता धर्म।* ब्रह्मा द्वारा स्थापना, यह लिखा हुआ है।

उत्तर 14- *D.त्रिमूर्ति, गोला*

ब्रह्मा द्वारा स्थापना, यह लिखा हुआ है। त्रिमूर्ति का चित्र है नम्बरवन। *त्रिमूर्ति और गोला इस चित्र पर बिल्कुल क्लीयर समझाया जा सकता है।*

उत्तर 15- *C.पुरानी छी छी दुनिया का*

कितना क्लीयर समझाते हैं। कल्प-कल्प यह समझाया था। *गाते भी हैं ज्ञान, भक्ति, वैराग्य। वैराग्य किसका? इस पुरानी छी-छी दुनिया का।* पुरानी दुनिया में बिल्कुल पाप आत्मा बन गये हैं।

उत्तर 16- *D.ईविल*

पुरानी दुनिया में बिल्कुल पाप आत्मा बन गये हैं। कहते भी हैं पतित-पावन, लिबरेटर आओ। लिबरेट किससे करना है? दुःख से। रावण राज्य से। *रावण को अंग्रेजी में ईविल (शैतान) कहते हैं।* तो कहते हैं शैतान राज्य से मुक्त कर घर ले चलो।

उत्तर 17- *B.पतितों को पावन बनने का रास्ता कैसे बताएं*

बाप आया है पतितों को पावन बनाने। बाबा कहते हैं तुम्हारा भी यही धन्धा है। *रात-दिन यही चिंतन करो। हम पतितों को पावन बनने का रास्ता कैसे बतायें! रास्ता बहुत सहज है।

उत्तर 18- *C.योगबल*

योगबल से ही हम सतोप्रधान बनेंगे। यह है अविनाशी सर्जन की दवाई। यह कोई मन्त्र आदि नहीं है। यह तो बाप को सिर्फ याद करना है। कितना क्लीयर समझाते हैं।

उत्तर 19- *D.निमित्त बन अनेक आत्माओं का कल्याण करने का ध्यान रखते हैं*

सेन्सीबुल बच्चे ऊंच पद पाने के लिए निरन्तर याद में रहने का पुरुषार्थ करते हुए सदैव इस श्रीमत का ध्यान रखेंगे कि हमको *निमित्त बन अनेक आत्माओं का कल्याण करना है।* जो बहुतों का कल्याण करते हैं, उनका कल्याण स्वतः ही हो जाता है।

उत्तर 20- *D. A और B*

बच्चों की बुद्धि में अभी नई दुनिया और पुरानी दुनिया दोनों हैं क्योंकि बच्चे जानते हैं पुरानी दुनिया का विनाश अभी होने वाला है और नई दुनिया बाप ही रचते हैं

उत्तर 21- *B.साधारण जीवन से आत्माएँ संतुष्ट नहीं हैं*

सामने आने से ही साधारण आत्मा अपनी साधारणता को भूल जायेगी क्योंकि आजकल के समय अनुसार वर्तमान के साधारण जीवन से मैजारिटी आत्मायें सन्तुष्ट नहीं हैं। आगे चलकर यह आवाज सुनेंगे कि यह जीवन कोई जीवन नहीं है, जीवन में कुछ नवीनता चाहिए।

उत्तर 22- *C.दिव्यता*

"दिव्यता" जीवन का विशेष आधार है - यह अनुभव करेंगे। कुछ चाहिए, कुछ चाहिए - इस 'चाहिए' की प्यास से चारों ओर दूँदेंगे। जैसे स्थूल पानी की प्यास में तड़पता हुआ मानव चारों ओर पानी की बूंद के लिए तड़पता है, ऐसे *दिव्यता की प्यासी आत्माएं चारों ओर अंचली लेने के लिए तड़फती हुई दिखाई देंगी।*

उत्तर 23- *C.सर्विसएबुल*

मैं जो युक्ति सिखलाता हूँ, जो सीखते हैं वही जाकर नई दुनिया में राज्य करते हैं। यह ज्ञान वहाँ कुछ भी रहेगा नहीं। अब तुम्हारी बुद्धि में सारी नॉलेज है। जिनकी बुद्धि में है वह औरों को समझाते हैं। *सर्विसएबुल बच्चों की बुद्धि में सारा ज्ञान टपकता रहता है।*

जरूर सतयुग में पहले-पहले देवी-देवता धर्म वाले थे।

उत्तर 24- *D.ऑलराउंड सर्विस करने का*

आलराउन्ड सर्विस करने का शौक हो तो गद्दीनशीन बन सकते हैं, जो आलराउन्ड सर्विस कर बहुतों को सुख देते हैं उन्हें उसका उज्जरा भी मिलता है। बच्चों को हमेशा हर सर्विस में हाज़िर रहना चाहिए। ऐसा होशियार बनो जो माँ-बाप का शो करो। मम्मा बाबा कहते हो तो उन जैसा बनकर दिखाओ।

उत्तर 25- *C.पाँव और चोटी*

ब्राह्मण सम्प्रदाय जरूर संगम पर ही होगी। आसुरी सम्प्रदाय है कलियुग में, दैवी सम्प्रदाय है सतयुग में। तो जरूर संगम पर ही स्थापना होगी दैवी सम्प्रदाय की। *जब बाजोली खेलते हैं तो पाँव और चोटी मिलते हैं।* तुम ब्राह्मण हो फिर याद आता है। विराट रूप का चित्र भी जरूरी है। इसकी समझानी बड़ी अच्छी है।

उत्तर 26- *A.हम शिवबाबा की सन्तान है।*

बाबा की पोजीशन को सिर्फ तुम बच्चे ही जानते हो सो भी नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार जानते हो। भल ब्रह्माकुमार कहलाते हैं परन्तु *बुद्धि में यह नहीं रहता कि हम शिवबाबा की सन्तान हैं।* उनसे हम स्वर्ग का वर्सा ले रहे हैं। न बाप को, न वर्से को याद कर सकते हैं। याद रहे तो अन्दर की खुशी भी रहे ना।

उत्तर 27- *C.जो भारत को स्वर्ग बना रहे।*

वह गाते रहते हैं, यहाँ तुम प्रैक्टिकल में उस बाबा का वर्सा ले रहे हो। तुम जानते हो बाबा हमारे द्वारा *भारत को स्वर्ग बना रहे हैं।* जिनके द्वारा बना रहे हैं, जरूर वही सुखधाम का मालिक बनेंगे।* बच्चों को तो बहुत खुशी रहनी चाहिए। बाबा की महिमा अपरमअपार है, उससे हम वर्सा पा रहे हैं।

उत्तर 28- *C.कस्तूरी*

मनुष्य तो कह देते आत्मा निर्लेप है। अभी तुम जानते हो - आत्मा में 84 जन्मों का पार्ट है ही। उनको फिर निर्लेप कहना कितना रात-दिन का फर्क हो जाता है। जब यह कोई अच्छी रीति मास डेढ़ बैठ समझेंगे तब प्वाइंट्स बुद्धि में बैठेंगी। *दिन-प्रतिदिन प्वाइंट्स बहुत निकलती रहती हैं। यह है जैसे कस्तूरी।* शास्त्रों में तो कुछ भी सार नहीं है। बाबा कहते हैं - वह अब बुद्धि से निकाल दो। ज्ञान सागर एक मैं ही हूँ।

उत्तर 29- *B.त्रिमूर्ति ब्रह्मा*

रूहानी बाप को परमात्मा कहा जाता है। सभी आत्माओं का बाप एक परमपिता परमात्मा है। वह बैठ ब्रह्मा तन द्वारा समझाते हैं। *भक्तिमार्ग में मनुष्य कहते हैं त्रिमूर्ति ब्रह्मा।* अभी तुम ब्राह्मण ऐसे नहीं कहेंगे। तुम तो कहते हो त्रिमूर्ति शिव अर्थात् ब्रह्मा, विष्णु, शंकर का रचयिता शिव। त्रिमूर्ति ब्रह्मा का कोई अर्थ नहीं निकलता है।

उत्तर 30- *B.संगम की पढ़ाई के आधार पर*

सतयुग राजधानी संगम की पढ़ाई के आधार पर स्थापन होती है। जो अच्छी रीति पढ़ते हैं अथवा जिन पर ब्रह्मपति की दशा है वह सूर्यवंशी में आते हैं। जो पढ़ते नहीं, सर्विस नहीं करते उन पर बुध की दशा बैठती, वह जैसे बुद्धू हैं। वह प्रजा में आ जाते हैं। ऊंच प्रजा, नौकर चाकर आदि सब इस समय की पढ़ाई के आधार पर ही बनते हैं।

उत्तर 31- *C.खुशी आ जाये*

प्रदर्शनी में देखो कितने आते हैं। सेंटर में कोई मुश्किल आयेंगे। भारत तो बहुत लम्बा चौड़ा है ना। सब जगह तुमको जाना है। पानी की गंगाये तो सारे भारत में नहीं हैं। प्रतिदिन चित्र भी अच्छे-अच्छे बनते रहेंगे। *शोभनिक चित्र ऐसे हों जो देखने से ही खुशी आ जाए* कि यह तो ठीक समझाते हैं।

उत्तर 32- D. *B और C*

सतयुग है फूलों का बगीचा। तुम देखते हो बाबा कैसा बगीचा बनाते हैं। मोस्ट ब्युटीफुल बनाते हैं। सबको हसीन बनाते हैं। *खुद तो एवर हसीन है। सब सजिनियों को अथवा बच्चों को हसीन बनाते हैं।* रावण ने बिल्कुल काला बना दिया है। अब तुम बच्चों को खुशी होनी चाहिए हमारे ऊपर ब्रह्मपति की दशा बैठी है।

भाग - (78)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- वानप्रस्थ में कौन लेकर जाते हैं ?

- A- सन्यासी
- B- वानप्रस्थी

- C- गुरु
- D- बेहद का बाप

प्रश्न 2- तुम्हारी आत्मा पवित्र बन जाती है तो शरीर भी पवित्र मिलेगा। अब बाप तुम्हारी काया कैसी बना रहे हैं ?

- A- कंचन
- B- कल्पतरु
- C- निरोगी
- D- गोरी

प्रश्न 3- तुम बच्चे कहां चलने के लिए पुरुषार्थ कर रहे हो। तो पूरा पुरुषार्थ करना है, काटा नहीं बनना है ?

- A- अमरपुरी
- B- विष्णुपुरी
- C- रामपुरी
- D- ब्रह्मपुरी

प्रश्न 4- उनका चेहरा ही गुणमूर्त दिखाई देता है। वही किसकी ढाल पर ठहर सकते हैं ?

- A- कर्मों
- B- ड्रामा
- C- पवित्रता
- D- दैवी गुणों

प्रश्न 5- हे भगवान कहना, यह भी क्या है ?

- A- कलियुग
- B- संगमयुग
- C- ज्ञान मार्ग
- D- भक्ति मार्ग

प्रश्न 6- तुम बच्चे भी कौन हो जो रावण पर जीत पाते हो ?

- A- महारथी
- B- महावीर
- C- पाण्डव
- D- शक्तियाँ

प्रश्न 7- आदि की कौनसी पहली अब तक चल रही है ?

- A- मैं कौन?
- B- परमात्मा कौन?
- C- कहाँ का रहने वाला?
- D- कहाँ जाना?

प्रश्न 8- अर्जुन अर्थात् ?

- A- जो ओटे सो अर्जुन
- B- ज्ञान का अर्जन करने वाला
- C- अलौकिक जन्म
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 9- अगर क्रोध से बात करेंगे तो लोग कहेंगे..... ?

- A- इनमे दैवी गुण नहीं है
- B- ये तो रावण हैं
- C- इनमे भूत है
- D- ये सतगुरु के निंदक हैं

प्रश्न 10- बाप से कभी रूठना नहीं है। रूठ कर अगर पढ़ाई छोड़ा गया... ?

- A- मंजिल से गिरा
- B- अपने पैर पर कुल्हाड़ा मारा
- C- पद गंवाया

D- अपना नुकसान किया

प्रश्न 11- तुम किसके संग में आने से ब्राह्मणपना भूल जाते हो ?

- A- माया
- B- रावण
- C- शूद्र
- D- विकारों

प्रश्न 12- ब्राह्मण तो देवताओं से भी ऊंच हैं क्यों ?

- A- क्योंकि ब्राह्मणों को ही बाप मिला है
- B- क्योंकि ब्राह्मण नॉलेजफुल हैं
- C- क्योंकि ब्राह्मण ही शिव बाबा से वर्सा ले रहे हैं
- D- क्योंकि ब्राह्मण बनने बिगर देवता बन नहीं सकते

प्रश्न 13- भगवान को जानी-जाननहार कहते हैं। क्यों ?

- A- क्योंकि वह जानता है सबके दिल में क्या है
- B- वह बीज रूप है
- C- वह सृष्टि के आदि मध्य अंत को जानते
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 14- सतयुग में इनमे से क्या नहीं होगा ?

- A- वन वर्ल्ड
- B- वन राज्य
- C- वन रिलिजन
- D- वन स्कूल

प्रश्न 15- योग कितने प्रकार के होते हैं ?

- A- दो
- B- तीन
- C- चार
- D- छः

प्रश्न 16- सदा कौनसी स्मृति में रहना है ?

- A- हम आत्मा हैं
- B- हम ब्राह्मण हैं
- C- हम क्षत्रिय हैं
- D- हम देवता हैं

प्रश्न 17- इस सृष्टि रंगमंच पर कैसे आये ?

- A- स्टार मिसल
- B- ज्योति स्वरूप
- C- बिना शरीर
- D- प्वाइंट

प्रश्न 18- सतगुरूवार को कहा जाता है ?

- A- वृक्षपति डे
- B- बाप का दिन
- C- बृहस्पतिवार
- D- A और B

प्रश्न 19- ज्ञान घृत और योग की बत्ती ठीक हो तो कौन सा दीपक जलता रहेगा ?

- A- खुशी का
- B- शक्ति का
- C- पवित्रता का

D- हिम्मत का

प्रश्न 20- बच्चों को पहली-पहली कौन सी प्वाइंट समझनी और समझानी है..... ?

- A- मैं कौन हूँ
- B- आत्मा कौन है
- C- बाप कौन है
- D- ब्रह्मा कौन है

प्रश्न 21- तुम बच्चे किस मस्ती में रहो तो चलन बड़ी रॉयल हो जायेगी ?

- A- ज्ञान की मस्ती
- B- याद की मस्ती
- C- दैवी गुणों की मस्ती
- D- सेवा की मस्ती

प्रश्न 22- सतयुग में कौन तुम्हारे गुलाम होंगे ?

- A- जो हमसे कम पढ़ाई पढ़ेंगे
- B- जो गफलत करेंगे
- C- पाँच तत्व
- D- साइन्स वाले

प्रश्न 23- ब्राह्मण ही क्या बनते हैं ?

- A- देवता
- B- सम्पूर्ण
- C- स्वदर्शन चक्रधारी
- D- ब्रह्माकुमार- ब्रह्माकुमारी

प्रश्न 24- देवताओं को ही क्या कहते हैं ?

- A- भगवान भगवती
- B- श्री- श्री
- C- सर्वगुणसम्पन्न
- D- गुल- गुल

प्रश्न 25- वाणी से जो सुनते हैं उसका क्या करना है ?

- A- ध्यान से सुनकर धारण करना है
- B- उस पर मंथन करना है
- C- दूसरों को भी सुनाना है
- D- उसको सुनकर मुख से रत्न ही निकालने है पत्थर नहीं

प्रश्न 26- आत्माओं से हिसाब-किताब कैसे चुक्ता करने है ?

- A- संकल्पों से
- B- माफ़ी मांगकर
- C- शुभ भावना से
- D- सहयोग से

प्रश्न 27- प्रश्नचित्त सदा प्रसन्न क्यों नहीं रह सकता ?

- A- क्योंकि हिसाब किताब है
- B- क्योंकि श्रीमत प्रमाण नहीं चलता
- C- क्योंकि क्यों की क्यूं लगी रहती
- D- क्योंकि मेहनत में लगे रहते हैं

प्रश्न 28- बाबा किसको कंट्रोल करने की कहता है ?

- A- व्यर्थ रचना को
- B- कर्मोन्धियों को
- C- मन को
- D- उपरोक्त सभी को

प्रश्न 29- हर परिस्थिति में पास विद हॉनर होने की विधि क्या है ?

- A- पॉवरफुल याद
- B- श्रीमत् प्रमाण चलना
- C- एवरेडी रहना
- D- हाजिर- हुजूर करना

प्रश्न 30- सबसे बड़ा जोन कौन सा है ?

- A- परमधाम
- B- सूक्ष्म वतन
- C- साकार लोक
- D- मधुवन

प्रश्न 31- विनाश किसलिए रुका हुआ है ?

- A- स्थापना के लिए
- B- समय के लिए
- C- कम्प्लीट बनने के लिए
- D- सम्पन्न बनने के लिए

प्रश्न 32- जो समय पर फुल पास होता है,उसको क्या कहते हैं ?

- A- एवरेडी
- B- पास विद हॉनर
- C- नम्बरवन
- D- ऑलराउंडर

भाग (78) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *D.बेहद का बाप*

बेहद का बाप कहते हैं मैं वानप्रस्थ में बैठ जाता हूँ। *बेहद का बाप ही आकर गुरू के रूप में वानप्रस्थ में ले जाते हैं।* मनुष्य गुरूओं का संग लेते हैं - भगवान से मिलने लिए। शास्त्र पढ़ेंगे, तीर्थों पर जायेंगे, गंगा स्नान करेंगे। परन्तु मिला तो कुछ भी नहीं है।

उत्तर 2- *B.कल्पतरु*

बाबा नई दुनिया बनाते हैं, परन्तु इसमें गुंजाइस कितनी है। जब मनुष्य पतित दुःखी होते हैं तब ही बुलाते हैं। बाबा आकर सबकी काया कल्पवृक्ष समान बनाते हैं। *तुम्हारी आत्मा पवित्र बन जाती है तो शरीर भी पवित्र मिलेगा। तो बाप तुम्हारी काया कल्पतरु बनाते हैं।* आधाकल्प कब तुम्हारी अकाले मृत्यु नहीं होगी। तुम काल पर जीत पाते हो।

उत्तर 3- *C.रामपुरी*

रावण का बुत भी बनाते हैं, मारने लिए। यहाँ मारने आदि की तो बात नहीं। कहाँ मारने आदि की बात, कहाँ यह रावणपुरी खत्म हो रही है। *तुम बच्चे रामपुरी में चलने के लिए पुरुषार्थ कर रहे हो।* तो पूरा पुरुषार्थ करना है, काँटा नहीं बनना है।

उत्तर 4- *B.ड्रामा*

जिसमें सहनशीलता का गुण होता है वह सूरत से सदैव सन्तुष्ट दिखाई देता है, जो स्वयं सन्तुष्ट मूर्त रहते हैं वह औरों को भी सन्तुष्ट बना देते हैं। सन्तुष्ट होना माना सफलता पाना।*उनका चेहरा ही गुणमूर्त दिखाई देता है। वही ड्रामा की ढाल पर ठहर सकते हैं।*

उत्तर 5- *D.भक्ति मार्ग*

ऐसा कोई नहीं होगा जिनके माँ बाप किसी न किसी मन्दिर आदि में नहीं जाते होंगे। कुछ न कुछ भक्ति के चिन्ह घर में जरूर होते हैं। *हे भगवान कहना, यह भी भक्ति मार्ग है।*

उत्तर 6- *B.महावीर*

पिछाड़ी की टाली है। देवताओं को मानने वाले नहीं हैं। महावीर, हनुमान का नाम है, वीरता दिखाई है। जैनियों ने भी महावीर नाम रख दिया है। अभी अर्थ तो तुम समझते हो। *तुम बच्चे भी महावीर हो जो रावण पर जीत पाते हो।*

उत्तर 7- *A.मैं कौन?*

आदि की पहेली अब तक चल रही है। कौन सी पहेली? मैं कौन? अभी भी बापदादा कहते - अपने आपसे पूछो मैं कौन?

पहेली हल करना आता है ना वा दूसरा बतावे तब हल कर सकते हो - दूसरा बतायेगा तो भी उसकी बात को चलाने की कोशिश करेंगे कि ऐसे नहीं है, वैसे है... इसलिए अपने आपको ही देखो।

उत्तर 8- *C.अलौकिक जन*

यथार्थ चश्मे वाले सिर्फ बाप और आप को देखते हैं। दूसरा वा तीसरा क्या करता - वह नहीं देखते। मुझे ही बदलना है इसी धुन में सदा रहते हैं। मुझे बदलकर के औरों को सहज करने के लिए एकजैम्पुल बनना है इसलिए कहावत है 'जो ओटे सो अर्जुन।' *अर्जुन अर्थात् अलौकिक जन।* इसको कहा जाता है यथार्थ चश्मा वा यथार्थ दृष्टि।

उत्तर 9- *C.इनमे भूत है*

तुम्हारी चलन बहुत-बहुत मीठी रॉयल होनी चाहिए, क्रोध का भूत बिल्कुल न हो.....तुम 21 जन्म की प्रालम्भ बना रहे हो, इसमें माया के तूफान बहुत आयेंगे। फिर भी पुरुषार्थ कर दैवी गुण धारण करने हैं। *अगर क्रोध से बात करेंगे तो लोग कहेंगे इनमें भूत है।* गोया बेहद बाप की आबरू गँवाई। फिर ऐसे ऊँच पद कैसे पायेंगे?

उत्तर 10- *B.अपने पैर पर कुल्हाड़ा मारा*

बच्चों को बहुत मीठा बनना है। कभी गुस्से से बात नहीं करनी है। *बाप से कभी रूठना नहीं है। रूठ कर अगर पढ़ाई छोड़ा गोया अपने पैर पर कुल्हाड़ा मारा।* यहाँ तुम आये हो विश्व का मालिक बनने।

उत्तर 11- *C.शूद्रों*

चित्र भी भूल याद रखो। याद तो रहेगी, हम ब्राह्मण हैं, बाप से वर्सा लेते हैं। ब्राह्मण कब अपनी जाति को भूलते हैं क्या? *तुम शूद्रों के संग में आने से ब्राह्मणपना भूल जाते हो।*

उत्तर 12- *C.क्योंकि ब्राह्मण ही शिव बाबा से वर्सा ले रहे हैं*

बच्चों का फ़र्ज है - बेहद के बाप को याद करना। हम ब्राह्मण हैं, दादे से वर्सा लेते हैं ब्रह्मा द्वारा इसलिए शिवबाबा कहते हैं - जितना हो सके याद करते रहो।.....*ब्राह्मण तो देवताओं से भी ऊँच हैं क्योंकि तुम ब्राह्मण नॉलेजफुल हो।.....हम ब्राह्मण ही शिवबाबा से वर्सा ले रहे हैं।*

उत्तर 13- *C.वह सृष्टि के आदि मध्य अंत को जानते*

भगवान को जानी-जाननहार कहते हैं ना। इसका अर्थ यह नहीं कि सबके दिल में क्या है - वह बैठ देखता है। नहीं, उनको *सृष्टि के आदि मध्य अन्त की नॉलेज है।* वह बीजरूप है। *बीज झाड़ के आदि मध्य अन्त को जानते हैं।*

उत्तर 14- *D.वन स्कूल*

यह किसको भी पता नहीं कि तुम भारत को स्वर्ग बनाते हो। आगे चलकर समझेंगे, चाहते भी हैं कि *वन वर्ल्ड, वन राज्य, वन रिलीजन, वन भाषा हो।* तुम समझा सकते हो - आज से एशू हजार वर्ष पहले *एक राज्य, एक धर्म था*, जिसको स्वर्ग कहा जाता है।

उत्तर 15- *A. दो*

अब योग दो प्रकार का है - एक हैं हठयोगी, दूसरे हैं राजयोगी। तुम हो राजयोगी। वह तो बहुत दिन से चल आते हैं। राजयोग का अब तुमको पता पड़ा है। संन्यासी क्या जानें राजयोग से। बाप ने आकर बताया है - राजयोग मैं ही आकर सिखलाता दल ने हूँ, कृष्ण तो सिखला न सके।

उत्तर 16- *B.हम ब्राह्मण है*

जो-जो ब्राह्मण बनते हैं उनका लंगर इस छी-छी दुनिया से उठ जाता है। तुम कलियुगी दुनिया से किनारा अब छोड़ चुके हो। कोई ब्राह्मण तीखा जा रहा, कोई याद की यात्रा में कम।.....*सदा इसी स्मृति में रहना है कि हम ब्राह्मण हैं।* हम ब्राह्मणों को ही भगवान पढ़ाते हैं। हम अभी ब्राह्मण सो देवता बन रहे हैं।

उत्तर 17- *C.बिना शरीर*

वह बाप कहते हैं - यह (ब्रह्मा) भी मुझे याद करेंगे तब यह पद पायेंगे। तुम भी याद करेंगे तो पद पायेंगे। *पहले-पहले तुम बिना शरीर (अशरीरी) आये थे।* फिर अशरीरी बनकर वापिस जाना है।

उत्तर 18- *D. A और B*

सतगुरूवार को *वृक्षपति डे* भी कहा जाता है। *वृक्षपति डे अर्थात् बाप का दिन।*

उत्तर 19- *A.खुशी का*

ज्ञान धृत और योग की बत्ती ठीक हो तो *खुशी का* दीपक जगता रहेगा।

उत्तर 20- *C.बाप कौन है*

मीठे-मीठे रूहानी *बच्चों को पहली-पहली यह प्वाइंट समझनी और समझानी है कि बाप कौन है!* बच्चों को अतीन्द्रिय सुख तब फील होता है जब निश्चय करते हैं कि हम बेहद बाप की सन्तान हैं।

उत्तर 21- *A.ज्ञान की मस्ती*

तुम्हें ज्ञान की मस्ती चढ़ी रहनी चाहिए। ओहो! हम भगवान के सम्मुख बैठे हैं। हम यहाँ से जायेंगे, जाकर विश्व का मालिक, क्राउन प्रिन्स बनेंगे। जब ऐसी मस्ती रहे तो चलन स्वतः रॉयल हो जायेगी। मुख से बहुत मीठे बोल निकलेंगे। आपस में बहुत प्यार रहेगा।

उत्तर 22- *C.पाँच तत्व*

बाबा रूप भी है तो बसन्त भी है। कहानियाँ सब अभी की हैं। बाप है ज्ञान का सागर। वह ज्ञान की वर्षा करते हैं। बाकी वह इन्द्र देवता बरसात बरसाते हैं, ऐसी बात है नहीं। यह बादल नेचुरल बनते हैं, बरसात करते हैं। *सतयुग में यह 5 तत्व भी तुम्हारे गुलाम बन जाते हैं* और यहाँ मनुष्य सबके गुलाम बन पड़े हैं।

उत्तर 23- *C.स्वदर्शन चक्रधारी*

तुम्हारी बुद्धि में पूरे रचता और रचना की नॉलेज है फिर औरों को आप समान बनाने की जवाबदारी है। बहुत आते रहेंगे। *स्वदर्शन चक्रधारी ब्राह्मण ही बनते हैं।* माया के तूफान भी बच्चों को ही आते हैं। कहाँ तूफान आने से हड्डी-हड्डी टूट जाती है। चलते-चलते कोई डिससर्विस भी करते हैं। बाप कहते हैं कोई भी छी-छी काम नहीं करो। तुम मुख वंशावली ब्राह्मण हो, वह हैं कुख वंशावली।

उत्तर 24- *A.भगवान भगवती*

अभी तुम देवता समान गुल-गुल बन रहे हो। गॉड आकर गॉड गॉडेज बनाते हैं। *देवताओं को ही भगवान-भगवती कहते हैं।* परन्तु ऐसा बनाते कौन है? यह कोई नहीं जानते। तुम्हारी बुद्धि में पूरे रचता और रचना की नॉलेज है फिर औरों को आप समान बनाने की जवाबदारी है।

उत्तर 25- *B.उस पर मंथन करना है*

वाणी से जो सुनते हैं उस पर मंथन करना है। पुरुषोत्तम बन रहे हैं इसलिए चलन बहुत रॉयल बनानी है। मुख से कभी पत्थर नहीं निकालने हैं।

उत्तर 26- *C.शुभ भावना से*

पहले भी सुनाया था कि 5 परसेन्ट आत्माओं का हिसाब-किताब भी चुकूँ होता है इसलिए उन्होंने द्वारा कभी स्नेह मिलेगा, कभी परीक्षा भी होगी। लेकिन 5 परसेन्ट से ज्यादा नहीं होना चाहिए। *ऐसी आत्माओं से भी धीरे-धीरे शुभ भावना, शुभ कामना द्वारा हिसाब को चुकूँ करते रहो।* जब हिसाब चुकूँ हो जायेगा तो किताब भी खत्म हो जायेगा ना! फिर हिसाब-किताब रहेगा ही नहीं।

उत्तर 27- *C.क्योंकि क्यों की क्यूँ लगी रहती*

यह ऐसा क्यों करता वा क्यों कहता, यह बात ऐसे नहीं, ऐसे होनी चाहिए। चित के अन्दर यह प्रश्न उत्पन्न होने वाले को प्रश्नचित कहा जाता है और *प्रश्नचित कभी सदा प्रसन्न नहीं रह सकता। उसके चित में सदा 'क्यों'की क्यूँ लगी रहती है* इसलिए उस क्यूँ को समाप्त करने में ही समय चला जाता है।

उत्तर 28- *A.व्यर्थ रचना को*

इस क्यूँ का रचता आप हो। जब रचना रच ली तो पालना करनी पड़ेगी, पालना से बच नहीं सकते। *चाहे कितने भी मजबूर हो जाओ लेकिन समय, एनर्जी देनी ही पड़ेगी इसलिए इस व्यर्थ रचना को कन्ट्रोल करो।* यह बर्थ कन्ट्रोल करो। लोग कह देते हैं ना कि यह तो ईश्वर की देन है, हमारी गलती थोड़े ही है।

उत्तर 29- *C.एवरेडी रहना*

जब बाप की नज़र पहले पड़ी तो आना भी पहले नम्बर में है। फाउण्डेशन वाले हो। तो फाउण्डेशन सदैव पक्का रहता है, अगर कच्चा हुआ तो सारी बिल्डिंग कच्ची हो जाती है। तो सदा इसी वरदान को याद रखना कि *हर परिस्थिति में पास विद आनर बनने वाले हैं इनकी विधि है एवरेडी रहना।*

उत्तर 30- *D.मधुबन*

सबसे बड़ा ज़ोन तो मधुबन ही है। सब ब्रह्माकुमार और ब्रह्माकुमारियों का असली घर मधुबन ही है ना। आत्माओं का घर परमधाम है लेकिन ब्राह्मणों का घर मधुबन है।

उत्तर 31- *C.कम्प्लीट बनने के लिए*

सब बातों में कम्प्लीट बनना अर्थात् पास विद ऑनर बनना। तो सभी ऐसे बने हो या बन रहे हो? (बन रहे हैं) इसीलिए ही विनाश रूका हुआ है। आपने रोका है। विश्व के विनाश अर्थात् परिवर्तन के पहले ब्राह्मणों की कमियों का विनाश चाहिए। अगर ब्राह्मणों की कमियों का विनाश नहीं हुआ तो विश्व का विनाश अर्थात् परिवर्तन कैसे होगा।

उत्तर 32- *B.पास विद हॉनर*

जो सदा समय पर फुल पास होता है, उसको कहते हैं पास विद् ऑनर। पास विद ऑनर अर्थात् धर्मराज भी उसको ऑनर देगा। धर्मराजपुरी में भी सजायें नहीं होंगी, ऑनर होगा। गायन होगा कि यह पास विद ऑनर है।

भाग - (79)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- परिवर्तन के आधारमूर्त कौन है ?

- A- ब्रह्मा
- B- देवता
- C- पाण्डव
- D- ब्राह्मण

प्रश्न 2- योगी जीवन में किसका वर्णन नहीं करना है ?

- A- कैसे करेंगे
- B- प्रश्नों का
- C- कर्मभोग का
- D- हेल्थ कॉन्शियस

प्रश्न 3- सच्चे साहिब की सबसे बड़ी विशेषता क्या है ?

- A- दाता, विधाता
- B- दाता, जीवनदाता
- C- वरदाता, मुक्तिदाता
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 4- अन्त में कोई भी हालात में कल्याण क्यों होना ही है ?

- A- क्योंकि बाप हमारे साथ है
- B- क्योंकि बाप सब कुछ ठीक कर देंगे
- C- क्योंकि स्वयं भगवान हमारा साथी है
- D- क्योंकि बाप कल्याणकारी है

प्रश्न 5- वैराग्य ऐसी योग्य धरनी है जिसमें क्या डालें कि वह फ़लीभूत अवश्य होगी ?

- A- बीज
- B- फल
- C- तना
- D- झाड़

प्रश्न 6- एक घड़ी आधी घड़ी, क्या अवश्य करना है ?

- A- पुरुषार्थ
- B- योग
- C- पढ़ाई
- D- मन्थन

प्रश्न 7- शिवबाबा ने ब्रह्माबाबा का क्या नाम रखा है ?

- A- दादा
- B- महावीर
- C- अर्जुन
- D- बाबा

प्रश्न 8- बन्दर किसे कहा जाता है ?

- A- रावण को
- B- माया को
- C- विकारों को
- D- मोह को

प्रश्न 9- पढ़ाई हमेशा.....में ही पढ़ी जाती है ?

- A- बचपन
- B- छोटेपन
- C- ब्रह्मचर्य
- D- पाठशाला

प्रश्न 10- ज्ञान कितने समय का है ?

- A- 5000 वर्ष का
- B- 100 वर्ष का
- C- 21 जन्म का
- D- सेकण्ड का

प्रश्न 11- अपने को सूर्यवंशी कहलाते हैं। सूर्य की पूजा करते हैं, झण्डा भी सूर्य का है। तुम्हारा है है किसका झण्डा ?

- A- शिव बाबा
- B- ज्ञान सूर्य
- C- ज्ञान चन्द्रमा
- D- त्रिमूर्ति

प्रश्न 12- सन्यासी निवृत्ति मार्ग वाले क्या कहते हैं ?

- A- कि परमात्मा बिन्दी स्वरूप है
- B- कि परमात्मा का धाम लाल प्रकाश की दुनिया है
- C- कि परमात्मा और आत्मा दोनों एक जैसे है
- D- कि परमात्मा ब्रह्म है

प्रश्न 13- सबसे बड़ी प्रवृत्ति किसकी है ?

- A- ब्रह्मा की
- B- ब्राह्मणों की
- C- शिवबाबा की
- D- उपरोक्त सभी की

प्रश्न 14- मुख्य धर्म कितने है ?

- A- 3
- B- 4
- C- 5
- D- 6

प्रश्न 15- ईश्वरीय पढ़ाई का लॉ (कायदा) कौन सा है ?

- A- अमृतवेला करना
- B- नियमित पढ़ना
- C- नुमाशाम करना
- D- ट्रैफिक कंट्रोल करना

प्रश्न 16- तुम्हारी बुद्धि में कौन सा ज्ञान है ?

- A- आदि- मध्य- अन्त का
- B- क्रिएटर, डायरेक्टर, मुख्य एक्टर का
- C- स्थापना, पालना, विनाश का
- D- A और B
- E- A,,B और C

प्रश्न 17- सबसे जास्ती दूर लाइट कौन सी जाती है ?

- A- लाइट हाउस
- B- रिवाजी बल्ब
- C- सर्चलाइट

D- A और C

प्रश्न 18- पावरफुल बनने के लिए अब एडीशन क्या करेंगे ?

A- सफलता की माला

B- विल पावर

C- वाइड पावर

D- A और B

E- A, B और C

प्रश्न 19- संगम समय के चार मूर्त में से इनमें से एक कौन नहीं है ?

A- ज्ञान मूर्त

B- धारणा मूर्त

C- दान मूर्त

D- सम्पूर्ण सफलता मूर्त

प्रश्न 20- अगर शब्द से प्यार है तो अनेक मेरे को एक मेरे बाबा में समा दो। उचित शब्द से रिक्त स्थान की पूर्ति करो ?

A- मैं

B- बाबा

C- मेरा

D- क्या, क्यों

प्रश्न 21- पुरुषार्थ का मुख्य आधार है?

A- अमृतवेला

B- स्वरूप बनना

C- कैचिंग पॉवर

D- दिनचर्या

प्रश्न 22- ब्राह्मण जीवन का श्वास क्या है ?

A- खुशी

B- सुख

C- शान्ति

D- पवित्रता

प्रश्न 23- शिवबाबा की कौनसी सेना है ?

A- शिव शक्ति सेना

B- पाण्डव सेना

C- रूहानी सेना

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 24- शिवबाबा हमको क्या बनाते हैं ?

A- खुदाई खिदमतगार

B- राजाओं का भी राजा

C- गॉडली स्टूडेंट

D- डबल अहिंसक

प्रश्न 25- विक्रम संवत् किसने स्थापन किया ?

A- विक्रमादित्य ने

B- रावण ने

C- बाबा

D- माया ने

प्रश्न 26- बाबा ज्ञान समझा कर कहाँ चले जाते हैं ?

A- सूक्ष्म लोक

B- सतयुग

C- निर्वाणधाम
D- मधुवन

प्रश्न 27- भक्ति मार्ग में भगवान के कितने नाम हैं ?

A- 33 करोड़
B- 2 करोड़
C- 9 लाख
D- 1.5 लाख

प्रश्न 28- भगवान हमको पढ़ाकर क्या बनाते हैं ?

A- नर से नारायण, नारी से लक्ष्मी
B- भगवान- भगवती
C- मनुष्य से दैवी- देवता
D- पारसबुद्धि

प्रश्न 29- तुम डबल आस्तिक कैसे हो ?

A- क्योंकि तुम बाप को जानते हो
B- क्योंकि तुम रूहानी सोशल वर्कर हो
C- क्योंकि तुम बाप का सत्य परिचय जानते हो
D- क्योंकि तुम आदि- मध्य- अन्त को जानते हो

प्रश्न 30- तुम किसलिए पढ़ रहे हो ?

A- नर से नारायण बनने के लिए
B- सम्पूर्ण बनने के लिए
C- स्वर्ग के वर्से के लिए
D- स्वर्गवासी बनने के लिए

प्रश्न 31- बाप द्वारा बच्चों को कौनसा वर्सा मिलता है ?

A- सुख
B- शान्ति
C- सम्पत्ति
D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 32- वर्सा कब नहीं ले सकते ?

A- जब तक पूरा पुरुषार्थ नहीं किया हो
B- जब तक विकारों के वश हो
C- जब तक ब्राह्मण- ब्राह्मणियाँ नहीं बनेंगे
D- जब तक देहधारियों को याद करेंगे

भाग (79) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *D.ब्राह्मण*

विश्व के विनाश अर्थात् परिवर्तन के पहले ब्राह्मणों की कमियों का विनाश चाहिए। अगर ब्राह्मणों की कमियों का विनाश नहीं हुआ तो विश्व का विनाश अर्थात् परिवर्तन कैसे होगा। तो *परिवर्तन के आधारमूर्त आप ब्राह्मण हैं।*

उत्तर 2- *C.कर्मभोग का*

सदा यह बात याद रखो - *योगी जीवन के लिए चाहे छोटा कर्मभोग हो, चाहे बड़ा हो लेकिन उसका वर्णन नहीं करो,* कर्म-भोग की कहानी का विस्तार नहीं करो क्योंकि वर्णन करने में समय और शक्ति उसी तरफ होने के कारण हेल्थ कानशियस हो जाते हैं, सोल कानशियस नहीं। यह हेल्थ कानशियसनेस रूहानी शक्ति से धीरे-धीरे नरवस बना देती है, इसलिए कभी भी ज्यादा वर्णन नहीं करो। योगी जीवन कर्मभोग को कर्मयोग में परिवर्तन करने वाला है। यह हैं तन के भाग्य की निशानियाँ।

उत्तर 3- *A.दाता, विधाता*

सच्चे साहेब की सबसे बड़ी विशेषता है - वह दाता, विधाता, वरदाता है। राज़ी रहने वाले बच्चों की निशानी-सदा दाता राज़ी है, इसलिए ऐसी आत्मायें सदा अपने को ज्ञान के खजाने, शक्तियों के खजाने, गुणों के खजाने, सब खजानों से भरपूर अनुभव करेंगी, कभी भी अपने को खजानों से खाली नहीं समझेंगी।

उत्तर 4- *D.क्योंकि बाप कल्याणकारी है*

सारा मदार इस पर है, इनसे कोई नुकसान नहीं होगा। यह कहते हैं ऐसे करो तो कर देना चाहिए। तो नुकसान से भी फायदा निकल आयेगा। नुकसान की कोई बात नहीं। हर बात में कल्याण ही कल्याण है। अकल्याण भी ड्रामा में था। भूलें तो सबसे होती रहेंगी। *परन्तु अन्त में कल्याण तो कोई भी हालत में होना है क्योंकि बाप है कल्याणकारी।* सबका कल्याण करना है। सबको सद्गति दे देते हैं।

उत्तर 5- *B.फल*

वैराग्य ऐसी योग्य धरनी है जिसमें जो भी *फल* डालेंगे वह फलीभूत अवश्य होगा।

उत्तर 6- *C.पढ़ाई*

तुम सब हो कर्मयोगी। अपने घर को भी सम्भालो। क्लास में एक घण्टा पढ़ना है। फिर घर में जाकर रिवाइज़ करना है। स्कूल में भी ऐसे करते हैं ना। पढ़कर फिर घर में जाकर रिवाइज़ करते हैं। बाप कहते हैं *एक घड़ी आधी घड़ी.. दिन में 8 घड़ी होती हैं।* उनमें भी बाप कहते हैं एक घड़ी, अच्छा आधी घड़ी, 15-20 मिनट भी क्लास में पढ़कर धारणा कर फिर धन्धेधोरी में चक्र लगाओ।.....*एक घड़ी आधी घड़ी, पढ़ाई अवश्य पढ़नी है।* ज्ञान और योग में रेस करनी है।

उत्तर 7- *C.अर्जुन*

शिवबाबा कहते हैं - हम जब बच्चों को सुनाते थे तो यह भी सुनते थे। *इनके तन में मैं प्रवेश कर आया हूँ, इसलिए इनका नाम रखा है अर्जुन।* शास्त्रों में घोड़े का रथ दिखाते हैं। कितना फ़र्क है। घोड़े गाड़ी में एक को बैठ ज्ञान दिया क्या? अभी तुम समझते हो यह कैसे हो सकता है। तुम प्रैक्टिकल देख रहे हो - बाबा कैसे पढ़ाते हैं।

उत्तर 8- C.विकारों को

फिर कहते हम निर्गुण हारे में कोई गुण नाही। अब तुम बच्चों को गुण धारण करने हैं, अवगुणों को निकाल दो। रावण ने तुमको बन्दर मिसल बना दिया है। अब बाप तुमको देवता बनाते हैं। *जिसमें 5 विकार हैं उनको बन्दर कहा जाता है।* (नारद का मिसाल) अभी तुम्हारी सीरत बदलती जाती है फिर हम देवता बन जायेंगे।

उत्तर 9- *C.ब्रह्मचर्य*

हम बच्चे शिवबाबा द्वारा कल्प पहले मिसल फिर से पवित्रता, सुख-शान्ति और सम्पत्ति का राज्य ले रहे हैं। *पढ़ाई हमेशा ब्रह्मचर्य में ही पढ़ी जाती है।* अभी तो कोई-कोई शादी के बाद भी कोर्स उठा लेते हैं क्योंकि आमदनी जास्ती हो जाती है। यहाँ तुम्हारी आमदनी अनगिनत है।

उत्तर 10- *D.सेकण्ड का*

शरीर छूट जाता है। परन्तु ऐसे नहीं शिवबाबा से जाकर मिले। नहीं, सिर्फ पिछला पापों का हिसाब चुकतू हो फिर नयेसिर शुरू हो जाता है। बीच से कोई वापिस जा नहीं सकता। *भल ज्ञान सेकण्ड का है* परन्तु पढ़ाई तो पढ़नी है।

उत्तर 11- *D.त्रिमूर्ति का*

ज्ञान सूर्य नाम सुनकर समझते हैं कि शायद वह सूर्य ज्ञान स्वरूप है क्योंकि समझते हैं पत्थर-भित्ति में भगवान है तो सूर्य को बहुत मानते हैं। *अपने को सूर्यवंशी कहलाते हैं। सूर्य की पूजा करते हैं, झण्डा भी सूर्य का है। तुम्हारा है त्रिमूर्ति का झण्डा।* कितना वन्दरफुल है।

उत्तर 12- *D.कि परमात्मा ब्रह्म है*

आत्मा भी बिन्दी रूप है, परमात्मा का भी बिन्दी रूप है। गृहस्थी लोग ही गाते हैं त्वमेव माताश्च पिता.. *संन्यासी निवृत्ति मार्ग वाले कह देते परमात्मा ब्रह्म है।* वह त्वमेव माताश्च पिता नहीं कहेंगे। उनका मार्ग अलग है।

उत्तर 13- *C.शिवबाबा की*

शिवबाबा की सबसे बड़ी प्रवृत्ति है। भक्ति में सब त्वमेव माताश्च पिता कहकर पुकारते हैं तो प्रवृत्ति वाला हुआ ना। परन्तु जब तक वह साकार में न आये तब तक उनकी कोई प्रवृत्ति नहीं क्योंकि ऊपर में तो आत्मायें बाप के साथ निराकारी रूप में रहती हैं। जब साकार में आकर इनमें प्रवेश करते हैं तो सबसे बड़ी प्रवृत्ति है।

उत्तर 14- *B. 4*

बाबा ने समझाया है *मुख्य धर्म हैं 4,* जो धर्म स्थापन करते हैं, उनका जो शास्त्र है, उनको कहा जाता है धर्म शास्त्र। तो मुख्य हैं 4 धर्म। बाकी सब हैं छोटे-छोटे धर्म जो वृद्धि को पाते रहेंगे।

उत्तर 15- *B.नियमित पढ़ना*

इस ईश्वरीय पढ़ाई का लॉ है - नियमित पढ़ना। कभी पढ़ना, कभी न पढ़ना यह लॉ नहीं है। बाबा ने पढ़ाई के लिए बहुत प्रबन्ध दिये हैं। पढ़ाई (मुरली) यहाँ से पोस्ट में जाती है। 7 दिन का कोर्स लेकर कहाँ भी पढ़ सकते हो। पढ़ाई कभी मिस नहीं करनी है।

उत्तर 16- *B.क्रिएटर, डायरेक्टर, मुख्य एक्टर*

तुम अभी क्रियेटर, डायरेक्टर, मुख्य एक्टर ड्रामा के आदि मध्य अन्त को जानते हो, और कोई नहीं जानते। तुम्हारी अब स्वच्छ बुद्धि बनी है।

उत्तर 17 - *D. A और C*

सबसे जास्ती दूर लाइट कौन सी जाती है? *लाइट हाउस की। तो अब लाइट हाउस, सर्च लाइट बनना है।* रिवाजी बल्ब नहीं। सर्चलाइट वह बन सकेंगे जो स्वयं को सर्च कर सकते हैं। जितना स्वयं को सर्च कर सकेंगे उतना ही सर्चलाइट बनेंगे। अगर स्वयं को सर्च नहीं कर सकते तो सर्चलाइट भी नहीं बन सकेंगे।

उत्तर 18- *D. B और C*

अभी पावरफुल भी नहीं लेकिन विलपावर वाला बनना है। विलपावर और वाइडपावर अर्थात् बेहद की तरफ दृष्टि वृत्ति। तो अब एडिशन क्या करेंगे? *पावर तो है लेकिन अब विलपावर और वाइडपावर चाहिए।* आज बापदादा किस रूप से देख रहे हैं?

उत्तर 19- *B.धारणा मूर्त*

आप सभी अपने चारों मूर्त को जानते हो? आज बापदादा हरेक के अभी संगम समय की (न कि भविष्य की) ही चार मूर्त एक-एक में देख रहे हैं। वह चार मूर्त कौन सी है? अपनी मूर्त को जानते हो?.....चार मूर्त कौन सी देख रहे हैं। यह भी सम्पूर्ण बनने का लक्ष्य है। एक तो देख रहे हैं - *1. ज्ञान मूर्त, 2. गुण मूर्त, 3. दान मूर्त और 4. सम्पूर्ण सफलता मूर्त।*

उत्तर 20- *C.मेरा*

अगर *मेरा* शब्द से प्यार है तो अनेक मेरे को एक मेरे बाबा में समा दो।

उत्तर 21- *C.कैचिंग पॉवर*

पुरुषार्थ का मुख्य आधार कैचिंग पावर है। जैसे साइंसदान बहुत पहले के साउण्ड को कैच करते हैं ऐसे आप साइलेन्स की शक्ति से अपने आदि दैवी संस्कार कैच करो, इसके लिए सदैव यही स्मृति रहे कि मैं यही था और फिर बन रहा हूँ। जितना उन संस्कारों को कैच करेंगे उतना उसका स्वरूप बनेंगे। 5 हजार वर्ष की बात इतनी स्पष्ट अनुभव में आये जैसे कल की बात है। अपनी स्मृति को इतना श्रेष्ठ और स्पष्ट बनाओ तब शक्तिशाली बनेंगे।

उत्तर 22- *A.खुशी*

बापदादा समझते हैं कि *ब्राह्मण जीवन का श्वास खुशी है।* खुशी नहीं तो ब्राह्मण जीवन नहीं और अविनाशी खुशी, कभी-कभी वाली नहीं, परसेन्टेज वाली नहीं। खुशी तो खुशी है। आज 50 परसेन्ट खुशी है, कल 100 परसेन्ट है, तो जीवन का श्वास नीचे ऊपर है ना! बापदादा ने पहले भी कहा है कि शरीर चला जाए लेकिन खुशी नहीं जाए। तो यह पाठ सदा पक्का है या थोड़ा-थोड़ा कच्चा है? सदा अण्डरलाइन है? कभी-कभी वाले क्या होंगे? सदा खुशी में रहने वाले पास विद् ऑनर और कभी-कभी खुशी में रहने वालों को धर्मराजपुरी पास करनी पड़ेगी।

उत्तर 23- *C.रूहानी सेना*

आजकल कन्याओं, माताओं की पलटन बनाए उन्हीं को बन्दूक आदि चलाना सिखाते हैं। यहाँ तुम्हारे हाथ में बन्दूक आदि कुछ नहीं है। उनको क्या मालूम तो शिव शक्ति सेना कौन है? शिवबाबा तो कभी हिंसा करा नहीं सकते। लड़ाई की कोई बात ही नहीं। तुम जानते हो कि *शिवबाबा की रूहानी सेना है।*

उत्तर 24- *D.डबल अहिंसक*

शिवबाबा हमको डबल अहिंसक बनाते हैं। उनको कहा जाता है 100 परसेन्ट नान-वायोलेन्स। यहाँ है 100 परसेन्ट वायोलेन्स (हिंसा)। एक ही बाम्ब्स से कितनों का विनाश कर देते हैं। बेहद के नान-वायोलेन्स और वायोलेन्स में कितना फ़र्क है। तुम अभी इस समय बेहद की साइलेन्स में हो।

उत्तर 25- *B.रावण ने*

विक्रम संवत जो कहते हैं, हो सकता है जब से देवतायें वाम मार्ग में जाते हैं तो अपने को हिन्दू कहलाना शुरू करते हों, तब से विक्रम संवत भी कहते हो। तो आधा-आधा हो गया। उस समय उनको आदि सनातन देवी-देवता नहीं कहेंगे। संवत कहा जाता है जब धर्म स्थापन होता है। वह किसने स्थापन किया? *विक्रम संवत तो रावण ने स्थापन किया।*

उत्तर 26- *C.निर्वाणधाम*

बाप कहते हैं - हम कोई कमाई नहीं करते। हम तो तुमको सिखलाकर अपने घर ले जाते हैं। तुम कमाई करते हो तो गँवाते भी हो। तुमको सारा आदि मध्य अन्त का ज्ञान है। *बाबा को भी ज्ञान है, जो बैठकर समझाते हैं पार्ट अनुसार। फिर बाबा भी चले जाते हैं निर्वाणधाम।* सभी आत्मायें भी चली जायेंगी। वहाँ फिर जिन-जिन का पार्ट होगा वह फिर राजधानी में आते जायेंगे। बाकी टाइम शान्तिधाम में रहेंगे।

उत्तर 27- *D. 1.5 लाख*

परमात्मा ज्ञान का सागर है। परमपिता परमात्मा ब्रह्मा द्वारा स्थापना करते हैं। आदि मध्य अन्त की नॉलेज देते हैं। उनका नाम है शिव। *भक्ति मार्ग में उनके ढेर नाम रख दिये हैं। कम से कम डेढ़ लाख अपनी-अपनी भाषा में उनके नाम रखते हैं।*

उत्तर 28- *B. भगवान- भगवती*

भगवान हमको पढ़ाकर भगवती भगवान बनाते हैं - इसी खुशी वा नशे में रहना है। रचता और रचना का ज्ञान बुद्धि में रख दूसरों को सुनाना है।

उत्तर 29- *D. क्योंकि तुम आदि- मध्य- अन्त को जानते हो*

लक्ष्मी-नारायण को ही भगवती-भगवान कहा जाता है। फिर त्रेता में राम का राज्य था। उन्होंने को यह राज्य कैसे मिला, फिर वह राज्य कहाँ गया, यह कोई नहीं जानते अर्थात् रचना के आदि-मध्य-अन्त को कोई जानता नहीं।*अभी सारे सृष्टि के आदि मध्य अन्त को तुम जानते हो, तो तुम डबल आस्तिक ठहरे।*

उत्तर 30- *D. स्वर्गवासी बनने के लिए*

कहते हैं ना - राम गयो, रावण गयो...सिर्फ थोड़े रह जाते हैं जो फिर अदली-बदली होते रहते हैं। फिर तुम आयेंगे स्वर्ग में। तुम्हारे लिए अब नई दुनिया स्थापन हो रही है, *तुम स्वर्गवासी बनने के लिए पढ़ रहे हो।* यह नर्क है। अब तुम हो संगम पर।

उत्तर 31- *D. उपरोक्त सभी*

बाप द्वारा बच्चों को सुख-शान्ति-सम्पत्ति का वर्षा मिलता है, जो कहीं भी नहीं मिल सकता है। मनुष्य शान्ति के लिए जंगल में जाते हैं, परन्तु तुम जानते हो शान्ति तो हम आत्माओं का स्वधर्म है।.....बाप कहते हैं मैं आकर तुम बच्चों को सुख-शान्ति देता हूँ। अब सुख-शान्ति, सम्पत्ति किसके पास नहीं है। देने वाले को भी कोई जानता नहीं।

उत्तर 32- *C. जब तक ब्राह्मण- ब्राह्मणियाँ नहीं बनेंगे*

अभी तुम ब्राह्मण ब्राह्मणियाँ नहीं बनेंगे तो वर्षा ले नहीं सकेंगे। वर्षा ब्राह्मणों को मिलता है, जो एक बाप के सिवाए और कोई भी देहधारी को याद नहीं करते हैं। बाकी कुछ न कुछ सुना तो प्रजा में आ जायेंगे।

भाग - (80)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- अब इस शरीर का कैसे श्रृंगार करना है ?

- A- रूहानी यात्रा से
- B- श्रीमत पर चलकर
- C- ज्ञान योग से
- D- अमृतवेला

प्रश्न 2- मुरली में बाबा ने हिन्दू नाम देने वाला किसे बताया है-

- A- इस्लामियों ने
- B- क्रिश्चियनों ने
- C- बौद्धियों ने
- D- स्वयं हिन्दुओं ने

प्रश्न 3- ओम शान्ति का अर्थ है ?

- A- अहम आत्मा का स्वधर्म है शान्त
- B- मैं आत्मा शान्ति के सागर की संतान हूँ
- C- मैं आत्मा शान्ति धाम की रहने वाली हूँ
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 4- इनमें से कौनसा सही है ?

- A- अहम शरीर मम आत्मा
- B- अहम आत्मा मम आत्मा
- C- अहम आत्मा मम शरीर
- D. A और C

प्रश्न 5- यज्ञ का किला क्या है?

- A- मधुबन
- B- प्यूरिटी
- C- यूनिटी
- D- रूद्र ज्ञान

प्रश्न 6- क्या एक शब्द याद रखना है?

- A- एकमत
- B- एकरस
- C- एक बाप
- D- तीनों

प्रश्न 7- कौन से शुद्ध संकल्प में रहना है ?

- A- बाबा हमारे साथ है
- B- हम भगवान की सन्तान है
- C- सफलता होनी ही है
- D- स्वयं भगवान हमें पढ़ाता है

प्रश्न 8- समय पर क्या काम आता है ?

- A- मनसा सेवा
- B- श्रेष्ठ कर्मों की पूँजी
- C- दुआएँ
- D- B और C

प्रश्न 9- कोई क्रोध करे तो क्या करें ?

- A- शांत होकर देखते रहो
- B- ज्ञान की बातें सुनाओ
- C- शिव बाबा को याद करो
- D- मुख में ताबीज डाल दो

प्रश्न 10- भगवान से मिलने का रास्ता इनमें से कौन सा है ?

- A- गंगा स्नान
- B- यज्ञ-तप
- C- यात्रा करना
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 11- यह ड्रामा है, इसका नाम है..... ?

- A- खूने नाहक खेल
- B- हार जीत का खेल
- C- सुख दुःख का खेल
- D- B और C
- E- A,B और C

प्रश्न 12- टॉकी से मूवी, मूवी से कहाँ जाना है?

- A- टॉकी में
- B- साइलेन्स में
- C- सुक्ष्म वतन में
- D- मूलवतन में

प्रश्न 13- जिससे तुम वर्सा ले रहे हो, अब वह कहाँ है ?

- A- परमधाम में
- B- सुक्ष्म वतन में
- C- नीचे आया हुआ है।
- D- ब्रह्मा के तन में

प्रश्न 14 - बाप ने रुद्र ज्ञान यज्ञ रचा है किसलिए ?

- A- सतयुग की स्थापना के लिए
- B- पतित से पावन बनाने के लिए
- C- पतित दुनिया के विनाश के लिए
- D- घर ले जाने के लिए

प्रश्न 15 - इस अविनाशी रुद्र यज्ञ में किन बातों के कारण विघ्न पड़ते हैं ?

- A- पवित्र बनने के कारण
- B- श्रीमत् का पालन न करने के कारण
- C- भक्ति छोड़ने के कारण
- D- A और C

प्रश्न 16 - इस पुरानी दुनिया से बेहद का वैरागी बनना है.. क्यों?

- A- क्योंकि अब इस दुनिया का विनाश होना है
- B- क्योंकि बाप नया घर बना रहे है
- C- अभी सब दुःख देने वाले हैं
- D- सहजयोगी बन जायेंगे

प्रश्न 17- नई दुनिया को क्या कहते हैं?

- A- स्वर्ग
- B- सुखधाम
- C- रामराज्य
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 18- बोझ उतारने वा मुश्किल को सहज करने का क्या साधन है ?

- A- बाप की याद में मग्न रहना
- B- देही- अभिमानी बनना
- C- किसी से भी वाद- विवाद नहीं करना
- D- बाप का हाथ और साथ रखना

प्रश्न 19- तमोप्रधान से सतोप्रधान बनने के लिए क्या करना है?

- A- बाप से ही रूहानी बातें सुननी है
- B- पुरुषार्थ पर अटेंशन देना है
- C- मामेकम याद करो
- D- हीयर नो ईविल

प्रश्न 20- भक्ति और ज्ञान का फर्क कब पता चलेगा ?

- A- जब भगवान आएगा
- B- जब देही- अभिमानी बनेंगे
- C- जब सम्पूर्ण बनेंगे
- D- जब ज्ञान की पराकाष्ठा आयेगी

प्रश्न 21- पुरानी दुनिया का विनाश कैसे होगा?

- A- लड़ाई- झगड़े से
- B- विकारों से
- C- हिंसा से
- D- महाभारत लड़ाई से

प्रश्न 22- पढ़कर तैयार होने पर क्या हो जायेगा ?

- A- सम्पूर्ण बन जायेंगे
- B- महाभारत लड़ाई होगी
- C- कर्मातीत अवस्था को प्राप्त कर लेंगे
- D- विनाश शुरू होगा

प्रश्न 23- तुम अपने को क्या नहीं समझो?

- A- मनुष्य
- B- भक्त
- C- शरीर
- D- B और C
- E- A,B और C

प्रश्न 24- निराकार का नाम क्या है?

- A- शिव
- B- रूद्र
- C- पशुपतिनाथ
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 25- सभी आत्मायें हिसाब- किताब चुक्ती कर जायेंगी इसको कौनसा समय कहा जाता है?

- A- विनाश का समय
- B- कलियुग के अन्त का समय
- C- कयामत का समय
- D- बाप का आने का समय

प्रश्न 26- जब मौत सामने आयेगा तब क्या आयेगा?

- A- नेचुरल कैलेमिटीज
- B- वैराग्य
- C- फैमन
- D- बाप की याद

प्रश्न 27- तुम्हारे में भी बहुतों को विनाश की भावी का निश्चय नहीं है। अगर होता तो...?

- A- वैराग्य आ जाता
- B- योग में अच्छी तरह रहते
- C- सब कुछ समर्पण कर देते
- D- भक्ति छोड़ देते

प्रश्न 28- तुम जानते हो कि सभी आत्मायें बेहद के बाप से पढ़ेंगी नहीं लेकिन.....?

- A- चक्रवर्ती राजा बन सकती हैं
- B- पढ़ाई का कदर करेंगी
- C- सबको पैगाम देंगी
- D- साथ जाएंगी

प्रश्न 29- सृष्टि कहाँ है?

- A- फर्स्ट फ्लोर
- B- सेकण्ड फ्लोर
- C- थर्ड फ्लोर
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 30- धुरिया किसे कहा जाता है?

- A- सृष्टि चक्र को
- B- ज्ञान की रिमझिम को
- C- देवी- देवता घराना को
- D- त्रिमूर्ति को

प्रश्न 31- से बाप का वर्सा गुम हो जाता है ?

- A- श्रीमत पर ना चलने से
- B- पतित बनने से
- C- सर्वव्यापी कहने से
- D- बाप की अवज्ञा करने से

प्रश्न 32- जो पूज्य थे वही पुजारी बनें फिर..... बनेंगे?

- A- पतित
- B- पूज्य
- C- ब्राह्मण
- D- फरिश्ता

भाग (80) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *C.ज्ञान और योग*

अभी तुम ईश्वर की गोद में बैठे हो। मात-पिता की गोद में हो। लॉमुजीब बाप ब्रह्मा मुख से तुमको जन्म देते हैं तो यह माँ हो गई, लेकिन तुम्हारी बुद्धि फिर भी शिवबाबा तरफ चली जाती है। तुम मात-पिता हम बालक तेरे.... शिव-बाबा तरफ लव चला जाता है। तुम सजनियाँ भी हो। शिवबाबा आया है, तुमको श्रृंगार कर लायक बनाने। *ज्ञान और योग से तुम बच्चों को श्रृंगारते हैं।*

उत्तर 2- *A.इस्लामियों ने*

पहले तो आदि सनातन देवी-देवता धर्म ही था। फिर जब विकारी हुए तो अपने को देवता कह न सके। तो अपने को आदि सनातन देवी-देवता के बदले आदि सनातन हिन्दू कह दिया है। आदि सनातन अक्षर भी रखा है। सिर्फ देवता बदली कर हिन्दू रख दिया है। *उस समय इस्लामी आये तो उन बाहर वालों ने आकर हिन्दू धर्म नाम रख दिया।* पहले हिन्दुस्तान नाम भी नहीं था।

उत्तर 3- *A.अहम आत्मा का स्वधर्म है शान्त*

ओम् शान्ति का अर्थ बाप ने बच्चों को समझाया है। अहम् आत्मा का स्वधर्म है शान्त। शान्तिधाम में जाने के लिए कोई पुरुषार्थ नहीं करना पड़ता है। आत्मा स्वयं शान्त स्वरूप, शान्तिधाम में रहने वाली है। यहाँ थोड़े समय के लिए शान्त रह सकते हैं। आत्मा कहती है मेरी कर्मेन्द्रियों का बाजा थक गया है। मैं अपने स्वधर्म में टिक जाता हूँ, शरीर से अलग हो जाता हूँ।

उत्तर 4- *C.अहम आत्मा मम शरीर*

आत्मा कहती है - मैं शान्ति देश की रहवासी हूँ। *सिर्फ यहाँ शरीर में आने से मैं टॉकी बना हूँ। अहम् आत्मा मम शरीर है।* आत्मा ही पतित और पावन बनती है।

उत्तर 5- *C.युनिटी*

पहले दीपकों की माला तो यहाँ ही तैयार होगी। बापदादा आप लोगों को हरेक का उमंग-उत्साह बढ़ाने का एगजैम्पल समझते हैं। *आप लोगों की युनिटी ही यज्ञ का किला है।* चाहे 10 हो, चाहे 12 हो लेकिन किले की दीवार हो। तो बापदादा कितना खुश होंगे! बापदादा तो है ही, फिर भी निमित्त तो आप हो। ऐसा ही संगठन दूसरा, तीसरा ग्रुप बन जाये तो कमाल हो जाए।

उत्तर 6- *D.तीनों*

बस एक शब्द याद रखना - सबमें एक, एकमत, एकरस, एक बाप। भारत के बच्चों को भी बापदादा दिल से मुबारक दे रहे हैं। जैसा लक्ष्य रखा वैसे लक्षण प्रैक्टिकल में लाया।

उत्तर 7- *D.स्वयं भगवान हमें पढ़ाता है*

सदा नशा और निश्चय रहे कि हमें पढ़ाने वाला कोई जिस्मानी टीचर नहीं। स्वयं ज्ञान सागर निराकार बाप टीचर बन हमें पढ़ा रहे हैं। इस पढ़ाई से ही हमें सतोप्रधान बनना है। *हम भगवानुवाच ही सुनते हैं, स्वयं भगवान हमें पढ़ा रहे हैं।* इस शुद्ध संकल्प में रहना है।

उत्तर 8 - *D. B.और C*

शक्तियाँ जमा नहीं होती तो इतनी सेवा मुश्किल हो जाती। यह भी ड्रामा में हर आत्मा का पार्ट है। *जो श्रेष्ठ कर्म की पूँजी जमा होती है तो समय पर वह काम में आती है। कितनी आत्माओं की दुआयें भी मिल जाती हैं*, वह भी जमा होती हैं। कोई न कोई विशेष पुण्य की पूँजी जमा होने के कारण विशेष पार्ट है।

उत्तर 9- *A.शांत होकर देखते रहो*

भल कोई क्रोध भी करे परन्तु तुम नहीं बोलो। संन्यासी भी कहते हैं - मुख में ताबीज़ डाल दो, तो वह बोल-बोल कर चुप हो जायेगा। *बाप भी कहते हैं - कोई क्रोध से बोले तो तुम शान्त होकर देखते रहो।* कोई भी हालत में तुम्हें शिवबाबा को याद करना है। ...जब कोई क्रोध करता है तो बहुत-बहुत शान्त रहना है। क्रोधी के साथ क्रोधी नहीं बन जाना है।

उत्तर 10 - *D.उपरोक्त सभी*

पतित-पावन परमात्मा आओ, आकर हमको रास्ता बताओ। दूसरे तरफ कहते गंगा पतित-पावनी है। *गंगा स्नान, यज्ञ-तप, यात्रा करना यह सब भगवान से मिलने के रास्ते हैं।* जबकि बुलाते हो परमात्मा को, फिर धक्के क्यों खाते हो! यह सब भक्ति मार्ग की नूँध है।

उत्तर 11- *D. B. और C*

बाप आकर समझाते हैं कि रूहानी बच्चों, तुम तो अविनाशी हो, परमधाम में रहने वाले हो, जहाँ से फिर आते हो यहाँ पार्ट बजाने। तुम दूरदेश के रहने वाले हो। *यह ड्रामा है, इसका नाम है हार-जीत का खेल। सुख-दुःख का खेल।*

उत्तर 12- *B. साइलेन्स में*

जिनकी बुद्धि में एम आब्जेक्ट क्लीयर है। तुम्हारी एम-आब्जेक्ट है मुक्तिधाम में जाने की, उसके लिए शरीर से भी बुद्धियोग निकालना पड़े। *टॉकी, मूवी से भी परे साइलेन्स में रहने का अभ्यास करो* क्योंकि तुमको साइलेन्स अथवा निर्वाण में जाना है। ...टॉकी, मूवी और साइलेन्स। आगे मूवी नाटक भी थे, अब टॉकी बन गये हैं। तुम बच्चों को साइलेन्स सिखाई जाती है,

उत्तर 13- *C. नीचे आया हुआ है*

यह झाड़ है ना। उस झाड़ का बीज नीचे रहता है, इनका बीज ऊपर में है। बाप को जब बुलाते हैं तो बुद्धि ऊपर चली जाती है। *जिससे तुम वर्सा ले रहे हो वह अब नीचे आया हुआ है।* कहते हैं मुझे आना पड़ता है।

उत्तर 14- *C. पतित दुनिया के विनाश के लिए*

लोग कहते हैं - शान्ति हो, विनाश न हो और *बाप ने यह रूद्र ज्ञान यज्ञ रचा ही है पुरानी दुनिया के विनाश के लिए।* इसके बाद ही शान्ति की दुनिया आयेगी।

उत्तर 15- *D. A और C*

यह शिवबाबा का रचा हुआ अविनाशी रूद्र यज्ञ है, *इसमें तुम मनुष्य से देवता बनने के लिए पवित्र बनते हो, भक्ति आदि छोड़ते हो* इस कारण विघ्न पड़ते हैं।

उत्तर 16- *B. क्योंकि बाप नया घर बना रहे हैं*

पुरानी दुनिया से वैराग्य। यह है बेहद का वैराग्य। उन्हीं का है हृद का वैराग्य। तुम जानते हो यह पुरानी दुनिया अब खत्म होने वाली है। नया घर बनाते हैं तो पुराने से वैराग्य हो जाता है।*इस पुरानी दुनिया से बेहद के वैरागी बनो क्योंकि बाप तुम्हारे लिए नया स्वर्ग रूपी घर बना रहे हैं।*

उत्तर 17- *A. स्वर्ग*

बाप अपना परिचय दे रहे हैं। मैं तुम्हारा बाप हूँ। अभी यह है नर्क। *नई दुनिया को स्वर्ग कहा जाता है।* ऐसे कैसे कहेंगे कि यहाँ ही स्वर्ग नर्क है, जिनको बहुत धन है वह स्वर्ग में हैं। स्वर्ग तो होता ही है नई दुनिया में।

उत्तर 18- *D. बाप का हाथ और साथ रखना*

समझना चाहिए हर कर्म में बापदादा मेरे साथ भी है और हमारे इस अलौकिक जीवन का हाथ उनके हाथ में है अर्थात् जीवन उनके हवाले है। ज़िम्मेवारी उनकी हो जाती है। सभी बोझ बाप के ऊपर रख अपने को हल्का कर देना चाहिए। बोझ ही न होगा तो कुछ मुश्किल लगेगा? *बोझ उतारने वा मुश्किल को सहज करने का साधन है - बाप का हाथ और साथ।* यह तो सहज है ना।

उत्तर 19- *C. मामेकम याद करो*

यहाँ स्वर्ग कहाँ से आया इसलिए हम कोई मनुष्यों की बात सुनते नहीं। बाप कहते हैं तुमको *तमोप्रधान से सतोप्रधान बनना है तो मामेकम् याद करो।* सारा दिन बुद्धि में यह नॉलेज रहनी चाहिए।

उत्तर 20- *D. जब ज्ञान की पराकाष्ठा आयेगी*

जिसने बहुत भक्ति शुरू से लेकर अन्त तक की है, वही नम्बरवन ऊपर जायेंगे। बाप ऐसे नहीं कहते कि भक्ति छोड़ो। *जब ज्ञान की पराकाष्ठा आयेगी तो आपेही समझेंगे कि यह भक्ति और यह ज्ञान है।*

उत्तर 21- *D. महाभारत लड़ाई से*

महाभारत लड़ाई भी लिखी हुई है, बहुत आफतें आयेंगी। नेचुरल कैलेमिटीज़ आयेगी। *पुरानी दुनिया खत्म होगी।* यह वही बाम्बस, मिसाइल्स हैं, यह वही विनाश का समय है जबकि भगवान ने आकर रूद्र ज्ञान यज्ञ रचा था, जिससे विनाश ज्वाला निकली। महाभारत लड़ाई जरूर लगनी चाहिए, जो पतित दुनिया खत्म हो जाए।

उत्तर 22- *D. विनाश शुरू होगा*

तुम जानते हो रावण राज्य खत्म होता है। तुमको बाबा राजयोग सिखलाते हैं। *जब पढ़ाई पूरी होती है तब विनाश होता है,* जिसका नाम महाभारत रखा है।

उत्तर 23- *C. शरीर*

इस शरीर को न देख आत्मा को देखो, अपने को आत्मा समझ आत्मा से बात करो, इस अवस्था को जमाना है, यही ऊंची मंजिल है" तुम बच्चे अपने को आत्मा समझते हो, बाप को याद करते हो, ऐसे और कोई याद नहीं कर सकते होंगे। कोई भी आत्मा का योग

बाप के साथ है नहीं। कहते भी हैं हम भाई- भाई हैं तो *आत्मा को ही देखना चाहिए। शरीर को नहीं देखना चाहिए।* यह बहुत बड़ी मंजिल है।

उत्तर 24- *A.शिव*

ड्रामा प्लैन अनुसार *मुझ आत्मा का नाम शिव है। मैं हूँ निराकार।* मुझे बुलाते ही हैं - शिवबाबा। असुल मेरा नाम एक ही है। बाकी भिन्न-भिन्न नाम रख दिये हैं। मेरा नाम कोई रूद्र है नहीं। न कृष्ण ने कोई यज्ञ रचा है। यह सब है झूठ।

उत्तर 25- *C.कयामत का समय*

यह वही महाभारत लड़ाई है। *सभी आत्मायें हिसाब-किताब चुक्ती कर जायेंगी, इसको कयामत का समय कहा जाता है।* इतने सब शरीर खत्म होंगे। नेचुरल कैलेमिटीज होनी है, यह भी ड्रामा में नूँध है। नई बात नहीं है। फैमन (अकाल) के कारण मनुष्य भूखों मरते हैं।

उत्तर 26- *B.वैराग्य*

मनुष्य मौत से कितना डरते हैं। लाइफ को बचाने के लिए दुआयें माँगते रहते हैं। अभी तो ढेर मरने वाले हैं। उनके लिए क्या कहेंगे! बाप को बुलाया ही इसलिए है कि बाबा हमको पावन दुनिया में ले चलो। आगे चलकर बहुत याद करने लग पड़ेंगे। *जब मौत सामने आयेगा फिर वैराग्य आयेगा।*

उत्तर 27- *B.योग में अच्छी तरह रहते*

पहले ये बाम्ब्स नहीं थे, अब निकले हैं इसलिए यह सारी धम-धम मच रही है। अब यह तुम जानते हो - यह सब है भावी। *तुम्हारे में भी बहुतों को विनाश की भावी का निश्चय नहीं है। अगर होता तो योग में बहुत अच्छी तरह रहते।* योगबल से विश्व की बादशाही लेनी है।

उत्तर 28- *D.साथ जाएंगी*

तुम जानते हो कि सभी आत्मायें बेहद के बाप से पढ़ेंगी नहीं लेकिन साथ में जरूर जायेंगी।.... यह बाप बैठ समझाते हैं, सबको तो नहीं पढ़ायेंगे। परन्तु सबको साथ जरूर ले जायेंगे। ड्रामा प्लैन अनुसार मैं बाँधा हुआ हूँ ले जाने के लिए। दुनिया यह नहीं जानती कि पुरानी दुनिया खत्म होने वाली है।

उत्तर 29- *C.थर्ड फ्लोर*

बाप कहते हैं - घर-घर में पैगाम दो कि ऊंचे ते ऊंचा है बाप। फर्स्ट फ्लोर मूलवतन, सेकेण्ड फ्लोर सूक्ष्मवतन। *थर्ड फ्लोर है यह साकारी* दुनिया। अगर इन फ्लोर्स की भी बच्चों को याद रहे तो पहले बाबा जरूर याद पड़े।

उत्तर 30- *B.ज्ञान की रिमझिम को*

तुम्हारे लिए यह ज्ञान और विज्ञान ही होली-धूरिया है। वे लोग भी होली और धूरिया मनाते हैं लेकिन उसका अर्थ क्या है, यह भी कोई नहीं जानते। *वास्तव में यह ज्ञान और विज्ञान है,* जिससे तुम अपने को बहुत ऊँच बनाते हो।

उत्तर 31- C.सर्वव्यापी कहने से

अब तुम बच्चे जानते हो - बाप आया हुआ है, *उससे हमको वर्सा मिलता है।* बाकी *मनुष्य तो बाप को जानते ही नहीं। सर्वव्यापी कह देते हैं।*

उत्तर 32- *B.पूज्य*

इस संगम को पुरुषोत्तम युग कहा जाता है। उत्तम से उत्तम पुरुष भी हैं। बाकी सब हैं कनिष्ठ। *जो पूज्य थे वही फिर पुजारी बने हैं।* तुम जानते हो *हम सो पूज्य थे फिर पुजारी बनें, अब फिर पूज्य बनते हैं।* वहाँ यह नॉलेज नहीं होगी, न यह शास्त्र आदि होंगे। सब खत्म हो जायेंगे।

भाग - (81)

सम्पूर्ण मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- घड़ी-घड़ी क्या कहना चाहिए ?

- A- "मैं आत्मा हूँ, शिव बाबा का बच्चा हूँ"
- B- "जो हुक्म शिवबाबा"
- C- "ओम शांति"
- D- "मेरा बाबा, मीठा बाबा"

प्रश्न 2- आजकल तो कौन हैं जो मरने तक भी धन्धे आदि को छोड़ते नहीं हैं ?

- A- तमोप्रधान
- B- वानप्रस्थी
- C- धनवान
- D- 80 वर्ष की उम्र वाले भी

प्रश्न 3- अलग पर्याय का चुनाव कीजिए -

- A- त्रिनेत्री
- B- त्रिलोकीनाथ
- C- त्रिमूर्ति
- D- त्रिकाल दर्शी

प्रश्न 4- ब्रह्मा बाप ब्रह्मा बना ही तब जब बाप-दादा क्या हुए ?

- A- कम्बाइन्ड
- B- कम्पेनियन
- C- साथी
- D- B और C

प्रश्न 5- यह इतना बड़ा यज्ञ है जिससे मनुष्य -

- A- कौड़ी से हीरे जैसा बनते हैं
- B- भ्रष्टाचारी से श्रेष्ठाचारी बनते हैं
- C- सारा विश्व हीरे जैसा बनता है
- D- A और B
- E- A, B और C

प्रश्न 6- यह कयामत का समय है, किसने ही तुमको कब्रदाखिल कर दिया है ?

- A- विकर्म
- B- विकार
- C- रावण
- D- देह अभिमान

प्रश्न 7- श्रेष्ठ कर्म का सहज सिम्बल/प्रतीक कौन है ?

- A- अव्यक्त ब्रह्मा
- B- मम्मा
- C- ब्रह्मा बाप
- D- B & C

प्रश्न 8- पर बैठ कर्म करते हो तो वो कर्म भी कितने श्रेष्ठ होते हैं। क्योंकि सर्व कर्मोन्ध्रियां लॉ और ऑर्डर पर रहती हैं ?

- A- अकाल तख्त
- B- दिलतख्त
- C- राज्यतख्त
- D- A और C

प्रश्न 9- परमपिता परमात्मा पतित सृष्टि को पावन करते हैं, अर्थात कौड़ी जैसे कंगाल भारत को क्या बनाते ?

- A- सोने की चिड़िया
- B- हीरे जैसा सिरताज
- C- स्वर्ग
- D- परिस्तान

प्रश्न 10- जो बच्चे बाप की राय पर नहीं चलते उन्हें कहेंगे -

- A- सौतेले
- B- लगे
- C- मातेले
- D- ऑरफन

प्रश्न 11- कौनसी आत्मा को पास्ट और फ्यूचर भी इतना ही स्पष्ट होता है जैसे प्रेजेंट स्पष्ट है?

- A- त्रिनेत्री वाली
- B- त्रिकालदर्शी स्थिति
- C- दिव्य बुद्धि वाली
- D- उपरोक्त सभी सही हैं।

प्रश्न 12- जो एक दो को सुख देते हैं उनको कहा जाता है कौन सा सम्प्रदाय ?

- A- ब्राह्मण सम्प्रदाय
- B- क्षत्रिय सम्प्रदाय
- C- देवता सम्प्रदाय
- D- B और C

प्रश्न 13- सर्व सम्बन्धों का रस वा अनुभूतियां करना ही क्या है?

- A- अनुभवीमूर्त
- B- मध्याजीभव
- C- मनमनाभव
- D- B और C

प्रश्न 14- देहभान छोड़ने की मेहनत नहीं करो लेकिन किसमें स्थित रहने का अटेन्शन रखो?

- A- देही-अभिमानि
- B- स्वमान
- C- विदेही स्थिति
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 15 -मुझ अपने पारलौकिक परमप्रिय परमपिता परमात्मा को नहीं जानते हैं उनको क्या कहा जाता है ?

- A- शास्त्रवादी
- B- आस्तिक
- C- नास्तिक
- D- A और C

प्रश्न 16- कौन झुकता है-

- A- निर्मानचित
- B- निमित्त
- C- स्वमानधारी
- D- नम्रचित

प्रश्न 17- आँखों से भल देखते हो परन्तु याद सुप्रीम टीचर शिवबाबा को करना है ?

- A ब्रह्मा को
- B बापदादा को
- C अव्यक्त ब्रह्मा को
- D A और C

प्रश्न 18- जो बाप के प्रिय, ब्राह्मण परिवार के प्रिय और विश्व सेवा के प्रिय हैं वही क्या हैं?

- A एकनामी
- B एवरप्योर
- C एवररेडी
- D A और C

प्रश्न 19- तुम बच्चे कलियुगी गोवर्धन पर्वत को उठाने के लिए कौन-सी अंगुली देते हो ?

- A- श्रीमत् पर चलने की
- B- सहयोग की
- C- पवित्रता की
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 20- बच्चों की डबल पूजा किस रूप में होती है ?

- A- सालिग्राम के रूप में
- B- देव आत्माओं के रूप में
- C- भगवान भगवती
- D- A और B
- E- A ,B और C

प्रश्न 21- चेहरे वा चलन से प्योरिटी की झलक तब दिखाई देगी जब सदा संकल्प में भी क्या हो ?

- A - रायल्टी
- B - प्योरिटी
- C- एकवर्ता
- D -A और B

प्रश्न 22- परमात्मा के सम्बन्ध में इनमें सबसे उपयुक्त कथन का चयन करें?

- A-अन्तर्यामी
- B-सर्वज्ञ
- C-विश्व का मालिक
- D-B और C

प्रश्न 23- अब भारत-वासियों पर राहू की दशा बदलकर किसकी दशा बैठती है?

- A- सूर्यवंशी व चन्द्रवंशी की दशा
- B- शुक्र की दशा
- C- मंगल की दशा
- D- उपरोक्त में से कोई नहीं।

प्रश्न 24- तुम कैसे बनो तो ज्ञान की डांस भी अच्छा होगा ?

- A- अलौकिक कर्म करने वाले बनो
- B- ज्ञानी बनो
- C- होशियार सर्विसएबुल बनो
- D- चात्रक बनो

प्रश्न 25- कर्म में योग का अनुभव होना अर्थात् ?

- A- योगयुक्त
- B- राजयोगी
- C- कर्मयोगी
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 26- शिव बाबा द्वारा मुरलियों में सुनाये हुए ज्ञान को क्या कह सकते हैं?

- A-सच्ची अमरकथा
- B-तीजरी की कथा
- C-तीसरा नेत्र मिलने की कथा
- D-A,B और C
- E- A और B

प्रश्न 27- विजय माला के बारे में सही महावाक्य पहचानिए -

- A-तुम अब विजय माला में पिरोने का पुरुषार्थ कर रहे हो ?
- B-विजय माला 8 रत्नों की ही होती है।
- C-सबसे ऊपर में है शिवबाबा फूल, फिर है जगत अम्बा, जगत पिता और उनकी 108 वंशावली।

D- A और C

प्रश्न 28- तुम्हें किस के लिए पावन जरूर बनना है ?

- A- बाप का फरमान है इसलिए
- B- मनुष्य से देवता बनाने के लिए
- C- सतयुगी बादशाही का लायक बनने के लिए
- D- पुरानी दुनिया को नया बनाने के लिए

प्रश्न 29- शिवबाबा नहीं हैं ?

- A- त्रिमूर्ति
- B- एक ओंकार
- C- मास्टर सर्वशक्तिमान
- D- A और C
- E- A और B

प्रश्न 30- शिवबाबा किसको नॉलेज सुनाते हैं सृष्टि के आदि, मध्य, अन्त की ?

- A- जीते जी मरकर अमरलोक में चलने वालों को ।
- B- एडाएड चिल्ड्रेन को ।
- C- जो गाते हैं - तुम मात-पिता उन सबको।
- D- A और B।
- E- A, B और C

प्रश्न 31- तुम समझते हो शिव- बाबा हमारा सच्चा-सच्चा बाप है, जिससे किसका वर्सा मिलता है?

- A- पवित्रता
- B- सचखण्ड
- C- परमधाम
- D- A, B, C
- E- A और B

प्रश्न 32- बाप से कौन सी आशाएँ नहीं रखनी हैं ?

- A- एक बाप की याद में रहना है
- B- दो रोटी मिली, पेट भरा, बस
- C- साक्षात्कार हो
- D- आश कोई भी नहीं रखो, सिवाए बेहद के बाप से बेहद का वर्सा लेने।
- E- C और D

भाग (81) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *B. जो हुक्म शिव बाबा*

राजाओं के आगे जो रहते हैं वह ऐसे कहते हैं - "जो हुक्म"। वह राजाये हुक्म करते थे। *यह शिवबाबा का हुक्म है। घड़ी-घड़ी कहना चाहिए - "जो हुक्म शिवबाबा"।* तो तुमको खुशी भी रहेगी। समझेंगे शिवबाबा हुक्म देते हैं। याद रहेगी शिवबाबा की तो बुद्धि का ताला खुल जायेगा। शिवबाबा कहते हैं यह प्रैक्टिस पड़ जानी चाहिए तो बेड़ा पार हो जाए। परन्तु यही डिफीकल्टी है। घड़ी-घड़ी भूल जाते हैं।

उत्तर 2- *B. वानप्रस्थी*

कन्या वा कुमार को गृहस्थी नहीं कहेंगे और जो वानप्रस्थी हैं वह 60 वर्ष के बाद फिर सब कुछ बच्चों को दे खुद कोई साधू आदि के संग में जाकर रहते हैं। आजकल तो तमोप्रधान हैं तो *मरने तक भी धन्य आदि को छोड़ते नहीं हैं। आगे 60 वर्ष में वानप्रस्थ अवस्था में चले जाते थे।* बनारस में जाकर रहते थे। यह तो बच्चों ने समझा है वापिस कोई जा न सके। सद्गति को पा नहीं सकते।

उत्तर 3 - *C. त्रिमूर्ति शिव*

ज्ञान सागर बाप द्वारा तुम मास्टर ज्ञान सागर बने हो, तुम्हें ज्ञान का तीसरा नेत्र मिला है, *इसलिए तुम हो त्रिनेत्री, त्रिकालदर्शी और त्रिलोकीनाथ। त्रिमूर्ति शिव बाबा हैं।*

उत्तर 4- *A.कम्बाइंड*

जब सन 1969 में प्रजापिता ब्रह्मा ने अपनी साकार देह छोड़ी, तब वे निराकार शिव (परमात्मा) के साथ कम्बाइंड होकर 'अव्यक्त फरिश्ता' बन गए। इसी अलौकिक कम्बाइंड रूप को 'बापदादा' कहा जाता है। *ब्रह्मा बाप ब्रह्मा बना ही तब जब बाप-दादा कम्बाइंड हुए।*

उत्तर 5- *D. A और B*

आगे चल तुम देखना इस यज्ञ का कितना रिगार्ड रखते हैं। यहाँ बहुतों को रिगार्ड नहीं है। इतने सब यज्ञ के बच्चे हैं। बच्चे पैदा होते रहते हैं तो इस यज्ञ की कितनी इज्जत रखनी चाहिए। परन्तु बहुत हैं जिनको कदर ही नहीं है। *यह इतना बड़ा यज्ञ है जिससे मनुष्य कौड़ी से हीरे जैसा, भ्रष्टाचारी से श्रेष्ठाचारी बनते हैं* इसलिए बाबा कहते हैं भल यज्ञ रचते रहो, एक भी श्रेष्ठाचारी बना तो अहो सौभाग्य।

उत्तर 6- *B.रावण*

यह कयामत का समय है, रावण ने सबको कब्रदाखिल कर दिया है, बाप आये हैं अमृत वर्षा कर साथ ले जाने 'माया रावण ने काम चिता पर बिठाए कब्रदाखिल कर दिया है। सभी सो गये हैं। अब बाप ज्ञान अमृत पिलाते हैं। अब ज्ञान अमृत कहाँ और वह पानी कहाँ।

उत्तर 7- *C.ब्रह्मा बाप*

कर्म का सहज सिम्बल ब्रह्मा बाप है इसलिये आप सभी विशेष पुरुषार्थ का शब्द यही वर्णन करते हो कि बाप समान बनना है। हम सभी को ब्रह्मा बाप समान संपूर्ण स्थिति को प्राप्त करना है। हमारा अगर उनसे सच्चा प्यार है तो हमे उन्हे फ़ालो करना। पुरुषार्थ करना चाहिए कि मम्मा बाबा को फालो करें, बहुत मीठा बनें। ब्रह्मा बाप सम्पूर्ण कर्मातीत हुये।

उत्तर 8- *A.अकाल तख्त*

जो सदा अकालतख्त पर बैठ कर कर्म करते हैं, उनके कर्म श्रेष्ठ होते हैं क्योंकि सभी कर्मन्धियां लॉ और ऑर्डर पर रहती है। अकाल तख्त और दिलतख्त पर बैठ सदा श्रेष्ठ कर्म करने वाली कर्मयोगी आत्मा हूँ। कर्मन्धियां लॉ और ऑर्डर पर रहती है।

उत्तर 9- *B.हीरे जैसा सिरताज*

जब सृष्टि में अज्ञानता और बुराइयाँ (पांच विकार) चरम पर होती हैं, तो परमात्मा इस पतित दुनिया को बदलकर इसे फिर से सतयुग (स्वर्ग) जैसा पावन, समृद्ध और दैवी गुणों से भरपूर बना देते हैं। *हीरे जैसा सिरताज* भारत: प्राचीन काल में भारत 'डबल सिरताज' (पवित्रता और ऐश्वर्य का ताज) माना जाता था। समय के साथ आध्यात्मिक पतन के कारण यह कंगाल बन गया, जिसे परमात्मा आकर पुनः हीरे के समान श्रेष्ठ और विश्व का सिरताज बनाते हैं।

उत्तर 10- *A.सौतेले*

तुम बच्चों को कोशिश कर बाप को याद करना चाहिए तो खुशी का पारा चढ़ेगा। *बाप की राय पर नहीं चलेंगे तो सौतेले ठहरे।* फिर प्रजा में चले जायेंगे। मातेले होंगे तो राजधानी में आ जायेंगे। राजधानी में आना चाहते हो तो श्रीमत पर चलना पड़े।

उत्तर 11- *C.दिव्य बुद्धि वाली*

बाबा ब्रह्मा तन में अवतरित होकर ब्राह्मण धर्म के बल से अपने में खोये हुए बेहोश बच्चों को दिव्य बुद्धि देकर अपना बनाते हैं... ईश्वरीय जन्म की गोल्डन गिफ्ट दिव्य बुद्धि देता है, दिव्य बुद्धि मिली तभी त्रिनेत्री व त्रिकालदर्शी बन पाए

उत्तर 12- *C.देवता सम्प्रदाय*

ब्राह्मण अभी पुरुषार्थी हैं, विकर्मों को चुक्ता कर रहे तो एक दो को सुख और विकारों के वशीभूत होकर एक दूसरे को दुख भी देते हैं। देवता वे कहलाते हैं जो सदा दूसरों को सुख देते हैं, किसी को भी दुःख नहीं देते और जिनके बोल, कर्म और स्वभाव में पवित्रता होती है

उत्तर 13- *C.मनमनाभव*

सर्व सम्बन्धों का रस वा अनुभूतियां करना ही मनमनाभव है। सिर्फ बाप के रूप में या विशेष तीन रूपों के सम्बन्ध से अनुभव नहीं है लेकिन सर्व सम्बन्धों के स्नेह का अनुभव कर सकते हो। सम्बन्धों से याद तो करते हो लेकिन फ़र्क क्या हो जाता है? एक है दिमाग से नॉलेज के आधार पर सम्बन्ध को याद करना और दूसरा है दिल से उस सम्बन्ध के स्नेह में, लव में लीन हो जाना।

उत्तर 14- *B.स्वमान*

बच्चे देहभान को छोड़ने की बहुत मेहनत करते हैं। एक देहभान के रूप को छोड़ते हैं तो दूसरा आ जाता है, फिर दूसरे को छोड़ते हैं तो तीसरा आ जाता है। लेकिन छोड़ना सदा मुश्किल होता है और धारण करना सहज होता है। तो बापदादा कहते हैं कि स्वमान में सदा रहो। जहाँ स्वमान है वहाँ देहभान आ ही नहीं सकता। तो छोड़ने की मेहनत नहीं करो लेकिन स्वमान में स्थित रहने का अटेन्शन रखो और संगमयुग पर स्वयं बाप द्वारा कितने अच्छे-अच्छे स्वमान प्राप्त हैं।

उत्तर 15- *C.नास्तिक*

अर्थात् ईश्वर को न मानने वाले । ऋषि मुनि भी ईश्वर के सम्बन्ध में नेति,नेति कह कर कहते हैं हम परमात्मा के विषय में नहीं जानते। उसी तरह भक्त भी अज्ञानतावश ईश्वर को न समझ अंधश्रद्धा से न सत्य जानकारी जानते हुए भी भक्ति करते रहते है वे ईश्वर के सच्चे स्वरूप को नहीं जानते,परन्तु ईश्वर के विषय और सत्य जानकारी न होते हुए भी पारलौकिक पिता को भिन्न भिन्न रूपों जानते मानते हैं।सत्य परिचय जब बाबा स्वयं आकर परिचय देते है तभी पूर्ण रूप से जानना सम्भव है।

शास्त्रवादी सत्य स्वरूप न समझने के कारण ईश्वर को ब्रह्म मानकर ब्रह्मलोक मे ध्यान लगाते थे। जो उसका निवास स्थान है।

उत्तर 16- *D.नम्रचित*

निमित्त बनना अर्थात् अपर्ण होना और *नम्रचित वह है जो झुकता है*, जितना संस्कारों में, संकल्पों में, झुकेंगे उतना विश्व आपके आगे झुकेगी। झुकना अर्थात् झुकाना। यह संकल्प भी न हो कि दूसरे भी हमारे आगे कुछ तो झुकें। जो सच्चे सेवाधारी होते हैं - वह सदैव झुकते हैं।

उत्तर 17- *A.ब्रह्मा को*

कई कहते हैं हम ब्रह्मा को नहीं मानते। परन्तु शिवबाबा खुद कहते हैं ब्रह्मा तन द्वारा मुझे याद करो। *आँखों से भल ब्रह्मा को देखते हो परन्तु याद सुप्रीम टीचर शिवबाबा को करना है* बुद्धि का योग साकार ब्रह्मा को नहीं, बल्कि उस निराकार सुप्रीम टीचर (शिवबाबा) से लगाना है जो उनके भीतर बैठकर ज्ञान दे रहे हैं। ज्ञान सुनते समय आँखों से ब्रह्मा बाबा को देखा जाता है। वह ज्ञान के सागर परमात्मा शिव के रथ या माध्यम है ।

उत्तर 18- *D. A और C*

ब्राह्मण जीवन का फाउंडेशन/ आधार है- पवित्रता प्रथम स्तम्भ है। बिना पवित्रता के ब्राह्मण जीवन का आधार नहीं।

१- *एवररेडी* । बाप पसन्द, ब्राह्मण परिवार पसन्द और विश्व की सेवा के पसन्द। यह तीनों ...

२- जो *एकनामी* रहते और एकानामी से चलते हैं, वही प्रभू प्रिय हैं ... वही बाप वा परिवार के प्यार के.....

उत्तर 19- *C.पवित्रता*

बच्चे कलियुगी गोवर्धन पर्वत को उठाने के लिए कौन-सी अंगुली देते हो?

उत्तर:-पवित्रता की। पवित्रता की प्रतिज्ञा करना ही जैसे अंगुली देना है। पवित्रता नहीं है तो भारत का हाल देखो क्या हो चुका है। तुम्हें ... गोवर्धन पर्वत को उठाने के लिए पवित्रता ...।

उत्तर 20- *D. A और B*

बाप ने बच्चों को समान तो क्या लेकिन अपने से भी श्रेष्ठ पूज्य बनाया है। बच्चों की पूजा डबल रूप में होती है। बाप की पूजा एक ही शिवलिंग के रूप में होती है। आप बच्चों की सालिग्राम के रूप में भी होती है और देव आत्माओं के रूप में भी पूजा के अधिकारी होती है। बाप से भी ज्यादा डबल रूप की आत्माएँ आप हो। बाबा ने हमें भगवान भगवती का टाइटिल/पद दिया है सम्मान में।

उत्तर 21- *D.रायल्टी और प्योरिटी*

रॉयल आत्मा का चेहरा और चलन ... तो प्योरिटी की रॉयल्टी सदा प्रत्यक्ष रूप में दिखाई दे।पूज्य रूप में भी आप देव आत्माओं की कितनी रॉयल्टी से पूजा होती रहती है क्योंकि आप आत्माओं की प्योरिटी की ही रॉयल्टी है। ऐसे सम्पूर्ण पवित्र और कोई भी आत्मा सारे कल्प में न ही बनी है, न बनेगी। यह प्योरिटी की ही विशेषता है। इसलिए सिर्फ देव आत्माओं के आगे ही यह महिमा गाते हैं कि आप सम्पूर्ण निर्विकारी हो,एकवर्ता भी ब्राह्मण जीवन की विशेषता व गुण है।

उत्तर 22- *B.सर्वज्ञ*

बाबा कहते हैं मैं तुम बच्चों को स्वर्ग का मालिक बनाता हूँ। देवता बनकर तुम विश्व के मालिक बनते हो । मैं नये विश्व का रचयिता हूँ।दूसरे पिता परमात्मा शिव बाबा सर्व शक्तिवान,सर्वज्ञ है वह गीता ज्ञान दाता है गीता का भगवान हैं।मैं सर्वज्ञ,अजन्मा, अभोक्ता अकर्ता, अजर, अमर, अविनाशी हूँ ।

बाबा ने कहा कि मैं अंतर्दामी (मन की बात जाननेवाला) नहीं हूँ। बाबा ने स्पष्ट किया, जैसे साकारी दुनिया के अंदर भक्ति मार्ग की आत्माएं समझती हैं कि अंतर्दामी माना जो हमने सोचा अभी भगवान को पता चल गया और हम जो कर रहे हैं।

उत्तर 23- *D.उपरोक्त में से कोई नहीं अर्थात् बृहस्पति की दशा*

इनमें से कोई नहीं अर्थात् बृहस्पति की दशा संगमयुगी ब्राह्मण बच्चों की है। बाकी भारत सहित सारी दुनिया पर राहू की दशा है। इस रावण राज्य में जीवन नर्क के समान बन गया है। बुध और मंगल की दशा होने पर ज्योतिष अनुसार जातक को सकारात्मक और नकारात्मक दोनों परिणाम होते हैं। ज्योतिष में, नवग्रह नौ दशाओं पर शासन करते हैं। इसलिए सूर्यवंशी और चन्द्रवंशी कोई दशा नहीं। बच्चे तुम अभी संगम पर हो तुम्हारे उपर बृहस्पति की दशा बैठी है। यथा - अभी तुम्हारी ज्योति जगी हुई है, ज्योति जगना अर्थात् बृहस्पति की दशा बैठना, बृहस्पति की दशा बैठने से तुम विश्व के मालिक बन जाते ...*

उत्तर 24- *C होशियार सर्विसएबुल बनो*

ज्ञान सागर बाप आये हैं - तुम बच्चों के सम्मुख ज्ञान डांस करने, *तुम होशियार सर्विसएबुल बनो तो ज्ञान की डांस भी अच्छी हो।* वास्तव में है ज्ञान की डांस। शिवबाबा खुद बताते हैं कि मैं ज्ञान की डांस करने आता हूँ, मैं ज्ञान का सागर हूँ। तो अच्छी-अच्छी प्वाइंट्स

निकलती हैं। यह है ज्ञान की मुरली। काठ की मुरली नहीं है।

उत्तर 25- *C.कर्मयोगी*

कर्मयोगी अर्थात् कर्म करते हुए अर्थात् चलते-फिरते -उठते, खाते-पीते, स्नानादि करते हुए भी एक बाप को याद करना। वहीं राजयोग का अर्थ -जिससे आत्मा केवल परमात्मा की याद द्वारा अपने स्वयं के इन्द्रियों (कर्मेन्द्रियों, मन, बुद्धि) का मास्टर अथवा राजा बन जाती है। जो बन्धनमुक्त होगा वह सदैव योगयुक्त होगा। बन्धनमुक्त की निशानी है योगयुक्त। और, जो योगी होगा, ऐसे योगी का मुख्य गुण कौनसा दिखाई देगा? इस तरह योग की 3 स्थितियों में बाप की याद रहती है।

उत्तर 26- *E.सच्ची अमरकथा और तीजरी की कथा*

आत्माएँ, मनमनाभव की स्थिति में तीजरी की कथा, सच्ची सच्ची, सत्य नारायण की कथा और अमर कथा सुनाकर सबकी सच्ची उन्नति करनेवाले, नर से नारायण और नारी से लक्ष्मी बनानेवाले, अमरलोक के रहवासी हैं..। अमर बाबा आया है।

उत्तर 27- *D.विजय माला 8 रत्नों की ही होती है*

कोई तो विजय माला के 8 दानों में आते हैं, कोई 108 में, कोई 16108 में। तुम बच्चे अब विजय माला में पिरोने का पुरुषार्थ कर रहे हो। महावाक्य अनुसार- 8 विजय माला के दाने बनते हैं। इसमें भी एक तो है मम्मा कुमारी और यह फिर है बूढ़ा ब्रह्मा-बाबा हैं शिवबाबा के मुरब्बी बच्चे। हम उनको पूरा फालो कर गद्दी पर बैठेंगे। बाबा। अष्टरतन सर्वश्रेष्ठ विजयमाला के दाने होते हैं।

उत्तर 28- *C.सतयुगी बादशाही के लायक बनने के*

तुम बाप द्वारा सम्मुख पढ़ रहे हो, तुम्हें सतयुगी बादशाही का लायक बनने के लिए पावन जरूर बनना है सतयुग में सब पावन थे, उनको न्यु वाइसलेस वर्ल्ड कहा जाता है। यह है ओल्ड विशश वर्ल्ड। अब कलियुग आइरन एज़ है। यह सब बातें कोई स्कूल, कालेज में नहीं पढ़ाई जाती हैं। भगवान आकर पढ़ाते हैं और राजयोग सिखाते हैं।

उत्तर 29- *D.त्रिमूर्ति और मास्टर सर्वशक्तिमान*

त्रिमूर्ति में ब्रह्म, विष्णु और शंकर सूक्ष्म वतन वासी देवता हैं। शंकर को ऊंच नहीं रखते। ऊंच त्रिमूर्ति ब्रह्मा को रखते हैं। जैसे रचता शिव परमात्मा को कहते हैं, बाकी रचना होती है ब्रह्मा द्वारा। *तीनों मूर्तियों (सूक्ष्म देवों)की रचना करने के कारण त्रिमूर्ति बाप या त्रिमूर्ति भी कहते हैं*। ओंकार का अर्थ परम शक्ति/शिव बाबा से है। हम सभी सर्वशक्तिमान शिव बाबा की सन्तान मास्टर सर्वशक्तिमान हैं, मास्टर बच्चे को कहते हैं।

उत्तर 30- *D. A और B*

भक्ति मार्ग में यह गीत सदा गाते आये- तुम मात-पिता हम बालक तेरे, पर संगम पर ब्रह्ममुखवंशी बच्चों के अलावा और कोई सृष्टि के आदि मध्य अन्त का ज्ञान नहीं जानते। *सुखधाम में मृत्यु का नाम नहीं, यह है मृत्युलोक, वह है अमरलोक।* शिव बाबा संगमयुग पर जीते जी मरकर अर्थात् मरजीवा बनने वालों को सृष्टि चक्र का राज बताकर अमरलोक चलने का रास्ता बताते हैं। शिव बाबा ब्रह्मा द्वारा जिन बच्चों को एडाए करते हैं, उन्हें यह नॉलेज सुनाते हैं। बाबा कहते हैं यह ब्रह्मा माँ है। शिवबाबा ने ब्रह्मा माँ द्वारा तुमको एडाए किया है। अभी तुम बाप के बने हो।

उत्तर 31- *B.सचखण्ड*

संगम पर पहली *श्रीमत ही पवित्रता* की मिलती है वो भी नंबरवार जिससे हम भविष्य 21 जन्म के लिए सचखंड के वर्से के अधिकारी बनते हैं। *हम बेहद के बाप से वर्सा ले रहे हैं। वर्सा तब मिलेगा जब पवित्र बनेंगे।* वर्सा तो हमें स्वर्ग का ही मिलता है जहां *सुख, शान्ति और पवित्रता है ही। परमधाम से जो कोई भी आत्मा पहले पहल आती है वो सतोप्रधान होती है। शिव बाबा से ज्ञान सुनकर वर्सा पाने वाली आत्मायें परमधाम वाया स्वर्ग में रहती है। वह 84 जन्म सुखधाम और दुखधाम में लेती है। अन्य धर्म की आत्मायें 2500 वर्ष बाद अपने अपने समय पर पार्ट बजाने आती हैं।

उत्तर 32- *C.साक्षात्कार हो*

बच्चे बाप को याद करें। बस दो रोटी मिले वह भी बहुत हैं। मनुष्य का पेट जास्ती नहीं खाता।। बच्चों को बाप कहते हैं - मीठे बच्चों आश कोई भी नहीं रखो, सिवाए बेहद के बाप से बेहद का वर्सा लेने। यज्ञ स्थापना के समय बच्चों को बहुत साक्षात्कार हुए थे। पर बाबा ने कहा है बच्चों अन्त में तुम ब्राह्मणों को बहुत साक्षात्कार होंगे। *साक्षात्कार की आश न रख, निश्चय से पुरुषार्थ करना है* .. बीमारी आदि कुछ भी आए। दूसरी मुरली से साक्षात्कार आदि की आश न रख निश्चयबुद्धि बन पुरुषार्थ करना है।

भाग - (82)

सम्पूर्ण मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- कौन सा देश प्यारा लगता है ?

A- निर्वाणधाम

B- साकार लोक

C-जहाँ जन्म लेते हैं वह
D-सूक्ष्म लोक

प्रश्न 2- एक ही कौन सा (सबसे बड़ा) पुरुषार्थ करो ?

A-सदाकाल तख्तनशीन रहने का
B-मन्सा सेवा का
C-अनेक आत्माओं को मिलाने का
D-साक्षी और खुशनुमा तख्तनशीन रहना है।

प्रश्न 3- पुरुषोत्तम संगम युग है डायमण्ड, सतयुग है गोल्ड, त्रेता है सिलवर....संगम युग डायमण्ड क्यों है ?

A-संगम पर ही हम मनुष्य से देवता बनते हैं।
B-यह हीरे जैसा जन्म है।
C-रूहानी फादर और रूहानी नॉलेज संगम पर ही मिलती है।
D -B और C
E-A,B और C

प्रश्न 4- भारत सब खण्डों में श्रेष्ठ है क्यों ? -

A-भारत तो अविनाशी खण्ड है।
B-प्रलय भी नहीं होती है।
C-विनाश कभी नहीं होता।
D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 5- मुक्ति-जीवनमुक्ति का अधिकार देने के लिए मंत्र ?

A-मनमनाभव
B- मामेकम् याद करो
C- देह सहित देह के सब सम्बन्धों को त्याग बाप को याद करो।"
D- A और B
E- A,B और C

प्रश्न 6-माया के खिलौने बड़े क्या हैं ?

A -लुभाने वाले
B- आकर्षण वाले
C- प्रभावित करने वाले
D-डर

प्रश्न 7- सदा हर्षित रहना है तो विश्व ड्रामा की हर सीन को क्या होकर देखो ?

A- उपराम
B- ट्रस्टी
C-साक्षी
D-A और C दोनों

प्रश्न 8- निश्चय से विजय पाते हो। संशय भूत से किसको पाते हो ?

A- दुर्भाग्य
B- हार।
C- विनाश
D-अनिश्चय

प्रश्न 9- मैजारिटी में कौन से शक्ति की कमी रह जाती है?

A- परखने की शक्ति की
B- निर्णय शक्ति की
C- परिवर्तन शक्ति की
D-सहनशक्ति

प्रश्न 10- शान्ति कोई जंगल में नहीं मिलती, लेकिन आत्मा का क्या ही शान्ति है ?

- A-निजी गुण
- B-स्वरूप
- C-स्वधर्म
- D-A , B और C
- E- A और C

प्रश्न 11- 1- तुम कौन हो, तुम्हें भारत को स्वर्ग बनाने की सेवा करनी है, दुःखधाम को सुखधाम बनाना है ?

- A -रूहानी सोशल वर्कर
- B -खुदाई खिदमतगार
- C -रूहानी मिलिट्री
- D- A और B
- E- A, B और C

प्रश्न 12-किस का अर्थ है नम्बरवन पास विद् ऑनर होना?

- A- लक्ष्मीनारायण
- B- विजयमाला में आने वाले
- C- ब्रह्मा और सरस्वती
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 13- अभी तुम्हारा दोनों ताज नहीं रहा है - न लाइट का, न राजाई का, किसको ही लाइट का ताज देते हैं?

- A- पवित्र
- B- ब्राह्मण
- C- निर्विकारी
- D- देवता

प्रश्न 14- तुमको तो अपने बाप को निरन्तर याद करना है। यह कोई कॉमन सतसंग नहीं है, यह बड़ी क्या है ?

- A- युनिवर्सिटी
- B- विद्यालय
- C-अस्पताल कम युनिवर्सिटी
- D-A, B और C
- E- A और C

प्रश्न सं 15- शिव बाबा के बार में कौन सा कथन सत्य नहीं है ?

- A- सचखण्ड का मालिक
- B- प्रकट है
- C- विश्व का मालिक
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 16- बाप क्या वर्सा देते हैं-

- A-घर का,
- B-पढ़ाई का
- C-स्वर्ग की बादशाही का
- D-उपरोक्त सभी का

प्रश्न 17- गीता द्वारा ही बाप ने कौन सी नॉलेज दी है?

- A-देवी देवता धर्म की
- B-मामेकम् याद करो।
- C-प्राचीन सहज राजयोग की
- D- मामेकम् शरणं व्रज

प्रश्न 18- आस्तिक-नास्तिक, जानना, न जानना कब होता है?

- A-सतयुग
- B- संगम
- C- कलयुग

D- द्वापर और कलियुग दोनों में

प्रश्न 19- ब्रह्मा बाप ने बाप के श्रीमत् पर पहला कदम क्या उठाया?

- A- आज्ञाकारी बने
- B- सेवाधारी बने
- C- योगी तु आत्मा बने
- D- ज्ञानी तू आत्मा

प्रश्न 20- कौनसे एक अक्षर में इतनी ताकत है जो देह अभिमान और देह भान सदा के लिये समाप्त हो जाता है ?

- A- मनमनाभव
- B- मध्याजीव भव
- C- करनकरावनहार
- D- मामेकम्

प्रश्न 21- सारी सृष्टि में सबसे साहूकार ते साहूकार कौन हैं-

- A- ब्रह्मा बाप
- B- स्वर्ग के लक्ष्मी-नारायण
- C- शिव बाबा
- D- संगमयुगी ब्राह्मण

प्रश्न 22- जगदम्बा ने किस गुण के कारण फुल खाता जमा किया है ?

- A- अंतर्मुखता
- B- गम्भीरता
- C- समर्पणता
- D- सेवा

प्रश्न 23- जब फाइनल रिज़ल्ट होगी, उसमें पहली मार्क्स किसको मिलेगी ?

- A- प्रैक्टिकल सेवाधारी स्वरूप
- B- प्रैक्टिकल धारणा स्वरूप
- C- ज्ञानी और योगी तू आत्मा
- D- सफलतामूर्त आत्मा

प्रश्न 24- गति अथवा मुक्ति मिलती है-

- A- कलियुग में
- B परमधाम (निर्वाणधाम) में
- C संगमयुग में
- D सभी

प्रश्न 25- पहले कौनसा पक्का निश्चय हो-

- A मैं आत्मा हूँ
- B मेरा तो एक शिवबाबा दूसरा न कोई
- C- मैं मास्टर सर्वशक्तिमान हूँ।
- D- उपरोक्त सभी।

प्रश्न 26- भक्तों के पास भगवान को आना पड़ता है किसलिए-

- A- माया की जंजीरों से लिबरेट करने
- B- भक्ति का फल देने
- C- गाइड बन साथ ले जाने
- D- A,B और C
- E- A और B

प्रश्न 27- वह हृद के यज्ञ रचते हैं सेठ लोग। उसमें रूद्र यज्ञ नामीग्रामी है। वह उसमें अक्षर नहीं लगाते हैं।

- A- राजस्व
- B- अश्वमेध

C- अविनाशी
D- ज्ञान

प्रश्न 28- पवित्रता ही सुख और शान्ति का आधार है। पवित्र बनो तो तुम्हारे सब हो जायेंगे ?

A- दुःख दूर
B- कष्ट खत्म
C- भंडारे भरपूर
D- विकर्म विनाश

प्रश्न 29- बाबा ने लॉकेट (बैज) भी बनवाये हैं। एक तरफ त्रिमूर्ति दूसरे तरफ कौन ?

A- शिव बाबा
B- सृष्टि चक्र
C- श्रीकृष्ण
D- ब्रह्मा बाबा

प्रश्न 30-आत्मा शरीर को चलाने वाली है, आत्मा में संस्कार रहते हैं, रात को.. बन जाती है?

A- अशरीरी
B- देह से न्यारी
C- विदेही
D- देहीभिमानी

प्रश्न 31- तुम्हारा यादगार अमरलोक में नहीं रहेगा, तुम्हारा यादगार पीछे.....में चाहिए ?

A- द्वापर
B- कलियुग
C- संगम
D-परमधाम

प्रश्न 32- तुम्हें बेहद के बाप से का शुद्ध लोभ और एक बाप में ही पूरा मोह रखना है ?

A- अविनाशी खज़ानें
B- स्वर्ग का वर्सा
C- ज्ञान रत्न
D- सर्व शक्तियों की प्राप्ति का

भाग (82) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *A.निर्वाणधाम*

हम आत्मार्थ परमधाम, निर्वाण देश से आती हैं। परमधाम से दूर और कोई देश नहीं है। यहाँ आया हूँ तुम बच्चों का बुद्धियोग वहाँ लगाने के लिए। हे बच्चे, मुझे अपने परमधाम घर में याद करो। इसलिए इसे पियर घर और स्वीट होम कहते हैं। पियर घर सबसे प्यारा होता है। ब्रह्मा-विष्णु-शंकर अपनी-अपनी सूक्ष्म पुरियों में रहते हैं। इस लोक में जन्म-मरण या दुःख-सुख नहीं होता है और न ही ध्वनि होती है। यहाँ बोलते हैं पर आवाज़ नहीं होती। साकार लोक में हम सभी आत्माएं इस भौतिक शरीर को धारण कर कर्म करती हैं व दुःख-सुख का खेल करती हैं और इन्हीं के आधार पर फल भोगती हैं।

उत्तर 2- *D.साक्षी और खुशनुमा तख्तनशीन रहना है*

साक्षीपन के तख्तनशीन आत्मा कभी भी कोई समस्या में परेशान नहीं हो सकती। समस्या तख्त के नीचे रह जायेगी और आप ऊपर तख्तनशीन होंगे। यहाँ सदाकाल तख्तनशीन नहीं होंगे तो वहाँ भी सदा अर्थात् जितना समय फुल है, उतना समय नहीं बैठ सकेंगे। एक ही पुरुषार्थ करो कि साक्षी और खुशनुमा तख्तनशीन रहना है। यह तख्त कभी नहीं छोड़ना है। ...

उत्तर 3- *E. A,B और C*

पाँचों युगों में सतयुग को गोल्डन युग कहा गया है। परन्तु संगमयुग को *डायमंड* अर्थात् हीरे जैसा जन्म कहा गया क्योंकि यहीं संगम पर ही हम मनुष्य से देवता बनते हैं। रूहानी परमपिता परमात्मा और उसका रूहानी ज्ञान हमें इस संगम पर प्राप्त होती है।

उत्तर 4- *D.उपरोक्त सभी*

सिर्फ एक *भारत ही अविनाशी खण्ड* है, बाकी सब हैं विनाशी खण्ड। और सभी खण्डों का विनाश हो जाता है। जो भी खण्ड है उन सबमें भारत खण्ड सबसे बड़ा है। बाबा की जन्मभूमि है। बाकी जो इस समय खण्ड हैं वह सब खत्म हो जायेंगे। चारों युग में

आत्मायें सतो रजो तमो अवस्था में रहती हैं। बाबा ने कहा प्रलय के सम्बन्ध में-शास्त्रों में तो टोटल विनाश लिख दिया है। परन्तु टोटल विनाश तो होना नहीं है, फिर तो प्रलय हो जाए। मनुष्य कोई भी न रहें सिर्फ 5 तत्व रह जाएं। ऐसे तो हो नहीं सकता। प्रलय हो जाए तो फिर मनुष्य कहाँ से आये। दिखाते हैं कृष्ण अंगूठा चूसता हुआ पीपल के पत्ते पर सागर में आया। बालक ऐसे आ कैसे सकता।

उत्तर 5- *E. A, B और C तीनों विकल्प सही*

मुक्ति - जीवन-मुक्ति मिलने के सम्बन्ध तीन मंत्रों का उल्लेख विविध मुरलियों में किया गया है।

1- *मनमनाभव* स्वयं को आत्मा समझ मुझ एक बाप को याद करो। तुम सेकेण्ड में मुक्ति-जीवनमुक्ति पाने के पुरुषार्थी हो एक मनमनाभव के मंत्र के द्वारा। तुम मुक्ति जीवनमुक्ति पा लेंगे।... सभी को मनमनाभव का वशीकरण मंत्र सुनाना है।

2- *मामेकम् याद करो*-हे आत्मायें मामेकम् याद करो, दूसरा न कोई। सर्व धर्मानि परित्यज्य मामेकम् शरणम् ब्रज अहं त्वा सर्वपापोभ्यो मोक्षयिष्यामि। सभी को सेकेण्ड में मुक्ति-जीवनमुक्ति का अधिकार देने के लिए यही महामंत्र सुनाना है कि * "सबको मंत्र मिलता है कि देह सहित देह के सब सम्बन्ध त्याग मामेकम् याद करो तो तुम मेरे पास आ जायेंगे।" *

3- मुक्ति-जीवनमुक्ति का अधिकार देने के लिए मंत्र-सभी को सेकेण्ड में मुक्ति-जीवनमुक्ति का अधिकार देने के लिए यही महामंत्र सुनाना है कि * "देह सहित देह के सब सम्बन्धों को त्याग बाप को याद करो।" *

उपरोक्त तीनों मंत्र का एक ही भाव है कि मुक्ति जीवन-मुक्ति के लिए स्वयं को आत्मा व सर्व सम्बन्धों को त्याग बाप की याद में रहना।

उत्तर 6- *B. आकर्षण वाले*

माया जीत बनना कोई मासी का खेल नहीं है। सारे दिन में क्या क्या खेल करते हो - ये रात्रि को चेक करते हो ना? माया के खिलौने बड़े आकर्षण वाले हैं। तो उन खिलौनों से खेलने लग जाते हो। पहले तो बहुत प्यार से माया खेल कराती है और खेल कराते कराते जब हार खिलाती है तब होश में आते हैं। माया के खिलौने सांसारिक नश्वर वस्तुएं हमें सबसे ज्यादा आकर्षित करती है। वे लुभाती हैं और हम पर प्रभाव भी डालती है, तभी उनसे आकर्षित होते हैं।

उत्तर 7- *D. उपराम और साक्षी* साक्षी भाव का अर्थ है कि व्यक्ति अपनी गतिविधियों को बिना किसी रुचि के दर्शक की तरह देखे। इसमें आत्मा और शरीर को अलग माना जाता है। इसमें व्यक्ति को तटस्थ रहकर दर्शक की भूमिका निभानी होती है। उपराम का अर्थ है- न्यारापन, राम के समीप होना। योगयुक्त रहकर चित्त को सर्व-सम्बन्ध, सर्व प्रकृति के आकर्षण से न्यारा हो जाना ही उपराम होना है। उपराम वृत्ति द्वारा साक्षी वा न्यारी स्थिति में स्थित रह ड्रामा की हर सीन को साक्षी हो कर देखना है। बाबा कहते हैं- सदा उमंग उत्साह में रहने वाली आत्मा ड्रामा की हर सीन को साक्षी हो कर देखती है।

उत्तर 8- *C. विनाश*

निश्चयबुद्धि विजयन्ति और संशयबुद्धि विनश्यन्ति। निश्चय से सदा विजय मिलती है। बाबा कहते हैं-निश्चय से विजय पाते हो। संशय भूत से विनाश को पाते हो। संशय को भूत, कहा जाता; निश्चय को भूत नहीं कहा जाता। अपने में ही जरा सा संकल्पमात्र भी संशय आता है कि यह होगा या नहीं होगा, तो विजय नहीं होगी। अविवेकी संशय करता है, ऐसा होना दुर्भाग्य भी है, संशय में गलत निर्णय से हार भी होती है। संशय का पर्याय अनिश्चय है। परन्तु सबसे उपयुक्त उत्तर विनाश ही है।

उत्तर 9- *C. परिवर्तन शक्ति की*

अव्यक्त बापदादा- मैजारिटी अर्थात् बहुसंख्यक में परिवर्तन शक्ति की कमी है। मेजोरिटी अथक बनते हो लेकिन कभी ... स्वपरिवर्तन से दूसरे का परिवर्तन कर सकते हो। नहीं तो अब तक अनेक अल्पज्ञ अयथार्थ मान्यताओं द्वारा मेजोरिटी आत्मायें विश्व परिवर्तन वा स्वयं का परिवर्तन अति मुश्किल नहीं होता... अष्ट शक्तियों परखने, निर्णय, सहनशक्ति आदि एवं ज्ञान, पवित्रता और शान्ति आदि शक्ति होने पर ही परिवर्तन शक्ति काम करती है। अष्ट शक्तियों में सहनशक्ति को सबसे बड़ा सिद्ध किया जाता है। परन्तु इन अनेक शक्तियों का प्रयोग कर ही हम *स्व परिवर्तन से विश्व परिवर्तन के निमित्त बन सकते हैं।*

उत्तर 10- *D. स्वधर्म, निजी गुण, स्वरूप*

आत्मा शरीर से अलग है तो शांत है। शरीर के अंदर है, तो देहभान में है, अशांत है। आत्मा का स्वधर्म तो शान्ति है। वह अपने स्वधर्म को भी नहीं जानते हैं। आत्मा के सात गुणों में में शांति भी निजी गुण है। ओम् शान्ति... शान्ति मेरा स्वधर्म, निजी गुण, अनादि संस्कार, गले का हार है... मेरी शक्ति है। शांत स्वरूप आत्मा हूँ व 'मेरा स्व-धर्म शांति है'। इस तरह आत्मा का स्वधर्म शांति ही नहीं, निजी गुण और स्वरूप भी है। बाबा कहते हैं-देह-अभिमान वाले ही यह शब्द बोलते हैं क्योंकि उन्हें आत्मा का ज्ञान ही नहीं है। *तुम जानते हो आत्मा का स्वधर्म ही शान्त है।*

उत्तर 11- *E. A, B और C*

भारत को स्वर्ग अर्थात् दुःखधाम से सुखधाम बनाने वालों के सम्बन्ध में अनेक वर्णन महावक्त्यों में है, यथा-

1- तुम रूहानी सोशल वर्कर हो, तुम्हें भारत को स्वर्ग बनाने की सेवा करनी है, ... तुम बच्चों को रूहानी सोशल वर्कर कहा जाता है। सोशल वर्कर भारत में बहुत हैं, उन्हीं को भी ...

2- सच्चा खुदाई खिदमतगार बन भारत को स्वर्ग बनाने में बाप को पवित्रता की मदद करनी है। परन्तु आप सब तो हैं ही 'खुदाई खिदमतगार'। सिर्फ भगवान का नाम लेने वाले नहीं लेकिन भगवान के साथी बन श्रेष्ठ कार्य करने वाले हैं।

3- इस संगम के ईश्वरीय संसार में बाबा हम रूहानी मिलिट्री को कहते... .. स्वर्ग का मालिक बन। तुम मनुष्य को स्वर्ग का मालिक बना सकते हो। तुम रूहानी सेना हो।

4- सच्चे रूहानी सैलवेशन आर्मी बन भारत को विकारों से सैलवेज करना है।

उपरोक्त महावाक्यों से सिद्ध है कि बाबा ज्ञान सेवा आदि में आगे करने के लिए *विभिन्न उपाधि/टाइटल से सुशोभित/अलंकृत कर चमत्कृत करता रहता है।*

उत्तर 12- *A.लक्ष्मीनारायण*

पास विद् ऑनर अर्थात् जो सम्मान सहित उत्तीर्ण होंगे। जिनको कोई सज़ा के बिना परमधाम जाना है। पास विद् ऑनर बिना धर्मराज की सजाओं के अनुभव से पास होंगे। विजयमाला में 8,108, 16108 की माला होगी। जिसमें 8 अष्टरतन सर्वश्रेष्ठ होंगे। अष्टरतन में प्रथम दो ब्रह्मा बाबा और मम्मा का उल्लेख बाबा ने मुरलियों में किया है। यही दोनों सम्पूर्ण होकर अन्त में परमधाम वाया सुखधाम आते हैं, तो *नम्बरवन पास विद् आनर् लक्ष्मीनारायण होते हैं।*

उत्तर 13- *A.पवित्र*

देवता थे तब लाइट का ताज और रतन जड़ित ताज दोनों थे। ... डबल ताज वालों को पूजते है। अव्यक्त महाकाव्य -डबल ताजधारी (पवित्रता का ताज और रतन-जड़ित ताज)... हर चीज़ नई। डबल सिरताज देवता बनते हैं। बरोबर तुम बन रहे हो। देवताओं को दोनों ताज रहते हैं। संगमयुग का डबल ताज एक है स्नेह का दूसरा है सर्विस का।

उत्तर 14- *E.A, और C दोनों*

जगदीश भ्राता के सत्प्रयासों से ओम् मंडली का नाम प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय नाम पड़ा। यह संस्था अपने यथा नाम यूनिवर्सिटी को आज चरितार्थ कर रही। यूनिवर्सिटी ये कुछ दर्जन महा विद्यालय जुड़े होते हैं। पर इस संस्था के जिसका मुख्यालय प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय माउण्ट आबू है उससे हजारों मुख्य सेवा केन्द्र पूरे विश्व में व गीता पाठशालाये विद्यालय के रूप में जुड़ी हुई हैं। जिसमें बहुत से ब्रह्माकुमार ब्रह्माकुमारी नियमित क्लास लेते हैं। मुरली से -शिवबाबा की श्रीमत ... सफल कर सफलता पाओ .. तुम यह *रूहानी हॉस्पिटल कम यूनिवर्सिटी* खोलते जाओ ...। अगर शिवबाबा न आये तो सब वर्थ नाट ए पेनी हों। ... *यह एक हॉस्पिटल-कम-यूनिवर्सिटी है।*

उत्तर 15- *D.उपरोक्त सभी*

सचखण्ड बाबा स्थापन करते हैं। बाबा सच सुनाकर हम बच्चों को सचखण्ड का मालिक बनाते हैं। बाबा कहते हैं तुमको सचखंड का मालिक बनाता हूँ, मैं नहीं बनता हूँ। स्वर्ग में तुम मुझे याद नहीं करते हो। बाबा है गुप्त, ज्ञान का सागर। इस दुःखमय संसार (नर्क) को सुखमय संसार (स्वर्ग) में परिवर्तन करने का महान कार्य गुप्त रूप में करा रहे हैं। यद्यपि *ज्ञान सूर्य प्रकटा अज्ञान अंधेर विनाश* अर्थात् शिव बाबा जन्म नहीं लेते, वह तन का आधार लेते हैं। वह रचयिता है जिसके द्वारा रचना की नॉलेज मिलती है। पर वह प्रत्यक्ष न होने के कारण गुप्त रूप से इस महान कार्य को कराते हैं। गुप्त का विलोम प्रकट है। शिव बाबा का गुप्त भाग/पार्ट 1936 के आसपास शुरू हुआ था जिसे आज हम जानते है। बाबा से वर्सा ले तुम्हें विश्व का मालिक बनाता हूँ। इस तरह स्पष्ट है शिव बाबा मालिक नहीं है।

उत्तर 16- *C.स्वर्ग की बादशाही का*

मुरली से- शिवबाबा को थोड़े-ही मकान आदि बनाना है। यह ईश्वरीय पढ़ाई भी सोर्स आफ इनकम है, जिससे बेहद की बादशाही मिलती है। पढ़ाई, पवित्रता, योग, सेवा आदि से हमें बेहद की बादशाही मिलती है। परन्तु यह सब साधन है, कर्तव्य हैं। अधिकार या वर्सा स्वर्ग की बादशाही मिलना है। बिना कर्तव्य अधिकार की आश नहीं करनी चाहिए। शिवबाबा की पढ़ाई जो सोर्स आफ इनकम है उससे स्वर्ग की बादशाही प्राप्त होती है। इसलिए वर्सा घर और पढ़ाई न होकर स्वर्ग की बादशाही प्राप्त करना है।

उत्तर 17- *C.प्राचीन सहज राजयोग की*

भारत का सबसे प्राचीन और परमात्मा द्वारा सिखाया जाने वाला योग है राजयोग। शिवबाबा स्वयं साधारण मनुष्य तन में आ करके 'गीता-ज्ञान' और सहज राजयोग की शिक्षा देते हैं। सहज राजयोग की शिक्षा देकर इस सृष्टि का पूर्ण परिवर्तन करा देते हैं। 7 दिवसीय कोर्स को मुख्य रूप से राजयोग कोर्स भी कहा जाता है। इसके अन्तर्गत ही बाबा देवी देवता धर्म का, मामेकम् याद करो, मनमनाभव दे रहे हैं।

उत्तर 18- *B. संगम*

आस्तिक-नास्तिक, जानना, न जानना संगम पर ही होता है। अब तुम बच्चे जानते हो, हम बाबा द्वारा आस्तिक बने हैं। मात-पिता मिले तो हो गये आस्तिक। सतयुग में तो है ही प्रालम्ब्य। वहाँ आस्तिक वा नास्तिक का तो सवाल ही नहीं उठता। बच्चे अब जानते हैं - जो कल नास्तिक थे, बाप और बाप की रचना को नहीं जानते थे, वही अब आस्तिक बने हैं। बाप को और अपने 84 जन्मों को जान गये हैं। कल नहीं जानते थे, आज जानते हैं।

उत्तर 19- *A.आज्ञाकारी बने*

महावाक्यानुसार ब्रह्मा बाबा ने बाप के श्रीमत पर पहला कदम क्या उठाया? पहला कदम आज्ञाकारी बने। जो आज्ञा मिली उसी पर चल पड़े। सदा आज्ञाकारी रहे। हर समय एक बात में - चाहे स्व पुरुषार्थ में, चाहे यज्ञ-पालना में निमित्त बने। क्योंकि स्व ही ब्रह्मा विशेष आत्मा है जिसका ड्रामा में पार्ट नूँधा हुआ है। एक ही आत्मा - माता भी है, पिता भी है। यज्ञ-पालना के निमित्त होते हुए भी सदा

आज्ञाकारी रहे। स्थापना का कार्य विशाल होते हुए भी किसी भी आज्ञा का उल्लंघन नहीं किया। हर समय 'जी हाज़िर' का प्रत्यक्ष स्वरूप सहज रूप में देखा। वे अथक सेवाधारी, ज्ञानी तू आत्मा, योगी तू आत्मा भी थे। वैसे तो एक अव्यक्त मुरली में पहला कदम सर्वस्व त्यागी है। पर यह विकल्प न होने से दूसरा कदम *आज्ञाकारी* बने सही विकल्प है।

उत्तर 20- *C. करनकरावनहार*

बाबा कहते हैं करनकरावनहार अर्थात् करने करानेवाला एक अक्षर में इतनी ताकत है जो देह अभिमान और देह भान सदा के लिये समाप्त हो जाता है। सदा करनकरावनहार बाप की स्मृति में रहकर मैं पन, देह का भान और अभिमान समाप्त करना है। शिवबाबा तो *करनकरावनहार* है और हम सब आत्मायें इस सृष्टि रंगमंच पर अपना-अपना पार्ट अदा कर रही हैं, यदि यह श्रेष्ठ स्मृति रहे तभी देहभान में नहीं आ सकती।

उत्तर 21- *B. स्वर्ग के लक्ष्मी-नारायण*

यह फिर है पुरूषोत्तम संगमयुग। यह संगम का भी एक त्योहार है। यह त्योहार सबसे ऊँच है। तुम जानते हो अभी हम पुरूषोत्तम बन रहे हैं। उत्तम ते उत्तम पुरूष। *ऊँच ते ऊँच साहूकार से साहूकार नम्बरवन कहेंगे लक्ष्मी-नारायण को।* सृष्टि भर में सबसे साहूकार कौन! सारी सृष्टि में सबसे साहूकार ते साहूकार स्वर्ग के लक्ष्मी नारायण हैं। ऐसा कौन आकर सुनाते हैं? बाप। बच्चे जानते हैं हमारे जैसा भविष्य 21 जन्मों के लिए सम्पत्तिवान कोई नहीं बनता। जब आदि सनातन देवी-देवता धर्म था, बहुत साहूकार मालामाल था। शिव बाबा सृष्टि का रचता है वह हमें संगम पर ज्ञानयोग सुनाकर स्वर्ग का साहूकार बनाते हैं। संगमयुगी ब्राह्मण सबसे खुशनसीब हैं जो ज्ञान डांस करते हैं।

उत्तर 22- *B. गम्भीरता*

जगदम्बा की विशेषता - जमा का खाता। जो गम्भीरता के गुण ने फुल खाता जमा किया है। महावाक्य अनुसार - जिसमें *गम्भीरता* फुल खाता जमा* किया है। कट नहीं हुआ है। अन्तर्मुखता भी मम्मा की प्रमुख विशेषता थी। समर्पणता व सेवा के गुण तो थे ही। पर वह सबसे बड़ा गुण गम्भीरता के कारण फुल खाता जमा किया।

उत्तर 23- *B. प्रैक्टिकल धारणा स्वरूप*

जब फाइनल रिजल्ट होगी, उसमें पहली मार्क्स प्रैक्टिकल धारणा स्वरूप को मिलेगी। जब रिजल्ट निकलेगी तो रिजल्ट में यह नहीं देखा जायेगा कि इसने ज्ञान का मनन अच्छा किया या सेवा में ज्ञान को अच्छा यूज किया। इस रिजल्ट के पहले स्वचिन्तन और परिवर्तन, स्वचिन्तन करने का अर्थ ही है परिवर्तन करना। तो जब फाइनल रिजल्ट होगी, उसमें पहली *मार्क्स प्रैक्टिकल धारणा स्वरूप* को मिलेगी। जो धारणा स्वरूप होगा वो नेचुरल योगी तो होगा ही। अगर मार्क्स ज्यादा लेनी है तो पहले जो दूसरों को सुनाते हो, आजकल वैल्यूज पर जो भाषण करते हो, उसकी पहले स्वयं में चेकिंग करो क्योंकि सेवा की एक मार्क तो धारणा स्वरूप की 10 मार्क्स होती हैं, अगर आप ज्ञान नहीं दे सकते हो लेकिन अपनी धारणा से प्रभाव डालते हो तो आपके सेवा की मार्क्स जमा हो गई।

उत्तर 24- *B. परमधाम (निर्वाणधाम)*

गति अथवा मुक्ति *निर्वाणधाम* में मिलती है। शान्ति मिलती है मुक्तिधाम में और सुख मिलता है जीवनमुक्ति में। तो मुक्ति और जीवनमुक्ति इन दोनों चीजों की प्राप्ति भगवान के सिवाए दूसरा कोई कराने वाला नहीं है। आपकी सद्गति के साथ-साथ सर्व आत्माओं को गति अर्थात् मुक्ति मिल जाती है। सब आत्मायें जहाँ रहती हैं वह है *निर्वाणधाम*, स्वीट होम। मुक्ति को तो सभी याद करते हैं, जहाँ हम बाप के साथ रहते हैं।

उत्तर 25- *A. मैं आत्मा हूँ*

पहले तो अपने को आत्मा समझना है। पहले-पहले *आत्मा* का निश्चय चाहिए कि हम आत्मा अविनाशी हैं। इसके बिगर तो कुछ भी बुद्धि में नहीं बैठेगा। पहले निश्चय चाहिए कि हम आत्मा और आत्माओं का बाप वह निराकार परमात्मा है। स्वयं को *आत्मा* निश्चय करने और आत्मिक दृष्टि - वृत्ति का अभ्यास आत्मा को कर्मेन्द्रियजीत बनाता है। मनुष्य में एक तो आत्मा है, दूसरा शरीर है। 5 तत्वों का पुतला बनता है। उसमें आत्मा प्रवेश कर पार्ट बजाती है। दूसरा निश्चय मेरा तो शिवबाबा दूसरा न कोई। इस तरह पहले पहले अपने को *आत्मा निश्चय* करना होता है।

उत्तर 26- *D.A, B और C*

भगवान को आना पड़ता है - माया की जंजीरों से लिबरेट करने। बाबा कहते हैं - मैं आकर दुःखों से लिबरेट करता हूँ और गाइड बन साथ ले जाने वाला हूँ। तुम पर माया रावण ने 2500 वर्ष राज्य किया है। यह माया बड़ी बलवान है। उनको तो लिबरेट करने में 40-50 वर्ष लगे। मेहनत लगती है। यहाँ भी तुम श्रीमत पर जीत पाते हो। रावण तुम्हारा बड़ा पुराना दुश्मन है। तुमको गोली मारती है माया दुश्मन। गाते हैं कि भक्तों को भक्ति का फल देने के लिए भगवान को आना ही पड़ता है। भक्तों को भक्ति का फल मुक्ति-जीवनमुक्ति ...ही है। भक्ति में दुःख बहुत है। बाबा कहते हैं... वह सुप्रीम आकर इनको आप समान सुप्रीम बनाये साथ ले जाते हैं। सब आत्माओं का गाइड है। इस तरह शिव बाबा *गाइड* भी है, *भक्ति का फल* भी देते हैं और *माया की जंजीरों से लिबरेट* भी करते हैं।

उत्तर 27- *D. ज्ञान*

रूद्र ज्ञान यज्ञ नाम तो है ना। यज्ञ रचा जाता है ब्राह्मणों से। तुम ब्रह्माकुमार कुमारियाँ ब्राह्मण ठहरे। वह हृद के यज्ञ रचते हैं सेठ लोग। उसमें रूद्र यज्ञ नामीग्रामी है। वह उसमें ज्ञान का अक्षर नहीं लगाते हैं। यह तो है रूद्र ज्ञान यज्ञ। उनको ज्ञान यज्ञ नहीं

कहेंगे। भक्ति मार्ग में देखो रूद्र यज्ञ कैसे रचते हैं। ... वह है हृद का संन्यास, यह है बेहद का संन्यास।। वैसे ही रूद्र यज्ञ रचते हैं। वास्तव में रूद्र ज्ञान यज्ञ है। इस यज्ञ को बाबा ने यह भी कहा है यह है *रूद्र शिवबाबा का राजस्व अश्वमेध ज्ञान यज्ञ।*

उत्तर 28- *C. भण्डारे भरपूर*

पवित्रता सुख शान्ति सम्पत्ति सब कुछ था। पवित्रता नहीं है तो न शान्ति है, न सुख। बाप आये ही हैं *पवित्रता-सुख-शान्ति का भण्डारा भरपूर* करने। सतयुग में विश्व महाराजा महारानी बनेंगे। सतयुग है ही पवित्र आत्माओं की दुनिया जहाँ सदा सुख ही सुख है दुःख का तो नाम निशान ही नहीं रहेगा। सब भंडारे बाबा इतने भरपूर कर देंगे की चिंता किस चिड़िया का नाम है पता ही नहीं रहेगा। यहां जो अपने घर को, अपने भंडारे को परमात्मा बाप का भंडारा समझते हैं, वो मानो ब्रह्मा भोजन ही खाते हैं। उनके भंडारे और भंडारी सदा भरपूर रहते हैं।

उत्तर 29- *C. श्रीकृष्ण*

चित्र भी बाबा ने बनवाये हैं समझाने लिए। बाबा ने लॉकेट (बैज) भी बनवाये हैं। *एक तरफ त्रिमूर्ति दूसरे तरफ कृष्ण।* यह चित्र तो बहुत अच्छा है। इन पर तुम बहुत सर्विस कर सकते हो। गवर्मेन्ट से इनाम मिलता है। बाबा ने तुम्हारे लिए मेहनत कर लॉकेट (बैज) बनाया है। फर्स्ट-क्लास चीज है। लॉकेट दिखा कर बोलो - आओ, हम सारे सृष्टि का राज इससे आपको बतावें। हम तुमको त्रिकालदर्शी, त्रिलोकीनाथ विश्व का मालिक बना सकते हैं। इससे हम तुमको विश्व के आदि-मध्य-अन्त का ज्ञान देते हैं।

उत्तर 30- *A. अशरीरी*

आत्मा शरीर को चलाने वाली है। आत्मा में संस्कार रहते हैं। रात को अशरीरी बन जाती है। आत्मा शरीर को चलाने वाली है। रात को आत्मा शरीर में होती है, लेकिन थककर अशरीरी बन जाती है। शरीर का भान नहीं रहता, तो इसे नींद कहा जाता है। आत्मा अशरीरी आई है, अशरीरी बन जाना है। वहां परमधाम में शरीर संबंध नहीं। आत्माएं वहां से आती हैं, आकर शरीर में प्रवेश करती हैं। इसलिए रात को रेस्ट लेते समय *अशरीरी* बन जाती है।

उत्तर 31- *A. द्वापर*

तुम्हारी यादगार अमरलोक में नहीं रहेगा। तुम्हारी यादगार पीछे द्वापर में चाहिए। सतयुग में तुम्हारे यादगार नहीं थे। इस समय द्वापर से तुम अपना यादगार देखते हो। सतयुग में मन्दिर, तीर्थ आदि नहीं मानते हैं। इसलिए बाबा कहते हैं अमरलोक की याद पीछे *द्वापर* में चाहिए। सतयुग या अमरलोक में धन.. अनगिनत, अथाह, बहुत जमीन, बड़े बड़े बगीचे, सोने के महल, हीरों की जड़त, हरेक का पुष्पक विमान (जो संकल्प से चलता, कोई एक्सिडेंट नहीं), कोई कमी नहीं... हर स्थान-अवसर के वस्त्र अलग, बिल्कुल हल्के जेवर... रेत में भी सोना होगा।

उत्तर 32- *B. स्वर्ग का वर्षा*

बाबा कहते हैं - वास्तव में तुम बहुत लोभी हो। परन्तु शुद्ध लोभ है कि बेहद के बाप से हम स्वर्ग का वर्षा लेंगे और एक बाप में ही पूरा मोह रखना है। शुद्ध लालच का तात्पर्य असीमित पिता से स्वर्ग की विरासत और आध्यात्मिक प्राप्ति प्राप्त करने की तीव्र इच्छा है। "यह अच्छी रीति निश्चय हो जाना चाहिए। हम शिवबाबा से अनेक बार स्वर्ग का वर्षा ले चुके हैं, फिर से लेंगे। पुरुषार्थ से तुम जानते हो शिव-बाबा हमको स्वर्ग का वर्षा दे रहे हैं, तो क्यों नहीं उनसे वर्षा लेते हो?" बाबा 21 जन्मों के लिए *स्वर्ग की राजाई का वर्षा* देते हैं।

भाग - (83)

सम्पूर्ण मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- मीठे बच्चे - सर्विस की नई- नई युक्तियाँ निकालते रहो। भारत को बनाने में बाप का पूरा-पूरा मददगार बनो ?

- A- परिस्तान
- B- दैवी स्वराज्य
- C- विश्व का मालिक
- D- विश्व गुरू

प्रश्न 2- कोई कितना भी हिलाने की कोशिश करे, लेकिन..... रहना है और करना है - यह स्मृति रहे तो कभी गुस्सा नहीं आयेगा ?

- A- सन्तुष्ट
- B- हर्षित
- C- बेफिकर बादशाह
- D- निश्चित

प्रश्न 3- को लिफ्ट देने बाप आते हैं क्योंकि..... पर अत्याचार बहुत होते हैं ?

- A- बाँधेलियों
- B- माताओं
- C- सीताओं

D- कन्याओं

प्रश्न 4- भारत पर ही कौन सा खेल बना है-

- A-राम और रावण का।
- B-सुख-दुःख, हार-जीत का
- C-स्वर्ग-नर्क का
- D-उपरोक्त सभी का

प्रश्न 5- ब्राह्मण कौन से दो प्रकार के होते हैं ?

- A-सारसिद्ध और पुष्करणी।
- B-ब्रह्मा मुखवंशावली
- C-मुखवंशावली
- D-B और C दोनों

प्रश्न 6- सर्व शास्त्रमई शिरोमणी गीता से कौन से शास्त्र निकले हैं ?

- A-महाभारत,
- B-शिवपुराण,
- C-वेद, उपनिषद् आदि
- D-A और B दोनों
- E-A,B और C

प्रश्न 7- मुस्कुराना किसकी निशानी है ?

- A- सन्तुष्टता
- B- संपूर्णता
- C- पवित्रता
- D- खुशी

प्रश्न 8- ईव किसको कहा जाये?

- A- मम्मा को
- B- ब्रह्मा को
- C- शिव को
- D- आदि देवी

प्रश्न 9- तुमने 84 जन्मों का पार्ट बजाया, तुम बैरिस्टर बने, राजा बने। अब तुम बनते हो।

- A- विश्व के मालिक
- B- ब्रह्माकुमार ब्रह्मकुमारी
- C- ईश्वरीय संतान
- D- ब्रह्मा मुखवंशावली

प्रश्न 10- कौन सी ड्रिल नम्बरवन ड्रिल है, इससे वायुमण्डल में सन्नाटा छा जाता है, बाप का डायरेक्शन है - इसी ड्रिल का अभ्यास करो ?

- A- निराकारी
- B- अशरीरी
- C- देही अभिमानी
- D- फरिश्ता

प्रश्न 11- जब मुहब्बत के झूले में झूलते रहेंगे तो समाप्त हो जायेगी ?

- A- देहभान
- B- मेहनत
- C- विघ्न
- D- माया

प्रश्न 12- ब्रह्मा वंशी उसको कहते हैं - जो ब्रह्मा के द्वारा अविनाशी ज्ञान लेकर बनते हैं?

- A- देवता
- B- ब्राह्मण

C-पवित्र
D- फरिश्ता

प्रश्न 13- अभी बाप को बहुत रहम आता है क्योंकि जानते हैं बच्चे माया अर्थात् 5 भूतों के वश हो पड़े हैं। परवश हैं, उनको अब करता हूँ।

A- सुखी
B- मुक्त
C- लिबरेट
D- गाइड

प्रश्न 14- बाप जानते हैं यह माया ही सबका बड़े ते बड़ा दुश्मन है इसलिए मैं आया हूँ। परन्तु हूँ मैं.... इसलिए मुझे पहचानते नहीं।

A- निराकार
B- विचित्र
C- अदृश्य
D-बिन्दु स्वरूप

प्रश्न 15- कौन से साधन हैं, उन साधनों में यह नगाड़ा बजता रहेगा - मेरा बाप आ गया?

A- साइंस के
B- साइलेन्स के
C- भक्ति के
D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 16- सतयुग में जो देवी-देवता होंगे उन्हीं के ही..... जन्म होंगे।

A-8 जन्म
B-21 जन्म
C-84 जन्म
D-उपरोक्त सभी

प्रश्न 17- याद ही..... है जिससे आत्मा पावन बनती है। विकर्म विनाश हो जाते हैं।

A- करेंट
B- योग बल
C- योग अग्नि
D- बल

प्रश्न 18- बिना..... के माला में कैसे आयेंगे? माला कब बनती है? जब दाना दाने से मिलता है और एक ही धागे में पिरोये हुए होते हैं।

A- योग
B- सेवा
C- परिवार
D-धारणा

प्रश्न 19- कौनसे दो शब्दों की पढ़ाई है - इन्हीं दो शब्दों में चक्कर कहो, ड्रामा कहो, कल्प वृक्ष कहो सारी नॉलेज समाई हुई है?

A- आप और बाप
B- अल्फ और बे
C- मनमनाभव और मध्याजीव भव
D- इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 20- सम्पूर्ण ब्रह्मा, सम्पूर्ण सरस्वती- दोनों कहाँ रहते हैं?

A- संगम पर
B- सूक्ष्मवतन में
C- स्वर्ग में
D- A और B दोनों सही

प्रश्न 21- कर्म करो लेकिन क्या बनके काम करो ?

A- अव्यक्त फरिश्ता
B- निराकार

- C- स्मृति स्वरूप
- D -अशरीरी

प्रश्न 22-..... के आधार पर तुम विश्व में एक धर्म, एक राज्य की स्थापना करते हो?

- A- पवित्रता
- B- साइलेन्स
- C- पीस
- D- शक्ति

प्रश्न 23- सतयुग में भी बच्चे..... पढ़ने स्कूल में जायेंगे ? टीचर होगा।

- A- चित्रकला
- B- शासन विद्या
- C- राजविद्या
- D- धनुर्विद्या

प्रश्न 24- ब्रह्मा बाप ने किस को शिक्षक नहीं बनाया, बेहद का वैराग्य आदि से अन्त तक रहा?

- A- परिस्थितियों को
- B- प्रकृति को
- C -समय को
- D- साधन

प्रश्न 25- जिनके पास.....का विशेष गुण है,उनके पास सर्व गुण स्वतः आते जायेंगे।

- A- धैर्यता
- B- हर्षितमुखता
- C- सन्तुष्टता
- D- सहनशीलता

प्रश्न 26- तुम बच्चों को बाप समझाते हैं कि कोई आवाज नहीं करना है।सिर्फ से याद करना है।

- A- एकाग्र होकर
- B- बुद्धि
- C- दिल
- D- मन

प्रश्न 27- ब्रह्मा बाप भी आप सबको क्या देने के लिए अव्यक्त बनें?

- A- सहयोग देने
- B- ज्ञान देने
- C- पवित्रता देने
- D- गुण- शक्तियां

प्रश्न 28-.....बनना है तो अपने सर्व रिश्ते एक प्रभू के साथ जोड़ लो।

- A- फरिश्ता
- B- स्नेही
- C- सहजयोगी
- D- अशरीरी

प्रश्न 29- आत्मा भी बिन्दी, बाप भी बिन्दी और ड्रामा में जो बीत चुका वह भी.....

- A- बिंदी
- B -आश्चर्यजनक
- C- फुलस्टॉप
- D- काँमा

प्रश्न 30-ज्ञान मार्ग का एक ही कौन सा अक्षर ?

- A- मेरा बाबा
- B- ओ. के
- C- शुक्रिया बाबा

D- मुरली

प्रश्न 31- किन्हीं का विशेष स्लोगन है कि "हो ही जायेंगे"?

- A- सक्सेसफुल का
- B- अलबेलापन का
- C- दिलशिकस्त का
- D- पास विद् आनर का

प्रश्न 32- यह ब्राह्मण जन्म ही किस के लिए है?

- A- याद और सेवा
- B- सहयोग
- C- ज्ञान और योग
- D- धारणा और सेवा

भाग (83) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1-B. *दैवी स्वराज्य*

मीठे बच्चे सर्विस की नई नई युक्तियां निकालते रहो भारत को *दैवी स्वराज्य* बनाने में बाप का पूरा मदद करो। मन-बुद्धि से मुझ बाप को याद करो, साथ-साथ भारत को दैवी राजस्थान बनाने की सेवा करो "भारत को *दैवी स्वराज्य* बनाने की सेवा में अपना सब कुछ सफल करना है। शिवबाबा पर पूरा-पूरा बलिहार जाना है।"

उत्तर 2- *A. सन्तुष्ट*

ब्राह्मण अर्थात् सदा सन्तुष्ट रहने और सर्व को सन्तुष्ट करने वाले इसलिए कुछ भी हो जाए, कोई कितना भी हिलाने की कोशिश करे लेकिन *सन्तुष्ट* रहना है और करना है - यह स्मृति रहे तो कभी गुस्सा नहीं आयेगा। यदि कोई बार-बार गलती करता है तो उसे परिवर्तन करने के लिए गुस्सा नहीं करो, बल्कि रहमदिल बनकर शुभ भावना, शुभ कामना की दृष्टि रखो तो वह सहज परिवर्तन हो जायेंगे।

उत्तर 3- *B. माताओं*

माताओं को लिफ्ट देने बाप आते हैं क्योंकि माताओं पर अत्याचार बहुत होते हैं। माता गुरु बनी और पिता ने लिफ्ट की गिफ्ट दी। ब्रह्मा बाबा ने *माताओं* पर ज्ञान का कलष रखा। माताओं के मुख से निकला ज्ञान अमृत सबको पावन बनाता है। *माताओं* को ही ट्रस्टी बनाया गया है और सब कुछ माताएं ही संभालें ऐसा निर्णय लिया गया।

उत्तर 4- *A. राम और रावण का*

भारत पर ही खेल है - *राम और रावण का।* भारत की रावण से हारे हार है फिर रावण पर जीत पहन राम के बनते हैं। राम कहा जाता है शिवबाबा को। राम का भी, तो शिव का भी नाम लेना पड़ता है समझाने के लिए। शिवबाबा बच्चों का मालिक अथवा नाथ है। वह तुमको स्वर्ग का मालिक बनाते हैं। आधाकल्प राम राज्य है तो आधाकल्प रावण का भी राज्य चलता है। भारत पर ही सारा खेल बना हुआ है।

उत्तर 5- *A. सारसिद्ध और पुष्करणी*

ब्रह्मा का इतना नाम वा मन्दिर आदि नहीं है। सिर्फ अजमेर में ब्रह्मा का मन्दिर नामीग्रामी है, वहाँ ब्राह्मण भी रहते हैं। ब्राह्मण दो प्रकार के होते हैं - *1- सारसिद्ध और 2- पुष्करणी।* पुष्कर में रहने वालों को पुष्करणी कहा जाता है। परन्तु उन ब्राह्मणों को यह थोड़े ही पता है। कहेंगे हम ब्रह्मा मुखवंशावली हैं।

उत्तर 6- *E. A, B और C*

बाबा कहते हैं यह गीत भी तुम्हारे शास्त्र हैं। सर्व शास्त्रमई शिरोमणी गीता है और *सभी शास्त्र महाभारत, रामायण, शिवपुराण, वेद, उपनिषद्* आदि इसमें से ही निकले हैं। सभी शास्त्रों में सर्वोच्च स्थान गीता को ही दिया जाता है।

उत्तर 7- *A. सन्तुष्टता*

बापदादा सभी को टाइटल देते हैं - सन्तुष्ट आत्मायें, सन्तुष्ट मणियां। चाहे भाई हैं, चाहे बहन हैं, लेकिन आत्मा मणि है, इसलिए सभी सन्तुष्ट मणियां हैं, और सदा रहेंगी। देखना सन्तुष्टता को छोड़ना नहीं। कितना भी कोई आपके आगे कोशिश करे, आपकी सन्तुष्टता हिलाने के लिए आये लेकिन आप हिलना नहीं, सदा सन्तुष्ट। सदा मुखड़ा मुस्कुराता रहे। कभी कैसा, कभी कैसा नहीं। सदा मुस्कुराता हुआ चेहरा, अगर चेहरे में कभी थोड़ा फर्क आये तो अपने पूजने वाले चित्र को सामने रखो तो मेरा चित्र तो मुस्कुरा रहा है और मैं सोच रही हूँ। तो मुस्कुराना *सन्तुष्टता* की निशानी है। तो क्या बनेंगे? क्या करेंगे? सन्तुष्टमणि। चेहरे पर कभी भी और रेखायें नहीं हों, सिवाए मुस्कुराने के।

उत्तर 8- *B.ब्रह्मा को*

ईव किसको कहा जाये? मम्मा को ईव नहीं कहेंगे। मम्मा तो जगदम्बा है। *ईव इनको (ब्रह्मा) ही कहेंगे* क्योंकि इनके मुख द्वारा रचे। मनुष्य समझते हैं - एडम ब्रह्मा, ईव सरस्वती। वास्तव में यह रांग है। निराकार गोंड फादर है तो मदर भी जरूर होगी। परन्तु वो लोग ईव जगत अम्बा को कह देते हैं। वास्तव में यह बहुत मुख्य बात है। निराकार शिवबाबा इस ब्रह्मा मुख से कहते हैं - तुम हमारे बच्चे हो। यह ब्रह्मा माता बन जाती। ब्रह्मा प्रजापिता भी है तो माता भी है। एडम ही ईव है, यह नहीं समझते। *प्रजापिता ब्रह्मा वही फिर माता हो जाती है।* एडम और ईव अथवा आदम-बीबी कहते हैं। परन्तु अर्थ नहीं समझ सकते हैं। बच्चे समझ सकते हैं आदम-बीबी वास्तव में यह है। बीबी सो आदम है। इनको बीबी-आदम दोनों कह देते हैं।

उत्तर 9- *A.विश्व का मालिक*

जब स्टूडेंट बैरिस्टर बनने के लिए पढ़ते हैं तो बैरिस्टर से योग लगाते हैं और बैरिस्टर बन जाते हैं। आपका योग है परमपिता परमात्मा से, तो डबल सिरताज बनते हो। हथियारों से कोई विश्व का मालिक नहीं बन सकता। उनके पास विज्ञान है और आपके पास मौन है। इसलिए सिर्फ बाप और चक्र को याद करो और दूसरों को भी आप समान बनाओ, तो योगबल से *विश्व के मालिक* बन जाते हो।

उत्तर 10- *B.अशरीरी*

अशरीरी स्थिति माना इस 5 तत्वों से बने शरीर से एकदम अलग हो जाना। अशरीरी अर्थात् शरीर के भान से परे। शरीर अलग आत्मा अलग। देह, देह की दुनिया, देह के सम्बन्धों से न्यारे हो जाओ। शरीर निर्वाह अर्थ कर्म करने के लिए शरीर में आना और फिर कर्म करके देह में होते भी देह से न्यारे, अपने निराकार बिन्दु स्वरूप में स्थित हो जाना। *अशरीरी* हो जाना, यही अभ्यास बार बार करना है। स्मृति में रहे अब घर जाना है। बाप का डायरेक्शन है - इसी डिल का अभ्यास करो।

उत्तर 11- *B.मेहनत*

बापदादा को बच्चों से प्यार है ना। तो प्यार की निशानी है, प्यार वाले की मेहनत देख नहीं सकते। बापदादा तो उस समय यही सोचते कि बापदादा साकार में जाकर इनको कुछ बोले, लेकिन अब तो आकारी, निराकारी है। बिल्कुल सभी मेहनत से दूर मुहब्बत के झूले में झूलते रहो। *जब मुहब्बत के झूले में झूलते रहेंगे तो मेहनत समाप्त हो जायेगी।* मेहनत को खत्म करें, खत्म करें नहीं सोचो। सिर्फ मुहब्बत के झूले में बैठ जाओ, *मेहनत* आप ही छूट जायेगी। छोड़ने की कोशिश नहीं करो, बैठने की, झूलने की कोशिश करो।

उत्तर 12- *C.पवित्र*

ब्राह्मण जीवन का अर्थ ही है *पवित्र* आत्मा और ये पवित्रता ब्राह्मण जीवन का फाउण्डेशन है। ये फाउण्डेशन सदा अचल-अडोल रहना ही ब्राह्मण जीवन का सुख प्राप्त करना है।

उत्तर 13- *C.लिबरेट*

बाप को रहमदिल-मर्सिफुल और प्यार का सागर कहा जाता है? बाप को बहुत रहम आता है क्योंकि जानते हैं। बच्चे माया अर्थात् 5 भूतों के वश हो पड़े हैं। परवश हैं, उनको अब *लिबरेट* करता हूँ। बाप कहते हैं बच्चे अब मेरे कारण वा इस भारत अथवा सारे युनिवर्स के कारण तुम मेरी मत पर चलो। मुझे याद करो और रहम दिल भी बनो। सबको बाप का परिचय दो। बाप बहुत रहमदिल है, प्यार का सागर है। बाप बहुत रहम करते हैं, उनको कहा जाता है मर्सिफुल।

उत्तर 14- *B.विचित्र*

बाप जानते हैं यह माया ही सबका बड़े ते बड़ा दुश्मन है इसलिए मैं आया हूँ। परन्तु हूँ मैं *विचित्र*, इसलिए मुझे पहचानते नहीं। आगे समझते थे कि कृष्ण ने आकर राजयोग सिखाया, स्वर्ग का मालिक बनाया था। परन्तु कब और कैसे बनाया - यह नहीं जानते। इस आश्चर्य को नहीं जानते। परन्तु मैं *विचित्र* ही अब आकर स्वयं ज्ञान देता हूँ।

उत्तर 15- *A.साइंस के*

सबके दिल से यह आवाज़ निकले हमारा बाप आ गया है, मेरा बाप है। ब्रह्माकुमारियों का बाप नहीं, मेरा बाप है। जब सभी के दिलों से आवाज़ निकले कि मेरा बाप है, तब ही यह आवाज़ चारों ओर नगाड़े के माफिक गूँजेगा। जो भी *साइंस के* साधन हैं, उन साधनों में यह नगाड़ा बजता रहेगा - मेरा बाप आ गया। अभी जो भी कर रहे हो, बहुत अच्छा किया है और कर रहे हो। लेकिन अभी सबका इकठ्ठा नगाड़ा बजना है। जहाँ भी सुनेंगे, एक ही आवाज़ सुनेंगे। आने वाले आ गये - इसको कहा जाता है बाप की स्पष्ट प्रत्यक्षता। अभी नाम प्रसिद्ध हुआ है। पहला कदम नाम प्रत्यक्ष हुआ है कि ब्रह्माकुमारियाँ - ब्रह्माकुमार अच्छा काम कर रहे हैं।

उत्तर 16- *C.84 जन्म*

सतयुग में जो देवी देवता होंगे उनके ही 84 जन्म होंगे। सतयुग में सनातन देवी-देवताओं के ही 84 जन्म होते हैं। कुछ लोगों का मानना है कि लक्ष्मी-नारायण 84 जन्म लेते हैं। बाप कहते हैं कि लक्ष्मी-नारायण 84 जन्म लेते हैं और फिर उनके ही बहुत जन्मों के अंत में मैं प्रवेश करके यह बनाता हूँ।

उत्तर 17- *C.योग अग्नि*

याद ही योग अग्नि है जिससे आत्मा पावन बनती है। इसके लिए, आपको लगातार शिवबाबा को याद करते रहना है। योग, अग्नि के

समान है, जिसमें तुम्हारे पाप जल जाते हैं, आत्मा सतोप्रधान बन जाती है। इसलिए एक बाप की याद में (योग में) रहो। आत्मा ही पतित बनती है फिर पावन बनती है। सतयुग में पावन थे फिर 84 जन्म ले पतित बने हैं।

उत्तर 18- *C.परिवार*

बिना परिवार के माला में कैसे आयेंगे? माला कब बनती है? जब दाना दाने से मिलता है और एक ही धागे में पिरोये हुए होते हैं। अगर अलग-अलग धागे में अलग-अलग दाना हो तो उसको माला नहीं कहेंगे। तो परिवार है माला। अगर परिवार को छोड़कर तीन निश्चय पक्के हैं तो भी विजय निश्चित नहीं है। चलो परिवार की खिटखिट से किनारा कर लो, बाप का सहारा हो, परिवार का किनारा हो, तो चलेगा? काम तो बाप से है या भाइयों से है? बाप से काम है, वर्सा बाप से मिलना है।

उत्तर 19- *A.आप और बाप*

आप बच्चों के लिए रोज़ बाप शिक्षक बन आपके पास पढ़ाने आते हैं और कितना सहज पढ़ाते हैं। *दो शब्दों की पढ़ाई है - आप और बाप, इन्हीं दो शब्दों में चक्कर कहो, ड्रामा कहो, कल्प वृक्ष कहो सारी नॉलेज समाई हुई है।* और पढ़ाई में तो कितना दिमाग पर बोझ पड़ता है और बाप की पढ़ाई से दिमाग हल्का बन जाता है। हल्के की निशानी है ऊंचा उड़ना। हल्की चीज़ स्वतः ही ऊंची होती है। तो इस पढ़ाई से मन-बुद्धि उड़ती कला का अनुभव करती है।

उत्तर 20- *B.सूक्ष्मवतन में*

त्रिमूर्ति ब्रह्मा कहने से ब्रह्मा की मत गाई हुई है। शिव को उड़ा दिया है। कहते हैं ब्रह्मा भी उतर आये। अब ब्रह्मा तो सूक्ष्मवतन से आकर मत देवे। अब तुमने यह समझा है, प्रजापिता ब्रह्मा को व्यक्त ब्रह्मा कहा जाता है। तुम अभी व्यक्त ब्राह्मण हो, फिर अव्यक्त सम्पूर्ण ब्राह्मण बनते हो। फिर तुम सूक्ष्मवतनवासी ब्राह्मण बन जायेंगे। *सम्पूर्ण ब्रह्मा, सम्पूर्ण सरस्वती - दोनों सूक्ष्मवतन में वहाँ रहते हैं।*

उत्तर 21- *D.अशरीरी*

कर्म करो लेकिन अव्यक्त फरिश्ता बनके काम करो। अशरीरीपन की स्थिति का जब चाहो तब अनुभव करो।* ऐसे मन और बुद्धि आपके कंट्रोल में हो। *आर्डर करो - अशरीरी बन जाओ। आर्डर किया और हुआ फरिश्ते बन जायें। जैसे मन को जहाँ जिस स्थिति में स्थित करने चाहो वहाँ सेकण्ड में स्थित हो जाओ।* ऐसे नहीं ज्यादा टाइम नहीं लगा, 5 सेकण्ड लग गये, 2 सेकण्ड लग गये। आर्डर में तो नहीं हुआ, कंट्रोल में तो नहीं रहा।

उत्तर 22- *B.साइलेन्स*

इसके आधार पर तुम विश्व में एक धर्म, एक राज्य की स्थापना करते हो - यह है साइलेन्स का घमण्ड"। तुम्हारा है साइलेन्स का घमण्ड, उन्हीं का है साइंस का घमण्ड।

उत्तर 23- *C.राजविद्या*

बेहद का बाप कहते हैं मेरा कोई बाप नहीं। न टीचर है। सतयुग में भी बच्चे *राजविद्या* पढ़ने स्कूल में जायेंगे। टीचर होगा। हमारा कोई टीचर नहीं है। मैं तुमको राजयोग की शिक्षा देता हूँ। मैं कोई राजा-महाराजा नहीं बनूंगा। तुम बच्चे बनेंगे। पूज्य श्री लक्ष्मी, श्री नारायण थे। सतयुग में राज्य करते थे। यह निराकार बाप इस शरीर में विराजमान हो पढ़ाते हैं आत्माओं को।

उत्तर 24 - *C.समय*

ब्रह्मा बाप ने समय को शिक्षक नहीं बनाया, बेहद का वैराग्य आदि से अन्त तक रहा। *समय* के अनुसार तो सारे विश्व की आत्मायें बदलेंगी लेकिन आप बच्चे समय का इन्तजार नहीं करो। समय को शिक्षक नहीं बनाओ।

उत्तर 25- *C.सन्तुष्टता*

जिनके पास *सन्तुष्टता* का विशेष गुण है उनके पास सर्व गुण स्वतः आते जायेंगे। एक सन्तुष्टता की विशेषता और विशेषताओं को भी सहज अपने समीप लाती है। सन्तुष्टता सदा सर्व प्राप्ति सम्पन्न है क्योंकि जहाँ *सन्तुष्टता* है वहाँ अप्राप्त कोई वस्तु नहीं।

उत्तर 26- *B.बुद्धि*

राम नाम सत है अर्थात् परमपिता परमात्मा जो सत है उसका ही नाम लेना चाहिए। उसको राम कह देते हैं। माला भी राम-राम कह सिमरते हैं। राम-राम की धुनि ऐसी लगाते हैं जैसे बाजा बजाते हैं। *तुम बच्चों को बाप समझाते हैं कि कोई आवाज नहीं करना है। सिर्फ बुद्धि से याद करना है।* तुम जानते हो - जीते जी ईश्वर की गोद में आने से यह दुःख रूपी दुनिया खत्म हो जाती है।

उत्तर 27- *A.सहयोग*

जब बापदादा आपको सदा साथ देने के लिए आये हैं, परमधाम छोड़कर क्यों आये हैं? सोते, जागते, कर्म करते, सेवा करते, साथ देने के लिए ही तो आये हैं। *ब्रह्मा बाप भी आप सबको सहयोग देने के लिए अव्यक्त बनें।* व्यक्त रूप से अव्यक्त रूप में सहयोग देने की रफ्तार बहुत तीव्र है, इसलिए ब्रह्मा बाप ने भी अपना वतन चेंज कर दिया। तो शिव बाप और ब्रह्मा बाप दोनों हर समय आप सबको *सहयोग* देने के लिए सदा हाज़र हैं।

उत्तर 28- *A.फरिश्ता*

सभी के श्रेष्ठ स्थिति की झलक इस सूरत को फरिश्ता बना देती है। साधारण सूरत नहीं, फरिश्ता सूरत। तो फरिश्ता सूरत भी कितनी प्यारी है! फरिश्ते सभी को बहुत प्यारे लगते हैं। क्योंकि फरिश्ता सर्व का होता है, एक-दो का नहीं। बेहद की दृष्टि, बेहद की वृत्ति, बेहद की स्थिति वाला है। फरिश्ता सर्व आत्माओं के प्रति परमात्म सन्देश वाहक है। फरिश्ता अर्थात् सदा उड़ती कला वाला। फरिश्ता अर्थात् सर्व का रिश्ता एक बाप से जुटाने वाला है *फरिश्ता बनना है तो अपने सर्व रिश्ते एक प्रभू के साथ जोड़ लो।*

उत्तर 29- *C.फुलस्टॉप*

आत्मा भी बिन्दी, बाप भी बिन्दी और ड्रामा फुलस्टाप लगाना, वह भी बिन्दी है। तो बिन्दी आत्मा को याद किया, कमाई बढ़ गई। वैसे लौकिक में भी देखो, बिन्दी से ही संख्या बढ़ती है। एक के आगे बिन्दी लगाओ तो क्या हो जाता? 10, दो बिन्दी लगाओ, तीन बिन्दी लगाओ, चार बिन्दी लगाओ, बढ़ता जाता है। तो आपका साधन कितना सहज है! "मैं आत्मा हूँ" - यह स्मृति की बिन्दी लगाना अर्थात् खज़ाना जमा होना। फिर "बाप" बिन्दी लगाओ और खज़ाना जमा। कर्म में, सम्बन्ध-सम्पर्क में ड्रामा का फुलस्टाप लगाओ, बीती को फुलस्टाप लगाया और खज़ाना बढ़ जाता।

उत्तर 30- *B.ओ.के*

ज्ञान मार्ग का एक ही अक्षर है, कौन-सा अक्षर है? - *ओ. के. (OK)।* जैसे शिवबाबा गोल-गोल होता है ना वैसे ओ (O) भी लिखते हैं। और के (K) अपनी किंगडम। तो ओ.के. माना बाप भी याद रहा और किंगडम भी याद रही। इसलिए *ओ. के*.... और ओ.के. लिखकर ऐसे नहीं रोज़ पोस्ट लिखो और पोस्ट का खर्चा बढ़ जाए।

उत्तर 31- *B.अलबेलापन*

अलबेला पन का विशेष स्लोगन है 'हो ही जायेगा'। आजकल अलबेलापन बहुत प्रकार का आ गया है। कोई के अन्दर किस प्रकार का अलबेलापन है, कोई के अन्दर किस प्रकार का अलबेलापन है। हो जायेगा, कर लेंगे.. और भी तो कर रहे हैं, हम भी कर लेंगे... यह तो होता ही है, चलता ही है... यह भाषा *अलबेलेपन* की संकल्प में तो है ही लेकिन बोल में भी है।

उत्तर 32- *A.याद और सेवा*

याद निरन्तर है, ऐसे ही सेवा भी निरन्तर है। अपने को निरन्तर सेवाधारी अनुभव करते हो? या 8-10 घण्टे के सेवाधारी हैं? *यह ब्राह्मण जन्म ही याद और सेवा के लिए है।* और कुछ करना है क्या? यही है ना! हर श्वास, हर सेकण्ड याद और सेवा साथ-साथ है या सेवा के घण्टे अलग हैं और याद के घण्टे अलग हैं?

भाग - (84)

सम्पूर्ण मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- अवस्था को स्थाई (एकरस) अचल बनाने का साधन क्या है?

- A- निरन्तर योग
- B- धारणा
- C- ज्ञान और योग
- D- योग और धारणा

प्रश्न 2-.....बनने वाले नॉलेज लेंगे, बीज भी बोयेंगे (सहयोगी बनेंगे), पवित्र भी रहेंगे लेकिन पढ़ाई पर पूरा ध्यान नहीं देंगे।

- A- साधारण प्रजा
- B- साहूकार प्रजा
- C- रॉयल फैमिली
- D- दास-दासी

प्रश्न 3- श्रीकृष्ण कुल में जाना है। श्रीकृष्ण है फुल पास, सम्पूर्ण.....?

- A- चन्द्रमा
- B- सूर्य
- C- स्टार
- D- बिन्दु

प्रश्न 4- द्वापर में भी आपके जड़ चित्र इतने.....बनते हैं जो कोई भी चित्रों के आगे जायेगा तो नमन करेगा।

- A- गायन
- B- ऊंच
- C- महान

D- पूजनीय

प्रश्न 5- को याद करने से सारा ज्ञान आ जाता है ?

- A- स्वदर्शन चक्र
- B- बीज और झाड़
- C- बाप और वर्से
- D- सीढ़ी और चक्र

प्रश्न 6- और फल तो सतयुग में भी मिलेंगे और कलियुग में भी मिलेंगे लेकिन सेवा की भावना का प्रत्यक्षफल, प्रभू फल अगर अभी नहीं खाया तो सारे कल्प में नहीं खा सकते। यह फल ?

- A- प्रभु फल है।
- B- अविनाशी फल है।
- C- सर्व सम्बन्धों के स्नेह के रस वाला फल है।
- D- ईश्वरीय जादू का फल है।

प्रश्न 7- मीठे बच्चे - इस ज्ञान में का गुण धारण करना बहुत जरूरी है, कभी भी अपना अभिमान नहीं आना चाहिए, माताओं का रिकार्ड रखो।

- A- गम्भीरता
- B- नम्रता
- C- निरहंकारिता
- D- निराभिमानी

प्रश्न 8- क्या बनना सबसे ऊंचे ते ऊंची तकदीर है ?

- A- ब्राह्मण
- B- स्वदर्शन चक्रधारी
- C- शिव वंशी
- D- ब्रह्माकुमार ब्रह्माकुमारी

प्रश्न 9- इनमें से कौन सा सही नहीं है?

- A- आत्मा घड़ी-घड़ी एक शरीर छोड़ दूसरा लेती है।
- B- इस समय जो तुम्हारा रूप है, दूसरे जन्म में यह नहीं रहेगा।
- C- आत्मा एक शरीर छोड़ दूसरा लेती है तो उनकी एक्टिविटी, ख्यालात आदि सब बदल जाते हैं।
- D- एक्टिविटी भी बदलती रहती है - कभी कुत्ता, कभी बिल्ली की।

प्रश्न 10- अनेक आत्माओं का भविष्य बनाना है। 10-20 का नहीं, अनेक आत्माओं का सफल होना है। इसीलिए इस सम्बन्ध में गायन है ?

- A- बूँद-बूँद से तलाब।
- B- बूँद-बूँद से घड़ा।
- C- बूँद-बूँद से नदी।
- D- बूँद-बूँद से समुद्र।

प्रश्न 11- बच्चे - अपने हार और जीत की हिस्ट्री को याद करो, यह सुख और दुःख का खेल है, इसमें.....सुख दुःख हैं, इकल नहीं ?

- A- 3/4, 1/4
- B- 1/2, 1/2
- C- 1/4, 3/4
- D- 2/3, 1/3

प्रश्न 12- माताओं को विशेष कौन सा विघ्न आता है ?

- A- मोह
- B- बंधन
- C- सम्बन्ध- सम्पर्क

D- माया

प्रश्न 13- इनमें से सही नहीं है- ?

- A- बाप ने कहा है मुझे याद करो तो घर पहुँच जायेंगे।
- B- स्वदर्शन चक्रधारी बनकर तुमको अन्त तक पुरुषार्थ करना है।
- C- बाबा तो सिर्फ ज्ञान देने का पार्ट बजाते हैं। बाकी शरीर निर्वाह के लिए पुरुषार्थ बाप भी करेंगे।
- D- उपरोक्त सभी सही है।

प्रश्न 14- लास्ट की सम्पूर्ण स्टेज क्या है ?

- A- विदेही अवस्था
- B- जीवनमुक्त अवस्था
- C- न्यारी-प्यारी अवस्था
- D- आत्माभिमानी अवस्था

प्रश्न 15- किसका सदा बैलेन्स रखते चलो?

- A- ज्ञान और योग
- B- सेवा और स्थिति
- C- योग और सेवा
- D- ज्ञान और धारणा

प्रश्न 16- लड़ाई किन दो की आपस में है ?

- A- असुरों वा देवताओं की
- B- पाण्डवों और कौरवों की
- C- यवनों और कौरवों की
- D- यादवों की यादवों से

प्रश्न 17- अमृतवेला विशेष..... की वेला है, इसका महत्व जान पूरा लाभ लो।

- A- वरदान प्राप्ति
- B- प्रभू पालना
- C- उमंग उल्लास
- D- झोली भरने

प्रश्न 18- क्या सदाकाल के लिए डबल लाइट फरिश्ता बनने नहीं देता?

- A- आलस्य - अलबेलापन।
- B- व्यर्थ वा निगेटिव - का बोझ।
- C- माया रूपी विकार।
- D- देहाभिमान।

प्रश्न 19- 5 हजार वर्ष पहले इन लक्ष्मी-नारायण का राज्य था। फिर लक्ष्मी-नारायण दी फर्स्ट, सेकेण्ड, थर्ड चलते हैं।.. गदियाँ चलती हैं।

- A- 21
- B- 8
- C- 108
- D- 16108

प्रश्न 20- सर्वव्यापी का ज्ञान पहले नहीं था। कहते थे परमात्मा..... है।

- A- अदृश्य
- B- समझ ते परे
- C- बेअन्त
- D- नेति-नेति

प्रश्न 21- ब्रह्मा मुख वंशावली ब्राह्मण-ब्राह्मणियाँ ही..... बनते हैं ?

- A- त्रिकालदर्शी
- B- त्रिनेत्री
- C- त्रिलोकीनाथ
- D- इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 22- यही संगमयुग चढ़ती कला का युग इसमें ?

- A- हर सेकंड सफल करना चाहिए
- B- निरन्तर आगे बढ़ते रहना चाहिए
- C- बुद्धि से काम लेना चाहिए।
- D- कोई गफलत नहीं करनी चाहिए

प्रश्न 23- ब्रह्मा समान हर संकल्प, बोल और कर्म में पवित्रता इसको क्या कहा जाता है ?

- A- ब्रह्माचारी और ब्रह्माचारी
- B- शिवबाबा समान
- C- ब्रह्मा बाप समान
- D- ब्रह्मा बाप के नक्शे कदम

प्रश्न 24- कौरव पाण्डव की कोई युद्ध नहीं हुई है। यह तो..... युद्ध की है ?

- A- पाण्डवों ने माया से
- B- पाण्डवों ने यादवों से
- C- पाण्डवों ने रावण से
- D- पाण्डवों ने कंस से

प्रश्न 25- जितना बनेंगे, उतना माया जोर से वार करेगी। देखेगी लायक है वा नहीं?

- A- पवित्र
- B- महावीर
- C- रुस्तम
- D- धारणामूर्त

प्रश्न 26- बाबा ने राइट-हैण्ड बनाया है?

- A- माताओं को
- B- गोप को
- C- शक्तियों को
- D- ब्रह्मा बाप को

प्रश्न 27- जहाँ भी रहते हो, सभी हिलने हैं, सब आधार टूटने हैं। तो ऐसे टाइम पर क्या चाहिये?

- A- शक्तिशाली स्थिति
- B- साधना का आधार
- C- एक ही बाप का आधार
- D- अन्तर्मुखता की स्थिति

प्रश्न 28- इनमें से कौन सा सही नहीं है ?

- A- ऊंच ते ऊंच बीजरूप, फिर उनके नीचे लक्ष्मी और नारायण हैं।
- B- रचयिता बाप को सर्वोपि कहने से फिर यह सिद्ध नहीं होता कि हम सब बच्चे हैं।
- C- ब्रह्मा-विष्णु -शंकर को सूक्ष्म देह मिली हुई है।
- D- सभी सही है।

प्रश्न 29- परिस्थिति समझने से घबरा जाते लेकिन साइड सीन अर्थात् ?

- A- खेल
- B- रास्ते के नजारे
- C- विघ्न
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 30- याद रखो हमारा बाप, टीचर और सतगुरु - तीनों ही है तो भी खुशी का पारा चढ़ेगा

- A- एक
- B- कम्बाइन्ड
- C- शिव बाबा
- D- बाप-दादा

प्रश्न 31- शक्तियों को कितनी भुजाएं दिखाते हैं ?

- A- 4
- B- 6
- C- 8
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 32- गीता में कितनी बार मन्मनाभव लिखा हुआ है ?

- A- 1
- B- 2
- C- 8
- D-18

भाग (84) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *A.निरन्तर योग*

अवस्था स्थाई तब बनेगी जब *निरन्तर योग* में रहेंगे। योग टूटता तब है जब किसी में ममत्व है इसलिए नष्टमोहा बनो। बुद्धि को पवित्र बनाओ। ज्ञान की धारणा जब भी पवित्र बुद्धि में ही होती है इसलिए बुद्धि रूपी बर्तन स्वच्छ हो, बाप से योग जुटा रहे।

उत्तर 2- *B.साहूकार प्रजा*

राजधानी का मालिक बनने के लिए पढ़ाई पर पूरा ध्यान चाहिए। पढ़ाई से ही पद की प्राप्ति होती है। *साहूकार प्रजा बनने वाले नॉलेज लेंगे, बीज भी बोयेंगे (सहयोगी बनेंगे), पवित्र भी रहेंगे लेकिन पढ़ाई पर पूरा ध्यान नहीं देंगे।* पढ़ाई पर ध्यान तब हो जब पहले पक्का निश्चय हो कि हमें स्वयं भगवान् पढ़ाने आते हैं। अगर पूरा निश्चय नहीं तो यहाँ बैठे भी जैसे भुट्टू हैं। अगर निश्चय है तो रेग्युलर पढ़ना चाहिए। धारण करना चाहिए।

उत्तर 3- *A.चन्द्रमा*

यह श्रीकृष्ण मायाजीत बन जगतजीत अर्थात् जगत का प्रिन्स बना। यह श्रीकृष्ण भी अपने अन्तिम जन्म में युद्ध के मैदान में थे। वैसे अब यह भी युद्ध के मैदान में हैं। तुम भी युद्ध के मैदान में हो। सब भक्त हैं ना, माया के बंधन में फँसे हुए हैं। रखवाला है भोलानाथ शिव। रक्षा करने आये हैं तो उनकी राय पर चलना है। *श्रीकृष्ण के कुल में जाना है। श्रीकृष्ण है फुल पास, सम्पूर्ण चन्द्रमा।* जब चन्द्रवंशियों का समय आता है तो वह अपना राज्य ले लेते हैं। तो नापास क्यों होना चाहिए? फुल पास होना है तो पुरुषार्थ करो।

उत्तर 4- *C.महान*

वर्तमान समय तो ब्राह्मण आत्मायें महान हैं ही, और भविष्य में भी सर्व श्रेष्ठ महान हो। *द्वार में भी आपके जड़ चित्र इतने महान बनते हैं जो कोई भी चित्रों के आगे जायेगा तो नमन करेगा।* इतनी आपकी महानता है जो आज दिन तक अगर किसी भी आत्मा को बनावटी देवता बना देते, लक्ष्मी-नारायण बनायेंगे, श्रीराम बनायेंगे, तो जब तक वह आत्मा देवता का पार्ट बजाता है, तो उस आत्मा को जानते हुए भी कि यह साधारण मनुष्य है, लेकिन जब देवता रूप का पार्ट बजाते हैं तो उस साधारण आत्मा को भी नमन करेंगे। तो आपके रूप की महानता तो है लेकिन नामधारी आत्माओं को भी *महान* समझते हैं।

उत्तर 5- *B.बीज और झाड़ू*

सेकेण्ड में तुमको सारा याद आना चाहिए – बीज और झाड़ू। बाबा भी कहते हैं – आदि, मध्य, अन्त का मेरे पास ज्ञान है इसलिए ही मुझे ज्ञान का सागर, नॉलेजफुल, जानी-जाननहार कहते हैं।

उत्तर सं 6- *D. ईश्वरीय जादू का फल है*

सभी प्रत्यक्षफल के अनुभवी आत्मायें हो? प्रत्यक्षफल खाकर देखा है? *और फल तो सतयुग में भी मिलेंगे और अब कलियुग के भी बहुत फल खाये। लेकिन संगमयुग का प्रभु फल, प्रत्यक्ष फल अगर अब नहीं खाया तो सारे कल्प में नहीं खा सकते।* बापदादा सभी बच्चों से पूछते हैं - प्रभु फल, अविनाशी फल, सर्व शक्तियाँ, सर्वगुण, सर्व सम्बन्ध के स्नेह के रस वाला फल खाया है? सभी ने खाया है या कोई रह गया है? *यह ईश्वरीय जादू का फल है।* जिस फल खाने से लोहे से पारस से भी ज्यादा हीरा बन जाते हो। इस फल से जो संकल्प करो वह प्राप्त कर सकते हो। अविनाशी फल, अविनाशी प्राप्ति। ऐसे प्रत्यक्ष फल खाने वाले सदा ही माया के रोग से तन्दरुस्त रहते हैं।

उत्तर 7 - *A.गम्भीरता*

मीठे बच्चे - इस ज्ञान में *गम्भीरता* का गुण धारण करना बहुत जरूरी है, कभी भी अपना अभिमान नहीं आना चाहिए, माताओं का रिगार्ड रखो" इसमें बड़ी गम्भीरता चाहिए और अभिमान नहीं आना चाहिए - मैं यह करता हूँ। जितना हो सके हर बात में माताओं को आगे रखना है। माता का रिगार्ड रखना है। सब चाबी माता के हाथ में होनी चाहिए। माता द्वारा समाचार आना चाहिए।

उत्तर 8- *B.स्वदर्शनचक्रधारी*

स्वदर्शन चक्रधारी बनना - *यह है सबसे ऊंचे ते ऊंची तकदीर।* तुम ब्राह्मण अभी स्वदर्शन चक्रधारी बने हो। तुम अपनी भी तकदीर को जानते हो तो सारे सृष्टि की भी तकदीर को जानते हो। बाबा आये हैं तुम बच्चों की हीरे समान तकदीर बनाने। स्मृति में रहे स्वयं भगवान हमारी तकदीर बनाने लिए पढ़ा रहे हैं तो तकदीर बनती रहेगी।

उत्तर 9- *D.एक्टिविटी भी बदलती रहती है*

-ऐसे नहीं कभी कुत्ता-बिल्ली भी बनेंगे।* तुम्हारा तो जन्म बाई जन्म नाम, रूप, देश, काल बदलता जाता है। फीचर्स सदैव न्यारे मिलते हैं। यह कितनी गुह्य सूक्ष्म बातें हैं। *1)* तुम्हारी आत्मा घड़ी-घड़ी एक शरीर छोड़ दूसरा लेती है। *2)* इस समय जो तुम्हारा रूप है, दूसरे जन्म में यह नहीं रहेगा। एक न मिले दूसरे से। *3)* आत्मा एक शरीर छोड़ दूसरा लेती है तो उनकी एक्टिविटी, ख्यालात आदि सब बदल जाते हैं। आत्मा को कितना भिन्न-भिन्न पार्ट बजाना पड़ता है। भिन्न नाम, रूप, देश, काल एक्टिविटी से पार्ट बजाती है। *4)* *एक्टिविटी भी बदलती रहती है - कभी राजा की, कभी रंक की। ऐसे नहीं कभी कुत्ता-बिल्ली भी बनेंगे।* नहीं। अभी तुम जानते हो हम भविष्य में प्रिन्स-प्रिन्सेज बनने के लिए पुरुषार्थ करते हैं। मनुष्य से देवता बन रहे हैं।

उत्तर 10- *A. 'बूँद-बूँद से तलाब'*

बाप गरीब-निवाज गाया हुआ है। अरब- खरबपति निवाज नहीं गाया हुआ है। बुद्धिवानों का बुद्धि क्या किसी अरब-खरबपति की बुद्धि को नहीं पलटा सकता? क्या बड़ी बात है! लेकिन ड्रामा का बहुत अच्छा कल्याणकारी नियम बना हुआ है, परमात्म कार्य में फुरी-फुरी (बूँद-बूँद) तलाव होना है। *अनेक आत्माओं का भविष्य बनना है। 10-20 का नहीं, अनेक आत्माओं का सफल होना है। इसीलिए गायन है - 'बूँद-बूँद से तलाब'।* आप सभी जितना तन-मन- धन सफल करते रहते हो उतना ही सफलता के सितारे बन गये हो।

उत्तर 11- *A. 3/4, 1/4*

"मीठे बच्चे - अपने हार और जीत की हिस्ट्री को याद करो, यह सुख और दुःख का खेल है, *इसमें 3/4 सुख है, 1/4 दुःख है, इकल नहीं।* बाप समझाते हैं यह जो ड्रामा बना हुआ है उसमें 3/4 सुख है, बाकी 1/4 कुछ न कुछ दुःख है, इसलिए इसको सुख-दुःख का खेल कहा जाता है। बाप जानते हैं मुझ बाप को सिवाए तुम बच्चों के कोई जान नहीं सकते।

उत्तर 12- *A. मोह*

कोई भी आसक्ति चाहे देह की, चाहे तो देह के पदार्थों की कोई भी आसक्ति उत्पन्न हो तो उस समय यही याद रखो कि मैं शक्ति हूँ। शक्ति में फिर आसक्ति कहाँ? आसक्ति के कारण उस स्थिति में आ नहीं सकते हैं। तो आसक्ति को खत्म कर दो। इसके लिए यही सोचो कि मैं शक्ति हूँ *माताओं को विशेष कौन सा विघ्न आता है? (मोह) मोह किस कारण आता है? मोह मेरा से होता है।* लेकिन आप सबका वायदा क्या है? शुरू-शुरू में आप सब-जब आये तो आपका वायदा क्या था? मैं तेरी तो सब कुछ तेरा।

उत्तर 13- *C. बाबा तो सिर्फ ज्ञान देने का पार्ट बजाते हैं। बाकी शरीर निर्वाह के लिए पुरुषार्थ बाप भी करेंगे*

1- आत्मा को ज्ञान मिला हुआ है। आत्मा को दर्शन हुआ है। आत्मा जानती है हम ऐसे-ऐसे चक्र लगाते हैं। अब फिर जाना है घर। *बाप ने कहा है मुझे याद करो तो घर पहुँच जायेंगे।* ऐसे भी नहीं है कि इस समय तुम उस अवस्था में बैठ जायेंगे।

2- यहाँ तो बाप कहते हैं और सब बातों को समेट एक को ही याद करो। श्रीमत मिलती है उस पर चलना है। *स्वदर्शन चक्रधारी बनकर तुमको अन्त तक पुरुषार्थ करना है।* पहले तो कुछ पता नहीं था, अब तो बाप बतलाते हैं। उनको याद करने से सब-कुछ आ जाता है। रचयिता और रचना के आदि-मध्य-अन्त का सारा राज बुद्धि में आ जाता है।

3- तुम बच्चे पार्टधारी हो। *बाबा तो सिर्फ ज्ञान देने का पार्ट बजाते हैं। बाकी शरीर निर्वाह के लिए पुरुषार्थ तुम करेंगे।* बाबा तो नहीं करेंगे ना। बाप तो आते ही हैं बच्चों को समझाने के लिए कि यह वर्ल्ड की हिस्ट्री-जॉग्राफी कैसे-कैसे रिपीट होती है, चक्र कैसे फिरता है। यह समझाने के लिए ही आते हैं।

उत्तर 14- *A. विदेही अवस्था*

ये स्थिति राजयोग की सबसे अंतिम और उत्कृष्ट स्थिति है। इसे हम कर्मातीत अवस्था या स्थिति के रूप में भी जानते हैं। ये स्थिति तो हमें पुरुषार्थ की पराकाष्ठा में अन्त समय में ही मिलनी है।

उत्तर 15- *B. सेवा और स्थिति*

सेवा और स्थिति में सदा बैलेंस रखते चलो स्थिति बनाने में थोड़ी मेहनत लगती है और सेवा तो सहज हो जाती है, इसलिए सेवा का पलड़ा थोड़ा स्थिति से ऊँचा हो जाता है। बैलेंस रखो और बापदादा की सर्व सेवा करने वाले संबंध संपर्क में आने वाले ब्राह्मण परिवार की ब्लेसिंग लेते चलो। दुआओं का खाता बहुत जमा करो।

उत्तर 16- *C. यवनों और कौरवों की*

बाबा कहते कौरवों और पाण्डवों की लड़ाई कभी होती नहीं क्योंकि पाण्डव होते हैं प्रीत बुद्धि और कौरव होते हैं विपरीत बुद्धि उनको लड़कर करना क्या है। लड़ाई होती है कौरवों और यादवों में, यादव या यवनों माना विज्ञान बुद्धि, विनाशकारी साधनों को बनाने वाले और कौरव माना परमात्म विपरीत बुद्धि या दुष्ट बुद्धि वाले, इसलिए उनकी लड़ाई होती है। पाण्डवों को लड़ने की जरूरत ही नहीं, पाण्डवों के पास लड़ने का कोई संकल्प ही नहीं है क्योंकि पाण्डव हैं आत्म स्मृति में, पाण्डवों को लड़ना है अपनी ही कमियों और

कमजोरियों से, उनकी बुद्धि में है ये सब आत्माएँ हैं, एक बाप के बच्चे हैं, एक घर से आए हुए हैं और एक ही घर जाना है।

उत्तर 17- *B. प्रभु पालना*

अमृतवेला डायमण्ड मॉर्निंग अर्थात् वरदानी समय है। अमृतवेला परमात्म मिलन का वेला है, ये प्रभु पालना की वेला है। अमृतवेला वरदानी समय है सहज वरदान प्राप्त करने की वेला है। जो गायन है मन इच्छित फल प्राप्त करना, यह इस समय अमृतवेले का ही गायन है।

उत्तर 18- *B. व्यर्थ वा निगेटिव - का बोझ*

फरिश्ता स्थिति का अनुभव करने के लिए किसी भी प्रकार के व्यर्थ और निगेटिव संकल्प, बोल वा कर्म से मुक्त बनो। *व्यर्थ वा निगेटिव - यही बोझ सदाकाल के लिए डीप साइलेन्स का अनुभव करने नहीं देता।* अब व्यर्थ बोझ से सदा हल्के बन डबल लाइट फरिश्ता बनो।

उत्तर 19- *B. 8*

भारत में पवित्र गृहस्थ धर्म था, जिन्हों के चित्र हैं। लक्ष्मी-नारायण का राज्य था परन्तु वह कब स्थापन हुआ - यह कोई जानते नहीं। कल्प की आयु लाखों वर्ष कह देते हैं। तुम बच्चों को समझाया जाता है - 5 हजार वर्ष पहले इन लक्ष्मी-नारायण का राज्य था। फिर लक्ष्मी-नारायण दी फर्स्ट, सेकेण्ड, थर्ड चलते हैं। *आठ गदियाँ चलती हैं।* फिर चन्द्रवंशी में 12 चलती हैं। डिनायस्ती होती है ना। मुगलों की डिनायस्ती, सिक्खों की डिनायस्ती....। बच्चों को समझाया जाता है - 5000 वर्ष पहले भारत में एक ही लक्ष्मी-नारायण का राज्य था। वर्ल्ड आलमाइटी अथॉरिटी गवर्मेन्ट थी। वह बाप ही बनाते हैं।

उत्तर 20- *C. बेअन्त*

मनुष्य तो क्या-क्या बातें सुनाकर माथा ही खराब कर देते हैं। बाप कहते हैं यह फिर भी होना ही है। *सर्वव्यापी का ज्ञान पहले नहीं था। कहते थे परमात्मा बेअन्त है।* बेअन्त कह फिर उनको सर्वव्यापी कहना कितनी बड़ी भूल है। शिवोहम् ततत्वम् कह देते हैं। कभी शिवोहम्, कभी फिर ब्रह्मोहम् भी कह देते। यह फिर राँग हो जाता है। ब्रह्म तो रहने का स्थान है। शिव बाबा ब्रह्म तत्व में रहते हैं इसलिए उनका नाम ब्रह्माण्ड है।

उत्तर 21- *A. त्रिकालदर्शी*

बाप कहते हैं यह देह का भान छोड़ अपने को आत्मा निश्चय कर मुझ बाप को याद करो। तुम धक्के खाकर थक गये हो। *ब्रह्मा मुख वंशावली ब्राह्मण-ब्राह्मणियाँ ही त्रिकालदर्शी बनते हैं।* बनाने वाला है बाप।

उत्तर 22- *C. बुद्धि से काम लेना चाहिए*

कहा जाता है कि यह संगमयुग चढ़ती कला का युग है और इसमें बुद्धि से काम लेना चाहिये। *इस युग को या समय को ड्रामानुसार वरदान मिला हुआ है - 'चढ़ती कला सर्व का भला'*

उत्तर 23- *A. ब्रह्मचारी और ब्रह्माचारी*

बापदादा ने सबसे पहला व्रत कौन-सा दिया? जब स्मृति का तिलक लगा तो पहला-पहला व्रत कौन सा लिया? याद है ना? सम्पूर्ण पवित्र भव। बाप ने कहा और बच्चों ने धारण किया। तो पवित्रता का व्रत सिर्फ ब्रह्मचर्य का व्रत नहीं लेकिन *ब्रह्मा समान हर संकल्प, बोल और कर्म में पवित्रता - इसको कहा जाता है ब्रह्मचारी और ब्रह्माचारी।* हर बोल में पवित्रता का वायब्रेशन समाया हुआ हो। हर संकल्प में पवित्रता का महत्त्व हो। हर कर्म में, कर्म और योग अर्थात् कर्मयोगी का अनुभव हो - इसको कहा जाता है ब्रह्माचारी।

उत्तर 24- *A. पाण्डवों ने माया से*

अभी हम कोई मायापूफ नहीं हो गये हैं। अगर आत्मा कम्पलीट हो गयी तो शरीर भी कम्पलीट होना चाहिए। परन्तु नहीं, अभी अनकम्पलीट शरीर में बैठे हैं, तो इसका मतलब कि आत्मा कुछ अनकम्पलीट है। लेकिन घड़ी-घड़ी माया की अंगूरी नहीं खानी है, इससे चोट लगती है, फिर वह रजिस्टर अच्छा नहीं रहेगा। नाम तो खराब होगा ना। माया बहुत युक्तिबाज़ होके गिराती है। यही तो हमारी माया से लड़ाई है, *बाकी कौरव पाण्डव की कोई युद्ध नहीं हुई है। यह तो पाण्डवों ने माया से युद्ध की है।*

उत्तर 25- *C. रूस्तम*

तुम सर्वशक्तिमान के बच्चे हो तो माया भी कम नहीं है। आधा-कल्प रावण का राज्य है। इस समय माया भी जोर से पछाड़ेगी, इसको तूफान कहा जाता है। हनूमान का मिसाल है ना। तुमको माया के कितने भी तूफान आयें परन्तु हिलना नहीं है। सदैव हर्षित रहना है। *जितना रूस्तम बनेंगे उतना माया जोर से वार करेगी। देखेगी - लायक है वा नहीं?*

उत्तर 26- *A. माताओं को*

ब्राह्मण कुल-भूषण हैं तो बहुत, परन्तु उनमें भी कोटो में कोई निकलते हैं जो अखबार में देख फौरन सर्विस करने लग पड़ते हैं। *बाबा ने राइट-हेण्ड बनाया है माताओं को।* गोप मुश्किल खड़े होते हैं, कोई बिरला यथार्थ रीति से श्रीमत पर अटेन्शन देते हैं। यह एक प्वाइंट है - भ्रष्टाचार और श्रेष्ठाचार की। भ्रष्टाचारी बुलाते हैं कि - हे भगवान्, आओ, आकर श्रेष्ठाचारी बनाओ। सभी भ्रष्टाचारी जरूर हैं। कहा जाता है यथा राजा-रानी तथा प्रजा।

उत्तर 27- *C.एक ही बाप का आधार*

आप लोगों के आगे तो ऐसा समय आया नहीं है लेकिन आना है। *जहाँ भी रहते हो, सभी हिलने हैं, सब आधार टूटने हैं। तो ऐसे टाइम पर क्या चाहिये? एक ही बाप का आधार।* आप लोग तो बहुत-बहुत-बहुत लक्की हो, जो आने का समय आपका सहज साधनों का है। सहज साधनों के साथ-साथ आपका ब्राह्मण जन्म है। लेकिन साधन और साधना - साधनों को देखते साधना को नहीं भूल जाना। क्योंकि आखिर में साधना ही काम में आनी है।

उत्तर 28- *A.ऊँच ते ऊँच बीजरूप, फिर उनके नीचे लक्ष्मी और नारायण हैं*

ऊँच ते ऊँच बीजरूप के नीचे सूक्ष्म वतनवासी ब्रह्मा-विष्णु-शंकर हैं। रचयिता सबके ऊपर होता है। वह रचयिता बाप है और बाकी रचना है।

उत्तर 29- *B.रास्ते के नजारे*

सदा अपने मास्टर सर्वशक्तिमान स्वरूप की स्मृति में रहो तो हर परिस्थिति ऐसे अनुभव होगी जैसे एक साइडसीन है। *परिस्थिति समझने से घबरा जाते लेकिन साइड सीन अर्थात् रास्ते के नजारे समझेंगे* तो सहज पार कर लेंगे क्योंकि नजारों को देख खुशी होती है, घबराते नहीं, विघ्न-विघ्न नहीं है लेकिन आगे बढ़ने का साधन है।

उत्तर 30- *B.कम्बाइन्ड*

"मीठे बच्चे - *याद रखो हमारा बाप, टीचर और सतगुरु - तीनों ही कम्बाइन्ड है* तो भी खुशी का पारा चढ़ेगा, उनकी श्रीमत पर चलते रहेंगे। अर्थात् बाप भी बनते हैं, टीचर भी बनते हैं गुरु भी बनते हैं।

उत्तर 31- *D.उपरोक्त सभी*

शक्तियों के चित्रों में भिन्न-भिन्न रूप से और फिर भुजाओं के रूप में नम्बरवार शक्तियों का यादगार है। उन चित्रों में कहाँ कितनी भुजायें, कहाँ कितनी दिखाते हैं। कोई अष्ट शक्तियों को धारण करने वाली बनती हैं, कोई उससे अधिक, कोई उससे कम। *कहाँ 4 भुजाएं, कहाँ 8 भुजाएं, कहाँ 16 भी दिखाते हैं, नम्बरवार।*

उत्तर 32- *B. 2*

मनुष्य को जो आदत पड़ती है वह वृद्धि को पाती है। बुद्धि में रहना चाहिये हमारे 84 जन्म पूरे हुए। अब नाटक पूरा हुआ। अभी हम जाते हैं अपने घर इसलिये बाप कहते हैं - मुझे याद करो। *गीता में भी दो बार मन्मनाभव लिखा हुआ है।* कुछ-कुछ बातें आटे में लून हैं। यह शब्द आपने कई बार साकार और अव्यक्त दोनों ही मुरली में सुना या पढ़ा होगा। बाबा कहते हैं: " कर्म करते हुए मुझे याद करो... मनमनाभव अर्थात् मन मेरे में लगाओ।

भाग - (85)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- नाटक पूरा हुआ, अब निरन्तर बाप को याद करने की कोशिश करो। अगर और कुछ याद पड़ता रहेगा तो....

- A- विकर्म हो जाएगा
- B- बोझ चढ़ जाएगा
- C- हिसाब बन जाएगा
- D- सजायें खानी पड़ेगी

प्रश्न 2- इनमें से कौन सा सही है?

- A- ब्रह्मा और विष्णु को महादेव नहीं कहेंगे।
- B- वहाँ (स्वर्ग) तो होगा ही शीतल।
- C- आत्मा बुद्धिहीन औंधी बनी है।
- D- उपरोक्त सभी सही है।

प्रश्न 3- किस विधि से नये स्टूडेंट्स पर ज्ञान का रंग लग सकता है ?

- A- पहले सात रोज़ भट्टी में बिठाओ
- B- पहले खुद पर ज्ञान का रंग चढ़ाओ
- C- शुभ भावना और शुभ कामना द्वारा सूक्ष्म सेवा करो
- D- उपरोक्त सभी सही

प्रश्न 4- दोनों के बैलेन्स से प्रत्यक्षता होगी।

- A- सेवा और तपस्या

- B- ज्ञान और योग
- C- स्व सेवा और विश्व सेवा
- D- स्वपरिवर्तन और विश्वपरिवर्तन

प्रश्न 5- प्रसन्नचित्त के सम्बन्ध में इनमें से कौनसा कथन सही नहीं है ?

- A- प्रसन्नचित्त औरों का भी केश्वन मार्क खत्म कर देता है।
- B- प्रसन्नचित्त वायब्रेशन के बजाय प्रसन्नचित्त का वायब्रेशन जल्दी फैलता
- C- जिसका प्रसन्नचित्त होता है उसके मन-बुद्धि के व्यर्थ की गति फास्ट नहीं होगी।
- D- कैसा भी आग समान जला हुआ गरम दिमाग का हो लेकिन प्रसन्नचित्त के वायब्रेशन की छाया में शीतल हो जायेगा
- E- उपरोक्त सभी सही है।

प्रश्न 6- विकारों का आपस में बहुत गहरा सम्बन्ध है, अगर बाहर के रूप में इमर्ज रीति से क्रोध है लेकिन आन्तरिक चेक करो तो क्रोध के साथ होता ही है। ये सब आपस में साथी हैं ?

- A- लोभ, अहंकार
- B- काम, अहंकार
- C- मोह, अहंकार
- D- लोभ- मोह

प्रश्न 7- इनमें से कौन सा सही नहीं है ?

- A- सूक्ष्मवतन में तो प्रजापिता होता नहीं है।
- B- प्रलय अक्षर रांग हैं।
- C- कभी-कभी कोई को आत्मा का साक्षात्कार होता है।
- D- एक जिन्न का मिसाल है। उसने कहा कि काम दो नहीं तो खा जाऊंगा।
- E- उपरोक्त सभी सही है।

प्रश्न 8- कोई भी विकर्म करके छिपाना नहीं, छिपकर सभा में बैठने वाले इसलिए सावधान, विकार की कड़ी भूल कभी भी नहीं हो ?

- A- चकनाचूर हो जाते हैं।
- B- का सत्यानाश हो जाता है।
- C- पर बहुत दण्ड पड़ता है।
- D- बहुत दुःखी होते हैं।

प्रश्न 9- बड़े से बड़ा खजाना है ज्ञानधन जिससे

- A- सर्वशक्तियों की प्राप्ति होती है।
- B- सर्वगुणों की प्राप्ति होती है ।
- C- मुक्ति जीवन मुक्ति की प्राप्त होती है ।
- D- खुशी और संतुष्टि की प्राप्त होती है

प्रश्न 10- जिनके पास हृद की इच्छाओं की अविद्या हैं वही ?

- A- बेफ़िक्र बादशाह हैं।
- B- सदा संतुष्ट हैं।
- C- इच्छा मात्रम अविद्या हैं ।
- D- महान सम्पत्तिवान हैं ।

प्रश्न 11- गृहस्थियों को किसको फॉलो करना चाहिए ?

- A- मम्मा
- B- बाबा
- C- ब्रह्मा बाबा
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 12- स्वयं को कैसे देवता बनाना है ?

- A- मुखड़ा सदैव देवताओं जैसा हर्षित रखने से
- B- याद से
- C- दिव्य गुणों की धारना से

D- ज्ञान योग बल से

प्रश्न 13- कर्म करने के पहले कौन सा निश्चय रखो

- A- मैं निमित्त हूँ ।
- B- करावनहार बाबा है ।
- C- मैं सफलता मूर्त हूँ ।
- D- विजय तो हमारी हुई पड़ी है ।

प्रश्न 14- भगवान भगवती होते हैं -

- A- लक्ष्मी नारायण
- B- 16 कला सम्पूर्ण
- C- राम सीता
- D- A और B
- E- A, B और C

प्रश्न 15- शास्त्रों में सबसे बड़ी भूल कौन सी है ?

- A- आत्मा सो परमात्मा कह दिया है।
- B- मनुष्य 84 लाख जन्म लेते।
- C- मनुष्य को कुत्ता-बिल्ली आदि बना दिया है।
- D- जो कल्प लाखों वर्ष का लिख दिया है।

प्रश्न 16- 2026 में किसकी पधरामणी हुए 90 वर्ष हुए ?

- A- ब्रह्मा विष्णु शंकर की
- B- शिव बाबा
- C- बाप दादा
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 17- सूर्यवंशी डिनायस्ती में तख्तनशीन बनने के लिए क्या करना है ?

- A- अकाल तख्त नशीन बनना है ।
- B- सच्चे-सच्चे आशिक बनना है।
- C- बाप समान नॉलेजफुल बन सबको रास्ता बताना
- D- मात-पिता को पूरा पूरा फॉलो करना है।

प्रश्न 18- कैसे रहना भी बहुत बड़ा गुण है ?

- A- हर्षित रहना
- B- संतुष्ट रहना
- C- चुप रहना
- D- सबको सुख देना

प्रश्न 19- मंदिर किसके बहुत बनते हैं ?

- A- देवियों में जो ऊंच पद पाते हैं
- B- जो अच्छी रीति पढ़ते हैं
- C- सूर्यवंशी देवी देवताओं के
- D- जो बाप के हर फरमान का पालन करते हैं

प्रश्न 20- नाम बाला कैसे होगा

- A- श्रीमत पर चलने से
- B- दिव्य गुणों की धारणा से
- C- चेहरे और चलन से
- D- पढ़ने और पढ़ाने से

प्रश्न 21- बड़ी मंजिल कौन सी है ?

- A- गृहस्थ व्यावहार में रहते पवित्र रहना ।
- B- पूरा श्रीमत पर चलना ।
- C- सदा एकरस स्थिति में रहना ।

D- देह अभिमान तोड़ना ।

प्रश्न 22- सर्व का मान प्राप्त करने के लिए

- A- अपना रिकॉर्ड ठीक रखो
- B- सबको रिगार्ड दो
- C- निर्माणचित बनो
- D- सहनशीलता का गुण धारण करो

प्रश्न 23- किसी भी बात में डरना नहीं है, कुछ भी होता है -

- A- परवाह न नहीं करनी है।
- B- ड्रामा कल्याणकारी है
- C- मास्टर्स नालेजफुल बन देखो
- D- नथिंग न्यू

प्रश्न 24- और धर्म वाले के लिए भी कोई भी धर्म वाला लक्ष्य ले सकता है। लक्ष्य मिलता है -

- A- बाप को याद करो
- B- शान्तिधाम को याद करो
- C- अपने धर्म को याद करो।
- D- A और B

प्रश्न- इस्लामियों के आगे कौन थे ?

- A- बौद्ध धर्म
- B- चन्द्रवंशी
- C- क्रिश्चियन
- D- सूर्यवंशी

प्रश्न 26- यदि श्रीमत का हाथ सदा साथ है, तो.....

- A- माला का दाना अवश्य बनेगे।
- B- सारा ही युग हाथ में हाथ देकर चलते रहेंगे।
- C- सदा निश्चित रह नाचते-कूदते .
चलते रहेंगे।
- D- B और C
- E- A, B और C

प्रश्न 27- सोलह कलाओं से सम्पन्न कहा जाता है-

- A- देवी-देवताओं को
- B- श्रीकृष्ण को
- C- ब्रह्मा बाबा
- D- A और B
- E- A,B और C

प्रश्न 28- जो यज्ञ स्नेही हैं वह मन्सा-वाचा-कर्मणा, तन मन और धन तीनों सेवा में क्या बनते हैं?

- A- सदा सहयोगी
- B- सदा योगी
- C- सदा सेवाधारी
- D- इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 29- कर्म,समय,श्वास,बोल सब में व्यर्थ की अविद्या अर्थात् ?

- A- इनोसेंट
- B- सेन्ट
- C- सिद्धि स्वरूप
- D-उपरोक्त सभी

प्रश्न 30- अनेकों साल ज्ञान मार्ग में चलने वाली एक माता को शिकायत रहती हैं, घर वाले बदलते नहीं। तो श्रीमत् अनुसार माताजी को क्या करना चाहिए।

A- बिना स्व-परिवर्तन के कोई भी आत्मा प्रति कितनी भी मेहनत करो, परिवर्तन नहीं हो सकता इसलिए स्व-परिवर्तन करना होगा
B-लोग जीवन में परिवर्तन और समझाने दोनों से बदल जाते हैं। तो करके दिखाओ और समझाकर दिखाना चाहिए
C-घर वालों को रोज मुरली सुनानी चाहिए।
D- A, B और C
E- A और B

प्रश्न 31- किसका सामना करना समाप्त करो तो सेवा की ऑफर सामने आयेगी?
A विघ्नो को
B देह-अभिमान
C व्यर्थ
D B और C
E A,B और C

प्रश्न 32 -सबसे बड़ा खज़ाना कौन सा है, जिससे ही ज्ञान और योग की परख होती है?
A स्नेह का खज़ाना
B खुशी का खज़ाना
C ज्ञान का खज़ाना
D शक्ति का खज़ाना

भाग (85) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *D.सजायें खानी पड़ेगी*

बाप बच्चों को कहते हैं - अब यह पुराना चोला छोड़ना है। नाटक पूरा हुआ, अब निरन्तर बाप को याद करने की कोशिश करो। अगर और कुछ याद पड़ता रहेगा तो फिर *सजायें खानी पड़ेगी।* जितना हो सके औरों की याद निकाल दो। यात्रा पर जाते हैं तो बुद्धि में वही याद रहती है। बस, हम श्रीनाथ द्वारे जाते हैं। तुम्हारी है सच्ची रूहानी यात्रा।

उत्तर 2- *D.उपरोक्त सभी सही है*

A. गाते हैं - हर-हर अर्थात् दुःख को हरो। भगवान् के लिये ही गाते हैं। परन्तु भगवान् का पता न होने के कारण ब्रह्मा, विष्णु, शंकर के लिये कह देते हैं। देव-देव महादेव। शिव को भूल शंकर के लिये कह देते - हर-हर महादेव। *ब्रह्मा और विष्णु को महादेव नहीं कहेंगे।* वह तो दोनों स्थूल पार्ट में आते हैं। शंकर सूक्ष्मवतन में ही रहते हैं।

B. इस समय तो तुम ईश्वर के सम्मुख हो। फिर तो डिग्री डिग्रेड हो जायेगी। जाकर दैवी सन्तान बनेंगे। अभी यह शीतल गोद अच्छी है। *वहाँ (स्वर्ग) तो होगा ही शीतल।* परन्तु यहाँ तो तत्ते (गर्म) को भी शीतल बनाया जाता है तो वह अच्छा रहता है।

C. आत्मा और शरीर दोनों ही पुराने हैं। *आत्मा बुद्धिहीन अंधी बनी है।* मनुष्य को थोड़ेही अंधा कहा जाता है। आंखें तो हैं ना। परन्तु बुद्धि अंधी है। आत्मा में जो बुद्धि है याद करने की वह बिल्कुल भूल गई है। इसलिए उपरोक्त सभी सही है।

उत्तर 3- *A.पहले सात रोज़ भट्टी में बिठाओ*

उन्हें पहले-पहले सात रोज़ की भट्टी में बिठाओ। कायदा है - जब कोई भी आता है तो उनसे फार्म भराओ। पहले सात रोज़ भट्टी में पड़े तब पूरा रंग लगे। तुम भ्रमरियां ज्ञान की भूँ-भूँ कर आप समान बनाती हो। तुम जानती हो - अभी देवता धर्म की सैपलिंग लग रही है। जो इस घराने की आत्मायें होंगी वह महारोगी से निरोगी बनने के पुरुषार्थ में लग जायेंगी।

उत्तर 4- *A.सेवा और तपस्या*

अभी प्रत्यक्षता बाप की करने का फाउण्डेशन कहाँ से होगा? दिल्ली से या महाराष्ट्र से? कर्नाटक से, लंदन से.... कहाँ से होगा? दिल्ली से होगा? करो निरन्तर सेवा और तपस्या। *सेवा और तपस्या* दोनों के बैलेन्स से प्रत्यक्षता होगी। जैसे सेवा का डायलॉग बनाया ना, ऐसे दिल्ली में तपस्या का वर्णन करने का डायलॉग बनाओ तब कहेंगे दिल्ली, दिल्ली है। दिल्ली बाप की दिल तो है लेकिन बाप के दिल पसन्द कार्य करके भी दिखायेंगे।

उत्तर 5- *B.प्रश्नचित्त वायब्रेशन के बजाय प्रसन्नचित्त का वायब्रेशन जल्दी फैलता*

वैसे एक का केश्वन था, अभी दो का हो गया, दो से चार का हो जायेगा। *तो प्रसन्नचित्त वायब्रेशन के बजाय प्रश्नचित्त का वायब्रेशन जल्दी फैलता है।* हाँ! ऐसा है... साथ दे दिया। आश्चर्य की मात्रा आ गई ना - हाँ! तो फुलस्टॉप तो नहीं हुआ ना। चाहे अपने प्रति भी - ये मेरे से होना नहीं चाहिये, ये मेरे को मिलना चाहिये, ये दूसरे को नहीं होना चाहिये, तो ये चाहिये-चाहिये प्रश्नचित्त बना देती है, प्रसन्नचित्त

नहीं।

उत्तर 6- *A.लोभ, अहंकार*

पहले भी सुनाया था कि कभी कोई, कभी कोई गुण की प्राप्ति को सामने रखते हुए सन्तुष्ट रहो क्योंकि एक गुण भी अपनाया तो जैसे *विकारों का आपस में बहुत गहरा सम्बन्ध है, अगर बाहर के रूप में इमर्ज रीति से क्रोध है लेकिन आन्तरिक चेक करो तो क्रोध के साथ लोभ, अहंकार होता ही है।* ये सब आपस में साथी हैं। कोई इमर्ज रूप में होते हैं, कोई मर्ज रूप में होते हैं। तो गुण भी जो हैं उन्हों का भी आपस में सम्बन्ध है। इमर्ज एक गुण को रखो लेकिन दूसरे गुण भी उनके साथ ही मर्ज रूप में होते हैं। तो रोज़ कोई न कोई प्राप्ति स्वरूप का अनुभव अवश्य करो। अगर प्राप्ति इमर्ज रूप में होगी तो प्राप्ति के आगे अप्राप्ति खत्म हो जायेगी और सदा सन्तुष्ट रहेंगे।

उत्तर 7- *E.उपरोक्त सभी सही है*

सूक्ष्मवतन में शिव परमात्मा के नीचे सूक्ष्म ब्रह्मा, विष्णु, महेश को दिखाया गया है। आत्मा का साक्षात्कार दिव्य बुद्धि से किसी किसी को होता है। बाबा ने जिन्न के सम्बन्ध में लोक प्रचलित धारणा को इस महावाक्य में व्यक्त किया। इसलिए उपरोक्त सभी सही हैं

उत्तर 8- *C.पर बहुत दण्ड पड़ता है*

"मीठे बच्चे - कोई भी विकर्म करके छिपाना नहीं, छिपकर सभा में बैठने वाले *पर बहुत दण्ड पड़ता है* इसलिए सावधान, विकार की कड़ी भूल कभी भी नहीं हो"

यहाँ भगवान खुद कहते हैं - अगर तुम विकारों में गिर पतित बने और सुनाया नहीं तो सौ गुणा दण्ड पड़ता रहेगा। बाप का बच्चा बनकर फिर अगर छिपकर नर्क का द्वार बने और फिर बाबा को समाचार नहीं दिया तो एक-दम मर पड़ेंगे फिर कितना भी पुरुषार्थ करे, विजय पा नहीं सकेंगे। बाबा इतला दे रहे हैं। बहुत बच्चे हैं जो छिपाते हैं। विकार में जाना बड़ा पाप है। छिपाया और मरा। ऐसे तो बच्चा न बनें तो अच्छा है।

उत्तर 9- *C.मुक्ति जीवन-मुक्ति की प्राप्ति होती है*

खजाने तो बापदादा द्वारा बहुत अविनाशी प्राप्त हुए हैं। *सबसे पहले बड़े ते बड़ा खजाना है ज्ञान धन, जिससे मुक्ति और जीवनमुक्ति की प्राप्ति हुई है।* पुरानी देह और पुरानी दुनिया से मुक्त जीवनमुक्त स्थिति और मुक्तिधाम में जाने की, सभी बच्चों को प्राप्त है।

उत्तर 10- *D.महान सम्पत्तिवान हैं*

जिनके पास हृदय के इच्छाओं की अविद्या है वही महान सम्पत्तिवान हैं।

उत्तर 11- *B. बाबा*

मम्मा तो कुमारी थी। तो मम्मा ऊंच चली गई। तुम भी कुमारियाँ मम्मा को फॉलो करो। *गृहस्थियों को बाबा को फॉलो करना चाहिए।* हर एक को समझना है कि मैं पतित हूँ, मुझे पावन बनना है। मुख्य बात बाप ने याद के यात्रा की सिखलाई है।

उत्तर 12- *D.ज्ञान योग बल से*

क्रोध पर बड़ी खबरदारी रखनी है। मुखड़ा सदैव देवताओं जैसा हर्षित रखना है। *स्वयं को ज्ञान योगबल से देवता बनाना है।*

उत्तर 13- *D.विजय हमारी हुई पड़ी है*

कर्म करने के पहले यह निश्चय रखो कि विजय तो हमारी हुई पड़ी है। अनेक कल्प विजयी बने हैं। जब अनेक कल्प, अनेक बार विजयी बन विजय माला में पिरोने वाले, पूजन होने वाले बने हैं तो अब वही रिपीट करना है। बना हुआ कर्म दुबारा रिपीट करना है इसलिए कहा जाता है कि बना बनाया....। बना हुआ है लेकिन अब फिर से रिपीट कर 'बना बनाया' जो कहावत है उसको पूरा करना है।

उत्तर 14- B *16 कला सम्पूर्ण*

बाप तुम बच्चों को स्मृति दिलाते हैं कि तुमको कितना साहूकार बनाया था। *तुम सर्वगुण सम्पन्न, 16 कला सम्पूर्ण थे। यथा राजा रानी..... इन्हीं को भगवान भगवती भी कह सकते हैं।* परन्तु बाप ने समझाया है कि भगवान एक है, वह बाप है।

उत्तर 15- *D. जो कल्प की लाखों वर्ष का लिख दिया है*

शास्त्रों में सबसे बड़ी भूल तो यह की है जो कल्प लाखों वर्ष का लिख दिया है। बाप कहते हैं कि न तो कल्प लाखों वर्ष का होता, न सतयुग लाखों वर्ष का होता। कल्प की आयु 5 हजार वर्ष है।

उत्तर 16- *D. सभी सही*

*अब जयन्ती मनाते हो, (इस 2026 में लिखेंगे 90 वीं शिवजयन्ती), बाबा की पधरामणी हुए अभी 90 वर्ष हुए। फिर साथ-साथ ब्रह्मा विष्णु शंकर की भी पधरामणी है। बापदादा का अर्थ निराकार परमात्मा (शिव) और ब्रह्मा बाबा (प्रजापिता) का मिलन है। *त्रिमूर्ति ब्रह्मा की जयन्ती कोई दिखाते नहीं हैं, दिखाना जरूरी है क्योंकि बाबा कहता है मैं ब्रह्मा द्वारा स्थापना फिर से करता हूँ। ब्राह्मण बनाता जाता हूँ। तो ब्रह्मा और ब्राह्मण वंशियों का भी जन्म हुआ।

उत्तर 17- *D.मात-पिता को पूरा-पूरा फॉलो करना है*

सूर्यवंशी डिनायस्ती में तख्तनशीन बनने के लिए मात-पिता को पूरा-पूरा फॉलो करना है। बाप समान नॉलेजफुल बन सबको रास्ता बताना है।

उत्तर 18- *C. चुप रहना*

चुप रहना भी बहुत बड़ा गुण है, तुम चुप रहकर बाप को याद करते रहो तो बहुत कमाई जमा कर लेंगे

उत्तर 19- *A.देवियों में जो ऊंच पद पाते हैं*

तुम अभी जानते हो हम ही यहाँ पूज्य बनते हैं फिर पुजारी बन अपनी ही पूजा करेंगे। अभी हम ब्राह्मण हैं फिर हम ही पूज्य देवी देवता बनेंगे, यथा राजा रानी तथा प्रजा। *देवियों में जो ऊंच पद पाते हैं तो मन्दिर भी उन्हीं के बहुत बनते हैं, नाम बाला भी उन्हीं का होता है जो अच्छी रीति पढ़ते पढ़ाते हैं।* तो अब तुम जानते हो पूज्य पुजारी हम ही बनते हैं। शिवबाबा तो सदैव पूज्य है।

उत्तर 20- *D. पढ़ने और पढ़ाने से*

भविष्य 21 जन्मों के लिए अच्छी रीति पढ़ना और दूसरों को पढ़ाना है। *पढ़ने और पढ़ाने से ही नाम बाला होगा।*

उत्तर 21- *D.देह अभिमान तोड़ना*

जो बच्चे देह-अभिमान में रहते हैं उन्हें माया जोर से पंजा मार देती है, फिर नाम-रूप में फंस पड़ते हैं। देह-अभिमान आया और थपड़ लगा, इससे पद भ्रष्ट हो जाता है। *देह-अभिमान तोड़ना यही बड़ी मंजिल है।* बाबा कहते बच्चे देही-अभिमानी बनो।

उत्तर 22- *C.निर्माणचित बनो*

सर्व का मान प्राप्त करने के लिए निर्माणचित बनो - निर्माणात् महानता की निशानी है।

उत्तर 23- *D. नथिंग न्यू*

श्रीमत पर चलकर पवित्र बनने की। भल कितने भी हंगामें हो, सितम सहन करने पड़े लेकिन बाप ने जो पवित्र बनने की श्रेष्ठ मत दी है उस पर निरन्तर चलते रहें तो बहुत ऊंच पद पा सकते हैं। *किसी भी बात में डरना नहीं है, कुछ भी होता है - नथिंग न्यू*

उत्तर 24- *A.और B*

कोई भी धर्म वाला लक्ष्य ले सकता है। *लक्ष्य मिलता है - बाप को याद करो। शान्तिधाम को याद करो तो अपने धर्म में ऊंच पद पा लेंगे।* उनको जीवनमुक्ति तो मिलनी नहीं है, न वहाँ आयेंगे। दिल लगेगी नहीं। सच्ची दिल उन्हीं की लगती है जो यहाँ के हैं। पिछाड़ी में आत्मायें अपने बाप को तो जान जायें।

उत्तर 25- *B.चन्द्रवंशी*

अब तुमको समझ मिली है कि श्रीकृष्ण ने सतयुग आदि में कैसे जन्म लिया। तुम कहेंगे उनको तो 5 हजार वर्ष हुए। वह भी कहते हैं क्राइस्ट से 3 हजार वर्ष पहले भारत पैराडाइज़ था। *इस्लामियों के आगे चन्द्रवंशी, उनके आगे सूर्यवंशी थे।* शास्त्रों में सतयुग को लाखों वर्ष दे दिये हैं।

उत्तर 26- *B.सारा ही युग हाथ में हाथ देकर चलते रहेंगे*

यदि हम संगमयुग में सदा श्रीमत का सदा साथ देंगे, तभी सारा ही दोनों युग हाथ में हाथ देकर अर्थात् सहयोगी बनकर चलते रहेंगे।

अव्यक्त-बापदादा_श्रीमत रूपी हाथ सदा हाथ में है तो सारा युग हाथ में हाथ देकर चलते ...।निश्चित रह कूदते नाचते रहने वाले परमत वाले भी होते हैं।माला का दाना बनने के लिए श्रीमत पर तो चलना ही है। परन्तु विजय माला में आना है तो विशेष होली (पवित्र) बनने का पुरुषार्थ करो। जब पक्के संन्यासी अर्थात् निर्विकारी बनेंगे तब विजय माला का दाना बनेंगे। कोई भी कर्मबन्धन का हिसाब-किताब है, तो वारिस नहीं बन सकते, प्रजा में चले।अगर दाने का दाने से सम्पर्क नहीं हो तो माला नहीं बनेंगी इसलिए सन्तुष्टमणी बन सदा सन्तुष्ट रहो और सर्व को सन्तुष्ट करो।

उत्तर 27- *B.श्रीकृष्ण*

सतयुग में सर्वगुण सम्पन्न, मर्यादा पुरुषोत्तम, 16 कला संपूर्ण श्रीकृष्ण थे। सतयुगी राजा का टाइटल 16 कला संपूर्ण सर्वगुण संपन्न संपूर्ण था।परन्तु सतयुग में परमधाम से आने वाली देव आत्मायें सभी 84 नहीं लेती 84-76 जन्म लेती हैं।और कलायें भी 16 से कमतर होते हुए अन्त तक 14 रह जाती हैं।ब्रह्मा बाबा तो पुरुषार्थी थे। श्रीकृष्ण ही सतयुग की प्रथम दिव्यात्मा ही सही उत्तर है।

उत्तर 28- *A.सदा सहयोगी*

बाबा के पास सभी बच्चों के तीनों प्रकार के खाते जमा हैं। जो यज्ञ स्नेही हैं वह मनसा-वाचा-कर्मणा, तन मन और धन तीनों सेवा में सदा सहयोगी बनते हैं। हर खाते की 100 मार्क्स हैं। अगर किसी की वाचा सेवा की ऊँटनी है तो उसमें मनसा और कर्मणा की पर्सेंटेज कम न हो। वाचा सेवा सहज है लेकिन मनसा पर अटेंशन देने की बात है और कर्मणा केवल स्थूल सेवा की बात नहीं लेकिन संगठन में

सम्बन्ध सम्पर्क में आना ये भी कर्म के खाते में जमा होता है। मनसा वाले विशेषतः योगी होते हैं, तन और धन से सेवा करने वाले विशेषकर सेवाधारी होते अतः विकल्प सदा सहयोगी सही है। मुरली वरदान इस सन्दर्भ में *जो यज्ञ स्नेही हैं वह मन्सा-वाचा-कर्मणा तीनों सेवाओं के खाते जमा करने वाले यज्ञ स्नेही भव*

उत्तर 29- *A. इनोसेंट*

- इनोसेंट अपने देवताई संस्कारों को इमर्ज कर दिव्यता का अनुभव करने वाले व्यर्थ से इनोसेंट अर्थात् निर्दोष, अविद्या स्वरूप भव जब आप बच्चे अपने सतयुगी राज्य में थे तो व्यर्थ वा माया से इनोसेंट थे इसलिए देवताओं को सेंट वा महान आत्मा कहते हैं। तो अपने वही संस्कार इमर्ज कर, व्यर्थ के अविद्या स्वरूप बनो। समय, श्वास, बोल, कर्म, सबमें व्यर्थ की अविद्या अर्थात् इनोसेंट। जब व्यर्थ की अविद्या होगी तब दिव्यता स्वतः और सहज अनुभव होगी इसलिए यह नहीं सोचो कि पुरुषार्थ तो कर रहे हैं – लेकिन पुरुष बन इस रथ द्वारा कार्य कराओ। एक बार की गलती दुबारा रिपीट न हो। जिस शक्ति का जिस समय आह्वान करो वो शक्ति उसी समय प्रैक्टिकल स्वरूप में अनुभव हो। आर्डर किया और हाज़िर इसे कहते हैं सिद्धि स्वरूप।

उत्तर 30- *E. स्वपरिवर्तन से विश्व परिवर्तन होगा*

इस तरह यदि ज्ञान मार्ग में चलने के बाद स्वयं में अपेक्षित परिवर्तन नहीं कर सकते तो दूसरों को बदलने की आश नहीं करनी चाहिए। समझने से नहीं अपितु सदाचार को स्वयं व्यवहार में लाने से ही दूसरों पर प्रभाव पड़ता है। हां दूसरों को समझाने का प्रभाव स्वपरिवर्तन/ स्वयं में बदलाव के बाद अवश्य पड़ेगा। इसलिए A और B दोनों सही हैं।

उत्तर 31- *D. देह अभिमान और व्यर्थ*

देह-अभिमान के कारण ही बच्चों से बहुत भूलें होती हैं। वह सर्विस भी नहीं कर सकते हैं। दूसरा, कोई भी संकल्प, बोल वा कर्म व्यर्थ नहीं जायें। किन्तु व्यर्थ के सम्बन्ध में अव्यक्त महावाक्य है- विघ्न आना आवश्यक है और जितना विघ्न आना उतने शक्तिशाली बनो। विघ्नों को देख विघ्न-विनाशक बनने के बजाय, विघ्नों को देख अपनी स्टेज से नीचे तो नहीं आ जाते हो? क्या अनेक प्रकार के आये हुए तूफान आपकी बुद्धि में तूफान तो पैदा नहीं करते हैं?

उत्तर 32- *B. खुशी का खजाना*

मुरली महावाक्यानुसार-चाहे आत्माओं में ज्ञान के प्रति, योग ... संगमयुग पर बापदादा ने सबसे बड़ा खजाना खुशी का दिया है। खुशी के लिए कहा जाता है - खुशी जैसी कोई खुराक नहीं, खुशी जैसा कोई खजाना नहीं। ..सबसे बड़े से बड़ा खजाना है खुशी का खजाना। इसी खुशी के लिए लोग तड़फते हैं। और आप सब सदा खुशी में नाचने वाले हो। आप सबके यादगार चित्र में भी खुशी का पोज़ दिखाया हुआ है - अपना चित्र याद है। अन्य खजाने ज्ञान से ज्ञान, शक्ति से अष्टशक्ति सम्पन्न और स्नेह से सर्व प्रति मधुर सम्पन्न बनेंगे।

भाग - (86)

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- मीठे बच्चे - बाप का कर्तव्य है, कांटों के जंगल को खलास कर फूलों का बगीचा बनाना, इससे ही नम्बरवन हो जाती है।

- A- दुनिया की स्थापना
- B- दैवी दुनिया की स्थापना
- C- अवस्था
- D- फैमिली प्लैनिंग

प्रश्न 2- मुक्ति जीवन-मुक्ति के सम्बन्ध में इनमें से कौनसा सही नहीं है?

- A- बाप को हर एक ब्राह्मण बच्चे को बन्धनमुक्त, जीवनमुक्त बनाना ही है।
- B- मुक्तिधाम में मुक्ति व सतयुग में जीवनमुक्ति का अनुभव कर सकेंगे।
- C- मुक्ति-जीवनमुक्ति के वर्से का अनुभव अभी संगम पर ही करना है।
- D- उपरोक्त सभी सही हैं।

प्रश्न 3- यह बहुत बड़ा इम्तहान है, जो बाप ही पढ़ाते हैं। इसमें आदि की दरकार नहीं। बाप को याद करना है, ?

- A- शास्त्र
- B- गीता
- C- किताब
- B- दुनियावी ज्ञान

प्रश्न 4- बाप को सब बच्चे नम्बरवार याद करते हैं लेकिन बाप किन बच्चों को याद करते हैं ?

- A- जो बच्चे बहुत मीठे हैं।
- B- जिन्हें सर्विस के बिना और कुछ सूझता ही नहीं।
- C- जो अति प्रेम से बाप को याद करते, खुशी में प्रेम के आंसू बहाते।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 5- त्रिमूर्तिवंशी त्रिमूर्ति बच्चों की तीन प्रकार की लाइट्स का साक्षात्कार होता है। उन तीनों में कौन सी लाइट्स एक नहीं हैं?

- A- नयनों की ज्योति
- B- मस्तक की लाइट
- C- आत्मा की लाइट
- D- माथे पर लाइट का क्राउन

प्रश्न 6- दिलवाड़ा मन्दिर में इनमें से कौन हैं ?

- A- शिव
- B- आदि देव
- C- हम बच्चे
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 7- अल्लाह की फीमेल कौन ?

- A- बीबी
- B- ब्रह्मा
- C- शिव
- D- मम्मा

प्रश्न 8- त्रिलोकीनाथ कौन है ?

- A- ब्राह्मण
- B- लक्ष्मी नारायण
- C- शिव बाबा
- D- A और C
- E- A,B और C

प्रश्न 9- जब तुम बाप की गोद में आते हो तो यह दुनिया ही खत्म हो जाती है, तुम्हारा अगला जन्म नई दुनिया में होता है, इसलिये कहावत है ?

- A- राम गयो रावण गयो
- B- आप मुये मर गई दुनिया
- C- सारी दुनिया कब्रदाखिल है
- D- मिरूआ मौत मलूका शिकार

प्रश्न 10- अलौकिक का अर्थ है ?

- A- सम्पूर्ण पवित्र
- B- ब्राह्मण स्वरूप
- C- इस लोक जैसे नहीं
- D- सम्पूर्ण फरिश्ता

प्रश्न 11- सारे सृष्टि का ज्ञान किसमें है ?

- A- झाड में
- B- परमपिता परमात्मा में
- C- सृष्टि चक्र में
- D- तीनों में

प्रश्न 12- निर्णय करने, परखने और..... की शक्ति को धारण करना ही होलीहंस बनना है ?

- A- उड़ने
- B- सामना करने
- C- ग्रहण करने
- D- समाने

प्रश्न 13- बाप कहते हैं..... ऐसे कोई साधू-संन्यासी कह न सके ?

- A- मुझे याद करो।
- B- मेरे सिकीलधे बच्चे।
- C- श्रीमत पर चलना है।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 14- इनमें से सही नहीं है ?

- A- श्रीमत पर चलेंगे तो श्रेष्ठ ते श्रेष्ठ मनुष्य अर्थात् देवता बनेंगे।
- B- देवता सिर्फ सूर्यवंशी को कहा जाता है।
- C- बाप आया है। यह ढिंठोरा पिटवाना तुम्हारा फ़र्ज है।
- D- महाभारी लड़ाई भी सामने खड़ी है।
- E- उपरोक्त सभी सही है।

प्रश्न 15- बाप का भी फ़र्ज है-

- A- तुम्हारी सेवा करे
- B- तुम्हें राजधानी में ले जाएं
- C- स्वर्ग का वर्सा दे
- D- 16 कला सम्पूर्ण बनाना

प्रश्न 16- तुम सृष्टि के आदि, मध्य, अन्त, मूलवतन, सूक्ष्मवतन, स्थूलवतन को जानकर बन गये हो।

- A- त्रिलोकीनाथ
- B- त्रिकालदर्शी
- C- त्रिनेत्री
- D- मास्टर भगवान

प्रश्न 17- मीठे बच्चे - बाप का कर्तव्य है, कांटों के जंगल को खलास कर फूलों का बगीचा बनाना, इससे ही नम्बरवन हो जाती है।

- A- दुनिया की स्थापना
- B- दैवी दुनिया की स्थापना
- C- अवस्था
- D- फैमिली प्लैनिंग

प्रश्न 18- मुक्ति जीवन-मुक्ति के सम्बन्ध में इनमें से कौनसा सही नहीं है?

- A- बाप को हर एक ब्राह्मण बच्चे को बन्धनमुक्त, जीवनमुक्त बनाना ही है।
- B- मुक्तिधाम में मुक्ति व सतयुग में जीवनमुक्ति का अनुभव कर सकेंगे।
- C- मुक्ति-जीवनमुक्ति के वर्से का अनुभव अभी संगम पर ही करना है।
- D- उपरोक्त सभी सही हैं।

प्रश्न 19- यह बहुत बड़ा इम्तहान है, जो बाप ही पढाते हैं। इसमें आदि की दरकार नहीं। बाप को याद करना है, ?

- A- शास्त्र
- B- गीता
- C- किताब
- B- दुनियावी ज्ञान

प्रश्न 20- बाप को सब बच्चे नम्बरवार याद करते हैं लेकिन बाप किन बच्चों को याद करते हैं ?

- A- जो बच्चे बहुत मीठे हैं।
- B- जिन्हें सर्विस के बिना और कुछ सूझता ही नहीं।
- C- जो अति प्रेम से बाप को याद करते, खुशी में प्रेम के आंसू बहाते।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 21- त्रिमूर्तिवंशी त्रिमूर्ति बच्चों की तीन प्रकार की लाइट्स का साक्षात्कार होता है। उन तीनों में कौन सी लाइट्स एक नहीं हैं?

- A- नयनों की ज्योति
- B- मस्तक की लाइट
- C- आत्मा की लाइट
- D- माथे पर लाइट का क्राउन

प्रश्न 22- देलवाड़ा मन्दिर में इनमें से कौन है ?

- A- शिव
- B- आदि देव
- C- हम बच्चे
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 23- अल्लाह की फीमेल कौन ?

- A- बीबी
- B- ब्रह्मा
- C- शिव
- D- मम्मा

प्रश्न 24- त्रिलोकीनाथ कौन है ?

- A- ब्राह्मण
- B- लक्ष्मी नारायण
- C- शिव बाबा
- D- A और C
- E- A,B और C

प्रश्न 25- जब तुम बाप की गोद में आते हो तो यह दुनिया ही खत्म हो जाती है, तुम्हारा अगला जन्म नई दुनिया में होता है, इसलिये कहावत है ?

- A- राम गयो रावण गयो
- B- आप मुये मर गई दुनिया
- C- सारी दुनिया कब्रदाखिल है
- D- मिरूआ मौत मलूका शिकार

प्रश्न 26- अलौकिक का अर्थ है ?

- A- सम्पूर्ण पवित्र
- B- ब्राह्मण स्वरूप
- C- इस लोक जैसे नहीं
- D- सम्पूर्ण फरिश्ता

प्रश्न 27- सारे सृष्टि का ज्ञान किसमें है ?

- A- झाड में
- B- परमपिता परमात्मा में
- C- सृष्टि चक्र में
- D- तीनों में

प्रश्न 28- निर्णय करने, परखने और..... की शक्ति को धारण करना ही होलीहंस बनना है ?

- A- उड़ने
- B- सामना करने
- C- ग्रहण करने
- D- समाने

प्रश्न 29- बाप कहते हैं..... ऐसे कोई साधू-संन्यासी कह न सके ?

- A- मुझे याद करो।
- B- मेरे सिकीलधे बच्चे।
- C- श्रीमत पर चलना है।
- D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 30- इनमें से सही नहीं है ?

- A- श्रीमत पर चलेंगे तो श्रेष्ठ ते श्रेष्ठ मनुष्य अर्थात् देवता बनेंगे।
- B- देवता सिर्फ सूर्यवंशी को कहा जाता है।

- C- बाप आया है। यह ढिंठोरा पिटवाना तुम्हारा फ़र्ज है।
D- महाभारी लड़ाई भी सामने खड़ी है।
E- उपरोक्त सभी सही है।

प्रश्न 31- बाप का भी फ़र्ज है-

- A- तुम्हारी सेवा करे
B- तुम्हें राजधानी में ले जाएं
C- स्वर्ग का वर्सा दे
D- 16 कला सम्पूर्ण बनाना

प्रश्न 32- तुम सृष्टि के आदि, मध्य, अन्त, मूलवतन, सूक्ष्मवतन, स्थूलवतन को जानकर बन गये हो।

- A- त्रिलोकीनाथ
B- त्रिकालदर्शी
C- त्रिनेत्री
D- मास्टर भगवान

भाग (86) के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *D. फैमिली प्लैनिंग*

मीठे बच्चे - बाप का कर्तव्य है, कांटों के जंगल को खलास कर फूलों का बगीचा बनाना, इससे ही नम्बरवन फैमिली प्लैनिंग हो जाती है। गीता है फैमिली प्लैनिंग का फर्स्टक्लास शास्त्र क्योंकि गीता द्वारा ही बाप ने अनेक अधर्म विनाश कर एक धर्म स्थापन किया। जो फैमिली प्लैनिंग के मिनिस्टर होते हैं, उन्हीं को समझाना चाहिए। बोलो, फैमिली प्लैनिंग की ड्युटी तो गीता के कथन अनुसार एक बाप की ही है।

उत्तर 2- *B. मुक्तिधाम में मुक्ति व सतयुग में जीवन-मुक्ति का अनुभव कर सकेंगे*

हर एक ब्राह्मण बच्चे को बाप को बन्धनमुक्त, जीवनमुक्त बनाना ही है। चाहे किसी भी विधि से, लेकिन बनाना ज़रूर है। बापदादा हर एक बच्चे को जीवनमुक्त स्थिति में सदा देखने चाहते हैं। आप सबका यह चैलेन्ज है कि बाप से मुक्ति-जीवनमुक्ति का वर्सा आकर लो। लेकिन आपको तो मुक्ति वा जीवनमुक्ति का वर्सा मिल गया है ना? *सतयुग में या मुक्तिधाम में मुक्ति व जीवनमुक्ति का अनुभव नहीं कर सकेंगे।* मुक्ति-जीवनमुक्ति के वर्से का अनुभव अभी संगम पर ही करना है।

उत्तर 3- *C. किताब*

यह ज्ञान की पढ़ाई का बहुत बड़ा इम्तहान है, जो बाप ही पढ़ाते हैं। इसमें *किताब* आदि की दरकार नहीं। कितनी तुम मेहनत करते हो, विश्वास नहीं करते कि भगवान् आकर इन्हीं को पढ़ाते हैं। जरूर कोई में तो आयेंगे ना। तुम्हारे लिए तो सहज है, नम्बरवार तो हैं ही। स्कूल में भी नम्बरवार होते हैं। पढ़ाई में भी नम्बरवार होते हैं। इस पढ़ाई से बड़ी राजाई स्थापन हो रही है। पुरुषार्थ ऐसा करना है जो हम राजा बनते हैं।

उत्तर 4- *D. उपरोक्त सभी*

सवेरे-सवेरे उठकर याद में बैठ प्यार से बाबा से मीठी-मीठी बातें करो। बाप को सब बच्चे नम्बरवार याद करते हैं लेकिन बाप उन बच्चों को याद करते हैं, जो बच्चे बहुत मीठे हैं, जिन्हें सर्विस के बिना और कुछ सूझता ही नहीं। जो अति प्रेम से बाप को याद करते, खुशी में प्रेम के आँसू बहाते। ऐसे बच्चों को बाप भी याद करते हैं। बाप की नज़र फूलों तरफ जाती है, कहेंगे फलानी आत्मा बड़ी अच्छी है, यह आत्मा जहाँ सर्विस देखती, भागती रहती है, अनेकों का कल्याण करती है। तो बाप उसे याद करते हैं।

उत्तर 5- *C. आत्मा की लाइट*

त्रिमूर्ति बाप के बच्चे स्वयं भी त्रिमूर्ति हैं। तीन प्रकार की लाइट्स साक्षात्कार की आती है? बच्चों की तीन प्रकार की लाइट्स का साक्षात्कार होता है। एक तो लाइट का साक्षात्कार होता है नयनों से। कहते हैं ना कि नयनों की ज्योति। नयन ऐसे दिखाई पड़ेंगे जैसे नयनों में दो बड़े बल्ब जल रहे हैं। दूसरी होती है मस्तक की लाइट। तीसरी होती है माथे पर लाइट का क्राउन। अभी यह कोशिश करना है जो तीनों ही लाइट्स का साक्षात्कार हो। कोई भी सामने आये तो उनको यह नयन बल्ब दिखाई पड़े। ज्योति ही ज्योति दिखाई दें। जैसे अंधियारे में सच्चे हीरे चमकते हैं ना। इस रीति से मस्तक के लाइट्स का साक्षात्कार होगा। और माथे पर जो लाइट का क्राउन है वह तो समझते हो। ऐसे त्रिमूर्ति लाइट्स का साक्षात्कार एक-एक से होना है।

उत्तर 6- *D. उपरोक्त सभी*

यह कोई जानते नहीं कि देलवाड़ा मन्दिर हूबहू इन्हीं का यादगार है। ऐसा मन्दिर कहीं नहीं है, जगदम्बा है, *शिवबाबा* भी है। शक्तियों का चबूतरा भी बना हुआ है। यह जो जैनी लोग हैं उनका यह देलवाड़ा मंदिर है। यह जो चैतन्य होकर गये हैं उनका ही जड़ यादगार है। *आदि देव* आदि देवी भी बैठे हैं। ऊपर में स्वर्ग है। अब अगर जो उन्हीं के भगत हैं उन्हीं को ज्ञान मिले तो अच्छी तरह समझ सकते हैं कि बरोबर नीचे राजयोग की शिक्षा ले रहे हैं। ऊपर में भी प्रवृत्ति मार्ग, नीचे भी प्रवृत्तिमार्ग। कुवारी कन्या, अधर कन्या

का चित्र भी है। अधरकुमार और कुमार भी हैं। तो *मंदिर में आदि देव ब्रह्मा भी बैठा है और बच्चे भी बैठे हैं।*

उत्तर 7- *B.ब्रह्मा*

अल्लाह ने सृष्टि रची तो रचना के लिये उन्हें फीमेल चाहिये, गॉड फादर कहते हो तो जरूर मदर भी चाहिये ना। तुम बच्चे इस गुहा राज को अच्छी तरह से जानते हो। अल्लाह की फीमेल है यह ब्रह्मा। यह है तुम्हारी बड़ी माँ। इस बात को मनुष्य समझ नहीं सकते।

उत्तर 8- *D. A और C*

आधाकल्प रामराज्य, आधाकल्प रावण राज्य, जास्ती हो नहीं सकता। तुम बच्चों की बुद्धि में अब सारी त्रिलोकी आ गई है। तुम त्रिलोकी के मालिक द्वारा नॉलेज ले रहे हो। इस समय तुम *त्रिलोकी के नाथ हो क्योंकि तुम तीनों लोकों के ज्ञान को जानते हो। बाबा त्रिलोकी का नाथ, तीनों लोकों को जानने वाला है। तुमको नॉलेज देते हैं तो हम भी मास्टर त्रिलोकीनाथ ठहरे।* जो ज्ञान बाबा में है वह अब तुम्हारे में भी है, नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार। फिर सतयुग में तुम विश्व के मालिक बनेंगे। लक्ष्मी-नारायण को त्रिलोकी का ज्ञान नहीं रहता है। उन्हें सृष्टि चक्र का ज्ञान नहीं रहता है।

उत्तर 9- *B.आप मुझे मर गई दुनिया*

दुनिया नहीं मरती है, दुनिया नहीं विनाश होती है। उसी दुनिया में उनको जन्म लेना पड़ता है। अभी इस समय में तुम जब बाप की गोद में आते हो, जीते जी मरते हो, बल्कि जब मरेंगे भी तो यह दुनिया भी मर जाएगी। आप मुझे पीछे मर गई यह दुनिया। अब जब जीते जी मरते हो तो फिर जानते हो, यह सारी दुनिया खत्म होनी है। हम आते हैं बाप की गोद में, फिर हम आएँगे नई दुनिया में देवताओं के गोद में- यह तुम जानते हो। और कोई मनुष्य नहीं जानते हैं।

उत्तर 10- *C.इस लोक जैसे नहीं*

सबसे न्यारा एक ही है, और कोई हो नहीं सकता। तो आप भी कौन हैं? न्यारे और प्यारे। आपका यह न्यारा जीवन सारे विश्व को प्रिय लगता है। इसलिए ब्राह्मण जीवन को अलौकिक जीवन कहते हैं। *अलौकिक का अर्थ क्या है? लोक जैसे नहीं।* अलौकिक अर्थात् लोक जैसा जीवन नहीं है।

उत्तर 11- *B.परमपिता परमात्मा में*

ज्ञान है ही ज्ञान सागर के पास। ज्ञान का सागर नॉलेजफुल - यह उस बाप की ही महिमा है। ज्ञान का सागर परमपिता परमात्मा को ही कहा जाता है, कृष्ण को नहीं कहेंगे। वह तो सतयुग का प्रिन्स है। उनमें यह आदि -मध्य-अन्त का ज्ञान नहीं है। सतयुगी देवताओं में भी यह ज्ञान नहीं है। परमपिता परमात्मा के सिवाए कोई राजयोग सिखला न सके। ईश्वर ही सृष्टि को रचते हैं इसलिए उनको रचना का ज्ञान है। वह जन्म- मरण में नहीं आते, इसलिए वह सृष्टि चक्र 5000 वर्ष के ड्रामा का ज्ञान शिव बाबा ही जानते हैं। गाते भी हैं परमपिता परमात्मा सृष्टि का बीजरूप है।

उत्तर 12- *C.ग्रहण करने*

निर्णय करने, परखने और *ग्रहण करने* की शक्ति को धारण करना ही होलीहंस बनना है। होलीहंस अर्थात् कंकर और रत्न को अच्छी तरह परखने वाले और फिर धारण करने वाले। पहले हर आत्मा के भाव को परखने वाले और फिर धारण करने वाले। कभी भी बुद्धि में किसी भी आत्मा के प्रति अशुभ वा साधारण भाव धारण करने वाले न हो। सदा शुभ भाव और शुभ भावना धारण करना।

उत्तर 13- *B.मेरे सिकीलथे बच्चे*

बाप कहते हैं - *मेरे सिकीलथे बच्चे।** ऐसे कोई साधू-संन्यासी कह न सके। तुम जानते हो बरोबर हम शिवबाबा के सिकीलथे बच्चे हैं, 5 हजार वर्ष के बाद फिर आकर मिले हैं स्वर्ग का वर्सा लेने लिये। जानते हो हम ही स्वर्ग के मालिक थे फिर हम ही बनते हैं। स्वर्ग में जाना जरूर है। फिर पुरुषार्थ अनुसार ऊँच पद पाना है।

उत्तर 14- *E-उपरोक्त सभी सही है*

श्रीमत पर चलेंगे तो श्रेष्ठ ते श्रेष्ठ मनुष्य अर्थात् देवता बनेंगे। देवता सिर्फ सूर्यवंशी को कहा जाता है। बाप आया है। यह ढिंठोरा पिटवाना तुम्हारा फ़र्ज है। महाभारी लड़ाई भी सामने खड़ी है। सभी ऑप्शन बिलकुल सही हैं।

उत्तर 15- *A.तुम्हारी सेवा करे*

बाप को तो सगे बच्चों को मदद करनी ही है। तुम भी तन-मन-धन से सेवा करते हो। *बाप का भी फ़र्ज है तुम्हारी सेवा करे।* बाप कहते हैं - यह सब कुछ तुम बच्चों का है। भक्ति मार्ग में तुम भगवान् को देते आये हो। परन्तु ईश्वर कोई भूखा थोड़े ही है। यह तुम इनशयोर करते हो। ईश्वर को देने से ईश्वर फिर दूसरे जन्म में तुमको देंगे। यह इनशयोर करना हुआ ना। दूसरे जन्म में इसका फल मिलता है। ईश्वर है दाता। अभी तुम अपने को इनशयोर करते हो - 21 जन्म लिए। वह इनशयोर करते हैं एक जन्म के लिए।

उत्तर 16- *D.मास्टर भगवान्*

तुम अभी जानते हो यह सारा संसार अभी स्वप्नवत् है अर्थात् सतयुग से लेकर कलियुग अन्त तक सब कुछ बीत चुका है तुम्हें अभी सेकेण्ड में इस स्वप्नवत् संसार की स्मृति आ गई। *तुम सृष्टि के आदि, मध्य, अन्त, मूलवतन, सूक्ष्मवतन, स्थूलवतन को जानकर मास्टर भगवान् बन गये हो।

उत्तर 17- *D.फैमिली प्लैनिंग*

मीठे बच्चे - बाप का कर्तव्य है, कांटों के जंगल को खलास कर फूलों का बगीचा बनाना, इससे ही नम्बरवन फैमली प्लैनिंग हो जाती है। गीता है फैमली प्लैनिंग का फर्स्टक्लास शास्त्र क्योंकि गीता द्वारा ही बाप ने अनेक अधर्म विनाश कर एक धर्म स्थापन किया। जो फैमली प्लैनिंग के मिनिस्टर होते हैं, उन्हीं को समझाना चाहिए। बोलो, फैमली प्लैनिंग की ड्युटी तो गीता के कथन अनुसार एक बाप की ही है।

उत्तर 18- *B.मुक्तिधाम में मुक्ति व सतयुग में जीवन-मुक्ति का अनुभव कर सकेंगे*

हर एक ब्राह्मण बच्चे को बाप को बन्धनमुक्त, जीवनमुक्त बनाना ही है। चाहे किसी भी विधि से, लेकिन बनाना जरूर है। बापदादा हर एक बच्चे को जीवनमुक्त स्थिति में सदा देखने चाहते हैं। आप सबका यह चैलेन्ज है कि बाप से मुक्ति-जीवनमुक्ति का वर्सा आकर लो। लेकिन आपको तो मुक्ति वा जीवनमुक्ति का वर्सा मिल गया है ना? *सतयुग में या मुक्तिधाम में मुक्ति व जीवनमुक्ति का अनुभव नहीं कर सकेंगे।* मुक्ति-जीवनमुक्ति के वर्से का अनुभव अभी संगम पर ही करना है।

उत्तर 19- *C.किताब*

यह ज्ञान की पढ़ाई का बहुत बड़ा इम्तहान है, जो बाप ही पढ़ाते हैं। इसमें *किताब* आदि की दरकार नहीं। कितनी तुम मेहनत करते हो, विश्वास नहीं करते कि भगवान् आकर इन्हें को पढ़ाते हैं। जरूर कोई में तो आयेंगे ना। तुम्हारे लिए तो सहज है, नम्बरवार तो हैं ही। स्कूल में भी नम्बरवार होते हैं। पढ़ाई में भी नम्बरवार होते हैं। इस पढ़ाई से बड़ी राजाई स्थापन हो रही है। पुरुषार्थ ऐसा करना है जो हम राजा बनते हैं।

उत्तर 20- *D.उपरोक्त सभी*

सवेरे-सवेरे उठकर याद में बैठ प्यार से बाबा से मीठी-मीठी बातें करो। बाप को सब बच्चे नम्बरवार याद करते हैं लेकिन बाप उन बच्चों को याद करते हैं, जो बच्चे बहुत मीठे हैं, जिन्हें सर्विस के बिना और कुछ सूझता ही नहीं। जो अति प्रेम से बाप को याद करते, खुशी में प्रेम के आंसू बहाते। ऐसे बच्चों को बाप भी याद करते हैं। बाप की नज़र फूलों तरफ जाती है, कहेंगे फलानी आत्मा बड़ी अच्छी है, यह आत्मा जहाँ सर्विस देखती, भागती रहती है, अनेकों का कल्याण करती है। तो बाप उसे याद करते हैं।

उत्तर 21- *C.आत्मा की लाइट*

त्रिमूर्ति बाप के बच्चे स्वयं भी त्रिमूर्ति हैं। तीन प्रकार की लाइट्स साक्षात्कार की आती है? बच्चों की तीन प्रकार की लाइट्स का साक्षात्कार होता है। एक तो लाइट का साक्षात्कार होता है नयनों से। कहते हैं ना कि नयनों की ज्योति। नयन ऐसे दिखाई पड़ेंगे जैसे नयनों में दो बड़े बल्ब जल रहे हैं। दूसरी होती है मस्तक की लाइट। तीसरी होती है माथे पर लाइट का क्राउन। अभी यह कोशिश करना है जो तीनों ही लाइट्स का साक्षात्कार हो। कोई भी सामने आये तो उनको यह नयन बल्ब दिखाई पड़े। ज्योति ही ज्योति दिखाई दें। जैसे अधियारे में सच्चे हीरे चमकते हैं ना। इस रीति से मस्तक के लाइट्स का साक्षात्कार होगा। और माथे पर जो लाइट का क्राउन है वह तो समझते हो। ऐसे त्रिमूर्ति लाइट्स का साक्षात्कार एक-एक से होना है।

उत्तर 22- *E.उपरोक्त सभी सही है*

श्रीमत पर चलेंगे तो श्रेष्ठ ते श्रेष्ठ मनुष्य अर्थात् देवता बनेंगे। देवता सिर्फ सूर्यवंशी को कहा जाता है। बाप आया है। यह ढिंठोरा पिटवाना तुम्हारा फर्ज है। महाभारी लड़ाई भी सामने खड़ी है। सभी ऑप्शन बिलकुल सही हैं।

उत्तर 23- *B.ब्रह्मा*

अल्लाह ने सृष्टि रची तो रचना के लिये उन्हें फीमेल चाहिये, गॉड फादर कहते हो तो जरूर मदर भी चाहिये ना। तुम बच्चे इस गुह्य राज को अच्छी तरह से जानते हो। अल्लाह की फीमेल है यह ब्रह्मा। यह है तुम्हारी बड़ी माँ। इस बात को मनुष्य समझ नहीं सकते।

उत्तर 24- *D .A और C*

आधाकल्प रामराज्य, आधाकल्प रावण राज्य, जास्ती हो नहीं सकता। तुम बच्चों की बुद्धि में अब सारी त्रिलोकी आ गई है। तुम त्रिलोकी के मालिक द्वारा नॉलेज ले रहे हो। इस समय तुम *त्रिलोकी के नाथ हो क्योंकि तुम तीनों लोकों के ज्ञान को जानते हो। बाबा त्रिलोकी का नाथ, तीनों लोकों को जानने वाला है। तुमको नॉलेज देते हैं तो हम भी मास्टर त्रिलोकीनाथ ठहरे।* जो ज्ञान बाबा में है वह अब तुम्हारे में भी है, नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार। फिर सतयुग में तुम विश्व के मालिक बनेंगे। लक्ष्मी-नारायण को त्रिलोकी का ज्ञान नहीं रहता है। उन्हें सृष्टि चक्र का ज्ञान नहीं रहता है।

उत्तर 25- *B.आप मुये मर गई दुनिया*

दुनिया नहीं मरती है, दुनिया नहीं विनाश होती है। उसी दुनिया में उनको जन्म लेना पड़ता है। अभी इस समय में तुम जब बाप की गोद में आते हो, जीते जी मरते हो, बल्कि जब मरेंगे भी तो यह दुनिया भी मर जाएगी। आप मुए पीछे मर गई यह दुनिया। अब जब जीते जी मरते हो तो फिर जानते हो, यह सारी दुनिया खत्म होनी है। हम आते हैं बाप की गोद में, फिर हम आएँगे नई दुनिया में देवताओं के गोद में- यह तुम जानते हो। और कोई मनुष्य नहीं जानते हैं।

उत्तर 26- *C.इस लोक जैसे नहीं*

सबसे न्यारा एक ही है, और कोई हो नहीं सकता। तो आप भी कौन हैं? न्यारे और प्यारे। आपका यह न्यारा जीवन सारे विश्व को प्रिय लगता है। इसलिए ब्राह्मण जीवन को अलौकिक जीवन कहते हैं। *अलौकिक का अर्थ क्या है? लोक जैसे नहीं।* अलौकिक अर्थात् लोक जैसा जीवन नहीं है।

उत्तर 27- *B.परमपिता परमात्मा में*

ज्ञान है ही ज्ञान सागर के पास। ज्ञान का सागर नॉलेजफुल - यह उस बाप की ही महिमा है। ज्ञान का सागर परमपिता परमात्मा को ही कहा जाता है, कृष्ण को नहीं कहेंगे। वह तो सतयुग का प्रिन्स है। उनमें यह आदि -मध्य-अन्त का ज्ञान नहीं है। सतयुगी देवताओं में भी यह ज्ञान नहीं है। परमपिता परमात्मा के सिवाए कोई राजयोग सिखला न सके। ईश्वर ही सृष्टि को रचते हैं इसलिए उनको रचना का ज्ञान है। वह जन्म- मरण में नहीं आते, इसलिए वह सृष्टि चक्र 5000 वर्ष के ड्रामा का ज्ञान शिव बाबा ही जानते हैं। गाते भी हैं परमपिता परमात्मा सृष्टि का बीजरूप है।

उत्तर 28- *C. ग्रहण करने*

निर्णय करने, परखने और *ग्रहण करने* की शक्ति को धारण करना ही होलीहंस बनना है। होलीहंस अर्थात् कंकर और रत्न को अच्छी तरह परखने वाले और फिर धारण करने वाले। पहले हर आत्मा के भाव को परखने वाले और फिर धारण करने वाले। कभी भी बुद्धि में किसी भी आत्मा के प्रति अशुभ वा साधारण भाव धारण करने वाले न हो। सदा शुभ भाव और शुभ भावना धारण करना।

उत्तर 29- *B.मेरे सिकीलधे बच्चे*

बाप कहते हैं - *"मेरे सिकीलधे बच्चे।" ऐसे कोई साधू-संन्यासी कह न सके। तुम जानते हो बरोबर हम शिवबाबा के सिकीलधे बच्चे हैं, 5 हजार वर्ष के बाद फिर आकर मिले हैं स्वर्ग का वर्सा लेने लिये। जानते हो हम ही स्वर्ग के मालिक थे फिर हम ही बनते हैं। स्वर्ग में जाना जरूर है। फिर पुरुषार्थ अनुसार ऊंच पद पाना है।

उत्तर 30- *E.उपरोक्त सभी सही हैं*

श्रीमत् पर चलेंगे तो श्रेष्ठ ते श्रेष्ठ मनुष्य अर्थात् देवता बनेंगे। देवता सिर्फ सूर्यवंशी को कहा जाता है। बाप आया है। यह ढिंठोरा पिटवाना तुम्हारा फ़र्ज है। महाभारी लड़ाई भी सामने खड़ी है। सभी ऑप्शन बिलकुल सही हैं।

उत्तर 31- *A.तुम्हारी सेवा करे*

बाप को तो सगे बच्चों को मदद करनी ही है। तुम भी तन-मन-धन से सेवा करते हो। *बाप का भी फ़र्ज है तुम्हारी सेवा करे।* बाप कहते हैं - यह सब कुछ तुम बच्चों का है। भक्ति मार्ग में तुम भगवान् को देते आये हो। परन्तु ईश्वर कोई भूखा थोड़े ही है। यह तुम इनशयोर करते हो। ईश्वर को देने से ईश्वर फिर दूसरे जन्म में तुमको देंगे। यह इनशयोर करना हुआ ना। दूसरे जन्म में इसका फल मिलता है। ईश्वर है दाता। अभी तुम अपने को इनशयोर करते हो - 21 जन्म लिए। वह इनशयोर करते हैं एक जन्म के लिए।

उत्तर 32- *D.मास्टर भगवान्*

तुम अभी जानते हो यह सारा संसार अभी स्वप्नवत् है अर्थात् सतयुग से लेकर कलियुग अन्त तक सब कुछ बीत चुका है तुम्हें अभी सेकेण्ड में इस स्वप्नवत् संसार की स्मृति आ गई। *तुम सृष्टि के आदि, मध्य, अन्त, मूलवतन, सूक्ष्मवतन, स्थूलवतन को जानकर मास्टर भगवान् बन गये हो।